

The Ramakrishna Mission  
Institute of Culture Library

Presented by

Shri  
Rajendra Kumar  
Dehakravanti RMICL-8

5

4 2 7 5 1















K O S H A

DICTIONARY

SANSKRIT LANGUAGE

BY

UMURA SINGHA.

With an English Interpretation and  
Annotations.

BY

H. T. COLEBROOKE, ESQ.,

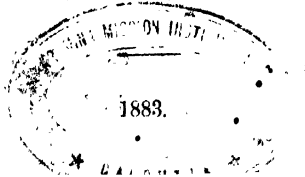
---

THIRD EDITION.

---

Calcutta:

PUBLISHED BY HARI DAS RAKSHIT,  
14, ISSUR MILLS LANE.



|                 |         |
|-----------------|---------|
| RMIC LIBRARY    |         |
| Acc. No. 42,751 |         |
| Class No.       |         |
| Date            | 29.9.61 |
| St. Card        | M.C.    |
| Class.          | G.G.    |
| Ch.             | ✓       |
| Slk Card        | AE      |
| Indexed         | Am      |

## अमरकोषः ।

यस्य ज्ञानदयासिन्धोरगाधस्यानघा गुणाः ।  
 सेव्यंतामृक्षयो धीराः स श्रिये चामृताय च ॥  
 समाहृत्यान्यतन्त्राणि संचिन्तैः प्रतिसंस्कृतैः ।  
 सम्पूर्णमुच्यते वर्गेर्नामलिङ्गानुशासनं ॥  
 प्रायशो रूपभेदेन साहचर्याच्च कुत्रचित् ।  
 स्त्रीपुंनपुंसकं ज्ञेयं तद्विशेषविधेः क्वचित् ॥  
 भेदाख्यानाय न हन्द्वा नैकशेषो न सङ्करः ।  
 कृतोऽत्र भिन्नलिङ्गानामनुक्तानां क्रमाद्गते ॥  
 त्रिलिङ्गां त्रिविधिति पदं मिथुने च हयोरिति ।  
 निषिद्धलिङ्गं शेषार्थं त्वन्तायादि न पूर्वभाक् ॥

## BOOK I.

### CHAP. I. SECT. I.

- |    |            |            |           |                 |            |             |                           |
|----|------------|------------|-----------|-----------------|------------|-------------|---------------------------|
|    | <i>i</i>   | <i>o</i>   | <i>m</i>  | <i>m</i>        | <i>m</i>   | <i>f m</i>  |                           |
| 1. | स्वर्      | (अव्यय)    | स्वर्ग    | नाक             | त्रिदिष    | त्रिदशालयाः | Heaven.                   |
|    | <i>2m</i>  | <i>f</i>   | <i>f</i>  | <i>a</i>        | <i>n b</i> |             |                           |
|    | सुरलोको    | द्यौ       | दिवौ      | (द्वे स्त्रियौ) | (स्त्रीषु) | त्रिविष्टपं |                           |
|    | <i>m</i>   | <i>m</i>   | <i>m</i>  | <i>m</i>        | <i>m</i>   | <i>m</i>    |                           |
| 2. | अमरा       | निर्जरा    | देवास्    | त्रिदश          | विबुधाः    | सुराः       | Gods or deities. <i>c</i> |
|    | <i>3 m</i> | <i>4 m</i> | <i>m</i>  | <i>5 m d</i>    |            |             |                           |
|    | सुपर्वाणः  | सुमनसस्    | त्रिदिवेश | दिवीकसः         |            |             |                           |

1—व. 2—क. 3—वृन्. 4—मस्. 5—कस्.

*a*, द्यौ and दिव् both fem. also neut. दिवं. *b* Or त्रिविष्टपं, and त्रिविष्टपं. *c* A god, sing. अमरः, pl. अमराः. *d* दिवोक्ताः or दिवोक्ताः ( वृ ).

3. आदिदेवा दिविषदे लेखा अदितिगन्धनाः  
 आदित्या ऋभवेऽस्त्रा अमर्त्या अचतान्वसः  
 4. बर्हिर्मुखाः क्रतुभुजा गीर्वाणा दानवारयः  
 वृन्दारका देवतानि (पुंसि वा) देवता (स्त्रियाम्)  
 Sets of divi- 5. आदित्या विश्व वसवस् तृषिताभास्वरानिनाः  
 nities, e मङ्गराजिक साध्याश् (च) रुद्राश् (च गणा देवताः  
 Demi gods, 6. विद्याधरोऽसरो यक्ष रक्षो गन्धर्व किन्नराः  
 & nyphs, h पिशाचो रुद्राकः सिद्धो भूतो (ऽमी देवोनयः)  
 Giants or 7. असुरा दैत्य दैतेय दमुजेन्द्रारि दानवाः  
 Titans, k शुक्रशिष्या दितिसुताः पूर्वदेवाः सुरद्विषः  
 A Jina or 8. सर्वज्ञः सुगते बुद्धो धर्मराजस् तथागतः  
 Bbuddha.

1—बृह. 2—ऋभु. 3—भस्. 4—सज. 5—रि. 6—त. 7—वस.  
 8—खा. 9—ख. 10—असुरस्. 11—खत्. 12—र. 13—द्विष.  
 14—राज.

a दिविषत् or द्युषत् and द्युषत् (दु). b ऋभुः or ऋभुः. c बर्हि-  
 र्मुखाः or बर्हिर्मुखाः. d Masc. or neut. e Each consists of a speci-  
 fied number (see their names in other dictionaries.) *Adityas* 12. *Visvê-  
 dévas* 10. *Vasus* 8. *Tushitas* 36. *Ābhāsvāras* 64. *Anitas* 49. *Ma-  
 hārdjicas* 220. *Sād'hyas* 12. *Rudras* 11. f Pl. विश्वे i.e. विश्वदेवाः.  
 g Also मङ्गराजकः. h Of various classes and denominations, as *Vi-  
 dyād'haras*, &c. i Likewise जक्षः, fem. बक्षो and बक्षोषो. j Also  
 पैशाचः k A démon, sing. असुरः, pl. असुराः. Likewise आसुरः.  
 l Also बुधः.

<sup>m</sup> समन्तभद्रो <sup>1 m</sup> भगवान् <sup>m</sup> मारुजित् <sup>m</sup> लोकाजित् <sup>m</sup> जिनः

<sup>m</sup> षडभिन्नो <sup>m</sup> दशबलो <sup>2 m</sup> ऽह्यवही <sup>m</sup> विनायकः

<sup>m</sup> सुनीन्द्रः <sup>m</sup> श्रीधनः <sup>3 m a</sup> शाखा <sup>m</sup> सुनिः

<sup>4 m</sup> शाक्यसुनिस् (तु यः)

0. (स) <sup>m c</sup> शाक्यसिंहः <sup>m d</sup> सर्वार्थसिद्धः <sup>5 m</sup> शौहोदनिश् (च सः) BUDDHĀ.

<sup>6 m</sup> गौतमश् (चा) <sup>7 m</sup> ऽर्कबन्धुश् (च) <sup>8 m</sup> मायादेवोत्तमश् (च सः)

1. <sup>9 m f</sup> ब्रह्मात्मधः <sup>10 m</sup> सुरज्येष्ठः <sup>m</sup> परमेष्ठी <sup>11 m</sup> पितामहः BRAHMĀ.

<sup>12 m</sup> हिरण्यगर्भो <sup>m</sup> लोकेशः <sup>13 m</sup> स्वयम्भुश् <sup>14 m</sup> चतुराननः

2. <sup>15 m g</sup> धाताज्योनि <sup>m h</sup> द्रुहिणो <sup>m</sup> विरिञ्चिः <sup>16 m</sup> कर्मलासनः

<sup>17 m</sup> स्रष्टा <sup>18 m</sup> प्रजापतिर्वेधा <sup>m</sup> विधाता <sup>19 m</sup> विश्वरूढश् <sup>20 m</sup> विधिः

13. <sup>21 m j</sup> विष्णुर्नारायणः <sup>m</sup> लक्ष्णो <sup>m</sup> वैकुण्ठो <sup>m</sup> विष्टरत्रवाः VISHNŪ.

<sup>m</sup> दामोदरो <sup>m</sup> ऋषीकेशः <sup>m</sup> केशवो <sup>m</sup> माधवः <sup>m</sup> स्वधुः

- 1—वत्. 2—दिन्. 3—शास्त्र. 4—सुनि. 5—दनि. 6—त  
7—बन्धुः. 8—सुन. 9—स्रष्टा. 10—सा. 11—सुन्. 12—  
13—धात. 14—स्र. 15—द्रु. 16—स्रष्ट. 17—वेधस्. 18—ह. 19—स्र  
20—ना. 21—वत्.

a Likewise शासिता ( ऋ ). b The founder of the religion nam from him. c Also शाक्यः. d Likewise सर्वार्थः, and सिद्धार्थः. e Pi vidence, or the Creator. f Also ब्रह्मा. g Likewise ब्रह्मणः, and ब्रह्मणः. h विरिञ्चिः, विरिञ्चिः, विरिञ्चः and विरिञ्चनः. i The pervader and provider; identified by Hindu mythology with the hero *Crishná* s of *Vasudéva*. j Likewise नारायणः.



14. दैत्यारिः पुण्डरीकाक्षो गोविन्दो गरुडध्वजः  
पीताम्बरोऽच्युतः शार्ङ्गी विष्वक्सेनो जनार्दनः

15. उपेन्द्र इन्द्रावरजश् चक्रपाणिश् चतुर्भुजः  
पद्मनाभो मधुरिपूर्वासुदेवस् त्रिविक्रमः

16. देवकीनन्दनः शौरिः श्रीपतिः पुंरुघोत्तमः  
वनमाली वलिध्वंसी कंसारातिरधोक्षजः

17. विश्वभ्ररः कैटभजिद् विधुः श्रीवत्सलांकनः

VASUDEVA. h वसुदेवो (ऽस्य जनकः स एष) आनकदुन्दुभिः

BALARAMA. j 18. बलभद्रः प्रलम्बो बलदेवो ऽच्युताग्रजः  
रेवतीरमणो रामः कामपालो हलायुधः

19. नीलाम्बरो रोहिण्येयस् तालांको सुपत्नी हली  
संकर्षणः सीरपाणिः कालिन्दीभेदने बलः

1—शार्ङ्गिन्. 2—रज. 3—णि. 4—वा. 5—लिन्. 6—सिन्.  
7—अधोक्षज. 8—जिच्. 9—य. 10—लिन्. 11—हृदिन्.

a Also विश्वक्सेनः b Likewise पद्मनाभिः. c Also वासुदेवः वासुः.  
d Likewise देवकीनन्दनः. e Or शौरिः. f Also वलिध्वंसी. g Likewise  
श्रीवत्सः. h Father of *Crishna*, and son of *Antacadundubha*. i Also  
आनकदुन्दुभिः. And दुन्दुः. j Brother of *Crishna*. k Likewise मद्रवत्सः.  
And भद्रवत्सः. l Also सुपत्नी or सुपत्नी. m Likewise बलः.

20. म॒दने॑ म॒न्म॑यो मारः प्रद्यु॒म्नो मी॑नकेतनः CĀMADĒVA. a

कन्द॑र्पो द॒र्पको॑ ऽनङ्गः कामः पञ्चशरः स्ररः

21. श॒श्वरारि॑र्म॒नसि॑जः कु॒सुमे॑षु र॒नन्य॑जः

पु॒ष्यध॑न्वा रतिपतिर्म॒ करध्व॑जं च्छा॒त्मम्.

22. ब्रह्म॑स॒र्वि श्व॑केतुः (स्थू॒द) ऽनि॑रु॒द्ध उ॒षाप॑तिः ANIRUD-  
DHA. c.

लक्ष्मीः पद्मालया पद्मा कमला श्री ह्रीरिप्रिया

23. इन्द्रा॑ लो॒कमा॑ता मा क्षी॒राब्धित॑नया रमा

(शंखो लक्ष्मीपतेः) पाञ्चजन्यश्च

(चक्रं) सुदर्शनः

*Crīshṇā's*  
conch.

His discus  
& missile  
weapon.

24. कौ॒मद॑की (गदा)

(खड्गे) नन्दकः

कौ॒स्तुभे॑ (मणिः)

His mace.

His sword.

His jewel.

ग॒रुड॑ान् ग॒रुड॑स् ता॒र्क्ष्यो॑ वै॒नते॑यः ख॒गेश्व॑रः

The vehicle  
of *Vishṇu*, k

25. ना॒गान्त॑को विष्णु॒रथः॑ सु॒पर्णाः प॑ञ्चगाशनः

1—म 2—खगन्यज. 3—खन्. 4—वि 5—पाह. 6—खन्. 7—ड.

a Love or Cupid; son of *Crīshṇā*. b Also शश्वरारिः, and सश्वरारिः, or शश्वरारिः. c Likewise मनोजः. d Also पुष्यधनुः (सु). c Son of *Pradyumna* and husband of *Ushā*. f This and the following term are titles both of *Cāmadēva* and *Aniruddha*. g Likewise ऋष्यकेतुः or ऋष्यकेतुः, and रिष्यकेतुः, or रिष्यकेतुः—रिष्यकेतनः. h Also उषापतिः. i The wife of *Vishṇu*, and goddess of prosperity. j Likewise कीबादी, and कौपोदकी. k Variousy described as a gigantic crane, a vulture, or an eagle.

- va. a शंभुरीशः पशुपतिः शिवः शक्ती महेश्वरः  
 26. ईश्वरः सर्व ईशानः शङ्करश्च चन्द्रशेखरः  
 भूतेयः खण्डपरशुर्गिरिशो निरिशो ऋडः  
 27. षट्पञ्चयः क्षत्तिवासाः पिनाकी प्रसन्नाधिपः  
 उग्रः कपर्दी श्रीकण्ठः श्रितिकण्ठः कपालभृत्  
 28. वामदेवो महादेवो विरूपाक्षस् त्रिखोचनः  
 क्षयानुरेताः सर्वज्ञो धूर्जटि नीललोहितः  
 29. हरः खरचरो भर्गस् त्र्यम्बकस् त्रिपुरान्तकः  
 मङ्गाधरो ऽन्धकरिपुः क्रतुध्वंसी वृषध्वजः  
 30. व्योमकेशो भवो भीमः स्याणू वद्र, उमापतिः  
 कपर्दी (ऽस्य जठाजूठः)

s braided  
ir. h

is bow.

is attend-  
ants.

ie divine  
others. l

31. प्रमथाः (स्युः पारिषदा)

ब्राह्मी (त्याद्यास्तु मातरः)

1—सिन्. 2—हर. 3—षस् 4—विन्. 5—दिन्. 6—ऊ. 7—तप्.  
—भर्ग. 9—न्वक. 10—सिन्. 11—स्याणू.

a The destroyer and reproducer. b Also शम्भूः. c Likewise सर्व.  
Also षट्पञ्चयः. e Likewise क्षत्तिवासाः (ह) f Also. श्रीरः. g Likewise  
र्षीः. h. Rolled on his head. i Also षडध्वजं, षडध्वजं, षडध्वजं,  
जघानं, and षडध्वजं. j Sing प्रमथाः. k This, which is likewise  
name of SIVA's attendants, is variously written. Sing. पारिषद्;  
विद्, or पारिषद्. l. Or energies of the gods, viz. Brāhmi, Mahésuvarī,  
indri, Vārāhī, Vaiśnavī, Caumārī, Cauvērī or Chāmunda, and  
harchica. m Also मङ्गाधरो.

|     |   |                     |
|-----|---|---------------------|
|     | • f f b n                                   |                     |
|     | विभ्रति भूतिरै श्वर्यम् (अष्टिमादिकमष्टधा)  | Superhuman power. a |
|     | f f f d f e f l f f                         |                     |
| 32. | उमा कात्यायनी गौरी काली हैमवती श्वरी        | BHĀWANĪ. c          |
|     | f g f f f f f                               |                     |
|     | श्रिवा भवानी ब्रह्माणी सर्वाणी सर्वमङ्गला   |                     |
|     | f f f f f f h 2 f i                         |                     |
| 33. | अपत्या पार्वती दुर्गा शङ्कानी शशिङ्काम्बिका |                     |
|     | 3 m m m m                                   |                     |
|     | विनायके विघ्नराज हैमातुर गणाधिपः            | GANĒSA. j           |
|     | 4 m m m m                                   |                     |
| 34. | (अथै)कदम्ब हेरम्ब लम्बोदर गजाननाः           |                     |
|     | m m 5 m l m                                 |                     |
|     | कार्तिकेये मङ्गसेनः शरजम्बा घडाननः          | CĀRTĪGEYA k         |
|     | m m m m m                                   |                     |
| 35. | पार्वतीमन्त्रः स्कन्दः सेनानीरग्निभू र्गुहः |                     |
|     | 6 m m m m                                   |                     |
|     | वाङ्मलेयस् तारकजित् विद्याधः शिखिवाहनः      |                     |
|     | m m u m n                                   |                     |
| 36. | वाष्पमातुरः शक्रिधरः कुमारः क्रोचदारणः      |                     |
|     | m 7 m 8 m p 9 m q m                         |                     |
|     | इन्द्रे मरुत्वान् मघवा विडोजाः पाकघासनः     | INDRA. c            |

1—ई. 2—अ. 3—क. 4—ए. 5—न्मन्. 6—लेव. 7—त्वत्.  
8—वन्. 6—जस्.

a Consisting in preternatural faculties of eight sorts (see the enumeration in other dictionaries), such as the power of assuming an imperceptible form &c. b This and the preceding term (विभ्रतिः) are by some considered to be here intended for names of ashes rubbed on the person of SIVA. c The wife of Siva and goddess of destruction. d Likewise गौरा. e Also कात्या. f Likewise हैमवती. g Also श्रिवा. h Likewise शशिङ्कः, शशिङ्की or शशिङ्गी. i Also कम्बा. j. The obviator of difficulties. k The god of war. l Likewise शरजम्बा. m Also वाङ्मलेयः. n Likewise क्रोचदारणः. o Regent of the sky. p Also मघवान् (वत्) some add. मघवन्. q Likewise विडोजाः.

37. दृष्टश्वाः सुभासीरः पुरङ्गतः पुरन्दरः  
<sup>1 m a</sup> <sup>m b</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 जिष्णुर्लोखर्वभ्र शक्रः शतमन्युर्द्वि वस्यतिः  
<sup>2 m c</sup> <sup>m</sup> <sup>3 m</sup> <sup>m</sup> <sup>4 m</sup> <sup>5 m</sup>
38. सूत्रामा गोत्रभिद् वज्रो वासवेः दृढहा दृषा  
<sup>m d</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 वासोष्पतिः सुरपति वंलारातिः शचीपतिः  
<sup>6 m</sup> <sup>m</sup> <sup>7 m</sup> <sup>m</sup>
39. जम्भेदी हरिचयः स्वाराण नसुचिसूदनः  
<sup>m</sup> <sup>8 m</sup> <sup>9 m</sup> <sup>m</sup>  
 संक्रन्दने दुश्चवनस् तुराषाण मेघवाहनः  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m 10</sup>
40. आखण्डलः सृष्ट्वाच ऋभुषास्

(तस्य तु प्रिया)

सुलोमना शची न्द्राणी  
<sup>f</sup> <sup>f f</sup> <sup>11 f</sup> <sup>12 f g</sup>  
 Indra's City. (नगरी त्व.) मरावती

His horse. 41. (इय) उच्चैः शवाः  
<sup>13 m h</sup>

His chario-  
 teer. (सुते) मातलि  
<sup>m</sup>

His grove or  
 garden. नृन्दनं (वनं)  
<sup>n</sup>

His palace. (स्यात् प्रासादे) वैजयन्ते  
<sup>m</sup>

JAYANTA. i जयन्तः पाकथीसनिः  
<sup>m</sup> <sup>m</sup>

- 1—वसु. 2—सन्. 3—विजन्. 4—इन्. 5—वन्. 6—दिन्.  
 7—राज्. 8—वन. 9—वाह्. 10—विन्. 11—इ. 12—अ.  
 13—वसु.

<sup>a</sup> Also दृष्टश्वाः. <sup>b</sup> Likewise सुभासीरः and सुभासीरः. <sup>c</sup> Also सूत्रामा. <sup>d</sup> Some add वासोष्पतिः. <sup>e</sup> The wife of Indra. <sup>f</sup> Likewise शचीः, and शची, or शचिः. <sup>g</sup> Also स्वारा. <sup>h</sup> Likewise उच्चैः शवाः (श्). <sup>i</sup> Son of Indra.

42. <sup>m</sup>रेरावतोः <sup>1 m</sup>श्वमातङ्गे <sup>2 m</sup>रावणा <sup>3 m</sup>भ्रसुवहभाः Indra's elephant.  
<sup>f</sup>क्रादिनी <sup>m n</sup>वज्रम् (स्त्री स्वात्) <sup>m n a n b m</sup>कुलिशं <sup>m e 4 m f</sup>भिदुरं पविः His thunderbolt.
43. <sup>n</sup>शतकोटिः <sup>n m</sup>स्वरः <sup>.</sup>शम्भो <sup>.</sup>दम्भोलिरम्बनिर् (द्वयोः)  
<sup>.</sup>व्योमवानं <sup>.</sup>विमानो (स्त्री) The car of Indra, f.  
<sup>5 m</sup>(नारदाद्याः) <sup>.</sup>सुरर्षयः A divine sage, g.
44. <sup>6 f</sup>(स्वात्) <sup>f</sup>सुधर्मा <sup>n i 7 n f</sup>देवसभा The council of the gods.  
<sup>f</sup>पीयूषमश्तं <sup>f k</sup>सुधा The food of the gods, h.  
<sup>f</sup>मन्दाकिनी <sup>f</sup>वियङ्गवा <sup>m m 8 m m m</sup>स्वर्णादी <sup>m</sup>सुरदीर्घिका The river of heaven, j.
45. <sup>m</sup>मेरुः <sup>m</sup>सुमेरुर्हेमाद्री <sup>m</sup>रत्नसानुः <sup>m</sup>सुरालयः The mountain Sumeru, l  
<sup>m</sup>(पञ्चैते देवतरवो) <sup>9 m</sup>मन्दारः <sup>n m</sup>पारिजातकः Five celestial trees, m.
46. सन्तानः कल्पवृक्षश्च (च पुंसि वा) हरिसन्दनं

1 ख— 2 ऐ— 3 ख— 4 ख— 5—भि— 6—मंनु,  
 7 ख— 8—द्रि 9—वृक्ष.

• a Also कुलीशं. b Likewise भिदुरं and भिदुः. c Also स्वरः (सु)  
 d Likewise शम्भुः. And शम्भुः or संवः. e Also स्वर्गनी, and वज्राग्निः  
 f Or of any god. g As Nárada, &c. h Ambrosia and Nectar ; or  
 the food and drink which confer immortality. i Likewise 'पेयूषं' and  
 पीयूषं. j The Ganges of the sky, suggested probably by the milky-way  
 k Also स्वर्नदी. l The extremity of the world's axis ; where the gods  
 abide. m Severally named in the text.

SĀNATCU-  
MĀRA, aThe *Aswinī*, d

Nymphs, f

Celestial  
musicians, i

Fire.

m b      m c

सनत्कुमारो वैधातः

m      I m

स्वर्वेद्याश्चिनीसुतौ

m e    2 m      m      3 m

47. नासत्याश्चिनी दक्षाश्चिनेयौ (च तावुभौ)

4 f      f g      h

(क्षियां वङ्ग्य) अरसः स्वर्वेद्या (उर्वशीसुखाः)

m j    5 m k      6 m l

48. (हाहा हङ्ग्यः चैवमाद्या) गन्धर्वास् (त्रिदिवीकसः)

m m    m      m      m      m

अग्निर्वैश्वानरो वङ्गर्वीतिहोत्रो धनञ्जयः

m      m      7 m      8 m n

49. रुपीटयोनिर्बलने जातवेदास् तनूनपात्

9 m    10 m o      11 m      m      m

वह्निः शुष्मा रुष्यावर्मा शोचिष्केश्च उषर्वधः

1 अ— 2 अश्विन. 3 आ— 4 अप्सरस्. 5—ङ्. 6—ञ. 7—दस्.  
8—याद् Or—पात्. 9 वह्निं Or वह्निस्. 10—न्. 11—तन्.

a The son of *Brahmā*, and eldest of the progenitors of mankind.  
b Likewise सत्कुमार. c Also वैधातकः. d Physicians of heaven, and twin sons of the sun by his wife *Saxjnyā* in the shape of a mare, or children of the constellation *Aswinī*. One of the twins is named *Nāsatyā*, and the other *Dāsra*; but these terms, in the dual, designate both of them. Their patronymicks are used in the singular, when either is singly intended. e Likewise नासिकौ. f Celestial courtesans, as *Urvāśī*, *Rambhā*, *Ménacā*, *Ghrītācī*, *Tilōttamā*, &c. g Likewise स्वर्वेद्या. h Also उर्वशी and उर्वशी. Quiristers of heaven, as *Hāhā*, *Hūhū*, *Tumbura*, *Viśvārasu*, *Chitrarat'ha*, &c. i Likewise हङ्ग्यः and हाहाः (स्). And Indec. हाहाः. k Also हङ्ग्यः and हाहाङ्ग्यः. And Indec. हङ्ग्यः. l Sing. गन्धर्वः. Also गन्धर्वः and गन्धर्वः. m One commentator makes the plural of this word विश्वानराः, but erroneously say others. n Or, according to a different etymology, तनूनपात् (त्). And तनूनपाः (पा). o शुष्मन्, or वह्निःशुष्मन्. Also शुष्मः (ष्).

50. <sup>m a</sup> <sup>m</sup> <sup>m b</sup> <sup>m m</sup>  
 आश्रयाशो<sup>m</sup> दृङ्ग्राशुः<sup>1 m</sup> अशानुः<sup>2 m</sup> पावको<sup>3 m</sup> ऽनलः
- रोहिताश्वो<sup>4 m</sup> वायुसखा<sup>5 m</sup> शिखावानाशुशुक्षणिः<sup>m m</sup>
51. हिरण्यरेता<sup>6 m c</sup> ऊतभुग्<sup>7 m d</sup> दहनो<sup>8 m</sup> षड्यवाहनः<sup>m m</sup>
- सप्तार्चिर्दसुनाः<sup>m 9 n</sup> शुक्रश्चिन्तभातुर्विभावसुः
52. शुचिरपिपत्तं<sup>10 m</sup>  
 षोर्वस्<sup>m</sup> (तु) वाडधो<sup>m</sup> वडवानलः<sup>m</sup> Submarine fire. c  
<sup>m f</sup> <sup>m f g</sup> <sup>11 f h</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup>  
 (वक्त्रेर्दयो) ज्वालकीलावर्चिर्हेतिः<sup>m f n i</sup> शिखा<sup>m</sup> (स्त्रियां) Flame. f
53. (त्रिषु) स्फुलिङ्गो<sup>m</sup> ऽग्निक्षणः<sup>m</sup> A spark.  
 सन्तापः<sup>m</sup> संश्वरः<sup>m</sup> (समौ) A burn.  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>12 m</sup> <sup>13 m</sup>  
 धर्मराजः<sup>m</sup> पितृपतिः<sup>14 m</sup> समवर्त्ती<sup>m</sup> परेतराट्<sup>15 m m</sup> YaMa. i
54. कृतान्तो<sup>m</sup> यमुनाभ्रता<sup>m k</sup> शमनो<sup>m</sup> यमराज्<sup>m</sup> यमः<sup>m</sup>  
 कालोदण्डधरः<sup>m</sup> आशुदेवो<sup>m</sup> वैवस्वतो<sup>m</sup> ऽन्तकः

1—खि, Or —ख. 2—वत. 3 आ—, 4—तस्. 5—भज्. 6—ह्.  
 EX. —र्चिस्. 7—नस्. 8—क्र. 9 ख—, 10—उ, 11 खर्चि  
 12—र्चिन्. 13—राज्. 14—त. 15—राज्.

a Likewise. आश्रयाशः. b Also कषाणु. c Likewise सप्तार्चिः (र्चि).  
 d Also दसुनाः. e A being consisting of flame, but with a mare's head,  
 sprung from the thighs of *Urva*, and was received by the ocean.  
 f Masc. ज्वालः, fem. ज्वाला. g Fem. कीला. h Also f. n. खर्चिः, (च).  
 i Fem. स्फुलिङ्गा, neut.—गं. j The regent of worlds below ; or death,  
 and judge of departed souls. k Likewise दण्डधरः



- A giant or ghost. 55. राक्षसः कौक्षपः कव्यात् कव्यादेः ऽक्षपः आशरः  
 रात्रिश्चरो रात्रिचरः कर्षुरो निकषामजः  
 वातुधानः पुण्यजने नैर्ऋते वातु रक्षसी  
 VarUNA. f प्रचेता वरणः पाशो वादसांपतिरप्यतिः  
 Air or wind. 57. श्वसन स्पर्शने वायुर्मातरिष्वा सदागतिः  
 षट्पदश्चो गन्धवहे गन्धवाच्चा निलाशुगाः  
 58. समीर मासत मरुत् जगत्प्राण समीरणाः  
 नभस्वद् वात पवन पवमान प्रभञ्जनाः  
 Air inhaled. 59. प्राणो ऽपानः समानश्चोदान व्यानौ (च वायवः  
 शरीरस्या इमे)  
 Speed or velocity. रंहस् तरसी (तु) रयः स्यदः

1 कव्याद्. 2 रक्षसः. 3-तस्. 4 पाशिनः. 5 क-  
 7 क- 8 वा- 9-त्. 10-त्. 11-न. 12 उ- 13 तरसः.

a Or कक्षपः. b Or आशरः. c Likewise कर्षुरः. and कैर्षरः. d Or  
 जातुधानः. e Also नैर्ऋतिः. f Or the regent of water. g Likewise  
 वरणः. h Also वादसांपतिः. i Or षट्पदाश्च. j Likewise वरतः. k Also  
 समत् (du. जगतौ ; or जगन्तोः) and प्राणः. l Likewise वातिः. m Five  
 breaths, or air inhaled or emitted several ways, as breath, deglutition,  
 &c. n Also रंभः.

- 1<sup>m</sup> a . n n n n 2 n c n  
 60. जवेः (ज्य) शीघ्रं त्वरितं लघु क्षिप्रमरं द्रुतं Quick, or  
 n n n 3 n 4 n d swiftly. b  
 सत्वरं चपलं तूर्णमविलम्बितमाशु (च)  
 n f n 5 n n 6 n 7 n g  
 61. सतते जनारताश्चान्त सन्तताविरतानिशं Eternal, or  
 n 8 n 9 n h continually. c  
 नित्यानवरताजस्रम् (ज्य) .  
 . (ज्य) ऽतिशये भरः<sup>m j</sup> Much or ex-  
 n n 10 n 11 n 12 n cessive. i  
 62. अतिवेल भयात्यर्थातिमात्रेणाद् निर्भरं  
 13 n 14 n 15 n n n k 16 n  
 तीव्रैकान्तनितान्तानि गाढ वाढ दृढानि (च)  
 1 m  
 63. (क्लीवे शीघ्राद्यसत्वे स्यात् त्रिष्वेषां भेद्यगामि यत्

1 जव. 2 खर. 3 ख—, 4 खा—, 5 ख—, 6 ख—, 7 खा—,  
 8 ख—, 9 ख—, 10 ख—, 11 ख—, 12 ख—, 13 तीव्र. 14 ए—,  
 15—न्त, 16 दृढ.

a Likewise जवनः. b These terms, used adverbially, are neuter ; but as adjectives, they agree in gender with the subject. Masc. शीघ्रः, fem. शीघ्रः, neut. शीघ्रं. c Also Indec. खर. d Except this term, which properly should not be used as an adjective. e These likewise are neuter as adverbs, but vary as adjectives. This is reckoned among indeclinables. g Except this, which properly should not be used as an adjective. h Except this also, which is never used as an adjective. This is also reckoned among indeclinables. i These likewise are neuter as adverbs, but vary as adjectives. j Except these two, which are invariably masculine ; but they are used adverbially in the second singular neuter. k This is indeclinable according to some. l They are neuter when used not as nouns ; consequently, as adverbs. m A various reading is भेद्यगामि, (used as an epithet or discriminative) instead of सत्त्वगामि, (used as a noun ; i.e. as an adjective.)

CUVE'HA. a

1 m                      m                      2 m                      m  
 कुवेरस् त्वम्बकसखे! यत्तराड् गुह्यकेश्वरः  
 3 m                      m                      m                      m

64. मनुष्यधर्मा धनदे! राजराजो धनाधिपः

किन्मरेशोवैश्रवणः पौलस्त्यो नरबाहनः  
 4 m b    5 m c    6 m d    m                      7 m

65. यक्षैकपिङ्गलविलि श्रीद् पुण्यजनेश्वराः

The garden of  
Cuvēra.

(अस्योद्यानं) चैत्ररथः

Nalacū'bara.  
e

m f  
 (पुत्रस्त) नलकूवरः

Cailasa. g.

66. कौलासः (स्यानं)

Cuvēra's  
city.

f  
 अलका (पूर)

His throne  
and vehicle.

m n  
 (विमानं त) पुष्पकं

His attend-  
ants.

m                      8 m                      m                      m  
 (स्यात् किन्मरः किंपुरुषस् तरंगवदने! मयुः

His treasure.

67. निधि (नी) श्रेवधि

Auriferous  
gems. i

n n  
 (भेदाः पद्मशङ्कादयो निधेः)

1—र.    2—राज.    3—र्षण.    4—वक्ष.    5 ए—,    6 ए—.  
 7—र.    8—प्र.

a The god of riches. b Also यक्षेश्वरः. c Likewise एकपिङ्गलः.  
 d Also ऐडविडः, or ऐलविडः, and ऐडविड. e Son of Cuvēra. f The  
 same term, in the dual, designates both the sons of Cuvēra; named  
 NALACU'BARA, and MANI'GRIVA. g Abode of Cuvēra. h Also श्रेवधिः  
 i See an enumeration of the other seven (for there are nine such  
 fabulous gems) in other dictionaries.

SECTION II.

द्यौ दिवौ (द्वे स्थियाव्) ऽन्नं व्योमं पुष्करमम्बरं The sky or atmosphere.  
<sup>f f a 1 n b 2 n n 3 n</sup>  
<sub>4 n c n d n n 5 n n</sub>

नभो ऽन्तरिक्षं गगणमनन्तं सुरवर्त्म खं  
<sub>6 n n 7 n m 8 n m c</sub>

वियद् विष्णुपदं (वा तु पुंस्या) काश विहायसी  
<sub>9 f 10 f g f 11 f 12 f</sub>

दिग् (तु) ककुभः काष्ठा आशाश् (च) हरितश् (च ताः) Space, region or quarters. f  
<sub>13 f 14 f i 15 f</sub>

प्राच्यवाची प्रतीच्यस् (ताः पूर्व दक्षिण पश्चिमाः) The several quarters. h  
<sub>f</sub>

(उत्तरा दिग्) उदीची (स्याद्)

<sup>m f n</sup> दिश्यं (तु त्रिषु दिग्भवे) Siuated or bearing

इन्द्रो वज्रिः पितृपतिर् नैर्ऋतो वरुणो महत् The regents of quarters and points. k  
<sub>m m m m m m</sub>

कुवेर द्वैशः (पतयः पूर्वादीनां दिशां क्रमात्)

1 अ—, 2—मन्, 3 अ—, 4—भस्, 5—तन्, 6—त.  
 7—आ—, 8—यस्, 9 दिग्, 10 ककुभः, 11 आशा, 12 हरित.  
 13—ची—, 14 अ—, 15—ची.

a See § i. v. 4. b Or अम्बरं. c Likewise नभं (भ.) d Or अन्तरीक्षं. Masc. विहायसा. Neut. विहायः. Also विहायसः—स; and indec. विहायसा. f A tract or quarter of the world; sing. दिक्, pl. दिग्. Or with the feminine termination दिशा, pl. दिशः. g Nom. ककुप. Also with the feminine termination ककुभाः. h In their order: namely, east, South, West, North. i Some read अवाची for the South; restricting अवाची to the region below. j Ex. पूर्वदिश्यः eastern; fem—शा; neut.—श्यं. k In their order: E. S. E. S. S. W. W., N. W. N. I. E. Thus fire S. E. *Nairita* S. W. Air N. W. *Siva* N. E. From the regents, the points are denominated: as ईन्द्र, East, आग्नेयो, South-east वायु, South, &c.

- Elephants, at the points. a
5. येरावतः पुण्डरीको वामनः कुमदेः ऽञ्जनः  
 पुष्यदन्तः सार्वभौमः सुप्रतीकश्च (च दिग्गजाः)
- Their females b.
6. (करिष्ये) ऽभ्रमु कपिला पिङ्गलानुपमाः (क्रमात्)  
 ताम्रकर्णो भ्रुवदन्ती (चा) ऽङ्गना (चा) ऽञ्जनावती
- Intermediate joint. f
7. (क्षीबाव्ययं त्व) ऽपदिशं (दिशोर्मध्यं) विदिक् (स्त्रियं)  
 अभ्यन्तरं (त्व) ऽन्तरालं
- Included. pace
- चक्रवालं (तु) मण्डलं
- The sensible horizon. h
8. अभ्रं मेघो वारिवाहः स्तनयित्तु वलाहकः  
 धाराधरो जलधरस् तडित्त्वान् वारिदो ऽम्बुभृत्
- A cloud.
9. घन जीमूत मुदिर जलसुग् धूमयोनयः  
 कादम्बिनी मेघमाला  
 (त्रिषु मेघभवे) ऽभ्रियं
- In succession of clouds.
- Belonging to clouds.

1—अञ्जन. 2—क. 3—ख—. 4—धर. 5—त्वत्. 6—सुक्. 7—नि.

a Belonging to the several regents of them, respectively. b In the same order. c Also अभ्रम्. d Likewise सुभदन्ती. e Also अङ्गदा. f Or half quarter, as S. E. &c. g Likewise प्रदिक्. h Or any orb and, circumference. i Or चक्रवालं. j Or अभ्रं. k Also वारिधरः. l Likewise जलधरः, जलद, &c. m Properly this signifies a cloud of smoke : and जीमूतः is a visible exhalation.

0. <sup>n</sup>स्नानितं <sup>n</sup>गर्जितं <sup>n</sup>मेघनिर्घोषे <sup>1 n b</sup>रसिता (दि च) The rattling  
of thunder. <sup>a</sup>
1. <sup>f c</sup>शंपा <sup>f</sup>शतच्छदा <sup>2 f</sup>च्छादिन्यैरावत्यः <sup>3 f</sup>क्षणप्रभा Lightning.
1. तडित् सौदामिनी विद्युत् चक्षुला चपला (ऽपि च)
- <sup>m f</sup>स्फूर्जयुः (वृज्वनिघ्नेषु) A clap of  
thunder. c
- मेघज्योतिरिन्द्रदः A flash of  
lightning. h
2. <sup>n</sup>इन्द्रायुधं <sup>5 n</sup>शकधनुस् A rainbow.
- (तदेव ऋजु) <sup>n</sup>रोहितं INDRA'S  
bow unbent. <sup>i</sup>
- <sup>f n j</sup>दृष्टिर्वधं Rain.
- (दृष्टिघाते) <sup>m</sup>ऽग्र्याहावग्रहौ (समी) Drought.
3. घारासम्पात् आसारः A hard  
shower.
- शीकरौ (ऽम्बुकणाः स्मृताः) Thin rain.

1—त. 2—नी. 3 ऐ—ती 4 इ— 5—स. Ex.—दृष.  
ष—

a Or the grumbling of clouds. b Including other synonyms, as नितं, &c. c Also शम्पा. d Better सौदामिनी; Likewise सौदामिनी. The noise attending a fall of thunder or stroke of lightning. f Also स्फूर्जयुः, and विस्फूर्जयुः, or विस्फूर्जयुः. g Or वृज्वनिघ्नेषुः. h Or the noise attending a stroke of lightning. i When his bow is bent, its shadow appears as a rainbow; when unbent, it is invisible to mortals. Some of the commentators have approached towards a true explanation of the rainbow; saying that it proceeds from the rays of the sun, which are of various colours, and being dispersed by the air, appear in the sky. j Likewise वर्षध्वं. k Or शीकरः. l Or स्मृताः.

- Hail. वर्षापलस् (तु) कारका  
 A cloudy lay. a (मेघच्छन्ने ऽङ्कि) दुर्हिनं  
 Covering or disappearance. b 14. अन्तर्द्धी व्यवधा (पुंसि त्व) न्तर्द्धिर्पवारणं  
 अपिधानं तिरोधानं पिधानाच्छादनानि (च)  
 The moon. 15. हिमांशुश् चन्द्रमाश् चन्द्र इन्दुः कुमुदबान्धवः  
 विधुः सुधांशुः शुभ्रांशुरोषधीशो निशापतिः  
 16. अजो जैवाटकः सोमो ग्लौर्गङ्गाङ्कः कलानिधिः  
 द्विजराजः शशधरो नक्षत्रेयः क्षपाकरः  
 A digit. i 17. कला (तु षोडशो भागो)  
 The disk of the sun or moon. विम्बो (ऽस्त्री) मण्डलं (त्रिषु)  
 A part. भित्तं शकल खण्डे (वा पुंस्य) ऽर्धो  
 Half. ऽर्धे (समे ऽयके)

1—ल. २—स्. ३—वा—न. ४—शु. ५—मस्. ६—जो—

a Or obscured by clouds. b Or anything, which hides and withholds from sight. c Also छादनं, and छदनं. d Likewise वाः, ( वस्. ) e Also चन्द्रः. f Likewise कुमुदबन्धुः. g Also सोमा, ( न्. ) h Likewise अथाङ्कः, अथवाङ्कनः, and अथी, ( न्. ) i Or the sixteenth part of the moon's diameter. j One author makes this fem. Also विम्बी.

18. चन्द्रिका कौमुदी ज्योत्स्ना

Moonlight.

प्रसादस् (तु) प्रसन्नता

Purity or brightness.

कलङ्काङ्गी लाव्ण्यं (च) चिह्नं लक्षणं (च) लक्षणं

A spot or mark.

19. सुषमा (परमा शोभा)

Exquisite beauty.

शोभा कान्तिर्द्युतिश् छविः

Beauty or splendor.

अवश्यायस् (तु) नीहारस् तुषारस् तुहिनं हिमं

Frost.

20. प्रालेयं मिहिका (चा)

(ऽथ) हिमानी हिमसंहतिः

Ice and snow.

शीतं (गुणो)

Cold or chillness.

(तद्वदर्थः) सुषोमः शिशिरो जडः

Cold or frigid.

21. तुषारः शीतलः शीतो हिमः (सप्तान्यलिङ्गकाः)

ध्रुवः औत्तानपादिः (स्याद्)

The polar star. I.

अगस्त्यः कुम्भसम्भवः

AGASTYA. g

1—द. 2—सङ्घ. 3—लङ्ग. 4—ति. 5—य. 6—हार. 7—वार.

a Also चन्द्रिमा. b Likewise लक्षणं. c Also द्युती, 'and छवि. Or मिहिका. e Likewise सुषोमः, and सुषोमः. f Or the north pole itself. In mythology, Dhruva is son of Uttānapāda, and consequently grandson of the first Menu. In Astronomy, Uttānapāda, is β Ursæ minoris. g Agastya is regent of the star Canopus. h Also अगस्त्यः.



I m'a

## 22. मैत्रावरुणिर

His consort.

(स्यैव) लोपासद्रा (सधर्मिणी)

n b 2 n n f f n c 3 f n d

A star.

नक्षत्रद्वयं भं तारा तारका (पु) डु (वा स्त्रियां)

Asterisms. c

## 23. दक्षायस्त्रो (ऽश्विनीत्यादि तारा)

4 f 5 f

The head of  
Aries.

अश्वयुगश्विनी

Stars in the  
Southern  
scale.

राधा विशाखा

Stars in  
Cancer.

पुष्ये (तु) सिध्य तिथौ

6 f

The Dolphin.

अविष्ठया

## 24. (समा) धनिष्ठा

The wing of  
Pegasus.

(स्युः) प्रौष्ठपदा भाद्रपदाः (स्त्रियः)

Orion.

नक्षत्रौर्ध्वं नक्षत्रौर्ध्वं (तस्मिन्नेवा) ग्रहायणी

Stars in his  
head.

## 25. द्रुत्वलास् (तच्छिरोदेशे तारका निवसन्ति याः)

1—पि.

2 नक्ष.

3 उडु.

4—युज.

5 का—.

6—डा.

7 का—.

8—ला.

a Likewise वरुणिः b Also नक्षत्रं. c Neut. तारकं. Likewise masc. तारः, and तारकः. d Neut. उडु, fem. उडुः or उडुी. e As'vini and others, the longitude of which regulates the divisions of the zodiac. In mythology, they are nymphs, and daughters of *Ducshu*. f Properly dual, as indicating two stars, which compose this constellation according to ancient authors. But astronomers now reckon four. g Also भाद्रपदाः. h Likewise masc. नक्षत्रौर्ध्वः, and fem. नक्षत्रौर्ध्वः (सु). Also masc. नक्षत्रः. i Also द्रुत्वलाः. j *Vrhaspati*, the preceptor of the gods, son of *Angiras*. k Likewise गीर्षतिः, गीःपतिः, and गीःसतिः.

१६. <sup>m</sup>दृ<sup>m</sup>श्यं<sup>m</sup>तिः <sup>m</sup>सुरा<sup>m</sup>चार्यो<sup>m</sup> गी<sup>m</sup>ष्म<sup>m</sup>तिर्घिषणो<sup>m</sup> रु<sup>m</sup>रुः The planet  
Jupiter. j
२६. जी<sup>m</sup>व् चा<sup>m</sup>ङ्कि<sup>m</sup>रसो<sup>m</sup> वा<sup>m</sup>च<sup>m</sup>स्य<sup>m</sup>तिश् चि<sup>m</sup>त्र<sup>m</sup>शि<sup>m</sup>ख<sup>m</sup>ण्डि<sup>m</sup>नः Venus. h
२७. अ<sup>m</sup>ङ्गारकः कु<sup>m</sup>जो<sup>m</sup> भौ<sup>m</sup>मो<sup>m</sup> लौ<sup>m</sup>हि<sup>m</sup>ताङ्गो<sup>m</sup> म<sup>m</sup>ही<sup>m</sup>सुतः Mars. e
- रौ<sup>m</sup>हि<sup>m</sup>ण्यो<sup>m</sup> बु<sup>m</sup>धः सौ<sup>m</sup>म्यः Mercury. f
- (स<sup>m</sup>मौ) शौ<sup>m</sup>रि<sup>m</sup> शने<sup>m</sup>चरौ Saturn. g
२८. त<sup>m</sup>मस् (तु) रा<sup>m</sup>जः स्व<sup>m</sup>र्भा<sup>m</sup>तुः सै<sup>m</sup>न्धिके<sup>m</sup>यो वि<sup>m</sup>धु<sup>m</sup>न्तुदः The ascend-  
ing node. j
- (सप्त<sup>m</sup>र्ष्यो मरी<sup>m</sup>च्य त्रि<sup>m</sup>सु<sup>m</sup>खाश् चि<sup>m</sup>त्र<sup>m</sup>शि<sup>m</sup>ख<sup>m</sup>ण्डि<sup>m</sup>नः Ursa major. I
२९. (राशीना<sup>m</sup>मुदयो) लग्नं Ascension. m
- (ते तु मे<sup>m</sup>ष<sup>m</sup>ष्ट<sup>m</sup>षा<sup>m</sup>दयः) Signs of the  
Zodiac. n.
- सूर<sup>m</sup> सूर्यार्थ<sup>m</sup>मादित्य<sup>m</sup> द्वादश<sup>m</sup>ाय<sup>m</sup> दिवाकराः The Sun.

१ घि— १—ति. २—नस्. ३ ख—न्. ४ वा—, ५—सन्. ६—र.

a The patronymick in the plural, reverts to the original form अङ्किरसः. b *Sūra* or *Ūsanas*, the preceptor of the giants, son of *Bhrigu* and regent of the planet Venus. c In the vocative sing. उच्यतः (स्) उच्यत, or उच्यतः. d Likewise अयुः. This and the patronymick, in the plural, make अयवः. e According to mythology, the son of the earth. f *Bud'ha*, son of *Sōma*, (or the moon) by *Rōhini* (or the Hyades). g *Sani*, the offspring of the sun by *Ch'hāyā*. h Or more properly, शौरिः. Also शौरः. i Likewise शनिः. j *Rūhā*, son of *Sinhici*. k Also masc. तमाः, (स.) i The seven principal stars in Ursa major are the seven sages; *Marīchi*, *Atri*, *Angīras*, *Pulastya*, *Pulaha*, *Cratu* and *Vasīsh'ha*. m The rising of the signs. n The sign (*Rāśi*) are \*Aries, Taurus, &c. o Likewise सूरः.

4275.1

- m 1 m m m
30. भास्कराहस्कर वज्र प्रभाकर विभाकराः  
 2 m m m m 3 m  
 भास्वद् विवस्वत् सप्ताश्व हरिदश्वोष्णारश्मयः  
 m 4 m m a m b 5 m 6 m
31. विकर्त्तनार्क मार्कण्ड मिहिरारण्य पूषणः  
 7 m m 8 m m m  
 द्युमणिस् तरणिर्मित्तश् चित्रभानुर्विरोचन  
 m 9 m m 10 m c
32. विभावसुर्ग्रहपतिस् त्विषांपतिर्ग्रहपतिः  
 m m 11 m m d 12 m m  
 भानुर्हंसः सहस्रांशुस् तपनः सविता रविः  
 m m 13 m
- Three of the sun's attendants. 33. माटरः पिङ्गलो दण्डश् (चण्डांशोः पारिपार्श्विकाः)  
 m m m m g m  
 The dawn. f  
 सूरसुतो ऽरुणो ऽनूरुः काश्यपिर्गण्डाग्रजः  
 14 m h m 15 n n
- Halo. 34. परिवेषस् (तु) परिधिरुपसूर्य्य क मण्डले  
 m 16 m m 17 m m f m 18 m i  
 A ray. किरणोच्च मयूखांशु गभस्ति वृष्णि वृष्णयः  
 m m m f f
35. भानुः करो मरीचिः (स्त्रीपुंसयोर्दीर्घितिः) (स्त्रियाम्)

1 क—, 2—तु, 3—उ—ग्रिह, 4 क—, 5 क—, 6 पूषन्,  
 7—णि, 8—त्, 9—ति, 10 क—, 11—शु, 12—ह,  
 13—ण्ड, 14—घ, 15 उ—, 16 उच्च, 17 कंशु, 18—वृष्णि.

a Also वासांशु. b Likewise सहिरः. c Also सूर्यपतिः. d Like-  
 wise तपनः. e Severally named in the text. They are INDRA, YAMA,  
 and fire, under other names : one placed on the left of the sun ; the  
 two others on his right. f The charioteer of the sun. g Likewise  
 काश्यपः. h Also परिवेषः. i Some read मन्त्रि.

• f. 1f f 2f fa 3f f f 4f  
 (स्युः) प्रभा र्ण् र्चि त्विड् भा भाश् छवि द्युति दीप्तयः Light.

36. रोचिः सोचि (र. भे लीवे)

<sup>m m m</sup>  
 प्रकाशो द्योत् आतपः Sunshine. b

<sup>n n n n d</sup>  
 कोष्णं कवोष्णं मन्दोष्णं कडुष्णं (त्रिषु तद्वति) Warmth. c

37. तिग्मं तीक्ष्णं स्वरं (तद्वन्) Heat. c

<sup>f f</sup>  
 दृगदृश्या मरीचिका Sultry va-  
 pour. g

1 र्च. 2 त्विष् 3 भाश् 4 दीप्ति. 5 रोचिस्. 6 सोचिस्.

a Also masc. भाः (स्) or भासः, (श्). b Or any lustre and heat. Some interpret this, the converse of darkness. Others make the three terms of this article synonymous with the preceding eleven, as signifying light and illumination. They are distinguished from the article which precedes, as not immediately issuing from the sun. c Or warm. d When used as adjectives they vary with the gender. e Or hot. f These also, when employed as adjectives, vary with the gender. g Appearing at a distance like a sheet of water. The phenomenon called Mirage.

## SECTION III.

|                    |  |
|--------------------|--|
| Time.              | 1. कालो दिष्टो (ऽप्य) नेह्य (पि) समयो (ऽप्य)                             |
| First lunar day. a | (ऽथ) पक्षतिः <sup>f b</sup>  |
|                    | प्रतिपद् (द्वे इमे स्त्रीत्वे) <sup>2 f</sup>                            |
| A lunar day.       | (तदाद्यास) तिथयो (द्वयोः) <sup>3 m f d</sup>                             |
| A day.             | 2. षष्ठो दिनाहनी (वा तु क्लीवे दिवस वासरौ)                               |
| Morning.           | प्रत्यूषो ऽहर्मुखं कल्पसुषः प्रत्युषी (चपि) <sup>m n 4 n m n m n c</sup> |
|                    | 3. प्रभातं (च) <sup>n i</sup>  |
| Eve. j.            | (दिनान्ते तु) सायं <sup>f k</sup>  |
| Twilight.          | सन्ध्या पितृप्रसूः <sup>f l f</sup>                                      |

1 कनेहस् १—पद्. ३ तिथि. ४ अहन्. उषस्. ६ वस्.

a The beginning of the moon's increase or wane. b Or पक्षती.  
c The thirtieth part of a lunation. d Also fem. तिथी. e Some write वासरः, erroneously. f Likewise कल्पं. g Also masc. उषः (स्) and fem. उषा. h Likewise masc. प्रत्युषः (च) and neut. प्रत्युषः (स्). i Also भातं and विभातं j Or the close of the day. k Masc. सायः. Indec. सायं. l Likewise सन्ध्यां.

|                               |                             |                           |                               |
|-------------------------------|-----------------------------|---------------------------|-------------------------------|
| <sup>1 m</sup> प्राङ्गापराङ्ग | <sup>2 m</sup> मध्याह्नास्  | (त्रिसन्ध्यम्)            | Periods of the day. a         |
|                               |                             | (अथ) शर्वरी               | Night.                        |
| <sup>f</sup> निशा             | <sup>f</sup> निशीथिनी       | <sup>3 f c</sup> रात्रिस् | <sup>f</sup> त्रियामा         |
|                               |                             |                           | <sup>f d</sup> क्षणदा क्षपा   |
| <sup>f</sup> विभावरी          | <sup>4 f c</sup> तमस्विन्वी | <sup>f f</sup> रजनी       | <sup>f g</sup> जामिनी         |
|                               |                             |                           | <sup>f h</sup> तमी            |
| <sup>f</sup> तमिस्त्रा        | <sup>f i</sup> तामसी        | (रात्रिः)                 | A dark night.                 |
|                               | <sup>f j</sup> ज्योत्स्नी   | (चन्द्रिकायाम्बिता)       | A moon-light night.           |
|                               |                             |                           | A night and two days. k       |
|                               | <sup>n</sup> गणरात्रं       | (निशावह्नयः)              | A multitude of nights.        |
|                               | <sup>m</sup> प्रदेशो        | <sup>n</sup> रजनीसुखम्    | Evening. l                    |
| <sup>m</sup> अर्धरात्रं       | <sup>m</sup> निशीथी         | (द्वै)                    | Midnight.                     |
|                               |                             | (द्वै) याम                | <sup>m</sup> प्रहरौ           |
|                               |                             |                           | <sup>m</sup> (समौ) A watch. m |

1—अ. 2—ङ्ग 3—त्रि. 4—मी.

a Forenoon, afternoon, and mid-day. The three turns of the day are collectively called त्रिसन्ध्यं, n. or त्रिसन्ध्या, f. b Also शर्वरी. c Also रात्री. d Likewise क्षणदा. e Also तमस्वती. f Likewise रजनिः. g Also विभावरी. h Likewise तमिः, or तमा and तामी. i Some make this a part of the explanation. But it is one of the terms exhibited, according to others. It also signifies night in general. j This is interpreted by one author the night of full moon. k Or a day and two nights. l The beginning of night. The two first hours (g'hatis) after sunset. m The eighth part of the day.

The full and  
change of  
the moon. a

7. (स) पर्वसन्धिः (प्रतिपत्यञ्चदशोर्ध्वेदन्तरम्)

Last day of  
the half  
month. b

पक्षान्तौ (पञ्चदशौ हे)

Day of full  
moon. c

पौर्णमासी (त) पूर्णिमा

Moon a little  
gibbous. d

8. (कलाञ्हीनेसा) ऽनुमतिः

Moon quite  
full. e

(पूर्णे) राका (निशाकरे)

Day of new  
moon. f

अमावास्या (त्वं) मावस्या दर्यः सूर्येन्दसङ्गमः

Moon a little  
horned. h

9. (सा दृष्टेन्दुः) सिनीवाली

Moon exact-  
ly new. i

(सा नष्टेन्दुकला) कुङ्कः

An eclipse.

उपरागो ग्रहे

Eclipsed.

(राङ्गग्रहो त्विन्दौ च पुष्णि च)

1 स—.

a The junction of the 15th and 1st of a half month, or the preci-  
moment of the full or change of the moon. b Also पर्व and संधि  
c Likewise पूर्णमा, पूर्णिमासी, पूर्णमासी, and पौर्णमी. d That is,  
fifteenth day of the moon's age, on which she rises one digit ( $\frac{1}{10}$ th  
less than full. e A similar day; but on which she rises quite ful  
f Also अमावासी, अमावसी, अमावासी, अमावसी, and अमा. g Son  
ada अदर्यः. h That is, a thirtieth day of the moon's age, on whic  
she rises visible. Or sets visible; the first lunar day having commenc  
ed, or the fourteenth of the dark half month being unfinished. i A  
similar day, but on which she rises invisible. j Also कुङ्कः.

10. सोपस्रबोपइतौ (हाव) <sup>m</sup> <sup>1 m</sup>  
 ऽग्न्युत्पातं उपाहितः <sup>m</sup> <sup>m</sup> A meteor. a  
 (एकयोक्त्या) पुष्यवन्तौ (दिवाकर निशाकरौ) <sup>2 m</sup> Sun & moon
11. (अष्टादश निमेषास्त) काष्ठाः <sup>f</sup> Sixteen thirds, b  
 (त्रिंशत्तुताः) कलाः <sup>f</sup> Eight seconds, c  
 (तास्तु त्रिंशत्) क्षणः <sup>m</sup> Four minutes, d  
 (तेतु) सुहृत्तौ (द्वादशस्त्रियाम्) <sup>m n</sup> An hour, e
12. (तेतु त्रिंशद्) होरात्रः <sup>3 m g</sup> A day, f  
 पक्ष (स्त्रिंशदशपक्ष च) <sup>m</sup> A fortnight, h  
 (पक्षौ पूर्वापरौ) शुक्ल कृष्णौ <sup>m</sup> <sup>m</sup> Light & dark fortnights, i  
 मास (स्तु तावुभौ) <sup>m k</sup> A month, j

1 उ— 2—वत्, or वन्त- 3 अ—

a As a falling star, &c. also a comet. b Or thirtieth part of a *calā* and measured by eighteen twinklings. c Or thirtieth part of a *Cshāna*. d The three hundred and sixtieth part of the day. e The thirtieth part of the day; containing twelve *Cshanas*. f A nycthemeron, containing thirty *Muhūrtas*. g Some make this neuter: but erroneously. h Half a month, comprising fifteen days. i Respectively, from new moon to full, and from the opposition to the conjunction. j The twelfth part of a year; comprising two *pacshas*, or thirty days. This is according to lunar time. But the same name is applicable to the solar and sidereal months. k Likewise माः (स्).



- A season. <sup>a</sup> 13. (द्वौ द्वौ माघादिमासौ स्याद्) षट्  
 A half year. <sup>b</sup> (सौर) यनं (त्रिभिः)  
 A year. <sup>c</sup> (अयने द्वे गतिरुद्ग दक्षिणाकास्य) वत्सरः  
 Equinox. 14. (समरात्रिं दिवे काले) विषुवद्विषुवं (च तत्)  
<sup>m</sup> <sup>3 m f</sup> <sup>m</sup> <sup>m g</sup>  
<sup>g</sup> <sup>grahāya-</sup> मार्गशीर्षे सङ्ग मार्ग आग्रहायणिक (श्च सः)  
<sup>na.</sup> <sup>c</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 Pausha. h 15. पोषे तैब सहस्यौ (द्वौ)  
<sup>4 m j</sup> <sup>m</sup>  
 Māgha. i तपा माघे  
<sup>m l</sup>  
 Phālguna. k (ऽथ) फाल्गुने  
<sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 (स्यात्) तपस्यः फाल्गुनिकः  
 Chaitra. m (स्यात्) चैत्रे चैत्रिको मघः  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>

1 षट्. 2—दत्. 3 सङ्गस्. 4 तपस्.

<sup>a</sup> The sixth part of a year, comprising two months, as *Māgha* and *Phālgunā*. Properly the season consists of two solar months : but the term is also applicable to lunar time. <sup>b</sup> Or the sun's alternate journey towards the tropics, measured by three seasons. <sup>c</sup> Consisting of the northern and southern tracts of the sun. <sup>d</sup> Also masc. विषुवान्, and विषुवः. And विषुवणः or विषुवः. <sup>e</sup> Month in which the moon is full, nearly in the longitude of Orion's head. <sup>f</sup> Likewise सङ्गः (स्). <sup>g</sup> Also आग्रहायणिकः. <sup>h</sup> Near  $\gamma$  and  $\delta$  of Cancer. <sup>i</sup> Near the lion's heart. <sup>j</sup> Some add तपः (—य). <sup>k</sup> Near the lion's tail. <sup>l</sup> Also फलगुनः. <sup>m</sup> Near the virgin's spike.

16. वैशाखे मघवे राधे Vaiśāc'ha. a  
 ज्येष्ठे शुक्रः Jyāishtha. b  
 शुचि (स्वयम्) Aśhūd'ha. d  
 षाषाढे Svāṣṭhā. e  
 श्रावणे (तु स्यान्) नभाः श्रावणिक (शुसः) Śrāvān'a. f  
 17. (स्यु) नभस्यप्रौष्ठपद भाद्र भाद्रपदाः (समाः) Bhād'ra. g  
 (स्यादा) श्विन इषे (ऽप्या) श्वयुजे (ऽपि) Aś'vina. h  
 (स्यात्तु) कार्तिके Cārttika. k  
 18. वाङ्गलोज्जा कार्तिकिके Vāṅg'lojja. l  
 हेमन्तः Hemanta. m  
 शिशिरे (ऽस्त्रियाभ) Śiśhira. n  
 वसन्ते पुष्यसमयः सुरभिर् Vasanta. o  
 ग्रीष्म उषकः Grīṣma. p

1 नभस्. 2 आ—, 3 आ—, 4 उर्ज. 5—भि.

a Month in which the moon is full near the southern scale. b Near the scorpion. c Likewise ज्येष्ठः. d Near the bow of Sagittarius. e Also षाषाढः, षाषाढकः, and षाषाढादः. f Nearly in the longitude of the eagle. g Nearly in the longitude of the wing of Pegasus. h Near the head of Aries. i Likewise रैवः. j Also अश्वयुजः. k Near the Pleiades. l Comprising A'grahāyan'a. and Pausha. m Likewise हेमन्तः and (शु). n Including Māg'ha and Phālgun'a. o Consisting of Chaitra and Vaiśāc'ha. p Comprehending Jyāishtha and Aśhūd'ha. q Or उषकः. Also अषा, or अषा (शु).

19. निदाघ उष्णोपगमः उष्ण उष्णागमस् तपः  
m m m l m a m b  
2 f d f e  
 Rains. c (स्त्रियां) प्राष्टत् (स्त्रियां ऋन्नि) वर्षा  
3 f g  
 Sultry sea- (अथ) शरत् (स्त्रियाम्)  
 son
20. (षड्मी ऋतवः पुंसि मार्गादीनां युगैः क्रमात्).  
4 m h  
m i m j b m n m 6 f k f l  
 A year. संवत्सरो वत्सरो ऽब्देः हायनेः (ऽस्त्री) शरत् समाः  
 A patriarchal day. m
21. (मासेन स्याद्) ऽहोरात्रः पैत्रो  
7 m  
 A day of the (वर्षेण) दैवतः  
 gods. n  
 A day of (दैवे युगसहस्रे द्वे) ब्राह्मः 42751  
 Brahmaná. o  
 A calpa. p कल्पौ (तु तो वृणाम्)
22. मन्वन्तरं (तु दिव्यानां युगानामेकसप्ततिः)  
n  
m r m m s m n  
 A destruc- संवर्त्तः प्रलयः कल्पः क्षयः कल्पान्तः (द्वत्यपि)  
 tion of the world.

1—स. 2—ष. 3—द. 4 ऋत्. 5 वृत्. 6—दृ. 7 कल्प.

a Likewise उष्णोपगमः, उष्णः, and उष्णागमः. Or उष्णोपगमः, &c. and उष्णोपगमः, &c. b Also तपः (सु). c Containing Śrāvanā and Bhādra. d Likewise प्राष्टत्. e Restricted to the Plural. f Answering to Áśvina and Cārttika. g Also शरदा. h These six seasons severally correspond to two months each, in the same order. i Also संवत्सरः. j Likewise परिवत्सरः, and अतुवत्सरः. But in the quinquennial cycle these are names of different years. k Also शारदः. l Some restrict this to the Plural. m Or a month of mortals. n Or, year of mortals. o Or 2000 *yugas* of the gods : that is, 1000 *yugas* constitute *Brahma's* day, and his night contains as many. p The same grand period, or 432,000,000, years of mortals, measuring the duration of the world ; and as many, the interval until its renovation. q Or a grand period containing seventy-one *yugas* of the gods. r Also संवर्त्तः. Likewise परिवर्त्तः, s Also विकल्प.

SECTION IV.

1. (अस्त्री) पङ्क (पुमान्) पापमा पापं किल्बिष कल्मषम् Sin.  
 कलुषं वृजिनैर्नोषमं हो दुरित दुष्कृतम्  
 2. (स्याद्) धर्म (मस्त्रियां) पुण्य श्रेयसी सुकृतं वृषः Virtue or moral merit.  
 सुत् प्रीतिः प्रमोदा चर्षः प्रमोदा मोद संमदाः Joy, or pleasure. c  
 3. (स्याद्) नन्दथुरानन्द शर्म शात सुखानि (च) Happy, well, or right.  
 श्लः श्रेयसं शिवं भद्रं कल्याणं मङ्गलं शुभम्  
 4. भावुकं भविकं भव्यं कुशलं क्षेम (मस्त्रियाम्) (चा)  
 शस्तं (चा)

(ऽथ त्रिषु द्रव्ये पाप पुण्य सुखादि च)

- 1 पापमन्. 2 एनस्. 3 अघ. 4 अंहम्. or अंवस्. 5 अयस्.  
 सुदु. 7 अा— 8 अा— 9 अा— 10 शर्मन्.

a Used as an epithet, this word varies with the gender of the subject. b As an adjective, this likewise varies with the gender of the subject. c Some restrict the seven terms in the first line, as signifying the actual sensation or mental affection of pleasure; and the other five, as reporting pleasure in the abstract. d Likewise सुदा and सुदिता. e Also नन्दिः and नन्दिः. f Also शातं. g Likewise शौख्यं. h Used as epithets, is and the following words vary with the gender of the subject. Fem. कल्याणी. i Also कुशलं, and कुशलं. k These adjectives are restricted to the genders stated in the text, when employed as substantives to denote the abstract quality. l The three nouns here specified, with those which follow them respectively, or with such only as follow the last of them, being used as adjectives, agree in gender with the subject.

- Excellence, or happiness 5. <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>m n</sup> <sup>l m</sup> <sup>m a</sup> मत्स्यिका मत्स्यिका प्रकाण्ड सुह तस्यौ  
(प्रशस्तवाचकान्यन्वयः)  
2 m  
Good luck, or favorable fortune. 5यः (शुभावहोविधिः)  
Destiny, or luck. <sup>m n b</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>f</sup> <sup>m</sup> 6. दैवं दिष्टं भागधेयं भाग्यं (स्त्री) नियतिर्विधिः  
A cause <sup>m</sup> <sup>m c</sup> <sup>n</sup> हेतु (नी) कारणं बीजं  
A primary cause. <sup>n</sup> <sup>3 n</sup> (निदानं त्वा) दिकारणं  
The soul. 7. चेतन्य आत्मा पुरुषः  
Nature. c <sup>n</sup> <sup>f</sup> प्रधानं प्रकृतिः (स्त्रियाम्)  
State or condition. f (विशेषः कालिको) ऽवस्था  
Qualities of nature. g <sup>n h</sup> <sup>5 n i</sup> <sup>6 n j</sup> (गुणाः) सत्त्वं रजस् तमः  
Birth or production. 8. <sup>7 n</sup> <sup>n</sup> <sup>n k</sup> <sup>f l</sup> <sup>8 f</sup> <sup>9 m</sup> जनुर्जनन जन्मानि जनिरुत्पतिरुद्भवः

1 उ— 2 अय. 3 आ— 4 आत्मन्. 5 रजस्. 6 तमस्.

7 सु. 8 उ— 9 उ—

a In apposition, even as epithets, these do not vary in their gender  
b Also दैव्यं. c Likewise करणं. d Also पुरुषः. e The cause of the material world, or secondly the natural state of anything. f Any particular state, varying with the progress of time; as youth, &c.  
g Severally named in the text; first, the principle of existence, or truth; secondly, that of foulness or passion; thirdly, that of darkness. The first enlightens, constitutes knowledge, and is the cause of truth. The second occasions coveting, and is the cause of pain. The third overpreads, and is the cause of error and illusion. These attributes and essential qualities of nature are according to the *Sanc'hya* philosophy. h Likewise सत्त्वं; i Also Masc. रजः (रज). j Likewise Masc. तमः (तम). k Sing. जन्म or जन्मं. Also Masc. जन्मः. l Or, जन्मो; also Masc. जनि.

- 1 m . m 2 m m m 3 m  
**प्राणी (तु) चेतनो जन्तो जन्तु जन्तु शरीरिणः**  
*f n n* An animal or sentient being.
- जातिर्जातं (च) सामान्यं**  
*f f* Kind or sort.
- व्यक्ति (स्तु) पृथगात्मिका**  
*n 4 n n n 5 n n n a* Individuality.
- चित्तं (तु) चेतो हृदयं स्वातं हृन् मानसं मनः**  
*f f f f f c f d f* The mind or faculty of reason.
10. **बुद्धिर्मनीषा विषया धीः प्रज्ञा शेषुषी मतिः**  
*f 6 f 7 f 8 f 9 f f* Understanding or intellect. b
- प्रेक्षोपलब्धिश्चित् सखित् प्रतिपज् ज्ञप्ति चेतनाः**  
*f* Retentive intellect.
11. **(धीर्धारणावती) मेधा**  
*m c* A resolve or act of determination.
- संकल्पः (कर्म्ममानसम्)**  
*m m g* Consciousness of pleasure or pain.
- चित्ताभोगो मनस्कारश्चर्चा संख्या विचारणा**  
*f i f f* Reflection or consideration. h
- 10 m m 11 m j  
**12. अध्याहारस् तर्क जहे**  
*f f* Reasoning. Doubt or uncertainty.
- धिचिकित्सा (तु) संशयः**

1 प्राचिन्. 2 जन्निन्. 3—रिन्. 4 चेतस्. 5 हृद्.  
 6 उ—खि. 7—त्. 8—इ. 9—हृ. 10—र. 11—ह.

a Some make this masc. and neut. b Or the terms in the first line signify intellect and the faculty of understanding ; and those in the second line signify comprehension, or the exercise of that faculty. c Also प्राज्ञा. d Likewise शेषुषी. e Also विचक्ष्य. f The attention of the mind to its own sensations. Fixed attention and profound meditation, keeping the mind to one object, or continually returning to it ; and calling up a particular thought. For the terms are variously interpreted by the different commentators. g Likewise मनविचारः. h The act of a mind on a subject present to the thoughts ; the exercise of judgment. Or trying a thing by the test of proof. i Also धिर्जनं संस्कारं, and विचारः. j Likewise जहे.

<sup>m</sup> संदेह <sup>m</sup> द्वापरौ (चा)

Certainty  
or ascertain-  
ment.

(ऽथ समौ) निर्णय निश्चयौ

Heterodox  
or heresy.

13. निव्याहृष्टिर्नासिकता

An injuri-  
ous design.

<sup>m</sup> व्यापादे <sup>n</sup> द्रोहचिन्तनम्

A demon-  
strated  
truth.

(समौ) सिद्धांत राह्यांतौ

Error or  
mistake.

<sup>f</sup> भ्रान्तिर्भिष्यामति <sup>f</sup> भ्रमः

An agree-  
ment.

14. संविद्गामुः प्रतिज्ञानं नियमाश्रय संश्रवाः

अङ्गीकाराभ्युपगम प्रतिश्रव समाधयः

True know-  
ledge. d

15. (मोक्षधी) ज्ञानं

Knowledge  
of arts. f.

<sup>n</sup> (अन्यत्र) विज्ञानं (शिल्पशास्त्रयोः)

Beatitude.  
g

<sup>f</sup> मुक्तिः <sup>n</sup> कैवल्य <sup>n</sup> निर्वाणं <sup>n</sup> श्रेयोनिःश्रेयसाहृतम्

1—द.

2 चागु or चागुर.

3 चा—

4 च—

5—धि.

6 अदस.

7 च—

a The disbelief of heaven or a future world, or the denial of a God  
b The meditating of harm, or wishing ill to another ; or the attempt  
to injure. c According to different etymologies, (the termination being  
either derivative or radical,) 2d. sing. and pl. चागुः or चागुव, and चागुद  
or चागुवम्. But चागुः (र्) चागुरं. d Or that which tends to exempt  
the soul from further transmigration. e Some make this the interpre-  
tation, and धीः the word exhibited. \* f Or any knowledge, but that  
of theology. g The delivery of the soul from body, and its exemption  
from further transmigration.

6. मोक्षोऽपवर्षो<sup>m m</sup>  
 (ऽया) ज्ञानमविद्याहंमतिः (स्त्रियाम्)<sup>1 n 2 f 3 f</sup> Spiritual ignorance.  
 रूपं शब्दो गन्ध रस स्पर्शाश्च (च)<sup>n m m m 4 m</sup> Five objects of sense. b  
 विषया (षमी)<sup>m</sup> An object of sense. c
7. गोचरा इन्द्रियार्थाश्च (च)<sup>m 5 m</sup>  
 हृषीकं विषयीन्द्रियम्<sup>n 6 n 7 n</sup> An organ of sense.  
 कर्मेन्द्रियं (तु पायादि)<sup>n</sup> An organ of action. d  
 (मनोनेत्रादि) धीन्द्रियम्<sup>n</sup> An intellectual organ. e
8. तुषरस्त्वक् कषायोऽस्त्री<sup>8 m n f m n</sup>  
 मधुरो लवणः कटुः<sup>m m m h</sup> Five other tastes. g  
 तिक्तोऽप्यश्च (च) रसाः (पुंसि)<sup>m 9 m i</sup>  
 (तद्वत्सु षडमी त्रिषु)<sup>j</sup>

1 स्त्र. 2 अं—: 3 स्त्र— 4 स्पर्श. 5—र्ष. 6—विम्.  
 ७— 8र—, 9 अश्व.

a Or belief of external appearances. b Severally named in the text ; z. colour, sound, odour, flavour, and contact. c Sing. विषयः. d Viz. त् hand, the foot, the voice, the organ of generation, and the organ of creation. e Viz. the mind, the eye, the ear, the nose, the tongue, and the skin. f Also तुषरः or तुषरः. g Severally stated in the text ; viz. मधुर, लवण, कटु, तिक्त, and अश्व. All these terms, signifying particular tastes, vary with the gender of the subject, when they are used as adjectives.



A pleasing  
scent. a

19. (विमर्होन्ने) परिमलो (गन्धे जनमभोहरे)

A fragran-  
cy or per-  
fume. b.

आमोदः (सोऽतिनिर्हारी)

(वाप्यलिङ्गत्वमागुणात्)

A scent  
spreading  
far.

20. समाकर्षी (तु) निर्हारी

A perfume  
or fragrant  
substance.

सुरभिघ्राणतर्पणः

d

दृष्टगन्धः सुगन्धिः (स्याद्)

A perfume  
for the  
mouth. g

आमोदी मुखवासनः

An ill smel-  
ling sub-  
stance.

21. पूतिगन्धिस् (तु) दुर्गन्धो

A smell  
like that of  
raw meat. j

विच्छं (स्याद्) भगन्धि (यत्)

White.

22. शुक्ल शुभ्र शुचि श्वेत विशद श्वेत पाण्डुराः

1—भिन्. 2—रिन्. 3—दिन्. 4—न्वि. 5—न्व. 6—ष्वा

a Such as is extracted by rubbing fragrant substances. Ex. Blossoms of the Mimusops elengi. b A very delightful odour, and strong smell. Ex. Musk. c Used as adjectives, they agree in gender with the subject. This extends to the close of the section. d Ex. the flower of the Michelia champa. Some restrict the two first terms, others the two last, to signify a fragrant substance; and the remaining terms, fragrancy. e Fem. सुरभी. f Fem. सुगन्धी. g Usually prepared in the form of a pill; or any fragrant drug so employed. Ex. Camphor h Also. मुखवासनः. i Also दुर्गन्धी (न्). j Or, according to some, like the smoke of a funeral pile. k Likewise विच्छं. l These and the following names of colours, when used as adjectives, agree in gender with the subject. m Fem. श्वेता and श्वेता or श्वेती \* Also विशदः.

|     |  |                     |
|-----|--|---------------------|
|     | <sup>n</sup> <sup>m a</sup> <sup>m</sup> <sup>m b</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>              |                     |
|     | अवदातः सितो गीरो बलक्षो धवलो ऽर्जुनः   |                     |
|     | <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>l m</sup>   |                     |
| 23. | हरियाः पाण्डुरः पाण्डुरः   | Yellowish white.    |
|     | (ईषत्याण्डुस्तु) धूसरः   | Grey.               |
|     | <sup>m</sup> <sup>m c</sup> <sup>2 m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> |                     |
|     | लक्षो नीलासित श्याम काल श्यामल मेचकाः  | Black or dark blue. |
|     | <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>   |                     |
| 24. | पीतो गीरो हरिद्राभः  | Yellow.             |
|     | <sup>m d</sup> <sup>m c</sup> <sup>m</sup>   |                     |
|     | पलाशो हरितो हरितः  | Green.              |
|     | <sup>m f</sup> <sup>m</sup> <sup>m g</sup>   |                     |
|     | रोहितो लोहितो रक्तः  | Red.                |
|     | <sup>m i</sup> <sup>n</sup>  |                     |
|     | शोणः कोकनदश्रविः   | Crimson. h          |
|     | <sup>3 m</sup>   |                     |
| 25. | (अस्यक्तरागस्व) वणः  | Dark red. j         |
|     | <sup>m</sup>   |                     |
|     | (खेतरक्तस्व) पाटलः   | Pale red or pink. k |
|     | <sup>m</sup> <sup>m</sup>  |                     |
|     | श्यावः (स्यात्) कपिशो  | Brown. l            |
|     | <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>   |                     |
|     | धूम धूमलौ लक्षणलौहिते  | Purple. m           |

1—वङ्गः. 2 व— 3 व—

a Fem. सिता. b Likewise. अवलक्षः. c Fem. नीला. d Also पलाशः. Fem. हरिता, or हरिणी. f Fem. रोहिता or रोहिणी, and लोहिता or लोहिणी. g Fem. रक्ता. h The colour of the red lotus. i Fem. शोणा or शोणी. j The colour of the dawn, or of madder. k The colour of arthamus. l Compounded of black and yellow; the colour of an ape. m Compounded of black and red; the colour of smoke.

|             |          |           |           |           |           |           |          |
|-------------|----------|-----------|-----------|-----------|-----------|-----------|----------|
|             | <i>m</i> | <i>n</i>  | <i>m</i>  | <i>ma</i> | <i>mb</i> | <i>mc</i> |          |
| Tawny.      | क        | पि        | पि        | पि        | पि        | पि        | क        |
|             | <i>n</i> | <i>nd</i> | <i>me</i> | <i>lm</i> | <i>mf</i> |           |          |
| Variegated. | 26.      | चि        | कि        | क         | श         | क         | क        |
|             |          |           |           |           |           |           | <i>g</i> |
|             |          |           |           |           |           |           |          |

(गुणे शुक्लादयः पुंसि गुणिलिङ्गास्तु तद्वति)

## SECTION V.

|                           |          |          |          |            |            |            |                   |
|---------------------------|----------|----------|----------|------------|------------|------------|-------------------|
|                           | <i>f</i> | <i>f</i> | <i>f</i> | <i>2fi</i> | <i>3fj</i> | <i>fk</i>  | <i>f</i>          |
| The goddess of speech. h. | 1.       | व्रा     | ह्मी     | (तु)       | भार        | ती         | भाषा              |
|                           |          | <i>m</i> | <i>f</i> | <i>n</i>   | <i>n</i>   | <i>n</i>   | <i>4n</i>         |
| Voice or speech.          |          | व्या     | हार      | उ          | क्ति       | र्ल        | पितं              |
|                           |          | <i>m</i> | <i>l</i> | <i>m</i>   |            |            |                   |
| Ungrammatical language.   | 2.       | अ        | प        | भ्रं       | शो         | प          | शब्दः             |
|                           |          |          |          |            |            |            | (स्वांश्च)        |
| A word.                   |          |          |          |            |            | <i>m</i>   | <i>m</i>          |
|                           |          |          |          |            |            | (ह्वास्ते) | शब्द (स्तु) वाचकः |

1 एत. 2 गिर. 3 वाच् 4—स्.

a Fem. पिशंगी. b Some read वभ्रः. c Fem. पिशंगा. d Also कर्षीरः.  
e Fem. एता or एनी. f Also कर्षरः. g The foregoing names of colours  
vary with the gender of the subject, when they are used as adjectives.  
h The same words are also synonymous with the following as denoting  
speech. i Likewise गिरा. j Also वाचा. k Likewise वार्षिः. l Some  
add अपभ्रंशः.

३. (तिङ्शुबन्तश्चये) वाक्यं (क्रिया वा कारकान्विता) A sentence.  
 श्रुतिः (स्त्री) वेद् आम्नायस् The *Védas*,  
 तथैधर्मं (सु तद्विधिः) The duty  
 1 f 2 n 3 n enjoined  
 4. (स्त्रियां) ऋक् साम यजुषो by them. b  
 (वृत्ति वेदास्त्रयः) त्रयो Three  
 (यिच्छेत्वादि श्रुतेर) इमं *Védas*. d.  
 5. इतिहासः पुरावृत्तं The aggregate  
 (उदात्ताद्यास्त्रय) स्त्रयाः of them.  
 आम्नीक्षिकी देखनीति (सर्कविद्यार्थशास्त्रयोः) A *Védānga*.  
 6. आख्यायिके (पलम्बार्था) The sacred  
 ओङ्कार प्रणवो (समौ) name of  
 7. इतिहासः पुरावृत्तं GOD. f  
 (उदात्ताद्यास्त्रय) स्त्रयाः History. g  
 आम्नीक्षिकी देखनीति (सर्कविद्यार्थशास्त्रयोः) An accent.  
 8. आख्यायिके (पलम्बार्था) Logic and  
 पुराणं पञ्चलक्षणं ethics. i  
 9. आख्यायिके (पलम्बार्था) A tale. j  
 पुराणं पञ्चलक्षणं A *Purāṇa*.  
 क

1 ऋक्. 2 सामन्. 3 यजुष. 4 सङ्ग. 5 —का.

a The Indian scriptures and holy writ. b Chiefly the performance sacrifices in the manner directed by the *Védas*. c Or धर्म, for the preceding term may belong to the synonyms of *Véda*. d Severally named in the text. e A science appendant on the *Védas*; viz. pronunciation, grammar, prosody, explanation of obscure terms, religious rites, astronomy. f The syllable *Óm*. g Or a work recording former transactions, and containing traditions: heroic history. h Acute, grave, or circumflex. Sing. स्त्रयाः. Pl. स्त्रयाः. i Severally named in the text, and explained in the same order. Logic includes the *Nyáya*, *Vaisésh'ca* and other schools of reasoning. j A true, or a probable story. k Or eponymy, comprising past and future events, under five heads: the creation; the destruction and renovation of worlds; genealogy of gods and heroes; the reigns of *Menu*; and the transactions of their descendants.

A feigned  
story. a

(प्रबन्धकल्पना) कथा

A riddle. b.

प्रबन्धिका प्रहेलिका

A code of  
laws.

7. स्मृति (स्तु) धर्मसंहिता

A compila-  
tion and a-  
bridgment.

समाह्वति (स्तु) संग्रहः

A part of a  
stanza. e.

समस्या (तु) समासार्था

A rumour.  
g

किंवदन्ती जनश्रुतिः

Tidings or  
intelli-  
gence.

8. वार्त्ताप्रतिर्दत्तान्त उदन्तः (स्याद्)

A name or  
appellation.

(अया) ह्वयः

आख्याहे (चा) भिधानं (च) नामधेयं (च) नाम (च  
5 f j 6 n k 7 n

A call or  
summons.

9. हतिराकरणाह्वानं

Clamour. l

संहति (वृद्धभिः कृता)

A contest  
or law suit.

विवादे व्यवहारः (स्याद्)

The exor-  
dium.

उपन्यास (स्तु) वाक्पुष्पम्

1 चा—

2 चाह्वा.

3 च—

4—नु.

5—ति.

6 चा—

7 चा—

a Whether founded in fact or not ; for example, the poem entitled *Cādambari*. b Or intricate question. c Also प्रबन्धिका and प्रबन्धि or प्रबन्धी d Likewise प्रहेलिः. e Proposed as a trial of skill, to be completed. Or rather the verse or verses by which the stanza is completed. f Also समस्यार्था and असमसप्रस्यार्था. g Whether true or false. h Also किंवदन्तिः. i Likewise fem. अभिधा, अभिधा, संघ &c. j Also वाह्वयिः. k Likewise fem. वाकरणा and वाकारवा, i C citation by many at once. m Also व्यवहारसं.

- <sup>m</sup> <sup>na</sup>  
 1. उपोद्घात उदाहारः An example  
or apposite  
argument.
- <sup>n</sup> <sup>b</sup> <sup>m</sup>  
 शपनं शपथः (पुमान्) An oath.
- <sup>m</sup> <sup>c</sup> <sup>m</sup> <sup>f</sup>  
 प्रश्नोऽनुयोगः पृच्छा (च) A question.
- <sup>n</sup> <sup>d</sup> <sup>l</sup> <sup>n</sup>  
 प्रतिवाक्योत्तरे (समे) An answer.
- <sup>m</sup> <sup>n</sup>  
 1. मिथ्याभियोगोऽभ्याख्यानम् A ground-  
less demand.
- <sup>n</sup>  
 (अथ) मिथ्याभिशंसनम् A false ac-  
cusation.
- <sup>m</sup> <sup>e</sup>  
 अभिशपः A sound in-  
dicating af-  
fection and  
satisfaction.
- <sup>m</sup> <sup>f</sup>  
 प्रणाद (स्तु शब्दः स्यादनुरागजः) A sound in-  
dicating af-  
fection and  
satisfaction.
- <sup>2</sup> <sup>n</sup> <sup>f</sup> <sup>a</sup> <sup>f</sup> <sup>h</sup>  
 2. ययः कीर्तिः समाज्ञा (च) Fame and  
reputation.
- <sup>m</sup> <sup>n</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup>  
 खवः खोवंस्तु तन्तुतिः Praise.
- <sup>f</sup>  
 आन्वेडितं (द्विस्त्रितम्) Repetition,
- <sup>n</sup> <sup>f</sup>  
 उच्चैर्घटं (तु) घोषणा Making a  
loud noise.
- <sup>f</sup>  
 3. काकुः (स्त्रियां विकारो यः शोकभीत्यादिभिर्ध्वनेः) Change of  
voice in  
grief, fear,  
&c.
- <sup>m</sup> <sup>3</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>4</sup> <sup>m</sup>  
 क्षवर्णाक्षेपनिर्वाद परीवादापवाद (वत्) Censure,  
blame, or  
contempt.
- <sup>m</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>n</sup>  
 4. उपकोशोऽङ्गुप्सा (च) कुत्सा निन्दा (च) गर्हणो

1—उ. 2—घ. 3—आ. 4—ख.

<sup>a</sup> Likewise उदाहारणं. <sup>b</sup> Also शपः. <sup>c</sup> Likewise प्रश्नः. <sup>d</sup> Also प्रतिवाक्यं. <sup>e</sup> Likewise अभिशपः. <sup>f</sup> Also प्रणादः. <sup>g</sup> Likewise कीर्तिः. <sup>h</sup> Also समाज्ञा, समख्या and समाख्या. <sup>1</sup> A sound uttered twice or thrice, or oftener.

Opprobrious or unfriendly speech. Reproach or menace. Reproof attended with insult or disparagement. An imputation of adultery. Address, or speaking to.

Incoherent speech.

Tautology.

Lamentation.

Quarrel, or mutual contradiction.

Conversation. Speaking well, or elegant discourse. Denial, or concealment of knowledge. Declaration.

Unauspicious discourse.

Good and auspicious discourse.

<sup>a</sup> <sup>1 m</sup> पारध्वम्भिवादः (स्यात्)

<sup>n</sup> <sup>2 f</sup> भस्मनं (त्) पकारणीः

15. (यः सनिन्द उपालंभ सत स्यात्) परिभाषणम्  
<sup>3 n f a</sup> (तत्र त्वा) चारणा (यः स्यादाक्रोभो भैथुनं प्रति)  
<sup>4 n</sup> <sup>5 m</sup>

19. (स्याद्) आभाषणमालापः

<sup>m</sup> प्रलापो (इत्थं वचः)

<sup>m</sup> <sup>f</sup> असुलापोऽसुद्धभाषा

<sup>m</sup> <sup>n</sup> विलापः परिदेवनम्

17. विप्रलापो विरोधोक्तिः

<sup>m</sup> संलापो (भाषणं मिथः)

<sup>m</sup> <sup>m</sup> सुप्रलापः सुवचनं

<sup>m</sup> <sup>m</sup> अपलाप (स्तु) निऋवः

18. संदेशवाग् वाचिकं (स्याद्)

<sup>b</sup> (वाग्भेदास्तु द्विषुत्तरे

<sup>m f c</sup> उषती (वाग्कल्याणी)

<sup>f d</sup> (स्यात्) कल्या (त शुभालिङ्ग

1 च— 2 च—ट् 3 च— 4 च— 5 च— 6—च्

<sup>a</sup> Also चारणा. <sup>b</sup> The following terms vary with the gender of the subject. <sup>c</sup> Masc. उषन्. Fem. उषती. Neut. उषत्. Also वषतो. Mas वषन्, &c. <sup>d</sup> Likewise कल्या.

19. (अत्यर्थमंधुरं) सात्वं<sup>n</sup>  
 संगतं हृदयंगमम्<sup>n</sup>  
 निष्ठुरं परुषं<sup>n</sup>  
 प्रास्यमञ्जीलं<sup>n</sup>  
 हृद्यं (प्रिये)<sup>n</sup>
- 20 सत्ये)  
 (ऽय) संकुलं क्लिष्टे परस्परपराहते<sup>n</sup>  
 (क्षुप्तवर्णपदं) ग्रसं<sup>n</sup>  
 निरसं त्वरितोत्तमम्<sup>n</sup>
21. (अस्वदृतं) सतिष्ठेवं<sup>n</sup>  
 अवहं (स्याद्) दर्शनम्<sup>n</sup>  
 अनन्तरमवाप्यं (स्याद्)<sup>n</sup>  
 आहतं (तु) स्वधर्मज्ञा<sup>n</sup>
22. (अय) क्लिष्टमविस्पष्टं<sup>n</sup>  
 वितथं (त्व) दृतं (वचः)<sup>n</sup>  
 सत्यं तथ्यदृतं रुस्यग<sup>n</sup>  
 (अस्यनि त्रिषु तद्गति)
- Very sweet and conciliating.  
 Apposite and proper.  
 Harsh, and contumelious.  
 Pustic and homely.  
 Pleasing, but true.  
 Inconsistent, and contradictory.  
 Imperfectly pronounced, or slurred, and spoken fast, hurried.  
 Sputtered, b  
 Unreasonable, or nonsensical discourse  
 Unfit to be uttered  
 An impossibility.  
 An indistinct speech.  
 False.  
 Truth; or true.

1 अ—, 2 अ—, 3 अ—, 4 अ—, 5 अ—, 6 दृतं, 7 सत्यं.

<sup>a</sup> By omitting a letter or syllable. <sup>b</sup> Spoken with emission of saliva. <sup>c</sup> Or सनिष्ठोः. <sup>d</sup> Or स्वधर्मः. <sup>e</sup> Blamable discourse. <sup>f</sup> Masc. अवहं. Fem. समावा. Naut. सव्यक्. <sup>g</sup> The foregoing likewise agree in gender with the subject, when metaphorically used as epithets of the speaker instead of the speech.



## SECTION VI.

|                                |   |
|--------------------------------|---|
|                                | <i>m a m m m m m b m</i>  |
| Sound.                         | 1. शब्दे निनाद निनाद ध्वनि ध्वान रव स्वनाः<br><i>m m m m m m m</i><br>स्वान निर्घोष निर्घोष नाद निस्वान निस्वना<br><i>m l m m m</i>       |
|                                | 2. चारवारव संराव विरावा<br><i>m</i>   |
| Rustling, c                    | (अथ) मर्मरः<br>(स्वनिते वस्त्रपर्णानां)   |
| The tinkling of ornaments.     | <i>n d</i><br>(सूषणानां तु) शिञ्जितम्<br><i>m m m m n</i>   |
| A tone, or musical sound       | 3. निक्काणो निक्काणः क्काणः क्काणः क्काण (मित्यपि)<br><i>m m m m e</i><br>(वीणायाः क्वनिते प्रादेः) प्रक्काण प्रक्काण (दयः)<br><i>m m</i> |
| The sound of a lute.           |   |
| A confused or mingled sound. f | 4. कोलाहलः कलकलस्<br><i>n g n</i>   |
| The cry of birds, &c.          | (तिरस्त्रां) वाशितं रुतं<br><i>f m h</i>  |
| An echo.                       | (खे) प्रतिश्रुत् प्रतिध्वाने<br><i>n n</i>  |
| A song or singing.             | गीतं गानं मिमे संमे   |

1 शब्—

<sup>a</sup> Also शब्दनं. <sup>b</sup> Likewise रावः. <sup>c</sup> Of clothes or dry leaves  
<sup>d</sup> Also शिञ्जा. <sup>e</sup> Including उपक्काणः, सुक्काणः, &c. <sup>f</sup> Or a noise made  
 by many. <sup>g</sup> Also वाशितं. <sup>h</sup> Likewise प्रतिस्वनः.

## SECTION VII.

- m b l m m m m 2 m*
1. निषाद<sup>3 m</sup>षेभ गांधार षड्ज मध्यम धेवताः The seven musical notes, a
- पञ्चमं<sup>f d</sup> (चेत्यमी सप्त तंत्रीकण्ठोत्थिताः स्वराः)
2. काकली<sup>4 m e</sup> (तु कले च्छले) Minute tone, c  
(धनौ तु मधुरास्फुटे) An inarticulate, but pleasing tone.
- काली<sup>m g</sup>  
मन्द्र (स्तु गंभीरे) A base or low tone, f
- तारी<sup>m</sup> (ऽत्युच्चैस्) A high tone.  
(त्रय स्त्रिषु)<sup>h</sup>
3. (समन्वितलयस्वे) कतालौ<sup>5 m j</sup> Harmony, i
- वीणा<sup>f</sup> (तु) वल्लकी<sup>f</sup> A lute.
- विपंची<sup>f</sup>  
(सा तु तंत्रीभिः सप्तभिः) परिवादिनी<sup>f</sup> A lute with seven strings.

1 क— 2—त. 3—म. 4 कल. 5 ए.

Severally named in the text. They are so called respectively, whether produced by the voice, or by a musical instrument. <sup>b</sup> Also निषदः. <sup>c</sup> As the chirping of birds; inarticulate and sweet. <sup>d</sup> Likewise काकलिः. <sup>e</sup> Or, as an adjective, it agrees in gender with the subject; and so do the two following. <sup>f</sup> Ex. the grumbling of clouds. <sup>g</sup> Likewise कलः. <sup>h</sup> The three last nouns vary with the gender when used as adjectives. <sup>i</sup> Or proper union of song, dance and instrumental music, keeping time together. See v. 10. <sup>j</sup> Also एकतानः.

|   |   |   |
|---|---|---|
| Any string instrument.                          | 4. ततं <sup>n</sup> (वीणादिकं वाद्यं)           |   |
| A drum or tympan.                               |   | पानघं <sup>na</sup> (सुरजादिकम्)                            |
| A wind instrument.                              | (वंश्यादिकं तु) शुषिरं <sup>nb</sup>            |   |
| A cymbal, bell, &c.                             |   | (कांस्यतालादिकं) घनम् <sup>n</sup>                          |
| A musical instrument.                           | 5. (चतुर्विधमिदं) वाद्यं वादित्वातोद्य (नामकम्) |   |
| Drums and tabors.                               | सदङ्गा सुरजा                                    |   |
| Three sorts or drums. d                         |   | (भेदाद्) ङ्गालिङ्गोर्हका (स्त्रयः)                          |
| A double drum. f                                | 6. (स्याद्य) यः पठहेऽडका                        |   |
| A kettle drum. g                                |   | भेरे <sup>fh</sup> (स्त्री) दुर्हभिः <sup>mi</sup> (पुमान्) |
| A large kettle drum.                            | आनकं पटहेऽस्त्री स्यात्                         |   |
| The quill, or bow. j.                           |   | कोणो <sup>m</sup> (वीणादिवादनम्)                            |
| The neck of a lute. The belly be'ow the neck. k | 7. वीणा. शड प्रवालः (स्यात्)                    |   |
|   |   | ककुभ <sup>m</sup> 'स्तु प्रनेत्रकः <sup>ml</sup>            |

1 चा— 2 अक्षय 3 अ— 4 क— 5 य—

<sup>a</sup> Likewise अथनङ्गं. <sup>b</sup> Also सु'षिरं. <sup>c</sup> Sing. सदङ्गः and सुरजः. <sup>d</sup> Severally named in the text. They vary in size and shape, and are borne differently. See the descriptions in other dictionaries. <sup>e</sup> Likewise अङ्गो वा'लिङ्ग and जङ्गं. <sup>f</sup> In Hindi, a *D'hól*. <sup>g</sup> A large *D'hól*. <sup>h</sup> Likewise भेरेः. <sup>i</sup> Also, on a different reading of the text, आनकं, आनकदुर्हभिः, and आनकदुर्हभिः. <sup>j</sup> Or any thing with which a musical instrument is struck. <sup>k</sup> A woollen vessel covered with leather, placed under the neck to render the sound deeper; or a crooked piece of wood at the extremity of the lute. <sup>l</sup> Also प्रनेत्रकः.

- कोलम्बक<sup>m</sup> (स्तु) काये (ऽस्या) The body of the lute. a
- उपनाहे<sup>m</sup> निबन्धनम्<sup>n</sup> The tie. b
४. (वाद्यप्रभेदा<sup>m d</sup> उमरु<sup>m</sup> मड्ड<sup>m</sup> डिण्डिम<sup>m</sup> भर्त्ताः) Other instruments. c
- मर्दलः<sup>m</sup> पणवे<sup>m c</sup> (ऽन्ये च)
- नर्त्तकी<sup>f</sup> लासिके<sup>1 f</sup> (समे) A female dancer. f
९. (विलम्बितं<sup>n</sup> द्रुतं<sup>n h</sup> मध्यं<sup>2 m</sup>, तत्रमेघोषनं<sup>n</sup> क्रमत्) Slow, quick, and mean, time. g
- तः<sup>m</sup> लः (कालक्रियमानं) Beating time.
- लयः<sup>m</sup> (सास्यं) Equal time in music and dance.
- (अथास्त्रियाम्)
- १० ताण्डवं<sup>m n</sup> नटनं<sup>n</sup> नाद्यं<sup>n</sup> लः<sup>n</sup> स्यं<sup>n i</sup> वृत्तं<sup>n</sup> च) नर्त्तने Dancing.
- तं<sup>n</sup> र्व्यतिकं<sup>n</sup> (वृत्तगीतवाद्यं) नाद्यं<sup>n</sup> मिदं<sup>n</sup> त्वयम्) Symphony.
११. अङ्कुसं<sup>n k</sup> (स्व) अङ्कुसं<sup>m</sup> (स्व) अङ्कुसं<sup>m</sup> (स्वेतिनर्त्तकः) A male dancer in woman's apparel.

१--का. २ खोव.

<sup>a</sup>Complete, excepting the wires; including, therefore, the gourd, neck, and belly. <sup>b</sup>Or lower part of the tail-piece where the wires are fixed. <sup>c</sup>Of divers sorts; severally mentioned in the text: besides others, as गोसुखः, लडक, &c. See descriptions in various dictionaries.

<sup>1</sup>Likewise neut. उमरुन्. <sup>2</sup>Also प्रखरः. <sup>f</sup>So, नर्त्तकः, or लासिकः, a male dancer. <sup>g</sup>Severally stated, in their order. <sup>h</sup>Also नर्त्त, and नर्त्तव. <sup>i</sup>Also नृत्तं, <sup>j</sup>Or union of song, dance, and instrumental music. <sup>k</sup>Also अङ्कुसः, अङ्कुस.

## स्त्रीवेषधारी पुरुषो)

A courtesan. a

(नाच्योक्तौ गणिका) <sup>f</sup>ञ्जुका

A sister's h band.

12. (भगिनीपतिरा) <sup>1 m</sup>बुक्तो

A learned man.

<sup>m</sup>भावे (विद्वान्)

A father.

(जनको)

<sup>2 m</sup>(अया) बुक्तः

A prince. b

(सुवराजसु) <sup>m</sup>कुमारो <sup>m</sup>भर्तृदारकः

A king.

13. (राजा) <sup>m</sup>भट्टारको <sup>m</sup>देवसु

A princess.

<sup>f c</sup>(तक्षता) भर्तृदारिका

A queen. d

<sup>f</sup>देवी (सुताभिषेकायां)

Any wife of a king.

<sup>f e</sup>(इतरासु च) भट्टिनी

Sacred. f

14. <sup>n g</sup>अवहाण्य (मृबध्योक्तौ)

A king's brother-in-law.

<sup>m</sup>(राजस्यलसु) राष्ट्रियः

A mother.

<sup>f</sup>अम्बा (माता)

A young girl.

<sup>f</sup>(इय वानास्याद्) वासुद् <sup>m h</sup>

A venerable person.

(आर्यस्तु) मारिषः

1 अ— 2 अ—

<sup>a</sup> This, and the terms exhibited in the three following couplets, are used in theatrical language; and some are forms of address employed only by certain descriptions of persons. See other dictionaries. <sup>b</sup> Designated as successor, and associated to the empire. <sup>c</sup> Some add भर्तृदारिका. <sup>d</sup> Consecrated with the king. <sup>e</sup> One commentary reads भगिनी. <sup>f</sup> Implying, according to some, a request to spare the thing in question. <sup>g</sup> Likewise अवहाण्यं. <sup>h</sup> Also वार्षः and वार्षः.

|  |  |                          |
|--|--|--------------------------|
| <sup>j a</sup><br>अन्निका (भगिनी ज्येष्ठा)   |  | An eldest sister.        |
| <sup>f</sup> <sup>n c</sup><br>निष्ठा निर्वाहणे (समे)  |  | The catastrophe. b       |
| <sup>i</sup> <sup>i</sup> <sup>i</sup><br>इच्छे इच्छे इच्छे (ज्ञानं नीचं चेटो सखीं प्रति)          |  | Appropriate vocatives. d |
| <sup>m e</sup> <sup>m</sup><br>अङ्गहारोऽङ्गविच्छेपे  |  | Gesture.                 |
| <sup>m</sup> <sup>l m</sup><br>व्यञ्जकाभिनयौ (समौ)   |  | Indication of a passion. |
| <sup>2 m f n</sup> <sup>m f n</sup><br>(निर्वृत्ते त्वङ्गसत्वाभ्यां द्वे त्रिष्वपि) द्विक सात्विके |  | Two sorts of tokens. f   |
| (अङ्गारवीरकरणाङ्गतहास्यभयानकाः)  |  | Taste, or sentiment. g   |
| <sup>m h</sup><br>वीभत्सरौद्रे च) रसाः   |  |                          |
| <sup>m</sup> <sup>2 m</sup> <sup>4 m</sup><br>अङ्गारः शुचिरञ्जलः                                   |  | Love.                    |
| <sup>m</sup> <sup>m</sup><br>उत्साहवर्द्धने वीरः   |  | Heroism.                 |
| <sup>n</sup> <sup>f</sup><br>कारण्यं करुणा दृशा  |  | Tenderness.              |
| <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>5 f</sup><br>क्षपा द्यामुकम्भा (स्याद्) मुकोशो (ऽप्य)               |  |                          |
| <sup>6 m</sup><br>(ऽथो) हसः  |  | Laughter.                |

ख— १ खा— ३—चि. ४ उ— ५ झ— ६ ञ—  
 a Also अन्निका or अन्निका. b Or conclusion of the fable. c Some निवर्हणं. d Addressed, respectively, to a low woman, a slave, or a female friend. These vocative particles and the preceding as, from the close of v. 11. are in general restricted to theatrical usage. e Also अङ्गहारिः. f First corporeal, as an assumed posture; second sincere, as a blush or change of colour. Besides others; by speech, &c. g In dramatic poetry the tastes, or sentiments, which the audience sympathizes, are reckoned eight: as here enumerated. To which some add शान्तः, devotion and resignation. Others श्रद्धा, parental affection. h Sing, रसः.

19. हास्ये हास्यं (च)

Disgust.

Surprise,  
or wonder-  
ful.

Horror, or  
terrific.

<sup>m f n</sup> <sup>m f n b</sup>

वीभत्सं विकृतं (त्रिष्विदं इय

<sup>m</sup> <sup>n c</sup> <sup>l n</sup> <sup>n</sup>  
विस्मयेऽद्भुतमाश्चर्यं चित्त (मण्य)

(ऽय) भैर

20. दारुणं भीषणं भीष्मं घोरं भीमं भयानकम्  
भयङ्करं प्रतिभयं

Wrath, or  
angry.

<sup>n</sup> <sup>2 n</sup>  
रौद्रं (तू) म्  
(अमीतिषु

21. चतुर्दश

Fear, or  
terror.

Sentiment  
or passion.

Indication  
of it.

Pride.

Arrogance.

Disrespect.

<sup>m n</sup> <sup>m f</sup> <sup>f f g</sup> <sup>n</sup>

दर त्रासौ भीतिर्भीः साध्वसं भ

(विकारो मानसो) भावो

<sup>m</sup>  
ऽनुभावे (भावबोध

22. गर्वाऽभिमानोऽहंकारो

<sup>m</sup> <sup>3</sup>

मानश्चित्तसमुच्च

<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m i</sup> <sup>4 f</sup>  
अनादरः परिभवः परिभावस्त्रिरस्त्रिया

1 आ—.

2 उ—.

3 षि—.

4 ति<sup>c</sup>.

<sup>a</sup> Also fem. हासिका. <sup>b</sup> Likewise वैकृतं. <sup>c</sup> This and the fol-  
ing admit the three genders when employed as adjectives. <sup>d</sup> M  
भैरवः. Fem.—वी. <sup>e</sup> The last fourteen terms, used adjectively,  
mit the three genders. Ex. Fem. रौद्री. <sup>f</sup> Also संज्ञावः, उच्च  
विज्ञावः. <sup>g</sup> Likewise भीतं, भया, भवः. <sup>h</sup> Some, not im-  
perly, reckon these terms to be synonymous with the prece-  
<sup>i</sup> Also परीभावः.

|  |                                |
|--|--------------------------------|
| <sup>f</sup> 1 <sup>a</sup> 2 <sup>f</sup> <sup>nb</sup> 3 <sup>nc</sup>   |                                |
| रीढावमाननावज्ञा अवहेलमसूक्ष्णम्  |                                |
| <sup>nd</sup> <sup>f</sup> 4 <sup>f</sup> <sup>mfc</sup> <sup>ff</sup>   | Modesty or shame.              |
| मन्दाच्चं क्रीडपात्रीडा लज्जा  |                                |
|  | (सा) ऽपत्नपा (ऽन्यतः)          |
| <sup>f</sup> 5 <sup>f</sup>  | Bashfulness.                   |
| जातिस्तिच्छा   | Patience, forbearance.         |
|  | ऽभिध्या (तु परस्वविषये स्पृहा) |
| <sup>f</sup> 6 <sup>f</sup>  | Coveting another's property.   |
| अज्ञातिरीष्या  | Envy. g                        |
|  | ऽसूया (तु दोषारोपोरुणेष्वपि)   |
| <sup>n</sup> <sup>m</sup> <sup>mh</sup>  | Detraction.                    |
| i. वैरं विरोधे विहेषे  | Enmity.                        |
| <sup>n</sup> 7 <sup>m</sup> 8 <sup>f</sup>   |                                |
| मन्यु शोकौ (तु) शुक् (स्त्रियाम्)  | Grief or sorrow.               |
| <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>mi</sup>  |                                |
| पश्चात्तापो ऽनुताप (श्च) विप्रतीसार (द्वत्यपि)   | Repentance.                    |
| <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>mi</sup> <sup>m</sup> 9 <sup>m</sup> 10 <sup>f</sup> 11 <sup>f</sup> <sup>k</sup> |                                |
| i. कोप क्रोधः ऽमर्ष रोष प्रतिष्ठा रुट्क्रुधौ (स्त्रियाम्)  | Wrath, or rage.                |
| <sup>n</sup>   |                                |
| (शुचौतु चरिते) शीलं  | Good conduct.                  |
| <sup>m</sup> 12 <sup>m</sup>   |                                |
| उन्माद स्थित्तिविध्वंसः  | Madness.                       |

१— २ ख— ३ ख— ४ ख— ५ ति— ६ ई—  
७ शोक. ८ शुक्. ९—च. १० रुष ११ क्रुधु. १२ चि—

<sup>a</sup> Also विमानना. <sup>b</sup> Likewise अवहेला, and हेला. <sup>c</sup> Also उच्यं, असर्षणं, असुच्यं, and संसुच्यं. <sup>d</sup> Likewise मन्दास्यं. Also म्रीडनं, and म्रीडितं. <sup>e</sup> Likewise लज्जा. <sup>f</sup> Or impatience another's excellence or success. <sup>g</sup> Also द्वेषः. <sup>h</sup> Or विप्रतीसारः. <sup>i</sup> Or विप्रतीसारः. <sup>k</sup> Also रुषा. and क्रुधा.



- 1 m f n 2 n a m  
 Affection or kindness. 27. प्रेमा (मा) प्रियता चाहं प्रेम स्नेहे।  
 Desire or longing. b (ऽथ) दोहदं  
 Wish or desire. f 3 f d 4 f f 5 f e f f m  
 इच्छाकांक्षा स्पृहेहाहृद्वाब्धा लिप्सा मनोरथः  
 28. कामेऽभिलाषसर्ष (श्च)  
 Ardent desire. m f g (समहाल्) लालसा (द्वयोः)  
 Virtuous reflexion. m f उपाधि (ना) धर्मचिन्ता  
 Anxiety. h m i (पुंस्या) धि (मानसी व्यथा)  
 Recollection. f j f i u k 29. (स्यात्) चिन्ता स्मृतिराध्यानं  
 Missing. l f 8 f उत्कण्ठेऽत्कलिके (समे)  
 Perseverance. m m उत्साहेऽध्यवसायः (स्यात्)  
 Fortitude. n m (स) वीर्यं (मतिशक्तिभाक्)  
 Decent, or fraud. m n m m 9 m 10 n n 30. कपटे (ऽस्त्री) व्याज दम्भोपधयश्छद्मकैतवे

1—न्. 2—न्. 3 छा—, 4 इहा. 5 त्वत्.  
 6 त—, 7 छा—, 8 उ—का. 9 उपधि. 10 छ—न्.

<sup>a</sup> Also प्रेम. <sup>b</sup> As a pregnant woman's. <sup>c</sup> The term is also synonymous with the following. <sup>d</sup> Likewise कांक्षा. <sup>e</sup> Likewise हवा. <sup>f</sup> Or अभिलासः. <sup>g</sup> Some add लालसा, but erroneously. <sup>h</sup> Or mental pain. <sup>i</sup> उपाधिः or अधिः. <sup>j</sup> Also चिन्तना, and म चिन्तः. <sup>k</sup> This term is by some connected with the next article. <sup>l</sup> signifies recollection accompanied with regret. Likewise उपाधिः Remembering with regret, affection, or desire. <sup>m</sup> Or fem. वीर्यं

- <sup>f</sup> कुक्षतिर्नि<sup>1f</sup>कृतिः <sup>n</sup> शास्यं  
<sup>m</sup> प्रमादे<sup>fb</sup> ऽनवधानता
31. कोद्वहलं कौतुकं (च) कुतुकं (च) कुद्वहलम्  
 (स्त्रीणां विलास विध्वोक विभ्रमाललितं तथा  
<sup>2</sup> <sup>m</sup>
32. हेला लीलत्यमी हावाः (क्रियाः शृङ्गारभावजाः)  
<sup>m</sup> <sup>nfe</sup> <sup>mf</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>3n</sup>  
 द्रव केलि परीहासाः क्रीडा लीला (च) नर्म (च)  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>ng</sup>
33. व्याजो ऽपदेशो लक्ष्यं (च)  
<sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>ni</sup>  
 क्रीडाखेला (च) कूर्डनम्
- Wickedness. a  
 Inadvertency or mistake.  
 Eagerness. c  
 Dalliance, or blandishment. d  
 Sport or amusement.  
 Disguise.  
 A play or game. h

1 नि— 2 लीला. 3—न.

\* Synonymous with the preceding, according to some ; but others interpret these, mischievousness or fraudulency ; and the preceding, imposition or trick. <sup>b</sup> Also अन्वधानं. <sup>c</sup> Or vehemence in seeking a proper thing ; or else impetuosity in action, with disregard of consequences. <sup>d</sup> The instances of feminine actions proceeding from love, which are stated in the text, are thus explained. विलासः, change of place, posture, gait, or look, on the approach of the lover. विध्वोकः, affection of indifference. विभ्रमः, wantonness of youth: caprice, ललितं, languid gestures, and signs. हेला, lasciviousness. लीला, imitation of the lover's manner to beguile the time in his absence. • Also fem. केली. <sup>f</sup> Also परिहासः. <sup>g</sup> Likewise लक्ष्यं. <sup>h</sup> Such as playing at ball, &c. Some read कूर्डनं ; but improperly.

|                         |   |
|-------------------------|---|
| Sweat, a                | <sup>m</sup> घर्मो <sup>m</sup> निदावः <sup>m b</sup> स्वदः (स्यात्)  |
| Fainting.               | <sup>m</sup> प्रलयो <sup>f</sup> नटचेष्टता  |
| Diasimulaton.           | <sup>f c</sup> 34. अवहित्याकारगुप्तिः <sup>l m</sup>  |
| Hurry.                  | <sup>m d</sup> (समौ) <sup>m</sup> सखेग सन्त्रमौ   |
| A horse laugh.          | <sup>2 n e</sup> (स्याद्) च्छुरितकं (हासः सोत्प्रासः)   |
| A smile.                | (समनाक्) <sup>n</sup> स्मितम्   |
| A laugh.                | <sup>n</sup> 35. (मध्यमः स्याद्) विहसितं  |
| Horripiation.           | <sup>m f</sup> रोमाञ्चो <sup>n</sup> लोमहर्षणम्   |
| Weeping.                | <sup>n g</sup> कन्दितं <sup>n</sup> रदितं <sup>n</sup> कुष्टं   |
| Gaping.                 | <sup>m f n h</sup> जृम्भ (सु त्रिषु) <sup>n</sup> जृम्भणम्  |
| Disappointing. i        | <sup>m j</sup> 39. विप्रलम्भो <sup>m</sup> विसम्बादे  |
| Creeding or tumbling. k | <sup>n l</sup> रिङ्गण <sup>n</sup> ख्वलने (समे)   |
| Sleep. m                | <sup>f</sup> (स्यान्) <sup>n</sup> निद्रा <sup>m n</sup> शयनं <sup>m</sup> स्वापः <sup>m</sup> स्वप्नः <sup>m</sup> सखेश (इत्यपि) |

1 छा—, 2 छा—.

<sup>a</sup> Or else heat, occasioning perspiration. <sup>b</sup> Also प्रस्वेदः, <sup>c</sup> Like-wise neut. अवहित्यं, and आवहित्यं. <sup>d</sup> Also आवेगः, <sup>e</sup> Likewise अवच्छुरितं. <sup>f</sup> Also रोमहर्षः, रोमविक्रिया, रोमोद्गमः, रोमेद्गदः, <sup>g</sup> Likewise क्रन्दनं, and रोदनं. <sup>h</sup> Fem. जृम्भा. <sup>i</sup> Deceiving by a false affirmation; or not effecting a promise. <sup>j</sup> Also विप्रवापः. <sup>k</sup> Creeping, as infants, on all fours; or else, falling as on slippery ground; or deviating from duty &c. <sup>l</sup> Likewise रिञ्चनं. <sup>m</sup> Or else a mistake occasioned by sleep; a dream. <sup>n</sup> Also सप्तिः.

37. तन्द्री प्रमौला <sup>f a</sup> <sup>f</sup> Lassitude.
- अकुटि भ्रुकुटी भ्रुकुटिः (स्त्रियः) <sup>f</sup> <sup>1 f</sup> <sup>f b</sup> A frown.
- अदृष्टिः (स्यादसौम्ये ऽच्छिन्ना) <sup>f</sup> A look of displeasure.
- संसिद्धि प्रकृती (त्वमे) <sup>f</sup> <sup>• 2 f</sup> The natural state.
38. स्वरूपं (च) स्वभाव (च) निसर्गं (चा) <sup>n c</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>
- (ऽथ) वेपथुः <sup>m</sup> A tremor.
- कम्पो <sup>m d</sup>
- (ऽथ) क्षण उह्वेषो मह उह्वव उत्सवः <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m c</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> A festival.

1—टि. 2—ति.

<sup>a</sup> And तंद्दि or तंद्दीः. But this last mode of inflection is censured. Likewise तंद्दा. <sup>b</sup> Also अकुटिः, Some make these terms synonymous with the following. Also अकुटी, अकुटी, अकुटी. and अकुटी. <sup>c</sup> Also रूपं. <sup>d</sup> Likewise कम्पनं, and कम्पितं. <sup>e</sup> Also महस्. See Book 3. ch. 4.

CHAPTER II.

SECTION I,

- The infernal region. <sup>a</sup>
1. <sup>n b</sup> <sup>n</sup> <sup>1 n</sup> <sup>n 2</sup> **अधोभुवन पाताल बलिसङ्घ रसातलम्**  
<sup>3 m</sup> **नागलोकौ।**
- A hole or vacuity. <sup>n</sup> <sup>n c</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> **(ऽथ) कुष्ठरं शुषिरं विवरं विलम्**
- A hole in the ground. <sup>n</sup> <sup>n n d</sup> <sup>n n e</sup> <sup>f</sup> <sup>f f</sup> **छिद्रं निर्व्यथनं रोकं रंभ्रं श्वभ्रं वपा शुषिः**  
<sup>m f</sup> <sup>4 m g</sup> **गर्त्ता ऽवटौ (भुवि श्वभ्रे)**
- Perforated, or full of holes. <sup>m f n</sup> **(सरंभ्रे) शुषिरं (त्रिः)**
- Darkness. <sup>m n</sup> <sup>m n</sup> <sup>n</sup> <sup>n 5 n</sup> **अन्धकारो (ऽस्त्रियां) ध्वान्तं तमिच्छं तिमिरं तरु**  
<sup>n i</sup> **(ध्वान्ते गाढे) ऽन्धतमसं**
- Great darkness. <sup>n</sup> **(क्षीणे) ऽवतमसं**
- Imperfect darkness. **(तमः)**
- Universal darkness. <sup>n</sup> **विष्वक् सन्तमसं**
- The NA-  
GAS. j. <sup>m</sup> <sup>m</sup> **नागाः काद्रवेयास्**  
**(तदीश्वराः)**
- Their chief.

1—नू. 2—ख. 3—क. 4—ट. 5—स.

<sup>a</sup> Abode of BALI and of the *Nāgas*, under the earth. <sup>b</sup> Also **अधः**; (सु) मं. **अधोलोकः**, &c. <sup>c</sup> Likewise **शुषिरं**. <sup>d</sup> Also **विरोकं**. <sup>e</sup> Or **श्वभ्रं**. <sup>f</sup> Also **शुषी** and **शुषिः**. Or **शुषिः**. <sup>g</sup> Likewise **अवटिः**. <sup>h</sup> Also **तमसं**. And **तमः**, **तमा**, **तमं**. <sup>i</sup> Likewise **अन्धातमसं**. <sup>j</sup> Demigods, in the human shape with a serpent's tail, and dilated neck, like the Coluber *Naja*. Sing. **नागः**. They are Children of CADRU', the wife of *Cas'ya*.

<sup>m</sup> शेषो <sup>m</sup> जनतो

<sup>m b</sup> वासुकि (सु) सर्पराजो

King of ser-  
pents. a

<sup>m c</sup> (स्य) गोनसे

Sort of  
snake.

<sup>m</sup> तिलित्वाः (स्याद)

<sup>m</sup> अजगरे <sup>m I m</sup> शयुर्वीरस (इत्युभौ)

A Boa, or  
large ser-  
pent. d

<sup>m c</sup> अलगर्हो <sup>m</sup> जलव्यालः

A water  
snake.

<sup>m</sup> (समौ) राजिल <sup>m f</sup> दुग्धुभौ

Amphis-  
bama.

<sup>m g</sup> मालुधानो <sup>m</sup> मातुलाहिर

A varie-  
gated  
serpent.

<sup>m</sup> निर्मुक्तो <sup>m</sup> सुक्तकंचुकः

A snake,  
that has  
cast his  
slough.

<sup>m h</sup> सर्पः <sup>2 m</sup> घटाकुर्भुजगो <sup>3 m</sup> भुजंगो <sup>m</sup> ऽहिर्भुजङ्गमः

A snake or  
serpent.

<sup>m</sup> आशीविषो <sup>m</sup> विषधरश्चक्री <sup>m i</sup> व्यालः <sup>m j</sup> सरीसृपः

1 वा—.

2—कु.

3 मू—.

4 चक्रिन्.

<sup>a</sup> Son of VASUCA, and often confounded with the preceding ; as the other chiefs of the *Nāgas*, TACSHACA, SANC'HA, MAHAPAD- &c. <sup>b</sup> Also वासुकिः. <sup>c</sup> Or गोनसः. Vulg. *Bdr.* <sup>d</sup> Boa astrictor, &c. • अलगर्हः. But some read अलगर्हः, others अलगर्हः. Vulg. *Alād'h.* <sup>f</sup> दुग्धुभः or दुग्धुभः. And चक्रीभः. Vulg. *ōnra.* But generally described as a harmless double-headed snake. ere is a great disagreement among commentators respecting the respondent vulgar names of the snakes mentioned in the text. One commentator describes this as a four-footed serpent with a rge body and long tail ; intending perhaps some species of Iguana ; dless a fabulous creature be meant. <sup>h</sup> Fem सर्पा, and सर्पिणी. Likewise व्यहः. <sup>i</sup> Some add सरीसृपः.

1 m 2 m a 3 m 4 m  
कुण्डली गूढपाञ्चसुःश्रवाः काकोदरः फणी

8. हवीं करो दीर्घष्टे दंष्ट्रुको विलेशयः  
m c m 5 m m m

उरगः पञ्चगो भोगी जिह्वागः पवनाशनः  
m f n d

Belonging  
to a snake.

9. (त्रिष्या) ह्यं (विषास्यादि)

His expand-  
ed head.

m f e m f f

फटायां (ह) फणा (द्वयोः)

His skin.

(समौ) कञ्चुक निमोक्तौ

His venom.

m n m n  
श्लेड (स्तु) गरलं विषं

Nine sorts  
of fixed  
poison. g.

10. (पुंसि क्लीवे च) काकोल कालकूट हलाहलः  
m n m n m n h

सोराट्टिकः शौक्तिकेयो ब्रह्मपुत्रः प्रदीपनः  
m m m m

11. दारदो वत्सनाभ (यं विषभेदा समी नव)  
m m k

विषवैद्यो जाहलिको

A dealer  
in anti-  
dotes. j

A snake-  
catcher.

6 m l m l

श्यालपाञ्चद्वितण्डिक

1—क.

2—पाद.

3—घ.

4—ज.

5—

6—ङिन्.

<sup>a</sup> Also गूढपदः, and गूढपादः, (द). <sup>b</sup> Likewise विषघ्नः. <sup>c</sup> Als  
उरंगः, and उरंगघ्नः. <sup>d</sup> Fem. बाहेवी. <sup>e</sup> स्फटा or फटा  
† Masc, फणः. Likewise neut. फणं. <sup>f</sup> Severally named in the text  
some mineral, others vegetable. <sup>g</sup> हलाहलः, and हलाहलः. <sup>h</sup>  
हाहलः. Also हाहलः. <sup>i</sup> Likewise सोराट्टिकः. <sup>j</sup> Or a con-  
juror, using charms against poison. <sup>k</sup> Likewise जाहलिकः. <sup>l</sup> 'Als  
श्यालपादः. <sup>m</sup> बाह्वितण्डिकः or बह्वितण्डिकः.

SECTION II,

1. (स्यान्) नारक (स्) नरको निरयो दुर्गतिः (स्त्रियान्) Hell.  
m m m f  
 (तङ्गेदस्) तपनावीचि महारोख रौरवाः Various  
m b n hells. a
2. संहारः कालसूत्रं (चेत्याद्याः)  
m  
 (सत्वास्) नारकाः Departed  
m c souls.  
 प्रेता  
f d  
 वैतरणी (सिंधुः) The river  
 of hell.  
f f  
 (स्याद्) ऽलक्ष्मी (स्) निर्द्वतिः Misfortune  
 or misery.
3. विष्टिराजः Unpaid la-  
f f bour. c.  
f g f h f  
 कारणा (तु) यातना तीव्रवेदना Agony, or  
f f i f n n j n k sharp pain.  
 पीडा बाधा व्यथा दुःखमानस्यं प्रसूतिजम Pain.

1 ख—

<sup>a</sup> Severally named in the text ; besides others, as *Támisra*, *Andhatámisra*, *Sálmali*, *Asipatravana*, &c. <sup>b</sup> Or सघातः. <sup>c</sup> Likewise परेताः. <sup>d</sup> Also वैतरणिः. <sup>e</sup> Or else, casting into hell ; or, in astrology, the period (*caraná*) called *bhadra*. Compulsory and unrewarded labour, being the occasion of pain, is placed under the present head. The terms, as by some explained, signify the person executing such labour. <sup>f</sup> राज्ञ or राज्ञः. <sup>g</sup> Also कारिका. <sup>h</sup> Likewise दाचना. <sup>i</sup> Or, द्वावाधा. <sup>j</sup> Likewise द्वामानस्यं and द्वावा नस्यं. <sup>k</sup> These two last terms are, by some, separated from the rest ; as signifying mental distress. Others, on the contrary, make these and the preceding *feur*, synonymous with the three following words.



Corporeal  
pain.

4. (स्यात्) कदं लक्ष्माभीलं

(त्रिष्वेषां भेदगामि यत्)

## SECTION III.

The sea or  
ocean.

1. समुद्रोऽम्बिरूक्षुपारः पारावारः सरित्पतिः  
उदम्बानुदधिः सिन्धुः सरस्वान् सागरोऽर्षवः

2. रत्नाकरो जलनिधिर्यादः पतिरुपांपतिः

Particular  
seas. d

(तस्य प्रभेदाः) क्षीरोदो लवणोद (स्थापरे)

Water.

3. आपः (स्त्री मूग्नि) वाष्पारि सलिलं कमलं जलम्  
पयः कीलालमसृतं जीवनं भुवनं वनम्

4. कबंधमुदकं पाथः पुष्करं सर्वतोमुखम्

1 वा—, 2 अ. 5—न्वत्. 4 उ—, 5—स्वत्. 6 वा—  
7 अ—, 8—र. 9—स्. 10 अ—, 11 उ—, 12—स्.

<sup>a</sup> Such of the foregoing, as are used as adjectives, vary with the gender. <sup>b</sup> Also वाक्षुवारः, कूपारः, and कूवारः. <sup>c</sup> Or पारापारः. Likewise अवारपारः. <sup>d</sup> That of milk, and of salt water; besides five others, as the sea of fresh water, spirituous liquor, butter, curds, and the juice of sugar cane; apparently designations of gulfs or divisions of the ocean, <sup>e</sup> आप्. Also neut. आपस्. <sup>f</sup> And सरिलं or सलं. <sup>g</sup> Also जडं. <sup>h</sup> Also जीवनीयं. <sup>i</sup> Or, according to another reading, (कसन्व), two words are here exhibited, कं and अन्वं. Or a single word कसन्वं. <sup>j</sup> Also उदं. And दकः.

|    |  |        |       |         |         |   |     |     |  |
|----|--|--------|-------|---------|---------|---|-----|-----|--|
|    | 1 n  | 2 n    | 3 n   | n       | n a     | n | 4 n | n b |  |
|    | अंभो ऽर्णस्तोय पानीय नीर क्षीरं बुशं वरम्            |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | n  | m n    |       |         |         |   |     |     |  |
| ५. | मेघपुष्पं घनरसम्                                     |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | mf n m f n d   |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | (त्रिषु द्वे) आप्यमन्मयम्                            |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | m  | n m    | m f c | G m f f |         |   |     |     |  |
|    | भङ्गस्तरङ्ग जर्मि (वां स्त्रियां) वीचिर्.            |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | A wave.  |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | (थोर्मिबु  |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | 7 m  | m      |       |         |         |   |     |     |  |
| 6. | महत्सुक्ष्मोल कक्षोलौ                                |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | A surge or billow.                                   |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | 8 m  |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | (स्यादा) वर्तो (ऽम्भसां भ्रमः)                       |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | n h  | m      | m i   | 9 f j   |         |   |     |     |  |
|    | ष्टवंति विन्दु ष्टपताः (पुमांसे) विस्फुषः (स्त्रियः) |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | A drop of water. g                                   |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | n c  | m      |       |         |         |   |     |     |  |
| 7. | वक्राणि पुटभेदाः (स्युर्)                            |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | A winding descent of water. k                        |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | m m  |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | भ्रमा (स्यु) जलनिर्गमाः                              |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | n  | 10 n n | n     | n       | m f n o |   |     |     |  |
|    | कूलं रोध (स्यु) तीरं (च) प्रतीरं (च) तटं (त्रिषु)    |        |       |         |         |   |     |     |  |
|    | A shore or bank.                                     |        |       |         |         |   |     |     |  |

|       |       |          |         |          |
|-------|-------|----------|---------|----------|
| 1—स.  | 2—स्. | 3 तोय.   | 4 स्य—. | 5 त—.    |
| 6—चि. | 7 उ—. | 8 स्या—. | 9—स्यु. | 10—स्यु. |

a Also नारं. b Or संवरं. c As froth, &c. d Fem. आप्या, and सन्मये. e Also fem. जर्मि. f Likewise विचिः, and fem. वीची, or विची. g Or of any other liquid. h Sing, ष्टपत् or ष्टपति. i Sing, ष्टपतः. j Sing विस्फुटः. Also विप्रुटः. (—स्यु). k A winding course. Some say a reach of the river. Others Eddy water. l Sing. वक्रं. Also चक्रं. m Or pipe along the wall of an edifice. But some make these and the two preceding terms synonymous. Sing. भ्रमः. Some explain them Bubbling up of water. Others surf. n Also Masc. रोधः, (रोध.) o Fem. तटो.

The opposite, and the near bank. a

8. पारावादे (परावाची तीरे)

The channel.

पात्रं (तदंतरम्)

An island.

द्वीपे (ऽस्त्रियाम्) न्तरीपं (यदंतर्वारिणस्य टम्)

One formed by alluvion. b

9. (तोयोजितं तत्) पुलिनं

A sand bank. c

सेकतं सिकतामयम्

Mud or clay.

निघद्वर (स्तु) जंवालः पङ्को (ऽस्त्री) शब्द कर्हमौ

Inundation. d

10. जलोच्छ्वासाः परीवाहाः

A temporary well. f

कूपका (स्तु विदारकाः)

Navigable.

नाव्यं (त्रिलिंगं नौतार्थ्यं)

A boat.

(स्त्रियां) नौसरणिसरिः

A raft or float. j

11. उडुपं (तु) शवः कोलः

A natural stream. l

स्रोते (ऽस्त्रुसरणं स्वतः)

1 अ—

2 अ—

3 त—

4—स.

a Respectively, viz. पारं, the opposite bank or shore, अवारं, the contiguous bank or shore. b Or any island, or one with the steep banks. c Or an island with sandy shores. d Or else a water pipe, or channel, for carrying off an excess of water. e Sing परीवाहः. Also परिवाहः. f Or hole dug for water in the dry bed of a rivulet; or else, a rock, or tree, dividing the stream of a river. Sing. कूपकः. g Fem. नाव्या. h Also नौका. Also तरणी and तरी. i Made of grass's, &c. k Likewise उडुपं. l Or a rapid one. m Likewise स्रोतः.

|     |                                  |                             |                        |
|-----|----------------------------------|-----------------------------|------------------------|
|     | <sup>m a</sup> <sup>1 n</sup>    |                             |                        |
|     | आतरसोरपथं (स्याद्)               |                             | Fare, or freight.      |
|     |                                  | <sup>f c</sup> <sup>f</sup> |                        |
|     |                                  | द्रोणी काष्ठाम्बुवाहिनी     | An oval bason. b       |
| 12. | <sup>m</sup> <sup>2 m</sup>      |                             |                        |
|     | सायात्रिकः पीतवणिक्              |                             | A voyaging merchant.   |
|     |                                  | <sup>m</sup> <sup>m</sup>   |                        |
|     |                                  | कर्णधार (स्तु) नाविकः       | The pilot or helmsman. |
|     | <sup>m e</sup> <sup>m</sup>      |                             |                        |
|     | नियामकाः पोतवाहाः                |                             | The crew. d.           |
|     |                                  | <sup>m</sup> <sup>m f</sup> |                        |
|     |                                  | कूपके गुणदृक्कः             | The mast.              |
| 13. | <sup>m</sup> <sup>f g</sup>      |                             |                        |
|     | नौकादंडः क्षेपणः (स्याद्)        |                             | The oar.               |
|     |                                  | <sup>n</sup> <sup>m</sup>   |                        |
|     |                                  | अरिद्वंकेनिपातकः            | The rudder.            |
|     | <sup>f h</sup> <sup>m i</sup>    |                             |                        |
|     | अभ्रिः (स्त्री) काष्ठकुहालः      |                             | A scraper or shovel.   |
|     |                                  | <sup>n</sup> <sup>n</sup>   |                        |
|     |                                  | सेकपात्रं (तु) सेचनम्       | A bucket. j            |
| 14. | <sup>n</sup>                     |                             |                        |
|     | (स्त्री) ऽर्ध्नावं (नावोऽर्ध्ने) |                             | The boat's half.       |
|     |                                  | <sup>m f n k</sup>          | Landed from a boat.    |
|     |                                  | (अतीत नौके) ऽतिशु (त्रिषु)  |                        |

१ त—

२—ज्.

\* Also आतरः, and अहतरः. <sup>b</sup> Shaped like a boat, with an aperture in front, and used for pouring water. It is made of wood, stone, or other materials. <sup>c</sup> Or द्रोणः and दृष्टिः, or द्रुषी. According to another reading द्रोणिका, and अम्बुवाहिनी. Also अम्बुसचनी. <sup>d</sup> Various explained; as the steersman, or rower, or as one employed in dragging the boat, or in watching from the mast head. <sup>e</sup> Sing. तिस्रा वक्कः, पोतवाहः. <sup>f</sup> Likewise नियाम. <sup>g</sup> Some explain this a post to which a boat is made fast. <sup>h</sup> Or क्षेपणी. Also क्षेपणः. And क्षेपणी. <sup>i</sup> Or अभ्रो. Also अभ्रिः. <sup>j</sup> Likewise कुहालः, and कुहालः. <sup>k</sup> Or vessel for lading water out of the boat. <sup>k</sup> Masc or Fem. अतिशुः.

|                             |   |  |
|-----------------------------|---|--|
|                             | a   |  |
|                             | (त्रिष्यागाधात्)                                    |  |
| Clear,<br>trans-<br>parent. | <i>m f n b m f n c</i><br>प्रसन्नो ऽच्छः            |  |
| Turbid<br>w...er.           | <i>m f n m f n m f n</i><br>कलुषो ऽनच्छः आविलः      |  |
| Deep.                       | <i>m f n m f n m f n</i><br>15. निम्नं गभीरं गंभीरं |  |
| Shallow.                    | <i>m f n</i><br>उत्तानं (तद्विपर्यये)               |  |
| Very deep.                  | <i>m f n d 1 m f n</i><br>अगाधम, तलस्ये             |  |
| A fisher-<br>man.           | <i>m m c m f</i><br>कैवर्त्त दास धीवरी              |  |
| A net.                      | <i>m n</i><br>16. आनायः (पुंसि) जालं (स्यात्)       |  |
| Pack-<br>thread. g          | <i>n h n</i><br>श्याच्छ्रवं पवित्रकम्               |  |
| A fish<br>basket.           | <i>f f i</i><br>मस्याधानी कुवेणी (स्याद्)           |  |
| A fish hook.                | <i>n j n k</i><br>वडियं मत्स्यवेधनम्                |  |

1 स—.

a The following are adjectives. b Fem. प्रसन्ना. c Also सच्छः. d Likewise आगाधं. e Or दासः. f Fem. धीवरी. g Made of rushy Crotalaria ; or, according to different interpretations, a net made of such pack-thread ; or, generally, the rope of a net. h Also श्यस्रवं and सनस्रवं. i Likewise कुवेणी. And कुवेणः. Also कुपिणी. j Or Fem. वडिया, or वडिणी. Likewise वडिसं, वडिणी. k Or Fem. मत्स्यवेधनी.

17. <sup>1 m</sup> घृरोमा <sup>m a</sup> भषो <sup>m b</sup> मत्षो <sup>m</sup> मीनो <sup>m c</sup> दैमारिणो <sup>४</sup> ऽण्डजः A fish  
<sup>m</sup> <sup>2 m d</sup>  
 विसारः शकली (चा)  
 (५थ) गण्डकः शकुलार्भकः Sort of gilt head, e
18. <sup>m</sup> सहस्रदंष्ट्रः <sup>m</sup> पाठीनः A sheat-fish, f  
<sup>3 m h</sup> <sup>m</sup>  
 उलूपो शिशुकः (समौ) A porpoise. g  
<sup>m j</sup> <sup>4 m k</sup>  
 नलमीनश्चिलिचिमः Sort of sprat, i  
<sup>m f m</sup> <sup>5 m f n</sup>  
 प्रोष्ठौ (त) शफरी (द्वयोः) A sort of carp, l  
<sup>m</sup> <sup>n</sup>
19. क्षुद्राण्डमत्स्यसंघातः पोताधानम् Small fry.  
 (अथो भषाः) Various sorts of fish, o  
<sup>m p</sup> <sup>m</sup> <sup>m q</sup> <sup>m</sup> <sup>m r</sup> <sup>m s</sup>  
 रोहितो मङ्गरः शालो राजीवः शकुलस्त्रिमिः

1—मन्. 2—न्. 3—न्. 4 चि—. 5—रः.

<sup>a</sup> Likewise भषः. <sup>b</sup> Fem मत्षी. Also masc. मत्स्यः, मत्स्यः. <sup>c</sup> Also विसारी (न्). <sup>d</sup> Likewise शकली (न्). <sup>e</sup> Sparus marginatus, B. Mss. <sup>f</sup> Silurus Pelorius, B. Mss. <sup>g</sup> But, according to some interpretations, another sort of fish shaped like a porpoise.

Also उलूपी, उलूपी, उलूपी, उलूपी, and उलूपी. <sup>h</sup> Clupea Cul-rata (B. Mss.)? Three several explanations are given by different authors; but they agree that the fish, here meant, frequents flags and reeds. <sup>i</sup> Or तलमीनः. And नलमीनः. <sup>k</sup> Also चिलोचिमिः, चिलिचिमः, or चिलोचिमः. And चिलिचिमिः, चिलीमः, चिलिमीमकः.

Cyprinus chrysoparcus, B. Mss. <sup>m</sup> Masc. प्रोष्ठः. <sup>n</sup> Masc. शफरः. Some add शफरी—रः. <sup>o</sup> Severally named in the text, viz. a carp Cyprinus denticulatus, B.); a sheat-fish (Silurus Batrachus, L.); gilt-head (Sparus spilatus, B.) &c. <sup>p</sup> Also रोहितः, and रोहितः.

<sup>q</sup> Or शाळः. <sup>r</sup> Some add शकुलः. <sup>s</sup> This is a fabulous sea-fish of prodigious size."

20. तिभिङ्गिणा (दयच्) <sup>1 m a</sup>

Aquatic animals. <sup>b</sup>

(ऽथ) यादांसि जलजंतवः <sup>2 n 3 n</sup>

Various sorts. <sup>c</sup>

(तद्वेदाः) शिशुमारोद्ग यङ्करो मकरा (दयः) <sup>m 4 m 5 m 6 m</sup>

A crab.

21. (स्यात्) कुलीरः कर्कटकः <sup>m d</sup>

A turtle or tortoise.

कूर्मे कमठ कच्छपी <sup>m m m</sup>

A shark. <sup>c</sup>

ग्राह्ये ऽवहारो <sup>m m</sup>

A crocodile.

नक्र (स्तु) कुम्भीरो <sup>m m f</sup>

A worm.

(ऽथ) महीलता <sup>f</sup>

22. गण्डूपदः किंचुलुको <sup>m m g</sup>

A gangetic alligator. <sup>h</sup>

निहाका गोधिका (समे) <sup>f f</sup>

A leech.

रक्तपा (त्) जलौकायां (स्त्रियां च्छन्नि) जलौकसः <sup>f f i f j i</sup>

1—ल. 2—स्. 3—त्. 4 उद्. 5 शंक्. 6—र  
7—कस्.

a Besides many sorts noticed in other dictionaries. <sup>b</sup> Especially amphibious kinds. <sup>c</sup> Severally named in the text, viz. the porpoise, otter, scate, and marine monster (a whale? or a seal?), besides the following, and other, sorts. <sup>d</sup> Or कर्कटः. <sup>e</sup> Interpretations differ: one terms this a water-elephant; (perhaps the hippopotamus may be meant:). others make it the gangetic alligator. <sup>f</sup> Also कुम्भीरः. <sup>g</sup> Likewise किंचिलिकः. And किंचुलुकाः, or किंचुलुः. <sup>h</sup> Some make this to be the *Iguana*: distinguishing, however, another sort from the aquatic one. Book II. C. 5. <sup>i</sup> जलोका or जलोका, and जलका, जलायुका, जलासुका, जहालोका, जलजंतुका, जलसूची, जलोदगो, जलिकावेपी. <sup>j</sup> Or जलौकपी. Also जलौकसः, masc. and जलौकसं, neut. <sup>k</sup> Pl. with the sense of the sing. <sup>l</sup> जलौकसः. Also sing. जलोकाः.

23. सुक्तास्फोटः (स्त्रियां) शुक्तिः . A pearl oyster.
- शंखः (स्यात्) कंबु (रस्त्रियाम्) A conch.
- क्षुद्रशंखाः शंखनखाः A small shell.
- शंभुका जलशुक्तयः A bivalve shell.
24. भेके मण्डक वर्षाश्च शालूर मव दर्दुराः A frog.
- शिली गण्डुपदी A small worm. i
- भेकी वर्षाभ्वी A female frog. g
- कमठी दुलिः A female turtle. h
25. (मङ्गरस्य प्रिया) शृङ्गी Sort of sheat-fish, j
- दुर्नामा दीर्घकोषिका A cockle.
- जलाशया जलाधारास् A lake or pond. o
- (तलागाधजलो) ऋदः A deep lake.

1—क्ति.

2 भेक.

3—र.

<sup>a</sup> Sing क्षुद्रशंखः. <sup>b</sup> Sing. शंखनखाः. Also शंखनकः. <sup>c</sup> Masc. शंभुकः. Also शंभुकः, शंभुः, and शंभुनकः. Or शंभुनकः. <sup>d</sup> Also वृष्टिभूः. <sup>e</sup> Or शालूरः. <sup>f</sup> Some say, a female worm. <sup>g</sup> Or any small frog. <sup>h</sup> Or any small tortoise or turtle. <sup>i</sup> Or दुली. Also दुलीः. And दुलिः. <sup>j</sup> Silurus Pungentisimus, B. Mss. <sup>k</sup> Or, according to some commentators, two synonyma, मङ्गरसी, f. चप्रिया, f. <sup>l</sup> Also शृङ्गीः. <sup>m</sup> Also दुर्नामन् and—जो. <sup>n</sup> Or दीर्घकोषिका. <sup>o</sup> Or a reservoir; or any piece of water. <sup>p</sup> Sing. जलाशयः, and जलाधारः. <sup>p</sup> Like-wise ऋदः.



A trough  
near a  
well. a

26. चाहाव (स्तु). निपानं (स्याद्पकूप जलाशये)

A well.

(पुंस्यवां) धु प्रही कूप उदपानं (त पुंसि वा)

The wood-  
en fr<sup>ie</sup>  
for the  
rope. b

27. नेमिच्छिका (ऽस्य)

The cover  
or facing  
of a well.

बीनाहो (मुखबंधनमस्य यत्)

A square,  
or a large  
pond.

पुष्करिण्यां (तु) खातं (स्याद्)

A natural  
pond. d

अखातं देवखातकम्

One deep  
enough for  
the lotus.

28. पद्माकरसङ्गागो (ऽस्त्री)

Any pond  
or pool. g

कासारः सरसी सरः

A basin h.

वेशंतः पल्लवं (चा) ऽल्पसरो

A large  
and oblong  
pond.

वापी (तु) दीर्घिका

A moat,  
or ditch.

29. खेयं (तु) परिखा

A dike.

आधार (स्वम्भसां यत्र धारणम्)

A basin  
round the  
foot of a  
tree.

(स्याद्) आलवालमावलमावापो

A river.

(ऽथ) नदी सरित्

1—सं. 2—ह्रि. 3—शी. 4—त— 5—स्. 6—स्. 7—वा. 8—वा.

a Filled from the well, and intended for watering cattle. b A<sup>a</sup> triangular frame. Some interpret it the wooden frame at the bottom of the well, on which the masonry rests. Others the cover of the well. Or the frame at its mouth. c Some add बिनाहः. d Or else one in front of a temple. e Also अखीत. f Also तडाकः. And तटाकः. g These terms are synonymous with the preceding, according to some interpretations ; or they are restricted to such a factitious pond, according to others. h Or small pond ; or one, which, in the hot season, is either shallow or quite dry. i Or वापिः. j Also अलवालं.

30. तरंगिणी शैवलिनी तटिनी ङ्गदिनी धुनी  
 स्रोतस्विनी द्वीपवती खवंती निम्नगापगा
31. गंगा विष्णुपदी जङ्गुतनया सुरनिम्नगा  
 भागीरथी त्रिपथगा त्रिस्रोता भीष्मसू (रुपि)
32. कालिंदी सूर्यतनया यमुना यमनस्वसा  
 रेवा (तु) नर्मदा सोमोज्जवा मेकलकन्यका
33. करतोया सदानीरा  
 बाहुदा सैतवाहिनी  
 शितद्रु (सु) शतद्रुः (स्याद्)  
 विपाशा (तु) विपाट् (स्त्रियाम्)
34. शोणो हिरण्यबाहुः (स्यात्)  
 कुल्या (ल्पा कृत्विमा सरित्)  
 शरावती वेत्तवती चन्द्रभागा सरस्वती
- The Ganges.  
 The Yamuna. d  
 The Narmadā. f  
 The Caratōyā. h  
 The Bāhūdā.  
 The Satadru. i  
 The Vipāsā. k  
 The Sōnā. l  
 A canal. n  
 Various rivers. o

1 ख—, घा—, 2—तस्, 3—ह, 4—श.  
 a Also ङ्गादिनी. b Likewise धुनिः and धुनी. c Likewise स्रोतस्वती and स्रोतोवहा. d Vulgarly Jamuna or Jucun. It joins the Ganges near Prayāg. e Also यमी. f Vulgarly Narmadā. g Likewise मेकलकन्यका. h A river in the north of Bengal. i Vulgarly Penjāb; in the Penjāb. j Also शतद्रुः. k Another river of the Penjāb. l This joins the Ganges above Patna. m Or हिरण्यबाहुः. n A channel for irrigation : or a rivulet in general. o Severally named in the text. Besides others, as the Causūrī, Gandacī, Gōdāvarī, Charmanvatī, Tāpi or Tapati, Sarayu, Gautamī, &c. p Or चन्द्रभागी. Also चन्द्रभागा; or—गी.

35. कावेरी (सरितेऽन्याच्च)<sup>f</sup>  
 The mouth of a river. a  
 An issue from a pond<sup>b</sup>  
 Belonging to certain rivers. d  
 संभेदः सिंधुसंगमः<sup>m m m</sup>  
 (द्वयोः) प्रणाली (पयसः पदभ्यां)<sup>m f c</sup>  
 (त्रिषु तत्रौ)<sup>m f n m f n</sup>
36. देविकायां सरय्यां च भवे) दाविक सरौ  
 A white water-lily. e  
 A red one. g  
 Any water-lily.  
 A blue one. i  
 सौगंधिकं (तु) कलहारं<sup>n n f</sup>  
 हल्लकं रत्नसंध्यकम्<sup>n n</sup>  
 37. (स्याद्) उत्पलं कुवलयं<sup>n n h</sup>  
 (अथ) नीलांबुजम् (च)<sup>i n</sup>  
 इन्दीवरं (च नीले ऽस्मिन्)<sup>n j</sup>  
 (सिते) कुसुद कैरवे<sup>n l n</sup>
38. शालूक (मेवां कंदः स्याद्)<sup>n n</sup>  
 वारिपणी (तु) कुंभिका<sup>f o f</sup>  
 The esculent white sort. k  
 The root of a water-lily. m  
 Pistia stratiotes.

1—न.

a The confluence of two rivers ; or the junction of a river with the sea. b Or a drain of an edifice. c Masc. प्रणालः. d To the Dévicá (or Déwá), and Sarayu (or Sarju), respectively. In the two instances, the adjective is irregular. e Nymphaea Lotus. f The and the two following words, are names of four different plants, according to some interpreters. g Nymphaea rubra. h Also कुवलं a कुर्व. And कुवेलं. i Nymphaea caerulea and stellata ; j Or इन्दीव k Nymphaea esculenta. l Also कुसुद, (—द). m The esculent root of any of the preceding sorts. n Likewise शालूकं. o Or वारिपूष Also पर्णी.

- <sup>f</sup> जलनीली (तु) <sup>n</sup> शैवालं <sup>m b</sup> शैवलो ।  
 Vallisneria  
 a
- (अथ) <sup>f c</sup> कुसुद्वती
39. <sup>1 f</sup> कुसुदिन्यां  
 A place a-  
 bounding in  
 water-lilies.  
 d
- <sup>2 f</sup> नलिन्यां (तु) <sup>f</sup> विसिनी <sup>f</sup> पद्मिनी <sup>c</sup> (सुखाः)  
 An assem-  
 blage of lo-  
 tus flowers.
- (वा पुंसि) <sup>n</sup> पद्मं <sup>n</sup> नलिनमुरविन्दं <sup>n</sup> महोत्पलम्  
 A lotus. f
40. ] <sup>n</sup> सहस्रपत्रं <sup>n</sup> कमलं <sup>n</sup> शतपत्रं <sup>n g</sup> कुशेशयम्  
 पंकेरुहं <sup>n h</sup> तामरसं <sup>n</sup> सारसं <sup>n</sup> सरसीरुहम् <sup>4 n i</sup>
41. <sup>n</sup> विसप्रसून <sup>n</sup> राजीव पुष्कराम्बोरुहाणि (च)  
 पुण्डरीकं <sup>n</sup> सितांभोजं  
 A white  
 lotus.
- (अथ) <sup>n</sup> रक्तसरोरुहे  
 A red lotus
42. <sup>n</sup> रत्नोत्पलं <sup>n</sup> कोकनदं  
<sup>f j n</sup> नालानालं  
 (अथास्त्रियाम्)  
 The stalk of  
 a water-lily  
 The film or  
 fibres atten-  
 dant on it.

1—नी. 2—नी. 3 अ— 4 अ—ह.

<sup>a</sup> Comprehending several sorts found in stagnant waters. <sup>b</sup> Like-  
 wise शैवालं. Also शैवालं and शैवालः. But different copies further  
 disagree in the genders assigned to these various readings. Also m. n.  
 शैवालः, and शैवालः. <sup>c</sup> Likewise कुसुद्वती. <sup>d</sup> Or, as some interpret  
 it, the flexible stalk of a water-lily; or, according to others a plant,  
 viz. Menyanthes Indica or Cristata. <sup>e</sup> Besides other synonyma, as  
 नलिन्यां, कमलिनी, पुटकिनी, &c. <sup>f</sup> Nelumbium speciosum or Nym-  
 phæa Nelumbo. <sup>g</sup> Also सरसीरुहं. <sup>h</sup> Likewise विसप्रसूनं, and विस-  
 प्रसूनं. <sup>i</sup> Also अम्बोरुहः, (रुहः.) <sup>j</sup> Also नालो. Likewise Masc. नालः.

<sup>m n a</sup> <sup>n b</sup>  
 नद्यालं विसं

An assem-  
 blage of  
 water-lilies.

<sup>m n c</sup>  
 (अजादिकदंवे) षण्ड (मस्त्रियाम्)

The root of  
 a water-lily.

<sup>m</sup> <sup>m n d</sup>  
 43. करचाटः शिफाकंदं

A filament.

<sup>m</sup> <sup>m n e</sup>  
 किंजल्कः केशरो (स्त्रियाम्)

A new leaf  
 of a water  
 lily.

<sup>f f</sup> <sup>n</sup>  
 संवर्त्तिका नवदलं

The seed of  
 the lotus. g

<sup>m h</sup> <sup>m</sup>  
 बीजकोशो वराटकः  
 44. (उक्तं स्वर्ध्याम दिक्कालधीशब्दादिसनाद्यकम्  
 पातालभोगि नरकं वारि चैषां च संगतम्)

<sup>a</sup> And नद्याली, a small fibre. <sup>b</sup> Also विसं or विसं. <sup>c</sup> Or षण्डं.  
<sup>d</sup> Likewise शिफा, f. कंदः, m. n. <sup>e</sup> Also केशरः. <sup>f</sup> Or संवर्त्तिः. Also  
 संवर्त्ती. <sup>g</sup> Or the honey-combed pericarp containing it. <sup>h</sup> Or  
 बीजकोषः.

BOOK II.

CHAPTER I.

1. वर्गाः पृथ्वी पुर क्ष्माभृद्दन्तौषधि मृगादिभिः  
 नृ वक्ष्म क्षत्र विट् मूत्रैः सांगोपांगैरिहोदिताः  
<sub>f<sup>a</sup> f<sup>b</sup> 1f f f f f</sub>
2. भूमिर्चलाऽनन्ता रसा विश्वम्भरा स्थिरा Earth.  
<sub>f f f f c f f f</sub>  
 धरा धरित्री धरणिः क्षीणी जग काशपी क्षितिः  
<sub>f d f 2f 3f f</sub>
3. सर्वसृष्टा वसुमती वसुधैर्विी वसुन्धरा  
<sub>f f f c f ff f g 4f f h</sub>  
 गोता कुः पृथिवी पृथ्वी क्ष्माऽवनिर्मेदिनी मही  
<sub>5f i f</sub>
4. मृन्मृत्तिका Soil.  
<sub>f f</sub>  
 ( प्रशस्ता तु) मृत्वा स्रस्त्रा ( च स्रत्तिका) An excellent soil.  
<sub>f</sub>  
 उर्वरा ( सर्वशस्राढ्या ) Fertile with every crop.  
<sub>m f</sub>  
 ( स्राद्) जषः क्षारस्रत्तिका Salt ground

1ख—, 2—धा. 3ज—, 4ये—, 5—द्.

<sup>a</sup> Also indec. भूः (र्). <sup>b</sup> Also भूषी. <sup>c</sup> Likewise धरणी and शोषिः. Also क्षाणिः, and क्षीणी. <sup>d</sup> Likewise सृष्टा. <sup>e</sup> Also पृथ्वी. Likewise क्षमा. <sup>g</sup> Also स्रवनी. <sup>h</sup> Likewise स्रिः. <sup>i</sup> Also मृदा, and स्रत्तिः.

- 1 *m f n a* 2 *m f n*  
 A spot with such soil. 5. <sup>1</sup>अध्वानूषरैः ( <sup>2</sup>द्वावप्यन्यलिङ्गौ )  
 A place, or firm spot. स्थलं स्थली<sup>f b</sup>
- A region devoid of water. ( <sup>m</sup>समानौ ) <sup>3 m</sup>मरुधन्वानी  
 Untilled or waste. ( <sup>m f n c n f n</sup>द्वे ) खिलाऽप्रहते ( <sup>n</sup>समे )
6. ( <sup>f</sup>त्रिष्व )  
 A world. ( <sup>f</sup>ऽथो ) जगतो लोके<sup>m</sup> बिष्टपं भुवनं जगत्<sup>n t n n</sup>  
 India. ( <sup>n c</sup>लोकेऽयं ) भारतं ( <sup>n</sup>वर्षं )  
 The eastern region. f ( <sup>n</sup>शरावतास्तु योऽवधेः )
7. देशः प्राग्दक्षिणः ) प्राच्य<sup>m</sup>  
 The northern region. उदीच्यः ( <sup>m</sup>पश्चिमोत्तरः )  
 A country of barbarians. प्रतरन्तोऽन्धदेशः ( <sup>m</sup>स्रान् )  
 The middle region. h मध्यदेश ( <sup>m</sup>स्तु ) मध्यमः<sup>m</sup>
- The region of sanctity. i 8. <sup>m</sup>आर्यप्रावर्त्तः <sup>f</sup>पुण्यभूमि ( <sup>m</sup>मधुंघ्रं <sup>f</sup>बिंध्रदिग्भागायोः )

1—वत्.

2—ज—

3—धन्वन्.

a Some, varying this reading, write अवरः, and अन्वरः. b Like wise स्थला. c Masc. खिलं; fem. खिला; neut. खिलं. d Also पिष्टपं or masc. पिष्टपः, e Or भरतवर्षं. f East, or south of the river Sarāvatī, which flows from N. E. to S. W. g North or west of the river Sarāvatī. h Between the two ranges of mountains; from the confluence of the Ganges and Jamuna, to the disappearance of the Sarasvatī. i From the eastern to the western sea, and bounded by the two ranges of mountains.

- 1 *m f* <sup>*m*</sup>  
नीटृञ्जनपदे। An inhabited country.
- <sup>*m*</sup> <sup>*m*</sup> <sup>*2 m*</sup>  
देश विशयौ (तू) पवर्त्तनम् Any country. <sup>*a*</sup>
9. ( त्रिष्वानोष्ठान् )  
<sup>*3 m f n*</sup> <sup>*4 m f n*</sup>  
( नडप्राये ) नड्गाम्, डुल ( इत्यपि ) One abound-  
<sup>*5 m f n*</sup>  
कुसुद्वान् ( कुसुदप्राये ) in water-  
<sup>*6 m f n*</sup>  
वेतस्वान् ( बह्वेतेसे ) in ratans ;  
<sup>*m f n*</sup>  
10. शाङ्गलः ( शाङ्गरिते ) in green  
<sup>*m f n*</sup> ( सजंवाले तु ) पंक्तिः clayey and muddy.  
<sup>*m f n*</sup> <sup>*7 m f n*</sup>  
जलप्रायमनूपं ( स्रात् ) Watery, or  
<sup>*m d*</sup>  
( पुंसि ) कच्छ ( स्याविधः ) Contiguous  
<sup>*f*</sup> <sup>*m f n*</sup> <sup>*m f n*</sup> <sup>*8 m f n c*</sup>  
11. ( स्त्री ) शर्करा शर्करिलः शर्करः शर्करावति Full of  
( देश एवादिमाव् ) stony or  
<sup>*9 m f n f*</sup>  
( एवमुन्नेयाः ) सिकतावति similar  
Sandy. nodules.

- 1—तू. 2ड— 3—नडुत्. 4न— 5—इत्.  
5—खत्. 7ख— 8—तू. 9—तू.

<sup>a</sup> Whether inhabited or uninhabited. But some interpretations make these terms synonymous with the preceding. <sup>b</sup> The following are used as adjectives, and vary with the three genders. <sup>c</sup> Some interpretations make this synonymous with the preceding. <sup>d</sup> Also neut. and, according to some, fem. <sup>e</sup> The two first terms are exclusively applied to a spot abounding in stony nodules, or potsherds, &c. The other two are applicable to anything gritty. <sup>f</sup> The words are here exactly similar to the preceding : thus सिकता, सिकतिलः, sandy, as a country ; सैकतः, सैकतवान् (—वत), sabulous.



Watered  
(viz. its rice)  
from a river,

12. (देशे) नद्यं वृष्टांबु संपन्नब्रीहिपालितः

स्यान्) नदीमातृको

*m f n*

*m f n*

or by river.

देवमातृक (श्च यथाकमम्)

*1 m f n*

Ruled by a  
just king.

13. (सुरास्त्रि देशे) राजन्वान्

*2 m f n*

Governed  
by a mo-  
narch.

(स्यात्ततोऽन्यत्र) राजवान्

A fold for  
kine.

गोष्ठं गोस्थानकं

The site of a  
former one.

(तत्तु) गोष्ठीनं (भूतपूर्वकम्)

Contiguous  
ground, a

14. पर्वन्तभूः परिसरः

*3 m 4 f b*

सेतरालौ (स्त्रियां पुमान्)

A hillock, c.

वामलूर (श्च) नाकु (श्च) बल्मीकं (पुन्पुंसकम्)

A road,  
path or  
way.

15. अयनं वर्त्म मार्गाध्व पंथानः पदवी स्ततिः

सरणिः पद्धतिः पद्या वर्त्तन्येकपदी (ति च)

A good  
road.

16. क्षतिपंथाः सुपंथा (श्च) सत्पथ (श्चार्चितेऽध्वनि)

A bad  
road.

व्यध्वे दुरध्वे विपथः कदध्वा कापथः (समाः)

1—त्वत्.

2—वन्.

3सत्.

4आस्त्रिः.

5—न्.

6अध्वन्.

7—न्.

- a Near the banks of a river, or the skirts of a mountain, &c  
b Also क्षानी. c Thrown up by termes, or by moles, &c. d Also  
वल्मीकं. e पथिन, पथन, or पथ. f Likewise पदविः. g Also सरणिः  
सरणी, and सरणी. h Likewise पद्धती. i वर्त्तनी, or वर्त्तनिः. Also  
वर्त्तनिः, or वर्त्तनी. j Also एकपाद्. k Likewise कुपथ.

17. <sup>1 m</sup> अपंथा ( <sup>2 n</sup> ख्य ) पथं ( तुल्ये )  
 शृंगाटक चतुष्यथे  
 प्रांतरं. ( द्रुस्यून्वोऽध्वा )  
 कांतारो ( वर्त्मदुर्गमम् )  
 18. <sup>m f</sup> गथूतिः ( स्त्री ) <sup>n</sup> कोशयुगं  
 नखः ( किष्कुचतुःशतम् )  
 घटापथः संसरणं  
 ( तत्पुरस्थो ) <sup>2 n</sup> पतिष्करम्
- The want of a road.  
 Meeting of four roads.  
 A long and lonesome way.  
 A difficult road. a  
 A leugue. b  
 A furlong. c  
 A highway.  
 A street.

## CHAPTER II.

1. <sup>4 f</sup> पूः ( स्त्री ) <sup>f d</sup> पुरो <sup>f n e</sup> नगर्यौ ( वा ) <sup>n f</sup> पत्तनं <sup>n g</sup> पुटभेदनम्  
 स्थानीयं <sup>n</sup> निगमो <sup>m</sup>

1—चिन्.

2ख—.

3उ—.

4पुर.

<sup>a</sup> Or a dangerous one : but some interpretations make this synonymous with the preceding term. <sup>b</sup> Measured by two thousand fathoms. <sup>c</sup> Measured by four hundred cubits. <sup>d</sup> Also पुरिः. • Fem. नगरी. Naut नगरं. Also पुरं. <sup>f</sup> Likewise पडनं, or पडनी. <sup>g</sup> Also पटभेदनं.

A suburb.

(जन्यन्तु यन्मूलनगरात्पुरम्<sup>०</sup>)

## 2. तच्च) क्वाषानगरं

The abode  
of harlots<sup>a</sup>वेशो<sup>m a</sup> वेश्याजनसमाश्रयः<sup>m i</sup>

A market.

आपण (स्तु) निषद्यायां<sup>m 2 f</sup>

A shop. b

विपणिः पयस्यवोधिका<sup>m f c f</sup>A high  
street.रथ्या प्रतोली विशिखा<sup>f f f</sup>A rampart.  
d

(सराच्च) चयो वप्र (मृच्छियाम्)

An edifice.  
eप्राकारो वरणः शालः<sup>m m m f</sup>A bound  
hedge. gप्राचीरं (प्रांततोऽवृत्तिः)<sup>n h</sup>

A wall.

4. भित्तिः (स्त्री) कुडारम्<sup>f n i</sup>One built  
with rub-  
bish. jएडकं (यदन्तर्नरसक्कीकसम)<sup>n k</sup>

A house.

मृच्च गेहेऽवसितं वेश्म सद्म निकेतनम्.<sup>n m n 3 n 4 n 5 n n</sup>

1शा— 2—दा. 3उ— 4—न. 5—न.

<sup>a</sup> Likewise वेषः <sup>b</sup> Here interpretations differ greatly : some make these terms synonymous with the preceding ; others explain them, the street of a market ; a stall ; a platform on which commodities are exposed for sale ; a place of vend without a market, &c. <sup>c</sup> Also विपणो. <sup>d</sup> Interpretations differ greatly. Some explain the terms, a mound of earth raised from the ditch of a fortified town and serving as a foundation for edifices. Others say the foundation of an edifice generally ; others again, any mound of earth raised from a ditch. Some likewise the gate of a fortified city. <sup>e</sup> Particularly a surrounding wall of masonry on a rampart or mound of earth. <sup>f</sup> Or साधः. <sup>g</sup> Also a mud-wall or other enclosure. <sup>h</sup> Likewise प्राचीरं. <sup>i</sup> Likewise कुडारम्. <sup>j</sup> Or else a tomb. <sup>k</sup> Also एडकं. Or एडोक्तं.

5. <sup>n</sup> निशांत <sup>na</sup> वक्ष्य <sup>nb</sup> सदनं <sup>nc</sup> भवनागार <sup>nf</sup> मंदिरम्  
<sup>m pl.</sup> मट्टाः (पुंसि च भूत्वेऽपि) <sup>m</sup> निकाय <sup>m</sup> निलयालयाः  
<sup>m m f d</sup> वासः <sup>f c f</sup> कूटा (द्वयोः) शाला सभा  
<sup>nf</sup> संजवनं (त्विदम्.) A cluster of four houses.
- <sup>ng</sup> चतुःशालं  
<sup>2f mn</sup> (सुनीनांतु) पर्णशालोठजे (ऽस्त्रियाम्) A hut made of leaves.
- <sup>n</sup> चैत्रमायतनं (तुल्ये) <sup>3n</sup> वाजिशाला (तु) मंदुरा A stable.
- <sup>n</sup> षावेशनं शिल्पशाला <sup>fi</sup> प्रपा पानीयशालिका A working house.
- <sup>f</sup> <sup>f</sup> मठ (ऽष्वात्मादिनिलये) <sup>f</sup> गच्छा (तु) मदिरागृहम् A place of refreshment. j
- <sup>m</sup> 8. मठ (ऽष्वात्मादिनिलये) <sup>f1</sup> गच्छा (तु) मदिरागृहम् A college. k

1का—.

2र—.

5का—.

<sup>a</sup> Likewise पश्यं. <sup>b</sup> Also सदनं. <sup>c</sup> अगारं or आनारं. <sup>d</sup> Masc. or fem. कृतिः. Fem. कृती. Also neut. कृटीरं, and masc. कृटः. <sup>e</sup> Likewise साबा. <sup>f</sup> Likewise संवनं. <sup>g</sup> Also fem. चतुःशास्त्री. <sup>h</sup> Or shed for sacrifices. Some interpret it, a sacred tree. Others explain it, a monument of wood or other materials placed in honour of a deceased person. <sup>i</sup> Also शिल्पशाला. And neut. शिल्पशालं, or शिल्पशास्त्रं. <sup>j</sup> Where water is distributed. <sup>k</sup> A school of students; or a convent of ascetics, &c. Likewise गृहम्.

|   |   |   |
|---|---|---|
| Middle of<br>a house.                       | गर्भागारं वासगृहं <sup>n n</sup>  |   |
| A woman's<br>apartment.                     |   | परिष्टं सूतिकामृहं <sup>n n b</sup>                   |
| A window<br>or air passage.                 | 9. वातायनं गवाक्षः (सगान्) <sup>n m</sup>                                 |   |
| A tempora-<br>ry hall.                      |   | मंडपे (स्त्री) जनाश्रयः <sup>m n c m</sup>            |
| The abode<br>of the weal-<br>thy. d         | हर्म्या (दि धनिनां वासः) <sup>n c</sup>                                   |   |
| A temple,<br>or palace.                     |   | प्रासादे (देवभुजाम्) <sup>m</sup>                     |
| A royal re-<br>sidence. f                   | 10. सौधा (स्त्री) राजसदनं <sup>m n</sup>                                  |   |
| A king's<br>house.                          |   | उपकार्योपकारिका <sup>f g l f</sup>                    |
| Temples of<br>divers holy<br>forms.         | खस्तिकः सर्वतोभद्रे नद्यावर्त्ता (द्वये ऽपि च) <sup>m n m n 2 m n h</sup> |   |
| The queen's<br>apartments.                  | 11. विष्कदकः (प्रभेदाद्भि भवतीश्वरसङ्गनाम) <sup>m i</sup>                 |   |
| An airy<br>room, atop<br>of the<br>house. j | 12. शुद्धांत (शु) श्वरोध (शु) <sup>m m</sup>                              | (स्याद्) अट्टः क्षौम (मस्त्रियाम्) <sup>m m n k</sup> |

1—त. 2—त.

<sup>a</sup> Appropriated to a woman in labour. These and the preceding are synonymous terms, according to some commentaries. <sup>b</sup> Also सतकामृहं. <sup>c</sup> Likewise, fem. मंडपा. <sup>d</sup> Any grand edifice of masonry. <sup>e</sup> हर्म्यः, besides other synonymous terms; as अट्टः, &c. <sup>f</sup> Synonymous with the preceding; according to some interpretations. <sup>g</sup> उपकार्या. Also उपकारि. <sup>h</sup> Besides other terms; as खस्तिकः, &c. <sup>i</sup> Also विष्कदकः. <sup>j</sup> Here, and in the two following articles, interpretations differ greatly. The explanations, most generally received, are inserted. Other interpretations are; the back of an edifice, a fortified place in front of the building; an apartment on the top of the hall; a building of a particular form. <sup>k</sup> Likewise क्षौमं.

- <sup>m</sup> <sup>ma mb</sup>  
 प्रवाण प्रवाणलिंदा ( वहिर्द्वारप्रकोष्ठके )  
<sup>f</sup> <sup>1f</sup>  
 13. महावग्रहणी देहल्य  
<sup>nc</sup> <sup>2n</sup> <sup>n</sup>  
 ऽङ्गनं चवराःजिरे  
<sup>f d</sup>  
 (सधस्ताद्दारुणि) शिला  
<sup>f</sup>  
 नासा (दारुपरिस्थितम्)  
<sup>n</sup> <sup>3n</sup>  
 14. प्रच्छन्नमंतद्वारं (स्यात्)  
<sup>n</sup> <sup>m</sup>  
 पक्षद्वारं (तु) पक्षकः  
<sup>mn</sup> <sup>nf</sup> <sup>m</sup>  
 वलीक नीध्रे पटलप्रांते  
<sup>ng</sup> <sup>4fh</sup>  
 (स्य) पटलं छदिः  
<sup>f</sup> <sup>fi</sup>  
 15. गोपानसी (तु) वलभी (च्छादने बकदारुणि)  
<sup>5f</sup> <sup>mn</sup>  
 कपोतपालिकायां (तु) विटकं (पुन्नपुंसकम्)  
<sup>6f</sup> <sup>n</sup> <sup>m</sup>  
 16. (स्त्री) द्वारिणं प्रतीहारः  
<sup>fk</sup> <sup>fl</sup>  
 (स्याद्) विटार्हं (स्तु) वेदिका

A terrace  
before the  
house door.

The thresh-  
hold

A court or  
yard.

The lower  
timber of a  
door.

The upper  
timber.

A private  
door within  
the house.

A back door.

The edge of  
the thatch.

The thatch  
or roof.

The wood  
of a thatch.

A dovecot,  
or aviary.

A door, or  
gate.

A covered  
terrace in  
the yard. j

1—ली. २—र. ३अ.— 4—स्. 5—का. 6—द्वार.

<sup>a</sup> Also, as some write these words, प्रघानः and प्रघनः. <sup>b</sup> अलिंद, र अलिंदः. <sup>c</sup> Likewise अंगणं. <sup>d</sup> Or शिली. <sup>e</sup> Some make this and the preceding article synonymous. <sup>f</sup> Likewise, according to another reading, नीध्रं. <sup>g</sup> Also पटं, and चालं. <sup>h</sup> Not neuter as erroneously stated by the commentators. <sup>i</sup> Also वहभिः or वहघीः.

Here, and in the following article, as in many other places, interpretations differ greatly. A quadrangular resting place made of wood. A place for sitting in a court yard; or one for standing under. A quadrangular spot in the court of a temple or great edifice. A terrace furnished with pillars. A floor on four posts in the middle of a quadrangular house. <sup>k</sup> Likewise वितदी. <sup>l</sup> Also वेदि, and वेदी.

Decoration  
of the gate-  
post. a

<sup>m n</sup> तोरणा (ऽस्त्री) बहिर्द्वारं <sup>n</sup>

A city gate.

<sup>n</sup> पुरद्वारं (तु) गोपुरम् <sup>n u</sup>

A raised  
place over  
the gate.  
A door.

17. (कूटं पृथ्वीरि यद्) धस्तिनख (स्त्स्विन्) <sup>1 m</sup>  
(अथ त्रिपु)

<sup>m f n b m f n c</sup>

कपाटमररं (तुल्ये)

Its bolt or  
bar.

<sup>d f n e</sup> (तद्विष्कंभे) र्गलं (न ना)

Stairs.

18. आरोहणं (स्यात्) सोपानं <sup>n</sup>

A ladder.

<sup>f i</sup> निःश्रेणि (स्व) धिरोच्चिणी <sup>2 / g</sup>

A broom.

<sup>f</sup> संमार्जनी <sup>f</sup> शोधनी (स्यात्)

Dust, or  
sweepings.

<sup>m h</sup> संकरी <sup>m</sup> ऽवकर (स्या)

19. (जिप्ते)

The en-  
trance of  
a house  
An open  
space in  
a town. i

<sup>n</sup> मुखं निःसरणं <sup>n</sup>

<sup>m</sup> संनिवेशो <sup>n</sup> निकर्षणं

1 ह—.

2 ख—.

a This is explained as signifying, the ornamented arch of a gateway. Some interpret it, the outer gate. b Also कवाटः. Fem. कपाटी and कवाटी. c Fem. अररो or अररिः. d By a variation in the reading, this is made to exhibit a synonymous term, विष्कंभः, or, according to some, विष्कंभि (—न्). e Fem. अर्गला or अर्गली. f Likewise निःश्रेणी. And निःश्रेणिः, or निःश्रेणी. g Also अधिरोहणी. h Likewise संकरी. i The passage in, or out of a house, town or market. The road of ingress and egress. The entrance through the house-door.

|                               |  |   |                             |
|-------------------------------|--|---|-----------------------------|
| (समौ) संवसथ ग्रामौ            | <sup>m</sup> <sup>m</sup>              |   | A village. a                |
|                               |  | <sup>f</sup> <sup>1</sup> <sup>m</sup> <sup>n</sup> |                             |
|                               |  | वेष्टभ्रवास्तु (रस्त्रियाम्)                        | The site of a habitation.   |
| 20. ग्रामांत उपशत्यं (स्यात्) | <sup>m</sup> <sup>n</sup> <sup>b</sup> |   | Space near a village, &c.   |
|                               |  | <sup>2</sup> <sup>f</sup> <sup>3</sup> <sup>f</sup> |                             |
|                               |  | सीमसीमे (स्त्रियामभे)                               | A boundary or limit.        |
| घोष. आभीरपल्ली (स्यात्)       | <sup>m</sup> <sup>f</sup> <sup>c</sup> |   | A station of herdsmen.      |
|                               |  | <sup>m</sup> <sup>n</sup> <sup>m</sup>              |                             |
|                               |  | पक्रणः शवरालयः                                      | An abode of the lowest men. |

1 वास्तु.

2—मनु.

3—मा.

<sup>a</sup> Place for diversion outside of a town : or within it. <sup>b</sup> These words are synonymous with the following, according to some. Also आभीरपल्लीः.



CHAPTER III.

- A mountain. 1. महीधरे शिखरि द्वाभद् शार्ध धर पर्वताः  
 अद्रि गोत्र गिरि ग्रावाचल शैल शिलोच्चयाः  
 लोकालोकश्चक्रवाल  
 स्थिकूटस्थिककुत् (समौ)  
 चस्त (स्तु) चरमच्छाभद्  
 उदयः पूर्वपर्वतः
- A range, surrounding the earth. b
- A hill with three peaks.
- The western mountain d
- The eastern mountain. e
- Divers mountains. f
- A stone or rock.
- A peak or summit.
- A precipice.

- 1—रिन्. 2—त्. 3 व्य— 4—वन्. 5 व्य— 6 च—  
 7 लि—द. 8—त्. 9—वत्. 10—वत्. 11 पा.— 12—ट  
 13—वन्. 14 उ— 15 व्यसन्. 16—दु.

a Likewise महीधर, and अद्रिः. b The limit of light and darkness. c Also चक्रवालः. d Behind which the sun sets. e Over which the sun rises. f Severally named in the text, viz. the snowy range north of India : the mountain called *Nishad'ha* ; the tropical range dividing South from North India, &c. Besides others, *Malaya, Chitracūta, Maināca*, &c. g अतटः, or, according to another reading, तटः.

5. कटको (<sup>m n</sup>स्त्री नितंबे ऽद्रेः) . The side of a mountain.  
 लुः प्रस्थः सानु (<sup>m n m n m n</sup>रस्त्रियौ) Table land.  
 उत्सः प्रस्त्रवणं (<sup>n n a</sup>वारिप्रवाहेः) निर्भरो भ्रः (<sup>m m</sup>) A fountain.  
 (वारिप्रवाहेः) निर्भरो भ्रः (<sup>m m</sup>) A cascade.
6. दरी (तु) कंदरो (वा स्त्री) (<sup>f m f b</sup>) An artificial cave.  
 (देवखात विले) गुहा (<sup>n n c f</sup>) A natural cave.  
 गङ्गरं (<sup>n</sup>)  
 गंडशैला (<sup>1 m</sup>स्तु च्युताः स्थूलोपलागिरेः) Rocks fallen from a mountain.
7. खनिः (स्त्रियाञ्) आकरः (स्यात्) (<sup>f d m</sup>) A mine.  
 पादाः प्रत्यन्तपर्वताः (<sup>2 m 3 m</sup>) Hills near a mountain.  
 उपत्यका (द्रेरासन्ना भूमिर्) (<sup>f</sup>) Land near a mountain.  
 (जर्जम) धित्यका (<sup>4 f</sup>) Land on it.
8. धातु (मनःशिलाद्यद्रेर्) (<sup>m</sup>) A fossil, or mineral.  
 गैरिकं (तु विशेषतः) (<sup>m</sup>) Red chalk.  
 निकुंज कुंजौ (वा क्लीवे लतादिपिहितोदरे) (<sup>m n m n</sup>) A place overgrown with creepers, &c.

1—ल.

2 पाद.

3—त.

4 ख—.

<sup>a</sup> Some make these synonymous with the following. <sup>b</sup> Fem. कंदरा or कंदरी. <sup>c</sup> These are synonyma, according to some, instead of being the explanation of the two other terms here exhibited.

<sup>d</sup> Also खनी or खानिः.

CHAPTER IV.

SECTION I.

- A forest or grove. 1. <sup>f a</sup> <sup>l n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n b</sup> अटव्यरथं विपिनं गहनं काननं वनम्  
" 2 f महारथ्यमुरथ्यानी
- A large forest. महारामा (सु) निष्कुटाः  
" 3 n
- A grove near a house. 2. मारामः (स्याद्) उपवनं (कृत्रिमं वनमेव तत्)  
" 3 n
- A garden. (अमात्यगणिकाग्रेहोपवने) वृक्षवाटिका  
" 4 m n n
- One planted by a state minister, &c. 3. (पुमाना) कोष्ठ उद्यानं (राज्यः साधारणं वनं )  
" n d
- A royal public one. (स्यादेतदेव) प्रमदवनं (मंतपुरोचितम्)  
" 5 f 6 f 7 f f f c
- A royal pleasure ground. 4. वीथ्यालिरावलिः पंक्तिः श्रेणी  
" f g f h
- A row or range. लेखा (सु) राज्यः  
" f h
- A continuous line. f

- 1 अ—, 2 अ—, 3 उ—, 4 आ—, 5—घी.  
6 आ—, 7 आ—.

<sup>a</sup> Sing. अटविः. Also अटवी. <sup>b</sup> Likewise, fem. वनी. <sup>c</sup> Sing. महारामः. <sup>d</sup> Or प्रमदावनं. <sup>e</sup> Also आली and आवली; वीथिः and श्रेणिः. Some add पंक्तिः. <sup>f</sup> Some make these synonymous with the preceding. <sup>g</sup> Likewise रेखा. <sup>h</sup> Sing. राजिः. Also राजी.

- <sup>f</sup> वन्या <sup>1 m</sup> वनसंमूहे (स्याद्) <sup>m a</sup> <sup>2 m</sup> अंकुरोऽभिनवोद्भिदि
- <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>3 m</sup> <sup>4 m</sup> <sup>m</sup> <sup>5 m</sup> 5. वृक्षो महीरुहः शाखी विटपी पादपस्तूरः <sup>m</sup> <sup>m b</sup> <sup>m c</sup> <sup>6 m</sup> <sup>m</sup> <sup>7 m</sup> अनोकहः कुठः सालः पलाशो द्रु द्रुमागमाः
9. वानस्पत्यः (फलैः पुष्पात्) <sup>m</sup> (तैरपुष्पाद्) वनस्पतिः <sup>m</sup>
- <sup>f g</sup> ओषधः (फलपाकांताः) <sup>8 m f n</sup> <sup>m f n h</sup> (स्याद्) वंध्यः फलेग्रहिः
- <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>9 m f n</sup> 7. वंध्योऽफलोऽवकेशी (च) <sup>10 m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>11 m f n</sup> फलवान् फलिनः फली
- <sup>m f n</sup> <sup>12 m f n</sup> <sup>m f n i</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> प्रफुल्लोत्फुल्ल संफुल्ल व्याकोष विकच स्फुटाः
- <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> 8. फुल्ल (त्रैते) विकसिते (स्युर) <sup>i</sup> (अवंध्यादयस्त्रिषु)
- <sup>m n</sup> <sup>m</sup> <sup>13 m</sup> स्याणु (वा ना) ध्रुवः शंकुर <sup>m</sup> (ऋसशाखाशिफः) क्षुपः

1—इ. 2—इ. 3—न. 4—न. 5—त. 6—न.  
 अगम. 8 अ— 9—न. 10—वत्. 11—न. 12—उ. 13 शंकु—  
 a Likewise अंकुरः. b Likewise कुठः. c Also सालः. d As the  
 Mango, Eugenia, &c. e As the Bread-fruit, &c. f Dying after ripen-  
 ing its fruit. g Sing ओषधि. Also ओषधी. h Likewise फलपहिः.  
 i Likewise व्याकोषः. j The preceding admit the three genders, as  
 adjectives. k With short branches and roots.

|                             |  |
|-----------------------------|--|
| A shrub.                    | 9. (अप्रकांडे) <sup>m 1 m</sup> संब गुल्मौ   |
| A creeper.                  | <sup>f a</sup> बल्ली (तु) <sup>f b 2 f</sup> व्रततिलता                               |
| A spreading one. c          | <sup>3 f 4 f 5 m</sup> (लता प्रतानिनी) <sup>m m 6 n</sup> वीरङ्गुल्लिन्युलप (इत्यपि) |
| Height of a tree, hill, &c. | 10. (नगादारोह.) उच्छाय उ.क्षेध (श्वो) <sup>m n m</sup> च्छय (श्व सः)                 |
| The trunk.                  | (अस्त्री) प्रकांडः <sup>f 7 f</sup> स्कंधः (स्यान्) लाच्छाखावधेसरोः                  |
| A branch.                   | 11. (समे) शाखा लते   |
| A large branch.             | <sup>f f</sup> स्कंधशाखा शाले  |
| A fibrous root.             | <sup>f f</sup> शिफा जटे  |
| From a radicant branch. d   | <sup>m</sup> (शाखा शिखा) ऽवरोहः (स्यान्)   |
| Scandent fibres.            | <sup>f c</sup> (स्रलाञ्छायं गता) लता   |
| The top of a tree.          | 12. शिरो <sup>8 n n m n</sup> ग्रं शिखरं ( वा ना )                                   |
| Its root.                   | <sup>n m f</sup> स्रलं वध्नो (ऽघ्निनामकः)  |
| The pith.                   | <sup>m 9 m</sup> सारो मज्जा (समौ)  |
| The bark.                   | <sup>10 f n m n</sup> त्वक् (स्त्री) वल्कं वल्कल (मस्त्रियां)                        |
| Wood.                       | 13. काष्ठं दारुं   |

1—ल. 2 ल.—. 3—ध्. 4 गु—भी. 5 उ—. 6 उ—. 7 लता. 8—स्. 9 न्.—. 10—त्वच्.

<sup>a</sup> Also वल्ली. <sup>b</sup> Likewise व्रतती and व्रततिः. <sup>c</sup> Some make the explanation to be one of the synonyma; and others, moreover, make these and the preceding bear the same sense. <sup>d</sup> For example, that of the Indian fig-tree. <sup>e</sup> Some make this a second interpretation of अवरोहः and expound it otherwise; viz. a plant climbing from the root to the top of a tree. <sup>f</sup> Any term signifying a foot.

- <sup>n</sup> इंधनं ( <sup>1 n</sup> त्वे ) <sup>2 m</sup> ध इधमेधः <sup>3 f</sup> समित् ( <sup>a</sup> स्त्रियाम् ) Fuel.
- <sup>m</sup> निष्कुहः <sup>m n</sup> कोटरं ( वा ना ) The hollow of a tree.
- <sup>f b</sup> वल्लरिर्मुञ्जरिः ( <sup>f</sup> स्त्रियो ) A compound petiole.
14. <sup>n c</sup> पत्रं <sup>n</sup> पलाशं <sup>n d</sup> छदनं <sup>n</sup> दलं <sup>n</sup> पर्णं <sup>m</sup> छदः ( <sup>m</sup> पुमान् ) A leaf.
- <sup>m n</sup> पल्लवेः ( <sup>n</sup> स्त्री ) <sup>m n</sup> विस्तलयं A sprout or shoot. e
- <sup>m</sup> विस्तारो <sup>m n</sup> विटपो ( <sup>n</sup> स्त्रियाम् ) The branch and its shoot. f
15. <sup>n</sup> ( <sup>n g</sup> वृक्षादीनां ) <sup>n</sup> फलं <sup>n</sup> शस्यं Fruit.
- <sup>m f n</sup> रंतं <sup>n</sup> प्रसवबंधनम् The foot stalk. h
- ( <sup>n</sup> आम्रे फले ) <sup>m f n</sup> यलाटुः ( <sup>n</sup> स्याच् ) Moist (fruit).
- <sup>m</sup> ( <sup>n</sup> कृष्णे ) <sup>m n</sup> वान ( <sup>n</sup> सुभे त्रिषु ) Dry.
16. <sup>m</sup> क्षारकोः <sup>n</sup> जालकं ( <sup>n</sup> क्लीबे ) A bud or a germ.
- <sup>f 1</sup> कलिका <sup>m 3</sup> कोरकः ( <sup>m</sup> पुमान् ) An unblown flower
- <sup>m k</sup> ( <sup>n</sup> स्याद् ) <sup>m</sup> गुच्छक ( <sup>n l</sup> स्तु ) <sup>m n</sup> सावकः A cluster of blossoms.
- <sup>m n l</sup> कुक्षलोः <sup>m n</sup> सुकुलोः ( <sup>n</sup> स्त्रियाम् ) An opening bud.

<sup>1</sup> एधश्.

<sup>2</sup> एध.

<sup>3</sup>—ध.

<sup>a</sup> Some restrict the two last, others the three last, to signify sacred

uel. <sup>b</sup> Likewise वल्लरी and मञ्जरी. <sup>c</sup> Also पत्रं. <sup>d</sup> Likewise

शदनं. <sup>e</sup> The extremity of a branch bearing new leaves, &c.

<sup>f</sup> Some make this and the preceding synonymous. <sup>g</sup> Likewise

शस्यं <sup>h</sup> Of a leaf or fruit : the petiole or peduncle. <sup>i</sup> Likewise

विटः and क्लीबे. <sup>j</sup> And neuter. <sup>k</sup> Also गुच्छक. Likewise गुच्छः -

<sup>l</sup> गुच्छः. <sup>1</sup> And कुक्षलः.

- A flower, 17. ( स्त्रियः ) सुमनसः पुष्पं प्रसूनं कुसुमं ( समम् )  
 Its nectar or honey. मकरंदः पुष्परसः  
 Its dus. or farina. परागः सुमनोरजः
- Fruits of certain plants, 18. ( द्विहीनं प्रसवे सर्वं हरीतक्यादयः स्त्रियाम् )  
 आश्वत्थ वैशाख म्लान नैयग्रोधैङ्गुदं ( फले )
- Fruit of the Eugenia, 19. बार्हतं ( च )  
 ( फले जम्ब्या )जंबः ( स्त्री ) जंबु जंबवम्  
 ( पुष्पे जातीप्रभृतयः स्त्रिलिंगा व्रीहयः फले )
- Blossom of the Bignonia, 20. विदार्याद्यास्तु मलेऽपि )  
 ( पुष्पेऽपि ) पाटला

1—नस् 2—जस् 3—स्—

<sup>a</sup> Plural with the sense of the singular, though some make it ad-  
 mit the singular number, and even the neuter gender. Ex. सुमनाः an  
 सुमनः. <sup>b</sup> Likewise सुनं. <sup>c</sup> According to another reading सु  
 a flower. <sup>d</sup> Names of plants generally become neuter, to signify  
 the produce of the plant; viz. its blossom and fruit: some add the root  
 and even the leaf. <sup>e</sup> Except *Haritaci* and certain others, which are  
 feminine denoting the fruit, &c. As *Drācshā*, *Cōshātaśi*, &c. <sup>f</sup> In  
 these instances, derivatives are employed to signify the fruit: and, in  
 some other instances likewise; as वैश्वं, &c. <sup>g</sup> Here the neuter, the  
 derivative, and the irregular feminine, are all three employed. <sup>h</sup> *Jāti*  
 and certain others (as *Yut'hicā*, *Mallicā*, &c.) irregularly retain the ori-  
 ginal genders, to signify the flower of the plant; so do the names of  
 corn and pulse, to signify the seed. And so do *Vida'ri*, and other  
 (as *Gambhā'ri* &c.) to denote the root, or the blossom: some add the  
 fruit. <sup>i</sup> Here the neuter, and the original feminine gender, are both  
 admissible; and even the masculine.

SECTION II.

|   |   |                                  |
|---|---|----------------------------------|
| <sup>m b</sup> <sup>l m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>                       | बोधिद्रुमशूलदलः पिप्यलः कुञ्जराशमः          | Holy fig-<br>tree. a             |
| <sup>m</sup>  | अश्वत्थे.                                   |                                  |
| <sup>m d</sup> <sup>m</sup> <sup>2 m</sup> <sup>3 m</sup>                     | (ऽय) कपित्थे (स्युर्) दधित्य ग्राहि मन्मथाः | Elephant,<br>or wood<br>apple. c |
| <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>4 m</sup>                                      | (तस्मिन्) दधिफलः पुष्पफलदंतशठा (वपि)        |                                  |
| <sup>m f</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>                         | उदुंबरे जंतुफलो यन्नाङ्गो हेमदुग्धकः        | Glomerous<br>fig-tree. c         |
| <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>                           | कोविदारे चमरिकः कुहालो युगपत्तकः            | Mountain<br>ebony. g             |
| <sup>m</sup> <sup>5 m</sup> <sup>f i</sup> <sup>m</sup>                       | समपर्णो विशालत्वक् शारदी विषमच्छदः          | Echites. h                       |
| <sup>m j</sup> <sup>m</sup> <sup>m k</sup> <sup>m</sup>                       | आरग्वधे राजदत्त सम्पाक चतुरङ्गुलाः          | Cassia fistu-<br>lula.           |
| <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>                           | आरेवत वराधिघात कृतमाल सुवर्णकाः             |                                  |
| <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> | (स्युर्) जम्बीरे दंतशठ जंभ जंभीर जंभलाः     | A lemon or<br>citron.            |
| <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>6 m</sup> <sup>m</sup>            | वरुणो वरणः सेतुस्त्रिक्तयाकः कुमारकः        | Tapia. l                         |

1—f. 2—j. 3—g. 4—d. 5—c. 6—t.

a Ficus religiosa. b Also बोधि. c Feronia Elephantium or Cra-  
taeva Valanga. d Also कवित्थ. e Ficus glomerata, R. f Some  
to उदुंबरे. g Bauhinia variegata, and other species. h Echites  
olaris. i Likewise masc. शारदः. j Also आरग्वधः and आरग्वधः.  
Likewise शंपाक and शस्याक. l Crataeva Tapia or Capparis trifoliata.



- Punag*, a 6. पुश्चागे पुश्चसंगः केसरो देवसङ्घः  
*Coral tree*, c पारिभङ्गे निंबतरुमन्दारः पारिजातकः  
*Tinis*, d 7. तिनिये स्यन्दने नेमी रथद्रुतिमुक्तकः  
वञ्जुलखितलक्ष् ( चा  
*Spondias*, f 8. एथ हौ ) पीतन कपीतना  
आम्नातके  
*Bassia*, h मधूके ( तु ) गुडपुष्प मधुद्रुमौ  
वानप्रस्थ मधुशीली  
*Another* sort, j ( जलजे. एत ) मधूलकः  
*Pila*, k 9. पीली गुडफलः संसी  
(Walnut), l ( तन्निस्तु गिरिसंभवे )  
अक्षोड कंदराली ( हा )

1-तु— 2 अ— 3 चि—तु. 4—ल. 5—न.

<sup>a</sup> Probably *Rottlera tinctoria*, R. Mss. <sup>b</sup> Also केशरः. <sup>c</sup> *Erythrina fulgens*. But some apply the Sanscrit names to the *Melia sempervirens*. <sup>d</sup> *Dalbergia Onjeinensis*, R. Mss. <sup>e</sup> नेमि. Also नेमि and fem. नेमी, according to some. <sup>f</sup> *Spondias Mangifera*. <sup>g</sup> *आम्नातकः*. <sup>h</sup> *Bassia latifolia*. <sup>i</sup> Likewise मधुक्तः and मधुः. <sup>j</sup> Growing in water; or, according to another reading, on mountainous ground. <sup>k</sup> The name is applied in some provinces to *Careya arborea* (R. Mss.); in others, to *Salvadora Persica* (R.) <sup>l</sup> Described as species of the preceding, growing on mountains: but the corresponding Hindi name belongs to *Juglans regia*, and also to *Croton Moluccanum* or *Aleurites Triloba*. <sup>m</sup> Likewise अक्षोडः and अक्षोटः. Also कर्पूर

|     |  |  |
|-----|--|--|
|     | <sup>m</sup> वृ <sup>m</sup> कोठे (तु) <sup>m b</sup> निःकोष्कः  | Alangium.<br>a                                     |
| 10. | <sup>m</sup> पलाशे <sup>m</sup> किंशुकः <sup>m</sup> पर्णो <sup>m</sup> वातपोको<br><sup>1 m</sup> (इय) वेतसे   | Butca frondosa.<br><br>Bayas, or<br>Be'ut. c       |
|     | <sup>2 m</sup> रथा <sup>m</sup> भ्रपुष्प <sup>m</sup> विदुल <sup>m</sup> शीत <sup>m</sup> वानीर <sup>m</sup> वञ्जुलाः  |  |
| 11. | <sup>m</sup> (ह्री) परिध्याधविदुलौ <sup>m f</sup> नादेयी <sup>3 m</sup> (च) बुवेतसे<br><sup>m f</sup> शोभाञ्जने <sup>m</sup> शिशु <sup>m g</sup> तीक्ष्णगंधका <sup>m h</sup> क्षीव <sup>m</sup> मोचकाः | The same growing in water.<br><br>Morunga. c       |
| 12. | <sup>m</sup> (रक्ते) रसौ <sup>m j</sup> मधुशिशुः <sup>m</sup> (स्याद्) चरिष्टः <sup>m</sup> फेनिलः <sup>m</sup> (समौ)  | A red variety of the same.<br><br>Soap berry.<br>i |
|     | <sup>m</sup> विल्वे <sup>m</sup> शाखिल्य <sup>4 m</sup> शलघौ <sup>m</sup> मालूर <sup>5 m</sup> श्रीफला <sup>m</sup> (वृपि)   | Marmelos.<br>k                                     |
| 13. | <sup>m</sup> स्रुतो <sup>m m</sup> जटी <sup>m</sup> पर्कटी <sup>m</sup> (स्यान्) <sup>6 m</sup> न्यग्रोधो <sup>7 m</sup> वज्रपाहटः   | Waved leaved fig-tree. l<br><br>Indian fig-tree. n |

1—घ.      ३ रघ.      ५खं—घ.      ६—घ.      ७—ख.  
८—पाद.      ७—वट.

<sup>a</sup> A hexapetalum. <sup>b</sup> Likewise निःकोठकः. <sup>c</sup> The Sanscrit name is by some referred to the Ratan; but a different plant appears to be meant. <sup>d</sup> रथाभ्रपुष्पः. Also रथाभ्रपुष्पः. <sup>e</sup> Hyperanthera Morunga or Guilandina Morunga. <sup>f</sup> Likewise शोभाञ्जनः or शोभाञ्जनः. <sup>g</sup> तीक्ष्णगंधकः and तीक्ष्णगंधः. <sup>h</sup> क्षीवः or क्षीवः and क्षीवः. <sup>i</sup> Sapindus Saponaria and other species: but applied also to Mimosa abstergens, R. <sup>j</sup> Also रिष्टः. <sup>k</sup> Ægle Marmelos or Crateva Marmelos. <sup>l</sup> Ficus venosa. <sup>m</sup> जटिन्. Also fem. जटी, or जटि (Nom. जटिः). So पर्कटिन्; and fem. पर्कटी, or पर्कटि (—टिः). <sup>n</sup> Ficus Indica.

- Lod*<sup>b</sup>. The pale sort. a  
<sup>m</sup> गालवः <sup>m b</sup> शावरौ <sup>m</sup> लोध्रस्त्रिरीटस्त्रिखं <sup>1 m</sup> मार्जनौ <sup>2 m</sup> <sup>m</sup>
- Mango. c  
 A very fragrant sort of it.  
 14. <sup>m</sup> <sup>3 m</sup> <sup>m</sup> आम्रशृते रसले  
 (<sup>m</sup>सौ) सहकारौ (<sup>m</sup>सिसौरभः)
- Bdellium.  
<sup>n</sup> कंभोलूखलकं (<sup>m i</sup>क्रीवे) <sup>m</sup> कैशिकौ <sup>m c</sup> गुग्गुलुः <sup>m</sup> पुरः
- Sebesten. f  
 15. <sup>m g</sup> शेलुः <sup>m</sup> श्लेषातकः <sup>m</sup> शीतः <sup>m</sup> उहालो <sup>m</sup> वज्रवारकः  
<sup>n i</sup> राजादनं <sup>m j</sup> पियाल (श्च) <sup>m</sup> सन्नकद्रधनुः <sup>m k</sup> पटः
- Piya*. h  
 16. <sup>f</sup> गंभारी <sup>f</sup> सर्वतोभद्रा <sup>m</sup> काशसरी <sup>m n</sup> मधुपर्णिका  
<sup>f</sup> श्रीपर्णी <sup>f</sup> भद्रपर्णी (च) <sup>m n</sup> काशसर्ष्य (श्चाप्य) <sup>m</sup>  
 (<sup>m</sup>स्य हयोः)
- Jujube. n  
<sup>m f o</sup> <sup>m f p</sup> <sup>m f q</sup> 17. कर्कन्यूर्दरी कोलिः  
<sup>n</sup> कोलं <sup>n</sup> कुवल <sup>i n</sup> फेनिसे

1 ति—.

2 ति—.

3 चूत.

4—ल.

<sup>a</sup> The lodh is a bark used in dyeing, of which two sorts are in use. Some restrict the first term to this species, and make the rest common to both. <sup>b</sup> Also सावरः. <sup>c</sup> *Mangifera Indica*. <sup>d</sup> कुंभं and कुंभलूखलकं. Also कुंभोलुः and खलकः. Likewise कुंभोलूखलकं. <sup>e</sup> Also गुग्गुलुः <sup>f</sup> *Cordia myxa*. Also *Cordia latifolia*, R. Mss. <sup>g</sup> Also शेलुः. <sup>h</sup> *Chironjia Sapida*, R. Mss. But the name is in some places applied to *Grewia orientalis* and *didyma*. <sup>i</sup> Likewise राजादनं or—नः. <sup>j</sup> And पियालः. Also सन्नः and कद्रुः. <sup>k</sup> Likewise धनुः (धनु of धनुव) and पटः. <sup>l</sup> Probably *Gmelina arborea*, R. <sup>m</sup> Also काशसरी. <sup>n</sup> *Zizyphus Jujuba*, and other species. <sup>o</sup> Masc. कर्कन्युः and न्युः, Fem कर्कन्युः. <sup>p</sup> Masc. वदरः. <sup>q</sup> Also, in the fem. कोली and कोला.

- सैवीरं वदरं घोण्टा (ऽप्य)<sup>n n f a</sup>  
 (ऽथ स्यात्) स्वादुकण्टकः<sup>m</sup> *Buñ'ch'ki.*  
<sup>m c m m 1 m</sup>  
 18. विकंकतः खुवाटक्षो शंथिलो व्याघ्रपाद् (पि)  
<sup>m m d f f c</sup>  
 ऐरावते नागरंगो नादेयी भूमिजंबुका *Orange.*  
<sup>m g m m m</sup>  
 19. तिंदुकः स्फूर्जकः कालस्वंध (ष) शितिसारके *Sort of*  
<sup>m m m m</sup> *ebony. f*  
 काकेन्दुः कुलकः काकतिन्दुकः काकपीलुके *Another*  
<sup>m i m m f i 2 m m</sup> *sort. h*  
 20. गोलीढो भाटलो घण्टापाटलिर्भोज्य सुष्कौ *Ghanta-*  
<sup>m m 3 m</sup> *pa'rali.*  
 तिलकः क्षुरकः श्रीमान् *Tila'.*  
<sup>m m</sup>  
 (समो) पिचुल भावुकौ *Tamarix. k*  
<sup>f f f m m</sup>  
 21. श्रीपर्णिका कुमुदिका कुंभी कैठर्थ्य कटफलौ *Cu'yap'hal.*  
<sup>m f 4 m m</sup>  
 कमुकः पट्टिका (ख्यः स्यात्) पट्टी लाक्षाप्रसादनः *Red Lo'd'h.*

1—दु. 2भोज. 3—ह. 4—न.

<sup>a</sup> Some make the three last, others the two last, signify the wild sort: others again explain the last as denoting both plant and fruit; and the rest, as indicating the fruit of the common Jujube. <sup>b</sup> Flacourtia Sapida, R. <sup>c</sup> Also वैकंकतः. <sup>d</sup> Likewise नारंगः or नारंगः. <sup>e</sup> Some disjoin the two last as names of a different plant. <sup>f</sup> Diospyros melanoxylon (R), and Glutinosa (Koen.) <sup>g</sup> Also तिंदुकी. <sup>h</sup> Diospyros tomentosa, R. <sup>i</sup> Likewise गोलिङ्गः. <sup>j</sup> Or घण्टा and पाटलिः. <sup>k</sup> T. Indica and Diœca.

- Mulberry. <sup>a</sup> 22. नूद (सु) <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>n</sup> मूषः कसुको वृहत्कषो वृहत्दाव (च)  
<sup>n</sup> बल (ख)
- Nauclea <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m b</sup> <sup>m</sup>  
orientalis. नीप प्रियक कदंबा (सु) हलिप्रिये
- Marking <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>f</sup> <sup>m f n l</sup>  
nut. c 23. वीरटक्षोऽरुष्करो ऽग्निमुखी भस्मातकी (त्रिपु)
- Purspanal. <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
24. गर्ह भाण्डे कंदराल कपीतन सुपार्शकाः  
सूत (ख)
- Tamarind. <sup>f i</sup> <sup>f</sup> <sup>f R</sup>  
तित्तिडी चिञ्जा ऽम्बिका
- Asan, h <sup>m</sup>  
(घ) पीतमालके
- Sac'hira or <sup>m</sup> <sup>m i</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
Sal. j 25. सार्जे ऽसन वंधूकपुष्प प्रियक जीवकाः  
<sup>m k</sup> <sup>m m l</sup> <sup>m</sup> <sup>m m</sup>
- Cahna, n <sup>m</sup> <sup>1 m.</sup> <sup>2 m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
नदीसर्जो वीरतरुः द्रुः ककुभो ऽज्जिनः

<sup>a</sup> Morus Indica. But some make it the Hibiscus Populneoides. See 23. <sup>b</sup> Likewise कादम्बः. <sup>c</sup> Semicarpus Anacardiun. <sup>d</sup> Masc. भास्मातकः. <sup>e</sup> Hibiscus Populneoides, R. Some confound these Sanscrit names with those of the Ficus venosa. <sup>f</sup> Also तित्तिडी and तित्तिडीकः,—का,—कं. <sup>g</sup> Likewise अश्लीका, अश्लिका and अश्लीका. <sup>h</sup> Terminalia Alata tomentosa, R. <sup>i</sup> Also कासनः and कसनः. <sup>j</sup> A common timber tree described (Polyandria monogynia) but not yet named by botanists. <sup>k</sup> Likewise चानः. <sup>l</sup> Also कार्श्याः. <sup>m</sup> Or सस्य-संवरः. <sup>n</sup> Terminalia Alata glabra, R.

26. राजादन फलाध्यक्षे क्षीरिकायां<sup>m n n b 1</sup>  
(अथ द्वयोः)<sup>m f c m</sup> *Khirant. a*  
*Injam.*
- इक्षुदी तापसतर्<sup>m 2 m 3 m</sup>  
भृञ्जं चर्भिं हृदुत्वक्षौ<sup>f f f m m f f</sup> *Bhōjpatr. d.*
27. पिच्छिला पूरणी मोचा स्थिरायुः शास्त्रलि(र्द्वयोः)<sup>m</sup> *Silk-cotton. e*  
पिच्छा (तु) शास्त्रली वेष्टे<sup>m m f</sup> *Its gum.*  
रोचनः कूटशास्त्रलिः<sup>m h m m m</sup> *Another sort of silk-cotton.*
28. चिरविल्लो नक्तमालः करज (श्च) करञ्जके<sup>m m m j m</sup> *Caranj. g*  
प्रकीर्यः पूतिकरजः पूतिकः कलिमारकः<sup>m 4 f 5 f</sup> *Gray bonduc. i*
29. (करञ्जभेदाः) घड्ग्रथो मर्कटप्रङ्गारवल्लरी<sup>6 m m m m 7 m</sup> *Other sorts. k*  
रोही रोहितकः शीघ्रशतुर्द्विडिमपुष्पकः *Rohin. l*

1—का.

2—न्

3—च, and—च.

4—टी.

5—च—

6—न्

7 दा—

<sup>a</sup> Perhaps a species of *Mimusops*. *M. Kanki*. <sup>b</sup> Also राजादन फलं and अध्यक्षं, <sup>c</sup> Masc. इक्षुदः. <sup>d</sup> The bark is used. <sup>e</sup> *Bombax heptaphyllum*. <sup>f</sup> Also fem. शास्त्रली. Likewise m. or f. शास्त्रलिः. <sup>g</sup> *Galedupa Arborea* or *Robinia mitis*. <sup>h</sup> Also चिरविल्लुः. <sup>i</sup> *Cæsalpinia*, or *Guilandina*, *Bonduccella*. <sup>j</sup> Likewise पूतिकरञ्जः, पूतिकः, and कलिमारकः. <sup>k</sup> Seemingly varieties of the *Bonduc*. <sup>l</sup> A medicinal plant so called. <sup>m</sup> Also रोहीतकः.

- Khayar <sup>a</sup> 30. गायत्री बालतनयः खदिरो दंतधावनः  
 A fetid <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 Mimosa. परिमेदे! विट्खदिरे  
 A white <sup>m</sup>  
 sort. कदरः (खदिरे सिते)
- Palma <sup>m</sup>  
 christi. d 31. सोमवल्की (ऽप्य)  
 (ऽथ) व्याघ्रपुच्छं गंधर्वहस्तकी  
<sup>m</sup> <sup>m e</sup> <sup>m f</sup> <sup>l m</sup>  
 एरंडं उरूकं (श्च) रुचकश्चित्रकं (श्च सः)  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m g</sup> <sup>m</sup> <sup>m h</sup>  
 32. चंचुः पञ्चाङ्गुलो मंडु बर्द्धमान व्यडंबकाः  
<sup>m i</sup>  
 (अल्पा शमी) शमीरः (स्याच्)  
<sup>2 f</sup> <sup>f k</sup> <sup>f</sup>  
 कृमी सक्तुफला शिवा  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 33. पिण्डीतके मरुवकः श्वसनः करचाटकः  
<sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 शल्यं (श्च) मद्ने  
<sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 34. भद्रदारु द्रुक्लिमं पीतदारु (च) दारु (च)

1 चि—

2 शमी.

<sup>a</sup> Mimosa Catechu (Khayar) Linn. <sup>b</sup> Also masc. गायत्रिन् (—त्री)  
<sup>c</sup> Likewise बालपत्रः and बालदलकः. <sup>d</sup> Ricinus communis. <sup>e</sup> Also  
 उरूकः. <sup>f</sup> Likewise रुचकः and रुचकः or रुचकः. <sup>g</sup> Also अमंडः  
 आमंडः. <sup>h</sup> Likewise व्यडंबनः. <sup>i</sup> Also शमीरः. <sup>j</sup> Mimosa albida  
 \* Or सक्तुफली. <sup>1</sup> Vangueria spinosa, R. But the Sanskrit names  
 are referred also to Gardenia dumetorum. <sup>m</sup> In Bengal, उवारी  
 longifolia; but properly seems to be a pine or fir.

<sup>n</sup> <sup>1 m n</sup>  
 पूतिकाष्ठ (सुं सप्त स्युर्) देवदारुण्य  
 (ऽथ द्वयोः)

Trumpet  
flower. a

<sup>m f b</sup> <sup>f</sup> <sup>f c</sup> <sup>f d</sup> <sup>f</sup>  
 35. पाटलिः पाटला ऽमोघा काचस्थाली फलेरुहा

<sup>f.</sup> <sup>f</sup>  
 कृष्णहंता कुवेराक्षी

<sup>f</sup> <sup>f t</sup>  
 श्यामा (तु) महिला (हृया)

Prigangu. e

<sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup>  
 36. लता गोबंदनी गुन्द्रा प्रियङ्गुः फलिनी फली

<sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>m f</sup>  
 विष्वक्सेना गंधफली कारंभा प्रियक (श्च सा)

<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 37. मण्डकपर्ण पत्रोर्ण नट कटङ्ग टुंटाकाः

Sonapat. g

<sup>m</sup> <sup>m i</sup>  
 श्योनाक शुकनास र्च दीर्घहंत कुटन्वटाः

38. शोणक (श्चा) ऽरला

<sup>f</sup> <sup>3 m f n k</sup>  
 तिथ्यफला (त्वा) मलकी (त्रिषु)

Emble  
myrobalan.  
j

<sup>f</sup> <sup>f l</sup>  
 अष्टता (च) वयस्था (च)

<sup>m f n n</sup>  
 (त्रिलिङ्ग स्तु) विभीतकः

Beleric  
myrobalan.  
m

• '1—रु. 2 ऋज्. 3 चा—.

a. Bignonia suave-oleris. b Also fem. पाटली. c अमोघा or' मोघा.  
 d Likewise काली and स्थाली. e A fragrant seed so named. f And  
 other synonyma of woman. g Bignonia Indica. h Also श्योनाकः  
 i अरलुः or अरटुः. j Phyllanthus Emblica. k Masc. चामलकः. l Or  
 वयःस्था. Also कावस्था. m Terminalia belerica. n Fem. विभीतकी.



39. <sup>m</sup> अक्षु<sup>l</sup>स्तु<sup>m</sup>षः<sup>m</sup> कर्ष<sup>m</sup>फलो<sup>m</sup> भृत<sup>m</sup>वासः<sup>m</sup> कलि<sup>m</sup>द्रुमः<sup>m</sup>  
<sub>f 2f f fb f f</sub>  
 Yellow myrobalan. <sup>a</sup> अमया (त्व) व्यथा पथ्या वयस्या पूतनाऽश्मता
40. <sup>f</sup> हरीतकी<sup>f</sup> हैमवती<sup>f</sup> चेतकी<sup>f</sup> श्रेयसी<sup>f</sup> शिवा<sup>f</sup>  
<sub>m m n</sub>  
 Sural. c पीतद्रुः सरलः पूतिकाष्ठं ( चा )  
 Canigdr. d ( ऽथ ) द्रुमोत्पलः<sup>m</sup>
41. <sup>m</sup> कर्णिकारः<sup>m</sup> परिव्याधो<sup>m</sup>  
<sub>m f m m</sub>  
 Barahal. e लकुचो<sup>m</sup> लिकुचो<sup>m</sup> उज्जः<sup>m</sup>  
<sub>m h m l</sub>  
 Bread fruit or Jaca tree. g पनसः कंटकिफलो<sup>m</sup>  
 Hijjal. j निचुलो<sup>m</sup> ऽम्बुज<sup>m</sup> इज्जलः<sup>m k</sup>  
<sub>f f fm 3f</sub>
42. <sup>m</sup> काकोडुं<sup>m</sup> बरिका<sup>m</sup> फला<sup>m</sup> मेल<sup>m</sup> पूज्ज<sup>m</sup> घने<sup>m</sup> फला<sup>m</sup>  
<sub>m m m m m</sub>  
 Opposite leaved fig-tree. l अरिष्टः सर्वतोभद्र हिङ्गुनिर्यास मालकाः  
 Nimb. n
43. <sup>m o</sup> पिचुमई<sup>m</sup> (श्च) निम्बे<sup>m</sup>  
<sub>f n f q</sub>  
 Sis. p ( ऽथ ) पिच्छिला ऽगुरु शिंशपा

1 तुस.

2 अ—.

3 ज—.

<sup>a</sup> Terminalia citrina. <sup>b</sup> Also वयःस्या and कायःस्या. <sup>c</sup> A tree which yields resin. <sup>d</sup> Pterospermum acerifolium or Pentapetes acerifolia. <sup>e</sup> Artocarpus Lokutsha (Lucucha), R. <sup>f</sup> Likewise नकुचः. <sup>g</sup> Artocarpus integrifolia. <sup>h</sup> Also फलसः. <sup>i</sup> And कंटकीफलः. or कंटकफलः. <sup>j</sup> Eige ia acutangula. <sup>k</sup> Likewise हिज्जलः. <sup>l</sup> Ficus oppositifolia, R. <sup>m</sup> मलपूः ( पू ). Also मलपूः (—र), and मलयूः (—य). <sup>n</sup> Nimba Azadaracta (A'za'dderakht) or Melia Azadirachta. <sup>o</sup> And पिचुमईः. <sup>p</sup> Dalbergis Sissoo, R. <sup>q</sup> Or, according to some, अगुरुशिंशपा.

- कपिला मन्मथर्भा ( सा )<sup>f</sup> Another  
sort. a
- शिरिष (स्तु.) कपीतनः<sup>m m</sup> Siris. b
44. भण्डिलो (ऽप्य)<sup>m c</sup>  
(ऽथ) चाम्पेयसम्पके हेमपुष्पकः<sup>m l m m</sup> Champd. d  
( एतस्य कलिका ) गंधफली (स्याद्)<sup>f</sup> Its flower  
(ऽथ) केसरे<sup>m f</sup> Mul-sari. e
45. बकुलो<sup>m</sup>  
बम्बुलो ऽशोके<sup>m m</sup> Asoc g  
( समौ ) करक दाडिमौ<sup>m m h</sup> Pome-  
granate.  
चाम्पेयः केसरो नागकेसरः काञ्चना (ऋयः)<sup>m m m j 2 m k</sup> Nāgēsar. †
46. जया जयंती तर्कारी नादेयी वैजयंतिका<sup>f f f f f</sup> Jainti. l  
श्रीपर्यमग्निमंथः (स्यात्) कणिका गणिकारिका<sup>n 3 m f f</sup> Ganiydrī. m
47. जये<sup>m n</sup>

1—.

2—न.

3—.

\* Some make these terms synonymous with the preceding. <sup>b</sup> Mimosa Seereesa ( Sirīsha ), R. <sup>c</sup> Also भंडिरः and भंडीलः or भंडीरः. <sup>d</sup> Michelia Champaca. <sup>e</sup> Mimusops Elengi. <sup>f</sup> Likewise केसरः. <sup>g</sup> Jonesia Asoca, R. <sup>h</sup> And दालिमः, दाडिम्वः or डालिमः. Also fem. दाडिमो. <sup>i</sup> Mesual ferrea. <sup>j</sup> Likewise केसरः and नागकेसरः. <sup>k</sup> And all synonyma of gold. <sup>l</sup> Eschynomene Seeban. <sup>m</sup> Premna spinosa, and longifolia. <sup>n</sup> Some make these five synonymous with the preceding five, as names of the *Aranī* or *Premna spinosa*.

- Coraiya. a <sup>m b m m f</sup>  
(ऽथ) कूटजः शको बत्सकौ गिरिमल्लिका
- Its seed. <sup>m f n 1 f n n</sup>  
(एतस्यैव) कलिङ्गेन्द्रयवभद्रयवं (फले)
- Carônda c 48. <sup>2 m d m e m m</sup>  
कृष्णपाकफलाऽविग्न सुषेणाः करमर्दके
- Tamôl. c <sup>m 3 m m g</sup>  
कालस्वन्धसामालः (स्यात्) तापिच्छो (ऽथ)
- Sêudrî. h <sup>m</sup>  
(ऽथ) सिंदुकः
49. <sup>m i 4 m j f k 5 f</sup>  
सिन्द्वारेन्द्रसरसौ निर्गुण्डीन्द्राणिके (त्यपि)
- Deobîr. l <sup>f f f m m m</sup>  
वेणी खरा गरी देवताडो जीमूत (इत्यपि)
- Sirtari. n <sup>f f</sup>  
50. श्रीहस्तिनी (तु) भूरुण्डी
- Arabian <sup>n p f</sup>  
Jasmin. o हृष्यमून्यं (तु) मल्लिका
- <sup>f q</sup>  
भूपदी शीतभीरु (श्च)

1६— 2—ल. ३त— 4६— 5६—का.

<sup>a</sup> Echites antidysenterica or Nerium antidysentericum. <sup>b</sup> Also कौटजः. <sup>c</sup> Carissa Carandas. Applied also, but erroneously, to the Flacourtia Cataphracta. <sup>d</sup> Also कृष्णपाकः, पाकफलः, कृष्णफलः, पाककृष्णफलः and other combinations of the same terms. <sup>e</sup> Likewise आविग्नः. <sup>f</sup> A tree noted for the dark hue of its blossoms. <sup>g</sup> Also तापिञ्जः. <sup>h</sup> Vitex trifolia and Nigundo, applied also to Buddleia Neemda. B. Mss.

Likewise सिंदुकः and सिंधवारः. <sup>i</sup> Or इन्द्रसरिसः. <sup>k</sup> Also निर्गुण्डी  
<sup>l</sup> A plant so called. <sup>m</sup> Likewise खगरी, and खरागरी or गरगरी.  
<sup>n</sup> Heliotropium Indicum. <sup>o</sup> J. Zauba. <sup>p</sup> Also fem. हृष्यमून्या-  
<sup>q</sup> Likewise शतभीरुः.

- 1 f a
- (सेवा.) स्योता' (वनोद्भवा) A wild variety.
51. श्रेफालिका (त) स्वहा निर्गुण्डी नीलिका (च सा) *Nibéri b*
- f c f f f f
- (सिता. सौ) श्वेतसरसा भूतवेष्ट *The same white.*
- f 2f
- (इय) मागधी *Sort of Jasmin. d*
52. गणिका यूथिका ऽम्बुष्ठा *f*
- f f f
- (सा पीता) हेमपुष्पिका *Yellow Jasmin.*
- m m f f i
- अतिमुक्ताः पुंड्रकः (स्याद्) वासंती माधवीलता *Málali lita. c*
- f h f f i
53. सुमना मालती जातिः *f f*
- f f
- सप्तला नवमालिका *Double Jasmin. j*
- m n m n
- माध्यं कुन्दं *Many flowered Jasmin. k*
- m m m
- रक्तक (स्तु.) बंधूका बंधुजीवकः *Dopkariga.*
- f f 3f
54. सहा कुमारी तरणिर् *Aloe. n*

1श्रा—.

2—शी.

3ण—.

<sup>a</sup> आस्फोता or आस्फोटा. <sup>b</sup> *Jasminum villosum*. R. The Sanskrit names are assigned, in Bengal, to the *Nyctanthes Arbor tristis*. Some apply the two last terms to a distinct sort. <sup>c</sup> Also श्रेफालिः or श्रेफाली and श्रेफालिका. <sup>d</sup> *J. Auriculatum*. <sup>e</sup> *Gartnera racemosa* or *Banisteria Bengalensis*. <sup>f</sup> Likewise माधवी and लता. <sup>g</sup> *J. Grandiflorum*. <sup>h</sup> सुमनाः (—नस्) or सुमना. <sup>i</sup> Also जाती. <sup>j</sup> *J. Zambac fl. multiplicatis*. <sup>k</sup> *J. multiflorum* or *pubescens*. <sup>l</sup> *Pentapetes phœnicea*. The Sanskrit names are by some assigned to the *Ixora coccinea*, <sup>m</sup> Also रक्तकः. <sup>n</sup> Also *perfoliata*.

- Globe amar-  
ranth. a <sup>m</sup> अम्बान (स्तु.) महासहा
- The crim-  
son sort. <sup>m b</sup> (तत्र शोणे) कुरवक
- The yel-  
[or white]  
variety. <sup>m c</sup> (स्तत्र पीते) कुरं टकः
- Blue barle-  
ria. d <sup>m f e f</sup> 55. (नीलाभिणी हयोर्) वाणादासी (च) सतंगला (श्चसा)
- J'hintt. g* <sup>m h</sup> सैरोयक (स्तु.) <sup>f</sup> भिणी (स्यात्)
- A purple  
sort. <sup>m</sup> (तस्मिन्) कुरवको (रुणे)
- A yellow  
sort. i <sup>m f j</sup> 56. (पीता) कुरं टको (भिणी तस्मिन्) सहचरी (द्वयोः)
- China rose.  
k <sup>n</sup> षोडपुष्पं जवा <sup>f l</sup>
- The blos-  
som of se-  
samum <sup>m</sup> वज्रपुष्पं (पुष्पं तिलस्य यत्)
- Oleander. <sup>m n</sup> 57. प्रतिहास शतप्रास चण्डात हयमारकाः
- <sup>m</sup> करवीरे
- Caril. o* <sup>m m p l m</sup> करीरे (तु) क्रकर ग्रंथिला (बुभौ)
- Thorn ap-  
ple. q <sup>m m</sup> 58. चम्पत्तः कितवो धूर्त्ता धुसूरः कनका (हयः)
- <sup>m m</sup> मातुलो मदन (श्च)

## 1-ख.

<sup>a</sup> Gomphrena globosa. <sup>b</sup> Or कुरवकः. <sup>c</sup> Also कुरं टकः. <sup>d</sup> Barleria caerulea, R. <sup>e</sup> Masc. वाणः. <sup>f</sup> Or च्चातंगलः. <sup>g</sup> Barleria cristata. <sup>h</sup> Or सैरोयकः. <sup>i</sup> Barleria Prinonitis. <sup>j</sup> Masc. सहचर. Also सहाचरः. <sup>k</sup> Hibiscus Rosa sinensis. <sup>l</sup> Also जप्रत. <sup>m</sup> Nerium Odorum. <sup>n</sup> Or प्रतीहासः. <sup>o</sup> Described as a thorny plant, of which camels are fond. <sup>p</sup> Also क्रकवः. <sup>q</sup> Datura Metel and Fastuosa. <sup>r</sup> Likewise धूसूरः and धसूरः. <sup>s</sup> Or any other name of gold.

|     |                         |                        |                        |                          |                    |                       |                 |
|-----|-------------------------|------------------------|------------------------|--------------------------|--------------------|-----------------------|-----------------|
|     | <sup>m</sup>            |                        |                        |                          |                    |                       |                 |
|     | (इस्य फले)              | मातुलपुत्रकः           | The fruit.             |                          |                    |                       |                 |
| 59. | <sup>m</sup> फलपूरो     | <sup>m</sup> वीजपूरो   | <sup>m</sup> रुचको     | <sup>m</sup> मातुलुङ्गके | Citron. a          |                       |                 |
|     | <sup>m</sup> समीरणो     | <sup>m</sup> मरूवकः    | प्रस्यपुष्पः           | फणिव्यक्तः               | Marjā. b           |                       |                 |
| 60. | <sup>m c</sup> जंभीरो   | (प्य)                  |                        |                          |                    |                       |                 |
|     | <sup>m</sup>            | <sup>m</sup>           | <sup>m</sup>           |                          |                    |                       |                 |
|     | (इय)                    | पर्यासे                | कठिञ्जर                | कुठेरकौ                  | Parads. d          |                       |                 |
|     | (सिते)                  | ऽर्जको                 | (इत्र)                 |                          | The white sort. e  |                       |                 |
|     | 1 m                     | m g                    | m h                    |                          |                    |                       |                 |
|     | पाठी                    | (तु)                   | चित्तको                | वङ्गि                    | (संज्ञकः)          | Lead wort. f          |                 |
| 61. | <sup>m i</sup> चक्रा    | (ह)                    | <sup>m</sup> वसुका     | <sup>2 m</sup> स्फोट     | <sup>m</sup> गणरूप | <sup>m</sup> विकीरणाः | Swallow wort. i |
|     | <sup>m</sup> मन्दार     | (चा)                   | ऽकंपणे                 |                          |                    |                       |                 |
|     | <sup>f</sup>            | <sup>m</sup>           | <sup>m l</sup>         | <sup>m m</sup>           | <sup>m n</sup>     |                       |                 |
|     | (इत्र शुक्ले)           | ऽलक                    | प्रतापसौ               |                          |                    | The white sort.       |                 |
| 62. | <sup>f p</sup> शिवमञ्जी | <sup>f</sup> पाशुपत    | <sup>f</sup> एकाशीला   | <sup>3 f</sup> वक्रो     | वसुः               | Bakapushpa. k         |                 |
|     | <sup>f</sup> वन्दा      | <sup>f</sup> वृक्षादनी | <sup>f</sup> वृक्षरुहा | <sup>3 f</sup> जीवन्तिके | (त्यपि)            | A parasite plant. o   |                 |

1—जू.

2 चा—.

3—का.

<sup>a</sup> Citrus medica. Two sorts are here named ; but some make the terms synonymous. <sup>b</sup> Marjoram ? The Sanskrit names are also assigned to a species of basil (Ocimum) with small leaves ; and to another sort of citron. <sup>c</sup> Also जंवीरः. <sup>d</sup> Considered by some to be the sacred Basil (Ocimum sanctum). <sup>e</sup> Ocimum gratissimum. <sup>f</sup> Plumbago zeylanica. <sup>g</sup> Or चित्तकः. <sup>h</sup> And other names of fire. <sup>i</sup> Asclepias Gigantea. <sup>j</sup> Or any name of the sun. <sup>k</sup> Confounded by some with Æschynomene grandiflora, but appears to be a different plant. <sup>l</sup> Likewise fem. एकाशीला. <sup>m</sup> Also वक्रः. <sup>n</sup> And वसुकः or वसूकः. Epidendrum Tesseloides and other species. <sup>p</sup> Likewise वन्दका and वन्दका.

## SECTION III.

- Quricha. a* 1. वत्सादनी<sup>f</sup> च्छिन्नरुहा<sup>f</sup> गुडूची<sup>fb</sup> तंत्रिका<sup>f</sup> ऽष्टता<sup>f</sup>  
जीवन्तिका<sup>f</sup> सोमवल्ली<sup>f</sup> विशल्या<sup>f</sup> मधुपर्ण<sup>lf</sup> (ऽपि)  
*Aletris. c* 2. सूर्वा<sup>fd</sup> देवी<sup>f</sup> भधुरसा<sup>f</sup> मोरटा<sup>f</sup> तेजनी<sup>f</sup> सुवा<sup>fe</sup>  
मधूलिका<sup>f</sup> मधुश्रेणी<sup>fi</sup> गोकर्णी<sup>f</sup> पीलुपर्ण<sup>2f</sup> (ऽपि)  
*A'kanddi. g* 3. पाठा<sup>f</sup> ऽम्बष्ठा<sup>f</sup> विद्धकर्णी<sup>fh</sup> स्थापनी<sup>f</sup> श्रेयसी<sup>f</sup> रसा<sup>f</sup>  
एकाष्टीला<sup>f</sup> पापचेली<sup>f</sup> प्राचीना<sup>f</sup> वनतित्तिका<sup>f</sup>  
*Katuki. i* 4. कटु<sup>f</sup> कटुम्बरा<sup>fj</sup> ऽशोकरोहिणी<sup>fk</sup> कटुरोहिणी<sup>f</sup>  
मत्स्यपित्ता<sup>f</sup> कृष्णभेदी<sup>f</sup> चक्रांगी<sup>f</sup> शकुलादनी<sup>f</sup>  
*Kawach or Cowitch. l* 5. आत्मगुप्ता<sup>f</sup> जडा<sup>fm</sup> ऽव्यण्डा<sup>fn</sup> कण्डूरा<sup>fo</sup> प्राट्टघायणी<sup>f</sup>  
ऋध्यप्रोक्ता<sup>f</sup> शुक्रशिम्बिः<sup>fp</sup> कपिकच्छु<sup>fq</sup> (श्च) मर्कटी<sup>f</sup>

1—र्णी.

2—र्णी.

<sup>a</sup> *Menispermum glabrum*. <sup>b</sup> Also गुडूची. <sup>c</sup> *Aletris Hyacinthoides* or *Dracona nervosa*. <sup>d</sup> And सर्वा. <sup>e</sup> Likewise सुवा. <sup>f</sup> Also मधुःश्रेणी; or मधुः and श्रेणी. <sup>g</sup> *Cissampelos hexandra*. <sup>h</sup> Likewise अविद्धकर्णी and अविद्धकर्णी. <sup>i</sup> A medicinal plant so called. <sup>j</sup> Also कटुम्बरा. <sup>k</sup> Likewise अशोका and रोहिणी. <sup>l</sup> *Dolichos pruriens*. <sup>m</sup> Also अजडा. <sup>n</sup> Likewise अथरुडा. <sup>o</sup> Or कण्डूरा. <sup>p</sup> And शुक्रशिम्बी, or शुक्रशिम्बा. Also कपिकच्छुः.

6. चित्तोपचिन्ना न्यग्रोधी द्रवंतो शंवरी वृषा Musall. a
7. प्रत्यक्त्रेणी सुतत्रेणी रण्डा सूषिकपर्ण्य (ऽपि) Apānj. c
8. पंजिका ब्राह्मणी पद्मा भार्गी ब्राह्मणयष्टिका Bamanai-  
l'k. h
9. मंजिष्ठा विकसा जिङ्गी समङ्गा कालमेषिका Madder. j
10. यासो यवासो इःस्यो धन्वयासः कुनाशकः Jardā. o
11. वृष्णिपर्णी वृथक्पर्णी चित्रपर्ण्यं त्रिवल्लिका Chatkulya. s

1 उ—, 2—र्णी, 3—क, 4—ल्लो, 5—र्णी, 6 अ—.

a A medicinal plant : probably *Anthericum tuberosum*, R. Mss.  
 b Likewise शंवरी. c *Achyranthes aspera*. d And शैखरेयः  
 e Also अषाभागंवः. f Or प्रत्यक्पर्णी. g And केशपर्णी. h *Ovieda verticellata*, R. i Also बालेयः. j *Rubia Munjeet* (Manjit'h), R.  
 k Or विकषा. l Also कालमेषिका. m And भण्डिरी. n Like-  
 wise योजनपर्णी. o Perhaps *Hedysarum Alhagi* ? or rather, a new  
 species. p Likewise पासः, and अषवासः. q Also धन्वयासः  
 and धनुयासः. r Likewise चोदनी. s Explanations differ ; the  
 names in both lines being synonymous according to some ; but denot-  
 ing two distinct plants according to others. The first seems to be  
*Hedysarum lagopodioides*. t Or वृष्णिपर्णी.



|                             |     |  |
|-----------------------------|-----|--|
|                             |     | <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>fa</sup> <sup>fb</sup> <sup>1f</sup>  |
| Rāmāśak.                    |     | क्रोटुविन्ना सिंहपुच्छी कलशिर्धाननिर्गुहा  |
| Sort of prickly nightshade. | 12. | <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup><br>निदिग्धिका स्युशी व्याघ्री वृहती कण्टकारिका<br><sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup><br>प्रचोदनी कुली क्षुद्रा दुःस्पर्शा राष्ट्रिके. (त्यपि)   |
| Indigo. d                   | 13. | <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup><br>नीली काला ह्योतकिता ग्रामीणा मधुपर्णिका<br><sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup><br>रञ्जनी श्रीफली तुल्या द्रोणी दोला (च) नीलिनी  |
| Sāmrāj. g                   | 14. | <sup>m</sup> <sup>3 m h</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup><br>चवत्ताजः सोमराजी सुवह्लिः सोमयह्लिका<br><sup>3f i</sup> <sup>f</sup> <sup>f j</sup> <sup>4f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup><br>कालमेघी कृष्णफला वाकुची पूतिफल्य (ऽपि)   |
| Long pepper.                | 15. | <sup>f</sup> <sup>5f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup><br>कृष्णोपकुल्या वैदेही मागधी चपला कथा<br><sup>f k</sup> <sup>f l</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup><br>उधया पिप्पली शौण्डी कोला<br><sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup><br>(ऽथ) करिपिप्पली |
| Another sort.               | 16. | <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>m m</sup><br>कपिवह्ली कोलवह्ली अयसी वशिरः (पुमान्)<br><sup>n o</sup> <sup>f p</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup><br>चव्य (न्तु) चविका   |
| The plant. n                |     |  |

1सु— 2—का. 3—जिन्. 4—ली. 5उ—.

<sup>a</sup> Also कलधी and कलसिः. <sup>b</sup> धावनिः or धावनी. <sup>c</sup> Solanum Jacquini, Willd. <sup>d</sup> Indigofera tinctoria. <sup>e</sup> Some read तूणी, others तूली. <sup>f</sup> Also मेला, according to another reading. <sup>g</sup> Conyza (or serratula) anthelmintica. <sup>h</sup> Or fem. सोमराजी (—जी). <sup>i</sup> Likewise कालमेघी. <sup>j</sup> Some write वायुजी. <sup>k</sup> Also उधयाः. <sup>l</sup> Likewise पिप्पलिः. <sup>m</sup> And वशिरः. <sup>n</sup> Or synonymous with the preceding : or else the name of a different plant ; Tetranthera apetala, R. <sup>o</sup> Also fem. चव्या, <sup>p</sup> Or चवी. Also neut. चविकः.

- काकचिंघी गुच्छे (तु) क्षणला *Reti. a*
17. पलंकषा (त्वि) क्षुगंधा खदंष्ट्रा खाडुकण्टकः *Gocharu. b*
- गोकण्टको गोक्षुरको वनशंगाट (इत्यपि)
18. विष्ठा विषा प्रतिविषा ऽतिविषोपविषा ऽरुणा *Atis. c*
- शृंगी महौषधं (चा)
- (ऽथ) क्षीराक्षी दुग्धिका (समे) *Dugd'ht. d*
19. शतमूली वज्रसुता ऽभीरुहिन्दीवरी वरी *S'atavri. e*
- ऋष्यप्रोक्ता भीरुपत्नी नारायण्यः शतावरी
20. चहेर (र)
- (ऽथ) पीतद्रु कालेयक हरिद्रवः *Diru haldt. g*
- दावी पचंपचा दारुहरिद्रा पर्जननी (त्यपि)
21. वचोऽग्रगंधा षड्ग्रन्था गोलोमी शतपर्बिका *Orris root. j*
- (शुक्ला) हैमवती *A white sort k*

1 युष्मा. 2 इ—, 3 उ—, 4 इ—, 5—ऋ.  
6 उ—.

<sup>a</sup> Abrus precatorius. <sup>b</sup> Barleria (or Ruellia) longifolia. The name seems to be also applied to Tribulus Lanuginosus. <sup>c</sup> Betula ?  
As. Res. vol. vi. p. 573. <sup>d</sup> Asclepias rosea, (R.) and other species.

<sup>e</sup> Asparagus racemosus, Willd. <sup>f</sup> Sing. नारायणी. <sup>g</sup> Amomum Zanthorhizon, Roxb. <sup>h</sup> Also कालीयकः. <sup>i</sup> Likewise पचंपचा.

<sup>j</sup> Iris pseudacorus ? <sup>k</sup> Acorus calamus.

|             |  |   |
|-------------|--|---|
| Justicia a  |  | <sup>f</sup> वैद्यमाह <sup>1f</sup> सिंघै (तु) <sup>f b</sup> वासिका  |
|             | <sup>m c</sup> <sup>m d</sup> <sup>m</sup> <sup>m e</sup> <sup>m</sup> |   |
|             |  | 22. वृषो ऽट्ठुषः <sup>f g</sup> सिंघास्यो <sup>f</sup> वासको <sup>f</sup> वाजिदंतकः <sup>f</sup>                    |
| Clitoria. f |  | आस्कोता <sup>f</sup> गिरिकर्णी <sup>m</sup> (स्याद्) <sup>m</sup> विष्णुकान्ता <sup>2 m</sup> ऽपराजिता <sup>m</sup> |
| Barleria. h |  | 23. इक्षुगंधा (तु) <sup>m j</sup> काण्डेक्षु <sup>3 m</sup> कोकिलाक्षु <sup>4 f</sup> क्षुरक्षुराः <sup>f</sup>     |
| Anethum. i  |  | शालेयः (स्याच्) <sup>f</sup> क्षीतशिवच्छत्रा <sup>m</sup> मधुरिका <sup>5 f</sup> मिथी <sup>f k</sup>                |
|             |  | 24. मिश्रेया (प्य.) <sup>m m</sup> <sup>m n</sup> <sup>5 f</sup> <sup>f o</sup> <sup>f p</sup>                      |
| Euphorbia.  |  | (ऽथ) <sup>f</sup> सीङ्गण्डो <sup>f</sup> वज्रद्रुः <sup>f</sup> स्त्रुक् <sup>f</sup> स्त्रुही <sup>f</sup> गुडा    |
|             |  | समंतदुग्धा <sup>f</sup>   |
| Babreng. q  |  | (ऽथो) <sup>m n</sup> बेल्लममोघा <sup>f r</sup> चित्ततंडुला <sup>f</sup>   |
|             |  | 25. तंडुल (श्च) <sup>m s</sup> क्षमिन्न <sup>m</sup> (श्च) <sup>m l</sup> विडंगं (पुन्नपंसकम्)                      |
| Sida. u     |  | बला <sup>f</sup> वाद्यालको <sup>f</sup>   |
| Crotalaria. |  | घण्टारवा (तु) <sup>f</sup> शशापुष्पिका <sup>f</sup>   |
|             |  | v   |

1—मूची. 2 इ— 3 यी— 4 छ— 5—ह.

- a Justicia adhatoda & ganderussa. b Also वाशा and वाषिका,  
 c Or वृषः. d And अट्ठुषः. e Likewise वायकः. f Clito-  
 ria ternatea. g Also आस्कोटा. h Barleria Longifolia : but  
 applied also to Capparis spinosa. i Anethum Sowa and Panamo-  
 rium, R. j Or शालेय. k Also मिमिः, मिसी and मिथिः. l Includ-  
 ing divers species, as Tirucolli, &c. m Also सिङ्गण्डः and शीङ्गण्डः.  
 n Likewise वज्रः. o Or स्त्रुहा. Also स्त्रुहिः. p And गुडी. Likewise  
 masc. गुडः. q The seed is used as a vermifuge. r ममोघा and  
 मोघा. s Also तंडुलः. t This and the two preceding terms admit  
 the three genders, say some. u S. cordifolia and Rhombifolia, &c.  
 v C. retusa, sericea, and some other species.

26. <sup>f</sup>सहीका <sup>f a</sup>गोक्षनी <sup>f</sup>द्राक्षा <sup>f</sup>खादी <sup>1 f</sup>मधुरसे. (ति च) A grape.
- <sup>f</sup>सर्वाशुभ्रतिः <sup>f b</sup>सरला <sup>f c</sup>त्रिपुटा <sup>f</sup>त्रिटता <sup>2 f</sup>त्रिटत् *Thori* : the white sort.
27. <sup>f</sup>त्रिभण्डी <sup>f d</sup>रोवनी
- <sup>f</sup>श्यामा <sup>f e</sup>पालिंधी (तु) <sup>f</sup>सुषेणिका The black sort.
- <sup>f</sup>काला <sup>f</sup>मसूरविदला <sup>f</sup>ऽर्द्धचंद्रा <sup>f g</sup>कालमेधिका
28. <sup>n</sup>मधुकं <sup>n</sup>क्लीतकं <sup>f</sup>यष्टिमधुका <sup>f g</sup>मधुयष्टिका Liquorice.
- <sup>f</sup>विदारी <sup>f</sup>क्षीरशुक्ले <sup>3 f</sup>क्षुगंधा <sup>f</sup>क्रोष्टी (च या चिता) <sup>i</sup>*Bhunkaon-*  
*ra* the dark sort. h
29. (अन्या) <sup>f</sup>क्षीरविदारी (स्यात्) <sup>f</sup>महाश्वेतर्क्षगंधिका Another sort (pale).
- <sup>f</sup>लांगली <sup>f</sup>शारदी <sup>m l</sup>तोयपिप्ली <sup>m</sup>शकुलादनी <sup>m m</sup>*Kancharā. j*
0. खराखा कारवी दीप्यो मयूरो लोचमक्षकः *Celosia. k*

1—सा. 2—तु. 3 इ—, 4—ता. 5 इ—.

<sup>a</sup> Or गोक्षना. <sup>b</sup> Also सरणा, सरसा, and सवहा; some read सवहा. <sup>c</sup> And त्रिपुटी. <sup>d</sup> Likewise देवनी. <sup>e</sup> पालिंधी or पालिंधी. <sup>f</sup> *Glycyrrhiza glabra* ? Or *Abrus precatorius albus*, the root of which is substituted for liquorice. <sup>g</sup> Also यष्टी. <sup>h</sup> *Convolvulus paniculatus*. <sup>i</sup> Interpretations differ, transposing the distinction of colour. <sup>j</sup> *Jussieuia repens*. <sup>k</sup> *C. Cristata*. <sup>l</sup> Also दीपकः. <sup>m</sup> Likewise लोचमक्षकः.

|                     |  |           |          |           |           |
|---------------------|--|-----------|----------|-----------|-----------|
|                     | <i>f</i> <sup>b</sup>                      | <i>f</i>  | <i>f</i> | <i>1f</i> | <i>2f</i> |
| <i>Syām-lald. a</i> | गोपी श्यामा शारिवा (स्याद्) नंतोत्पलशारिवा |           |          |           |           |
|                     | <i>n</i>                                   | <i>3f</i> | <i>f</i> | <i>4f</i> |           |
| <i>Ridd'hi.</i>     | 31. योग्य वृद्धिः सिद्धि लक्ष्म्यौ         |           |          |           |           |
|                     |  |           |          | <i>5f</i> | <i>c'</i> |
| <i>Vridd'hi.</i>    | दृष्टे (र्याद्दृया इमे)                    |           |          |           |           |

## SECTION IV.

|                   |   |           |          |           |           |
|-------------------|---|-----------|----------|-----------|-----------|
|                   | <i>f e</i>                                      | <i>ff</i> | <i>f</i> | <i>f</i>  | <i>6f</i> |
| <i>A banana.</i>  | 1. कदली वारण्यसा रंभा मोचांशुमत्फला             |           |          |           |           |
| <i>d</i>          | <i>f</i>  | काष्ठीला  |          |           |           |
|                   |   | <i>f</i>  | <i>f</i> | <i>7f</i> |           |
| <i>Mugdnt.</i>    | सुन्नपर्णी (त) काकसुन्ना सहे (त्यपि)            |           |          |           |           |
|                   | <i>f h</i>                                      | <i>f</i>  | <i>f</i> | <i>f</i>  | <i>fi</i> |
| <i>Egg plant.</i> | 2. बार्साकी हिङ्गुली सिंही भण्डाकी दुष्प्रर्षणी |           |          |           |           |
| <i>g</i>          | <i>f</i>  | <i>f</i>  | <i>f</i> | <i>fk</i> | <i>fl</i> |
| <i>Rasan. j</i>   | नाकुली सुरसा रासा सुगंधा गंधनाकुली              |           |          |           |           |

1 ख.— 2 ख.— 3 ख.— 4 लक्ष्मी. 5 इति  
6 ख.— 7 सहा.

<sup>a</sup> Interpretations differ: some referring the two last terms, others the whole line, to a different plant. <sup>b</sup> Or गोपा. <sup>c</sup> The same synonyma with the preceding. They are medical drugs. <sup>d</sup> *Mass sapiantum*. <sup>e</sup> Also masc. कदलः. <sup>f</sup> Likewise वारण्यसा. Some write वारवसा. <sup>g</sup> *Solanum melongena*. <sup>h</sup> Also बार्सा or बार्साकुः; and masc. बार्साकः,—कु,—की, (—किन्.) <sup>i</sup> Like wise दुःप्रर्षणी. <sup>j</sup> Uncertain. See *As. Res.* vol. iv, p. 309. <sup>k</sup> Some read नागसुगंधा. <sup>l</sup> Physicians reckon this a variety of the preceding.

<sup>m</sup>  
सम्बर (श्वेति. हरिणा अमी अजिनयोनयः)

<sup>m b m m m c m d l m c</sup>

10. कृष्णसार कृ न्यङ्कु रंकु शम्बर रौहिषाः

<sup>m m f 2 m m g m h m i</sup>

Various  
sorts of  
deer, a

गोकर्णं पृषतैर्गर्शं रोहिताश्वमरोः सृगाः<sup>1</sup>

<sup>k . m l m m m m m n</sup>

11. गंधर्वः शरभो रामः श्वमरो गवयः शशः

<sup>m</sup>

(इत्यादयोः सृगेन्द्राद्या गवाद्याः) पशु (जातयः)

<sup>m p m q 3 m</sup>

A beast in  
general, o

12. उन्दुर्भूषिको (प्या) खुर

<sup>f f</sup>  
गिरिका वालभूषिका

<sup>m r m s</sup>

सरटः ककुलासः (स्यान्)

<sup>f t f u</sup>

सुसली गृहगोषिका

<sup>f m v l m w m</sup>

A rat.

A mouse,  
or small  
rat,

A lizard,  
camelion,  
&c.

A small  
house-h  
zard.

13. लूता (स्त्री) तन्तुवायोर्णनाभ मर्कटकाः (समाः)

A spider.

1—घ.

२ एण.

३ आखु.

४ ज—.

<sup>a</sup> Severally named in the text, as the black antelope, the stag, &c. But these terms are not all rigidly applied to different species; and some are not of the deer kind. <sup>b</sup> Or कृष्णसारः. <sup>c</sup> The spotted Axis. <sup>d</sup> Also सम्बरः. <sup>e</sup> And रोहिट् (—घ). <sup>f</sup> पृषतः and पृषत् (fem. पृषती); the porcine deer. <sup>g</sup> शशः. Also शय्यः and रिथ्यः. The painted or white-footed antelope. <sup>h</sup> Likewise रोहित्. <sup>i</sup> चमरः; though here placed among deer, the Bos grunniens is meant. <sup>j</sup> Severally named in the text. <sup>k</sup> Some make this the musk deer. <sup>l</sup> A fabulous animal with eight legs. <sup>m</sup> Bos Gaurus, As. Res. vol. viii. p. 187. <sup>n</sup> A hare. <sup>o</sup> The preceding, as well as the lion and other wild beasts, and domestic cattle, are so denominated. <sup>p</sup> Also उन्दुर्भूः. <sup>q</sup> Likewise भूषिकः, and भूषी. <sup>r</sup> Also सरट् and शरटः. <sup>s</sup> Or ककुलासः. <sup>t</sup> And सुसली or सुसलीः. <sup>u</sup> Likewise गृहगोषिका, गृहगोषा and गृहगोषिका. <sup>v</sup> Also तन्तुवायः. <sup>w</sup> Or जर्णनाभिः.

- An insect. नीलङ्गु (स्तु) लमिः<sup>m a m b</sup>
- A centipede. कर्णजलौका शतपद्म (भे)<sup>f c 1 f</sup>
- A caterpillar. 14. वृश्चिकः मूककीटः (स्याद्)<sup>m m</sup>
- A scorpion. अलि द्रुगौ (तु) वृश्चिके<sup>m d m e m</sup>
- A dove or pigeon. पारावतः कलरवः कपोते<sup>m f m m</sup>
- A hawk or falcon. (ऽय) शशादनः<sup>m</sup>
15. पत्नी शेरन<sup>2 m m</sup>
- An owl. उलके (तु) वायसाराति पेचकौ<sup>m g m m</sup>
- A sky-lark. व्याघ्राटः (स्याद्) भरद्वाजः<sup>m m h</sup>
- A wagtail. खञ्जरीट (स्तु) खञ्जनः<sup>m m</sup>
- A heron. 16. लोहृष्ट (स्तु) कंकः (स्याद्)<sup>m m</sup>
- A blue jay. (अथ) चापः किकीदिविः<sup>m j m k</sup>
- The fork-tailed shrike. कलिङ्ग भङ्ग धूम्याट<sup>m m 3 m</sup>
- A woodpecker. (ऽय स्याच् ऋतपत्रकः<sup>4 m</sup>
17. दार्वाघाटे<sup>m</sup>
- Pipihá. m (ऽय) सारंग स्तोककस्यातकः (समा)<sup>m n m o 5 m</sup>

1—दी.

2—न्.

3—ट.

4 य—.

5 चा—.

<sup>a</sup> And नीलाङ्गुः. <sup>b</sup> Likewise क्रमिः. <sup>c</sup> Also कर्णजलौकाः (—कुम्) <sup>d</sup> अलिः or अलो (—न्); also अलिः and अली. <sup>e</sup> द्रुगः or द्रोणः. <sup>f</sup> Likewise पारावतः. <sup>g</sup> Or जलूकः. <sup>h</sup> And भारद्वाजः. <sup>i</sup> Coracias Indica and Bengalensis; or as otherwise explained, a different bird. <sup>j</sup> Or चापः. <sup>k</sup> Likewise किकीदिविः, किकीदोविः, and किकिदिविः; or किकीदिविः, &c. Also किकिः and दिविः; or किकिः and दीविः. <sup>1</sup> Lanius Cœrulescens and Corvus Balicassius. <sup>m</sup> Cubulus Radiatus. But it is not certain whether the *Chôtaca* be not a different bird. <sup>n</sup> Or शारङ्गः. And स्तोकः

- <sup>m</sup> <sup>1 m</sup> <sup>m</sup> <sup>2 m</sup>  
 छकवाकुसांभचूडः कुक्कुटश्रृणायुधः  
 A gallinaceous fowl.  
 18. चटकः कलविद्धः (स्यात्) A sparrow.  
 (तस्य स्त्री) चटका<sup>f</sup> Its female.  
 (तयोः) Their offspring male and female.  
<sup>m</sup> <sup>3</sup>  
 पुमपत्ये चाटकेरः (स्थपत्ये) चटकै (व हि)  
 19. कर्करेटुः करेटुः (स्यात्) Numidian crane.  
<sup>m</sup> <sup>4 m</sup>  
 छकण क्रकरो (समौ) Cür. a  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 वनप्रियः परभृतः कोकिलः पिकु (इत्यपि) The black cuckoo.  
<sup>5 m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>6 m</sup>  
 20. काके (त) करटा ऽरिष्ट बलिपुष्ट सखत्प्राजाः A crow.  
<sup>m</sup> <sup>7 m</sup> <sup>8 m</sup> <sup>9 m</sup> <sup>10 m</sup>  
 ध्यांक्षात्मधोष परभृह. लिभुग्वायसा (अचि)  
 21. द्रोणकाक (स्तु.) काकोले! A raven.  
<sup>m c</sup> <sup>m</sup>  
 दात्युहः कालकरुवकः A gallinule.  
<sup>m d</sup> <sup>11 m</sup>  
 आतायि पिल्लौ A kite.  
<sup>m</sup> <sup>12 m</sup>  
 दाक्षाय गृध्रौ! A vulture.  
<sup>m</sup> <sup>13 m c</sup>  
 कोर शुको (समौ) A parrot.  
<sup>14 m</sup> <sup>m f</sup>  
 22. कुङ् क्रौञ्चौ A curlew.

1 ता— 2 च— 3—का. 4—र. 5—क. 6—ज.  
 7 आ— 8—भृव्. 9—भज्. 10 वायस. 11 चिल्ल. 12 गृध्र.  
 13 युक्. 14 कुङ्.  
 \* Perhaps Perdix Sylvatica. b Also द्रोणः. c Or दात्युहः.  
 d आतायी (—न्) or आतायी (—न्). e Also चकः. f Likewise कुङ्कः  
 Fem. क्रुचा and क्रुचा.



|                        |   |                        |            |              |
|------------------------|---|------------------------|------------|--------------|
|                        | <i>m</i>  | <i>m</i>               |            |              |
| A crane.               | (ऽथ) वकः कच्छः  |                        | <i>m a</i> | <i>m</i>     |
| The Indian crane.      |   | पुष्करा (हस्तु.) सारसः |            |              |
|                        | <i>m</i>  | <i>1 m</i>             | <i>2 m</i> | <i>m h</i>   |
| The ruddy goose.       | कोकश्चक्रश्चक्रवाको रयाङ्गा (ह्वयनामकः)               |                        |            |              |
|                        | <i>m</i>  | <i>m</i>               |            |              |
| A drake.               | 23. कादम्बः कलहंसः स्याद्।                            |                        | <i>m</i>   | <i>3 m c</i> |
| An osprey.             |   | उत्क्रोश कुररी (समौ)   |            |              |
|                        | <i>m d</i>  | <i>4 m</i>             | <i>5 m</i> | <i>6 m</i>   |
| Geese.                 | हंसा स्तु. श्वेतगरुतश्चक्राङ्गा मानसौकसः              |                        |            |              |
|                        | <i>m c</i>  |                        |            |              |
| Varieties of geese.    | 24. राजहंसा (स्तु. ते चक्षुचरणैर्लोहितैः सितैः)       |                        |            |              |
|                        | <i>m l</i>  | <i>m g</i>             |            |              |
|                        | (मलिनैर्मल्लिका(ख्या स्तु.) धार्तराष्ट्राः (सितेतरैः) |                        |            |              |
|                        | <i>f 1</i>  | <i>f f</i>             | <i>8 f</i> |              |
| Saral. h               | 25. शरारिराटिराडि (श्च)                               |                        | <i>f</i>   | <i>f</i>     |
| A small crane 1        |   | वलाका विसकण्डिका       |            |              |
| A duck or goose.       | (हंसस्य योषिद्) वरटा                                  |                        | <i>f k</i> |              |
| A female Indian crane. |   | (सारसस्य तु) लक्ष्मणा  |            | <i>f l</i>   |
| A bat.                 | 26. जतुकाजिनपत्रा (स्यात्)                            |                        | <i>f n</i> | <i>f</i>     |
| A cock-roach.          |   | परोष्णी तैलपायिका      |            |              |

1 च— 2 च— 3—र. 4—रुत्. 5 च— 6—रुत्  
7 चा— 8 चा— 9—रुत्.

<sup>a</sup> पुष्करः or any term signifying the lotos. Also पुष्कराङ्गः. <sup>b</sup> Any word signifying a wheel. <sup>c</sup> Fem. कुररी. <sup>d</sup> Sing. हंसः. Fem. हंसा.  
<sup>e</sup> Sing. राजहंसः. A white gander with red legs and bill. <sup>f</sup> Sing. मल्लिकाः, with brown legs and bill. Also मल्लिकाख्य. <sup>g</sup> धार्तराष्ट्रः, with black legs and bill. <sup>h</sup> Perhaps *Turdus Gmgmianus*. <sup>i</sup> Also शरारि or शरारिः. <sup>j</sup> Feminine, even when the male bird is intended. <sup>k</sup> Also वरटो. <sup>l</sup> Likewise लक्ष्मणा. <sup>m</sup> Gr जतुका. <sup>n</sup> Also परोष्णी.

- वर्षणा (मक्षिका नीला) <sup>f</sup> <sup>n</sup> <sup>f</sup> Ablice fly.
- सरघा मधुमक्षिका <sup>f</sup> <sup>f</sup> Abbee.
27. पतङ्गिका पुत्तिका (स्याद्) <sup>f</sup> <sup>f</sup> A small bee.
- दंश (स्तु.) वनमक्षिका <sup>f</sup> <sup>f</sup> A gaddy.
- दंशी (तज्जातिरल्पा स्याद्) <sup>f</sup> <sup>m f b</sup> A smaller sort of gaddy.
- गन्धोली वरटा (द्वयोः) <sup>f</sup> <sup>m f b</sup> A wasp.
28. भङ्गारी भौरका चोरी भिल्लिका (च समा द्रमाः) <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f c</sup> <sup>f</sup> A cricket.
- (समी) पतङ्ग शलमी <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> A grass-hopper.
- खद्योतो ज्योतिरिङ्गणः <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>1 m c</sup> <sup>2 m f</sup> <sup>3 m</sup> A firefly.
29. मधुव्रतो मधुकरो मधुलिखमधुपाऽलिनः <sup>m</sup> <sup>4 m</sup> <sup>5 m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>6 m</sup> A large black bee.
- द्विरेफ पुष्पलिङ्गभङ्ग षट्पद भ्रमराऽलयः <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>7 m</sup> <sup>m</sup> <sup>8 m</sup>
30. मयूरो वर्हिणो वर्ही नीलकंठो भुजङ्गमुक् <sup>m</sup> <sup>9 m</sup> <sup>10 m</sup> <sup>11 m</sup> A peacock.
- शिखावलः शिखीकेकी मेघनादानुलास्य (ऽपि) <sup>f</sup>
31. केका (वाणी मयूरस्य) <sup>f</sup> His cry.
- (समी) चन्द्रक मेचको <sup>m</sup> <sup>m</sup> The eye of his tail.

1—घ. 2—स. 3—न. 4—ङ्. 5—भ. 6—अलि.  
7—न. 8—भुज. 9—न. 10—न. 11—सी (—न).

<sup>a</sup> Some deduce two synonyma from the explanation. मक्षिका and घोला or नीली. <sup>b</sup> Also गंधाली and वरटी. Masc. वरटः. <sup>c</sup> Likewise बीरका. Or a black beetle. <sup>e</sup> Nom. मधुलिङ्ग, or —ट. (—ङ्). Also मधुपायो (—न).

- His crest. शिखा चूडा  
 His tail. शिखण्ड (स्तु.) पिच्छ वर्हे (नपुंसके)  
 A bird in gen. al. 32. खगे विहङ्ग विहग विहङ्गम विहायसः  
 शकुन्ति पक्षि शकुनि शकुन्त शकुन द्विजाः  
 33. पतत्रि पत्रि पतग पतत्पत्ररथाऽण्डजाः  
 नगौको वाजि विकिरि वि विष्किर पतत्रयः  
 34. नीडोद्भवा गरुत्मन्तः पित्स्वन्तो नभसङ्गमाः  
 (तेषां विशेषा) हारितो मङ्गुः कारण्डवः स्रवः  
 35. तित्तिरिः कुक्कुभो लावो जीवञ्जीवस्यकोरकः  
 कोयष्टिकष्टिष्टिभको वत्तको वत्तिका (दयः)  
 A wing. 36. गरुत्पञ्चच्छदाः पत्रं पतत्र (द्यु) तनूरुहम्

|          |        |           |              |        |
|----------|--------|-----------|--------------|--------|
| 1—यस.    | 2—न्.  | 3—ज.      | 4—न्.        | 5—न्.  |
| 6—त्.    | 7—द्य. | 8—ज.      | 9—कस and —क. | 10—न्. |
| 11—त्रि. | 12—व.  | 13—त्तत्. | 14—त्.       | 15—व—. |
| 6 टि—.   | 17—त्. | 18—क—.    |              |        |

<sup>a</sup> Also masc. वर्हेः. <sup>b</sup> Sing. विहायाः. <sup>c</sup> Masc. विः, Fem. विः  
<sup>d</sup> Sing. गरुत्मान्. <sup>e</sup> Severally named in the text; viz. Green pigeon,  
 &c. Besides others, as मत्स्यरङ्गः, a king-fisher, &c. <sup>f</sup> Also हारिणः,  
 (Columba Hurrialia, B. Ms). <sup>g</sup> A shag. <sup>h</sup> Sort of duck. <sup>i</sup> Or तित्तिरः.  
 The francoline Partridge. <sup>j</sup> A wild cock, (Phasianus Gallus.)  
<sup>k</sup> Sort of quail, (Perdix Chinensis.) <sup>l</sup> Perhaps a pheasant. <sup>m</sup> Sort  
 of partridge, (Perdix rufa, B.) <sup>n</sup> And टिट्ठिकः, Jacana, Tringa Go-  
 ensis, (Parra Goensis, &c.) <sup>o</sup> A quail, and its female. Likewise <sup>sem.</sup>  
 वत्तिका. <sup>p</sup> Also neut. पत्रं and पत्रः (—इ).

- (स्त्री) पक्षतिः पक्षमूलं Its root.
- चक्षुःश्लोति (स्त्री स्त्रियौ) The beak.
37. प्रडीनोड्डीन संडीना (न्ये ताः खगगतिक्रियाः) Acts of flying. c
- पेशी कोषो (द्विहीनो) ऽण्डं An egg.
- कुलाये नोड (मस्त्रियाम्) A nest.
38. पोतः पाको ऽर्भको लिभः पृथुकः शावकः शिशुः Young of any animal.
- (स्त्री पुंसौ) मिथुनं द्वन्द्वं A couple, male and female.
- युग्मं (तु) युगलं युगम् A pair or brace.
39. समूह निवह व्यहसन्दोह विसर व्रजाः A flock or multitude.
- सोमौष निकर व्रात वार संघात सञ्चयाः
40. समुदायः समुदयः समवायश्चये गणः
- (स्त्रियां तु) संहतिर्द्वन्द्वं निकुलं कदम्बकम्

1 को— 2 उ— 3—न. 4 शोष. 5 व—

<sup>a</sup> And चक्षुः. <sup>b</sup> Or लोटी. <sup>c</sup> Severally mentioned: viz. taking light, soaring, and perching; or otherwise interpreted, whirling, ascending, and alighting. <sup>d</sup> And पेशिः. <sup>e</sup> Or कोषः. Likewise पेशीकोषः.

Fem. पोती. <sup>f</sup> Fem. पाका. <sup>h</sup> Also प्रथुकः. <sup>i</sup> Some make the last term, others both words synonymous with the following. <sup>j</sup> And शशापः.

A multi-  
tude of  
similar  
things.

41. (दृन्दभेदाः समैर्) वर्गः<sup>m</sup>

Of animals.

संघ सार्थी (तु जन्तुभिः)<sup>m 1 m</sup>

Of homo-  
geneous  
animals.

(सजातीयैः) कुलं<sup>n</sup>

Of birds  
and beasts.

यूथं (तिरश्चां पुन्रपुंसकम्)<sup>m n</sup>

Of beasts.

42. (पशूनां) समजो<sup>m</sup>

Of other  
beings  
(men, &c.)  
Of persons  
practising,  
like duties.

(ऽन्येषां) समाजो<sup>m</sup>

(ऽथ सधर्मिणाम्)

स्यान्) निकारः<sup>m</sup>

A heap of  
grain, &c.

पुञ्ज राशी (तु) त्वरः कूट(मस्त्रियाम्)<sup>m a 2 m f 3 m m n</sup>

Flocks of  
various  
animals, b

43. कापोत शौक मायूर् तैत्तिरा (दीनि तद्गणे)<sup>n n n n</sup>

Domesti-  
cated, (a  
bird or  
beast).

(गृहासक्ताः पक्षिष्टगाश्) क्केका(स्ते, गृह्यका(श्च ते)<sup>m c m</sup>

1—य.

2—यि.

3—उ.

<sup>a</sup> Also fem. पुञ्जिः. <sup>b</sup> Of doves, parrots, peacocks and francolin partridges: other derivatives are similarly formed, as औलुकं, a flock of owls. <sup>c</sup> sing. क्केकः and गृह्यकः.

## CHAPTER VI.

### SECTION I.

|                      |                      |                    |                    |                     |                   |   |
|----------------------|----------------------|--------------------|--------------------|---------------------|-------------------|---|
| <sup>m</sup> मनुष्या | <sup>ma</sup> मातुषा | <sup>m</sup> मत्या | <sup>m</sup> मनुजा | <sup>mb</sup> मानवा | <sup>m</sup> नराः | Man,<br>rankind.                          |
| <sup>m d</sup>       |                      | <sup>m</sup>       | <sup>m</sup>       | <sup>m</sup>        | <sup>m e</sup>    |   |
| (स्त्रुः)            | पुमांसः              | पंचजनाः            | पुरुषाः            | पूरुषा              | नरः               | Man; or<br>male, c.                       |
| <sup>f</sup>         | <sup>1ff</sup>       | <sup>2f</sup>      | <sup>f g</sup>     | <sup>f</sup>        | <sup>f j</sup>    |   |
| स्त्री               | योषिद्बला            | योषा               | नारी               | सीमन्तिनी           | बधूः              | A woman,<br>or female.                    |
| <sup>f</sup>         | <sup>f</sup>         | <sup>f</sup>       | <sup>f h</sup>     |                     |                   |   |
| प्रतीपदर्शिनी        | वामा                 | वनिता              | महिला              | (तथा)               |                   |   |
| <sup>3f</sup>        | <sup>f j</sup>       | <sup>f</sup>       | <sup>f</sup>       |                     |                   | Various<br>descriptions<br>of wo-<br>men. |
| (विशेषाश्च)          | ङ्गना                | भीरुः              | कामिनी             | वामलोचना            |                   |   |
| <sup>f</sup>         | <sup>f k</sup>       | <sup>f</sup>       | <sup>f</sup>       | <sup>f</sup>        |                   |   |
| प्रमदा               | भाविनी               | कान्ता             | ललना               | (च)                 | नितस्विनी         |   |
| <sup>f</sup>         | <sup>f l</sup>       | <sup>f m</sup>     |                    |                     |                   |   |
| सुन्दरी              | रमणी                 | रामा               |                    |                     |                   |   |
|                      |                      |                    | <sup>f</sup>       | <sup>f</sup>        |                   |   |
|                      |                      |                    | कोपना              | (सैव)               | भामिनी            | A passion-<br>ate woman.                  |
| <sup>f</sup>         | <sup>f n</sup>       | <sup>f o</sup>     | <sup>f</sup>       | <sup>f</sup>        |                   |   |
| वरारोहा              | सत्तकाशिनुप्रतमा     | वरवर्णिनी          |                    |                     |                   | An excel-<br>lent wo-<br>man.             |

१—त्.

२—ञ.

३—ञ.

४—नी

५—उ.

<sup>a</sup> Sing. मनुष्यः, मानुषः, &c. (Fem. मनुषी. मानुषी) <sup>b</sup> Also (with a ill sense) मायुषः. <sup>c</sup> Both lines contain synonymous terms, according to some. <sup>d</sup> Sing. पुमान् (पुंस). <sup>e</sup> Sing. ना (नः). <sup>f</sup> Also योषिता. Likewise जोषा. <sup>g</sup> Or महिला, and महीला. <sup>h</sup> The terms are commendatory; as well-shaped; timid; loving; having fine eyes, &c. Also भीरुः, and भीसुः. <sup>i</sup> Another reading exhibits मामिनी. <sup>j</sup> Some write रमणा. <sup>k</sup> Likewise रमा. <sup>l</sup> Handsome, healthy and affectionate, however some make the terms not synonymous, but significant of various descriptions of women. <sup>m</sup> सत्तकाशिनी, or सत्तकाशिणी

- A que'n. a 5. (कृताभिषेका) महिषी<sup>f</sup>  
 Other wives of a king. भोगिन्यो (ऽन्या वृषस्त्रिषः)<sup>f b</sup>  
 A life, or wedded woman, c पत्नी पाणिगृहीती (च) द्वितीया सहधर्मिणी<sup>f f f f d</sup>  
 6. भार्या जाया (ऽथ पुंभ्रन्नि) दाराः<sup>f f m pl. c</sup>  
 ▲ matr n. f (स्यात्) कुटुम्बिनी<sup>f</sup>  
 पुरंध्री<sup>f k</sup>  
 A virtuous 'nithful wife. सुचरित्रा (तु) सती साध्वी पतिव्रता<sup>f f f h f</sup>  
 A superses- ed wife, i 7. कृतसापत्निका ऽधूढा ऽधिविन्वा<sup>f j f f</sup>  
 A bride choosing her hus- band. (ऽथ) स्वयंवरा<sup>f</sup>  
 पतिस्वरा (च) वर्या<sup>f f</sup>  
 A chaste woman. (ऽथ) कुलस्त्री कुलपालिका<sup>f f k</sup>  
 A mai'en. l 8. कन्या कुमारी<sup>f m f</sup>

\* Consecrated as such. <sup>a</sup> Also a king's wife in general. <sup>b</sup> Sing. भोगिनी. <sup>c</sup> Some restrict the two first terms (other the four first) to the particular sense of a wife married with religious rites. <sup>d</sup> Like- wise सहधर्मिणी. <sup>e</sup> Also fem. Sing. दारा. <sup>f</sup> Or one, who has children and her husband living. <sup>g</sup> Some add पुरंध्रीः. <sup>h</sup> Or साधु. <sup>i</sup> Or whose husband has married another wife. <sup>j</sup> And कृतसापत्निका, कृतसापत्नी, कृतसापत्नीका, or कृतस त्रिका. <sup>k</sup> And कुलपाली. <sup>l</sup> The first term denotes a girl nine yearsold; the second twelve; or, with- out discriminating the age, both terms signify a virgin. <sup>m</sup> Also कन्यका.

- <sup>f</sup> गौरी (तु) <sup>f<sup>b</sup></sup> लग्निका <sup>f</sup> ज्ञागतार्त्तवा A girl, a
- <sup>f<sup>c</sup></sup> (स्यान्) <sup>1 f</sup> मध्यमा <sup>f<sup>c</sup></sup> दृष्टरजास् One arriv-  
<sup>f<sup>e</sup></sup> तर्षणी <sup>f<sup>f</sup></sup> युवतिः (समे) A young  
woman, d
9. (समाः) <sup>f</sup> स्नुषा <sup>f<sup>g</sup></sup> जनी <sup>f<sup>h</sup></sup> बधुश् A daugh-  
<sup>f<sup>i</sup></sup> चिरण्टी (तु) <sup>f<sup>k</sup></sup> सुवासिनी A woman  
staying in  
her father's  
house, i.
- <sup>f</sup> इच्छावती <sup>f</sup> कामुका (स्याद्) A woman  
desirous of  
any thing, l
- <sup>f</sup> दृषस्यंती (तु) <sup>f</sup> कामुकी One amor-  
ous or lust-  
ful.
10. (कान्तार्थिनी तु या याति संकेतं सा) <sup>f</sup> अभिसारिका One who  
goes to an  
assignation.
- <sup>f</sup> पुंश्चली <sup>f<sup>m</sup></sup> धर्षिणी <sup>2 f</sup> बन्धक्यसती <sup>3 f</sup> कुलट्वरी <sup>4 f</sup> <sup>5 f</sup> A disloyal  
or unchaste  
woman.
11. <sup>f</sup> स्वैरिणी <sup>f<sup>n</sup></sup> पांशुजा
- <sup>f</sup> (इथ स्याद्) <sup>f</sup> अशिश्वी (शिशुना विना) A childless  
woman.
- <sup>f</sup> अवीरा (निष्प्रतिभुता) One who  
has neither  
husband  
nor son.
- <sup>f<sup>o</sup></sup> विश्वस्ता <sup>6 f</sup> विधवे (समे) A widow.

1—जस. 2—की. 3—अ— 4—टा. 5—इ— 6—वा.

<sup>a</sup> Here also, if ages be discriminated, the first is a girl eight years old; the second, ten : as synonymous terms, they signify a girl who has not menstruated. <sup>b</sup> And लग्निका. <sup>c</sup> Likewise मध्या. <sup>d</sup> Between sixteen and thirty years of age. <sup>e</sup> Or तलनी. <sup>f</sup> Also युवती and युनी. <sup>g</sup> जनिः, or जनी. <sup>h</sup> Sing. बधुः, or बधूः. Likewise बधूटी. <sup>i</sup> Married or unmarried. <sup>j</sup> Likewise चिरिण्टी. <sup>k</sup> Also सुवासिनी. <sup>l</sup> Covetous of wealth; eager for food, &c. <sup>m</sup> Also धर्षणी. <sup>n</sup> Likewise पांशुजा. <sup>o</sup> And विश्वस्था.



A woman's  
female  
friend.

A woman  
whose hus-  
band is liv-  
ing.

Old or grey-  
haired.

Intelli-  
gent.

Wise.

The wife of  
the *Sabra*.

A woman  
of the  
*Sabra* tribe.

A milk-woman.<sup>d</sup>

A woman  
of the *Vai-  
ya* tribe.

One of the  
*Kshatriya*  
tribe.

A female  
teacher.

A spiritual  
instruct-  
ress.

The wife  
of a spiri-  
tual pre-  
ceptor.

Wife of a  
*Vaisya*.

Wife of a  
*Kshatriya*.

Wife of a  
tutor.

A mascu-  
line wo-  
man. e

12. आलिः सखी वयस्या (च)

पतिवती सभर्तृक

दृढा पलिनी

प्राज्ञी (तु) प्राज्ञा

प्राज्ञा (तु) धीमती

13. मूद्री (मूद्रस्य भार्या स्यात्)

कूद्रा (तज्जातिरङ्गना)

आभीरी (तु) सहायूद्रो (जातिपुंयोगयोः समा)

14. अर्याणी (स्वयम्) अर्या (स्यात्)

क्षत्रिया क्षत्रियायुः (ऽपि)

उपाध्याय (प्यु) पाध्यायी

(स्याद्) आचार्या (ऽपि च स्वतः)

15. आचार्याणी (तु पुंयोगे)

(स्याद्) अर्या

क्षत्रिया (तथा)

उपाध्यायानुपपाध्यायी

पोटा (स्त्रीपुंसलक्षणा)

1 मूद्रा.

2—णी.

3 उ—.

4—नी.

5 उ—.

a Or आली. b Or पलिना. c Whether belonging to the same or

to a different tribe. d Milkman's wife; or a woman of his tribe.

e Having breasts and a beard.

16. वीरपत्नी वीरभार्या  
 वीरमाता (च) वीरसूः  
 जातापत्या प्रजाता (च) प्रसूता (च) प्रसूतिका
17. (स्त्री) नग्निका कोटवी (स्याद्)  
 दूती सञ्चारिके (समे)  
 कात्यायनः (द्वेष्ट्या या काषायवसनाधवा)
18. सैरिंद्री (परवेश्मस्था स्वयया शिल्पकारिका)  
 चसिकी (स्याद्द्वेष्ट्या या प्रैष्यांतःपुरचारिणी)
19. वारस्त्री गणिका वेश्या रूपाजीवा  
 (ऽथ सा जनैः सत्कृता) वारमुखा (स्यात्)  
 कुट्टनी शंभली (समे)
20. विप्रञ्जिका (त्वी) क्षणिका दैवज्ञा  
 (ऽथ) रजस्वला
- A hero's wife.  
 A hero's mother.  
 A woman who has borne a child, a naked woman.  
 A female messenger or go-between.  
 A middle-aged widow, d  
 A female artisan in another's house, e  
 A female servant, g  
 A courtesan or harlot.  
 The head of a set of harlots.  
 A bawd or procuress.  
 A fortune-teller.  
 A woman in her courses.

1—द.

2—का.

3—नी.

4—.

<sup>a</sup> The two last of these synonyma are by some restricted to a woman recently delivered. <sup>b</sup> Likewise कोटवी. Some add कोटरी. <sup>c</sup> Also दूतिः. <sup>d</sup> Wearing a dress indicating the practice of austerity. <sup>e</sup> Being her own mistress, but living in another's house, and practising any art. <sup>f</sup> Also सैरिंद्री. Some add सैरिंद्रीः. <sup>g</sup> Young and frequenting the apartments of the women. <sup>h</sup> And चसिका. <sup>i</sup> Likewise वेश्या. <sup>j</sup> Some add कुट्टनी. <sup>k</sup> Also शंभली.

- 1f fa 2fb f 3f  
स्त्रीधर्मिण्यविरात्रेयी मलिनी पुष्पवत्प्र (ऽपि)  
4f 5f
21. ऋतुमत्य (पु) दक्या (ऽपि) 6nc n 7n  
(स्याद्) रजः पुष्पमात्तव  
f 8f  
अध्वालुदोहदवती  
f e f  
निष्कला विगतात्तवा  
f 9f 10f f  
22. आपन्नसत्वा (स्याद्) गुर्विण्यं न्तर्वती (च) गर्भिणी  
(गणिकादेस्तु) गासिक्खं  
n  
गाभिर्यं  
n f  
यौवतं (गणे)  
11f 12/h  
23. पुनर्भृदि, प्रधिषू (रूढा द्विः)  
m i  
(तस्या) दिधिषुः (पतिः)  
m  
(सु त द्विजे) ऽप्रेदिधिषुः (सैव यस्य कुटुम्बिनी)  
m j m  
24. कानीनः कन्यकाजातः (सुते)  
m  
(ऽथ) सुभगासुतः
- The courses.  
Longing, as in pregnancy.  
Past child-bearing. d  
Pregnant. An assemblage of harlots.  
—of pregnant women.  
—of young women,  
A twice married woman. g  
Her second husband.  
One in whose family she presides.  
Son of an unmarried woman.  
Son of an auspicious mother.

1—यी.

2 आ—.

3—ती.

4—ती.

5—त्र.

6—स.

7 आ—.

8 दो—.

9—यी.

10 अ—.

11—भू.

12—भू.

<sup>a</sup> अविः and अवीः. <sup>b</sup> Some add आर्षेयी. <sup>c</sup> Also masc. रजः (—त्र)

<sup>d</sup> Having ceased to menstruate. <sup>e</sup> Likewise निष्कली and निष्कला of निष्कली. <sup>f</sup> Also यौवनं. <sup>g</sup> A virgin widow remarried. <sup>h</sup> Some add दिधिषुः. <sup>i</sup> Likewise दिधिषूः. <sup>j</sup> Fem. कानीनी. The daughter of such a woman.

- <sup>m</sup>  
सौभागिनेयः (स्यात्)
- <sup>m</sup> पारस्वैण्येय (स्तु, परस्त्रियाः) Son by another's wife.
25. पैलष्वसेयः (स्यात्) पैलष्वस्त्रीय (श्च पिहष्वसः) Paternal aunt's son.
- सुतेः)
- (माहष्वसुश्चैव) Maternal aunt's son.
- वैमात्रेये विमात्रजः Step-mother's son.
26. (अथ) बांधकनेयः (स्याद्) बंधुल(श्चा) ऽसतीसुतः A bastard.
- कौलटेयः कौलटेरो
- (भिचुकी तु सती यदि A son of a female beggar.
27. तदा कौलटिनेयाः (स्याः) कौलटेरोऽपि चात्मजः)
- आत्मजस्तनयः सुतुः सुतः पुत्रः A son.
- (स्त्रियान्त्वमी A daughter.
28. आह्वरुः दुहितरं (सर्वं)

1—त.

२. <sup>a</sup> Formed like the preceding terms, viz. माहष्वसेयः and माहष्वस्त्रीयः. Fem. माहष्वसेयी and माहष्वस्त्रीया. <sup>b</sup> Son of a disloyal wife. <sup>c</sup> Some add कौलटिनेयः. <sup>d</sup> Fem. कौलटेयी and कौलटेरा. <sup>e</sup> Also पुत्रः. <sup>f</sup> Nom. दुहितृता—(ह). <sup>g</sup> All preceding terms for a son signify, in the feminine, a daughter, viz. आत्मजा, तनया, सुतुः, सुता, पुत्री, पुत्रिका or पुत्रिका.

Offspring,  
male or  
female.

<sup>n</sup> <sup>n</sup>  
पत्यं तोकं (तयोः समे

A legiti-  
mate son. a

(स्वजाते त्वौ) रसौरस्यौ<sup>1 m m b</sup>

Father.

<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>2 n</sup>  
तात (स्तु.) जनकः पित

Mother.

20. जनयित्री प्रसूमाता जननी<sup>f c 3 f 4 f f</sup>

Sister.

<sup>f d</sup> <sup>5 f</sup>  
भगिनी स्वसा

Husband's  
sister.

<sup>6 f c</sup>  
ननन्दा (तु स्वसा पत्यु)

Grand-  
daughter. f

<sup>f g</sup> <sup>f h</sup>  
न.पुत्री पौत्री सुतात्म

Husband's  
brother's  
wife.

30. (भार्यास्तु भ्रातृवर्गस्य) यातरः (स्युः परस्परम्)<sup>f i</sup>

Brother's  
wife.

<sup>f</sup> <sup>f</sup>  
प्रजावती भ्रातृजाया

Maternal  
uncle's  
wife.

<sup>f</sup> <sup>f</sup>  
मातुलानी (तु) मातुली

Mother-  
in-law.

31. (पतिपत्न्योः प्रसूः) श्वश्रुः<sup>f</sup>

Father  
in-law.

<sup>m</sup>  
श्वश्रुर (स्तु, पिता तयो

Paternal  
uncle.

<sup>m</sup>  
(पितुर्भ्राता) पितृव्यः (स्यान्)

Maternal  
uncle.

<sup>m</sup>  
(मातुर्भ्राता तु) मातुलः

Wife's  
brother.

32. श्यालाः (स्युर्भ्रातरः पत्न्याः)<sup>m i</sup>

1-शौ.— 2-ह. 3-सू. 4-माह. 5-सू. 6-न्द.

a By a woman of the same tribe with her husband. b शौरसः and उरसः. Some write शौरसः. c Also जनयित्री. d Likewise भग्नी. e Or ननन्दा (—न्द). Also नन्दिनी. f Either in the male or female line. g And नपुत्रा(—पुत्र), a grandson or grand-daughter. h Generally restricted to the son's daughter. Sing. दासा (—ह). i Sing. श्यालः. Also श्यालः.

|   |  |  |                               |
|---|--|--|-------------------------------|
|   | <sup>m b</sup> <sup>m c</sup>                                      | (स्वामिभो) देव देवरौ                         | Husband's brother, a          |
|   | <sup>m</sup> <sup>m d</sup>  | स्वस्त्रीयो भानिनेयः (स्याज्)                | Sister's son.                 |
|   | <sup>m e</sup> <sup>m</sup>  | जामाता दुहितुः पतिः                          | Daughter's husband.           |
| 33. पितामहः पितृपिता                    | <sup>m f</sup> <sup>l m</sup>                                      |  | Father's father.              |
|   | <sup>m g</sup>   | (तत्पिता) प्रपितामहः                         | His father.                   |
|   | <sup>2 m</sup> <sup>h</sup>  | (मातुर्) मातामहा (द्रेवं)                    | Maternal grandfather.         |
|   | <sup>m i</sup> <sup>3 m</sup>                                      | सपिण्डा (स्तु) सनाभयः                        | Kinsmen                       |
| 1. समानोदर्य सोदर्य सगर्भ सज्जाः (समाः) | <sup>m</sup> <sup>m i</sup> <sup>m</sup> <sup>4 m</sup>            |  | A brother of the whole blood. |
|   | <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>5 m</sup> | सगोत्र बांधव ज्ञाति बन्धु स्व स्वजनाः (समाः) | A distant kinsman.            |
| 3. ज्ञातेयं                             | <sup>n</sup>   |  | Relationship.                 |
|   | <sup>f</sup>   | बन्धुता (तेषां क्रमाद्भावसमूहयो)             | An aggregate of kinsmen       |
|   | <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>6 m</sup> <sup>7 m</sup>            | धवः प्रियः पतिर्भर्ता                        | A husband.                    |
|   | <sup>8 m</sup>   | जार (स्तु) पपतिः (समौ)                       | A paramour.                   |
| 6. (अष्टते जारजः) कुण्डो                | <sup>m</sup>   |  | An adulterine.                |

1—ह. 2—ह. 3—भि. 4—प्र. 5—न.  
पति. 7 भर्तु. 8 उ—

<sup>a</sup> Usually restricted to the younger brother. But some apply the term to the elder brother; and the second to the younger. Som. देश. Also देवः (—). <sup>c</sup> Likewise देवदः. <sup>d</sup> Fem. स्वस्त्रीया भानिनेयो; sister's daughter. <sup>e</sup> Also जामाता (—ह). <sup>f</sup> Fem. पिण्डो, a grandmother. <sup>g</sup> Fem. प्रपितामहो, a great-grandmother. <sup>h</sup> प्रमातामहः, maternal great-grandfather. <sup>i</sup> Sing. सपिण्डः. <sup>j</sup> Also 6 and सज्जोदरः.

A widow's  
bastard.

(दृते भर्त्तरि) गोलकः

A brother's  
B.

भ्रातृभ्रातृजे

m du. m du.

Brother and  
sister.

भ्रातृभगिन्यौ भ्रातराव् (उभौ)

Father and  
mother.

37. मातापितरौ पितरौ मातरपितरौ (च तौ)

Husband's  
or wife's  
father and  
mother

श्वश्रूश्वश्रुरौ श्वश्रुरौ

m du.

Son and  
daughter.

पुत्रौ (पुत्रश्च दुहिता च)

Husband  
and wife

38. दम्पती जम्पती जायापती भार्यापती (च तौ)

The womb.  
c

गर्भाशये जराशुः (स्याद्) उल्लं (च) कल्लोः (स्त्रिया)

The last  
month of  
gestation.

39. स्रुतिमासे वैजनने

A fetus.

गर्भोः श्रूणः (इमौ समौ)

A eunuch.

तृतीया प्रकृतिः शण्डः स्त्रीवं परण्डे नपुंसकम्

Childhood.  
g

40. शिशुत्वं शैशवं बाल्यं

Youth or  
manhood.

तारुण्यं यौवनं (समे),

1-ज.

\* Or गोलकः. b Likewise आहव्यः. c Some restrict the last, of the two last, to signify the embryo. d Also जराशुः, (-शु). e The compound term is properly तृतीयप्रकृतिः. f And शण्डः or शण्डः. See add शण्डः. g To the age of sixteen.

- (स्यात्) <sup>३</sup>व्याधिरं (त) <sup>३</sup>दृढत्वं Old age. a
- <sup>m</sup>दृढसंघे (ऽपि) <sup>n b</sup>वाङ्मयम् An assemblage of old men.
41. <sup>n</sup>पलितं (जरसा <sup>f</sup>घौक्षप्रं <sup>f</sup>केशादौ) Greyiness of hair. c
- <sup>f d</sup>विद्धसा <sup>f</sup>जरा <sup>f c</sup>Decrepitude.
- (स्याद्) <sup>m g</sup>उत्तानशया <sup>m</sup>डिम्भा <sup>m</sup>स्रनपा (च) <sup>m</sup>स्रनन्धयो An infant.
42. <sup>m</sup>बाल (स्तु <sup>m</sup>स्यान्) <sup>m</sup>माणवको A child. f
- <sup>m</sup>वयस्यस्रुणो <sup>1 m</sup>युवा <sup>2 m</sup> A young man. h
- <sup>3 m</sup>प्रवयाः <sup>m</sup>व्यविरौ <sup>m</sup>दृष्टौ <sup>m</sup>जीने <sup>m</sup>जीर्णे <sup>m</sup>जरन् (ऽपि) <sup>4 m</sup> An old man.
43. <sup>5 m</sup>वर्षीयान् <sup>6 m</sup>दशमी <sup>7 m</sup>व्यायान् One very aged.
- <sup>m</sup>पूर्वज (स्व) <sup>8 m i</sup>ग्रियो <sup>m</sup>ऽग्रजः Elder brother; first born.
- <sup>9 m</sup>जघन्यजे (स्युः) <sup>m j</sup>कनिष्ठ <sup>m k</sup>वर्षीये <sup>m</sup>ऽवरजा <sup>m</sup>ऽनुजाः Younger brother.
44. <sup>m</sup>अमांसे <sup>m</sup>दुर्बलम्हाते <sup>m l</sup> Feeble; thin.

1 त— 2—न्. 3—स्. 4जरत्. 5—यस्.  
6—न्. 7—वस्. 8अ— 9—ज.

<sup>a</sup> After seventy in men, or after fifty in women; <sup>b</sup> Also वाङ्मयं. The term likewise signifies old age. <sup>c</sup> Or पलितः, grey-haired. <sup>d</sup> Or, nasc. उत्तानशयाः, &c. For this and following (to v. 49) admit the three genders. <sup>e</sup> Some write स्रनन्धया. <sup>f</sup> Not exceeding sixteen. <sup>g</sup> Fem. ण्वा. <sup>h</sup> Or one of the virile age, from sixteen to seventy. <sup>i</sup> Also अपिभः, अप्यः and अपीयः. <sup>j</sup> And वर्षीयान् (—यस्) or कन्धसः. <sup>k</sup> वर्षीवान् (—वस्). Likewise वषिष्ठः. <sup>l</sup> जातः. Also घातः.



|                                   |     |     |                    |                   |
|-----------------------------------|-----|-----|--------------------|-------------------|
|                                   |     | 1 m | 2 m                | 3 m               |
| Strong ;<br>lusty.                |     |     | बलवाग्वांसलो ऽंसलः |                   |
|                                   |     | m   | ma                 | 4 m               |
| Corpulent ;<br>pot-bellied.       |     |     | u                  | u b               |
|                                   |     |     |                    | 5 m               |
| Flat-nosed.                       | 45. |     |                    |                   |
|                                   |     | m   | u                  | 6 m               |
| Having<br>much, or<br>fine, hair. |     |     |                    |                   |
|                                   |     |     | m                  | m c               |
| Flaccid.                          |     |     |                    |                   |
|                                   |     |     |                    | वलिने वलिभः (सभौ) |
|                                   |     | u   |                    | m c               |
| Deformed.<br>d                    | 46. |     |                    |                   |
|                                   |     |     |                    |                   |
| A dwarf.                          |     |     |                    |                   |
|                                   |     |     |                    |                   |
| Sharp-<br>nosed.                  |     | 7 m |                    |                   |
|                                   |     |     |                    |                   |
| Noseless.                         |     |     |                    |                   |
|                                   |     |     |                    |                   |
| Having a<br>nose like<br>a hoof.  |     |     |                    |                   |
|                                   |     |     |                    |                   |
| Bandy-<br>legged, g.              |     |     |                    |                   |
|                                   |     |     |                    |                   |
| Long<br>shanked,                  |     |     |                    |                   |
|                                   |     |     |                    |                   |
| Knock-<br>kneed. k                |     |     |                    |                   |

|                                    |   |                                 |        |            |
|------------------------------------|---|---------------------------------|--------|------------|
| —त्.                               | 2 चां—.   | 3 चं—.                          | 4—न्.  | 5—         |
| [                                  | 7—णस्.  | 8—णस्.                          | 9 ज—.  |            |
| तुन्दिकः                           | or तुन्दिभः.                                      | b Also पिच्छिण्वान्             | (—त्). | c Likewise |
| ान् (—त्).                         | d Having a deficient, or a redundant, member ; as |                                 |        |            |
| or a finger, too many, or too few. | e Also अपोगण्डः                                   | f Fem. वागः                     |        |            |
| having the knees apart.            | h Also प्रक्षः and प्रगतजानुः                     | i Or e                          |        |            |
| k-kneed.                           | i And जङ्घाः.                                     | k Or having the knees touching. | l Li   |            |
| o संघः and संघतजानुः.              |   |                                 |        |            |

|         |                          |                         |
|---------|--------------------------|-------------------------|
| 1 m m   | 48. (स्वाद्) एङ्गे-बधिरः | Deaf.                   |
| 2 m m n | कुञ्जे गङ्गुलः           | Hump-backed.            |
| m m c   | कुकरे कुण्ठिः            | Having a crooked arm. b |
| m d s m | दृश्रिर्ल्पतना           | Small, short, or thin.  |
| m m e   | ओणः पङ्गौ                | ▲ cripple.              |
| m f m   | मुण्ड (स्त.) मुण्डिते    | Bald ; close-shav- ed.  |
| m m     | 49. बलिः केकरे           | Squint-eyed.            |
| m m     | खोडे खम्भ                | Lame.                   |
|         | (स्त्रिषु जराश्रवाः)     |                         |
| m m 4 m | जटुलः कालकः पित्तुस्     | A freckle or mark.      |
| m 5 m   | तिलकस्त्रिकालकः          | A mole or spot. h       |

1—द. 2 कुल. 3 क—द. 4—द. 5 ति—

° And गण्डुलः. ° Or a withered one. ° Also कुण्ठिः and कुण्ठिः. Likewise दृश्रिः. ° पंगुः. Fem. पंगुः. ° Fem. मुण्डिता. ° The preceding from v. 41) vary the gender with that of the subject. ° Or a person freckled or having moles.

## SECTION II.

- Healed. 1. अनामयं (स्याद्) आरोग्यं  
 Physicking. चिकित्सा रुक्प्रतिक्रिया  
 Medicament. भेषजौषध भेषज्यान्वगद्गै जायु (रित्यपि)  
 A disease. 2. (स्त्री) रुग्जा (चो) पताप रोग व्याधि गदाभयाः  
 Pulmonary consumption. (पुमान्) यक्ष्मा क्षयः शोषः  
 Catarrh. प्रतिश्याय (स्तु) घौंसः  
 Sneezing. 3. (स्त्री) क्षुत् क्षुतं क्षवः (पुंसि)  
 Cough. कास (स्तु) क्षवधुः (पुमान्)  
 Intumescence. शोफ (स्तु) खवधुः शोषः  
 Kibe. e पादस्कोटो विपादिका  
 Blotch. 4. किक्षासं सिष्ण  
 Scab. कक्ष्मां (त) पाम पाभा विचर्धिक

1—चो. 2—ज्य. 3—क्ष. 4—क्ष. 5—क्ष.  
 6—का. 7—क्ष. 8—क्ष. 9—क्ष. 10—न.  
 \* Likewise जक्ष्मा (—न्) or जक्ष्मः (—क्ष्म); and राजयक्ष्मा (—  
 or राजयक्ष्म—न्). <sup>b</sup> Also प्रतिश्याय and प्रतिश्यायः. <sup>c</sup> Likewise क्षपीन  
 and पिनसः. <sup>d</sup> Also काषः. <sup>e</sup> A blister or sore on the foot. <sup>f</sup> Or विष  
 ४ कक्ष्मः. <sup>h</sup> पांषा (—नन् and —ना) du. पाषाणो and पाषे.

<sup>f</sup> कण्डूः <sup>f</sup> खर्ज्जुं (ख) <sup>f a</sup> कण्डूया Itch.

<sup>m</sup> <sup>m f n b</sup> विस्फोटः <sup>m</sup> पिटक (स्निग्ध) Boil.

5. <sup>m f</sup> व्रणो (ऽस्त्रियाम्) <sup>n c l n</sup> र्दर्ममरुः Sore or wound.

<sup>m</sup> (क्लीवे) <sup>m</sup> नाडीव्रणः (पुमान्) Ulcer.

<sup>m</sup> कोठो <sup>n</sup> मण्डलकं Sort of leprosy. d

<sup>n</sup> कुष्ठं <sup>n e</sup> शिवले Leprosy.

<sup>2 n</sup> दुर्नामका <sup>3 n f</sup> ऽर्शसी Hemorrhoids.

6. <sup>m</sup> आनाह (स्तु.) <sup>m</sup> विबन्धः (स्याद्) Epistaxis. g

<sup>f h</sup> ग्रहणीरुक् <sup>f</sup> प्रवाहिका Diarrhoea.

<sup>f i</sup> प्रच्छर्दिका <sup>f</sup> वमि (ख स्त्री पुमांस्तु) <sup>f</sup> वमयुः (समाः) Vomiting.

7. <sup>f k</sup> (व्याधिभेदा) <sup>m l</sup> विद्रुधिः <sup>m m</sup> (स्त्री) <sup>m n</sup> प्वर मेह भगन्दराः Various diseases. j

<sup>1</sup> कण्डूः.

<sup>2</sup>—ख.

<sup>3</sup>—ख.

<sup>a</sup> Also कण्डूः. <sup>b</sup> Fem. पिटकाः. Also पिटकः—का—कं. <sup>c</sup> Likewise, masc. र्दमः. <sup>d</sup> White leprosy with round spots. <sup>e</sup> And क्लेशं or वेदं. <sup>f</sup> Likewise वसः (—स) Also masc. वसः (—स.) <sup>g</sup> Whether Ischury or Constipation. <sup>h</sup> Also पचयो and पचयिः. <sup>i</sup> Likewise, neut. कर्दिः (—स); and fem. कर्दिः (—र) or कर्दि, &c. <sup>j</sup> Severally named in the text. <sup>k</sup> An abscess; an internal one. <sup>l</sup> Fever. <sup>m</sup> Also रमेहः, Gonorrhœa. Some interpret it simple gonorrhœa or seminal weakness; others, diabetes. <sup>n</sup> Fistula in ano.

<sup>f n</sup> <sup>n b</sup>  
अशरी मूत्रच्छं (स्तात्)

<sup>c</sup>  
(पूर्वे शुक्रावधेक्षिषु)

- A Physi-  
cian. d
8. रोगहार्यं गदंकारो भिषग्वैद्यौ चिकित्सके  
<sup>m e</sup> <sup>l m</sup> <sup>2 m f 3 m</sup> <sup>m</sup>  
<sup>m f n g</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n h</sup>  
वाचो निरामयः कल्प उल्लाषो (निर्गतो गदात्)
- Recovered  
from sick-  
ness.
9. श्लान श्लासू  
<sup>m f n</sup> <sup>m f n i</sup>
- Emaciated  
or weak.
- Diseased.
- आमयावी विक्रतो व्याधितो ऽपटुः  
<sup>4 m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>  
<sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>  
आतुरो ऽभ्यमितो ऽभ्यांतः
- Scabby.
- (समी) पामन कच्छुरी  
<sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>
- Afflict-  
ed with  
herpes.
10. दद्रुषो दद्रुरोगी (स्याद्)  
<sup>m f n i</sup> <sup>5 m f n</sup>
- with he-  
morrhoids.
- अशरोगयुतो ऽर्शसः  
<sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>

1 छ—.

2 द्यवे.

3 वैद्य.

4—न.

5—न.

\* Stone or gravel. b Strangury. Some make the two last terms synonymous, as signifying dysury. c The following terms (inclusively to v. 12) admit the three genders. d Or, adjectively, 'practising medicine.' e रोगहारी (—नृ.) f भिषक् (—ज्) g Fem. वाचो. h Some restrict the last term to convalescent or recently well from disease. i श्लासू: i Also दद्रुषः. Fem. दद्रुः, दद्रुः, दद्रूः or दद्रुः, herpes.

|   |                            |       |                                    |
|---|----------------------------|-------|------------------------------------|
| 1 m/n   | 2 m/n                      |       |                                    |
| वातको वातरोगी (स्यात्)  |                            |       | Afflicted with gout or rheumatism. |
|   | m/n                        | m/n   |                                    |
|   | सातिसारो ऽतिसारको          |       | with dysentery.                    |
|   | m/n                        | m/n   | m/n                                |
| 11. (स्युः) क्षिन्नाक्षे चुक्ष चिक्ष पिक्खाः (क्षिन्ने ऽक्षिण |                            |       | Blear-eyed                         |
|   |                            |       | चाण्मी)                            |
|   | m/n                        | 3 m/n |                                    |
| उन्मात्त उन्मादवर्ति  |                            |       | Insane.                            |
|   | m/n                        | m/n   | 4. f/n                             |
|   | श्लेष्मत्तः श्लेष्माणः कफो |       | Phlegmatic                         |
|   | m/n                        |       |                                    |
| 12. म्युलो भुग्ने रुणा)                                       |                            | m/n   | Gibbous from disease. b            |
|   |                            |       | Having an elevated navel.          |
|   | 5 m/n                      | m/n   |                                    |
| क्षिन्नाक्षी सिध्मलो  |                            |       | Having blotches.                   |
|   | m/n                        | 6 m/n | d                                  |
|   | ऽन्धो ऽदृष्टः              |       | Blind.                             |
|   | m/n                        | m/n   | m/n                                |
|   | मूर्च्छाले मूर्च्छाच्छिती  |       | Fainting.                          |
|   | n                          | 7 n   | n                                  |
| 13. शुक्रं तेजो रेतसो (च बीज वीर्येन्द्रियाणि च)              |                            |       | See.                               |
|   | m                          | n     |                                    |
| मायुः पित्तं  |                            |       | Bile.                              |
|   | m                          | 8 m   |                                    |
| कफः श्लेष्मा  |                            |       | Phlegm                             |

1-न्. 2-न्. 3-त् 4-न्. 5-न्.  
 6-ष्. 7-स. 8-न्.  
 \* These terms, in the neuter gender, signify the diseased eye. b The word also signifies a disease occasioning a gibbosity of the back. c Also तृन्दिलः. d अदृक् (—ष्). e The preceding (from v. 8) admit three genders, being used adjectively. f Sing. रेतः (—स्). g Sing. रश्मिः.

|                                  |   |
|----------------------------------|---|
| The skin.                        | (स्निग्धां तु त्वग्द्वयधरा                      |
| Flash.                           | 14. पिशितं तरसं मांसं पल्लवं क्रव्यमामिषम्      |
| Dry flesh.                       | उत्तप्तं शुष्कमांसं (स्याद्) वल्लवं तत्पल्लिकम् |
| Blood.                           | 15. रुधिरं ऽसृग्बोहिता ऽसृ रक्तं क्षतजं योशितम् |
| The heart.                       | बुक्का ऽग्रमांसं हृदयं हृन्                     |
| The serum of flesh. j            | मेदः (स्तु) वपा वसा                             |
| Muscles at the nape of the neck. | 16. (पश्चाद्ग्रीवा शिरा) मग्धा                  |
| A nerve, tendon or gut. l        | नाडी (तु) धमनिः शिरा                            |
| The bladder.                     | तिलकं क्लाम                                     |
| The brain. q                     | मस्तिष्कं गोष्ठं                                |

1 खो—

2—त् or —द्.

3—न्.

<sup>a</sup> त्वक् (—त्) and त्वचा or neut. त्वधं. <sup>b</sup> अस्दग्धरा or अस्दग्धारा.  
<sup>c</sup> आमिषं and अमिषं. <sup>d</sup> Fem. वल्लूरा. <sup>e</sup> अस्दक् (—ज्). <sup>f</sup> some not  
 चन्तः. <sup>g</sup> Certain writers restrict the two first words to signify the heart,  
 and the two last the thorax. <sup>h</sup> वल्लः or वल्ला (—न्). Fem वल्ला or वल्लो.  
 Neut. वल्लं or वल्ल (—न्). Also वल्लः, वल्ला, वल्लं, and वल्लः, वल्ला, वल्लं,  
 or वल्ला, वल्ल (—न्), and वल्ला, वल्ल (—न्). <sup>i</sup> Likewise वल्लाग्रमांसं.  
<sup>j</sup> Some interpret this the marrow of bones. <sup>k</sup> मेदः (—स्). Or  
 masc. मेदः (—द्). <sup>l</sup> Or any tubular vessel of the human body.  
<sup>m</sup> And नाडिः. <sup>n</sup> Or धमनो. <sup>o</sup> Also शिरा. <sup>p</sup> Also क्लामं (—न्)  
<sup>q</sup> Some make the preceding terms synonymous with these.

- किटं मलो (ऽस्त्रियाम्) <sup>n m n</sup> An excretion. <sup>a</sup>
17. अन्नं पुरीतद् <sup>n l m n b</sup> Entrails.
- रुक्म (स्तु) शीघ्रा (पुंसु) <sup>m 3 m c</sup> The spleen.
- (ऽथ) वस्त्रसा <sup>f d</sup> A tendon or muscle.
- स्नायुः (स्त्रियां) <sup>f</sup>
- कालखण्ड यकृतो (त समे इमे) <sup>n 8 n</sup> The liver.
18. दृषिका स्फुटिनी लाक्षा <sup>f o f f</sup> Saliva.
- दृषिका (नेत्रयोर्मलम्) <sup>f t</sup> Rheum of the eyes.
- मूत्रं प्रस्राव <sup>n m</sup> Urine.
- उच्चारु ऽवस्करौ शमलं शकत् <sup>m m m m g</sup> Faeces.
19. गूथं पुरीषं वज्रस्क (मल्ली) विष्टा विषौ (स्त्रियौ) <sup>n n m n f f h</sup>
- (स्यात्) कर्पूरः कपालो (ऽस्त्री) <sup>m m n</sup> The skull ; cranium.
- कीकसं कुल्यमस्थि (च) <sup>n n 4 n</sup> Any bone.
20. (स्याच्छरीरास्थि) कंकालः <sup>m</sup> The skeleton.

<sup>1</sup>-त्.<sup>2</sup>-त्.<sup>3</sup>-त्.<sup>4</sup>-त्.

<sup>a</sup> Either excrement or excrescence ; twelve are enumerated ; (some count nine only : ) as serum, seed, blood, marrow, urine, faeces, earwax, nails, phlegm, tears, rheum and sweat. See Menu. c.5.v.135. <sup>b</sup> Likewise परितत्. <sup>c</sup> Or श्लिष्ठा (—न्). Also fem. श्लिष्ठा. <sup>d</sup> Likewise स्त्रिया. <sup>e</sup> Or स्फुटिका. <sup>f</sup> And दूषी or दूषीका. <sup>g</sup> And शकत्. <sup>h</sup> Sing विट् (विष् or विद्य). Also विषा.



|                                  |  |   |
|----------------------------------|--|---|
| The back-bone.                   | <sup>f a</sup>   | (घृष्ठास्थि तु) कथेरुका                                 |
| The skull; or bones of the head. | <sup>i n</sup> <sup>f b</sup>  | शिरोस्थि (तु) करोटिः (स्त्री)                           |
| A rib.                           | <sup>2 n</sup> <sup>f c</sup>  | पार्श्वास्थिनि (तु) पर्शुका                             |
| A limb or member.                | <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  | 21. अङ्गं प्रतीको ऽवयवो ऽपघने                           |
| The body                         |  | (ऽद्य) कलेवरम्  |
|                                  | <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>4 n</sup> <sup>m</sup>                | गात्रं वपुः संहननं शरीरं वर्षा विग्रहः                  |
|                                  | <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup>   | 22. कायो देहः (क्लीवपुंसोः स्त्रियां) स्रत्तिसुनु सान्ः |
| Point of the foot,               | <sup>n</sup> <sup>n</sup>  | पादाग्रं प्रपदं   |
| A foot.                          | <sup>m</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>m</sup> <sup>f</sup> <sup>m</sup> <sup>n</sup>     | पादः पदं क्रिश्चरगो (ऽस्त्रियाम्)                       |
| The ancle                        | <sup>f k</sup> <sup>m</sup> <sup>n</sup>   | 23. (तन्नन्वी) घुटिके गुल्फौ                            |
| A heel.                          | <sup>n</sup> <sup>f</sup>  | (पुमान्) पाष्णिं (रधस्योः)                              |
| A leg.                           | <sup>f</sup> <sup>f</sup>  | जङ्घा (तु) प्रसृता                                      |
| A knee.                          | <sup>m</sup> <sup>n</sup> <sup>h</sup> <sup>7 m</sup> <sup>n</sup> <sup>8 m</sup> <sup>n</sup> | जानूरुपर्वो ऽष्ठीवद (ऽस्त्रियाम्)                       |
| A thigh.                         | <sup>n</sup> <sup>9 m</sup>  | 24. सकथि (क्लीवे पुमान्) जखस्                           |

1-न्. 2-न्. 3-स. 4-न्. 5-न्.

<sup>०</sup> च-<sup>०</sup> ज-न्. <sup>०</sup> 3-त्. 9-र  
 \* And कथेरुका. <sup>b</sup> Or करोटी. Also neuter करोटं. <sup>c</sup> Likewise पाष्णिं  
 and पर्शुः. <sup>d</sup> तनुः (—न and—नुस्). <sup>e</sup> पन् (—दु) and पदः (—दः also  
 neut. पादं and पदं. <sup>f</sup> स्रत्तिः and स्रत्तिः. Some make these neuter  
 likewise. <sup>g</sup> Sing. घुटिका and घटिः or घुटी Also घुटः. <sup>h</sup> Masc. जानूरु-  
 खरुपर्वो, सहीरान्. Neut. जानु, खरुपर्वं, सहीरत्.

|     |   |                         |
|-----|---|-------------------------|
|     | (तसंधिः पुंस) वक्ष्यः <sup>m</sup>                                  | The groin.              |
| "   | गुदं (त्व) पामं पायु (नृ) <sup>l n m</sup>                          | The anus.               |
|     | वस्ति (नृभेदो द्वयोः) <sup>m f a</sup>                              | The abdomen.            |
| 25. | कटो (ना) श्रोणिफलकं कटिः श्रोणी ककुद्गती <sup>m n c f d f o f</sup> | The hip and loins. b    |
|     | (पश्चान्) नितम्बः (स्त्रीकन्याः) <sup>m</sup>                       | A woman's buttocks.     |
|     | (क्लीवे त) जघनं पुरः <sup>n</sup>                                   | Mons veneris.           |
| 26. | (कूपकौ त नितम्बस्यौ द्वयङ्घ्रिने) कुकुन्दरे <sup>n f</sup>          | Cavities of the loins.  |
|     | (स्त्रियां) स्त्रियौ कटिमोथाय <sup>2 f m g</sup>                    | The buttocks.           |
|     | उपस्थो (वक्ष्यमानयोः) <sup>n m f l</sup>                            | Parts of generation. h  |
| 27. | भगं योनि (द्वयोः) <sup>n</sup>                                      | Vulva.                  |
|     | शिश्रो मेढो मेहन शेषी <sup>m m n j</sup>                            | Penis.                  |
|     | मुष्को ऽण्डकोषो वृषणः <sup>m m l m</sup>                            | The scrotum. k          |
|     | (एष्टवंशाधरे) त्रिकम् <sup>n</sup>                                  | The end of the spine. m |

1—च.

2—च्.

\* Also fem. वक्षी. <sup>b</sup> Some distinguish the two first terms as signifying the hip. <sup>c</sup> Likewise श्रोणीफलकं. <sup>d</sup> And कटो. <sup>e</sup> श्रोणिः or श्रोणी. <sup>f</sup> Also ककुद्गती. <sup>g</sup> Sing. कटिमोथाय. Likewise कटिः and मोथायः. <sup>h</sup> Of either sex. <sup>i</sup> And fem. योनिः. <sup>j</sup> शेषः (—म्) or शेषः (—स्). Also masc. शेषः (—म्), शेषः (—य); and शेषः. <sup>k</sup> Also the testicles. <sup>l</sup> And अण्डकोषः. <sup>m</sup> Consisting of three bones, Os sacrum, &c.

|                          |  |
|--------------------------|--|
| The belly.               | 28. पिचिण्ड कुक्षी जठरोदरं तुदं <sup>m a m b m n l n n</sup>   |
| The paps. c              | सनी कुक्षी <sup>m m</sup>  |
| A nipple.                | सूचुकं (तु) कुचाग्रं (स्यान्) <sup>m n d n</sup>   |
| The bosom.               | (न ना) क्रोडं भुजांतरम् <sup>f n f n</sup>   |
| The back.                | 29. उरो वक्ष (श्च) वक्षश्च (च) <sup>2 n n n g</sup><br>पृष्ठं (तु चरमं तनो) <sup>n</sup>                         |
| A shoulder ;<br>scapula. | स्त्वन्धो भुजशिरोऽसो (ऽस्त्री) <sup>m h 3 n m n l</sup>  |
| The collar<br>bones.     | (संधी तस्यैव) जत्रुणी <sup>n l</sup>   |
| The arm-<br>pits.        | 30. बाहुमूले (उभौ) कक्षौ <sup>n m k</sup>  |
| A side.                  | पार्श्वं (मस्त्री तयोरुधः) <sup>m n n</sup>  |
| The waist.               | मध्यम (श्च) ऽवलग्न (श्च) मध्ये (ऽस्त्री) <sup>m n m n l m n</sup>  |
| An arm.                  | (द्वौ परौ द्वयोः) <sup>n</sup>   |
| An elbow.                | 31. भज बाहू प्रवेष्टो दोः <sup>m f m m f n m 4 m o</sup><br>(स्यात्) कफोणि (स्तु) कूर्परा <sup>m f p m f l</sup> |

1—स. 2—स. 3—स. 4—स.

<sup>a</sup> Also पिचण्डः. <sup>b</sup> कुक्षिः and कुक्षः. <sup>c</sup> Sing. सनीः, कुक्षीः. <sup>d</sup> Also सूचुकं-कः. <sup>e</sup> Some separate the two first terms from the other three ; distinguishing the breast between the shoulders (i. e. the first bone of the sternum) from the region of the Cartilago ensiformis. <sup>f</sup> Fem. क्रोडा <sup>g</sup> वक्षः (—स). <sup>h</sup> स्तनः (—प्र). Also neut. स्तनः (—स. <sup>i</sup> चंसः or चंसः. <sup>j</sup> Sing. जत्रु. <sup>k</sup> Sing. कक्षः. <sup>l</sup> Likewise विलम्बः. <sup>m</sup> Also fem. भुजा. <sup>n</sup> Masc. and fem. बाहुः. Also masc. बाहुः. Fem. बाह्या. <sup>o</sup> And fem. दोषा. <sup>p</sup> And कफणिः. Also fem. कफोणि and कफणी. <sup>q</sup> Fem. कूर्परा.

- (अस्योपरि) प्रगण्डः (स्यात्) <sup>m</sup> Humerus. a
- प्रकोष्ठं स्तस्य चाप्यधः) <sup>m</sup> A fore arm.
32. (मणिवन्धादाकनिष्ठं करस्य) करभो (वर्णः) <sup>m m c l m</sup> Metacarpus. b
- पञ्चशब्दः शयः पाणिस् <sup>f</sup> A hand.
- तज्जनी (स्यात्) प्रदेशो <sup>f d</sup> A fore finger.
33. अङ्गुल्यः करशाखाः (स्युः) <sup>f e f</sup> Fingers.
- (पुंस्यं) गुष्ठः प्रदेशिनी <sup>2 m f</sup> The several fingers.
- मध्यमाऽनामिका(चापि)कनिष्ठा(चे.ति ताः क्रमात्) <sup>f f g f h</sup>
34. पुनर्भवः कररुहो नखो (ऽस्त्री नखरो (ऽस्त्रियाम्) <sup>m i m m n m n j</sup> A nail.
- प्रादेश ताल गोकर्णा (सर्जन्यादियुते तते) <sup>m k m l m m</sup> A short span, of three kinds.
35. (अङ्गुष्ठे सकनिष्ठे स्याद् धितस्ति (द्वीदशंगुलः) <sup>m f</sup> A long span. n

1— वि.

2 अ—.

<sup>a</sup> From the shoulder to the elbow. <sup>b</sup> From the wrist to the little finger. <sup>c</sup> And यमः. <sup>d</sup> Or प्रदेशिनी. <sup>e</sup> Sing. अङ्गुलिः Also अङ्गुली and अङ्गुलिः—रा. Or अङ्गुलः and अङ्गुलं. <sup>f</sup> In their order; viz the thumb, fore finger, middle finger, ring finger and little finger. <sup>g</sup> And अनामा. <sup>h</sup> Also कन्यसा, कनीनी, or कनीनिका. <sup>i</sup> Also पुनर्भवः. <sup>j</sup> Also fem. नखरा. <sup>k</sup> or प्रदेशः, from the tip of the thumb to that of the fore finger extended; Spathama. <sup>l</sup> To the tip of the middle finger. <sup>m</sup> गोकर्णः to the tip of the ring finger. <sup>n</sup> From the tip of the thumb to that of the little finger; a measure of twelve fingers.

The palm  
with ex-  
tended  
fingers.

<sup>m a</sup> <sup>m b</sup> <sup>m</sup>  
(पार्श्वौ) अपेट प्रतल प्रहस्ता (विस्तृताङ्गुली)

Both such  
j lms  
joined.

<sup>m c</sup> <sup>d</sup>  
36. (द्वौ संहतौ) संहतलः (प्रतलौ वामदक्षिणौ)

The palm  
bent. e

<sup>m f</sup>  
(पाणिनि कुलः) प्रहृतस्

Both such  
palms  
joined.

<sup>m</sup>  
(तौ यत्ताव्) अङ्गुलिः (पुमान्)

A cubit. g

<sup>m</sup>  
37. (प्रकोष्ठे विहृतकरे) हस्तौ

(सुष्ट्या तु बह्व्या)

A short  
cubit. h

<sup>m f</sup>  
सरतिः (स्याद्)

An inter-  
mediate  
one. i

<sup>m f</sup>  
अरति (स्तु निष्कनिष्ठेन सुटिना)

A fathom j

<sup>m</sup>  
38. व्यामो (वाह्याः सकरयोस्तयो क्षिप्र्यंगंतरम्)

The mea-  
sure of a  
man's  
reach. k

<sup>m f n l</sup>  
(ऊर्ध्वविस्तृतदोः पाण्डितमाने) यौरुपं (त्रिषु)

The  
throat.

<sup>m f n m m</sup>  
39. कण्ठो गले

The neck.

<sup>l f</sup> <sup>f</sup> <sup>2 f n</sup>  
(इय) ग्रीवायां शिरोधः कन्धरे (त्यपि)

1 योवा.

2—रा.

<sup>a</sup> Also अपेटः and अपटः. <sup>b</sup> Likewise तलं. <sup>c</sup> Or सिंङ्गलः. <sup>d</sup> E; omitting the termination of the preceding term, this is made by some synonymous with it; in a less restricted sense. <sup>e</sup> As if to hold liquid. <sup>f</sup> प्रहृतः Also प्रहृतिः. <sup>g</sup> From the elbow to the tip of the middle finger; a measure of twenty-four fingers. <sup>h</sup> From the elbow to the extremity of the fist. <sup>i</sup> From the elbow to the tip of the little finger. <sup>j</sup> The space between the ends of the fingers, when the arms are extended; Orgya. <sup>k</sup> Equal to the height, to which he reaches when elevating both arms with the fingers extended. <sup>l</sup> Fem. पार्श्वी <sup>m</sup> कण्ठः, कण्ठी or कण्ठा, कण्ठः. <sup>n</sup> Some add masc. कंधरः

- कम्बुपीया (त्रिरेखा सा) <sup>f</sup> One streak-  
ed with  
three lines. <sup>a</sup>
- श्वटर्घाटा क्काटिका <sup>m f</sup> <sup>l f</sup> <sup>f</sup> Back of  
the neck. <sup>b</sup>
40. वक्त्रास्ये <sup>n</sup> <sup>2 n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>3 n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> वदनं तण्डमाननं लपनं मुखम् <sup>c</sup> The mouth.
- (क्लीवे) <sup>n</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f d</sup> ध्राणं गंधवहा घोणा नासा (च) नासिका <sup>e</sup> The nose.
41. ओष्ठा <sup>m</sup> <sup>m c</sup> धरौ (तु) <sup>m</sup> <sup>4 n</sup> रदनच्छदौ दशनवाससो The lips.
- (अधः स्थात्) <sup>n f</sup> चिबुकं <sup>f</sup> The chin.
- गण्डौ कपोकौ <sup>m</sup> <sup>m</sup> The  
checks. <sup>g</sup>
- (तत्परे) <sup>m f h</sup> हनुः <sup>i</sup> The jaw.
42. रदना <sup>m</sup> <sup>m n</sup> <sup>m j</sup> <sup>5 m</sup> द्यना दंता रदास् <sup>i</sup> Teeth. <sup>i</sup>
- तालु (तु) काकुदम् <sup>n</sup> <sup>n</sup> The palate.
- रसज्ञा <sup>f</sup> <sup>f k</sup> <sup>f l</sup> रसना जिह्वा <sup>i</sup> The tongue.
- (प्रांतावेष्ठस्य) <sup>n m</sup> <sup>n m</sup> स्रक्वाणो <sup>i</sup> The cor-  
ners of the  
mouth.
43. ललाटमलिकं <sup>n</sup> <sup>m n</sup> <sup>6 m</sup> गोधिर <sup>i</sup> The fore-  
head.

१ वा— २ आस्य ३ आ— ४—स ५—द  
६ गोधि.

<sup>a</sup> Like a shell : it is reckoned a mark of great destiny. <sup>b</sup> Or, accord-  
ing to another interpretation, the raised or straight part of the neck.  
Also the face. <sup>d</sup> And नसा or नस्या. <sup>e</sup> ओष्ठा, अधरौ and ओष्ठाधरौ ;  
properly the first (sing. ओष्ठः) is the upper lip; and the second  
ing. अधरः) signifies the lower lip. <sup>f</sup> Also चिबुः. <sup>g</sup> Sing. गण्डः, कपोकः,  
Also fem. हनुः. <sup>h</sup> Sing. रदनः ; दशनः—न, &c. <sup>i</sup> Sing. दंत. Some  
id दत्. <sup>k</sup> Or रसना. Also neut. रसनं. <sup>l</sup> And masc. जिह्वः—  
Sing. स्रक् (—न्), स्रक (—न्), or स्रक् (—न्); and स्रकं (—क्), स्रकं or  
स्रक्; also fem. स्रक्वाणी. <sup>n</sup> अलिकं. Likewise अलीकं.

|                                |   |
|--------------------------------|---|
| The eye-brows.                 | (ऊर्ध्वे दृग्भा) अश्रुवौ (स्त्रियाम्)                   |
| Space between the eye-brows.   | कूर्च (मस्त्री) (अश्रुवोर्मध्यं)                        |
| Pupil of the eye.              | तारका (ऽक्ष्णः) कनीनिका                                 |
| An eye.                        | 44. लोचनं नयनं नेत्रमीक्षणं चक्षुरक्षिणी                |
| A tear.                        | दृग्दृष्टी (चा) अश्रु नेत्रासु रोदनं (चा) अक्षमसु च     |
| The outer corners of the eyes. | 45. अपांगौ (नेत्रयोर्तौ)                                |
| A glance or side-look.         | कटाक्षा (ऽपांगदर्शने)                                   |
| An ear.                        | कर्णं शब्दग्रहो श्रोत्रं श्रुतिः (स्त्री) श्रवणं श्रवः  |
| The head.                      | 46. उत्तमांगं शिरः शीर्षं मूर्धा (ना) मस्तका (ऽस्त्रिया |
| Hair.                          | चिकुरः कुंतलो बालः कचः केशः शिरोरुहः                    |
| Head of hair.                  | 47. (तद्दन्ते) केशिकां केश्यम्                          |
| Curls.                         | अलकासूर्यकुंतला   |

1 अश्रु. 2 ई.—. 3 इश्. 4 अश्रु. 5—इ.  
6—स्. 7—स्. 8—न्. 9—चू.—.

\* Sing. अश्रुः. b चक्षुः (—स). Some add चक्षु (—स). c Sing. कनििका  
Some add कनििका. d Or अश्रुः. e Sing. अपांगः. f Also कटाक्षः. g (Or  
श्रीर्षः. h Likewise masc. श्रवः (—व). i Also masc. शिरः (र). j Like-  
wise मस्तकः. k Sing. अलकाः—कं.





## SECTION III.

|   |   |
|---|---|
| Dress or<br>embellish-<br>ment.                           | $m$ $m\ n$ $n$ $l\ n$ $n$<br>1. आकल्प वेद्यौ नेपथ्यं प्रतिकर्म प्रसाधनम्<br>$b$<br>(दद्यै ते त्रिष्व्)  |
| Adorned   | $2\ m\ f\ n$ $m\ f\ n$ $m\ f\ n\ c$<br>ऽलंकार्ता ऽलंकरिष्णु (स्व) मण्डितः<br>$m\ f\ n$ $m\ f\ n$ $m\ f\ n$ $m\ f\ n$<br>2. प्रसाधितो ऽलंकृत (स्व) भूषित (स्व) परिष्कृतः<br>$m\ f\ n\ d$ $3\ m\ f\ n$ $4\ m\ f\ n$ |
| Elegant   | विभाङ्ग्भाजिष्णु रोचिष्णु<br>$f$ $f\ c$   |
| Act of<br>adorning<br>Ornaments<br>jewels or<br>trinkets. | $m$ $5\ n$ $m$ $n\ f$<br>भूषा (तु स्याद्) अलंक्रिया<br>3. अलङ्कार (स्वा) भरणं परिष्कारो विभूषणम्<br>मण्डनं (च.)   |
| A crest. g  | $n\ h$ $m\ n$<br>(ऽथ) सुकुटं किरीटं (पुम्नपुंसकम्)  |

1—न्.

2—त्.

3 भा—

4—ष्णु.

5 भा—

- \* Or वेद्यः. <sup>b</sup> The ten following nouns admit the three genders  
<sup>c</sup> Some restrict the two first terms to signify a person disposed to  
 decoration; others make the three first signify one who adorns.  
<sup>d</sup> Nom. विभाङ्ग् (—स्व). <sup>e</sup> Some omit the last three lines. <sup>f</sup> Also  
 भूषणं. <sup>g</sup> An ornament of the head; worn upon a diadem or tiara  
<sup>h</sup> Or सुकुटं

4. चूडामणिः शिरोरत्ने  
तरलो (हारमध्यगः)  
बालपाश्या पारितथ्या  
पत्रपाश्या ललाटिका
5. कर्णिका तालपत्रं (स्यात्)  
कुण्डलं कर्णवेदनम्  
ग्रैवेयकं कण्ठभूषा  
लम्बनं (स्यात्) ललामिका
6. (स्वर्णैः) प्रासन्निका  
(ऽयो) रःसूत्रिका (मौक्तिकैः कृता)  
हारो मुक्तावली  
देवच्छन्दो (ऽसौ) यतयष्टिकः
7. (हारभेदा यष्टिभेदा) गुत्स गुत्सार्द्ध गोसनाः

A gem on the crest.  
The middle gem of a string.  
A trinket for the hair, a  
—for the forehead, b  
—for the ear, c  
An ear ring.  
A collar, d  
A necklace, f  
A golden one.  
One of Pearls.  
A garland of pearls, &c.  
One composed of 100 strings.  
Garlands of various sorts, h

१३—

\* A plate, or a flat chain, of gold or silver, with or without jewels set in it; worn between the divided hair on the head. Some expound the first term a string of pearls binding the hair. <sup>b</sup> A jewel, or a golden or other trinket, worn on the forehead, below the partition of the hair; a star on the forehead. Some make these and the preceding terms synonymous. <sup>c</sup> A hollow cylinder thrust through the lobe of the ear. <sup>d</sup> Or short necklace. <sup>e</sup> Likewise ग्रैवेयं and यवः. <sup>f</sup> A loose one, reaching below the breast. <sup>g</sup> Some say 103. <sup>h</sup> In their order: distinguished by the number of strings or rows. <sup>i</sup> Also गुच्छः. It consists of 32 rows. <sup>j</sup> Or गुच्छारः. It contains 24 rows. <sup>k</sup> Composed either of 4 or of 34 strings.

- <sup>m n</sup> <sup>m</sup>  
अङ्घ्रिहारो माणवक
- A single string. एकावल्ये (कयष्टिका) <sup>1 f</sup>
- One containing 27 pearls. 8. (सैव) नक्षत्रमाला (स्यात्सप्तविंशतिमौक्तिकः) <sup>f</sup>
- A bracelet. चावापकः पारिहार्यः कटको वलयो (ऽस्त्रियाम्) <sup>m m n m n</sup>
- Ornament of the arm. 9. केयूरमङ्गदं (तुल्ये) <sup>m n 2 m n</sup>
- A finger-ring. अङ्गुलीयकमूर्मिका <sup>m n e 3 f</sup>
- A seal ring. (साक्षरं) गुलिसुद्रा (सा) <sup>4 f</sup>
- Ornament of the wrist. f कङ्कणं करभूषणम् <sup>m n n</sup>
- A woman's girdle. g 10. (स्त्रीकञ्चयां) मेखला कांची सप्तकी रसना (तथा) <sup>f f h f f i</sup>
- (स्त्रीवे) सारसनं (चा) <sup>n</sup>
- A man's belt. (ऽथ पुंस्कञ्चयां) शृङ्खला (त्रिषु) <sup>m f n i</sup>
- Ornament of the feet. k 11. पादाङ्गदं तुलाकोटिर्म्ञ्जीरो नूपुरो (ऽस्त्रियाम्) <sup>n 5 m l 6 m n m n</sup>

1—ली.

2 अं—

3 ऊ—

4 अं—

5—टि.

6 अ—

<sup>a</sup> Including 64 strings. <sup>b</sup> Comprising 20 rows. <sup>c</sup> Of gold, or of conch, &c. <sup>d</sup> Worn above the elbow. <sup>e</sup> Some add अङ्गुलीयकं <sup>f</sup> A broad solid ring with or without pearls, &c. set on it. <sup>g</sup> The terms are here stated as synonymous; but they signify belts of various kinds, differing in the number of rows or strings. <sup>h</sup> Also काञ्चिः. <sup>i</sup> And रसना. <sup>j</sup> Fem. शृङ्खला. <sup>k</sup> Rings for the toes. Some distinguish the two last terms as signifying a distinct ornament. Or fem. तुलाकोटिः and तुलाकोटी.

- हंसकः पादकटकः<sup>m n</sup>
- किङ्किणी कुद्रुषणिका<sup>f a f</sup>
12. (त्वक्फल्लमिरोमाणि) वस्त्रयोनिर्<sup>1 f</sup>  
(दद्य त्रिषु)<sup>c</sup>
- वाल्कं (शौमादि)<sup>m f n o</sup>
- फालं (तु) कार्पासं वादरं ( च तत् )<sup>m f n m f n m f n</sup>
13. कौशेयं छामिकोशेयं<sup>m f n f m f n</sup>
- राकवं रूगरोमजम्<sup>m f n g m f n</sup>
- अनाहतं निष्प्रवाणि तन्त्रकं (च) नवास्वरे<sup>m f n m f n m f n 2 n h</sup>
14. (तस्याद्) उद्गमनीयं (यद्द्वौतयोर्ब स्त्रयोर्गु गम्)<sup>n</sup>  
पत्रोणं धौतकौशेयं<sup>n n</sup>  
वह्मस्यं महाधनम्<sup>n n i</sup>
- Bells or tinkling ornaments.
- Materials of cloth. b
- Made of bark. d
- Made of cotton.
- Silken.
- Woollen
- New and unbleached cloth.
- A pair of bleached cloths.
- Bleached silk. i
- Any thing precious.

1—नि. 2—र.

\* Or कङ्कयो. b Of four kinds : 1st. bark of plants, as Rushy Crotalaria, Linum, hemp hibiscus. &c. 2d. fruit, viz. cotton ; 3d. insects, viz. silk ; 4th. hair and wool. c The ten following terms (Some say eleven ; others say ten omitting two intermediate compound terms ; ) admit the three genders. d As linen, &c. Thus शौमं, linen. Fem. शौमी. e Fem. वाल्की. f Also कौशेयं. g Made of the hair of the Rancu (stated to be a sort of deer), or any other hair or wool. h Some include this among adjectives. i Or wild silk. j Some include this and the preceding terms among adjectives.

|                            |  |   |
|----------------------------|--|---|
| Wove silk.                 | 15. <sup>" a "</sup> क्षौमं दुक्कलं (स्याद्)                                   | <sup>m f n b m f n o</sup>                |
| A veil or mantle.          |  | (द्वे तु) निवीतं प्राहृतं (त्रिषु)        |
| Ends of a cloth.           | (स्त्रियां वङ्गत्वे वस्त्रस्य) दशाः (स्युर) वस्त्रयो (द्वयोः)                  | <sup>m f pl. m f pl. d</sup>              |
| Length.                    | 16. <sup>n l m o m f</sup> दैर्घ्यामायाम् आरोहः                                |   |
| Width.                     |  | <sup>m f</sup> परिणाहो विशालता            |
| Old cloth.                 | <sup>" "</sup> पटञ्जरं जीर्णवस्त्रं  |   |
| Dirty or tattered cloth. g |  | <sup>m h m</sup> (समौ) नक्तक कर्पटौ       |
| Cloth.                     | 17. <sup>n 2 n 3 n i 4 n j n 5 n</sup> वस्त्रमाच्छादनं वामश्लेवं वसनमं शुक्रम् |   |
| Fine cloth. k              | <sup>m m n l</sup> सुचेलकः पटो (स्त्री स्याद्)                                 |   |
| Coarse cloth. m            |  | <sup>m n m f n o</sup> वराशिः सूक्ष्मशटकः |

1 आ—.

2 आ—.

3—इ.

4 शे—.

5 ख—.

<sup>a</sup> Also क्षौमं. <sup>b</sup> Or निवृतं. <sup>c</sup> Fem. निवीता, प्राहृता. <sup>d</sup> Also sing. वस्त्रः. <sup>e</sup> Likewise fem. आवृतिः. <sup>f</sup> Some read आनाहः. <sup>g</sup> Interpretations differ much. Some make these terms synonymous with the following: others explain them, a handkerchief, a rag, a night-shift, &c. <sup>h</sup> Likewise वक्तकः. <sup>i</sup> Also masc. वासः. <sup>j</sup> And fem. चेली. <sup>k</sup> These terms are also said to be synonymous with the preceding. <sup>l</sup> Also fem. पटिः and पटो; but this is a diminutive, and properly signifies a particular sort of cloth. <sup>m</sup> Some make these and the preceding terms synonymous. <sup>n</sup> Likewise वरासः. <sup>o</sup> Fem सूक्ष्मशटकाः.

18. निचोलः प्रच्छदपटः <sup>m f n b</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>1 m</sup>  
 (समी) रङ्गककम्बलौ <sup>n</sup> <sup>2 n</sup> <sup>3 n</sup> <sup>4 n</sup>  
 अन्तरीयपसंभ्यान परिधानान्यधोशुक्रे <sup>m</sup> <sup>5 m</sup> <sup>f</sup>
19. (द्वौ) प्रावारोत्तरासंगौ (समी) वृहत्तिका (तथा) <sup>n</sup> <sup>6 n</sup>  
 संभ्यानमुत्तरीयं (च) <sup>m f d</sup> <sup>m f</sup>  
 चोलः कुर्पासकः (स्त्रियाः) <sup>m</sup>
20. नीयारः (स्यात्प्रावरणे हिमानिलनिवारणे) <sup>m n</sup>  
 (अर्द्धोरुकं वरस्त्रीणां स्याच्) चण्डातण्ड (मंशुकं) <sup>7 m f n c</sup>
21. (स्यात्त्रिष्ठा) प्रपदीनं (तत्प्राप्तोप्याप्रपदं हि यत्) <sup>m n</sup> <sup>8 m</sup>  
 (अस्त्री) वितानमुल्लोचा <sup>n f</sup>  
 दृष्या (द्यं वस्त्रवेष्टमनि) <sup>f</sup> <sup>f g</sup> <sup>f h</sup>
22. प्रतिशीरा जवनिका (स्यात्) तिरस्करणी (च सा) <sup>9 n j</sup> <sup>10 m</sup>  
 परिकर्मागसंस्कारः

A cover or wrapper. a

A blanket.

Lower garment

Upper garment.

A bodice c

A warm cloak

A petticoat.

A dress reaching to the feet.

An awning.

A tent.

A screen or wall of cloth.

Embellishment of person. i

|      |       |      |       |       |
|------|-------|------|-------|-------|
| 1-ख. | 2-घ.  | 3-न. | 4-क.  | 5-ग.  |
| 6-.  | 7-या- | 8-छ- | 9-जू. | 10-व- |

\* Also a sheet ; or else the cover of a litter, &c. Likewise a veil. And निचोलः. Fem. निचोली. c Or a jacket. d Fem. चोली. e Fem. प्रपदीना. f दृष्यं. Some read दुष्यं. g Also जवनिका or यवनिका. And तिरस्कारिणी. i Dress for cleanliness ; or else ornament by sandal wood and perfumes. j Also प्रतिकर्म.

- Cleaning of it. <sup>a</sup> (स्यान्<sup>f</sup> माष्टि<sup>1f</sup> मूर्जना<sup>f</sup> सजा<sup>f</sup>)
- Cleaning with perfumes. <sup>n</sup> 2 n b 23. चहृत्तनोत्पादने (द्वे समे)
- Bathing. <sup>m</sup> <sup>m</sup> आसाव आसावः
- Perfuming. <sup>c</sup> <sup>f</sup> <sup>n</sup> <sup>m</sup> चर्चा (त) चाच्छिक्त्वां स्यासको
- Revising a fragrantcy. <sup>m</sup> d (ऽथ) प्रबोधनम्
24. अनुबोधः <sup>f</sup> <sup>f</sup> पत्रलेखा पत्रांगुलि (रिमे समे)
- Painting the person. <sup>e</sup> <sup>n</sup> <sup>m</sup> <sup>n</sup> <sup>3 n</sup> <sup>m</sup> तमालपत्र तिलक चित्रकानि विशेषकम्
- A circle on the forehead. 25. (द्वितीयं च तुरीयं च न स्त्रियाम्) <sup>n</sup> <sup>j</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>k</sup> काश्मीरजन्मा ऽग्निशिखं वरं वाह्लीक पीतने
- Saffron. <sup>4 n g</sup> <sup>n</sup> <sup>m</sup> <sup>n</sup> <sup>h</sup> <sup>n</sup> <sup>i</sup> <sup>5 n</sup> (अथ) कुकुम्
26. रक्त संकोच पिशुनं धीर खोहितचन्दनं

1—मा—

2—च—

3—क—

4—न—

5—न—

<sup>a</sup> By wiping ; or by bathing, rubbing with oil and sandal wood.  
<sup>b</sup> Also चहृत्तनं. <sup>c</sup> By plastering the whole person with sandal wood, &c. <sup>d</sup> Erroneously by some written अनुबोधः. <sup>e</sup> Delineations with saffron or with musk, &c. on the breast, cheeks, &c. <sup>f</sup> Also प्रतापशी and other synonyma. <sup>g</sup> Or काश्मीरजन्मा (—नं). <sup>h</sup> Or वरं. Also चरः. <sup>i</sup> Likewise वाह्लीकं and वरवाह्लीकः. <sup>j</sup> And other terms significant red or blood. <sup>k</sup> Also रक्तचन्दनं, &c.

- <sup>f</sup> <sup>f a</sup> <sup>n b</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m c</sup>  
 लाक्षा राक्षा जतु (क्षीवे) याबो ऽलक्तो द्रुमामयः Lac.
27. <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>f</sup> <sup>d</sup>  
 लवंगं देवकुसुमं श्री (संज्ञम्) Cloves.
- <sup>n f</sup>  
 (अय) जायकम् A yellow  
 fragrant  
 wood. e
- <sup>n g</sup> <sup>n</sup>  
 कालीयकं (च) कालानुसार्यं (घा)  
 (ऽय समार्यकम्) A gallo-  
 chum. h
28. <sup>n i</sup> <sup>m n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup>  
 वंशिका ऽगुरु राजार्द्धलोह किमिज जोगकम्  
 1 n 2 m n  
 कालागुरु, गुरुः A black  
 kind
- <sup>f</sup>  
 (स्याक्तन्) मंगल्या (मस्त्रिगंधि यत्) A very fra-  
 grant sort.
29. <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m j</sup> <sup>3 m</sup>  
 यक्षधूपः सर्जरसो ऽराल सर्वरसा (वपि) Resin.
- <sup>m</sup>  
 यक्षरूपो (ऽय)  
 (ऽय) ष्टकधूप क्षत्रिमधूपकौ Compound-  
 ed perfume.
30. <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m l</sup> <sup>m</sup>  
 तुल्यकः पिण्डकः सिद्ध यावने (ऽय)  
 (ऽय) पायसः Terpentine.

1—र. 2—ख. 3—स. 4—क.

a Or रक्षा. b One author disjoins this from the preceding and following terms. c Some distinguish the four last terms ; others, the tree last, from the preceding : the distinction seems to be the gum or resin discriminated from the dye of the insect. d Or any other name of *Lacshmi*. e Perhaps yellow sandal wood. f And जायकं. Or कालियकं and कालियकं. h Perhaps *Amyris Agallocha*, R. i And यकं ; also fem. वंशिका. j Likewise रालः. k Or यक्षधूप. l One reads ष्टक.



- <sup>ma</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>l m</sup>  
 श्रीवासो एकधूपो (ऽपि) श्रीवेष्ट सरलद्रुवौ  
<sup>m b</sup> <sup>2 m c</sup> <sup>f</sup>
- Musk. 31. सृगनाभिर्हृत् गमदः कसूरी (चा)
- Bdellium. ऽथ, कोलकम्
- <sup>n</sup> <sup>n</sup>  
 कक्कोलत्रं कोशफलम्
- Camphor. (अथ) कर्पूर (मस्त्रियाम्)
- <sup>m</sup> <sup>3 m d</sup> <sup>m e</sup> <sup>f</sup>  
 32. घनसार खंद्र (संज्ञः) सिताभ्रो हिमवाल्मुका  
<sup>m</sup> <sup>m n</sup> <sup>f</sup> <sup>4 m n</sup>
- Sandal wood. गंधसारे मलयजो भद्रश्रीचन्दनो (ऽस्त्रियाम्)
- <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>m n</sup>
- Varieties of sandal wood t. 33. तैलपर्णिक गोभीर्ष हरिचंदन (मस्त्रियाम्)
- Red sanders. g. तिलपर्णी तु पत्राङ्गं रञ्जनं रक्तचंदनम्
- 34. कुचंदनं (चा)
- Mace. (ऽथ) जातीकोश जातीफले समे

1—व. 2—सृ— 3—चं— 4—चं—

\* Also श्रीवासः (—सु). <sup>b</sup> Likewise सृगः and (fem.) नाभिः. <sup>c</sup> Al  
 मदः. <sup>d</sup> Or any name of the moon. <sup>e</sup> Or सिताभः. <sup>f</sup> Denominat  
 from the countries in which they are produced : or, as some deri  
 these terms, from other circumstances. The first sort is white ; <sup>g</sup>  
 second, the colour of brass and very fragrant. The third is yellow a  
 said to smell like a ripe mango. <sup>h</sup> Pterocarpus santolinus. So  
 interpret this, red lead (Minum). But medical writers disjoin the  
 terms and make the Patranga to Sappan wood (Cæsalpinia sapp  
<sup>b</sup> Also पत्रंगं and पत्रंगं. <sup>i</sup> And जातीकाद्. <sup>j</sup> Likewise जातीफ  
 and जातीः or जाती and फलं.

- (कंपूरागुरुकस्तूरी ककोलैर्) यक्षकर्ममः<sup>m</sup> Perfumed  
paste. a
35. गात्रानुलेपनी वर्तिर्वर्षाकं (स्याद्) विलेपनम्<sup>f c l m n</sup> Perfume  
for the  
person. b
- चूर्णानि वासयोगाः (स्युर्)<sup>m</sup> Powder. d
- भाषितं वासितं (त्रिषु)<sup>m f n m f n</sup> Perfumed. n
36. (संस्कारोऽगंधमाल्याद्यैर्यः स्यात्तद्) अधिवासनम्<sup>n f f g</sup> Adjusting  
with per-  
fumes. f
- माल्यं माला स्रजौ (भूङ्क्षि)<sup>n</sup> A chaplet.
- (केशमध्ये तु) गर्भकः<sup>m</sup> One worn  
in the hair.  
Or suspend-  
ed from the  
middle  
lock.
37. प्रभष्टकं (शिखालंवि)<sup>n</sup>
- (पुरोन्यस्तं) ललामकम्<sup>n</sup> Or falling  
over the  
forehead.  
Or hung  
round the  
neck.
- प्रालंवि (स्रजुलंवि स्यात्कण्ठाद्)<sup>n</sup> Or worn as  
a scarf.
- वैकचकं (तु तत्)<sup>n</sup>
38. (यन्निर्व्यक् क्षिप्तमुरसि)<sup>2 m 3 m</sup> Or tied on  
the crown.
- (शिखास्या) पीड शिखरी<sup>f m h</sup>
- रचना (स्यात्) परिस्पन्द<sup>m</sup> Decoration  
of hair.
- आभागः परिपूर्णाता<sup>f</sup> Completion  
or fullness.

1— . 2— . 3— .

<sup>a</sup> Consisting of camphor, agallochum, musk, bdellium, (or else the three first, with saffron and sandal wood,) in equal proportions. <sup>b</sup> Whether ground and pounded, or not; but some distinguish the two last as restricted to perfumes ground. <sup>c</sup> वर्तिः or वर्ती. <sup>d</sup> To be thrown on the clothes; red powder, &c. <sup>e</sup> Sing. चूर्ण. <sup>f</sup> With fragrant wreaths, resins &c. <sup>g</sup> Sing. स्रज् (—ज्). <sup>h</sup> Or परिस्पन्दः.

|                      |   |
|----------------------|---|
| A pillow.            | 39. उपधानं <sup>n</sup> (द्व.) पवर्हः <sup>1 m</sup>        |
| A bed.               | शय्यायां शयनीय (वत्) <sup>2 f n</sup>                       |
|                      | शयनं <sup>m</sup>   |
| A bedstead.          | मञ्चं पर्यङ्कं पल्यङ्गाः खट्वया (समाः) <sup>m m m 3 f</sup> |
| A ball to play with. | 40. गेरुडुकः कन्दुको <sup>m n m</sup>                       |
| A lamp.              | दीपः प्रदीपः <sup>m m</sup>                                 |
| A chair or stool.    | पीठमासनम् <sup>n 4 n</sup>                                  |
| A casket.            | समुद्भक्तः संपुटकः <sup>m b m</sup>                         |
| A spitting pot.      | प्रतिग्राहः पतद्वृष्टः <sup>m c n</sup>                     |
| A comb.              | 41. प्रसाधनी कंकतिका <sup>f f d</sup>                       |
| Perfumed powder.     | पिष्टातः पटवासकः <sup>m m</sup>                             |
| A mirror.            | दर्पणे सुकुरादर्शो <sup>5 m n m o m f</sup>                 |
| A fan.               | व्यजनं तालवृन्तकम् <sup>n n g</sup>                         |

1 उ— 2 शय्या. 3 खट्वा. 4 आ— 5 —ण.

\* Also गेरुडुकः. <sup>b</sup> And समुद्भक्ता. <sup>c</sup> Or प्रतिग्रहः. <sup>d</sup> Likewise कङ्कती and कङ्कतं. Also प्रसाधनं. <sup>e</sup> And सुकुरः or संकुरः. <sup>f</sup> आदर्शः and आदर्शः. <sup>g</sup> Or तालवृन्तं.

CHAPTER VII.

1. संततिर्गौत्र जननकुलान्यभिजना ऽन्वयौ  
f 1 n n 2 n 3 m m  
 वंशा ऽन्ववायः सन्ताने  
m m m  
 वर्णाः (सुब्राह्मणादयः)  
m b  
 2. राजबीजी राजवंशेऽ  
4 m m  
 वीज्य स्तु कुलसंभवः  
m m  
 महाकुलकुलीनार्य सभ्यसज्जनसाधवः  
m c m d 5 m m m 6 m  
 3. ब्रह्मचारी गृही वाणप्रस्था भिक्षु (ऋतुष्टये)  
m n  
 आश्रमो (ऽस्त्री)  
m g 7 m m h m  
 द्विजात्यग्रजन्म भूदेव वाडवाः  
m m  
 4. विप्र (ऋ) ब्राह्मणो

Race or lineage.

Tribes or classes. a

Sprung from a royal house.

Sprung from any family.

Of honourable parentage.

The four orders. e

An order, or religious state. f

A man of the sacerdotal tribe.

1गो— 2—ल. 3ष— 4—म. 5आर्यं.

6—धु. 7ष—न.

<sup>a</sup> The sacerdotal, &c. <sup>b</sup> Sing. वधेः. <sup>c</sup> Or महाकुलः. <sup>d</sup> कुलीनः. Also कुल्यः, कोलेयः and कोलेयकः. <sup>e</sup> In succession as enumerated : viz. 1st. The religious student, who has received investiture, and is unmarried. 2d. The householder or married man. 3d. The hermit or anchorite. 4th. The mendicant or ascetic. <sup>f</sup> Either of the four above enumerated. <sup>g</sup> द्विजातिः. Also द्विजः and द्विजन्मा (—न). <sup>h</sup> Or भूमिदेवः.

One, practising the six-allowed acts. a

Wise or learned.

A priest conversant with scripture.

A teacher.

A spiritual parent. f

An instructor in holy writ.

An employer of priests. g  
The same for peculiar rites. h

One, who frequently sacrifices.

- 1 m
- (ऽसौ) षट्कर्मा (यागादिभिर्युतः)
- 2 m      3 m      4 m      5 m m      m      m
- विद्वान् विपश्चिदोषन्नः सन्सुधीः कोपिदोषुधः
- m      6 m      m      m b      7 m      m      m c
5. धीरो मनीषी न्नः प्राज्ञः संख्यावान् पण्डितः कविः
- 8 m      m d      9 m      m      10 m      m
- धीमान् सूरिः कृती कृष्टिर्लब्धवर्णो विचक्षणः
- 11 m      12 m c
6. दूरदर्शी दीर्घदर्शी

m      13 m

त्रैत्रियच्छान्दसौ (समौ)

m      m

उपाध्यायो ऽध्यापको

m

(ऽय स्यान्निघेकादिहृद्) गुरुः

m

7. (मंत्रव्याख्याहृद्) आचार्यः

14 m

(आदेष्टा त्वध्वरे) व्रती

15 m      "

यथा (च) यजमान (श्च)

m

(स सोमवति) दीक्षितः

m      m

8. दूज्याशीलो यायजूको

- 1—न्.      2—हस्.      3—त्.      4—दो—      5—सत्.
- 6—न्.      7—वत्.      8—मत्.      9—न्.      10—ल—      11—न्.
- 12—न्.      13—च्छां—      14—न्.      15—यष्ट.

a Sacrifice, study, benefaction; assisting to sacrifice, teaching, accepting alms. b Fem. प्राज्ञी. Also masc. प्रज्ञः. c And fem. कवी. d Also सूरि (—न्). e Some disjoin the two last terms as signifying provident. f Either the natural father, or the spiritual preceptor. g One who employs them to perform a sacrifice. h For ceremonies which include the drinking of acid asclepias. Some make this term synonymous with two preceding words.

- 1 *m*  
 यच्वा ( तु विधिनेष्टवान् )  
 One who sacrifices in due form.
- (स गीष्मतीया) स्थपतिः  
 who does so in a certain form. <sup>a</sup>
- 2 *m*      *m b*  
 सोमपीतो ( तु ) सोमपः  
 who has drunk the juice of Asclepias.
- 3 *m*  
 9. सर्ववेदाः (स येनेष्टोयागः सर्वस्वदक्षिणः)  
 who has bestowed all his wealth. <sup>c</sup>
- m*  
 अनूचानः (प्रवचने सांगे ऽधीती)  
 who is completely learned. <sup>d</sup>
- m*      *m*  
 10. लब्धामुन्नः) समाष्टन्तः      गुरोस्तु यः  
 who has taken leave of his preceptor. <sup>e</sup>
- 4 *m*  
 सुत्वा (त्वभिषवे कृते)  
 who has made abutions. <sup>f</sup>
- 5 *m*      *m g*      *m*  
 छात्रांतेवासिनौ शिष्ये  
 A pupil.
- m i*      *m*  
 शैक्षाः प्राथमकल्पिकाः  
 Novices. <sup>h</sup>
11. (एकब्रह्मव्रताचारा मियः) सब्रह्मचारिणः  
 Fellow students. <sup>j</sup>
- m m*      *6 m n*  
 सतीर्थ्या (श्चै) कगुरव  
 Spiritual brethren. <sup>l</sup>
- (श्चितवानग्निम्) अग्निचित्  
 A worshipper of fire. <sup>o</sup>

1—न्. 2—न्. 3—दस्. 4—न्. 5—त्र. 6ए—रु.

<sup>a</sup> In that of the sacrifice named from VRIJHASPATI. <sup>b</sup> Also सोमपाः (—पा.) <sup>c</sup> On the priest<sup>s</sup> employed by him for a sacrifice called *Vis'wajit*; at which the principal's whole property must be distributed in sacrificial fees. <sup>d</sup> In sacred knowledge; being conversant with the *vedas* and six *vetāngas*. <sup>e</sup> To become a householder.

<sup>f</sup> Preparatory to the performance of a sacrifice. <sup>g</sup> Sing. अन्तेवासी (न्).

<sup>h</sup> Students who have recently begun reading the *vedas*. <sup>i</sup> Sing.

शैक्षः <sup>j</sup> Pursuing together the same studies, with like austerities.

<sup>k</sup> Sing. सब्रह्मचारी (—न्). <sup>l</sup> Pupils of the same preceptor. <sup>m</sup> Sing.

सतीर्थ्यः and सतीर्थः. <sup>n</sup> Sing एकगुरवः. <sup>o</sup> One who has taken and

placed or consecrated a sacrificial fire.

- Traditional instruction. 12. (पारंपर्यायदेशे स्याद्) ऐतिह्यमितिहाः (ऽव्ययम्)  
 Untaught knowledge उपन्ना (ज्ञानमाद्यं स्याज्)  
 Deliberate commencement. (ज्ञात्वारंभ) उपक्रमः  
 A sacrifice. 13. यज्ञः सर्वो ऽध्वरो यागः सप्ततंतुमं खः क्रतुः  
 The great sacraments. (पाठो होमश्चातिथीनां सपर्य्यातर्षणं बलिः  
 An assembly or meeting. 14. एते पंच) महायज्ञा (ब्रह्मयज्ञादिनामकाः)  
 समज्यापरिषद्गोष्ठी सभासमिति संसदः  
 A room in front of the offerings. f By-standers. g 15. आस्थानीः क्लीवम् आस्थानं (स्त्रीनपुंसक्रयोः) सदः  
 प्राग्वंशः (प्राग्वविर्गहात्)  
 सदस्या विधिदर्शनः  
 Members of the assembly. Reciters of the prayers. j 16. सभासदः सभास्ताराः सभ्याः सामाजिका (युते)  
 अध्वर्यूः ज्ञातहोतारो (यजः सामर्ग्विदः क्रमात्)

1 इ-ह. 2 स- 3-द. 1 गो- 5-स-  
 6-न- 1-यु. उ-

<sup>a</sup> Or ceremony in which oblations are presented. <sup>b</sup> Five acts of religion named the sacraments of the *Vēdas*, of the Gods, of guests, of the manes, of mundane beings : viz. 1. study of scripture ; 2. presenting of oblations to the gods ; 3. hospitable reception of guests ; 4. libation of water to the manes of ancestors ; 5. casting of food on the ground, or in water, for the gods, or for mundane beings. <sup>c</sup> Sing. महायज्ञः. <sup>d</sup> Sing. संसत् (—दु). <sup>e</sup> Sing. fem. सदाः. Neut. सदः. <sup>f</sup> In front of the apartment in which the intended oblations are stored ; it is allotted to the employer and his family and the by-standers. <sup>g</sup> Whose business is to notice and correct mistakes. <sup>h</sup> Sing. सदस्यः विधिदर्शी. <sup>i</sup> Sing. सभासत् (—दु). <sup>j</sup> Being conversant with the several *Vēdas* respectively. <sup>k</sup> Sing. उहाता. Chanter of the *Sāma-vēda*. <sup>l</sup> Sing. होता (—दु).

17. (आग्नीध्राद्या धनैर्वार्या) ऋत्विजो याजका (सु ते) <sup>m b</sup> <sup>m</sup> Officiating priest a  
<sup>m d</sup> वेदिः (परिष्कृता भूमिः) The altar-  
<sup>"</sup> <sup>"</sup> (समे) स्थण्डिलचत्वरे <sup>"</sup> <sup>"</sup> Sacrificial ground e
18. चषालेयूपकटकः <sup>m</sup> <sup>m</sup> A ring on the post. f  
<sup>j</sup> <sup>h</sup> कुखा (सुगहनावृतिः) An enclosure. g  
<sup>"</sup> <sup>1</sup> <sup>"</sup> यूपाय तर्भ <sup>"</sup> <sup>"</sup> Top of the post. i  
<sup>2 m f k</sup> (निर्मथ्य दारुणित्व) रणि (द्वयोः) <sup>"</sup> <sup>"</sup> Wood for lighting a fire. j  
<sup>"</sup> <sup>3 m</sup> <sup>"</sup> दक्षिणाग्निर्गार्हपत्याहवनीयौ (त्वयो ऽग्नयः) <sup>"</sup> <sup>"</sup> Three sorts of sacred fire. l

1—न.

2 छ—

3 गा—

<sup>a</sup> Hired to perform the sacrifice : and denominated according to their respective offices, अग्नीध्रः (or आग्नीध्रः), &c. Sixteen such are employed under different designations. <sup>b</sup> Sing. ऋत्विक् (—ज) <sup>c</sup> Or pot prepared for binding the victim, or placing the vessels. <sup>d</sup> Also वेदी. <sup>e</sup> A spot levelled for the purpose. <sup>f</sup> A wooden ring on the top of the sacrificial post. Some say an iron ring at its base. <sup>g</sup> Round the base of sacrifice, to prevent prophane intrusion. <sup>h</sup> Some make this synonymous term. Fem. सुगहना. <sup>i</sup> Of the sacrificial post (called पः); which is an octangular column of Bambus or of *Chadira* wood (*Mimosa Catechu*); to which the victim is bound, to mark the conclusion of the sacrifice. <sup>j</sup> By the attrition of two pieces of wood. अरणिः. Also fem. अरणी. <sup>k</sup> Severally stated : viz दक्षिणाग्निः, a fire, taken from the consecrated one, or from a domestic fire, and placed towards the south. गार्हपत्यः, the fire perpetually maintained by a household. आहवनीयः, fire thence taken and prepared for receiving oblation : a consecrated fire.



The three  
sacred  
fires. a  
Fire conse-  
crated by  
prayers.

Sacrificial  
fire. b  
Sort of  
sacred  
fire. c

The wife  
of fire. d  
Prayer  
uttered to  
excite fire.

Metre f  
A prepar-  
ed oblation  
for the  
gods. g  
Kind of  
two milk  
whey.

A leather  
fan. h

(अग्नित्रयमिदं) त्रेता

प्रणीतः (संस्कृतो ऽनलः)

20. समूह्यः परिचाय्योपचाय्याव् (अग्नौ प्रयोगिणः)  
(यो गार्हपत्यादानीय दक्षिणाग्निः प्रणीयते

21. (तस्मिन्) आनाय्यो

(ऽया) ऽग्नायी स्वाहा (च) ऊतभुक्प्रिया

(ऋक्) सामधेनी धाय्या (च या स्याद्ग्निसमिधने

22. (गायत्री प्रमुखं) छंदो

(हव्यपाके) चरुः (पुमान्)

आमिक्षा(सा ष्टोष्णो या क्षीरे स्याद्दधियोगतः)

23. धुवितं (व्यजनं तद्द्रुचितं षगचर्मना)

1—.

2—.

\* Collectively. <sup>b</sup> In general : or, as others interpret this, particu-  
lar sacrificial fires. <sup>c</sup> The southern fire, taken from the house-  
holder's hearth, and consecrated. <sup>d</sup> A goddess presiding over the  
prayers with which burnt-offerings are made. <sup>e</sup> Used, when fuel is  
put on the fire. <sup>f</sup> Measure of verse in the *Vēdas* : of various sorts ;  
as गायत्री or गायत्री, 24 syllables (6×4). उष्णिक्(—ह्), 28 syllables  
(7×4). अनुष्टुप् (—म), 32 syllables (8×4). इहती, 36 syllables (9×4)  
पँक्तिः, 40 syllables (10×4), &c. <sup>g</sup> Also for the manes. Some explain  
it, the vessel in which oblations are prepared. <sup>h</sup> Some write आनीवा  
<sup>i</sup> Made of antelope's hide ; and used to fan the sacrificial fire. <sup>j</sup> Also  
धुवितं.

|     |   |                               |
|-----|---|-------------------------------|
|     | <sup>n</sup> घृहाज्यं (सुदध्याज्ये)   | Oblation of butter and curds. |
|     | <sup>n</sup> परमान्नं (तु) पायसः <sup>m n</sup>   | - of rice, milk, and sugar.   |
| 14. | <sup>n</sup> हव्यं कव्यं (दैवपित्रे चन्ने)  | Food of the gods and manes. a |
|     | <sup>m n</sup> पात्रं (सूषादिकम्)   | A vase or vessel. b           |
|     | <sup>f d 1 f e f f</sup> ध्रुवोपभृज्जुङ्ग (नां तु) <sup>m f g</sup> सुषो (भेदाः) <sup>2 f h</sup> सुचः (स्त्रियः) | Various sorts. c              |
| 15. | <sup>m</sup> उपाकृतः (पशुरसौ योऽभिमन्य क्रतौ हतः)   | A victim. i                   |
|     | <sup>n</sup> परंपराकं <sup>n i</sup> शसनं <sup>n</sup> प्रोक्षणं (च बधार्थमम्)                                    | Immolation.                   |
| 16. | <sup>m f n</sup> (वाच्यलिङ्गाः) <sup>3 m f n</sup> प्रसीतोपसम्पन्नप्रोक्षिता (हते)                                | Slain or immolated.           |
|     | <sup>n</sup> सान्नाय्यं <sup>4 n</sup> हविर्  | An intended oblation.         |
|     | <sup>m f n</sup> (अग्नौ तु ऊतं त्रिषु) वषट्कृतम्  | Burnt as a sacrifice. l       |

1—तु.                      2—च.                      3—उ—                      4—सु.

\* Respectively, viz. हव्यं, an oblation to the gods, कव्यं, an oblation to the manes. b Of any kind : including the undermentioned arts ; besides others, as pestle and mortar, spoon, jar &c. c Severally named in the text. They are used in sacrifice and differ in shape : being respectively (as some describe them) round, square, micircular, triangular, and lotus-shaped. d ध्रुवा, shaped like an Indian fig-leaf ( Ficus Indica ) and made of the wood of Flacourtia pida. e उपकृत, a round vessel made of the wood of a holy fig tree ( F. religiosa ). f जुङ्गः or जुङ्गः, a semicircular vessel made of the wood of Butea ( B. frondosa ). g सुषः or fem. सूः, a ladle of C'hadira wood ( Mimosa Catechu ). h सुक् (—च्) same with the last, though we distinguish it. i Slain, or to be slain. j Also शसन\* or ससन\*. The thing to be offered or sacrificed ; usually clarified butter. k Sacrificed in fire.

Supplemental sacrifice.

<sup>a</sup>  
Suitable to a sacrifice.

An act of sacrifice. <sup>d</sup>

of pious liberality. <sup>e</sup>

Remains of a sacrifice or oblation. <sup>f</sup>  
Gift or donation.

Obsequies of a deceased person.  
Gifts in honour of the deceased.

Funeral re-past. <sup>j</sup>

27. (दीक्षांति) <sup>b</sup> ऽवभृथो <sup>n</sup> (यज्ञ)

<sup>m f n c</sup>  
(स्त. त्कर्माहन्तु) यज्ञियम्

(त्रिष्व)

<sup>l n</sup>  
(ऽथ क्रतुकर्मो) षं

<sup>n</sup>  
पूर्वं (खातादिकर्मणि)

28. अस्तं <sup>n</sup> विषसो <sup>m</sup> (यज्ञशेषभोजनशेषयोः)

<sup>m</sup> त्यागो <sup>n</sup> विहापितं <sup>n</sup> दानमुत्सर्जनं <sup>2 n</sup> विसर्जने <sup>n</sup>

29. विश्राणनं <sup>n</sup> वितरणं <sup>n</sup> स्पर्शनं <sup>3 n</sup> प्रतिपादनम् <sup>1 f g</sup>

प्रादेशनं <sup>n</sup> निर्वपणम् <sup>n</sup> पवर्जनम् <sup>n</sup> च <sup>n</sup> हतिः

30. (स्यतायं तदहर्दानं <sup>n</sup> त्रिषु <sup>m i</sup> स्याद्) और्ध्वदेहिकम् <sup>m f n h</sup>

पितृदानं <sup>n</sup> निवापः <sup>n</sup> (स्याच्)

<sup>5 n</sup>  
घ्राह्यं (तत्कर्मशास्त्रतः)

1 इष्ट.

2 उ—.

3 अ—.

4 अ'—.

5 आह.

<sup>a</sup> Performed to atone for any defect in the principal one. <sup>b</sup> Some make this a synonymous term. <sup>c</sup> Fem. यज्ञिया. <sup>d</sup> Oblation or other act of a sacrifice; or the sacrifice itself. <sup>e</sup> Digging a pond or well; erecting a temple or house; planting an orchard, &c. <sup>f</sup> Respectively, viz. अस्तं, butter, &c. remaining of a sacrifice. विषसः, residue of food offered to the gods, to the manes, to a venerable guest, or to a spiritual parent, &c. <sup>g</sup> Or अहती. Also अ'हतिः. <sup>h</sup> Also और्ध्वदेहिकं, और्ध्वदेहिकं. Fem. और्ध्वदेहिकी. <sup>i</sup> And निवापः. <sup>j</sup> Feeding of priests and other prescribed ceremonies, in honour of ancestors.

31. अन्वाहार्यं मासिके. <sup>n h</sup> <sup>l n</sup> <sup>.</sup> <sup>m n</sup> Monthly obsequies.  
 (ऽशो ऽष्टमो ऽङ्कः) कुतपो (ऽस्त्रियाम्) <sup>a</sup> Eighth hour of the day. <sup>c</sup>  
 पर्येषणा परीष्टि (श्वा) न्वेषणा (च) गवेषणा <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> Research or inquiry. <sup>d</sup>  
 32. सनि (स्व.) घेषणा <sup>f c</sup> <sup>2 f</sup> Request or solicitation.  
 याज्वा ऽभिशक्तिर्याचना ऽर्चना <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>3 f</sup> <sup>f</sup> Asking or begging.  
 (पट् तु त्रिष्व) <sup>f</sup>  
 ऽर्घ्य (मर्घार्थे) <sup>m f n h</sup> A respectful oblation. <sup>g</sup>  
 पाद्यं (पादाय वारिणि) <sup>m f a i</sup> Water for ablution of the feet.  
 33. (क्रमाद्) आतिथ्यातिथेये (अतिथ्यर्थे) ऽत्र साधुनि <sup>m f a i</sup> <sup>4 m f a k</sup> Proper for a guest.  
 (स्याद्) आवेशिक आगन्तुरतिथि (र्ना गृहगतते) <sup>m f a l</sup> <sup>m f a m</sup> <sup>5 m n</sup> <sup>o</sup> Guest.

1—क.

2 छ—.

3 या—.

4 आ—.

5 ख—.

\* Funeral repast in honour of ancestors on the day of new moon. Some restrict this to the monthly ceremonies for one recently deceased.

† Also अन्वाहार्यकं and अनुहार्यं. ‡ Towards midday : for the day (or period of day light) comprises fifteen hours (*muhūrtas*). An offering to the manes at noon is reckoned best. † Especially the investigation of duty by reasoning. ‡ Also सनी. † The following admit the three genders. § Water only ; or else grass, flowers, &c. with water.

¶ Fem. अर्घ्या. † Fem. पाद्या. ‡ Fem. आतिथ्या. † Fem. आतिथेयी. ‡ Fem. आवेशिकी. † Likewise आगन्तुः. ‡ Also fem. अतिथिः, or अतिथी.

§ Some include this among the synonyma.

|                              |  |
|------------------------------|--|
| Worship. a                   | 34. पूजा नमस्या ऽपचितिः सपर्या ऽर्चा ऽर्हयाः (समाः)                  |
| Service.                     | वरिवस्या (तु) शुश्रूषा परिचर्या (प्यु) पासनम्                        |
| Roaming. b                   | 35. ब्रज्या ऽटाटा पर्यटनं  |
| Perseverance in austerities. | चर्या (त्विर्यापथस्थितिः)  |
| Sipping. f                   | उपस्यर्धं (स्व) चमनम्  |
| Silence.                     | (ऽथ) मौनमभाषणम्  |
| Order, method.               | 36. आनुपूर्वी (स्त्रिया) (वा) दृत् परिपाटी अनुक्रमः<br>पर्याय (श्वा) |
| Neglect. i                   | ऽतिपात (क्तु स्यात्) पर्यय उपात्ययः                                  |
| Meritorious act. j           | 37. नियमो ब्रत (मस्त्री तच्चोपवासादि) पुण्यकम्                       |
| A fast.                      | उपवसं (त) पवासे  |
| Discrimination.              | विवेकः दृयगात्मता  |
| Holiness. l                  | 38. (स्याद्) ब्रह्मवर्च सं दृत्ताध्ययनर्द्धिर्                       |

1—उ. 2 आ— 3 अ— 4 आदृत्. 5 उ— 6—द्वि.

a Whether adoration or respect. b Likewise परिसर्ज्या. c Also fem. उपासना or उपासिः. d Wandering for alms; travelling for austerity. e Also अटा and अद्या. f Touching without swallowing. g Likewise, neut. आनुपूर्थं, आनुपूर्वं or आनुपूर्वकं. h And परिपाटिः. i Of what is enjoined or customary. j As fasting, &c. k Also उपोषितं. लपोषर्धं, औपवसं, &c. l Resulting from the study of scripture; and the observance of its injunctions.

- (ऽथाञ्जलिः) Joining both hands while reading the *Vēdas*. a
- पाठे<sup>m</sup> ब्रह्माञ्जलिः  
 (पाठे विद्म<sup>l m</sup> षो) ब्रह्मविन्दवः<sup>1 m</sup> Sanctified saliva. b
39. ध्यानयोगसने ब्रह्मासनं<sup>m</sup> A holy posture. c
- कल्पे<sup>m</sup> विधि क्रमौ<sup>m m</sup> A sacred precept. d
- मुख्यः<sup>m</sup> (स्यात्प्रथमः कल्पो) A chief injunction. e
- ऽनुकल्प (स्तु ततो ऽधमः)<sup>m</sup> A secondary one. f
40. (संस्कारपूर्वग्रहणं स्याद्) उपाकरणं (श्रुतेः)<sup>n h</sup> Holy study. k
- (समे तु) पादग्रहणमभिवादन (मित्युभे)<sup>n j 2 n</sup> Obedience. i
- 3 m m l 4 m 5 m m 6 m
41. भिक्षुः परिवाट् कर्मन्दी पाराशर्य्यं (पि) मस्करी A mendicant. k

1—न्. 2—ञ्. 3—ञ्. 4—न्. 5—न्. 6—न्.

\* An act of humility, with a short prayer, at the beginning and end of a lesson : or else to mark, by the motion of the hands so joined, the accentuation, while reading the *Sāma-vēda*. <sup>b</sup> Drops of spittle sputtered in reading the *Vēdas*. <sup>c</sup> Adapted to meditation and restraint of thought : sitting with the feet raised, or with fingers intertwined, &c. <sup>d</sup> Practice prescribed by the *Vēdas* for the effecting of certain consequences. <sup>e</sup> Regarding an act of religion : as 'sacrifice with rice ;' 'strew *Kus'a* grass.' <sup>f</sup> Or succedaneous : as 'for want of rice use *Nibāri* : 'for want of *Kus'a* employ *Cās'a* or *Durvā*.' <sup>g</sup> Reading of the *Vēdas* after initiation. <sup>h</sup> Also उपाकरणं (—न्) and उपग्रहणं. <sup>i</sup> A bow or prostration to a person addressed by name. <sup>j</sup> Likewise उपसंग्रहणं. <sup>k</sup> One who has entered the fourth order (or that of devotion), following the rules of CARMANDA or PĀRĀŚĀRYA : a *Sannyāsi*.

1 And परिवाटकः. <sup>m</sup> पाराशरी or पराशरी (—न्).

|                                      |     |     |     |  |
|--------------------------------------|-----|-----|-----|--|
| An ascetic. a                        | 1 m | m   | 2 m |  |
|                                      |     |     |     | तपस्वी तापसः पारिकांक्षी                         |
| A holy sage.                         |     |     | m   | m f  |
|                                      |     |     |     | वाचंयमो मुनिः                                    |
| Patient of austerity.                |     | m   | m   |  |
|                                      | 42. |     |     | तपःक्लेशसहे दांति                                |
| Religious students. c                |     |     | m   | m d  |
|                                      |     |     |     | वर्षिणो ब्रह्मचारिणः                             |
| Saints. e                            |     | m f | m   |  |
|                                      |     |     |     | ऋषयः सत्यवचसः                                    |
| An initiated householder. g          |     |     | na  | nh   |
|                                      |     |     |     | स्नातक (स्वा) भवव्रती                            |
| Sages with subdued senses. i         |     | m j | m   | m k  |
|                                      | 43. |     |     | (ये) निर्जितेन्द्रियग्रामा यतिनो यतय (सु ते)     |
| One, who steps on the bare ground. l |     |     | 3 m |  |
|                                      |     |     |     | (यः स्थण्डिले व्रतवशाच्छे ते) स्थण्डिलशाय्य (सो) |

1—न्.

2—न्.

3—यो. (—न्).

<sup>a</sup> Employed in devotion and seeking spiritual wisdom. Some make these terms synonymous with the preceding. <sup>b</sup> Practising rigid taciturnity; devoid of passions, and serene or unruffled by pain or pleasure. <sup>c</sup> Practising austerity during the study of the *Vēdas*. <sup>d</sup> Sing. वर्षी (—न्) and ब्रह्मचारी (—न्). <sup>e</sup> Infallible. Seven classes of them are distinguished, viz. *Maharshi*, *Dēvarshi*, (as *NĀRADA*, &c.) *Brahmarshi*, (as *CASĀPA*, &c.), *Paramarshi*, *Canḍarshi*, *S'rutarshi*, and *Rājārshi*. <sup>f</sup> Sing. ऋषिः or रिषिः. And fem. ऋषी, &c. <sup>g</sup> One, who has entered the second order, after passing through the first: having completed his noviciate, but without attaining a knowledge of the *Vēdas* (he is called *Vratasnātaca*): having attained that knowledge before the expiration of the prescribed period of study (he is termed *Vidyāsnātaca*): having completed both his studies and probation (he is named *Ubhoyasnātaca*). <sup>h</sup> आश्रयव्रती (—न्) and आश्रयव्रतते. <sup>i</sup> Whose organs are restrained from all that is blamable, as *VASĪSHTHA* and others. <sup>j</sup> Some exclude this from the synonyma. <sup>k</sup> Sing. यती (—न्) and यतिः. <sup>l</sup> By way of mortification.

|  |  |                                  |
|--|--|----------------------------------|
| 44. <sup>m</sup> स्यखडल (ञ्चा)   |  |                                  |
| ( <sup>m</sup> स्य) <sup>1 m</sup> विरजस्तमसः ( <sup>m</sup> स्युर्) <sup>m</sup> द्वयातिगाः |  | Men perfectly virtuous. a        |
| <sup>m</sup> पवित्रः <sup>m</sup> प्रयतः <sup>m</sup> पूतः                                   |  | A purified person. b             |
| <sup>m d</sup> पाषण्डाः <sup>2 m</sup> सर्वलिङ्गिनाः   |  | Heretics and impostors. c        |
| 45. ( <sup>m n</sup> पालाशो <sup>f</sup> दण्ड) <sup>m</sup> आषाढो ( <sup>m</sup> व्रते)      |  | A student's staff. c             |
| <sup>m n</sup> (अस्त्री) <sup>f</sup> कमण्डलुः <sup>f</sup> कुण्डी                           | <sup>m</sup> रांभ (स्तु. वैणवः)                    | One cut from a Bambu. g          |
| <sup>n</sup> (ब्रतिनामासनं) <sup>f k</sup> दृषी  |  | His water-pot. h                 |
| <sup>n</sup> अजिनं <sup>3 n</sup> चर्म <sup>f</sup> कृत्तिः ( <sup>n</sup> स्त्री)           |  | His cushion. j                   |
| <sup>m</sup> स्वाध्यायः ( <sup>m m</sup> स्याज्) <sup>m m</sup> जपः                          | <sup>n</sup> भैक्षं ( <sup>n</sup> मिक्षाकदम्बकम्) | A hide used by him. l            |
|  |  | Aggregate of alms.               |
|  |  | Reading or muttering of prayers. |

1—सस.

2—न्.

3—न्.

<sup>a</sup> Devoid of every bad quality ; having gained the knowledge of God, and attained beatitude in their life time ; as VYĀSA and others.  
<sup>b</sup> Cleansed by a austerity and mortification. <sup>c</sup> Who assume the exteriors of the four tribes and orders ; but whose practice is in contradiction to the *Vādas* : for example (say the Commentators) the *Baudāhas*, &c. <sup>d</sup> Sing. पाषण्डः or पाखण्डः. <sup>e</sup> Cut from a *Pālāsa* tree (*Butea frondosa*) ; and used by certain ascetics on the full moon of *Āshāddha*. <sup>f</sup> Also आषाढः. <sup>g</sup> Borne by students with a wisp of *Kusā* grass. Any other Bambu staff is named वैणवः. <sup>h</sup> A wooden or an earthen one. The student, as well as the ascetic in the third or fourth order, was anciently required to carry a water-pot. <sup>i</sup> Likewise कुण्डिका. <sup>j</sup> A seat made of *Kusā* grass ( *Poa cynosuroides* ). <sup>k</sup> Or दृसी. <sup>l</sup> Commonly an antelope's skin. <sup>m</sup> Or जापः.



|   |     |  |
|---|-----|--|
| Religious bathing. a                      | —   | <sup>f</sup> <sup>m</sup> <sup>n</sup><br>सूत्या ऽभिषवः सवनं (च सा)<br>I m f n c |
| An expiatory prayer. b                    | 47. | ( <sup>m</sup> सर्वे नसामपध्वंसि जयं त्रिष्व्) <sup>m</sup> वमर्षणम्             |
| Half-monthly sacrifice. d                 |     | वर्ष्य (श्च) <sup>m</sup> पौर्णमास (श्च, यागो पक्षांतयोः ष्यक्)                  |
| A perpetual duty. e                       | 48. | (शरीरसाधनापेक्षं नित्यं यत्कर्म तद्) यमः<br><sup>m</sup>                         |
| A voluntary one. f                        |     | नियम स्तु, स यत्कर्मानित्यमागन्तुसाधनम्)   |
| The cord passed over the left shoulder. g | 49. | उपवीतं (यज्ञसूत्रं प्रोद्धृते दक्षिणे करे)<br><sup>n</sup> <sup>n h</sup>        |
| Over the right shoulder. i                |     | प्राचोनावीत (मन्यस्त्रिन्)   |
| Suspended over the neck.                  |     | <sup>n</sup><br>निवीतं (कण्ठलम्बितम्)  |
| Part of the hand sacred to the gods. j    | 50. | (अङ्गुल्यग्रे तीर्थं) <sup>n</sup> दैवं  |

1 अ—

<sup>a</sup> Preparatory to a sacrifice. Also, as some explain these terms, extracting the juice of acid asclepias, and drinking it. <sup>b</sup> Meditated while a drop of water is held to the nose. The name ( which is also that of its author ) signifies expiatory : it is supposed to atone even sins in thought. <sup>c</sup> Fem. अघ्नपेक्षी. <sup>d</sup> At the change and full of the moon, respectively : performed by persons maintaining a perpetual fire. <sup>e</sup> As veracity, &c. See MANU, Ch. 10, v. 63. <sup>f</sup> As pilgrimage, fasting &c. <sup>g</sup> And under the right arm. MANU, 2, v. 63. It is the usual mode of wearing it. <sup>h</sup> This general term, for the sacerdotal string, is by some made synonymous with the preceding word. <sup>i</sup> And under the left arm. It is so worn during particular ceremonies. <sup>j</sup> Tips of the fingers (some exclude the thumb) : See MANU, 2, v. 59.

|     |   |   |
|-----|---|---|
|     | (स्वल्पांगुल्यो मूले) कायम् <sup>n</sup>  | Part of the head sacred to the creator, a |
|     | (मध्येऽङ्गुष्ठाङ्गुल्योः) पैतृ <sup>n</sup>   | —to the manes, b                          |
|     | (मूले च ङ्गुष्ठस्य) ब्राह्मणम् <sup>n</sup>   | —to the Vedas, c                          |
| 51. | (स्याद्) ब्रह्मभूयं <sup>n</sup> ब्रह्मत्वं <sup>n</sup> ब्रह्मसायुज्यं <sup>n</sup> (मित्यपि) <sup>n</sup> | Deified state, d                          |
|     | देवभूया <sup>n</sup> (दिकं तदत्) <sup>n</sup>   | Inferior deification, e                   |
|     | छच्छं <sup>n</sup> (सान्तपनादिकम्) <sup>n</sup>   | Penance, g                                |
| 52. | (संन्यासवत्यनशने पुमान्) प्रायो <sup>m</sup>  | Fasting to die,                           |
|     | (ऽथ) वीरहा <sup>1 m</sup>   | One who has left his sacred fire, h       |
|     | नटाग्निः <sup>m</sup>   |   |
|     | कुहना <sup>f</sup> (लोभान्निथ्ये र्यापयकल्पना)  | Hypocrisy, i                              |
| 53. | व्रात्यः <sup>m</sup> संस्कारहीनः <sup>m</sup> (स्याद्)   | An uninitiated person, j                  |
|     | अस्वाध्याये <sup>m</sup> निराकृतिः <sup>m</sup>   | One who has not made his studies, k       |

1—n.

<sup>a</sup> To *Prajāpiti*. It is the root of the two smaller fingers. <sup>b</sup> Between the thumb and forefinger. <sup>c</sup> Under the root of the thumb. <sup>d</sup> Becoming united with *Brahme*. <sup>e</sup> Becoming identified with a god. <sup>f</sup> देवभूयं, देवत्वं or देवसायुज्यं. <sup>g</sup> That called *Sāntapana* or any other : as the *Chāndrāyana* or *Prājāpatya*, &c.. See MANU, 11. v. 212, &c. <sup>h</sup> Having extinguished or neglected it ; or having gone abroad, committing the charge of the perpetual fire to his family. <sup>i</sup> Practice of religious austerities through avarice, or from pride, &c. <sup>j</sup> For whom the prescribed ceremonies have not been performed : who has not received investiture. <sup>k</sup> Who has not duly read the *Vedas*.

- A hypocrite  
or impostor.  
<sup>a</sup>  
A violator  
of his vow.  
<sup>b</sup>  
One who is  
asleep at  
sunset, or at  
sun rise. <sup>c</sup>
- One married  
before  
his elder  
brother. <sup>d</sup>  
The unmar-  
ried elder  
brother.
- Marriage.
- Copulation.
- Three hu-  
man pur-  
suits <sup>1</sup>
- Four ob-  
jects <sup>k</sup>
- The same  
equally po-  
tent.  
The bride-  
groom's  
friends.
- 1—न्. 2—त्ति. 3—न्. 4—त्त. 5—उ—  
6—उ— 7—उ—.
- धर्मध्वजी लिंगवृत्तिर्  
अवकीर्णी क्षतव्रतः  
54. (सुप्ते यस्मिन्नस्तमेति सुप्ते यस्मिन्नुदेति च  
अंशुमान्) अभिनिर्मुक्ता ऽभ्युदितौ (तौ यथाक्रम  
परिवेत्ता (ऽनुजो ऽनूढे ज्येष्ठे दारपरिग्रहात्)  
परिवित्ति (स्तु. तज्ज्यायान्)  
विवाहोपयमौ (सम  
56. (तथा) परिणयोद्वाहोपयामाः पाणिपीडनम्  
व्यायो ग्राम्यधर्म (अ) रतं निधुवनं (च सः)  
57. त्रिवर्गो (धर्मकामार्थेश्च)  
चतुर्वर्गः (समोन्नतैः)  
(सवलैस्तैश्च) चतुर्भद्रं  
जन्याः (स्निग्धावरस्यः)

1—न्. 2—त्ति. 3—न्. 4—त्त. 5—उ—  
6—उ— 7—उ—.

<sup>a</sup> Who assumes the exteriors of religion for a livelihood. <sup>b</sup> I fringing, through incontinence, austerities begun by him. <sup>c</sup> Respec- tively. <sup>d</sup> This regards the first marriage. <sup>e</sup> Also परिवृत्तिः <sup>a</sup> परिवृत्तिः. <sup>f</sup> Also पाण्डित्यवृत्तं, &c. <sup>g</sup> Also रक्षणं, सुरतं, and रत् <sup>h</sup> Likewise सद्युनं. <sup>i</sup> Viz. duty, love, and wealth. <sup>j</sup> And त्रिवर्ग <sup>k</sup> The three above mentioned ; and final beatitude or release from tran- smigration. <sup>l</sup> Sing. जन्यः.

## CHAPTER VIII.

### SECTION I.

|  |                                    |
|--|------------------------------------|
| <sup>m</sup> सूत्रीभिषिक्तो <sup>m</sup> राजन्यो <sup>m</sup> बाह्वजः <sup>m r</sup> क्षत्रियो <sup>1 m</sup> विराट् | A man of<br>the military<br>tribe. |
| <sup>m b</sup> <sup>2 m</sup> <sup>m</sup> <sup>3 m c</sup> <sup>m d</sup> <sup>m e</sup> <sup>m</sup>               |                                    |
| राज्ञि राट् पार्थिव क्ष्माभृद्भृप भूप महीक्षितः  | A king                             |
| <sup>m</sup>   |                                    |
| 2. (राजा तु प्रगताशेषनामन्तः स्याद्) अधीश्वरः  | An emper-<br>tor. f                |
| <sup>4 m</sup> <sup>m</sup>  |                                    |
| चक्रवर्ती सार्वभौमे  | A universal<br>monarch. g          |
| <sup>m</sup>   |                                    |
| (वृषो ऽन्यो) मण्डलेश्वरः   | Any other<br>prince.               |
| 1. येनेष्टं राजसूयेन मण्डलस्येश्वरश्च यः   | A para-<br>mount. h                |
| <sup>5 m</sup>   |                                    |
| शास्ति यश्चाज्ञया राज्ञः स) सम्राट्  |                                    |
| <sup>m</sup>   |                                    |
| (अथ) राजकर्म   | An assem-<br>blage of<br>princes   |
| <sup>m</sup>   |                                    |
| 1. राजन्यकं (च वृषति क्षत्रियाणां गणे क्रमात्)   | -- of sol-<br>diers.               |

1—राज. 2—ज. 3—त. 4—न. 5—ज.

<sup>a</sup> Also क्षत्री (—न्) and क्षत्रः or क्षत्रः. <sup>b</sup> राजा (—न्). <sup>c</sup> Like-  
wise महीभृत्, &c. <sup>d</sup> भृपः. So वृषतिः, नरपतिः, &c. <sup>e</sup> Also भूपालः,  
विपाल, &c. <sup>f</sup> Paramount over all neighbouring princes. Some-  
times like this synonymous with the following. <sup>g</sup> Sovereign of the earth  
from sea to sea. <sup>h</sup> A sovereign prince who has performed a *Rājāsūya*  
sacrifice, and exercises despotic sway over others. Or one, who has  
all these qualifications.

|   |  |   |
|---|--|---|
| A minister or counselor<br>Other ministers. | 1 m                    m                    m<br>मन्त्री धीसचिवो ऽमात्यो | (ऽन्ये) कर्मसचिवो (ऽज्ञतः)                                  |
| The king's companions.                      | 5. महामात्राः प्रधानानि  |   |
| The priest or chaplain.                     |  | 2 m                    m<br>पुरोधो (ऽस्तु) पुरोहित          |
| The judge.                                  | (द्रष्टरि व्यवहाराणां) प्राङ्चिवाका ऽक्षदर्शको                           |   |
| The warder or porter.                       | 6. प्रतीहारे द्वारपाल हास्य हास्थित दर्शकाः                              |   |
| An armed guard.                             | रक्षिवर्ग (स्व.) नीकस्यो   |   |
| A superintendent. f                         |  | 6 m                    7 m<br>(ऽया) ऽध्यक्षा ऽधिकृतो (ऽसन्) |
| An overseer of a village.                   | 7. स्यायुको (ऽधिकृतोग्रामे)  |   |
| An inspector of a district.                 |  | m<br>गोपो (ग्रामे) कुल्लरि                                  |
| The treasurer. g                            | भौरिकः कनकाध्वक्षो   |   |
| The master of the mint. h                   |  | m                    m<br>रूप्याध्वक्ष (ऽस्तु) नैष्कि       |
| The chamberlain. j                          | 8. (ऽन्तःपुरे त्वधिकृतः स्याद्) अन्तर्दंशिको (जन                         |   |

1—नू.                    2—धस्.                    3—क.                    4—क.                    5—ख—

6—क.                    7—वू.

<sup>a</sup> कर्मसचिवः. Also आमात्यः. <sup>b</sup> Sing. प्रधानं,—नः. <sup>c</sup> Also प्रहारः. <sup>d</sup> Or हास्यः. Likewise हारी (न), हारिकः, दोषारिकः. <sup>e</sup> A उपदर्शकः. and हास्थितदर्शकः. <sup>f</sup> Over any department some say, <sup>g</sup> that of receipt and disbursements. <sup>h</sup> Superintendent of the <sup>i</sup> <sup>h</sup> Superintendent of the silver coinage ; or of the silver in general. <sup>j</sup> Also टङ्कपतिः. <sup>j</sup> Superintendent of the women's apartments.

|     |   |                  |                            |                  |                                    |
|-----|---|------------------|----------------------------|------------------|------------------------------------|
|     | <sup>m</sup>                                    | <sup>m b</sup>   | <sup>m c</sup>             | <sup>m d</sup>   |                                    |
|     | <sup>m f</sup>                                  | <sup>m</sup>     |                            |                  | Attendants<br>of the wo-<br>men. a |
|     | सौविदस्त्राः कंचुकिनः स्थापत्याः सौविदा (सु ते) |                  |                            |                  |                                    |
| 9.  | शंटो वर्षवर (सुल्यो)                            |                  |                            |                  | A eunuch.                          |
|     | <sup>m</sup>                                    | <sup>1 m g</sup> | <sup>2 m</sup>             |                  |                                    |
|     | शेषका ऽर्थनुजीविनः                              |                  |                            |                  | A servant.                         |
|     |   | <sup>3 m</sup>   |                            |                  |                                    |
|     | (विषयामन्तरो राजा) शत्रुर्                      |                  |                            |                  | A foe. h                           |
|     |   |                  | <sup>2 j</sup>             |                  |                                    |
|     |   |                  | मित्त (मतः परम्)           |                  | A stranger<br>or neutral.          |
| 10. | <sup>m</sup>                                    |                  |                            |                  |                                    |
|     | उदासीनः (परतरः)                                 |                  |                            |                  | A stranger.                        |
|     |   |                  | <sup>m</sup>               |                  |                                    |
|     |   |                  | पाष्णिं ग्राह (सु पृष्ठतः) |                  | An enemy<br>in the rear.           |
|     | <sup>4 m</sup>                                  | <sup>m l</sup>   | <sup>m m</sup>             | <sup>m 5 m</sup> | <sup>6 n</sup>                     |
|     |   |                  |                            | <sup>7 m</sup>   |                                    |
|     | रिषौ वैरि सपत्ना ऽरि द्विषद्द्वेषण दुर्हृदः     |                  |                            |                  | Any ene-<br>my.                    |
|     | <sup>m n</sup>                                  | <sup>m</sup>     | <sup>m</sup>               | <sup>m u</sup>   | <sup>m</sup>                       |
|     |   |                  |                            | <sup>m</sup>     | <sup>8 m</sup>                     |
| 11. | द्विड् विपक्षा ऽहिता ऽमित्त दस्यु शत्रव शत्रवः  |                  |                            |                  |                                    |
|     | <sup>m o</sup>                                  | <sup>m</sup>     | <sup>m p</sup>             | <sup>9 m</sup>   | <sup>10 m</sup>                    |
|     | अभिघातिपरा ऽरातिप्रत्यर्धिपरिपन्थिनः            |                  |                            |                  |                                    |
|     | <sup>m</sup>                                    | <sup>m</sup>     | <sup>11 m</sup>            |                  |                                    |
| 12. | वयस्यः स्निग्धः सवया                            |                  |                            |                  | A friend<br>and con-<br>temporary. |

1—न्. 2—न्. 3—शत्रु. 4—पु. 5—त्. 6 हे—  
7—दु. 8 शत्रु. 9—न्. 10—न्. 11—स.

<sup>a</sup> Guarding the apartments of the king's women. <sup>b</sup> Sing. कंचुकी  
(—न्.) <sup>c</sup> स्थापत्याः or स्वपतिः. <sup>d</sup> सौविदः or सुविदः. <sup>e</sup> A castrated  
attendant. Some make the preceding synonymous with this. <sup>f</sup> One  
reads शंटः, but erroneously; for the term is शंडः and signifies impotent.  
<sup>g</sup> अर्षी (—न्). <sup>h</sup> A neighbouring prince; for enmity frequently arises  
between neighbours. <sup>i</sup> Being more distant. <sup>j</sup> Or मित्र. <sup>k</sup> Remote:  
showing neither friendship nor enmity. <sup>l</sup> वैरी (—न्). <sup>m</sup> Or सापत्याः.  
<sup>n</sup> द्विड् (—च्). Also द्विषः (—च्). <sup>o</sup> अभिघाती (न्) or अभिघाती (—न्)  
and अभिघातिः (—ति) <sup>p</sup> अरातिः or आरातिः

|                              |     |   |   |       |     |
|------------------------------|-----|---|---|-------|-----|
|                              |     |   | n a                                       | 1 m b | 2 m |
| A friend.                    |     |   | (ऽय) मित्रं सखा सुहृत्                    |       |     |
| Friend-ship.                 | " " | " "   | सख्यं साप्तपदीनं (स्याद्)                 |       |     |
| Complaisance. c              |     |   | अनुरोधे ऽनुवर्त्तनम्                      |       |     |
| A py. d                      | 13. | यथार्हवर्णः   | प्रणिधिरपसर्पश्चरः                        | स्वयः |     |
|                              |     | चार (श्च) गूढपुरुषश्च                               |   |       |     |
| Trusted ; confidential.      |     |   | (चा) प्रः प्रत्ययित (स्त्रिषु)            |       |     |
| An astrologer.               | 14. | सांवत्सरो ज्योतिषिको देवज्ञ गणका (वृषि)             |   |       |     |
|                              |     | (स्यर्)मौहूर्त्तिकमौहूर्त्तं ज्ञानि कार्त्तिका(अपि) |   |       |     |
| A man versed in any science. | 15. | तांत्रिको ज्ञातसिद्धांतः                            |   |       |     |
| A generous household-er. i   |     |   | सती गृहपतिः (समो)                         |       |     |
| A scribe,                    |     |   | लिपिकारो ऽक्षरचनो ऽक्षरचुञ्चु (श्च) लेखके |       |     |

1—खि. 2—दृ. 3 अ— 4 ख— 5—घ. 6 आप्त. 7—न्. 8—न्  
b

a Or मित्रं. Invariably neuter : ut some vary the gender ; masc. मित्रः fem. मित्रा. b Fem. सखी. c The accomplishing of a desired object. Some explain this, service. d The two first, others say the three first, terms signify a secret agent under a disguise : and the rest an occasional emissary : or else a spy in general. e Or अपसर्पः. f Fem. आप्ता and प्रत्ययिता. g Or ज्योतिषिकः. h गणकः fem. गणकी. i Constantly giving alms and performing sacrifices. j Also सत्ती. k Or द्विपिकरः. and लिपिकरः. l Also अक्षरचंभुः.

16. लिखिता ऽक्षरसंस्थाने लिपिर्लिखि (रुभे स्त्रियौ) <sup>n a</sup> <sup>n b</sup> <sup>f</sup> <sup>l f c</sup>  
 (स्यात्) संदेशहरो दूतो <sup>m</sup> <sup>m d</sup>  
 दूत्यं (तद्भावकर्मणि) <sup>n e</sup>  
<sup>m f</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m g</sup> <sup>m</sup>
17. अध्वनीने ऽध्वगे ऽध्वन्यः पांथः पथिक (इत्यपि) <sup>n</sup> <sup>f 1</sup>  
 (स्वाम्यमात्यसहृत्कोशराद्रदुर्गबलानि च)
18. राज्याङ्गानि प्रकृतयः <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>m</sup>  
 (पौराणां श्रेणयो ऽपि च) <sup>m l</sup>  
 (संधिर्ना विग्रहो यानमासनं द्वेषमाश्रयः)
19. (षड्) गुणाः <sup>f</sup>  
 शक्तय (सि.स्रः प्रभावोत्साहमंत्रजाः) <sup>m</sup>

Scripture or writing.

A messenger or ambassador. An embassy or message.

A traveller. The requisites of legal administration, h

Including citizens. j

Six expedients of defence. k

Power. m

1 लि—.

<sup>a</sup> And लिखनं or लेखनं. <sup>b</sup> According to another reading (अक्षर विन्यासे), this and the preceding term are the interpretation of the two next words. <sup>c</sup> Likewise लिपी and लिषी. <sup>d</sup> Fem. दूती. <sup>e</sup> And दौत्यं. <sup>f</sup> Fem. अध्वनीना, अध्वगा, अध्वन्या. <sup>g</sup> Fem. पांथा, पथिकी. Some write पथिका erroneously as others observe. Also masc. पथकः. <sup>h</sup> Viz. 1st. the king or lord ; 2d. his counsellor or minister ; 3d. a friend or ally ; 4th. treasure ; 5th. territory ; 6th. a strong hold ; 7th. an army. <sup>i</sup> Sing. राज्याङ्गं and प्रकृतिः. <sup>j</sup> Some reckon eight requisites of regal administration including the companies of citizens : others nine with the spiritual adviser, &c. <sup>k</sup> Severally mentioned. Viz. Pacification. War. A progress or a march. A halt or the maintaining of a post. A double resource or a stratagem. Recourse to protection. <sup>l</sup> Sing. गुणः an expedient. <sup>m</sup> Of three sorts ; as resulting from majesty, perseverance and counsel.



|                             |   |
|-----------------------------|---|
| Threefold object. a         | <sup>m</sup> (अयः) <sup>n</sup> स्थानं च <sup>f</sup> वृद्धिं च <sup>m</sup> त्रिवर्गो (नीतिवेदिनाम्)                             |
| Majesty. b                  | 20. (सु) प्रतापः प्रभाव (सु) यत्तेजः कोपदण्डजम्   |
| Four means of success. c    | (भेदो दण्डः साम दानमित्य) पाय (चतुष्टयम्)   |
| Punishment.                 | 21. साहसं (तु) दमो दण्डः  |
| Conciliation.               | <sup>2 n</sup> साम <sup>n d</sup> सात्वम्<br>(अथो समौ)  |
| Disunion.                   | <sup>m</sup> भेदापचापाव् <sup>3 m</sup>   |
| Trial or test of honesty. c | <sup>f</sup> उपधा (धर्मैद्यै र्यत्परोक्षणम्)  |
| Secret. g                   | 22. (पंच त्रिष्व) <sup>m f n</sup> षडक्षीणो (यस्तृतीयाद्यगोचरः)   |
| Solitary, or private.       | <sup>m f n h</sup> विविक्त <sup>m f n</sup> विजन <sup>m f n i</sup> च्छन्न <sup>m f n</sup> निःशलाका (स्तथा) <sup>i n j</sup> रहः |
| Occurring in private.       | 23. रह (स्यो) पांशु (चालिंगे) <sup>m f n k</sup> रहस्यं (तद्भवे त्रिषु)   |
| Trust or confidence.        | <sup>m l</sup> (समौ) विश्रम्भ <sup>m</sup> विश्वासी   |

1 उ— 2—न्. 3 उ—प. 4—स. 5—स. 6 उ—.

<sup>a</sup> Loss, evenness and gain : or disappointment, continuance of the same state, and success : or else expenditure, equality and profit.

<sup>b</sup> The dignity arising from treasure and forces ; and from the power of punishment : the consequent high spirit and impatience of injury.

<sup>c</sup> In reducing the foe : viz. Sowing of dissention, chastisement, conciliation and gifts. <sup>d</sup> Likewise शास (—न्) and शान्त्. <sup>e</sup> Trial of loyalty, of disinterestedness, of continence, and of intrepidity. <sup>f</sup> The

five next terms admit the three genders. <sup>g</sup> Unknown to a third person. <sup>h</sup> Fem. विविक्ता. <sup>i</sup> रहस्यः or रहस्यः. <sup>j</sup> Likewise masc. रहस्यः (स्य)

\* Fem. रहस्या. <sup>1</sup> And त्रिष्वः

24. <sup>m</sup>अभ्रंशो (भ्रंशो यथोचितात्) <sup>n</sup>Deviation from right.
- <sup>m</sup>अभ्रंशे <sup>m</sup>न्याय कल्पा (स्तु) <sup>n</sup>देशरूपं <sup>n</sup>समञ्जसम् <sup>n</sup>Propriety or fitness.
- <sup>m f n</sup>युक्तमौपयिकं <sup>1 m f n m f n</sup>लभ्यं <sup>m f n</sup>भजमाना <sup>m f n</sup>ऽभिनीत (वत्) <sup>n</sup>Right, fit or proper.
25. <sup>m f n</sup>न्याय्यं (च त्रिषु षट्)
- <sup>f</sup>संप्रधारणा (तु) <sup>n</sup>समर्थनम् <sup>n</sup>Deliberation, a.
- <sup>m</sup>अववाद (स्तु) <sup>m</sup>निर्देशो <sup>m</sup>निदेशः <sup>n</sup>शासनं (च सः) <sup>n</sup>An order or command.
26. <sup>f b</sup>शिष्टि (श्वा) <sup>2 f</sup>ज्ञा (च)
- <sup>f</sup>संख्या (तु) <sup>f</sup>मर्त्यादा <sup>f</sup>धारणा <sup>f</sup>स्थितिः <sup>n</sup>Continuance in the right way.
- <sup>3 n</sup>आगो <sup>m</sup>ऽपराधो <sup>n</sup>भंत (श्च)
- <sup>4 n</sup>(समे द्वा.) <sup>n</sup>हानवन्वने <sup>n</sup>Offence or transgression.
27. <sup>m</sup>द्विपायो (द्विगुणो दण्डो)
- <sup>m</sup>भागधेयः <sup>m d</sup>करो <sup>m</sup>षलिः <sup>n</sup>Binding.
- <sup>m n</sup>(षट्पादिदेयं) <sup>n</sup>शुल्को (ऽस्त्री)
- <sup>n</sup>प्राभृतं (तु) <sup>n</sup>प्रदेशनम् <sup>n</sup>A present.

1 ओ—.

2 आज्ञा.

3—स.

4 उ—.

<sup>a</sup> On the propriety or impropriety of any thing : a determination thereon. <sup>b</sup> Also शास्त्रिः. <sup>c</sup> Twice the prescribed fine or punishment of the offence. <sup>d</sup> Also कारः. <sup>e</sup> Or duty of customs payable at ferries, and passes. <sup>f</sup> Some restrict the two first terms to signify an oblation of first fruits, &c. to the gods : or a present to a friend ; and the four last an humble offering to the king, &c. ; or else a bribe ; or generally any present. Others restrict all the terms to one or other of those various senses.

|                             |  |                       |   |                |
|-----------------------------|--|-----------------------|---|----------------|
|                             | <sup>n</sup>                             | <sup>1 n</sup>        | <sup>2 m</sup>                            | <sup>3 f</sup> |
|                             | 28. उपायनमुपगच्छमुपहार (सुये) पदा        |                       |   |                |
| A special gift. a           |  |                       | <sup>m b</sup>                            | <sup>n</sup>   |
|                             | (यौतकादि तु वद्देयं) स दाये हरणं (च तत्) |                       |   |                |
| Present time. c             | 29. तत्काल (स्तु) तदात्वं (स्याद्)       |                       |   |                |
| Future time.                |  |                       |   | <sup>f e</sup> |
|                             | (उत्तरः काल) आयति;                       |                       |   |                |
| Immediate consequence.      | <sup>n</sup>                             | सांष्टिकं (फलं सद्यः) |   |                |
| Future consequence.         |  |                       | <sup>m</sup>                              |                |
|                             | उदर्कः (फलमुत्तरम्)                      |                       |   |                |
| Casual and unseen danger. f | 30. अदृष्टं (वङ्कितोयादि)                |                       |   |                |
| Obvious danger. g           |  |                       | <sup>m</sup>                              |                |
| Latent danger. h            |  |                       | दृष्टं (स्वपरचक्रजम्)                     |                |
| Bearing of royal insignia.  |  | <sup>n</sup>          | (मङ्गीभुजाम्) अहिभयं (स्वपक्षप्रभवं भयम्) |                |
| A cow tail. i               | <sup>f</sup>                             | <sup>4 m</sup>        | 31. प्रक्रिया (त्वं) धिकारः (स्याच्)      |                |
| A throne.                   |  |                       | <sup>n j</sup>                            | <sup>n</sup>   |
|                             |  |                       | चामरं (तु) प्रकीर्णकम्                    |                |
| One made of gold.           | <sup>n</sup>                             | <sup>n</sup>          | वृपासनं (यत्तद्, भद्रासनं                 |                |
|                             |  |                       | <sup>n</sup>                              | <sup>n</sup>   |
|                             | सिंहासनं (तु तत्)                        |                       |   |                |

1 उ—.

2 उ—.

3 उ—.

4 अ—.

<sup>a</sup> As a nuptial present (यौतकं), or alms to a student on his initiation, &c. <sup>b</sup> Likewise सुदायः. <sup>c</sup> The time when an act occurs. <sup>d</sup> Some say indec. <sup>e</sup> Also masc. आयतः. <sup>f</sup> As that of conflagration, inundation, &c. <sup>g</sup> As desolation and plunder of armies. <sup>h</sup> From one's own party : compared to a lurking serpent. <sup>i</sup> The tail of the Bos grunniens : used as a fan. <sup>j</sup> Likewise चमरं and fem. चामरा—री.

32. (हैमं)

<sup>na</sup> क्वं (त्वा) <sup>ln</sup> तपत्

A parasol.

<sup>2n</sup> (राजस्त) वृषलक्ष्म (तत्)

A royal one. b

<sup>m</sup> भद्रकुम्भः <sup>m</sup> पूर्णकुम्भो

An auspicious jar. c

<sup>m</sup> भङ्गारः <sup>f</sup> कनकालुका

A golden vase.

SECTION. II.

<sup>m</sup> 1. निवेशः <sup>n</sup> शिविरं (शंढे)

A camp. d

<sup>n</sup> सज्जनं (तु) <sup>3n</sup> परक्षणम्

A sentry or guard.

<sup>n</sup> (हस्त्यस्त्रयपादात्) सेनाङ्गं (स्यात्तुष्टयम्)

Component part of an army. e

1 चा—.

2—न्.

3—न्.

<sup>a</sup> Or क्वं. <sup>b</sup> With a golden staff. <sup>c</sup> A golden one, filled with water from a holy place, and used in consecrating a king. <sup>d</sup> Some say the royal residence. <sup>e</sup> Four such parts are distinguished : horse, foot, elephants and cars : besides boats, buffaloes, &c.

- An elephant. 2. दंती दंताग्रलो हस्ती हिरदेऽनेकपो द्विपः  
 मतङ्गजो गजेऽनागः कुञ्चरो वारणः करी
- The leader of a wild herd. 3. इभः सखेरभः पद्मी  
 युथनाथ (स्तु) यथपः  
 मद्दोक्तो मद्कलः  
 कलभः करिशावकः
- A rutting elephant. c 4. प्रभिन्नो गर्जितो मत्तः  
 (समाव्) उद्धात निर्मर्दौ
- A young elephant. d हासिकं गजता (दृन्दे)  
 करिणी धेनुका वषा
- A furious elephant. f 5. गरुडः कटो  
 मदेऽदानं  
 वमथुः करशीकरः
- An elephant out of rut. g कुम्भौ (त पिण्डौ शिरसः)
- A herd of elephants. The temples. The temporal juice. j Water emitted from the elephant's trunk. His frontal globes. k

1-न्. 2-न्. 3-न्. 4-न्.

\* Also नगजः. <sup>b</sup> And पद्म. <sup>c</sup> From whose temples juice is beginning to flow. <sup>d</sup> Till twenty years : some restrict the term to a c under five years. <sup>e</sup> Fem. कलभी. <sup>f</sup> From whose temples juice flowing. <sup>g</sup> The juice having ceased to exude. <sup>h</sup> So हस्तिनी, पद्मि &c. Also करेषुः वासिता, &c. <sup>i</sup> Likewise करटः. <sup>j</sup> Which exude when the elephant is in rut. <sup>k</sup> Lumps on his head ; which swell the rutting season. <sup>l</sup> Sing. कुम्भः,

- (तयोर्मध्ये) विद्दुः (पुमान्)<sup>m n</sup> The hollow between them.
6. अग्रहो ललाटं (स्याद्)<sup>m h n</sup> His forehead.
- ईषिका (त्वक्षिण्टकम्)<sup>f c</sup> His eyeball.
- (अपांगदेशो) निर्ध्याणं<sup>n</sup> Corner of his eye.
- (कर्णमूलं तु) चूलिका<sup>f</sup> Root of his ear.
7. (अधः कुंभस्य) बाह्वित्यं<sup>n</sup> Part below the frontal globes. d
- प्रतिमान (मधो ऽस्य यत्)<sup>n</sup> Under that ; between the tusks.
- आसनं स्तन्वदेशः (स्यात्)<sup>n m</sup> His withers. c
- पद्मकं विंदुजालकम्<sup>n r n</sup> Marks on his face and trunk. f
8. पक्षभागः पार्श्वभागे<sup>m</sup> His side or flank.
- दन्तभाग (स्तु योऽयतः)<sup>m</sup> His front.
- (हौ पूर्वपश्चाज्जंघादिदेशौ) गाला ऽवरे (क्रमात्)<sup>1 n 2 n</sup> His shoulder and thigh. h
9. तालं वैष्णुकम्<sup>n n j</sup> Pike to drive him. i
- आलानं बंधसंभे<sup>n m</sup> Post to which he is secured. k
- (ऽथ) शृंगले<sup>m f n l</sup> Chain for his feet.

1—अ.

१—र.

\* Some add विद्दुः. <sup>b</sup> Also अग्रहो. <sup>c</sup> And ईषिका or ईषिका. Also रघोका, &c. <sup>d</sup> Or rather below the protuberances, beneath the forehead, which are named वातकुंभः. <sup>e</sup> Where his rider sits. <sup>f</sup> Red, white or yellow. <sup>g</sup> Or पद्मः. <sup>h</sup> The first part of his fore-leg and of his hind-leg, respectively. <sup>i</sup> A bamboo headed with iron. <sup>j</sup> Some read त्रैष्णुक. <sup>k</sup> Or the post and tie. <sup>l</sup> Fem. शृंगला.

- <sup>m a</sup> <sup>m n</sup>  
अंडुको निगडे! (ऽस्त्री स्याद्)
- Hook to  
guide him. <sup>m n</sup> <sup>f b</sup>  
अंकुशो (ऽस्त्री) श्दणः (स्त्रियाम्)
- Leathern  
girt. 10. <sup>f c</sup> <sup>f d</sup> <sup>f</sup>  
चूषाकक्ष्या वरत्रा (स्यात्)
- Dressing an  
elephant. e <sup>f</sup> <sup>f</sup>  
कल्पना मञ्जना (समे)
- His trap-  
pings. f <sup>f g</sup> <sup>l n</sup> <sup>m</sup> <sup>m h</sup> <sup>m f i</sup>  
प्रवेण्यास्तरणं वर्णः परिस्तोमः कुथो (द्वयोः)
- Unfit for  
riding. j 11. <sup>n</sup>  
वीतं (त्वसारं हस्तप्रथं)
- An ele-  
phant-  
stable. <sup>f</sup> <sup>f</sup>  
वारी (तु) गजबंधनी
- A horse. <sup>m k</sup> <sup>m l</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
घोटके पीति तुरग तुरंग! ऽख तुरंगमाः
12. <sup>2 m</sup> <sup>m</sup> <sup>3 m</sup> <sup>m</sup> <sup>m m</sup> <sup>m</sup> <sup>4 m</sup>  
वाजि बाह्य ऽर्व गंधर्व हय सैन्धव सप्तयः
- Horses of a  
good breed. <sup>m n</sup> <sup>m</sup>  
आजानेयाः कुलीनाः (स्युर्)
- trained  
for the  
manège. <sup>m o</sup> <sup>5 n</sup>  
विनीताः साधुवाहिनः

१—आ—.

२—न्.

३—न्.

४—प्रि.

५—न्.

<sup>a</sup> Also अंडुकः. <sup>b</sup> Or श्दणः. It is also masculine, say some: but others hold such instances of it to be erroneous. <sup>c</sup> Likewise कृषा and दृष्या or दूष्या. <sup>d</sup> Also कक्षा. <sup>e</sup> Ornamenting him with minium, &c. or caparisoning him for his owner's riding. <sup>f</sup> Coloured woollen cloth; thrown over his back. <sup>g</sup> प्रवेण्यः or प्रवेण्यी. <sup>h</sup> Some write परिस्तोमः. <sup>i</sup> Fem. कृथा. Also neut. कृथं. <sup>j</sup> An elephant or horse unfit for war, &c. <sup>k</sup> And घोटः. <sup>l</sup> Or पीती (—न्). Also वीतिः. <sup>m</sup> Fem. हथी. <sup>n</sup> Sing. आजानेयः. Also आजानेयः. <sup>o</sup> Sing. विनीतः

13. <sup>m b</sup> वानायुजाः <sup>m c</sup> पारथीकाः <sup>m</sup> काबिजा <sup>m d</sup> वाह्लिका(हयाः)  
<sup>1 m</sup> ययुर् (अश्वे) <sup>m</sup> ऽश्वमेधीये  
 Horses of certain local breeds. <sup>a</sup>  
 A horse fit for sacrifice. <sup>c</sup>  
<sup>m f</sup> जवन (स्तु) <sup>m</sup> जवाधिकः  
 A fleet horse ; a courser.
14. <sup>m</sup> दृष्टः <sup>2 m g</sup> स्थौरी  
<sup>m</sup> (सितः) कर्का  
 A pack horse.  
 A white horse.  
<sup>m</sup> रथ्ये! (वाढा रथस्य यः)  
 A chariot-horse.  
<sup>m</sup> बालः <sup>m</sup> किशोरो!  
<sup>3 f</sup> वास्यश्वा <sup>4 f</sup> बडवा <sup>f</sup>  
 A colt.  
 A mare.  
<sup>n</sup> वाडवं (मथे)  
 A stud.
15. <sup>5 m f n h</sup> (त्रिष्या) श्वीनं (यदश्वेन दिनेनैकेन गम्यते)  
<sup>n</sup> कश्चं (तु मध्यमःखानां)  
<sup>f</sup> हेषा <sup>f i</sup> ऋषा (च निस्वनः)  
 A day's journey for a horse.  
 A horse's flank.  
 Neighing.
16. <sup>m</sup> निगाल (स्तु) <sup>m</sup> गलोद्देशे!  
<sup>n</sup> (हन्दे त्व) <sup>6 n</sup> ऽश्वीयमाश्व (वत्)  
 The throat.  
 A multitude of horses.

<sup>1</sup> ययु. 2—न्. 3—वी. 4—व. 5—वा—. 6—वा—.

<sup>a</sup> Of the several countries indicated : but some make the two first terms synonymous ; as also the two last. <sup>b</sup> So वानायुजः a horse from Vanáyu ; and वानायुजः one from Vánáyu. <sup>c</sup> Sing. पारथीकः or पारसीकः a Persian horse. <sup>d</sup> वाह्लिकः or वाह्लीकः. <sup>e</sup> Fit to be immolated at an *Asvamedha*. <sup>f</sup> Some add यवनः also वज्रवी (—न्). <sup>g</sup> Like-wise स्थौरी (—न्), and स्थौरी (—न्). Some explain this strongly. <sup>h</sup> वाश्वीनः.—ना.—नं. <sup>i</sup> Also ह्येषा.



A horse's paces. a

His paces generally. b

His nose. c

The bit of the bridle.

A horse's hoof.

His tail.

A horse rolling himself.

A war chariot.

Any other car. i

A covered car. k

A cart.

A carriage drawn by oxen.

A litter.

षास्कांदिकं<sup>n</sup> धौरितकं<sup>n</sup> रेचितं<sup>n</sup> बलितं<sup>n</sup> सुतम्<sup>n</sup>

17. (गतयो ऽन्वः पंच) धारा<sup>f</sup>

घोणा<sup>f</sup> (त) प्रोथ<sup>m n</sup> (मस्त्रियाम्)

कविका<sup>f d</sup> (त) खलीने<sup>m n e</sup> (ऽस्त्री)

शफं<sup>n</sup> (क्लीवे) खुरः<sup>m f</sup> (पुमान्)

18. पुच्छो<sup>m n</sup> (ऽस्त्री) लम<sup>n</sup> लांगूले<sup>n g</sup> बालहस्तं<sup>m</sup> (श्च) बालधिः<sup>m h</sup>

(त्रिषू) पाटत<sup>l m f n</sup> कुठितौ<sup>m f n</sup> ( पराटते सुहृभुः वि)

19. (याने चक्रिणि युद्धार्थे) शतांगः<sup>m j</sup> स्यंदने<sup>m</sup> रथः<sup>m</sup>

(चसौ) पुष्परथ<sup>m</sup> (श्चक्रयानं न समराय यत्)

20. कर्षी<sup>2 n</sup> रथः<sup>m n</sup> प्रवहणं<sup>m n</sup> हयनं<sup>m n</sup> (च सम त्वयम्)

(क्लीवे) ऽनः<sup>2 n</sup> शकटो<sup>m n</sup> (ऽस्त्री स्याद्)

गंती<sup>f n</sup> (कंबलिवाच्चकम्)

21. शिविका<sup>f</sup> वाययानं<sup>n</sup> (स्याद्)

1—स.

2—स.

<sup>a</sup> Viz. walk, trot, moving in the longe, (some say sidling,) gallop, and vaulting; in order, as enumerated. <sup>b</sup> Sing. धारा a pace. <sup>c</sup> Or the extremity of his snout: or one term signifies the nostril; and the other the snout. <sup>d</sup> And कविः or कवी. <sup>e</sup> Likewise खलिनः. <sup>f</sup> And खुरः. <sup>g</sup> Or लांगूलः. <sup>h</sup> Some restrict the two last terms to signify a hairy or bushy tail. <sup>i</sup> For travelling, &c. <sup>j</sup> Also पुष्परथः. <sup>k</sup> For the conveyance of women; but some interpret this a small covered car for diversion; or else a litter to be borne on men's shoulders. <sup>l</sup> And प्रवहणं. <sup>m</sup> Or हयनं. <sup>n</sup> Likewise गान्धी.

|     |  |   |
|-----|--|---|
|     | <sup>f</sup> <sup>f</sup>                        |   |
|     | दोला प्रेक्षा (दिकाः स्त्रियाम्)                 | A ham-<br>mock or<br>swing. a           |
|     | <sup>mfn</sup> <sup>mfn</sup>                    |   |
|     | (उभौ तु) हैप बैयाग्नौ (हीपिचर्माहते रथे)         | A car co-<br>vered with<br>tigerskin. c |
|     | <sup>1 m f n</sup>                               |   |
| 22. | (पांडुकम्बलसंवीतः स्यंदनः) पांडुकम्बली           | —with<br>white wool-<br>en cloth.       |
|     | <sup>mfn</sup> <sup>mfn</sup> <sup>d</sup>       |   |
|     | (रथे) काम्बल वास्त्रा (द्याः कम्बलादिभिराहते)    | —with<br>blanket or<br>cloth, &c.       |
| 23. | (त्रिषु हैपादयोः)                                |   |
|     | <sup>f</sup> <sup>f</sup>                        |   |
|     | रथ्या रथकक्षा (रथव्रजे)                          | A multi-<br>tude of<br>cats.            |
|     | <sup>2fg</sup> <sup>n</sup>                      |   |
|     | धः (स्त्री क्लीबे) वानमुखं                       | Fore-part<br>of a carri-<br>age. f      |
|     | <sup>n</sup> <sup>3 m</sup>                      |   |
|     | (स्याद्) रथांगमपस्करः                            | Any part<br>of a carri-<br>age.         |
| 24. | <sup>n</sup> <sup>n</sup>                        |   |
|     | चक्रं रथांगं                                     | A wheel.                                |
|     | <sup>fh</sup> <sup>m</sup>                       |   |
|     | (तस्यांते) नेमिः (स्त्री स्यात्) प्रधिः (पुमान्) | Its peri-<br>phery.                     |
|     | <sup>fj</sup> <sup>fk</sup>                      |   |
|     | पिण्डिका नाभिर्                                  | Its nave. i                             |
|     | <sup>m</sup> <sup>mfn</sup>                      |   |
|     | अक्षायकीलके (तु द्वयोर्) अण्डिः                  | The pin of<br>the axle. l               |

1—नू. 2धर. 3नू—.

<sup>a</sup> Whether for travelling or for diversion. <sup>b</sup> Besides other terms, as खट्वा, &c. <sup>c</sup> The following terms are employed adjectively. Ex. हैपै रथः. <sup>d</sup> वास्त्रः, covered with cloth. चामः, covered with leather. चोमः, with linen. दौकूलः, with silk. <sup>e</sup> The foregoing are used adjectively. <sup>f</sup> Its pole; or the part where the yoke is fixed. <sup>g</sup> Also धुरा. <sup>h</sup> And नेमो. <sup>i</sup> Or else the centre piece of the car itself. <sup>j</sup> Also पिण्डो or पिण्डिः. <sup>k</sup> नाभिः and नाभो. <sup>l</sup> Or a pin at the extremity of the pole. <sup>m</sup> Likewise अण्डिः and fem. अण्डी.

|                                     |   |
|-------------------------------------|---|
| The fender<br>of a carri-<br>age. a | 25. रथगुन्निर्वरुथो (ना)  |
| The pole. b                         | कूवर (स्तु) युगं धरः  |
| Bottom of a<br>carriage.            | अनुकर्षो (दाव धः स्थं)  |
| A separate<br>yoke. d               | प्रासंगो (ना युगाद्युगः)  |
| Any vehicle.<br>e                   | 26. (सर्वं स्याद्) वाहनं यानं युग्यं पत्रं (च) धारणम्                 |
| A mediate<br>one. h                 | (परम्परावाहनं यत्तद्) वैनीतकम् (ऽस्त्रियाम्)                          |
| Elephant<br>drivers. i              | 27. आधोरणा हस्त्रिकका हस्तप्रारोहा निषादिनः                           |
| A charioteer.                       | नियंता प्राजिता यंताः सूतः क्षत्ता(च) सारथिः                          |
| Warriors in<br>ehariots.            | 28. सव्येष्ट दक्षिणस्थौ (च संज्ञा रथकुटुम्बिनः)<br>रथिनः स्थंदनारोहाः |
| Horsemen. l                         | अश्वारोहा (स्तु) सादिनः   |

1—व. 2—नु. 3—ह. 4—ह. 5—ह. 6—नु.

<sup>a</sup> A piece of wood encompassing it, to secure it from collision.  
<sup>b</sup> Or wood to which the yoke is fixed. <sup>c</sup> Also अनुकर्षो (नु). <sup>d</sup> For training young cattle and for similar purposes. <sup>e</sup> Horse, elephant, chariot, &c. <sup>f</sup> Also वाहनं. <sup>g</sup> And यत्तद्. <sup>h</sup> As a porter carrying <sup>i</sup> litter, or a horse dragging a carriage. <sup>i</sup> Some restrict the two first terms to the keeper, and the two last to the warrior riding an elephant.  
<sup>j</sup> सव्येष्टा (ष्ट) सव्येष्टः (ष्ट). <sup>k</sup> Some erroneously make the two last terms signify the carriage horses yoked right and left. <sup>l</sup> Sing. अश्वारोहः, सादी (न).

29. भटा योधा (श्च) योद्धारः <sup>m m 1 m</sup> Warriors generally.
- सेनारक्षा (स्तु) सैनिकाः <sup>m m</sup> Guards or sentinels.
- (सेनायां समवेता ये) सैन्या (स्तु) सैनिका (श्च ते) <sup>m m</sup> Arrayed troops.
30. (बलिनो ये सहस्रेण) साहस्रा (स्तु) सहस्रिणः <sup>m 2 m</sup> A thousand strong.
- परिधिस्थः परिचरः <sup>m</sup> A guard or attendant. a
- सेनानीर्वाहिनीपतिः <sup>m 3 m</sup> A general.
31. कंचुके वारवाणो (ऽस्त्री) <sup>m m n b</sup> Armour ; hawberk.
- (यत्तु मध्ये सकंचुकाः) <sup>4 n n</sup> The girdle over the coat of mail.
- (वभ्रंति तत्) सारसना ऽधिकांगे <sup>m</sup> A helmet.
- (ऽथ) शीर्षकम् <sup>m</sup>
32. शीर्षण्य (श्च) शिरस्त्रे <sup>n n</sup>
- (ऽथ) तगुलं वर्म दंशनम् <sup>n 5 n n c</sup> Mail.
- उरस्त्रदः कंकटको जागरः कवचो (ऽस्त्रियाम्) <sup>m m m d m n</sup>
33. चासुक्तः प्रतिमुक्त (श्च) पिनद्ध (श्चा) ऽपिनद्ध (वत्) <sup>m f n m f n m f n m f n m f n e</sup> Clothed, or accoutred.
- सन्त्रजो वर्मितः सज्जो दंशितो व्यूढकंकटः <sup>m</sup> Armed or mailed.
34. (त्रिष्यामुक्तादयो) <sup>n</sup> Multitude of soldiers mailed.
- (वर्मभृतां) कावचिकं (गणो) <sup>n</sup>

1—शोच— 2—न्. 3वा— 4—न्. 5—न्.

a Bodyguard. b Also वाणवारः. c Or दंशनं. d And जागरः. e Or, according to a different reading, जठकंकटः.

A foot-soldier. <sup>m m m m a 1 m</sup> पदाति पत्तिपदग पादातिक पदातयः

35. पन्न (श्च) पदिक (श्च।)

Infantry.

(ऽथ) पादातं पत्तिसंहतिः<sup>f</sup>

A soldier by profession, d

<sup>m m c m m</sup> शस्त्राजीवे काण्डस्पृष्टा ऽयधीया ऽयधिकः (समाः)

Skilled in archery.

36. कृतहस्तः सुप्रयोगविशिखः कृतपुख (वत्)

Unskilled : missing the butt.

<sup>2 m 3 m m m d m e m</sup> अपराङ्घ्रपत्को! (ऽसौ लक्ष्याद्यश्रुतसायकः)

An archer or bowman

37. धन्वी धनुष्मान् धनुष्को! निषङ्गस्त्री धनुर्धरः

One fighting only with arrows.

<sup>4 m m</sup> (स्यात्) काण्डवां (स्तु.) काण्डीरः

A warrior armed with an iron-lance.

<sup>m m</sup> 38. यष्टीक पारश्वधिकौ (यष्टिपरशुहेतिकौ)

— with a club, or a battle-axe. f

<sup>m m</sup> नैस्त्रिधिके! ऽसिहेतिः (स्यात्)

— with a sword.

(समौ) प्रासिक कौतिकौ<sup>m m</sup>

— with a spear.

39. चर्मी<sup>5 m</sup> फलकपाणिः<sup>m</sup> (स्यात्)

— bearing a shield.

<sup>6 m m</sup> पताकी वैजयन्तिकः

A standard bearer.

<sup>m m m m</sup> अनुसवः सहाय (श्च।) ऽनुचरो! ऽभिसरः (समाः)

A companion or follower.

A leader.

40. पुरोगा! ऽग्रेसरप्रष्ठा ऽग्रतःसर पुरःसराः

1—ञि. 2—न्. 3—न्. 4—पत्. 5—न्. 6—न्.

<sup>a</sup> Also पादातः, पादातिकः and पादाधिकः. <sup>b</sup> These and following V. 45 inclusive, may be used adjectively. <sup>c</sup> Or काण्डस्पृष्टः. <sup>d</sup> निषङ्गः (—न्). <sup>e</sup> अस्त्री (—न्). <sup>f</sup> Respectively. <sup>g</sup> Or अनुसरः.

- <sup>m</sup> <sup>1 m</sup>  
पुरोगमः पुरोगामी
- <sup>2 m</sup> <sup>m</sup>  
मन्दगामी (तु) मन्थरः Marching slow.
- <sup>m a</sup> <sup>m b</sup>  
41. जंघालोऽतिजवः Marching fast.
- <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
(तुल्यौ) जंघाकरिक जांघिकौ A runner express.
- <sup>3 m</sup> <sup>m</sup> <sup>4 m</sup> <sup>5 m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
तरस्वी त्वरितो वेगी प्रजवी जवने जवः
- <sup>m</sup>  
42. जय्यो (यः शक्यते जेतुं) Able to conquer.  
जेयो (जेतव्यमात्रके) Fit for conquest.
- <sup>m</sup> <sup>6 m</sup>  
जैत्र (स्तु) जेता A conqueror, c
- <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
(यो गच्छत्यलं विद्विषतः प्रति)
- <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
43. (सो)ऽभ्यमित्तरोऽभ्यमित्तीये (ऽप्य)ऽभ्यमित्तीण (इत्यपि) One who ably faces the foe.
- <sup>m</sup> <sup>7 m</sup>  
जर्जस्वलः (स्याद्) जर्जस्वी (य जर्ज्जातिशयान्वितः) Strong ; powerful.
- <sup>8 m</sup> <sup>9 m</sup>
- <sup>m</sup> <sup>m f</sup> <sup>10 m</sup>  
44. (स्याद्) उरस्वानुरसिलो रथिको रथिरो रथी Broad-chested. d  
The owner of a car, c
- <sup>m h</sup> <sup>11 m</sup>  
कामगास्यतुकामीने (स्य.) One who goes as he lists, g  
One who moves much.
- <sup>m</sup>  
ऽत्यंतीन (स्यथा भ्रमम्)

|       |       |       |       |        |
|-------|-------|-------|-------|--------|
| 1-न्. | 2-न्. | 3-न्. | 4-न्. | 5-न्.  |
| 6-न्. | 7-न्. | 8-न्. | 9-न्. | 10-न्. |
|       |       |       |       | 11-न्. |

<sup>a</sup> Or जंघिकः. <sup>b</sup> And क्षतिबलः. <sup>c</sup> Or according to another interpretation, one who effectually faces the foe. <sup>d</sup> Some interpret this strong. <sup>e</sup> Or a person riding in a car. <sup>f</sup> Some read रथिनः ; but others condemn this variation. <sup>g</sup> Some interpret the second term, acting as he lists. <sup>h</sup> कामगामी (—न्). Also कामगामी (—न्).

- A hero. 45. शूरो वीर (श्) विक्रान्तो<sup>m</sup>  
 Victorious ;  
 used to  
 conquer.  
 Skilled in  
 war. जेता जिष्णु (श्) जित्वरः<sup>m</sup>  
 सांघुगीनो (रण्ये साधुः)<sup>m</sup>  
 (शस्त्राजीवाद्यस्त्रिषु)<sup>b</sup>
- An army ;  
 or forces. 46. ध्वजिनी वाहिनी सेना पतना ऽनीकिनी चमः<sup>f</sup>  
 वरूथिनी बलं सैन्यं चक्रं (घा) ऽनीक (मस्त्रियाम)<sup>f c f f d f f</sup>  
 Array of  
 troops.  
 Different  
 forms of  
 array. g 47. व्यूह (स्तु.) बलविन्यासे<sup>m</sup>  
 (भेदा दण्डादयो युधि)  
 The rear. प्रत्यासारो व्यूहपार्थिः<sup>m h m</sup>
- Reserve. i (सैन्यष्टे) प्रतिग्रहः<sup>m j</sup>
- A platoon.  
 Greater  
 bodies. l 48. (एकेभैकरथा त्रयखा) पत्तिः (पंचपदातिका)<sup>f</sup>  
 (पत्तंग्रैस्त्रिगुणैः सर्वैः क्रमादाख्या यथोत्तरम्)

## 1-ह.

<sup>a</sup> Or वीरः. <sup>b</sup> The preceding from v. 35 admit the three genders.  
<sup>c</sup> Some write वाहिनी and add वाहना. <sup>d</sup> Also पतना ° Or बलम्.  
<sup>e</sup> Some distinguish the four last terms from the preceding seven, as  
 signifying a part or member of an army : others as signifying either  
 that, or an army in general. <sup>g</sup> Namely दंडः in line, भोगः in column,  
 मण्डलः in a circle, असंहतः in separate order (including a half moon, &c.).  
 These admit various subordinate distinctions noticed in treatises on the  
 art of war. <sup>h</sup> Or प्रत्यासरः. <sup>i</sup> A separate corps posted with the general,  
 four hundred yards in the rear of the line. <sup>j</sup> And परिग्रहः or पत्तंग्रहः.  
<sup>k</sup> Comprising one elephant, one chariot, three horse, and five foot.  
<sup>l</sup> Increasing in geometrical progression. Three *pattis* are a *Śénámucha*  
 and three of these are a *Gulma*.

19. <sup>n m n m f f f</sup> सेनामुखं गुल्म गणौ वाहिनी पतना चम्बः  
<sup>f a</sup> अनीकिनी  
<sup>1 f</sup> (दशानीकिन्य) ऽक्षौहिण्य <sup>f d</sup> A complete army. <sup>b</sup>  
<sup>f d</sup> (ऽथ) सम्पदि <sup>c</sup> Success or prosperity.
50. <sup>f f f</sup> सम्पत्तिः त्री (च) लक्ष्मी (च)  
<sup>f c 2 f 3 f i</sup> विपत्तयां विपदापदौ <sup>c</sup> Adversity.  
<sup>n n n 4 n g</sup> आयुधं (तु) प्रहरणं शस्त्रमस्त्रम् <sup>c</sup> A weapon.  
<sup>c</sup> (अथा ऽस्त्रियौ) <sup>c</sup> A bow.
51. <sup>m n h 5 m n 6 n i n n n</sup> धनुश्चापौ धन्व शरासन कोदण्ड कार्मुकम्  
<sup>m</sup> दृष्यासौ (ऽथ)  
<sup>n</sup> (ऽथ कर्णस्य) कालघटं (शरासनम्) <sup>c</sup> The bow of KARNA.  
<sup>m n m n</sup> 52. (कपिध्वजस्य) गाण्डीव गाण्डिवौ (पुत्रपुंसकौ) <sup>c</sup> That of ARJUNA.

1—णी. 2—दृ. 3 आपद. 4 अ— 5 चरप. 6—न्.

<sup>a</sup> Consisting of (3. 7 ) 2, 187 elephants, as many cars, thrice as many horse, and five times as many foot ;making in all 21, 870. <sup>b</sup> Ten times the last, of 109, 350 foot, 65, 610 horse, 21, 870 chariots, and 21, 870 elephants. <sup>c</sup> Increase of wealth, &c. <sup>d</sup> संपत् (—दृ) and संपदा. <sup>e</sup> विपत्तिः. <sup>f</sup> Also विपदा and आपदा. <sup>g</sup> Some restrict the last term to a missile weapon ; and the preceding term to a weapon retained in the hand. <sup>h</sup> Masc. धनुः(—स्), or धनुः(—त्), and धनुः (—न्). Likewise fem. धनुः, &c. <sup>i</sup> धनु (—न्) or धनु (—न) ; also masc. धना(—न्).



Notched  
extremity  
of a bow.  
Leathern  
fence for  
the arm.  
Middle of  
the bow.

The bow-  
string.

Two atti-  
tudes in  
shooting. c  
A butt or  
mark.

Archery.

An arrow.

Iron arrows.

Feather of  
an arrow.

Shot, as an  
arrow.

Poisoned  
arrow.

(कोटिरस्या) ऽटनी<sup>f a</sup>

गोधा तले (ज्याघातवारणे)<sup>f f n b</sup>

53. लस्तक (स्तु) धनुर्मध्यं<sup>m n</sup>

मौवी<sup>f</sup> ज्या शिञ्जिनी गुणः<sup>f f m</sup>

(स्यात्) प्रत्यालीढमालीढ (मित्यादिस्थानपंचकम्)<sup>n 1 n n n d</sup>

54. लक्ष्यं लक्षं शरव्यं (च)<sup>n n n d</sup>

शराभ्यास् उपासनम्<sup>m n</sup>

ष्टपत्क वाण विशिखा अजिह्वग खगाशुगाः<sup>m n 2 m m 3 m</sup>

55. कलम्ब मार्गण शराः पत्नी रोप इषु (द्वयोः)<sup>m c m m f 4 m m m f</sup>

प्रच्छेडना (स्तु) नाराचाः<sup>m g m</sup>

पक्षो वाजः<sup>m m</sup>

(त्रिषूत्तरे)<sup>h</sup>

56. निरस्तः (प्रहिते वाणे)<sup>m f n</sup>

(विपात्ते) दिग्ध लिप्तौ<sup>m f n m f n</sup>

तृणो पासंग तृणीर निपङ्गा इषुधि (द्वयोः)<sup>m i m j m m m f</sup>

1—आ.

2—ख.

3 आ—.

4—नु.

<sup>a</sup> And अटनिः. <sup>b</sup> तला or तलं. <sup>c</sup> Out of five, viz. 1st. with left foot advanced, and right foot retired; 2d. With the knee advanced, but the left foot retired; 3d. समपदं with both feet even; 4th. विशाखः with feet a span apart; 5th. सडलं with both knees bent. <sup>d</sup> Likewise सरव्यं. <sup>e</sup> Also कादम्बः. <sup>f</sup> शरः or सरः. <sup>g</sup> Sing. प्रच्छेडनः नाराचः Also fem. प्रच्छेडना and प्रच्छेदना. <sup>h</sup> The following admit the three genders. <sup>i</sup> तृणः Also fem. तृणा. <sup>j</sup> उपासंगः. Likewise अपासंगः.

57. <sup>1 f</sup> दृष्यां  
<sup>m</sup> खङ्गे (तु) <sup>m</sup> निस्त्रिंश <sup>m</sup> चन्द्रहासा ऽसिरिष्टयः <sup>m m n</sup> A scimitar.
- <sup>m</sup> कौशेयको <sup>m</sup> मण्डलाग्रः <sup>m b</sup> करपालः <sup>m</sup> छपाण (वत्)
58. <sup>m c</sup> स्वरः (खङ्गादिमुद्यौ स्यान्) <sup>f</sup> मेखला (तन्निबन्धनम्) <sup>m</sup> A hilt or handle.  
A sword knot. d
- <sup>m n</sup> फलको (ऽस्त्री) <sup>n c</sup> फलं <sup>2 n f</sup> चर्म <sup>m</sup> संग्राहो (मुष्टिरस्य यः) <sup>m</sup> A shield.  
The gripe of a shield.
59. <sup>m h</sup> द्रुषणे <sup>m</sup> मुद्गर <sup>m</sup> घनौ <sup>f i</sup> (स्याद्) <sup>f k</sup> ईली <sup>m</sup> करपालिका <sup>m</sup> A mallet. g  
A cudgel. i
- <sup>m</sup> भिन्दिपालः <sup>m</sup> र्हग (स्तुल्यौ) <sup>m</sup> परिषः <sup>m</sup> परिषातनः <sup>m</sup> A short arrow. l  
A bludgeon. m
60. <sup>m f n</sup> (द्वयोः) कुठारः <sup>m f</sup> स्वधितिः <sup>m f o</sup> परशु (श्च) <sup>m p</sup> परश्वधः <sup>m</sup> An axe.

१-दृष्यां.

२-न्.

<sup>a</sup> रिष्टिः or ष्टिः. <sup>b</sup> Also करपालः. <sup>c</sup> Some add स्वरः. <sup>d</sup> A thong or chain passing from the hilt over the wrist, to secure the sword : some say the guard of the hilt. <sup>e</sup> Or परं. <sup>f</sup> Also चचे(—सं). <sup>g</sup> A weapon formed like a carpenter's hammer. <sup>h</sup> And द्रुषणः. <sup>i</sup> Some explain it a short sword ; others, a stick shaped like a sword. <sup>j</sup> Likewise ईली and ईलिः. <sup>k</sup> Also करपालिका. <sup>l</sup> Thrown by the hand ; or, as others explain it, shot through a tube. <sup>m</sup> Or a staff mounted with iron ; shaped like a pestle. <sup>n</sup> Fem. कुठारी. <sup>o</sup> Also पर्यः. <sup>p</sup> Likewise परश्वधः and पर्यधः.

- A knife. (स्थाच्) <sup>1 f</sup> कृष्णी (चा) <sup>f</sup> ऽसिपुत्री (च) <sup>f</sup> कुरिका (चा) <sup>f</sup>  
 ऽसिधेनुका
- . javelin. 61. (वा पुंसि) <sup>m n</sup> शल्यं <sup>m</sup> शंकु (नी)
- An iron  
crow. सर्वला तोमरोः (ऽस्त्रियाम्) <sup>f a m n</sup>
- A bearded  
dart. प्रास (स्तु) <sup>m b m</sup> कुंतः <sup>m</sup>
- Sharp edge  
of a sword. कौण (स्तु स्त्रियः) <sup>f d f e f i</sup> पाल्यञ्चि कोटयः
- Assembling  
of a com-  
plete army. 62. सर्वाभिसारः <sup>m m</sup> सर्वौघः <sup>m</sup> सर्वसन्वहना (र्थकः) <sup>2 m</sup>
- Illustration  
of arms. g लोहाभिसारो (ऽस्त्रभृतां राज्ञां नीराजनाविधिः) <sup>m h</sup>
- March to  
repel an  
enemy. 63. (यत् सेनयाभिगमनमरौ तद्) <sup>f f n n n n m</sup> अभिषेणानम्
- March of on  
assailant. i यात्रा व्रज्या ऽभिनिर्व्याणं <sup>m n j</sup> प्रस्थानं गमनं गमः
- Surround-  
ing a foe. 64. (स्याद्) <sup>m n j</sup> चासारः <sup>n</sup> प्रसरणां <sup>3 n</sup>
- An army in  
motion. k प्रचक्रं <sup>n</sup> चलिता (यक्रम्) <sup>3 n</sup>
- A gallant  
attack. (अहितान् प्रत्यभीतस्य रणे यानम्) <sup>1</sup> अतिक्रमः

1—शष्ठी.

2—नू.

3—च.

<sup>a</sup> Or शर्वला. <sup>b</sup> And प्रासः. <sup>c</sup> Some say its point. <sup>d</sup> पालिः, or पाली.  
<sup>e</sup> अञ्चिः, or अञ्ची. <sup>f</sup> कोटिः or कोटी. <sup>g</sup> A religious ceremony on the  
 19th of *A's'wina*, preparatory to the opening of a campaign. <sup>h</sup> Some  
 write लोहाभिसारः. <sup>i</sup> Or march generally. <sup>j</sup> Also fem. प्रसरणी, प्रसरणिः,  
 and प्रसारणी. <sup>k</sup> Some explain it, foraging. <sup>1</sup> Or अतिक्रमः, for both  
 readings occur.

65. <sup>m</sup>वैतालिका <sup>1 m</sup>बोधकराश्च Awakeners. a  
<sup>m</sup>चक्रिका <sup>m c</sup>घाण्टिका (र्थकाः) Bards in throngs. b  
<sup>m</sup>(स्युर्) <sup>m o</sup>मागधा (स्तु.) <sup>m g</sup>मगधा Bards by birth. d  
<sup>m</sup>वन्दिनः <sup>m</sup>स्तुतिपाठकाः Panegy- rists. f  
66. <sup>m</sup>संयत्तका (स्तु. <sup>m f</sup>समयात्सं<sup>f i</sup>ग्रामाद्<sup>m j</sup>निवर्त्तिनः) Chosen soldiers. h  
<sup>m f</sup>रेणु (र्हयोः <sup>f i</sup>स्त्रियां) <sup>m j</sup>धूलिः <sup>2 n k</sup>पांशु(र्ना न द्वयो) रजः Dust.  
67. <sup>m n</sup>सूर्ण <sup>m</sup>क्षौदः Powder. l  
<sup>m</sup>समुत्पिञ्ज <sup>m</sup>पिञ्जलौ (भृशमाकुले) An army in great disorder.  
<sup>f</sup>पताका <sup>f</sup>वैजयन्ती (स्यात्) <sup>n</sup>केतनं <sup>m n</sup>ध्वज(मस्त्रियाम्) A flag or banner. m  
68. (सा) <sup>n</sup>वीराशंसनं (युद्धभूमिर्यातिभयप्रदा) The post of danger.  
<sup>f</sup>(अहंपूर्वमहंपूर्वमित्य) <sup>f</sup>अहंपूर्विका (स्त्रियाम्) Emulative onset. n  
69. <sup>f</sup>आहोपुत्रिका (दर्पाद्या स्यात्संभावनात्मनि) Boasting.

1—र.

2—स.

<sup>a</sup> Whose business it is to awaken the prince at dawn with music and song. <sup>b</sup> Who chant in chorus : or, as some explain this who ring bells before idols. <sup>c</sup> Sing. घाण्टिकः also घाण्टिकः. <sup>d</sup> Who recite the praises of kings in their presence. Some make this and the following synonymous. <sup>e</sup> Sing. मागधः or मगधः. Also मधुकः <sup>f</sup> Who attend on a march and chant deeds of valour. <sup>g</sup> Sing. वंदी (—न). <sup>h</sup> Sworn not to recede ; and whose business is to recall fugitives. <sup>i</sup> Or धूलौ. Also नस. धूलिः <sup>j</sup> And पांशुः. <sup>k</sup> Likewise मस. रजः (ज). <sup>l</sup> Formed by pulverizing. Some make this and the preceding synonymous. <sup>m</sup> Some make the two last, others the four terms, signify the ensign-staff. <sup>n</sup> Act of running forward with emulation.

Conceit of  
superiority.

70. अहमहंमिका (तु सा स्यात्परस्परं यो भवंत्यहंका  
1 n n a n 2 n 3 n b

Strength or  
power.

द्रविणंतरः सहे बल शौर्याणि स्याम श्रुषु (

71. शक्तिः पराक्रम प्राणौ

Great pow-  
er. c

विक्रम (स्व) ऽतिशक्तिः

Drink of  
warriors. d

वीरपाणं (तु यत्पानं वृत्ते भाविनि वा रणे)

War, bat-  
tle, combat.

72. युद्धमायोधनं जन्मं प्रधनं प्रविदारणम्

सधमास्त्वंदं संख्यं समीकं साम्प्रायिकम्

73. (अस्त्रियां) समरा ऽनीक रणाः कलहविग्रहौ

सम्प्रहारा ऽभिसम्पात कलि संस्कोट संयुगाः

74. अभ्यामर्ह समाघात संग्रामा ऽभ्यागमाहवाः

समुदायः (स्त्रियः) संयत्समित्याजि समदुषः

Close fight ;  
struggle.

75. नियुद्धं वाङ्मयुद्धे

Mingled  
combat.

(ऽथ) तुसुलं रणसंकुले

1—स. 2—यं. 3—नृ. 4 आ— 5 आ—. 6—य.  
7 आ—. 8—तृ. 9—ति. 10 आ—. 11—तृ.

<sup>a</sup> सङ्घः (स्). Also masc. सङ्घः (ङ्). <sup>b</sup> श्रुषु (ष्) and श्रुषु (ण)  
<sup>c</sup> Or heroic valour. <sup>d</sup> Taken during battle for refreshment ; or before  
it, to elavate courage. <sup>e</sup> Some admit वीरपानं. <sup>f</sup> Also शमी  
<sup>g</sup> Or संपरायकं. <sup>h</sup> Likewise संस्कोटः. <sup>i</sup> Sing. युत् (ष्). <sup>j</sup> And तदुष  
Also तदुषरं.

- <sup>f</sup>घृडा (तु) <sup>m</sup>सिंहनादः ( स्यात् ) War-Whoop.  
<sup>f</sup>(करिणां) <sup>f</sup>घटना <sup>f</sup>घटा Troops of elephants. a  
 76. <sup>n</sup>क्रन्दनं <sup>m</sup>योधसंरावि Mutual defiance of combatants b  
<sup>n</sup>द्वंहितं <sup>n</sup>करिगर्जितम् Roaring of elephants.  
<sup>m c</sup>विष्कारो ( धनुषः स्वानः ) Twang of a bow.  
<sup>m</sup>पटहाडस्वरौ (समौ) Drum used in battle.  
 77. <sup>n</sup>प्रसभं ( तु ) <sup>m</sup>बलात्कारो <sup>m</sup>घटो Violence  
<sup>n</sup>(ऽथ) <sup>n</sup>स्खलितं <sup>n</sup>कलम् Fraud ; stratagem ; circumvention  
<sup>m n</sup>अजन्मं ( क्लीवम् ) <sup>m</sup>उत्पात <sup>n</sup>उपसर्गः (समं त्रयम्) A portent. d  
 78. <sup>f</sup>मूर्च्छा ( तु ) <sup>n c</sup>कश्मलं <sup>m</sup>मेहे (ऽथ) Fainting.  
<sup>n</sup>ऽवमर्द्दं ( स्तु. ) <sup>n</sup>पीडनम् Devastation.  
<sup>n</sup>अभयस्कन्दनं ( त्व ) <sup>n</sup>ऽभ्यासादनं Striking to disable the foe. f  
<sup>m</sup>विजयो <sup>m</sup>जयः Victory.  
 79. <sup>f</sup>वैरशुद्धिः <sup>m</sup>प्रतीकारो <sup>n</sup>वैरनिर्यातनं ( च सा ) Revenge. g.  
<sup>m</sup>प्रद्रावो <sup>2 m</sup>हाव <sup>m</sup>संद्राव <sup>3 m</sup>संदावा <sup>m</sup>विद्रवो <sup>m</sup>द्रवः Flight ; retreat h  
 80. <sup>n</sup>अपक्रमो <sup>n</sup>ऽपयानं ( च )  
<sup>m</sup>(रणे भङ्गः) <sup>m</sup>पराजयः Defeat.

1—घृडा—

2—घटना—

3—घटा—

a Assembled in battle. b Provoking each other to fight. c And  
 विष्कारः. d As an earthquake, &c. e Or कश्मलं. f Some interpret  
 this, facing the enemy. g Retaliating of an injury. h Some explain  
 the first six terms, flight ; and the other two, retreat.

Defeated ;  
vanquished.

<sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>  
पराजित पराभूतौ ( त्रिषू )

Missing ;  
lost, having  
vanished.

<sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>  
नष्टतिरोहितौ

Laughter.

81. <sup>n a</sup> <sup>n b</sup> <sup>n</sup> <sup>n c</sup>  
प्रमापणं निवर्हणं निकारणं निशारनम्

<sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup>  
प्रवासनं परासनं निषूदनं निहिंसनम्

82. <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup>  
निर्वासनं संचपनं निर्गन्धनमपासनम्

<sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup>  
निस्तर्हणं निहननं क्षणं परिवर्जनम्

83. <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>2 n</sup>  
निर्वापणं विशसनं मारणं प्रतिघातनम्

<sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>3 m</sup> <sup>n</sup>  
उद्वासन प्रमथनं क्रथनेऽज्ञासनानि ( च )

84. <sup>f c</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>n</sup>  
आलम्भ पिञ्च विशर घातेऽन्वय वधा (अपि)

Death.

(स्यात्) पञ्चता कालधर्मोद्दिष्टात् प्रलयेऽत्ययः

85. <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>  
अंतेऽनाशोऽ(दयोर्)हत्युर्मरणं निधनोऽस्त्रियाम्

Dead : hav-  
ing expired.

<sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>  
परासु प्राप्तपञ्चत्व परेत प्रेत संस्थिताः

86. <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup>  
हत प्रमीतौ ( त्रिष्वेते )

A funeral  
pile. g

चित्ता चित्या चितिः ( स्त्रियाम् )

1क—, 2उ—न, 3उ—, 4न—.

a Some add प्रमापनं. b Or निवर्हणं. c And विशारणं. d Some read निर्गन्धनं. e Likewise पञ्चत्वं. f Also neut. हत्यु. Likewise हतं and fem. हतिः. g Or a place prepared for burning a body.

|   |                          |
|---|--------------------------|
| <sup>m n</sup><br>कवंचो ( स्त्री क्रियायुक्तमपमूर्द्धकलेवरम् )              | A headless trunk.        |
| <sup>n</sup><br>४७. श्मशानं ( स्यात् ) पितृवनं                              | A cemetery.              |
| <sup>m n</sup><br>कुणपः शवम् ( अस्त्रियाम् )                                | A dead body.             |
| <sup>m</sup> <sup>1 m</sup> <sup>f d</sup><br>प्रग्रहोपग्रहौ बन्धौ          | A prisoner.              |
| <sup>f</sup><br>कारा ( स्याद् ) बन्धनालये                                   | A prison or jail.        |
| <sup>2 m</sup> <sup>m</sup><br>४८. ( पुंसि मूर्द्ध ) ऽसवः प्राणा ( श्वैवं ) | Breath. e                |
| <sup>m 1</sup><br>जीवो ऽसुधारणम्  | Late.                    |
| <sup>n g</sup> <sup>m</sup><br>आयुर्जीवितकालो ( ना )                        | Age ; duration of life.  |
| <sup>m n</sup> <sup>3 n</sup><br>जीवातुर्जीवनौषधम्                          | Drug to revive the dead. |

१ उ—इ.

२ असु.

३ जी—.

<sup>a</sup> Or the place where bodies are burnt. <sup>b</sup> Also पितृकाननं, पितृवसतिः, &c. <sup>c</sup> Or any one (man or beast) confined. <sup>d</sup> Sing. बन्धिः or बन्धी. <sup>e</sup> Inspiration and respiration of five sorts (See book 1- ch. 1.) collectively pl. असवः. But, if one be meant, sing. असुः. <sup>f</sup> Also fem. जीवा and neut. जीवनं. <sup>g</sup> आयुः (—स) OF DIREC. आयुः (—यु).



## CHAPTER IX.

|  |          |                                  |             |          |                  |                     |
|--|----------|----------------------------------|-------------|----------|------------------|---------------------|
|  | <i>m</i> | <i>m</i>                         | <i>m</i>    | <i>m</i> | <i>l m</i>       | <i>m</i>            |
| Men of the third tribe. <sup>a</sup>         | 1.       | उरव्या                           | ऊरुजा       | अर्या    | वैश्या           | भूमिस्पृशो विशः     |
|  |          | <i>m</i>                         | <i>f</i>    | <i>f</i> | <i>f</i>         | <i>2 n</i> <i>n</i> |
| Livelihood ; profession                      |          | आजीवो                            | जीविका      | वार्त्ता | वृत्तिर्वर्त्तन  | जीवने               |
|  |          | <i>m</i>                         | <i>n</i>    | <i>n</i> | <i>c</i>         |                     |
| Various professions <sup>d</sup>             | 2.       | (स्त्रियां) कृषिः                | पाशुपाल्यं  | वाणिज्यं | (चित्ति वृत्तयः) |                     |
|  |          | <i>f</i>                         | <i>3 f</i>  |          |                  |                     |
| Service.                                     |          | सेवा                             | श्रवृत्तिर् |          |                  |                     |
|  |          |                                  | <i>n</i>    | <i>f</i> |                  |                     |
| Agriculture.                                 |          |                                  | अवृतं       | कृषिर्   |                  |                     |
|  |          |                                  |             |          | <i>a f</i>       | <i>4 c</i>          |
| Gleaning.                                    |          |                                  |             |          | उच्छ्रियलं       | (त्वृ) त            |
|  |          |                                  |             |          | <i>n</i>         | <i>n</i>            |
| Alms solicited, or unsolicited. <sup>h</sup> | 3        | ( द्वे याचितायाचितयोर्थासंख्यं ) | वृत्ता      | वृत्ते   |                  |                     |
|  |          | <i>n</i>                         | <i>m</i>    |          |                  |                     |
| Traffic ; commerce                           |          | सत्यावृतं                        | वणिग्भावः   |          |                  |                     |
|  |          |                                  |             |          | <i>n</i>         | <i>n</i>            |
| Debt.  |          |                                  |             |          | ( स्याद् )       | ऋणं पर्युदंचन       |

1—ग्र.      2व—      3—त्ति      4वृत्त.

\* Of the class of merchants and husbandmen. <sup>b</sup> भूमिस्पृक् (—ग्र) <sup>c</sup> Sing. विट् (—ग्र). <sup>d</sup> Severally stated; viz. husbandry, pasture and merchandize. <sup>e</sup> And fem. वणिज्या. <sup>f</sup> Some read प्रवृत्तं. <sup>g</sup> Also उच्छ्रियलं. Likewise उच्छ्रः or उच्छ्र gathering of grains; and श्रियलं gleanings of corn. <sup>h</sup> Severally stated, in their order.

4. उद्धारो<sup>m</sup>  
 ऽर्थप्रयोग (स्तु.) कुसीदं<sup>m</sup> वृद्धिजीविका<sup>na f</sup>  
 ( याच्ञाप्राप्तं ) याचितकं<sup>n</sup>  
 (नियमाद्) आपमित्यकम्<sup>n</sup>  
 Profession of usury.  
 A thing borrowed for use. b  
 Obtained by barter.
5. उक्तमर्णा<sup>m</sup> ऽधमर्णौ<sup>m</sup> (द्वौ प्रयोक्तग्राहकौ क्रमात्)  
 कुसीदिको<sup>m</sup> बार्हुषिको<sup>m</sup> वृद्धाजीव<sup>m</sup> (श्च) बार्हुषिः<sup>m</sup>  
 A usurer.
6. क्षेत्राजीवः<sup>m</sup> कर्षक<sup>m</sup> (श्च) क्षणिक<sup>m</sup> (श्च) क्षणीवलः<sup>m</sup>  
 ( क्षेत्रं ) वैहेय शालेयं<sup>m f n</sup> ( ब्रीहिशाल्युद्धवोचितम् )  
 ( क्षेत्रं ) वैहेय शालेयं<sup>m f n</sup> ( ब्रीहिशाल्युद्धवोचितम् )  
 ( क्षेत्रं ) वैहेय शालेयं<sup>m f n</sup>  
 A husbandman.  
 (Field) fit for corn and rice. c
7. यव्यं<sup>m f n</sup> यवक्यं<sup>m f n</sup> यष्टिक्यं<sup>m f n</sup> ( यवादिमवनं हि यत् )  
 तिल्यं<sup>m f n</sup> तैलीनं<sup>m f n</sup> ( वन्नापोमाणुभङ्गाद्द्वित्त्नू मता )  
 —producing barley, &c. f  
 —producing sesamum, &c. g  
 —fit for other grain; as pulse, &c. h
8. मौन्नो<sup>m f n</sup> नं कौद्रवीणा<sup>l m f n</sup> ( दिशेषधान्योद्धवोचितम् )  
 बीजाकृतं<sup>m f n</sup> ( द्व ) मल्लटं<sup>l m f n</sup>  
 (Land) ploughed after sowing.

1८—.

<sup>a</sup> And कुषीदं or कुषीदं. <sup>b</sup> Commodatum. <sup>c</sup> Severally mentioned. These and the following to v. 10 admit the three genders. <sup>d</sup> Or कर्षकः. <sup>e</sup> Severally. <sup>f</sup> Respectively for barley, forced rice, and quick-growing rice. So वाचप्रं; माषीयं, producing black kidney beans (Phaseolus radiatus). उव्यं, मौन्नो, growing linseed. अणव्यं, चाणवीनं, bearing panic. भृत्त, भांगीनं, yielding hemp. <sup>h</sup> Severally; fit for kidney beans (Phaseolus max and mungo), or for Paspalum (P. frumentaceum). So कौलखीनं fit for Dolichos biflorus, चाणवीनं fit for chick peas, &c.

and any  
ow plough-  
lor tilled.

*m f n a m f n m f n*

सीत्यं कृष्टं (च) हल्य (वत्)

*m f n m f n m f n m f n*

hrice  
oughed.

9. त्रिगुणाकृतं तृतीयाकृतं त्रिहल्यं त्रिसीत्यं (मृपि तस्मिन्)

*m f n b*

*m f n c*

wice  
oughed.

द्विगुणाकृते (तु सर्व्वं पूर्व्वं) सञ्जाकृत (मृपीह)

*m f n l m f n*

own with  
ertain mea-  
ures of  
ed. d

10. (द्रो. षाढकादिवापादौ) द्रौणिकाढकिका (दयः)

(खारींवापस्तु) खारीक

*m f n*

(उत्तमर्णादयस्त्रिषु)

*m n m n*

field.

11. (पुत्रपुंसकयोर्) वप्रः कैदारः जेतम्

(अस्य तु)

multitude  
f fields.

कैदारकं (स्यात्) कैदार्यं जेतं कैदारिकं (गणे)

*m n m*

lods of  
arth. g

12. लोष्टानि लोष्टवः (पुंसि)

*m h m i*

arrow.

कोटिशो लोष्टभेदनः

*n j n n k*

प्राजनं तोदनं तोवं

goat.

*n 2 n*

spade or  
oe

खनित्रमवदारणम्

1 आ— 2 अ—

<sup>a</sup> Or शीत्यं. <sup>b</sup> So द्वितीयाकृतं, त्रिहल्यं, त्रिसीत्यं. <sup>c</sup> Also शंजाकृतं. <sup>d</sup> Or capable of containing so much. Thus द्रौणिकः, (fem. द्रौणिका and द्रौणिकी); holding one *Drōna*. षाढकिकः, षाढकिकीः, (fem. षाढको, षाढकोना), holding one *A'd'haca*. So प्रास्थिकः, holding one *Prosthā*, and कौडवकः, holding one *Kudava*. But खारीकः, holding one *K'hāri*. The foregoing from v. 5, admit the three genders. <sup>f</sup> Also कैदारं. <sup>g</sup> Sing. लोष्टं and लोष्टः. <sup>h</sup> Or कोटीशः. <sup>i</sup> Likewise लोष्टनः and लोष्टनः. And प्रवयणं. Or तोत्तं.

13. दात्रं लवितम्<sup>n</sup> A sickle.
- आबन्धो योत्रं योक्तम्<sup>m</sup> The tie of the yoke. a
- (अथो) फलं<sup>n c</sup> The body of the plough. b
- निरीषं कूटकं<sup>n l</sup>
- फालः कृषिको<sup>m n</sup> The plough-share. c
- लाङ्गलं हलम्<sup>n n c</sup> A plough.
14. गोदरायं (च) शीरो<sup>n m h</sup> The pin of yoke.
- (ऽथ) शय्या (स्त्री)युगकीलकः<sup>f m</sup>
- दूषा लाङ्गलदण्डः (स्यात्)<sup>f i</sup> The pole or shaft of the plough.
- शीता लाङ्गलपङ्क्ति<sup>f j</sup> A furrow.
15. (पुंसि) मेधिः (खले दारु न्यसंयत् पशुबन्धने)<sup>m</sup> Post of the threshing floor. k
- आशु ब्रीहिः पाटलः (स्यात्)<sup>m n m l m in</sup> Rice ripening in the rains.
- सितशूक यवौ (समौ)<sup>m n m</sup> Barley.
16. तोकम् (सु. तत्र हरिते)<sup>m</sup> Green or unripe barley.

<sup>a</sup> With which the ox is yoked to the plough ; or with which the yoke is fastened to the plough. <sup>b</sup> The wood, exclusive of the pole and share. <sup>c</sup> Some read हलं, and make it explanatory. <sup>d</sup> Or निरीषं. <sup>e</sup> Some make the preceding terms synonymous with these. Or कृषकः. Also fem. कृषिका. <sup>f</sup> And masc. हलः. <sup>h</sup> Or शीरः. <sup>i</sup> Likewise दूषा. <sup>j</sup> And शीता. <sup>k</sup> Round which cattle turn to tread out the grain. <sup>l</sup> Some unite the terms, आशुब्रीहिः. <sup>m</sup> Also पाटलः. <sup>n</sup> And सितशूकः.

|                        |                               |                                     |                               |
|------------------------|-------------------------------|-------------------------------------|-------------------------------|
|                        |                               | <sup>m</sup>                        | <sup>m h</sup>                |
|                        |                               | कलाय ( स्तु. ) सतीलकः               |                               |
| Peas. a                |                               | <sup>m</sup>                        | <sup>m</sup>                  |
|                        |                               | हरेख खण्डिकौ ( चाछिन् )             |                               |
| Sort of grain. c       |                               | <sup>m</sup>                        | <sup>m f</sup>                |
|                        |                               | कीरदूष ( स्तु. ) कीद्रवः            |                               |
| Lentil. e              | 17. मङ्गल्यको मसूरेः          | <sup>m</sup>                        | <sup>m f</sup>                |
| Sort of Kidney bean. g |                               | <sup>m h</sup>                      | <sup>m i</sup>                |
|                        |                               | ( ऽय ) भयुष्टक मपष्ठकौ              |                               |
|                        |                               | <sup>m</sup>                        |                               |
|                        | घनमुद्ग                       | <sup>m k</sup>                      | <sup>m l</sup> <sup>m m</sup> |
| Mustard seed. j        |                               | सर्षपे ( तु द्वौ ) तन्तुभ कदम्बकौ   |                               |
| The white sort. n      | 18. सिद्धार्य ( स्वेषु धवलो ) | <sup>m</sup>                        | <sup>m o</sup>                |
| Wheat.                 |                               | गोधूमः सुमनः ( समौ )                |                               |
| Half ripe barley. p    |                               | <sup>m</sup>                        | <sup>l m q</sup>              |
|                        |                               | ( स्याद् ) यावक ( स्तु. ) कल्माषश्च |                               |
| Chick pea. r           |                               | <sup>m</sup>                        | <sup>m s</sup>                |
|                        |                               | चणको हरिमन्थकः                      |                               |

1—प.

a Some writers distinguish the three first terms as names of three kinds of pulse. b Or सतीलः. Also सोतीनकः or सतीनकः and सातीनकः. c Paspalum frumentaceum, Koen. or P. Kora, Willd. d And कीद्रवः. e Ervum lens or Cicer lens. f Or मसूरः. Also fem. मसूरा, मसुरा, g Phaseolus lobatus. h And सकुष्टकः or सद्रष्टकः. Also सकुष्टक. i And मयष्टकः or मपष्टकः. Likewise मयुष्टकः j Sinapis dichotoma, Roxb. k Or सरिषपः. l And तंतुकः. m Also कटखेचः. n Sinapis glauca, Roxb. o Also सुमनाः (—नस्), p Interpretations differ greatly: some make the awnless barley; other forced rice (Bór); others again, different species of Phaseolus, (Rájamásha), or of dolichos (Culat'ha). q Or कुल्मासः. r Cicer arietinum. Some erroneously make these synonymous with the preceding; others, with Chinaca, Panicum Pilosum, Roxb. s And हरिमन्थकः.

19. (द्वौ तिले) तिलपेज(श्च) तिलपिञ्जं (श्च निष्फले) Barren se-  
sa num. a
- क्षवः क्षुधाभिजनने राजिका कृष्णिकासुरी Black mus-  
tard. b
20. (स्त्रियौ) कङ्गु प्रियङ्गु (द्वे) Panic k  
seed. c
- अतसी (स्याद्) उमा क्षुमा Lin ; and  
linseed. g
- मातुलानी (तु) भङ्गायां Hemp. h
- व्रीहिभेद (स्व) ऽणुः ( पुमान् ) Chind. i
21. किंशरुः शस्यशूकं (स्यात्) Bead of  
corn.
- कण्ठि शं शस्यमञ्जरी Ear or  
spike.
- धान्यं व्रीहिः सत्वकरिः Corn or  
rice.
- शुक्लो गुच्छ (स्रणादिनः) Clump of  
grass, &c.
22. नाडी नालं (च) काण्डो, (ऽस्य) Stalk or  
culm.
- पलालो ( ऽस्त्री स निष्फलः ) Straw.
- कडङ्गरो बुसं (क्षीवे) Chaff.  
Husk of  
rice or  
corn.
- (धान्यत्वचि पुमां) स्तु. षः 2 m n

1 भंगा.

2 लष.

<sup>a</sup> Bearing no blossom ; or its seed containing no oil. <sup>b</sup> Sinapis Ramosa, Roxb. <sup>c</sup> Or क्षुधाभिजनः. <sup>d</sup> आसुरी or असुरी. <sup>e</sup> Panicum Italicum. <sup>f</sup> कङ्गुः or कङ्गुः and प्रियङ्गुः. <sup>g</sup> Linum usitatissimum. Some confound this with *Sanā* (Crotalaria Juncea). <sup>h</sup> Cannabis Sativa. But other interpretations are stated ; and some confound it with linseed, and others with Crotalaria. <sup>i</sup> Panicum pilosum Roxb. But other interpretations are also given. — And कण्ठि <sup>k</sup> Or गुच्छः <sup>l</sup> Also नाडी and नाडः. <sup>m</sup> Or बुसं. <sup>n</sup> Or लष.

|                                    |  |
|------------------------------------|--|
| Anawn.                             | <sup>m n</sup> 23. मूको (ऽस्त्री स्रक्ष्य तीक्ष्णाग्रे)              |
| A legume<br>or pod.                | <sup>f f a</sup> शमी सिम्वा<br><sup>b</sup> (त्रिषू.त्तरे)           |
| Stored, as<br>grain. c             | <sup>m f n l m f n d</sup> ऋषुमावसितं (धान्यं)                       |
| Threshed<br>out and win-<br>nowed. | <sup>m f n</sup> पूतं (तु) <sup>m f n</sup> वृद्धलीकृतम्             |
| Grain in<br>pods. e                | <sup>n</sup> 24. (माषादयः) शमीधान्ये                                 |
| Bearded<br>corn f                  | <sup>n</sup> मूकधान्य (यवादयः)                                       |
| Rice. g                            | <sup>2 m</sup> शलयः (कलमाद्या च षष्ठिकाद्या च पुंस्यमी) <sup>h</sup> |
| Wild<br>grains. i                  | <sup>m n</sup> 25. तृणधान्यानि नीवाराः                               |
| Coix. j                            | <sup>f k 3 f</sup> (स्त्री) गवेडुर्गवेधुका                           |
| A pestle for<br>cleaning<br>rice.  | <sup>m n m n l</sup> अयोग्रं मुसले! (ऽस्त्री स्याद्)                 |
| A mortar.                          | <sup>4 n</sup> उदूखलमुलूखलम्   |

1—या.

2 यालि.

3 ग—.

4 उ—.

\* Also शिंषा and शिंषिः. <sup>b</sup> The following admit the three genders.  
<sup>c</sup> After cleaning it; some say, before. <sup>d</sup> Also अवसितं. <sup>e</sup> As peas  
and other pulse. <sup>f</sup> As barley, wheat, &c. <sup>g</sup> Of two classes: white  
rice, &c. growing in deep water; or red rice, &c. requiring only a  
moist soil. <sup>h</sup> The above-mentioned names of species of corn and  
pulse are masculine. <sup>i</sup> Growing with little or with no culture: viz.  
नीवारः, wild rice. Besides other kinds; as श्यामाकः. Panicum fru-  
mentaceum, Roxb. <sup>j</sup> Coix barbata, Roxb. <sup>k</sup> And गवेडुः or गवेडुका.  
<sup>l</sup> Likewise ऋषुमावसितः.

26. <sup>n m n a</sup> प्रष्कोटनं <sup>f b m</sup> सूर्यं ( मञ्जी ) A winnowing basket.  
<sup>m c m</sup> चालनी <sup>m m e</sup> तिततः ( पुमान् ) A sieve or  
 २६. <sup>m c m</sup> स्यूत प्रसेवौ A sack.  
<sup>m m e</sup> काण्डाल <sup>m m e</sup> पिटी A granary.  
<sup>m m</sup> कठ <sup>m m</sup> किलिञ्जकौ A mat. f
27. ( समानौ )  
<sup>1 f n m n</sup> रसयत्या <sup>m n</sup> स्तु <sup>m n</sup> पाकस्थान <sup>m n</sup> महानसे A kitchen.  
<sup>m g</sup> पौरोगव ( स्रद्ध्यत्तः ) Overseer of  
<sup>m m h</sup> सूपकारा ( स्तु ) बह्ववाः Cooks.  
<sup>m m m m m</sup> २८. आरालिका चांघसिकाः स्रदा औदनिका गुणाः  
<sup>m m m i j</sup> आपूपिकः कांदविका भक्ष्यकार ( इमे त्रिषु ) A baker.  
<sup>n k n l 2 f f m 3 f n</sup> २९. अश्मन्तसु, ह्वानमधिश्चयथी चुस्त्रिदन्तिका A furnace  
<sup>f 4 f 5 f</sup> अङ्गारधानिका ऽङ्गारशक्य ( पि ) हसन्य ( पि ) A portable  
 furnace.

1—ती. 2 च—, 3 र—, 4—टी 5—ती.

<sup>a</sup> Or सूर्यं. <sup>b</sup> Also neut. चालनं. <sup>c</sup> Likewise स्रोतः and स्युतः or शोनः. <sup>d</sup> Constructed of bamboos : some say, a basket to hold grain. Also पिटकः or पेटकः. <sup>e</sup> Or else a screen made of grass ; or a  
 २६. <sup>f</sup> Or else a screen made of grass ; or a  
 २७. <sup>g</sup> This and the following admit the variation of  
 २८. <sup>h</sup> Some restrict these two first terms to mean one who  
 २९. <sup>i</sup> Or भक्ष्यकारः. <sup>j</sup> The preceding are used  
 ३०. <sup>k</sup> And अश्मन्तः. <sup>l</sup> अश्मन्तं and अश्मन्तं or अश्मन्तं. <sup>m</sup> Also  
 ३१. <sup>n</sup> अन्तिकाः or अन्तिकाः.



- 1 f  
30. इसन्य (प्य)  
A fire  
brand. a  
A frying  
pan.  
An iron  
plate or  
pan. c  
A jar.  
A pitcher.  
A pot.  
A water-pot.
- (इय न स्त्री स्याद्) अङ्गारो ऽलातमुल्बुकम्  
(क्रीवे) ऽस्वरीषं चाष्ट्रो (ना)  
कन्द (वी) स्वेदनी (स्त्रियाम्)  
31. अलिञ्जरः (स्यान्) मणिकं  
कर्कश्यालुर्गलन्तिका  
पिठरः स्याल्युखा कुरङ्गं  
कलश (स्तु, त्रिषु द्वयोः)  
32. घटः कुट निपाव्  
A lid.  
A seether  
or boiler.  
A goblet. m
- (अस्त्री) सरावो बर्हमानकः  
अजीषं पिष्टपचनं  
कंसो (ऽस्त्री) पानमाजनम्

1—नी. 2—री. 3ग—, 4 निप.

a Whether burning or extinguished ; but some interpret the first term, charcoal ; and the two last, half burnt wood. b And अन्वरीषं. c Some make this and the preceding synonymous. d Or अलंजरः. e आलः and अलुः or आरः. f Also fem. पिठरी. g स्याली and neut. स्याल्युखा or—उखा. h Or fem. कुरङ्गी. i Or कलसः. Fem. कलसिः,—री,—पिः, or—यी. Neut. कलसं—घं. k And सरावः. l Also अजीषं. m A metallic vessel to drink in. n Or कंशः. Also कांसं.

33. कुब्जः ( कृत्तेः खेहपात्रं )  
 (सैवाल्पा) कुतुपः (पुमान्)  
 (सर्वम्) आवपनं भाण्डपात्राऽमत्रे (च) भाजनम्  
 34. दर्विः कम्बिः खजाका (च स्यात्)  
 तद् ईरिस्तकः  
 (अस्त्री) शाकं हरितकं शिग्रुर्  
 (अस्य तु नाडिका)  
 35. कडम्ब (श्च) कलम्ब (श्च)  
 वेसवार उपस्तरः  
 तित्तिडीक (श्च) चुक्र (श्च) वृक्षान्मम्  
 (अथ) वेल्लजम्  
 39. मरीचं कोलकं कृष्णम्पयं धर्मपत्तनम्  
 नीरको जरणोऽजाजी कणाः  
 (कृष्णे तु नीरके)  
 37. सुषवी कारवी पृथ्वी पृथुः कालोपकुञ्चिका  
 आर्द्रकं शङ्खवेरं (स्याद्)  
 (अथ) खत्रा वितुन्नकम्

A leather bottle for oil.

A small one.

Any vessel.

A ladle or spoon.

A wooden ladie.

A potherb.

Its stalk.

A condiment.

Acid seasoning.

Pepper.

Cumin.

Calónj. h

Ginger.

Coriander.

1दा—.

2—यु.

3काला.

4उ—.

\* Some include this in the interpretation. <sup>b</sup> Also दर्वी and कम्बी.

<sup>c</sup> Likewise masc. खजः; <sup>d</sup> Or सिग्रुः. <sup>e</sup> Also वेसवारः or वेसवारः.

<sup>f</sup> Or हरिचं. <sup>g</sup> जरणं and उरणं. <sup>h</sup> Nigella Indica, Roxb. <sup>i</sup> सुषवी and सुषवी.

38. कुस्तुम्बुह (च) धन्याकम्  
 Dry ginger <sup>na</sup> <sup>nb</sup> (अथ) शुष्ठी महौषधम् <sup>fc</sup> <sup>nd</sup>  
 (स्त्रीनपुंसकयोर्) विश्वं नागरं विश्वभेषजम् <sup>fn</sup> <sup>n</sup> <sup>f</sup> <sup>n</sup>
39. पारनालक सौवीर कुल्पाषा ऽभिषुतानि (च)  
 Sour gruel. <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>1nf</sup> <sup>2n</sup>  
 अवन्तिसोम धन्यान्त कुञ्जलानि (च) काञ्चिके <sup>3n</sup> <sup>ng</sup>
40. सहस्रवेधि जतुकं वाह्लिकं हिङ्गु रामठम्  
 Asa foeti- <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>nh</sup> <sup>mn</sup> <sup>ni</sup>  
 da. <sup>fj</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>fk</sup> <sup>fl</sup> <sup>f</sup>
- Hingupatri. तत्पत्नी कारवी पृथ्वी वापिका कवरी पृथुः  
<sup>fm</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup>
41. निशाच्छा काञ्चनी पीता हरिद्रा वरवर्णिनी  
 Turmeric. <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>nn</sup> <sup>no</sup>
- सामुद्रं (यत्तु) लवणमक्षीवं वसिर (सु तत्)  
 Sea salt. <sup>mn</sup> <sup>np</sup> <sup>nq</sup> <sup>n</sup>
42. सैन्धवो (ऽस्त्री) शितशिवं माण्डिमन्य (सु) सिंधुजे  
 Rock salt.

1—घ.

2—न.

3—ङ.

<sup>a</sup> Likewise तम्बुह, and fem. कुस्तुम्बुरी and तम्बुरी. <sup>b</sup> Also धान्यकं, धनीयकं, धनेयकं, धान्यं and fem. धन्या. <sup>c</sup> Or शुष्टिः. <sup>d</sup> Also fem. महौषधी. <sup>e</sup> Fem. विद्या. <sup>f</sup> Or कुल्पाषाः, कुल्पाषाः and कुल्पाषाभियुतं. <sup>g</sup> Also काञ्चिकं or काञ्जिकं and fem. काञ्जिका. <sup>h</sup> Or वाह्लिकं. <sup>i</sup> Andरठं. <sup>j</sup> That is हिङ्गुपत्नी. But some read स्वक पत्नी. <sup>k</sup> Or वाष्ठीका. <sup>l</sup> Also कवरी. <sup>m</sup> And निशा or other terms signifying night. <sup>n</sup> अक्षीवं or अक्षिवं. <sup>o</sup> Also वसिरं. <sup>p</sup> And शितशिवं शीतशिवं or शीतशिवं and शिवशिवं. <sup>q</sup> Also माण्डिमन्यं.

|     |  |                              |
|-----|--|------------------------------|
|     | <sup>n b</sup> रौमकं <sup>n</sup> वसुकं  | Another sort. a              |
|     | <sup>n</sup> पाष्यं <sup>n</sup> विड <sup>n</sup> (च) <sup>n</sup> छतके <sup>n</sup> (द्वयम्)      | Factitious salt. c           |
| 43. | <sup>n</sup> सौवर्चले <sup>n</sup> ऽचरचके  | Sócal salt : white.          |
|     | <sup>n</sup> तिलकं <sup>n</sup> (तत्र <sup>n</sup> मेचके)  | The same : black. d          |
|     | <sup>f</sup> मत्स्यण्डी <sup>n</sup> फाणितं <sup>f</sup> (खण्डविकारौ)                              | Raw sugar. e                 |
|     | <sup>f</sup> शर्करा <sup>f</sup> सिता  | Refined sugar. g             |
| 44. | <sup>f h</sup> कूर्चिका <sup>f</sup> क्षीरविलतिः <sup>f</sup> (स्याद्)                             | Inspissated milk.            |
|     | <sup>f</sup> रसाला <sup>n</sup> (त) <sup>n</sup> मार्जिता  | Curds with sugar and spices. |
|     | <sup>n</sup> (स्यात्) <sup>n</sup> तेमनं <sup>n</sup> (त) <sup>n</sup> निष्ठानं                    | Sauce or condiment.          |
|     | <sup>i</sup> (त्रिलिङ्गा वासितावधेः)   |                              |
| 45. | <sup>m f n</sup> मूलाकृतं <sup>m f n</sup> भटितं <sup>1 m f n</sup> (स्याच्) <sup>f n</sup> कृत्यं | Roasted on a spit.           |
|     | <sup>f n</sup> जल्यं <sup>m f n</sup> (त) <sup>m f n</sup> पैठरम्                                  | Boiled in a caldron.         |

## 1 मूलाकृतं.

<sup>a</sup> The same with *Sámbar* salt, denominated *Raumaca*, as some say, from a mountain of salt called *Rumá*; or, as others affirm, from a river or lake of the same name. <sup>b</sup> Also रौमकं. <sup>c</sup> Obtained by boiling clay found on the sea shore; or other earth impregnated with salt. Some remark, that the two first terms are names of different kinds of salt which are equally factitious. <sup>d</sup> This appears to be the same with black salt or *Vit' alavana*: a factitious salt containing sulphur. <sup>e</sup> The first term signifies granulated sugar; and the second inspissated juice of sugarcane. <sup>f</sup> Some, making this one of the exhibited terms, state three synonyma of syrup. <sup>g</sup> Clayed: others say, candied. <sup>h</sup> And कूर्चिका. <sup>i</sup> The following to v. 46 admit the three genders.

|                                |                                      |  |
|--------------------------------|--------------------------------------|--|
|                                | <i>mfn</i> 1 <i>mfn</i>              |  |
| Dressed.                       | प्रणीतम्. पसंपन्नं                   | <i>mfn</i> <i>mfn</i>                                  |
| Seasoned.                      |                                      | प्रयत्नं ( स्यात् ) सुसंस्कृतम्                        |
| Sauce mixed with rice-gruel. a | 46. ( स्यात् ) पिच्छलं ( तु ) विजिलं | <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i>            |
| Strained.                      |                                      | संस्कृतं शोधितं ( समे )                                |
| Bland, soft                    | चिकणं मसृणं स्निग्धं                 | <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> |
| Scented. •                     |                                      | ( तुल्ये ) भावित वासिते                                |
| Food half dressed. d           | 47. चापक्वः पौलिरभ्युषो.             | <i>n</i> <i>m</i> <i>2 m e</i>                         |
| Fried grain.                   |                                      | <i>m</i> <i>m</i> <i>pl f</i> <i>ng</i>                |
| Rice, &c. flattened.           | दृश्यकः ( स्याच् ) चिपिटको.          | <i>m</i> <i>h</i>                                      |
| Fried barley or rice.          |                                      | <i>f pl.</i>   |
| Cake.                          | 48. पूषेऽपूपः पिष्टकः ( स्यात् )     | <i>m</i> <i>m</i> <i>m</i>                             |
| —mixed with curds.             |                                      | <i>m i</i> <i>3 m pl.</i>                              |
|                                |                                      | करंभो दधिसक्तवः  |

१ च—

२ अ—

३ क्तु—

\* Or else any sauce, or condiment, with gravy ; otherwise explained moist split pulse. <sup>b</sup> Also विजिनं and विजिनं or विजयिनं. <sup>c</sup> The foregoing are used adjectively. <sup>d</sup> To be eaten from the hand ; some say bread ; others, green barley fried. <sup>e</sup> Also अपूपः and अभ्युषः. <sup>f</sup> Or fem. लाजा. <sup>g</sup> Or, as some read, masc. pl. चकताः. This is explained by others, whole rice. <sup>h</sup> And चिपिटः or चिपुटः. Likewise चिपिटः, &c. <sup>i</sup> Also करंभ.

- भिन्ना (स्त्री)भक्तमन्थो ऽन्मोदनेऽ(स्त्रीस)दीदिवि; Boiled rice.  
<sup>f a</sup> <sup>n n b</sup> <sup>n l m n</sup> <sup>m</sup>  
<sup>f c</sup> <sup>f</sup>
49. भिन्ना दम्बिका The same scorched.  
<sup>m n</sup>  
 (सर्वरसाग्रे) मण्ड (मूत्रियाम्) Scum.  
<sup>m 2 m</sup> <sup>m d</sup>
- भासराचाम निस्त्रावा (मण्डे भक्तसमुद्भवे) Scum of boiled rice.  
<sup>f</sup> <sup>3 f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup>
50. यवाग्रूष्णिका त्राणा विलेयी तरला (च सा) Rice gruel.  
<sup>m f n</sup>
- मय्यं (त्रिषु गवां सर्वं) Belonging to a cow.  
<sup>4 f n</sup> <sup>5 m n</sup>
- मोविद्धोमय (मूत्रियाम्) Cowdung.  
<sup>m n</sup>
51. (तक्षुशुष्कं) करीषो (स्त्री) Dry cow-dung.  
<sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>6 n</sup>
- दुग्धं क्षीरं पयः (समम्) Milk.  
<sup>n</sup>
- पयस्य (मांशदध्यादि) Prepared from milk. e  
<sup>n f</sup>
- त्रय्यं (दधि घनेतरत्) Thin or diluted curds.  
<sup>n</sup> <sup>7 n</sup> <sup>8 f</sup> <sup>9 f</sup>
52. हतमाज्यं हविः सर्पिर् Clarified butter.  
<sup>n</sup> <sup>n</sup>
- नवनीतं नवोद्धृतम् Fresh butter.

1 जो— 2 या— 3 उ— 4— 5 जो—

6— 7 या— 8— 9—

\* One writes भिन्ना. <sup>b</sup> अन्वः (ह). <sup>c</sup> And भिन्नाटा or भिन्नाटा, भिन्नाटा, भिन्नाटा. <sup>d</sup> Likewise विष्णावः. <sup>e</sup> Butter, curds, &c. <sup>f</sup> Also रघा' and रघु'. Some read सर, and interpret it floating curds.

- Butter of yesterday's milk. a  
Butter-milk.  
—with proportions of water.  
Whey of curds.  
Milk of a cow which lately calved. f  
Hunger.  
A mouthful.  
Drinking together.  
Eating together.  
Thirst.  
Food.
- (तत्तु) <sup>n</sup> दैत्यंगवीनं (यत् क्षौगोदोदोद्भवं घृतम्)  
53. दण्डाहतं <sup>n</sup> कालयेय <sup>n b</sup> मृरिष्ट <sup>l n</sup> (मपि) <sup>m</sup> गोरसः  
<sup>n c</sup> तक्रं <sup>2nd</sup> (क्षु) <sup>n c</sup> दृष्टिन्मृधितं (पादाब्जुष्टाब्जुनिर्जलम्)  
54. (मखंडं <sup>n</sup> दधिभवं) <sup>m g</sup> मस्तु  
<sup>f</sup> पीयूषो <sup>f</sup> (ऽभिनवं <sup>3 f h</sup> पयः)  
अथनाया <sup>m</sup> बुभुक्षा <sup>4 m</sup> क्षुद्  
ग्रास (स्तु.) <sup>n</sup> कवला (ऽर्थकः)  
55. सपीतिः <sup>f</sup> (स्त्री) <sup>n</sup> तुल्यपानं  
सग्धिः <sup>f</sup> (स्त्री) <sup>n</sup> सहभोजनम्  
उदन्या <sup>f</sup> (तु) <sup>f</sup> पिपासा <sup>5 f i</sup> तट् <sup>m</sup> तर्षेण  
जग्धि <sup>f</sup> (स्तु.) <sup>n</sup> भोजनम्  
56. जेमनं <sup>n j</sup> लेप <sup>m</sup> आहारो <sup>m</sup> निघसे <sup>m</sup> न्याद <sup>m k</sup> (द्रव्यपि) <sup>m</sup>

1 अ— 2 उ—त्. 3—घ. 4—ख. 5—स्.

a Some explain it butter from new milk. b Or कालसेयं. c Wi  
a fourth part of water. d With an equal part of water. e Witho  
water. f Within the first seven days. g Also पेयूषः—वं and पीयू  
Some make the last signify milk after the seventh day from t  
cow's calving. h क्षुत् (—घ्). Also क्षुषा. i Or तट्. Also दृष्ट  
Or जसनं. k Likewise निघसः.

- सौहित्यं तर्पणं तपिः<sup>n n f</sup> Satiety.
- फोलाभुक्तसमुज्झितम्<sup>f b n</sup> Outs, leavings. a
57. कामं प्रकामं पर्याप्तं निकामेष्टं यथेष्टितम्<sup>i i i 1 i 2 i i</sup> Voluntarily.
- गोपे गोपाल गोसंख्य गोधुगाभीर वल्लवाः<sup>m m m m c 3 m d m</sup> Herdsman.
58. (गोमहिष्यादिकां) पादबन्धनं<sup>n c</sup> Stock of cattle.
- (द्वौ) गवीश्वरे<sup>m</sup> Owner of kine.
- गोमान् गोमी<sup>4 m 5 m</sup>
- गोकुल (न्तु) गोधनं (स्याद्) गवां व्रजः<sup>n n f m</sup> A herd.
59. (त्रिष्या) शितंगवीनं (तज्ञावो यथाशिताः पुरा)<sup>6 m f n g</sup> Formerly grazed by cattle.
- उक्षाभद्रो बलीवर्द ऋषभे! वृषभे! वृषः<sup>m m h m m m</sup> A bull or ox.
60. अनड्वान् सौरभेणे! गौर्<sup>7 m i m 8 m</sup>
- (उच्छांसंहतिर्) आक्षकम्<sup>n</sup> A herd of oxen.
- गव्या गोत्रा (गवां)<sup>f f</sup> A herd of kine.
- (वत्सधेन्वोर्) वात्सक धैनुके<sup>n n</sup> —of calves, and milch-cows. i

1—नं. 2 रटं. 3 आ—. 4—त्. 5—न्.  
6 आ—. 7—डुह्. 8 गो.

a Left at the meal; or, otherwise interpreted, dropped from the mouth. b And फेलिः. Also masc. फेलक. c गोधुक् (ङ्). Also गोदुहः. d Or अभोरः. e Or, according to a different reading, यादवं. f Some add घनं, as a synonymous term. g आशितंगवीनः, ना, नं; or अशितंगवीनः, वा, नं. Also अशितंगवीनः, ना, नं, where cattle have dwelt. h And परीवर्दं; or बलीवर्दः. i Fem. अनड्वाणी and अनडुणी. j Respectively.



- A large bull  
or ox. 61. (दृषो मजान्) मजोच्चः (स्याद्) <sup>m</sup>
- An old<sup>1</sup>  
bull. दृषोच्च (स्तु) वरद्वयः <sup>m</sup> <sup>ma</sup>
- A bullock. (उत्पन्न उच्चा) जातोच्चः <sup>m</sup>
- A new-  
born calf. (सद्योजातस्तु) तर्षकः <sup>m</sup>
- A calf. 62. शकृत्करि (स्तु) वक्षः (स्याद्) <sup>mb</sup> <sup>m</sup>
- A steer. दम्य वक्षतरौ (समौ) <sup>m</sup> <sup>m</sup>
- One fit to  
be set free. चार्षभ्यः (प्रखडताद्योम्यः) <sup>m</sup>
- A bull at  
liberty. प्रखडैः गोपति रिट्क्षरः <sup>mc</sup> <sup>1m</sup> <sup>2m1</sup>
- A bull's  
shoulder. 63. (स्रन्धप्रदेशस्तु) वहः <sup>m</sup>
- His dew-  
lap. सास्त्रा (तु) नल्लकम्बलः <sup>f</sup> <sup>m</sup>
- An ox, with  
a rein  
through his  
nose. (स्यान्) नक्षित (स्तु) नस्योतः <sup>m</sup> <sup>m</sup>
- Young cat-  
tle in train-  
ing. प्रखटाङ् युगपार्श्वकः <sup>mc</sup> <sup>mi</sup>
- Cattle yok-  
ed, &c. g 64. (युगादीनाञ्च बोढारो) युग्य प्रासंग्यं श्राकटाः <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>3m</sup>
- Ploughman;  
plough-cat-  
tle, &c. h (खनति तेन तद्बोढा ऽस्ये दं) शालिक सैरिकी <sup>m</sup> <sup>m</sup>
- Cattle for  
burden. 65. धुर्वहे धुर्य्य धौरेय धुरीणाः (स) धुरंधरः <sup>mi</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>

1—ति.

2—द्व—

3—ट.

<sup>a</sup> Fem. ऊरुको. <sup>b</sup> Or शकृत्करिः. <sup>c</sup> And प्रखटः or प्रखडः. <sup>d</sup> Also  
द्वयः. <sup>e</sup> प्रखटाङ् (ङ्). <sup>f</sup> Or युगपार्श्वकः. <sup>g</sup> Respectively; one yoked,  
or one in training with a frame on his neck, or one trained to draught.  
<sup>h</sup> The third acceptance of both terms is 'of or belonging to a plough.'  
<sup>i</sup> Or धुरंधरः.

- (उत्तमा<sup>m</sup>) एकधुरीणै<sup>1m</sup> कधुरावे<sup>2m</sup> कधुरावहे
66. (सत्) सर्वधुरीणः<sup>m</sup> (स्याद्योवै<sup>m</sup>) सर्वधुरावहः  
 माहेयी<sup>f</sup> सौरभेयी<sup>f</sup> गोवृद्धा<sup>f</sup> माता<sup>f</sup> (च) ऋद्धिणी<sup>f</sup> A cow.
67. अर्जुन्यग्न्या<sup>4f</sup> रोहिणी<sup>5f</sup> (स्याद्)  
 (उत्तमा<sup>f<sup>a</sup></sup> गोषु) नैचिकी<sup>f<sup>a</sup></sup> An excellent one.
68. (वर्णादिभेदात्, प्राः स्युः) श्वली<sup>f<sup>b</sup></sup> धवला<sup>f<sup>b</sup></sup> (द्वयः)  
 द्विहायनी<sup>f</sup> द्विवर्षा<sup>f</sup> (गौर)  
 एकाब्दा<sup>f</sup> (त्वे) कहायनी<sup>6f</sup> Cows brindle, white, &c.  
 A heifer two years old.  
 —one year old.
69. चतुरब्दा<sup>f</sup> चतुर्हायणी<sup>f</sup>  
 (एवं) त्र्यब्दा<sup>f</sup> लिहायणी<sup>f</sup> —four years old.  
 —three years old.
- वया<sup>f</sup> कंध्या<sup>f</sup>  
 श्वतोका<sup>f<sup>c</sup></sup> (तु) खवर्ज्या<sup>f</sup>  
 (ऽथ) सन्धिनी<sup>f</sup> A barren cow.  
 A cow miscarrying by accident.  
 One which has gone to the bull. d
70. (आक्रांता<sup>f</sup> वृषभेणा<sup>f</sup>)  
 (ऽथ) वेह्न<sup>7f</sup> भौपषातिनी<sup>8f</sup> Miscarrying from going unseasonably.

1 ए-र. . 2 ए- . 3 उष्वा. 4 -नी. 5 च-  
 6 ए- . 7 -वृ. 8 ग- .

<sup>a</sup> Also नौचिकी or नौचिका and निचिकी. <sup>b</sup> Likewise श्वला and श्वली. Also कृष्णा, black. कपिला, tawny. Or distinguished by other circumstances, as वृद्धा and वायनी, short; लम्बवर्षी, with long ears; कर्कशह्वी, with crooked horns, &c. <sup>c</sup> And श्वतोका. <sup>d</sup> Some interpret it, a cow with calf.

|                                  |  |
|----------------------------------|--|
| Fit for the bull.                | <sup>f</sup> <sup>1f</sup> काल्यापसर्था (प्रजने) |
| A pregnant heifer. a             | प्रष्टौही बालगर्भिणी                             |
| A tractable cow.                 | 71. (स्याद्) अचण्डी (त) सुकरा                    |
| A cow bearing many calves.       | वडसूतिः परेटुका                                  |
| One, which has lately calved.    | चिरसूता वष्कयणी                                  |
| Easily milked.                   | 72. सुव्रता सुखसन्दोह्या                         |
| With a large udder.              | पीनोद्गी पीवरस्तनी                               |
| Yielding a <i>dróna</i> of milk. | द्रोणक्षीरा द्रोणदुषा                            |
| Standing at the diary. d         | धेनुष्या (वन्धके स्थिता)                         |
| Calving every year.              | 73. समांसर्मीना (सा यूय प्रतिवर्षं प्रसूयते)     |
| An udder                         | <sup>2 ne</sup> ऊध (स्त. क्लीवम्) आपीनं          |
| A pillar. f                      | (समौ) शिवक क्लीकौ                                |
| A rope or cord. g                | 74. (नपुंसि) <sup>3fnh n</sup> दाम संदानं        |
| A string or tie. i               | पशुरञ्जु (स्त.) दामनी                            |

1—उ—

2—स—

3—न—

\* Or a cow with calf for the first time. <sup>b</sup> Likewise वष्कयनी, and वष्कयिणी, or अवष्कयणी. Also वष्कयणी, &c. <sup>c</sup> सुखसंदोह्या. <sup>d</sup> Some interpret this a cow pledged. <sup>e</sup> Also ऊधः and ओधः. <sup>f</sup> For cows to rub themselves upon ; or, otherwise interpreted, for tying cows or calves. <sup>g</sup> To which cows are tied ; or a string to bind a cow's hind-legs when milked. <sup>h</sup> Fem. दामा (वन्) or दामा (सा). <sup>i</sup> For binding the legs of cattle, or for tying the cattle themselves. <sup>j</sup> Likewise साधनी and बंधनी.

- वैशाख मन्थ मन्थान मन्थानो मन्थदण्डके  
 75. कुठरो दण्डविष्कम्भे  
 मन्थनी गर्गरी (सने)  
 उद्रे क्रमेणक मय महाङ्गाः  
 करभः शिशुः  
 76. (करभाः स्युः) शंखलका (दारवैः पादबंधनैः)  
 अजा छागी  
 स्तभः श्वाग वस्त्र च्छगलका अजे  
 77. मेढोरभ्वारणोर्णायुमेघ वृष्णय एडकाः  
 (उद्रोरभ्वाजटन्दे स्याद्) औद्रकौ रभ्वाजकम्  
 78. चक्रीवन्त (स्तु) बालेया रासभा गर्हभाः खराः  
 वैदेहकः सार्थवाहे नैगमे वाणिके वाणिक  
 79. पुण्याजीवे (च्या) पणिकः क्रयविक्रयिक (श्च सः)

A churning-stick.

A post, round which its string winds, b

A churn.

A camel.

A young one, d.

Young camels clogged, e

A she-goat.

A he-goat.

A ram,

Herd of camels ; flock of sheep and goats, k

Asses, l

A trader.

- 1-कः. 2 उ- . 3 उ- . 4 ज- . 5-णि.  
 6 जो- . 7 ञा- . 8-त् . 9-ज् . 10 ञा- .

<sup>a</sup> मन्था (—नु). <sup>b</sup> Or else the lid of the churn, contrived to support the stick. <sup>c</sup> Also कुठरः. <sup>d</sup> Or any young animal. <sup>e</sup> With wooden rings on their feet. <sup>f</sup> Also तभः and स्तभः or शुभः. <sup>g</sup> अजाः or अजः. <sup>h</sup> अण्डक and अण्डकः. <sup>i</sup> Or मेढः. <sup>j</sup> Masc. एडकः. Fem. एडकाः. <sup>k</sup> Respectively. <sup>l</sup> Sing. चक्रीवान्, बाले यः, &c. <sup>m</sup> Also रासभः. <sup>n</sup> Or वैदेहः. <sup>o</sup> And पणिकः or वाणिकः. Also वाणिकः.

|                               |  |
|-------------------------------|--|
| A vender.                     | <sup>1 m</sup> विक्रेता (स्याद्) <sup>m</sup> विक्रयिकः  |
| A buyer.                      | <sup>m</sup> <sup>m</sup> क्रायक क्रायकौ (समै)   |
| Traffic.                      | 80. <sup>n a</sup> वाणिज्यं (त्) <sup>f</sup> वणिज्या (स्यात्)                                     |
| Price.                        | <sup>n</sup> <sup>m</sup> <sup>2 n</sup> मूल्यं वस्त्रो! (पु) वक्रयः                               |
| Capital ;<br>principal.       | <sup>f b</sup> <sup>m n</sup> <sup>n</sup> नीवी परिपणं मूलधनं                                      |
| Gain,<br>profit.              | <sup>m</sup> <sup>m</sup> लाभो (ऽधिकं) फलम्  |
| Barter.                       | 81. <sup>n c</sup> परिदानं <sup>m d</sup> परीवर्त्तो <sup>m</sup> नैमेय <sup>m e</sup> निमया (वपि) |
| A deposit.                    | <sup>m</sup> <sup>3 m</sup> (पुमान्) उपनिधि न्यासः   |
| The return<br>of it.          | <sup>n f</sup> प्रतिदानं (तदर्थणम्)  |
| Exposed<br>for sale.          | 82. <sup>m f n</sup> (क्रये प्रसारितं) क्रय्यं   |
| Purchasable.                  | <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> क्रयं क्रेतव्यं (मात्रके)  |
| Vendible.                     | <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> विक्रेयं पणितव्यं (च) परम् (क्रय्यादयस्त्रिषु)  |
| Ratification<br>of a bargain. | 83. <sup>m h</sup> (क्रीदे) सत्यापनं <sup>m</sup> सत्यंकारः <sup>f</sup> सत्याकृतिः (स्त्रियाम्)   |

1—ह.

१ च—.

३ न्या—.

<sup>a</sup> Or वणिज्यं. <sup>b</sup> And नीविः. <sup>c</sup> Some read प्रतिदानं. <sup>d</sup> And परिवर्त्तोः. <sup>e</sup> Likewise वैमेयः, विमयः and विनिमयः. <sup>f</sup> Some read परिदानं. <sup>g</sup> The foregoing admit the three genders. <sup>h</sup> Also fem. सत्यापना.

- <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
विपणो विक्रयः Contract of sale.
- <sup>a</sup>  
(संख्याः संख्ये च्यादश त्रिषु Numerals.
- <sup>b</sup>  
84. विंशत्याद्याः सदैकत्वे सर्वाः संख्येयसंख्ययोः  
<sup>c</sup>  
संख्यार्थे द्विवज्जत्वे स्तः तासु चानवतेः स्त्रियः  
<sup>d</sup>
85. पंक्तेः शतसहस्रादिक्रमाद्दशगुणोत्तरम्)  
<sup>n c</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>l n</sup>  
यौतवं दूषयं पाय्य (मिति) माना (र्थकं त्रयम्) Measure.
86. (मानं) तुला ऽङ्गलिप्रस्थैर्  
<sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>m</sup>  
<sup>2 m h</sup>  
(गुञ्जाः पञ्चा) द्यमाषकः A *Ma'sha*. g
- <sup>m</sup> <sup>m n</sup>  
(ते षोडशा) ऽक्ष कर्षा (ऽस्त्री)  
<sup>n</sup>  
षलं (कर्षचतुष्टयम्) Four times the last.
- <sup>m n</sup> <sup>m n</sup>  
87. सुवर्णं विसौ (हेम्नो ऽक्षे)  
<sup>n</sup>  
कुरुविसा (स्तु तत्पले) A *karsha* of gold.  
A *pala* of gold.

1—न.

2 चा—.

<sup>a</sup> Numerals, from 1 to 18, agree in gender with the subject numbered. <sup>b</sup> Other numerals, (19) 20, &c. are singular; but may be dual or plural, if used distributively, Ex. विंशती, two scores. <sup>c</sup> The numerals, 20 to 90, are invariably feminine. <sup>d</sup> Numeration proceeds in decuple proportion. <sup>e</sup> Also बौवसं. <sup>f</sup> By weight, measure of length, and measure of capacity. <sup>g</sup> Equal to five rettis or seeds of the *abrus precatorius*. <sup>h</sup> Also माषः or मासः.

E e

- 100 *Palas*.<sup>f</sup> तुला (स्त्रियां पलशतं)  
 Twenty times as much. भारः (स्याद्विंशतिसुला)<sup>m a</sup>  
 Ten times the last. 88. आचिंतं (दशभाराः स्युः)<sup>m n</sup>  
 A cartload. (शाकटो भार) आचिंतः  
 A *karsha* of silver. b कार्षापणः कार्षिकः (स्यात्)<sup>m c</sup>  
 A *pana* of copper. d (कार्षिके ताम्रिके) पणः  
 Various measures of capacity. e 89. (अस्त्रियाम्) आढक द्रोणौ खारी वाहो निकुञ्चकः  
 कुडवः प्रस्य (इत्याद्याः परिमाणार्थकाः पृथक्)<sup>m h m</sup>  
 A quarter. 90. पाद (सुरीयो मागः स्याद्)<sup>m</sup>  
 A part, share, or portion. अंश भागौ (तु) वण्टकः  
 Substance, thing or wealth. द्रव्यं विष्णं स्थापतेयं रिक्थच्छुक्थं धनं बस  
 Wrought and unwrought gold, &c. k 91. हिरण्यं द्रविणं द्युम्न मर्थं रै विभवा (अपि)  
 (स्यात्) कोश (अ) हिरण्यं (च हेमरूपे कृताकृते)<sup>m l</sup>

1 ऋ—

2 ऋ—

<sup>a</sup> Likewise भरः. <sup>b</sup> Same with पुराणः, equivalent to 16 *Panas* of cowries. <sup>c</sup> Some add कार्षापणकः. <sup>d</sup> Equivalent to 80 cowries. <sup>e</sup> Severally, viz. 4 *A'ā'hacas* = 1 *Drōna*; and = 16 D. = 1 *C'hāri*. Also 20 D. = 1 *Kumbha*; and 10 C. = 1 *Vāha*. Some state  $\frac{C'h.}{4} = 1$  *Māni*.  $\frac{M.}{4} = 1$  *Drōna*.  $\frac{D.}{4} = 1$  *A'ā'haca*.  $\frac{A.}{4} = 1$  *Prast'ha*.  $\frac{P.}{4} = 1$  *Kudava*.  $\frac{C.}{4} = 1$  *Nicunchaca*. <sup>f</sup> Also fem. आढकी and आढकिका. <sup>g</sup> Likewise खारिः and masc. खारः. <sup>h</sup> And कुडपः or कुटपः. <sup>i</sup> Or अंशः. <sup>j</sup> Masc. nom. राः (रै). <sup>k</sup> Some disjoin the terms; कोष, wrought gold; हिरण्यं, unwrought silver. <sup>l</sup> And कोषः or कोषं.

92. (ताभ्यां यदन्यत्त) कुप्यं<sup>na</sup> . Base metals.  
 रूप्यं<sup>n</sup> (तद् यमाहतम्)<sup>.</sup> Bullion.  
 गारुत्मतं मरकतमश्लगर्भं<sup>n n l n m</sup> हरिन्मणिः<sup>m</sup> An emerald.  
 93. शोणरत्नं<sup>n</sup> लोहितकः<sup>m</sup> पद्मरागो<sup>m</sup> A ruby.  
 (ऽय) मौक्तिकम्<sup>n</sup> A pearl.  
 सुक्ता<sup>f</sup>  
 (ऽय) विद्रुमः<sup>m</sup> (पुंसि) प्रवालं<sup>m</sup> (पुंनपुंसकम्) Coral.  
 94. रत्नं<sup>n</sup> मणिः<sup>m f b</sup> (इ. योरश्लजातौ सुक्तादिके, ऽपि च) Any gem.  
 स्वर्णं<sup>n</sup> सुवर्णं<sup>n</sup> कनकं<sup>n</sup> हिरण्यं<sup>n</sup> हेम<sup>2</sup> हाटकम्<sup>n</sup> Gold.  
 95. तपनीयं<sup>n</sup> श्यातकुम्भं<sup>n</sup> गाङ्गेयं<sup>n</sup> भ्रमं<sup>n</sup> कर्षु<sup>n</sup> रम्<sup>n</sup>  
 चामीकरं<sup>f n</sup> जातरूपं<sup>n</sup> महारजत<sup>n</sup> कांचने<sup>4 n m</sup>  
 96. रूक्मं<sup>n</sup> कार्त्तस्वरं<sup>n</sup> जाम्बूनदमष्टापदो<sup>5 m n g</sup> (ऽस्त्रियाम्)  
 (अलंकार सुवर्णं यच्) कृद्गीकनक (मित्यदः)<sup>n n n n h n</sup> Gold for ornaments.  
 97. दुर्बर्णं<sup>n</sup> रजतं<sup>n</sup> रूप्यं<sup>n</sup> खर्जूरं<sup>n</sup> श्वेत. (मित्यपि)<sup>n</sup> Silver.

1 ख—.

2—न्.

3—न्.

4 ख—.

5 श्—.

<sup>a</sup> Or अकुप्यं. <sup>b</sup> Also fem. मणोः. <sup>c</sup> Or श्यातकुम्भं. <sup>d</sup> Also, भ्रमं.  
<sup>e</sup> And कर्षूरं. Likewise कर्षुं. <sup>f</sup> Or रूप्यं. <sup>g</sup> Some divide the  
 terms: श्दङ्गी or श्दङ्गिः (also neut. श्दङ्गि) and कनकं. <sup>h</sup> Or खर्जूरं.



|  |   |
|--|---|
| Brass.   | <sup>f a</sup> रीतिः (स्त्रियाम्) <sup>m n b</sup> चारकूटो (न स्त्रियाम्)   |
| Copper.  | <sup>m</sup> (अथ) ताम्रकम्  |
| 98. शुक्लं                                     | <sup>n c</sup> श्लेष्ममुखं <sup>n</sup> द्रष्टं <sup>n d</sup> वरिष्ठो <sup>n</sup> दुम्बराणि <sup>n c</sup> (च)                          |
| Iron.  | <sup>m n f</sup> लोहो (ऽस्त्री) <sup>n</sup> श्लकं <sup>n</sup> तीक्ष्णं <sup>n</sup> पिष्टं <sup>l n g</sup> कालायसा <sup>n h</sup> ऽयसी |
| 99. अश्वसारो                                   | <sup>m n</sup> (ऽश्व) <sup>n i</sup> मण्डरं <sup>m j</sup> सिंघान (मृषि तन्त्रले)   |
| Rust of iron.                                  | <sup>m j</sup> (सर्वं स्यात्तैजसं) लौहं   |
| Any thing metallic.<br>Wrought iron; bar iron. | <sup>f</sup> (विकारस्त्रयसः) कुशी   |
| Glass.   | <sup>m</sup> 100. चारः <sup>m</sup> काचो <sup>m n</sup>   |
| Quicksilver.                                   | <sup>m n k</sup> (ऽथ) चपलो रसः <sup>n</sup> सूत (श्च) <sup>n</sup> पारदे  |
| Buffalo's horn.                                | <sup>n</sup> गवलं (माहिषं मृङ्गम्)  |
| Talc.  | <sup>n</sup> अम्बकं <sup>2 n</sup> गिरिजा <sup>n</sup> ऽमले   |
| Antimony.                                      | <sup>n</sup> 101. स्रोतोञ्जन (न्तु) <sup>n</sup> सौवीरं <sup>n l</sup> कापोताञ्जनयामुने   |
| Blue vitriol.                                  | <sup>n m</sup> तुल्याञ्जनं <sup>n</sup> शिखिग्रीवं <sup>n</sup> वितुम्बक <sup>n</sup> मयूरके  |

1—स.

2 ज.

<sup>a</sup> Also रीतो. And neut. रेत्यं. <sup>b</sup> Likewise चारः. <sup>c</sup> Or युवकं.  
<sup>d</sup> And द्विवं. <sup>e</sup> उदुम्बरं, उदुम्बरं or औदुम्बरं. <sup>f</sup> And लोहं or लोहः.  
<sup>g</sup> Likewise कृष्णायसं. <sup>h</sup> अयं (स). Also आयसं. <sup>i</sup> And शिंषाण, or सिंघाणं,  
शिंषाणं. <sup>j</sup> And लोहं. <sup>k</sup> Also पारतः, or पारः. <sup>l</sup> And कपोताञ्जनं  
<sup>m</sup> Also तुल्यं.

02. कर्परी दाबिका (कायोद्भवं) तुल्यं . Collyrium. a  
 रसाञ्जनम् Another sort. c  
 रसगर्भं तार्क्ष्यशैलं  
 गंधाश्मनि (त) गन्धकः Sulphur.
03. सौगंधिक (श्च) A blue stone used as a collyrium. f  
 चक्षुष्य कुलात्थौ (त) कुलत्थिका  
 रीतिपुष्यं पुष्यकेतु पौष्यकं कुसुमाञ्जनम् Calx of brass.  
 पीञ्जरं पीतकं तालमालं (च) हरितालके Yellow orpiment.  
 गैरेयमर्थ्यं गिरिजमश्मज (श्च) शिलाजतु Red chalk.  
 बोल गंधरस प्राण पिण्ड गोप रसाः (समाः) Myrrh. २३५ १

1—नू. 2—ही. 3—क— 4—क—.

<sup>a</sup> Extracted from Amomum Zanthorhizon, Roxb. <sup>b</sup> Some grammarians include this in the synonyma of blue vitriol. Medical authors write it खर्परी or खर्परं, and make it a distinct sort of collyrium. <sup>c</sup> Some join this article with the preceding, omitting कर्परी from the synonyma: this agrees with the medical books. <sup>d</sup> And गन्धकः. <sup>e</sup> Or स्रगंधिकः. <sup>f</sup> Some make these three terms synonymous with the following. <sup>g</sup> And कुलात्था. Likewise कुलं. <sup>h</sup> And पुष्यकं. <sup>i</sup> Also पुष्याञ्जनं. <sup>j</sup> कालं or कालं. Also तालं. <sup>k</sup> According to a different explanation, bitumen. <sup>l</sup> Or रसगंधः. <sup>m</sup> And गोपः. Also पिण्डगोपः. <sup>n</sup> Or घग्गः. Also मोसघग्गः.

|                                |  |  |
|--------------------------------|--|--|
| Cuttle fish<br>bone.           | <sup>na</sup> <sup>mb</sup> <sup>m</sup><br>द्विगुणैः। ऽभिकफः फेनः | <sup>n</sup> <sup>n</sup>                            |
| Minium, or<br>red lead.        |  | सिन्दूरं नागसंभवम्                                   |
| Lead.                          | 106. नाग सीसक योगेष्ट वप्राणि                                      | <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>nc</sup> |
| Tin.                           |  | द्वयु पिच्छटम्                                       |
| Cotton.                        |  | रंग वंगे   |
| Safflower ;<br>carthamus.      |  | (ऽथ) पिच्छसूतो                                       |
| A woollen<br>blanket,          |  | (ऽथ) कमलोत्तरम्                                      |
| Hare's or<br>rabbit's<br>hair. |  | कुसुंभं बद्धिशिषं महारजन (मित्यपि)                   |
| Honey.                         | 107. मधु चौद्रं माक्षिका (दि)                                      | <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup>  |
| Wax.                           |  | मेषकम्बल जर्पायुः                                    |
| Red arsenic.                   |  | शशोर्यं शशलोमनि                                      |
| Nitre : salt-<br>petre.        | 108. नैपाखी कुनटीगोला  | <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>4n</sup> <sup>n</sup> |
|                                |  | मधुच्छिष्टं (तु) सिक्थकं                             |
|                                |  | मनःशिला मनोगुप्ता मनोह्रा नागजिहिका                  |
|                                | 109. यवक्षारो यवाग्रजः   | <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>fg</sup> <sup>f</sup> |

1—प्र.

2—द्व.

3—न.

4—क.

\* दिगुणैः or पित्तुणैः. Also द्विगुणैः. Or ससद्रफेनः. \* Some read बध्ने. Also द्वयु. <sup>d</sup> Some include the two first terms with the preceding, as names of lead. <sup>e</sup> And पिच्छः. Also पिच्छद्वयुः or द्वयुपिच्छः. <sup>f</sup> Likewise मनःशिला. Also masc. मनःशिलाः. <sup>g</sup> And मनोह्रा. <sup>h</sup> Some read कुनटी or कनटी. <sup>i</sup> Some make the last term the name of a different species ; and the two preceding terms, its explanation.

|     |  |   |                      |
|-----|--|---|----------------------|
|     | <sup>m</sup><br>पाक्यो   |   |                      |
|     |  | <sup>m a</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup><br>(ऽथ) सर्जिकाक्षारः कापोतः सुखवर्चकः | Natron ; alkali.     |
| 10. | <sup>n</sup> सौवर्चलं (स्याद्) <sup>n b</sup> रुचकं                                |   |                      |
|     |  | <sup>f</sup> <sup>f c</sup><br>त्वक्क्षीरा वंशरोचना                             | Manna of bamboos.    |
|     | <sup>n</sup> शिग्रुजं <sup>n</sup> खे तमरिचं                                       |   | Seed of morunga. d   |
|     |  | <sup>n</sup><br>मोरटं (मूलमैद्यवम्)   | Root of sugarcane.   |
| 11. | <sup>n</sup> ग्रन्थिकं <sup>n</sup> पिप्पलीमूलं <sup>l n e</sup> चटिकाशिर (इत्यपि) |   | Root of long pepper. |
|     | <sup>f</sup> <sup>m</sup><br>गोलोमी भूतकेशो (ना)                                   |   | Root of sweet flag.  |
|     |  | <sup>n</sup> <sup>n</sup><br>पताङ्गं रक्तचन्दनम्                                | Red-wood.            |
| 12. | <sup>n</sup> <sup>n g</sup> <sup>n</sup><br>त्रिकटुत्प्रषणं व्योषं                 |   | Three spices. f      |
|     |  | <sup>f h</sup> <sup>n</sup><br>त्रिफला (तु) फलत्रिकम्                           | Three myrobalans.    |

1—स.

<sup>a</sup> Or सर्जिकाक्षारः. Also सर्जिका and क्षारः. <sup>b</sup> Some disjoin the two last terms, and make them names of Borax. <sup>c</sup> Or वंशरोचना. <sup>d</sup> Of Hyperanthera or Guilandina morunga. <sup>e</sup> And चटिकाशिरः (स्). Or masc. चटिकाशिरः (र). <sup>f</sup> Also चटका and शिरः. <sup>f</sup> Black pepper, dry ginger and long pepper. <sup>g</sup> Or त्रप्रषणं. <sup>h</sup> And त्रिफलो or त्रफला.

CHAPTER X.

|                               |  |
|-------------------------------|--|
| Men of the<br>fourth tribe.   | <sup>m a</sup> 1. शूद्रा (श्वा) <sup>m</sup> ऽवरवर्णा (श्च) <sup>m</sup> वृषला (श्च) <sup>m</sup> जघन्यजा; |
| Men of mixed<br>origin. b     | ( <sup>m</sup> आचण्डालात्) <sup>m</sup> संकीर्णा (अम्बष्ठ करणादयः)   |
| A scride. c                   | 2. (शूद्राविशो <sup>m</sup> स्तु) करणो   |
| A physi-<br>cian. d           | <sup>m</sup> ऽम्बष्ठो (वैश्यादिजन्मनोः)  |
| An Ugra. e                    | (शूद्रा क्षत्रिययोर्) <sup>m</sup> उग्रो   |
| A bard. f                     | <sup>m</sup> मागधः (क्षत्रियाविशोः)  |
| A Ma <sup>hishya</sup> .<br>g | 3. माहिष्यो ( <sup>m</sup> ऽर्याक्षत्रिययोः)   |
| A Kshattri. h                 | <sup>l m</sup> क्षत्ता (र्याशूद्रयोः सुतः)   |
| A chari-<br>oteer. i          | <sup>m</sup> (वाह्याणां क्षत्रियात्) क्षतः   |
| A trader. j                   | <sup>m</sup> (तस्यां) वैदेहको (विशः)   |

<sup>a</sup> Sing. शूद्रः, &c. <sup>b</sup> From the intermarriages of the other tribes.  
<sup>c</sup> Or man of a class which sprung from the 3d and 4th tribes.  
<sup>d</sup> Sprung from the 1st and 3rd tribes. <sup>e</sup> From the 2d and 4th.  
<sup>f</sup> From the 3d and 2d. <sup>g</sup> From the 2d and 3d classes. <sup>h</sup> From the  
4th and 3d. <sup>i</sup> From the 2d and 1st. <sup>j</sup> From the 3d and 1st.

4. रथकार (स्तु माहिष्यात् करणया यस्य संभवः) <sup>m</sup> A car-maker.  
 (स्याच्)चाण्डाल(स्तु जनितो ब्राह्मण्यां वृषलेन यः) <sup>m c</sup> <sup>1 m</sup> <sup>A Chan-  
da, a</sup>
5. कारुः शिल्पी <sup>m</sup> An artisan.  
 (संहृतैस्तेह्योः) श्रेण्यिः (सजातिभिः) <sup>m f d</sup> A company of artists.  
 कुलकः (स्यात्) कुलश्रेणी <sup>m c</sup> <sup>2 m f</sup> One eminent by birth.  
 मालाकार (स्तु) मालिकः <sup>m</sup> <sup>m</sup> A florist.  
 कुम्भकारः कुलालः (स्यात्) <sup>m</sup> <sup>m</sup> A potter.  
 तन्ववायः कुविन्दः (स्यात्) <sup>m</sup> <sup>m h</sup> A bricklayer or plasterer.  
 तन्ववाय (स्तु) सौचिकः <sup>m</sup> <sup>m</sup> A weaver.  
 रङ्गाजीव चित्रकारः <sup>m</sup> <sup>3 m</sup> A painter.  
 शस्त्रमार्जारसिंहावकः <sup>m</sup> <sup>m</sup> An armourer.  
 पादूक्षत्रमकारः (स्याद्) <sup>4 m i</sup> <sup>5 m j</sup> A shoemaker.  
 व्योकारो लोहकारकः <sup>m</sup> <sup>m</sup> An iron-smith, k.  
 नाडीन्वमः स्वर्णकारः कलादे! हस्तकारके <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m l</sup> <sup>m</sup> A gold-smith.

1—न्. 2—न्. 3 चि— 4—त्. 5 च—

\* Sprung from the 4th and 1st tribes. <sup>b</sup> Also चाण्डालः. <sup>c</sup> Likewise fem. कारुः. <sup>d</sup> Also fem. श्रेणी. <sup>e</sup> Or कुलिकः. <sup>f</sup> Likewise कुलः and श्रेणी. <sup>g</sup> And तन्ववायः or तन्द्रवायः. Also तन्ववायः. <sup>h</sup> Or कुविन्दः. <sup>i</sup> Or पादूक्षत्र. <sup>j</sup> Also चर्मारः. <sup>k</sup> Some separate the terms as severally signifying a founder and a smith. <sup>l</sup> Or कणादः.

|                              |   |
|------------------------------|---|
| A shell-cutter.              | (स्याच्) छांखिकः काम्बखिकः                          |
| A copper-smith.              | शौलिक स्तान्मकुट्टकः                                |
| A carpenter.                 | 9. तच्चा (तु) बर्द्ध किस्वष्टा रथकार (श्च) काष्ठतट् |
| One working for the village. | (ग्रामाधीने) ग्रामतच्चः                             |
| One independent.             | कौटतच्चो (ऽनधीनकः)                                  |
| A barber.                    | 10. क्षुरि मुखिड दिवाकीर्त्ति नापिता ऽन्तावसायिनः   |
| A washerman.                 | निर्णेजकः (स्याद्) रजकः                             |
| A distiller.                 | शौखिडको मण्डहरकः                                    |
| A goatherd.                  | 11. जाबालः (स्याद्) अजाजीवो                         |
| An attendant on an idol.     | देवाजीवी (तु) देवलः                                 |
| A female juggler.            | (स्यान्) माया शम्बरी                                |
| A juggler.                   | मायाकार (स्तु.) प्रातिहारिकः                        |
| Dancers and tumblers.        | 12. शैलालिन (स्तु.) शैलूपा जायाजीवाः क्षयाश्विनः    |
| Dancers and mimics.          | भरता (इत्यपि) नटाश् चारणा (स्तु.) कुशीलवाः          |

1 शं—, 2 ता—, 3—न्, 4 त्वष्ट, 5—ञ्, 6—न्.  
7—न्, 8—न्, 9—न्, 10—न्, 11—न्.

• And शौलिकः. <sup>b</sup> Fem. रजकी. <sup>c</sup> Or देवाजीवः, <sup>d</sup> And शम्बरी or शम्बरी. &c. <sup>e</sup> And मायावी (न्) or मायी (न्). <sup>f</sup> And प्रातिहारः, प्रातिहारः or प्रातिहारकः. <sup>g</sup> And भारतः. <sup>h</sup> Sing. नटः.

13. <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 मूर्द्धङ्गिका मौरजिका: Players on drums.  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 पाणिवादा (स्तु) पाणिघा Striking with their hands only.  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 वेणुध्मा: (स्युर्) वैणविका Players on the flute.  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 वीणावादा (स्तु) वैणिका: -- on the lute.
14. <sup>m n</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 जीवान्तकः शाकुनिके: A fowler or bird-catcher.  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 (द्वौ) वागुरिक जालिकौ A hunter using nets.  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 वैतंसिकः कौटिक (श्च) मांसिक (श्च) समं तयम्) A vender of flesh-meat. b
15. <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 भतके: भतमुक्कर्मकरो: वैतनिके: (ऽपि सः) A hireling; a servant or labourer.  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 वार्तावहे: वैवधिके: A chandler.  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 भारवाह (स्तु) भारिक: A porter.
16. <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 विवर्णः पामरो नीचः प्राक्त (श्च) पृथग्जनः A low man. c  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 निहीनि: ऽपसदे जात्वा: क्षुल्लक (श्च) तर (श्च सः)  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>
17. <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 भृत्ये दासेर दासेय दास गोप्यक चेटका: A servant or slave.  
<sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 नियोज्य किंकर प्रैष्य भुजिष्य परिचारका:

1—ज. 2 क— 3 इ—

a Or जीवन्तिकः. b Selling the flesh of beasts or birds. c And वैवन्धिकः. d Likewise भारी (न्). e Following a degrading profession. Or अपघदः. f Likewise खुल्लकः. h Or दासः. Fem. दासी—शी. And गोप्यः. i Or चेटः. Also चेटः, चेटकः. Fem. चेटिका, चेट्टी, चेट्टी. Fem. किङ्करी or किङ्करी. 1 Also प्रैषः and प्रेष्यः.



- One nourished by a stranger. a
18. पराचित परिस्कन्द परजात परैधिताः  
m m b m c m
- A lazy man.
19. भन्दस्तुन्दपरिचज चालस्यः शीतको ऽलसे ऽनुषः  
m 1 m d m m m n
- A dextrous person.
- दक्षे (तु) चतुर पेशल पटवः सूखान उषा (श्च)  
m m m 2 m m m
- A Chandala.
20. चण्डाल श्व मातङ्ग दिवाकीर्त्ति जनङ्गमा  
m g m h 3 m m m i
- निषाद श्वपचावन्ते वासि चण्डाल पुङ्गसाः  
m
- Barbarians. j
21. (भेदाः किरातश्वरपुलिन्दा) श्लेच्छ (जातयः)  
m m m m 4 m
- A hunter, or deer-killer.
- व्याधो श्वगवधाजीवो श्वगयुर्लुब्धको (ऽपि सः)  
m m m k m
- A dog.
22. कौलेयकः सारमेयः कुक्कुरो श्वगदंशकः  
m l m 5 m m
- शुनको भपकः श्ला (स्याद्)  
m n
- A mad dog.
- अलर्क (स्तु. स योगितः)  
m
- A dog trained for the chase.
23. (श्ला) विश्वकद्रु श्व गयाकुशलः)  
f f
- A bitch.
- सरमा शुनी

1 तु— 2 पट. 3 च—सिन्. 4 कु— 5 श्वन्.

a Some include this line in the synonyma of slave. b Likewise परिस्कन्दः, परिष्काचः, परिष्काचः, पारस्कन्दः. c And परजितः. d Or तुन्दपरिभार्जः. e And पेशलः or पेशलः. f Also जलङ्गमः. g And निषादः. h Sing. श्वपचः. Likewise श्वपक् (च). i Also पुङ्गयः, पुङ्गयः. j Of various tribes, mountaineers, savages, &c. As किरातः, living in forests and armed with a bow. श्वरः or प्रत्वश्वरः, wearing feathers (a peacock's tail, &c). पुलिन्दः or पुलिन्दः, speaking no intelligible language. k And कुक्कुरः. l Or शुन and शुनिः. m Also श्वानः. n Likewise अलकः.

- <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m a</sup>  
 विट्चरः शूकरो ग्राम्ये। A village hog.
- <sup>m c</sup>  
 बर्कर (स्वरुणः पशुः) Any young animal. b
- <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>m</sup> <sup>f</sup>  
 24. आक्षोदनं ष्टगव्यं(स्याद्)आखेटो ष्टगया स्त्रियाम्) Chase ; hunting. A deer wounded on its right side.
- <sup>1 m</sup>  
 (दक्षिणारुर्ध्वयोगाद्) दक्षिणोर्मा (कुरङ्गकः)  
<sup>2 m d</sup> <sup>3 m e</sup> <sup>m f</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>
25. चौरैकागारिक स्तेन दस्यु तस्कर भोषकाः A thief or robber.  
<sup>4 m g</sup> <sup>5 m</sup> <sup>m h</sup> <sup>m</sup>
- प्रतिरोधि परास्तन्दि पाटञ्चर मलिन्मुचाः  
<sup>f i</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup>
26. चौरिका स्तेन्य चौर्ये (च) स्तेयं Theft, robbery.  
<sup>n j</sup>  
 लोहं (त तद्धनम्) Booty.
- <sup>m l</sup>  
 वीतंस (स्त पकरणं बन्धने ष्टगपक्षिणाम्) A net, chain, or cage. k  
<sup>m</sup> <sup>n</sup>
27. उन्माथः कूटयन्त्रं (स्याद्) A snare or trap. m  
<sup>f</sup> <sup>f</sup>  
 वागुरा ष्टगवन्धिनी A net. n  
<sup>n o</sup> <sup>m p</sup> <sup>f</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m q</sup>
- शुल्लं वराटकः (स्त्री त) रज्जु (स्त्रि, पु) वटी गुणः A cord, rope, or string.

1—न.

2—र.

3 ऐ—.

4—न.

5—न.

<sup>a</sup> Some make the first, others the second, term, explanatory. <sup>b</sup> Or a lamb in particular. <sup>c</sup> Fem. बर्करी. <sup>d</sup> Also चोरः. Fem. चौरः. <sup>e</sup> Fem. ऐकागारिकी. <sup>f</sup> Or स्तेनः. Also स्तेन्यः. <sup>g</sup> And प्रतिरोधकः. <sup>h</sup> Likewise पटञ्चरः. <sup>i</sup> Also चौरिका. <sup>j</sup> And लोहं or लोतं. <sup>k</sup> Any instrument for confining birds or beasts. <sup>l</sup> Also वीतंसः. <sup>m</sup> Some make the preceding term synonymous with these. <sup>n</sup> For confining deer. <sup>o</sup> Adn शूलवं or शूलं. Also masc. शूलवः and fem. शूला or शूलवी. Likewise रज्जु according to a different reading. <sup>p</sup> Or वराटः. But some read वटाकरः. <sup>q</sup> Likewise वटीगुणः.

|                              |   |
|------------------------------|---|
| Rope and bucket of a well. a | 28. उह्वाटनं घटीयन्त्रं (सलिलोद्वाहनं प्रहेः) |
| A loom.                      | (पुंसि) वेमा वायदण्डः                         |
| Threads.                     | सूत्राणि (नरि) तन्त्रः                        |
| Weaving.                     | 29. वाणि व्यूतिः (स्त्रियौ तुल्ये)            |
| Plaistering.                 | पुस्तं (लेप्याऽदिकर्मणि)                      |
| A doll or puppet. i          | पाञ्चालिका पुतिका (स्यादस्त्रदन्तादिभिः कृता) |
| A basket. k                  | 30. पिटकः पेटकः पेटा मञ्जूषा                  |
| A pole for carrying burdens. | भारयष्टिस्                                    |
| Its string.                  | (तदालम्बि) शिखं काचे                          |
| A shoe.                      | (ऽथ) पादुका                                   |
| A boot.                      | 31. पादूक.पानत् (स्त्री)                      |
| A thong.                     | (सैवा) ऽनुपदीना (पदायता)                      |
| A whip.                      | नद्धी बद्धी वरता (स्याद्)                     |
|                              | (अश्वदेस्ताडनी) कथा                           |

1—न्.

2 व्यू—.

3—ष्टि.

4 उ—ङ्.

a A rope and jar to draw water from a well ; or any machine for raising water. b Likewise वेमः. c Or वायदण्डः. d Sing. सूत्रं. e Sing. तन्त्रः. Also सूत्रतन्त्रः. f And वेपिः. g Or व्यूतिः. h Or painting images, &c. i Or figure made of cloth, ivory, &c. j And पाञ्चालिका. k The two last of these four terms are by some separated, and made to signify a large basket. l And पेटा or पीडा. m Some add मञ्जूषा, erroneously. n Or विष्टुङ्गना. o Likewise शिक् (क्). p And वाची or वाकी. q Also कथा or कथा.

32. चाण्डालिका (तु) कण्डोलवीणा चण्डालवल्लकी  
 नाराची (स्याद्) एषणिका  
 गाय (स्तु) निकषः कषः
33. ब्रश्चनः पत्रपरभ्रुर्  
 द्वेषिका दलिका (समे)  
 तैजसावर्त्तनी मूषा  
 भस्त्रा चर्मप्रसेविका
34. चास्कोटनी वैधनिका  
 कपाणी कर्चरी (समे)  
 वृक्षादने वृक्षभेदी  
 टङ्कः पाषाणदारणः
35. क्रकचो (ऽस्त्री) करपत्रं  
 (स्याद्) चारा चर्मप्रभेदिका
- A vulgar lute.  
 Goldsmith's scales.  
 A touch-stone.  
 An iron chisel, d.  
 A pencil or brush, e.  
 A crucible.  
 Bellows.  
 An gimlet or auger.  
 Scissors or shears, k.  
 A carpenter's chisel.  
 A hatchet, l.  
 A saw.  
 Shoemaker's knife.

1—सु.

2—नू.

<sup>a</sup> And चाण्डालिका. <sup>b</sup> Likewise कण्डोलवीणा. <sup>c</sup> Some read गानः निकषः; <sup>d</sup> कसः. <sup>d</sup> Or else a small saw. <sup>e</sup> Some explain this a fibrous stick; others a mould for ingots; or else what is thrown into a crucible to try whether the metal be melted. <sup>f</sup> Also द्वेषिका and द्वेषिका or द्वेषिका. <sup>g</sup> Likewise दलिका, दली. <sup>h</sup> Also मूषा and मूषी or मूषिका. <sup>i</sup> Or masc. चर्मप्रसेवकः. <sup>j</sup> And चास्कोटनी. <sup>k</sup> Also a dagger. <sup>l</sup> Likewise a stone-cutter's chisel. <sup>m</sup> Or तङ्कः. <sup>n</sup> And क्रकचः.

- An image of iron. a <sup>f b</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> **सूमीं स्यूणा लोहप्रतिमा**
- An art. <sup>n</sup> **शिल्पं (कर्म कलादिकम्)**
- An image; statue or picture. <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> **36. प्रतिमानं प्रतिविम्बं प्रतिमा प्रतियातना प्रतिच्छाया**  
<sup>f</sup> <sup>1 f</sup> <sup>2 m</sup> **प्रतिकृतिरूर्चा (पुंसि) प्रतिनिघिर्**  
<sup>f</sup> <sup>3 n</sup> **उपमेपमानं (स्यात्)**
- Resemblance. c <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>4 m f n</sup> **37. (वाच्यलिङ्गाः) समस्तुत्यः सदृक्षः सदृशः सदृक्**  
<sup>m f n d</sup> <sup>m f n</sup> **साधारणः समान (श्च)**
- (In composition) Like. <sup>c</sup> **(स्युक्तरपदेत्वमी)**  
<sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>5 m f n</sup> <sup>h</sup> **38. निभ सङ्काश नीकाश प्रतीकाशोपमा (द्वयः)**  
<sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>6 f</sup> <sup>7 n</sup> <sup>n</sup> **कर्मण्या (तु) विधा भृत्या भृतयो भर्म वेतनम्**  
<sup>n i</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> **39. भरयं भरयं भृत्यं निर्वेशः पण (द्वत्यपि)**  
<sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>8 f</sup> <sup>9 f</sup> **सुरा हलिप्रिया हाला परिसुहृणात्मजा**
- Wages or hire. <sup>n i</sup> <sup>n</sup> <sup>n</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>
- Spirituos liquor. <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>f</sup> <sup>8 f</sup> <sup>9 f</sup>

1 अ—, 2—धि, 3 उ—, 4—घ, 5 उपप.  
 6—ति, 7—न्, 8—त्, 9 व—.

<sup>a</sup> So most commentaries explain this : but one says an anvil. <sup>b</sup> Or सूर्निः. Also सूर्नी or सूर्निः. And सूर्नी, सूर्निः or सूर्नः. <sup>c</sup> Some include this with the preceding. <sup>d</sup> Fem. साधारणी. or साधारणा. <sup>e</sup> The following are used only in composition. Ex. पिहनिभः, like his father. <sup>f</sup> Also निकाशः. <sup>g</sup> And प्रतिकाशः, प्रतिकाशः, or प्रतीकाशः. <sup>h</sup> Besides other terms similarly employed in composition : as भूतः रूपः कल्पः. <sup>i</sup> Also fem. भरण्या.

40. गन्धोत्तमा प्रसन्नैरा कादम्बर्यः परिस्तुता  
 मदिरा कश्च मद्ये (चाप्य)  
 ५वदंश (स्तु भक्षणम्) Eating what excites thirst.  
 A tavern.
41. शुण्डापानं मदस्थानं  
 मधुवारा मधुक्रमाः Tipling.
- मध्वासवो माधवको मधु माध्विक (मद्वयोः)  
 मध्वासवः शीघुर्  
 मदैयमासवः शीघुर्  
 मेदको जगलः (समौ)  
 सन्धानं (स्याद्) अभिषवः  
 किश्वं (पुंसि तु) नग्नहः Ferment. h
43. कारोत्तरः सुरामण्ड  
 चापानं पानगोष्ठिका  
 पषको (ऽस्त्री) पानपातं सरको (ऽप्य) तुतर्षणम्  
 1 दरा. 2—री. 3 चा—. 4—घ. 5 अ—.

<sup>a</sup> Also प्रसन्नैरा. <sup>b</sup> Sing. मधुवारः, मधुक्रमः. <sup>c</sup> From the blossoms of the Bassia latifolia. Some divide the synonyma, making the two last terms signify wine obtained from grapes. <sup>d</sup> And माध्विकं, or माद्विकं. <sup>e</sup> Also मधुमाध्विकं. <sup>f</sup> The three terms signify different kinds; the first distilled from blossoms of Lythrum fruticosum, with sugar, &c. the second from the raw juice of sugar-cane, the third from molasses. <sup>g</sup> Some connect the last term with the following article. <sup>h</sup> A drug used for that purpose. <sup>i</sup> Or कश्च. <sup>j</sup> Also neut नग्नहः. <sup>k</sup> And कारोत्तरः. <sup>l</sup> Some separate the two last terms of this line, and interpret them the distribution of liquor. <sup>m</sup> Also masc. अतुतर्ष.

- A gamester. 44. <sup>m</sup>धूर्त्ता <sup>l m</sup>ऽक्षदेवी <sup>m</sup>कितवो <sup>m</sup>ऽक्षधूर्त्ता <sup>m</sup>द्यूतकृत् (समाः)
- Sureties. (स्युर्) <sup>m</sup>लग्नकाः <sup>m a</sup>प्रतिभुवः
- Keepers of gaming houses. <sup>m b</sup>सभिका <sup>m</sup>द्यूतकारकाः
- Gaming. 45. <sup>m n</sup>द्यूतो (ऽस्त्रियाम्) <sup>f</sup>अक्षवती <sup>n</sup>कैतवं <sup>m</sup>पणं (इत्यपि)
- <sup>m</sup>पणो (ऽक्षेषु) <sup>m</sup>ग्लहो
- Dice. <sup>m</sup>ऽद्या (स्तु) <sup>m</sup>देवनाः <sup>m</sup>पाशका (सु ते)
- Moving a piece at play. 46. <sup>m c</sup>परिणाय (स्तु) <sup>m n</sup>घारीणां <sup>m n</sup>समन्तान्नयने
- (ऽस्त्रियौ)
- A checker-board or cloth. <sup>m n</sup>अष्टापदं <sup>m n</sup>शारिफलं
- A match of cocks, &c. <sup>n</sup>प्राणिसूतं <sup>m</sup>समाह्वयः
47. (उक्ताभूरिप्रयोगत्वादेकस्त्रिन् ये ऽत्र यौगिकाः  
ताव्वर्ष्यादन्यतो वृत्तावूच्या लिङ्गान्तरे ऽपि ते)

1-न्.

<sup>a</sup> Sing. लग्नकः, and प्रतिभूः. Some reckon these synonymous with the following. <sup>b</sup> Sing. सभिकः and द्यूतकारकः. <sup>c</sup> Also परीणावः.

BOOK III.

CHAPTER I.

1. विशेष्यनिघ्नैः संकीर्णैर्नानार्थै र्बुधैरपि  
लिङ्गादिसंग्रहैर्वर्गाः सामान्ये वर्गसंश्रयाः
2. स्त्रीदाराद्यैर्यं द्विशेष्यं यादृशैः प्रस्तुतं पदैः  
गुणद्रव्यक्रियाशब्दास्तथा स्युस्तस्य भेदकाः ।  
*1 m f n 2 m f n m f n*
3. सुहृती पुण्यवान् धन्ये!  
*m f n m f n*  
महेच्छ (स्तु) महाशयः *m f n m f n*  
*m f n m f n b*  
हृदयातुः सहृदये!  
*m f n m f n*  
महोत्साहे! महोद्यमः *m f n m f n*  
*m f n m f n m f n m f n m f n*
4. प्रवीणे निपुणाऽभिन्न विद्वन्निष्ठात शिद्धिताः  
*m f n c m f n 3 m f n m f n d*  
वैज्ञानिकः क्षतसुखः क्षती कुशल (इत्यपि)  
*m f n m f n*
5. पूज्यः प्रतीक्ष्यः  
*m f n m f n*  
सांशयिकः संशयापन्नमानसः *m f n m f n*

Fortunate,  
well-fated. a

Magnani-  
mous.

Good-heart-  
ed.

Perseve-  
rant, dili-  
gent.

Skillful, con-  
versant.

Venerable.

Dubious. e

1—न्.

2—वत्.

3—न्.

<sup>a</sup> Fem. सुहृतिनी, पुण्यवती, धन्या. <sup>b</sup> Or सहृदयः. Also हृदयी(—न्)  
हृदयिकः, हृदयवान् (—वत्). <sup>c</sup> Or विज्ञानिकः. <sup>d</sup> Likewise कुशलः. <sup>e</sup> Un-  
certain or questionable. Some refer this to the person; irresolute,  
unsettled in opinion.



|                                    |  |            |            |            |
|------------------------------------|--|------------|------------|------------|
|                                    | <i>mfn</i>   | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> |
| Meriting a<br>fee or re-<br>ward.  | दक्षिणीयो दक्षिणार्ध (शत्रु) दक्षिण्य (इत्यपि)     |            |            |            |
|                                    | <i>mfn</i>   | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> |
| Magnificent.                       | 6. (स्युर्) वदान्य स्थूललक्ष्य दानशौण्डा वञ्जप्रदे |            |            |            |
|                                    | <i>mfn</i>   | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> |
| Long-lived.                        | जैवाटकः (स्याद्) आयुष्मान्                         |            |            |            |
|                                    | <i>mfn</i>   | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> |
| Skilled in<br>sacred<br>sciences.  | अन्तर्वाणि (स्तु) यास्यवित्                        |            |            |            |
|                                    | <i>mfn</i>   | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> |
| Acutely in-<br>vestigating.        | 7. परीक्षकः कारणिको                                |            |            |            |
|                                    | <i>mfn</i>   | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> |
| Granting a<br>prayer. e            | वरद (स्तु) सवर्णकः                                 |            |            |            |
|                                    | <i>mfn</i>   | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> |
| Joyful,<br>cheerful.               | हर्षभाणो विक्रुर्वाणः प्रमना हृष्टमानसः            |            |            |            |
|                                    | <i>mfn</i>   | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> |
| Sad, per-<br>plexed.               | 8. दुर्भना विभना अन्तर्भनाः (स्याद्)               |            |            |            |
|                                    | <i>mfn</i>   | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> |
| Regretting.                        | उक्त उन्मनाः                                       |            |            |            |
|                                    | <i>mfn</i>   | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> |
| Sincere,<br>candid.                | दक्षिणे सरलो दारौ                                  |            |            |            |
|                                    | <i>mfn</i>   | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> |
| Liberal in<br>giving and<br>using. | सुकलो (दातभोक्तारि)                                |            |            |            |
|                                    | <i>mfn</i>   | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> |
| Diligent,<br>attentive. g          | 9. (तत्परे) प्रसितासक्ताव्                         |            |            |            |
|                                    | <i>mfn</i>   | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> | <i>mfn</i> |
| Zealously<br>active. h             | इष्टार्थोद्युक्त उद्युक्तः                         |            |            |            |

1—व्.

2—दु.

3—नस्.

4—स्.

5—ह्.

6 व्—

7 आसक्त.

- \* And दक्षिण्यः. b Or वदान्यः. c And स्थूललक्ष्यः. d Fem. जैवाटकाः.  
e As a deity, at the instance of a votary. f Also प्रमनाः (—स्). g Some  
include the two next terms in these synonyma ; others, varying the  
reading, add आसक्तिः, to this article. h Making exertions for a  
gratifying purpose. i According to another reading, उद्युक्ताः.

- <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>  
 प्रतीते प्रथित ख्यात वित्त विज्ञात विश्रुताः  
<sup>m f n</sup> <sup>1 m f n a</sup>  
 Known, celebrated, famous.
10. (गुणैः प्रतीते तु) छतलक्षणां छतलक्षणौ  
<sup>m</sup> <sup>m b</sup> <sup>2 m</sup>  
 नूय्य आढेयं धनी  
<sup>m</sup> <sup>4 m o</sup> <sup>5 m</sup> <sup>6 m</sup>  
 स्वामी (स्त्री) खरः पतिरीयिता  
<sup>m</sup> <sup>7 m</sup> <sup>8 m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup> <sup>m</sup>  
 An owner or master.
11. अधिभू नृयको नेता प्रभुः वरिहृदेऽधिपः  
<sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>  
 अधिकर्षिः सखद्वः (स्यात्)  
<sup>m</sup>  
 कुटुम्बव्याधत् (स्तु. यः)  
<sup>m n</sup> <sup>m d</sup>  
 Attentive to support his family.
12. (स्याद्) अभ्यागारिक (सुस्त्रिन्) उपाधि (र्हि पुमानयम्)  
<sup>m</sup>  
 (वराङ्गरूपोभेतो यः) सिंहसंहनने (हि सः)  
<sup>m f n e</sup>  
 Handsome and well-shaped.
13. निर्वाय्यः (कार्यकर्त्ता यः सम्पन्नः सत्वसम्पदा)  
<sup>m f n i</sup> <sup>m f n</sup>  
 अवाधि मूकेः  
<sup>m f n g</sup> <sup>m f n</sup>  
 (ऽथ) मनोजवः (स) पितृसन्निभः  
<sup>m i</sup>  
 Giving a girl in marriage.
14. (सत्कथालंछतां कन्यां यो ददाति स) कुकुदः  
<sup>h</sup>

1 आ— 2—न्. 3—न्. 4 ई— 5—ति.  
 ६ ईपितृ. 7 ना— 8—ह. .

<sup>a</sup> Some read आहितलक्षणः. <sup>b</sup> Fem. इत्या, आद्या, धनिनी. <sup>c</sup> Fem. ईश्वरा or ईश्वरी. <sup>d</sup> Invariably masc.: even with a feminine or neuter substantive. <sup>e</sup> Some read निर्वाय्यः. <sup>f</sup> अवाक् (च्). <sup>g</sup> Some erroneously read मनोजवसः. <sup>h</sup> In due form; decorating her with ornaments. <sup>i</sup> Or कुकुदः.

|                                   |       |           |            |               |   |
|-----------------------------------|-------|-----------|------------|---------------|---|
| Prosperous,<br>happy.             | 1 mfn | mfn       | mfn a      | 2 mfn         | सखीवान् सख्याः श्रीलः श्रीमान्                |
| Affection-<br>ate.                |       |           |            |               | mfn mfn<br>स्निग्ध (सु) वत्सलः                |
| Compassion-<br>ate.               | 15.   | (स्याद्)  | दयालुः     | कारणिकः       | कृपालुः                                       |
| Unrestrain-<br>ed.                |       |           |            |               | सुरतः (समाः)                                  |
| Dependent.                        |       |           |            |               | स्वतन्त्रो ऽपारतः स्वैरी स्वच्छन्दो निरवग्रहः |
| Docile. c                         | 16.   | परतन्त्रः | पराधीनः    | परवान्नाथवान् | (अपि)   |
| A sweeper.                        |       |           |            |               | अधीनो निम्न भावतो ऽस्वच्छन्दो गृह्यको (ऽयमे)  |
| Dilatory,<br>slow.                | 17.   | खलपूः     | (स्याद्)   | बह्मकरो       |   |
| Acting in-<br>considerate-<br>ly. |       |           |            |               | दीर्घसूत्रचिरक्रियः                           |
| Indolent.                         |       |           |            |               | जाह्नो ऽसमीक्षकारी (स्यात्)                   |
| Competent<br>to an act.           | 18.   | कर्मक्षमो | ऽलंकर्मिणः |               | कुरतो (मन्दः क्रियासु यः)                     |
| Engaged in<br>a business.         |       |           |            |               | क्रियावान् कर्मसुद्यतः                        |
| Laborious.                        |       | (स)       | कर्मः      | कर्मशीलो      | (यः)  |
| Finishing<br>carefully.           |       |           |            |               | कर्मसूर (स्तु) कर्मठः                         |

1—व्.

2—व्.

3—न्.

4—व्.

5 ना—व्.

6 च्—

7—न्.

8—व्.

<sup>a</sup> And क्षीयः. <sup>b</sup> Also सुरतः. <sup>c</sup> And स्वैरः. <sup>d</sup> Also निर्वन्मपः  
and निरङ्गुहः. <sup>e</sup> Some make the terms in this and the preceding  
line synonymous. <sup>f</sup> Fem. बह्मकरी and बह्मकरा. <sup>g</sup> Fem. कर्मिणी

- 1 m f n a 2 m f n  
 19. भरयथुक्कर्मकरः  
 m f n m f n  
 कर्मकार (स्तु.) तत्कियः  
 m f n m f n  
 अपस्नातोः पतस्नात  
 3 m f n m f n c  
 भामिषाशी (तु) शौष्मलः  
 m f n m f n 4 m f n 5 m f n  
 20. बुभुक्षितः (स्यात्) क्षुधितोः जिघत्सुरशनायितः  
 m f n m f n  
 परान्नः परपिण्डादे  
 m f n m f n m f n  
 भक्षकोः घस्त्ररोः ऽश्नरः  
 m f n m f n  
 21. चाद्यूनः (स्याद्) चौदरिकोः (विजिगीषाविवर्जिते)  
 m f n m f n  
 (उभाव्) चात्मन्धरिः कुक्षिभ्ररिः (स्त्रोदरपूरके)  
 m f n 6 m f n  
 22. सर्वान्वीन (स्तु.) सर्वान्वभोजी  
 m f n m f n  
 गृह्णु (स्तु.) गर्ह्वनः  
 m f n m f n 7 m f n i  
 लुब्धोः ऽभिलाषुक शृष्णक्  
 m f n m f n  
 (समौ) लोबुप लोबुभौ Very covetous. g

1—क. 2 क— 3—न. 4—तु. 5—.  
 6—न. 7 शृष्णक्.

<sup>a</sup> Or कर्मयथुक् (—क). <sup>b</sup> Some interpret this, dying after ablutions before the ceremony is complete. <sup>c</sup> And शौष्मलः or पुष्कलः. <sup>d</sup> With disregard to those, whom he is bound to support. <sup>e</sup> Eating all manner of food, or—food proper to various tribes. <sup>f</sup> Also शृष्णक् and शृषितः or शृषितः. <sup>g</sup> Some make these synonymous with the preceding.

- Mad ; in-  
sane. 23. उन्माद (स्र) न्मादिष्णुः (स्यात्) <sup>m f n a</sup> <sup>1 m f n</sup>
- Misbehav-  
ing. अविनीतः समुद्धतः <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>
- Drull.  
Lustful. मत्ते शौण्डेत्कट चीवाः <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>2 m f n</sup> <sup>m f n</sup>
- Lustful. कामुके कमिताऽमुकः <sup>m f n</sup> <sup>3 m f n</sup> <sup>m f n</sup>
- Compliant. 24. कान्वः कामयिताऽभीकः कमनः कामनेऽभिकः <sup>m f n</sup> <sup>4 m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>
- Govern-  
able. c विधेये विनयग्राही वचनेस्थित आश्रवः <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>
- Modest. d 25. वश्यः प्रणये <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>c</sup>
- Impudent,  
shameless. निवृत विनीत प्रश्रिताः (समाः) <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>6 m f n</sup>
- Bold, pre-  
sent. दृष्टे दृष्णग्वियात (श्च) <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>
- Ashamed. 26. (स्याद्) अदृष्टे (तु) शालीने <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>
- Astonished. विलक्षो विस्वयाम्बिते <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>
- Confused. अधीरे कातरस् <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>g</sup>
- Timid. तस्त्रौ भीरु भीरुक् भीरुकाः <sup>7 m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>h</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup>

1 छ—, 2 छ—, 3—ह, 4—ह, 5—नू.  
6 वि—, 7—नू.

a Or उन्मादः. Some read सोन्मादः or स्रन्मादः and स्रन्मादः.  
b Or वचनग्राही (नू). c Some make these synonymous with the preceding. d Having passions restrained : or else humble, nor arrogant. e Or प्रवृतः. f दृष्णक् (—ञ्). Also दृष्णुः. g कातरः—रा—रं. h Also तस्त्रः, भीतः, &c.,

- 1 *m f n* 2 *m f n*  
 27. आशंसराशंसितरि  
 3 *m f n* 4 *m f n a*  
 गृह्याबुर्गृहीतरि  
 5 *m f n*  
 अद्वालः (अद्वाया युक्ते)  
 6 *m f n* 7 *m f n*  
 पतयालु (स्तु.) पातकः  
 8 *m f n*  
 28. (लज्जाशीले) ऽपत्रपिष्णुर्  
 9 *m f n* 10 *m f n* 11 *m f n*  
 वन्दाररभिवादके  
 12 *m f n* 13 *m f n* 14 *m f n*  
 शरार्धतुको हिंस्रः  
 15 *m f n* 16 *m f n*  
 (स्याद्) बर्द्धिष्णु (स्तु.) बर्द्धनः  
 17 *m f n* 18 *m f n*  
 29. उत्पतिष्णु (स्तु) त्यतिता  
 19 *m f n* 20 *m f n* 21 *m f n*  
 ऽलङ्कारिष्णु (स्तु) मण्डनः  
 22 *m f n* 23 *m f n* 24 *m f n*  
 भूष्णुर्भू विष्णुर्भू विता  
 25 *m f n* 26 *m f n*  
 वर्त्तिष्णुर्वर्त्तनः (समौ)  
 27 *m f n* 28 *m f n*  
 30. निराकरिष्णुः क्षिप्रुः (स्यात्)  
 29 *m f n* 30 *m f n*  
 सान्द्रक्षिग्ध (स्तु.) मेदुरः  
 31 *m f n* 32 *m f n* 33 *m f n*  
 ज्ञाता (तु) विदुरे विन्दुर्  
 34 *m f n c* 35 *m f n*  
 विकासी (तु) विकस्वरः

- 1—सु. 2 आ—ह. 3—दु. 4—ष्णु. 5—ह. 6 अ—  
 7 वा— 8 उ—ह. 9 अ— 10 अ—ह. 11 व— 12—ह.  
 13—दु. 14—नु.  
 \* अद्वाया (—ह) or अद्वाया (—ह). b Or क्षिप्रुः. c Also विकासी (तु)  
 and विकस्वरः or विकासी (तु) and विकस्वरः

|                           |                             |                               |                |              |
|---------------------------|-----------------------------|-------------------------------|----------------|--------------|
|                           | <i>mfn</i>                  | <i>mfn</i>                    | <i>1 mfn</i>   | <i>2 mfn</i> |
| Flowing or<br>creeping.   | 31. विस्तृतरो विस्तृतः      | प्रसारी (च)                   | विसारणि        |              |
|                           | <i>mfn</i>                  | <i>mfn</i>                    | <i>3 mfn</i>   | <i>mfn</i>   |
| Patient,<br>content. a    | सहिष्णुः सहनः क्षन्ता       | तितिक्षुः क्षमिता             | क्षमी          |              |
|                           | <i>mfn</i>                  | <i>mfn</i>                    | <i>6 mfn b</i> |              |
| Passionate ;<br>wrathful. | 32. क्रोधनेऽमर्षणः          | कोपी                          |                |              |
|                           |                             | <i>mfn</i>                    | <i>7 mfn</i>   |              |
| Very passi-<br>onate.     |                             | चण्ड (ख)                      | ऽत्यन्तकोपनः   |              |
|                           | <i>mfn</i>                  | <i>8 mfn</i>                  |                |              |
| Wakeful.                  | जागरूके जागरिता             |                               |                |              |
|                           |                             | <i>mfn</i>                    | <i>mfn</i>     |              |
| Rolling, as<br>in sleep.  |                             | घर्णितः                       | प्रचलायितः     |              |
|                           | <i>9 mfn</i>                | <i>mfn</i>                    | <i>10 mfn</i>  |              |
| Sleepy, slug-<br>gish.    | 33. स्वप्नक् शयात्निद्रालर् |                               |                |              |
|                           |                             | <i>mfn</i>                    | <i>11 mfn</i>  |              |
| Asleep.                   |                             | निद्राय शयितौ (समौ)           |                |              |
|                           | <i>mfn</i>                  | <i>mfn</i>                    |                |              |
| Averting<br>the face.     | पराङ्मुखः पराचीनः           |                               |                |              |
|                           |                             | <i>11 mfn</i>                 | <i>mfn</i>     |              |
| Down-look-<br>ed. d       |                             | (स्याद्) अवाङ् 'ऽप्य' ऽधोमुखः |                |              |
|                           |                             | <i>12 mfn h</i>               |                |              |
| Adoring<br>deities. g     | 34. (देवानश्चति) देवद्रष्ट् |                               |                |              |
|                           |                             | <i>13 mfn i</i>               |                |              |
| Going every-<br>where.    |                             | विष्वद्रष्ट् (विष्वगंचति)     |                |              |
|                           |                             | <i>14 mfn j</i>               |                |              |
| Accompany-<br>ing.        | (यः सहांचति सभ्रष्ट् (स)    |                               |                |              |
|                           |                             | <i>15 mfn k</i>               |                |              |
| Moving tor-<br>tuously.   |                             | (स) तिथ्यंङ् (यस्तिरे ऽश्चति) |                |              |

|        |         |          |        |        |        |
|--------|---------|----------|--------|--------|--------|
| 1—न्.  | 2—रिन्. | 3—र्त्त. | 4—त्.  | 5—न्.  | 6—न्.  |
| 7—न्.  | 8—त्.   | 9—ञ्.    | 10—न्. | 11—न्. | 12—न्. |
| 13—न्. | 14—न्.  | 15—न्.   |        |        |        |

<sup>a</sup> Some distinguish the three first terms as signifying patient; and the other three, contented. <sup>b</sup> Also कोपनः. <sup>c</sup> Likewise निद्रितः. <sup>d</sup> Also headlong. <sup>e</sup> Fem. अवाचो. <sup>f</sup> Fem. अधोमुखी. <sup>g</sup> The same term signifies approaching idols. <sup>h</sup> Fem. देवद्रीची. Neut. देवद्रक्. <sup>i</sup> Fem. विष्वद्रीची. Neut. विष्वद्रक्. Also विष्वद्रष्ट् (—च),—द्रीची,—द्रक्. <sup>j</sup> Fem. सभ्रीची. Neut. सभ्रक्. Also सम्यङ् (—च). <sup>k</sup> Fem. तिरची.

- m f n m f n 1 m f n*  
 35. वदो वदावदो वक्ता Speaking sensibly. a  
*m f n m f n*  
 वागीशो वाक्पतिः (समौ) Eloquent.  
*m f n c 2 m f n d m f n 3 m f n*  
 वचोयुक्तिपटुर्वाग्मी वावदूक (श्च) वक्तरिः Speaking much. b  
*m f n f m f n g m f n 4 m f n*  
 36. (स्यात्)जल्पाक(स्तु)वाचालो वाचाटो बद्धगर्ह्यवाक् Talking nonsense. c  
*m f n m f n m f n*  
 दुर्मुखे मुखरा ऽवद्वमुखौ Foul-mouthed, scurrilous.  
*m f n h m f n*  
 शक्तुः प्रियम्बदे Speaking civilly.  
*m f n 5 m f n*  
 37. लोहलः (स्याद्) अस्फुटवाग् Lispering.  
*6 m f n m f n*  
 गर्ह्यवादी (त) कददः Speaking ill.  
*m f n m f n*  
 (समौ) कुवाद कुचरो Censorious, detracting.  
*m f n m f n*  
 (स्याद्) असौम्यस्वरो ऽस्वरः Having a bad voice.  
*m f n m f n*  
 38. रवणः शब्दनेः Sonorous.  
*7 m f n m f n 1*  
 नान्दीवादी नान्दीकरः (समौ) Speaker of a prologue. 1

1—क्त. 2—न्. 3—क्त. 4—श्च. 5—श्च.  
 6—न्. 7—न्.

<sup>a</sup> Or knowing how to speak. Some interpret this simply, speaking or speaker. <sup>b</sup> Some separate the two first terms as signifying one who speaks as is fit; and the other two, as signifying loquacious. <sup>c</sup> Or वचोयुक्तिः, and पटुः. <sup>d</sup> वाग्मी (न्) or वाग्मी (न्). <sup>e</sup> Or simply, talkative: or else, saying much that is blamable. <sup>f</sup> Fem. जल्पाकी. <sup>g</sup> This term also occurs in a good sense. <sup>h</sup> Also शक्तः, शक्तः, and शक्त. <sup>i</sup> Some say player of the overture. The prologue of an Indian drama is a benediction<sup>1</sup> joined with compliments to the audience. <sup>j</sup> Or नान्दीकरः.



|                            |   |                            |
|----------------------------|---|----------------------------|
|                            | <i>m f n a m f n</i>                                  |                            |
| Idiot, stupid.             | जडो ऽच्च.   |                            |
| Deaf and dumb.             | <i>m f n b</i>  |                            |
|                            | एडम्बक (स्तु. वक्तुं श्रोतुमशिक्षिते)                 |                            |
|                            | <i>* m f n</i>  | <i>m f n</i>               |
| Silent.                    | 39. तुष्णींशील (स्तु.) तुष्णीकौ                       |                            |
|                            |   | <i>m f n I m f n m f n</i> |
| Naked.                     | नग्ने ऽवासा दिग्ग्वरे                                 |                            |
|                            | <i>m f n c m f n</i>                                  |                            |
| Expelled.                  | निःकासितो ऽवकृष्टः (स्याद्)                           |                            |
|                            |   | <i>m f n m f n</i>         |
| Cursed.                    | अपध्वस्त (स्तु.) धिक्कृतः                             |                            |
|                            | <i>m f n m f n c</i>                                  |                            |
| Humbled : subdued. d       | 40. आत्तगर्वा ऽभिभूतः (स्याद्)                        |                            |
|                            |   | <i>m f n g m f n</i>       |
| Condemned ; or adjudged. f | दापितः साधितः (समौ)                                   |                            |
|                            | <i>m f n m f n</i>                                    | <i>m f n m f n</i>         |
| Removed ; set aside.       | प्रत्यादिष्टो निरस्तः (स्यात्) प्रत्याख्यातो निराकृतः |                            |
|                            | <i>m f n m f n</i>                                    | <i>m f n</i>               |
|                            | 41. निरस्तः (स्याद्) विप्रकृतो                        |                            |
|                            |   | <i>m f n m f n</i>         |
| Deceived, tricked.         | विप्रलब्ध (स्तु.) वधितः                               |                            |
|                            | <i>m f n m f n m f n m f n</i>                        |                            |
| Disappointed.              | मनोहतः प्रतिहतः प्रतिबद्धो हत (श्च सः)                |                            |
|                            | <i>m f n m f n</i>                                    |                            |
| Turned away. h             | 42. अधिक्षिप्तः प्रतिक्षिप्तो                         |                            |
|                            |   | <i>m f n m f n m f n</i>   |
| Confined. i                | बद्धे कौलित संयतो                                     |                            |

<sup>a</sup> Fem. जडा. <sup>b</sup> Also अनेडम्बकः. <sup>c</sup> One reads निःकासितः. <sup>d</sup> Some make the preceding synonymous with this. <sup>e</sup> Also अनिहतः. <sup>f</sup> Either the person cast ; or the thing awarded ; some interpret this, amerced ; others, the person, by whom, or to whom, payment is made. <sup>g</sup> Likewise दापितः. <sup>h</sup> Some explain it sent or despatched. <sup>i</sup> Bound ; some say fettered or confined in stocks, &c. others say imprisoned.

- m f n* *m f n*  
**आपन्न आपत्प्राप्तः (स्यात्)** *m f n* *m f n* Distressed.  
*a*
- कांदिशीको भयद्रुतः** *m f n* *m f n* Put to flight.
- m f n* *m f n* *m f n*  
**43. आचारितः चारितो ऽभिग्रस्त** *m f n* *m f n* Calumniated.  
*b*
- सङ्कसुको ऽस्थिरे** *m f n* *m f n* Unsteady. c
- m f n* *1 m f n*  
**व्यसनार्त्ता परत्तो (द्वौ)** *m f n* *m f n* Afflicted. d
- विहस्त व्याकुलो (समौ)** *m f n* *m f n* Confounded, perplexed.
- m f n* *m f n*  
**44. विह्वले विह्वलः** *m f n* *m f n* Overcome by fear, &c.  
*e*
- (स्यात्तु) विवशो ऽरिष्टदुष्टधीः** *m f n* *m f n* Apprehensive of death.
- m f n* *m f n*  
**कथ्यः कथाचै** *m f n* *2 m f n* *m f n g* Deserving a whipping.
- सम्भ्रं (त्वा) ततायी बधोद्यते** *m f n* *m f n* Murderous ; a felon. f
- m f n* *m f n*  
**45. द्वेष्ये (त्व) ऽस्त्रिगते** *m f n* *m f n* Hateful, detestable.
- बध्यः शीर्षच्छेद्य (इमौ समौ)** *m f n* *m f n* Meriting beheading.
- m f n*  
**विष्यो (विषेणयो बध्यो)** *m f n* *m f n* Meriting death by poison.
- सुसल्यो (सुसलेन यः)** *m f n* *h* —by knocks of a pestle.

1 अ—क्त.

2 आ—नू.

<sup>a</sup> Overtaken by calamity. <sup>b</sup> Especially by <sup>a</sup> false accusation of adultery : some explain it, accused of adultery ; others say, guilty of a crime. <sup>c</sup> Some interpret this uncertain. <sup>d</sup> Suffering pain from a cause human or divine. <sup>e</sup> Unable to contain himself. <sup>f</sup> Including assassins, incendiaries, robbers, &c. <sup>g</sup> Most commentators exclude the last, others the first and last, of these terms, from the synonyma. <sup>h</sup> Or शीर्षच्छेद्यः.

|                              |   |  |
|------------------------------|---|--|
| Innocent.                    | <i>mfn</i> 1 <i>mfn</i>   | 46. शिखिदानो ऽक्षयकर्म                                 |
| Inconsiderately guilty.<br>b | <i>mfn</i> 2 <i>mfn</i>   | चपल शिकुरः (समो)                                       |
| Malevolent and censorious. c | 3 <i>mfn</i> 4 <i>mfn</i>   | दोषेकटक् पुरोभागी                                      |
| Wicked ; perverse.           | <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i>                         | निकृत (स्व.) ऽवृजः शठः                                 |
| Informers.                   | <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> d                                  | 47. कर्णजपः सूचकः (स्यात्) पिशुनो                      |
| Mischief-maker.              | <i>mfn</i> <i>mfn</i>   | दुर्जनः खलः  |
| Destructive, mischievous.    | <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i>                         | वृशंसो घातुकः क्रूरः पापो                              |
| Fraudulent ; crafty.         | <i>mfn</i> <i>mfn</i>   | धूर्त्त (स्तु.) वद्भकः                                 |
| Idiot.                       | <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i>   | 48. अन्न मूढ यथाजात मूर्ख वैधेय बालिशः                 |
| Miser ; avacious.            | <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> g | कदर्थ्यं कृपण क्षुद्र किम्पचान भितम्पचाः               |
| Poor ; indigent.             | <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> h | 49. निःस्व(स्तु.)दुर्विधो दीनो दरिद्रो दुर्गतेः(ऽपि सः |
| Beggar ; mendicant,          | <i>mfn</i> i <i>mfn</i> <i>mfn</i> <i>mfn</i> 5 <i>mfn</i>          | वनीयको याचनको मार्गणो याचका ऽर्थिनौ                    |

1—न्.

2 चि—.

3—य्.

4—न्.

5—न्.

<sup>a</sup> Many commentators read कृष्णवर्मा (न्) ; and expound that with the preceding term, sinful or criminal. <sup>b</sup> Committing a crime without considering the guilt. <sup>c</sup> Remarking only ill qualities. <sup>d</sup> Some include this in the next article ; others make the five words synonymous. <sup>e</sup> Also सुगन्धः. <sup>f</sup> Fem. वैधेयी. <sup>g</sup> Some read किम्पचः and अन्नमितपचः. <sup>h</sup> Likewise दुस्यः. <sup>i</sup> Or वनीपकः.

1 *m f n a* 2 *m f n*

०. अहङ्कारवानुहंयुः (स्यात्)

Proud.

*m f n**m f n b*

शुभंयु (स्तु.) शुभान्वितः Happy.

*m f n*

दिव्योपपादुका (देवाः)

Of divine  
origin. c*m f n*(वृगवाद्याः) जरायुजाः Viviparous.  
d*m f n*

1. स्वेदजाः (कृमिदंशाद्याः)

Engendered  
by damp. e*m f n*(पक्षिसर्पादयो) ऽण्डजाः Oviparous.  
f

1—वत्.

2 अ—.

\* Some make this to be only explanatory of the other term. <sup>b</sup> This is by some made only explanatory. <sup>c</sup> Divine beings, produced without any apparent cause. <sup>d</sup> Produced from a viviparous being; as men, horses, bulls, &c. <sup>e</sup> As worms and insects. <sup>f</sup> Produced from animals; birds, serpents, &c.

CHAPTER II.

|                             |   |   |   |
|-----------------------------|---|---|---|
| Vegetables.<br>a            | m | 1. उद्भिद (सुखगुल्माद्या)                         | 1 m f n m f n b 2 m f n                         |
| Sprouting ;<br>germinating. |   | उद्भिदुद्भिज्ज मद्भिदम्                           |   |
| Beautiful or<br>pleasing.   |   | सुन्दरं रुचिरं चारु सुसमं साधु शोभनम्             | m f n c m f n m f n m f n m f n m f n           |
| Charming.                   |   | 2. कान्तं मनोरमं रुच्यं मनोज्ञं मञ्जु मञ्जुलम्    | m f n m f n d m f n m f n m f n m f n c         |
| Beloved,<br>desired.        |   | (तद्) ऽसेचनकं (दृप्तं) नृस्यन्तो यस्य दर्शनात्    | m f n m f n m f n m f n m f n m f n             |
| Inferior ;<br>low.          |   | 3. अभीष्टे ऽभीष्टितं हृद्यं दयितं वल्लभं प्रियम्  | m f n m f n 3 m f n m f n g m f n m f n h m f n |
| Foul, dirty.                |   | निरुष्ट प्रतिक्रष्टा वै रेफ याप्या ऽवमा ऽधमाः     | m f n m f n m f n m f n m f n m f n i           |
|                             |   | 4. कुपूय कुत्सिता ऽवद्या खेट गर्ह्या ऽणकाः (समाः) | m f n m f n j m f n m f n k                     |
|                             |   | मलीमसं (तु) मलिनं कञ्जरं मलदूषितम्                |   |

1—द.

2 उ—.

3—न.

\* As trees, shrubs, &c. <sup>b</sup> उद्भिज्जं or उद्भिजं. <sup>c</sup> Fem. सुन्दरी and सुन्दरा. <sup>d</sup> Also मनोहरं, and मनोहारि (नृ). <sup>e</sup> Some add सौम्यं, भद्रं, रमणीयं, and रासणीयकं. <sup>f</sup> असेचनकं or आसेचनकं. <sup>g</sup> Or रेपः. Also रेफ (स्) and रेपः (स्). <sup>h</sup> Some read करवः. <sup>i</sup> अणकः or आणकः, also अणवः. <sup>j</sup> Likewise मलानं. <sup>k</sup> Some discriminate the two first terms as signifying simply dirty ; and the other two spoiled by dirt.

5. <sup>m f n m f n m f n</sup> पूतं पवित्रं मेध्यं (च) Purified.
- <sup>m f n m f n</sup> वीधं (तु) विमला (लकम्) Clean.
- <sup>m f n m f n m f n m f n</sup> निर्णितं शोधितं सृष्टं निःशोध्यमनवस्कारम् Cleansed.
6. <sup>m f n m f n</sup> असारं फल्यु Pithless.
- <sup>m f n a m f n m f n m f n</sup> शून्य (न्तु.) वशिकं तुच्छ रिक्तके Void, empty.
- <sup>n c m f n m f n m f n 2 m f n</sup> (क्रीडे) प्रधानं प्रसुख प्रवेका ऽनुत्तमोत्तमाः Chief; principal. b
7. <sup>m f n d m f n m f n m f n m f n</sup> सुखं वर्धं वरेण्या (स्य) प्रवर्द्धं ऽनवराद्धं (वत्) <sup>m f n m f n m f n m f n e 3 m f n</sup>
- <sup>4 m f n m f n m f n m f n m f n</sup> पराद्धं ऽग्र प्राग्रहर प्रग्र्य ऽग्र्य ऽग्रीयमग्रियम्
8. <sup>m m 5 m m</sup> श्रेयान् श्रेष्ठः पुष्कलः (स्यात्) सत्तम (स्य) ऽतिशोभने Excellent. f
- <sup>m m m h</sup> (स्युत्तरपदे) व्याघ्र पुङ्गवर्धभ कुञ्जराः Pre-eminentg (in comp.)
9. सिंह शार्दूल नागा (द्याः पुंसि श्रेष्ठार्थगोचराः)

1 च—

2 छ—

3 झ—

4—ञच्.

5—झ.

<sup>a</sup> Or शून्यं. <sup>b</sup> Some restrict the synonyma to the first line; others to the first eight terms; while others extend them to three lines, or even to four. <sup>c</sup> Invariably neuter. Instances of this word used in the masculine and in the feminine gender, are poetical licenses. Also सुखः. <sup>e</sup> Also वपयोः—यो—यि. <sup>f</sup> Some join this with the preceding article; others take in the two last lines; or the last line and a half including fourteen terms. <sup>g</sup> Ex. पुङ्गवव्याघ्रः, an eminent man. <sup>h</sup> निःशोध्यः, a pre-eminent sage. <sup>i</sup> Besides other terms as सुखः, चन्द्रः, &c.

- Secondary,  
subordinate.  $mfn$   $n$   $1n$   
अप्राग्रं (द्वयहीने हे) अप्रधानोपसर्जने
- Great.  $mfn$   $a$   $mfn$   $2mfn$   $3mfn$   $mfn$   $4mfn$   
10. विद्यङ्कटं पृथु दृढद्विशालं पृथुलं महत्  
 $mfn$   $b$   $5mfn$   $mfn$   
वङ्कोरं विपुलं  
 $mfn$   $6mfn$   $c$   $mfn$   $mfn$
- Fat ; large. पीन पीत्री (तु) खूल पीवरे  
 $mfn$   $mfn$   $mfn$   $mfn$   $mfn$   $mfn$   $mfn$   $mfn$
- Little,  
small.  $d$   
11. श्लोकाऽल्प क्षुल्लकाः सूक्ष्मां स्रक्ष्णां दम्भं क्षयं तनु  
 $f$   $c$   $f$   $i$   $mg$   $m$   $mh$   $7n$   
(स्त्रियां) मात्वा लुटी(पुंसि)खल्व लेय कणाऽणवः  
 $mfn$   $mfn$   $8mfn$   $9mfn$   $j$   $10mfn$
- Very small.  $i$   
12. अत्यल्पेऽल्पिष्ठमन्वीयः कणीयोऽण्वीय(इत्यपि  
 $mfn$   $mfn$   $mfn$   $11mfn$   $mfn$   $mfn$
- Much,  
many. प्रभूतं प्रचुरं प्राज्यमदभं वङ्कलं वङ्क  
 $mfn$   $k$   $mfn$   $mfn$   $mfn$   $12mfn$   $l$   $mfn$
- Countless.  
 $m$   
13. पुरसं पुर भूयिष्ठं स्फिरं भूयं (ञ्) भूरि (ष)  
 $mfn$   
परःशता (द्वाले येषां परा संख्या शतादिकात्)

1 च— 2—त्. 3 वि— 4—त्. 5 उ— 6—त्.  
7—त्. 8 च—त्. 9—त्. 10—त्. 11 च— 12—त्.

<sup>a</sup> Fem. विद्यङ्कटा, or—टी. <sup>b</sup> Also दम्भं. <sup>c</sup> Fem. पीवरी. <sup>d</sup> One author divides this article into four, making the three first terms signify small; the five next minute; the two terms following very minute; and the four last atom-like. <sup>e</sup> This and the following are invariably feminine. <sup>f</sup> Or लुटिः. <sup>g</sup> This and the following are invariably masculine. But some make them vary the gender. Others restrict the three first of them to the abstract sense. <sup>h</sup> Also fem. कणी or कणीका. <sup>i</sup> Some omit this line. <sup>j</sup> Also कनीयः (सः). <sup>k</sup> Likewise पुरङ्क. <sup>l</sup> Also भूय (त्). <sup>m</sup> In this compound term, the first word is indeclinable. Ex. परःशतं—सा,—सं. But others make it vary with the gender. Ex. Neut. परंशतं, more than a hundred. So परःसहस्रः (परंसहस्रं), above a thousand; परोलक्षः, above a hundred thousand.

14. गणनीये (तु) गाण्यं Numerable.  
mf n mf n  
mf n mf n  
संख्याते गणितम् Numbered,  
counted.  
mf n mf n  
(अथ) समं सर्वम् All; entire.
15. समग्रं सकलं पूर्णमखण्डं (स्याद्) अनूके  
mf n mf n mf n mf n mf n mf n mf n  
mf n mf n mf n mf n mf n mf n  
घनं निरन्तरं सान्द्रं Coarse  
grass. c  
mf n mf n mf n  
पेखवं विरलं तनु Delicate,  
fine. d  
mf n mf n mf n mf n mf n
16. समीपे निकटसन्न सन्निकट समीडे (वत्)  
mf n mf n mf n mf n mf n mf n  
सदेशाऽभ्यास सविधः समर्थोऽसवेय (वत्)  
mf n mf n mf n mf n mf n mf n
17. उपकण्ठाऽन्तिकाऽभ्यर्थाऽभ्यगाऽभ्यगऽभिते  
mf n mf n mf n mf n mf n mf n  
(ऽध्ययम्)  
mf n mf n mf n mf n mf n mf n  
संसक्ते (त्वं)ऽव्यवहितमपठान्तर (मित्यपि) Adjoining,  
contiguous.  
mf n mf n mf n mf n mf n mf n
18. नेदृष्टमन्तिकतमं Very near.  
mf n mf n mf n mf n mf n mf n  
(स्याद्) दूरं विप्रकटकम् Distant.

1 अ—.

2 अ—स.

3 अ—.

4 आ—.

5 अ—.

<sup>a</sup> Likewise पूर्व°. <sup>b</sup> Or अनून°. <sup>c</sup> Without interstices. <sup>d</sup> With interstices. <sup>e</sup> Or अव्यासः. <sup>f</sup> Also सवेयः. <sup>g</sup> Likewise अपदान्तरं. <sup>h</sup> Also अन्तिकं. <sup>i</sup> And विप्रकटक°.



|                    |   |                             |                           |  |
|--------------------|---|-----------------------------|---------------------------|--|
|                    | <sup>1</sup> <i>mfn</i>                           | <sup>2</sup> <i>mfn</i>     | <sup>3</sup> <i>mfn</i>   |  |
| Very remote.       | दवीय (श्च) दविष्ठं (च) सुदूरं                     |                             |                           |  |
| Long.              |   |                             |                           | <sup>4</sup> <i>mfn</i> <sup>5</sup> <i>2 mfn</i><br>दीर्घमायतम्   |
| Round. a           | <sup>6</sup> <i>mfn</i>                           | <sup>7</sup> <i>mfn</i>     | <sup>8</sup> <i>mfn</i>   |  |
| Uneven, wavy. b    | 19. वर्तुलं निस्तलं वृत्तं                        |                             |                           | <sup>9</sup> <i>mfn</i> <sup>10</sup> <i>c</i> <sup>11</sup> <i>3 mfn</i><br>बन्धुरं (वृ) न्तानतम्   |
| High, tall. d      | <sup>12</sup> <i>mfn</i>                          | <sup>13</sup> <i>mfn</i>    | <sup>14</sup> <i>4mfn</i> | <sup>15</sup> <i>5mfn</i> <sup>16</sup> <i>6mfn</i> <sup>17</sup> <i>7mfn</i> <sup>18</sup> <i>e</i><br>उच्च प्रांशून्वतोदयोच्छ्रितास्तुङ्गे |
| Short.             |   |                             |                           | <sup>19</sup> <i>ufn</i><br>(ऽथ) वामने   |
|                    | <sup>20</sup> <i>mfn</i>                          | <sup>21</sup> <i>8mfn</i>   | <sup>22</sup> <i>mfn</i>  | <sup>23</sup> <i>mfn</i>   |
| Bending, stooping. | 20. न्यङ्गीच खर्वं ह्रस्वाः (स्युरं)              |                             |                           | <sup>24</sup> <i>mfn</i> <sup>25</sup> <i>mfn</i> <sup>26</sup> <i>9 mfn</i> <sup>27</sup> <i>h</i><br>अवाग्रे ऽवनतानतम्                     |
| Crooked. i         | <sup>28</sup> <i>mfn</i>                          | <sup>29</sup> <i>mfn</i>    | <sup>30</sup> <i>mfn</i>  | <sup>31</sup> <i>10 mfn</i> <sup>32</sup> <i>mfn</i> <sup>33</sup> <i>mfn</i><br>अरालं वृजिनं जिह्वामूर्धिमत्कुञ्चितं नतम्                   |
|                    | <sup>34</sup> <i>mfn</i>                          | <sup>35</sup> <i>mfn</i>    | <sup>36</sup> <i>mfn</i>  | <sup>37</sup> <i>mfn</i> <sup>38</sup> <i>mfn</i>  |
|                    | 21. आबिङ्गं कुटिलं मुग्नं वेक्षितं वक्र (मित्यपि) |                             |                           |  |
| Strait.            | <sup>39</sup> <i>11 mfn</i>                       | <sup>40</sup> <i>12 mfn</i> | <sup>41</sup> <i>mfn</i>  |  |
| Confounded.        | वृजवजिह्व प्रगुणौ                                 |                             |                           | <sup>42</sup> <i>mfn</i> <sup>43</sup> <i>13 mfn</i> <sup>44</sup> <i>14 mfn</i><br>व्यस्ते (त्व) प्रगुणाकुलो                                |
| Eternal.           | <sup>45</sup> <i>mfn</i>                          | <sup>46</sup> <i>mfn</i>    | <sup>47</sup> <i>mfn</i>  | <sup>48</sup> <i>mfn</i> <sup>49</sup> <i>mfn</i><br>22. शाश्वत (स्तु) ध्रुवो नित्य सदातन सनातनाः  |

|        |        |       |          |        |        |
|--------|--------|-------|----------|--------|--------|
| 1—स्.  | 2 आ—.  | 3 उ—. | 4 उ—.    | 5 उ—.  | 6 उ—.  |
| 7 स्—. | 8 नीच. | 9 आ—. | 10 ज—त्. | 11—जु. | 12 च—. |
| 13 च—. | 14 आ—. |       |          |        |        |

<sup>a</sup> Either circular or globular. <sup>b</sup> Some interpret this, naturally even, but factitiously depressed in some place. <sup>c</sup> Or बन्धुरं. <sup>d</sup> Some make the preceding terms synonymous with these. <sup>e</sup> Also उच्चः. <sup>f</sup> न्यङ्ग, fem. नीची, neut. न्यक्. <sup>g</sup> Or खर्वः. <sup>h</sup> Also नतं. <sup>i</sup> Some make the preceding article synonymous with this.

|     |   |   |
|-----|---|---|
|     | <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>1 m f n</sup><br>स्थायः स्थिरतरः स्थेयान्  | Permanent,<br>firm. a                   |
|     | (एकरूपतया तु यः)  |   |
| 23. | <sup>m f n</sup> (कालव्यापी स) कूटस्थः  | Uniform :<br>perpetually<br>the same. b |
|     | <sup>m f n</sup><br>स्थावरो (जङ्गमेतरः)   | Immovable.                              |
|     | <sup>m f n</sup> <sup>2 m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>3 m f n</sup> <sup>m f n</sup><br>चरिष्णुर्जङ्गम चर तस मिङ्ग चराचरम्                             | Movable.                                |
| 24. | <sup>m f n</sup> <sup>d</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup><br>चलनं कम्पनं कम्पं चलं लोलं चलाचलम्                    | Shaking,<br>moving. c                   |
|     | <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup><br>चञ्चलं तरलं (चैव) पारिस्वव परिस्ववे  |   |
| 25. | <sup>m f n</sup> अतिरिक्तः समधिको   | Exceeding.                              |
|     | <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup><br>दृढसन्धि (स्तु.) संहतः   | Strong knit.<br>e                       |
|     | <sup>m f n</sup> <sup>f</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>g</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup><br>कक्खटं कठिणं क्रूरं कठोरं निष्ठुरं दृढम् | Hard, solid.                            |
| 26. | <sup>m f n</sup> <sup>h</sup><br>जठरं   |   |
|     | <sup>4 m f n</sup> <sup>5 m f n</sup><br>मूर्तिमन्मूर्त्तिं   | Material,<br>corporeal. i               |
|     | <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>6 m f n</sup><br>प्रवृद्धं प्रौढमेधितम्  | Full-grown.                             |
|     | <sup>m f n</sup> <sup>j</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup> <sup>m f n</sup><br>पुराणे प्रतनं प्रत्न पुरातन चिरन्तनाः                                  | Old, an-<br>cient.                      |

1—झ. 2—ञ. 3—इ. 4—वृ. 5—सू. 6—ए.

a Some make these synonymous with the preceding. b As the soul, the ethereal expanse, &c. c Some interpret the three first terms, tremulous ; and the seven last trembling : others, the three first moving, and the seven last quaking. d Also चपलं and चटलं. e Some apply this to a man whose limbs are strongly knit ; others to any thing, which has no interstices. f Also खक्खटं. g Or कठोर्ष. h Fem. जठरा. Also जठरः,—ठा,—ठ. i Some join these with the preceding synonyma. j Fem. पुराणा,—णी.

- New. 27. प्रत्यग्रो ऽभिनवो नव्यो नवीनो नूतनो नवः  
*m f n m f n m f n m f n m f n m f n*  
*m f n*  
 नूत (ञ)
- Soft. सकुमारं (तु) कोमलं च्छदुलं च्छदु  
*m f n m f n m f n m f n*
- Following. 28. अन्वगन्वक्षमनुगे ऽनुपदं क्षीवमव्ययम्  
*1 m f n a 2 m f n 3 m f n i*
- Perceptible. b प्रत्यक्षं (स्याद्) ऐन्द्रियकम्  
*m f n c m f n*
- Imperceptible. d अप्रत्यक्षमतीन्द्रियम्  
*m f n e 4 m f n*
- Closely attentive. f 29. एकतानो ऽनन्यदत्तिरे काग्रैकायनां (वृषि)  
*m f n m f n 5 m f n 6 m f n*  
*7 m f n m f n 8 m f n*  
 (अप्ये) कसगं एकाग्रो (ऽप्ये) कायनगतो (ऽपि च  
*9 m g m f n m f n m f n 10 m f n h*
- Prior; first; initial. 30. पेस्यादिः पूर्वं पौरस्त्य प्रथमाद्या  
 Last, ultimate. (अथास्त्रियाम्)  
*m n i m f n m f n 11 m f n m f n j m f n k*
- Vain, useless. 31. मोघं निरर्थकं  
*m f n m f n*
- Apparent, evident. स्पष्टं स्फुटं प्रव्यक्तमलुणम्  
*m f n m f n m f n 12 m f n*

1—ञ. 2 अ—. 3 च—. 4 क्ष—. 5 ए—. 6 ए—न्.

7 ए—. 8 ए—. 9 आदि. 10 आद्य. 11 अ—. 12 उ—.

<sup>a</sup> अन्वक, अन्वीजी, अन्वङ्. <sup>b</sup> Or perceived : present. <sup>c</sup> Likewise क्षमन्व. <sup>d</sup> Or unperceived : absent. <sup>e</sup> Also अन्व्यक्षं. Likewise परोक्षं. <sup>f</sup> With the mind fixed attentively on one object. <sup>g</sup> Invariably masculine. <sup>h</sup> Also आदिचः and अप्यिचः. <sup>i</sup> Even with a feminine noun, it remains masculine or neuter. <sup>j</sup> Some write पाश्चात्तरः. <sup>k</sup> Also अन्विचः.

- m f n a* *n*  
**साधारणं (तु) सामान्यम्** *1 m f n 2 m f n m f n* Common.
- m f n* *m f n b m f n m f n c m f n m f n*  
**एकाकी (त्वे) क एककः** *1 m f n 2 m f n m f n* Alone, solitary.
- m f n* *4 m f n*  
**32. भिन्ना (र्थका) अन्यतर एकस्वे! अन्येतरा (वृषि)** Other different.
- m f n* *5 m f n d*  
**उच्चावचं नैकभेदम्** *m f n 5 m f n d* Various.
- m f n* *6 m f n*  
**उच्चण्डमविलम्बितम्** *m f n 6 m f n* Quick, expeditious.
- m f n* *m f n* *m f n*  
**33. अरन्तुद (स्तु) मर्मस्पर्ग** *m f n m f n m f n* Sharp, corrosive.
- m f n* *m f n* *m f n 7 m f n*  
**अवाधं (तु) निरर्गलम्** *m f n m f n m f n 7 m f n* Unobstructed.
- m f n* *m f n*  
**प्रसव्यं प्रतिकूलं (स्याद्) अपसव्यमपष्ठु (च)** *m f n m f n* Contrary.
- m f n e* *m f n*  
**34. वामं (शरीरं) सव्यं (स्याद्)** *m f n e m f n* Left.
- m f n* *m f*  
**अपसव्यं (तु) दक्षिणम्** *m f n m f* Right.
- m f n* *m f n*  
**सङ्कटं (ना तु) सस्वाधः** *m f n m f n* Narrow.
- m f n h* *m f n m f n*  
**कलिलं गहनं (समे)** *m f n m f n* Impervious.
- m f n* *m f n*  
**35. सङ्कीर्णं संकुलाकीर्णं** *m f n m f n* Crowded, confused. g
- m f n*  
**सुखितं परिवापितम्** *m f n* Shaved.

1—ञ. 2 एक. 3 इ—र. 4 अ—. 5—घ. 6 अ—. 7 आ—.

<sup>a</sup> Fem. साधारणी—या. <sup>b</sup> Some read एकतरः. <sup>c</sup> त्वः (resulting from two radical pronouns, त्व and त्वत्, which differ in accent). <sup>d</sup> Or अविस्मयनं. <sup>e</sup> Or अपसव्यं. Some make one term explanatory of the other. <sup>f</sup> Invariably masculine. <sup>g</sup> Some make this and the preceding article synonymous. <sup>h</sup> Also सङ्कीर्णं.

|                          |   |
|--------------------------|---|
| Strung ;<br>tied.        | <i>mfn a mfn b mfn</i><br>ग्रन्थितं सन्धितं दृष्यं  |
| Spread ;<br>diffuse.     | <i>mfn mfn mfn</i><br>विस्तृतं विस्तृतं ततम्  |
| Forgotten.               | <i>mfn mfn</i><br>36. अन्तर्गतं विस्मृतं (स्यात्)   |
| Placed. e                | <i>mfn d mfn</i><br>प्राप्तप्रणिहिते (समे)  |
| Shaken.                  | <i>mfn mfn 1 mfn mfn 2 mfn mfn</i><br>वेक्षितं प्रेषिताधूत चलिताकम्पिताधुते                     |
| Thrown,<br>cast, sent.   | <i>mfn mfn mfn mfn 3 mfn mfn 4 mfn</i><br>37. मुक्त मुक्ताऽस्तनिष्ठाऽबिद्धक्षिप्ते रिताः (समाः) |
| Intrenched.              | <i>mfn mfn</i><br>परिक्षिप्तं (तु) निरुतं   |
| Stolen.                  | <i>mfn 5 mfn</i><br>सूषितं सुषिता (यकम्)  |
| Expanded ;<br>dispersed. | <i>mfn mfn</i><br>38. प्रवृद्ध प्रवृत्ते  |
| Deposited.               | <i>mfn mfn</i><br>न्यस्त निरुष्टे   |
| Multiplied.              | <i>mfn 6 mfn</i><br>गुणितारुते  |
| Plastered.               | <i>mfn 7 mfn</i><br>निदिग्धोपचिते   |
| Hidden.                  | <i>mfn mfn</i><br>गूढ गुप्ते  |
| Pounded.                 | <i>mfn e mfn</i><br>गुण्डित रुषिते  |
| Melted.                  | <i>mfn mfn</i><br>39. द्रुताऽवदीर्घे  |
| Raised, held<br>up.      | <i>mfn 8 mfn</i><br>उन्नयोद्यते   |
| Suspended<br>n a swing.  | <i>mfn mfn</i><br>आचित शिष्यिते   |

1 आ—.

2 आ—.

3 आ—.

4 इ—.

5—त

6 आ—.

7 उ—.

8 उ—.

<sup>a</sup> Or चषितं. Also सुम्भितं and सुषितं. <sup>b</sup> Or कर्दितं. Likewise चषितं. <sup>c</sup> Also, obtained. <sup>d</sup> Aud व्याप्तं. <sup>e</sup> Or गच्छितं.

- m f n m f n*  
**प्राण प्राते** Smelled.
- m f n m f n*  
**दिग्ध लिप्ते** Smear'd,  
 anointed.
- m f n 1 m f n*  
**समुद्रतोद्भूते समे** Drawn :  
 raised from  
 a deep  
 place.
- m f n m f n m f n m f n 2 m f n*  
 40. **वेष्टितं (स्यात्) बलथितं समीतं रुद्धमावृतम्** Surround-  
 ed. a
- m f n m f n*  
**रुग्ण भुग्ने** Bent, crook-  
 ed.
- m f n m f n 3 m f n b m f n*  
**(ऽय) निशित च्यात यातानि तेजिते** Sharpened,  
 whetted.
- m f n m f n*  
 41. **(स्याद्) विनाशोन्मुखं पक्वं** Mature.
- m f n m f n m f n*  
**क्रीण क्रीतौ (त) लज्जिते** Ashamed.
- m f n m f n m f n c*  
**वृते (तु) वृत्त वारुत्तौ** Chosen ; ap-  
 pointed.
- m f n d m f n*  
**संयोजित उपाहितः** Joined ; an-  
 nexed.
- m f n m f n m f n*  
 42. **प्राप्यं गम्यं समासाद्यं** Attainable.
- m f n m f n m f n m f n*  
**स्यन्नं रीणं स्रुतं स्रुतम्** Flowing,  
 dropping.
- m f n m f n*  
**सङ्गुहः (स्यात्) सङ्गलिते** Arranged ;  
 or heaped. c
- m f n m f n*  
**ऽवगीतः ख्यातगर्हणः** Detested.

1 उ—.

2 आ—.

3 यात.

<sup>a</sup> Some restrict the two first terms to signify encompassed ; and the other three, secured from access. <sup>b</sup> Also निशितं. <sup>c</sup> Some, disallowing the root of this word, read व्यावृत्तः. Also वारुत्तः. <sup>d</sup> Or संवेगितः. <sup>e</sup> Or, as otherwise interpreted, brought in contact.

|                           |   |
|---------------------------|---|
| Various, multiform.       | 43. विविधः (स्याद्) वङ्गविधो नानारूपः पृथग्विधः |
| Ceasured, blamed.         | अवरीणां धिक्कत (आप्य). <sup>१</sup>             |
| Coarsely pounded.         | उवध्वसोः उवध्वर्षित                             |
| Diluted decoction. b      | 44. अनायासकृतं फाण्टं                           |
| Sounded ; making a noise. | स्रनितं ध्वनितं (समे                            |
| Bound.                    | बद्धे सन्दानितं स्रतमदितं सन्दितं सितम्         |
| Decocted.                 | 45. निष्क्रे कथितं                              |
| Boiled. c                 | (पाके क्षीराज्यपयसां) शृतम्                     |
| Departed. f               | निर्वाणो (मुनिवङ्ग्रादौ) <sup>१</sup>           |
| Become calm. g            | निर्वात (स्तु. मते ऽनिले)                       |
| Mature, ripe.             | 46. पक्व परिणते                                 |
| Passed (as ordure).       | गनं हन्ने                                       |
| Passed (as urine).        | मीढ (न्तु) स्रविते                              |
| Nourished.                | पुष्टे (तु) पुषितं                              |
| Borne. h                  | सांटे क्षान्तम्                                 |
| Vomited.                  | उदान्तमुद्गते                                   |

१ उ—.

२ उ—.

<sup>a</sup> Also अपध्वस्तः. <sup>b</sup> Made by an extemporary and simple preparation. <sup>c</sup> And मूष. <sup>d</sup> उद्धितं. <sup>e</sup> Water, milk, or liquid butter. <sup>f</sup> A saint who has attained beatitude, a fire which is extinguished, a beast which is infirm, &c. <sup>g</sup> Wind no longer blowing. <sup>h</sup> Also patient. <sup>i</sup> Likewise उदानं and उदानं or उदानं.

47. <sup>mfn</sup> दान्त (सु.) <sup>mfn</sup> दमिते  
<sup>mfn</sup> शान्तः <sup>mfn</sup> शमिते  
<sup>mfn</sup> श्रम (सु.) <sup>mfn</sup> श्रपिते  
<sup>mfn</sup> छन्न <sup>1</sup> <sup>mfn</sup> छद्दिते  
<sup>mfn</sup> पूष (सु.) <sup>mfn</sup> पूरिते  
<sup>mfn</sup> क्लिष्टः <sup>mfn</sup> क्लिश्यते  
<sup>mfn</sup> प्रुष्ट <sup>mfn</sup> सुष्टोषिता <sup>2</sup> <sup>mfn</sup> दग्धे  
<sup>mfn</sup> तष्ट <sup>3</sup> <sup>mfn</sup> त्वटौ <sup>mfn</sup> तनूहते  
49. <sup>mfn</sup> बेधितच्छिद्रितौ <sup>mfn</sup> बिद्धे  
<sup>mfn</sup> विन्व <sup>mfn</sup> विन्तौ <sup>mfn</sup> विचारिते  
<sup>mfn</sup> निःप्रभे <sup>mfn</sup> विगता <sup>mfn</sup> ऽरोकौ  
<sup>mfn</sup> विलीने <sup>mfn</sup> विद्रुत <sup>mfn</sup> द्रुतौ  
50. <sup>mfn</sup> सिद्धे <sup>mfn</sup> निर्दत्त <sup>mfn</sup> निष्यन्तौ  
<sup>mfn</sup> दारिते <sup>mfn</sup> भिन्न <sup>mfn</sup> भेदितौ  
<sup>mfn</sup> जतं <sup>mfn</sup> सूतसुतं <sup>4</sup> (चेति त्रितयं तन्तुसन्तते)

Tamed, subdued or trained.

Pacified, appeased.

Asked, requested.

Made known.

Covered.

Worshipped revered.

Filled . full.

Tired, fatigued.

Finished.

Burnt.

Pared ; made thin.

Pierced.

Judged, discussed.

Gloomy, obscured.

Liquid.

Accomplished.

Split.

Woven

1 छा—

2 उ—

3 छि—

4 च—

\* And चर्चित.



- Saluted,  
honoured. 51.  $\left. \begin{array}{l} \text{(स्याद्) अर्हिते नमस्थितं नमसितमपचायित} \\ \text{ऽचिता ऽपचितम्} \end{array} \right\} \begin{array}{l} mfn \quad mfn \quad mfn \quad 1mfn \\ mfn \quad mfn \end{array}$
- Served,  
adored.  $\begin{array}{l} mfn \quad mfn \quad 2mfn \quad 3mfn \\ \text{वरिवसिते वरिवस्थितमुपासित (ह्यो) पचरितं (ः)} \\ mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \end{array}$
- Suffering  
pain. 52. सन्तापित सन्तप्तो धपित धूपायितौ (च) दूनः (ः)  
 $\begin{array}{l} mfn \quad mfn \quad 1mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \\ \text{हृष्टे मत्तस्तप्तः प्रह्वन्वः प्रमुदितः प्रीतः} \\ mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \end{array}$
- Cut. 53. छिन्नं छातं लूनं दत्तं दातं दितं दितं दितं दृक्णम्  
 $\begin{array}{l} mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \end{array}$
- Fallen.  $\begin{array}{l} \text{स्त्रं ध्वलं भ्रष्टं स्त्रं पन्नं च्युतं गलितम्} \\ mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad 5mfn \quad mfn \end{array}$
- Obtained. 54. लब्धं प्राप्तं विन्नं भावितमासादितं (च) भूतं (ः)  
 $\begin{array}{l} mfn \quad mfn \quad 6mfn \quad mfn \quad mfn \\ \text{अन्वेषितं गवेधितमन्विष्टं मागितं द्यगितम्} \\ mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad 7mfn \end{array}$
- Sought.  $\begin{array}{l} \text{आद्रं साद्रं क्लिन्नं तिमितं स्मितं समुन्नमत्तं (ः)} \\ mfn \quad mfn \quad mfn \quad 8mfn \quad mfn \quad mfn \\ \text{त्वातं त्वाणं रक्षितमधितं गोपायितं (च) गुप्तं (ः)} \\ mfn \quad 9mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \end{array}$
- Wet; moist-  
ened. 55.  $\begin{array}{l} \text{अवगणितमवमता ऽवज्ञाते ऽवमानितं (च) परितः} \\ mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad 10mfn \\ \text{त्यक्तं हीनं विधुतं समुज्झितं धतमवृष्टम्} \\ mfn \quad mfn \quad 11mfn \quad mfn \quad 12mfn \quad 13mfn \quad mfn \end{array}$
- Preserved,  
saved,  
guarded.  $\begin{array}{l} \text{उक्तं भाधितमुदितं जल्पितमाख्यातमभिहितं लपित} \\ mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \end{array}$
- Disregard-  
ed, despis-  
ed.  $\begin{array}{l} \text{उक्तं भाधितमुदितं जल्पितमाख्यातमभिहितं लपित} \\ mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \end{array}$
- Abandou-  
ed, left.  $\begin{array}{l} \text{उक्तं भाधितमुदितं जल्पितमाख्यातमभिहितं लपित} \\ mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \end{array}$
- Spoken,  
said. 57.  $\begin{array}{l} \text{उक्तं भाधितमुदितं जल्पितमाख्यातमभिहितं लपित} \\ mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \quad mfn \end{array}$

- mfn mfn mfn mfn mfn 1mfn mfn*  
**बुद्धं बुधितं मनितं विदितं प्रतिपन्मवसिताऽवगने** <sup>Known,</sup>  
*mfn n* <sup>2mfn 3mfn 4mfn mfn</sup> <sup>understood.</sup>
58. **ऊरीकृतमुररीकृतमङ्गीकृतमाश्रुतं प्रतिज्ञातम्** <sup>Promised.</sup>  
*mfn mfn mfn b mfn 5mfn 6mfn*
- सङ्गीर्णं सखिदितं सश्रुतं समाहितोपश्रुतोपगतम्**  
*mfn mfn mfn mfn mfn mfn 7mfn*
59. **ईलितश्लषणायितपनायितप्रश्रुतपणितपनितानि** <sup>Praised.</sup>  
*mfn c mfn mfn 8mfn 9mfn*
- अपिगीर्णं वर्षिताऽभिष्टु त्तेडितानि स्तुताऽर्थानि**  
*mfn mfn mfn d mfn mfn c mfn mfn*
60. **भक्षितचवितलिप्तप्रत्यवसितगिलितखादितष्ठातम्** <sup>Eaten.</sup>  
*mfn mfn mfn f mfn mfn mfn mfn mfn*
- अभ्यवहृताऽन्मजग्धग्रस्तगुस्ताऽश्रितं भुक्तं**  
*mfn g mfn h mfn i mfn j mfn k mfn l*
61. **क्षेपिष्ठ क्षोदिष्ठ प्रेष्ठ वरिष्ठ स्थविष्ठ वंछिष्ठाः**  
**(क्षिप्रक्षुद्राभीष्मितष्टयपीववज्जलप्रकर्षार्थाः)**  
*mfn m mfn n mfn o mfn p mfn q mfn r*
62. **साधिष्ठ द्राधिष्ठ स्फेष्ठ गरिष्ठ क्लसिष्ठः वृन्दिष्ठाः**  
**(बाह्व्यायतवज्जगुरुवामनद्वन्द्वारकातिथये)**

Certain irregular superlatives.

- 1 क्ष.— 2 च.— 3 ख.— 4 आ.— 5 उ.—  
 6 ङ.— 7 ण.— 8 ईडित. 9 स्तुत.

<sup>a</sup> And ऊरीकृतं. <sup>b</sup> Also प्रतिश्रुतं. <sup>c</sup> And गीर्णं. <sup>d</sup> Likewise स्तुत.  
<sup>e</sup> And गिरितं. <sup>f</sup> Also अश्रुतं. <sup>g</sup> Most quick. <sup>h</sup> Most small. <sup>i</sup> Most dear. <sup>j</sup> Most large. <sup>k</sup> Most corpulent. <sup>l</sup> Most numerous. <sup>m</sup> Most hard. <sup>n</sup> Most long. <sup>o</sup> Most firm. <sup>p</sup> Most heavy. <sup>q</sup> Most short.  
<sup>r</sup> Most abundant.

CHAPTER III.

1. (प्रकृतिप्रत्ययादर्थैः सङ्कीर्णं लिङ्गमुच्यते)

|  |   |
|--|---|
| Action.  | <sup>1 n a f</sup><br>कर्म क्रिया                                       |
| Continual.<br>b  | <sup>m f n</sup><br>(तन्वातत्ये नम्ये स्युर्) अपरस्पर<br><sup>n d</sup> |
| Totality.  | 2. (साकल्यासङ्गवचने) पारायण<br><sup>m f n c</sup>                       |
| Adherence,<br>attachment.  | परायणे<br><sup>f f f</sup>  |
| Wilful-<br>ness, inde-<br>pendence.<br>Vain and<br>causeless<br>state. | यदृच्छा स्वरिता<br>(हेतु मूल्या त्वास्या) विलक्षण<br><sup>m m 2 f</sup> |
| Quiet. g   | 3. शमथ (स्तु) शमः शान्तिर्<br><sup>f m m</sup>                          |
| Self-com-<br>mand. h   | दान्ति (स्तु) दमथो दमः<br><sup>n j</sup>                                |
| Approved<br>occupa-<br>tion. i   | अवदानं (कर्मवृत्तं)<br><sup>n n k</sup>                                 |
| A desirable<br>gift.   | कास्यदानं प्रवारणम्   |

1—नृ.

2—नि.

<sup>a</sup> One authority makes this term masc. and neut. in both its ac-  
ceptions, of action and of act. Others add, in both genders, कर्मः  
and कर्म. <sup>b</sup> In respect of action. <sup>c</sup> Adjectively अपरस्परः, राः, रः. <sup>d</sup> Ad-  
verbially,—रं. <sup>e</sup> Invariably neuter even with nouns of other genders  
<sup>e</sup> Some read त्वरायणं or त्वरायणं. <sup>f</sup> Also स्वरिता. <sup>g</sup> Absence of passion  
<sup>h</sup> Endurance of the pain of austerities. <sup>i</sup> Some interpret this an act  
accomplished. <sup>j</sup> Also अवदानं. <sup>k</sup> Likewise प्रवारणं.

4. वशक्रिया संवदनं<sup>f n b</sup>  
 1n  
 मन्त्रकर्म (तु) कार्मणम्<sup>n</sup>  
 विधननं विधुवनं<sup>n n c</sup>  
 तर्प्यं प्रीणनाऽवनम्<sup>n n n n c</sup>  
 5. पर्य्याप्तः (स्यात्) परिव्राणं हस्तधारणं (मित्यपि)<sup>f</sup> Warding of a blow.  
 सेवनं सीवनं स्यूतिर्<sup>n n 2f</sup>  
 विदरः स्फुटनं भिदा<sup>m n f f</sup>  
 6. आक्रोशनमभीषङ्गः<sup>n 3 m g</sup>  
 संवेदा वेदना (न ना)<sup>m f n</sup>  
 सम्पूर्णेनमभिव्याप्तिर्<sup>n 4f</sup>  
 यात्रा भिक्षा ऽर्थना ऽर्दना<sup>f f f n f n</sup>  
 7. वृद्धनं छेदनं<sup>n n</sup>  
 (ऽथ हे) आनन्दन समाजने<sup>n i n j</sup>  
 आपम्बनम्<sup>n</sup>  
 (अथा) ज्ञायः सम्प्रदायः<sup>5 m m</sup>  
 क्षये क्षिया<sup>m f</sup>  
 Subduing by charms.  
 Magic.  
 Tremour.  
 Satisfaction.  
 Sewing.  
 Tearing, rending.  
 Curse, imprecation.  
 Sensation, perception.  
 Co-extending, pervading.  
 Begging.  
 Cutting.  
 Courtesy ; welcome or adieu.  
 Received doctrine.  
 Loss.

1—नु. 2—ति. 3—था. 4—प्ति. 5—था.

Bringing into one's power by drugs, charms or incantations ; or the drugs and charms by which that is effected. <sup>b</sup> Or संवदना. Also विधननं. <sup>c</sup> And विधुवनं. <sup>d</sup> Whether the act of pleasing or the state of being pleased. <sup>e</sup> Or हस्तधारणं. <sup>f</sup> And स्फुटनं. <sup>g</sup> Likewise अभिव्याप्तः. <sup>h</sup> Civility in receiving a friend, or in taking leave of him : embracing, friendly inquiry, adieu. <sup>i</sup> And आपम्बनं. <sup>j</sup> Also समाजनं. <sup>k</sup> Traditional and right.

Taking, a

8. ग्रहे ग्राहो

Wish, desire.

वशः कान्तौ

Protection, defence.

रक्षास्त्राणे

Sound, noise.

रणः कणे

Perforation, piercing.

व्यधेः वेधे

Maturity.

पचा पाके

Calling; challenging.

ह्वेः ह्वते

Engaging; appointing.

वरोः वृते

Combustion, burning.

9. शोषः शोषे

Guiding, directing.

नयेः नाये

Wearing, growing old.

ज्यानिर्जीर्णौ

Whirling, going round.

भ्रमोः भ्रमे

Increase, growth.

स्फूर्तिर्द्वौ

Fame, notoriety.

प्रथा ख्यातौ

Touch, contact.

स्पृष्टिः स्पृष्टौ

Oozing, dripping.

स्रवः स्रवे

1—ति. 2 त्वा—. 3—ति. 4—ति. 5 वीचि.  
6—चि. 7 बुचि. 8—ति. 9—क्ति.

a Whether by seizure or acceptance. b Some read रक्षा. c Also वशः. d Prevailing on a person to undertake a business. Both terms also signify requesting, and encompassing. e Also शोषः. f And श्रावः. Also श्रवः.

|                    |                               |                               |                                   |
|--------------------|-------------------------------|-------------------------------|-----------------------------------|
| 10. एषा सञ्ज्वौ    | <sup>f a</sup> <sup>1 f</sup> |                               | Thriving.                         |
|                    |                               | <sup>n b</sup> <sup>n c</sup> |                                   |
|                    |                               | स्फुरन्तं स्फुरन्ते           | Throbbing.                        |
|                    |                               |                               |                                   |
|                    |                               | <sup>2 f</sup> <sup>f</sup>   |                                   |
|                    |                               | प्रमितौ प्रमा                 | True know-<br>ledge.              |
|                    | <sup>f</sup> <sup>m</sup>     |                               | Bringing<br>forth (as<br>young).  |
| प्रसूतिः प्रसवे    |                               | <sup>m d</sup> <sup>m</sup>   | Pouring<br>forth ; as-<br>person. |
|                    |                               | श्वेप्राप्ते प्राधारः         |                                   |
|                    |                               | <sup>m</sup> <sup>m</sup>     | Fatigue.                          |
|                    |                               | क्लमथः क्लमे                  |                                   |
|                    | <sup>m</sup> <sup>m</sup>     |                               | Excellence.                       |
| 11. उत्कर्षोऽतिशये |                               | <sup>f</sup> <sup>m</sup>     |                                   |
|                    |                               | सन्धिः श्लेषे                 | Union, junc-<br>tion.             |
|                    |                               | <sup>m</sup> <sup>m e</sup>   |                                   |
|                    |                               | विषय आश्रये                   | Refuge ;<br>asylum.               |
|                    | <sup>3 f</sup> <sup>n</sup>   |                               | Sending ;<br>directing, f         |
| क्षिपायां क्षेपणं  |                               | <sup>f</sup> <sup>4 f g</sup> |                                   |
|                    |                               | गीर्णं गिरौ                   | Swallowing.                       |
|                    |                               | <sup>n h</sup> <sup>5 m</sup> |                                   |
|                    |                               | गुरणमुद्यमे                   | Effort, exer-<br>tion.            |
|                    | <sup>m</sup> <sup>m</sup>     |                               | Raising.                          |
| 12. उन्नाय उन्नये  |                               | <sup>m</sup> <sup>n</sup>     |                                   |
|                    |                               | आयः अयणे                      | Reliance ;<br>taking re-<br>fuge. |
|                    |                               | <sup>n</sup> <sup>m i</sup>   |                                   |
|                    |                               | जयने जयः                      | Conquest,<br>victory.             |

1—क्षि. 2—ति. 3—पा. . 4 गिरि. 5 उ—.

<sup>a</sup> Some read विधा. <sup>b</sup> And स्फुरनं or स्फोरणं. Also स्फुरः and स्फुरणा. <sup>c</sup> Likewise स्फारणं. <sup>d</sup> And श्योतः. <sup>e</sup> Or आश्रयः. <sup>f</sup> Also interpreted passing away time. <sup>g</sup> Also गिलिः and गिलनं. <sup>h</sup> Likewise श्रणं and गोरणं. <sup>i</sup> According to another reading, जपनं, जपः, inaudible repetition.

|                             |     |   |                                   |   |                     |
|-----------------------------|-----|---|-----------------------------------|---|---------------------|
| Discourse,<br>speech.       |     | <sup>m</sup> निगादे <sup>m</sup> निगदे                          |                                   |   |                     |
| Pride. <sup>a</sup>         |     |   | <sup>m</sup> मादे <sup>m</sup> मद |   |                     |
| Regret.                     |     |   |                                   | <sup>m</sup> उद्वेग <sup>m</sup> उद्वेगे                              |                     |
| Trituration<br>of perfumes. | 13. | <sup>m</sup> विमर्दनं <sup>m</sup> परिमले                       |                                   |   |                     |
| Conferring<br>of a benefit. |     |   |                                   | 1 <sup>m</sup> 2 <sup>m</sup>   |                     |
|                             |     |   |                                   |   | अभ्युपपत्तिरनुग्रहः |
| Disfavour.                  |     | <sup>m</sup> निग्रह <sup>c</sup> स्वद्विरुद्धः स्याद्)          |                                   |   |                     |
| Attack,<br>onset. d         |     |   |                                   | <sup>m</sup> अभियोग <sup>3 m</sup> (स्व)भियोगः                        |                     |
| Clinching of<br>the fist.   | 14. | <sup>m</sup> मुष्टिबन्ध <sup>m</sup> (स्तु) संग्राहे            |                                   |   |                     |
| Affray,<br>assault. e       |     |   |                                   | <sup>m</sup> डिम्बे <sup>m f</sup> उमर <sup>m</sup> विम्लवौ           |                     |
| Ligament,<br>fettors.       |     | <sup>u</sup> बन्धनं <sup>f</sup> प्रसितिञ्चारः <sup>4 m g</sup> |                                   |   |                     |
| Morbid<br>heat. h           |     |   |                                   | <sup>m i</sup> स्पर्शः <sup>5 m j</sup> स्पष्टोपतप्तार <sup>6 m</sup> |                     |
| Injury. k                   | 15. | <sup>m</sup> निकारो <sup>m</sup> विप्रकारः (स्याद्)             |                                   |   |                     |
| Hint, sing.<br>token l      |     |   |                                   | <sup>m</sup> आकार <sup>7 m</sup> स्विङ्ग <sup>m</sup> इङ्गितः         |                     |

1—त्ति. 2 अ— 3 अ—. 4 चार. 5—ट्ट  
6 उ—प्ट्ट. 7 इ—

<sup>a</sup> Also joy. <sup>b</sup> By doing good, or by preventing ill. <sup>c</sup> Or विग्रहः. Also, according to a varied reading, निरोधः and विरोधः; but here a different acceptation is intended: viz. restraint or confinement. <sup>d</sup> Some explain this, a challenge to fight. <sup>e</sup> A conflict without weapons. Also terrifying the enemy by shouts or gestures. Likewise devastation and predatory or irregular war. And उमरः. <sup>f</sup> Some read स्वारः and connect it with the next article. <sup>g</sup> The line is by some divided into three articles, instead of two: viz. ligament; business of a scout or spy (चारः स्पर्शः); morbid heat. <sup>h</sup> Also स्पर्शः. <sup>i</sup> Or स्पर्शः (ट्ट). <sup>k</sup> Also wickedness. <sup>l</sup> Indication of sentiment.

|     |   |                         |
|-----|---|-------------------------|
|     | <sup>m</sup> परिणामो <sup>m</sup> विकारो ( <sup>f</sup> द्वे <sup>1f</sup> समे ) <sup>f</sup> विकृति <sup>1f</sup> विक्रिये | Change of form. a       |
| 16. | <sup>m</sup> अपहार ( <sup>2m</sup> स्तु ) पक्षयः  | Loss.                   |
|     | <sup>m</sup> समाहारः <sup>m</sup> समुच्चयः  | Assemblage. b           |
|     | <sup>m</sup> प्रत्याहार <sup>n</sup> उपादानं  | Abstraction. c          |
|     | <sup>m</sup> विहार ( <sup>m</sup> स्तु ) परिक्रमः   | Walking for pleasure.   |
| 17. | <sup>m</sup> अभिहारो <sup>n</sup> ऽभिग्रहणं   | Robbery. d              |
|     | <sup>m</sup> निर्हारो <sup>n</sup> ऽभ्यवकर्षणम्   | Extraction.             |
|     | <sup>m</sup> अनुहारो <sup>m</sup> ऽनुकारः ( <sup>m</sup> स्याद् )   | Imitation.              |
|     | ( <sup>m</sup> अर्थस्यापगमे ) व्ययः   | Expenditure.            |
| 18. | <sup>m</sup> प्रवाह ( <sup>f</sup> स्तु ) प्रवृत्तिः ( <sup>m</sup> स्यात् )  | Stream. f               |
|     | <sup>m</sup> प्रवृत्ते ( <sup>m</sup> गमनं <sup>m</sup> वहिः )  | Going forth, issuing.   |
|     | <sup>m</sup> वियामो <sup>m</sup> वियमो <sup>m</sup> यामो <sup>m</sup> यमः <sup>m</sup> संयाम <sup>m</sup> संयमौ             | Forbearance. g          |
| 19. | <sup>3n</sup> हिंसाकर्मा <sup>m</sup> ऽभिचारः ( <sup>m</sup> स्याज् )   | Incantation to destroy. |
|     | <sup>f</sup> जागृत्या <sup>h</sup> जागरा ( <sup>m</sup> द्वयोः )  | Waking, watching        |

1—या.

2 अ—.

3—न्.

\* Some distinguish the terms, making the two first signify a total change, and the other two a partial or temporary alteration. <sup>b</sup> Gathering together in fact, or in thought. <sup>c</sup> Restraining the organs of sense. Also abridgment. <sup>d</sup> Or seizure in one's presence. <sup>e</sup> Likewise <sup>f</sup> **अभ्याहारः**. <sup>f</sup> Or continual flow. Likewise commencement of action. <sup>g</sup> This line is by some divided into three articles : the two first terms signifying various distress ; the two next decrease ; and the two last forbearance. <sup>h</sup> Also **जापिया** and **जागृतिः**. Likewise **जागरणं**.



|                             |                                   |
|-----------------------------|-----------------------------------|
| Obstacle, impediment.       | विघ्नोऽन्तरायः प्रत्यूहः          |
| Contiguous support. a       | (स्याद्) उपघ्नोऽन्तिकान्त्रये     |
| Enjoyment.                  | 20. निर्वेश्य उपभोगः (स्यात्)     |
| Encompassing ; surrounding. | परिसर्पः परिक्रिया                |
| Separation.                 | विधुर (न्तु.) प्रविश्लेषो         |
| Meaning, intention.         | ऽभिप्रायच्छन्दः आशयः              |
| Abridgment.                 | 21. संक्षेपणं समसनं               |
| Contradiction.              | पर्यवस्था विरोधनम्                |
| Perambulation. d            | परिसर्या परीसारः                  |
| Stay.                       | (स्याद्) आस्था (त्वा) सना स्थितिः |
| Diffusion.                  | 22. विस्तारो विग्रहो व्यासः       |
| Prolixity.                  | सु च (शब्दस्य) विस्तारः           |
| Rubbing of the person.      | (स्यान्) महं नं सम्वाहनं          |
| Disappearance.              | विनाशः (स्याद्) अदर्शनम्          |
| Acquaintance.               | 23. संश्लेषः (स्यात्) परिचयः      |
| Spreading.                  | प्रसर (स्तु.) विसर्पणम्           |
| Scarcity.                   | नीवाक (स्तु.) प्रयामः (स्यात्)    |
| Proximity.                  | सन्निधिः सन्निकषणम्               |

1 क—.

2 बा—.

<sup>a</sup> As a tree, of a creeper. <sup>b</sup> Also neut. शब्दः (सु). <sup>c</sup> And प्रसवस्था. <sup>d</sup> Moving about, on the ground : some interpret it near approach. <sup>e</sup> Or परीषर्या. <sup>f</sup> And विस्तारः. <sup>g</sup> Also सन्निधिः.

|                                    |                                      |
|------------------------------------|--------------------------------------|
| 14. लवो ऽभिलावो लवने               | Reaping.                             |
| निष्ठावः पवने पवः                  | Winnowing,<br>cleaning.              |
| प्रस्तावः (स्याद्) चवसरः           | Occasion,<br>opportunity.            |
| तसरः सूत्रवेष्टनम्                 | A shuttle. a                         |
| 25. प्रजनः (स्याद्) उपसरः          | First preg-<br>nancy of<br>cows. c   |
| प्रथय प्रनयौ (समौ)                 | Affection-<br>ate solici-<br>tation. |
| धीशक्तिर्निष्कमे                   | Intellectual<br>faculty. e           |
| (ऽस्त्री तु) संक्रामोर्दुर्गसञ्चरः | Difficult<br>progress. f             |
| 26. प्रत्युत्क्रमः प्रयोगार्थः     | Act tending<br>to a main<br>object.  |
| प्रक्रमः (स्याद्) उपक्रमः          | Beginning. k                         |
| (स्याद्) अभ्यादानमुद्घात चारम्भः   |                                      |
|                                    | Haste,<br>hurry.                     |

1 नि—.

2 उ—.

3 त्व—.

<sup>a</sup> Also act of weaving. <sup>b</sup> Or तसरः. <sup>c</sup> Some interpret it, the reason of impregnation. Others explain it, the first going of a cow or a bull; or the first impregnation; or simply her impregnation by the bull, or her pregnancy. <sup>d</sup> Also प्रसरः. <sup>e</sup> Power of the understanding: as attention, comprehension, reasoning, &c. <sup>f</sup> Towards a place scarcely accessible. <sup>g</sup> And संकषः. <sup>h</sup> Likewise सञ्चरः. <sup>i</sup> Or मनुजान्निः. <sup>j</sup> Some read प्रयुक्तार्थः; and explain this article, beginning of battle: others interpret it, war or combat. <sup>k</sup> Some divide this article; making the two first terms signify a first beginning, and the three last a commencement in general: others explain the two first, beginning; and the three last, a thing begun. <sup>l</sup> Also उपोद्घातः. <sup>m</sup> Add त्वरिः.

|                                     |  |
|-------------------------------------|--|
| Impedi-<br>ment. l                  | 27. प्रतिबन्धः प्रतिष्टम्भो                        |
| Causing to<br>descend.              | ऽवनाय (स्तु.) निपातनम्                             |
| Ap-<br>prehension. d                | उपलम्भ (स्त्व) ऽनुभवः                              |
| Smearing. c                         | समालम्भो विलेपनम्                                  |
| Separation<br>of lovers. f          | 28. विप्रलम्भो विप्रयोगो                           |
| Liberality.<br>g                    | विलम्भ (स्त्व) तिसर्जनम्                           |
| Celebrity.                          | विश्राव (स्तु) प्रविख्यातिर्                       |
| Attention.                          | अवेक्षा प्रतिजागरः                                 |
| Reading ;<br>lecture.               | 29. निपाठ निपठौ पाठ                                |
| Witness. i                          | तेमस्तेमौ समुन्दने                                 |
| Distress,<br>from dis-<br>ease, &c. | आदीनवास्त्ववौ क्लेशे                               |
| Meeting ;<br>union.                 | मेलके सङ्ग सङ्गमौ                                  |
| Research.                           | 30. सम्बोद्धयं विचयनं मार्गणं षट्गणा षट्गः         |
| Embrace.                            | परिरम्भः परिष्वङ्गः संश्लेष उपगूहनम्               |
| Sight ; see-<br>ing ; looking.      | 31. निवर्णेन (तु) निध्यानं दर्शनं लोकोक्ते चक्षणम् |

1 अ—, 2—ति. 3 आ—, 4—न. 5 आ—, 6 ई—.

<sup>a</sup> Likewise विष्टम्भः. <sup>b</sup> And अवनयः. <sup>c</sup> Or नियतनं. <sup>d</sup> Conception otherwise than from memory. <sup>e</sup> With saffron, sandalwood, &c. <sup>f</sup> Also solitude, and disagreement. <sup>g</sup> Some explain it, appointing, engaging. <sup>h</sup> Also प्रतिख्यातिः. <sup>i</sup> One explains this, wet. <sup>j</sup> Or आश्रयः. <sup>k</sup> Also सङ्गमं and साङ्गमः. <sup>l</sup> Likewise सम्बोद्धयं and सम्बोधयं, or गवेषणं. <sup>m</sup> Some read षट्गया. <sup>n</sup> Or परीरम्भः. <sup>o</sup> According to another reading, आलोकः and लक्षणः.

- प्रत्याख्यानं<sup>n</sup> निरसनं<sup>n</sup> प्रत्यादेशे<sup>m</sup> निराकृतिः<sup>f</sup> Rejection ;  
disallow-  
ance.
32. उपप्राये<sup>m</sup> विशाय<sup>m</sup> (सु पर्यायशयनार्थकौ)<sup>m</sup> Watching  
alternately.
- अर्त्तनं<sup>n</sup> (सु) ऋतीया<sup>f b</sup> (च) ऋनीया<sup>f c</sup> (च) घृणा<sup>f</sup> (र्थके)<sup>m e</sup> Censure, re-  
proach. a
33. (स्याद्) व्यत्यासे<sup>m g</sup> विपथ्यासे<sup>m</sup> व्यत्यय<sup>m</sup> (सु) विपथ्ये<sup>m</sup> Contranety ;  
opposition.<sup>d</sup>
- पर्यये<sup>m</sup> ऽतिक्रम<sup>m</sup> (स्तम्भिन्) ऽतिपात्<sup>m</sup> उपात्ययः<sup>m</sup> Transgres-  
sion. f
34. (प्रेषणं यत्समाह्वय तत्र स्यात्) प्रतिशासनम्<sup>n</sup> Mission af-  
ter calling. u
- (सु) संस्तावः<sup>m</sup> (ऋतुषु या स्तुतिर्भूमिर्द्विजन्मनाम्)<sup>m</sup> Place where  
the priests  
stand. i
- 35 (निधाय तच्चते यत्र काष्ठे काष्ठं स) उद्द्वनः<sup>m</sup> A carpen-  
ter's work-  
bench.
- साम्बन्न<sup>m</sup> (स्तु.) साम्बधनः<sup>m k</sup> (सम्बो येन निहन्यते)<sup>m</sup> Tool for  
cutting corn  
and grass. j
36. आविधो<sup>m</sup> (विध्यते येन तत्र)<sup>m</sup> An auger. j
- (विष्वक्समे) निघः<sup>m</sup> Round,  
circular.
- उत्कार<sup>m</sup> (सु) निकार<sup>m</sup> (सु द्वौ धान्योत्क्षेपणार्थकौ)<sup>m</sup> Winnowing  
of corn. m

<sup>a</sup> One commentator remarks, that two of these terms, ऋतीया and ऋणीया, which properly signify shame, are here inserted by mistake. <sup>b</sup> Also रोञ्चा. <sup>c</sup> Likewise ऋणिया and ह्रिणीया or ह्रणीया. <sup>d</sup> One interprets this, misapprehension. <sup>e</sup> And विपथ्यायः. <sup>f</sup> Some make the four terms, others the two first of them, synonymous with the preceding. <sup>g</sup> And पर्यायः. <sup>h</sup> Sending of a servant on an errand after calling him. <sup>i</sup> At a solemn act of religion ; reciting hymns and prayers. <sup>j</sup> For eradicating clusters of gramineous plants : some say for cutting the stalks : others explain the term a basket to receive heads of Indian corn, &c. <sup>k</sup> Also <sup>l</sup> <sup>m</sup> <sup>n</sup> <sup>o</sup> <sup>p</sup> <sup>q</sup> <sup>r</sup> <sup>s</sup> <sup>t</sup> <sup>u</sup> <sup>v</sup> <sup>w</sup> <sup>x</sup> <sup>y</sup> <sup>z</sup> <sup>aa</sup> <sup>ab</sup> <sup>ac</sup> <sup>ad</sup> <sup>ae</sup> <sup>af</sup> <sup>ag</sup> <sup>ah</sup> <sup>ai</sup> <sup>aj</sup> <sup>ak</sup> <sup>al</sup> <sup>am</sup> <sup>an</sup> <sup>ao</sup> <sup>ap</sup> <sup>aq</sup> <sup>ar</sup> <sup>as</sup> <sup>at</sup> <sup>au</sup> <sup>av</sup> <sup>aw</sup> <sup>ax</sup> <sup>ay</sup> <sup>az</sup> <sup>ba</sup> <sup>bb</sup> <sup>bc</sup> <sup>bd</sup> <sup>be</sup> <sup>bf</sup> <sup>bg</sup> <sup>bh</sup> <sup>bi</sup> <sup>bj</sup> <sup>bk</sup> <sup>bl</sup> <sup>bm</sup> <sup>bn</sup> <sup>bo</sup> <sup>bp</sup> <sup>bq</sup> <sup>br</sup> <sup>bs</sup> <sup>bt</sup> <sup>bu</sup> <sup>bv</sup> <sup>bw</sup> <sup>bx</sup> <sup>by</sup> <sup>bz</sup> <sup>ca</sup> <sup>cb</sup> <sup>cc</sup> <sup>cd</sup> <sup>ce</sup> <sup>cf</sup> <sup>cg</sup> <sup>ch</sup> <sup>ci</sup> <sup>cj</sup> <sup>ck</sup> <sup>cl</sup> <sup>cm</sup> <sup>cn</sup> <sup>co</sup> <sup>cp</sup> <sup>cq</sup> <sup>cr</sup> <sup>cs</sup> <sup>ct</sup> <sup>cu</sup> <sup>cv</sup> <sup>cw</sup> <sup>cx</sup> <sup>cy</sup> <sup>cz</sup> <sup>da</sup> <sup>db</sup> <sup>dc</sup> <sup>dd</sup> <sup>de</sup> <sup>df</sup> <sup>dg</sup> <sup>dh</sup> <sup>di</sup> <sup>dj</sup> <sup>dk</sup> <sup>dl</sup> <sup>dm</sup> <sup>dn</sup> <sup>do</sup> <sup>dp</sup> <sup>dq</sup> <sup>dr</sup> <sup>ds</sup> <sup>dt</sup> <sup>du</sup> <sup>dv</sup> <sup>dw</sup> <sup>dx</sup> <sup>dy</sup> <sup>dz</sup> <sup>ea</sup> <sup>eb</sup> <sup>ec</sup> <sup>ed</sup> <sup>ee</sup> <sup>ef</sup> <sup>eg</sup> <sup>eh</sup> <sup>ei</sup> <sup>ej</sup> <sup>ek</sup> <sup>el</sup> <sup>em</sup> <sup>en</sup> <sup>eo</sup> <sup>ep</sup> <sup>eq</sup> <sup>er</sup> <sup>es</sup> <sup>et</sup> <sup>eu</sup> <sup>ev</sup> <sup>ew</sup> <sup>ex</sup> <sup>ey</sup> <sup>ez</sup> <sup>fa</sup> <sup>fb</sup> <sup>fc</sup> <sup>fd</sup> <sup>fe</sup> <sup>ff</sup> <sup>fg</sup> <sup>fh</sup> <sup>fi</sup> <sup>fj</sup> <sup>fk</sup> <sup>fl</sup> <sup>fm</sup> <sup>fn</sup> <sup>fo</sup> <sup>fp</sup> <sup>fq</sup> <sup>fr</sup> <sup>fs</sup> <sup>ft</sup> <sup>fu</sup> <sup>fv</sup> <sup>fw</sup> <sup>fx</sup> <sup>fy</sup> <sup>fz</sup> <sup>ga</sup> <sup>gb</sup> <sup>gc</sup> <sup>gd</sup> <sup>ge</sup> <sup>gf</sup> <sup>gg</sup> <sup>gh</sup> <sup>gi</sup> <sup>gj</sup> <sup>gk</sup> <sup>gl</sup> <sup>gm</sup> <sup>gn</sup> <sup>go</sup> <sup>gp</sup> <sup>gq</sup> <sup>gr</sup> <sup>gs</sup> <sup>gt</sup> <sup>gu</sup> <sup>gv</sup> <sup>gw</sup> <sup>gx</sup> <sup>gy</sup> <sup>gz</sup> <sup>ha</sup> <sup>hb</sup> <sup>hc</sup> <sup>hd</sup> <sup>he</sup> <sup>hf</sup> <sup>hg</sup> <sup>hh</sup> <sup>hi</sup> <sup>hj</sup> <sup>hk</sup> <sup>hl</sup> <sup>hm</sup> <sup>hn</sup> <sup>ho</sup> <sup>hp</sup> <sup>hq</sup> <sup>hr</sup> <sup>hs</sup> <sup>ht</sup> <sup>hu</sup> <sup>hv</sup> <sup>hw</sup> <sup>hx</sup> <sup>hy</sup> <sup>hz</sup> <sup>ia</sup> <sup>ib</sup> <sup>ic</sup> <sup>id</sup> <sup>ie</sup> <sup>if</sup> <sup>ig</sup> <sup>ih</sup> <sup>ii</sup> <sup>ij</sup> <sup>ik</sup> <sup>il</sup> <sup>im</sup> <sup>in</sup> <sup>io</sup> <sup>ip</sup> <sup>iq</sup> <sup>ir</sup> <sup>is</sup> <sup>it</sup> <sup>iu</sup> <sup>iv</sup> <sup>iw</sup> <sup>ix</sup> <sup>iy</sup> <sup>iz</sup> <sup>ja</sup> <sup>jb</sup> <sup>jc</sup> <sup>jd</sup> <sup>je</sup> <sup>jf</sup> <sup>jj</sup> <sup>jk</sup> <sup>jl</sup> <sup>jm</sup> <sup>jn</sup> <sup>jo</sup> <sup>jp</sup> <sup>jq</sup> <sup>jr</sup> <sup>js</sup> <sup>jt</sup> <sup>ju</sup> <sup>jv</sup> <sup>jw</sup> <sup>jx</sup> <sup>ka</sup> <sup>kb</sup> <sup>kc</sup> <sup>kd</sup> <sup>ke</sup> <sup>kf</sup> <sup>kg</sup> <sup>kh</sup> <sup>ki</sup> <sup>kj</sup> <sup>kk</sup> <sup>kl</sup> <sup>km</sup> <sup>kn</sup> <sup>ko</sup> <sup>kp</sup> <sup>kq</sup> <sup>kr</sup> <sup>ks</sup> <sup>kt</sup> <sup>ku</sup> <sup>kv</sup> <sup>kw</sup> <sup>kx</sup> <sup>ky</sup> <sup>kz</sup> <sup>la</sup> <sup>lb</sup> <sup>lc</sup> <sup>ld</sup> <sup>le</sup> <sup>lf</sup> <sup>lg</sup> <sup>lh</sup> <sup>li</sup> <sup>lj</sup> <sup>lk</sup> <sup>ll</sup> <sup>lm</sup> <sup>ln</sup> <sup>lo</sup> <sup>lp</sup> <sup>lq</sup> <sup>lr</sup> <sup>ls</sup> <sup>lt</sup> <sup>lu</sup> <sup>lv</sup> <sup>lw</sup> <sup>lx</sup> <sup>ly</sup> <sup>lz</sup> <sup>ma</sup> <sup>mb</sup> <sup>mc</sup> <sup>md</sup> <sup>me</sup> <sup>mf</sup> <sup>mg</sup> <sup>mh</sup> <sup>mi</sup> <sup>mj</sup> <sup>mk</sup> <sup>ml</sup> <sup>mn</sup> <sup>mo</sup> <sup>mp</sup> <sup>mq</sup> <sup>mr</sup> <sup>ms</sup> <sup>mt</sup> <sup>mu</sup> <sup>mv</sup> <sup>mw</sup> <sup>mx</sup> <sup>my</sup> <sup>mz</sup> <sup>na</sup> <sup>nb</sup> <sup>nc</sup> <sup>nd</sup> <sup>ne</sup> <sup>nf</sup> <sup>ng</sup> <sup>nh</sup> <sup>ni</sup> <sup>nj</sup> <sup>nk</sup> <sup>nl</sup> <sup>nm</sup> <sup>nn</sup> <sup>no</sup> <sup>np</sup> <sup>nq</sup> <sup>nr</sup> <sup>ns</sup> <sup>nt</sup> <sup>nu</sup> <sup>nv</sup> <sup>nw</sup> <sup>nx</sup> <sup>ny</sup> <sup>nz</sup> <sup>oa</sup> <sup>ob</sup> <sup>oc</sup> <sup>od</sup> <sup>oe</sup> <sup>of</sup> <sup>og</sup> <sup>oh</sup> <sup>oi</sup> <sup>oj</sup> <sup>ok</sup> <sup>ol</sup> <sup>om</sup> <sup>on</sup> <sup>oo</sup> <sup>op</sup> <sup>oq</sup> <sup>or</sup> <sup>os</sup> <sup>ot</sup> <sup>ou</sup> <sup>ov</sup> <sup>ow</sup> <sup>ox</sup> <sup>oy</sup> <sup>oz</sup> <sup>pa</sup> <sup>pb</sup> <sup>pc</sup> <sup>pd</sup> <sup>pe</sup> <sup>pf</sup> <sup>pg</sup> <sup>ph</sup> <sup>pi</sup> <sup>pj</sup> <sup>pk</sup> <sup>pl</sup> <sup>pm</sup> <sup>pn</sup> <sup>po</sup> <sup>pp</sup> <sup>pq</sup> <sup>pr</sup> <sup>ps</sup> <sup>pt</sup> <sup>pu</sup> <sup>pv</sup> <sup>pw</sup> <sup>px</sup> <sup>py</sup> <sup>pz</sup> <sup>qa</sup> <sup>qb</sup> <sup>qc</sup> <sup>qd</sup> <sup>qe</sup> <sup>qf</sup> <sup>qg</sup> <sup>qh</sup> <sup>qi</sup> <sup>qj</sup> <sup>qk</sup> <sup>ql</sup> <sup>qm</sup> <sup>qn</sup> <sup>qo</sup> <sup>qp</sup> <sup>qq</sup> <sup>qr</sup> <sup>qs</sup> <sup>qt</sup> <sup>qu</sup> <sup>qv</sup> <sup>qw</sup> <sup>qx</sup> <sup>qy</sup> <sup>qz</sup> <sup>ra</sup> <sup>rb</sup> <sup>rc</sup> <sup>rd</sup> <sup>re</sup> <sup>rf</sup> <sup>rg</sup> <sup>rh</sup> <sup>ri</sup> <sup>rj</sup> <sup>rk</sup> <sup>rl</sup> <sup>rm</sup> <sup>rn</sup> <sup>ro</sup> <sup>rp</sup> <sup>rq</sup> <sup>rr</sup> <sup>rs</sup> <sup>rt</sup> <sup>ru</sup> <sup>rv</sup> <sup>rw</sup> <sup>rx</sup> <sup>ry</sup> <sup>rz</sup> <sup>sa</sup> <sup>sb</sup> <sup>sc</sup> <sup>sd</sup> <sup>se</sup> <sup>sf</sup> <sup>sg</sup> <sup>sh</sup> <sup>si</sup> <sup>sj</sup> <sup>sk</sup> <sup>sl</sup> <sup>sm</sup> <sup>sn</sup> <sup>so</sup> <sup>sp</sup> <sup>sq</sup> <sup>sr</sup> <sup>ss</sup> <sup>st</sup> <sup>su</sup> <sup>sv</sup> <sup>sw</sup> <sup>sx</sup> <sup>sy</sup> <sup>sz</sup> <sup>ta</sup> <sup>tb</sup> <sup>tc</sup> <sup>td</sup> <sup>te</sup> <sup>tf</sup> <sup>tg</sup> <sup>th</sup> <sup>ti</sup> <sup>tj</sup> <sup>tk</sup> <sup>tl</sup> <sup>tm</sup> <sup>tn</sup> <sup>to</sup> <sup>tp</sup> <sup>tr</sup> <sup>ts</sup> <sup>tt</sup> <sup>tu</sup> <sup>tv</sup> <sup>tw</sup> <sup>tx</sup> <sup>ty</sup> <sup>tz</sup> <sup>ua</sup> <sup>ub</sup> <sup>uc</sup> <sup>ud</sup> <sup>ue</sup> <sup>uf</sup> <sup>ug</sup> <sup>uh</sup> <sup>ui</sup> <sup>uj</sup> <sup>uk</sup> <sup>ul</sup> <sup>um</sup> <sup>un</sup> <sup>uo</sup> <sup>up</sup> <sup>uq</sup> <sup>ur</sup> <sup>us</sup> <sup>ut</sup> <sup>uu</sup> <sup>uv</sup> <sup>uw</sup> <sup>ux</sup> <sup>uy</sup> <sup>uz</sup> <sup>va</sup> <sup>vb</sup> <sup>vc</sup> <sup>vd</sup> <sup>ve</sup> <sup>vf</sup> <sup>vg</sup> <sup>vh</sup> <sup>vi</sup> <sup>vj</sup> <sup>vk</sup> <sup>vl</sup> <sup>vm</sup> <sup>vn</sup> <sup>vo</sup> <sup>vp</sup> <sup>vq</sup> <sup>vr</sup> <sup>vs</sup> <sup>vt</sup> <sup>vu</sup> <sup>vv</sup> <sup>vw</sup> <sup>vx</sup> <sup>vy</sup> <sup>vz</sup> <sup>wa</sup> <sup>wb</sup> <sup>wc</sup> <sup>wd</sup> <sup>we</sup> <sup>wf</sup> <sup>wg</sup> <sup>wh</sup> <sup>wi</sup> <sup>wj</sup> <sup>wk</sup> <sup>wl</sup> <sup>wm</sup> <sup>wn</sup> <sup>wo</sup> <sup>wp</sup> <sup>wq</sup> <sup>wr</sup> <sup>ws</sup> <sup>wt</sup> <sup>wu</sup> <sup>wv</sup> <sup>ww</sup> <sup>wx</sup> <sup>wy</sup> <sup>wz</sup> <sup>xa</sup> <sup>xb</sup> <sup>xc</sup> <sup>xd</sup> <sup>xe</sup> <sup>xf</sup> <sup>xg</sup> <sup>xh</sup> <sup>xi</sup> <sup>xj</sup> <sup>xk</sup> <sup>xl</sup> <sup>xm</sup> <sup>xn</sup> <sup>xo</sup> <sup>xp</sup> <sup>xq</sup> <sup>xr</sup> <sup>xs</sup> <sup>xt</sup> <sup>xu</sup> <sup>xv</sup> <sup>xw</sup> <sup>xa</sup> <sup>xb</sup> <sup>xc</sup> <sup>xd</sup> <sup>xe</sup> <sup>xf</sup> <sup>xg</sup> <sup>xh</sup> <sup>xi</sup> <sup>xj</sup> <sup>xk</sup> <sup>xl</sup> <sup>xm</sup> <sup>xn</sup> <sup>xo</sup> <sup>xp</sup> <sup>xq</sup> <sup>xr</sup> <sup>xs</sup> <sup>xt</sup> <sup>xu</sup> <sup>xv</sup> <sup>xw</sup> <sup>ya</sup> <sup>yb</sup> <sup>yc</sup> <sup>yd</sup> <sup>ye</sup> <sup>yf</sup> <sup>yg</sup> <sup>yh</sup> <sup>yi</sup> <sup>yj</sup> <sup>yk</sup> <sup>yl</sup> <sup>ym</sup> <sup>yn</sup> <sup>yo</sup> <sup>yp</sup> <sup>yq</sup> <sup>yr</sup> <sup>ys</sup> <sup>yt</sup> <sup>yu</sup> <sup>yv</sup> <sup>yw</sup> <sup>ya</sup> <sup>yb</sup> <sup>yc</sup> <sup>yd</sup> <sup>ye</sup> <sup>yf</sup> <sup>yg</sup> <sup>yh</sup> <sup>yi</sup> <sup>yj</sup> <sup>yk</sup> <sup>yl</sup> <sup>ym</sup> <sup>yn</sup> <sup>yo</sup> <sup>yp</sup> <sup>yq</sup> <sup>yr</sup> <sup>ys</sup> <sup>yt</sup> <sup>yu</sup> <sup>yv</sup> <sup>yw</sup> <sup>za</sup> <sup>zb</sup> <sup>zc</sup> <sup>zd</sup> <sup>ze</sup> <sup>zf</sup> <sup>zg</sup> <sup>zh</sup> <sup>zi</sup> <sup>zj</sup> <sup>zk</sup> <sup>zl</sup> <sup>zm</sup> <sup>zn</sup> <sup>zo</sup> <sup>zp</sup> <sup>zq</sup> <sup>zr</sup> <sup>zs</sup> <sup>zt</sup> <sup>zu</sup> <sup>zv</sup> <sup>zw</sup> <sup>za</sup> <sup>zb</sup> <sup>zc</sup> <sup>zd</sup> <sup>ze</sup> <sup>zf</sup> <sup>zg</sup> <sup>zh</sup> <sup>zi</sup> <sup>zj</sup> <sup>zk</sup> <sup>zl</sup> <sup>zm</sup> <sup>zn</sup> <sup>zo</sup> <sup>zp</sup> <sup>zq</sup> <sup>zr</sup> <sup>zs</sup> <sup>zt</sup> <sup>zu</sup> <sup>zv</sup> <sup>zw</sup>

|                                 |   |
|---------------------------------|---|
|                                 | m 1 m                      m                      2 m                       |
| Swallowing, &c. a               | 37. निगारोद्गारः विद्यावोद्गाहा (स्तु. गरणादिषु)                            |
|                                 | 3f                      4f                      5f                      m b |
| Stopping, ceasing.              | आरत्यवरति विरतय उपरामे  |
|                                 | m f c   |
| Spitting.                       | (वा स्त्रियां तु) निष्ठेवः  |
|                                 | f                      6 n                      n                           |
|                                 | 38. निष्ठति निष्ठेवनं निष्ठीवन (मित्यभिन्वानि)                              |
|                                 | n                      f d  |
| Speed.                          | जवने जतिः   |
|                                 | f                      n  |
| Conclusion.                     | साति (ल) ऽवसाने (स्याद्)  |
|                                 | m                      f  |
| Fever.                          | (अथ) ज्वरे जतिः   |
|                                 | m                      n  |
| Driving of cattle.              | 39. उदज (स्तु.) पशुप्रेरणम्   |
|                                 | m                      f  |
| Curse.                          | अकरणि (रित्यादयः शापे)  |
|                                 | 7 n   |
| Aggregate patronymic. g         | (गोत्रान्तेभ्य स्तस्य वृन्दमित्यैः) पगवका (दिकम्)                           |
| Multitude of loaves and pies. h | 40. आपूपिकं शाक्कुलिकं (मेवमाद्यमचेतसाम्)                                   |

1 उ—,                      2 उ—,                      3—ति.                      4 अ—,                      5—ति.  
6 नि—,                      7 औ—क.

<sup>a</sup> The four terms, here exhibited, differ in signification. निगारः, swallowing. उद्गारः, vomiting. विद्यावः, cough; some say, sound. उद्गाहाः, taking up: also, replying in argument. <sup>b</sup> Or उपरामः. <sup>c</sup> Fem. निष्ठेवा. Some say, also neuter निष्ठेवं. <sup>d</sup> Likewise जतिः. Some add जतिः and अवनः. <sup>e</sup> End of action. <sup>f</sup> So similar terms of imprecation. As अवननिः, अजीवनिः, अवयाहः, नियाहः, &c. Ex. तस्याजीवनिरेवास्तु. May he not live! \* Instanced in the text; औपगवकं, a multitude of descendants of UPAGU. So गार्गकं, a multitude of descendants of GARGA. दाक्षकं,—of DAKSHA. <sup>h</sup> Respectively: stated as instances of nouns of multitude of inanimate things.

|   |                                       |
|---|---------------------------------------|
| <sup>m</sup><br>(पशवो ऽपि) रूगा                                   | Cattle, a                             |
| <sup>m</sup><br>वेगः (प्रवाहजवयोरपि)                              | 1 Stream.<br>2 Speed b                |
| <sup>m</sup><br>22. परागः (कौसुमे रेणौ स्नानीयादौ रजस्यपि)        | 1 Pollen of<br>flowers.<br>2 Dust, c  |
| <sup>m</sup> (गजे ऽपि) नागमातङ्गाव्<br><sup>m</sup>               | An ele-<br>phant, d                   |
| <sup>m</sup><br>अपाङ्ग (स्तिलके ऽपि च)                            | A circlet on<br>the fore-<br>head, e  |
| <sup>m</sup><br>23. स्वर्गः (स्वभावनिर्मात्तनिश्चयाध्यायसृष्टिषु) | 1 Nature.<br>2 Relinquish-<br>ment, f |
| <sup>m</sup><br>योगः (सन्वहनोपायध्यानसङ्गतियुक्तिषु)              | 1 Armour.<br>2 Means g                |
| <sup>m</sup><br>24. भोगः (सुखे स्त्र्यादिभृतावहृत्स्व. फणकाययोः)  | 1 Enjoy-<br>ment<br>2 Hire, h         |
| <sup>m</sup><br>(चातके हरिणे पुंसि) सारङ्गः (शबले त्रिषु)         | 1 Sort of<br>bird, 2 A<br>deer, i     |

<sup>a</sup> Likewise 2 Deer. 3 An elephant with white marks on his forehead. 4 A constellation (the head of Orion). 5 Search. <sup>b</sup> Also 3 Rapid transition, as of mind or wind. 4 Call of nature. <sup>c</sup> And 3 Fragrant powder. Also 4 Eclipse. 5 Coral. <sup>d</sup> Also नागः. 2 A snake (Coluber naja: and a sort of demigod shaped as a serpent). 3 A cruel person. 4 Name of a country. 5 In comp. 'Pre-eminent. 6 Mesua ferrea. 7 Rottlera tinctoria, R. 8 Cyperus pertenuis, R. Likewise चातङ्गः. 2 A race of mountaineers. 3 The sacred fig-tree Ficus religiosa). <sup>e</sup> Also 2 Corner of the eye. 3 A lame or maimed person. <sup>f</sup> Likewise 3 Certainty. 4 A chapter or section. 5 Creation. Also 6 Perseverance. <sup>g</sup> And 3 Meditation. 4 Union. 5 Junction. Also 6 Keeping a fixed posture. 7 Lucky conjuncture. In astrology, A mode of reckoning the moon's longitude. <sup>h</sup> And Expanded head of a serpent. 4 Body of a serpent. Also 5 Eat-  
ing. 6 Nurture. <sup>i</sup> And m. f. n. 3 Variegated. Also m. 4 An elephant. 5 A bee. 6 A peacock. <sup>j</sup> Or सारङ्गः.

- An ape. a      25. (कपौ च) <sup>m</sup>पवगः  
 1 Curse.      (शापे त्व.) ऽभिषङ्गः (पराभवे)  
 2 Defeat. b
- 1 A yoke.  
 2 A pair.  
 3 An age. c
- (यानाद्यङ्गे) युगः (पुंसि)  
 युगं (युग्मे कृतादिषु)  
 1 Heaven.  
 2 An arrow  
 3 A bull.  
 4 Speech. d
- 26 (स्वर्गेषुपशुवाग्वज्रदिग्ने तदृषिभूजले  
 लक्षदृष्टया स्त्रियां पुंसि) गौर्  
 लिङ्गं (चिङ्ग शेषेषाः)  
 1 A mark.  
 2 Privy part f
- 1 Prefera-  
 bleness.  
 2 Summit. g
27. षडङ्गं (प्राधान्यसान्त्वोच्च.)  
 बराङ्गं (स्रङ्गुच्छयोः)  
 1 The head.  
 2 Privy part. h
- 1 Prosperi-  
 ty. i
- भगं (श्रीकाममाहात्म्यवीर्ययत्नार्ककीर्त्तिषु)

<sup>a</sup> Also 2 A frog. 3 Sort of bird (a diver). 4 The dawn; the charioteer of the sun. <sup>b</sup> Also 3 Oath. 4 Groundless imputation. 5 Embrace. <sup>c</sup> The *Kṛita*, *Trétā*, *Dvāpara*, and *Kali*. Also 4 A measure of four cubits. <sup>d</sup> And 5 The thunderbolt. 6 A region or quarter. 7 An eye. 8 A ray of light. 9 The earth. 10 Water. Likewise 11 The sun. <sup>e</sup> Masc. in some senses; and fem or even neut. in others. <sup>f</sup> *Membrum virile*. Also 3 A sign or token. 4 The Symbol of *SIVA*. <sup>g</sup> Of a mountain. Likewise 3 A home. Also fem. 4 A sort of fish (*Silurus pungentissimus*). 5 A poisonous plant. <sup>h</sup> *Pudendum muliebre*. <sup>i</sup> Or 2 Beauty. And 3 Love, desire. 4 *Pudendum muliebre*. 5 Excellence (virtue, knowledge, &c.) 6 Strength, Vigour. 7 Care. 8 Glory, fame. And m. n. 9 One of the twelve suns. Also 10 The Moon.

## SECTION IV.

28. परिषः (परिषाते ऽस्त्रे ऽप्य)<sup>m</sup> 1 Destruction.  
2 A An iron club. a
- ओषो (वृन्दे ऽम्भसां रये)<sup>m</sup> 1 Multitude.  
2 A current. b
- सूत्ये पूजाविधाव् ऽर्षो<sup>m</sup> 1 Price.  
2 Mode of adoration. c
- (ऽहो दुःखव्यसनेष्व्) ऽघम्<sup>n</sup> 1 Sin. 2 Pain.  
3 Passion.
29. (त्रिष्विष्टे ऽपि) लघुः<sup>m f n</sup> Pleasing. d

## SECTION V.

- काचाः (शिक्यच्छेददृगुजः)<sup>m</sup> 1 A swing. c  
2 Glass. 1
- विपर्यासे विस्तरे च) प्रपञ्चः<sup>m</sup> 1 Reverse.  
2 Copiousness. e
- (पावके) शुचिः<sup>m</sup> 1 Fire. 2 A tried minister.  
3 A month. h
30. (मास्यमात्ये चाप्युपधे पुंसि मेष्ये सिते त्रिषु)<sup>f</sup>
- (अभिषुङ्गे स्पृहायाश्च गभस्तौ च) रुचिः (स्त्रियाम्) 1 Passion.  
2 Desire. i

<sup>a</sup> Or 3 A club armed with iron. <sup>4</sup> In astrology, One of the *Y'jas*. <sup>b</sup> Of water. Also 3 Succession. <sup>c</sup> Or of showing respect. <sup>d</sup> Also 2 Small. 3 Light. And n. <sup>4</sup> Quick. <sup>e</sup> For suspending a load. <sup>f</sup> And 3 A disease of the eye. <sup>g</sup> And 3 Error or illusion. <sup>4</sup> Prolixity. <sup>5</sup> Abundance. Also 6 Delusion. <sup>h</sup> That of *A'shád'ha* or of *Jyaish't'ha*. Or 4 The Hot season. <sup>5</sup> The sentiment of love. And m. f. n. <sup>6</sup> Pure. <sup>7</sup> White. <sup>1</sup> And 3 A ray of light. Or 4 Intentness. <sup>5</sup> Splendour. <sup>6</sup> Beauty.



## SECTION VI. a

- 1 Clear. 2 A bear. b
31. (प्रसन्ने भङ्गुकेप्य.) ऽच्छो<sup>m</sup>  
<sup>m f n</sup>  
 गुच्छः (स्तवकहारयोः)  
<sup>m</sup>  
 (परिधानाञ्चले) कच्छो (जलप्रान्ते त्रिलिङ्गकः)
- 1 A cluster.  
 2 Sort of necklace. c  
 1 Hem of a garment. d

## SECTION VII.

- 1 A peacock.  
 2 VISHNU's bird.
32. (केकितार्द्धाव्) ऽहिसुजौ<sup>m</sup>  
<sup>m</sup>  
 (दन्तविप्राण्डजा) द्विजाः  
<sup>m</sup>  
 अजा (विष्णु हरच्छागा)  
<sup>m</sup>  
 (गोष्ठाध्वनिवद्वा) व्रजाः  
<sup>m</sup>
- 1 A tooth.  
 2 A regenerate man. c  
 1 VISHNU.  
 2 SIVA. 3 A goat. f
33. धम्मराजौ (जिनयमौ)<sup>m</sup>  
<sup>m n</sup>  
 कुच्छो (दन्ते ऽपि न स्त्रियाम्)  
 An elephant's tooth. i

a The stanza, constituting this section, is omitted by most commentators. b Also 3 Crystal. c Likewise 3 A clump. 4 A multitude or assemblage. d And m. f. n. (some say m.) 2 Bank or shore. Also m 3 Sort of tree (Hibiscus Populneoides). e Of the three first tribes And 3 An oviparous animal; a bird, &c. f Also 4 Brahmā. 5 Cupid. 6 A sheep. 7 Proper name; Son of RAGHU. g And 3 A multitude h Also 3 Title of YUDHISTHIRA. i Likewise 2 An harbour. j

|   |                |  |
|---|----------------|--|
| <sup>n</sup><br>बलजे (क्षेत्रपूर्वारे)          |                | 1 A field. 2 A city gate. a<br>3 A pretty woman. |
| <sup>f</sup><br>बलजा (बलादर्शना)                |                |  |
| 34. (समे क्ष्मांशे रणे ऽप्या) जिः               | <sup>1 f</sup> | 1 Even ground.<br>2 War.                         |
| <sup>f</sup><br>प्रजा (स्यात्सन्ततौ जनेः)       |                | 1 Progeny.<br>2 People.                          |
| <sup>m</sup><br>अजौ (शङ्खशङ्खौ च)               |                | 1 A conch.<br>2 The moon. b                      |
| <sup>m f n</sup><br>(स्वके नित्ये) निजं (त्रिष) |                | 1 Own.<br>2 Perpetual.                           |

SECTION VIII.

|  |              |                                    |
|--|--------------|------------------------------------|
| 35. (पुंस्यात्मनि प्रवीणे च) क्षेत्रज्ञो (वाच्यलिङ्गकः)      | <sup>m</sup> | 1 Soul, c                          |
| <sup>f</sup><br>संज्ञा (स्याच्चेतनानामहस्ताद्यौश्चार्यसूचना) |              | 1 Thought,<br>2 Name.<br>3 Hint. d |
| 36. दोषज्ञौ (वैद्यविद्वांसौ)                                 | <sup>m</sup> | 1 A physician. 2 A wise man.       |
| <sup>m</sup><br>ज्ञो (विद्वांसोमजो ऽपि च)                    |              | 1 A wise man. 2 BU-<br>D'HA. c     |

1 अजि.

<sup>a</sup> Also 3 War. <sup>b</sup> Also ३ *Dhanwantari*. 4 A tree (*Eugenia scutangula*). And n. 5 A Lotus. <sup>c</sup> And m, f. n. 2 Skilful. <sup>d</sup> Also Proper name: the wife of the sun. <sup>e</sup> First of the lunar race.

## SECTION IX.

- A crow. a <sup>m</sup> (काकेभगण्डौ) करटौ
- An elephant's cheek. <sup>m c</sup> (गजगण्डकटौ) कटौ  
2 The hip. b
- 1 Bald. <sup>m e</sup>  
2 Without pepuce. d
37. शिपिविष्ट (स खलतौ दुश्मणि महेश्वरे)  
1 m g (देवशिल्पिन्यपि) त्वष्टा
- 1 divine artist. f <sup>n</sup> दिष्टं (दैवे ऽपि न द्वयोः)
- Destiny. h <sup>m</sup>
- Pungency. 38. (रसे) कटः  
2 π कट (कार्थे त्रिषु मत्सरती क्षणयोः)
- Improper act. i <sup>n</sup> रिष्टं (क्षेमाशुभाभावेषु)
- 1 Happiness. <sup>n</sup>  
2 Ill luck. j रिष्टं (तु शुभाशुभ)
- Happiness. <sup>n</sup>  
2 Misery. k 39. (मायानिश्चलयन्त्रेषु कैतवानृतराशिषु)
- 1 Illusion. <sup>n</sup>  
2 Fraud.

1—ष्टः. 2 कटः.

<sup>a</sup> And 2 An elephant's cheek. Also 3 A person speaking nonsense.  
4 One following a blamable profession. <sup>b</sup> Also 3 A mat. 4 A dead body. And f. (कटौ). 5 Long pepper. <sup>c</sup> Nom. कटः. But some, by a slight variation of the reading and interpretation, make कटिः the term in both acceptations; or else कटिः and कटः. <sup>d</sup> Naturally so. Or 3 A leper. 4 Title of SIVA. 5 KRISHN'A. <sup>e</sup> And शिपिविष्टः or शिपिविष्टः. <sup>f</sup> VISWAKARMA. Also 2 A carpenter. 3 In mythology, One of the twelve suns. <sup>g</sup> Or तष्टा (ष्ट). <sup>h</sup> Also m. 2 Time. <sup>i</sup> And m. f. n. 3 Envious. 4 Fierce. 5 Displeasing. Also f. 6 Mustard. 7 A medicinal plant. vulg. *Catuci*. <sup>j</sup> And 3 The reverse of ill luck. Also 4 Destruction. 5 Sin. <sup>k</sup> Also 3 Sign of death. 4 Spirituous liquor. Likewise m. Garlic. 6 *Melia azadderekh*. 7 A crow.

- अयोधने शैलशृङ्गे सीराङ्गे) कूट (मस्त्रियाम्) <sup>m n</sup> 2 Lie. 4 Assemblage.  
 5 Summit. a  
 1 Small cardamum. 2 Au-  
 40. (सूक्ष्मलायां) वुटिः (स्त्रीस्यात्कालेऽल्पे संशयेऽपि सा) <sup>f</sup> instant. b  
 1 End of a  
 (अर्थ्यत्कर्षाश्रयः) कच्यो <sup>1 f</sup> bow. 2 Eminent-  
 1 A root. c  
 2 Clotted hair. d  
 41. व्यष्टिः (फले सप्तद्वौ च) <sup>f</sup> 1 Conse-  
 2 Opulence. c  
 1 Knowledge  
 2 An eye.  
 3 Sight.  
 दृष्टि (ज्ञानेऽक्षिणा दर्शने) <sup>f</sup>  
 1 A sacrifice.  
 2 Desire. f  
 दृष्टि (र्यागेच्छयोः) <sup>f</sup>  
 1 Certain. g  
 1 Painful.  
 2 Difficult. i  
 42. कष्टे (तु कच्छगहने) <sup>f h</sup>  
 (दक्षामन्दागदेषु तु) <sup>m f n</sup>  
 1 Diligent.  
 2 Skilful. j  
 पटु (हौं वाच्यलिङ्गौ च) <sup>m f n</sup>

## १—टि.

<sup>a</sup> Of a mountain. And 6 Ploughshare. 7 Body of a plough.  
 8 Uniform substance (as the etherial element, &c.). 9 A trap for deer.  
 10 A hammer. Likewise l l A jar. 12 Name of a plant. <sup>b</sup> And 3 An  
 atom. 4 Doubt. <sup>c</sup> And 3 Edge of a weapon. 4 A corner or angle. 5  
 In numeration, Ten millions. <sup>d</sup> Also 3 Spikenard. <sup>e</sup> Also 3 Praise.  
<sup>f</sup> Likewise 3 A memorial verse. <sup>g</sup> The subject of ascertainment. And  
 m. f. n. 3 Much. Also f. 4 Creation. <sup>h</sup> Or कष्ट. Likewise Created,  
 fabricated. <sup>i</sup> Not easily attainable. j And 3 Fierce. 4 Cruel.  
 6 Hale. Also m. 6 A plant (Trichosanthes dioica) n. 7 Salt.

## SECTION X.

|                                       |   |                                |
|---------------------------------------|---|--------------------------------|
| SIVA. a                               |   | नीलकरः (शिवे ऽपि च             |
| 1 Thastomach. 2 A granary. b          | 43. (पुंसि) कोष्ठो (ऽन्तर्जठरं कुक्षलो ऽन्तर्गदन्तया) |                                |
| 1 Confirmation. c                     | निष्ठा (निष्पत्तिनाशान्ताः)                           |                                |
| 1 Excellence. 2 Limit. 3 Region. d    |   | काष्ठो (त्वर्धे स्थितौ द्विषि) |
| Pre-eminent. e                        | 44. (त्रिषु) ज्येष्ठो (ऽतिशक्ते ऽपि)                  |                                |
| 1 Very young. 2 Small. f              |   | कनिष्ठो (ऽतियुवाल्पयोः)        |
| A staff. g                            | दण्डो (ऽस्त्री लण्डे ऽपि स्याद्)                      |                                |
| 1 A globe or ball. 2 Raw suger. h     |   | गुडो (गोलेक्षुपाकयाः)          |
| 1 A serpent. 2 A carnivorous beast. i | 45. (सर्पमांसात्पय् (व्याडौ                           |                                |

## 1 काष्ठा.

<sup>a</sup> Also 2 A peacock. 3 A blue jay (Coracias Indica, &c.) 4 A gallinule. <sup>b</sup> And 3 An apartment. Also 4 Own. <sup>c</sup> And 2 Disappearance. 3 Destruction. Or 4 Stop. 5 Steady practice. <sup>d</sup> Or quarter. Also 4 A measure of time; 18 twinklings of an eye. 5 A place. 6 A plant (Amomum Anthorhiza). Likewise <sup>n</sup> 7 Wood. <sup>e</sup> Also 2 Eldest. 3 Very old. Likewise <sup>m</sup> 4 The month so called. And <sup>f</sup> 5 The constellation. <sup>f</sup> Also 3 Youngest. And <sup>f</sup> 4 The little finger. <sup>g</sup> Likewise 2 A measure of four cubits. 3 A churning stick. 4 A measure of time: 24 minutes. 5 Punishment. 6 YAMA; the Judge of the next world. 7 A companion of the sun. 8 A column of troops. 9 A stem or trunk. <sup>h</sup> Also <sup>f</sup> 3 Euphorbia Tirucalli, &c. <sup>i</sup> As a tiger, &c. Also 3 A wicked man.

|  |                           |   |
|--|---------------------------|---|
|  | 1 f f b                   |   |
|  | गोभ्रुवाचस्त्रि.) डा इला: | 1 A cow.<br>2 The earth.<br>3 Speech. a |
| f  |                           |   |
| बुडा (वंशशलाकापि)                            |                           | A bambu<br>rod. e                       |
|  | f                         |   |
|  | नाडी (काले ऽपि षट्क्षणे)  | An Indian<br>hour d                     |
| m n  |                           |   |
| 46 काण्डो (ऽस्त्री दण्डवाणाववर्गावसरवारिषु)  |                           | 1 A stem.<br>2 An arrow. e              |
| n  |                           |   |
| (स्याद्) भाण्ड (मृशाभरणे ऽमत्रे मूलवणिग्घने) |                           | Trappings of<br>a horse. f              |

## SECTION XI.

|                            |                         |                             |
|----------------------------|-------------------------|-----------------------------|
|                            | n                       |                             |
| 47. (भृशप्रतिज्ञयोर्) वादं |                         | 1 Much.<br>2 Promise. g     |
|                            | n                       |                             |
|                            | प्रगाढं (भृशकृच्छ्रयोः) | 1 Much.<br>2 Difficult. b   |
|                            | m f n                   |                             |
| (शक्तस्य लो त्रिषु) हृदौ   |                         | 1 Able.<br>2 Bulky. i       |
|                            | m f n                   |                             |
|                            | व्यूढौ (ऽविन्यससंहतौ)   | 1 Arranged.<br>2 Compact. j |

## 1 इडा.

<sup>a</sup> And 4 Wife of BUDHA and daughter of IKSHWA'KU. <sup>b</sup> The word is written both ways. <sup>c</sup> Likewise 2 A war whoop. And m. 3 Venom. <sup>d</sup> Equivalent to 24 minutes. Also 2 A pipe or tube. 3 A vein or artery. 4 The guts. 5 A fistulous sore. 6 The hollow stalk of a lotos, &c. <sup>e</sup> And 2 Bad. 3 A chapter. Or 4 A horse. 5 Multitude. Likewise 6 Opportunity. 7 Water. Also 3 A Cluster ; or a shrub. 9 A branch of a tree. <sup>f</sup> Some say, his saddle. And 2 A vessel. 3 Stock or capital. Also 4 An ornament. <sup>g</sup> Some make the term indeclinable. <sup>h</sup> Or 3 Pain. 4 Firm <sup>i</sup> Also 3 Strong. 4 Firm. 5 Confirmed. 6 Much. <sup>j</sup> Likewise 3 Large.

- 1 Child.  
2 Human  
foetus.  
1 Son of  
BALI. 2 An  
arrow. a  
1 A part. e.  
2 Eye of  
corn. b  
1 Multitude.  
c  
1 A stake at  
play. 2 Wa-  
ges d  
1 A bow  
string.  
2 Quality. e  
1 State of be-  
ing unem-  
ployed. f  
1 Tribe.  
2 Colour. g

48. <sup>m</sup>अरुणोऽर्भकेस्त्रैषा गर्भे)

<sup>m</sup>बाणाः (बलिस्तुते शरे)

<sup>m</sup>कणोऽतिस्त्रुक्ष्णे धान्यांशे)

(संघाते प्रमथे) <sup>m</sup>गणः

49. <sup>m</sup>पयोः (द्यूतादिपू. कृष्टे भृतौ मूल्ये धने ऽपि च)

(मौख्यां द्रव्याञ्चिते सत्वशुक्लसन्ध्यादिके) <sup>m</sup>गुणः

50. (निर्व्यापारस्थितौ कालविशेषोत्सवयोः) <sup>m</sup>क्षणः

<sup>m</sup>वर्षोऽद्विजादौ शुक्लादौ स्तुतौ।

<sup>m n</sup>वर्गः (न्तु वाचरे)

1 The Sun. h

51. <sup>m</sup>अरुणोऽभास्करे ऽपि स्याद्दर्शा भेदे ऽपि च त्रिषु

<sup>m</sup>स्याणुः (शर्वे ऽप्य)

1 SIVA. i

1 A raven. j

(ऽथ) द्रोणः काके ऽपि च

1 Sound. k

<sup>m l</sup>(रघे रणः

<sup>a</sup> Also 3 Sound. And m. f. 4 A plant (blue Barleria). 5 Wages of weaving. <sup>b</sup> Also 3 A spark of any gem. And f. 4 Long pepper. 5 Cuminum cyminum. <sup>c</sup> And 2 S'IVA's attendants. <sup>d</sup> And 3 Price. 4 Wealth. 5 A commodity. 6 Business. 7 A weight; two *talas*. 8 In tale, twenty *gaulis* of cowries. <sup>e</sup> And 3 Epithet. 1 A rope. 5 A cook. <sup>f</sup> And 2 A minute of time (the 6th part of a *ghat'i*; some say the 12th part of a *muhurta*). 3 A moment. 4 A festival. 5 Dance and song. <sup>g</sup> Also 3 Praise. 4 Narration. m. n. 5 A letter of the Alphabet. <sup>h</sup> And m. f. n. 2 Dark red. Also m. 3 The Charioteer of the sun. 4 The dawn. And f. 5 Maddening. <sup>i</sup> And m. n. 2 A pollard, or trunk of a lopped tree 3 A spear. 4 A nest of termites. <sup>j</sup> And 2 A measure of capacity. 3 Proper name; the military preceptor of the *Pán'davas*. <sup>k</sup> And m. n. 2 War, battle. <sup>l</sup> This stanza is omitted by many commentators.

|  |                                  |
|--|----------------------------------|
| 52. ग्रामणी <sup>m</sup> (नापिते पुंसि श्रेष्ठे ग्रामाधिपे त्रिषु) | 1 A barber. a                    |
| <sup>f c</sup> ऊर्ध्वा (मेषादिलोमि स्यादावर्त्ते चान्तराभुवौ)      | 1 Wool, felt, &c. b              |
| 53. हरिणी <sup>f</sup> (स्यान्मृगी हेमप्रतिमा हरिता च वा)          | 1 A doe.<br>2 A golden image. d  |
| (त्रिषु पाण्डौ च) हरिणः <sup>m f n</sup>                           | Yellowish white. e               |
| <sup>f</sup> स्थाना (स्तम्भेऽपि वेश्मनः)                           | A house post. f                  |
| 54. दृष्टो <sup>f</sup> (स्यहापिपासे द्वे)                         | 1 Desire.<br>2 Thirst.           |
| (जुगुप्साकरणे) घृणो <sup>f</sup>                                   | 1 Blame.<br>2 Pity               |
| (वणिक्पथे ऽपि) विपणिः <sup>f</sup>                                 | 1 A market. g                    |
| (सुराप्रत्यक् च) वारणी <sup>f</sup>                                | 1 Spirituous liquor. 2 The west. |
| 55. करेणु <sup>f i</sup> (रिभ्यां स्त्रीनेभे)                      | A female elephant. h             |
| <sup>m n</sup> द्रविणं (तु बलं धनम्)                               | 1 Strength.<br>2 Wealth. j       |
| <sup>n</sup> शरणं (गृहरक्षितोः)                                    | 1 A house.<br>2 Preserver. k     |
| <sup>n</sup> श्रीपर्णः (कमले ऽपि च)                                | A lotos. l                       |

<sup>a</sup> And m. n. <sup>2</sup> Excellent. <sup>3</sup> A superintendent of a village. <sup>b</sup> And <sup>2</sup> A circle of hair between the eye-brows: esteemed a token of greatness. <sup>c</sup> Or ऊर्ध्वा. <sup>d</sup> And <sup>3</sup> Green. Also <sup>4</sup> Sort of metre. <sup>5</sup> A description of women. <sup>e</sup> Also m. <sup>2</sup> A deer. <sup>f</sup> Likewise <sup>2</sup> An iron image. <sup>g</sup> Also <sup>2</sup> A stall or shop. See Book II. ch. 2. <sup>2</sup> <sup>3</sup> A commodity for sale. <sup>h</sup> And m. A male elephant. <sup>i</sup> Or fem. करेणु. <sup>j</sup> Also <sup>3</sup> Gold. <sup>k</sup> Likewise <sup>3</sup> Preservation, <sup>4</sup> Killing. <sup>l</sup> Nelumbium speciosum. Also <sup>2</sup> Premna spinosa and longifolia.



1 Poison.  
2 War. a

56. (विषाभिमरलौहेषु) तीक्ष्णं<sup>n</sup> (क्षीवे खरे त्रिषु)

1 Proof.  
2 Limit. b

प्रमाणं<sup>n</sup> (हेतुमर्थ्यादाशास्त्रे यत्ताप्रभाहृषु)

1 Instrument.  
2 Field. c

57. करणं<sup>n</sup> (साधकतमं क्षेत्रगात्रेन्द्रियेषुपि)

1 Birth.  
2 Unresisted  
march of  
troops. d

(प्रायुत्प्रादे) संसरणं<sup>n</sup> (मसखाधचक्रगतौ)

58 घटापथे)

1 Food vom-  
ited. 2 Rais-  
ing. e

(ऽथ वान्तान्ने) ससुद्धरणं<sup>n f</sup> (सुन्दरे)

(चतस्त्रिषु)<sup>g</sup>

1 A horn.  
2 Elephant's  
tooth.

विषाणं<sup>m f n</sup> (स्यात्प्रशुष्टङ्गे भदन्तयोः)

1 Declivity.  
2 Humble. h

59. प्रवणः<sup>m f n</sup> (क्रमनिम्नोर्थ्यां प्रह्वे ना तु चतुष्पथे)

1 Miscellane-  
ous. 2 Im-  
pure. i

सङ्कीर्णं<sup>m f n</sup> (निचिताशुष्वाव्)

1 Desert.  
2 Salt and  
barren soil.

द्वैरणं<sup>m f n j</sup> (स्युम्यन्वपरम्)

<sup>a</sup> Or 3 Death. 4 Iron. 5 A weapon. 6 Any thing metallic. 7 Haste. 8 Sea salt. And m. f. n., 9 Sharp. 10 Hasty. Also m. 11 Nitre. <sup>b</sup> And 3 Sacred ordinance, 4 Quantity. 5 Authority. <sup>c</sup> And 3 Body. 4 Organ of sense. Also 5 Cause. m. 6 A tribe sprung from the third and fourth classes. <sup>d</sup> Or 3 Beginning of war. And 4 A highway. Or 5 A resting place. <sup>e</sup> As of water from a well. Or 3 Eradicating of a tree, &c. <sup>f</sup> And चकरणं. <sup>g</sup> The following admit the three genders. <sup>h</sup> And m. 3 A place where four roads meet. Also m. f. n. 4 Generous. 5 Principal. <sup>i</sup> Or 3 Mixed. 4 Of an impure or mixed tribe. <sup>j</sup> And द्वरणं.

SECTION XII.

60. (देवस्यै) विवस्वन्तौ<sup>1 n</sup>  
 सरस्वन्तौ (नदार्णवा)<sup>2 n</sup>  
 (पक्षिताक्ष्यौ) गरुत्मन्तौ<sup>3 m</sup>  
 शकुन्तौ (भासपक्षिणौ)<sup>4 m</sup>  
 61. (अग्नुत्पातौ) धूमकेतू<sup>5 m</sup>  
 जीम्वतौ (मेघपर्वतौ)<sup>m</sup>  
 हस्तौ (तु पाणिनक्षत्रे)<sup>m</sup>  
 62. यन्ता (हस्तिपके सूते)<sup>6 m g</sup>  
 भर्त्ता (धातरि पोष्टरि)<sup>7 m</sup>  
 (यानपात्रे शिष्यौ) पोतः<sup>8 m f n</sup>  
 प्रेतः (प्राण्यन्तरे हते)<sup>m</sup>
- 1 A god.  
 2 The sun.  
 1 A river.  
 2 The sea. a  
 1 A bird.  
 2 VISHNU'S  
 bird.  
 1 The Indian  
 vulture. 2 A  
 bird. b  
 1 Fire. 2 A  
 comet. c  
 1 A cloud.  
 2 A moun-  
 tain. d  
 1 A hand,  
 2 The as-  
 terism. e  
 1 Wind,  
 2 A deity. f  
 1 An ele-  
 phant driver.  
 2 A chario-  
 teer. h  
 1 A holder.  
 2 A nourish-  
 er. i  
 1 A boat.  
 2 A young  
 animal. j  
 1 A departed  
 soul. k

1—वृ. 2—वृ. 3—वृ. 4—न्त. 5—स्त.  
 6—त or —वृ. 7—न्तृ. 8—वृ.

<sup>a</sup> Also m. f. n. <sup>3</sup> Juicy. <sup>f</sup> 4 Goddess of speech. <sup>5</sup> A river. <sup>b</sup> Like-  
 wise <sup>3</sup> An insect. <sup>c</sup> Also <sup>3</sup> A falling star. <sup>d</sup> Likewise <sup>3</sup> The plant  
 called *Deôtâr*. <sup>e</sup> Corvus. Also <sup>3</sup> An elephant's trunk. <sup>4</sup> A cubit.  
<sup>5</sup> (In composition with केष) multitude ; pre-eminence. <sup>f</sup> Of a particular  
 order. Also n. <sup>4</sup> Medicago esculenta. <sup>g</sup> वृत् or वृत्तः. <sup>h</sup> Likewise  
 m. f. n. <sup>3</sup> Any person who restrains. <sup>i</sup> And m. <sup>3</sup> A husband. <sup>j</sup> Also  
<sup>3</sup> Site of a house. <sup>k</sup> And m. f. n. <sup>2</sup> Dead.

- 1 The moon's descending node. a  
1 A king.  
2 A son. b  
1 An architect. c  
1 A mountain.  
2 A king.
63. (ग्रहभेदे भ्रजे) केतुः<sup>m</sup>  
(पार्थिवे तनये)<sup>m</sup> सुतः  
स्यपतिः (कारुभेदे ऽपि)<sup>m</sup>  
भ्रष्टदू (भूमिधरे वृषे)<sup>I m</sup>
- 1 A king. d  
A woman's courses. e  
VISHNU. f  
1 A Cartwright. 2 A charioteer. g  
Wise, learned. h  
1 A science.  
2 An example. i  
1 Charioteer.  
2 A porter. j  
1 Topic.  
2 Mode. k
64. स्वर्द्धाभिधित्तो (भूपे ऽपि)<sup>m</sup>  
चतुः (स्त्रीकुसुमे ऽपि च)<sup>m</sup>  
(विष्णावप्य) ऽजिता ऽव्यक्तौ<sup>m</sup>  
सूत (स्वष्टरि सारथौ)<sup>m</sup>  
व्यक्तः (प्राज्ञे ऽपि)<sup>m f n</sup>  
दृष्टान्ताव् (उभे शास्त्रनिर्दर्शने)<sup>3 m</sup>  
क्षत्ता (स्यात्सारथौ दाःस्ये क्षत्रियायां च मृद्रजे)<sup>4 m</sup>  
दृष्टान्तः (स्यात्प्रकरणे प्रकारे कार्तृस्त्र्यर्वात्तयोः)<sup>m</sup>

1—वृ.

2—क्ष.

3—न्त

4—क्षृ.

<sup>a</sup> Reckoned as the ninth planet. 2 A flag or standard. 3 A mark or symbol. 4 A comet. 5 An enemy. <sup>b</sup> Or 3 A king's son. And 4 fem. सूतः, a daughter. <sup>c</sup> Or 2 A head carpenter. Also 3 A person performing a sacrifice to the planet Jupiter. And m. f. n. 4 Chief. <sup>d</sup> Or 2 A man of the military tribe. 3 A mixed class sprung from the 1st and 2d. 4 A chief minister. <sup>e</sup> And 2 A season; spring, summer, &c. <sup>f</sup> Also अजितः. 2 One of the *Jinas*. m. f. n. 3 Unconquered. And अव्यक्तः. 2 *Siva*. n. 3 The Supreme soul. 4 Any invisible principle. m. f. n. 5 Indistinct. <sup>g</sup> Likewise 3 A mixed class sprung from the 2d and 1st. 4 Quicksilver. m. f. n. 5 Generated. <sup>h</sup> Also 2 Evident. 3 Ascertained. <sup>i</sup> Likewise 3 Death. <sup>j</sup> And 3 A mixed class sprung from the 4th and 2d. 4 One sprung from the 4th and 3d. Likewise 5 Son by a female slave. <sup>k</sup> And 3 Whole. 4 Rumour. Story.

- <sup>m</sup>  
**आनर्तः** (समरे वृत्त्यनानीदृष्टिशेषयोः) 1 War. 2 A stage. a
- <sup>m</sup>  
 67. **छान्तो** (यमसिद्धान्तदेवाकुशलकर्मसु) 1 YAMA. 2 Right conclusion. b  
 (श्लेषादि रसरक्तादि महाभूतानि तद्गुणाः)
- <sup>m</sup>  
 68. **इन्द्रियाण्यश्मविकृति शब्दयोनिश्च धातवः** 1 Principle of the body. c  
 (कक्षान्तरेऽपि) शुद्धान्तो (वृष्यासर्वगोचरे)
- <sup>f i</sup>  
 69. (कासूसामर्थ्ययोः) शक्तिर् 1 An iron spear. 2 Power. e  
 सूक्तिः (काठिन्यकाययोः) 1 Matter. 2 Body. g  
 (विस्तारवल्गुयोर्) व्रततिर् 1 Expansion. 2 A creeping plant.  
 (वसती) रात्रिवेश्मनोः 1 Night. 2 A house. i  
 70. क्षयार्चयोर् अपचितिः 1 Loss. 2 Worship. j  
 साति (दानावसानयोः) 1 Gift. 2 Destruction.

1—त.

2—ति or —ती.

a Or 3 A theatre. 4 Name of a Country on the N. W. coast of India. 5 Inhabitant of that country. b Demonstrated doctrine. And 3 Destiny. 4 Sinful act. c Viz. phlegm, wind and bile. 2 Constituent part: as blood, flesh, marrow, &c. 3 The primary elements; earth, water, fire, air, and ether. 4 Their qualities, odour, flavour, colour, touch and sound. 5 The organs of sense, nose, tongue, eye, skin and ear. 6 Fossil. 7 Metal. 8 Root of words; crude verb. d The king's private palace, or apartments of his women. Also 2 The king's wife, or concubine. e Likewise 3 Energy of a divinity: as GAURI of SIVA. f शक्तिः or शक्ती. g Or a definite form. h व्रततिः or व्रततिः. i Also 3 Stay, abode. j Likewise 3 Expense. 4 Exclusion. k Some add वतिः and वन्तिः.

- 1 Pain. 2 End of a bow. <sup>f a</sup> चर्त्तिः (फ़ीडा घणुष्कोष्चोर)
- 1 Kind or sort. 2 Birth. <sup>b</sup> जातिः (सामान्यजनने)
- 1 Usage. 2 Oozing. c 71. (प्रचारस्यन्दयो) रीतिर् <sup>1 f</sup> इति डिम्बप्रवासयोः  
(उदये ऽधिगमे) प्राप्तिः <sup>f</sup>
- 1 Calamity of season. d 72. (वीणाभेदे ऽपि) मण्डी <sup>f</sup> त्वेता (त्व ऽग्नित्रये युगे)
- 1 Gain. 2 Obtaining. e (उदये ऽधिगमे) प्राप्तिः <sup>f</sup>
- 1 Three sa- <sup>f</sup> क्रति (भस्मानि सम्पदि)  
crificial fires. <sup>2 f</sup> (नदीनगर्थानागानां) भोगवत्य.  
A harp. g 72. (वीणाभेदे ऽपि) मण्डी <sup>f</sup> (ऽथ सङ्गरे)
- 1 Ashes. 2 Success. h 73. संगे सभायां) समितिः <sup>f</sup> (क्षयवासावपि) क्षतिः <sup>f</sup>
- 1 River of snakes. 2 City of serpents. i (रवेरर्चिष्व् शस्त्रं च यङ्गिष्वाला च) हेतयः <sup>3 f</sup>
- 1 Combat. 2 Company. 3 Assembly. 74. जगती (जगति च्छन्दोविशेषे ऽपि क्षितावपि) <sup>f</sup>
- 1 Wane, loss. 2 A-dode. j 74. जगती (जगति च्छन्दोविशेषे ऽपि क्षितावपि) <sup>f</sup>
- 1 Sun-beam. 2 Weapon. 3 Flame. 4 Production. <sup>1</sup> Both situated in the infernal regions. Also m. भोगवान् (—वत्). A serpent. <sup>j</sup> Also 3 The earth. 4 Period of general destruction. <sup>k</sup> And 3 The earth.

1—ति.

2—ती.

3—ति.

\* Or चर्त्तिः. <sup>b</sup> Also 3 Sort of metre. 4 Jasmin. 5 Nutmeg. 6 Lineage. <sup>c</sup> Likewise 3 Brass. 4 Scoria of metals. <sup>d</sup> And 2 Travelling abroad. <sup>e</sup> Or 3 Rise. 4 Improvement, success. <sup>f</sup> And 2 Second age of the world. <sup>g</sup> NA'RADA'S lute with 100 (some say seven) strings. 2 Solanum melongena. <sup>h</sup> Also 3 Super-human power, as rendering oneself invisible, &c. 4 Production. <sup>i</sup> Both situated in the infernal regions. Also m. भोगवान् (—वत्). A serpent. <sup>j</sup> Also 3 The earth. 4 Period of general destruction. <sup>k</sup> And 3 The earth.

|                    |  |                                       |
|--------------------|--|---------------------------------------|
| <sup>f</sup>       | पंक्ति (च्छन्दो ऽपि दशनं)                    | 1 A metre.<br>2 Ten a                 |
|                    | (स्यात्प्रभावे ऽपि चा)यति:                   | Majesty or<br>dignity. b              |
| <sup>f</sup>       | 75. पत्ति (गृत्तौ च)                         | Motion. c                             |
|                    | (च्छले तु) पत्तति: (पत्तभेदयोः)              | 1 Root of a<br>wing. d                |
| <sup>f</sup>       | प्रकृति (यौनिलिङ्गे च)                       | 1 Origin.<br>2 Sex. e                 |
|                    | (कौशिक्याद्याश्च) रत्नयः                     | Style of com-<br>position. f          |
| <sup>f</sup> pl. h | 76. सिकता: (स्युवालुकापि)                    | Sand. g.                              |
|                    | (वेदे श्रवसि च) श्रुति:                      | 1 Holy scrip-<br>ture. 2 An<br>car. i |
| <sup>f</sup>       | वनिता (जनितात्यर्थानुरागायां च योषिति)       | Beloved<br>woman. j                   |
| <sup>f</sup>       | 77. गुप्ति: (क्षितिष्युदासे ऽपि)             | A cavern. k                           |
|                    | धृति (द्वीरणधैर्ययोः)                        | 1 Holding.<br>2 Steadiness.           |
| <sup>f</sup>       | दृहती (क्षुद्रवार्त्ताकीच्छन्दोभेदे महत्यपि) | 1 An egg-<br>plant. 2 A<br>metre. m   |

१ चा—

२—ति.

<sup>a</sup> Also 3 A row. <sup>b</sup> Likewise 2 Breadth. 3 Future time. 4 Res-  
traint of mind: <sup>c</sup> Also 2 A platoon. And m. 3 A foot soldier.  
And 2 First day of a lunar month. <sup>d</sup> Or 3 Pudendum muliebre.  
And 4 Natural disposition. 5 Material nature. 6 Original matter.  
7 Root of a word. <sup>e</sup> And 2 Livelihood or profession. 3 Exposition or  
gloss. <sup>f</sup> Also 2 Sandy ground. 3 Stony nodules. <sup>h</sup> Some admit  
the singular number. <sup>i</sup> Likewise 3 Listening. 4 A rumour. 5 A quarter  
of a musical tone. <sup>j</sup> Or 2 A woman in general. 3 m, f, n. Solicited,  
begged. <sup>k</sup> Or 2 A hole in the ground. 3 A sink. Also 4 A prison.  
5 Concealment. <sup>l</sup> Likewise 3 Satisfaction. 4 One of the astrological  
Yogas. And m. 5 A religious ceremony. <sup>m</sup> And 3 A large lute. 4 A  
mantle.

- 1 A woman.  
2 A female elephant. a
- 1 Livelihood.  
2 Burrough. c
- 1 Chaff.  
2 Health. d
- Water. e
- 1 Silver.  
2 Gold.
- 1 Cause.  
2 Token.
- 1 Science. f
- 1 The golden age.  
2 Enough. g  
1 Great dread. 2 Vahant act.
- An element. h
- 1 Verse.  
2 Conduct. i
- Realm. j
- 1 Calumny. k
78. वासिता<sup>f b</sup> (स्त्रीकरिष्योश्च)  
वासिता<sup>f</sup> (वृत्तौ जनयुतौ)
- वासि<sup>n</sup> (फलाभ्युरोगे च त्रिषु)  
(ऽस्य च) घृता<sup>n n</sup> ऽभते
- कलघातं<sup>n</sup> (रूप्यहेम्नोर्)  
निमित्तं<sup>m</sup> (हेतुलक्षणायोः)
- श्रुतं<sup>n</sup> (शास्त्रावधृतयोर्)  
(युगपर्याप्तयोः)<sup>n</sup> कृतम्
80. चत्याहितं (महाभीतिः कर्मजीवानपेक्षि च)  
(शुक्ते क्षमादादृते) भूतं<sup>n</sup> (प्राप्यतीते समे त्रिषु)
81. वृत्तं<sup>n</sup> (पद्ये चरिते त्रिष्वतीते दृढनिस्तले)  
महद्<sup>n</sup> (राज्यं च)  
ऽवगीतं<sup>n</sup> (जन्ये स्याद्गृहिते त्रिषु)

<sup>a</sup> Also n. 3 The cry of birds. m. f. n. 4 Perfumed. <sup>b</sup> Or वासिता.  
<sup>c</sup> Or 3 A profession. 4 News. <sup>d</sup> And m. f. n. 3 Healthy. <sup>e</sup> And  
2 Liquid butter. Also चक्षुतं. 3 Nectar. 4 Residue of a sacrifice.  
5 Unsolicited alms. 6 Exemption from transmigration. <sup>f</sup> And m. f.  
n. 2 Heard. 3 Understood. <sup>g</sup> Also m. f. n. 3 Done, 4 Hurt. <sup>h</sup> And  
m. f. n. 2 Right, 3 True. 4 Past. 5 (in composition) Like. 6 Been. Also  
n. 7 A living being. m. n. 8 A demon, And m. 9 A class of demi-gods  
<sup>i</sup> And m. f. n. 3 Past. 4 Firm. 5 Round. 6 Studied. 7 Covered. Also n.  
8 Profession. <sup>j</sup> Also m. 2 The intellectual principle. 3 m. f. n. Great.  
f. 4 A harp or large lute. <sup>k</sup> And m. f. n. 2 Blamed, censured, 3 Wicked.

82. <sup>n</sup>श्वेतं (रुप्ये ऽपि) Silver. a  
<sup>n</sup>रजतं (हारे रुप्ये सिते त्रिषु) 1 A necklace.  
 2 Silver. b  
<sup>c</sup>त्रिषितेः  
<sup>1 m f n</sup>जगद् (रुद्रे ऽपि) Movable,  
 locomotive. d  
<sup>m f n</sup>रक्तं (नील्यादिरागि च) Died, tinged.  
 e  
 83. <sup>m f n</sup>अवदातः (सिते पीते शुद्धे) 1 White.  
 2 Yellow.  
<sup>m f n</sup>(बहुवर्ज्जुनौ) सितौ 3 Clean.  
 1 Bound.  
 2 White. f  
<sup>m f n</sup>(युक्ते ऽतिसंस्कृते मर्षिष्ये,) ऽभिनीतेः 1 Fit. 2 Ex-  
 cellent. g  
<sup>m f n</sup>(ऽयं) संस्कृतम् 1 Wrought,  
 finished. h  
 84. (अत्रिमे लक्षणोपेते ऽप्य)  
<sup>m f n</sup>ऽनन्ते! (ऽनबधायुषि) Infinite,  
 endless. i  
<sup>m f n</sup>(ख्याते हृष्टे) प्रतीतेः 1 Famous,  
 2 Glad. j  
<sup>m f n</sup>ऽभिजात (स्तु कुलजे बुधे) 1 Noble.  
 2 Learned. k

—३—

<sup>a</sup> And m. f. n. 2 White. m. 3 Name of an island. 4 Name of a mountain. f. 5 A cowry. <sup>b</sup> Or, according to a different reading, 3 Gold (Ex. चहारजतं). And m. f. n. 4 White. <sup>c</sup> The following admit the three genders. <sup>d</sup> Also n. 2 The world. m. 3 Air. <sup>e</sup> Also 2 Red. 3 Fund. And n. 4 Blood. 5 Copper. 6 Saffron. <sup>f</sup> Also 3 Destroyed. And f. 4 Clayed sugar. <sup>g</sup> Or 3 Much ornamented. And 4 Patient. Or 5 Impatient. <sup>h</sup> Or 2 Adorned. 3 Excellent. 4 Prepared. And n. 5 Language grammatically correct. <sup>i</sup> Likewise m. 2 VISHNU. 3 The king of serpents (Śeṣha). f. 4 The earth. 5 The goddess PARVATI. 6 A grass (Agrostis linearis). 7 A myrobalan. n. 8 The sky or atmosphere. <sup>j</sup> Also 3 Known. 4 Respectful. <sup>k</sup> Likewise 3 Fit



- 1 Pure.  
2 Desert. a
85. विविक्तौ (पूतविजनौ)<sup>mfn</sup>
- 1 Foolish.  
2 High.<sup>b</sup>  
tall. b
- सूक्ष्मिती (सूक्ष्मोष्ण्या)<sup>mfn</sup>
- 1 Sour ;  
Vinegar.  
2 Harsh.
- (द्वौ चान्तपक्षौ) शुक्तौ<sup>mfn</sup>
- 1 White.  
2 Black.
- श्रुती (धवलमेचकौ)<sup>mfn</sup>
- 1 True.  
2 Right. d
86. (सत्ये साधौ विद्यमाने प्रयत्ने ऽभ्यर्हिते च) सन्<sup>1mf</sup>
- 1 Revered.  
2 Distrest by  
focs. e
- पुरस्कृतः (पूजिते ऽरात्यभियुक्ते ऽग्रतः कृते)<sup>mfn</sup>
- 1 Secure. f
87. निवाताब् (आश्रयावातौ यस्माभेद्यं च वर्म यत्)<sup>mfn</sup>
- 1 Produced.  
2 High. g
- (जातोन्नद्धप्रवृद्धाः स्पर्) उच्छ्रिता<sup>mfn</sup>
- उत्थिता (स्वमी)<sup>mfn</sup>
- 1 Increased.  
ed. h
88. उद्धिमत्प्राद्यतोत्पन्ना)<sup>mfn</sup>
- 1 Respectful.  
2 Respected.
- आहृतौ (सादराचिता)<sup>mfn</sup>

1 सन्.

<sup>a</sup> Or Lonely. Also 3 Discriminated. <sup>b</sup> And 3 Insensible.  
<sup>c</sup> श्रुतिः—ती.—ति. Also स्रुतिः. <sup>d</sup> And 3 Being, existing. 4 Excellent.  
5 Respected, venerable. Fem. (स्रुती). 6 A faithful wife. 7 The goddess  
PÁRVATI. <sup>e</sup> Or 3 Facing the enemy and endeavouring to overcome  
him. 1 Placed in front. <sup>f</sup> As an abode. 2 Calm, free from wind. 3 Safe,  
as strong armour. <sup>g</sup> And 3 Grow n large. <sup>h</sup> And 2 Endeavouring.  
3 Born or produced.

## SECTION XIII.

- <sup>m</sup>  
अर्थः (ऽभिधेयो रैवस्तुप्रयोजननिवृत्तिषु) 1 Meaning.  
2 Wealth. a
89. (निपानागमयोस्) तीर्थम् (ऋषिजुष्टजले गुरौ) 1 Piece of  
water. b
- <sup>m f n</sup>  
समर्थ (स्त्रिषु शक्तिष्ठे सम्बन्धार्थे हिते ऽपि च) 1 Powerful. c
90. दशमीस्थौ (क्षीणरागवृद्धौ) 1 Impotent.  
2 Very old.
- <sup>f</sup>  
वीथी (पदव्युपि) A road. d
- <sup>f</sup>  
(आस्थानीयत्ववोर्) आस्था 1 Assembly.  
2 Care. e
- <sup>m n</sup>  
प्रस्थो (ऽस्त्रीसाधुमानयोः) 1 Side of a  
hill. f

## SECTION XIV.

91. (अभिप्रायवयौ) छन्दाव् <sup>1 m</sup>  
<sup>m g</sup>  
अब्दौ (जीवतवत्परौ) 1 Meaning,  
opinion.  
2 Subjection.  
1 A cloud.  
2 A year.

I—द.

° And 3 Thing. 4 Purpose. 5 Prohibition. 6 Object. 7 Cause.  
8 Request. ° And 2 Sacred science. 3 Holy spot visited by pilgrims ;  
especially sacred water. 4 Holy instructor. 5 Sacrifice. ° And  
2 Connected in sense. 3 Benevolent. ° Also 2 A line. 3 Terrace in  
front of a house. 4 A shop. 5 Sort of drama. ° Likewise 3 Considera-  
tion, regard. 4 State. ° And 2 A measure of quantity. ° Some  
write अब्दः in both acceptations ; others in the last.

|                                      |  |
|--------------------------------------|--|
| 1 Defamation.<br>2 Command.          | <sup>m a</sup><br>अपवादौ (तु निन्दाच्च)                                  |
| 1 Son.<br>2 Kinsman.                 | <sup>m</sup><br>दायादौ (सुतबान्धवौ)                                      |
| 1 A ray of<br>light. 2 A<br>foot. b  | 92. पादा (रयमंक्रितूर्व्यांशाद्य)  |
| 1 The moon.<br>2 Fire. 3 The<br>sun. | <sup>1 m</sup><br>(चन्द्राग्निर्कास् तमोसुदः)                            |
| Ill report. c                        | <sup>m</sup><br>निर्षादौ (जनयादे ऽपि)                                    |
| 1 Mud.<br>2 Young grass.             | <sup>m</sup><br>शादौ (जम्बालशययोः)                                       |
| 1 Cry. d                             | 93. (आरावे रुदिते त्वातर्ष्या) क्रन्दे! (दारुणे रणे)                     |
| Favour. e                            | <sup>m</sup><br>(स्यात्) प्रसादौ (ऽगुरोषे ऽपि)                           |
| Sauce or con-<br>diment. f           | <sup>m</sup><br>सूदः (स्याद्द्वयञ्जनौ ऽपि च)                             |
| A cowherd. g                         | 94. (गोष्ठाभ्यङ्गे ऽपि) गोविन्दे!  |
| Joy. h                               | <sup>3 m</sup> <sup>m</sup><br>(हर्षे ऽप्या) मोद (वन) मदः                |
| 1 Chief.<br>2 Royal in-<br>signia. i | <sup>m n j</sup><br>(प्राधान्ये राजलिङ्गे च वृषाङ्गे) ककुदौ (ऽस्त्रियार) |

1—द, or —द. 2 चा—, 3 चा—.

\* Or अपवादः. b And 3 A fourth part. Also 4 A root. 5 A measure of a verse, or one verse of a stanza. ° Likewise 2 Disregard. 3 A controversy decided. 4 Absence of contest. d Exclamation in pain, or simply a cry. And 2 Lamentation, with or without noise 3 A defender in general, or 4 An abetter of an enemy who attacks in the rear of the army. 5 Terrific war. ° Also 2 Brightness. 3 Cleanness. † Likewise 2 Split pease. 3 A cook. ‡ Also 2 KRISHNĀ. † Likewise आभोदः. 2 Fragrance; delightful odour. And वदः. 2 Intoxication. 3 Inebriating liquor. 4 Insanity. 5 Pride. 6 The juice exuding from the temples of a rutting elephant. † And 3 Hump of a bull. 4 Summit of a hill. † Or fem. ककुद् (—द).

95. (स्त्री)सखिञ् (ज्ञानसन्धाषा क्रियाकाराणिनामसु) <sup>1 f</sup> 1 Knowledge.  
<sup>2</sup> Cry. a
- (धर्मै रहस्यु) पनिषत् <sup>2 f</sup> 1 Religious  
 and moral  
 merit b
- (स्याह,तौ बत्सरे) शरत् <sup>3 f</sup> 1 The sultry  
 season.  
 2 A year.
96. पदं (व्यवसिति त्वाणस्यानखण्णाङ्गिणस्तुषु) <sup>n</sup> 1 Industry.  
 2 Defence. c
- गोष्पदं (सेविते माने) <sup>n</sup> 1 Spot fre-  
 quented by  
 kine. d
- (प्रतिष्ठाकृत्यम्) चास्पदम् <sup>n</sup> 1 Dignity.  
 2 Business. c
97. (त्रिष्विष्टमधुरौ) स्वादु <sup>4 m f n</sup> 1 Desired.  
 2 Sweet.
- बदू (चातीक्ष्णकोमलौ) <sup>5 m f n</sup> 1 Blunt.  
 2 Soft. f
- (मृढाल्पापटूनिर्भाग्या) मन्दाः (स्युर्) <sup>6 m f n</sup> 1 Foolish,  
 dull. 2 Little.  
 g
- (द्वौ त) शारदौ <sup>m f n</sup> 1 New.  
 2 Diffident. h
98. (प्रत्ययाप्रतिभौ) <sup>m f n</sup>
- (विद्वत्प्रमत्तौ) विशारदौ 1 Learned.  
 2 Confident.

1—द. 2 च—द. 3—द. 4—द. 5—द. 6—द.

a As in battle. And 3 Agreement, contract. 4 War, combat.  
 5 Name. b And 2 Privacy. Also 3 The theological portion of scrip-  
 ture. 4 Principle. c And 3 Place. 4 Mark. 5 Token. 6 Foot. 7 Foot-  
 step. 8 Thing. 9 Word. 10 Sound. d And 2 A measure of quantity,  
 as much as a cow's footstep will hold. e And 3 A place. f And  
 3 Gentle. g And 3 Slow. 4 Unlucky. 5 Low (a tone). Also m. 6 The  
 planet Saturn. h Also 3 Produced in the sultry season. And m. 4 A  
 year. f. 5 A title of DURGA.

## SECTION XV.

- 1 A fathom. a  
2 The L.ian  
fig tree.
- 1 Body.  
2 Height.
- 1 A yoke for  
burdens. 2 A  
highway. b
- 1 A branch  
of a tree at  
a sacrifice. d
- 1 A pledge.  
2 A calamity.  
e
- 1 A reconcil-  
ing of differ-  
ences. f
- 1 Offence or  
guilt. g
- 1 VISHNU.  
2 The moon.  
h
- 1 Limit.  
2 A hole. i
- (व्याप्तो षटश्च) न्यग्रोधात्  
m
- उत्सोधः (काय उत्सतिः)  
m m c
99. (पर्याहारश्च मार्गश्च) विवधौ वीवधौ (च तौ)  
m
- परिधि (यन्नियतरोः शाखायामुपसूर्यके)  
2 m
100. (बन्धकं व्यसनं चेतः पीडाधिष्ठानम्) आधयः  
3 m
- (स्युः समर्थननीवाकनियमाश्च) समाधयः  
m
101. (दोषोत्पादे) ऽनुबन्धः (स्यात्प्रकृत्यादिविनम्वरे  
सुखानुयायिनि शिथौ प्रकृतस्यानुवर्त्तने)  
m
102. विधु (विष्णौ चन्द्रमसि)  
m
- (परिच्छेदे विले.) ऽविधः

1—घ.

2—घि.

3—घि.

a Measured by the extended arms. b Or 3 Storing of corn, &c.  
4 A load. c Spelt both ways. d Stuck in the ground, to tie the  
victim to it. And 2 The sun's image. e And 3 Mental agony. 4 Site  
or place. 5 Expectation. f And 2 Silence. 3 Promise or vow. 4 Collect-  
ing grain on account of a dearth. 5 Deep meditation. 6 Perseverance  
in a difficult undertaking. g And 2 An element of language ; root,  
affix, augment or permutation. 3 In grammar, an indicatory letter not  
sounded. 4 A person following an example. 5 A child. Or 6 A child  
following example. 7 Continuation. h And 3 Camphor. i Also  
3 Period. 4 Situation, place.

|   |   |
|---|---|
| <sup>m</sup><br>विधि (विधाने द्वैवे च)                  | 1 Rule, form.<br>2 Fate a                   |
| <sup>m</sup><br>प्रणिधि: (प्रार्थने चरे)                | 1 Request.<br>2 A spy. b                    |
| <sup>m</sup> <sup>m</sup><br>103. बुधद्वौ (परिहते ऽपि)  | Learned. c                                  |
| <sup>m</sup><br>स्कन्ध: (समुदये ऽपि च)                  | Multitude. d                                |
| (देशे नदविशेषे ऽब्धौ)सिन्धु(र्ना सरिति स्त्रियाम्)      | 1 Name of a<br>country. 2 —<br>of a river e |
| <sup>f</sup> <sup>g</sup><br>104. विधा (विधौ प्रकारे च) | 1 Form or<br>rule. 2 Man-<br>ner, sort. f   |
| <sup>1 mfn</sup><br>साधू (रम्ये ऽपि च त्रिषु)           | Handsome,<br>pleasing. h                    |
| <sup>f</sup><br>बधु (जाया स्नुषा स्त्री च)              | 1 A wife.<br>2 Daughter-<br>in-law. i       |
| <sup>f</sup><br>सुधा (लेपो ऽस्तं स्नुही)                | 1 Plaster<br>2 Nectar. j                    |
| <sup>f</sup><br>105. सन्धा (प्रतिज्ञा मर्यादा)          | 1 Promise.<br>2 State.                      |
| <sup>f</sup><br>अद्धा (सम्प्रत्ययः स्पृहा)              | 1 Behel, con-<br>fidence.<br>2 Fondness.    |

## 1—धु.

<sup>a</sup> Likewise 3 BRAHMA, or providence. 4 Command, injunction.  
<sup>b</sup> Also 3 Situation, place. <sup>c</sup> Likewise बुधः. 2 The regent of the plan-  
 et Mercury. Or बुधः. 2 A deified saint. 3 Known or understood.  
 दधः. 2 Old. 3 Grown or increased. <sup>d</sup> Also 2 A shoulder. 3 The fork  
 of a tree; or its principal branch. 4 Part of an army. <sup>e</sup> And 3 The  
 sea. 4 The juice exuding from the temples of a rutting elephant. f.  
 5 A river. <sup>f</sup> Also 3 Fodder. 4 Prosperity, thriving. 5 Piercing.  
 Some state विधः as a separate term with the same acceptations.  
<sup>g</sup> Likewise 2 Right, fit. 3 Good, virtuous. m. 4 An usurer. <sup>i</sup> And  
 3 Any woman. 4 A sister-in-law. 5 A bride. <sup>j</sup> And 3 Euphorbia  
 Tirucalli, &c.

1 Ardent spirit, 2 Nectar of flowers, a

Dark ss, b

<sup>n</sup>  
मधु (मद्ये पुष्परसे क्षौद्रे चा)

<sup>n</sup>  
ऽन्धं (तमस्यपि)

<sup>c</sup>  
106. (अतस्त्रिषु)

1 Conceited of learning, d

A reproachful appellative, e

1 Relied on, 2 Near, g

<sup>m</sup>  
समुन्द्रज्ञौ (परिहृतं मन्यगर्वितौ)

<sup>m f n f</sup>

ब्रह्मबन्धु (रुधिक्षेपे निर्देशे)

(ऽथावलम्बितः)

<sup>m f n</sup>

107 अविदूरो ऽप्य) ऽवष्टब्धः

1 Notorious, 2 Adorned,

<sup>m f n</sup>  
प्रसिद्धौ (ख्यातभूषितौ)

SECTION XVI.

1 The Sun, 2 Fire,

1 Ray of light, 2 The sun.

<sup>1 m</sup>  
(सूर्य्यवक्त्री) चित्रभानू

<sup>2 m</sup>

भानू (रश्मिदिवाकरौ)

1—ह.

2—ह.

<sup>a</sup> And 3 Honey, 4 Water, 5 Milk. Also m, 6 Bassia latifolia. 7 The season of spring, 8 The month of *Chaitra*, 9 Name of a demon slain by *VISHNU*, f, 10 Liquorice. <sup>b</sup> And m, f, n, 2 Blind. <sup>c</sup> The following admit the three genders. <sup>d</sup> And 2 Proud, 3 Elevated. <sup>e</sup> Indicating that the man neglects his duty, and is only a *Bráhma*na. So अवबन्धः in speaking of a *Kshatriya*. 2 An indefinite appellation to avoid the use of a name. <sup>f</sup> Fem. ब्रह्मबन्धुः or न्वः. <sup>g</sup> Al-<sup>o</sup> 3 Wrapt up, 4 Bound, 5 Surrounded ; assailed on all sides.

08. भूतात्मानौ (धातुदेहौ) <sup>1 m</sup> 1 BRAHMA.  
2 Body. a
- (सुखनीचौ) पृथग्जनौ <sup>m</sup> 1 An ignorant man.  
2 One of a low tribe.
- ग्रावाणौ (शैलपाषाणौ) <sup>2 m</sup> 1 A mountain.  
2 A rock or stone.
- पत्रिणौ (शरपक्षिणौ) <sup>3 m</sup> 1 An arrow.  
2 A bird. b
09. (तरुशैलौ) शिखरिणौ <sup>4 m</sup> 1 A tree. 2 A mountain. c
- शिखिनौ (वह्निवर्चिणौ) <sup>5 m</sup> 1 Fire. 2 A peacock. d
- प्रतियत्नाव् (उभौ लिप्तोपग्राहाव्) <sup>6 m</sup> 1 Desire.  
2 Making prisoner. e
- (अथ) सार्धिनौ <sup>7 m</sup> 1 Charioteer.  
2 Horseman. f
110. (द्वौ सारथिहयारोहौ) <sup>8 m</sup> 1 A horse.  
2 An arrow.  
3 A bird.
- वाजिनौ (ऽखेषु पक्षिणः) <sup>m</sup> 1 Family  
2 Native spot.
- (कुले ऽप्य्) ऽभिजनौ (जन्मभूम्यामप्य्) <sup>m</sup> 1 A year. <sup>g</sup>  
2 Ray of light. <sup>h</sup>
- (ऽथ) हायनाः

1—लन्. 2—वन्. 3—न्. 4—न्. 5—न्.  
6—लन्. 7—न्. 8—न्.

<sup>a</sup> Or, according to another reading. <sup>3</sup> Component part of an animated body, as blood, flesh, &c. <sup>b</sup> Also <sup>3</sup> A falcon. <sup>4</sup> A carriage. <sup>c</sup> Likewise <sup>3</sup> Clitoria ternatea. <sup>f</sup> <sup>4</sup> शिखरिणी, sort of metro. <sup>d</sup> Also <sup>3</sup> A gallinaceous fowl. <sup>4</sup> A tree. <sup>5</sup> An arrow. <sup>m</sup> <sup>f</sup> <sup>n</sup> <sup>6</sup> Crested. <sup>e</sup> Also <sup>3</sup> Comprehension. <sup>f</sup> Or <sup>3</sup> A person riding on an elephant. <sup>g</sup> Or <sup>3</sup> Head of a family. <sup>4</sup> Place where the family is. <sup>h</sup> And <sup>m</sup>, <sup>3</sup> Red rice. <sup>4</sup> Wild rice.



## 111. (वर्षार्चिं व्रीहिभेदाः स्युश्)

1 The moon.  
2 Fire. 3 The sun. a

(चन्द्रान्यर्काः) विरोचनाः<sup>m</sup>

Hair. b

(केशे ऽपि) वृजिना<sup>m</sup>

1 The sun.  
2 The artist of the gods. c

विश्वकर्मा (ऽर्कसुरशिल्पिनोः)<sup>1 m</sup>

1 Care.  
2 Firmness d

112. आत्मा (यत्नोद्यतिर्बुद्धिः स्वभावोद्भववर्षा च)<sup>2 m</sup>

1 INDRA. 2 A vicious elephant. e

(शक्रवातकमत्तेभवर्षकाब्दा) घनाघनाः<sup>m</sup>

1 Pride of wealth, &c.  
2 Knowledge. f

113 अभिमानो (ऽर्थादिदर्पे ज्ञाने प्रणयहिंसयोः)<sup>m</sup>

1 A cloud.  
2 Solidity. g

घनो (मेघे मूर्त्तिगुणे त्रिषु मूर्त्तौ निरन्तरे)<sup>m</sup>

1 The sun.  
2 A master. h

114 इनः (सूर्ये प्रभौ)<sup>m</sup>

1 The moon.  
2 A soldier by tribe. i

राजा (स्रगाङ्गे क्षत्रिये वृषे)<sup>3 m</sup>

1—संज्ञ.

2—तन्.

3—जन.

<sup>a</sup> Also 4 A proper name : the son of PRAHLADA and father of BALI. <sup>b</sup> Likewise n. 2 Sin. m. f. n. 3 Crooked, bent. <sup>c</sup> Also 3 Name of a sage. <sup>d</sup> And 3 Intellect. 4 Natural disposition. 5 The supreme BRAHMA. 6 Body. 7 Vivifying soul. 8 Sentient soul. 9 Mind. <sup>e</sup> Or 3 Mischievous. 4 A rutting elephant. 5 A rainy cloud. 6 Collision. <sup>f</sup> And 3 Affection. 4 Request. 5 Killing. <sup>g</sup> And m. f. n. 3 Solid, material. 4 Uniformly extended. 5 Smooth. Also m. 6 Extension. 7 Assemblage. 8 An anvil. 9 Cyperus rotundus. n. 10 Cymbal, bell, &c. 11 Mode of dancing. <sup>h</sup> Or 3 A king. 4 A husband. <sup>i</sup> And 3 A king. 4 A master. 5 INDRA. 6 A Yaksha or attendant of KURVA.

|      |   |     |                                       |
|------|---|-----|---------------------------------------|
|      | 1 f b   |     |                                       |
|      | बाणिन्यौ (नर्त्तकीमत्ते)                              |     | 1 A dancing girl, a                   |
|      |   | f   |                                       |
|      | (खवग्यामपि) वाहिनी                                    |     | A river. c                            |
|      | 2 f   |     |                                       |
| 115. | क्लादिन्यौ (वज्रतडितौ)                                |     | 1 The thunderbolt.<br>2 Lightning.    |
|      |   | f   |                                       |
|      | (बन्दायामपि) कामिनी                                   |     | A climbing plant. d                   |
|      |   | f   |                                       |
|      | (त्वग्देहयोरपि) तसुः                                  |     | 1 The skin.<br>2 Body. e              |
|      |   | f   |                                       |
|      | सना (ऽधोजिह्विकापि च)                                 |     | The uvula. f                          |
|      | m n   |     |                                       |
| 116. | (क्रतुविस्तारयोरस्त्री) वितानं (त्रिषु तुच्छके मन्दे) |     | 1 A sacrifice.<br>2 Expansion. g      |
|      |   | "   |                                       |
|      | (ऽथ) केतनं (कृत्ये केतावुपनिमन्त्रणे)                 |     | 1 Indispensable act. h                |
|      | 3 n   |     |                                       |
| 117. | (वेदस्तत्त्वं तपो) ब्रह्म                             |     | 1 Holy writ.<br>2 True knowledge. i   |
|      |   | 4 m |                                       |
|      | ब्रह्मा (विप्रः प्रजापतिः)                            |     | 1 A priest by birth. 2 The creator. j |

1—नी. 2—नी. 3—न्. 4—न्.

" And 2 A woman intoxicated. 3 A woman fond of gratification. Or बाणिनी. ° Also 2 An army. d Likewise 2 A loving woman. And 1. काशी—न्. 3 An amorous man. 4 A dove. 5 A ruddy goose (Anasasarca). ° And m. f. n. 3 Thin. 4 Small. 5 Separate. f Also 2 Place of execution. 3 Place of slaughter (as the kitchen hearth, &c. of a householder. Manu 3. 69.) 4 Daughter. And n. 5 Bringing forth young. 6 A flower. m. f. n. 7 Blossoming. ° And m. f. n. 3 Empty, vacant. 4 Bad. Or 5 Dull, stupid. Also n. 6 A sort of metre. m. n. 7 A canopy. h Or 2 Business. 3 A standard, or a symbol. 4 An invitation. 5 An abode. i Or 3 The supreme being. 4 Devotion. j Likewise 1 A superintending priest at religious rites. 4 One of the astrological signs.

1 Perseverance. 2 Destruction. a

(उत्साहने च हिंसायां सूचने चापि) बंधनम्<sup>n</sup>

1 Calcining. b

118. चातञ्जनं (प्रतीवापजवनाप्यायनार्थकम्)<sup>n</sup>

1 A mark or token. 2 A beard. c

व्यञ्जनं (लाञ्छनं श्लशु निष्ठानावयवेषुपि)<sup>n</sup>

1 Detraction. d

119. (स्यात्) कौलीनं (लोकवादे युद्धे पश्चिपक्षिणाम्)<sup>n</sup>

1 Going forth, exit. e

(स्याद्) उद्यानं (निःसरणे वनभेदे प्रयोजने)<sup>n</sup>

1 Leisure. 2 Place. f

120. (अवकाशे स्थितौ) स्थानं<sup>n</sup>

1 Sport, play. g

(क्रीडादावपि) देवन<sup>n</sup>

1 Manly exertion. 2 An army. h

उत्थानं (पौरुषे तन्त्रे सन्निविष्टोत्तमे ऽपि च)<sup>n</sup>

1 Turning away. 2 Opposition. i

121. व्युत्थानं (प्रतिरोधे च विरोधाचरणे ऽपि च)<sup>n</sup>

<sup>a</sup> And 3 Intimation. Or 4 Hint to kill. 5 Manifestation. <sup>b</sup> B casting a powder into melted gold, &c. Or 2 A powder adapted to that purpose. 3 Casting any thing, for example buttermilk, into fresh milk to turn it. 4 Danger, calamity; as a pestilence or epidemic. 5 Speed. 6 Gratifying. <sup>c</sup> And 3 Sauce or condiment. 4 Private part of male or female. Also 5 A consonant. 6 A day. <sup>d</sup> Or 2 Rumour report. 3 Combat of animals, whether quadrupeds, birds, serpents, &c. 4 Cockfight or other match of animals for a bet. 5 High birth. <sup>e</sup> And 2 A garden. 3 Purpose, motive. <sup>f</sup> Also 3 Stay, or continuance without increase or diminution. <sup>g</sup> And 2 Emulation, desire to surpass. 3 Splendour. 4 Praise. 5 Motion. 6 Affair, business. 7 Grief. Also 8 A die. <sup>h</sup> Or 3 Business of a family or of a realm, as the care of dependants and subjects. <sup>i</sup> Also 3 Independence.

- (मारणे चतसंस्तारे गतौ द्रव्ये ऽर्थदापने  
<sup>n</sup>  
 1 Killing.  
 2 Obsequies.  
 3 Motion. a
122. निवर्त्तनोपकरणानुव्रज्यास च) साधनम्  
<sup>n</sup>  
 1 Revenge.  
 2 Gift. b
123. व्यसनं (विपदि त्रंशे दोषे कामजकोपजे)  
<sup>1 n</sup>  
 1 Calamity.  
 2 Fall.  
 3 Fault. c
- पद्म्या(ऽच्छिलोम्नि किञ्चत्के तंत्वाद्यंशे ऽप्यणीयसि)  
<sup>2 n</sup>  
 1 Eyelash.  
 2 Filament of a flower. d
124. (तिथिभेदे क्षये) पर्व  
<sup>3 n</sup>  
 1 Certain days of the lunar month.  
 2 A road. c
- वर्त्म (नित्रच्छदे ऽध्वनि)  
<sup>n</sup>  
 1 Wrong or unlit act. f
- (अकार्यं गुह्ये) कौपीने  
<sup>n</sup>  
 1 Union.  
 2 Copulation. g
- मैथुनं (सङ्गतौ रतौ)  
<sup>n</sup>  
 1 The supreme soul.  
 2 Intellect. h
125. प्रधानं (परमात्माधीः)  
<sup>n</sup>  
 1 Knowledge.  
 2 A mark, token.

1 पद्मान्.

2—न्.

3—न्.

<sup>a</sup> And 4 Substance. 5 Enforcement of delivery of any thing. 6 Accomplishing. 7 Materials ; or instrument. 8 Following. Also 9 An army. 10 Means. 11 Cause. 12 Generative organ of a male. <sup>b</sup> And 3 Delivery of a deposit. 4 Payment of a debt. <sup>c</sup> Arising from desire (as hunting, gaming, drinking, wenching), or from aversion (as calumny, battery, or pecuniary injury). Also 4 Sin. 5 Ill destiny. 6 Fated consequence. 7 Vain effort. <sup>d</sup> And 3 A short thread. 4 Any thing small. 5 A wing. <sup>e</sup> Viz. the full and change of the moon, and the 6th, 8th and 10th of each half month. 2 A festival. 3 The day of the equinox, solstice, &c. 4 A book or chapter. 5 A knot or joint. <sup>f</sup> And 2 Privy part. 3 Covering of it. <sup>g</sup> Or 3 Marriage. <sup>h</sup> Also 3 Nature. 4 An elephant-driyer. And (invariably sing.) 5 Chief.

- 1 A blossom.  
2 A fruit.

<sup>n</sup>  
प्रसूनं (पुष्पफलयोर्)

- 1 A family.  
2 Disappearance. <sup>३</sup>

<sup>n</sup>  
निधनं (कुलनाशयोः)

- 1 Weeping.  
2 Lamenting.

<sup>n</sup>  
126. क्रन्दने (रोदनाह्वाने)

- 1 Body.  
2 Measure. <sup>२</sup>

<sup>१</sup> <sup>n</sup>  
वर्षा (देहप्रमाणायोः)  
<sup>२</sup> <sup>n</sup>

- 1 A house.  
2 Body.  
2 Light. <sup>३</sup>

(गृहदेहत्विट्प्रभावा) धामन्य

- 1 Meeting of  
four roads. <sup>४</sup>

(ऽथ चतुस्रपथे)

<sup>n</sup>  
127. सन्निवेशे च) संस्थानं

- 1 A mark,  
token.  
2 Chief.

<sup>३</sup> <sup>n</sup>  
लक्षण (चिह्नप्रधानयोः)

- 1 Covering,  
clothing. <sup>३</sup>

<sup>n</sup>  
आच्छादने (सम्बिधानमपवारणमित्युभे)

- 1 Accom-  
plishment. <sup>४</sup>

128. आराधनं (साधने स्याद्वाप्तौ तोषण् ऽपि च)

- 1 A wheel.  
2 A town. <sup>५</sup>

<sup>n</sup>  
अधिष्ठानं (चक्रपुरप्रभावाध्यासनेषुपि)

- Excellent of  
its kind. <sup>६</sup>

129. रत्नं (स्वजातिश्रेष्ठे ऽपि)

- 1 Water.  
2 A forest. <sup>७</sup>

<sup>n</sup>  
वने (सलिलकानने)

1—न्.

2—घामन्.

३—न्.

<sup>a</sup> Or 3 Head of a family. <sup>४</sup> Death. <sup>b</sup> Also 3 A handsome form.  
<sup>४</sup> Weight, elevation. <sup>c</sup> And <sup>४</sup> Dignity or majesty. <sup>d</sup> And  
<sup>२</sup> Fabrication or construction. <sup>३</sup> Form. <sup>४</sup> Death. <sup>e</sup> And <sup>२</sup> Conceal-  
ment. <sup>३</sup> Deception. <sup>f</sup> And <sup>२</sup> Attainment, acquisition. <sup>३</sup> Gratifying.  
And <sup>३</sup> Dignity or majesty. <sup>४</sup> Approach. <sup>५</sup> Fixing. <sup>६</sup> Adjustment.  
<sup>h</sup> Also <sup>२</sup> A gem. <sup>i</sup> Likewise <sup>३</sup> Abode. <sup>४</sup> A house or dwelling.

*m f n*

तलिनं (विरले लोके)

1 Separat.  
2 Small. a

(वाच्यलिङ्गास्तयोत्तरे)<sup>b</sup>

130. समानाः (सत्वमैके स्युः)

*m f n*

1 Virtuous.  
2 Similar.  
3 Same. c

*m f n*

पिशुनौ (खलसूचकौ)

1 Wicked.  
2 A whisper.d

*m f n 1m/n*

हीनन्यूनाब् (जनगर्ह्या)

1 Deficient.  
2 Blamable.

*2 m f n*

(वेगिम्युरौ) तरस्विनौ

1 Swift.  
2 Valiant.

*m f n*

131. अभिपन्ने (ऽपराद्धो ऽभियस्तथ्यापन्नतावपि)

1 Guilty.  
2 Subdued. c

SECTION XVII.

*m*

कलापो (भूषणे वर्हे द्वयीरे संहते ऽपि च)

1 An ornament. 2 A string of bells. f

*m*

132. (परिच्छदे) परीबापः (पर्युप्तौ सलिलस्थितौ)

1 Furniture.  
2 Sowing around. g

*m*

(गोधुम्गोष्ठपती) गोपौ

1 A herdsman. 2 The head of a cowpen. h

*3 m*

(हरविष्णू) वृषाकपी

1 SIVA.  
2 VISHNU. i

*m*

133. वाष्पाब् (उष्माश्रु)

1 Vapour.  
2 A tear.

*4 m n*

कशिपू (त्वन्ममाच्छादनं हयम्)

1 Food.  
2 Clothing. j

1—नू.

2—नू.

3—पि.

4—पु.

<sup>a</sup> Also 3 Clear, transparent. <sup>4</sup> Inferior, situated beneath. <sup>b</sup> The following are adjectives agreeing in gender with the subject. <sup>c</sup> Likewise m. One of the five breaths. <sup>d</sup> Also 3 A crow. <sup>e</sup> And 3 Involved in calamity. <sup>4</sup> Fugitive. <sup>5</sup> Seeking refuge. <sup>f</sup> Worn by women round their waist. <sup>3</sup> The eye in a peacock's tail. <sup>4</sup> A quiver. <sup>5</sup> Multitude; assemblage. <sup>3</sup> And 3 Standing water. <sup>4</sup> A piece of water. <sup>h</sup> Also 3 A superintendent of a district. <sup>4</sup> A king. <sup>i</sup> Likewise 3 Fire. <sup>j</sup> Also du. 3 Food and apparel.

1 A bed.  
2 An upper  
story. a

<sup>m n</sup>  
तल्पं (शम्बाद्वदारेषु)

1 A clump or  
cluster b

<sup>m n</sup>  
(सखेऽपि) विटपे (ऽस्त्रियाम्)

1 Learned.  
2 Pleasing.

134. प्राप्त रूप स्वरूपा ऽभिरूपा (बुधमनोच्चयोः  
भेद्यलिङ्गा अमी)

1 A female  
turtle. 2 A  
sort of lute. c

<sup>f</sup>  
(कूर्मी वीणाभेदश्च) कच्छपी

## SECTION XVIII.

1 The letter  
R. d

135. (रवर्णे पुंसि) रेफः (स्यात्कृतिते वाच्यलिङ्गकः)

## SECTION XIX

1 Spirit after  
death. e

<sup>m</sup>  
(अन्तराभवसत्वे ऽखे) गन्धर्वा (दिव्यगायने)

1 A ring.  
2 A conch  
or shell.

<sup>m</sup>  
136. कम्बु (ना वलये शंखे)

1 A serpent.  
2 A whisper-  
er or inform-  
er.

<sup>m</sup>  
द्विजिह्वौ (सर्पसूचकौ)

<sup>a</sup> Likewise 3 A wife. <sup>b</sup> Also 2 A branch above the principal one  
3 Expansion. <sup>c</sup> SARASWATI's lute. Likewise 3 A disorder of the  
spleen. <sup>d</sup> And m. f. n. 2 Vile, bad. <sup>e</sup> And previous to its being born  
again. Also 2 A horse. 3 A celestial quirister. 4 Spirits frequenting  
the sky. 5 A black cuckoo. 6 Sort of deer.

- <sup>m/n b</sup>  
पूर्वो (ऽन्यलिङ्गः प्रागाह पुम्बुक्तत्वे ऽपि पूर्वजान्) 1 Eastern.  
2 Prior. a
- <sup>m f n</sup>  
137. कुम्भौ (घटेभस्वर्दीशौ) 1 A jar, c
- <sup>m</sup>  
डिम्भौ (त शिशुवालिशौ) 1 A child.  
2 An ignorant man.
- <sup>m</sup>  
स्तम्भौ (स्थूणाजडीभावौ) 1 Post or pillar 2 Insensibility.
- <sup>1 m</sup>  
यंभ (ब्रह्मत्रिलोचनौ) 1 BRAHMA.  
2 SIVA. d
- <sup>m</sup>  
138. (कुक्षिभ्रूणाभिका) गर्भाः 1 The belly.  
2 A fetus.  
A child.
- <sup>m</sup>  
विस्त्रंभः (प्रणये ऽपि च) 3 Acquaintance, c
- <sup>m</sup> <sup>f</sup>  
(स्याङ्गेर्या) दुन्दुभिः (पुंसि स्यादत्ते) दुन्दुभिः (स्त्रियाम्) 1 A large drum. f
- <sup>m</sup>  
139. (स्यान्महारजनं क्लीवं) कुसुमं (करके पुमान्) 1 Safflower. g
- <sup>m</sup>  
(क्षत्रिये ऽपि च) नाभि (नौ) A Kshatriya h
- <sup>m</sup>  
सुरभि (गवि च स्त्रियाम्) A cow. i

I—सु.

\* And m. pl. 3 Forefather. <sup>h</sup> पूर्वः or पूर्वः. <sup>c</sup> And 2 Frontal globe of an elephant's head. Also 3 The sign aquarius. 4 Proper name, the nephew of RA'VANA. 5 The paramour of a prostitute. n. 6 Bellium. f. 7 Bignonia chekonoides. <sup>d</sup> Also 3 A deified saint or JINA. 4 VISHNU. <sup>e</sup> Or 2 Amorous solicitation. 3 Playful dispute. 4 Trust, confidence. <sup>f</sup> Also 2 VARUNA. 3 Name of a demon. And f. 4 A die. 5 A stake at play. <sup>g</sup> And 2 Gold. m. 3 A water-pot. 4 A pomegranate. <sup>h</sup> Also 2 An emperor. 3 The nave of a wheel. m. f. 4 The navel. f. 5 Musk. <sup>i</sup> Or 2 The cow which, being milked, yields every wish. m. 3 Spring. <sup>†</sup> Nutmeg. 5 Michelia champac. m. f. n. 6 Fragrant. 7 Pleasing.



|   |   |  |
|---|---|--|
| 1 An assembly. 2 One of a company. a    | 140. सभा (संसदि सभ्ये च)                                |  |
| A superintendent. b                     |   | (निष्पद्यन्ते ऽपि) वल्लभः <sup>mfn</sup> |
| 1 A ray of light. 2 A rein.             | 1 m<br>(किरणप्रग्रहौ) रश्मी                             |  |
| 1 An ape. 2 A frog.                     |   | (कपिभेकौ) श्वङ्गमौ <sup>m</sup>          |
| 1 Desire. 2 Love, Cupid. c              | 141. (इच्छामनोभवौ) कामौ <sup>m</sup>                    |  |
| 1 Power. 2 Exertion. d                  |   | (शत्रुदोगौ) पराक्रमौ <sup>m</sup>        |
| 1 Moral and religious merit. e          | <sup>m</sup><br>धर्माः (पुण्ययमन्यायस्वभावाचारसोमपाः)   |  |
| 1 Deliberate undertaking. f             | 142. (उपायपूर्व आरंभ उपधा चाप्यु) पक्रमः <sup>2 m</sup> |  |
| 1 A market. 2 A town 3 Holy writ. g     | (वणिकपथः पुरस्वेदे) निगमौ <sup>m</sup>                  |  |
| 1 A citizen, a towns-man. 2 A trader. h |   | (नागरो वणिक)                             |

1—रिज्ञ.

2 उ—.

<sup>a</sup> Likewise 3 A house. 4 Gaming. <sup>b</sup> Or 2 A chief herdsman. Also 3 Beloved. 4 A horse with good marks. <sup>c</sup> Likewise n. 3 Independent. 4 Semen genitale. 5 Desirable <sup>d</sup> To subdue the foe. 3 Valour. <sup>e</sup> And 2 YAMA. 3 Fitness, propriety. 4 Nature, character. 5 Usage, practice 6 One who drinks the juice of acid asclepias at a sacrifice. 7 Any sacrifice. 8 Resemblance. 9 Innoxiousness. 10 A bow. 11 A theological treatise from the *Veda*. 12 Virtue personified; the father of YUD'NISIT'HIRA. [In some of its acceptations the word admits the neuter gender.] <sup>f</sup> With knowledge of means. 2 A stratagem. 3 Valour. <sup>g</sup> Also 4 Trade. <sup>h</sup> Likewise 3 A theological portion of the *Veda*.

43. नैगमौ (द्वौ)<sup>m</sup>  
 (बले) रामो (नीलचारसिते त्रिषु)<sup>m</sup> 1 BALA-  
 RA'MA. a  
 (शब्दादि पूर्वो वृन्दे ऽपि) ग्रामः<sup>m</sup> In comp. A  
 multitude. b  
 (क्रान्तौ च) विक्रमः<sup>m</sup> Walking c
44. गुल्मा (दक्षसंवसेनाश्च)<sup>m</sup> 1 A disease  
 of the spleen.  
 चामिः (स्वष्टकुलस्त्रियोः)<sup>f c</sup> 1 A sister.  
 2 A chaste  
 woman.  
 (चित्तिचान्त्योः) क्षमा (युक्ते) क्षमं (शक्ते चित्ते त्रिषु)<sup>f n</sup> 1 The earth.  
 2 Patience. f
- 145 (त्रिषु) श्यामौ (हरिकृष्णौ) श्यामा (स्याच्छारिवानिशा)<sup>m f n</sup> 1 Green.  
 2 Black. g  
 ललामं (पुच्छपुण्ड्राश्च भूषाप्रधान्यकेतुषु)<sup>n i</sup> 1 A tail. h
146. सूक्ष्म (मध्यात्ममयं)<sup>n</sup> The supreme  
 soul j  
 (चादौ प्रधाने) प्रथम (स्त्रिषु)<sup>m f n</sup> 1 First.  
 2 Chief.

<sup>a</sup> Also 2 PARASÚRA'MA. 3 RA'MACHANDRA. 4 Sort of deer, m. f. n.  
 5 Black. 6 Pleasing. 7 White. <sup>b</sup> Likewise 2 A village or township.  
 3 An octave in music. <sup>c</sup> Also 2 Power. 3 Valour. <sup>d</sup> And 2 A clump  
 of grass, &c. 3 Body of troops consisting of 9 platoons. <sup>e</sup> Or चामिः.  
<sup>f</sup> And n. 3 Right, propriety. m. f. n. 4 Able. 5 Benevolent, 6 Patient.  
<sup>g</sup> Also m. 3 A black cuckoo. 4 A cloud. 5 A sacred fig-tree at Prayága.  
 6 A sort of pot-herb : Convolvulus argenteus. n. 7 Black pepper. f.  
 8 A plant ; vulgarly Syámlatá. 9 Night. 10 Indigo. 11 A description  
 of women. <sup>h</sup> Also 2 A mark on the forehead of a horse, bull, &c.  
 3 A horse. 4 An ornament. Or 5 Ornament of a horse. 6 Chief. 7 A  
 flag or symbol. 8 A horn. 9 Mane. <sup>i</sup> Or ललामं (—नु). <sup>j</sup> Also m.  
 2 An atom. m. f. n. 3 Little.

1 Pleasing.  
2 Reverse,  
contrary. a

1 Low.  
2 Vile.

1 Old.  
2 Used.

m f n

वामौ (वत्साप्रतोपौ द्वाव्)

m f n

अधमौ (न्यूनकुत्सितौ)

m f n

147. (जीर्णं च परिभुक्तं च) यातयाम (मिदं हयम्)

## SECTION XX.

1 A horse.  
2 VISHNU'S  
bird. b

1 A house.  
2 Less. c

1 Husband's  
brother.  
2 Wife's  
brother.

1 A brother's  
son. 2 An  
enemy.

1 A thunder-  
cloud. 2 IN-  
DRA. d

1 A master.  
2 A man of  
the 3d tribe.

1 The 8th as-  
terism. 2 The  
4th age. f

1 Opportuni-  
ty. 2 Succes-  
sion. g

1 Subjected.  
2 Oath, or-  
deal. h

(तुरङ्ग गरुडौ) ताच्यौ<sup>m</sup>(निलयापचयौ) क्षयौ<sup>m</sup>

148. श्वश्रुच्यौ (देवरश्मालौ)

भ्रातृच्यौ (भ्रातृजद्विषौ)<sup>m</sup>पर्जन्यौ (रसदधेन्द्रौ)<sup>m</sup>(स्याद्) चर्यः (स्वामि वैश्वयोः)<sup>m</sup>149. तिथ्यः (पुष्ये कलियुगे)<sup>e</sup>पर्यायो (स्वसरे क्रमे)<sup>m</sup>प्रत्ययो (ऽधीनशपथज्ञान विश्वासहेतुषु)<sup>m</sup>

<sup>a</sup> Likewise 3 Left, not right. m. 4 An udder. 5 Cupid. 6 Siva-  
n. 7 Wealthy f.—वा. 8 A woman—वी. 9 A mare. 10 A she-ass. 11 A  
female shakal. 12 A young female elephant. <sup>b</sup> Also 3 The dawn. n.  
4 A collyrium. <sup>c</sup> Likewise 3 A phthisis or consumption. 4 General  
destruction. <sup>d</sup> Also 3 Any cloud. 4 Thunder. <sup>e</sup> Likewise m. f. n.  
3 Excellent. <sup>f</sup> Also f. 3 The Emblic myrobalan. <sup>g</sup> Likewise  
3 Mode, manner, form. <sup>h</sup> And 3 Knowledge, apprehension. 4 Trust,  
confidence. 5 Cause. 6 A hole. 7 An affix. Also 8 Celebrity. 9 Practice,  
usage.

150. रंभ्रे शब्दे)

(ऽथा) ऽनुशयो (दीर्घद्वेषानुतापयोः)

1 An old enmity. 2 Repentance.

स्थूलोच्चय (स्वसाकल्ये गजानां मध्वमे गते)

1 Incompleteness. a

151. समयः (शपथाचारकालसिद्धान्तसम्बद्धः)

1 An oath. 2 Usage. 3 Time. b

(व्यसनान्यशुभं दैवं विपदित्य) ऽनया (स्त्रयः)

1 Vice. 2 Ill fortune. 3 Calamity.

152. अत्ययो (ऽतिक्रमे कृच्छ्रे दोषे दण्डे ऽप्य)

1 Transgression. 2 Distress c

(ऽथापदि

1 Calamity. 2 War. 3 Futurity.

सुहृत्वायात्योः) सम्परायः

पूज्य (स्त श्वशुरे ऽपि च)

A father-in-law. d.

153. (पश्चाद्दवस्थाद्यिबलं समवायश्च) सन्नयौ

1 Rear guard. 2 Multitude.

(संघाते सन्निवेशे च) संस्त्यायः

1 Assemblage. 2 Vicinity c

प्रणया (स्त्यमी

1 Acquaintance. 2 Solicitation. f

154. विश्वम्न याज्जा प्रेमाणो)

(विरोधे ऽपि) समुच्छयः

Enmity. g

विषयो (यस्य यो ज्ञातस्तत्र शब्दादिकेष्वपि)

1 Frequent and known. h

<sup>a</sup> And 2 An elephant's middle pace, neither quick nor slow. <sup>3</sup> A hill at the foot of a mountain. <sup>b</sup> And 4 Demonstrated conclusion. <sup>5</sup> Agreement, bargain. <sup>6</sup> Hint. <sup>7</sup> Leisure. <sup>c</sup> And 3 Fault, guilt. <sup>4</sup> Punishment by fine, &c. <sup>d</sup> Also 2 A teacher. m. f. n. <sup>3</sup> Worthy of respect. <sup>e</sup> Likewise 3 A house. <sup>f</sup> And 3 Affection. <sup>g</sup> Also 2 Elevation, height. <sup>h</sup> And 2 Object of sense, as sound, &c. <sup>3</sup> Country, province.

|                           |                                     |  |
|---------------------------|-------------------------------------|--|
| Infusion, extract. a      | 155. (निर्यासे ऽपि) कषायो (ऽस्त्री) | <sup>m n</sup>                         |
| Assembly. b               |                                     | <sup>m</sup> (सभायां च) प्रतिश्रयः     |
| 1 Abu 'ance, frequency. c | प्रायो (भूस्त्रान्तगमने)            | <sup>m</sup>                           |
| 1 Distress.               |                                     | <sup>m</sup> मन्यु (दैन्ये क्रतौ कुधि) |
| 2 A sacrifice.            |                                     |  |
| 3 Anger. d                |                                     |  |
| 1 A secret.               | 156. (रहस्योपस्ययोर) गुह्यं         | <sup>n</sup>                           |
| 2 Privy part. e           |                                     | <sup>n</sup> सत्यं (शपथतथ्ययोः)        |
| 1 An oath.                |                                     |  |
| 2 Truth. f                |                                     |  |
| 1 Animal strength.        | वीर्यं (बले प्रभावे च)              | <sup>n h</sup>                         |
| 2 Dignity. g              |                                     | <sup>n</sup> द्रव्यं (भव्ये गुणाश्रये) |
| 1 Right, fit.             |                                     |  |
| 2 Substance. i            |                                     |  |
| 1 A place.                | 157. धिष्णं (स्थाने गृहे भेग्नौ)    | <sup>n k</sup>                         |
| 2 A house. j              |                                     | <sup>n</sup> भाग्यं (कर्मशुभाशुभम्)    |
| 1 Destiny.                |                                     |  |
| 2 Goodluck.               |                                     |  |
| 3 Ill fate.               |                                     |  |
| 1 A pignut.               | (कशेरुहेन्दोर) गाङ्गेयं             | <sup>n</sup>                           |
| 2 Gold. l                 |                                     | <sup>f</sup> विशल्या (दन्तिकापि च)     |
| A plant. m                |                                     |  |

a Or 2 Exudation of a tree 3 Astringent taste. 4 Perfume rubbed on the body. b Also 2 Refuge. 3 House. c And 2 Starving oneself to death. 3 (In composition) Similar, like. d Also 4 Grief, sorrow. e Likewise m. 3 A tortoise. 4 Pride. f Also 3 The first age of the world. m. f. n. 4 True. g Likewise 3 Semen virile. 4 Splendour. 5 Valour. h Or वीर्यं. i The substratum of qualities. Likewise 3 Wealth. 4 Drug. 5 Brass. j And 3 An asterism. 4 Strength. m. n. 5 Fire. k Or विष्टः and विष्टः. l Also m. 3 BHISHMA son of Gangā. m Named Danti. Also certain other plants, as Menispermum glabrum, &c.

58. <sup>f</sup>हृषाकपायी (श्रीगौर्यैर्)  
 अभिव्या (नामशोभयोः)  
 (चारम्भो निष्कृतिः शिवा पूजनं सम्प्रधारणम्  
 1 The goddess LAKSHMI.  
 2 GAURI. a  
 1 A name.  
 2 Beauty. b  
 1 Beginning, undertaking.  
 2 Atonement. c
159. <sup>f</sup>उपायः कर्म चेष्टा च चिकित्सा च नव) क्रियाः  
 ह्याय (सूर्यप्रिया कान्तिः प्रतिबिम्बमनातपः)  
 1 Wife of the sun. 2 Beauty. d
160. <sup>f</sup>कक्ष्या (प्रकोष्ठे हर्म्यादेः कांचां मध्येभवन्ने)  
 कक्ष्या (क्रियादेषतयोस्त्रिषु भेद्ये धनादिभिः)  
 1 Enclosure of an edifice. e  
 1 An act. 2 A certain deity. f
161. <sup>m f n</sup>जन्यः (स्याज्जनवादे ऽपि)  
<sup>m f n</sup>जघन्यो (ऽन्ये ऽधमे ऽपि च)  
<sup>m f n</sup>(गर्ह्याधीनौ च) वक्तव्यौ  
<sup>m f n</sup>कल्यौ (सज्जनिरामयौ)  
 A rumour. g  
 1 Last, ultimate. 2 Low, vile.  
 1 Reprehensible. 2 Subject, dependent. h  
 1 Ready, prepared.  
 2 Healthy. i

<sup>a</sup> Likewise 3 *Swadhā*, wife of the regent fire. 4 *Sachī*, wife of INDRA. <sup>b</sup> Also 3 Glory. <sup>c</sup> And 3 Study. 4 Worship. 5 Disquisition. 6 Means, expedient. 7 Act. 8 Bodily action. 9 Remedy. 10 Instrument. 11 A religious initiatory ceremony. 12 Obsequies. <sup>d</sup> And 3 A reflected image. 4 Shade. <sup>e</sup> Or 2 The gate of such an inclosure. 3 A string of bells, worn by women. 4 A rope round an elephant's body. 5 Effort, exertion. m. 6 The armpit. <sup>f</sup> To whom sacrifices are offered for destructive and magical purposes. Or 3 Pestilence m.-f. n. 4 Seduced from an alliance. 5 Any thing to be done. <sup>g</sup> Neuter in the sense exhibited. m, f, n. 2 To be produced. 3 A relation of a bride. 4 Her attendant. 5 The companion of a bridegroom. n. 6 A market. 7 War. 8 A meteor. m. 9 A father. f. 10 A mother. 11 A mother's female companion. <sup>h</sup> Likewise 3 Fit to be said. <sup>i</sup> Also 3 Skilful. m, f. 4 One deaf and dumb. n. 5 Morning. f. 6 Auspicious speech.

|   |  |
|---|--|
| 1 Intelligent.<br>2 Wealthy. a            | 162. (आत्मवानमपेतोर्याद्) अर्थः <sup>m f n</sup> |
| Pleasing. b                               | पुख्यं (त चाख्यं पि) <sup>m f n</sup>            |
| Beautiful. c                              | रूप्यं (प्रशस्तरूपे ऽपि) <sup>m f n</sup>        |
| Eloquent. d                               | वदान्यो (बलावाग्पि) <sup>m f n</sup>             |
| Just, reason-<br>able. e                  | 163. (न्याय्ये ऽपि) मध्यं <sup>m f n</sup>       |
| 1 Handsome,<br>2 Sacred to<br>the moon. f | सौम्यं (त उन्दरे सोमदैवते) <sup>m f n</sup>      |

## SECTION XXI.

|  |   |
|--|---|
| 1 Multitude.<br>2 Occasion. g                  | (निबन्धावसरौ) वारौ <sup>m h</sup>         |
| 1 A bed of<br>grass or bark.<br>2 A sacrifice. | संस्तरो (प्रस्तराधरो) <sup>m</sup>        |
| 1 VRIHASPATI. 2 A pa-<br>rent. i               | 164. रुक् (गीष्पतिपितृाद्यौ) <sup>m</sup> |
| 1 The 3d age.<br>2 Doubt.                      | द्वापरौ (युगसंशयौ) <sup>m</sup>           |
| 1 Difference<br>2 Similitudo.                  | प्रकारौ (भेदसादृश्याव्) <sup>m</sup>      |

<sup>a</sup> Or 3 Right, reasonable. n. 4 Red chalk. <sup>b</sup> Also n. 2 A good action. 3 Virtue, moral or religious merit. <sup>c</sup> Likewise n. 2 Silver. 3 Wrought silver and gold. <sup>d</sup> Also 2 Generous, munificent. <sup>e</sup> Likewise 2 Middle. 3 Low. And n. 4 The middle. <sup>f</sup> Also 3 Mild. m. 4 Patronymic of *Budha*, or Mercury. <sup>g</sup> And 3 A day of the week. n. 4 A vessel for spirituous liquor. <sup>h</sup> वारः or वारः. <sup>i</sup> Or other venerable relative. And 3 A spiritual teacher. m. f. n. 4 Heavy. 5 Great.

165. किंशरू (धान्यशूकेषु)<sup>m</sup>  
 अकाराव् (इङ्गिताङ्गती)<sup>1 m</sup>  
 मरू (धन्वधराधरौ)<sup>m</sup>  
 अद्रवो (द्रुमशैलार्काः)<sup>2 m</sup>  
 166. (ध्वान्त्तरिदानवा) दत्ता<sup>m</sup>  
 (स्त्रीस्तनाद्भौ) पयोधरौ<sup>m</sup>  
 (बलिहस्तांशवः) कराः<sup>m</sup>  
 प्रदरा (भङ्गनारीरुग् वाणा)<sup>m</sup>  
 अक्ष्णाः (कचा अपि)<sup>m</sup>  
 167. (अजातशत्रुो गौः काले ऽप्यश्लश्रु नर्ी च) दशरः<sup>m</sup>  
 (स्वर्णे ऽपि) राः<sup>3 m</sup>  
 परिकरः (पर्यङ्कपरिवारयोः)<sup>m</sup>  
 168. (सुक्ता शुद्धौ च) तारः (स्याच्च)<sup>m</sup>
- 1 Hint.  
 2 Form.  
 1 Beard of corn. 2 An arrow.  
 1 A country void of water. 2 A mountain.  
 1 A tree. 2 A mountain.  
 3 The Sun.  
 1 A woman's breast. 2 A cloud. a  
 1 Darkness.  
 2 A foe. 3 A demon. b  
 1 Tax.  
 2 Hand. 3 Ray of light. c  
 1 Splitting. d  
 Hair. e  
 1 A hornless bull. 2 A beardless man. f  
 Gold. g  
 1 A bed. 2 A dependent. h  
 1 Elegance of a pearl. i

1—र.

2—द्रि.

3 रै.

<sup>a</sup> Also 3 Coconut. <sup>b</sup> Who was slain by INDRA. <sup>c</sup> Likewise  
 ‡ An elephant's trunk. 5 Hair. <sup>d</sup> Or 2 Fracture. 3 A feminine  
 disease ( excess of menstruation ). 4 An arrow. <sup>e</sup> Also 2 A corner.  
 n. 3 A tear. 4 Blood. <sup>f</sup> Although of an age to have a beard ;  
 and, in the instance of the bull, of an age to have horns. 3 As-  
 tringent taste. <sup>g</sup> Likewise 2 Wealth. 3 A cloud. <sup>h</sup> Also 3 Com-  
 mencement. 4 Multitude. 5 Girding (as for battle). <sup>i</sup> Or 2 A  
 beautiful pearl. 3 The pupil of the eye. 4 A high note. m. f. n.  
 5 High, as a note in music. n. 6 Silver. f. n. 7 A star. f. 8 The  
 wife of VRIHASPATI. 9—of SUGRIVA. 10 A goddess of the *Buddhas*.



|   |   |  |
|---|---|--|
| 1 Air. a  |   | 1 m<br>छारो (वायौ स तु त्रिषु<br>कवुरे)  |
| 1 Promise.<br>2 War.<br>3 Bargain. b              |   | m<br>(ऽथ प्रतिज्ञाजिसन्धिदापत्यु) सङ्गरः |
| 1 The pray-<br>ers of the<br>Vedas. c             | 169. (वेदभेदे गुप्तिवादे) मन्त्रे               | m  |
| The sun. d  |   | m<br>मित्त्रो (रवावपि)                   |
| 1 A sacrifice.<br>2 An arrow. e                   | (मखेषु यूपखण्डे ऽपि) स्वर्                      | m f                                      |
| Part to be<br>concealed. g                        |   | m<br>(गुह्ये ऽप्यु) ऽवस्करः              |
| 1 Charge<br>sounded by<br>trumpets. h             | 170. आडस्वर (सार्थ्यरवे गजेन्द्राणां च गर्जिते) | m  |
| 1 A brisk as-<br>sault. 2 Rob-<br>bery. i         | अभिहारो (ऽभियोगे च चौर्थे सन्वहने ऽपि च)        | k  |
| 1 An atten-<br>dant 2 A<br>scabbard. j            | 171. (स्याञ्जङ्गमे) परीवारः (खङ्गकोशे परिच्छदे) | m  |
| 1 A tree. 2 A<br>handful of<br>sacred grass.<br>1 | विष्टरो (विटपीदर्भमुष्टिः पीठाद्यमासनं)         | m  |
| 1 A door.<br>2 A porter.                          | 172. (द्वारिद्वाःस्ये) प्रतीहारः                | 2 f                                      |
| A female<br>porter.                               |   | प्रतीहार्य (ऽप्यनन्तरे)                  |

1 शार.

2—री (नु).

a And m. f. n. 2 Variegated. Also m. 3 Tables for playing.  
 b And 4 Calamity, distress. c And 2 Secret consultation; private  
 advice. 3 Incantation or charm. d Also n. 2 A friend. e And  
 3 Shavings of the wood of which a sacrificial post is made. f हर्षः  
 (र्ष or हर्ष). g And 2 Ordure, excrement. 3 Sweepings. h And  
 2 Roaring of large elephants. 3 Beginning. 4 Making a show.  
 i And 3 Arming; taking arms. j And 3 The insignia of dignity.  
 k Or परिवार. 1 And 3 A stool or cushion.

- (विपुले नकुले विष्णौ) बभ्रुः (स्यात्पिङ्गले त्रिषु) <sup>m</sup> 1 A large ichneumon. 2 VISHNU. a
173. सारो (बले स्थिरांशे च न्याय्ये क्लीवं वरे त्रिषु) <sup>m</sup> 1 Strength. 2 Essence. b
- दुरोदरो (द्यूतकारे पश्ये द्यूते) दुरोदरम् <sup>m d</sup> 1 A gamester. 2 A stake. c
174. (सह्यारण्ये दुर्गपथे) कान्तारः (पुन्रपुंसकम्) <sup>m n</sup> 1 A forest. 2 A difficult road. e
- मत्सरो (ऽन्यशुभद्वेषे तद्वत्कृपणयोस्त्रिषु) <sup>m</sup> 1 Envy. f
175. (देवाद्वृते) वरः (श्रेष्ठे त्रिषु क्लीवे मनाक् प्रिये) <sup>m h</sup> 1 A boon. g
- (वंशाङ्गरे) करीरो (ऽस्त्री तरुभेदे षटे च ना) <sup>m n</sup> 1 Shoot of a bambu. i
176. (ना चम्रजघने हस्त सूत्रे) प्रतिसरो (ऽस्त्रियाम्) <sup>m</sup> 1 Rear-guard j
- (यमानिलेन्द्रचन्द्रार्कविष्णुसिंहांशुवाजिषु) <sup>m</sup> 1 YAMA. 2 Wind. 3 INDRA. k

<sup>a</sup> Also 3 SIVA. 4 Fire 5 Proper name ; a sage m. f. n. 6 Tawny. 7 Large. <sup>b</sup> Likewise 3 Marrow. n. 4 Propriety. 5 Water. 6 Wealth. m. f. n. 7 Excellent. <sup>c</sup> And n. 3 Play, gaming. <sup>d</sup> Or दुरोदरः—रं. <sup>e</sup> Also m. 3 A sort of sugarcane. <sup>f</sup> And m. f. n. 2 Envious. 3 Avaricious, niggardly. f. 4 A gnat. <sup>g</sup> And m. f. n. 2 Excellent n. (some say indecl.) 3 A little approved. Likewise m. 4 A son-in-law. 5 Appointment. n. 6 Saffron. f. 7—रा. The three myrobalans.—री. 8 Asparagus racemosus. <sup>h</sup> Or वरः. <sup>i</sup> And m. 2 Sort of plant (common in dry deserts). 3 A jar. <sup>j</sup> And m. n. 2 A string worn on the wrist at nuptials, &c. Also m. 3 Counsel. 4 A bracelet. 5 A wreath. m. n. 6 Territory. m. f. n. 7 Fit to be employed. <sup>k</sup> And 4 the Moon. 5 The sun. 6 VISHNU. 7 A lion. 8 A ray of light. 9 A horse. 10 A parrot. 11 A serpent. 12 An ape. 13 A frog. m. f. n. 14 Tawny. 15 Green. Or 16 Yellow.

177. शुकाङ्कपिभेकेषु<sup>m</sup> हरि (नी कपिले त्रिषु).  
 A potsherd. शर्करा (कर्परांशु ऽपि)<sup>f</sup>  
 1 Passing a-way time. b यात्रा (स्याद्वापने गतौ)<sup>f</sup>  
 1 The earth. 178. दूरा (भ्रवाक्सुरासु स्यात्)<sup>f</sup>  
 2 Speech. तन्द्री (निद्राममीलयौः)<sup>f d</sup>  
 3 Ardent spirit. c 2 Drowsiness.  
 2 Lassitude. धात्री (स्यादुपमातापि क्षितिःप्यामलक्ष्यपि)<sup>f</sup>  
 1 A nurse. 179. चुद्रा (व्यङ्गा नटी वेष्ट्या सरषा कण्टकारिका)<sup>f</sup>  
 2 The earth. c 1 Wanting a limb. 2 A dancing girl. त्रिषु कुरे ऽधमे ऽल्पे ऽपि) चुद्रोः<sup>m f n</sup>  
 1 Requisites, materials. माता (परिच्छदे)<sup>f</sup>  
 2 A little g 180. अल्पे च परिमाणे सा) मात्रं (कार्तृक्ष्णे ऽवधारणे)<sup>n</sup>  
 1 Painting, delineation. (आलेख्याश्चर्ययाश्च) चित्रं<sup>n</sup>  
 2 Wonder. h

<sup>a</sup> Also 2 A stony nodule. 3 A country abounding in such. 4 A disease (the gravel). 5 Clayed sugar. <sup>b</sup> Or 2 Livelihood. And 3 Travelling. 4 Festival; procession. <sup>c</sup> And 4 Water. <sup>d</sup> Or तन्द्री or तन्द्रीः. <sup>e</sup> Also 3 A mother. 4 An emblic myrobalan. <sup>f</sup> And 3 A courtesan. 4 A bee. 5 An egg-plant. m. f. n. 6 Cruel. 7 Low 8 Small. Also 9 Miserly. 10 Poor. And f. A fly. <sup>g</sup> And 3 Quantity n. 4 The whole. 5 Only; (exclusive and identical). Also f. 6 An earring. 7 An instant. 8 Half a short syllable. <sup>h</sup> Also 3 A circled or mark. 4 Variegated colour. m. f. n. 5 Variegated. 6 Wonderful f. चित्रा. 7 A star in the Virgin's spire. 8 Title of SUBHADRA.

- <sup>n</sup>  
कलत्रं (श्राणिभार्ययोः) 1 The hip and loins. 2 A wife. a
181. (योग्यभाजनयोः) पात्रं<sup>n</sup> 1 Fit. capable. 2 A vessel. b
- <sup>n</sup>  
पत्रं (वाहनपक्षयोः) 1 A vehicle. 2 A wing. c
- <sup>n</sup>  
(निदेशग्रन्थयोः) शास्त्रं 1 Command. 2 Institutes of a science.
- <sup>n</sup>  
शस्त्रम् (आयुधलोहयोः) 1 A weapon. 2 Iron. d
182. (स्याङ्गटांशुकयोर्) नेत्रं<sup>n</sup> 1 Root of a tree. 2 Wove silk bleached. e
- <sup>n</sup>  
क्षेत्रं (पत्नीशरीरयोः) 1 A wife. 2 Body. f
- <sup>n</sup>  
(सुखाग्रे क्रोडहृत्तयोः) पोत्रं 1 Snout of a hog. 2 Forepart of a plough. g
- <sup>n</sup>  
गोत्रं (तु नाम्नि च) Name. h
183. सत्रम् (आच्छादने यज्ञे सदादाने वने ऽपि च)<sup>n</sup> 1 Vesture. 2 A sacrifice. 3 Constant alms. i
- <sup>n</sup>  
अजिरम् (विषये काये ऽप्य) 1 Object of perception. 2 A body. j
- <sup>n</sup>  
ऽम्बरं (व्योम्नि वाससि) 1 Ether; the sky. 2 Apparel. k

<sup>a</sup> Likewise 3 A fastness or strong hold. <sup>b</sup> Also 3 A king's minister. 4 The channel of a river, or space between the banks. 5 A vessel used in sacrifice; as a ladle, &c. 6 A leaf. 7 A person of a drama. <sup>c</sup> Likewise 3 A leaf. 4 The feather of an arrow. <sup>d</sup> Also f. <sup>e</sup> <sup>शस्त्री</sup>. 3 A knife. <sup>f</sup> Likewise 3 An eye. 4 The rope of a churn. 5 A car. m. f. n. 6 A guide. <sup>g</sup> Also 3 A field. 4 A holy spot. 5 A geometrical figure. <sup>h</sup> Likewise 3 Sort of cloth. <sup>i</sup> Also 2 Family, race, line. 3 Wealth. m. 4 A mountain. f. 5 The earth. 6 A herd of kine. <sup>1</sup> And 4 A forest, or 5 Wealth. <sup>2</sup> Likewise 3 A court-yard. 4 Wind. <sup>3</sup> Also 3 Ambergis.

|                                  |   |
|----------------------------------|---|
| A realm. a                       | 184. चक्रं <sup>m</sup> (राष्ट्रे ऽप्य <sup>n</sup> )     |
| Exemption from transmigration. b | ऽक्षरं <sup>n</sup> (तु मोक्षे ऽपि)                       |
| Water. c                         | क्षीरम् <sup>n</sup> (अप्सु च)                            |
| Gold. d                          | (स्वर्णे ऽपि) भूरिचन्द्रौ <sup>m</sup> (द्वौ)             |
| A door. e                        | (द्वारमात्रे ऽपि) गोपुरम् <sup>n</sup>                    |
| 1 A cavern.                      | 185. (गुहादम्भौ) गह्वरे <sup>n</sup> (द्वे)               |
| 2 Pride. f                       | (रहे ऽन्तिकम्) उपह्वरे <sup>n</sup>                       |
| 1 Solitude.                      |   |
| 2 Near.                          | (पुरोधिकसुपर्य <sup>1 n</sup> ) ऽग्राण्य <sup>n</sup>     |
| 1 Front, forepart. g             | (आगारे नगरे) पुरम् <sup>n</sup>                           |
| 1 A house.                       |   |
| 2 A town. h                      | 186. मन्दिरं <sup>n</sup> (चा)                            |
| 1 A country, or realm.           | (ऽथ) राष्ट्रे <sup>m n</sup> (ऽस्त्री विषये स्यादुपद्रवे) |
| 2 Calamity.                      |   |

## 1 अथ.

<sup>a</sup> Likewise 2 A wheel. 3 A circular missile weapon : a sharp discus. 4 A potter's wheel. 5 A mill. 6 A multitude. 7 An army. 8 A whirlpool. 9 Pride. m. 10 A ruddy goose, (Anas Casarca). <sup>b</sup> Also 2 A letter, or written character. 3 BRAHMA, m. 4 SIVA, m. f. n. 5 Unalterable. <sup>c</sup> Likewise 2 Milk. <sup>d</sup> Also भूरिः m. f. n. 2 Frequent, numerous. m. 3 BRAHMA. 4 VISHNU. 5 SIVA, And चन्द्रः. 2 The Moon, 3 Camphor. 4 Water. m. f. n. 5 Pleasing. <sup>e</sup> Also 2 A town gate. 3 Sort of grass : Cyperus ? <sup>f</sup> Likewise 3 A forest. m. 4 An harbour. <sup>g</sup> And m. f. n. 2 More, much. n. 3 Top, summit. 4 Point, extremity. 5 Assemblage, multitude. 6 Resting place, end of a journey. 7 Quantity of a *pala*. 8 Limited alms (four mouthfuls) m. f. n. 9 Chief, principal. 10 First, prior. <sup>h</sup> Also पुरं. 3 A body. 4 City of Patna. m. 5 Bellium. And मन्दिरः m. 3 The sea.

- <sup>m</sup>  
दरे (ऽस्त्रियां भये शब्दे)
- <sup>m n</sup>  
वज्रो (ऽस्त्री शौरके पवौ)
187. तन्त्रं (प्रधाने सिद्धान्ते सूत्रवापे परिच्छेदे)
- <sup>m</sup> <sup>1 n</sup>  
शौशीरं (श्यामरे दण्डे ऽप्यौ) शीरं (शयनासने)
- <sup>n</sup>  
188. पुष्करं (करिहस्ताग्रे वाद्यभाण्डमुखे जले  
व्योम्नि खड्गफले पद्मे तीर्थेषु धिविशेषयोः)
- <sup>n</sup>  
189. अन्तरम् (अवकाशावधिपरिधानान्तर्द्धिभेदादर्थे  
छिद्रात्मीयविनावहिरुत्तरमध्ये ऽन्तरात्मनि च)
- <sup>n</sup>  
190. (सुसुं ऽपि) पिठरं

1 Fear, dread  
2 A hole in the ground. a.

1 A diamond.  
2 The thunderbolt. b

1 Chief.  
2 Right conclusion. c  
1 Handle of cow's hair. d

1 Tip of an elephant's trunk. e

1 Interval.  
2 Period.  
3 Clothing.  
4 Covering. f

Fragrant root of grass. g

1 शौ—

<sup>a</sup> Likewise indec. <sup>3</sup> A little. And f. दरि. <sup>4</sup> A cavern. <sup>b</sup> Also m. <sup>3</sup> One of the 28 astrological *yogas*. <sup>c</sup> And <sup>3</sup> A weaver's lay or batten. <sup>4</sup> Raiment. <sup>5</sup> Care of a realm. <sup>6</sup> Dependence. <sup>7</sup> A sacred book. <sup>8</sup> An excellent medicament. <sup>d</sup> And n. <sup>2</sup> A bed. <sup>3</sup> A chair or stool. Likewise <sup>4</sup> Fragrant root of grass (*Andropogon muricatum*.) <sup>e</sup> And <sup>2</sup> Head of a drum, or place where any musical instrument is struck. <sup>3</sup> Water. <sup>4</sup> The sky. <sup>5</sup> Edge of a scimitar, or <sup>6</sup> A scabbard. <sup>7</sup> A lotos. <sup>8</sup> Name of a place. <sup>9</sup> A drug (*Costus Arabicus*.) <sup>10</sup> One of the *Dwipas* or continents. m. <sup>11</sup> The Indian Crane. <sup>f</sup> And <sup>5</sup> Difference. <sup>6</sup> Sake. <sup>7</sup> A hole or rent. <sup>8</sup> Own. <sup>9</sup> Without, except. <sup>10</sup> Outside. <sup>11</sup> Opportune time. <sup>12</sup> Midst. <sup>13</sup> Supreme soul. <sup>14</sup> Similar. <sup>15</sup> Other. *This term is a pronoun in the 3d and 10th acceptations.* <sup>g</sup> *Cyperus rotundus*. Also <sup>2</sup> A churning stick. m. <sup>3</sup> A seether or boiler.

Another  
sort, a

1 Very dark.  
2 Mischiev-  
ous, des-  
tructive. b

1 Pale red.  
2 White.  
3 Yellow. c

Sharp, corro-  
sive. d

Hard. e

Inferior,  
low. f

Unperplex-  
ed. g

1 Distracted.  
2 Perplexed.  
h

1 Superior,  
high. 2 Nor-  
thern. i

1 Inferior.  
2 Southern. j

(राजकयेरुय्यदि) नागरम्

*m f n*

शार्करं (सुन्धतमसे घातके भेद्यलिङ्गकः)

*m f n*

191. गौरो (ऽरुणे सिते पीते)

*m f n*

(त्रयकाब्दे ऽप्य) शरकरः

*m f n*

जठरः (कठिनो ऽपि स्वाद्)

*m f n*

(अधस्तादपिचा) श्वरः

*1 m f n*

192. (अनाकुले ऽपि च) कायो

*m f n*

व्यग्रो (व्यासक्त आकुले)

*2 m f n*

(उपर्युदीच्यश्रेष्ठेषु) त्रः (स्वाद)

*m f n*

अनुत्तरः

1 ए—.

2 उ—.

\* *Cyperus pertenuis*. Likewise 2 Ginger. m. f. n. 3 Of or belonging to a city. 4 Sagacious. <sup>b</sup> According to another reading, m. 3 A vicious elephant. <sup>c</sup> Likewise 4 Clean. m. 5 White mustard. 6 The moon. n. 7 Filament of a lotos. f. 8 The goddess, wife of SIVA. 9—of VARUNĀ. 10 The earth. 11 Name of a river. 12 A young girl. 13 Turmeric. <sup>d</sup> Also m. 2 *Semecarpus Anacardium*. <sup>e</sup> Likewise 2 Old. m. n. 3 The belly. <sup>f</sup> Also 2 Less, worse. m. 3 The lip. 4 The nether lip. <sup>g</sup> Likewise 2 Intent, attentive. <sup>h</sup> Or 3 Frightened. <sup>i</sup> And 3 Excellent. Also n. 4 An answer. m. 5 Proper name, the son of VIRĀTA. f. 6 The wife of ABHIMANYU. 7 The north. <sup>j</sup> And 3 Worse. Likewise 4 Excellent. 5 Silent, unable to answer.

193. (एषां विपर्यये श्रेष्ठे)

*m f n*  
(दूरानालोत्तमाः) पराः 1 Distant,  
remote.  
2 Other. a

*m f n*  
(खादुप्रियौ तु) मधुरौ

1 Sweet.  
2 Pleasing.  
b

*m*  
क्रूरी (कठिननिर्हयौ)

1 Hard.  
2 Pitiless ;  
cruel. c

*m f n s*  
194. उदारो (दाढमहतोः)

1 Generous.  
2 Great. d

*m f n*

दूतर (स्वन्यनीचयोः)

1 Other.  
2 Low, vile.

*m f n*  
(मन्दस्वच्छन्दयोः) खैरः

1 Indolent.  
2 Independ-  
ent, uncon-  
trolled.

*m f n*

शुभ्रम् (उद्दीप्तशुक्लयोः)

1 Splendid.  
2 White. f

## SECTION XXII.

195. (शूडाकिरीटं केशाच्च संयता) मौलयस् (त्रयः)

1 Lock on  
the crown of  
the head. g  
2 The tree  
Pilu. 2 An  
elephant. h

(द्रुमप्रभेदमातङ्ग काण्डपुष्पाणि) पीलवः

1—लि.

2—ह.

\* And 3 Pre-eminent. Or 4 Subsequent. 5 Inimical, enemy. n.  
(some say indec.) 6 Only. <sup>b</sup> Also m. 3 A sweet taste. n. 4 Poison. f.  
5 Anise. <sup>c</sup> Likewise. 3 Terrible. 4 Destructive. <sup>d</sup> Also 3 Gentle.  
4 Unperplexed. <sup>e</sup> Fem. उदारा,—री. <sup>f</sup> And n. Talc. <sup>g</sup> And 2 A  
diadem. 3 Hair tied on the head. 4 Head. m. 5 Jonesia Asoca. 6 The  
earth. And 3 An arrow. 4 A flower (Or 5 Blossom of the Saccharum  
Sara). Also. 7 An atom.



- 1 YAMA.  
2 Measured  
time. a
196. (सतान्तानेहसोः) कालश्च<sup>1 m</sup>
- The fourth  
age. b
- (चतुर्थे ऽपि युगे) कलिः<sup>m</sup>
- A deer. c
- (स्यात्कुरङ्गे ऽपि) कमलः<sup>m</sup>
- A blanket. d
- (प्रावारे ऽपि च) कम्बलः<sup>m</sup>
- 1 Tax, reve-  
nue. 2 An  
oblation. e
197. (करोपहारयोः पुंसि) बलिः (प्राण्यङ्गणे स्त्रियाम्)<sup>m</sup>
- 1 Bulkiness.  
2 Strength.  
3 Army,  
forces. f
- (स्थौल्यसामर्थ्यसैन्येषु) बलं (ना काकसीरियोः)<sup>n</sup>
- 1 A whirl-  
wind. g
198. वाहलः (पुंसि वात्यायामपि वातसहे त्रिषु)<sup>m h</sup>
- 1 Wicked.
- (भेद्यलिङ्गः शठे) व्यालः (पुंसि खापदसर्पयोः)<sup>m f n j</sup>

## 1 काल.

<sup>a</sup> Likewise 3 Death. 4 Time (infinite). 5 Black colour. f. काल  
6 Madder. 7 Indigo. काली. 8 The goddess GAURI. 9 One of the  
MA' TRIS. 10 Heavy clouds. <sup>b</sup> Likewise 2 Quarrel, strife. 3 War,  
battle. 4 Bellerick myrobalan. 5 An unblown flower. <sup>c</sup> Also n. 2 A  
Lotos. 3 Water. 4 Copper. f. 5 The goddess LAKSHMI. 6 An ex-  
cellent woman. <sup>d</sup> Also 2 A dewlap. 3 A fabulous chief of serpents. n.  
4 Water. <sup>e</sup> And f. बलिः—ली (or बलिः). 3 A wrinkle. Also m. 4 Proper  
name; a giant. 5 Handle of a flyflapper. f. 6 Ridge of a roof. <sup>f</sup> And  
m. 4 A crow. 5 Proper name; BALARA'MA. Also 6 Name of a demon  
slain by INDRA. m. f. n. 7 Strong. f. 8 Sida cordifolia, &c. <sup>g</sup> And  
2 Gouty, Rheumatic. 3 Insane. <sup>h</sup> Or वाहलः. <sup>i</sup> And m. 2 A beast  
of prey; tiger, &c. 3 A serpent. 4 A vicious elephant. 5 A king.  
j Fem. व्याली.

199. <sup>m n</sup> मलेः (ऽस्त्री पापविट्किट्वाभ्य)  
<sup>m n</sup> (ऽस्त्री) मूलं (रुगाद्युघम्)  
<sup>m f</sup> (शङ्कावपि द्वयोः) कीलः  
<sup>f</sup> पाखिः (स्थस्ररङ्गपंक्तिषु)
200. <sup>f</sup> कला (शिल्पे कालभेदे ऽप्य्)  
<sup>1 f</sup> भाली (सख्यावली अपि)  
<sup>f h</sup> (अन्ध्रम्बुविहृतौ) बेला (कालमर्त्यादयोर्ऽपि)  
<sup>f j</sup> 201. बङ्गलाः (कृत्तिकागावो) बङ्गलो (ऽग्निः शितौ त्रिषु)  
<sup>f</sup> लीला (विलासक्रिययोर्)  
<sup>f</sup> उपला (शर्करापि च)
- 1 Sin.  
2 Filth. 3 Excretion. a  
1 Colic. 2 A weapon. b  
A lance. c  
1 A corner.  
2 The hollow above the hip. d  
1 A mechanical art. 2 A measure of time. c  
1 A companion. 2 A row. f  
1 Tide.  
2 Time.  
3 Limit. g  
1 The Pleiades. 2 A cow. i  
1 Sport.  
2 Gesture.  
A stony nodule. k

1—लि or —ली.

<sup>a</sup> As sweat, snot, earwax, &c. 4 Dregs. 5 Rust. m. f. n. 6 Niggardly. <sup>b</sup> A trident or a pike. Also f. 3 A courtesan. <sup>c</sup> Likewise 2 A gnomon. 3 A stake. 4 A post. 5 Flame. 6 The elbow. 7 A thump on the breast. 8 A punch with the elbow. f. 9 A blow. <sup>d</sup> Or 3 Sharp edge. 4 A mark. 5 A row or string. Also 6 Delineation with sandal, &c. on the ear. 7 Contiguity. 8 Allowance to a dependant. 9 A masculine woman (who has a beard). 10 A handful. 11 Praise. <sup>e</sup> Likewise 3 A digit of the moon. 4 Interest on a capital sum. 5 A part. 6 Collection. <sup>f</sup> Also 3 A bridge. m. f. n. 4 Intelligent, wise. <sup>g</sup> Likewise 4 Seashore. 5 Easy and sudden death. <sup>h</sup> Or बला. <sup>i</sup> In the first acceptation, invariably plural. And m. 3 Fire. m. f. n. 4 Black. Also 5 Cardamum. m. 6 The dark half of the month. n. The sky. <sup>j</sup> Or बङ्गलाः. <sup>k</sup> Also 2 Manufactured sugar. m. 3 A stone. 4 A gem.

- 1 Blood. 202. (शोणिते ऽम्भसि) कीलालं<sup>f</sup>  
2 Water.
- 1 Origin. मूलम् (आद्ये शिफाभयोः)<sup>n</sup>  
2 Root. a
- 1 A multi- जालं (सम्बद्ध आनायो गवाक्षचारकावपि)<sup>n</sup>  
2 A net. b
- 1 Disposition. 203. शीलं (स्वभावे सदृत्ते)<sup>n</sup>  
2 Good conduct. (यस्ये हेतुद्वये) फलम्<sup>n</sup>
- 1 Fruit. 2 Result. c
- 1 A roof. (हृदिर्नेत्ररजोः क्लीवं सम्बृहे) पटलं (न ना)<sup>n</sup>  
2 A film over the eye. d
- 1 Bottom. 204. (अधःस्वरूपयोरुस्त्री) तलं<sup>n</sup>  
2-Essential character. e (स्याच्चामिधे) फलम्<sup>n</sup>
- Flesh. f
- Submarine (और्वाणले ऽपि) पातालं<sup>n</sup>  
fire. g
- 1 Clothes, चेलं (बस्त्रे ऽधमे त्रिषु)<sup>n</sup>  
vesture. h
- 1 A hole filled with 205. कुकूलं (ग्रह्णुभिः कीर्णै र्वश्वे ना तु उपानले)<sup>n</sup>  
stakes. i

<sup>a</sup> And m. n. <sup>3</sup> An asterism (the Scorpion's tail). Or n. <sup>4</sup> Principal, capital. <sup>b</sup> And <sup>3</sup> A window, a lattice, <sup>4</sup> An unblown flower. <sup>5</sup> Magic, illusion, <sup>6</sup> Pride. <sup>i</sup> जाली. <sup>7</sup> Trichosanthes dioica. <sup>c</sup> Likewise <sup>3</sup> Edge of a weapon. <sup>4</sup> A nutmeg. <sup>5</sup> A Pearl. <sup>6</sup> Profit. <sup>7</sup> A shield. <sup>d</sup> And f. n. (—स्त्री, वा or लं.). <sup>3</sup> A multitude. n. <sup>4</sup> Retinue. <sup>e</sup> Likewise f. n. <sup>3</sup> A guard for an archer's arm. m. <sup>4</sup> A span. <sup>5</sup> The palm with extended fingers. <sup>f</sup> Also <sup>2</sup> A measure, consisting of four *Karshas*. <sup>g</sup> Likewise <sup>2</sup> The infernal regions. <sup>3</sup> A hole. <sup>b</sup> And m. f. n. <sup>2</sup> Inferior low in situation. Fem. जेली. <sup>i</sup> And m. <sup>2</sup> Conflagration of chaff.

- <sup>n</sup>  
 (निर्णीते) केवलम् (इति त्रिलिङ्गं त्वेकलस्योः) 1 Absolute, certain. a
206. (पर्याप्तिसमपुष्पेषु) कुशलं (शिक्षिते त्रिषु) <sup>n</sup>  
 1 Adequacy.  
 2 Safety.  
 3 Virtue. b
- <sup>m n</sup>  
 प्रवालम् (अंकुरे ऽप्यस्त्री) 1 A shoot or sprout. c
- <sup>m f n</sup>  
 (त्रिषु) स्थूलं (जडे ऽपि च) Stupid. d
- <sup>m f n</sup>  
 207. काराखी (दन्तुरे वृद्धे) 1 Having projecting teeth.  
<sup>m f n g</sup> 2 High. e
- (चारौ दक्षे च) पेशलः 1 Beautiful.  
 2 Expert. f
- <sup>m f n</sup>  
 (स्रष्टुं ऽर्भके ऽपि) बालः (स्यात्) 1 Ignorant.  
 2 Young, a child. h
- <sup>m f n</sup>  
 लोल (दृलसदृशयोः) 1 Tremulous.  
 2 Thirsty. i

SECTION XXIII.

- <sup>m m</sup>  
 208. दवदावौ (वनारण्यवल्ली) 1 A forest.  
 2 Fire in a forest. j
- <sup>m</sup>  
 (जन्महरौ) भवौ 1 Birth.  
 2 SIVA. k

<sup>a</sup> And m. f. n. 2 Alone, sole. 3 Entire, all. Fem.—ला, स्त्री. <sup>b</sup> And m. f. n. 4 Skilful, expert. <sup>c</sup> Or 2 A new leaf. Also 3 Coral. 4 The neck of a lute. <sup>d</sup> Likewise 2 Bulky. <sup>e</sup> Likewise 3 Terrible. <sup>f</sup> Also 3 Soft. <sup>g</sup> Or पेशलः <sup>h</sup> Likewise m. 3 Hair. 4 Tail of a horse. 5—of an elephant. m. n. 6 Andropogon Schoenanthus. <sup>i</sup> Also f.—वा. 3 The tongue. 4 The goddess LAKSHMI. Likewise 3 Fire in general. <sup>k</sup> Also 3 Existence. 4 Acquisition. 5 This world. 6 Safety, well being.

- 1 A counsel-  
lor. 2 A com-  
panion. <sup>m</sup> (मन्त्री सहायः) सचिवौ
- 1 A husband.  
2 Lythrum  
fruticosum. a <sup>m</sup> (पतिशाखिनरा) घवाः
- 1 A moun-  
tain. 2 A  
sheep. 3 The  
sun. b 209. अवयः (शैलमेघार्का)
- 1 Command.  
2 Call. 3 Sa-  
crifice. <sup>m</sup> (आज्ञाह्वानाध्वरः) हवाः
- 1 A living  
being. c <sup>m</sup> भावः (सत्वस्वभावाभिप्रायचेष्टात्मजन्मस)
- 1 Produc-  
tion. 2 Fruit. 210. (स्यादुत्पादे फले पुष्पे) प्रसवे (गर्भमोचने) <sup>m</sup>
- 3 Blossom. d  
1 Distrust.  
2 Denial.  
3 Conceal-  
ment. <sup>m</sup> (अविश्वासे ऽपङ्कवे ऽपि निहतावपि) निङ्गवः
- 1 Elevation. 211. (उत्केकागर्भयोरिच्छा प्रसवे मह) उत्सवः <sup>m</sup>
- 2 Impatience. <sup>c</sup>  
1 Dignity,  
authority. <sup>m</sup> अनुभावः (प्रभावे स्यात्सतां च मतिनिश्चये)
- 2 Firm opi-  
nion. f  
1 Generative  
cause. 2 Ori-  
gin. g 212. (स्याज्जन्महेतुः) प्रभवः (स्थानं चाद्योपलब्धये) <sup>m</sup>
- 1 Son of a  
*Brahmana*  
by a *Sudra*  
woman. h <sup>m</sup> (शूद्रायां विप्रतनये शस्त्रे) पारशवः (पुमान्)

## 1 अवि.

<sup>a</sup> And 3 A man. 4 A cheater. <sup>b</sup> Also 4 The shawl goat. <sup>c</sup> Or (varying the reading.) 2 Existence, state. 3 Nature, disposition. 4 Meaning, intention. 5 Gesture, movement. 6 Soul. 7 Birth. 8 Thing. 9 Venerable. 10 (in dramatic language.) Learned. 11 State, condition. <sup>d</sup> And 4 Bringing forth. 5 Offspring. <sup>e</sup> And 3 Formation of a wish. 4 Festival, jubilee. <sup>f</sup> Or 3 Certainty. 4 Indication, hint. <sup>g</sup> Or 3 Source. 4 Place where a thing is first perceived. 5 Strength. <sup>h</sup> And 2 Battle-axe. 3-A son born in adultery.

213. <sup>m</sup>ध्रुवो (भभेदे क्लीबं तु निश्चिते शाश्वते त्रिषु) 1 The polar star. a
- <sup>m</sup>स्वो (ज्ञातावात्मनि) <sup>m f n</sup>स्व (त्रिष्वामीये) <sup>m n</sup>स्वो (ऽस्त्रियांधने) 1 A kinsman. 2 The soul. b
214. <sup>f d</sup>(स्त्रीकटीवस्त्रबन्धे ऽपि) <sup>f</sup>नीवी (परिपणु ऽपि च) Cloth round a woman's waist. c
- <sup>f</sup>शिवो (गौरीफेरवयोर्) 1 GAURĪ. 2 A jackal. e
- <sup>n</sup>द्वन्द्वं (कलहयुग्मयोः) 1 Dispute, quarrel. 2 A pair. f
215. <sup>n h</sup>(द्रव्यासुख्यवसायेषु) सत्वम् (अस्त्री तु जन्तषु) 1 Substance. 2 Breath. g
- <sup>n j</sup>क्लीबं (नपुंसके षण्डे वाच्यलिङ्गमविक्रमे) 1 Neuter gender. 2 An eunuch. i

SECTION XXIV.

216. <sup>l m</sup>(द्वौ) विश्वौ (वैश्वमनुजौ) 1 Man of the commercial tribe. k

1 म—

<sup>a</sup> And n. 2 Certainty. m. f. n. 3 Perpetual, constant. Also m. 4 A stake. 5 An axis, or pole. 6 S'IVA. f.—वा. 7 Burden of a song. 8 A ladle or spoon. n. 9 Reasoning. m. f. n. 10 Immovable. <sup>b</sup> And m. f. n. 3 Own. m. n. 4 Wealth. *It is a pronoun in the 3d acceptance.* <sup>c</sup> And 2 Mercantile stock. 3 A stake at play. <sup>d</sup> Or नीषिः. <sup>e</sup> Also m. 3 MAHA'DE'VA. 4 One of the astrological Yōgas. 5 The Vedas. n. 6 Pleasure, ease. 7 Auspiciousness; well being. 8 Water. f. 9 The yellow myrobalan. <sup>f</sup> Likewise 3 Union of the sexes. <sup>g</sup> Or other unconscious function. 3 Vigour. m. n. 4 An animal. Also n. 5 A quality. 6 Nature. 7 Strength. 8 A demon. 9 Existence. 10 Essence. 11 Self-command. <sup>h</sup> सत्वं or सत्त्वं. <sup>i</sup> And m. f. n. 3 Weak. 4 Idle. <sup>j</sup> Or क्लीबं. <sup>k</sup> And 2 Man in general f. 3 Entrance, Sing. विद्.

1 A spy.  
2 War. a

(हौ चराभिमरौ) स्यौ<sup>m</sup>

1 A heap.  
2 A sign of  
the zodiac.

<sup>1 m</sup>  
(हौ) राशी (पुष्पमेघाद्यौ)

1 Family,  
race. 2 A  
bambu. b

<sup>m</sup>  
(हौ) वंशौ (कुलमस्कारौ)

1 Solitude.  
2 Display.

<sup>m c</sup>  
217. (रहः प्रकाशौ) वीकाशौ

1 Wages,  
hire 2 En-  
joyment. d

<sup>m</sup>  
निर्वेशौ (भतिभोगयोः)

1 YAMA. e

<sup>m</sup>  
(कृतान्तेपुंसि) कीनाथः (सुद्रुकर्षकयोस्त्रिषु)

1 A place or  
spot. 2 A butt.  
3 A cause.

<sup>m</sup>  
218. (पदे लक्ष्ये निमित्ते) ऽपदेशः

water. f

<sup>n</sup>  
(स्यात्) कुशम् (अप्यु च)

Age, as youth,  
&c. g

<sup>f</sup>  
दशा (वस्थानेक विधाय्)

1 Hope,  
desire.

<sup>f</sup>  
आशा (दृष्ट्यापि चायता)

2 Breadth. h  
1 A woman.  
2 A female  
elephant. i

<sup>f</sup>  
219. वशा (स्त्री करिणी च स्याद्)

1 Knowledge.

<sup>2 f</sup>  
दृग् (ज्ञाने ज्ञातरि त्रिषु)

1—श्रि.

2—श्र.

<sup>a</sup> Also. <sup>3</sup> Conflict with a dangerous animal in hopes of reward.  
<sup>b</sup> Likewise <sup>3</sup> The back bone. <sup>4</sup> A multitude. <sup>c</sup> Or विक्रायः. <sup>4</sup> Or  
<sup>3</sup> Eating. <sup>e</sup> And m. f. n. <sup>2</sup> Small. Or <sup>3</sup> Niggardly. <sup>4</sup> A cultivator.  
Also <sup>5</sup> slayer of cattle. m. <sup>6</sup> An ape. <sup>f</sup> Also m. <sup>2</sup> Proper name :  
Son of RA'MA. <sup>3</sup> Sacrificial grass (Poa Cynosuroides). <sup>4</sup> One of the  
continents. <sup>5</sup> A yoke. f.—श्री. <sup>6</sup> Share of a plough. <sup>g</sup> Likewise  
<sup>2</sup> Wick of a lamp. <sup>3</sup> (Invariably pl.) Border or edge of cloth. <sup>h</sup> Also  
<sup>3</sup> Region ; quarter. <sup>i</sup> Likewise <sup>3</sup> A barren cow. <sup>4</sup> A daughter.  
n. <sup>5</sup> Subjection. <sup>6</sup> Desire, wish. m. f. n. <sup>7</sup> Subject, dependent. And  
m. f. n. <sup>2</sup> One who sees or knows. Also f. <sup>3</sup> Sight. <sup>4</sup> An eye.

|      |   |                                       |
|------|---|---------------------------------------|
|      | <sup>m f n</sup><br>(स्नात्) कर्कशः (साहसिकः कठोरमहत्त्वावपि) | 1 Violent.<br>2 Hard. 3 Intangible. a |
| 220. | <sup>m f n</sup><br>प्रकाशे (ऽतिप्रसिद्धे ऽपि)                | Notorious. b                          |
|      | <sup>m f n</sup><br>(शिशुवत् च) बालिशः                        | 1 Young.<br>2 Ignorant.               |

SECTION XXV.

|      |   |  |
|------|---|--|
|      | <sup>m</sup><br>(हरमत्स्यवत्) अनिमिषौ         | 1 A gold.<br>2 A fish.                         |
|      | <sup>m</sup><br>पुरुषाव् (आत्ममानवौ)          | 1 The soul.<br>2 A man.                        |
| 221. | <sup>m</sup><br>(काकमत्स्यप्रातश्चगौ) ध्वञ्चौ | 1 A crow.<br>2 Any bird which preys on fish. c |
|      | <sup>m</sup><br>कच्चौ (तु तृणवीरुघौ)          | 1 Grass.<br>2 A climbing plant. d              |
|      | <sup>m e</sup><br>अभीषुः (प्रगृहे रश्मौ)      | 1 A halter or rein. 2 A ray of light.          |
|      | प्रैषः (प्रेषयुर्मर्द्दने)                    | 1 Despatch, sending.<br>2 Paining. f           |

<sup>a</sup> Or 4 Harsh. 5 Cruel. 6 Unmerciful. 7 Miserly. <sup>b</sup> Also 2 Light.  
<sup>3</sup> Display. 4 Loud laugh. <sup>c</sup> Likewise 3 A beggar. <sup>d</sup> Also 3 The  
umpit. 4 A forest of dead trees. 5 A wall. 6 The side. m. f. n. 7 End  
of a cloth fixed in the waistband. f. 8 The string round an elephant's  
neck. 9 Objection in argument. 10 Emulation. <sup>e</sup> Or अभीषुः. <sup>f</sup> Like-  
wise 3 Fatigue.



- Partisan, a <sup>m</sup> 222. पक्षः (सहायं ऽय्)
- 1 A turban. <sup>m n</sup> उष्णीषः (शिरोवेष्टकरीटयोः)  
2 A diadem.
- 1 Lustful. <sup>m</sup> (शुक्ले सूषिके श्रेष्ठे सुकृते वृषभे) वृषः  
2 A rat, b
- 1 A bud. <sup>m n d</sup> 223. कोषो (ऽस्त्री कुम्भले खङ्गपिम्बन् ऽर्थोषद्विययोः)  
2 A sheath.  
3 Treasure, c
- 1 Gaming <sup>m</sup> (दूरते ऽत्ते सारिफलके ऽय्) आकर्षो  
with dice.  
2 A die, c <sup>n</sup> (ऽया) ऽक्षम् (इन्द्रिये)
- 1 An organ <sup>m</sup> 224. (ना दूरताङ्गे कर्षचके व्यवहारे कलिद्रुमे)  
of sense, f
- 1 Agriculture, <sup>m</sup> कर्षू (वार्त्ता करीषाग्निः) कर्षू. (कुल्याभिधायिनी)  
2 Fire with <sup>f</sup>  
cowdung, g

\* Also 2 Side. 3 Alternative. 4 Half of the lunar month. 5 Army, forces. 6 Friends. 7 Wing. 8 Thesis, doctrine to be maintained. 9 Contradiction. 10 Subject of an inference. 11 (In composition with केष) Great quantity. <sup>b</sup> In composition. 3 Chief, pre-eminent. 4 Virtue, personified in the shape of a bull. 5 A bull. 6 The sign of the Zodiac (Taurus). 7 Proper name; title of KARNĀ. f. —वा. 8 Cowich (Dolichos or Carpopogon pruriens)—ची. 9 Cushion used by ascetics. <sup>c</sup> And 4 Oath or ordeal. 5 A vessel used at sacrifices. 6 A cocoon of silk. 7 Eye ball. 8 Testicle. 9 Dictionary. <sup>d</sup> Or कोषः. <sup>e</sup> And 3 A board for playing. 4 An organ of sense. 5 Attraction. 6 Drawing the bow. <sup>f</sup> And n. 2 A die. 3 A measure (a Karsha or 16 māśhas). 4 A wheel. 5 A lawsuit. 6 The belleric myrobalan. Also 7 Wood of a car. 8 Business, transaction. 9 Proper name, son of RĀVANA. n. 10 Kind of salt. <sup>g</sup> And f. 3 A river. 4 A canal.

25. (पुत्रावे तत् क्रियायां च) पौरुषं<sup>n</sup> 1 Virility.  
3 Manly act.<sup>a</sup>
- विषम् (अप्सु च)<sup>n</sup> Water. b
- (उपदाने ऽप्य्) आमिषं (स्याद्)<sup>m n</sup> A bribe. c
- (अपराधे ऽपि) किल्बिषम्<sup>n</sup> An offence d
226. (स्याद्दृष्टौ लोकधात्वंगे वत्सरे) वर्षम् (अस्त्रियाम्)<sup>m n</sup> 1 Rain.  
2 A country.  
3 A year. e
- प्रेक्षा (दृत्येक्षणं प्रज्ञा)<sup>f</sup> 1 Dancing.  
2 View. f
- भिक्षा (सेवा ऽर्थना भृतिः)<sup>f</sup> 1 Service.  
2 Begging.  
3 Hue, wages. g
227. त्विट् (शोभा ऽपि)<sup>1f</sup> Splendour.
- (त्रिषु परे)<sup>i</sup>
- न्यक्षं (कार्तृक्ष्यानिलक्षयोः)<sup>m f n</sup> 1 Entire.  
2 Inferior.
- (प्रत्यक्षे ऽधिष्ठते) ऽध्यक्षो<sup>m f n</sup> 1 Percept  
ble. 2 Super-  
intendent
- रुक्ष (स्वप्नेन्द्रचिक्रणे)<sup>m f n</sup> 1 Unfrien  
d. 2 Rough.

1—५.

\* Also 3 Semen. m. f. n. 4 Measured by the human stature, by the height to which a man reaches. b Likewise 2 Poison. f.—  
3 A plant (sort of Betula ?) c Also 2 Flesh. 3 Food. d Likewise  
2 Disease. e Also 4 A cloud. f. pl. वर्षाः. 5 Rainy season. f Or 3 Vic  
ing an exhibition of dancing. 4 Intellect. g Likewise 4 Alms. h A  
2 Ray of light. i The following admit the three genders.

## SECTION XXVI.

- 1 The sun. <sup>m</sup> 228. (रविखेतच्छदौ) हंसौ  
 2 A goose. a
- 1 The sun. <sup>1 m</sup>  
 2 Fire. (सूर्यवक्त्रौ) विभावसू
- 1 A calf. <sup>m</sup>  
 2 A year. b वत्सौ (तर्णकर्षणा द्वौ)
- A bird : Cuculus. c <sup>2 m d</sup>  
 (सारङ्गाच्च) दिवोकसः
- 1 Taste or sentiment in <sup>m</sup> 229. (शृङ्गारादौ विषे वीर्ये गुणे रागे द्रवे) रसः  
 dramas. e
- 1 An earring. <sup>m n m n f</sup>  
 2 A crest. (पुंस्य्) उन्तसाऽवतंसौ (द्वौ कर्णपूरे ऽपि शेषरे)
- 1 A class of <sup>3 m n</sup> 230. (देवभेदे ऽनले रश्मौ) वसू (रत्ने धने) बसु  
 deities. <sup>n</sup>  
 2 Fire. g

1—सु.

2—सु.

3—सु.

<sup>a</sup> Likewise 3 VISHNU. 4 The Supreme Being. 5 The soul  
 6 Breath. 7 A sort of ascetic life. 8 A person devoid of covetousness  
 9 Unenvious. 10 A king. 11 The horse sacrificed by YUDHISH'THIRA  
<sup>b</sup> Also 3 An endearing appellation of a son or grand-child. n. 4 The  
 breast. <sup>c</sup> Likewise 2 A god. 3 A bee. 4 An antelope. <sup>d</sup> दिवोका  
 or दिवोकाः. <sup>e</sup> Amatory, heroic, tender, pathetic, &c. And 2 Poison  
 or 3 Water. 4 Semen virile, or 5 Quicksilver. 6 Quality of taste; savour  
 as sweet, sour, &c. 7 Zeal, ardour, passion. 8 Juice, a liquid. 9 Juice  
 of the body. 10 Myrrh. f. 11 The tongue. 12 The earth. <sup>f</sup> Or वतंस  
<sup>g</sup> And 3 A ray of light. Or 4 A rein, or halter. n. 5 A gem. 6 Wealth  
 Also 7 Gold. m. 8 Tie of the yoke. 9 A plant (*Bakapushpa*).

|      |  |   |
|------|--|---|
|      | <sup>1 m</sup><br>(विष्णौ च) वेधाः                                 | VISHNU. a   |
|      | <sup>2 f</sup><br>(स्त्रीत्वा) श्री (हिं ताशंसः ऽहिदंद्रयोः)       | 1 Benedic-<br>tion. 2 Fang<br>of a serpent.           |
| 231. | <sup>3 f</sup> लालसे (प्रार्थनौत्सुके)                             | 1 Request. b  |
|      | <sup>f</sup><br>हिंसा (चौर्यादिकर्म च)                             | Injury, mis-<br>chief, as rob-<br>bery, &c. c         |
|      | <sup>f</sup><br>प्रसू (रश्मापि)                                    | A marc. d   |
|      | <sup>4 f</sup> <sup>5 n</sup><br>(भ्रूद्वावी) रोदस्यौ रोदसी (च ते) | Earth and<br>sky. e                                   |
| 232. | <sup>6 f n</sup> (ज्वालाभासोर्नपुंस्य) ऽश्चिर्                     | 1 Flame.<br>2 Light.                                  |
|      | <sup>7 n</sup><br>ज्योतिर् (भद्रोतदृष्टिषु)                        | 1 A star.<br>2 Light.<br>3 Pupil of<br>the eye. f     |
|      | <sup>8 n</sup><br>(पापपराधयोर्) आगः                                | 1 Sin. 2 An<br>offence.                               |
|      | <sup>9 n</sup><br>(खगवाल्यादिनोर्) वयः                             | 1 A bird.<br>2 Age. g                                 |
| 233. | <sup>10 n</sup> (तेजः पुरीषयोर्) वर्चा                             | 1 Splendour.<br>2 Ordure, h                           |
|      | <sup>n i</sup><br>महस् (द्रुत्ववतेजसोः)                            | 1 A festival.<br>2 Light.<br>1 Quality of<br>passion. |
|      | <sup>11 n k</sup><br>रजो (गुणो स्त्रीपुच्छे च)                     | 2 Woman's<br>menses. j                                |

1—स्. 2 आशीस्. 3—सा. 4—सी. 5—स्. 6—स्.  
7—स्. 8—स्. 9—स्. 10—स्. 11—स्.

<sup>a</sup> Also 2 BRAMHA. <sup>3</sup> Intelligent, wise. <sup>b</sup> Likewise 3 Thirst, desire.  
<sup>c</sup> Also 2 Slaughter. <sup>d</sup> Likewise 2 A mother. <sup>e</sup> And 2 The earth.  
<sup>3</sup> The sky. Collectively, dual ; severally, singular. Ex. रोदः. <sup>f</sup> Also  
m. 4 The sun. 5 Fire. <sup>g</sup> Likewise 3 Youth. <sup>h</sup> Also 3 Colour. <sup>i</sup> Or  
m. वचः (च). Likewise 3 Dust. 4 Farina of flowers, pollen. <sup>k</sup> Or  
m. रजः (ज).

1 Moon's ascending node.

2 Darkness. a

1 Poetical metre.

2 Desire. b

Austerity, penance. c

1 Strength.

2 Month of *Agrahāyana*.  
d

1 The sky. e

1 A house. f

1 Milk.

2 Water.

1 Splendour.

2 Strength.

1 Organ of sense.

2 Stream of a river.

1 Dignity.

2 Splendour.

3 Strength. j

(राक्षी ध्वान्ते गुणो) तमः<sup>n</sup>

234. छन्दः (पद्ये ऽभिलाषे च)<sup>n</sup>

तपः (दृष्ट्यादिकर्मा च)<sup>n</sup>

सहो (बलं) सङ्ग (मार्गे)<sup>1 n 1 m</sup>

नभः (खं आवण्णे) नभाः<sup>2 n 2 m</sup>

235. ओकः (सङ्गात्रयञ्चौ) काः<sup>n g 3 m</sup>

पयः (क्षीरं) पयेः (ऽम्बु च)<sup>n n</sup>

ओजो (दीप्तौ बले)<sup>n h</sup>

स्रोत (इन्द्रिये निम्नगारये)<sup>4 n i</sup>

236. तेजः (प्रभावे दीप्तौ च बले शुक्ले ऽप्यु)<sup>n</sup>

(ऽतस्त्रिषु)<sup>k</sup>

1—स.

2—स.

3—ओकस.

4—स.

<sup>a</sup> And <sup>3</sup> The third quality, according to the *Sān'khya* system of philosophy : darkness or illusion, contrasted to truth and passion. <sup>4</sup> Grief. <sup>b</sup> Also <sup>3</sup> The *Vēda*. <sup>4</sup> Uncontrolled conduct. Likewise, in the second acceptance, छन्दः (न्द). <sup>c</sup> Also <sup>2</sup> Virtue, moral merit. <sup>3</sup> One of the superior worlds. m. तपाः (स). <sup>4</sup> The month of *Māgha*. <sup>5</sup> The cold season. <sup>d</sup> सङ्गः (—स) or सङ्गं (ङ्). <sup>1</sup> Strength. And m. सङ्गाः (स) or सङ्गः (ङ्). <sup>2</sup> The month of *Agrahāyana*. Also <sup>3</sup> The winter. n. <sup>4</sup> A luminary. <sup>e</sup> And m. <sup>2</sup> The month of *Srāvan'a*. <sup>3</sup> Rain. <sup>4</sup> A cloud. <sup>f</sup> And m. <sup>2</sup> An asylum. <sup>g</sup> Or ओकः. <sup>h</sup> Or ओजं. <sup>i</sup> Or स्रोतं. <sup>j</sup> And <sup>4</sup> Semen virile. <sup>k</sup> The following admit the three genders.

|           |                           |                                    |
|-----------|---------------------------|------------------------------------|
| 1 m f n   | विद्वान् (विदंश्च)        | Intelligent. a                     |
| mf n      | वीभत्सो (हिंस्त्रो ऽप्य्) | Mischievous, cruel. b              |
|           | (अतिशये त्वमी)            |                                    |
| 2 m f n c | (दृढप्रयत्नयोर्) ज्यायान् | 1 Very old.<br>2 Very excellent.   |
| 3 m f n d | कनीयास्तु (सुवाल्लयोः)    | 1 Very young.<br>2 Very small.     |
| 4 m f n c | बरीया (सूक्ष्मवरयोः)      | 1 Very great,<br>2 Very excellent. |
| 5 m f n f | साधीयान् (साधुवादयोः)     | 1 Very right,<br>2 Very firm.      |

SECTION XXVII

|   |   |
|---|---|
| 238. (इक्ष्वा ऽपि) बर्हि <sup>m n</sup>     | A leaf. g                                   |
| (निर्वन्धोपरागाक्कादयो) ग्रहाः <sup>m</sup> | 1 Seizure.<br>2 An eclipse.<br>3 A planet h |

1 विद्वस. 2 ज्यायस. ३—यस. 4—यस. 5—यस.

<sup>a</sup> Also 2 Learned. 3 Having a true knowledge of the soul. <sup>b</sup> Like wise 2 Envious. n. 3 ARJUNA. Fem. वीभत्सा. <sup>c</sup> Fem. ज्यायसी. <sup>d</sup> Fem. कनीयसी. <sup>e</sup> Fem. बरीयसी. <sup>f</sup> Fem. साधीयसी. <sup>g</sup> Or 2 Retinue. 3 A peacock's tail. <sup>h</sup> Also 4 The moon's node. 5 Seizure, captian. 6 Effort in battle 7 A class of imps.

- 1 A door.  
2 A chaplet. a (द्वार्यापीडे काथरसे) निर्यूहो (नागदन्तके)<sup>m</sup>
- 1 The string  
suspending  
a balance. b 239. (तुलासूत्रे ऽखादिरश्मौ) प्रग्राहः प्रग्रहेः (ऽपि च)<sup>m m</sup>
- 1 A wife.  
2 Family ;  
dependent. c (पत्नीपरिजनादानसूत्रयापाः) परिग्रहाः<sup>m</sup>
- A wife. d 240. (दारेष्पि) गृहाः<sup>m pl.</sup>
- A woman's  
waist. c (ओण्याभय्या) रोहेः (वरस्त्रियाः)<sup>l m</sup>
- A multitude. f व्यूहेः (वृन्दे ऽप्य)<sup>m</sup>
- The demon  
*Vritra*. g अहि (वृत्ते ऽप्य)<sup>m</sup>
- 1 Fire.  
2 The moon.  
3 The sun. h (अग्नीन्द्रकास) तमोपहाः<sup>m</sup>
- 1 Retinue.  
2 Insignia of  
Royalty i 241. (परिच्छदे वृपाहेः ऽर्थे) परिवर्त्ताः<sup>m</sup>
- (ऽव्ययाः परे)<sup>j</sup>

## I आ—.

a Or 3 A piece of wood jutting out of a wall. 4 Extracted juice.  
5 Wood placed in a wall (for doves to build nests on). b And 2 A  
rein or halter for horses, &c. 3 Prisoners. 4 Restraint. 5 An arm.  
6 A ray of light. c And 3 Acceptance. 4 Origin ; or 5 Root. 6 Oath ;  
or 7 Quarrel. Also 8 The sun near the moon's node. d And 2 A house.  
Invariably plural ; but in the 2d acceptance also neuter sing.  
e Likewise 2 Ascent as a climbing plant. 3 Rider of an elephant or  
horse. 4 Length. 5 Height. f Likewise 2 Array of troops. 3 Fabrica-  
tion. 4 Reasoning. g Also 2 A serpent. h Likewise 4 A deified saint  
or prophet. i Or 3 A thing. j The following are indeclinable.

SECTION XXVIII.

INDECLINABLES.

|   |   |
|---|---|
| <p><sup>b</sup><br/>1. आङ् (ईषदर्थे ऽभिव्याप्तौ सीमार्थे धातुयोगजे)</p>                             | <p>1 A little.<br/>2 Until. a</p>   |
| <p><sup>d</sup><br/>आ (प्रगृह्यः श्रुतौ वाक्ये ऽप्य्)</p> <p>आस् (तु स्यात्कोपपीडयोः)</p>           | <p>1 Oh (remembering), e<br/>1 Ah ! (angrily).<br/>2 Alas (sorrowfully).<br/>1 Simul.<br/>2 Bad.<br/>3 A little.<br/>1 Fy' (meaningly).<br/>2 Fy 1 (reproachfully.)</p> |
| <p>2. (पापकुल्यै षदर्थे) कु</p> <p style="text-align: center;">1<br/>धिङ् (निर्भर्त्सननिन्दयोः)</p> | <p>1 Moreover.<br/>2 And.<br/>3 Mutually.<br/>1 Also, e</p>   |
| <p><sup>2</sup><br/>चा (ऽन्वाचये समाहारे तरेतरसमुच्चये)</p> <p style="text-align: center;">3</p>    | <p>1 Well (a benediction)<br/>2 Safe f</p>  |
| <p>3. स्वत्या (श्रीः क्षेमपुण्यादौ)</p>   |   |

1 धिक्.

2 च.

3 स्वस्ति.

<sup>a</sup> Including the limit. Or <sup>3</sup> Exclusive of the bound or limit.  
<sup>4</sup> Preposition joined to verbs, and altering their sense, or giving intensity to it. <sup>b</sup> आ (for the final consonant is expunged). <sup>c</sup> And  
<sup>2</sup> But (indicating a change). <sup>3</sup> And (collective). <sup>d</sup> Unalterable in orthography even before vowels. <sup>e</sup> In the first acceptance, the particle connects a secondary with a primary object ; in the second it conjoins equal objects ; in the third it indicates reciprocation : in the fourth it connects different acts with the same subject. It has other acceptations, as <sup>5</sup> But, (indicating a converse proposition). <sup>6</sup> But (excusingly). <sup>7</sup> Forthwith. <sup>8</sup> Expletive. <sup>1</sup> And <sup>3</sup> Right. <sup>4</sup> Auspicious.



1 Very.  
2 Surpassing.

1 What? (interrogative).  
2 (Doubtingly).

1 But (indicating difference).

2 Indeed, a

1 Together.

2 Once, b

1 Far.

2 Near.

1 Westward.

2 Behind.

1 Also.

2 What? c

1 Again, often.

2 Always, d

1 In presence, before.

2 As, like.

1 Also !

(Sorrow).

2 (Compassion). f

1 Oh (joy).

2 (Pity).

3 (Inceptive).

4 Alas ! g

1 Instead.

2 Each, respectively.

3 Towards, b

(प्रकर्षे लंघने ऽप्य) ऽति

स्वित् (प्रश्ने च वितर्कं च)

तु (स्याद्भेदे ऽवधारणे)

4. सकृत् (सहैकवारं स्याद्)

1

आराद् (दूरसमीपयोः)

2

(प्रतीच्यां चरमे) पश्चाद्

3

उता (प्यर्थविकल्पयोः)

5. (पुनः सदाथयोः) शश्वत्

साक्षात् (प्रत्यक्षतुल्ययोः)

(खेदानुकम्पासन्तोषविस्मयामन्त्रणे) वत

6. हन्त (हर्षे ऽनुकम्पायां वाक्यारम्भविषादयोः)

प्रति (प्रतिनिधौ वीमालक्षणादौ प्रयोगतः)

1—त्.

2—त्.

3 उत or चत्.

<sup>a</sup> Also 3 And. 4 Again. 5 Expletive. <sup>b</sup> Likewise. 3 Always.  
<sup>c</sup> Interrogatively. 3 What! doubtfully. 4 Either, or 5 Expletive.  
<sup>d</sup> Or 3 Together. 4 Perpetually. <sup>e</sup> Or शश्वत्. <sup>f</sup> And 3 Indicating joy. 4 Indicating surprise. 5 Oh! (vocative). <sup>g</sup> Also 5 Certainly; indeed. 6 Gift. Ex. हन्तकारः, generous. <sup>h</sup> Likewise 4 For. 5 Belonging to (as a portion). 6 In exchange. 7 A little.

7. इति (हेतुप्रकरणप्रकर्षादिसमाप्तिषु) <sup>1</sup> Therefore. <sup>2</sup> Thus. a
- b
- (प्राच्यां) पुरस्तात् (प्रथमे पुरार्थे) अत इत्यपि) <sup>1</sup> Eastward. <sup>2</sup> Prior, first. <sup>3</sup> Formerly. <sup>4</sup> In front.
- 1
8. यावत् तावत् (च साकल्ये ऽवधौ मान्ने ऽवधारणे) <sup>1</sup> As much as (the whole). <sup>2</sup> Until. c
- (मङ्गलानन्तराभ्यप्रश्नकात्क्षेत्रेषु) ऽथो अथ <sup>1</sup> Auspicious particle. <sup>2</sup> After. d
9. वृथा (निरर्थकाविध्योर्) <sup>1</sup> In vain. <sup>2</sup> Wrong.
- नाना (नेकेभ्यार्थयोः) <sup>1</sup> Many. <sup>2</sup> Both. e
- सु (पृच्छायां विकल्पे च) <sup>1</sup> What ? (interrogative). <sup>2</sup> Or. f
- (पश्चात्प्रादृश्ययोर्) अनु <sup>1</sup> After. <sup>2</sup> Like. g
10. (प्रश्नावधारणानुज्ञा ऽनुनयामन्तरेण) ननु <sup>1</sup> Interrogative particle. <sup>2</sup> h

1—वृ.

<sup>a</sup> Indicating a sort or set. <sup>3</sup> So : well known as such. <sup>4</sup> Etcetera. <sup>5</sup> Even so : exactly thus. <sup>6</sup> Indicating the preceding sound to be meant. <sup>7</sup> Indicating the sense to be intended. <sup>8</sup> So ; of this opinion. <sup>9</sup> Finis : marking a close. <sup>10</sup> So ; of this form. <sup>o</sup> Or पुरः (स). <sup>e</sup> And <sup>3</sup> As many as (number). <sup>4</sup> As many as there are. <sup>5</sup> So much (affirmative). <sup>d</sup> And <sup>3</sup> Now (inceptive). <sup>4</sup> What ? (interrogatively). <sup>5</sup> All (comprehensively). <sup>6</sup> Now (premissing). <sup>7</sup> Imperative particle. <sup>8</sup> And. <sup>e</sup> Also <sup>3</sup> Without, except. <sup>f</sup> Likewise <sup>3</sup> An indication of doubt. <sup>g</sup> Also <sup>3</sup> Along. <sup>4</sup> Under, inferior to. <sup>5</sup> With. <sup>6</sup> Near. <sup>7</sup> Towards. <sup>8</sup> In regard to. <sup>9</sup> A share. <sup>10</sup> Severally, respectively. <sup>h</sup> And <sup>2</sup> Certainly. <sup>3</sup> Indicating assent. <sup>4</sup> A consolatory and kind expression. <sup>5</sup> Vocative particle. <sup>6</sup> A conciliatory vocative particle. <sup>†</sup> Inceptive, <sup>8</sup> Reproachful, <sup>9</sup> Responsive.

1 Reprehensive particle.

1 As, like.  
2 Or, either.

1 Half.  
2 Doubtably.

1 With, together.  
2 Near.

1 Water.  
2 Head, d

1 Like, as.  
2 Thus, e

1 Perhaps.  
2 Certainly, f

1 Silently.  
2 At ease.

1 What ? (interrogative).  
Bad ; ill. g

1 Evidently.  
2 Possibly. h  
1 Ornament.  
2 Enough.  
3 Able. i

(गर्हीसमुच्चयप्रश्नशङ्कासम्भावनास्व) ऽपि

11. (उपमायां विकल्पे) वा

सामि (तुङ्गे जुगुप्सने)

अमा (सह समीपे च)

कम् (वारिणी च मूर्च्छि च)

12. (द्वयमर्थयोर) एवं

नूनं (तर्के ऽर्थनिश्चये)

(तृष्णीमर्थे सुखे जेषं)

(किम् पृच्छायां जुगुप्सने)

13. नाम (प्रकाश्यसम्भाव्यक्रोधोपगमकुत्सने)

अलम् (भ्रूषणपर्याप्तिशक्तिवारणवाचकम्)

<sup>a</sup> And 3 Interrogative particle. 4 Earnest inquiry. 5 Doubt, or suspicion. 6 Possibility and likelihood. 7 Pursuit or seeking. 8 Corroborative of an affirmation. 9 Even. 10 Although. <sup>b</sup> Likewise 3 And. 4 Expletive. 5 Only ; no other. 6 Indication of doubt and consideration. <sup>c</sup> More properly वा. <sup>d</sup> Also 3 Ill ; bad. 4 Ease, pleasure. 5 Expletive. <sup>e</sup> Also 3 Indicative of consent. 4 Certainly. 5 Command. <sup>f</sup> Likewise 3 Indicating recollection. 4 Expletive. <sup>g</sup> Also 3 Indicating doubt or consideration. 4 Prohibition. <sup>h</sup> Or 3 Indicating recollection. 4 Wrath. 5 Indignant consent. 6 Reproach. 7 Pretence. 8 Surprise. <sup>i</sup> And 4 Prohibition. Also 5 Uselessness.

14. ङम् (वितर्कं परिप्रञ्चे)  
 समयः (ऽन्तिकमध्ययोः)  
 पुनर् (अप्रथमे भेदे)  
 निर् (निश्चयनिषेधयोः)
15. (स्यात्प्रबन्धे चिरातीति निकटागामिके) पुरा  
 1 2 d 3  
 ऊर्ध्वरी (चो) ररी (च विस्तारे ऽङ्गीकृतौ तयम्) 1 Expansion, 2 Assent.
16. (स्वर्गे परे च लोके) स्वर्  
 (वार्त्तासम्भाव्ययोः) किल  
 (निषेधवाक्यालङ्कारजिज्ञासानुनये) खलु  
 1 Heaven, 2 The next world, c  
 1 News so reported, 2 Probably, f  
 1 Prohibition, 2 Ex- plective, g
17. (समीपोभयतः शीघ्रसाकल्याभिमुखे) ऽभितः  
 4  
 (नामप्रकाशयोः) प्रादुर्  
 5  
 मिथे (ऽन्ये ऽन्यं रहस्यपि) 1 Mutually, 2 In private.
18. तिरो (ऽन्तर्द्वैतिर्यगर्थे)  
 7  
 1 Conceal- ment, 2 Awry, h

1 ऊररी. 2 ऊरी. 3 उररी. 4 तस्. 5 स्.  
 6 मिथस्. 7 तिरस्.

<sup>a</sup> And 2 Interrogative particle. 3 Yes. 4 Indicating fear. 5 Wrath  
<sup>c</sup> Aversion, dislike. 7 Reapproach. <sup>b</sup> Also 3 Indicating change of subject.  
<sup>e</sup> Or 4 Long since past. 5 Near. 6 Future. Or 7 Proximate future.  
<sup>d</sup> Or उररी. Also उररी. <sup>e</sup> Also the sky or atmosphere. <sup>f</sup> Likewise  
 3 Conciliatory expression. 4 Indeed. 5 Falsely indicating displeasure.  
<sup>g</sup> And 3 Indicating inquiry. 4 A conciliatory expression. 5 Indeed, certainly. <sup>h</sup> Also 3 Contempt, disregard.

1 Alas ! (sorrow).  
 2 (Regret).  
 1 Indication of wonder.  
 2 Of pain or fatigue.  
 1 Cause, for. 2 Indeed, a

हा (विषादशुगर्तिषु)

1

अहह (त्यङ्गते खेदे)

हि (हेतावधारणे)

CHAPTER V.

|                               |  |      |                    |  |
|-------------------------------|--|------|--------------------|--|
|                               | i b  | i    | 2 i                |  |
| Long time.                    | 1. चिराय चिररात्राय चिरस्या (द्या चिरार्थकाः)          |      |                    |  |
| Again and again ; frequently. | 3 i  | 4 i  | 5 i 6 i c 7 i      |  |
|                               | मुहुः पुनः पुनः शश्वद्भीक्ष्णमसक्तत् (समाः)            |      |                    |  |
| Soon ; instantly.             | 8 i  | 9 i  | 10 i i i 11 i id   |  |
|                               | 2. खाग्भटित्यञ्जसा ऽक्राय सपदि द्राङ्मंत्तु (च द्रुते) |      |                    |  |
|                               | i  | i    | 12 i 13 i 14 i     |  |
| Much ; very.                  | बलवत् सुष्ठु किमुत स्व ऽत्यतीव (च निर्भरे)             |      |                    |  |
|                               | 15 i   | 16 i | i c 17 i 18 i 19 i |  |
| Without ; except.             | 3. प्रथग्विना ऽन्तरेणर्त्ते हिरुङ्गाना (च वर्जने)      |      |                    |  |

|             |         |         |          |        |
|-------------|---------|---------|----------|--------|
| 1—ह or —हा. | 2—स्य.  | 3—स्.   | 4—र्.    | 5—त्.  |
| 6 अ—.       | 7 अ—.   | 8—क्.   | 9—त्ति.  | 10 अ—. |
| 11—क्.      | 12 सु.  | 13 अति. | 14 अ—.   | 15—क   |
| 16 विना.    | 17 कते. | 18—क्.  | 19 नाना. |        |

<sup>a</sup> Likewise 3 Interrogative. 4 Expletive. 5 Indicating difference.  
<sup>b</sup> Also चिरं, चिरेण, चिरात्, चिरे. <sup>c</sup> This term is also declinable. <sup>d</sup> One adds, but erroneously, संक्. <sup>e</sup> Also अन्तरा.

|    |                                       |  |                               |
|----|---------------------------------------|--|-------------------------------|
|    | <sup>i i i i</sup>                    |  |                               |
|    | यत्तद्यत्तस्ततो (हेताव्)              | Because ;<br>therefore a                       |                               |
|    |                                       |  | <sup>1, 2, 1</sup>            |
|    | (असाकल्ये तु) चिच्चन                  | Same, b  |                               |
|    | <sup>3 i</sup>                        |  |                               |
| 4. | कदाचिज्जातु                           | Sometimes                                      |                               |
|    |                                       |  | <sup>i e i i d</sup>          |
|    | साङ्गं (तु) साकं सत्वा समं सह         | Together<br>with                               |                               |
|    |                                       |  | <sup>i</sup>                  |
|    | (आनुकूल्यार्थकं) प्राध्वं             | Conformity                                     |                               |
|    |                                       |  | <sup>i e</sup>                |
|    | (व्यर्थके तु) वृथा मुधा               | In vain.                                       |                               |
|    | <sup>2 f</sup>                        |  | <sup>i</sup>                  |
| 5. | आहो उताहो किमुत (विकल्पे) किं किमुत च | Either, or (in-<br>dicating de-<br>liberation) | <sup>5 i 6 i</sup>            |
|    |                                       |  | <sup>i i i i i i</sup>        |
|    | तु हि च स्र ह वै (पादपूरणे)           | Expletives                                     |                               |
|    |                                       |  | <sup>7, 8, 1</sup>            |
|    | (पूजने) स्वति                         | Particles of<br>praise and<br>reverence        |                               |
| 6. | दिवा (ङ्गीत्य)                        | By day c                                       |                               |
|    |                                       |  | <sup>i</sup>                  |
|    | (ऽथ) दोषा (च) नक्तं (च रजनाविति)      | By night                                       |                               |
|    | <sup>i h</sup>                        |  | <sup>9 i</sup>                |
|    | (तिर्य्यगर्थे) साचि तिरो (ऽप्य)       | Crooked,<br>bent ; awry                        |                               |
|    |                                       | Vocative<br>particles.                         |                               |
|    |                                       |  | <sup>(ऽथसम्बोधनार्थकाः)</sup> |

1—त्. 2 च—. 3—त्. 4 आ—. 5 किम्.  
6 उत. 7 तु. 8 अति. 9 तिरस्.

<sup>a</sup> Correlatives ; यत्, यतः or येन, because, तत्, ततः, तेन, therefore.  
<sup>b</sup> In composition with the pronoun किम् and its derivatives. Ex. किञ्चित्, something ; कश्चन, somebody ; a certain person. <sup>c</sup> One com-  
mentator adds साकं ; but erroneously. <sup>d</sup> Also सङ्गः (—सङ्ग). <sup>e</sup> Some  
read स्रवा. <sup>f</sup> Or अहो. Also आहोस्वित् and उताहोस्वित्. <sup>g</sup> Likewise  
the day, generally. <sup>h</sup> This term is also declinable and is fem.

7. सुः) प्याट् पाडङ्ग है हे भोः

1 Near.  
2 Midst. a

समया निकषा हिक्

Inco siderately, suddenly.

(अतर्किते तु) सहसा

Before, in front.

(स्यात्) पुरः पुरतो ऽग्रतः

Oblations to the gods or manes. b

8. स्वाहा (देवहविर्दाने) औषड् वौषड् वषट् स्वधा

A little.

किञ्चिदीषन्धनाग् (अल्पे)

In the next life.

प्रेत्या ऽमुत्र (भवान्तरे)

As, like.

9. वद्वा यथातथे वैवं (साम्ये)

Ah ! (indicating surprise).

ऽहो ही (च विस्मये)

Silently.

(मौने तु) द्वर्षीं द्वर्षीकां

Instantly.

सद्यस् सपदि (तत्क्षणे)

Indication of joy.

10. दिष्टप्रायसुपजोषं (चेत्पानन्दे)

Between ; amidst.

(ऽथा) ऽन्तरे ऽन्तरा

1 पाट्. 2 अङ्ग. 3—ए. 4—ट्. 5—त्. 6 इवत्.  
7—क्. 8—त्स. 9 वा. 10 तथा. 11 इव. 12 एव. 13 घ.

<sup>a</sup> The terms are synonymous in both acceptations. <sup>b</sup> The terms are used as invocations with such offerings : the first peculiar to an oblation presented to a god ; the last to one offered to the manes. Ex. इन्द्राय स्वाहा, this oblation to INDRA. पितृभ्यः स्वधा, this oblation to the manes. <sup>c</sup> In a different acceptation this term is declinable and fem. B. II. Ch. 7. v. 21. <sup>d</sup> वत्. One commentator reads च. <sup>e</sup> Also एव. <sup>f</sup> Also सद्यसुपजोषं. Some read सपधोषं.

अन्तरेण (च मध्ये स्युः)

प्रसक्त्य (तु हठार्थकम्) Forebly,  
violently.

11. (युक्ते द्वे) साम्प्रतस्थाने Properly.

ऽभीक्ष्णं शश्वद् (अनारते) Continually,  
perpetually

(अभावे) नक्ष्यनोना (ऽपि) No, not

मास्व मा ऽलं (च वारणे) Negative and  
prohibitive.

12. (पदान्तरं) चेद्यदि (च) It

(तत्वेत्) ऽद्वा ऽञ्जसा (द्वयम्) Truly.

(प्राकाशे) प्रादुराविः (स्याद्) Apparent.

ओमेवं परमं (मते) Yes.

13. समन्ततस् (तु) परितः सर्व्वताविषुग् (द्वत्यपि) Every way,  
all around.

(अकामानुमतौ) कामम् Willingly. d

(अस्त्रयोपगमे) ऽस्तु (च) Be it so. e

1—तु. 2 नक्षि. 3 अ. 4 न, or ता. 5 चेतु. 6 यदि.  
7—स्. 8 आविस्. 9—स्. 10 एवं. 11 क. (च.)

<sup>a</sup> नो or अनो Also अग. <sup>b</sup> Likewise अं. <sup>c</sup> Also विश्वतः, समन्तात्, &c.  
<sup>d</sup> Implying previous disinclination, but ultimate acquiescence.  
Also, according to a different reading, 2 Willing compliance; and  
(synonymous with the next.) 3 Acquiescing with reluctance <sup>e</sup> Im-  
plying regret in the acknowledgment or acquiescence.



|  |   |                            |
|--|---|----------------------------|
| Indicating contradiction.  | 14. ननु च (स्याद्दिरोधोक्तौ)                | कञ्चित् (कामप्रवेदने)      |
| Introductory of a kind question. b Improperly; unseasonably. As thereto appertaining | निःषमन्तुः षमं (गर्हो)                      | यथास्वं (तु) यथायथम्       |
| Falsely.   | 15 ऋषा मिथ्या (च वितथे)                     | यथार्थं (तु) यथायथम्       |
| Properly, suitably   | (स्युर्) एवं तु पुनर्वै व (त्यवधारणावाचकाः) |                            |
| Indeed   | 16 प्राग् (अतीतार्थकं)                      | नूनमवश्यं (निश्चये द्वयम्) |
| Before, anterior   | सम्बद् (वर्षे)                              |                            |
| Certainly, necessarily.  |   |                            |
| A year.  |   |                            |
| Former, prior  | (ऽवरे त्व) ऽर्वाग्                          |                            |
| Assent, consent, promise   |   | आमेवं                      |
| Self, of himself.  |   | स्वयम् (आत्मना)            |
| Little, low  | 17. (अल्पे) नीचैः                           |                            |
| Great, high, load.   | (महत्सु) चैः                                |                            |
| Frequently, generally  |   | प्रायो (भूमि)              |
| Slowly   |   | (अद्भुते) शनै              |

1—र. 2 वै. 3 वा. 4—क. (च). 5 अ—. 6—द.  
7—क. (च). 8 आं. 9 एवं. 10—स. 11 लञ्चैस.. 12—स.  
<sup>a</sup> Or ननु <sup>b</sup> Wishing that it may be so. <sup>c</sup> Or, according to another reading, एव and च.

|  |  |   |
|--|--|---|
| <sup>२३</sup><br>सना (नित्ये)          |  | Perpetually,<br>ever.                               |
| <sup>१</sup><br>बहिर् (बाह्ये)         |  | External ;<br>out.                                  |
| <sup>२</sup><br>स्मा (ऽतीते)           |  | Formerly. b   |
| <sup>१</sup><br>ऽस्मि (अदृश्ये)        |  | Disappear-<br>ance                                  |
| १८ अस्ति (सत्त्वे)                     |  | Present ;<br>now, be<br>ing                         |
| (रुषीक्ताव्) जम्                       |  | Interjection,<br>expressive<br>of wrath.            |
| <sup>१</sup><br>उं (प्रश्ने)           |  | Interroga-<br>tive particle.                        |
| <sup>२</sup><br>(ऽनुनयेत्) ऽयि         |  | Encouraging<br>vocative.                            |
| <sup>२१</sup><br>हं (तन्ने स्यात्)     |  | Particle in-<br>dicating re-<br>flection.           |
| <sup>१८</sup><br>उषा (रात्रेरवसाने)    |  | Close of the<br>night ; morn-<br>ing, break of day. |
| <sup>३</sup><br>नमो (नतौ)              |  | Hail ! salu-<br>tation, bow.                        |
| १९ (पुनरर्थे) ऽङ्ग                     |  | Again. f  |
| (निन्दायां) दुष्ट                      |  | Ill.  |
| <sup>४</sup><br>सायं (साये)            |  | Well.   |
| <sup>५</sup><br>प्रगे प्रातः (प्रभाते) |  | Evening,<br>close of the<br>day.                    |
| <sup>६</sup><br>निकाषा (ऽन्तिके)       |  | Morning.  |
|  |  | Near.   |

१—स्. २ क्. ३—स्. ४—स्. ५—र्.  
<sup>a</sup> Also सनात्. and सनत्. <sup>b</sup> This particle, indicating past time,  
inverts the present tense into the preterite. <sup>c</sup> Some say, indicating  
ger also. <sup>d</sup> Also ऊं. Some read नु. <sup>e</sup> Likewise उषः (स्). <sup>f</sup> Im-  
plying, however, a difference : “the rather.”

|   |   |
|---|---|
| Last year; penult, and present years. a | 20. <sup>i</sup> परत्परार्यैषमो <sup>i</sup> (ऽद्धे <sup>i</sup> पूर्व <sup>i</sup> पूर्वतर <sup>i</sup> यति) |
| To-day.                                 | अद्या (ऽत्ताङ्ग)  |
| A former day, &c. b                     | (ऽथ पूर्व <sup>i</sup> ऽङ्गीत्यादौ पूर्वोत्तरापरात्   |
|   | 21. तथा ऽधरा ऽन्या ऽन्यतर <sup>i</sup> तरात्पूर्व <sup>i</sup> द्युर् (आदयः)                                  |
| Both days. c                            | <sup>2 i</sup> उभयद्यु (द्यौ) भयेद्युः <sup>3 i</sup>   |
| Next day.                               | (परे त्पङ्क्ति) परेद्यवि  |
| Yesterday.                              | 22. <sup>4 i</sup> द्यौ (गत <sup>i</sup> )  |
| To-morrow.                              | (ऽनागत <sup>5 i</sup> ऽङ्क्ति) श्वः   |
| The day after to-morrow.                | <sup>i d</sup> परश्वस् (तत्परे ऽहनि)  |
| Then, at that time.                     | <sup>i</sup> तदा तदानीं <sup>i</sup>  |
| At once; at the same time.              | <sup>6 i</sup> युगपद् <sup>7 i</sup> कदा  |
| Always; at all times.                   | <sup>8</sup> सर्वदा सदा   |

1 अद्या. 2 उ-स. 3-स. 4-स. 5-स. 6-त्  
7-ए.

<sup>a</sup> परत्, last year ; परारि, year before the last ; ऐषमः (स), current year. <sup>b</sup> पूर्वद्युः, a former day ; yesterday. उत्तरेद्युः, a subsequent day ; to-morrow. अपरेद्युः, another day ; the day after to-morrow. अधरेद्युः, a past day ; the day before yesterday. अन्येद्युः, another day. अन्यतरद्युः, either day ; one of two days. इतरेद्युः, a different day. <sup>c</sup> The past day and the day to come. <sup>d</sup> परश्वः or परःश्वः (—स).

23. एतर्हि सम्प्रतीदानीमधुना सम्प्रतं (तथा) Now; at this time.  
 (दिग्देशकाले पूर्वादी) प्राग्दक्प्रत्यग् (आदयः) East, North, West, &c. a

## CHAPTER VI.

## SECTION I.

1. सलिङ्गशास्त्रेः सन्नादिलक्षत्तद्धितसमासजैः  
 अनुक्तैः संग्रहे लिङ्गं सङ्कीर्णवदिहोन्मयेत्

1—ति. इ—म्. 2 क्— 3—क् (क्). 4 उ—क्.  
 5—क् (क्).

<sup>a</sup> प्राक् (क्) the east ; from or in the east : or eastern ( country ).  
 or prior time. उदक् (क्), North ; northern, or subsequent. प्रत्यक् (क्)  
 West, western, or subsequent. Besides other terms, as अत्ताक्  
 (क्) South : Southern or former. दक्षिणात्—णात्—येन, Southward.  
 उत्तरात्—रतः—रेण, Northward. अधरात्—रतः—रेण—स्तात्, underneath.  
 परस्तात्, before. उपरि उपरिस्तात्, above. अधस्तात्, behind.

The following are feminine, viz. Monosyllables in **ई** or **ऊ**, a

2. लिङ्ग शेषविधिव्यापी विशेषैर्यद्युवाधितः

स्त्रियानीदृद्विरामैकाच्

Names of female beings, b

सयोनिप्राणिनाम च

Terms signifying lighting, c

3. नाम विद्युन्निशावल्लीवीणादिग्भ्रनदीङ्घ्रियां

A compound in **ञ्** with a numeral, d

अदन्तेद्विगुरेकार्थी न च पातयुगादिभिः

A no in ending in the allixes तल्. &c.

4. तल्लन्दे ये निकष्यत्वा वैरमैथुनकादिवुन्

<sup>a</sup> Example, श्रीः, prosperity. भ्रः, eyebrow. <sup>b</sup> Except कलत्रं and षट्ङ्, neut. and दाराः masc. pl. signifying a wife. <sup>c</sup> Viz. lightning : night ; any creeping plant ; a lute ; (some read वाणी, speech ; ) space, quarter ; earth ; river ; modesty (some read धी intellect). <sup>d</sup> Provided the sense be singular (Ex. त्रिलोकी, the aggregate of three worlds ; ) except such compound term, formed with the words पातं, यगः. &c. (Ex. चतुर्थ्यगं, Total of four ages). <sup>e</sup> Viz. तल्, which imports state of being, and multitude, or is pleonastic, (Ex. देवता, God, deity): य, इति, कश्चिच् and त्व signifying multitude, as पाश्या assemblage of chains or bonds ; पद्मिनी, a pond (abounding in lotuses) ; रथकक्षा, a crowd of carriages ; गोत्रा, a herd of kine : वुन्, (or वु with उण् or वृज्, all convertible into अक, and finally into इका) ; signifying enmity, nuptial union, &c. (including the distributive import, and gift and amercement). Ex. काकोलूकिका, enmity of crows and owls.

स्त्रीभावादावनिक्तिन्गुन्गचक्षुषोयुजिजङ्ग्यशाः<sup>Or in अनि,  
&c a</sup>

५. उगादिषुनिहरीश्च

Or in certain  
uñādi affixes  
b

उग्रावृत्तं चरं स्थिरम्

Or in a femi-  
nine termina-  
tion. c

तत्क्रीडायां प्रहरणं चेन्मौष्टा पाशुवा गदिक्

Or in ग,  
&c d

<sup>a</sup> Nouns ending in these eleven affixes, which import the state of being, &c. are feminine : viz. अनि, signifying an imprecation. क्तिन् (नि) for the abstract sense (Ex स्मृतिः, recollection) : खन् (convertible into इका) denominating a disease ; or implying the import of the verb (as जीविका, livelihood) ; also खच् ; गच् (आ ई) implying reciprocity ; as व्यावक्रोधी, mutual imprecation : क्यप् (या) conveying the abstract sense ; as ब्रह्महत्या, sacrilege : युच् (अना) with the abstract sense ; as मण्डना, decoration : इज् (इ) indicating question and reply : अङ् (आ आ) for the abstract sense ; Ex. पचा, cookery : नि with the abstract import ; Ex. ग्लानिः, fatigue : अ also in the abstract sense ; as चिकीर्षा, desire to act : (but some omit this affix ; others interpose it after क्यप्, others transpose some of the latter affixes) श (आ आ) with the same abstract import : Ex. क्रिया, action. <sup>b</sup> Viz नि ; as शोणिः, a string or row. Some read अनिः ; as अवनिः, the earth ; ज as चभू, an army. ई as लक्ष्मी, prosperity. <sup>c</sup> Terminated by an affix denoting the feminine gender (ङी, आप् or आङ्) whether the noun signify any thing locomotive or fixed, or whether it vary the gender, or be restricted to the feminine. <sup>d</sup> Indicating play in which the thing is used as a weapon. Ex. मौष्टा, boxing, playing at fifty cuff.

Or in **अ** fol-  
lowing **अज्**  
a

6. घञोऽः साक्रियास्यां चेद्दाराण्डपाता हि फालगुनी

श्यैनम्पाता हि चगया तैलम्पाता स्वधेति दिक्

Diminutives. b

7. स्त्रीस्यात्काचिन्मृषाल्यादिर्विबद्धा ऽपचये यदि

And the par-  
ticular nouns  
here enamer-  
ated. b

c d e f g I h  
लङ्का शेफालिका टीका धातकी पञ्चिकाडकी

i j k l 2 m n  
8. सिध्रका सारिका हिका प्राचिकोल्का पिपीलिक

o p q r s 3 t  
तिन्दुकी कणिका मङ्गिः सुरङ्गा सूचि मादयः

u v 4 w x y z aa  
9. पिच्छावितरङ्गाकाकिण्वश्चरिणः शायी दृषी दरत्

1 आ—.

2 उ—.

3 नाडि.

4 शी 01 नी.

a And implying, that such act takes place at such time or in such circumstance. Ex. श्यैनपाताचगया. b Formed by giving the feminine termination to a masculine noun : as लङ्गाली, a small fibre of a water lily. c The city of the name. d Nyctanthes arbortristis. e A commentary : annotations. f Griselea tomentosa. g I A perpetual commentary. 2 A book of accounts ; a journal. 3 A calendar or almanac. h Cytisus Cajan. i The plant. j A sort of bird : Turdus Salca. Buch. MS. k Hiccough. l A sort of bird : others say, a gadfly. m A firebrand. n An art. o Diospyros melanoxyton. p I An atom. 2 A spark. q 1 Fracture. 2 Deception. 3 Wave. 4 Irony. r A winding hole in the ground, a mine ; an opening by sap, such as house-breakers make. s A needle. t The gem of leaves : young leaves undisplayed. u Gum of the Bombax heptaphyllum. 2 Seam of boiled rice, &c. v Criticising. w The quarter of a pana ; some say of a máshá. x चूर्णः or चूर्णः, selection of an unanswerable argument. y 1 A grindstone, 2 A curtain made of rushy Crotalaria. z A centipede. aa A tribe of barbarians.

|     |        |            |         |       |                  |
|-----|--------|------------|---------|-------|------------------|
|     | a      | b          | l c     | d     | e                |
|     | साति   | कन्धा(तथा) | सन्दी   | नाभी  | राजसभा(ऽपि च)    |
|     | f      | g          | h       | i     | j                |
| 10. | भल्लरी | चर्चरी     | पारी    | होरा  | लट्टा (च) सिधाला |
|     | l      | m          | n       | o     | p                |
|     | लाक्षा | खिन्ना (च) | गण्डूषा | मधुसू | चमसी मसी         |

## १ अ—

\* Extreme pain. 2 Destruction. <sup>b</sup> A rug : a quilt of rags. <sup>c</sup> A small bed or couch ; a chair, or stool. <sup>d</sup> नाभी or नाभिः, the navel. It is also masculine. <sup>e</sup> The royal court. <sup>f</sup> Cymbals. <sup>g</sup> Rejoicing : celebration by song, &c. According to another reading ककेटी, a small jar. <sup>h</sup> A drinking vessel ; a cup or goblet. According to another reading, वारी, 1 A vessel for milking. 2 A rope for binding an elephant. <sup>i</sup> 1 Rising of a zodiacal sign. 2 Half a sign. 3 A sign of the zodiac. 4 Astrology. <sup>j</sup> 1 Name of a plant. 2 Name of a bird. 3 Lock of hair on the forehead. 4— on the side of the face. <sup>k</sup> 1 Blotch of the skin. 2 Sort of leprosy. <sup>l</sup> Lac. <sup>m</sup> Nit, egg of a louse. <sup>n</sup> A mouthful of water to rinse the mouth. <sup>o</sup> Gout or rheumatism affecting the thigh. <sup>p</sup> 1 A small ladle or spoon. 2 Lentils ground to meal. <sup>q</sup> Ink. Also masc. मसिः.



## SECTION II

The following are masculine viz. Nouns signifying gods, &c. a

11. पुंस्त्वे सभेदानुचराः सपर्यायाः सुरासुराः

स्वर्गयागाद्रिमेघाब्धिद्रुकालासिधरारयः

12. करगण्डौष्ठदोर्दण्ड कण्ठकेशनखसनाः

Terms ending in अङ्ग  
or अङ्ग. b  
Names of  
poisons c

अङ्गाहान्ताः

क्षौडभेदा

Compound  
terms in  
रात्रि. d

रात्रान्ताः प्रागसंख्यकाः

<sup>a</sup> Viz. Gods of various orders with their attendants (under some exceptions). Demons with their attendants (under some exceptions). Likewise the following (under certain exceptions), viz. heaven, and particular heavens ; sacrifice, and its varieties ; a mountain, and particular mountains ; a cloud, or particular descriptions of clouds ; a sea, and particular seas ; a tree, and particular species ; time, and the measures of time ; a sword, and sorts of swords ; an arrow, and varieties of arrows ; an enemy, and descriptions of enemies. Also, Revenue or tax. A ray of light. A hand. A cheek. A lip. An arm. A tooth. The throat. Hair. A nail. A pap. [ The exceptions are stated in their places. ] <sup>b</sup> As पूर्वाङ्गः, forenoon. द्वयः, a couple of days. <sup>c</sup> With certain exceptions. <sup>d</sup> As वर्षारात्रिः, a rainy night. Except in compound position with a numeral. Ex. पञ्चरात्रं.

|  |  |  |
|--|--|--|
| b  |  |  |
| 3. श्रीषेडाद्याश्च निर्यासाः                       |  | Resins and gums. a                       |
| असन्नन्ता अवाधिताः                                 |  | Nouns in अस or अन्. c                    |
| कशेरु जतुवस्तूनि हित्वा तुरुविरामकाः               |  | Nouns in तु or रु. d                     |
| 4. क घ ण भ मरुोपान्ता यद्यदन्ताः अमी अथ            |  | In अ with a penult, &c. e                |
| प थ न य स टोपान्ताः                                |  | Or with a penult प, &c. f                |
| गोत्राख्याः  |  | Names of families. g                     |
| चरणाह्वयाः   |  | Names of portions of the <i>Veda</i> . h |
| 15. नाम्नप्रकर्त्तरि भावे च घञ ज प न ङ् ण घायुच्चः |  | Nouns in घञ, &c. h                       |

<sup>a</sup> Or other exudations of trees ; and any vegetable extracts. According to another reading श्रीषिटः. <sup>c</sup> With many exceptions, one erroneously read अस or अस्. <sup>d</sup> Except कशेरु, root of *Scirpus taxinus*? which is neuter and masc. (some say fem.); जतु, lac; स्तु, a thing : both neuter : besides other exceptions. <sup>e</sup> Viz. क, घ, ङ, भ, ञ, र. <sup>f</sup> Viz. प, थ, न, य, स, टः. Some understand this not to be limited to a final अ, but the better opinion so restricts it. Even with that restriction, the rule admits numerous exceptions. <sup>g</sup> Denominated from a patriarch. <sup>h</sup> Viz. Nouns denominative, terminated by the affixes घञ्, अच्, अप्, (all convertible into अ,) नङ् (न), ण, घ, both convertible into अ,) and अद्युच् (अद्यु), with the abstract sense, or denoting the import of any case except the agent ; or even this import, if the noun be not denominative. The rule admits exceptions.

In ल्यु, &c.  
a

ल्युः कर्त्तरीमनिज्भावे को षोः किः प्रादितोऽन्यतः

The com-  
pound term  
अश्ववडव. b

16. हन्वे ऽश्ववडवावश्ववडवा न समाह्वते

कान्त in  
co nposition  
c

कान्तः सूर्येन्दुपर्याय पूर्वा ऽयः पूर्वकेऽपि च  
d e f g

The nouns  
here enu-  
merated.

17. वटकः (श्वा) ऽनुवाक (श्च) रल्लक (श्च) कुटुङ्गकः  
h i j k l m n

पुङ्गेऽन्यङ्गः समुङ्ग (श्च) विटपट्टघटाः खटः

<sup>a</sup> Viz. Terminated in ल्यु (convertible into ल्यन्) with the active import; in इमनिष् (इमन्) with the abstract sense (some say the passive als); in क (convertible into क्), with the abstract sense; and in कि (इ) affixed to the verbs termed वृ (viz. दा, &c) with a preposition or noun prefixed. <sup>b</sup> Du. अश्ववडवौ, a horse and mare. pl. अश्ववडवाः, horses and mares; but अश्ववडव, a stud of horses and mares. <sup>c</sup> With names of the sun and moon, or with the word अयस्. Ex. सूर्यकान्तः, a crystal lens. <sup>d</sup> Pulse ground and fried with oil and butter. <sup>e</sup> A hymn in the *védas*. <sup>f</sup> 1 Sort of deer. 2 Eyelid. <sup>g</sup> Or कुटुङ्गकः. 1 An arbour formed by creeping plants overrunning a tree. 2 A root or thatch. 3 A house or hut. <sup>h</sup> Feathered part of an arrow. <sup>i</sup> Oh न्युङ्गः. 1 Sixfold repetition of the trilateral name of God. 2 The *Sámarvéda*. 3 Pleasing. <sup>j</sup> A box with a cover or lid. <sup>k</sup> A sodomite. <sup>l</sup> 1 Cloth. 2 Wove silk. 3 A royal patent. 4 A stone for grinding with a mullar. <sup>m</sup> A balance. <sup>n</sup> 1 Grass. 2 A blind well.

18. कोट्टारघट्टहट्टा (ञ्च) पिण्डगोण्डच्चिपिण्ड (वत्)

गडुः करण्डोलगुडोवरण्ड (ञ्च) क्रिणोषुणः

19. इति सीमन्त हरितोरोमन्योन्नीथयुद्धदाः

कासमर्द्दा ऽर्बुदः कुन्दस्फेनस्तूपी (स) यूपकी

1—त्.

2 ङ—.

<sup>a</sup> कोट्टः, a fort. According to another interpretation कोट्टारः, 1 The town well. 2 The stairs of a pond. <sup>b</sup> अरघट्टः, machine for drawing water. According to another interpretation, घट्टः, a wharf : stairs. <sup>c</sup> हट्टः, a market. <sup>d</sup> 1 A lump of food. 2 A lump of flesh ? 3 A body. 4 An oblation of food to the manes of ancestors. <sup>e</sup> 1 A tribe of mountaineers 2 A person having the navel prominent. Some read गोडः, others गोडः ; and interpret a lump of flesh on the navel. <sup>f</sup> The Abdomen. <sup>g</sup> 1 A goitre. 2 Hump on the back. <sup>h</sup> 1 A box with a lid or cover. 2 A basket. <sup>i</sup> 1 A staff. 2 A club armed with iron, or made of it. <sup>j</sup> 1 A multitude. 2 Pimples on the face. 3 A portico. <sup>k</sup> 1 A wart. 2 A scar. <sup>l</sup> An insect which eats wood. <sup>m</sup> Bel- lows. <sup>n</sup> Dressing of hair ; separating the hair, so as to leave a line on the top of the head. <sup>o</sup> Green colour. <sup>r</sup> Chewing the cud. <sup>u</sup> 1 Designation of the trilateral name of God. 2 A portion of the *Sāmarveda*. <sup>r</sup> Bubble of water. <sup>s</sup> Or कासमर्द्दः. 1 The plant (*Cassia esculenta*). 2 An acid preparation of tamarind and mustard. <sup>t</sup> 1 In numeration ; a hundred millions. 2 In medicine, An indolent swelling. Some read अर्द्धनिः : 1 Fire. 2 Disease. <sup>u</sup> 1 The plant (*Jas-minum multiflorum*). 2 A turner's lathe. <sup>v</sup> Froth. <sup>w</sup> A mound of earth <sup>x</sup> यूपः, a sacrificial post to which a victim is bound. According to another reading यूपः, bread.

20. आतपः (अत्रिये) नाभि कणप क्षुरकेदराः  
 पूरक्षुरप्रचक्रा (अ) गोल चिह्न, लुपुङ्गलाः  
 21. वेताल मल्लभल्ला (अ) पुरोडायो (ऽपि) पट्टिशः  
 कुल्माधोरभस (अथै व स) कटाहः पतङ्गहः

<sup>a</sup> Sunshine <sup>b</sup> A soldier or man of the military tribe. <sup>c</sup> A spear or lance. According to another reading कणपः, 1 A dead body. 2 A stink. 3 A spear. <sup>d</sup> Or क्षुरः. 1 A razor. 2 Barleria (or Ruellia) longifolia. <sup>e</sup> Name of a plant. <sup>f</sup> A wave. <sup>g</sup> Or ख्रमः, sort of arrow. <sup>h</sup> चक्रः, 1 Acid sauce. 2 Sorrel. <sup>i</sup> 1 A globe. 2 A widow's bastard. <sup>j</sup> चिह्नसुः, m. n. or चिह्नलः, m. Vermilion. <sup>k</sup> Or पुद्गलः, 1 Soul. 2 Body. <sup>l</sup> A dead body, occupied by an evil spirit. <sup>m</sup> A wrestler or boxer. <sup>n</sup> 1 A bear. m. f. 2 Sort of arrow. <sup>o</sup> Or पुरोडाः (स्). 1 The residue of an oblation. 2 Sort of oblation. <sup>p</sup> Or पट्टिसः, a battle axe. <sup>q</sup> Or कुल्मासः, a dish consisting of half boiled rice with pulse; or half boiled barley, &c. <sup>r</sup> 1 Joy 2 Mental exertion. <sup>s</sup> 1 A shallow boiler. 2 A turtle's shell. 3 A young buffalo. <sup>t</sup> A spitting pot.

SECTION III.

22. द्विहीने ऽन्वञ्च खारण्यपर्णध्वञ्चिमेदकम्

शीतोष्णमांसरुधिर सुखाक्षिद्रविणञ्चलम्

3. फलहेमशुल्लोह सुखदुःखशुभाशुभम्

जलपुष्पाणि लवणं व्यञ्जनान्यनुलेपनम्

24. कौट्याः शतादिसख्यांन्या वा लक्षानियुतं च तत्

द्वचक्रमसिसुसन्नन्तं

The following are neuter . viz.

Nouns signifying sky, &c. a

Dissyllables

in असु  
इस् उस्  
or अन्. b

यदनान्तमुकर्त्तरि

Nouns in  
अन्. c

<sup>a</sup> Viz. (Under various exceptions). The sky or atmosphere, or the ethereal element ; an organ of sense ; a forest ; a leaf ; a hole ; root ; water ; cold ; heat ; flesh ; blood ; the face ; an eye ; wealth, substance ; force, strength ; forces, army ; fruits of various sorts (according to another reading ञ्चल, a plough) ; gold ; copper ; iron ; metal ; pleasure ; pain ; good luck ; ill luck ; aquatic flowers ; salts of various kinds ; sauce or condiment ; and various sorts of condiments ; perfumes of various kinds ; numerals from 100 upwards, except कौटि, ten millions, which is fem. and लक्ष fem. and neut. and नियुत masculine and neut. both signifying a hundred thousand. <sup>b</sup> Example यद्यः (सु), glory. इविः (सु), oblation of butter. वपुः (सु), body. नामः (न्), name. <sup>c</sup> With that termination bearing any import but that of agent. गमनं, movement, going.

In ल. स  
and ल. a

25. त्रान्तं सलोपधं शिष्टं

In रात्र  
with a numer-  
al. b

रात्रम्नाक् संख्ययान्वितम्

Comp. ands  
in पात्र, &c. c

पात्राद्यदन्तैरेकार्था द्विगुलं च्यानुसारतः

Nouns com-  
pounded co-  
pulsatively or  
adverbially. d

26. द्वन्द्वैकत्वव्ययीभावौ

पदिन्,  
with a numer-  
al or parti-  
cle. e

पयः संख्याश्रयात्परः

काया,  
with a word  
in the 6th  
case. f

षष्ठ्याश्चायावहनाज्ञेद्विच्छायं

सभा in  
composition  
with the 6th  
case. g

संहतौसभा

<sup>a</sup> Ex. मित्रं, a friend, वसं chaff, कुलं, a family. The rule is subject to many exceptions. Some read न for ल, and interpret the rule as restricted to nouns in ल with स्, or न् prefixed. Ex. वस्त्रं, cloth. यन्त्रं, a machine. <sup>b</sup> Ex. त्रिरात्रं, the duration of three nights. <sup>c</sup> Compound terms in अ formed of पात्र and certain other nouns with numerals; and signifying one whole. Ex. चतुर्थ्युगं, entire period of the four ages. <sup>d</sup> The first implying one whole. Ex. शिरोशीर्षं, head and neck. The second joining a noun with a particle. Ex. यथाशक्ति, as much as able. <sup>e</sup> कापथं, a bad road. <sup>f</sup> Provided such word be plural. Ex. विच्छायं, shadow of a flock of birds. <sup>g</sup> Provided it signify an assembly. Ex. दासीसभं, a multitude of female slaves. Or whether it signify an assembly or a house, if the term to which it is joined signify king, (except the word राज्ञः), or a demon, or similar being, (neither man nor god) Ex. नृपसभं, a king's palace, or a meeting of kings. रक्षःसभं a multitude of demons.

27. शालार्थापि पराराजा ऽमनुष्यार्थादराजकात्

दासीसभं वृषसभं रक्षःसभमिमा दिशः

So उपज्ञा,  
and उपक्रम.  
a

28. उपज्ञोपक्रमान्तश्च तदादित्वप्रकाशने

कोपज्ञं कोपक्रमादि

कन्येशीनरनामसु

Also कन्या.  
b

29. भावेनण कचिद्भ्यो ऽन्ये ससूहे भावकर्मणोः

अदन्तप्रत्ययाः

Nouns in  
atheses hav-  
ing an ab-  
stract sense, c

पुण्यसुदिनाभ्यां त्वहःपरः

In अह.  
with certain  
terms, d

30. क्रियाव्ययानां भेदकान्येकत्वे ऽप्य

<sup>e</sup> <sup>f</sup>  
उक्त्यतोऽटके  
The nouns  
here speci-  
fied.

<sup>a</sup> In composition with the sixth case, provided the import be com-  
mencement. Ex कोपज्ञं, and कोपक्रमं, the creation by *Brahmá*.  
<sup>b</sup> Provided the compound term be the name of a town in the province  
of *Uśínara*. Else it is feminine. Ex. सोसमिकन्यं and दक्षिकन्या, names  
of towns; the first situated in *Uśínara*, the other out of that pro-  
vince. <sup>c</sup> Being terminations in अ, forming verbal derivatives. Except  
ः (रङ्); ण, क, (as well as घञ्), reducible to अ; and such as are  
distinguished by an indicatory च (as अच्, &c.) Also affixes in अ, with  
the abstract or the passive import, or with the sense of multitude, form-  
ing derivatives from nouns. <sup>d</sup> Viz. With पुण्य, or सुदिन. Ex. पुण्यहं,  
holiday. <sup>e</sup> 1 A portion of the *Sāmaveda* 2 A monosyllabic verse.  
1 Name of a metre, 2 Species of drama



a      b      c      d      e      f  
 चोचं पिच्छं गृहस्थं तिरिंटं मर्मयोजने

g      h      i      j  
 31. राजसूयं वाजपेयं गद्यपद्ये (कृतौ कथेः)

k      l      m      n      o      p  
 माणिक्यभाष्यसिन्दूरचीरचीवरपञ्जरम्

q      r      s      t      u  
 32. लोकायतं हरितालं विदलं स्थालवाहुकम्

<sup>a</sup> 1 Half-eaten fruit. 2 Fruit of the palm. 3 A cocoanut. Or चोचं, a plantain. Also, according to another reading, खेटं, chase; hunting. <sup>b</sup> A peacock's tail: some say m. f. a monosyllabic verse. Also, according to different readings, उक्तं (vide उक्थं); and मुक्तं, released. <sup>c</sup> Pillar of a house. <sup>d</sup> 1 A turban. 2 A diadem. <sup>e</sup> A joint, or place of junction of parts of the body. <sup>f</sup> A long measure: 4 *Kṛśu*. <sup>g</sup> A grand sacrifice by an emperor attended by tributary kings. It is also masc. <sup>h</sup> Name of a sacrifice. <sup>i</sup> Prose. <sup>j</sup> Verse. <sup>k</sup> A gem. <sup>l</sup> 1 Commentary. 2 Sort of building. <sup>m</sup> Minium. <sup>n</sup> 1 Bark. 2 Rag. 3 Dress of a priest of the sect of *Budd'ha*. <sup>o</sup> Dress of a mendicant. 2 Dress of priest of the sect of *Budd'ha*. <sup>p</sup> Or पिञ्जरं, 1 A cage. 2 The ribs. It is also masc. <sup>q</sup> System of atheistical philosophy taught by CHARVA'CA. <sup>r</sup> Yellow orpiment. <sup>s</sup> A basket made of split bambas. 2 Bark of pomegranate. 3 Split peas. <sup>t</sup> A caldron. <sup>u</sup> 1 Name of a country. 2 Production of that country. Also बाहुकं, sort of saffron.

## SECTION IV.

(पुंनपुंसकयोः) शेषो ऽर्चपिण्याककण्टकाः

The nouns here specified are masculine and neuter.

33. मोदकस्तण्डकष्टङ्गशाटकः कर्वटो ऽर्बुदः

पातको द्योगचरकतमाला ऽमलका नडः

1 त—.

2 उ—.

<sup>a</sup> Some include this among the terms exhibited : m. n. in the sense of remainder ; but masc. as a name of the eternal serpent *Néshanága*. <sup>b</sup> Half a verse of the *velas*. <sup>c</sup> An oil cake. <sup>d</sup> 1 A thorn or prickle. 2 A fault or defect. 3 Horripilation. <sup>e</sup> Sort of sweetmeat. <sup>f</sup> Performance. Right preparation. According to another reading दण्डकः, sort of metre. <sup>g</sup> टङ्कः, a hatchet, or a stone-cutter's chisel. Or, according to another reading, तङ्कः. 1 Grief at separation from a beloved object. 2 Terror. <sup>h</sup> A petticoat. <sup>i</sup> Capital of a district (of two or four hundred villages): not a city nor a village ; but partakin ; of both. Some write खर्वटः. But, according to another reading, कर्पटः, cloth. <sup>j</sup> 1 In numeration, a million. 2 In medicine, Ophthalmia. <sup>k</sup> Sin. <sup>l</sup> Exertion, endeavour. <sup>m</sup> Name of a book on medicine : (so dinominated from its author). Or बरकः, sewn cloth. <sup>n</sup> 1 Name of a tree. 2 Bark of bambu. <sup>o</sup> Emblic myrobalan. Or आनालकः, an inhabited place on a hill or mountain. <sup>p</sup> A hollow reel.

- a    b    c    d    e    f    g  
 34. कुष्ठं मुण्डं यीधुवुस्तं क्ष्वेडितं क्षेमकुट्टिमम्  
 h    i            j    k    l    m  
 सङ्गमं शतमानां ऽर्मे शम्बलां ऽव्ययताण्डवम्  
 n            o    p    q    r            s  
 35. कवियं कन्दकार्पासं पारां ऽवारं युगन्धरम्  
 t    u            v    w            x    y  
 यूपं प्रग्रीवपात्रीवे यूपं चमसचिक्कसौ

<sup>a</sup> 1 Leprosy. 2 Costus. <sup>b</sup> 1 The head, m, f, n. 2 Shaved or shorn.  
<sup>c</sup> Rum. <sup>d</sup> 1 Forcement. 2 Fried meat. Some read कुस्तं. Also, according to various readings, पुस्तं plaster. तुस्तं, dust. शस्तं, excellence.  
<sup>e</sup> Warwhoop. <sup>f</sup> Well-being. <sup>g</sup> 1 A mine of gems. 2 Ground smoothed and plastered. 3 A poor man's abode, a cottage. <sup>h</sup> Confluence of rivers, &c. <sup>i</sup> 1 A *pala* of silver. 2 An *ádhuca*. 3 A disease of the eye.  
<sup>k</sup> शम्बलं or सम्बलं, stock for travelling expenses. <sup>l</sup> An indeclinable word. <sup>m</sup> Dancing with violent gesticulation. <sup>n</sup> A bridle. <sup>o</sup> A bulbous or tuberous root. Or कर्मा, act. <sup>p</sup> Cotton cloth. Or कर्पासं, cotton. <sup>q</sup> The opposite bank or shore. <sup>r</sup> The near bank or shore. According to another reading, वारं, 1 Multitude. 2 Opportunity. 3 Succession. 4 Going forth to spy. <sup>s</sup> 1 A yoke. 2 Name of a mountain. <sup>t</sup> A post to which a victim is tied at a sacrifice. Or पृथं, Pus-  
<sup>u</sup> 1 A window. 2 A house for recreation. 3 Top of a tree. <sup>v</sup> पात्रीवं or पात्रीवं, sort of vessel used at religious ceremonies. <sup>w</sup> Or जूपं, Pea-porridge : the water of boiled pulse (*Phaseolus mungo*, &c.) <sup>x</sup> A spoon : a vessel for drinking the extract of acid aselepias. <sup>y</sup> Barley meal.

36. अर्द्धर्चादौ घृतादीनां पुंस्त्वद्यं वैदिकं भुवम्<sup>a</sup>  
तन्नाक्तमिह लोके ऽपि तच्चेदस्त्रस्तु शेषवत्

SECTION V.

37. स्त्रीपुंसयोरुपत्यान्ता

द्विचतुःषट्पदीरगाः

जातिभेदाः

पुमाख्याश्च स्त्रीयोगैः सच्च

The following are masculine and feminine, viz. Patronymics.

Generic names of animals, b Names of males, and by association, of females, c

d The terms here specified.

<sup>a</sup> Certain other terms, as *हर्त*, &c. which are m. and n. in the *Vedas*, are exclusively neuter in popular speech. Other terms, employed in both genders, must be learnt from practice. <sup>b</sup> As bipeds, quadrupeds, insects, reptiles; also fish; &c. This rule is however subject to exceptions. Ex. *मच्छिका*, a fly. *शिया*, a jackal. *लूता*, a spider. *पिपीलिका*, an ant. All which are feminine whatever sex be intended. <sup>c</sup> Ex. *नोपः*, a cowherd *नोपी*, a cowherd's wife. <sup>d</sup> A vessel holding oil; a cruet.

- a    b    c    l d    e    f
38. सुनिर्वराटकः स्वातिर्वर्णको जाटलिर्भनुः  
g    h    i    2j    k    l    m
- सूषा सृपाटी कर्कन्धुर्यष्टिः शाटी कटी कुटिः

## SECTION VI

The follow-  
ing are femi-  
nine and neu-  
ter, viz.  
Nouns in  
अञ् or  
वृञ्, some-  
times. n  
Compounds  
in सेना,  
&c. o

39. स्त्रीनपुंसकयोर्भावक्रिययोः व्यञ् क्वचिञ् वुञ्  
श्रीचित्यमौचित्ती मैत्री मैत्रं वुञ् प्रागुदाहृतः
40. घष्ठन्त प्राक्पदाः सेना छायाशालासुरानिशाः  
स्याद्वाटसेनं खनिशङ्गोशालमितरे च दिक्

1 व—.

2 व—.

a A devotee or ascetic. b A cowry. c The star : Areturus.  
d A pigment, as indigo, orpiment, &c. But m. f. n. a perfume, as san-  
dal wood. e Name of a tree. Some read पाटलिः, Bignonia chelonoides-  
f Name of MANU, or of his wife. g A crucible. h A measure : मा-  
सृपाटी, fem. सृपाटी. Also असृपाटी,—टः, A stream of blood. i A jujube.  
j A staff. k A petticoat. l M. कटिः, and f. कटिः, कटी. The hollow  
above the hip. Or m. कटः, f. कटी, a mat. m A hut. n Nouns in  
अञ्, (य), or वृञ् (अक), with the abstract or the passive import,  
commonly fem. and neut. but sometimes fem. only ; and sometimes  
neut. Ex. औचित्य—ती, Propriety. मैत्रं, मैत्री, Friendship. वार्षकं,—का.  
Old age. o With a term in the sixth case. As वटसेनं, an army of men-  
खनिशं, a night during which dogs bark and howl. गोशालं, a cowpen.

41. आवन्नन्तान्तरपदी दिगुश्चापुंसि नञ् लुप्  
त्रिषट्श्च त्रिषट्ठी च त्रितच्चञ् त्रितच्च्यपि

Numerals  
with nouns in  
आप or  
अन्. <sup>a</sup>

## SECTION VII

42. (त्रिषु) पात्री पुटी वाटी पेटी कुबलदाडिमौ

The nouns  
here speci-  
fied admit  
the three  
genders.

<sup>a</sup> Compound terms ending in nouns terminated by आप्, (आ, denoting the feminine) or by अन् ; joined with numerals and denoting a single whole. The final न् is in such compounds expunged. Ex. त्रिषट्, or—ट्ठी, aggregate of three beds. त्रितच्चं, or—ञ्ची, a party of three carpenters. <sup>b</sup> पात्रः,—त्री,—त्रं, a vessel. <sup>c</sup> पुटः, टी, टं ; 1 A lid or cover. 2 A plate made of leaves. Or पटः,—ठी,—टं, covering ; cloth. <sup>d</sup> वाटः, टी, टं, 1 An enclosed piece of ground : a yard. 2 An orchard, or place for planting Arcas, &c. 3 A road. <sup>e</sup> पेडः, टी or टा, टं ; 1 A multitude : an assembly. 2 A basket. 3 Retinue. <sup>f</sup> कुबलं, —त्री,—त्रं ; 1 Jujube. 2 The jujube tree (some distribute the genders, m. f. the tree ; n. the fruit). <sup>g</sup> दाडिमः,—मी, मं, pomegranate : (or else m. f. the tree ; n. the fruit.)

## SECTION VIII.

The gender of the final is retained<sup>a</sup> That of another term is followed in certain compounds. b

Numerals and pronouns. c Compound epithets. d Epithets expressing a quality, thing, or action. e

परिलिङ्गस्वप्रधाने द्वन्द्वे तत्पुरुषे ऽपि तत्  
43. अर्थान्ताः प्राद्यलं प्राप्तपन्नपूर्वाः परोपगाः

तादृशतार्थो द्विगुः

संख्या सर्वनाम तदन्तकाः

44 बद्धव्रीहिरिडिङ्गना मुन्नेया तदुदाहृतिः

गुणद्रव्यक्रियायोगोपाधयः परगामिनः

<sup>a</sup> In certain compound terms, viz. Conjunctive compounds in which the several terms are principal; and compound terms formed of a principal one with a modification of it. Ex. (fem.) कुक्कुटमयुर्या, a dunghill cock and a peahen. (masc.) मयुरीकुक्कुटी, a peahen and a dunghill cock. (m.) कुलविप्रः, the priest of the family. (n.) विप्रकुलं, the family of the priest. <sup>b</sup> Viz. Those ending in the word अर्थ (as ब्राह्मणार्थः,—र्था,—र्थं, intended for a *Bráhmaṇa*) : and compound terms beginning with प्र and certain other terms. (Ex. अवञ्जीविकः,—का,—कं, competent to a livelihood) : and compound terms containing a numeral, and terminated by an affix peculiar to derivatives from nouns : (Ex. पञ्चकपालः,—षा,—लं, prepared in five posts). They agree in gender with another term. <sup>c</sup> And terms ending in numerals and pronouns. However, most numerals must be excepted : and the rule applies only to those from one to four, which agree in gender with the subject. <sup>d</sup> As बद्धधनः,—ना,—नं, opulent. Except names of regions of space. <sup>e</sup> Example, m. f. n. शुक्लः (पटः) शुक्ला, शुक्लं, white cloth, &c. But शुक्लः, the white colour. दण्डी, दण्डिनी, दण्डि, one who bears a staff. याचक,—काः,—कं, one who begs.

45. कृतः कर्त्तव्यसंज्ञायां कृत्याः कर्त्तरि कर्मणि

Verbal active  
nouns. a

अनाद्यन्तासोनरक्ताद्यर्थे नानार्थभेदकाः

Adjectives  
derived from  
nouns. b

46. षट्संज्ञकास्त्रिषु समायुष्मदस्त्रिण्डव्ययम्

Some nume-  
rals, &c. do  
not vary. c

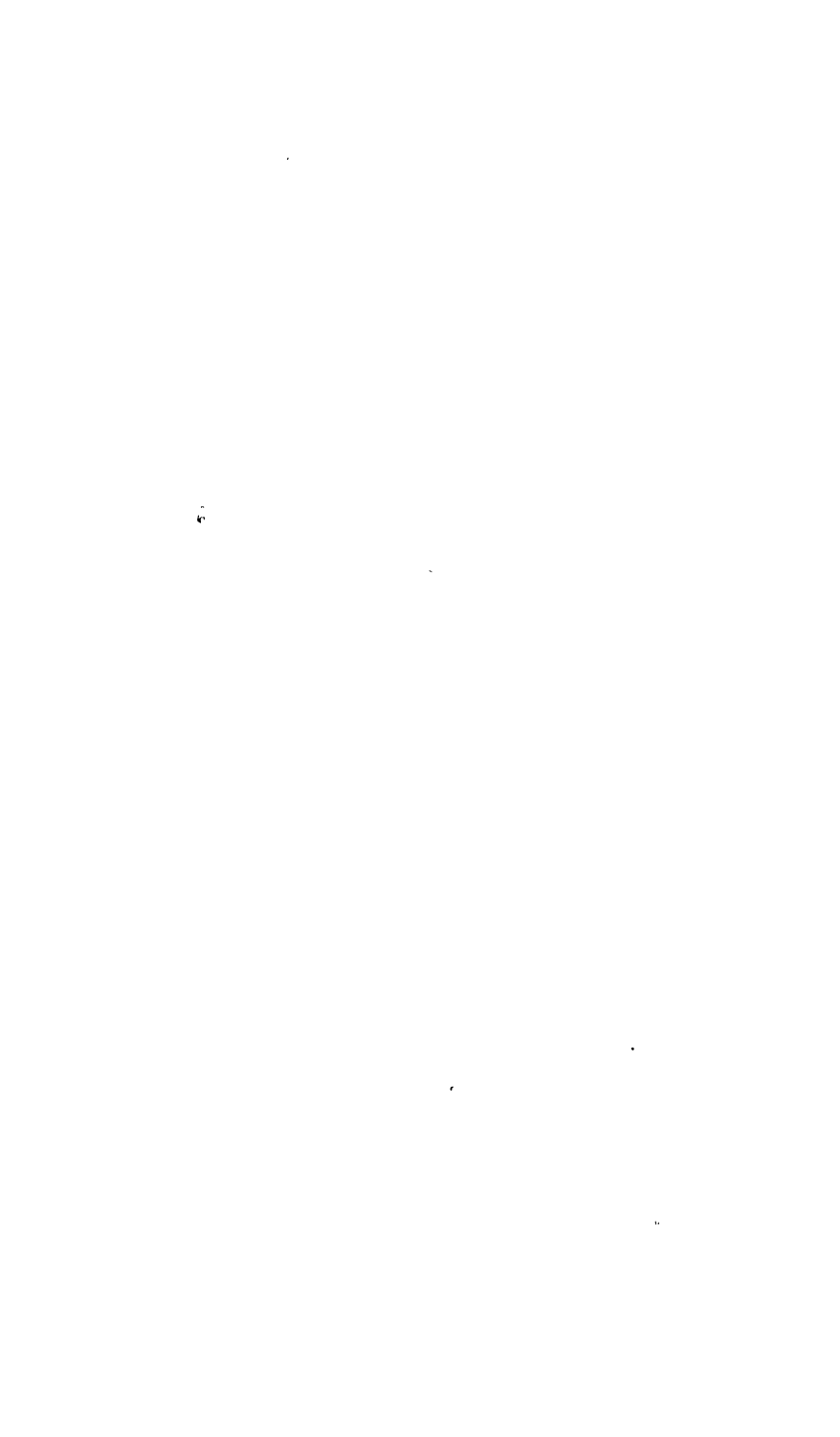
परंविरोधे श्रेवं तु ज्ञेयं शिष्टप्रयोगतः

47. इत्यमरसिंहकृतौ नासलिङ्गानुयासने

सामान्यसृतीयः काण्डः साङ्ग एव समर्थितः ।

\* Derivatives from verbs, terminated by affixes named कृन्, and denoting the agent, but not forming denominatives. Ex. कर्त्ता,—र्त्वि, कृ, agent. कुर्वन्, ती, त्, acting. Or terminated by affixes named क्तन्, with the active or passive, (not the neuter and abstract sense.) Ex. भव्यः (तदः)—व्या,—व्यं, a tree, that is to be. गन्तव्यः (यागः)—व्या,—व्यं, a village which may be approached or travelled to. <sup>b</sup> That is, according to the literal sense of this rule, Derivatives from nouns with the termination कृन्, &c. (among the affixes named तद्धित), and which are epithets of various subjects, or of which the subjects are various. Ex. कोसुमः,—नी,—मं, dyed with safflower. वैभः, नी, मं, made of gold. ऐन्द्रः,—न्द्नी,—न्द्रं, sacred to INDRA. <sup>c</sup> The numerals denominating षट्, viz. from 5 to 10, do not vary in gender: nor the personal pronouns; nor inflected verbs; nor indeclinable particles. <sup>d</sup> In instances where any of the preceding rules are at variance, the last is an exception to the first: and what has been left unsaid, must be learnt from the practice of good writers.





# ALPHABETICAL INDEX.

*N. B. p stands for page. And n. for note. The English figures point out the complets in which the word is to be found.*

| अंश — अक्ष                | अक्ष — अक्ष                                       | अक्ष — अक्ष                  |
|---------------------------|---|------------------------------|
| अंश, p 158, n. p 212, 90. | अक्ष, p 211, 86. p 258, 45. p 162, n. p 361, 223. | अक्षान्ति, p 51, 24.         |
| अंशक, p 18, 17.           | अक्षत, p 232, 47.                                 | अक्षि, p 162, 44.            |
| अंश, p 22, 31.            | अक्षता, p 232, n.                                 | अक्षिकूटक, p 201, 6.         |
| अंशुक, p 168, 17.         | अक्षदर्शक, p, 192, 5.                             | अक्षिगत, p 269, 45.          |
| अंशमती, p 113, 3.         | अक्षदेवी, p 258, 44.                              | अक्षिप, p 230, n.            |
| अंशमत्फला, p 112, 1.      | अक्षपूते, p 258, 44.                              | अक्षीय, p 230, 41. p 93, 11. |
| अंस, p 158, 39. p 212, n. | अक्षर, p 352, 184.                                | अक्षोड, p 92, 9.             |
| अंसल, p 148, 44.          | अक्षरपुञ्ज, p 194, 15.                            | अक्षोद्विषी, p 211, 49.      |
| अंशुति, p 182, 29.        | अक्षरचन, p 194, 15.                               | अखण्ड, p 275, 15.            |
| अंशुत्, p 31, 1.          | अक्षरचुञ्ज, p 194, n.                             | अखान, p 68, 27.              |
| अंशिति, p 182, n.         | अक्षरनिव्यास, p 195, n.                           | अखिल, p 275, 11.             |
| अंशुति, p 156, 22.        | अक्षरसंस्थान, p 195, 16.                          | अग, p 304, 20.               |
| अक, p, 384, n.            | अक्षरुचक, p 231, 43.                              | अगरी, p 162, n.              |
| अक्षरणि, p 296, 39.       | अक्षवती, p 258, 45.                               | अगख्या, p 19, 21.            |
| अक्षुष्य, p 243, n.       | अक्षस्तुप, p 100, 39.                             | अगति, p 19, n.               |
| अक्षुपार, p 60, 1.        | अक्षान्दकीलक, p 205, 21.                          | अगाध, p 64, 15.              |
| अक्षयकर्मन्, p 270, 46    |   | अगार, p 79, 5.               |

## अगु—अग्रि.

- अगुह, p 171, 28. p 100, 43.  
 अगुरधिंघया, p 100, n.  
 अगनावी, p 180, 21.  
 अग्नि, p 10, 48.  
 अग्निकथ, p 11, 53.  
 अग्निचित्, p 177, 11.  
 अग्निज्वाला, p 115, 12.  
 अग्निभू, p 7, 35.  
 अग्निमन्थ, p 101, 46.  
 अग्निमुखी, p 96, 23.  
 अग्निशिख, p 170, 25.  
 अग्निशिखा, p 113, 6.  
 p 118, 2.  
 अग्नीध्र, p 172, n.  
 अग्न्युत्पात, p 27, 10.  
 अग्र, p 88, 12. p 273, 7.  
 अग्रज, p 147, 43.  
 अग्रजकान्, p 175, 3.  
 अग्रणि, p 273, n.  
 अग्रणी, p 273, n.  
 अग्रतःसर, p 208, 40.  
 अग्रतस्, p 378, 7.  
 अग्रमांस, p 154, 15.  
 अग्रसर, p 208, n.  
 अग्राख्य, p 352, 185.  
 अग्रिम, p 147, n. p 278, n.  
 अग्रिय, p 147, 43.  
 p 273, 7.

## अग्री—अङ्ग.

- अपीव, p 147, n.  
 p 273, 7.  
 अयेदिधु, p 142, 23.  
 अयेसर, p 208, 40.  
 अग्र, p 147, n. p 273, 7.  
 अघ, p 307, 28 p 31, n.  
 अघमर्षण, p 188, 47.  
 अघमर्षणी, p 188, n.  
 अग्र्या, p 237, 67.  
 अङ्ग, p 19, 18. p 298, 4.  
 अङ्गी, p 46, n.  
 अङ्गूर, p 87, 4.  
 अङ्गुष, p 202, 9.  
 अङ्गूर, p 87, n.  
 अङ्गीठ, p 93, 9.  
 अङ्गु, p 46, 5.  
 अङ्ग, p 156, 21 p 39, 4. p 378, 7. p 381, 19.  
 अङ्गद, p 166, 9.  
 अङ्गन, p 81, 13.  
 अङ्गना, p 137, 3.  
 अङ्गविद्येय, p 49, 16.  
 अङ्गसंस्कार, p 169, 22.  
 अङ्गहार, p 49, 16.  
 अङ्गहारि, p 49, n.

## अङ्गा—अङ्गु.

- अङ्गार, p 228, 30.  
 अङ्गारक, p 21, 27.  
 अङ्गारधानिका, p 227, 2.  
 अङ्गारवल्ली, p 97, 29.  
 अङ्गारवल्ली, p 107, 8.  
 अङ्गारचकटी, p 227, 2.  
 अङ्गारसः, p 21, n.  
 अङ्गीकार, p 34, 14.  
 अङ्गीकृत, p 285, 58.  
 अङ्गुरि, p 159, n.  
 अङ्गुरी, p 159, n.  
 अङ्गुरीयक, p 166, n.  
 अङ्गुल, p 159, n.  
 अङ्गुलि, p 159, n.  
 अङ्गुलिमन्थ, p 241, 86.  
 अङ्गुलिच्छा, p 166, 9.  
 अङ्गुली, p 159, 33.  
 अङ्गुलीयक, p 166, 9.  
 अङ्गुल, p 159, 33.  
 अङ्गुस्, p 31, n.  
 अङ्गि, p 156, n.  
 अङ्गिबल्लिका, p 167, 11.  
 अङ्गुली, p 238, 71.  
 अङ्गुल, p 84, 1.  
 अङ्गुला, p 73, 2.  
 अङ्गुत, p 4, 14.  
 अङ्गि, p 11, n.  
 अङ्गुताद्यंज, p 4, 18.

## अक्ष - अजी.

- अक्ष, p 64, 14. p 308, 31.  
 अक्षभङ्ग, p 127, 4.  
 अक्ष, p 239, 76. p 308, 32.  
 अक्षकव, p 6, n.  
 अक्षकाव, p 6, n.  
 अक्षगन्धिका, p 119, 5.  
 अक्षगर, p 57, 5.  
 अक्षगव, p 6, 30.  
 अक्षगाव, p 6, n.  
 अक्षननि, p 296, n.  
 अक्षन्ध, p 217, 77.  
 अक्षचोदा, p 120, 10.  
 अक्षदङ्गी, p 114, 7.  
 अक्षघ्न, p 13, 61.  
 अक्षा, p 239, 76.  
 अक्षाजी, p 229, 36.  
 अक्षाजीव, p 250, 11.  
 अक्षानेय, p 202, n.  
 अक्षित, p 318, 64.  
 अक्षिन, p 187, 46.  
 अक्षिनपत्ना, p 182, 26.  
 अक्षिनयोनि, p 128, 8.  
 अक्षिर, p 81, 13. p 351, 188.  
 अक्षिज्ञ, p 276, 21.  
 अक्षिज्ञग, p 212, 54.  
 अक्षिकव, p 6, n.

## अजी—अशी.

- अजीवनि, p 296, n.  
 अज्जुका, p 48, 11.  
 अज्ज, p 268, 38. p 270, 48.  
 अज्जित, p 283, 47.  
 अज्जन, p 16, 5.  
 अज्जनकेषी, p 116, 18.  
 अज्जनL  
 अज्जनावती, p 16, 6.  
 अज्जलि, p 160, 36.  
 अज्जसा, p 376, 2. p 379, 12.  
 अज्जटा p 116, 15.  
 अज्जनि, p 212, n.  
 अज्जनी, p 212, 52.  
 अज्जवि, p 86, n.  
 अज्जवी, p 86, 1.  
 अज्जव, p 110, 22.  
 अज्जव, p 110, n.  
 अज्ज'in. 1p 648.  
 अज्जाद्या, p, 184, 35.  
 अज्ज, p 80, 12:  
 अज्जा, p 184, n.  
 अज्जक, p 272, 4. p 272, n.  
 अज्जव्य, p 221, n.  
 अज्जि, p 205, 24. •  
 अज्जिमन, p 7, 31.  
 अज्जी, p 205, n.

## अशी—अति.

- अशीवस्, p 274, 12.  
 अशु, p 225, 20. p 274, 11.  
 अशु, p 135, 37.  
 अशुकोष, p 157, n.  
 अशुकोष, p 157, 27.  
 अशुज, p 65, 17.  
 p 134, 33. p 271, 51.  
 अशुट, p 84, 4.  
 अशुलक्ष्य, p 64, 15.  
 अशुसी, p. 225, 20.  
 अशि, p 372, 3. p 376, 2.  
 p 377, 5.  
 अशिक्रम, p 214, 64.  
 p 295, 33. p 343, 152.  
 अशिकरा, p 120, 11.  
 अशिक्रम, p 125, 32.  
 अशिक्रमा, p 122, 17.  
 अशिक्रम, p 209, 41.  
 अशिक्रि, p 183, 33.  
 अशिक्री, p 183, n.  
 अशिक्रिन्, p 36, 19.  
 अशिक्रि, p 63, 14.  
 अशिक्रिम, p 76, 16.  
 अशिक्रिम, p 184, 36.  
 p 295, 33.  
 अशिक्रि, p, 209, n.

| अति--अद्.                 | अदि--अधि.                   | अधि--अधू                             |
|---------------------------|-----------------------------|--------------------------------------|
| अतिमात्र, p 13, 62.       | अदितिनन्दन, p 2, 3.         | अधिलक्ष, p 192, 7.                   |
| अतिसुक्त, p 103, 52.      | अद्वय, p 153, 12.           | अधिलिप्त, p 268, 42.                 |
| अतिसुक्तक, p 92, 7.       | अद्वय, p 198, 30.           | अधिल्याका, p 85, 7.                  |
| अतिरिक्त, p 277, 25.      | अद्वय, p 55, 37.            | अधिप, p 261, 11.                     |
| अतिविधा, p 109, 18.       | अद्या, p 379, 12.           | अधिसू, p 261, 11.                    |
| अतिशेख, p 13, 62.         | अङ्गुल, p 50, 19.           | अधिरोहिणी, p 82, 18                  |
| अतिशक्तिता, p 216, 71.    | अङ्गुर, p 263, 20.          | अधिषासन, p 173, 36.                  |
| अतिशय, p 13, 61.          | अद्य, p 382, 20.            | अधिविज्ञा, p, 138, 7.                |
| p 289, 11.                | अद्भि, p 84, 1. p 347, 165. | अधिचयणी, p 227, 29                   |
| अतिसजन, p 294, 28.        | अद्भ्यवादिन, p 3, 9.        | अधिष्ठान, p 336, 128.                |
| अतिसारकिन्, p 153, 10.    | अध, p 56, n.                | अधीन, p 262, 16.                     |
| अतिसोरभ, p 94, 14.        | अधम, p 272, 3. p 342, 146.  | अधीर, p 264, 26.                     |
| अतीन्द्रिय, p 278, 28.    | अधमर्थ, p 221, 5.           | अधीश्वर, p 191, 2.                   |
| अतीव, p 376, 2.           | अधर, p 354, 191. p 161, 41. | अधुना, p 383, 23.                    |
| अत्तिका, 49. n.           | अधरतस्, p 383, n.           | अधृष्ट, p 264, 26.                   |
| अत्यन्तकोपन, p 266, 32.   | अधरस्तात्, p 383, n.        | अधोशुक्, p 169, 18                   |
| अत्यन्तीन, p 209, 44.     | अधरात्, p 383, n.           | अधोजल, p 4, 16.                      |
| अत्यय, p 218, 84.         | अधरेण, p 383, n.            | अधोभवन, p 56, 1.                     |
| p 313, 152.               | अधरेदुस्, p 382, n.         | अधोमुख, p 266, 33.                   |
| अत्यर्थ, p 13, 62.        | अधरो, p 161, n.             | अधोलोक, p 56, n.                     |
| अत्यल्प, p 274, 12.       | अधस्तात्, p 283, n.         | अधोहृत्सी, p 266, n.                 |
| अत्याहित, p 322, 80.      | अधामार्गव, p 107, n.        | अध्यक्ष, p 97, n. p 162, p 365, 227. |
| अथ, p 373, 8.             | अधिक, p 240, 80.            | अध्यक्षा, p 106, n.                  |
| अथो p 373, 8              | अधिकर्त्वि, p 261, 11.      | अध्यवसाय, p 52, 29                   |
| अदभ्य, p 274, 12.         | अधिकार, p 207, 31.          | अथापक, p 176, 6.                     |
| अदर्श, p 26, n. p 174, n. | अधिकार, p, 198, 31.         | अथाहार, p 33, 12                     |
| अदर्शन, p 292, 22.        |                             | अथूढा, p 138, 7.                     |

**अधे—अन.**  
 अधेवणा, p 183, 32.  
 अधग, p 195, 17.  
 अधगा, p 195, n.  
 अधनीन, p 195, 17.  
 अधनीना, p 195, n.  
 अधन्, p 76, n.  
 अधन्ध, p 195, 17.  
 अधन्धा, p 195, n.  
 अधर, p 178, 13.  
 अधर्थ, p 178, 16.  
 अन, p 379, n.  
 अनक, p 272, n.  
 अनकदुन्धि, p 4, n.  
 अनकर, p 43, 21.  
 अनक, p 5, 20.  
 अनच्छ, p 64, 14.  
 अनहुही, p 235, n.  
 अनहुह, p 235, 60.  
 अनहुही, p 235, n.  
 अनघा, p 278, n.  
 अनन्, p 15, 1. p 323,  
 84. p 57, 4.  
 अनना, p 73, 2. p 107,  
 10. p 118, 2. p 123,  
 24. p 112, 30.  
 अनन्धक, p 5, 21.  
 अनन्धवृत्ति, p 278, 29.  
 अनन्धितपच, p 270, n.  
 अनघा, p 343, 151.

**अन—अनु.**  
 अनर्थक, p 43, 21.  
 अनल, p 10, 50.  
 अनवधानता, p 53, 30.  
 अनवरत, p 13, 61.  
 अनवराष्ट्र, p 273, 7.  
 अनसु, p 204, 20.  
 अनाकुल, p 354, 192.  
 अनागतार्थता, p 139, 8.  
 अनादर, p 50, 22.  
 अनामय, p 150, 1.  
 अनामिका, p 159, 33.  
 अनायासकृत, p 282, 44.  
 अनारत, p 13, 61.  
 अनार्यतिष्ठ, p 119, 8.  
 अनाहत, p 167, 13.  
 अनि, p 385, n.  
 अनिमिष, p 363, 220.  
 अनिरुध, p 5, 22.  
 अनिल, p 2, 5. p 12, 57.  
 अनिय, p 13, 61.  
 अनोक, p 210, 46.  
 p 216, 73.  
 अनोकस्य, p 192, 6.  
 अनोकिनी, p 210, 46.  
 अनु, p 373, 9.  
 अनुक, p 264, 23.  
 अनुकम्पा, p 49, 18.  
 अनुकर्म, p 206, 25.  
 अनुकर्मन्, p 206, n.

**अनु—अनु.**  
 अनुकल, p 185, 39.  
 अनुकामीन, p 209, 44.  
 अनुकार, p 291, 17.  
 अनुक्रम, p 184, 36.  
 अनुक्राय, p 49, 18.  
 अनुग, p 278, 28.  
 अनुपच, p 290, 13.  
 अनुषर, p 208, 39.  
 अनुज, p 147, 43.  
 अनुजीविन्, p 193, 9.  
 अनुतर्षण, p 257, 43.  
 अनुतर, p 63, n.  
 अनुताप, p 51, 25.  
 अनुत्तम, p 273, 6.  
 अनुत्तर, p 354, 192.  
 अनुपद, p 278, 28.  
 अनुपदीना, p 254, 31.  
 अनुपमा, p 16, 6.  
 अनुपुत्र, p 208, 39.  
 अनुपन्ध, p 328, 101.  
 अनुबोध, p 170, 24.  
 अनुभव, p 294, 27.  
 अनुभान, p 360, 211.  
 p 50, 21.  
 अनुमति, p 26, 8.  
 अनुयोग, p 41, 10.  
 अनुदोष, p 170, n.  
 p 194, 12.  
 अनुत्ताप, p 42, 16.

## अनु—अन्त.

- अनुवत्तन, p 194, 12.  
 अनुवत्सर, p 30, n.  
 अनुवाक, p 390, 17.  
 अनुवय, p 343, 150.  
 अनुवप, p 180, n.  
 अनुवण, p 252, 19.  
 अनुवहार, p 291, 17.  
 अनुवहार्य, p 183, n.  
 अनुवक, p 301, 13.  
 अनुवान, p 177, 9.  
 अनुवन, p 275, n.  
 अनुवनक, p 275, 15.  
 अनुवप, p 75, 10.  
 अनुवह, p 22, 33.  
 अनुवहर, p 74, n.  
 अनुवह, p 270, 46.  
 अनुवत, p 43, 22. p 220, 2.  
 अनुवकप, p 200, 2.  
 अनुवहसूक, p 268, n.  
 अनुवहस, p 24, n.  
 अनुवो, p 379, n.  
 अनुवकह, p 87, 5.  
 अनुवपुर, p 80, 11.  
 अनुव, p 218, 85.  
 अनुवक, p 11, 54.  
 अनुवर, p 353, 189.  
 अनुवरा, p 378, 10.  
 अनुवराह, p 292, 19.

## अन्त—अन्दि.

- अन्तराह, p 16, 7.  
 अन्तरिह, p 15, 1.  
 अन्तरीह, p 15, n.  
 अन्तरीप, p 62, 8.  
 अन्तरीय, p 169, 18.  
 अन्तरे, p 378, 10.  
 अन्तरेण, p 376, 3. p 379, 10.  
 अन्तर्गत, p 280, 36.  
 अन्तर्हार, p 81, 14.  
 अन्तर्हा, p 18, 14.  
 अन्तर्हि, p 16, 11.  
 अन्तर्मानस, p 260, 8.  
 अन्तर्बधिक, p 192, 8.  
 अन्तर्वत्नी, p 142, 22.  
 अन्तर्वाण्यि, p 260, 6.  
 अन्तर्वासायिन, p 250, 10.  
 अन्तिक, p 275, 17.  
 अन्तिकतम, p 275, 18.  
 अन्तिका, p 49, 15.  
 p 227, 29.  
 अन्तिकाश्रय, p 292, 19.  
 अन्तिस, p 275, n. p 578, n.  
 अन्तिसासिन, p 252, 20.  
 p 177, 10.  
 अन्त, p 278, 30.  
 अन्त, p 155, 17.  
 अन्तिका, p 227, n.

## अन्तु—अफ.

- अन्तुक, p 202, 9.  
 अन्तुक, p 202, n.  
 अन्त, p 233, 48. p 60, n. p 330, 105.  
 अन्तकरिपु, p 6, 29.  
 अन्तकार, p 56, 3.  
 अन्ततमस, p 56, 3.  
 अन्तस, p 233, n.  
 अन्ततमस, p 56, n.  
 अन्तु, p 68, 26.  
 अन्त, p 233, 48.  
 p 285, 60.  
 अन्त, p 279, 32.  
 अन्ततर, p 279, 32.  
 अन्तरेद्युः, p 382, n.  
 अन्तेद्युः, p 382, n.  
 अन्तस, p 278, 28.  
 अन्तस, p 278, n.  
 अन्तस, p 175, 1.  
 अन्तवाय, p 175, 1.  
 अन्तहार्य, p 183, 31.  
 अन्तहार्यक, p 183, n.  
 अन्तित, p 284, 54.  
 अन्तीक्षय, p 294, n.  
 अन्तीषी, p 278, n.  
 अन्तेषय, p 294, n.  
 अन्तेषया, p 183, 31.  
 अन्तेषित, p 284, 54.  
 अफकारशी, p 42, 11.

| अप - अपि.              | अप - अपा.                 | अपा - अज.                 |
|------------------------|---------------------------|---------------------------|
| अपक्रम, p 217, 80.     | अपराहृष्टवत्क, p 208, 36. | अपासन, p 218, 82.         |
| अपगा, p 69, 30.        | अपराध, p 197, 26.         | अपाची p 15, n.            |
| अपवन, p 156, 21.       | अपराहृ, p 25, 3.          | अपि, p 374, 10.           |
| अपवच, p 291, 16.       | अपरेद्युः, p 382, n.      | अपिगीर्णं, p 285, 59.     |
| अपवाचित, p 284, 51.    | अपर्या, p 7, 33.          | अपिधानः, p 18, 14.        |
| अपचित, p 284, 51.      | अपलाप, p 42, 17.          | अपिनच, p 207, 33.         |
| अपचिति, p 319, 70.     | अपवर्ग, p 35, 16.         | अपीनस, p 150, n.          |
| अपठान्तर, p 275, 17.   | अपवर्जन, p 182, 29.       | अप्प, p 232, 48.          |
| अपटु, p 152, 9.        | अपवाद, p 41, 13.          | अपोगगह, p 148, n.         |
| अपत्य, p 144, 28.      | p 326, 91.                | अपोदिका, p 123, n.        |
| अपत्वपा, p 51, 23.     | अपवारण, p 18, 14.         | अप्, p 60, n.             |
| अपत्वपिष्ण, p 265, 28. | अपघद, p 251, n.           | अप्पति, p 12, 56.         |
| अपथ, p 77, 17.         | अपथद्, p 38, 2.           | अप्पित्त, p 11, 52.       |
| अपथिन्, p 77, 17.      | अपथु, p 279, 33.          | अप्रकाण्ड, p 88, 9.       |
| अपदान, p 286, n.       | अपसद्, p 251, 16.         | अप्रशुण, p 276, 21.       |
| अपदान्तर, p 275, n.    | अपसर्प, p 194, 13.        | अप्रत्यक्ष, p 278, 28.    |
| अपद्दिश, p 16, 7.      | अपसव्य, p 279, 34.        | अप्रधान, p 274, 9.        |
| अपदेश, p 53, 33.       | अपस्कार, p 205, 23.       | अप्राच्य, p 274, 9.       |
| p 362, 218.            | अपस्नात, p 263, 19.       | अप्रिया, p 67, n.         |
| अपधरा, p 268, 39.      | अपहार, p 291, 16.         | असुरस्, p 2, 6, p 10, 47. |
| p 282, n.              | अपाङ्ग, p 162, 45.        | अफल, p 87, 7.             |
| अपध्वंश, p 38, 2.      | p 305, 22.                | अवह, p 43, 21.            |
| अपध्वंस, p 38, n.      | अपान, p 157, 24.          | अवहसुख, p 267, 36.        |
| अपधान, p 217, 80.      | p 12, 59.                 | अवथ, p 43, n.             |
| अपरस्तर, p 286, n.     | अङ्गानां, p 107, 7.       | अवला, p 137, 2.           |
| अपरस्तरा, p 286, n.    | अपाप्यति, p 60, 2.        | अवाध, p 279, 33.          |
| अपराजिता, p 110, 22.   | अपाहन, p 262, 15.         | अज p 18, 16.              |
| p 121, 15.             | अपासङ्ग, p 212, n.        | p 309, 34.                |



## अञ्ज—अभि.

- अञ्जयोनि, p 8, 12.  
 अञ्ज, p 30, 20.  
 p 25, 91.  
 अञ्ज, p 15; n.  
 अञ्जस्तुः p 16, n.  
 अञ्जि, p 63, n.  
 अञ्जकण्ठय, p 48, 14.  
 अञ्जास्तय, p 48, n.  
 अभय, p 125, 30.  
 अभया, p 100, 39.  
 अभायण, p 184, 35.  
 अभिक, p 264, 21.  
 अभिक्रम, p 214, n.  
 अभिख्या, p 315 158.  
 p 40, n.  
 अभिपद्यतः, p 337, 131.  
 अभिपद्य, p 290, 13.  
 अभिपद्यन्, p 291, 17.  
 अभिधाति, p 193 11.  
 अभिधातिन्, p 193, n.  
 अभिधार, p 291, 19.  
 अभिजन, p 175, 1.  
 p 331, 110.  
 अभिजात, p 323, 84.  
 अभित, p 375, 17.  
 अभिधान्, p 40, 8.  
 अभिधा, p 40, n.  
 अभिधा, p 51, 24.

## अभि—अभि.

- अभिनय, p 49, 16.  
 अभिनय, p 278, 27.  
 अभिनयोद्भिद्, p 87, 4.  
 अभिनिर्युक्त, p 190, 54.  
 अभिनिर्याण, p 214, 63.  
 अभिनीत, p 197, 24.  
 अभिपद्य, p 337, 131.  
 अभिप्राय, p, 292, 20.  
 अभिसूत, p 268, 40.  
 अभिसान, p 50, 22.  
 p 332, 113.  
 अभिधाति, p 193, n.  
 अभिधातिन्, p 193, n.  
 अभियोग, p 290, 13.  
 अभिरूप, p 338, 134.  
 अभिलाष, p 293, 24.  
 अभिलाष, p 52, 28.  
 अभिलाषुक, p 263, 22.  
 अभिवाद, p 42, 14.  
 अभिवादक, p 265, 28.  
 अभिवादन, p 185, 40.  
 अभिव्याप्ति, p 287, 6.  
 अभिघस्त, p 269, 43.  
 अभिघास्ति, p 183, 32.  
 अभिघाप, p 41, 14.  
 अभिघपन, p 41, n.  
 अभिघङ्ग, p 287, n.  
 p 306, 25.

## अभि—अभ्य

- अभियय, p, 257, 12.  
 p 188, 46.  
 अभियुत, p 230, 39.  
 अभियेषन, p 214, 63.  
 अभिद्युत, p 285, 59.  
 अभिसम्प्रात, p 216, 73.  
 अभिसर, p 208, 39.  
 अभिसारिका, p 139, 10.  
 अभिष्टत, p 268, n.  
 अभिष्टार, p 291, 17.  
 p 348, 170.  
 अभिष्टित, p 284, 57.  
 अभीक, p 264, 21.  
 अभीक्ष, p 379, 11.  
 p 376, 1.  
 अभीक्षित, p 272, 3.  
 अभीरु, p, 109, 19.  
 अभीषङ्ग, p 287, 6.  
 अभीष्ट, p 272, 3.  
 अभ्यय, p, 275, 17.  
 अभ्यन्तर, p 16, 7.  
 अभ्यनित, p 152, 9.  
 अभ्यनितोण, p 209, 53.  
 अभ्यनितोयः, p 209, 41.  
 अभ्यनित्वा, p 209, 43.  
 अभ्यर्ण, p 275, 17.  
 अभ्यवकर्षण, p 291, 7.

## अभ्य—अम.

- अभ्यवक्त्रन्दन, p 217, 78.  
 अभ्यवहृत, p 289, 60.  
 अभ्याख्यान, p 41, 11.  
 अभ्यागारिक, p 261, 12.  
 अभ्यादान, p 293, 26.  
 अभ्यान्त, p 152, 9.  
 अभ्यामदे, p 216, 74.  
 अभ्याष, p 275, n.  
 अभ्यास, p 275, 16.  
 अभ्यासादन, p 217, 78.  
 अभ्याहार, p 291, n.  
 अभ्युदित, p 190, 54.  
 अभ्युपगम, p 34, 14.  
 अभ्युपपत्ति, p 290, 13.  
 अभ्युष, p 232, n.  
 अभ्यूष, p 232, 47.  
 अभ्योष, p 232, n.  
 अभ्र, p 15, 1.  
 अभ्रक, p 244, 100.  
 अभ्रपुष्प, p 93, 10.  
 अभ्रमातङ्ग, p 9, 42.  
 अभ्रस, p 16, 6.  
 अभ्रसुवह्णभ, p 9, 42.  
 अभ्रि, p 63, 13.  
 अभ्रिय, p 16, 9.  
 अभ्री, p 63, n.  
 अभ्रैष, p 197, 24.  
 अभ्रथल, p 98, n.

## अम—अष्ट.

- अमत्र, p 229, 33.  
 अमर, p 1, 2.  
 अमरा, p 8, n.  
 अमरावती, p 8, 47.  
 अमर्त्य, p 2, 3.  
 अमर्ष, p 51, 26.  
 अमर्षथ, p 266, 32.  
 अमल, p 244, 100.  
 अमलक, p 397, 33.  
 अमा, p 374, 11.  
 अमांस, p 147, 44.  
 अमात्य, p 192, 4.  
 अमानस्य, p 59, 3.  
 अमानसी, p 26, n.  
 अमानासी, p 26, n.  
 अमावसी, p 26, n.  
 अमावस्या, p 25, 8.  
 अमावासी, p 26, n.  
 अमावास्या, p 26, 8.  
 अमित, p 193, 11.  
 अमिष, p 154, n.  
 अमृत, p 378, 8.  
 अमृणाल, p 125, 31.  
 अमृत, p 9, 44. p 182,  
 88. p 322, 78.  
 p 60, 3.  
 अमृता, p 99, 38. p 100,  
 39. p 106, 1.

## अष्ट—अश्ल.

- अश्लतान्स, p 2, 3.  
 अशोषा, p 99, 35.  
 p 110, 24.  
 अश्वर, p 351, 183.  
 p 15, 1.  
 अश्वरिप, p 228, n.  
 अश्वरीष, p 228, 30.  
 अश्वर, p 248, 2.  
 अश्वश, p 103, 52.  
 p 106, 3. p 119, 6.  
 अश्वत्, p 48, 14. p 7, n.  
 अश्विका p 7, 33.  
 अश्वु, p 61, 4.  
 अश्वुकष्य, p 17, 13.  
 अश्वुज, p 100, 41.  
 अश्वुभृत्, p 16, 8.  
 अश्वुवाहिनी, p 63, n.  
 अश्वुवेतस्, p 93, 11.  
 अश्वुसेवनी, p 63, 40.  
 अश्वूलत, p 43, 21.  
 अश्वस, p 61, 4.  
 अश्वोरुह, p 71, 41.  
 अश्वोरुट, p 71, n.  
 अश्वय, p 61, 5.  
 अश्वतक, p 92, n.  
 अश्ल, p 35, 18.  
 अश्लु, p 35, n.  
 अश्लुलोणिका, p 119, 6.

## अक्ष-अरा.

- अक्षवेतस्, p 119, 6.  
 अक्षान, p 104, 54.  
 अक्षिता, p 96, 24.  
 अक्षीका, p 96, n.  
 अय, p 32, 5.  
 अयन, p 28, 13. p 76, 15.  
 अयस, p 390, n. p 244, 98.  
 अयि, p 381, 18.  
 अयुधिक, p 208, 35.  
 अयुधीय, p 208, 35.  
 अयोद्य, p 226, 25.  
 अर, p 13, 60.  
 अरवद्, p 391, 18.  
 अरट्, p 99, n.  
 अरणि, p 179, 18.  
 अरणी, p 179, n.  
 अरण्य, p 86, 1.  
 अरणीनी, p 86, 1.  
 अरलि, p 160, 37.  
 अरम, p 272, n.  
 अरं, p 13, n.  
 अरर, p 82, 17.  
 अररि, p 82, n.  
 अररी, p 82, n.  
 अररु, p 99, n.  
 अरविन्द, p 71, 39.  
 अरानि, p 193, 11.

## अरा—अर्ष.

- अराल, p 171, 29. p 276, 20.  
 अरि, p 193, 10.  
 अरित्, p 63, 13.  
 अरिभेद, p 98, 30.  
 अरिष्ट, p 93, 12. p 80, 8. p 121, 14. p 310, 38. p 131, 20. p 80, 8. p 234, 58.  
 अरिष्टदुष्टधी, p 269, 44.  
 अरुण, p 22, 31. p 22, 33. p 37, 25. p 314, 54.  
 अरुणा, p 109, 18.  
 अरुन्दुद, p 279, 33.  
 अरुष्कर, p 93, 23. p 354, 191.  
 अरुस्, p 151, 5.  
 अरोक, p 283, 49.  
 अर्क, p 22, 31. p 299, 4. p 105, 61.  
 अर्कपर्य, p 105, 61.  
 अर्कबन्ध, p 3, 10.  
 अर्काल्, p 105, 61.  
 अर्गल, p 82, 17.  
 अर्गला, p 82, n.  
 अर्गली, p 82, n.  
 अर्ष, p 307, 28.

## अर्थ—अर्थ.

- अर्थ, p 183, 32.  
 अर्थी, p 183, n.  
 अर्था, p 184, 34. p 256, 36.  
 अर्थि, p 11, 52.  
 अर्थित, p 283, n. p 284, 51.  
 अर्थिस्, p 367, 232.  
 अर्थक, p 105, 60.  
 अर्थन, p 37, 22. p 96, 25. p 126, 33.  
 अर्थनी, p 237, 67.  
 अर्थव, p 60, 1.  
 अर्थस्, p 61, 4.  
 अर्त्तगल, p 104, 55.  
 अर्त्तन, p 295, 32.  
 अर्त्ति, p 320, 70.  
 अर्त्तिका, p 49, n.  
 अर्थ, p 325, 88. p 242, 91.  
 अर्थना, p 183, 32. p 287, 6.  
 अर्थप्रयोग, p 221, 4.  
 अर्थयास्त्र, p 39, 5.  
 अर्थिन्, p 193, 9. p 27, 49.  
 अर्थ्य, p 245, 104. p 316, 162.

## अर्ह — अर्थो.

- अर्हना, p 287, 6.  
 अर्हनि, p 391, n.  
 अर्हित, p 283, 47.  
 अर्ह, p 18, 17.  
 अर्हवन्द्रा, p 111, 27.  
 अर्हनाव, p 63, 11.  
 अर्हरात्र, p 25, 6.  
 अर्हज्ञे, p 397, 32.  
 अर्हहार, p 166, 7.  
 अर्होरक, p 169, 20.  
 अवेद, p 391, 19. p 397,  
 33.  
 अर्भक, p 135, 38.  
 अर्म, p 398, 31.  
 अर्थ्य, p 312, 148.  
 अर्थ्यमनु, p 21, 29.  
 अर्थ्या, p 110, 11.  
 अर्थ्याणी, p 110, 15.  
 अर्थी, p 110, 15.  
 अर्थन्, p 272, 3, p 202,  
 12.  
 अर्वाक्, p 380, 16.  
 अर्वाच्, p 380, 16.  
 अर्श, p 151, n.  
 अर्शरोगयुत, p 152, 10.  
 अर्शस, p 152, 10.  
 अर्शस्, p 151, 5.  
 अर्शः, p 123, 22.

## अस — अला.

- असस, p 151, n.  
 अस्या, p 184, 34.  
 अहित, p 284, 51.  
 असं, p 379, 11, p 371,  
 13.  
 अस, p 215, 104.  
 असक, p 252, n. p 162, n.  
 अलका, p 11, 66.  
 अलक्त, p 171, 26.  
 अलक्ष्मी, p 59, 2.  
 अलगद्, p 57, 5.  
 अलगद्, p 57, n.  
 अलगद्, p 57, n.  
 अलङ्करिष्णु, p 161, 1.  
 p 265, 29.  
 अलङ्कृत्, p 161, 1.  
 अलङ्कृष्णीष्ण, p 262, 18.  
 अलङ्कार, p 161, 3.  
 अलङ्कृत, p 161, 2.  
 अलङ्क्रिया, p 161, 2.  
 अलङ्कर, p 228, n.  
 अलङ्गीविक, p 403, n.  
 अलङ्गीविका, p 403, n.  
 अलर्क, p 252, 22.  
 p 105, 61.  
 अलवाल, p 68, n.  
 अलस, p 252, 19.  
 अलान, p 228, 30.

## अला — अव.

- अलाबू, p 123, n.  
 अलाबू, p 123, 21.  
 अलि, p 130, 14. p 133,  
 29.  
 अलिक, p 161, 43.  
 अलिगद्, p 57, n.  
 अलिङ्कर, p 228, 31.  
 अलिनु, p 130, n.  
 अलिन्द, p 81, n.  
 अलीक, p 161, n. p 301,  
 12.  
 अलु, p 228, n.  
 अल्य, p 274, 11.  
 अल्यतनु, p 119, 18.  
 अल्यमारिष, p 118, 1.  
 अल्यसरस, p 68, 28.  
 अल्यिष्ठ, p 271, 12.  
 अल्यीयस्, p 271, 12.  
 अवकर, p 82, 18.  
 अवकीर्णिन्, p 190, 53.  
 अवकट, p 268, 39.  
 अवकीर्णिन्, p 87, 7.  
 अवक्रय, p 240, 80.  
 अवगणित, p 281, 56.  
 अवगत, p 285, 57.  
 अवगीत, p 281, 42.  
 अवग्रह, p 17, 12,  
 p 201, 6.

## अव—अव.

- अवघाट, p 17, 12. p 201,  
n. p 296, n.  
अवच्छिन्न, p 54, n.  
अवच्छिन्न, p 282, 43.  
अवज्ञा, p 51, 23.  
अवज्ञात, p 284, 56.  
अवट, p 56, 2.  
अवटि, p 56, n.  
अवटीट, p 148, 45.  
अवटु, p 161, 39.  
अवतंस, p 366, 229.  
अवतमस, p 56, 3.  
अवतोका, p 237, 69.  
अवदंश, p 257, 40.  
अवदान, p 37, 22.  
अवदान, p 286, 3.  
अवदारण, p 222, 12.  
अवदाह, p 125, 30.  
अवदीर्ण, p 280, 39.  
अवदा, p 272, 4.  
अवधि, p 328, 102.  
अवधान, p 53, n.  
अवध्वस्त, p 282, 43.  
अवन, p 287, 4. p 296, n.  
अवनत, p 276, 20.  
अवनय, p 294, n.  
अवनाट, p 148, 45.  
अवनाय, p 294, 27.

## अव—अव.

- अवनि, p 73, 3. p 385, n.  
अवनी, p 73, n.  
अवन्तिसोम, p 230, 39.  
अवनच, p 46, n.  
अवन्य, p 87, 6.  
अवभ्यथ, p 182, 27.  
अवभ्यट, p 148, 45.  
अवस, p 272, 3.  
अवसत, p 284, 56.  
अवसर्ह, p 217, 78.  
अवसानना, p 51, 23.  
अवसानित, p 284, 56.  
अवयव, p 156, 21.  
अवर, p 201, 8.  
अवरज, p 147, 43.  
अवरति, p 296, 37.  
अवरवर्ण, p 248, 1.  
अवरीण, p 282, 43.  
अवरोध, p 80, 12.  
अवरोधन, p 80, 11.  
अवरोह, p 88, 11.  
अवर्ण, p 41, 13.  
अवलल, p 37, n.  
अवलन, p 158, 30.  
अवल्लुज, p 108, 14.  
अववाद्, p 197, 25.  
p 326, n.  
अवश्या, p 380, 16.

## अव—अवा.

- अवश्याय, p 19 19.  
अवश्यायनी, p 238, 71.  
अवस्य, p 330, 107.  
अवसर, p 293, 24.  
अवसर्प, p 194, n.  
अवस्य, p 279, n.  
अवसान, p 296, 38.  
अवसित, p 283, 48.  
p 226, n. p 285,  
57.  
अवस्कार, p 155, 18.  
p 348, 169.  
अवस्था, p 32, 7.  
अवहार, p 66, 21.  
अवहित्या, p 54, 34.  
अवहित्यं, p 54, n.  
अवहेल, p 51, 23.  
अवहेला, p 51 n.  
अवाक्युष्मी, p 122, 18.  
अवाय, p 276, 20.  
अवाच, p 261, n. p 38  
n. p 266, 33.  
अवाची, p 15, 3. p 266.  
अवाच्य, p 43, 21.  
अवार, p 62, 8. p 39  
35.  
अवारपारः, p 60, n.  
अवासस, p 268, 39.

| अवि—अश.                            | अश—अश.                    | अश—असि.                         |
|------------------------------------|---------------------------|---------------------------------|
| अवि, p 360, 209.<br>p 142, n.      | अशनाया, p 231, 54.        | अशयुज, p 20, 23.                |
| अविग्न, p 102, 48.                 | अशनायित, p 263, 20.       | अशयवङ्क, p 390, 16.             |
| अवित, p 281, 55.                   | अशनि, p 9, 43.            | अशयवडवा, p 390, 16.             |
| अविचकषी, p 106, n.                 | अशनी, p 9, n.             | अशयवडवो, p 390, n.              |
| अविचकषी, p 106, n.                 | अशितकूपीन, p 235, n.      | अशा, p 203, 14.                 |
| अविद्या, p 35, 16.                 | अशिश्री, p 139, 11.       | अशुःरोह, p 206, 28.             |
| अविनीत, p 264, 23.                 | अशुभ, p 393, 23.          | अश्विनी, p 20, 23.              |
| अविरत, p 13, 61.                   | अशेष, p 275, 14.          | अश्विनीसुत, p 10, 46.           |
| अविरा, p 142, 20.                  | अशोकरोहिणी, p 105, 4.     | अश्विन, p 10, 47.               |
| अविलम्बन, p 279, n.                | अशोका, p 106, n.          | अश्वीय, p 203, 16.              |
| अविलम्बित, p 13, 60.<br>p 279, 32. | अशुगर्भ, p 243, 92.       | अश्वकीय, p 196, 22.             |
| अविस्मृष्ट, p 43, 22.              | अशुज, p 245, 104.         | अषाढ, p 29, 16. p 187, n.       |
| अवी, p 142, n.                     | अशुज्ज, p 84, 4.          | अषाढक, p 29, n.                 |
| अवीरा, p 139, 11.                  | अशुज्ज, p 227, 29.        | अषापद, p 258, 46.<br>p 243, 96. |
| अवेला, p 294, 28.                  | अशुसारी, p 152, 7.        | अषीवत्, p 156, 23.              |
| अव्, p 325, n.                     | अशुसार, p 244, 99.        | असंज्ञत, p 110, n.              |
| अव्वि, p 60, 1.                    | अश्र, p 162, n. p 164, n. | असक्त, p 376, 1.                |
| अव्विकफ, p 246, 105.               | अश्रप, p 11, n.           | असती, p 139, 10.                |
| अव्विक्त, p 318, 64.               | अश्रान्त, p 13, 61.       | असतीसुत, p 143, 26.             |
| अव्विक्तराग, p 37, 25.             | अश्रि, p 214, 61.         | असन, p 96, 24.                  |
| अव्विण्डा, p 106, 5.               | अश्री, p 214, n.          | असमीक्ष्यकारिन् p 262, 17.      |
| अव्विषा, p 100, 39.<br>p 120, 11.  | अश्रु, p 162, 44.         | असार, p 273, 6.                 |
| अव्वय, p 398, 34.                  | अश्लील, p 43, 19.         | असि, p 213, 57.                 |
| अव्वयवहित, p 275, 17.              | अश्र, p 202, 11.          | असिनी, p 141, 18.               |
| अशन, p 96, n.                      | अश्रयुज, p 29, n.         | असित, p 37, 23.                 |
|                                    | अश्रकर्णक, p 96, 25.      | असिधावक, p 249, 7.              |
|                                    | अश्रत्य, p 91, 1.         | असिधेनुका, p 214, 60.           |
|                                    | अश्रमेधीय, p 203, 13.     |                                 |

## असि - आस

- असिपुत्री, p 211, 60.  
 असिहेति, p 208, 33.  
 असु, p 19, n.  
 असुधारण, p 219, 88.  
 असुर, p 2, 7.  
 असुरी, p 225, n.  
 असुक्षय, p 51, n.  
 असुक्षय, p 51, n.  
 असुक्षय, p 51, 23.  
 असुक्षय, p 51, n.  
 असूया, p 51, 24.  
 असृश्वरा, p 154, 13.  
 असृधारा, p 154, n.  
 असृज्, p 154, 15.  
 असृपाटी, p 400, n.  
 असेवनक, p 272, 2.  
 असोम्यस्वर, p 267, 37.  
 अस्त, p 84, 2. p 280, 37.  
 अस्तम्, p 381, 17.  
 अस्ति, p 381, 18.  
 अस्तु, p 379, 13.  
 अस्त, p 347, 166. p 211, 50.  
 अस्तिन्, p 209, n.  
 अस्थिर, p 269, 43.  
 अस्फुटवाच्, p 267, 37.  
 अस्तान्, p 227, n.  
 अस्तपुष्प, p 115, 10.

## अस - अहे.

- अस, p 154, 15. p 162, 41.  
 अस्तप, p 11, 55.  
 अस्तु, p 162, 44.  
 अस्तच्छन्द, p 262, 16.  
 अस्तम्, p 2, 3.  
 अस्तर, p 267, 37.  
 अस्ताध्याय, p 289, 53.  
 अहंयु, p 271, 50.  
 अहःपति, p 22, 32.  
 अहङ्कार, p 50, 22.  
 अहङ्कारवत्, p 271, 50.  
 अहन, p 21, n.  
 अहमह्निका, p 216, 70.  
 अहम्बुद्धिका, p 215, 68.  
 अहम्भति, p 35, 16.  
 अहर्पति, p 22, 32.  
 अहर्मुख, p 21, 2.  
 अहस्कर, p 22, 30.  
 अहह, p 376, 18.  
 अहार्य, p 81, 1.  
 अहि, p 370, 240. p 57, 6.  
 अहित, p 193, 11.  
 अहितुशिल्क, p 58, 11.  
 अहिभय, p 198, 30.  
 अहिभुज, p 308, 32.  
 अहेह, p 109, 20.

## अही - आही

- अही, p 377, n. p 378, 9.  
 अहीराज, p 27, 12.  
 अहाय, p 376, 2.  
 आ, p 371, 1.  
 आ, p 380, 16.  
 आकस्मिन्, p 280, 36.  
 आकर, p 85, 7.  
 आकरणा, p 40, n.  
 आकर्ष, p 361, 223.  
 आकल्य, p 161, 1.  
 आकार, p 290, 15.  
 p 347, 161.  
 आकारयुग्मि, p 54, 34.  
 आकारणा, p 10, n.  
 आकाश, p 15, 2.  
 आकीर्ण, p 279, 35.  
 आकुल, p 276, 21.  
 आकूपार, p 60, n.  
 आक्रोड, p 86, 3.  
 आक्रोशन, p 287, 6.  
 आक्षारणा, p 42, 15.  
 आक्षारित, p 269, 43.  
 आक्षीव, p 93, 11.  
 आक्षेप, p 41, 13.  
 आक्षोट, p 92, 9.  
 आक्षोड, p 92, n.

## आलो—आच.

- आलोदन, p 253, 24.  
 आखण्डल, p 8, 40.  
 आख, p 129, 12.  
 आखुभुज्, p 128, 6.  
 आखेट, p 253, 24.  
 आख्या, p 40, 8.  
 आख्यात, p 281, 57.  
 आख्यायिका, p 39, 6.  
 आगन्तु, p 183, 33.  
 आगस्, p 197, 26. p 367,  
 132.  
 आगाध, p 64, n.  
 आगान्ठ, p 183, n.  
 आगार, p 79, n.  
 आगू, p 34, 14.  
 आग्नीध्र, p 179, 17.  
 आग्नेयी, p 15, n.  
 आक्, p 34, n.  
 आगुरं, p 34, n.  
 आगूस्, p 34, n.  
 आद्यहायण, p 28, n.  
 आद्यहायणिक, p 28, 14.  
 आद्यहायणी, p 20, 24.  
 आड, p 371, 1.  
 आङ्गार, p 297, n.  
 आङ्गिक, p 49, 16.  
 आङ्गिरस, p 21, 26.  
 आचसन, p 184, 35.

## आचा—आढ

- आचाम, p 233, 19.  
 आचाय्ये, p 176, 7.  
 आचार्या, p 110, 14.  
 आचार्याणी, p 110, 11.  
 आचिन, p 212, 88.  
 आच्छादन, p 18, 14.  
 p 168, 17.  
 आच्छुरितक, p 54, 34.  
 आजक, p 239, 77.  
 आजगवं, p 6, n.  
 आजानेय, p 202, 12.  
 आजि, p 216, 74.  
 p 309, 34.  
 आजीव, p 220, 1.  
 आज्, p 59, n.  
 आज्, p 59, n.  
 आज्ञा, p 197, 26.  
 आज्य, p 233, 52.  
 आडि, p 132, 25.  
 आडम्बर, p 348, 170.  
 आडि, p 132, 25.  
 आडक, p 212, 89.  
 आडकिक, p 222, n.  
 आडकिका, p 222, 10.  
 p 212, n.  
 आढकी, p 222, n.  
 p 386, 7. p 212, n.  
 आढकीन, p 222, n.

## आढ—आल.

- आढकीना, p 222, n.  
 आढ, p 261, 10.  
 आद्या, p 261, n.  
 आणक, p 272, n.  
 आणशीन, p 221, n.  
 आणि, p 205, n.  
 आणञ्चन, p 334, 118.  
 आततायिन्, p 269, 41.  
 आतप, p 23, 36. p 392,  
 20.  
 आतपल, p 199, 32.  
 आतर, p 63, 11.  
 आतापिन्, p 131, n.  
 आतायिन्, p 131, n.  
 आतिथेय, p 183, 33.  
 आतिथेयी, p 183, n.  
 आतिथ्य, p 183, 33.  
 आतिथ्या, p 183, n.  
 आतर, p 152, 9.  
 आतोद्य, p 46, 5.  
 आत्तगर्व, p 263, 40.  
 आत्मगुप्ता, p 106, 5.  
 आत्मघोष, p 131, 20.  
 आत्मज, p 113, 27.  
 आत्मजा, p 143, n.  
 आत्मन्, p 332, 112.  
 आत्मभृ, p 3, 11. p 5,  
 21.



## आत्म—आन.

- आत्मभारि, p 263, 21.  
 आथर्वण, p 297, 43.  
 आर्षे, p 174, 41.  
 आदि, p 278, 30.  
 आदिकारण, p 32, 6.  
 आदितेय, p 2, 3.  
 आदित्य, p 2, 5. p 21,  
 29.  
 आदिष, p 278, n.  
 आदीनव, p 294, 29.  
 आहत, p 324, 83.  
 आदेष्टु, p 176, 7.  
 आद्य, p 278, 30.  
 आद्यभाषक, p 241, 86.  
 आद्यून, p 263, 21.  
 आधार, p 68, 29.  
 आधि, p 52, 28. p 328,  
 100.  
 आधूत, p 280, 36.  
 आवोरण, p 206, 27.  
 आथान, p 52, 29.  
 आथा, p 52, n.  
 आनक, p 46, 6. p 298,  
 3. p 46, n.  
 अणकदुन्दुभि, p 46, n.  
 p 4, 17.  
 आनकदुन्दुभी, p 46, n.  
 आनत, p 276, 19.

## आन—आपा.

- आनव, p 46, 4.  
 आनन, p 161, 40.  
 आनन्द, p 31, 3.  
 आनन्दयु, p 31, 3.  
 आनन्दन, p 287, 7.  
 आनन्त, p 319, 66.  
 आनाथ, p 64, 16.  
 आनाथ, p 180, 21.  
 आनाह, p 168, n. p 151,  
 6.  
 आनुपूर्व, p 184, n.  
 आनुपूर्वक, p 181, n.  
 आनुपूर्वी, p 184, 36.  
 आन्वसिक, p 227, 28.  
 आनन्दि, p 31, n.  
 आन्वीक्षिकी, p 39, 5.  
 आपक, p 232, 47.  
 आपगा, p 69, 30.  
 आपण, p 78, 2.  
 आपणिक, p 239, 79.  
 आपत्प्राम, p 269, 42.  
 आपदा, p 211, n.  
 आपद्, p 211, 50.  
 आपन्न, p 269, 42.  
 आपन्नसत्त्वा, p 142, 22.  
 आपन्नित्यक, p 221, 4.  
 आपस, p 60, n.  
 आपान, p 257, 43.

## आपी—आम.

- आपोड, p 173, 38.  
 आपीन, p 238, 73.  
 आपूपिक, p 227, 22.  
 आम, p 194, 13.  
 आय, p 115, n.  
 आमच्छन, p 287, 7.  
 आमपद, p 169, 21.  
 आमपदीन, p 169, n.  
 आमपदीना, p 169, n.  
 आम्लव, p 170, 23.  
 आम्लवन्नतिन्, p 186, n.  
 आम्लवन्नती, p 186, 42.  
 आम्लव, p 170, 23.  
 आम्लवन्नती, p 186, n.  
 आवन्व, p 223, 13.  
 आविध, p 276, 21.  
 p 280, 37.  
 आविध, p 295, 36.  
 आवरण, p 164, 3.  
 आभाषण, p 42, 16.  
 आभास्वर, p 2, 5.  
 आभीर, p 235, 57.  
 आभीरपत्नी, p 83, n.  
 आभीरपत्नी, p 83, 20.  
 आभीरी, p 140, 13.  
 आभोल, p 60, 4.  
 आभोग, p 173, 38.  
 आमगन्धि, p 36, 21.

## आम—आय.

- आमख्य, p 98, n.  
 आमनख्य, p 59, n.  
 आमन्त्रण, p 287, n.  
 आमय, p 150, 2.  
 आमयाविन्, p 152, 9.  
 आमर्ष, p 51, n.  
 आमलक, p 99, n.  
 आमलकी, p 99, 38.  
 आमालक्य, p 59, n.  
 आमालक, p 397, n.  
 आमिष, p 154, 14.  
 आमिषायिन्, p 263, 19.  
 आमिज्ञा, p 180, 22.  
 आमीज्ञा, p 180, n.  
 आमक्त, p 207, 33.  
 आमोद, p 36, 19.  
 आमोदिन्, p 36, 20.  
 आम्, p 379, 12.  
 आम्लाय, p 39, 3.  
 आम्ल, p 94, 14.  
 आम्लातक, p 92, 8.  
 आम्लेहित, p 41, 12.  
 आम्लिका, p 96, n.  
 आम्लोका, p 96, n.  
 आयतp, 198, n. p 276, 18.  
 आयतन, p 79, 7.  
 आयति, p 198, 29.  
 आयत्त, p 262, 16.

## आय—आरो.

- आयस, p 244, n.  
 आयास, p 168, 16.  
 आयु, p 219, 88.  
 आयुध, p 211, 50.  
 आयुधिक, p 208, 35.  
 आयुधीय, p 208, 35.  
 आयुष्मत्, p 261, 6.  
 आयुस्, p 219, n.  
 आयोधन, p 216, 72.  
 आर, p 244, n.  
 आरकूट, p 244, 97.  
 आरम्भ, p 91, 4.  
 आरति, p 296, 37.  
 आरनालक, p 230, 29.  
 आरम्भ, p 293, 26.  
 आरय, p 44, 2.  
 आरा, p 255, 35.  
 आराति, p 193, n.  
 आरात्, p 372, 4.  
 आराधन, p 336, 128.  
 आराम, p 86, 2.  
 आरालिक, p 227, 28.  
 आरात्र, p 44, 2.  
 आरु, p 228, n.  
 आरेवत, p 91, 4.  
 आरोग्य, p 150, 1.  
 आरोह, p 168, 16.  
 p 370, 240.

## आरो—आलो

- आरोहण, p 82, 18.  
 आर्त्तगल, p 104, n.  
 आर्त्तव, p 142, 21.  
 आर्त्ति, p 320, n.  
 आर्त्तवी, p 112, n.  
 आर्द्र, p 284, 55.  
 आर्द्रक, p 229, 37.  
 आर्द्र्य, p 175, 2.  
 आर्यावर्त्त, p 74, 8.  
 आर्यभ्य, p 236, 62.  
 आल, p 245, 104.  
 आलम्भ, p 218, 84.  
 आलय, p 79, 5.  
 आलवाल, p 68, 29.  
 आलस्य, p 252, 19.  
 आलान, p 201, 9.  
 आलाप, p 42, 16.  
 आलाव, p 123, n.  
 आलाव्, p 123, n.  
 आलि, p 76, 14. p 130, n.  
 p 110, 12.  
 आलिङ्ग, p 46, n.  
 आलिङ्ग, p 46, 5.  
 आली, p 86, n. p 130, n.  
 p 140, n. p 76, n.  
 आलीढ, p 212, 53.  
 आलु, p 228, 31.  
 आलोक, p 294, n.

## आलो—आशा.

- आलोकन, p 294, 31.  
 p 298, 3.  
 आलोकन, p 229, 33.  
 आलोक्य, p 61, 6.  
 आलोक्य, p 86, 4.  
 आलोक्य, p 226, 23.  
 आलोक्य, p 68, 29.  
 आलोक्य, p 166, 8.  
 आलोक्य, p 68, 29.  
 आलोक्य, p 102, n.  
 आलोक्य, p 64, 14.  
 आलोक्य, p 379, 12.  
 आलोक्य, p 48, 12.  
 आलोक्य, p 48, 12.  
 आलोक्य, p 184, 36.  
 आलोक्य, p 281, 10.  
 आलोक्य, p 281, n.  
 आलोक्य, p 118, 2.  
 आलोक्य, p 54, n.  
 आलोक्य, p 79, 7.  
 आलोक्य, p 183, 33.  
 आलोक्य, p 183, n.  
 आलोक्य, p 265, 27.  
 आलोक्य, p 295, 27.  
 आलोक्य, p 378, 10.  
 आलोक्य, p 289, 11.  
 आलोक्य, p 11, 55.  
 आलोक्य, p 29, n.

## आशा—आस.

- आशा, p362,218.p15,2.  
 आशान्त, p 235, 59.  
 आशान्त, p 367, 230.  
 आशीविष, p 57, 7.  
 आशु, p13,60. p223,15.  
 आशुग, p 12, 57. p 212,  
 54. p 304, 20.  
 आशुब्रीहि, p 223, n.  
 आशुगुच्छि, p 11, 50.  
 आशुय्य, p 50, 19.  
 आशुय्य, p 175, 3.  
 आशुय्य, p 195, 18.  
 आशुय्य, p 10, 50.  
 आशुय्य, p 264, 24.  
 आशुय्य, p 285, 58.  
 आशुय्य, p 203, 16.  
 आशुय्य, p 90, 18.  
 आशुय्य, p 29, 17.  
 आशुय्य, p 29, 17.  
 आशुय्य, p 10, 47.  
 आशुय्य, p 203, 15.  
 आशुय्य, p 203, n.  
 आशुय्य, p29,16.p187,45.  
 आशुय्य, p 260, 9.  
 आशुय्य, p 174, 10.  
 p 202, 7.  
 आशुय्य, p 292, 21.  
 आशुय्य(आशुय्य),p387,9.

## आस—आह.

- आस, p 275, 16.  
 आसादित, p 284, 54.  
 आसार, p 17, 13.  
 p. 214, 64.  
 आसुर, p 2, n.  
 आसुरी, p 225, n.  
 आसेचनक, p 272, n.  
 आस, p 371, 1.  
 आस्कन्दन, p 216, 72.  
 आस्कन्दित, p 204, 10.  
 आस्तरण, p 202, 10.  
 आस्था, p 325, 90.  
 आस्थान, p 178, 15.  
 आस्थानी, p 178, 15.  
 आसद, p 327, 96.  
 आस्फोटनी, p 255, 34.  
 आस्फोटा, p 103, n.  
 p 110, n.  
 आस्फोत(आस्फोट),p11  
 61.  
 आस्फोता, p 103, 50.  
 p 110, 22.  
 आस्य, p 261, 40.  
 आस्था, p 292, 21.  
 आस्य, p 294, 29.  
 आस्य, p43,21.p280,  
 आस्यलक्षण, p 261, 1.  
 आस्य, p 216, 74.

## आह -- इज्ज

आह्वयनीय, p 179, 19.  
 आहार, p 231, 56.  
 आहाव, p 68, 26.  
 आहितलक्षण, p 261, n.  
 आहित्यं, p 51, n.  
 आहितशिल्पक, p 58, 11.  
 आहति, p 40, n.  
 आह्वेय, p 58, 9.  
 आह्वेयी, p 58, n.  
 आहो, p 377, 5.  
 आहोपुरुषिका, p 215, 69.  
 आहोस्वित्, p 377, n.  
 आह्वय, p 40, 8.  
 आह्वान, p 16, 8.  
 आह्वान, p 40, 9.  
 आका, p 381, n.  
 आक्ष, p 125, 29.  
 आक्षगन्धा, p 110, 23.  
 p 124, 28.  
 आक्षर, p 110, 23.  
 आक्षुक्त, p 123, 21.  
 आक्ष, p 200, 15, p 277, 23.  
 आक्षित, p 290, 15.  
 आक्षुद, p 97, n.  
 आक्षुदी, p 97, 26.  
 आक्षा, p 52, 27.  
 आक्षावती, p 139, 9.  
 आक्षल, p 100, 11

## इज्या -- इन्द्रा

इज्याशील, p 176, 8.  
 इक्षर, p 236, 62.  
 इडा, p 313, 45.  
 इक्षुर, p 236, n.  
 इक्षर, p 251, 16. p 355, 194.  
 इक्षरेद्युम्, p 382, n.  
 इक्षि, p 373, 7.  
 इक्षिहा, p 178, 12.  
 इक्षिहास, p 39, 5.  
 इक्षरी, p 139, 10.  
 इक्षानीम्, p 383, 23.  
 इक्ष, p 89, 13.  
 इक्ष, p 332, 111.  
 इक्षिरा, p 5, 23.  
 इक्षीवर, p 70, 37.  
 इक्षीवरी, p 109, 19.  
 इक्षीवार, p 70, n.  
 इक्ष, p 18, 15.  
 इक्ष, p 7, 36.  
 इक्षुद्, p 96, 25.  
 इक्षुयत्र, p 102, 47.  
 इक्षुवारुणी, p 123, 22.  
 इक्षुसुरस, p 102, 49.  
 इक्षुसरिस, p 102, n.  
 इक्षुणिका, p 102, 49.  
 इक्षुणी, p 8, 10.  
 इक्षुगन्धा, p 378, n

## इन्द्रा -- इष्ट

इन्द्रायुध, p 17, 12.  
 इन्द्रारि, p 2, 7.  
 इन्द्रावरज, p 4, 15.  
 इन्द्रिय, p 153, 13, p 35, 17.  
 इन्द्रियायं, p 35, 17.  
 इक्ष्वन, p 89, 13.  
 इक्ष, p 200, 3.  
 इक्ष्य, p 261, 10.  
 इक्ष्या, p 261, n.  
 इक्षयिन्, p 390, 15, n.  
 इक्ष, p 316, n.  
 इक्षुद्, p 17, 11.  
 इक्ष, p 257, 10, p 350, 178.  
 इक्षु, p 123, 21.  
 इक्षा, p 313, 45.  
 इक्षी, p 213, n.  
 इक्षुका, p 29, n.  
 इक्षुला, p 29, 23.  
 इक्ष, p 378, 9.  
 इक्षीका, p 201, n.  
 इक्ष, p 29, 17.  
 इक्षिका, p 205, n, p 201, n.  
 इक्षीका, p 255, n, p 201, n.  
 इक्ष, p 212, 55.  
 इक्षुधि, p 212, 56.  
 इक्ष, p 182, 27, p 235, 57.  
 इक्षकापथ, p 125, 30.  
 इक्षुगन्ध, p 36, 20.

| इटा - ईषी.                   | ईहा - उज्जा.               | उज्जव - उज           |
|------------------------------|----------------------------|----------------------|
| इटाघोद्युक्त, p 260, 9.      | ईहा, p 52, 27.             | उज्जव, p 49, 17.     |
| इटि, p 311, 41.              | ईहान्दग, p 128, 7.         | उज्ज, p 220, n.      |
| इषास, p 211, 51.             |                            | उज्जयित, p 220, 2.   |
|                              | उक्त, p 284, 57. p 396, n. | उज्जसिख, p 220, n.   |
| ईक्षण, p 162, 44. p 294, 31. | उक्ति, p 38, 1.            | उज्ज, p 79, 6.       |
| ईक्ष्यणिका, p 141, 20.       | उक्थ, p 396, n.            | उहु, p 20, 22.       |
| ईक्षित, p 285, 59.           | उकनु, p 235, 6.            | उहुप, p 62, 11.      |
| ईति, p 320, 71.              | उक्ताभद्र, p 235, 59.      | उहुप, p 62, n.       |
| ईरण, p 316, 59.              | उखा, p 228, 31.            | उहुम्बर, p 244, n.   |
| ईरित, p 280, 37.             | उख्य, p 231, 45.           | उहुम्बर, p 90, n.    |
| ईसं, p 151, 5.               | उय, p 6, 27. p 248, 2.     | उहुीन, p 135, 37.    |
| ईर्ष्या, p 151, 24.          | p 50, 20.                  | उत, p 377, 5. p 283, |
| ईखि, p 213, n.               | उयगन्धा, p 109, 21.        | 50.                  |
| ईखित, p 285, 59.             | p 120, 10.                 | उताहो, p 377, 5.     |
| ईली, p 213, 59.              | उञ्ज, p 276, 19.           | उताहोखित्, p 377, n. |
| ईष, p 6, 25. p 15, 4.        | उञ्जटा, p 124, 25.         | उत्, p 372, n.       |
| ईषा, p 223, n.               | उञ्जण्ड, p 279, 32.        | उत्क, p 260, 8.      |
| ईषान, p 6, 26.               | उञ्जार, p 155, 18.         | उत्कट, p 264, 23.    |
| ईषिह, p 251, 10.             | उञ्जावच, p 279, 32.        | p 118, 22.           |
| ईषर, p 6, 26. p 261, 10.     | उञ्जैश्वस्, p 8, 41.       | उत्कण्डा, p 52, 29.  |
| ईषरा, p 7, n. p 261, n.      | उञ्जैश्वस्, p 8, n.        | उत्कर, p 136, 42.    |
| ईषरी, p 7, 32. p 261, n.     | उञ्जैर्षुट, p 41, 12.      | उत्कर्ष, p 289, 11.  |
| ईष, p 29, n.                 | उञ्जैस्, p 380, 17.        | उत्कलिका, p 52, 29.  |
| ईषत्, p 378, 8.              | उच्छादन, p 170, n.         | उत्कार, p 295, 36.   |
| ईषा, p 223, 14.              | उच्छ्रय, p 88, 10.         | उत्कोष, p 132, 28.   |
| ईषिका, p 201, n.             | उच्छ्राय, p 88, 10.        | उत्संघ, p 366, 229.  |
| p 255, 33.                   | उच्छ्रित, p 276, 19.       | उत्त, p 284, 55.     |
| ईषीका, p 255, n.             | उज्जासन, p 218, 83.        | उत्तम, p 154, 14.    |

## उत्त—उत्स.

- उत्तम, p 273, 6.  
 उत्तमणं, p 221, 5.  
 उत्तमा, p 137, 4.  
 उत्तमाङ्ग, p 162, 46.  
 उत्तर, p 41, 10. p 354, 192.  
 उत्तरतस, p 383, n.  
 उत्तरात्, p 383, n.  
 उत्तरासङ्ग, p 169, 19.  
 उत्तरीय, p 169, 19.  
 उत्तरेण, p 383, n.  
 उत्तरेद्युस्, p 382, n.  
 उत्तान, p 64, 15:  
 उत्तानशय, p 147, 41.  
 उत्तङ्ग, p 276, n.  
 उत्थान, p 331, 120.  
 उत्थित, p 324, 87.  
 उत्थित्वा, p 265, 29.  
 उत्थिष्य, p 265, 29.  
 उत्थित्ति, p 32, 8.  
 उत्थल, p 70, 36. p 115, 14.  
 उत्थलधारिणा, p 112, 30.  
 उत्थात, p 217, 77.  
 उत्थुङ्ग, p 87, 7.  
 उत्थास, p 50, n.  
 उत्स, p 85, 5.  
 उत्सर्जन, p 182, 28.  
 उत्सव, p 55, 38. p 360, 211.  
 उत्सादन, p 170, 23.

## उत्स—उदा.

- उत्साह, p 52, 29.  
 उत्साहसर्जन, p 49, 18.  
 उत्सुक, p 260, 9.  
 उत्सृष्ट, p 284, 56.  
 उत्सेध, p 88, 10.  
 p 328, 98.  
 उद, p 60, n.  
 उदक, p 60, 4.  
 उदक्या, p 142, 21.  
 उदय, p 276, 19.  
 उदय्, p 276, 19, n.  
 उदज, p 296, 39.  
 उदधि, p 60, 1.  
 उदना, p 40, 8.  
 उदन्या, p 231, 55.  
 उदन्यत्, p 60, 1.  
 उदपान, p 68, 26.  
 उदय, p 84, 2.  
 उदर, p 158, 28.  
 उदकं, p 198, 29.  
 उदसित, p 78, 4.  
 उदशित्, p 231, 53.  
 उदात्त, p 39, 5.  
 उदान, p 12, 59.  
 उदार, p 355, 194.  
 उदारा, p 355, n.  
 उदारी, p 355, n.  
 उदासीन, p 193, 10.

## उदा—उद्ध.

- उदाहार, p 41, 10.  
 उदाहारण, p 41, n.  
 उदित, p 282, 44. p 284, 57.  
 उदीची, p 15, 3.  
 उदीच्य, p 71, 7.  
 उदुम्बर, p 241, 98.  
 उदुम्बरपर्णी, p 120, 10.  
 उदुम्बर, p 91, 2.  
 उदूखल, p 226, 25.  
 उद्वत, p 282, 46.  
 उद्वसनीय, p 167, 14.  
 उद्गाढ, p 13, 62.  
 उद्गाह, p 178, 16.  
 उद्गार, p 296, 37.  
 उद्गीथ, p 391, 19.  
 उद्गूर्ण, p 280, 39.  
 उद्ग्याह, p 296, 37.  
 उद्ग, p 32, 5.  
 उद्हन, p 295, 35.  
 उद्घाटन, p 251, 28.  
 उद्घात, p 293, 26.  
 उद्घान, p 197, 26.  
 उद्घाल, p 94, 15.  
 उद्घित, p 282, n.  
 उद्घाष, p 217, 79.  
 उद्घरण, p 316, n.  
 उद्घर्ष, p 55, 38.  
 उद्घव, p 55, 38.

## उद्धा—उन्न.

- उद्धान, p282,n.p227,29.  
 उद्धान, p200,4 p282,29.  
 उद्धार, p221, 4. p 227,u.  
 उद्भूत, p 281, 39.  
 उद्भव, p 32, 8.  
 उद्भिज, p 272, n.  
 उद्भिज्ज, p 272, 1.  
 उद्भिद्, p 272, 1.  
 उद्भिद्, p 272, 1.  
 उद्भव, p 290, 12.  
 उद्युत, p 280, 39.  
 उवस, p 289, 11.  
 उदान, p 86, 3. p 334,  
 119.  
 उद्युक्त, p 260, 9.  
 उद्योग, p 397, 32.  
 उद्ग, p 66, 20.  
 उद्दत्त, p 170, 23.  
 उद्दान, p 282, n.  
 उद्दान, p 282, 46.  
 उद्दासन, p 218, 83.  
 उद्दाह, p 190, 56.  
 उद्देश, p 126, 35. p290,  
 12.  
 उद्दस, p 238, n.  
 उद्धान, p 227, n.  
 उद्दुह, p 129, 12.  
 उद्दत, p 276, 19.

## उन्न—उप.

- उन्नत;नत, p 276, 19.  
 उन्नय, p 289, 12.  
 उन्नाय, p 289, 12.  
 उन्नत्, p 104,58.p153,  
 11.  
 उन्नद, p 264, 23.  
 उन्नदिष्णु, p 264, 23.  
 उन्ननस, p 260, 8.  
 उन्नाथ, p 253, 27.  
 उन्नाद, p51,26.p264,n.  
 उन्नादवत्, p 153, 11.  
 उपकण्ठ, p 275, 17.  
 उपकारिका, p 80, 10  
 उपकारी, p 80, n.  
 उपकार्या, p 80, n.  
 उपकुञ्चिका, p 229, 37.  
 p 115, 13.  
 उपकुल्या, p 108, 15.  
 उपकूप, p 68, 26.  
 उपक्रम, p 178, 12.  
 p 310, 112.  
 उपक्रोश, p 11, 14.  
 उपकृण, p 44, n.  
 उपगत, p.285, 58.  
 उपगूहन, p 294, 30.  
 उपग्रह, p 219, 87.  
 उपग्रहण, p 185, n.  
 उपग्रहाह, p 198, 28.

## उप—उप.

- उपग, p 292, 19.  
 उपचरित, p 284, 51.  
 उपचाय, p 180, 20.  
 उपचित, p 280, 38.  
 उपचित्रा, p 107, 6.  
 उपजाप, p 196, 21.  
 उपजोष, p 378, 10.  
 उपज्ञा, p 178, 12.  
 उपतप्त, p 290, 14.  
 उपताप, p 150, 2.  
 उपत्यका, p 85, 7.  
 उपदर्शक, p 192, n.  
 उपदा, p 198, 28  
 उपधा, p 196, 21.  
 उपधान, p 174, 39.  
 उपधि, p 52, n.  
 उपनाह, p 47, 7.  
 उपनिधि, p 210, 81.  
 उपनिषद्, p 327, 95.  
 उपनिष्कर, p 77, 18.  
 उपन्यास, p 40, 9.  
 उपपत्ति, p 145, 35.  
 उपभृत्, p 181, 24.  
 उपभोग, p 292, 20.  
 उपसा, p 256, 36.  
 उपसाह, p 3 0, 178.  
 उपसान, p 256, 36.  
 उपयस, p 190, 55.

## उप—उप.

- उपयान, p 199, 56.  
 उपयोष, p 378, n.  
 उपरक्त, p 27, 10. p269,  
 43.  
 उपरक्षण, p 199, 1.  
 उपरम, p 296, n.  
 उपराग, p 26, 9.  
 उपराच, p 296, 37.  
 उपरि, p 383, n.  
 उपरिष्ठात्, p 383, n.  
 उपल, p 84, 4.  
 उपलम्बार्था, p 39, 6.  
 उपलम्बि, p 33, 10.  
 उपलम्बा, p 294, 27.  
 उपला, p 357, 201.  
 उपवन, p 86, 2.  
 उपवर्त्तन, p 75, 8.  
 उपवर्द्ध, p 174, 39.  
 उपवस्त, p 184, 37.  
 उपवास, p 184, 37.  
 उपविषा, p 109, 18.  
 उपवीत, p 188, 49.  
 उपशल्ल, p 83, 20.  
 उपशय, p 295, 32.  
 उपश्रुत, p 285, 58.  
 उपसंख्यान, p 169, 18.  
 उपसम्पन्न, p 181, 26.  
 p 232, 45.

## उप—उपा.

- उपसर, p 293, 25.  
 उपसर्ग, p 217, 77.  
 उपसर्जन, p 274, 9.  
 उपसर्था, p 238, 70.  
 उपसूत्र्यक, p 22, 34.  
 उपस्कर, p 229, 35.  
 उपस्थ, p 157, 26.  
 उपस्थर्ष, p 184, 35.  
 उपहार, p 198, 28.  
 उपह्वर, p 352, 185.  
 उपांशु, p 196, 23.  
 उपाकरण, p 185, 40.  
 उपाकर्म्मन्, p 185, n.  
 उपाकृत, p 181, 25.  
 उपात्य, p 295, 33.  
 p 184, 36.  
 उपादान, p 291, 16.  
 उपाधि, p 261, 12.  
 p 52, 28  
 उपाध्याय, p 176, 6.  
 उपाध्याया, p 140, 14.  
 उपाध्यायानी, p 140, 15.  
 उपाध्यायी, p 140, 15.  
 उपानह, p 254, 31.  
 उपाय, p 196, 20.  
 उपायन, p 198, 28.  
 उपालम्बा, p 42, 15.  
 उपाहृत, p 204, 18.

## उपा—उर.

- उपासक, p 212, 56.  
 उपासन, p 184, 34.  
 p 212, 54.  
 उपासना, 184, n.  
 उपासित, p 284, 51.  
 उपासि, p 184, n.  
 उपाहित, p 27, 10.  
 p 181, 41.  
 उपेन्द्र, p 4, 15.  
 उपोदिका, p 123, 23.  
 उपोद्गात, p 41, 10. p 293, n.  
 उपोषण, p 184, n.  
 उपोषित, p 184, n.  
 उपलक्ष, p 221, 8.  
 उभयद्युस्, p 382, 21.  
 उभयेद्युस्, p 382, 21.  
 उमा, p 7, 32.  
 उमापति, p 6, 30.  
 उरःसूत्रिका, p 165, 6.  
 उरग, p 58, 8.  
 उरङ्ग, p 58, n.  
 उरङ्गन, p 58, n.  
 उरण, p 239, 77.  
 उरणान्त, p 120, 13.  
 उरभ्र, p 239, 77.  
 उररी, p 375, 15.  
 उररीकृत, p 285, 58.  
 उरव्य, p 220, 1.



## उर—उहो.

- उरम्भद, p 207, 32.  
 उरस्, p 158, 29.  
 उरसिख, p 209, 44.  
 उरस्य p 144, 28.  
 उरस्तत्, p 209, 44.  
 उरी, p 375, n.  
 उरीकत, p 285, n.  
 उर, p 254, 31.  
 उररी, p 375, n.  
 उरयूक, p 98, n.  
 उरयूक, p 98, 31.  
 उयी, p 315, n.  
 उयीरा, p 73, 4.  
 उयीशी, p 10, 47.  
 उयीर (रयीर), p 123,  
 21, n.  
 उयी, p 73, 3.  
 उलपी, p 65, n.  
 उलुपी, p 65, n.  
 उलुपी, 65, 18.  
 उलूक, p 130, 15.  
 उलूखल, p 226, 25.  
 उलूखलक, p 94, 14.  
 उलूपिन्, p 65, 18.  
 उल्का, p 386, 8.  
 उल्युक, p 228, 30.  
 उल्लाघ, p 152, 8.  
 उल्लोच, p 160, 21.

## उहो—उघा.

- उहोच, p 61, 6.  
 उहू, p 146, 38.  
 उहूण, p 278, 31.  
 उघनस्, p 21, 26.  
 उघनन्, p 21, n.  
 उघन, p 21, n.  
 उघीर, p 125, 29.  
 उघण, 220, 36, n.  
 उघणा, p 108, 15.  
 उघती, p 12, 18.  
 उघवेध, p 10, 49.  
 उघस्, p 381, n. p 24, 2.  
 उघ, p 24, 5.  
 उघा, p 228, n. p 381,  
 18. p 24, n.  
 उघापति, p 5, 22.  
 उघित, p 283, 48.  
 उघितङ्करीन, p 235, n.  
 उघितङ्करीना, p 235, n.  
 उघीर, p 125, n.  
 उघ, p 239, 75.  
 उघ्, p 252, 19. p 30, 19.  
 उघ्परिस्र, 22, 30.  
 उघ्यागन, p 30, 19.  
 उघ्याका, p 180, n.  
 उघ्यीघ, p 364, 222.  
 उघ्योपगन, p 30, 19.  
 उघ्यक, p 29, 18.

## उघा—उह.

- उघा, p 29, 18.  
 उघ्यागन, p 30, n.  
 उघ, p 22, 34.  
 उघ्ना, p 237, 66.  
 उघ, p 231, 45.  
 उढकङ्कट, p 207, 33.  
 उत, p 233, 50.  
 उति, p 296, n.  
 उघस्, p 238, 73.  
 उन, p 337, 130.  
 उन्, p 381, 18.  
 उररी, p 375, 15, n.  
 उरी, p 375, 15, n.  
 उरीकत, p 285, 58.  
 उरस्, p 156, 24.  
 उरज, p 220, 1.  
 उरपब्बन्, p 156, 23.  
 उज्ज, p 29, 18.  
 उज्जसख, p 209, 43.  
 उज्जखिन्, p 209, 43.  
 उर्णनाभ, p 129, 13.  
 उर्णनाभि, p 129, n.  
 उयी, p 315, 52.  
 उयीयु, p 239, 77.  
 p 246, 107.  
 उह, p 162, 43.  
 उहक, p 46; 5, n.

| अर्द्ध—अर्ध.             | दृष्टी—एक.                 | एक—एका.              |
|--------------------------|----------------------------|----------------------|
| अर्द्धजात, p 148, 47.    | दृष्टी, p 228, n.          | एकयुक्त, p 177, 11.  |
| अर्द्धज्ञ, p 148, n.     | दृष्टी, p 228, 32.         | एकतर, p 279, n.      |
| अर्द्धज्ञ, p 148, 47.    | दृष्टु, p 276, 21.         | एकतान, p 278, 29.    |
| अर्द्धि, p 61, 5.        | दृष्ट, p 220, 3.           | एकतास, p 45, 3.      |
| अर्द्धिका, p 166, 9.     | दृष्ट, p 220, 2.           | एकतान, p 45, n.      |
| अर्द्धिमय, p 276, 20.    | दृष्टीया, p 295, 32.       | एकत्व, p 279, n.     |
| अर्द्धी, p 61, n.        | दृष्ट, p 28, 13.           | एकत्वत्, p 279, n.   |
| अर्द्धपी, p 65, n.       | दृष्टमती, p 142, 21.       | एकदन्त, p 7, 34.     |
| अर्द्धक, p 130, n.       | दृष्टे, p 376, n.          | एकदा, p 382, 22.     |
| अर्ध, p 73, 4.           | दृष्टिज्, p 179, 17. n.    | एकधुर, p 237, 65.    |
| अर्ध, p 30, n.           | दृष्ट, p 226, 23.          | एकधुरावह, p 237, 65. |
| अर्ध्यागम, p 30, n.      | दृष्टि, p 112, 31.         | एकधुरीण, p 237, 65.  |
| अर्ध्यागम, p 30, n.      | दृष्ट, p 2, 3, n.          | पक्षपदी, p 68, 16.   |
| अर्ध्यापगम, p 30, n.     | दृष्टुत्तिन्, p 8, 40.     | एकपिङ्ग, p 14, 65.   |
| अर्द्धा, p 29, n.        | दृष्टू, p 2, n.            | एकपिङ्गल, p 14, n.   |
| अर्धव, p 220, 36, n.     | दृष्ट्य, p 129, 10, n.     | एकयष्टिका, p 166, 7. |
| अर्धवा, p 108, n.        | दृष्ट्यकोत्, p 5, n.       | एकसर्ग, p 278, 29.   |
| अर्धव, p 74, 5.          | दृष्टव, p 45, 1.           | एकहायनी, p 237, 68.  |
| अर्धवत्, p 74, 5.        | दृष्टि, p 186, 42.         | एकाकिन्, p 279, 31.  |
| अर्धापति, p 5, n.        | दृष्टी, p 186, n.          | एकाद्य, p 354, 192.  |
| अर्ध, p 33, 12.          | दृष्टि, p 213, n.          | p 278, 29.           |
| अर्द्धा, p 33, n.        | दृष्ट्य, p 129, n.         | एकाद्य, p 278, 29.   |
| अर्द्ध, p 242, 90.       | दृष्ट्यकोत्, p 5, n.       | एकान्त, p 13, 92.    |
| अर्द्ध, p 99, 37. p 20,  | दृष्ट्यगन्धा, p 118, n.    | एकाद्या, p 237, 68.  |
| 22. p 127, 4.            | दृष्ट्यप्रोक्ता, p 106, 5. | एकायन, p 278, 29.    |
| अर्द्धगन्धा, p 118, 2.   | एक, p 279, 31. p 279,      | एकायनगत, p 278, 29.  |
| अर्द्धगन्धिका, p 111, 29 | 32. p 303, 16.             | एकावली, p 166, 7.    |
| अर्ध, p 33, 5.           | एकक, p 279, 31.            | एकावली, p 105, 62.   |

## एका—एका.

- एकाहीला, p 106, 3.  
 p 105, n.  
 एह, p 119, 48.  
 एहक, p 239, 77.  
 एहका, p 230, n.  
 एहगज, p 120, 12.  
 एहभूक, p 298, 38.  
 एहक, p 78, 4.  
 एहोक, p 78, n.  
 एण, p 129, 10.  
 एत, p 36, 26.  
 एतहिं, p 383, 23.  
 एता, p 36, n.  
 एध, p 89, 13.  
 एधस्, p 89, 13.  
 एधा, p 289, 10.  
 एधित, p 277, 26.  
 एनस्, p 31, 1.  
 एनी, p 36, n.  
 एरएह, p 98, 31.  
 एलवाहक, p 114, 9.  
 एला, p 115, 13.  
 एलापर्यी, p 119, 5.  
 एवं, p 374, 12. p 378, 9.  
 एव, p 378, 9. p 80, 15.  
 एवयिका, p 255, 32.  
 ऐकागरिक, p 253, 25.

## एका—ओज.

- ऐकागरिकी, p 253, n.  
 ऐहविह, p 14, n.  
 ऐहूद, p 90, 18.  
 ऐहविल, p 14, n.  
 ऐण, p 128, 8.  
 ऐखेय, p 182, 8.  
 ऐतिह, p 178, 12.  
 ऐन्द्र, p 403, n.  
 ऐन्द्रियक, p 278, 28.  
 ऐन्दी, p 403, n.  
 ऐरावण, p 9, 42.  
 ऐरावत, p 8, 42. p 16,  
 5. p 95, 18.  
 ऐरावती, p 17, 10.  
 ऐलविल, p 12, 65.  
 ऐलविल, p 12, n.  
 ऐला, p 115, 13.  
 ऐलेय, p 114, 9.  
 ऐचर्थ, p 7, 31.  
 ऐपस, p 382, 20.  
 ओक, p 368, n.  
 ओकस्, p 368, 235.  
 ओध, p 81, 1. p 47, 9. n.  
 p 135, 39.  
 ओहार, p 39, 4.  
 ओज, p 368, 235.  
 p 368, n.

## ओड—ओड.

- ओडुय्य, p 104, 56.  
 ओत, p 128, 6.  
 ओदन, p 233, 48.  
 ओम्, p 379, 12.  
 ओष, p 288, 9.  
 ओषधि, p 87, n.  
 p 118, n.  
 ओषधी, p 87, 6 n.  
 p 118, 1.  
 ओषधीष, p 18, 15.  
 ओड, p 161, 41.  
 ओडाधरौ, p 161, n.  
 ओडो, p 261, n.  
 ओलक, p 236, 60.  
 ओषिती, p 400, 39.  
 ओषित्य, p 400, 39.  
 ओत्तानपादि, p 19, 21.  
 ओदनिक, p 227, 28.  
 ओदरिक, p 263, 21.  
 ओदुन्वर, p 244, n.  
 ओपगव, p 296, 39.  
 ओपयिक, p 197, 24.  
 ओपयस, p 184, n.  
 ओरधक, p 239, 77.  
 ओरस, p 144, 28, n.  
 ओरस, p 144, n.  
 ओषंदेशिक, p 182, 30.

## श्रीष्व—कङ्क.

- श्रीष्व, p 11, 52.  
 श्रीष्वक, p 136, n.  
 श्रीष्वीर, p 353, 187.  
 श्रीष्वध, p 150, 1. p 118, 1.  
 श्रीष्वक, p 239, 77.  
 कं, p 290, 5.  
 कंघ, p 228, n.  
 कंस, p 228, 32.  
 कंसाराति, p 4, 16.  
 क, p 299, 5.  
 ककुद्, p 326, 94, n.  
 ककुद्गती, p 157, 25.  
 ककुन्दर, p 157, n  
 ककुप, p 15, n.  
 ककुम्, p 15, 2.  
 ककुभा, p 15, n.  
 ककुलक, p 172, 31.  
 ककुखट, p 277, 25.  
 ककु, p 158, 30. p 363, 221.  
 ककुा, p 202, n.  
 ककुा, p 202, 10.  
 p 345, 160.  
 ककु, p 130, 16.  
 ककुटक, p 207, 32.  
 ककुय, p 166, 9.  
 ककुयी, p 167, n.  
 ककुत, p 174, n.

## कङ्क—कटा.

- कङ्कतिका, p 174, 41.  
 कङ्कती, p 174, n.  
 कङ्काल, p 155, 20.  
 कङ्कु, p 225, 20.  
 कङ्कु, p 225, n.  
 कङ्क, p 162, 46.  
 कङ्कर, p 272, 4.  
 कङ्कित्, p 380, 14.  
 कङ्क, p 75, 10. p 116, 16. p 308, 31.  
 कङ्कप, p 66, 21.  
 कङ्कपी, p 338, 134.  
 कङ्कुर, p 152, 9.  
 कङ्कुरा, p 107, 10.  
 कङ्कू, p 150, n.  
 कङ्कु, p 207, 31.  
 p 58, 9.  
 कङ्कित्, p 193, 8, n.  
 कङ्क, p 400, n. p 157, 25. p 200, 5  
 कङ्कक, p 85, 5. p 166, 8. p 303, 18.  
 कङ्क, p 384, 4.  
 कङ्कभी, p 121, 15.  
 कङ्कम्बरा, p 106, 4.  
 कङ्कम्बरा, p 122, 18.  
 कङ्काल, p 162, 45.  
 कङ्काल, p 392, 21

## कटि—कथी.

- कटि, p 157, 25. p 310, n.  
 कटिमोच, p 157, 26.  
 कटिलक, p 122, 20.  
 कटो, p 400, 38. p 157 n. p 310, n.  
 कटु, p 35, 18. n. p 106, 4. p 310, 38.  
 कटुस्त्री, p 123, 21.  
 कटुरोहिणी, p 106, 4.  
 कटोलबीणा, p 255, n.  
 कटुफल, p 300, 8.  
 कटुङ्ग, p 99, 37.  
 कटिङ्गर, p 105, 60.  
 कठिन, p 277, 25.  
 कठोर, p 277, 25.  
 कठोल, p 277, n.  
 कटङ्कर, p 225, 22.  
 कटम्ब, p 229, 35.  
 कटार, p 38, 25.  
 कथ, p 314, 48. p 392, 20.  
 कथा, p 274, 11. p 108, 15.  
 कथाद, p 249, n.  
 कथिका, p 274, n. p 101, 46. p 386, 8.  
 कथिष, p 225, 21.  
 कथी, p 274, n

| कथी—कङ्.                  | कङ्—कथ.                  | कथ—कङ्.                |
|---------------------------|--------------------------|------------------------|
| कथी, p 274, 12.           | कङ्, p 267, 37.          | कथी, p 159, n.         |
| कथक, p 303, 18.           | कनक, p 104, 58.          | कथ्या, p 138, 8.       |
| p 27, 32.                 | p 243, 94.               | कपट, p 52, 30.         |
| कथकफल, p 100, n.          | कनकाय्य, p 192, 7.       | कपर्द, p 6, 30.        |
| कथकारिका, p 108, 12.      | कनकाशुक्ला, p 199, 32.   | कपर्दिन्, p 6, 27.     |
| कथकफल, p 100, 41.         | कनिष्ठ, p 147, 43.       | कपाट, p 82, 17.        |
| कण्ठ, p 160, 39.          | p 312, 44.               | कपाटी, p 82, n.        |
| कण्ठभृषा, p 165, 5.       | कनिष्ठा, p 159, 33.      | कपाल, p 155, 19.       |
| कण्ठा, p 160, n.          | कनीनिका, p 159, n        | कपालभृश, p 6, 27.      |
| कण्ठी, p 160, n.          | p 162, 43.               | कपि, p 127, 3.         |
| कण्ठ, p 151, 4.           | कनीनी, p 159, n.         | कपिकञ्च, p 106, 5.     |
| कण्ठति, p 151, n.         | कनीयसी, p 370, n.        | कपित्य, p 91, 1.       |
| कण्ठ्या, p 151, 4.        | कनीयस्, p 274, n. p 369. | कपिल, p 38, 25.        |
| कण्ठरा, p 106, 5.         | 237. p 147, n.           | कपिला, p 16, 6. p 101, |
| कण्ठोल, p 227, 26.        | कन्या, p 387, 9.         | 43. p 114, 8.          |
| कण्ठोलवीषा, p 255, 32.    | कन्द, p 85, 6.           | कपिवल्ली, p 108, 16.   |
| कक्ष, p 125, 31.          | कन्दरा, p 85, n          | कपिध, p 37, 25.        |
| कथा, p 40, 6.             | कन्दराख, p 96, 23.       | कपितन, p 92, 7. p 96,  |
| कदम्ब, p 76, 16.          | कन्दरी, p 85, n.         | 23.                    |
| कदम्ब, p 96, 22.          | कन्दर्प, p 5, 20.        | कपोत, p 130, 14.       |
| कदम्बक, p 135, 40.        | कन्दली, p 128, 9.        | कपोतपालिका, p 81, 15.  |
| कदर, p 98, 30.            | कन्दुक, p 174, 40.       | कपोतांघ्रि, p 116, 17. |
| कदर्थ, p 270, 48.         | कन्दू, p 228, 30.        | कपोतांजन, p 244, n.    |
| कदल, p 112, n.            | कन्दूर, p 160, n.        | कपोल, p 161, 41, n.    |
| कदली, p 128, 9. p 112, 1. | कन्दूरा, p 160, 39.      | कफ, p 158, 13.         |
| कदाचित्, p 377, 4.        | कन्यका, p 138, n.        | कफधि, p 158, 31, n.    |
| कदुष्, p 23, 36.          | कन्यकाजात, p 142, 24.    | कफथी, p 158, n.        |
| कङ्, p 38, 25.            | कन्यस, p 147, n.         | कफाधि, p 158, 31;      |

| कफि—कम्बि                              | कम्बी—कर                                | कर—कर्क                         |
|--|---|---------------------------------|
| कफिन्, p 153, 11.                      | कम्बी. p 229, n.                        | करम्ब, p 232, n.                |
| कफोषी, p 158, n.                       | कम्ब, p 67, 23. p 338,<br>136.          | करम्ब, 232, 48.                 |
| कबर, p 12, n.                          | कम्बुपीषा, p 161, 39.                   | करम्ब, p 159, 34.               |
| कबुर, p 12, n.                         | कम्ब, p 264, 24.                        | करवालिका, p 213, n.             |
| कबन्ध, p 60, 4. p 219, 86.             | कयस्था, p 120, n.                       | करवीर, p 104, 57.               |
| कम्, p 374, 11.                        | कर, p 197, 27. p 22,<br>25. p 347, 166. | करवाया, p 159, 33.              |
| कमठ, p 66, 21.                         | करक, p 101, 45.                         | करवीकर, p 200, 5.               |
| कमठी, p 67, 24.                        | करका, p 18, 13.                         | करवाट, p 72, 43.                |
| कमखल्ल, p 187, 45.                     | करज, p 116, 17. p 97,<br>28.            | करवाटक, p 98, 33.               |
| कमन, p 264, 24.                        | करझक, p 97, 28.                         | कराल, p 359, 207.               |
| कमन्ध, p 60, n.                        | करड, p 130, 20. p 310,<br>36.           | करिगर्जित, p 217, 76.           |
| कमल, p 60, 3. p 71, 40.<br>p 356, 196. | करण, p 248, 2. p 316,<br>57.            | करिषी, p 200, 4.                |
| कमला, p 5, 22.                         | करण्ड, p 391, 18.                       | करिन्, p 200, 2.                |
| कमलासन, p 3, 12.                       | करतोया, p 69, 33.                       | करिपम्पली, p 108, 15.           |
| कमलोत्तर, p 246, 106.                  | करपत्न, p 255, 35.                      | करिषाचक, p 200, 8.              |
| कमिट, p 264, 23.                       | करपाल, p 213, 57.                       | करीर, p 104, 37.<br>p 349, 175. |
| कम्प, p 55, 38.                        | करपालिका, p 213, 59.                    | करीष, p 133, 51.                |
| कम्पित, p 55, n.                       | करवाल, p 213, n.                        | करुणा, p 49, 18. p 315,<br>54.  |
| कम्पन, p 277, 24. p 55, n.             | करवालिका, p 213, n.                     | करेटु, p 131, 19.               |
| कम्पिल, p 120, n.                      | करवालिका, p 213, n.                     | करेणु, p 315, 55. p 200, n.     |
| कम्पिल्ल, p 120, n.                    | करभ, p 159, 32. p 239,<br>75.           | करेणू, p 315, n.                |
| कम्पील, p 120, n.                      | करभूषण, p 166, 9.                       | करोडि, p 156, 20.               |
| कम्ब, p 277, 24.                       | करभदक, p 102, 48.                       | ककं, p 203, 14.                 |
| कम्बल, p 169, 18. p 356,<br>196.       |   | ककंड, p 66, n.                  |
| कम्बलिवाह्यक, p 204, 20.               |   | ककंडक, p 66, 21.                |
| कम्बि, p 229, 34.                      |   | ककटी, p 387, n.                 |

## कर्क—कर्प.

- कर्कन्धु, p 94, n.  
कर्कन्धु, p 94, 17. p 400,  
38.  
कर्करी ० 228, 31.  
कर्करेट, p 131, 19.  
कर्कश, p 120, 12. p 363,  
219.  
कर्कार, p 122, 21.  
कर्कुर, p 243, n.  
कर्कुर, p 122, n.  
कर्कुरक, p 118, 23.  
कर्क, p 162, 45.  
कर्कजलौकस्, p 130, n.  
कर्कजलौका, p 130, 13.  
कर्कधार, p 68, 12.  
कर्कवेदन, p 165, 5.  
कर्किका, p 165, 5. p 302,  
15.  
p 302, 15.  
कर्किकार, p 100, 41.  
कर्किकरिष, p 204, 20.  
कर्कजप, p 270, 47.  
कर्करी, p 255, 34.  
कर्क, p 403, n.  
कर्की, p 403, n.  
कर्क, p 62, 9.  
कर्कट, p 168, 16. p 397, n.  
कर्कर, p 155, 19.

## कर्प—कर्ष.

- कर्पराल, p 92, n.  
कर्परी, p 245, 102.  
कर्पास, p 398, n.  
कर्पासी, p 113, 4.  
कर्पूर, p 172, 31.  
कर्पूर, p 12, n.  
कर्पूर, p 243, 95. p 12,  
55.  
कर्पूर, p 243, n.  
कर्ष, p 286, n.  
कर्षकर, p 251, 15.  
p 263, 19.  
कर्षकार, p 263, 19.  
कर्षजन, p 262, 18.  
कर्षठ, p 262, 18.  
कर्षययभुज, p 263, n.  
कर्षयया, p 256, 38.  
कर्षन्दिन्, p 185, 41.  
कर्षशील, p 262, 18.  
कर्षमूर, p 262, 18.  
कर्षसचिप, p 192, 4.  
कर्षार, p 124, 26.  
कर्षेन्द्रिय, p 35, 17.  
कर्षट, p 397, 33.  
कर्षरी, p 230, n.  
कर्षूर, p 38, 26. p 122, n.  
कर्षूर, p 122, 20.  
कर्ष, p 242, 88.

## कर्ष—कल.

- कर्षक, p 221, 6.  
कर्षकल, p 100, 39.  
कर्षू, p 364, 224.  
कल, p 45, 2.  
कलकल, p 44, 4.  
कलक, p 19, 18. p 298, 4.  
कलन, p 351, 180.  
p 384, n.  
कलघोत, p 322, 79.  
कलध, p 200, 8.  
कलन, p 226, 94.  
कलन्ध, p 123, n. p 212,  
55. p 229, 85.  
कलन्धी, p 123, 23.  
कलन्धू, p 123, n.  
कलरव, p 130, 14.  
कलल, p 146, 38.  
कलविङ्क, p 131, 18.  
कलय, p 228, 31.  
कलयि, p 108, 11.  
p 228, n.  
कलयी, p 108, n.  
p 228, n.  
कलस, p 228, n.  
कलसि, p 108, n.  
कलसी, p 228, n.  
कलसंस, p 132, 23.  
कलस, p 216, 73.

| कला—कल्प.                               | कल्या—कल्प.                              | कद—काके.                       |
|---|--|--------------------------------|
| कला, p 18, 17. p 27,<br>11. p 357, 200. | कल्या, p 42, 18. p 217,<br>24.           | कद, p 255, 32.                 |
| कलाद, p 249, 8.                         | कल्याण, p 31, 3.                         | कदा, p 254, n.                 |
| कलानिधि, p 18, 16.                      | कल्याणी, p 31, n.                        | कदाय, p 344, 155.<br>p 35, 18. |
| कलाप, p 337, 131.                       | कल्लोल, p 61, 6.                         | कदरका, p 156, n.               |
| कलाय, p 224, 16.                        | कवच, p 207, 32.                          | कट, p 311, 42. p 60, 4.        |
| कलि, p 216, 73. p 89, n.<br>p 356, 196. | कवर, p 163, n.                           | कस, p 255, n.                  |
| कलिका, p 89, 16.                        | कवरी, p 119, 5. p 163.<br>48. p 230, 40. | कसा, p 254, n.                 |
| कलिकारक, p 97, n.                       | कवल, p 234, 54.                          | कसूरी, p 172, 31.              |
| कलिक्र, p 102, 47.<br>p 130, 16.        | कवाट, p 82, n.                           | ककाल, p 217, n.                |
| कलिद्रुम, p 100, 39.                    | कवाटी, p 82, n.                          | ककुमार, p 70, 36.              |
| कलिमारक, p 97, 28.                      | कवि, p 21, 26. p 176, 5.                 | ककु, p 132, 22.                |
| कलिल, p 279, 34.                        | कविका, p 204, 17.                        | कांस्य, p 228, n.              |
| कली, p 89, n.                           | कवित्य, p 91, n.                         | कांस्यताल, p 46, 4.            |
| कलुष, p 31, 1. p 64, 14.                | कविय, p 398, 35.                         | काक, p 131, 20.                |
| कलेवर, p 156, 21.                       | कवी, p 176, n. p 204, n.                 | काकचिञ्ची, p 109, 16.          |
| कल्क, p 302, 14.                        | कवीर्ण, p 23, 36.                        | काकतिन्दुक, p 95, 19.          |
| कल्प, p 30, 21. p 185,<br>39, p 256, n. | कव्य, p 181, 24.                         | काकनासिका, p 113, 6.           |
| कल्पना, p 202, 10.                      | कथा, p 254, 31.                          | काकपत्र, p 163, 47.            |
| कल्पद्रुम, p 9, 46.                     | कथार्ह, p 269, 44.                       | काकपीडुक, p 95, 19.            |
| कल्पान्न, p 30, 22.                     | कथिपु, p 337, 133.                       | काकमाची, p 121, 17.            |
| कल्पवृक्ष, p 31, 1.                     | कथेरका, p 156, 20.                       | काकसुहा, p 112, 1.             |
| कल्पान, p 38, 26.                       | कथन, p 377, n.                           | काकली, p 45, 2.                |
| कल्प, p 24, 2. p 345,<br>161. p 152, 8. | कथल, p 217, 78.                          | काकाङ्गी, p 113, 7.            |
|   | कथीरजन्मन्, p 170, n.                    | काकपी, p 386, 9.               |
|   | कथर, p 257, 40. p 269,<br>44. p 203, 15. | काकु, p 41, 18.                |
|   |  | काकुद, p 161, 42.              |
|   |  | काकेन्द, p 95, 19.             |



| काको—काखी.                             | काखे—काम.   | काम—कार.                         |
|--|---|----------------------------------|
| काकोडम्बिका, p 100, 42.                | काखेच, p 110, 23.   | कामनामिन्, p 209, 44.            |
| काकोदर, p 58, 7.                       | काधर, p 264, 26   | कामङ्गामिन्, 209, n.             |
| काको, p 58, 10.<br>p 131, 21.          | कातरा, p 264, n.  | कामन, p 264, 24.                 |
| काकोखुजिका, p 384, n.                  | कात्यायनी, p 7, 32.<br>p 141, 17.                               | कामपाल, p 4, 18.                 |
| काको, p 117, 19.                       | कादम्ब, p 132, 23.<br>p 96, n.                                  | कामम्, p 379, 13.                |
| काकोका, p 52, n.                       | कादम्बरी, p 257, 40.  | कामधित, p 264, 24.               |
| काकोप, p 93, n.                        | कादम्बिनी, p 16, 9.   | कामिनी, p 137, 3.<br>p 332, 115. |
| काच, p 244, 100. p 254, 30. p 307, 29. | काद्रुवेध, p 56, 4.   | कामिन्, p 333, n.                |
| काचस्थाली, p 99, 35.                   | कानन, p 86, 1.  | कासक, p 264, 23.                 |
| काचित, p 280, 39.                      | कानीन, p 142, 24.   | कासका, p 139, 9.                 |
| काचुन, p 243, 95.                      | कानीनी, p 142, n.   | कासकी p 139, 9.                  |
| काचुनाङ्गय, p 101, 45.                 | कान्त, p 272, 2.  | काम्बिल्ल, 120, n.               |
| काचुनी, p 230, 41.                     | कान्तलक, p 116, 16.   | काम्बिल्ल, p 120, 12.            |
| काचि, p 166, n.                        | कान्ता, p 137, 3.   | काम्बल, p 205, 22                |
| काचिक, p 230, 39.                      | कान्तार, p 77, 17.<br>p 349, 174.                               | काम्बिक, p 250, 8.               |
| काचि, p 66, 10.                        | कान्तारक, p 125, 29.  | काम्बोज, p 203, 13               |
| काञ्जिका, p 230, n.                    | कान्ति, p 19, 19.   | काम्बोजी, p 119, 8.              |
| काञ्जिक, p 230, 29.                    | कान्द्विक, p 227, 28.   | काम्बदान, p 286, 3.              |
| काञ्जीक, p 230, n.                     | कान्द्वीक, p 269, 42.   | काय, p 156, 22. p 189<br>50.     |
| काखे, p 225, 22.<br>p 313, 46.         | कापथ, p 76, 16.   | कायस्था, p 120, n<br>p 99, n.    |
| काखेष्ट, p 208, 35.                    | कापोत, p 136, 43.<br>p 247, 109.                                | कार, p 197, n.                   |
| काखेचत्, p 208, 37.                    | कापोताङ्गन, p 244, 101.   | कारण, p 32, 6.                   |
| काखेका, p 227, 26.                     | काम, p 5, 20. p 52, 28.<br>p 235, 57. p 346,<br>141. p 379, 13. | कारणा, p 59, 3.                  |
| काखीर, p 208, 37.                      |   | कारणिक, p 260, 7.                |
|  |   | कारण्य, p 134, 34.               |

**कार—कार्पा.**  
कारवी, p 122, 18.  
p 111, 30.  
कारवेङ्ग, p 122, 20.  
कारम्भा, p 99, 36.  
कारा, p 219, 87.  
कारिका, p 302, 15.  
p 59, n.  
कारीष, p 297, 43.  
कार, p 249, 5.  
कारुषिक, p 262, 15.  
कारुण्य, p 49, 18.  
कारोत्तर, p 257, 43.  
कार्तिस्वर p 243, 96.  
कार्तान्तिक, p 194, 14.  
कार्तिक, p 24, 17.  
कार्तिकिक, p 29, 18.  
कार्तिकेय, p 7, 34.  
कार्पास, p 167, 12.  
p 398, 35.  
कार्पासी, p 113, n.  
कार्प, p 262, 18.  
कार्मण्य, p 287, 4.  
कार्मी, p 262, n.  
कार्मक, p 211, 51.  
कार्ष्ण, p 96, n.  
कार्षक, 221, n.  
कार्षापण, p 242, 88.  
कार्षापणक, p 242, n.

**कार्षि—कालि.**  
कार्षिक, p 42, 88.  
कार्ष्य, 296, 25.  
काल, p 24, 1. p 11, 54.  
p 356, 196, p 37, 23.  
कालक, p 149, 49.  
कालकण्ठक, p 131, 21.  
कालकूट, p 58, 10.  
कालखण्ड, p 155, 17.  
कालधर्म, p 218, 84.  
कालदृष्ट, p 211, 51.  
कालभेषिका, p 107, n.  
कालभेषी, p 108, n.  
कालभेषिका, p 111, 27.  
p 107, 9.  
कालभेषी, p 108, 14.  
कालभेष्य, p 234, 53.  
कालभेष्य, p 234, n.  
कालद्वय, p 59, 2.  
कालस्कन्ध, p 95, 19.  
p 102, 48.  
काला, p 7, n. p 108, 13.  
p 111, 27.  
कालागुरु, p 171, 28.  
कालानुसार्य, p 115, 10.  
p 171, 27.  
कालायस, p 244, 98.  
कालिका, p 302, 15.  
कालिन्दी, p 69, 32.

**कालि—काष्ठा.**  
कालिन्दीभेदन, p 4, 19.  
काली, p 7, 32. p 99, n.  
p 356, n.  
कालीयक, p 109, n.  
p 171, 27.  
कालेयक, p 109, 20.  
p 171, n.  
काल्यक, p 118, 23.  
काल्य, 21, n.  
काल्या, p 233, 70.  
p 42, n.  
काल्यिक, p 207, 34.  
कावेरी, p 70, 35.  
काव्य, p 21, 26.  
काश, p 124, 28. p 150, n.  
काशमर्द, p 391, n.  
काशरौ, p 94, 16.  
काशस्य, p 94, 16.  
काशसौर, p 120, 11.  
काशसौरजन्मन्, p 170, 25.  
काश्यप, p 22, n.  
काश्यपि, p 22, 33.  
काश्यपी, p 73, 2.  
काष्ठ, p 88, 13.  
काष्ठकुहाल, p 63, 13.  
काष्ठतट, p 250, 9.  
काष्ठान्बुधादिनी, p 63, 11.  
काष्ठा, p 15, 2. p 27, 11.  
p 312, n.

## काष्ठी—किटि.

- काष्ठीला, p 112, 1.  
 कास, p 124, n.  
 कासवर्द, p 391, 19.  
 कार, p 128, 4.  
 कासार, p 68, 28.  
 किं, p 377, 5.  
 किंयार, p 225, 21.  
 p 347, 165.  
 किंशुक, p 93, 10.  
 कि, p 390, 15.  
 किकि, p 130, n.  
 किकिदिदि, p 130, n.  
 किकिदीदि, p 130, n.  
 किकीदिदि, p 130, n.  
 किकीदिदि, p 130, 16.  
 किकीदीदि, p 130, n.  
 किङ्कर, p 251, 17.  
 किङ्करा, p 251, n.  
 किङ्करी, p 251, n.  
 किङ्गिनी, p 167, 11.  
 किञ्चित्, p 377, n.  
 p 378, 8.  
 किञ्चलिक, p 66, n.  
 किञ्चलक, p 66, 22.  
 किञ्चल, p 66, n.  
 किञ्चलूक, p 66, n.  
 किञ्चलक, p 72, 43.  
 किटि, p 127, 2.

## किट्ट—किलि.

- किट्ट, p 155, 16.  
 किण, p 391, 18.  
 किण्णिही, p 107, 7.  
 किण्ण, p 257, 42.  
 कितव, p 104, 58.  
 p 258, 44.  
 किञ्जर, p 14, 66.  
 किञ्जरेय, p 14, 61.  
 किञ्ज, p 377, 5.  
 किञ्जत, p 376, 2.  
 p 377, 5.  
 किञ्ज, p 374, 12. p 377, n.  
 किञ्च, p 270, n.  
 किञ्चवान, p 270, 48.  
 किञ्चरुष, p 14, 66.  
 किञ्चदन्ति, p 40, n.  
 किञ्चदन्ती, p 40, 7.  
 किर, p 127, 2.  
 किरण, p 22 34.  
 किरात, p 252, n.  
 किराततिक्क, p 119, 8.  
 किरि, p 127, n.  
 किरोट, p 164, 3.  
 किर्णरि, p 38, 26.  
 किल, p 375, 16.  
 किलास, p 150, 4.  
 किलासिन्, p 153, 12.  
 किलिञ्जक, p 227, 26.

## किल्लि—कुक्क.

- किल्लिष, p 365, 225.  
 p 31, 1.  
 किंयोर, p 203, 14.  
 किष्क, p 299, 7.  
 किसलय, p 89, 14.  
 कीकस, p 155, 19.  
 कीकि, p 130, n.  
 कीचक, p 124, 27.  
 कीनाथ, p 362, 217.  
 कीर, p 131, 21.  
 कीर्त्ति, p 41, 12.  
 कीर्त्तिना, p 41, n.  
 कील, p 11, 52. p 337,  
 199.  
 कीला, p 11, n.  
 कीलक, p 238, 73.  
 कीलाळ, p 60.3. p 358,  
 202.  
 कीलित, p 268, 42.  
 कीय, p 127, 3.  
 कीयपथी, p 107, 7.  
 कु, p 73, 3.  
 कुकर, p 149, 48.  
 कुकुद, p 261, n.  
 कुकुन्दर, p 157, 26.  
 कुकुळ, p 358, 205.  
 कुक्कट, p 131, 17.  
 कुक्कटवर्षी, p 402, 11.

## कुक्—कुट्.

- कुक् भ, p 134, 35.  
 कुक् र, p 117, 20-p 252,  
 22.  
 कुक्लि, p 158, 28.  
 कुक्लिम्भरि, p 263, 21.  
 कुक्लुम, p 170, 25.  
 कुक्च, p 158, 21, n.  
 कुक्चन्दन, p 173, 34.  
 कुक्चर, p 267, 37.  
 कुक्चाय, p 158, 24.  
 कुक्ञित, p 276, 20.  
 कुक्ज, p 21, 27.  
 कुक्झ, p 85, 8-p 308, 33.  
 कुक्झर, p 201, 2-p 273, 8.  
 कुक्जरायन, p 91, 1.  
 कुक्जल, p 230, 39.  
 कुक्ट्, p 79, 6. p 87, 5.  
 p 228, 32.  
 कुक्क, p 223, 13.  
 कुक्कक, p 390, n.  
 कुक्कज, p 102, 47.  
 कुक्कट, p 117, 19. p 99,  
 37.  
 कुक्कर, p 239, n.  
 कुक्कि, p 79, n.  
 कुक्किल, p 276, 21.  
 कुक्की, p 79, n.  
 कुक्कक, p 390, 17.

## कुट्—कुढ्.

- कुट्स्वव्याघ्रत, p 261, 11.  
 कुट्स्विनी, p 133, 6.  
 कुट्नी, p 141, 19.  
 कुट्टिम, p 398, 34.  
 कुट्मल, p 89, 16.  
 कुट्, p 87, 5.  
 कुट्ठर, p 239, 75.  
 कुट्ठार, p 213, 60.  
 कुट्ठारी, p 213, n.  
 कुट्ठेरक, p 105, 60.  
 कुट्ठप, p 212, n.  
 कुट्ठव, p 242, 89.  
 कुट्ठमल, p 89, n.  
 कुट्ठ्या, p 78, 4.  
 कुट्ठप, p 219, 87. p 392,  
 29. n.  
 कुट्ठि, p 116, 16.  
 कुट्ठ, p 262, 17.  
 कुट्ठ, p 228, 31, p 145,  
 36.  
 कुट्ठल, p 165, 5.  
 कुट्ठलिन, p 58, 7.  
 कुट्ठिका, p 187, n.  
 कुट्ठी, p 228, n-p 187, 45.  
 कुट्ठप, p 183, 31.  
 कुट्ठक, p 53, 31.  
 कुट्ठप, p 229, 33.  
 कुट्ठ, p 229, 33.

## कुढ्—कुम.

- कुढ्ढल, p 53, 31.  
 कुढ्ढा, p 41, 14.  
 कुढ्ढित, p 272, 4.  
 कुढ्ढ, p 202, 10. p 125, 31.  
 कुढ्ढा, p 202, n.  
 कुढ्ढेन, p 53, n.  
 कुढ्ढाल, p 91, 3.  
 कुढ्ढास, p 78, n.  
 कुढ्ढाल, p 63, n.  
 कुढ्ढटी, p 246, 109.  
 कुढ्ढायक, p 107, 10.  
 कुढ्ढ, p 215, 61.  
 कुढ्ढल, p 162, 46.  
 कुढ्ढ, p 391, 19 p 114, 9.  
 कुढ्ढ, p 114, n.  
 कुढ्ढर, p 114, n.  
 कुढ्ढर, p 114, 9.  
 कुढ्ढरकी, p 115, 12.  
 कुढ्ढिन्द, p 249, n.  
 कुढ्ढय, p 272, 4.  
 कुढ्ढय, p 243, 92.  
 कुढ्ढय, p 76, n.  
 कुढ्ढज, p 149, 48.  
 कुढ्ढार, p 7, 36 p 48, 12.  
 कुढ्ढारक, p 91, 5.  
 कुढ्ढारी, p 103, 54.  
 p 138, 8.  
 कुढ्ढ, p 70, n.

## कुसु—कुचि.

- कुसुद, p 70, 37.  
 कुसुदबान्धव, p 18, 15.  
 कुसुदवन्धु, p 18, n.  
 कुसुदिका, p 95, 21.  
 कुसुदिनी, p 71, 39.  
 कुसुद्वत्, p 75, 9.  
 कुसुद्वती, p 71, 38. n.  
 कुम्भ, p 180, 18.  
 कुम्भ, p 94, 14. p 200, 5.  
 p 339, 137.  
 कुम्भकार, p 249, 6.  
 कुम्भसम्भव, p 19, 21.  
 कुम्भिका, p 70, 38.  
 कुम्भी, p 95, 21.  
 कुम्भीर, p 66, 21.  
 कुम्भील, p 66, n.  
 कुम्भक, p 128, 8.  
 कुम्भक, p 253, 24.  
 कुम्भक, p 104, n.  
 कुम्भर, p 132, 23.  
 कुम्भी, p 132, n.  
 कुम्भक, p 104, 55.  
 कुम्भक, p 104, 56.  
 कुम्भक, p 104, n.  
 कुम्भिन्द, p 124, 25.  
 कुम्भिस्त, p 241, 87.  
 कुम्भुर, p 252, n.  
 कुम्भिका, p 231, n.

## कुर्व—कुत्सा.

- कुर्वती, p 403, n.  
 कुर्वत्, p 403, n.  
 कुल, p 136, 41. p 175, 1.  
 p 304, n. p 249, n.  
 कुलक, p 95, 19. p 122, 20.  
 p 249, 5.  
 कुलटा, p 139, 10.  
 कुलटी, p 246, n.  
 कुलीय, p 9, n.  
 कुल्यिका, 245, 103.  
 कुलपालिका, p 138, 7.  
 कुलपाली, p 138, n.  
 कुलविप्र, p 402, n.  
 कुल्येष्टिन्, p 249, 5.  
 कुलसम्भव, p 175, 2.  
 कुलस्त्री, p 138, 7.  
 कुलाय, p 135, 37.  
 कुलाल, p 249, 6.  
 कुलाली, p 245, 103.  
 कुलिक, p 249, n.  
 कुलिय, p 9, 42.  
 कुली, p 108, 12.  
 कुलीन, p 202, 12.  
 p 175, 2.  
 कुलीर, p 66, 21.  
 कुत्सा, p 224, 18. p 230,  
 39. n. p 392, 21.  
 कुत्साया, 230, n.

## कुत्सा—कुये.

- कुत्सायाभियुत, p 230, n.  
 कुत्साय, p 392, n. p 224, n.  
 p 230, n.  
 कुत्सा, p 155, 19. p 175, n.  
 कुत्सा, p 69, 34.  
 कुत्स, p 70, n.  
 कुत्सर, p 35, n.  
 कुत्सल, p 401, n. p 94,  
 17.  
 कुत्सलय, p 70, 37.  
 कुत्सली, p 401, n.  
 कुत्साद, p 267, 37.  
 कुत्सेषी, p 64, 16.  
 कुत्पिनी, p 64, n.  
 कुत्पिन्द, p 249, 6.  
 कुत्सेर, p 14, 65.  
 कुत्सेरक, p 116, 15.  
 कुत्सेल, p 70, n.  
 कुत्स, p 125, 31. p 362,  
 218.  
 कुत्सल, p 269, 4. p 31,  
 4. p 359, 206.  
 कुत्सला, p 359, n.  
 कुत्सली, p 359, n.  
 कुत्सी, p 244, 99.  
 कुत्सीद, p 221, n.  
 कुत्सीलय, p 250, 12.  
 कुत्सेय, p 71, 10.

| कृप—कृहा.                               | कृप—कृत.                      | कृत—कृथा.                        |
|---|-------------------------------|----------------------------------|
| कृपस, p 259, n. p 81, n.                | कृप, p 68, 25.                | कृतसापत्निका, p 138, 7.          |
| कृपीद, p 221, n.                        | कृपक, p 63, 12. p 62, n.      | कृतसापत्नी, p 138, n.            |
| कृष, p 398, 34. p 115,<br>14. p 151, 5. | कृपार, p 60, n.               | कृतसापत्नीका, p 138, n.          |
| कृष्णाण्डक, p 122, 21.                  | कृष्, p 162, 43.              | कृतस्रस्त, p 2 8, 36,            |
| कृषीद, p 221, 4.                        | कृष्शीर्ष, p 119, 8.          | कृतान्त, p 11, 54. p 319,<br>67. |
| कृषीदिक, p 221, 5.                      | कृर्विका, p 231, 44.          | कृतिन्, p 176 5.                 |
| कृष्म, p 90, 17.                        | कृर्दन, p 53, 33.             | कृत्त, p 284, 53.                |
| कृष्माञ्जन, p 245, 103.                 | कृर्पर, p 158, 31.            | कृत्ति, p 187, 46.               |
| कृष्मेवु, p 5, 21.                      | कृर्परा, p 158, n.            | कृत्तिवास, p 6, n.               |
| कृष्मन्, p 339, 139.<br>p 246, 107.     | कृर्पांसक, p 169, 19.         | कृत्तिवासस्, p 6, 27.            |
| कृष्टति, p 53, 30.                      | कृष्म, p 66, 21.              | कृत्य, p 403, 45.                |
| कृस्त्वरी, p 230, n.                    | कृल, p 61, 7.                 | कृत्या, p 345, 160.              |
| कृस्त्वुरु, p 330, 38.                  | कृवर, p 206, 25.              | कृत्रिम, p 86, 2.                |
| कृहना, p 189, 52.                       | कृवार, p 60 n.                | कृत्रिमधूपक, p 171, 19.          |
| कृहर, p 56, 1.                          | कृकण, p 131, 19.              | कृत्यु, p 275, 14.               |
| कृड, p 26, n.                           | कृकलास, p 129, 12.            | कृपण, p 270, 48.                 |
| कृह, p 26, 9.                           | कृकवाक, p 131, 17.            | कृपा, p 49, 18.                  |
| कृकुद, p 261, 14.                       | कृकाटिका, p 161, 39.          | कृपाण, p 213, 57.                |
| कृट, p 84, 4. p 311, 39.<br>p 136, 42.  | कृकुलास, p 129, n.            | कृपाणी, p 255, 34.               |
| कृटक, p 223, 13.                        | कृच्छ्र, p 60, 4. p. 189, 51. | कृपालु, p 262, 15.               |
| कृटयन्त्र, p 253, 27.                   | कृत, p 322, 79.               | कृपीटघोनि, p 10, 49.             |
| कृटशास्त्रलि, 97, 27.                   | कृतक, p 231, 42.              | कृनि, p 130, 13.                 |
| कृटस्थ, p 277, 23.                      | कृतयुद्ध, p 2 8, 36.          | कृनिजोशोथ, p 167, 13.            |
| कृषि, p 149, n.                         | कृतमाल, p 91, 4.              | कृनिज, p 110, 25.                |
| कृहाव, p 68, n.                         | कृतसुख, p 259, 4.             | कृय, p 274, 11.                  |
|   | कृतलक्षण, p 261, 10.          | कृयातु, p 10, 50.                |
|   | कृतसापत्निका, p 138, n.       | कृयातुरेतस्, p 6, 28.            |
|   | कृतसापत्निका, p 138, n.       |                                  |

### क्या—केत.

- क्याश्विन, p 251, 12.  
 कषक, p 223, n.  
 कषासु, p 10, n.  
 कषि p 220, 2.  
 कषिक, p 221, 6.  
 कषोबल, p 221, 6.  
 कष, p 222, 8.  
 कषि, p 176, 5.  
 कष्य, p 3, 13. p 37, 23.  
 p 229, 36.  
 कष्यकर्मन्, p 270, n.  
 कष्यपाक, p 102, n.  
 कष्यपाकफला, p 102, 48.  
 कष्यफल, p 102, n.  
 कष्यफला, p 108, 14.  
 कष्यभेदी, p 106, 4.  
 कष्यला, p 109, 16.  
 कष्यवर्त्मन्, p 10, 49.  
 कष्यवृन्ता, p 99, 35.  
 कष्यधार, p 129, n.  
 कष्यसार, p 129, 10.  
 कष्या, p 108, 15.  
 कष्यका, p 225, 19.  
 केकर, p 149, 19.  
 केका, p 133, 31.  
 केकिन, 133, 30.  
 केतक, p 126, n.  
 केतकी, p 126, 35.

### केत—कैदा.

- केतन, p 215, 67.  
 केतु, p 318, 63.  
 केदार, p 392, 20.  
 केदार, p 222, 11.  
 केनिपातक, p 63, 13.  
 केयुर, p 166, 9.  
 केलि, p 53, 32.  
 केवल, p 359, 205.  
 केय, p 317, n. p 162, 46.  
 केयपल, p 163, n.  
 केयपर्यी, p 107, n.  
 केयपाय, p 163, n.  
 केयपाशी, p 163, 48.  
 केयर, p 92, n. p 72, 43.  
 केयरिन्, p 127, n.  
 केयव, p 3, 13. p 148, 45.  
 केयवेष, p 163, 48.  
 केयिक, p 148, 45.  
 केयिन्, p 148, 45.  
 केयिनी, p 115, 14.  
 केसर, p 72, n. p 92, 6.  
 p 101, 41.  
 केसरिन्, p 127, 1.  
 केटभजित्, p 4, 17.  
 केटर्थ्य, p 95, 21.  
 केतव, p 258, 45. p 52, 30.  
 केदार, p 222, n.  
 कैदारक, p 222, 11.

### कैदा—कोटि.

- कैदारिक, p 222, 11.  
 कैदार्य, p 222, 11.  
 कैरव, p 70, 37.  
 कैलास, p 14, 66.  
 कैवर्त्त, p 64, 15.  
 कैवर्त्तसुस्तक, p 117, n.  
 कैवल्य, p 34, 15.  
 कैवर्त्तिसुस्तक, p 117, 20.  
 कैवर्त्तिसुस्तक, p 117, n.  
 कैशिक, p 162, 47.  
 कैश्य, p 162, 47.  
 कोक, p 128, 7. p 132, 22.  
 कोकनद, p 71, 42.  
 कोकनदश्चि, p 37, 24.  
 कोकिल, p 131, 19.  
 कोकिलाक्ष, p 110, 23.  
 कोटर, p 89, 13.  
 कोटरी, p 141, n.  
 कोटवी, p 141, 17.  
 कोटि, p 214, n. p 311,  
 40. p 393, n.  
 कोटिवर्षा, p 117, 21.  
 कोटिष, p 222, 12.  
 कोटी, p 214, n.  
 कोट्ट, p 391, 18.  
 कोट्टवी, p 141, n.  
 कोट्टार, p 391, 18.  
 कोटि, p 214, 61.

## कोठ—कोवि.

- कोठ, p 151, 5.  
 कोष, p 46, 6. p 214, 61.  
 कोषि, p 149, n.  
 कोदण्ड, p 211, 51.  
 कोद्व, p 224, 16.  
 कोप, p 51, 26.  
 कोपक्रम, p 395, n.  
 कोपस, p 395, n.  
 कोपन, p 266, n.  
 कोपना, p 137, 4.  
 कोपिन्, p 266, 32.  
 कोसल, p 278, 27.  
 कोसलिक, p 134, 35.  
 कोरक, p 89, 16. p 134, 35.  
 कोरङ्गी, p 115, 13.  
 कोरद्व, p 224, 16.  
 कोर, p 94, 17. p 62, 11.  
 p 127, 2.  
 कोरक, p 172, 31.  
 p 229, 36.  
 कोरदल, p 116, 18.  
 कोरम्बक, p 47, 7.  
 कोरवङ्गी, p 108, 16.  
 कोरा, p 94, n. p 108, 15.  
 कोराङ्क, p 44, 4.  
 कोरि, p 94, 17.  
 कोरी, p 94, n.  
 कोविद, p 176, 4.

## कोवि—कोल.

- कोविदार, p 91, 3.  
 कोघ, p 135, n. p 242, 91.  
 कोघफल, p 172, 31.  
 कोघातकी, p 300, n.  
 कोघ, p 135, 37. p 242, n.  
 p 364, 223, n.  
 कोघातकी, p 300, 8.  
 कोर, p 312, 43.  
 कोष्ण, p 23, 36.  
 कोङ्कटिक, p 303, 17.  
 कोष्णिक, p 213, 57.  
 कोटतल, p 250, 9.  
 कोटिक, p 251, 14.  
 कोष्णिक, p 222, n.  
 कोष्ण, p 11, 55.  
 कोतक, p 53, 31.  
 कोतङ्कल, p 53, 31.  
 कोङ्गीय, p 221, 8.  
 कोनिक, p 208, 38.  
 कोन्ती, p 114, 8.  
 कोपीन, p 335, 124.  
 कोपीदकी, p 5, n.  
 कोपीदी, p 5, n.  
 कोपीदी, p 19; 18.  
 कोपीदकी, p 5, 24.  
 कोलटिनेय, p 143, 27.  
 कोलटेय, p 143, 26.  
 कोलटेयी, p 143, n.

## कोल—क्रन्दि.

- कोलटेर, p 143, 26.  
 कोलटेरा, p 143, n.  
 कोलथीन, p 221, n.  
 कोलीन, p 334, 19.  
 कोलेय, p 175, n.  
 कोलेयक, p 175, n.  
 p 252, 22.  
 कोलिक, p 94, 14. p 300,  
 10.  
 कोलिकी, p 300, n.  
 कोलिक, p 167, 13.  
 कोलिक, p 300, n.  
 कोलिकी, p 300, n.  
 कोलिक, p 167, n.  
 कोलिक, p 403, n.  
 कोलिकी, p 403, n.  
 कोलिक, p 5, 24.  
 क्लिन्, p 385, n.  
 क्रकच, p 255, 35. p 104, n.  
 क्रकर, p 104, 57. p 131,  
 19. p 255, n.  
 क्रक, p 178, 13.  
 क्रकध्वंसिन्, p 6, 29.  
 क्रकध्वज, p 2, 4.  
 क्रकध, p 218, 83.  
 क्रकन्, p 217, 76. p 336,  
 126. p 54, n.  
 क्रकन्दि, p 54, 35.



## क्रम—क्रोध.

- क्रम, p 185, 39.  
 क्रसक, p 95, 21. p 126,  
 34.  
 क्रमेणक, p 239, 75.  
 क्रयविक्रयिक, p 239, 79.  
 क्रयिक, p 240, 79.  
 क्रय्य, p 240, 82.  
 क्रय्य, p 154, 14.  
 क्रव्याद्, p 11, 55.  
 क्रव्याद, p 11, 55-  
 क्रायक, p 240, 79.  
 क्रिमि, p 130, n.  
 क्रिमिज, p 171, 28.  
 क्रिया, p 385, n.  
 क्रियावत्, p 263, 18.  
 क्रीडा, p 53, 33.  
 क्रुञ्च, p 131, 22, n.  
 क्रुध्, p 51, 26, n.  
 क्रुष्ट, p 54, 35.  
 क्रूर, p 270, 47. p 277,  
 25. p 355, 193.  
 क्रेतव्य, p 240, 82.  
 क्रैय, p 240, 82.  
 क्रीड, p 127, 2. p 158,  
 28.  
 क्रीडा, p 158, n.  
 क्रोध, p 51, 26.  
 क्रोधन, p 266, 32.

## क्रोध--क्षण.

- क्रोधयुग, p 77, 18.  
 क्रोष्ट, p 128, 5.  
 क्रोष्टु विज्ञा, p 108, 11.  
 क्रोष्टी, p 111, 28. p 128, n.  
 क्रौञ्चदारण, p 7, n.  
 क्रौञ्च, p 131, 22.  
 क्रौञ्चदारण, p 7, 36.  
 क्रम, p 289, 10.  
 क्रमय, p 289, 10.  
 क्रिच, p 284, 55.  
 क्रिचाञ्च, p 153, 11.  
 क्रिधित, p 283, 48.  
 क्रिष्ट, p 43, 20. p 283, 48.  
 क्लीतक, p 111, 28.  
 क्लीतकिका, p 108, 13.  
 क्लीष, p 146, 39. p 361,  
 213.  
 क्लेश p 294, 29.  
 क्लोष, p 154, 16.  
 क्लण, p 44, 3.  
 क्लणन, p 44, 3.  
 क्लियत, p 282, 45.  
 क्लाण, p 44, 3.  
 क्लाघोद्भव, 245, 102.  
 क्षण, p 314, 50. p 27,  
 11. p 55, 38.  
 क्षणदा, p 25, 4.

## क्षण--क्षान्त.

- क्षणन, p 218, 82.  
 क्षणप्रभा, p 17, 10.  
 क्षतज, p 154, 15.  
 क्षतज्ञत, p 190, 53.  
 क्षत्तु, p 248, 3. p 318,  
 65. p 206, 27.  
 क्षत्र, p 191, n.  
 क्षत्र, p 191, n.  
 क्षत्रबन्धु, p 330, n.  
 क्षत्रिय, p 191, 1.  
 क्षत्रिया, p 140, 11.  
 क्षत्रियाणी, p 140, 11.  
 क्षत्रियो, p 140, 15.  
 क्षत्रिन्, p 191, n.  
 क्षंष्ट, p 266, 31, n.  
 क्षपा, p 25, 4.  
 क्षपाकर, p 18, 16.  
 क्षम, p 341, 144.  
 क्षमा, p 341, 114.  
 p 73, n.  
 क्षमिष्ट, p 266, 31.  
 क्षमिन्, p 266, 31.  
 क्षय, p 30, 22. p 287, 7.  
 p 150, 2. p 196, 19.  
 p 342, 147.  
 क्षय, p 150, 3.  
 क्षयय, p 150, 3.  
 क्षान्त. p 282, 46.

## चात्ति—चुद्र

च्ति, p 51, 24.  
 र, p 244, 100.  
 रक, p 89, 16.  
 रण, p 42, n.  
 रश्चत्तिका, p 73, 4.  
 रित्त, p 269, 43.  
 रित्त, p 320, 73. p 73, 2.  
 रणित्त, p 63, n.  
 रण, p 289, 11. p 25, n.  
 रणशी, p 63, n.  
 रण, p 280, 37.  
 रण, p 265, 30.  
 रण, p 13, 6.  
 रणा, p 287, 7.  
 रेर, p 61, 4. p 233, 51.  
 p 352, 184.  
 रेरवित्तित्त, p 231, 44.  
 रेरविदारो, p 111, 29.  
 रेरगुक्ता, p 111, 28.  
 रेराम्बित्तनया, p 5, 23.  
 रेरामी, p 109, 18.  
 रेरिका, p 97, 26.  
 रेरोद, p 60, 2.  
 रेर, p 264, 23.  
 रण, p 150, 3.  
 रणाम्बित्तनन, p 225, n.  
 रण, p 150, 3.  
 रण, p 270, 48. p 350, 179.

## चुद्र—क्षेपि

चुद्रवृष्टिका, p 167, 11.  
 चुद्रमङ्ग, p 67, 23.  
 चुद्रा, p 108, 12. p 350,  
 179.  
 चुद्राण्डमत्सङ्गान, p 65,  
 19.  
 चुध, p 150, 3. p 234, 54.  
 चुधा, p 234, n.  
 चुधाभित्तनन, p 225, 19.  
 चुधित्त, p 263, 20.  
 चुध, p 87, 8.  
 चुमा, p 225, 20.  
 चु, p 201, n. p 110, 23.  
 चुकर, p 95, 29.  
 चुकर, p 392, 20.  
 चुचिन्, p 250, 10.  
 चुक्कक, p 274, 11.  
 p 300, 10.  
 चुक्कका, p 300, n.  
 चुव, p 223, 11. p 351,  
 182.  
 चुवच, p 32, 7. p 309,  
 35.  
 चुवाजीव, p 221, 6.  
 चुपण, p 189, 11.  
 चुपणित्त, p 63, 13.  
 चुपणी, p 63, n.  
 चुपिष्ठ, p 285, 61.

## क्षेम—खजा

क्षेम, p 31, 4. p 116, 16.  
 p 398, 34.  
 क्षेम, p 222, 11. p 297, n.  
 क्षोद, p 215, 67.  
 क्षोदिष्ठ, p 285, 61.  
 क्षोम, p 168, 15. p 80, n.  
 क्षोणित्त, p 73, n.  
 क्षोणी, p 73, n.  
 क्षोद्र, p 246, 102.  
 क्षोम, p 167, n. p 80, 12.  
 p 168, n.  
 क्षोमी, p 167, n.  
 क्षण, p 281, 10.  
 क्षणा, p 73, 3.  
 क्षणाश्चन, p 84, 1.  
 क्षेड, p 58, 9.  
 क्षेडा, p 217, 75.  
 p 313, 45.  
 क्षेडित्त, p 398, 34.  
 ख, p 3, 4, 19 p 15, 1.  
 p 393, 22.  
 खकखट, p 277, n.  
 खग, p 212, 54. p 131, 32.  
 p 304, 20.  
 खगेष्टर, p 5, 24.  
 खज, p 229, n.  
 खजाका, p 229, 34.

## खञ्ज—खर्ज

- खञ्ज, p 149, 49.  
 खञ्जन, p 130, 15.  
 खञ्जरीट, p 130, 15.  
 खञ्ज, p 390, 17.  
 खट्टा, p174, 39. p205, u.  
 खट्ट, p 127, 4.  
 खट्टिन्, p 127, 4.  
 खट्टी, p 127, 4. n.  
 खट्ट, p 18, 17-  
 खट्टपर्य, p 6, 26, n.  
 खट्टपरय, p 6, 26.  
 खट्टविकार, p 231, 43.  
 खट्टिक, p 224, 16.  
 खट्टिर, p 98, 30.  
 खट्टिरी, p 119, 7.  
 खट्टोत्त, p 133, 28.  
 खट्टि, p 85, 7.  
 खट्टिन्, p 222, 12.  
 खट्टी, p 85, n.  
 खट्टुर, p 126, 34.  
 खट्ट, p 239, 78. p23, 37.  
 खट्ट, p 148, 46.  
 खट्टपुष्पा, p 119, 5  
 खट्टमञ्जरी, p 107, 7.  
 खट्टा, p 102, 49.  
 खट्टागरी, p 102, n.  
 खट्टाशा, p 111, 30.  
 खट्टूर, p 243, n.

## खर्जू—खुर

- खर्जू, p 151, 4.  
 खर्जूर, p 126, 35. p243,  
 97.  
 खर्जूरी, p 126, 35.  
 खर्पर, p 245, n.  
 खर्परी, p 245, n.  
 खर्ब, p 276, 20.  
 खर्ब्य, p 148, 46. p276, n.  
 खर्बट, p 397, n.  
 खल, p 270, 47.  
 खलपू, p 262, 17.  
 खलिन, p 204, n  
 खलिनी, p 297, 12.  
 खलीन, p 204, 17.  
 खलु, p 375, 16.  
 खल्या, p 297, 42.  
 खाल, p 68, 27.  
 खदित, p 285, 60.  
 खार, p 242, n.  
 खारि, p 242, n.  
 खारी, p 242, 89.  
 खारीक, p 222, 10.  
 खारीबाप, p 222, 10.  
 खिल, p.74, 5, n.  
 खिला, p 74, n.  
 खुर, p 116, 18. p392, n.  
 खुरणस, p 148, 47.  
 खुरणस, p 148, 47.

## खुर—गण

- खुरम, p 392, n.  
 खुरक, p 300, n. p251, n  
 खुरका, p 300, n.  
 खेट, p 272, 4. p396, n  
 खेय, p 68, 29.  
 खेला, p 53, 33  
 खोड, p 149, 49.  
 ख्यात, p 261, 9.  
 ख्यातगण्य, p 281, 42  
 ख्याति, p 288, 9.  
 गगण, p 15, 1.  
 गङ्गा, p 69, 31.  
 गङ्गाधर, p 6, 29.  
 गज, p 200, 2.  
 गजता, p 200, 4.  
 गजबन्धनी, p 202, 11  
 गजभक्षा, p 115, n.  
 गजभक्ष्या, p 115, 11.  
 गजानन, p 7, 34  
 गङ्गा, p 79, 8.  
 गडक, p 65, 17.  
 गडु, p 391, 18.  
 गडुल, p 149, 48.  
 गण, p135, 40. p211, 41  
 p 314, 48.  
 गणक, p 194, 14. n.  
 गणकी, p. 194, n.

## गण्य - गन्दी

- गण्यदेवता, p 2, 5.  
 गण्यनीय, p 275, 14.  
 गण्यरात्र, p 25, 6.  
 गण्यरूप, p 105, 61.  
 गण्यहासक, p 116, 16.  
 गण्यधिप, p 7, 33  
 गण्यिका, p 103, 52.  
 p 141, 19.  
 गण्यकारिका, p 101, 46.  
 गण्यित, p 275, 14.  
 गण्येय, p 275, 14.  
 गण्यड, p 161, 41, p 200, 5.  
 गण्यडक, p 127, 4.  
 गण्यडकारी, p 119, n.  
 गण्यडकाली, p 119, 7.  
 गण्यडगोल, p 85, 6.  
 गण्यडाली, p 124, 24.  
 गण्यडोर, p 123, 22.  
 गण्यडपद, p 66, 22.  
 गण्यडूपदी, p 67, 24.  
 गण्यडमा, p 387, 10.  
 गण्यनासिक, p 148, 46.  
 गण्यि, p 204, 17.  
 गण्यद, p 150, 2.  
 गण्यद, p 396, 31.  
 गण्यद्व, p 403, n.  
 गण्यध्या, p 403, n.  
 गण्यी, p 204, \*20.

## गन्ध - गभी.

- गन्ध, p 35, 16.  
 गन्धक, p 245, 102.  
 गन्धकुटी, p 115, 11.  
 गन्धन, p 334, 117.  
 गन्धनाकुली, p 112, 2.  
 गन्धफली, p 99, 36.  
 p 101, 44.  
 गन्धभादन, p 84, 3.  
 गन्धमूली, p 122, 19  
 गन्धरस, p 245, 105.  
 गन्धर्व, p 2, 6, p 10, 48.  
 p 129, 11, p 202, 12.  
 p 338, 135.  
 गन्धर्वस्तक, p 98, 31.  
 गन्धवह, p 12, 57.  
 गन्धवहा, p 161, 40.  
 गन्धवाह, p 12, 57.  
 गन्धशटी, p 122, n.  
 गन्धसार, p 172, 32.  
 गन्धांशुसती, p 113, 3  
 गन्धाली, p 133, n.  
 गन्धाग्रन्, p 245, 102.  
 गन्धिक, p 245, n.  
 गन्धिनी, p 115, 11.  
 गन्धोत्तमा, p 257, 40.  
 गन्धोली, p 133, 27.  
 गन्धस्ति, p 22, 34  
 गन्धीर, p 64, 15.

## गम - गर्भि.

- गम, p 214, 63.  
 गमन, p 214, 63.  
 गम्भारी, p 94, 16.  
 गम्भीर, p 64, 15.  
 गम्य, p 281, 42.  
 गरण, p 295, 37.  
 गरख, p 58, 9.  
 गरामरी, p 102, n.  
 गरिष्ठ, p 285, 62.  
 गरी, p 102, 49.  
 गरुड, p 5, 21.  
 गरुडध्वज, p 4, 14.  
 गरुडध्वज, p 22, 33.  
 गरुत्, p 134, 36.  
 गरुत्, p 5, 24, p 317, 60.  
 p 134, 34.  
 गर्गरी, p 239, 75.  
 गर्जित, p 17, 10.  
 गर्त्त, p 56, 2.  
 गर्दभ, p 239, 78.  
 गर्दभाण्ड, p 96, 23.  
 गर्दन, p 263, 22.  
 गर्भ, p 339, 138, p 146,  
 39.  
 गर्भक, p 173, 31.  
 गर्भागर, p 80, 8.  
 गर्भाशय, p 146, 38.  
 गर्भिणी, p 142, 22.

## गर्भो—गव्यू

गर्भोपघातिनी, p237,70.  
 गर्भतृ, p 125, 31  
 गर्भ, p 50, 22.  
 ग्रेष, p 41, 14.  
 गर्ह्य, p 272, 4.  
 गर्ह्यमादिन्. p 267, 37.  
 गल, p 160,29. p297,n.  
 गलकंबल, p 236, 63.  
 गलनिका, p 228, 31.  
 गलित, p 284, 53.  
 गलोद्देश, p 203, 16.  
 गल्या, p 297, 42.  
 गवथ, p 129, 11.  
 गवल, p 244, 100.  
 गवां व्रज, p 235, 58.  
 गवात्त, p 80, 9.  
 गवात्ती, p 123, 22.  
 गवोश्चर, p 235, 58.  
 गवडु, p 226, 25.  
 गवेडका, p 226, n.  
 गवेधु, p 226, n.  
 गवेधुका, p 225, 25.  
 गवेधण, p 294, n  
 गवेधया, p 183, 31.  
 गवेधित, p 281, 54.  
 गव्य, p 233, 50.  
 गव्या, p 235, 60.  
 गव्यति, p 77, 18.

## गह—गिरि.

गहन, p86, 1.p279,31.  
 गह्वर, p 85, 6. p 352,  
 185.  
 गाङ्गेय, p 2:3,95 p344,  
 157.  
 गाङ्गेरुकी, p 113, 5.  
 गाढ, p 13, 62.  
 गाणिक्य, p 142, 22.  
 गाण्डिव, p 211, 52.  
 गाण्डोत्र, p 211, 52.  
 गात्र. p156,21. p.201,8.  
 गात्रानुलेपनी, p 173,35.  
 गान, p 45, 4.  
 गान्धी, p 204, n.  
 गाभ्यार, p 45, 1.  
 गान्धवे, p 10, n.  
 गाथनी, p 98, 30.  
 p 180, 22.  
 गायत्री, p 180, n.  
 गारुत्त, p 243, 92.  
 गार्गक, p 296, n.  
 गार्भिय, p 142, 22.  
 गार्हपत्य, p 179, 19.  
 गालव, p 94, 13.  
 गिर, p 38, 1.  
 गिरि, p84,1. p 289,11.  
 गिरिकर्षी, p 110, 22.  
 गिरिका, p 129, 12.

## गिरि—गुडु

गिरिज, p 245, 104.  
 p 214, 100.  
 गिरिजामल, p 244,100  
 गिरित, p 285, n.  
 गिरिमल्लिका, p 102, 47  
 गिरिय, p 6, 26.  
 गिरीय, p 6, 26.  
 गिरा, p 38, n.  
 गिलि, p 289, n.  
 गिलित. p 285, 60  
 गिलिन, p 289, n.  
 गीत, p 44, 4  
 गीर्ष, p 285, 58.  
 गीर्षि, p 289, 11.  
 गीर्वाण, p 2, 4.  
 गीर्षति, p 20, n  
 गीर्षति, p 20, 25, n.  
 गुग्गुलु, p 94, 14.  
 गुच्छ, p 225,21. p89,  
 p 165, n.  
 गुच्छक, p 89, 16.  
 गुच्छाह, p 165, n.  
 गुड्या, p 109,16. p79,  
 गुड, p 312, 44.  
 गुडुम्, p 92, 8.  
 गुडफल, p 92, 9.  
 गुडा, p 110, 24.  
 गुडुची, p 506, n.

| गुड्—गुह्य.                  | गुह्य—गृही              | गृह्य गोधा.              |
|------------------------------|-------------------------|--------------------------|
| गुडूधी, p 106, 1.            | गुह्यक, p 2, 6.         | गृह्यक, p 2, 2, 16.      |
| गुण, p135, 19, p212, 53.     | गुह्यकेचर, p 11, 63.    | p 136, 43.               |
| p 253, 27, p 314, 49.        | गूढ, p 280, 38.         | गेषुडुक, p 171, 40.      |
| गुणरत्नक, p 63, 12.          | गूढपद, p 58, n.         | गेषुडुक, p 174, n.       |
| गुणित, p 280, 38.            | गूढपाद, p 58, 7, n.     | गेह, p 78, 4.            |
| गुणितन, p 280, 38.           | गूढपुरुष, p 194, 13.    | गैरिक, p301, 12, p85, 8. |
| गुह्य, p 165, 7, p 89, n.    | गूय, p 155, 19.         | गैरेय, p 245, 104.       |
| गुह्यक, p 89, n.             | गून, p 282, 46.         | गो, p 235, 60, p237, 67. |
| गुत्माह, p 165 7.            | गूरण, p 289, n.         | गोकणक, p 109, 17.        |
| गुद, p 157, 24.              | गूत्राक, p 126, n.      | गोकर्ण, p159, 34 p 129,  |
| गुन्द्र, p 124, 27.          | गृञ्जन, p 121, 11.      | 10.                      |
| गुन्द्रा, p99, 36, p124, 25. | गृध्र, p 263, 22.       | गोकर्णी, p 106, 2.       |
| गुप्त, p280, 38, p284, 55.   | गृध्र, p 131, 21.       | गोकुल, p 235, 58.        |
| गुप्ति, p 321, 77.           | गृध्रसो, p 387, 10.     | गोचुरक, p 109, 17.       |
| गुफित, p 280, n.             | गृष्टि, p 121, 16.      | गोचर, p 35, 17.          |
| गुम्फित, p 280, n.           | गृह, p 78, 4 p 381, n.  | गोजिह्वा, p 111, 7.      |
| गुरप, p 177, 11.             | p 370, 210.             | गोड, p 391, n.           |
| गुरु, p 20, 25, p 176, 6.    | गृहगोधा, p 129, n.      | गोडुम्बा, p 123, 22.     |
| p 346, 164.                  | गृहगोधिका, p 129,       | गोखड, p 391, 18.         |
| गुर्ध्विणी, p 142, 22.       | 12.                     | गोत्र, p 175, 1. p 351,  |
| गुल्फ, p 156, 23.            | गृहगोलिका, p 129, n.    | 182.                     |
| गुह्य, p 88, 9, p 155, 17.   | गृहपति, p 194, 15.      | गोत्रभिद्, p 8, 38.      |
| p 341, 114.                  | गृहवालु, p 265, 27.     | गोत्रा, p 73, 3.         |
| गुह्यिनी, p 88, 9.           | गृहस्थ, p 396, 30.      | गोदारण, p 223, 14.       |
| गुत्राक, p 126, 34.          | गृह्वाराण, p 86, 1.     | गोदुह, p 235, 57.        |
| गुह, p 7, 35.                | गृह्वारण्यणी, p 81, 13. | गोदुह, p 235, n.         |
| गुहा, p 85, 6.               | गृह्विन्, p 175, 3.     | गोधन, p 235, 58.         |
| गुह्य, p 344, 156.           | गृहीह, p 265, 27.       | गोध, p 212, 52.          |

## गोधा—गोल.

- गोधापदी, p 114, 7.  
 गोधि, p 161, 43.  
 गोधिका, p 66, 22.  
 गो. जकात्मज, p 128, 6.  
 गोधूष, p 224, 18.  
 गोनर्द, p 117, 20.  
 गोनस, p 57, 4.  
 गोप, p337,132,p399,n.  
 p 192,7. p 245,105.  
 गोपति, p 236, 62.  
 गोपा, p 112, n.  
 गोपानसी, p 81, 15.  
 गोपायित, p 284, 55.  
 गोपाल, p 235, 57.  
 गोपी, p 112, 30.  
 गोपुर, p82,16. p117,20.  
 p 352, 184.  
 गोष्य, p 251, n.  
 गोष्यक, p 251, 17.  
 गोमत्, p 235, 58.  
 गोमथ, p 233, 50.  
 गोमायु, p 128, 5.  
 गोमिनु, p 235, 58.  
 गोरण, p 289, n.  
 गोरस, p 234, 53.  
 गोर्द, p 154, 16.  
 गोळ, p 392,20.p146,n.  
 गोळक, p 146, 36.

## गोला—गौरा.

- गोला, p 216, 109.  
 गोलिह, p 95, n.  
 गोलिट, p 95, 20.  
 गोलोमी, p 124, 24.  
 p 247, 111.  
 गोवन्दिनी, p 99, 36.  
 गोविन्द, p 4, 14.  
 गोविष, p 233, 50.  
 गोवाल, p 400, 40, n.  
 गोशीर्ष, p 172, 33.  
 गोष, p 76, 13.  
 गोष्ठपति, p 337, 132.  
 गोठी, p 178, 11.  
 गोठीन, p 76, 13.  
 गोष्यद, p 327, 96.  
 गोसंख्य, p 235, 57.  
 गोस, p 245, n.  
 गोसयथ, p 245, n.  
 गोस्ताना, p165,7.p111,n.  
 गोस्तनी, p 111, 26.  
 गोस्थानक, p 76, 13.  
 गोड, p 391, n.  
 गौतम, p 3, 10.  
 गौधार, p 128, 6.  
 गोधेय, p 128, 6.  
 गोधेर, p 128, 6.  
 गौर, p354,191.p37,24.  
 गौरा, p 7, n.

## गौरी—ग्राव.

- गौरी, p 7,32. p 139,8.  
 ग्रथित, p 280, n.  
 ग्रन्थि, p 124, 27.  
 ग्रन्थिक, p 247, 111.  
 ग्रंथित, p 280, 35.  
 ग्रंथिपर्ण, p 117, 20.  
 ग्रंथिल, p 95,18. p 104,  
 57.  
 ग्रस्त, p43,20.p285,60.  
 ग्रह, p 26, 9. p 283,9.  
 p 369, 238.  
 ग्रहणि, p 151, n.  
 ग्रहणी, p 151, n.  
 ग्रहणीरुक्, p 151, 6.  
 ग्रहपति, p 22, 32.  
 ग्रहीट, p 265, 27.  
 ग्राम, p 83, 20.  
 ग्रामयी, p 315, 52.  
 ग्रामतल, p 250, 9.  
 ग्रामला, p 297, 42.  
 ग्रामाधीन, p 250, 9.  
 ग्रामान्त, p 83, 20.  
 ग्रामीणा, p 108, 13.  
 ग्राम्य, p 43,19. p 253,  
 23.  
 ग्राम्यधर्म, p 190, 56.  
 ग्रामन्, p 84, 1. p 331,  
 108.

## ग्रास—घन.

- घास, p 234, 54.  
 घाह, p66,21. p 288,8.  
 घाङ्गिन्, p 91, 1.  
 घावा, p 160, 39.  
 घाव, p 29, 18.  
 घैव, p 165, n  
 घैवेव, p 165, n.  
 घैवेयक, p 165, 5.  
 ग्लस, p 285, 60.  
 ग्लह, p 258, 45.  
 ग्लान, p 152, 9.  
 ग्लानि, p 385, n.  
 ग्लान्, p 152, 9.  
 ग्लौ, p 18, 16.  
  
 घट, p 228, 32.  
 घटना, p 217, 75.  
 घटा, p 217, 75.  
 घटीयन्त्र, p 254, 28.  
 घट्ट, p 391, n.  
 घट्टा, p 95, 20, n.  
 घट्टापघ, p 77, 19.  
 घट्टापाठलि, p 95, 20.  
 घट्टारवा, p 110, 25.  
 घन, p 16, 9. p 213,59.  
 p 332, 113. p 46, 4.  
 p 275, 15.  
 घनरघ, p 61, 5.

## घन—घोट.

- घनसार, p 172, 32.  
 घनाघन, p 332, 112.  
 घग्ने, p 54, 33.  
 वखर, p 263, 20.  
 वख, p 24, 2.  
 चाटा, p 161, 39.  
 चाटिक, p 215, n.  
 चाणिक, p 215, 65, n.  
 घान, p 218, 84.  
 चातुक, p 265, 28.  
 p 270, 47.  
 घास, p 125, 33.  
 घु, p 390, n.  
 घुट, p 156, n.  
 घुटि, p 156, n.  
 घुटिका, p 156, 23.  
 घुटी, p 156, n.  
 घुष, p 391, 18.  
 घूर्णित, p 266, 32.  
 घृणा, p 49,18.p295,32.  
 p 315, 54.  
 घृणि, p 22, 34.  
 घृत्, p 223, 52.p339,n.  
 p 322, 78.  
 घृष्टि, p 127, 2.  
 p 121, n.  
 घोट, p 202, n.  
 घोटक, p 202, 11.

## घोषा—चक्र.

- घोषा, p 161,40. p204,  
 17.  
 घोषिन्, p 127, 2.  
 घोष्या, p 95, 17. p126,  
 34.  
 घोर, p 50, 20.  
 घोष, p 83, 20.  
 घोषक, p 113, 5.  
 घोषणा, p 41, 12.  
 घ्राण, p161,40.p281,39.  
 घ्राणतर्पण, p 36, 20.  
 घ्रात, p 281 39.  
  
 च, p 377, 5. p 371, 2.  
 चकोरक, p 134, 35.  
 चक्र, p 205, 24. p 210,  
 46. p 352, 184.  
 p 132, 22.  
 चक्रकारक, p 116, 17.  
 चक्रपाणि, p 4, 15.  
 चक्रमदेक, p 120, 12.  
 चक्रला, p 124, 25, n.  
 चक्रवर्तिन्, p 191, 2.  
 चक्रवर्तिनी, p 122, 19.  
 चक्रवाक, p 132, 22.  
 चक्रवाड, p 16, n.  
 p 84, n.  
 चक्रवाड, p 16, 7.



## चक्रा — चण्डि.

- चक्राङ्ग, p 132, 23.  
 चक्राङ्गी, p 106, 4.  
 चक्रिन्, p 57, 7. n.  
 चक्रिवत्, p 239, 78.  
 चक्रः स्वस्, p 58, 7.  
 चक्रु, p 162, n.  
 चक्रुष्य, p 215, 103.  
 चक्रस्, p 162, 44.  
 चक्रुल, p 277, 24.  
 चक्रुला, p 17, 11.  
 चक्रु, p 98, 32. p135, 36.  
 चक्रु, p 126, n.  
 चटक, p 131, 18.  
 चटका, p 131, 18.  
 चटकाशिरर, p 217, n.  
 चटकाशिरस, p 217, n.  
 चटल, p 277, n.  
 चटिकाशिरर, p 217, n.  
 चटिकाशिरस, p 247, 111.  
 चणक, p 224, 18.  
 चण्ड, p 266, 32.  
 चण्डा, p 116, 16. p 7, n.  
 चण्डात, p 104, 57.  
 चण्डातक, p 169, 20.  
 चण्डाल, p 252, 20.  
 चण्डालवल्लकी, p 255, 32.  
 चण्डालिका, p 255, 32.  
 चण्डि, p 7, n.

## चण्डि — चन्द्र.

- चण्डिका, p 7, 33.  
 चण्डो, p 7, n.  
 चतुःशाल, p 79, 6.  
 चतुःशाली, p 79, n.  
 चतुर, p 252, 19.  
 चतुरङ्गल, p 91, 4.  
 चतुरानन, p 3, 11.  
 चतुर्भद्र, p 190, 57.  
 चतुर्भङ्ग, p 4, 15.  
 चतुर्थ्यङ्ग, p 384, n.  
 p 394, n.  
 चतुर्व्यङ्गे, p 190, 57.  
 चतुर्व्यघ, p 77, 17.  
 चतुर्हयनी, p 237, 69.  
 चत्वर, p 81, 13. p 179, 17.  
 चन, p 377, 3.  
 चन्द, p 18, n.  
 चन्दन, p 172, 32,  
 चन्द्र, p 18, 15. p 120, 12.  
 p 273, n. p 172, 32.  
 p 352, 184.  
 चन्द्रक, p 133, 31.  
 चन्द्रभागा, p 69, 34.  
 चन्द्रमस, p 18, 15.  
 चन्द्रयल्ली, p 118, n.  
 चन्द्रवाला, p 115, 13.  
 चन्द्रशेखर, p 6, 26.  
 (चन्द्रसंज्ञ), p 172, 32.

## चन्द्र — चञ्च

- चन्द्रहास, p 213, 57.  
 चन्द्रिका, p 19, 18.  
 चन्द्रिमा, p 19, n.  
 चण्ट, p 160, n.  
 चणल, p 244, 100.  
 p 270, 46. p 13, 60.  
 p 277, n.  
 चणला, p 17, 11. p 108, 15.  
 चण्ट, p 160, 35.  
 चणर, p 123, n. p 198, n.  
 चणरिक, p 91, 3.  
 चणस, p 398, 35.  
 चणसी, p 387 10.  
 चणू, p 210, 16. p 385, n.  
 चणूरु, p 128, 9.  
 चण्णक, p 101, 44.  
 चण, p 78, 3. p 135, 40.  
 चण, p 277, 23. p 194, 13.  
 चणक, p 397, 23.  
 चणण, p 156, 22.  
 चणणायुष, p 131, 17.  
 चणम, p 278, 30.  
 चणमच्छाभृत्, p 84, 2.  
 चणचर, p 277, 23.  
 चणिणु, p 277, 23.  
 चणन, p 33, n.  
 चण, p 180, 22.  
 चणरी, p 387, 10.

## चञ्च्री—चघा.

- चञ्च्री, p 32, 11, p170 23.  
 चघेट, p 161, n.  
 चघ्नी, p 213, n.  
 चघ्नीकघा. p 120, 9.  
 चघ्नीकसा, p 120, n.  
 चघ्नीकार, p 249, 7.  
 चघ्नीन्, p187, 46. p208, 39.  
 p 213, 58.  
 चघ्नीप्रभेदिका, p 255, 35.  
 चघ्नीप्रसेवक, p 255, n.  
 चघ्नीप्रसेविका, p255, 33  
 चघ्नीर, p 249, n.  
 चघ्नीन्, p 97, 26.  
 चघ्या, p 184, 35  
 चघ्नीन्, p 285, 60.  
 चघ, p 277, 24.  
 चघदल, p 91, 1.  
 चघन, p 277, 24.  
 चघाचल, p 277, 24  
 चघलित, p214, 64. p280,  
 36.  
 चघिक, p 108, n.  
 चघिका, p 108, 16.  
 चघी, p 108, n.  
 चघ्य, p 108, 16.  
 चघ्या, p 108, n.  
 चघक, p 257, 43.  
 चघाल, p 179, 48.

## चाक्रि—चिकि.

- चाक्रिक, p 215, 65.  
 चाक्केरी, p 119, 6.  
 चाटकैर, p 131, 18.  
 चाणकीन, p 221, n.  
 चाण्डाल, p 249, 4.  
 चाण्डालिका, p 255, 32.  
 चातक, p 130, 17.  
 चान्द्रभागा, p 69, n  
 चान्द्रभागी, 69, n.  
 चाप, p 211, 51  
 चासर, p 198, 31  
 चासरा, p 198, n.  
 चासरी, p 198, n  
 चासीकर, p 243, 95.  
 चाभ्येय, p 101, 14  
 चार, p290, 14. p194, 31.  
 चारटी, p 120, 11.  
 चारण, p 250, 12  
 चार, p 272, 1  
 चाञ्चिक्य, p 169, 23.  
 चाञ्ची, p 205, n.  
 चाञ्चीण, p 297, 43.  
 चाञ्चीण, p 297, n.  
 चाल, p 81, n.  
 चालन, p 227, n.  
 चालनी, p 227, 26  
 चाघ, p 130, 16.  
 चिकित्सक, p 152, 8

## चिकि—चिन्त.

- चिकित्सा, p 150, 1.  
 चिकीर्षा, p 385, n.  
 चिकुर, p162, 46. p270,  
 46.  
 चिकण, p 232, 46.  
 चिञ्चा, p 96, 24.  
 चित्, p 33, 10. p 377, 3.  
 चित्ता, p 218, 86.  
 चिति, p 218, 86.  
 चित्त, p 33, 9.  
 चित्तविभ्रम, p 51, 26.  
 चित्तसम्बन्धि, p 50, 22.  
 चित्ताभोग, p 33, 11.  
 चित्या, p 218, 86  
 चित्, p 38, 26. p 50, 19.  
 p 350, 180  
 चित्क, p105, 60. p98,  
 31.  
 चित्कर, p 249, 7.  
 चित्तकृत्, p 92, 7.  
 चित्तकण्डला, p 110, 24.  
 चित्तपर्णी, p 107, 11.  
 चित्तभानु, p 11, 51.  
 p 330, 107  
 चित्तशिखण्डिज, p21, 26.  
 चित्तशिखण्डिन्, p21, 28.  
 चित्ता, p107, 6. p123, 22.  
 चिन्त, p 52, n.

## चिन्ता—चिह्न.

- चिन्ता, p 52, 29.  
 चिन्तिया, p 52, n.  
 चिपिट, p 232, n.  
 चिपेटक, p 252, 47.  
 चिपुट, p 232, n.  
 चिर, p 376, n.  
 चिरक्रिय, p 262, 17.  
 चिरण्ठी, p 139, 9.  
 चिरन्तन, p 277, 26.  
 चिररावाय, p 376, 1.  
 चिरविल्ल, p 97, 28.  
 चिरसूता, p 238, 71.  
 चिरस्य, p 376, 1.  
 चिरात्, p 376, n.  
 चिरातिक्त, p 119, n.  
 चिराय, p 376, 1.  
 चिरिण्ठी, p 139, n.  
 चिरिविल्ल, p 97, n.  
 चिरे, p 376, n.  
 चिरेण, p 376, n.  
 चिलिचिन्, p 65, 18.  
 चिलिचिन्, p 65, n.  
 चिलिचोम, p 65, n.  
 चिलिमीनक, p 65, n.  
 चिलीचिन्, p 65, n.  
 चिलीचिन्, p 65, n.  
 चिलीम, p 65, n.  
 चिह्न, p 131, n. p 153, 11.

## चिवि—चेट.

- चिविट, p 232, n.  
 चिवु, p 161, n.  
 चिवुक, p 161, 41.  
 चिङ्ग, p 19, 18.  
 चीन, p 128, 9,  
 चीर, p 396, 31.  
 चीरी, p 133, 28.  
 चीवर, p 396, 31.  
 चुक्र, p 119, 6. p 229, 35.  
 चुक्रिका, p 119, 6.  
 चुचुक, p 158, n.  
 चुलूपी, p 65, n.  
 चुल्ल, p 153, 11.  
 चुल्लि, p 227, 29.  
 चुल्ली, p 227, n.  
 चुस्त, p 398, n.  
 चुचुक, p 158, 28.  
 चुडा, p 134, 31. p 163, 48.  
 चुडामणि, p 165, 4.  
 चुडाला, p 121, 25.  
 चुस, p 94, 14.  
 चुण्ण, p 173, 35. p 215, 67.  
 चुण्णकुन्तल, p 162, 47.  
 चुण्णि, p 386, 9  
 चुण्णी, p 386, n.  
 चुलिका, p 201, 6.  
 चुमा, p 102, 10.  
 चेट, p 251, n.

## चेट—चौरी.

- चेटक, p 251, 17.  
 चेटिका, p 251, n  
 चेटी, p 251, n.  
 चेड, p 251, n.  
 चेडक, p 251, n.  
 चेडी, p 251, n.  
 चेत, p 33, 9.  
 चेतकी, p 100, 40.  
 चेतन, p 33, 8.  
 चेतना, p 33, 10.  
 चेतस्, p 33, n.  
 चेल, p 168, 17. p 358,  
 204.  
 चेली, p 168, n.  
 चैत्य, p 79, 7.  
 चैव, p 28, 15.  
 चैवरथ, p 14, 65.  
 चैविक, p 28, 15.  
 चोच, p 118, 22. p 396,  
 30.  
 चोर, p 253, n.  
 चोरपुष्पी, p 115, 14.  
 चोरिका, p 253, n.  
 चोल, p 169, 19.  
 चोली, p 169, n.  
 चौर, p 253, 25.  
 चोरिका, p 253, 26.  
 चोरी, p 253, n

## चौथ्य—छवि.

- चौथ्य, p 253, 26.  
 च्युत, p 284, 53.  
 च्योत, p 289, 10. n.  
 छग, p 239, n.  
 छगल, p 239, n.  
 छगलक, p 239, 76.  
 छगला, p 118, n.  
 छगलाग्री, p 118, n.  
 छगलान्दी, p 118, 2.  
 छत्त, p 199, n.  
 छत्र, p 199, 32.  
 छत्रा, p 110, 23. p 125, 32.  
 p 229, 37.  
 छत्राकी, p 113, 3.  
 छद, p 89, 14. p 131, 36.  
 छदन, p 89, 14. p 18, n.  
 छदिस्, p 81, 14.  
 छद्मन्, p 52, 30.  
 छन्द, p 368, n. p 196, n.  
 p 325, 91.  
 छन्दस्, p 368, 234.  
 p 180, 22. p 292, 20.  
 छच्च, p 196, 22. p 283, 47..  
 छर्दि, p 151, n.  
 छर्दी, p 151, n.  
 छल, p 217, 77.  
 छवि, p 19, 19.

## छवी—जग.

- छगी, p 19, n.  
 छाग, p 239, n.  
 छागल, p 231, n.  
 छागी, p 239, 76.  
 छात, p 147, 44. p 284, 53.  
 छात्र, p 177, 10.  
 छादन, p 18, 14.  
 छादित, p 283, 47.  
 छान्दस्, p 176, 6.  
 छाया, p 315, 159.  
 छित, p 284, 53.  
 छिट्ट, p 56, 2.  
 छिट्टित, p 283, 49.  
 छिन्न, p 284, 53.  
 छिन्नरुद्धा, p 106, 1.  
 छुरिका, p 214, 60.  
 छेक, p 136, 43.  
 छेदन, p 287, 7.  
 जच, p 2, n.  
 जच्छा, p 150, n.  
 जच्छन्, p 150, n.  
 जगत्, p 74, 6. p 12, n.  
 जगती, p 71, 6. p 320, 47.  
 जगतौ, p 12, n.  
 जगन्तौ, p 12, n.  
 जगन्प्राण, p 12, 53.  
 जगर, p 207, n.

## जग—जतु.

- जगल, p 257, 42.  
 जग्ध, p 285, 60. n.  
 जग्धि, p 234, 55.  
 जघन, p 157, 25.  
 जघनेफला, p 100, 42.  
 जघन्य, p 278, 30. p 345, 161.  
 जघन्यज, p 147, 43.  
 p 218, 1.  
 जङ्गम, p 277, 23.  
 जङ्गा, p 156, 23.  
 जङ्गाकरिक, p 209, 41.  
 जङ्गाल, p 209, 41.  
 जटा, p 88, 11. p 311, 40.  
 p 163, 48. p 117, n.  
 जटाजूट, p 6, 30.  
 जटामांसी, p 117, 22.  
 जटि, p 93, n.  
 जटिन्, p 93, n.  
 जटिला, p 117, 22.  
 जटी, p 93, 13, n.  
 जटुल, p 149, 49.  
 जठर, p 158, 28. p 277, 26.  
 जठरा, p 277, n.  
 जड, p 19, 20. p 268, 38.  
 जडा, p 106, 5. p 268, 38.  
 जतु, p 171, 26.

## जतु—जन्म.

- जतुक, p 230, 40.  
 जतुका, p 132, 26.  
 जतुलतु, p 122, 19.  
 जतुसा, p132, n. p 122,  
 19.  
 जतु, p 158, n.  
 जतुषी, p 158, 29.  
 जन, p 192, 8.  
 जनक, p 144, 28.  
 जनङ्गम, p 252, 20.  
 जनता, p 297, 42.  
 जनन, p 175, 1. p32,8.  
 जननी, p122, n. p144,  
 29.  
 जनपद, p 75, 8.  
 जनयित्री, p 144, 29.  
 जनश्रुति, p 40, 7.  
 जनार्दन, p 4, 14.  
 जनाश्रय, p 80, 9.  
 जनि, p 32, 8. p 122, n.  
 p 139, n.  
 जनित्री, p 144, n.  
 जनी, p 32, n. p 139, n.  
 p 122, 19.  
 जतुल, p 32, 8.  
 जन्तु, p 33, 8.  
 जन्तुफल, p 91, 2.  
 जन्म, p 32, n.

## जन्म--जर.

- जन्मनु, p 32, 8.  
 जन्मिन्, p 33, 8.  
 जन्य, p 190, 57. p345,  
 161. p 216, 72.  
 जन्यु, p 33, 8.  
 जप, p289, n. p187,46.  
 जपन, p 289, n.  
 जपा, p 101, n.  
 जमन, p 234, n.  
 जम्भती, p 146, 38.  
 जम्बाल, p 62, 9.  
 जम्बीर, p 105, n.p91,5.  
 जम्बू, p 90, 19.  
 जम्बुक, p128, 5.p298,3.  
 जम्बू, p 90, 19.  
 जम्बूक, p 128, n.  
 जम्भ, p 91, 5.  
 जम्भभेदिन्, p 8, 39.  
 जम्भाल, p 91, 5.  
 जम्भीर, p 91, 5.  
 जय, p289,12.p217,78.  
 जयन, p 289, 12.  
 जयन्त, p 8, 41.  
 जयन्ती, p 101, 46.  
 जया, p101,47.p101,46.  
 जय्य, p 209, 42.  
 जरठ, p 277, 26.  
 p 158, 28.

## जर—जला.

- जरण, p 229, 36.  
 जरातु, p 147, 42.  
 जरङ्गन, p 236, 61.  
 जरङ्गो, p 236, n.  
 जरा, p 147, 41.  
 जरायु, p 146, 38.  
 जरायुज, p 271, 50.  
 जरायुस्, p 146, n.  
 जल, p 60, 3.  
 जलङ्गम, p 252, n.  
 जलज, p 92, 8.  
 जलजन्तु, p 66, 20.  
 जलजन्तुका, p 66, n.  
 जलद, p 16, n.  
 जलधर, p 16, 8.  
 जलनिधि, p 60, 2.  
 जलनिर्गम, p 61, 7.  
 जलनीली, p 70, 38.  
 जलपुष्प, p 393, 23.  
 जलप्राय, p 75, 10.  
 जलभट्ट, p 16, n.  
 जलसुच्, p 16, 9.  
 जलव्याल, p 60, 5.  
 जलशुक्ति, p 67, 23.  
 जलसुची, p 66, n.  
 जलाधार, p 67, 25.  
 जलाशोका, p 66, n.

## जला—जाग.

- जलाशय, p 67,25.p125.  
30.  
जलासुका, p 66, n.  
जलिकावेष्ठी, p 66, n.  
जलका, p 65, n.  
जलकस, p 66, n.  
जलोका, p 66, n.  
जलोच्छास, p 62, 10.  
जलोरगी, p 66, n.  
जलौकस्, p 66, 22.  
जलौकस, p 66, n.  
जलौका, p 66, 22.  
जलाक, p 267, 36.  
जलाकी, p 267, n.  
जलित, p 284, 57.  
जत्र, p 209, 41.p13,60.  
जत्रन, p203,13.p209,41.  
p 296, 38. p 13, n.  
जत्रनिका, p 169, 22.  
जत्रा, p 104, 56.  
जत्राधिक, p 203, 13.  
जत्रुतनया, p 69, 31.  
जागर, p 207, 32.  
जागरण, p 291, n.  
जागरा, p 291, 19.  
जागरिह, p 266, 32.  
जागरुक, p 266, 32.  
जागसिं, p 291, n.

## जाग—जाय.

- जागर्था, p 291, 19.  
जाग्रिया, p 291, n.  
जाङ्गलिक, p 58, n.  
जाङ्गलिक, p 58, 11.  
जाङ्गिक, p 209, 41.  
जाटलि, p 400, 38.  
जात, p 33, 9.  
जातवेदस, p 10, 49.  
जातरूप, p 213, 95.  
जातापत्य, p 141, 16.  
जाति, p320,70.p172,n.  
p 33, 9. p 103, 53.  
जातिफल, p 172, 34.  
जाती, p 172, n.  
जातीकोश, p 172, 34.  
जातीकोष, p 172, n.  
जातीफल, p 172, n.  
जातु, p 377, 4.  
जातुधान, p 12, n.  
जातोक्ष, p 236, 61.  
जातु, p 156, 23.  
जाप, p 187, n.  
जावाल, p 250, 11.  
जामाह, p 145, 32.  
जामि, p 341, 144.  
जाम्बव, p 90, 19.  
जाम्बनद, p 213, 96.  
जायक, p 171, 27.

## जाया—जीर्ण.

- जाया, p 138, 6.  
जायाजीव, p 250, 12.  
जायापति, p 146, 38.  
जायु, p 150, 1.  
जार, p 145, 35.  
जारज, p 145, 36.  
जाख, p64,16.p358,202.  
जाखक, p 89, 16.  
जालिक, p 251, 14.  
जाली, p 113, 6.p358,n.  
जाख्य, p 251, 16.  
p 262, 17  
जाषक, p 171, n.  
जिघत्सु, p 263, 20  
जिङ्गी, p 107, 9.  
जित्तर, p 210, 45.  
जिन, p 3, 8.  
जिष्णु, p8,37. p210,45.  
जिह्व, p 276, 20.  
जिह्वग, p 58, 8.  
जिह्व, p 161, n.  
जिह्वा, p 161, 42.  
जीन, p 147, 42.  
जीमूत, p16,9.p102,49.  
p 317, 61.  
जीरक, p 229, 36.  
जीर्ण, 147, 42.  
जीर्णवस्त्र, p 168, 16.

## जीर्ण—जूर्ति.

- जीर्ण, p 288, 9.  
 जीव, p 21 26.p219,  
 जीवक, p 96,24.p119,8.  
 जीवकीव. p 134, 35  
 जीवन, p 60, 3. p220,1.  
 p 219, n.  
 जीवना, p 119, n.  
 जीवनी, p 119, 7.  
 जीवनीय, p 60, n.  
 जीवनीया, p 119, 7.  
 जीवनौषध, p 219, 88.  
 जीवन्निक, p 251, n.  
 जीवन्निका, p 105, 62.  
 p 106, 1.  
 जीवनी, p 119, 7.  
 जीवा, p 119,7.p219,n.  
 जीवाह, p 219, 88.  
 जीवानक, p 251, 14.  
 जीविका, p 220, 1.  
 p 385, n.  
 जीवितकाल, p 219, 88.  
 जगुष्ठा, p 41, 14.  
 जङ्ग, p 118, 3.  
 जङ्गा, p 118, n  
 जङ्ग. p 181, n.  
 जङ्ग, p 181, 24.  
 जूर्ति, p 296, 38.  
 जूर्ति, p 296, 38

## जूप—ज्यानि.

- जूप, p 398, n.  
 जृम्भा, 54, 35.  
 जृम्भय, p 54, 35.  
 जृम्भा, p 54, n.  
 जेह, p 209, 42. p 210,  
 45.  
 जेमन, p 234, 56.  
 जेय, p 209, 42.  
 जैव, p 209, 42,  
 जैवाहक. p260, 6. p18,  
 16. p 301, 11.  
 जैशाहका, p 260, n.  
 जोङ्गक, p 171, 28.  
 जोष, p 374, 12.  
 जोषा, p 137, n.  
 ज्ञ. p 176, 5. p309, 36.  
 ज्ञपित, p 283, 47.  
 ज्ञप्त. p 283, 47.  
 ज्ञप्ति, p 33, 10.  
 ज्ञातसिद्धान्त, p 194, 15.  
 ज्ञाति, p 145, 34.  
 ज्ञाह, p 265, 30.  
 ज्ञातेय, p 115, 35.  
 ज्ञान, p 34, 15  
 ज्ञानिन्, p 194, 14.  
 ज्या, p 73, 2. p212,53.  
 ज्याघातवारण, p212,52.  
 ज्यानि, p 288, 9.

## ज्याय—भाटा.

- ज्यायस्, p 147, 43.  
 p 369, 237.  
 ज्यायसी, p 369, n.  
 ज्येष्ठ, p 312, 44. p29,n.  
 ज्येष्ठ, p 29, 16.  
 ज्योतिरङ्कण, p 133,28.  
 ज्योतिषिक, p 194, n.  
 ज्योतिष्मती, p 121, 15.  
 ज्योतिस्, p 367, 232  
 ज्योत्स्ना, p 19, 18.  
 p 113, n.  
 ज्योत्स्नी, p25,5.p113,6.  
 ज्योतिषिक, p 194, 11  
 ज्वर, p 151,7.p296,38  
 ज्वलन, p 10, 49.  
 ज्वाल, p 11, 52.  
 ज्वाला, p 11, n.  
 भाटा, p 116, 15.  
 भटिति, p 376, 2.  
 भर, p 85, 5.  
 भर्भर, p 47, 8.  
 भङ्गरी, p 387, 10.  
 भष, p 65, 17.  
 भषा, p 113, 5.  
 भस, p 65, n.  
 भाटल, p 95, 20.  
 भाटा, p 116, n.

## भाटा—डलि.

- भाटासला, p 116, n.  
 भातुक, p 95, 20.  
 भिष्टी, p 104, 55.  
 भिक्षिका, p 133, 28.  
 भीरका, p 133, 28.  
 टङ्क, p 397, n. p 255, 34.  
 टङ्कपति, p 192, n.  
 टिटिभक, p 134, n.  
 टिट्टिभ, p 134, 35.  
 टीका, p 386, 7.  
 टुष्टक, p 99, 37.  
 डगर, p 290, 14.  
 डगर, p 47, 8.  
 डगरक, p 47, n.  
 डम्बर, p 217, 76.  
 डयन, p 204, n.  
 डड, p 100, 41.  
 डायर, p 290, n.  
 डालिभ, p 101, n.  
 डिशिल्लभ, p 47, 8.  
 डिम्ब, p 290, 14.  
 डिम्भ, p 135, 38.  
 डिम्भा, p 147, 41.  
 ड्ङ्गुभ, p 57, 5.  
 ड्ङ्गुभ, p 57, n.  
 ड्ङ्गुलि, p 67, n.

## ढका—तत.

- ढका, p 46, 6.  
 तक्र, p 237, 53.  
 तलक, p 299, 4.  
 तलन, p 250, 9.  
 तङ्क, p 255, n. p 300, 10.  
 p 397, n.  
 तट, p 61, 7.  
 तटाक, p 68, n.  
 तटिनी, p 69, 30.  
 तटी, p 61, n.  
 तडाक, p 68, n.  
 तडाग, p 68, 28.  
 तडित्, p 17, 11.  
 तडित्वत्, p 16, 8.  
 तड्डक, p 397, 33.  
 तड्डुल, p 110, 25.  
 तड्डुलीय, p 118, 1.  
 तत्, p 377, n. p 155, n.  
 ततस्, p 46, 4. p 280, 35.  
 p 377, n.  
 तत्काल, p 498, 29.  
 तत्किय, p 263, 19.  
 तत्पदो, p 230, 40.  
 तत्पर, p 260, 9.  
 तत्व, p 47, 9.  
 तत्त, p 47, n.  
 ततत्त, p 47, n.

## तथा—तन्द्र.

- तथा, p 387, 9.  
 तथागत, p 2, 8.  
 तथ्य, p 43, 22.  
 तदा, p 382, 22.  
 तदात्व, p 198, 29.  
 तदानीम्, p 382, 22.  
 तनय, p 143, 27.  
 तनया, p 143, n.  
 तनु, p 156, 22. p 274, 11.  
 p 333, 115, p 275, 15.  
 तनुव, p 207, 32.  
 तनू, p 156, 22.  
 तनूनया, p 10, n.  
 तनूकत, p 283, 48.  
 तनूनयात्, p 10, 49.  
 तनूश्च, p 131, 36.  
 p 263, 50.  
 तन्त्र, p 254, 28.  
 तन्तु, p 254, n.  
 तन्तुक, p 224, n.  
 तन्तुभ, p 224, 17.  
 तन्तुषाय, p 249, 6, n.  
 तन्त्र, p 353, 187.  
 तन्त्रक, p 167, 13.  
 तन्त्रषाय, p 249, n.  
 तन्त्रषाय, p 249, n.  
 तन्त्रिक, p 106, 1.  
 तन्द्रषाय, p 249, n.



## तन्द्रा—तमो.

- तन्द्रा, p 350, n.p55, n.  
 तन्द्रि, p 350, n.p55, n.  
 तन्द्री, p55, 37.p350, 178.  
 तण. p 30, 19, p368, 234  
 p 30, n. p 28, n.  
 तपःक्लेशसङ्घ, p 186, 42.  
 तपन, p 22, 32. p59, 1.  
 तपनीय, p 243, 95.  
 तपस, p 28, 15.p368, n.  
 तपस्य, p 28, 15.  
 तपस्विन्, p 186, 41.  
 तपस्विनी, p 117, 22.  
 तभ, p 239, n.  
 तभ, p 56, n.  
 तभस्, p 21, 28. p 32, n.  
 p 56, 3. p 368, 333.  
 तभस, p 56, n.  
 तभस्वती, p 25, n.  
 तभस्विनी, p 25, 4.  
 तभा, p 25, n. 56, n.  
 तभाल, p 102, 48. p397,  
 33.  
 तभालपत्र, p 170, 24.  
 तभिस्र, p 56, 3.  
 तभिस्रा, p 25, 5.  
 तभी, p 25, 4.  
 तभोद्भुद्, p 326, 92.  
 तभोपद्, p 370, 240.

## तर—तर्था.

- तरत्, p 127, 1.  
 तरङ्क, p 61 5,  
 तरङ्गिणी, p 69, 30.  
 तरण, p 202, 10.  
 तरणि, p 22, 31. p103,  
 54. p 62, 10.  
 तरणी, p 62, n.  
 तरपण्य, p 63, 11.  
 तरल, p 277, 24.  
 p 165, 4.  
 तरला, p 233, 50.  
 तरस्, p 12, 59. n.  
 तरस, p 151, 14.  
 तरस्विन्, p 209, 41.  
 p 337, 130.  
 तरि, p 62, 10.  
 तरु, p 87, 5.  
 तरुण, p 147, 42.  
 तरुणी, p 139, 8.  
 तर्क, p 33, 12.  
 तर्कविद्या, p 39, 5.  
 तर्कारी, p 101, 46.  
 तर्जनी, p 159, 32.  
 तर्थाक, p 236, 61.  
 तर्हू, p 229, 34.  
 तर्पण, p 235, 56.  
 p 287, 4.  
 तर्मान्, p 179, 18.

## तर्ष—ताम्ब.

- तर्ष, p 52, 28. p 234,  
 55.  
 तर्षित, p 263, n.  
 तर्ष, p 212, n. p 358,  
 204.  
 तर्षा, p 212, 52 n.  
 तर्षिन, p 337, 129.  
 तर्ष्य, p 338, 133.  
 तर्षज, p 32, 5.  
 तर्ष, p 310, n.  
 तर्सर, p 293, n.  
 तर्स्कर, p 253, 25.  
 तर्षुव, p 17, 10.p393,  
 34.  
 तर्षि, p 126, n.  
 तर्षी, p 126, n.  
 तान, p 144, 28.  
 तान्त्रिक, p 194, 15.  
 तापन, p 22, n.  
 तापस, p 186, 41.  
 तापसतरु, p 97, 26  
 तापिच्छ, p 102, 48.  
 तापिञ्ज, p 102, n.  
 तापसर, p 71, 40.  
 तामलकी, p 116, 15  
 तामसी, p 25, 5.  
 तामो, p 25, n.  
 ताम्बक, p 244, 97.

**ताम्ब—ताम.**  
 ताम्बकर्णी, p 16, 6.  
 ताम्बकुट्टक, p 250, 8.  
 ताम्बचूड, p 131, 17.  
 ताम्बूलवल्ली, p 114, 8.  
 ताम्बूली, p 114, 8.  
 तार, p 45, 2. p347,168.  
 p 20, n.  
 तारक, p 20, n.  
 तारकजिह्व, p 7, 35  
 तारका, p20,22. p20,25.  
 तारा p 20, 23.  
 तारुख्य, p 146, 40.  
 तारुर्घा, p 5, 24. p 342,  
 147.  
 तारुर्घैल, p 245, 102.  
 ताल, p 47,9. p 126,34.  
 p245,104.p159,34.  
 तालपत्र, p 165, 5.  
 तालपर्णी, p 115, 11.  
 तालमूलिका, p 114, 7.  
 तालहृन्, p 174, n.  
 तालहृन्क, p 174, 41.  
 तालाङ्क, p 4, 19.  
 तालि, p 126, n.  
 ताली, p 116, 15. p126;  
 35.  
 ताम्ब, p 161, 42.  
 ताम्ब, p 373, 8.

**तिक्त—तिरो.**  
 तिक्त, p 35, 18,  
 तिक्तक, p 122, 20.  
 तिक्तयाक, p 91, 5.  
 तिष्ण, p 23, 37.  
 तित्त, p 227, 26.  
 तित्तिया, p 51, 24.  
 तित्तियु, p 266, 31.  
 तित्तिर, p 134, n.  
 तित्तिरि, p 134, 35  
 तिथि, p 24, 1.  
 तिनिय, p 92, 7.  
 तिनिडी, p 96, 24.  
 तिनिडीक, p 96, n.  
 p 229, 35.  
 तिनिडी, p 96, n.  
 तिन्दुक, p 95, 19.  
 तिन्दुकी, p95, n.p386,8.  
 तिमि, p 65, 19.  
 तिमिङ्गिल, p 66, 20.  
 तिमित, p 284, 55  
 तिमिर, p 56, 3  
 तिरस्, p 375, 18 n.  
 तिरुषी, p 266, n.  
 तिरस्कारिणी, p 169, 22.  
 तिरस्कारिणी, p 169, n.  
 तिरस्क्रिया, 50, 22.  
 तिरीट, p 94, 13.  
 तिरोधान, p 18, 14.

**तिरो—तुष्क.**  
 तिरोङ्गित, p 218, 80.  
 तिर्यञ्च, p 266, 34.  
 तिल, p 225, 19.  
 तिलक, p 95, 20. p149,  
 19. p 154,16.p170,  
 24. p 231, 43.  
 तिलकालक, p 149, 49.  
 तिलपर्णी, p 172, 33.  
 तिलपिञ्ज, p 225, 19.  
 तिलपेज, p 225, 19.  
 तिलिल, p 57, 5.  
 तिल्य, p 221, 7.  
 तिलु, p 94, 13.  
 तिष्य, p 20, 23.  
 तिष्यफला, p 99, 38.  
 तीक्ष्ण, p 23, 37. p244,  
 98. p 316, 56.  
 तीक्ष्णगन्ध, p 93, 11, n.  
 तीक्ष्णगन्धक, p 93,11.n.  
 तीर, p 61, 7.  
 तीर्थ, p 325, 89.  
 तीव्र, p 13, 62.  
 तीव्रवेदना, p 59, 3.  
 त्र, p 372, 3 p 377, 5.  
 p 380, 15.  
 त्रङ्ग, p 92, 6. p276,19.  
 त्रङ्गी, p 119, 5.  
 त्रङ्क, p 273, 6.

तृण—तृण्य  
 तृण, p 116, n.  
 तृण्य, p 161, 40.  
 तृण्यकोरी, p 119, n.  
 तृण्यकोरी, p 119, 4.  
 p 113, 4.  
 तृण्यभ, p 153, 12.  
 तृण्यल, p 153, 12.  
 तृण्य, p 245, 102.  
 तृण्य, p 115, 13. p108,  
 13.  
 तृण्यजन, p 214, 101.  
 तृण्य, p 158, 28.  
 तृण्यपरिभार्ज, p 252, n.  
 तृण्यपरिभृज, p 252, 19.  
 तृण्यक, p 148, 44, n.  
 तृण्यन, p 148, 44.  
 तृण्यभ, p 148, n.  
 तृण्यल, p 148, 44.  
 तृण्य, p 116, 15.  
 तृण्यवाच, p 219, 6.  
 तृण्यरिका, p 117, 19.  
 तृण्यर, p 216, n.  
 तृण्यल, p 216, 75.  
 तृण्यल, p 216, n.  
 तृण्य, p 123, n.  
 तृण्यी, p 123, 21, n.  
 तृण्यी, p 230, n.  
 तृण्यु, p 230, n.

तुर—तुर्य  
 तुरग, p 202, 11.  
 तुरङ्ग, p 202, 11.  
 तुरङ्गन, p 202, 11.  
 तुरङ्गवदन, p 14, 66.  
 तुरायण, p 286, n.  
 तुरासाङ्ग, p 8, 39.  
 तुरङ्ग, p 171, 30.  
 तुरा, p 212, 87.  
 तुराकोटि, p 166, 11, n.  
 तुराकोटी, p 166, n.  
 तुरल, p 255, n.  
 तुरली, p 255, n.  
 तुरल्य, p 256, 37.  
 तुरल्यपान, p 234, 55.  
 तुरर, p 35, 19.  
 तुरघ, p 225, 22.  
 तुरघार, p 19, 21.  
 तुरघित, p 2, 5.  
 तुरघीक, p 268, 39.  
 तुरघीशील, p 268, 39.  
 तुरघीक, p 268, 39.  
 तुरघ, p 225, 6.  
 तुरल, p 398, n.  
 तुरघिन, p 19, 19.  
 तुरघ, p 212, 56.  
 तुरघी, p 213, 57, n.  
 तुरघीर, p 212, 56.  
 तुरघरिका, p 117, n.

तुर्य—तुर्या  
 तुर्यी, p 117, n.  
 तुर्यीका, p 117, n.  
 तुर्यं, p 13, 60.  
 तुर्य, p 246, 106, n.  
 p 96, 22.  
 तुर्यपिचु, p 246, n.  
 तुर्यिका, p 255, 33  
 तुर्यी, p 108, n.  
 तुर्यर, p 347, 167  
 p 35, n.  
 तुर्यरी, p 117, n.  
 तुर्यीकाम्, p 378, 9.  
 तुर्यीम्, p 378, 9.  
 तुर्य, 125, 31.  
 तुर्यदुम, p 126, 35.  
 तुर्यधाम्य, p 226, 25.  
 तुर्यध्वज, p 124, 26  
 तुर्यराज, p 117, 31.  
 तुर्यशुभ्य, p 102, 50.  
 तुर्यया, p 126, 33.  
 तुर्यीयप्रकृति, p 146, n.  
 तुर्यीयाजन, p 222, 9.  
 तुर्यीयाप्रकृति, p 146, 39.  
 तुर्य, p 284, 52.  
 तुर्यि, p 235, 56.  
 तुर्यला, p 347, n.  
 तुर्य, p 234, 55.  
 तुर्या, p 234, n.

## हृषि - तोर.

- हृषित, p 263, n.  
हृष्यक, p 263, n.  
हृष्यज्, p 263, 22, n.  
हृष्या, p234,n.p315,54.  
तेजन, p 124, 26.  
तेजनक, p 124, 27.  
तेजनी, p 106, 2.  
तेजस्, p 153, 13. n.  
p 368, 236. n.  
तेजित, p 281, 40.  
तेन, p 377, n.  
तेन, p 284, 29.  
तेमन, p 231, 44.  
तेजसावसंती, p 255, 33.  
तैत्तिर, p 136, 43.  
तैलपरिष्क, p 172, 33.  
तैलपायिष्ठा, p 132, 26.  
तैलीन, p 221, 7.  
तैष, p 23, 15.  
तोक, p 144, 28.  
तोकक, p 130, 17.  
तीक्ष्ण, p 223, 16.  
तोत्र, p 201, 9.  
तोदन, p 223, 12.  
तोसर, p 214, 61.  
तोष, p 61, 4.  
तोषयिष्ण्वी, p 111, 29.  
तोरण, p 82, 16.

## तौर्य - त्रित.

- तौर्यत्रिक, p 47, 10.  
त्यक्त, p 284, 56.  
त्याम, p 182, 28.  
त्वपा, p 51, 23.  
त्वपु, p 246, 106.  
त्वस, p 233, 51.  
त्वयी, p 39, 4.  
त्वयीधर्म, p 39, 3.  
त्वस, p 277, 23.  
त्वसर, p 293, 21.  
त्वस्त, p 264, n.  
त्वस्तु, p 264, 26.  
त्वाष्, p 284, 55.  
त्वाच, p 284, 55.  
त्वायन्ती, p 121, 16.  
त्वायमाणा, p 121, 16.  
त्वास, p 50, 21.  
त्रिक, p 157, 27.  
त्रिककुत्, p 84, 2.  
त्रिकट, p 247, 112.  
त्रिका, p 68, 27.  
त्रिकूट, p 84, 2.  
त्रिखट, p 401, 41.  
त्रिखट्टी, p 401, 41.  
त्रिगण, p 190, n.  
त्रिगुणाक्षर, p 222, 9.  
त्रितक्ष, p 401, 41.  
त्रितक्षी, p 401, 41.

## त्रिद - त्रिहा.

- त्रिदक्ष, p 1, 1.  
त्रिदशालय, p 1, 1.  
त्रिदिश, p 1, 2.  
त्रिदिशेष, p 1, 2.  
त्रिपथगा, p 69, 31.  
त्रिपिष्टय, p 1, n.  
त्रिपुरा, p 111, 26.  
p 115, 13.  
त्रिपुटी, p 111, n.  
त्रिपुरान्तक, p 6, 29.  
त्रिफला, p 238, 112.  
त्रिफली, p 247, n.  
त्रिषिष्टय, p 1, n.  
त्रिभण्डो, p 111, 27.  
त्रियाणा, p 25, 4.  
त्रिरात्र, p 394, n.  
त्रिषोकी, p 384, n.  
त्रिषोचन, p 6, 28.  
त्रिषर्ग, p86,19-p190,57.  
त्रिविक्रम, p 4, 15.  
त्रिविष्टय, p 1, 1.  
त्रिष्टत्, p 111, 26.  
त्रिष्टया, p 111, 26.  
त्रिसन्ध्या, p 25, 3, n.  
त्रिषीत्य, p 123, 9.  
त्रिस्रोतस्, p 69, 31.  
त्रिष्टय, p 222, 9.  
त्रिहायणो, p 237, 69.

## तुटि—त्वघा.

- तुटि, p 115, 13. p 274, n.  
 p 311, 40.  
 तुटी, p 274, 11.  
 त्रुषण, p 247, n.  
 त्रूषण, p 247, 112.  
 वेता, p 180, 19.  
 त्रोटि, p 135, 36.  
 त्रोटो, p 135, n.  
 त्राम्बक, p 6, 29.  
 त्राम्बकसख, p 14, 63.  
 त्रक्, p 154, n.  
 त्रक्क्षीरा, p 247, 110.  
 त्रक्पत्र, p 118, 22.  
 त्रक्पत्नी, p 230, n.  
 त्रकसार, p 124, 26.  
 त्रक्, p 88, 12. p 154, 13.  
 त्रक्, p 118, 22. p 154, n.  
 त्रक्ता, p 154, n.  
 त्रक्सार, p 24, 26.  
 त्रक्सा, p 293, 26.  
 त्रक्सायण, p 286, n.  
 त्रक्सरि, p 293, n.  
 त्रक्सरित, p 209, 41. p 13, 60.  
 त्रक्सरितोदित, p 43, 20.  
 त्रक्स, p 283, 48.  
 त्रक्स, p 250, 9.  
 त्रक्सि, p 23, 35. p 365, 227.  
 त्रक्सात्मनि, p 22, 32.

## त्वर—दण्ड.

- त्वर, p 213, 58.  
 दक, p 60, n.  
 दंघ, p 133, 27.  
 दंघन, p 207, 32.  
 दंघित, p 207, 33.  
 दंघी, p 133, 27.  
 दंघी, p 127, 2.  
 दंसन, p 207, n.  
 दज, p 252, 19.  
 दक्षिण, p 279, 34.  
 p 260, 8.  
 दक्षिणस्य, p 206, 28.  
 दक्षिणाग्नि, p 179, 19.  
 दक्षिणात्, p 383, n.  
 दक्षिणात्, p 383, n.  
 दक्षिणात्, p 253, 24.  
 दक्षिणात्, p 260, 5.  
 दक्षिणीय, p 260, 5.  
 दक्षिणेन, p 283, n.  
 दक्षिणेस्मिन्, p 253, 24.  
 दक्षिण्य, p 260, n.  
 दग्ध, p 283, 48.  
 दग्धिका, p 233, 49.  
 दण्ड, p 22, 33. p 196, 20.  
 p 312, 44.  
 दण्डक, p 397, n.  
 दण्डधर, p 11, 54.

## दण्ड—दन्द्

- दण्डधार, p 11, n.  
 दण्डनीति, p 39, 5.  
 दण्डविष्कम्भ, p 239, 75.  
 दण्डाहत, p 234, 53.  
 दण्ड p 402, n.  
 दण्डिन्, p 402, n.  
 दण्डिनी, p 402, n.  
 दस्, p 161, n.  
 दद्, p 152, n.  
 दद्भ्र, p 120, 12.  
 दद्भ्र, p 152, 10.  
 दद्भ्रोगिन्, p 152, 10.  
 दद्, p 152, n.  
 दद्भ्र, p 152, n.  
 दक्षिण्य, p 91, 1.  
 दक्षिण्य, p 91, 2.  
 दक्षिण्य, p 232, 48.  
 दक्षिण्य, p 2, 7.  
 दन्, p 161, 42.  
 दन्तधावन, p 98, 31.  
 दन्तभाग, p 201, 8.  
 दन्तघट, p 91, 5. p 91, 2.  
 दन्तघट, p 119, 6.  
 दन्ता, p 161, n.  
 दन्ताबल, p 200, 2.  
 दन्तिका, p 120, 10.  
 दन्तिन्, p 200, 2.  
 दन्द्भ्रुक, p 58, 8.

## दध्—दर्श

- दध्, p 274, 11.  
 दध्, p 196, 21. p286,3.  
 दध्, p 286, 3.  
 दध्, p 283, 47.  
 दध्, p 11, 51.  
 दध्, p 146, 33.  
 दध्, p 52, 30.  
 दध्, p 9, 43.  
 दध्, p 236, 62.  
 दधा, p 49, 18.  
 दधा, p 263, 15.  
 दध्, p 272, 3.  
 दध्, p 50, 21. p353,186.  
 दध्, p 386, 9.  
 दध्, p 270, 49.  
 दधी, p 85, 6.  
 दधी, p 349, n.  
 दधी, p 67, 24.  
 दधी, p 152, n.  
 दधी, p 152, n.  
 दधी, p 5, 20.  
 दधी, p 174, 41.  
 दधी, p 125, 31.  
 दधी, p 229, 34.  
 दधी, p 229, n.  
 दधीकर, p 58, 8.  
 दधी, p 26, 8.  
 दधी, p 192, 6.

## दर्श—दाडि

- दर्श, p 294, 31.  
 दल, p 89, 14.  
 दल, p 359, 208.  
 दल, p 276, 18.  
 दलीय, p 276, 18.  
 दर्शन, p 161, 42.  
 दर्शनवास, p 161, 41.  
 दर्शना, p 161, 42.  
 दर्शपुर, p 117, n.  
 दर्शपुर, p 117, n.  
 दर्शक, p 3, 9.  
 दर्शक, p 147, 43.  
 दर्शक, p 325, 90.  
 दर्श, p 168, 15.  
 दर्श, p 253, 25. p193,11.  
 दर्श, p 10, 47.  
 दर्शन, p 11, 51.  
 दाक्षक, p 296, n.  
 दाक्षाय, p 131, 21.  
 दाक्षायणी, p 20, 23.  
 दाक्षाय, p 131, 21.  
 दाक्षिकन्वा, p 395, n.  
 दाक्षिक, p 260, n.  
 दाडि, p 401, 42, n.  
 दाडिपुष्पक, p 97, 29.  
 दाडिमी, p 401, n.  
 p 101, n.  
 दाडि, p 101, n.

## दाण्ड दाष्णी

- दाण्डपाना, p 386, 6.  
 दाण, p 284, 53  
 दाण्ड, p 131, 21.  
 दाण्ड, p 131, n.  
 दाण, p 223, '3.  
 दाण, p 182, 28 p200,5.  
 दाण, p 2, 7.  
 दाण्डारि, p 2, 1.  
 दाण्डारि, p 260, 6.  
 दाण, p 186, 42.  
 p 283, 47.  
 दाण्ड, p 286, 3.  
 दाण्ड, p 268, 40.  
 दाण, p 238, 74.  
 दाण्ड, p 238, 74.  
 दाण्ड, p 3, 13.  
 दाण्ड, p 326, 91.  
 दाण्ड, p 268, n.  
 दाण, p 138, 6.  
 दाण्ड, p 58, 11.  
 दाण, p 138, n  
 दाण्ड, p 283, 50.  
 दाण, p 98, 34. p260,8.  
 दाण्ड, p 50, 20.  
 दाण्डारि, p 109, 20.  
 दाण्डक, p 229, 34.  
 दाण्डारि, p 130, 17.

## दार्भिक—दिव.

- दार्भिका, p 114, 7.  
 p 245, 102.  
 दार्भिकी, p 109, 20.  
 दाखिम, p 101, n.  
 दाव, p 359, 108.  
 दाविक, p 70, 36.  
 दाव, p 64, n. p 251, n.  
 दावपुर, p 117, 19.  
 दावपुर, p 117, n.  
 दायी, p 251, 17, n.  
 दास, p 64, 15-p 251, 17.  
 दासी, p 251, n.  
 p 104, 55.  
 दासीसभ, p 394, n.  
 दासेय, p 251, 17.  
 दासेर, p 251, 17.  
 दिगम्बर, p 298, 39.  
 दिग्गज, p 16, 5.  
 दिग्ध, p 281, 39.  
 p 212, 56.  
 दित, p 284, 53.  
 दितिसुत, p 2, 7.  
 दिविधु, p 142, 23.  
 दिविधू, p 142, 23.  
 दिन, p 24, 2.  
 दिनात्, p 21, 3.  
 दिव, p 1, n.  
 दिवस, p 24, 2.

## दिव—दीना.

- दिवस्सति, p 8, 37.  
 दिवा, p 377, 6.  
 दिवाकर, p 21, 29.  
 दिवाकीर्त्ति, p 251, 10.  
 p 252, 20.  
 दिविषद्, p 2, 3.  
 दिविषत्, p 2, n.  
 दिवोकस्, p 366, n.  
 दिवोका, p 366, n.  
 दिवौ, p 15, 1.  
 दिवोकस्, p 366, 228. n.  
 p 1, 2.  
 दिवोका, p 366, n.  
 दिव्य, p 114, 10.  
 दिव्योपपादक, p 271, 50.  
 दिव्, p 15, n.  
 दिवा, p 15, n.  
 दिव्य, p 15, 3.  
 दिष्ट, p 32, 6. p 310, 37.  
 p 24, 1.  
 दिष्टान्त, p 218, 84.  
 दिष्टा, p 378, 10.  
 दीक्षान्त, p 182, 27.  
 दीक्षित, p 176, 7.  
 दीदिवि, 233, 48.  
 दीधिति, p 22, 35.  
 दीन, p 270, 49.  
 दीनार p 302, 14.

## दीप—दुरा.

- दीप, p 174, 40.  
 दीपक, p 111, n.  
 दीप्ति, p 23, 35.  
 दीप्य, p 111, 30.  
 दीप्यक, p 301, n.  
 दीर्घ, p 276, 18.  
 दीर्घकोषिका, p 67, n.  
 दीर्घकोषिका, p 67, 25.  
 दीर्घदर्शन, p 176, 6.  
 दीर्घष्ट, p 58, 8.  
 दीर्घहन्, p 99, 37.  
 दीर्घस्त्र, p 262, 17.  
 दीर्घिका, p 68, 28.  
 दुःख, p 59, 3.  
 दुःप्रथर्षी, p 112, 2.  
 दुःप्रथर्षी, p 112, n.  
 दुःप्रथ, p 380, 14.  
 दुःसर्ग, p 107, 10.  
 दुःसर्ग, p 108, 12.  
 दुकूल, p 168, 15.  
 दुग्ध, p 233, 51,  
 दुग्धिका, p 109, 18.  
 दुष्टि, p 67, n.  
 दुद्रुष, p 121, 13.  
 दुन्दु, p 4, n.  
 दुन्दुभि, p 46, 6.  
 दुरध्व, p 77, 16.  
 दुरालभा, p 107, 10.

## दुर्-दुष्य.

- दुर्लभ, p 31, 1.  
 दुर्गोदर, p 849, 173.  
 दुर्ग, p 195, 17.  
 दुर्गन्त, p 270, 49.  
 दुर्गन्ति, p 59, 1.  
 दुर्गन्ध, p 36, 21.  
 दुर्गन्धी, p 36, n.  
 दुर्गसञ्चर, p 293, 25.  
 दुर्गा, p 7, 33.  
 दुर्जन, p 270, 47.  
 दुर्हिन, p 18, 13  
 दुर्दुग्, p 121, n.  
 दुर्नामक, p 151, 5.  
 दुर्नामन्, p 67, 25.  
 दुर्बल, p 147, 44.  
 दुर्मानस्, p 260, 8.  
 दुर्मुख, p 267, 36.  
 दुर्गन्धि, p 243, 97.  
 दुर्गन्धि, p 270, 49.  
 दुर्दृष्ट, p 193, 10.  
 दुर्लभ, p 67, n.  
 दुर्धी, p 67, n.  
 दुर्धरावन, p 8, 39.  
 दुर्कृत, p 31, 1.  
 दुर्घ, p 381, 19.  
 दुर्धन्व, p 116, 16.  
 दुर्धन्वियी, p 112, n.  
 दुर्धन्व, p 169, 21.

## दुर्हि—दुष्टि.

- दुर्हितःपति, p 145, 32.  
 दुर्हित, p 143, 28 n.  
 दुर्त, p 195, 16.  
 दुर्ती, p 141, 17. p 195. n.  
 दुर्त्त, p 195, 16.  
 दुर्न, p 284, 52.  
 दुर्, p 275, 18.  
 दुर्दर्शिन, p 176, 6.  
 दुर्वा, p 123, 23.  
 दुर्धन्व, p 169, n.  
 दुर्धिका, p 155, 18.  
 दुर्धी, p 155, n.  
 दुर्धीका, p 155, n.  
 दुर्धन्व, p 169, n.  
 दुर्ध्या, p 202, n.  
 दुर्ध, p 13, 62. p 277,  
 25. p 313, 47.  
 दुर्धन्वि, p 277, 25.  
 दुर्धि, p 391, 19.  
 दुर्धन्व, p 280, 35.  
 दुर्ध, p 162, 44. p 362,  
 219. .  
 दुर्धत्, p 84, 4.  
 दुर्ध, p 198, 30. .  
 दुर्धरजस्, 139, 8.  
 दुर्धान्, p 318, 65.  
 दुर्धि, p 162, 44. p 311,  
 41.

## देव—देवा.

- देव, p 1, 2. p 48, 13.  
 p 145, n.  
 देवकीनन्दन, p 4, 16.  
 देवकुसुम, p 171, 27.  
 देवखातक, p 68, 27.  
 देवखातविल, p 85, 6.  
 देवच्छन्द, p 165, 6.  
 देवजगत्क, p 125, 32.  
 देवतक, p 9, 45.  
 देवता, p 2, 4. p 380, n.  
 देवताक, p 102, 49.  
 देवत्व, p 189, n.  
 देवदाक, p 99, 34.  
 देवद्वारक, p 266, n.  
 देवद्वारक, p 266, 34.  
 देवन, p 334, 120.  
 p 258, 45.  
 देववल्लभ, p 92, 6.  
 देवभूय, p 189, 51,  
 देवमाटक, p 76, 12:  
 देवयोनि, p 2, 6.  
 देवर, p 145, 32.  
 देवल, p 145, n. p 250,  
 11.  
 देवधिलिन्, p 310, 37.  
 देवसभा, p 9, 44.  
 देवसायुज्य, p 189, n.  
 देवाजीव, p 250, 11.



| देवा—दोह.                | दोह—द्राक्.               | द्राक्षा—द्रोणी.       |
|--------------------------|---------------------------|------------------------|
| देवाञ्जीवी, p 150, 11.   | दोहदवती, p 142, 21.       | द्राक्षा, p 111, 26.   |
| देवी, p 48, 13. p106, 2. | दोकूल, p 205, n.          | द्राघिष्ठ, p 285, 62.  |
| देह, p 145, 32.          | दौत्या, p 195, n.         | द्राघ, p 217, 79.      |
| देघ, p 74, 7.            | दौवारिक, p 192, n.        | द्राघिष्ठक, p 118, 23. |
| देघरूप, p 197, 24.       | द्युति, p 19, 19. p 23,   | द्र, p 87, 5.          |
| देघ, p 156, 22.          | 35.                       | द्रुक्लिप्त, p 98, 34. |
| देघली, 81 13.            | द्यती, p 19, n.           | द्रुघण, p 213, 59. n.  |
| दैतेय, p 2, 7.           | द्युमणि, p 22, 31.        | द्रुघ, p 130, 14.      |
| दैत्य, p 2, 7.           | द्युन्न, p 242, 91.       | द्रुघि, p 63, n.       |
| दैत्यगुरु, p 21, 26.     | द्युषत्, p 2, n.          | द्रुणी, p 63, n. p386, |
| दैत्या, p 115, 11.       | द्युषत्, p 2, n.          | द्रुत, p 283, 49. p 1  |
| दैत्यारि, p 4, 14.       | द्यस्य, p 270, n.         | 60. p 47, 9.           |
| दैर्घ्य, p 168, 16.      | द्युत, p 258, 45.         | द्रुता, p 280, 49.     |
| दैव, p 32, 6. p 188,     | द्युतकारक, p 258, 44.     | द्रुत, p 87, 5.        |
| 50.                      | द्युतकत्, p 258, 44.      | द्रुतामय, p 171, 26.   |
| दैवकीमन्त्र, p 4, n.     | द्यो, p 1, 1. p 15, 1.    | द्रुमोत्पल, p 100, 40. |
| दैवज्ञ, p 194, 14.       | द्योत, p 23, 36.          | द्रुमय, p 241, 85.     |
| दैवज्ञा, p 141, 20.      | द्रुष, p 233, n.          | द्रुष्ट, p 67, n.      |
| दैवत, p 2, 4.            | द्रुष्य, p 233, n.        | द्रुष्टन, p 3, n.      |
| दैव्य, p 32, n.          | द्रुव, p 53, 32. p 217,   | द्रुष्टिण p 3, 12.     |
| दोला, p 108, 13. p205,   | 79.                       | द्रोण, p 314, 51. p131 |
| 21.                      | द्रुवती, p 107, 6.        | द्रोणकाक, p 131, 21    |
| दोषज्ञ, p 176, 4. p309,  | द्रुविण, p 242, 91.       | द्रोणकीरा, p 233, 7    |
| 36.                      | p 315, 55.                | द्रोणदुषा, p 238, 72   |
| दोषा, p 377, 6. p158, n. | द्रुविणन्तर, p 216, 70.   | द्रोषि, p 63, n.       |
| दोषैकदश, p 270, 46.      | द्रुष्य, p 242, 90. p344, | द्रोषिज्ञा, p 63, n.   |
| दोष, p 158, 31.          | 156.                      | द्रोषिणी, p 222, n.    |
| दोषद, p 52, 27.          | द्राक्, p 377, 2.         | द्रोणी, p 63, 11       |

द्रोह—द्विती.  
 द्रोहचिन्तन, p 34, 13.  
 द्रोणिक, p 222, 10.  
 दम्ब, p 135, 38. p 361,  
 214.  
 दयातिगा, p 187, 44.  
 दाःस्य, p 192, n.  
 दादयाङ्गल, p 159, 35.  
 दादयात्मन्, p 21, 29.  
 दापर, p 34, 12. p 316,  
 164.  
 दार, p 81, 16.  
 दार, p 81, 16.  
 दारपाल, p 192, 6.  
 दारिक, p 192, n.  
 दारिन्, p 192, n.  
 दास्य, p 192, 6.  
 दास्थित, p 192, 6.  
 दास्थितदर्शक, p 192, n.  
 दिगुणाकृत, p 222, 9.  
 द्विज, p 134, 32. p 308,  
 32. p 175, n.  
 द्विजान्, p 175, n.  
 द्विजराज, p 18, 16.  
 द्विजा, p 114, 8.  
 द्विजाति, p 175, 3. n.  
 द्विजिङ्ग, p 338, 136.  
 द्वितीया, p 138, 5.  
 द्वितीयाकृत, p 222, n.

द्विष—धन.  
 द्विष, p 200, 2.  
 द्विषाद्य, p 197, 27.  
 द्विरद, p 200, 2.  
 द्विरफ, p 133, 29.  
 द्विषर्षा, p 237, 68.  
 द्विष, p 193, n.  
 द्विष, p 193, n.  
 द्विषत्, p 193, 10.  
 द्विषाद्य, p 378, 10.  
 द्विष, p 244, n.  
 द्विसौल्य, p 222, n.  
 द्विहृल्य, p 222, n.  
 द्विहायती, p 237, 68.  
 द्वीप, p 62, 8.  
 द्वीपवती, p 69, 30.  
 द्वीपिन्, p 127, 1.  
 द्वेषण, p 193, 10.  
 द्वेष्य, p 269, 45.  
 द्वैष, p 195, 18.  
 द्वैष, p 205, 22.  
 द्वैसात्तर, p 7, 33.  
 द्वाष्ट, p 244, 98.  
 घट, p 390, 17.  
 घन, p 47, 9.  
 घनञ्जय, p 10, 48.  
 घनद, p 14, 64.  
 घनहरी, p 116, 16

धना—धम.  
 धनाधिष, p 14, 64.  
 धनिक, p 230, n.  
 धनिन्, p 261, 10.  
 धिनी, p 261, n.  
 धनिष्ठा, p 20, 24.  
 धनोयक, p 230, n.  
 धनुःश्रेणी, p 106, 2. n.  
 धनु, p 211, n.  
 धनुर्धर, p 208, 37.  
 धनुस्मथ, p 212, 53.  
 धनुर्यास, p 107, n.  
 धनुष्यट, p 94, 15.  
 धनुष्यत्, p 208, 37.  
 धनुस्, p 211, 51.  
 धन्, p 211, n.  
 धनेयक, p 230, n.  
 धन्य, p 230, n.  
 धन्या, p 230, n.  
 धन्याक, p 230, 38.  
 धन्यान्, p 230, 39.  
 धन्व, p 211, n.  
 धन्वन्, p 211, n.  
 धन्वयास, p 107, n.  
 धन्वयास, p 107, 10.  
 धन्विन्, p 208, 37.  
 धमन, p 124, 28.  
 धमनि, p 116, n. p 154,  
 16.

## घम—घाना.

- घमनो, p 154, n. p116,  
18. n.  
घन्निष्क, p 163, 43.  
घर, p 84, 1.  
घरणि, p 73, 2.  
घरणी, p 73, n.  
घरा, p 73, 2.  
घरिली, p 73, 2.  
घर्ष, p 31, 2. p310, 141.  
घर्षाचिन्ता, p 52, 28.  
घर्षाध्वजिन्, p 190, 59.  
घर्षोपसन, p 229, 36.  
घर्षोराज, p 2, 8. p308, 33.  
घर्षोसंज्ञिता, p 40, 7.  
घर्षणी, p 139, n.  
घर्षणी, p 139, 10.  
घव, p 145, 35. p360, 208.  
घवल, p 37, 22. p237, 68.  
घवला, p 237, 68.  
घवली, p 237, n.  
घवित्, p 180, n.  
घातकी, p 115, 12.  
घात, p 85, 8. p319, 68.  
घातपुष्पिका, p 115, n.  
घाट, p 3, 12.  
घाटपुष्पिका, p 115, 12.  
घाती, p 350, 178.  
घाना, p 232, 47.

## धातु—धीन्द्रि.

- धातुष्क, p 208, 37.  
धान्य, p 225, 21.  
p 230, n.  
धान्यक, p 230, n.  
धान्यत्वक, p 225, 22.  
धान्याय, p 314, 48.  
धान्यान्व, p 230, 39.  
धान्य, p 336, 126.  
धासागेव, p 107, 7.  
p 113, 5.  
धाया, p 180, 21.  
धारण, p 206, 26.  
धारणा, p 197, 26.  
धारा, p 204, 17. n.  
धाराधर, p 16, 8.  
धारासम्प्रात, p 17, 13.  
धात्ताराद्र, p 132, 21.  
धावनि, p 108, 11.  
धिव्, p 371, 2. n.  
धिवृत्, p 268, 39. p282,  
43  
धिवण, p 20, 25.  
धिवणा, p 33, 10.  
धिव. p 341, n.  
धिव्य, p 314, 157.  
धी, p 33, 10. p 381, n.  
p 34, n.  
धीन्द्रिय, p 35, 17.

## धीन—धूम्या.

- धीमत्, p 176, 5.  
धीमतो p 140, 12  
धीर, p 170, 26. p176, 5  
धीवर, p 64, 15  
धीवरी, p 64, n.  
धीवक्ति, p 283, 25.  
धीसचिव, p 192, 4.  
धुत, p 280, 36.  
धुनि, p 69, n  
धुनी, 69, 30.  
धुन्वर, p 236, 65  
धुर्, p 205, 23.  
धुरा, p 205, n.  
धुरीण, p 236, 65.  
धुर्थ, p 236, 65.  
धुर्वच, p 236, 65.  
धुवित, p 180, 23  
धुस्तुर, p 104, n.  
धुस्तूर, p 104, 58.  
धूत, p 28, 36.  
धूनी, p 69, n.  
धूपायित, p 284, 52  
धूपित, p 284, 52.  
धूमकेत, p 317, 61.  
धूमथोनि, p 16, 9.  
धूमक, p 37, 25.  
धूम्या, p 297, 42  
धूम्याट, p 130, 16

धूम्र—ध्वनि.  
 धूम्र, p 37, 25.  
 धूर्जटि, p 6, 28.  
 धूर्त्त, p 104, 58. p 258,  
 44. p 270, 47.  
 धूर्धर, p 236, n.  
 धूर्ति, p 215, 66. n.  
 धूर्ती, p 215, n.  
 धूसर, p 37, 23.  
 धूसूर, p 104, n.  
 धृति, p 321, 77.  
 धृष्ट, p 265, 25.  
 धृष्ण, p 264, n.  
 धृष्णवियात, p 264, 25.  
 धृष्णज, p 264, 25.  
 धृष्णि, p 22, 31.  
 धेनु, p 238, 71.  
 धेनुका, p 200, 4. p 302, 15.  
 धेनुव्या, p 238, 72.  
 धेनुक, p 235, 60.  
 धेवत, p 45, 1.  
 धौतकौशेय, p 167, 14.  
 धौरितक, p 204, 16.  
 धोरेय, p 236, 65.  
 धाम, p 125, 32.  
 ध्वज, p 215, 67.  
 ध्वजिनी, p 210, 46.  
 ध्वनि, p 44, 1.  
 ध्वनित, p 282, 44.

ध्वस्त—नगौ  
 ध्वस्त, p 281, 58  
 ध्वान्त, p 131, 20  
 p 363, 221.  
 ध्वान, p 44, 1.  
 ध्वान्त, p 56, 3.  
 ध्रुव, p 19, 21. p 87, 8.  
 p 276, 22. p 181, 24.  
 ध्रुवा, p 13, 3.  
 न, p 379, n.  
 नकुच, p 100, n.  
 नकुलेटा, p 113, 3.  
 नक्त, p 377, 6.  
 नक्तक, p 168, 16.  
 नक्तमात्र, p 97, 28.  
 नक्त, p 66, 21.  
 नक्तव, p 20, 22. n.  
 नक्तवमात्रा, p 166, 8.  
 नक्तव्येय, p 18, 16.  
 नख, p 159, 34. p 116, 17.  
 नखर, p 159, 34.  
 नखरा, p 159, n.  
 नखी, p 116, n.  
 नग, p 304, 20.  
 नगज, p 200, n.  
 नगर, p 77, n.  
 नगरी, p 77, n. p 8, 40.  
 नगौकस, p 131, 33

नग्न—नन्दि.  
 नग्न. p 268, 39.  
 नग्नक, p 257, n.  
 नग्नक, p 257, 42.  
 नग्निका, p 189, 8.  
 p 141, 17  
 नट, p 99, 37. p 250, n.  
 नटन, p 47, 10.  
 नटी, p 116, 17.  
 नड, p 124, 28. p 397, 33.  
 नडप्राय, p 75, 9.  
 नडमीन, p 65, n.  
 नडसंहति, p 126, 33.  
 नड्या, p 126, 33.  
 नडूत्, p 75, 9.  
 नडूख, p 75, 9.  
 नत, p 381, 18. p 276, 20.  
 नतनासिक, p 148, 45.  
 नदी, p 68, 29.  
 नदीनाटक, p 76, 12.  
 नदीसर्ज्ज, p 96, 25.  
 नक्षी (नक्षी), p 254, 31.  
 ननंद, p 144, n.  
 ननानंद, p 144, 29.  
 ननु, p 380, 14. p 373, 10.  
 नन्दक, p 5, 24.  
 नन्दन, p 8, 41.  
 नन्दि, p 31, n.  
 नन्दिहस्त, p 116, 16.

## नन्दी—नर्म्भ.

- नन्दीद्वय, p 116, n.  
 नन्द्यावर्त्त, p 80, 10.  
 नपुंसकम्, p 146, 39.  
 नम्, p 144, n.  
 नम्नी, p 144, 29.  
 नभ, p 15, n.  
 नभस्, p 368, 234, p15,  
 1. n. p 29, 16.  
 नभसङ्गम, p 134, 34.  
 नभस्य, p 29, 17.  
 नभस्वत्, p 12, 58.  
 नभस, p 381, 18.  
 नभसित, p 284, 51.  
 नभस्कारि, p 119, 7.  
 नभस्या, p 184, 34.  
 नभस्थित, p 284, 51.  
 नभुचिस्त्रदन, p 8, 39.  
 नय, p 288, 9.  
 नयन, p 162, 44.  
 नर, p 137, 1.  
 नरक, p 59, 1.  
 नरपति, p 191, n.  
 नरवाहन, p 14, 64.  
 नर्त्तक, p 47, 11.  
 नर्त्तकी, p 47, 8.  
 नर्त्तन, p 47, 16.  
 नर्म्भदा, p 69, 32.  
 नर्म्भान्, p 53, 32.

## नल—नाक.

- नल, p 125, 31.  
 नलकुवर, p 14, 65.  
 नलद, p 125, 30.  
 नलमीन, p 65, 18.  
 नलिन, p 71, 39.  
 नलिनी, p 71, 39.  
 नली, p 116, 17.  
 नल, p 77, 18.  
 नव, p 278, 27.  
 नवदल, p 72, 43.  
 नवनीत, p 233, 52.  
 नवसालिका, p 103, 53.  
 नवसूतिका, p 238, 71.  
 नवाम्बर, p 167, 13.  
 नवीन, p 278, 27.  
 नवोद्धृत, p 233, 52.  
 नव्य, p 278, 27.  
 नष्ट, p 218, 80.  
 नष्टचेष्टता, p 51, 33.  
 नष्टाग्नि, p 190, 52.  
 नष्टेन्द्रकला, p 26, 9.  
 नसा, p 161, n.  
 नस्तित, p 236, 63.  
 नस्या, p 161, n.  
 नस्योत्, p 263, 63.  
 नष्टि, p 379, n.  
 ना, p 379, 11.  
 नाक, p 1, 1. p 298, 2.

## नाकु—नाना.

- नाकु, p 76, 14  
 नाकुली, p 192, 2.  
 नाग, p 56, n. p 200, 2.  
 p 305, 22.  
 नागकेसर, p 101, n.  
 नागकेसर, p 101, 45.  
 नागजिह्विका, p 246, 108.  
 नागर, p 230, 38.  
 नागरङ्ग, p 95, 18.  
 नागलोक, p 56, 1.  
 नागवला, p 113, 5.  
 नागवल्ली, p 114, 8.  
 नागसम्भव, p 246, 105.  
 नागसुगन्धा, p 112, n.  
 नागान्तक, p 5, 25.  
 नाञ्च, p 47, 10.  
 नाडि, p 154, n.  
 नाडिकेश, p 126, n.  
 नाडीम्वन, p 249, 8.  
 नाडी, p 154, 16. p 31-  
 45. p 225, 22.  
 नाडीव्रण, p 151, 5.  
 नाघवत्, p 262, 16.  
 नाद, p 44, 1.  
 नादेयी, p 93, 11 p 9-  
 18. p 113, 6.  
 नाना, p 376, 3.  
 नानारूप, p 282, 43

## नान्दि—नार्थ

- नान्दिकर, p 267, n.  
 नान्दीकर, p 267, 38.  
 नान्दीवादिन्, p 267,  
 38.  
 नापित, p 250, 10.  
 नाभि. p392,20 p172,n.  
 p 205 24. p339,139.  
 नाभी, p 205, n. p 339,  
 109.  
 नाभ, p 374, 13.  
 नामधेय, p 40, 8.  
 नाचन्, p 48, 8.  
 नाथ, p 288, 9.  
 नाथक. p 161, 11.  
 नाथ, p 161, n.  
 नाथक, p 59, 1.  
 नाथद, p 9, 43.  
 नाथाच. p 212, 55.  
 नाथाची, p 255, 32.  
 नाथायण, p 3, 13. n.  
 नाथायणी, p 109, 19.  
 नाथिकेर, p 126, 34.  
 नाथिकेल, p 126, n.  
 नाथिकेलि, p 126, n.  
 नाथिकेली, p 126, n.  
 नाथी, p 137, 2.  
 नाथीकेल, p 126, n.  
 नाथ्यङ्ग, p 95, n.

## नाल—निक.

- नाल, p 245, n. p 71,n.  
 p 225, 22  
 नाली, p 71, n.  
 नाथिक, p 63, 12.  
 नाथ्य, p 62, 10.  
 नाथ, p 218, 85.  
 नासत्य, p 10, 47.  
 नासा, p81,13.p161,40.  
 नासिका, p 161, 40.  
 नासिकौ, p 10, n.  
 नास्तिकता, p 34, 13.  
 निःकासित, p 268, 39.  
 निःक्रामित, p 268, n.  
 निःप्रभ, p 283, 49.  
 निःशलाक, p 196, 22  
 निःशेष, p 275, 14.  
 निःशोध्य, p 273, 5.  
 निःश्रेणि, p 82, 18.  
 निःश्रेणी, p 82, n.  
 निःश्रेयस. p 34, 15.  
 निःषम, p 380, 14.  
 निःसरण, p 82, 19.  
 निःख, p 270, 49.  
 निकट, p 275, 16.  
 निकर, p 135, 39.  
 निकर्षण, p 82, 19.  
 निकष, p 255, 32.  
 निकषा, p 381, 19.

## निक—निगा.

- निकषात्तज, p 12, 55.  
 निकस, p 255, n.  
 निकाच, p 235, 57.  
 निकाय, p 136, 42.  
 निकाय्य, p 79, 5.  
 निकार, p 290, 15.  
 p 295, 36.  
 निकारण, p 218, 81.  
 निकास, p 256, n.  
 निकुञ्चक, p 242, 89.  
 निकुञ्ज, p 85, 8.  
 निकुम्भ, p 120, 10.  
 निकुरस्व, p 135, 40.  
 निकत, p 268,41.p270,  
 46.  
 निकति, p 53, 30.  
 निकट, p 272, 3.  
 निकेतन, p 78, 4.  
 निकोचक, p 93, ?  
 निकण, p 44, 3.  
 निक्वाण, p 44, 3.  
 निखिल, p 275, 14.  
 निगड, p 202, 9.  
 निगद, p 290, 12.  
 निगम, p 77, 1. p 310,  
 142. .  
 निगाद, p 290, 12.  
 निगार, p 296, 37

| निगा—निध.                    | निधि—निया.                            | निया—निर्ज.              |
|------------------------------|---------------------------------------|--------------------------|
| निगल, p 203, 16.             | निधि, p 14, 67.                       | नियाम, p 63, n.          |
| निगृह, p 290, 13.            | निधुवन, p 190, 56.                    | नियुत, p 393, 24.        |
| निगृह, p 296, n.             | निधान, p 204, 31.                     | नियुक्त, p 216, 75.      |
| निघ, p 295, 36.              | निनद, p 44, 1.                        | नियोज्य, p 251, 17.      |
| निघस, p 234, 56.             | निनाद, p 44, 1.                       | निर, p 375, 14.          |
| निघ्न, p 262, 16.            | निन्दा, p 41, 14.                     | निरङ्कुष, p 262, n.      |
| निचिकी, p 237, n.            | निप, p 228, 32.                       | निरन्तर, p 275, 15.      |
| निचुल, p 100, 41, p 169, n.  | निपठ, p 294, 29.                      | निरय, p 59, 1.           |
| निचोल, p 169, 18.            | निपाठ, p 294, 29.                     | निरगल, p 279, 33.        |
| निचोली, p 169, n.            | निपातन, p 294, 27.                    | निरर्थक, p 278, 31.      |
| निज, p 309, 34.              | निपान, p 68, 26.                      | निरवयव, p 292, 15.       |
| नितम्ब, p 157, 25.           | निपुण, p 259, 4.                      | निरसन, p 295, 31.        |
| नितम्बस्थ, p 157, 26.        | निवर्हण, p 218, 81.                   | निरस्त, p 212, 56.       |
| नितम्बिनी, p 137, 3.         | निभ, p 256, 38.                       | निराकारिष्णु, p 265, 30. |
| नितान्त, p 13, 62.           | निभृत, p 264, 25.                     | निराकृत, p 268, 40.      |
| नित्य, p 13, 61.             | निमय, p 240, 81.                      | निराकृति, p 189, 53.     |
| निदाघ, p 30, 19, p 54, 33.   | निमित्त, p 322, 79.                   | p 295, 31.               |
| निदान, p 32, 6.              | निमेष, p 27, 11.                      | निरामय, p 152, 8.        |
| निदिग्ध, p 280, 38.          | निम्न, p 64, 15.                      | निरीघ, p 223, n.         |
| निदिग्धका, p 108, 12.        | निम्नगा, p 69, 30.                    | निरीघ, p 223, 13, n.     |
| निदेश, p 197, 25.            | निम्ब, p 100, 43.                     | निरोध, p 290, n.         |
| निद्रा, p 54, 36.            | निम्बतरु, p 92, 6.                    | निर्हृति, p 59, 2.       |
| निद्राघ, p 266, 33.          | नियति, p 32, 6.                       | निर्गन्धन, p 218, n.     |
| निद्रासु, p 266, 33.         | निघन्तु, p 206, 27.                   | निर्युंखडी, p 102, n.    |
| निद्रित, p 266, n.           | नियम, p 184, 37, p 188, 48, p 34, 14. | निर्युंखडी, p 102, 49.   |
| निघन, p 218, 85, p 336, 125. | नियातन, p 294, n.                     | निर्यन्धन, p 218, 82.    |
|                              | नियामक, p 63, 12.                     | निर्वोष, p 44, 1.        |
|                              |                                       | निर्जर, p 1, 2.          |

## निर्जि—निर्वा.

- निर्जितेन्द्रियप्राय, p186,  
43  
निर्कर, p 85, 5.  
निर्णय, p 34, 12.  
निर्णय, p 273, 5.  
निर्णयक, p 250, 10.  
निर्देश, p 199, 25.  
निर्वाच्य, p 261, n.  
निर्वन्ध, p 369, 238.  
निर्वर्ण, p 218, n.  
निर्भर, p 13, 62.  
निर्भय, p 200, 4.  
निर्भय, p 57, 6.  
निर्भयक, p 58, 9.  
निर्भयत्व, p 262, n.  
निर्वाच्य, p 201, 6.  
निर्वाच्य, p 335, 122.  
निर्वाच्य, p 314, 155.  
निर्वाच्य, p 370, 238.  
निर्वचन, p 19, n.  
निर्वचन, p 182, 29.  
निर्वचन, p 294, 31.  
निर्वचन्या, p 49, 15.  
निर्वाच्य, p 282, 45. p34,  
15.  
निर्वाच्य, p 282, 45.  
निर्वाच्य, p 41, 13. p 326,  
92.

## निर्वा—निश्चि.

- निर्वाच्य, p 182, n.  
निर्वाच्य, p 218, 83.  
निर्वाच्य, p 261, 213.  
निर्वाचन, p 218, 82.  
निर्वाच्य, p 283, 50.  
निर्वच्य, p 256, 39. p362,  
217.  
निर्वच्य, p 56, 2.  
निर्वाच्य, p 44, 1.  
निर्वाच्य, p 291, 17.  
निर्वाच्य, p 36, 20.  
निलय, p 79, 5.  
निर्वच्य, p 135, 39.  
निर्वाच्य, p 224, 27.  
निर्वाच्य, p 182, 30.  
निर्वच्य, p 188, 49.  
p 168, 15.  
निर्वच्य, p 168, n.  
निर्वच्य, p 199, 1.  
निर्वाच्य, p 25, 4.  
निर्वाच्य, p 181, n.  
निर्वाच्य, p 252, n.  
निर्वाच्य, p 79, 5.  
निर्वाच्य, p 18, 15.  
निर्वाच्य, p 218, 81.  
निर्वाच्य, p 230, 41.  
निर्वच्य, p 281, 40.

## निष्ठी—निष्ठी.

- निष्ठी, p 25, 6.  
निष्ठी, p 25, 4.  
निष्ठी, p 34, 12.  
निष्ठी, p 82, n.  
निष्ठी, p 82, n.  
निष्ठी, p 212, 56.  
निष्ठी, p 208, 37. n.  
निष्ठी, p 45, n.  
निष्ठी, p 78, 2.  
निष्ठी, p 62, 9.  
निष्ठी, p 84, 3.  
निष्ठी, p 45, 1. p 252,  
20.  
निष्ठी, p 206, 27.  
निष्ठी, p 218, 81.  
निष्ठी, p 3 2, 11.  
निष्ठी, p 142, 21.  
निष्ठी, p 142, n.  
निष्ठी, p 268, 39.  
निष्ठी, p 89, 13.  
निष्ठी, p 115, 13.  
निष्ठी, p 120, n.  
निष्ठी, p 89, 13.  
निष्ठी, p 293, 25.  
निष्ठी, p 49, 15. p 312,  
43.  
निष्ठी, p 231, 41.  
निष्ठी, p 296, 38.



## निष्ठु—निङ्क

- निष्ठुर p43,19, p277,25.  
 निष्ठूत्, p 280, 37.  
 निष्ठूत्ति, p 296, 38.  
 निष्ठेवं, p 296, n.  
 निष्ठेवन, p 296, 38.  
 निष्ठेवा, p 296, n.  
 निष्णात्, p 259, 4.  
 निष्पक्त, p 282, 45.  
 निष्पत्त, p 283, 50.  
 निष्पाव, p 293, 24.  
 निष्पभ, p 200, 49.  
 निष्पवाणि, p 167, 13.  
 निष्पला, p 143, n.  
 निष्पली, p 143, n.  
 निष्पगं, p 55, 38.  
 निष्पट, p 280, 38.  
 निष्पङ्ग, p 218, 82.  
 निष्पल, p 276, 19.  
 निष्पिंश, p 213, 57.  
 निष्पाव, p 233, 49.  
 निष्पन, p 44, 1.  
 निष्पान, p 44, 1.  
 निष्पनन, p 218, 82.  
 निष्पाका, p 66, 22.  
 निष्पिसन, p 218, 81.  
 निष्पोन, p 251, 16.  
 निष्पव, p 42 17. p360,  
 210.

## निङ्गा—नीवी.

- निङ्गाद, p 44, 1.  
 नीकाय, p 256, 38.  
 नीच, p 251, 16.  
 नीचिका, p 237, n.  
 नीचिकी, p 237, n.  
 नीची, p 276, n.  
 नीचैस्, p 380, 17.  
 नीड, p 135, 37.  
 नीडोङ्गव, p 134, 34.  
 नीघ, p 81, 14.  
 नीप, p 96, 22.  
 नीर, p 61, 4.  
 नील, p 37, 23.  
 नीलकण्ठ, p 312, 42.  
 p 133, 33.  
 नीलङ्क, p 130, 13.  
 नीलखोहित, p 6, 28.  
 नीला, p 37, n. p133,n.  
 नीलाङ्क, p 130, n.  
 नीलाम्बर, p 4, 19.  
 नीलाम्बजम्बानु, p 70, 37.  
 नीलिका, p 103, 51.  
 नीलिनी, p 108, 13.  
 नीली, p108,13.p133,n.  
 नीवाक, p 292, 23.  
 नीवार, p 226, 25.  
 नीवि, p 361, n.p240,n.  
 नीवी, p210,80.p361,214.

## नीट—नेप

- नीटवृ, p 75, 8.  
 नीवार, p 169, 20.  
 नीवार, p 19, 19.  
 तु. p 380, n. p 373,  
 तुति, p 41, 12.  
 तुत्त, p 280, 37.  
 तुत्त, p 280, 37.  
 नूत्तन, p 278, 27.  
 नूत्त, p 278, 27.  
 नूद, p 96, 22.  
 नून, p 374, 12. p 38  
 16.  
 नूपुर, p 166, 11.  
 न्द. p 137, n.  
 न्दत्य, p 47, 10.  
 न्दप, p 191, 1. n  
 न्दपति, 191, n.  
 न्दपलङ्गानु, p 199, 32  
 न्दपसभ, p 394, n  
 न्दपासन, p 198, 31.  
 न्दशंस, p 270, 47.  
 न्दसेन, p 400, 40. n  
 नेढ, p 261, 11.  
 नेत्र, p 162, 44. p 35  
 182.  
 नेत्राम्ब, p 162, 44.  
 नेदिष, p 275, 18.  
 नेपथ्य, p 164, 1.

नेमि—न्याय्य.  
 नेमि, p 68, 27. p 205,  
 24. p 92, n.  
 नेमिन्, p 92, n.  
 नेमी, p 92, n. p 205, n.  
 नैकभेद, p 279, 32.  
 नैगम, p 239, 78.  
 नैषिकी, p 237, 67.  
 नैपाली, p 246, 109.  
 नैमेय, p 240, 81.  
 नैययोध, p 90, 18.  
 नैर्द्धत. p 12, 56. n.  
 p 15, 4.  
 नैष्किक, p 192, 7.  
 नैखिंशिक, p 208, 38.  
 नो, p 379, 11.  
 नौ, p 62, 10.  
 नोकादण्ड, p 63, 13.  
 न्यक्, p 276, n.  
 न्यक्ष, p 365, 227.  
 न्ययोध, p 328, 98.  
 न्ययोधी, p 107, 6.  
 न्यङ्, p 276, n.  
 न्यङ्क, p 129, 10.  
 न्यच्, p 276, 20.  
 न्यस्त, p 280, 28.  
 न्याद, p 234, 56.  
 न्याय, p 197, 24.  
 न्याय्य, p 197, 25.

न्यास—पंक्ति.  
 न्यास, p 240, 81.  
 न्युङ्, p 390, 17.  
 न्युञ्ज, p 153, 12.  
 न्यून, p 337, 130.  
 पक्षय, p 83, 20.  
 पक्ष, p 282, 46.  
 पक्ष, p 27, 12. p 163,  
 49. p 364, 222. p 212,  
 55. p 134, n.  
 पक्षक. p 81, 14.  
 पक्षति, p 24, 1. p 135, 36.  
 पक्षती, p 24, n.  
 पक्षदार, p 81, 14.  
 पक्षभाग, p 201, 8.  
 पक्षमूल, p 135, 36.  
 पक्षस्, p 134, n.  
 पक्षान्, p 26, 7.  
 पक्षिणी, p 25, 5.  
 पक्षिन्, p 134, 32.  
 पक्ष्मन्, p 335, 123.  
 पक्ष्, p 31, 1.  
 पक्षिल, p 75, 10.  
 पक्षेरुह, p 71, 40.  
 पक्ष्, p 149, 48. n.  
 पक्ष्, p 149, n.  
 पंक्ति, p 86, 4. p 180, n.  
 p 321, 74.

पंक्ती—पटी.  
 पंक्ती, p 86, n.  
 पचम्पचा, p 109, 20.  
 पचम्पचा, p 109, n.  
 पचा, p 288, 8.  
 पञ्चजन, p 137, 1.  
 पञ्चता, p 218, 84.  
 पञ्चत्व, p 218, n.  
 पञ्चदधी, p 26, 7.  
 पञ्चम. p 15, 1.  
 पञ्चरात्र, p 388, n.  
 पञ्चलक्षण, p 39, 6.  
 पञ्चयर, p 5, 20.  
 पञ्चशाख, p 159, 32.  
 पञ्चाकुल, p 98, 32.  
 पञ्चालिका, p 251, n.  
 पञ्चास्य, p 127, 1.  
 पञ्जर, p 356, 31.  
 पञ्जिका, p 386, 7.  
 पट, p 81, n.  
 पटञ्जर, p 168, 16.  
 पटल. p 81, 14. p 358,  
 203.  
 पटलदान, p 81, 14.  
 पटभेदन, p 77, n.  
 पटवासक, p 174, 41.  
 पटङ्, p 46, 6. p 217, 76.  
 पटि, p 168, n.  
 पटी, p 168, n.

| पटु—पत.                   | पत—पता.                    | पता—पद्म.                  |
|---------------------------|----------------------------|----------------------------|
| पटु, p 122, 20. p 252, n. | पतत्र, p 134, 36.          | पताङ्गलि, p 170, 24.       |
| p 311, 42. p 267, n.      | पतत्रिन्, p 134, 33.       | पत्रिन्, p 134, 33. p 130, |
| पटुपर्णी, p 119, 3.       | पतत्रिन्, p 134, 33.       | 15.                        |
| पटोल, p 123, 20.          | पतदृमञ्च, p 174, 40.       | पत्रोर्ष, p 99, 37.        |
| पटोलिका, p 113, 6.        | p 392, 21.                 | पथ, p 76, n.               |
| पट्ट, p 390, 17.          | पतयात्, p 265, 27.         | पथन, p 76, n.              |
| पट्टन, p 77, n.           | पताका, p 215, 67.          | पथिक, p 195, 17.           |
| पट्टनी, p 77, n.          | पताकी, p 208, 39.          | पथिका, 195, n.             |
| पट्टिका, p 95, 21.        | पति, p 145, 35. p 261, 10. | पथिकी, p 195, n.           |
| पट्टिन्, p 95, 21.        | पतिम्बरा, p 138, 7.        | पथिन्, p 76, n.            |
| पट्टिष, p 392, 21.        | पतिव्रता, p 138, 6.        | पथ्या, p 100, 39.          |
| पट्टिस, p 392, n.         | पतिव्रती, p 140, 12.       | पद्, p 156, n.             |
| पण, p 242, 88. p 256,     | पत्तङ्ग, p 172, n.         | पद, p 156, n. p 327, 96.   |
| 39. p 314, 49.            | पत्तन, p 77, 1.            | पदग, p 208, 34.            |
| पणव, p 47, 8.             | पत्ति, p 208, 34. p 210,   | पदधि, p 76, n.             |
| पणायित, p 285, 59.        | 48.                        | पदशी, p 76, 15.            |
| पणित, p 285, 59.          | पत्तिसंज्ञति, p 208, 35.   | पदाजि, p 208, 34.          |
| पणितव्य, p 240, 82.       | पत्तिन्, p 212, 55.        | पदाति, p 208, 34.          |
| पण्ड, p 146, 39.          | p 134, 33.                 | पदातिक, p 208, 34.         |
| पण्डित, p 176, 5.         | पत्नी, p 138, 5.           | पदिक, p 208, 35.           |
| पण्य, p 240, 82.          | पत्र, p 89, 14.            | पद्म, p 208, 35.           |
| पण्यबीधिका, p 78, 2.      | पत्रङ्ग, p 172, n.         | पद्मति, p 76, 15.          |
| पण्य्या, p 121, 15.       | पत्रपरशु, p 255, 33.       | पद्मती, p 76, n.           |
| पण्यजीव, p 339, 79.       | पत्रपास्त्र, p 165, 4.     | पद्म, p 200, n.            |
| पतग, p 134, 33.           | पत्ररथ, p 134, 33.         | पद्मक, p 201, 7.           |
| पतङ्ग, p 133, 28.         | पत्रलेखा, p 170, 24.       | पद्मचारिणी, p 120, 11.     |
| पतङ्गिका, p 133, 27.      | पत्राङ्ग, p 172, 33.       | पद्मनाभ, p 4, 15.          |
| पतन्तु, p 134, 33.        | p 247, 111.                | पद्मनाभि, p 4, n.          |

**पद्म—परः.**  
 पद्मपत्र, p 120, 11.  
 पद्मराग, p 243, 93.  
 पद्मा, p 5, 22. p 120, 11.  
 पद्माकर, p 68, 28.  
 पद्माट, p 120, 13.  
 पद्मालया, p 5, 22.  
 पद्मिन्, p 200, 3.  
 पद्मिनी, p 71, 39.  
 p 200, n.  
 पद्म, p 366, 31.  
 पद्मा, p 76, 15.  
 पद्मस, p 100, 41.  
 पद्मधित, p 285, 59.  
 पद्मिन, p 285, 59.  
 पद्म, p 284, 53.  
 पद्मग, p 58, 8.  
 पद्मगायन, p 5, 25.  
 पद्मस, p 60, 3. p 233,  
 51. p 368, 235.  
 पद्मस, p 233, 51.  
 पद्मोधर, p 347, 165.  
 पर, p 355, 193. p 193,  
 11.  
 परंशत, p 274, n.  
 परंसहस्र, p 274, n.  
 परःशत, p 274, 13. n.  
 परःशता, p 274, 13.  
 परःसहस्र, p 274, a.

**परः—परा**  
 परःस्वस्, p 382, n.  
 परजात, p 252, 18.  
 परजित, p 252, n.  
 परतन्त्र, p 262, 16.  
 परपिण्डाद, p 263, 20.  
 परभृत्, p 131, 20.  
 परभृत्, p 131, 19.  
 परस, p 379, 12.  
 परसाक्ष, p 181, 23.  
 परसेष्ठिन्, p 3, 11.  
 परम्पराक्ष, p 181, 25.  
 परशत्, p 262, 16.  
 परशु, p 213, 60.  
 परश्वध, p 213, 60.  
 परश्वस्, p 382, 22.  
 परश्वध, p 213, n.  
 पराक्रम, p 216, 71.  
 p 340, 141.  
 पराग, p 90, 17. p 305,  
 22.  
 पराङ्मुख, p 266, 33.  
 पराचित, p 252, 18.  
 पराचीन, p 266, 33.  
 पराजय, p 217, 80.  
 पराजित, p 218, 80.  
 पराधीन, p 262, 16.  
 पराक्ष, p 263, 20.  
 पराभूत, p 218, 80.

**परा—परि**  
 पराय, p 382, 20.  
 परायण, p 286, 2.  
 परारि, p 382, n.  
 पराङ्गा, p 273, 7.  
 पराशरिन्, p 185, n.  
 पराशरी, p 185, n.  
 परासन, p 218, 81.  
 परासु, p 218, 85.  
 परास्कन्दिन्, p 253, 25.  
 परि, p 155, n.  
 परिकर, p 347, 167.  
 परिकर्म्मन्, p 169, 22.  
 परिक्रम, p 291, 16.  
 परिक्रिया, p 292, 20.  
 परिक्षिप्त, p 280, 37.  
 परिखा, p 68, 29.  
 परिचय, p 210, 47. n.  
 p 370, 239.  
 परिच, p 307, 28. p 213,  
 59.  
 परिवातन, p 213, 59.  
 परिचय, p 292, 23.  
 परिचर, p 207, 30.  
 परिचर्या, p 184, 34.  
 परिचार्थ, p 180, 20.  
 परिचारक, p 251, 17.  
 परिणत, p 282, 46.  
 परिणय, p 191, 56.

## परि—परि.

- परिष्कान, p 291, 15.  
 परिष्काय, p 258, 46.  
 परिष्काङ्ग, p 168, 16.  
 परितस्तु, p 379, 13.  
 परित्वाण, p 287, 5.  
 परिदान, p 240, 81.  
 परिदेवन, p 42, 16.  
 परिधान, p 196, 18.  
 परिधि, p 22, 34-p328,  
 99.  
 परिधिष्य, p 297, 30.  
 परिपण, p 240, 80.  
 परिपंथिन्, p 193, 11.  
 परिपाटि, p 184, n.  
 परिपाटी, p 184, 36.  
 परिपूर्णता, p 173, 38.  
 परिपेल, p 117, n.  
 परिपेलव, p 117, 13.  
 परिप्लव, p 277, 24.  
 परिवर्द्ध, p 370, 241.  
 परिभव, p 50, 22.  
 परिभाव, p 50, 22.  
 परिभाषण, p 42, 15.  
 परिभूत, p 284, 56.  
 परिमल, p 36, 19.  
 p 290, 13.  
 परिदम्भ, p 294, 20.  
 परिवन्धव. p 30, n.

## परि—परि.

- परिवर्जन, p 218, 82,  
 परिवर्त्त, p 240, n.  
 p 30, n.  
 परिव्रादिनी, p 45, 3.  
 परिव्रापित, p 279, 35.  
 परिवार, p 348, n.  
 परिव्राङ्ग, p 62, n.  
 परिवित्ति, p 190, 55.  
 परिवृढ. p 261, 11.  
 परिवृत्ति, p 190, n.  
 परिवृत्ति, p 190, n.  
 परिवेत्त, p 190, 55.  
 परिवेष, p 22, n.  
 परिवेष, p 22, 34.  
 परिव्याध, p 93, 11.  
 p 100, 41.  
 परिव्राज, p 185, 41.  
 परिव्राजक, p 185, n.  
 परिषद्, p 178, 14.  
 परिष्कान्द, p 252, n.  
 परिष्कान्, p 252, n.  
 परिष्कार, p 164, 3.  
 परिष्कृत, p 164, 2.  
 परिष्कोम, p 202, n.  
 परिष्वङ्ग, p 294, 30.  
 परिसर, p 76, 14.  
 परिसर्प, p 292, 20.  
 परिसर्था, p 184, n.  
 p 292, 21.

## परि—परे

- परिष्कान्द, p 252, 18.  
 परिष्कान्, p 252, n.  
 परिष्कोम, p 202, 10.  
 परिस्यन्द, p 173, 38.  
 परिस्यन्द, p 173, n.  
 परिष्कृत, p 256, 39.  
 परिष्कृता, p 257, 40.  
 परीक्षक, p 260, 7.  
 परीणाय, p 258, n.  
 परोभाव, p 50, n.  
 परोरम्भ, p 294, n.  
 परोवर्त्त, p 240, 81.  
 परोवाद, p 41, 13.  
 परोवाप, p 337, 132.  
 परोवार, p 348, 171.  
 परोवाङ्ग, p 62, 10 n.  
 परोष्टि, p 183, 31.  
 परोसर्था, p 292, n.  
 परोसार, p 292, 21.  
 परोहास, p 53, 32.  
 परु, p 124, n.  
 परुत्, p 382, 20, n.  
 परुष, p 43, 19, p273,  
 परुष, p 124, 27, n.  
 परेत, p 218, 85.  
 परेतराज, p 11, 53.  
 परेता, p 59, n.  
 परेदवि, p 382, 21.

## परि—पर्यु.

- परिदृका, p 238, 71.  
 परिधित, p 252, 18.  
 परोक्ष, p 278, n.  
 परोक्षी, p 132, n.  
 परोक्षी, p 132, 26.  
 पर्यटिन्, p 93, n.  
 पर्यट्टी, p 93, 13, n.  
 पर्यजनो, p 109, 29.  
 पर्यजन्य, p 342, 148.  
 पर्यं, p 94, 10, p 89, 14.  
 पर्यंशाला, p 79, 6.  
 पर्यंश, p 105, 60.  
 पर्यो, p 70, n.  
 पर्योङ्, p 174, 39.  
 पर्यटन, p 184, 35.  
 पर्यन्तभू, p 76, 14.  
 पर्यथ, p 184, 36.  
 पर्यथस्या, p 292, 21.  
 पर्य्याग्नि, p 235, 57.  
 पर्य्याग्नि, p 287, 5.  
 पर्य्याय, p 184, 36.  
 पर्य्यदञ्चन, p 220, 3.  
 पर्य्यवथा, p 183, 31.  
 पर्य्यंत, p 84, 1.  
 पर्य्यन्, p 124, 27, p 335, 124.  
 पर्य्यसन्धि, p 26, 7.  
 पर्य्यं, p 156, n.

## पर्यु—पर्यु.

- पर्युका, p 156, 20.  
 पर्यु, p 241, 86, p 358, 204.  
 पर्युगण्ड, p 249, 6.  
 पर्युङ्घा, p 109, 17.  
 पर्युल, p 154, 14.  
 पर्युलाङ्, p 121, 13.  
 पर्युल, p 225, 22.  
 पर्युलाथ, p 89, 14, p 122, 20, p 37, n.  
 पर्युलाधिन्, p 87, 5.  
 पर्युलिङ्गी, p 140, 12.  
 पर्युलित, p 147, 41.  
 पर्युलिता, p 140, n.  
 पर्युल्यङ्, p 174, 39.  
 पर्युल्लव, p 89, 14.  
 पर्युल्ल, p 68, 28.  
 पर्यु p 293, 24.  
 पर्युन, p 12, 58, p 293, 24.  
 पर्युनाशन, p 58, 8.  
 पर्युनान, p 12, 58.  
 पर्युत्रि, p 9, 42.  
 पर्युत्रि, p 187, 44.  
 पर्युत्रिक, p 64, 16.  
 पर्यु, p 129, 11.  
 पर्युपति, p 6, 25.  
 पर्युप्रेरण, p 296, 39.  
 पर्युरञ्ज, p 238, 74.

## पश्चा—पाठि.

- पश्चात्, p 372, 4.  
 पश्चात्ताप, p 51, 25.  
 पश्चिम, p 278, 30.  
 पश्चा, p 79, n.  
 पश्चु, p 225, 66.  
 पश्चुला, p 139, 11.  
 पश्चु, p 215, n.  
 पाक, p 135, 38.  
 पाकलक्ष्यफल, p 202, n.  
 पाकफल, p 202, n.  
 पाकल, p 115, 14.  
 पाकशासन, p 7, 36.  
 पाकशासनि, p 8, 41.  
 पाकस्यान, p 227, 27.  
 पाक्य, p 231, 42, p 247, 109.  
 पाखण्ड, p 17, n.  
 पाञ्चजन्य, p 5, 23.  
 पाञ्चालिका, p 254, 29.  
 पाटल, p 223, 15, p 37, 25.  
 पाटला, p 90, 20, p 99, 35.  
 पाटलि, p 99, 35.  
 पाटली, p 99, n.  
 पाठ, p 294, 29.  
 पाठा, p 106, 3.  
 पाठिन्, p 105, 60.

| पाठी—पाद.                                      | पाद—पायु.                   | पाय्य—पारि.                 |
|--|-----------------------------|-----------------------------|
| पाठीन, p 65, 18.                               | पादवन्धन, p 235, 58.        | पाय्य, p 241, 85.           |
| पाडङ्ग, p 378, 7.                              | पादस्फोट, p 50, 3.          | पार, p 62, 8. n. p 244, n   |
| पाण्ण, p 159, 32.                              | पादाद्य, p 156, 22.         | पारत, p 244, n.             |
| पाण्णट्टोती, p 138, 5.                         | पादाङ्गद, p 166, 11.        | पारद, p 244, 100.           |
| पाण्ण्यङ्गण, p 190, n.                         | पादात, p 208, 35. n.        | पारम्भ्यापदेश, p 178, 1.    |
| पाण्ण्य, p 251, 13.                            | पादातिक, p 208, 14. n.      | पारश्व, p 300, 212.         |
| पाण्णपीडन, p 190, 56.                          | पादातिक, p 2, 8, n.         | पारशीक, p 203, 13 n         |
| पाण्णवाद, p 251, 13.                           | पादुका, p 254, 30.          | पारश्वधिक, p 208, 38.       |
| पाण्ण, p 37, 23.                               | पादू, p 254, 31.            | पारसीक, p 203, n.           |
| पाण्डकम्बलिन्, p 205, 22.                      | पादूकत्, p 219, 7.          | पारस्त्रैषेय, p 143, 21.    |
| पाण्डर, p 36, 22.                              | पाद्य, p 183, 32.           | पारापत, p 130, n.           |
| पातक, p 397, 33.                               | पाद्या, p 183, n.           | पारापार, p 60, n.           |
| पाताज, p 56, 1. p 358, 204                     | पानगोष्ठिका, p 257, 43.     | पारायण, p 285, 2.           |
| पातक, p 265, 27.                               | पानपात्र, p 257, 43.        | पारावत, p 130, 14.          |
| पात्र, p 62, 8. p 181, 24. p 239, 33.          | पानभाजन, p 228, 32.         | पारावताग्नि, p 121, 13      |
| पात्रयुग, p 384, n.                            | पानीय, p 61, 4.             | पारावार, p 60, 1.           |
| पात्री, p 401, 42.                             | पानीयशाखिका, p 79, 7.       | पारापरिन्, p 185, 41.       |
| पात्रीय, p 398, 35.                            | पान्य, p 195, 17.           | पाराशरी, p 185, n.          |
| पाथस्, p 60, 4.                                | पाप, p 31, 1.               | पारिकाञ्चिन्, p 186, 4      |
| पाद, p 156, 22. p 85, n. p 242, 90. p 326, 92. | पापचेली, p 106, 3.          | पारिजातक, p 9, 45. p 92, 6. |
| पादकटक, p 167, 11.                             | पापान्, p 31, 1.            | पारितथ्या, p 165, 4.        |
| पादयङ्गण, p 185, 40.                           | पामन, p 150, 4.             | पारिपात्रक, p 84, 3.        |
| पादप, p 87, 5.                                 | पामन, p 152, 9.             | पारिपार्श्विक, p 22, 33     |
|  | पामर, p 251, 16.            | पारिस्रव, p 277, 24.        |
|  | पामा, p 150, n.             | पारिभद्र, p 92, 6.          |
|  | पाथस, p 171, 30. p 181, 23. | पारिभद्रक, p 98, 33.        |
|  | पायु, p 157, 24.            | पारिभाष्य, p 115, 14.       |

पारि—पाशि.  
 पारिषद, p 6, 31. n.  
 पार्षद, p 6, n.  
 पार्षदा, p 6, n.  
 पारिहाय्य, p 166, 8.  
 पारो, p 387, 10.  
 पारुष्य, p 42, 14.  
 पार्ष्व, p 191, 1.  
 पार्वती, p 7, 33.  
 पार्वतीनन्दन, p 7, 35.  
 पार्ष्ण, p 158, 30. p297,  
 41.  
 पारुभाम, p 201, 8.  
 पारुष्य, p 156, 20.  
 पारुष्य, p 156, 23.  
 पारुष्यपाद, p 193, 10.  
 पालन, p 125, 32.  
 पालङ्की, p 114, n.  
 पालङ्क्या, p 114, 9. n.  
 पालाघ, p 37, 24.  
 पालि, p 214, 61. n.  
 पालिन्दी, p 111, n.  
 पालिन्दी, p 111, 27.  
 पालो, p 114, n.  
 पालुवा, p 385, 5.  
 पावक, p 10, 50.  
 पाय, p 163, 49.  
 पायक, p 258, 45.  
 पायिन्, p 12, 56.

पाशु—पिञ्च.  
 पाशुपत, p 105, 62.  
 पाशुपाल्य, p 220, 2.  
 पाश्या, p 384, n.  
 पाश्यान् (त्रा), p 278,  
 30, n.  
 पाशुण्ड, p 187, 44.  
 पाषाण, p 84, 4.  
 पाषाणदारण, p 255, 34.  
 पिक, p 131, 19.  
 पिक, p 38, 25.  
 पिकल, p 22, 33. p 38,  
 25.  
 पिकला, p 38, n.  
 पिचण्ड, p 158, n.  
 पिचिण्ड, p 158, 28.  
 पिचिण्डवत्, p 391, 18.  
 पिचिण्डल, p 148, 44.  
 पिसु, p 246, 106.  
 पिसुल, p 246, n.  
 पिसुसर्द्, p 100, 43.  
 पिसुल, p 95, 20. p 246, n.  
 पिञ्चट, p 246, 106.  
 पिच्छ, p 134, 31.  
 पिच्छा, p 97, 27.  
 पिच्छल, p 232, 46.  
 पिच्छला, p 97, 27.  
 पिञ्च, p 218, 84.  
 पिञ्चर, p 396, n.

पिञ्च—पिट.  
 पिञ्चल, p 215, 67.  
 पिठ, p 227, 26.  
 पिठक, p 151, 4. p 254,  
 30.  
 पिठका, p 151, n.  
 पिठर, p 228, 31.  
 पिठरी, p 228, n.  
 पिण्ड, p 244, 98. p 391,  
 18.  
 पिण्डक, p 171, 30.  
 पिण्डगोस, p 245, n.  
 पिण्डि, p 205, n.  
 पिण्डिका, p 205, 21.  
 पिण्डी, p 205, n.  
 पिण्डीतक, p 98, 33.  
 पिण्डोर, p 246, n.  
 पिण्ड्या, p 221, n.  
 पिण्ड्याक, p 300, 9.  
 पितरौ, p 146, 37.  
 पितामङ्ग, p 3, 11. p 145,  
 33.  
 पितामङ्गी, p 145, n.  
 पिट, p 144, 28.  
 पिटकानन, p 219, n.  
 पिटदान, p 182, 30.  
 पिटपति, p 15, 4. p 11,  
 53.  
 पिटपिट, p 145, 33.



## पिट—पिशु.

- पिटप्रसू, p 24, 3.  
 पिटवन, p 219, 87.  
 पिटवसति, p 219, n.  
 पिटव्य, p 144, 31.  
 पिटवसिभ, p 261, 13.  
 पित्त, p 153, 13.  
 पित्वात्, p 134, 34.  
 पिधान, p 18, 14.  
 पिनच, p 207, 33.  
 पिनस, p 150, n.  
 पिनाक, p 6, 30. p302,  
 14.  
 पिनाकिन्, p 6, 27.  
 पिपासा, p 234, 55.  
 पिपीलिका, p 386, 8.  
 पिप्पल, p 91, 1.  
 पिप्पलि, p 108, n.  
 पिप्पली, p 108, 15.  
 पिप्पलीसूत्र, p 247, 111.  
 पिशु, p 149, 49.  
 पिशाल, p 94, 15.  
 पिश, p 153, 11.  
 पिशङ्ग, p 38, 25.  
 पिशङ्गी, p 38, n.  
 पिशाच, p 2, 6.  
 पिशित, p 154, 14.  
 पिशुन, p 170, 26.  
 पिशुना, p 117, 21.

## पिट—पीव.

- पिटक, p 232, 48.  
 पिटप, p 76, n.  
 पिटपचन, p 228, 32.  
 पिष्टात्, p 174, 41.  
 पीठ, p 174, 40.  
 पीडन, p 217, 78.  
 पीडा, p 59, 3.  
 पीत, p 37, 24.  
 पीतक, p 245, 104.  
 पीतदारु, p 98, 34.  
 पीतद्रु, p 100, 40.  
 पीतन, p 170, 25. p92, 7.  
 पीतसालक, p 96, 24.  
 पीता p 230, 41.  
 पीताम्बर, p 4, 14.  
 पीति, p 202, 11.  
 पीतिन्, p 202, n.  
 पीन, p 274, 10.  
 पीनस, p 150, 2.  
 पीनोष्ठी, p 238, 72.  
 पीयूष, p 234, 54. n.  
 p 9, 44.  
 पीसु, p 92, 9. p 355,  
 195.  
 पीलुपर्णी, p 106, 2.  
 पीवन्, p 274, 10.  
 पीवर, p 274, 10.  
 पीवरसानी, p 238, 72,

## पुंशु—पुत्त.

- पुंशुली, p 139, 10.  
 पुक्कय, p 252, n.  
 पुक्कय, p 252, n.  
 पुक्कस, p 252, 20.  
 पुक्क, p 390, 17.  
 पुक्कव, p 273, 8.  
 पुच्छ, p 204, 18.  
 पुञ्ज, p 136, 42.  
 पुटकिनी, p 71, n.  
 पुटभेदा, p 61, 7.  
 पुटभेदन, p 77, 1.  
 पुटी, p 401, 42.  
 पुण्डरीक, p 16, 5. p36  
 11. p 71, 41.  
 पुण्डरीकाक्ष, p 4, 14  
 पुण्डर्य, p 116, 15.  
 पुण्ड्र, p 125, 29.  
 पुण्ड्रक, p 103, 52.  
 पुण्य, p 31, 4. p 346  
 162.  
 पुण्यक, p 184, 37.  
 पुण्यजन, p 12, 56.  
 पुण्यजनेश्वर, p 14, 6.  
 पुण्यभूमि, p 74, 8.  
 पुण्यवत्, p 259, 3.  
 पुण्याङ्ग, p 395, n.  
 पुत्तिका, p 133, 27.  
 पुत्त (त्र), p 113, 27

## पुत्र—पुरा.

- पुत्रका, p 143, n.  
 पुत्रिका, p 143, n.  
 पुत्री, p 143, n.  
 पुत्रो, p 146, 37.  
 पुत्रल, p 392, 20.  
 पुनःपुनर्, p 376, 1.  
 पुनर्, p 375, 14.  
 पुनर्नव, p 159, n.  
 पुनर्नवा, p 121, 14.  
 पुनर्भव, p 159, 31.  
 पुनर्भू, p 142, 23.  
 पुत्राग, p 92, 6.  
 पुत्रस्, p 137, 1.  
 पुत्रःसर, p 208, 40.  
 पुर्, p 77, 1.  
 पुर्, p 94, 14 p352, 185.  
 p 77, n.  
 पुत्रस्, p 378, 7.  
 पुत्रद्वार, p 82, 16.  
 पुत्रन्दर, p 8, 37.  
 पुत्रंभि, p 138, n.  
 पुत्रंभी, p 138, 6.  
 पुत्रस्, p 373, n.  
 पुत्रकत, p 324, 86.  
 पुत्रस्तान्, p 373, 7.  
 p 383, n.  
 पुत्रस्, p 274, 13.  
 पुत्रा, p 375, 15.

## पुरा—पुषि.

- पुराण, p 242, n.  
 p39, 6.  
 पुराणा, p 277, n.  
 पुराणो, p 277, n.  
 पुरातन, p 277, 26.  
 पुराष्टत, p 39, 5.  
 पुरि, p 77, n.  
 पुरी, p 77, 1.  
 पुरीतत्, p 155, 17.  
 पुरीष, p 155, 19.  
 पुरु, p 274, 13.  
 पुरुष, p 32, 7. p 137, 1.  
 p 92, 6. p 363, 220.  
 पुरुषोत्तम, p 4, 16.  
 पुरुष, p 271, n.  
 पुरुषत, p 8, 37.  
 पुरोग, p 208, 40.  
 पुरोगम, p 209, 40.  
 पुरोगामिन्, p 209, 40.  
 पुरोडास, p 392, 21.  
 पुरोधस्, p 192, 5.  
 पुरोभागिन्, p 270, 46.  
 पुरोहित, p 192, 5.  
 पुराक, p 299, 5.  
 पुलिन, p 62, 9.  
 पुलिन्द, p 252, 21.  
 पुलोमजा, p 8, 40.  
 पुलित, p 282, 16.

## पुष्क—पूत.

- पुष्कर, p<sup>1</sup>132, n. p 15,  
 1. p 60, 4. p71, 41.  
 पुष्कराङ्ग, p 132, n.  
 पुष्करिणी, p 68, 27.  
 पुष्कल, p 273, 8.  
 पुष्ट, p 282, 46.  
 पुष्य, p 90, 19.  
 पुष्यक, p 14, 66.  
 पुष्यक्रेत, p 245, 103.  
 पुष्यदन्त, p 16, 5.  
 पुष्यधनु, p 5, n.  
 पुष्यधन्वन्, p 5, 21.  
 पुष्यफल, p 91, 2.  
 पुष्यरथ, p 204, 19.  
 पुष्यरस, p 90, 17.  
 पुष्यलिङ्, p 133, 29.  
 पुष्यवत्, p 26, 10.  
 पुष्यवती, p 142, 20.  
 पुष्यसमय, p 29, 18.  
 पुष्याञ्जन, p 245, n.  
 पुष्य, p 20, 23. p312, 149.  
 पुष्यरथ, p 204, n.  
 पुस्त, p 254, 29.  
 पूग, p 126, 34. p304, 21.  
 पूजा, p 184, 34.  
 पूजित, p 239, 47.  
 पूज्य, p 259, 5.  
 पूत, p 226, 23. p273, 5.

| पूत—पूर्वा.               | पूर्व—ष्ट.                    | ष्ट—पैशा.                  |
|---------------------------|-------------------------------|----------------------------|
| पूतना, p 100, 39.         | पूर्वद्वय, p 382, n.          | ष्टवताम्, p 12, n.         |
| पूतिक, p 97, 28.          | पूष्, p 22, 31.               | ष्टवती, p 129, n.          |
| पूतिकरज, p 97, 28.        | पूष, p 96, 22.                | ष्टवत्क, p 212, 54.        |
| पूतिकरञ्ज, p 97, n.       | ष्टका, p 117, 21.             | ष्टवदन्, p 12, 57.         |
| पूतिका, p 123, n.         | ष्टक्ति, p 288, 9.            | ष्टवदाज्य, p 181, 23.      |
| पूतिकाष्ठ, p 99, 34.      | ष्टच्छा, p 11, 10.            | ष्टव, p 158, 29-           |
| p 100, 40.                | ष्टतना, p 210, 46.            | ष्टवा, p 203, 14. p 297, 4 |
| पूतिगन्धि, p 36, 21.      | ष्टयक, p 376, 3.              | ष्टष्णि, p 149, n.         |
| पूतिफली, p 108, 14.       | ष्टयकपर्णी, p 107, 11.        | ष्टष्णिपर्णी, p 107, 11.   |
| पूप, p 232 48.            | ष्टयगात्मता, p 181, 37.       | पेचक, p 130, 15            |
| पूर, p 392, 20.           | ष्टयगात्मिका, p 33, 9.        | पेटक, p 254, 30.           |
| पूरणी, p 97, 27.          | ष्टयगजन, p 252, 16.           | पेटो, p 101, 42.           |
| पूरित, p 283, 48-         | p 331, 108.                   | पेडा, p 254, n.            |
| पूरुष, p 137, 1. p 32, n. | ष्टयन्धिष, p 282, 43.         | पेयूष, p 231, n. p 9.      |
| पूर्य, p 275, 15.         | ष्टयनी, p 73, n.              | पेयव, p 275, 15.           |
| पूर्यकुम्भ, p 199, 32.    | ष्टयिनी, p 73, n.             | पेयल, p 252, 19. p 3       |
| पूर्यमा, p 26, n.         | ष्टय, p 229, 37. p 274, 10.   | 207.                       |
| पूर्यमासी, p 26, n.       | ष्टयुक्त, p 135, 38. p 232,   | पेयि, p 135, n.            |
| पूर्यिमा, p 26, 7.        | 47.                           | पेयी, p 135, 37.           |
| पूर्यिमासी, p 26, n.      | ष्टयुरोमन् p 65, 17.          | पेयीकोष, p 135, n.         |
| पूर्य, p 182, 27.         | ष्टयुल, p 274, 10.            | पेयल, p 252, n.            |
| पूर्य, p 339, 136. n.     | ष्टयी, p 73, 1.               | पेयल, p 252, n.            |
| पूर्य, p 275, n. p 278,   | ष्टयीका, p 116, 13.           | पैठर, p 231, 45.           |
| 30. p 339, n.             | ष्टदाकु, p 57, 6.             | पैठ्यसेव, p 143, 25.       |
| पूर्यज, p 147, 43.        | ष्टि, p 149, 48.              | पैठ्यस्त्रीय, p 143, 25    |
| पूर्यदेव, p 2, 7.         | ष्टिपर्णी, p 107, n.          | पैत्र, p 189, 50.          |
| पूर्यपर्वत, p 84, 2-      | ष्टवत्, p 61, 6. n. p 129, n. | पैयुष, p 9, n.             |
| पूर्याङ्ग, p 382, 20-     | ष्टवत, p 61, n. p 129, n.     | पैशाच, p 2, n.             |

## योग—प्रका.

- योगखण्ड, p 148, 46.  
 पोटगल, p 124, 28.  
 पोटा, p 140, 15.  
 पोत, p 135, 38.  
 पोतकी, p 123, n.  
 पोतवण्णिज्, p 63, 12.  
 पोतवाह, p 63, 12.  
 पोताधान, p 65, 19.  
 पोतिका, p 123, n.  
 पोती, p 35, n.  
 पोत्र, p 351, 182.  
 पोत्रिन्, p 144, n.  
 पौढी, p 144, 29.  
 पौण्ड्र्य, p 116, n.  
 पौर, p 125, 32.  
 पौरस्य, p 278, 30.  
 पौरुष, p 160, 38.  
 पौरुषी, p 160, n.  
 पौरोग्य, p 227, 27.  
 पौरुषास, p 188, 47.  
 पौरुषी, p 26, n.  
 पौरुषासी, p 26, 7.  
 पौरुष्य, p 14, 64.  
 पौलि, p 232, 47.  
 पौष, p 28, 15.  
 पौषक, p 245, 103.  
 प्वाट्, p 378, 7.  
 प्रकाखण्ड, p 32, 5, p 88, 10.

## प्रका—प्रघा.

- प्रकाष, p 235, 57.  
 प्रकार, p 316, 161.  
 प्रकाश, p 23, 36.  
 प्रकीर्णक, p 198, 31.  
 प्रकीर्त्य, p 97, 28.  
 प्रकृति, p 32, 7, p 55, 37.  
 प्रकोष्ठ, p 159, 31.  
 प्रक्रम, p 203, 26.  
 प्रक्रिया, p 198, 31.  
 प्रक्षण, p 41, 3.  
 प्रकाण, p 44, 3.  
 प्रखेडन, p 212, n.  
 प्रखेडना, p 212, 55.  
 प्रखेदना, p 212, n.  
 प्रगखण्ड, p 159, 31.  
 प्रगतजानु, p 148, n.  
 प्रगतजानुक, p 148, 47.  
 प्रगन्ध, p 264, 25.  
 प्रगाढ, p 313, 47.  
 प्रगुण, p 276, 21.  
 प्रगे, p 381, 19.  
 प्रघह, p 219, 87, p 370, 239.  
 प्रघाह, p 370, 239.  
 प्रघीव, p 398, 35.  
 प्रघ्य, p 273, 7.  
 प्रघण, p 81, 12.  
 प्रघाण, p 81, 12.

## प्रघ—प्रणा.

- प्रघक, p 214, 64.  
 प्रघलायित, p 266, 32.  
 प्रघुक्त, p 392, 20.  
 प्रघुर, p 271, 12.  
 प्रघेतस्, p 12, 56.  
 प्रघोदनी, p 108, 12.  
 प्रघदपट, p 169, 18.  
 प्रघन, p 41, n.  
 प्रघस, p 81, 14.  
 प्रघदिका, p 151, 6.  
 प्रजन, p 293, 25.  
 प्रजविन्, p 209, 41.  
 प्रजा, p 309, 31.  
 प्रजाता, p 111, 16.  
 प्रजापति, p 3, 12.  
 प्रजावती, p 144, 30.  
 प्रघ, p 176, n.  
 p 148, n.  
 प्रघा, p 140, 12.  
 प्रघान, p 335, 125.  
 प्रघु, p 148, 47.  
 प्रघीन, p 135, 37.  
 प्रघय, p 293, 25, p 313, 153.  
 प्रघव, p 39, 4, p 47, n.  
 प्रघद, p 41, n.  
 प्रघाद, p 41, 11.  
 प्रघाल, p 79, n

## प्रणा—प्रति.

- प्रणाली, p 70, 35.  
 प्रणधि, p 194, 13.  
 p 329, 102.  
 प्रणहित, p 280, 36.  
 प्रणीत, p 232, 45.  
 p 180, 19.  
 प्रणुत, p 285, 59.  
 प्रण्येय, p 264, 25.  
 प्रतति, p 88, n.  
 प्रतन, p 277, 26.  
 प्रतल, p 160, 36.  
 प्रतानिनी, p 88, 9.  
 प्रताप, p 196, 20.  
 प्रतापस, p 105, 61.  
 प्रति, p 372, 6.  
 प्रतिकर्मानु, p 164, 1.  
 प्रतिकाश, p 256, n.  
 प्रतिकास, p 256, n.  
 प्रतिकूल, p 279, 33.  
 प्रतिकृति, p 256, 36.  
 प्रतिक्रष्ट, p 272, 3.  
 प्रतिक्रिप्त, p 268, 42.  
 प्रतियज्ञ, p 210, 47.  
 p 174, n.  
 प्रतिघात, p 174, 40.  
 प्रतिघा, p 51, 26.  
 प्रतिघातन, p 218, 83.  
 प्रतिघ्नाया, p 256, 36.

## प्रति—प्रति.

- प्रतिजागर, p 294, 28.  
 प्रतिज्ञात, p 285, 58.  
 प्रतिज्ञान, p 34, 14.  
 प्रतिदान, p 240, n.  
 प्रतिध्वान, p 44, 4.  
 प्रतिनिधि, p 256, 36.  
 प्रतिपत्, p 33, 10.  
 प्रतिपट्ट, p 24, 1. p 26, n.  
 प्रतिपक्ष, p 285, 57.  
 प्रतिपादन, p 182, 29.  
 प्रतिवक्ष, p 258, 41.  
 प्रतिवन्ध, p 294, 27.  
 प्रतिविम्ब, p 256, 36.  
 प्रतिभय, p 50, 20.  
 प्रतिभान्वित, p 264, 25.  
 प्रतिभू, p 258, n.  
 प्रतिभा, p 256, 36.  
 प्रतिचान, p 201, 7.  
 p 256, 36.  
 प्रतिमुक्त, p 207, 33.  
 प्रतियत्न, p 331, 109.  
 प्रतियातना, p 256, 36.  
 प्रतिरोधक, p 253, n.  
 प्रतिरोधिन्, p 253, 25.  
 प्रतिवचन, p 41, n.  
 प्रतिवाक्य, p 41, 10.  
 प्रतिविम्ब, p 256, 36.  
 प्रतिविषा, p 109, 18.

## प्रति—प्रती.

- प्रतिघासन, p 295, 34.  
 प्रतिश्या, p 150, n.  
 प्रतिश्याय, p 150, 2.  
 प्रतिश्रय, p 344, 155.  
 पतिश्रव, p 34, 14.  
 प्रतिश्रुत्, p 44, 4.  
 प्रतिश्रुत, p 285, n.  
 प्रतिष्टम्भ, p 294, 27.  
 प्रतिसर, p 349, 176.  
 प्रतिसीरा, p 169, 22.  
 प्रतिस्थाय, p 150, n.  
 प्रतिस्वन, p 41, n.  
 प्रतिहृत, p 268, 41.  
 प्रतिहार, p 250, n.  
 प्रतिहास, p 104, 57.  
 प्रतीक, p 156, 21.  
 p 299, 7.  
 प्रतीकार, p 217, 79.  
 प्रतीकाय, p 256, n.  
 प्रतीकास, p 256, 38.  
 प्रतीक्ष्य, p 259, 5.  
 प्रतीची, p 15, 3.  
 प्रतीत, p 323, 84.  
 p 261, 9.  
 प्रतीपदर्शिनी, p 137, 2.  
 प्रतीर, p 61, 7.  
 प्रतीहार, p 81, 16. p 31  
 172, p 192, 6.

| प्रती—प्रत्य्.             | प्रत्य्—प्रपि.           | प्रपु—प्रम.             |
|----------------------------|--------------------------|-------------------------|
| प्रतीहारिन्, p 348, 172.   | प्रत्य्भस्, p 24, n.     | प्रपुनाड, p 120, n.     |
| प्रतीहास, p 104, n.        | प्रत्य्भ, p 292, 19.     | प्रपुचड, p 126, n.      |
| प्रतीही, p 78, 3.          | प्रथम, p 341, 146.       | प्रपुजाड, p 120, 12.    |
| प्रत्न, p 277, 26.         | p 278, 30.               | प्रपोण्णरीक, p 116, 15. |
| प्रत्यक्पर्णी, p 107, 7.   | प्रथा, p 288, 9.         | प्रफुल्ल, p 87, 7.      |
| प्रत्यक्चेयी, p 107, 6.    | प्रथित, p 261, 9.        | प्रथञ्चकल्पना, p 40, 6. |
| प्रत्यक्ष, p 278, 28.      | प्रथुक, p 135, n.        | प्रथाल, p 243, 93.p359, |
| प्रत्यक्ष, p 278, 27.      | प्रदर, p 347, 166.       | 206.                    |
| प्रत्यक्ष, p 383, n.       | प्रदिक, p 16, n.         | प्रथोधन, p 170, 23.     |
| प्रत्यन्, p 74, 7.         | प्रदीप, p 174, 40.       | प्रभञ्जन, p 12, 58.     |
| प्रत्यन्तपर्यन्त, p 85, 7. | प्रदीपन, p'58, 10.       | प्रथर, p 360, 212.      |
| प्रत्यय, p 342, 149.       | प्रदेश, p 159, n.        | प्रभा, p 23, 35.        |
| प्रत्ययित, p 194, 13.      | प्रदेशन, p 197, 27.      | प्रभाकर, p 22, 30-      |
| प्रत्ययिता, p 194, n.      | प्रदेशनी, p 159, 32.     | प्रभात, p 24, 3.        |
| प्रत्ययिन्, p 193, 11.     | प्रदेशिनी, p 159, n.     | प्रभाव, p 196, 2.       |
| प्रत्ययसित, p 285, 60.     | प्रदोष, p 25, 6.         | प्रभिन्न, p 200, 4.     |
| प्रत्याख्यात, p 268, 40.   | प्रद्युम्न, p 5, 20-     | प्रभु, p 261, 11.       |
| प्रत्याख्यान, p 295, 31-   | प्रद्राव, p 217, 79.     | प्रभूत, p 274, 12.      |
| प्रत्यादिष्ट, p 268, 40.   | प्रधन, p 216, 72.        | प्रभ्रष्टक, p 173, 37.  |
| प्रत्यादेश, p 295, 31.     | प्रधान, p 192, 5. p32,7. | प्रमणस्, p 260, n.      |
| प्रत्याहीढ, p 212, 53.     | p 335, 125.              | प्रमथ, p 6, 31.         |
| प्रत्यासार, p 210, n.      | प्रधि, p 205, 24.        | प्रमथन, p 218, 83.      |
| प्रत्यासार, p 210, 47.     | प्रपञ्च, p 307, 29.      | प्रमथाधिप, p 6, 27.     |
| प्रत्याहार, p 291, 16.     | प्रपद, p 156, 22.        | प्रमद, p 31, 2.         |
| प्रत्युक्तन, p 293, 26.    | प्रपा, p 79, 7.          | प्रमदवन, p 86, 3.       |
| प्रत्युक्तान्ति, p 293, n. | प्रपात, p 84, 4.         | प्रमदा, p 137, 3-       |
| प्रत्युष, p 24, n.         | प्रपितामह, p 145, 33.    | प्रमदावन, p 86, n.      |
| प्रत्युष, p 24, 2.         | प्रपितामही, p 145, n.    | प्रमनस्, p 260, 7.      |

| प्रसा—प्रव.                   | प्रव—प्रस.                    | प्रस—प्रसू.                    |
|-------------------------------|-------------------------------|--------------------------------|
| प्रसा, p 289, 10.             | प्रवङ्ग, p 204, 20.           | प्रसक्तता, p 19, 18.           |
| प्रसाण, p 316, 56.            | प्रवृत्ति, p 40, n.           | प्रसक्ता, p 257, 40.           |
| प्रसातामङ्ग, p 115, n.        | प्रवृत्तिका, p 40, 6. n.      | प्रसक्तेरा, p 257, n.          |
| प्रसाद, p 53, 30.             | प्रवृत्ती, p 40, n.           | प्रसभ, p 217, 7.               |
| प्रसापणा, p 218, 81.          | प्रवारण, p 286, 3.            | प्रसर, p 292, 23.              |
| प्रसापन, p 218, n.            | प्रवान, p 46, 7.              | प्रसरण. p 214, 64.             |
| प्रसक्ति, p 289, 10.          | प्रवासण, p 218, 81.           | प्रसरण, p 214, n.              |
| प्रसीत, p 181, 26. p 218, 86. | प्रवाह, p 291, 18.            | प्रसरणी, p 211, n.             |
| प्रसीला, p 55, 37.            | प्रवाहिका, p 151, 6.          | प्रसव, p 289, 10. p 360 210.   |
| प्रसुख, p 273, 6.             | प्रविख्याति, p 294, 23.       | प्रसववन्धन, p 89, 15.          |
| प्रसुदित, p 284, 52.          | प्रविदारण, p 216, 72.         | प्रसव्य, p 279, 33.            |
| प्रसेह, p 151, n.             | प्रविश्लेष p 292, 20.         | प्रसह्य, p 379, 10.            |
| प्रसोद, p 31, 2.              | प्रवीण, p 260, 4.             | प्रसाद, p 18, 18.              |
| प्रयत्न, p 187, 44.           | प्रवृत्ति, p 40, 8 p 291, 18. | प्रसाधन, p 164, 1 p 174, n     |
| प्रयस्त, p 232, 45.           | प्रवृत्त, p 277, 26.          | प्रसाधनी, p 164, 1.            |
| प्रथम, p 292, 23.             | प्रवेक, p 273, 24.            | प्रसाधित, p 164, 2.            |
| प्रयुक्तार्थ, p 293, n.       | प्रवेण, p 202, n. p 264, 49.  | प्रसारणी, p 211, n. p 122, 18. |
| प्रयोगार्थ, p 100, 40.        | प्रवेणी, p 202, 10.           | प्रसारिन्, p 266, 31.          |
| प्रलम्ब, p 4, 18.             | प्रवेष्ट, p 158, 31.          | प्रसित, p 260, 9.              |
| प्रलय, p 30, 22. p 54, 33.    | प्रव्यक्त, p 278, 31.         | प्रसिति, p 290, 14.            |
| प्रलाप, p 42, 16.             | प्रञ्ज, p 41, 10.             | प्रसिद्ध, p 330, 107.          |
| प्रवण, p 316, 59.             | प्रञ्च, p 293, 25.            | प्रसू, p 367, 231. p 14 29.    |
| प्रवयण, p 222, n.             | प्रञ्चित, p 264, 25.          | प्रसूता, p 141, 16.            |
| प्रवयस्, p 147, 42.           | प्रउ, p 208, 40.              | प्रसूति, p 289, 10.            |
| प्रवह, p 273, 7.              | प्रउवाह, p 233, 63.           | प्रसूतिका, p 111, 16.          |
| प्रवृत्तिका, p 40, 6.         | प्रउही, p 238, 70.            |                                |
| प्रवृत्त, p 219, 18.          | प्रसन्न, p 64, 27.            |                                |

**प्रसू—प्राक्.**  
 प्रसूतिज, p 59, 3.  
 प्रसून, p 90, 17. p 336, 125.  
 प्रसूत, p 220, n. p 280,  
 38. p 160, 36.  
 प्रसूता, p 156, 23.  
 प्रसूति, p 160, n.  
 प्रसेव, p 227, 26. p 16, n.  
 प्रसेवक, p 46, 7.  
 प्रसर, p 84, 4.  
 प्रसाव, p 293, 24.  
 प्रस्य, p 242, 89. p 85, 5.  
 p 325, n.  
 प्रस्यपुष्प, p 105, 59.  
 प्रस्थान, p 214, 63.  
 प्रस्कोटन, p 227, 26.  
 प्रसूतवण, p 85, 5.  
 प्रसाव, p 155, 18.  
 प्रखेद, p 54, n.  
 प्रहर, p 25, 6.  
 प्रहरण, p 204, n. p 211,  
 50.  
 प्रहस्त, p 160, 35.  
 प्रह्नि, p 68, 26.  
 प्रहेलि, p 40, n.  
 प्रहेलिका, p 40, 6.  
 प्रह्लक, p 284, 52.  
 प्रांशु, p 275, 19.  
 प्राक्, p 380, 16

**प्राका—प्राय.**  
 प्राकार, p 78, 3.  
 प्राकत, p 251, 16.  
 प्राग्वंश, p 178, 15.  
 प्रायहर, p 273, 7.  
 प्राघार, p 289, 10.  
 प्राक्, p 383, n.  
 प्राचिका, p 386, 8.  
 प्राची, p 15, 3.  
 प्राचीन, p 78, n.  
 प्राचीना, p 106, 3.  
 प्राचीनाशीत, p 188, 49.  
 प्राचीर, p 78, 3.  
 प्राच्य, p 71, 7.  
 प्राजन, p 222, 12.  
 प्राजित्, p 206, 27.  
 प्राज्ञ, p 176, 5.  
 प्राज्ञा, p 140, 12. p 33, n.  
 प्राज्ञी, p 110, 12.  
 p 176, n.  
 प्राज्य, p 274, 12.  
 प्राङ्मुखाक, p 192, 5.  
 प्राण, p 12, 59.  
 प्राणिन्, p 33, 8.  
 प्रातर, p 381, 49.  
 प्रातिहार, p 270, n.  
 प्रातिहारक, p 250, n.  
 प्रातिहारिक, p 250, 11.  
 प्रायसकल्पिक, p 177, 10.

**प्रादू—प्राय.**  
 प्रादूस्, \*p 375, 17.  
 p 379, 12.  
 प्रादेश, p 159, 34.  
 प्रादेशन, p 182, 29.  
 प्राध्वन्, p 377, 4.  
 प्रान्तर, p 77, 17.  
 प्राप्, p 280, 36. p 284,  
 54.  
 प्राप्पञ्चत्व, p 218, 85.  
 प्राप्तरूप, p 338, 134.  
 प्राप्ति, p 320, 71.  
 प्राप्य, p 281, 42.  
 प्राभूत, p 197, 27.  
 प्राय, p 189, 52. p 344,  
 155. p 380, 17.  
 प्रायस्, p 410, 17.  
 प्राथित, p 283, 47.  
 प्रालम्ब, p 173, 37.  
 प्रालम्बिका, p 165, 6.  
 प्रालेय, p 19, 20.  
 प्रात्रण, p 169, 20.  
 प्रावार, p 169, 19.  
 प्राहत, p 168, 15. n.  
 प्राहता, p 168, n.  
 प्राहृत्, p 30, 19.  
 प्राहृषा, p 30, n.  
 प्राहृषायणी, p 106, 5.  
 प्राय, p 214, n.



## प्रास—प्रेष्ठ.

प्रास, p 214, 61.  
 प्रासङ्ग, p 206, 25.  
 प्रासङ्ग्य, 236, 64.  
 प्रासाद, p 80, 9.  
 प्रासिक, p 208, 38.  
 प्रास्थिक, p 222, n.  
 प्राङ्ग, p 25, 3.  
 प्रिय, p 145, 35, p 272, 3.  
 प्रियक, p 96, 22, p 128, 9.  
 प्रियङ्गु, p 99, 36, p 225, 20.  
 प्रियता, p 52, 27.  
 प्रियम्बद, p 267, 36.  
 प्रियाल, p 94, n.  
 प्रीणन, p 287, 4.  
 प्रीत, p 284, 52.  
 प्रीति, p 31, 2.  
 प्रष्ट, p 283, 48.  
 प्रेक्षा, p 33, 10, p 365, 226.  
 प्रेक्षा, p 205, 21.  
 प्रेक्षित, p 280, 36.  
 प्रेत, p 59, 2, p 218, 85, p 317, 62.  
 प्रेत्न, p 378, 8.  
 प्रेन, p 52, n.  
 प्रेनन्, p 52, 27.  
 प्रेषण, p 295, 34.  
 प्रेष्ठ, p 265, 61.

## प्रेष्य—फटा.

प्रेष्य, p 251, n.  
 प्रैष, p 251, n.  
 प्रैष्य, p 251, 17.  
 प्रोक्षण, p 181, 25.  
 प्रोक्षित, p 181, 26.  
 प्रोथ, p 204, 17.  
 प्रोष्ठ, p 129, n.  
 प्रोष्ठपद, p 20, 24.  
 प्रोष्ठी, p 65, 18.  
 प्रोष्ठपद, p 29, 17.  
 प्रौढ, p 277, 26.  
 प्रुत्त, p 93, 13, p 96, 24.  
 प्रुव, p 117, 20, p 134, 34.  
 प्रुवग, p 127, 3, p 306, 25.  
 प्रुवङ्ग, p 127, 3.  
 प्रुवङ्गन, p 340, 140, p 127, n.  
 प्रुत्त, p 90, 18.  
 प्रुत्तन्, p 155, 17.  
 प्रुत्तन्, p 155, n.  
 प्रुत्तयत्, p 97, 29.  
 प्रुत्त, p 204, 16.  
 प्रुत्त, p 283, 48.  
 प्रुत्त, p 288, 9.  
 प्रुत्त, p 285, 60.  
 फञ्जिका, p 107, 8.  
 फटा, p 58, n.

## फण—फाल.

फण, p 58, n.  
 फणम्, p 58, n.  
 फणा, p 58, 9.  
 फणिक, p 105, 59.  
 फणित्, p 58, 7.  
 फर, p 213, n.  
 फल, p 240, 80, p 89, 1, p 126, 35, p 213 5.  
 फलक, p 213, 58.  
 फलकपाणि, p 208, 35.  
 फलक्यहि, p 87, n.  
 फलत्रिक, p 247, 112.  
 फलपूर, p 105, 59.  
 फलवत्, p 87, 7.  
 फलस, p 100, n.  
 फलात्थक, p 97, 26.  
 फलित्, p 87, 7.  
 फलित, p 87, 7.  
 फलिनो, p 99, 36, p 118, 1.  
 फली, p 99, 36.  
 फलेद्यहि, p 87, 6.  
 फलेरुहा, p 99, 35.  
 फर्यु, p 273, 6, p 100, 42.  
 फर्युन, p 28, n.  
 फाणित, p 231, 43.  
 फाष्ट, p 282, 44.  
 फाल, p 222, 13, p 167.

## फाल्गु—बन्ध.

- फाल्गुण, p 28, 15.  
 फाल्गुनिक, p 28, 15.  
 फाल्गुनी, p 386, 6.  
 फल्ल, p 87, 8.  
 फेन, p 246, 105.  
 फेनिल, p 93, 12.  
 फेरव, p 128, 5.  
 फेरु, p 128, 5.  
 फेलक, p 235, n.  
 फेला, p 235, 56.  
 फेलि, p 235, n.  
 बण, p 288, n.  
 बल, p 268, 48. p 282, 44.  
 बन्नी, p 251, n.  
 बध, p 218, 84.  
 बधिर, p 149, 48.  
 बधु, p 139, n.  
 बधू, p 329, 104. p 139, n.  
 p 117, 21. p 137, 2.  
 बधुदो, p 139, n.  
 बधोद्यत, p 269, 44.  
 बध्य, p 269, 45.  
 बन्धक, p 328, 100.  
 बन्धकी, p 159, 10.  
 बन्धन, p 197, 26.  
 बन्धनालय, p 219, 87.  
 बन्धनी, p 238, n.

## बन्ध—बलि.

- बन्धस्तम्भ, p 201, 9.  
 बन्धु, p 145, 34.  
 बन्धुजीवक, p 103, 53.  
 बन्धुता, p 145, 35.  
 बन्धुर, p 276, 19.  
 बन्धुल, p 143, 26.  
 बन्धूक, p 103, 53.  
 बन्धूर, p 276, n.  
 बन्ध्य, p 87, 7.  
 बन्ध्या, p 237, 69.  
 बन्धु, p 349, 172.  
 बल, p 4, 19. p 210, 46.  
 p 216, 70. p 356,  
 197. p 303, 22.  
 बलज, p 309, 33.  
 बलजा, p 309, 33.  
 बलन, p 4, n.  
 बलभद्र, p 4, 18.  
 बलभट्टिका, p 121, 16.  
 बलधित, p 281, 40.  
 बलवत्, p 148, 44.  
 p 376, 2.  
 बलविन्ध्यास, p 210, 47.  
 बला, p 110, 25.  
 बलात्कार, p 217, 77.  
 बलारान्ति, p 7, 38.  
 बलि, p 178, 13. p 197,  
 27. p 356, 197.

## बलि—बीभ.

- बलिध्वंसिन्नु, p 4, 16.  
 बलिसद्वानु, p 56, 1.  
 बली, p 356, n.  
 बलीवर्द, p 235, 59.  
 बल्लयणी, p 238, n.  
 बलिर्दुख, p 2, n.  
 बलिर्दुख, p 2, n.  
 बा, p 374, 11.  
 बाण, p 104, n.  
 बाणा, p 104, 55.  
 बाधा, p 59, 3.  
 बान्धकिनेय, p 143, 26.  
 बान्धव, p 145, 34.  
 बाल, p 147, 42. p 114,  
 10. p 162, 16. p 359,  
 207. p 203, 11.  
 बालगर्भिणी, p 238, 70.  
 बालतनय, p 98, 30.  
 बालदलक, p 98, n.  
 बालधि, p 204, 18.  
 बालपत्र, p 98, n.  
 बालहृष्ट, p 204, 18.  
 बाला, p 147, n.  
 बालेय, p 239, 78.  
 p 107, 8.  
 बालेययाक, p 107, 8.  
 बाल्य, p 146, 40.  
 बीभन्ध, p 369, 236.

## बुक्क—बोधि.

- बुक्क, p 154, n.  
 बुक्कन्, p 154, n.  
 बुक्का, p 154, 15.  
 बुक्कापमांस, p 154, n.  
 बुक्की, p 154, n.  
 बुक्क, p 329, n. p 2, 8.  
 p 285, 57.  
 बुद्धि, p 33, 10.  
 बुद्ध, p 391, 19.  
 बुध, p 2, n. p 329, 103.  
 p 21, 27. p 176, 4.  
 बुधित, p 285, 57.  
 बुधुत्ता, p 234, 54.  
 बुधुत्तित, p 263, 20.  
 बुध, p 225, n.  
 बुध, p 225, 22.  
 बुक्क, p 154, n.  
 बुक्का, p 154, n.  
 बुक्क, p 154, n.  
 बुक्कन्, p 154, n.  
 बुक्का, p 154, n.  
 बुद्धयवा, p 8, n.  
 बुन्दारक, p 303, 16.  
 बुन्दिष्ठ, p 285, 62.  
 बुद्ध, p 110, 24.  
 बुद्ध, p 90, n.  
 बोधकर, p 215, 65.  
 बोधि, p 91, n.

## बोधि—भ.

- बोधिद्वय, p 91, 1.  
 ब्रतति, p 319, n.  
 ब्रह्मचारिन्, p 175, 3.  
 p 186, 42.  
 ब्रह्मण्य, p 96, 22.  
 ब्रह्मत्व, p 189, 51.  
 ब्रह्मदर्भा, p 120, 10.  
 ब्रह्मदारु, p 96, 22.  
 ब्रह्मन्, p 3, n. p 333,  
 117.  
 ब्रह्मपुत्र, p 58, 11.  
 ब्रह्मभूय, p 189, 51.  
 ब्रह्मयज्ञ, p 178, 14.  
 ब्रह्मवर्चस, p 184, 38.  
 ब्रह्मविन्दु, p 185, 38.  
 ब्रह्माणी, p 6, n.  
 ब्रह्मसायुज्य, p 189, 51.  
 ब्रह्मस्त्र, p 5, 22.  
 ब्रह्माञ्जलि, p 185, 38.  
 ब्रह्मासन, p 185, 39.  
 ब्राह्म, p 189, 50.  
 ब्राह्मण, p 175, 4.  
 ब्राह्मणयष्टिका, p 107, 8.  
 ब्राह्मणे, p 107, 8.  
 ब्राह्मी, p 38, 1. p 6, 31.  
 p 118, 3.  
 भ, p 20, 22.

## भक्त—भद्र.

- भक्त, p 233, 48.  
 भक्तक, p 263, 20.  
 भक्तित, p 285, 60.  
 भक्त्यकार, p 227, 28.  
 भग, p 157, 27. p 306,  
 27.  
 भगन्दर, p 151, 7.  
 भगवत्, p 3, 8.  
 भगिनो, p 144, 20.  
 भग्नी, p 144, n.  
 भङ्ग, p 61, 5.  
 भङ्गा, p 225, 20.  
 भङ्गि, p 386, 8.  
 भजमान, p 197, 24.  
 भट, p 207, 29.  
 भटित, p 231, 45.  
 भट्टारक, p 48, 13.  
 भट्टिनी, p 48, 13.  
 भगलाकी, p 112, 2.  
 भगिडर, p 101, n.  
 भगिडरी, p 107, n.  
 भगिडल, p 101, 11  
 भगडी, p 107, 9.  
 भगडीर, p 101, n.  
 भगडीरी, p 107, 9.  
 भगडील, p 101, n.  
 भद्र, p 31, 3.  
 भद्रक, p 272, n.

| भद्र—भर्तृ.             | भर्तृ—भागि.                | भागि—भाङ्गु.             |
|-------------------------|----------------------------|--------------------------|
| भद्रकुम्भ, p 199, 32.   | भर्तृदारक, p 48, 12.       | भागिनी, p 18, n.         |
| भद्रदाह, p 98, 31.      | भर्तृदारिका, p 48, 13.     | भागिनेयी, p 145, n.      |
| भद्रपदा, p 20, n.       | भर्तृन, p 42, 14.          | भागोरघी, p 69, 31.       |
| भद्रपर्णी, p 94, 16.    | भर्तृन्, p 243, 95.        | भाग्य, p 32, 6.          |
| भद्रवत्, p 4, n.        | भल्ल, p 392, 21. p 127, 4. | भाङ्गीन, p 221, n.       |
| भद्रवला, p 122, 18.     | भल्लातक, p 96, n.          | भाजन, p 229, 33          |
| भद्रसुस्तक, p 124, 25.  | भल्लातकी, p 96, 23.        | भाङ्गु, p 229, 33.       |
| भद्रयव, p 102, 47.      | भल्लक, p 127 n.            | भाद्र, p 29, 17.         |
| भद्रयल, p 4, n.         | भल्लूक, p 127, n.          | भाद्रपद, p 29, 17.       |
| भद्रवला, p 122, 18.     | भव, p 6, 30. p 359,        | भाद्रपदा, p 20, 21.      |
| भद्रश्री, p 172, 32.    | 208.                       | भानु, p 22, 32. p 22,    |
| भद्रासन, p 198, 31.     | भवन. p 80, 11.             | 35 p 330, 107.           |
| भय, p 50, 21.           | भवानी, p 6, 32.            | भामिनी, p 137, 1         |
| भयङ्कर, p 50, 20.       | भविक, p 31, 4.             | भार, p 242, 87.          |
| भयद्रुत, p 269, 42.     | भविष्ट, p 265, 29.         | भारत, p 250, n. p 74, 6. |
| भयानक, p 50, 20.        | भविष्णु, p 265, 29.        | भारती, p 38, 1.          |
| भर, p 13, 61. p 242, n. | भव्य, p 31, 4. p 403, n.   | भारद्वाज, p 130, n.      |
| भरण, p 256, 39.         | भव्या, p 403, n.           | भारद्वाजी, p 113, 4.     |
| भरण्य, p 256, 39.       | भघक, p 252, 22.            | भारयष्टि, p 254, 30.     |
| भरण्यभुज्, p 263, 19.   | भक्त्रा, p 255, 33.        | भारवाह, p 251, 15.       |
| भरणया, p 256, n.        | भस्त्रगन्धिनी, p 114, 8.   | धारिक, p 251, 15.        |
| भरत, p 250, 12.         | भस्त्रगर्भा, p 101, 43.    | भारिन्, p 251, n.        |
| भरतवर्ष, p 74, n.       | भस्त्रन्, p 320, 72.       | भार्गव, p 21, 26.        |
| भरद्वाज, p 130, 15.     | भा, p 23, 35.              | भार्गवी, p 123, 24       |
| भर्ग, p 6, 29.          | भाग, p 242, 90.            | भार्गी, p 107, 8         |
| भर्ग्य, p 6, n.         | भागधेय, p 197, 27.         | भार्थी, p 138, 6.        |
| भर्तृदारिक, p 48, n.    | p 32, 6.                   | भार्थ्यापती, p 146, 38.  |
| भर्तृ, p 145, 35.       | भागिनेय, p 145, 32.        | भाङ्गुक, p 127, n.       |

## भास्त्र—भिया.

- भास्त्रक, p 127, 4.  
 भाव, p 48, 12. p 50,  
 21. p 360, 209.  
 भावबोधक, p 50, 21.  
 भावित, p 232, 46.  
 भाविनी, p 137, 3.  
 भावुक, p 31, 4.  
 भाव्य, 23, 58.  
 भाषा, p 38, 1.  
 भाषित, p 38, 1.  
 भाष्य, p 396, 31.  
 भास्, p 23, n.  
 भास्तर, p 22, 30.  
 भास्त्र, p 22, 30.  
 भिन्ना, p 287, 6. p 265,  
 226.  
 भिन्नु, p 175, 3. p 185, 41.  
 भिन्नुकी, p 143, 26.  
 भिन्न, p 18, 17  
 भिन्नि, p 78, 4.  
 भिन्दा, p 287, 5.  
 भिन्दिर, p 9, n. p 276, 21.  
 भिद्, p 9, n.  
 भिद्दर, p 9, 42.  
 भिन्दिपाल, p 213, 59.  
 भिन्न, p 279, 32. p 283,  
 50.  
 भिया, p 50, n.

## भिष—भुज.

- भिषज्, p 152, 8.  
 भिष्या, p 233, n.  
 भिष्यिका, p 233, n.  
 भिष्यिटा, p 233, n.  
 भिष्यिष्टा, p 233, n.  
 भिस्त्रा, p 233, 48.  
 भिस्त्रटा, p 233, 49.  
 भिस्त्रा, p 233, 48.  
 भिस्त्रिटा, p 233, n.  
 भिस्त्रिठा, p 233, n.  
 भी, p 50, 21.  
 भीत, p 50, n.  
 भीति, p 50, 21.  
 भीम, p 50, 20. p 6, 30.  
 भीरु, p 137, 3. p 264, 26.  
 भीरुक, p 264, 26.  
 भीरुपत्नी, p 109, 19.  
 भील, p 137, n.  
 भीलुक, p 265, 26.  
 भीषण, p 50, 20.  
 भीष्म, p 50, 20.  
 भीष्मस्त्र, p 69, 31.  
 भुक्त, p 285, 60.  
 भुक्तसमुच्चिन्ना, p 235, 56.  
 भुग्न्, p 276, 21. p 281, 40.  
 भुज, p 158, 31.  
 भुजग, p 57, 6.  
 भुजङ्ग, p 57, 6.

## भुज—भूमि.

- भुजङ्गभुज, p 133, 30.  
 भुजङ्ग, p 57, 6.  
 भुजङ्गाक्षी, p 112, 3.  
 भुजगिरि, p 158, 29.  
 भुजा, p 158, n.  
 भुजान्तर, p 158, 28.  
 भुजिष्य, p 251, 17.  
 भुवन, p 60, 3.  
 भू, p 73, 2. n.  
 भूत, p 2, 6. p 256, n  
 p 284, 54. p 322, 80  
 भूतकेय, p 247, 111.  
 भूतवास, p 100, 39.  
 भूतवेशी, p 103, 51.  
 भूतात्मन्, p 331, 108.  
 भूति, p 7, 31.  
 भूतिक, p 300, 8.  
 भूतेश, p 6, 26.  
 भूदार, p 127, 2.  
 भूदेव, p 175, 3.  
 भूनिम्ब, p 119, 8.  
 भूप, p 191, 1.  
 भूपदी, p 102, 50.  
 भूपाल, p 191, n.  
 भूभृत्, p 318, 63.  
 भूसन्, p 274, n.  
 भूमि, p 73, 2.  
 भूमिजम्बुका, p 95, 18

## भूमि—भूत.

- भूमिदेव, p 175, n.  
 भूमिपाल, p 191, n.  
 भूमिस्मृत्य, p 220, 1.  
 भूमी, p 73, n.  
 भूयस्, p 274 13.  
 भूयिष्ठ, p 274, 13.  
 भूरि, p 274, 13. p 352, n.  
 भूरिफेना, p 120, 9.  
 भूरिमाय, p 128, 5.  
 भूसखडी, p 102, 50.  
 भूर्ज, p 97, 26.  
 भूषण, p 164, n.  
 भूषा, p 164, 2.  
 भूषित, p 164, 2.  
 भूष्ण, p 265, 29.  
 भूसृष्ट्य, p 125, 32.  
 भृकुटि, p 55, n.  
 भृकुटी, p 55, n.  
 भृकुंस, p 47, n.  
 भृग, p 20, n.  
 भृगु, p 84, 4. p 21, n.  
 भृङ्ग, p 130, 16.  
 भृङ्गराजस्, p 121, n.  
 भृङ्गराज, p 121, 17.  
 भृङ्गराजन्, p 121, n.  
 भृङ्गार, p 199, 32.  
 भृङ्गारी, p 133, 28.  
 भृत्तक, p 251, 15.

## भृति—भ्रकु.

- भृति, p 256, 38.  
 भृतिभञ्ज, p 251, 15.  
 भृत्त्य, p 251, 17.  
 भृत्त्या, p 256, 38.  
 भृत्थ, p 13, 62.  
 भृत्थय, p 232, 47.  
 भेक, p 67, 24.  
 भेकी, p 67, 24.  
 भेद, p 196, 20.  
 भेदित, p 283, 50.  
 भेरी, p 46, 6.  
 भेषज, p 150, 1.  
 भेष, p 187, 46.  
 भैरव, p 50, 19.  
 भेषज्य, p 150, 1.  
 भोग, p 210, n. p 305, 24.  
 भोगवत्, p 320, n.  
 भोगवती, p 320, 72.  
 भोगिन्, p 58, 8.  
 भोगिनी, p 138, 5.  
 भोजन, p 234, 55.  
 भोस्, p 378, 7.  
 भौस, p 21, 27.  
 भौरिक, p 193, 7.  
 भंश, p 197, 23.  
 भ्रकुंस, p 47, n.  
 भ्रकुंस, p 47, 11.  
 भ्रकुटि, p 55, 37.

## भ्रकु—भ्रक.

- भ्रकुटी, p 55, 37.  
 भ्रम, p 34, 13. p 61, 6.  
 p 288, 9.  
 भ्रमर, p 133, 29.  
 भ्रमरक, p 163, 47.  
 भ्रमि, p 288, 9.  
 भ्रष्ट, p 284, 53.  
 भ्राजिष्णु, p 164, 2.  
 भ्रातरौ, p 146, 36.  
 भ्राह्मण, p 146, 36.  
 भ्राह्मजाया, p 144, 30.  
 p 146, 36.  
 भ्राह्मभगिनी, p 146, 36.  
 भ्राह्म्य, p 146, n.  
 भ्रावीय, p 846, 36.  
 भ्रान्ति, p 34, 13.  
 भ्राद्र, p 228, 30.  
 भ्रकुंस, p 47, 11.  
 भ्रकुटी, p 55, 37.  
 भ्रुण, p 146, 39.  
 भ्रू, p 162, 43. p 81, n.  
 भ्रुकुंस, p 47, 11.  
 भ्रुकुटि, p 55, 37. n.  
 भ्रुकुटी, p 55, n.  
 भ्रुण, p 314, 48.  
 भ्रुष, p 197, 23.  
 भ्रकर, p 66, 20.

**मक—मकु.**  
 मकरध्वज, p 5, 21.  
 मकरन्द, p 90, 17.  
 मकुट, p 164, 3.  
 मकुर, p 174, n.  
 मकुटक, p 224, n.  
 मकुष्ठक, p 224, 17.  
 मकूलक, p 120, n.  
 मक्षिका, p 133, 26.  
 p 399, n.  
 मख, p 178, 13.  
 मगध, p 215, 65, n.  
 मगधन्, p 7, 36, n.  
 मगधान्, p 7, n.  
 मङ्कर, p 174, n.  
 मङ्कु, p 376, 2.  
 मङ्गल, p 31, 3.  
 मङ्गल्यक, p 224, 17.  
 मङ्गल्या, p 171, 28.  
 मन्त्रिञ्जिका, p 32, 5.  
 मज्जा, p 88, 12.  
 मञ्जूषा, p 251, n.  
 मष्क, p 65, n.  
 मञ्च, p 174, 39.  
 मञ्जरि, p 80, 13.  
 मञ्जरी, p 89, n.  
 मञ्जिष्ठा, p 107, 9.  
 मञ्जीर, p 166, 11.  
 मञ्जु, p 272, 2.

**मञ्जु—मत्त.**  
 मञ्जुल, p 272, 2.  
 मञ्जूषा, p 254, 30.  
 मठ, p 79, 8.  
 मङ्गु, p 47, 8.  
 मणि, p 243, 94.  
 मणिक, p 228, 31.  
 मणिवन्ध, p 159, 32.  
 मणी, p 243, n.  
 मण्ड, p 233, 49, p 98, 32.  
 मण्डन, p 164, 3, p 265, 29.  
 मण्डना, p 385, n.  
 मण्डप, p 80, 9.  
 मण्डल, p 22, 34, p 18,  
 17, p 16, 7, p 210, n.  
 मण्डलक, p 151, 5.  
 मण्डलाम्ब, p 213, 57.  
 मण्डलेश्वर, p 191, 2.  
 मण्डहारक, p 250, 10.  
 मण्डित, p 164, 1.  
 मण्डक, p 67, 24.  
 मण्डकपर्ण, p 99, 37.  
 मण्डकपर्णी, p 107, 9.  
 मण्डूर, p 244, 99.  
 मतङ्गज, p 200, 2.  
 मतङ्गिका, p 32, 5.  
 मति, p 33, 10.  
 मत्त, p 200, 4, p 284,  
 52, p 261, 23.

**मत्त—मद्र.**  
 मत्तकायिनी, p 137, 1.  
 मत्तकायिणी, p 137, n.  
 मत्तकासिनी, p 137, n.  
 मत्स, p 65, n.  
 मत्सर, p 349, 174.  
 मत्सी, p 65, n.  
 मत्स्य, p 65, 17, n.  
 मत्स्यखडी, p 231, 43.  
 मत्स्यधानी, p 64, 16.  
 मत्स्यपित्ता, p 106, 4.  
 मत्स्यरङ्ग, p 134, n.  
 मत्स्यबंधन, p 64, 16.  
 मत्स्यबंधनी, p 64, n.  
 मत्स्याली, p 118, 3.  
 मधित, p 234, 53.  
 मद, p 200, 5, p 326, 94.  
 मदकल, p 200, 3.  
 मदन, p 5, 20, p 98,  
 33, p 104, 58.  
 मदस्थान, p 257, 41.  
 मदिरा, p 257, 40.  
 मदिरामृदु, p 79, 8.  
 मदोत्कट, p 200, 3.  
 मद्र, p 134, 34.  
 मद्र, p 65, 19.  
 मद्रुसी, p 67, n.  
 मद्या, p 257, 40.  
 मद्र, p 45, n.

| मधु—मधु.   | मधु—मनु.                                 | मनु—मन्द.                    |
|--|--|------------------------------|
| मधु, p 246, 108. p 257,<br>41. p 330, 105. p 28,<br>15. p 119, 7. p 92, n. | मधुश्रेणी, p 106, 2.                     | मनुज, p 137, 1.              |
| मधुक, p 92, n. p 111, 28.<br>p 215, n.                                     | मधुवील, p 92, 8.                         | मनुषी, p 137, n.             |
| मधुकर, p 133, 29.  | मधुस्त्रवा, p 116, n.                    | मनुष्य, p 137, 1.            |
| मधुक्रम, p 257, 41.  | मधूक, p 92, 8.                           | मनुष्यधर्मन्, p 14, 64.      |
| मधुद्रुम, p 92, 8.   | मधूच्छिष्ट, p 246, 108.                  | मनोयुग्मा, p 246, 108.       |
| मधुप, p 133, 29.   | मधूलक, p 92, 8.                          | मनोज, p 5, n.                |
| मधुपरिष्का, p 94, 16.<br>p 108, 13.  | मधूलिका, p 106, 2                        | मनोजव, p 261, 13.            |
| मधुपरिणी, p 106, 1.  | मध्य, p 158, 30. p 47, 9.<br>p 346, 163. | मनोजवस्, p 261, n.           |
| मधुपायिन्, p 133, n.   | मध्यदेय, p 74, 7.                        | मनोज्ञ, p 272, 2.            |
| मधुमल्लिका, p 133, 26.   | मध्यम, p 45, 1. p 158,<br>30. p 74, 7.   | मनोज्ञा, p 246, n.           |
| मधुमाध्वीक, p 257, n.  | मध्यमा, p 139, 8. p 159, 33.             | मनोरथ, p 52, 27.             |
| मधुयष्टिका, p 111, 28.   | मध्या, p 139, n.                         | मनोरम, p 272, 2.             |
| मधुर, p 35, 18 p 355,<br>193.  | मध्याङ्ग, p 25, 3.                       | मनोहल, p 268, 41.            |
| मधुरक. p 119, 8.   | मध्वासव, p 257, 41.                      | मनोहर, p 272, n.             |
| मधुरसा, p 106, 2.<br>p 111, 26.  | मनःशिल, p 246, n.                        | मनोहारिन्, p 272, n.         |
| मधुरा, p 122, 17.  | मनःशिला, p 246, 108.                     | मनोह्ला, p 246, 108.         |
| मधुरिका, p 110, 23   | मनःसिला, p 246, n.                       | मन्तु, p 197, 26.            |
| मधुरिपु, p 4, 15.  | मनस्, p 33, 9.                           | मन्त्र, p 348, 169.          |
| मधुलिङ्ग, p 133, 29.   | मनस्कार, p 33, 11.                       | मन्त्रव्याख्याहन्, p 176, 7. |
| मधुवार, p 257, 41.   | मनसिकार, p 33, n.                        | मन्त्रिन्, p 192, 4.         |
| मधुव्रत, p 133, 29.  | मनसिज, p 5, 21.                          | मन्त्र, p 239, 74.           |
| मधुविन्दु, p 93, 12  | मनाक, p 378, 8.                          | मन्त्रन्, p 239, 74.         |
|  | मनित, p 285, 57.                         | मन्त्रनी, p 239, 75.         |
|  | मनीषा, p 33, 10.                         | मन्त्रर, p 209, 40.          |
|  | मनीषिन्, p 176, 5.                       | मन्त्रान, p 239, 74.         |
|  | मनु, p 400, 38.                          | मन्द, p 252, 19. p 327, 97.  |
|  |  | मन्दगासिन्, p 209, 40.       |



## मन्दा—मरि.

- मन्दाकिनी, p 9, 44.  
 मन्दाक्ष, p 51, 23.  
 मन्दार, p 105, 61. p 9,  
 45. p 92, 6.  
 मन्दास्य, p 51, n.  
 मन्दिर, p 79, 5. p 352,  
 186.  
 मन्दुरा, p 79, 7.  
 मन्दोष्ण, p 23, 36.  
 मन्द्र, p 45, 2.  
 मन्दाघ, p 5, 20. p 91, 1.  
 मन्दा, p 154, 16.  
 मनुष्य, p 51, 25. p 344, 155.  
 मन्वन्तर, p 30, 22.  
 मपठक, p 224, n.  
 मपुठक, p 224, 17.  
 मय, p 239, 75.  
 मयठक, p 224, n.  
 मयु, p 14, 66.  
 मयुठक, p 224, n.  
 मयूख, p 22, 34. p 304, 19.  
 मयूर, p 111, 30. p 131, 30.  
 मयूरक, p 244, 101.  
 p 107, 7.  
 मयूरीकुक्षुटो, p 402, n.  
 मरकत, p 243, 92.  
 मरण्य, p 218, 85.  
 मरिच, p 229, n.

## मरी—मल.

- मरीच, p 229, 36.  
 मरीचि, p 22, 35.  
 मरीचिका, p 23, 37.  
 मरु, p 347, 165. p 74, 5.  
 मरुत्, p 12, 58. p 317,  
 61. n.  
 मरुत, p 317, 61. n.  
 मरुत्वद्, p 7, 36.  
 मरुन्माला, p 117, 21.  
 मरुचक, p 98, 33. p 105,  
 59.  
 मरुट, p 127, 3.  
 मरुटक, p 129, 13.  
 मरुटो, p 97, 29. p 106, 5.  
 मरुत्, p 137, 1.  
 मरुत्, p 292, 22.  
 मरुत्, p 47, 8.  
 मरुत्, p 280, n.  
 मरुत्, p 396, 30.  
 मरुत्, p 44, 2.  
 मरुत्सृष्ट, p 279, 33.  
 मरुत्दा, p 197, 26.  
 मरुत्, p 155, 16. p 357,  
 199.  
 मरुत्पित, p 272, 4.  
 मरुत्, p 100, 42.  
 मरुत्यज, p 172, 32.  
 मरुत्, p 100, n.

## मला—मह.

- मला, p 116, n.  
 मलिन, p 272, 4.  
 मलिनी, p 142, 20.  
 मलिन्मुत्, p 253, 25.  
 मलोमस, p 272, 4.  
 मल्ल, p 392, 21.  
 मल्लक, p 399, 37.  
 मल्लिक, p 132, 24.  
 मल्लिका, p 102, 50.  
 मल्लिकाख्य, p 132, n.  
 मपित, p 280, n.  
 मसि, p 387, n.  
 मसी, p 387, 10.  
 मसुर, p 224, n.  
 मसुरा, p 224, n.  
 मसूर, p 224, 17.  
 मसूरविदला, p 111, 27.  
 मसूरा, p 224, n.  
 मसूण, p 232, 46.  
 मस्कर, p 124, 26.  
 मस्करिन्, p 185, 41.  
 मस्त, p 162, n.  
 मस्तक, p 162, 46.  
 मस्तिष्का, p 154, 16.  
 मस्तु, p 234, 54.  
 मत्, p 367, n. p 55, 38.  
 मत्, p 274, 10.  
 मत्ती, p 320, 72.

## राज्ञा—राजि.

- राज्ञा, p 171, 26.  
 राङ्ग, p 167, 13.  
 राज, p 191, 1.  
 राजक, p 191, 3.  
 राजकशेरु, p 354, 190.  
 राजजङ्घन्, p 150, n.  
 राजन्, p 394, n. p332,  
 114. p 191, 1.  
 राजन्य, p 191, 1.  
 राजन्यक, p 191, n.  
 राजन्वत्, p 76, 13.  
 राजयङ्घन्, p 150, n.  
 राजराज, p 14, 64.  
 राजवंश्य, p 175, 2.  
 राजवत्, p 76, 13.  
 राजवला, p 122, 18.  
 राजवीजिन्, p 175, 2.  
 राजदृक्, p 91, 4.  
 राजसदन, p 80, 10.  
 राजसभा, p 387, 9.  
 राजसूय, p 396, 31.  
 राजहंस, p 132, 24.  
 राजासन, p 94, n.  
 राजाद्, p 94, 15.  
 राजादनफल, p 97, n.  
 राजार्ह, p 171, 28.  
 राजि, p 86, 4. n.  
 राजिका, p 225, 19.

## राजि—रिक्त.

- राजिल, p 57, 6.  
 राजी, p 86, n.  
 राजीव, p65,19.p71,41  
 राज्याङ्क, p 195, 18.  
 रात्रि, p 25, 4.  
 रात्रिचर, p 12, 55.  
 रात्रिचर, p 12, 55.  
 रात्री, p 25, n.  
 रात्तान्त, p 34, 13.  
 राध, p 29, 16  
 राधा, p 20, 23.  
 राम, p 4, 18. p129,11.  
 p 341, 143  
 रामठ, p 230, 40.  
 रामथीयक, p 272, n.  
 रामा, p 137, 4.  
 राम्भ, p 187, 45.  
 राल, p 171, n  
 राव, p 44, n.  
 राशि, p 362, 216.  
 p 136, 42.  
 राष्ट्र, p 352, 186.  
 राष्ट्रिका, p 108, 12.  
 राष्ट्रिय, p 48, 44.  
 रासभ, p 239, 78.  
 राज्ञा, p112,2. p119,5  
 राङ्ग, p 21, 28.  
 रिक्तक, p 276, 6.

## रिक्त—रजा.

- रिक्त, p 242, 90.  
 रिङ्गन, p 54, n.  
 रिङ्गय, p 54, 36.  
 रिपु, p 193, 10.  
 रिश्यनेत, p 5, n.  
 रिष्यनेत, p 5, n.  
 रिषि, p 186, n  
 रिष्ट, p 310, n.  
 रिष्टि, p 213, n.  
 री, p 349, n.  
 रीज्या, p 295, n.  
 रोडा, p 51, 23  
 रीण, p 281, 42.  
 रीति, p244,97 p320,71.  
 रीतिपुष्प, p 245, 103.  
 रीती, p 244, n  
 रूकप्रतिक्रिया, p 150, 1.  
 रूक्म, p 213, 96.  
 रूक्मकारक, p 219, 8.  
 रूक्, p 365, 227.  
 रूमन, p 281, 40.  
 रूचक, p 105,59 p247,  
 110. p 105, 59.  
 रुचि, p23,35. p307,30.  
 रुचिर, p 272, 1.  
 रुच्य, p 272, 2.  
 रुज्, p 150,2.n.p23,35.  
 रुजा, p 150, 2.

## रुत—रेप.

- रुत, p 44, 4.  
 रुदित, p 54, 35.  
 रुध, p 281, 40.  
 रुद्र, p 2, 5, p 6, 30.  
 रुद्राणी, p 7, 32.  
 रुधिर, p 154, 15.  
 रुध्, p 129, 10.  
 रुहुक, p 98, n.  
 रूपक, p 98, n.  
 रुधती, p 42, n.  
 रुध, p 51, 26, n.  
 रुहा, p 123, 24.  
 रूप, p 55, n. p 35, 16.  
 p 256, n.  
 रूपानीवा, p 141, 19.  
 रूप्य, p 243, 97.  
 p 346, 162.  
 रूप्याचक्ष, p 192, 7.  
 रुहुक, p 98, n.  
 रुधित, p 280, 38.  
 रेखा, p 86, n.  
 रेचनी, p 111, n.  
 रेचित, p 204, 16.  
 रेणु, p 215, 66.  
 रेणुका, p 114, 8.  
 रेतस्, p 153, 13.  
 रेत्य, p 244, n.  
 रेप, p 272, n.

## रेप—रोम.

- रेपस्, p 272, n.  
 रेफ, p 272, 3. p 338, 135.  
 रेफस्, p 272, n.  
 रेवतीरमण, p 4, 18.  
 रेवा, p 69, 32.  
 रे, p 347, n. p 242, 91.  
 रोक, p 56, 2.  
 रोग, p 150, 2.  
 रोगहारिन्, p 152, 8.  
 रोचन, p 97, 27.  
 रोचनी, p 111, 27.  
 p 120, 12.  
 रोचिष्णु, p 164, 2.  
 रोचिस्, p 23, 36.  
 रोद, p 367, n.  
 रोदन, p 54, n. p 162, 44.  
 रोदनी, p 107, 10.  
 रोदस्, p 367, 231.  
 रोदसी, p 367, 231.  
 रोदस्यौ, p 367, 231.  
 रोध, p 61, n.  
 रोधस्, p 61, 7, n.  
 रोध, p 212, 55.  
 रोमन्, p 163, 50.  
 रोमन्व्य, p 391, 19.  
 रोमहर्ष, p 54, n.  
 रोसहर्षण, p 54, 35.  
 रोमविक्रिया, p 54, n.

## रोमा—लक्ष

- रोमाञ्च, p 54, 35.  
 रोमोहम, p 54, n.  
 रोमोज्जेद, p 54, n.  
 रोष, p 51, 26.  
 रोहिष्णी, p 37, n. p 237, 67.  
 रोहित, p 65, 19. p 17, 12.  
 p 37, 24. p 129, 10.  
 रोहितक, p 97, 29.  
 रोहिता, p 37, n.  
 रोहिताञ्च, p 11, 50.  
 रोहिन्, p 97, 29.  
 रोहीतक, p 67, n.  
 रौद्र, p 50, 20. p 49, 17.  
 रौम, p 231, n.  
 रौमक, p 231, 42.  
 रौरव, p 59, 1.  
 रौहिषेय, p 4, 19.  
 p 21, 27.  
 रौहिष्, p 129, 10.  
 p 125, 32.  
 र्ळ, p 358, n.  
 लकुच, p 100, 41.  
 लक्षक, p 168, n.  
 लक्ष, p 53, n. p 393, n.  
 p 212, 54.  
 लक्ष्य, p 19, 18.  
 लक्षणा, p 132, n.

## लक्षा -- लट्टा

लक्षा, p 393, 24.  
 लक्षण, p 19, n. p 262,  
 14 p 294, n.  
 लक्षणा, p 132, 25  
 लक्षन्, p 19, n.  
 p 336, 127.  
 लक्ष्मी, p 5, 22. p 211,  
 50. p 112, 31.  
 p 385, n.  
 लक्ष्मीवत्, p 262, 14.  
 लक्ष्म, p 53, 33. p 212,  
 51.  
 लयुड, p 391, 18.  
 लग्न, p 21, 29.  
 लग्नक, p 258, 44.  
 लग्निका, p 139, n.  
 लघु, p 13, 60. p 117,  
 21. p 307, 29.  
 लघुलय, p 125, 30.  
 लङ्गा, p 386, 7.  
 लङ्गापिका, p 117, n.  
 लङ्गायिका, p 117, n.  
 लङ्गोपिका, p 117, 21.  
 लज्जा, p 51, 23.  
 लज्जाशील, p 265, 28.  
 लज्ज्या, p 51, n.  
 लज्जित, p 281, 41.  
 लट्टा, p 387, 10.

## लता -- लम्बु

लता, p 88, 9. p 88, 11.  
 p 99, 36. p 117, 21.  
 p 121, 15.  
 लताक, p 121, 13.  
 लपन, p 161, 40.  
 लपित, p 38, 1 p 284, 57  
 लम्ब, p 284 54.  
 लम्बवर्ण, p 176, 5  
 लम्बानुत्त, p 177, 10  
 लम्ब्य, p 197, 24.  
 लम्बन, p 165, 5.  
 लम्बोदर, p 7, 34.  
 लय, p 47, 9.  
 ललना, p 137, 3.  
 ललनिका, p 165, 5.  
 ललाट, p 161, 43, p 201, 6.  
 ललाटिका, p 165, 4.  
 ललास, p 341, 145.  
 ललासक, p 173, 37.  
 ललित, p 53, n.  
 लव, p 274, 11, p 293, 24.  
 लवङ्ग, p 171, 27.  
 लवण, p 35, 18, p 230, 41.  
 p 393, 23.  
 लवणोद, p 60, 2  
 लवन, p 293, 24.  
 लवित्, p 223, 13.  
 लयुन, p 121, 14.

## लस्त -- लिङ्ग

लस्तक, p 212, 53.  
 ला, p 359, n.  
 लाक्षा, p 171, 26. p 387,  
 10.  
 लाक्षाप्रसादन, p 95, 21.  
 लाङ्गल, p 223, 14.  
 लाङ्गलदण्ड, p 223, 14.  
 लाङ्गलपद्मि, p 223, 14.  
 लाङ्गलिकी, p 113, 6.  
 लाङ्गलिन्, p 126, n.  
 लाङ्गली, p 111, 29.  
 p 126, 34.  
 लाङ्गल, p 204, n.  
 लाङ्गल, p 204, 18.  
 लाज, p 232, 47  
 लाञ्छन, p 19, 18.  
 लाभ, p 240, 80.  
 लाभञ्जक, p 125, 30.  
 लालया, p 52, n  
 लालसा, p 52, 28. p 367,  
 231.  
 लाला, p 155, 18.  
 लालाटिक, p 303, 17.  
 लाव, p 131, 35.  
 लासिका, p 47, 8.  
 लास्कोटनी, p 255, n.  
 लास्य, p 47, 10.  
 लिङ्गव, p 100, 41.

## लिच्छा—लेख

- लिच्छा, p 387, 10.  
 लिखन, p 195, n.  
 लिखित, p 195, 17.  
 लिङ्ग, p 306, 26.  
 लिङ्गवृत्ति, p 190, 53.  
 लिपि, p 195, 16.  
 लिपिकर, p 194, n.  
 लिपिकार, p 193, 15.  
 लिपी, p 194, n.  
 लिप्य, p 281, 39. p 285,  
 60.  
 लिप्यक, p 212, 56.  
 लिप्ता, p 52, 27.  
 लिपि, p 195, 16.  
 लिपिङ्कर, p 194, n.  
 लिपी, p 195, n.  
 ली, p 359, n.  
 लीट, p 285, n.  
 लीला, p 53, 32. p 357, 201.  
 लुठित, p 204, 18.  
 लुब्ध, p 263, 22.  
 लुब्धक, p 252, 21.  
 लुलाप, p 128, 4.  
 लुलाय, p 128, n.  
 लूना, p 129, 13. p 359, n.  
 लून, p 284, 53.  
 लूम, p 204, 18,  
 लेख, p 2, 3.

## लेख—लोल

- लेखक, p 194, 15.  
 लेखन, p 195, n.  
 लेखपत्र, p 8, 37.  
 लेखा, p 86, 4.  
 लेप, p 234, 56.  
 लेपक, p 249, 6.  
 लेष, p 274, 11.  
 लेष्ट, p 222, n.  
 लेट्टु, p 222, n.  
 लोक, p 298, 2. p 74, 6.  
 लोकजित्, p 3, 8.  
 लोकमाह, p 5, 23.  
 लोकायत, p 396, 32.  
 लोकालोक, p 84, 2.  
 लोकेय, p 3, 11.  
 लोचन, p 162, 44.  
 लोचमकट, p 111, n.  
 लोचमस्तक, p 111, 30.  
 लोत, p 253, n.  
 लोत्र, p 253, n.  
 लोभ, p 94, 13.  
 लोपासुद्रा, p 20, 22.  
 लोभ, p 253, 26.  
 लोभन्, p 163, 50.  
 लोभया, p 117, 22.  
 लोभवर्षण, p 54, 35.  
 लोल, p 359, 207.  
 p 277, 24.

## लीला—वंश

- लीला, p 359, n.  
 लीलप, p 263, 22.  
 लीलुभ, p 263, 22.  
 लीष्ट, p 222, 12.  
 लीष्ट, 222, n.  
 लीष्टभेदन, p 222, 12.  
 लीङ्, p 244, 98. p 171, 2.  
 लीङ्कारक, p 249, 7.  
 लीङ्गवृत्ति, p 130, 16.  
 लीङ्गप्रतिष्ठा, p 256, 35.  
 लीङ्गल, p 267, 37.  
 लीङ्गामिहार, p 214,  
 लीङ्गामिहार, p 211, 6.  
 लीङ्गित, p 65, n. p 37, 2  
 p 154, 15.  
 लीङ्गितक, p 243, 93.  
 लीङ्गितचन्दन, p 170, 3.  
 लीङ्गिता, p 37, n.  
 लीङ्गिताङ्ग, p 21, 27.  
 लीङ्गिनी, p 37, n.  
 लीङ्ग, p 244, n.  
 ल्य, p 390, n.  
 ल्य, p 390, 15.  
 व, p 378, n.  
 वंश, p 175, 1. p 362, 2.  
 वंशक, p 171, n.  
 वंशरोचना, p 247, 11

## वंश—वञ्चि.

- शलोचना, p 247, n.  
 शिक, p 171, 28. n.  
 शिष्ट, p 285, 61.  
 शक, p 105, 62. p 132, 22.  
 शकपूपक, p 171, n.  
 शकुल, p 101, 45.  
 शक्त, p 267, 35.  
 शक्तव्य, p 345, 161.  
 शक्त्, p 161, 40.  
 शक्त्, p 61, 7. p 276, 21.  
 शक्तस्, p 158, 29.  
 शक्तल्लय, p 157, 24.  
 शक्त्, p 246, 106.  
 शचन, p 38, 1.  
 शचनस्याञ्चिन्, p 264, n.  
 शचस्, p 38, 1. p 109, 21.  
 शचनेस्थित, p 264, 24.  
 शञ्ज, p 9, 42. p 353, 186.  
 शञ्जद्, p 110, 24.  
 शञ्जनिर्घोष, p 17, n.  
 शञ्जनिष्पे, p 17, 11.  
 शञ्जपुष्प, p 104, 56.  
 शञ्चिन्, p 8, 38.  
 शञ्जाशनि, p 9, n.  
 शञ्चक, p 128, 5. p 270, 47.  
 शञ्चित, p 268, 41.

## वञ्जु—वत्स.

- वञ्जुल, p 92, 7. p 101, 45. p 93, 10.  
 वट, p 93, 13.  
 वटक, p 390, 17.  
 वटाकर, p 253, n.  
 वटी, p 253, 27.  
 वहभि, p 81, n.  
 वहभी, p 81, 15.  
 वहवा, p 203, 14.  
 वहवानल, p 11, 52.  
 वहडिथ, p 64, 16.  
 वहडिथा, p 64, n.  
 वहडिथी, p 64, n.  
 वहड्, p 274, 10.  
 वहण्यभाव, p 220, 3.  
 वहण्यज्, p 239, 78.  
 वहण्यज, p 239, n.  
 वहण्यज्य, p 220, n. p 240, n.  
 वहण्यज्या, p 220, n. p 240, 80.  
 वहण्यक, p 242, 90.  
 वत्तंस, p 366, n.  
 वत्, p 378, 9.  
 वत्, p 378, n. p 372, 5.  
 वत्स, p 366, 238. p 158, 29. p 236, 62.  
 वत्सक, p 102, 47.

## वत्स—वन.

- वत्सल, p 236, 62.  
 वत्सनाभ, p 58, 11.  
 वत्सर, p 30, 20. p 28, 13.  
 वत्सल, p 262, 14.  
 वत्सादनी, p 106, 1.  
 वद, p 267, 35.  
 वदन, p 161, 40.  
 वदन्य, p 260, n.  
 वदन्या, p 260, n.  
 वदर, p 95, 17. p 113, 4. p 94, n.  
 वदरा, p 121, 16.  
 वदरी, p 95, 17.  
 वदान्य, p 260. G. p 346, 162.  
 वदावद, p 267, 35.  
 वद्री, p 254, n.  
 वधु, p 117, 21. p 137, 2.  
 वन, p 60, 3. p 86, 1. p 336, 129.  
 वनकापांस, p 113, n.  
 वनतिक्लिक्ता, p 106, 3.  
 वनमिथ, p 131, 19.  
 वनमात्तिक, p 133, 27.  
 वनमालिन्, p 4, 16.  
 वनसङ्ग, p 224, 17.  
 वनश्लङ्काट, p 109, 17.  
 वनसमुच्च, p 87, 4.

| वन—वय.                          | वय—वरि.                                  | वरि—वर्त्त                               |
|---------------------------------|--|--|
| वनस्थिति, p 87, 6.              | वयस्था, p 99, 38. p100,<br>39. p 118, 3. | वरिवस्था, p 181, 34.                     |
| वनायुज, p 203, n.               |  | वरिवस्थित, p 284, 51.                    |
| वनित्वा, p 137, 2. p321,<br>76. | वयस्य, p 193, 12.                        | वरिष्ठ, p 244, 98.<br>p 285, 61.         |
| वनीपक, p 270, n.                | वयस्था, p 140, 12.                       | वरी, p 109, 19.                          |
| वनीयक, p 270, 49.               | वर, p 288, 8. p 349,<br>173. p 170, 25.  | वरीवर्द्ध, p 235, n                      |
| वनौकस, p 127, 3.                | वरट, p 133, n.                           | वरीयस्, p 369, 237.                      |
| वन्दका, p 105, n.               | वरटा, p 133, 27. p132,<br>25.            | वरीयसी, p 369, n.                        |
| वन्दा, p 105, 62.               | वरटी, p132, n. p133, n.                  | वरुण, p 12. 56. p91, 5.                  |
| वन्दाका, p 105, n.              | वरण, p 78, 3. p91, 5.                    | वरुणात्मजा, p 256, 39.                   |
| वन्दारु, p 265, 28.             | वरण्ड, p 391, 18.                        | वरुय, p 206, 25.                         |
| वन्दि, p 219, 87. n.            | वरत्वा, p 202, 10. p254,<br>31.          | वरुधिनी, p 210, 46.                      |
| वन्दिन्, p 215, 65.             | वरद, p 260, 7.                           | वरोय्य, p 273, 7.                        |
| वन्दी, p 219, n. p215, n.       | वरवर्णिनी, p 137, 4.<br>p 230, 41.       | वर्कर, p 253, 23.                        |
| वन्धूक, p 103, 53.              | वरवाह्लीक, p 170, n.                     | वर्करी, p 253, n.                        |
| वन्धूकपुष्प, p 96, 24.          | वराङ्ग, p 306, 27.                       | वगे, p 136, 41.                          |
| वन्धा, p 87, 4.                 | वराङ्गक, p 118, 22.                      | वर्जस्, p 367, 233.                      |
| वपा, p 56, 2. p154, 15.         | वराट, p 253, n.                          | वर्जस्त, p 155, 19.                      |
| वपुस, p 156, 21. p393, n.       | वराटक, p 72, 43. p253,<br>27. p 400, 38. | वर्ण, p 175, 1. p 314,<br>50. p 202, 10. |
| वप, p 78, 3. p222, 11.          | वराटक, p 72, 43. p253,<br>27. p 400, 38. | वर्णक, p 400, 38. p173,<br>35.           |
| वभ्र, p 274, n.                 | वराटक, p 72, 43. p253,<br>27. p 400, 38. | वर्णित, p 285, 59.                       |
| वभ्रु, p 349, 172               | वराटक, p 72, 43. p253,<br>27. p 400, 38. | वर्णिन्, p 181, 42                       |
| वभ्रु, p 151, 6. p200, 5.       | वराटक, p 72, 43. p253,<br>27. p 400, 38. | वर्त्तक, p 134, 35.                      |
| वभ्रि, p 151, 6.                | वराटक, p 72, 43. p253,<br>27. p 400, 38. | p 301, 11.                               |
| वयःस्था, p 118, n.<br>p 100, n. | वराटक, p 72, 43. p253,<br>27. p 400, 38. | वर्त्तका, p 134, n.                      |
| वयस, p 367, 232.                | वराटक, p 72, 43. p253,<br>27. p 400, 38. | वर्त्तन, p265, 29. p220, 1.              |
| वयस्था, p 147, 42.              | वराटक, p 72, 43. p253,<br>27. p 400, 38. |  |

## वर्त्त—वर्ष.

- वर्त्तनि (नी), p 76, n.  
 वर्त्ति p 173, 35. n.  
 वर्त्तिका, p 134, 35.  
 वर्त्तिनी, p 76, 15. n.  
 वर्त्तिष्णु, p 265, 29.  
 वर्त्ती, p 173, n.  
 वर्त्तुल, p 276, 19.  
 वर्त्तन्, p 335, 121. p76,  
 15.  
 वर्त्तनि, p 76, n.  
 वर्त्तनी, p 76, n.  
 वर्त्तक, p 107, 8.  
 वर्त्तकि, p 250, 9.  
 वर्त्तन, p 265, 28.  
 वर्त्तमान, p 98, 32.  
 वर्त्तमानक, p 228, 32.  
 वर्त्तिष्णु, p 265, 28.  
 वर्त्ती, p 254, 31.  
 वर्त्तया, p 133, 29.  
 वर्त्तन्, p 207, 32.  
 वर्त्तित, p 207, 33.  
 वर्त्त, p 273, 7.  
 वर्त्ती, p 138, 7.  
 वर्त्तर, p 107, 8.  
 वर्त्तरा, p 119, 5.  
 वर्त्त, p 17, 12. p 365,  
 226.  
 वर्त्तवर, p 198, 9.

## वर्ष—वर्षिक.

- वर्षेण, p 17, n.  
 वर्षा, p 30, 19. p365, n.  
 वर्षाभू, p 67, 24.  
 वर्षास्त्री, p 67, 24.  
 वर्षारात्र, p 388, n.  
 वर्षालङ्कायिका, p 117, n.  
 वर्षीयस्, p 147, 43.  
 वर्षीपल, p 18, 13  
 वर्षान्, p 156, 21.  
 p 336, 126.  
 वर्षे, p 117, n. p 134,  
 31. n.  
 वर्षिःपुष्प, p 117, n.  
 वर्षिःठ, p 114, n.  
 वर्षिःण, 133, 30.  
 वर्षिःन्, p 117, n. p133,  
 30.  
 वर्षिःपुष्प, p 117, 20.  
 वर्षिःठ, p 114, 10.  
 वर्षज, p 37, 22.  
 वर्षदेव, p 4, 18.  
 वर्षभी, p 81, 15.  
 वर्षय, p 166, 8.  
 वर्षाका, p 132, 25.  
 वर्षाक, p 16, 8.  
 वर्षि, p 197, 27. p356, n.  
 वर्षिध्वंसी, p 5, n.  
 वर्षिक, p 76, n.

## वलि—वल्.

- वलिन्, p 118, 45.  
 वलिपुष्ट, p 131, 20,  
 वलिभ, p 148, 45.  
 वलिभज्, p 131, 20.  
 वलिमत्, p 148, n.  
 वलिसख, p 127, n.  
 वलिर, p 149, 49.  
 वलिस, p 64, n.  
 वलिही, p 64, n.  
 वलीक, p 81, 14.  
 वलीसख, p 127, 3 n.  
 वलीवर्ह, p 235 n.  
 वल्क, p 88, 12.  
 वल्कल, p 88, 12,  
 वलित, p 204, 16.  
 वल्कीक, p 76, 14.  
 वल्की, p 45, 3.  
 वल्गभ, p 340, 140.  
 p 272, 3.  
 वल्गदि, p 89, 13.  
 वल्गरी, p 89, n.  
 वल्गव, p 227, 27. p235,  
 57  
 वलि, p 88, n.  
 वल्गी, p 88, 9.  
 वल्गूर, p 154, 14.  
 वल्गूरा, p 154, n.  
 वल्ज, p 124, 28.



## व्यव—वसु.

- व्यवहरण, p 40, n.  
 वय, p 288, 8. p 175,  
 1. p 124, 26.  
 वयक्रिया, p 287, 4.  
 वया, p 273, 69. p 362,  
 219. p 200, 4.  
 वयिक, p 273, 6.  
 वयिर, p 230, n. p 108,  
 16.  
 वय्य, p 264, 25.  
 वयट्, p 378, 8.  
 वयट्कृत, p 181, 26.  
 वय्ययणी, p 238, 71.  
 वय्ययिनी, p 238, n.  
 वयसि, p 319, 69.  
 वयसती, p 319, 69.  
 वयसन, p 168, 17.  
 वयसन्त, p 29, 18.  
 वया, p 154, 15.  
 वयिर, p 108, n. p 230,  
 41. n.  
 वसु, p 2, 5. p 366, 230.  
 p 242, 90. p 105, 62.  
 वसुक, p 105, 61. p 231,  
 42.  
 वसुदेव, p 4, 17.  
 वसुधा, p 73, 3.  
 वसुध्वरा, p 73, 3.

## वसु—वङ्.

- वसुवती, p 73, 3.  
 वसुक, p 105, n.  
 वसुयनी, p 238, n.  
 वसुत, p 239, 76.  
 वसि, p 168, 15. p 157,  
 24.  
 वसुी, p 157, n.  
 वसु, p 389, 13.  
 वसु, p 168, 17.  
 वसुयोनि, p 167, 12.  
 वसुवेग्नन्, p 169, 21.  
 वसु, p 240, 80.  
 वसुसा, p 155, 17.  
 वसु, p 236, 63.  
 वसुहार, p 82, 16.  
 वसुस्, p 381, 17.  
 वङ्, p 274, 12.  
 वङ्पाद्, p 93, 13.  
 वङ्गद, p 260, 6.  
 वङ्गसूत्य, p 167, 14.  
 वङ्गरूप, p 171, 29.  
 वङ्गल, p 274, 12. p 357,  
 201.  
 वङ्गला, p 357, n. p 115,  
 13.  
 वङ्गलीकृत, p 226, 23.  
 वङ्गवारक, p 94, 15.  
 वङ्गनिध, p 282, 43.

## वङ्—वाज.

- वङ्गसूता, p 109, 19.  
 वङ्गसूति, p 238, 71.  
 वङ्गि, p 10, 48. p 10  
 60.  
 वङ्गिशिख, p 246, 10  
 वा, p 380, 15. p 378,  
 वाजुची, p 108, 14.  
 वाक्पति, p 267, 35.  
 वाक्य, p 39, 3.  
 वाक्मी (ग्मी), p 267, 35  
 वागीय, p 267, 35.  
 वागुली, p 108, n.  
 वागुरा, p 253, 27.  
 वागुरिक, p 251, 14.  
 वाग्मिन्, p 267, 35.  
 वाङ्मुख, p 10, 9.  
 वाच्, p 38, 1.  
 वाचंयस, p 186, 41.  
 वाचक, p 38, 2  
 वाचसति, p 21, 26.  
 वाचा, p 38, n.  
 वाचाट, p 267, 36.  
 वाचाल, p 267, 36.  
 वाचिक, p 42, 18.  
 वाचोयुक्ति, p 267, n.  
 वाचोयुक्तिपट्, p 267, 3  
 वाज, p 212, 55.  
 वाजपेय, p 396, 31.

## वाजि—वात.

- वाजि, p 134, 33.p202,  
12.  
वाजिदन्तक, p 110, 22.  
वाजिन्, p134,33.p202,  
12. p 331, 110.  
वाजियाला, p 79, 6.  
वाञ्छा, p 52, 27.  
वाढो, p 401, 42.  
वाञ्छालक, p 110, 25.  
वाडव, p 11, 52. p203,  
14. p 175, 3.  
वाडव्य, p 297, 41.  
वाट, p 13,62-p313,47.  
वाण, p 212, 54.  
वाणप्रस्थ, p 175, 3.  
वाणवार, p 207, n.  
वाणि, p 254,29. p38,n.  
वाणिल, p 239, 78.  
वाणिक्रिक, p 239, n.  
वाणिक्र, p220,2.p240,  
80.  
वाणिनी, p 333, n.  
वाणी, p 38, 1.  
वात, p 12, 58.  
वातक, p 121, 15.  
वातकिन्, p 153, 10.  
वातकुम्भ, p 201, n.  
वातपोष, p 93, 10.

## वात—वाम.

- वातप्रची, p 128, 7.  
वातस्रग, p 128, 7.  
वातरोगिन्, p 153, 10.  
वातायन, p 80, 9.  
वातायु, p 128, 8.  
वाति, p 12, n.  
वातुल, p 356, n.  
वातुल, p 356, 198.  
वातुक, p 235, 60.  
वाटर, p 167, 12.  
वादित्र, p 46, 5.  
वाद्य, p 46, 5.  
वान, p 89, 15.  
वानप्रस्थ, p 92, 8.  
वानर, p 127, 3.  
वानस्थत्य, p 87, 6.  
वानावुज, p 243, 13.  
वानीर, p 93, 10.  
वानेय, p 117, 19.  
वापदण्ड, p 254, n.  
वापि, p 68, n.  
वापी, p 68, 28.  
वाष्, p 115, 14.  
वाष्, p 279, 34. p342,  
146.  
वामदेव, p 6, 21.  
वामन, p 16, 5: p 276,  
19. p 148, 46.

## वाम—वारि.

- वामनी, p 148, n.  
वामलूर, p 76, 14.  
वामलोचना, p 137, 3.  
वामा, p 137, 2.  
वामी, p 203, 14.  
वाचदण्ड, p 254, 28.  
वाचल, p 131, 20.  
वाचसाराति, p 130, 15.  
वाचसी, p 121, 17.  
वाचसीली, p 120, 9.  
वानु, p 12, 57.  
वायुसखि, p 11, 55.  
वारिधर, p 16, n.  
वार, p 60, 3.  
वार, p 346, 163. n.  
p 135, 39.  
वारस, p 200, 2.  
वारसबुधा, p 112, n.  
वारणबुधा, p 112, 1.  
वारबुधा, p 112, n.  
वारसस्था, p 141, 19.  
वारवाण, p 207, 31.  
वारस्त्री, p 141, 19.  
वाराही, p 121, 16.  
वारि, p 60, 3.  
वारिद, p 16, 8.  
वारिपर्णी, p 70, 38.  
वारिपर्णी, p 70, n.

| वारि—वाल्क.  | वाल्की—वासु.                    | वास्तु—वाह्नि.                                 |
|--|---------------------------------|--|
| वारिप्रवाह, p 85, 5.   | वाल्की, p 167, n.               | वास्तु, p 83, 19.                              |
| वारिवाह, p 16, 8.  | वासदूक, p 267, 35.              | वास्तुक, p 123, n.                             |
| वारी, p 287, n. p 202,<br>11.                                    | वासर, p 24, n.                  | वास्तुक, p 123, 23.                            |
| वारुणी, p315, 51. p20, n.  | वाशा, p 110, n.                 | वास्तोष्मति, p 8, 38. 1                        |
| वार्त्त, p 322, 78. p152, 8.                                     | वायिका, p 110, n.               | वास्त, p 205, 22. n.                           |
| वार्त्ता, p 220, 1. p40, 8.<br>p 112, n. p 152, n.<br>p 322, 78. | वायित, p 44, 4.                 | वाह, p 57, 5. p 20<br>12. p158, n. p 24<br>69. |
| वार्त्ताकी, p 112, 2.  | वायिता, p 322, 78. n.           | वाहद्रिषत्. p 128. 4.                          |
| वार्त्ताकु, p 112, n.  | वाय्य, p 137, 331.              | वाहन, p 206, 26                                |
| वार्त्तावह, p 251. 15  | वायिका, p 230, 40.              | वाहना, p 210, n.                               |
| वासक, p 147, 40  | वाय्यीका, p 230, n.             | वाहा, p 158, n.                                |
| वासक्य, p 147, n.  | वास. p 79, 6. p 168,<br>17 n.   | वाहित्य, p 201, 7.                             |
| वासुषि, p 221, 5.  | वासक, p 110, 22.                | वाहिनी, p 333, 11<br>p 210, 46.                |
| वासुषिक, p 221, 5.   | वासगृह, p 80, 8                 | वाहिनीपति, p 207, 3                            |
| वास्वी, p 254. n.  | वासन्ती, p 103, 52.             | वाह, p 158, 31.                                |
| वास्मिण, p 297, n.   | वासयोग, p 173, 35.              | वाहज, p 191, 1.                                |
| वास्मिण, p 297, n.   | वासर, p 24, 2.                  | वाहदा, p 69, 33.                               |
| वाविक, p 121, 16.  | वासव, p 8, 38.                  | वाहमूल, p 158, 30.                             |
| वाहंत, p 90, 19.   | वासस्, p 168, 17.               | वाहयुह, p 216, 75.                             |
| वालदण, p 125, 33.  | वासिका, p 110, 21.              | वाहस, p 29, 18.                                |
| वालपाश्या, p 165, 4.   | वासित, p 44, n. p 173,<br>35.   | वाहलेय, p 7, 35. n.                            |
| वालसूदिका, p 129, 12.  | वासिता, p 200, n.<br>p 322, 78. | वाहक, p 336, 32.                               |
| वालिय, p 363, 220.<br>p 270, 48.                                 | वासु, p 4, n.                   | वाहव, p 396, n.                                |
| वासुक, p 114, 9.   | वासुकि, p 57, 4. n.             | वाहिक, p 170, n<br>p 203, n.                   |
| वास्त, p 167, 12.  | वासुदेव, p 4, 15.               | वाहिका, p 203, 13.                             |
|  | वास्त, p 48, 14.                |  |

| वाङ्मयी—विक्र.            | विक्र—विच्छा.            | विज—वित.               |
|---------------------------|--------------------------|------------------------|
| वाङ्मयीक, p 203, n. p170, | विक्रय, p 241, 83.       | विजन, p 196, 22.       |
| 25. p 230, 40.            | विक्रयिक, p 340, 79.     | विजय, p 217, 78.       |
| विद्यति, p 241, 84.       | विक्रान्त, p 210, 45.    | विक्रयिन, p 232, n.    |
| विद्यती, p 241, n.        | विक्रिया, p 291, 15.     | विजिन, p 232, n.       |
| वि, p 134, n.             | विक्रोह, p 240, 79.      | विजिल, p 232, 43.      |
| विकङ्कत, p 95, 18.        | विक्रोय, p 240, 82.      | विञ्जन, p 232, n.      |
| विकष, p 87, 7.            | विक्रय, p 269, 44.       | विद्य, p 259, 4.       |
| विकर्त्तन, p 22, 31.      | विज्ञाप, p 296, 37.      | विज्ञात, p 261, 9.     |
| विकलाङ्क, p 148, 46.      | विगत, p 283, 49.         | विज्ञान, p 259, 4.     |
| विकल्प, p 30, n. p33, n.  | विगतात्तथा, p 242, 21.   | विज्ञानिक, p 259, n.   |
| विकल्पर, p 265, n.        | विद्य, p 148, 46.        | विट, p 390, 17.        |
| विकषा, p 107, n.          | विद्यङ्, p 156, 21 p195, | विटङ्क, p 81, 15.      |
| विकल्पर, p 265, n.        | 18 p 292, 22             | विटय, p 89, 14. p 338, |
| विकसा, p 107, 9.          | विषय, p 182, 28.         | 133.                   |
| विकसित, p 33, n. p87, 8.  | विषोक, p 53, n.          | विटपिन्, p 87, 5.      |
| विकस्तर, p 265, 30.       | विज्ञ, p 262, 16.        | विटखदिर, p 98, 30      |
| विकार, p 291, 15.         | विज्ञराज, p 7, 33.       | विट्चर, p 253, 23.     |
| विकाय, p 362, n.          | विचक्षण, p 176, 5.       | विड, p 231, 12.        |
| विकायिन्, p 265, n.       | विचयन, p 294, 30.        | विडङ्क, p 110, 25.     |
| विकायिन्, p 265, n.       | विचर्चिका, p 150, 4.     | विडाल, p 128, 6.       |
| विकासिन्, p 265, 30.      | विचारणा, p 33, 11.       | विडोजस्, p 7, 36.      |
| विकिर, p 134, 33.         | विचार, p 33, n.          | विडौजा, p 7, n.        |
| विकीरण, p 105, 61.        | विचारित, p 283, 49.      | विनंस, p 253, n.       |
| विक्रम्यांश, p 260, 7.    | विचि, p 61, n.           | विनयडा, p 386, 9.      |
| विक्रय, p 152, 9.         | विचिकित्सा, p 33, 12.    | विवास, p 59, n.        |
| विक्रति, p 291, 15.       | विच्छन्दक, p 80, 11.     | विनय, p 43, 22.        |
| विक्रय, p 341, 143.       | विच्छदक, p 80, n.        | विनरण, p 182, 29.      |
| p 216, 71.                | विच्छाय, p 391, 26.      | विनर्हि, p 81, 16.     |

| वित्त—विद्.                                 | विद्—विना.   | विना—विपु.                     |
|---|--|--------------------------------|
| वित्तदोष, p 81, n.                          | विद्म, p 243, 93.                                    | विनायक, p 3, 9. p7, 33.        |
| वित्तज्ञ, p 159, 35.                        | विद्मलता, p 116, 17.                                 | विनाय, p 292, 22.              |
| वित्तान, p 333, 116.<br>r 169, 21.          | विद्म, p 176, 4. p 269,<br>236.                      | विनायोन्मुख, p 281, 41.        |
| वित्तज्ञ, p 121, 14.                        | विद्मेष, p 51, 25.                                   | विनिमय, p 240, n.              |
| वित्तज्ञक, p115,14.p244,<br>101. p 229, 37. | विध, p 329, n.                                       | विनीत, p 202,12.p264<br>25.    |
| वित्त, p 261, 9. p 283,<br>49. p 242, 90.   | विधना, p 139, 11.                                    | विन्द, p 61,6. p265,30.        |
| विदर, p 287, 5.                             | विधस, p 182, n.                                      | विन्दुजालक, p 201, 7.          |
| विदस, p 396, 32.                            | विधा, p 329, 104.p256,<br>38. p 289, n.              | विन्ध्य, p 84, 3.              |
| विदारक, p 62, 10.                           | विधाह, p 3, 12.                                      | विप, p233,19.p284 54.          |
| विदारो, p 111, 28.<br>p 113, n.             | विधि, p 3, 12. p 32, 6.<br>p 185, 39. p 329,<br>102. | विपक्ष, p 193, 11.             |
| विदारोगन्ध, p 113, 3.                       | विधिदर्शिन, p 178,<br>15. n.                         | विपञ्ची, p 45, 3.              |
| विदित, p 285, 57.                           | विधि, p 4, 17. p 18,15.<br>p 328, 102.               | विपण, p 241, 83.               |
| विदिष्ट, p 16, 7.                           | विधुत, p 284, 56.                                    | विपण्ण, p 78, 2. p 315,<br>54. |
| विद्, p 201, 5.                             | विधुनन, p 287, n.                                    | विपणो, p 78, n.                |
| विदुर, p 265, 30.                           | विधुन्मुद, p 21, 28.                                 | विपत्ति, p 211, 50. n.         |
| विदुल, p 93,10.p93,11.                      | विधुर, p 292, 20.                                    | विपथ, p 76, 16.                |
| विद्, p 201, n.                             | विधुवन, p 287, 4.                                    | विपद्, p 211, 50.              |
| विद, p 283, 49.                             | विधुवन, p 287, 4.                                    | विपदा, p 211, n.               |
| विदकर्मि, p 106, 3.                         | विधेय, p 264, 24.                                    | विपर्यय, p 295, 33.            |
| विद्याधर, p 2, 6.                           | विनयस्याङ्गिन्, p 264,24.                            | विपर्यास, p 295, 33.           |
| विद्यात्, p 17, 11.                         | विना, p 376, 3.                                      | विपचित्, p 176, 4.             |
| विद्वेष, p 217, 79.                         | विनाह, p 68, n.                                      | विपादिका, p 150, 3.            |
| विद्वत्, p 283, 49.                         |  | विपाद्, p 69, 33.              |
| विद्वधि, p 151, 7.                          |  | विपाथा, p 69, 33.              |
|   |  | विपिन, p 86, 1.                |
|   |  | विपुल, p 274, 10.              |

| विप्र—विभ्र.                             | विभ्र—विर.             | विर—विष.                      |
|--|------------------------|-------------------------------|
| विप्र, p 175, 4.                         | विभ्रम, p 53, 31.      | विरञ्चि, p 3, n.              |
| विप्रकार, p 290, 15.                     | विभ्राज्, p 164, 2.    | विरिञ्चि, p 3, n.             |
| विप्रकृत, p 268, 41.                     | विभ्रनस, p 260, 8.     | विरिञ्चि, p 3, 11.            |
| विप्रलब्ध, p 275, n.                     | विभ्रना, p 260, 8.     | विरूपाक्ष, p 6, 28.           |
| विप्रलब्धक, p 275, 18.                   | विभ्रय, p 240, n.      | विरोक, p 56, n.               |
| विप्रतीसार, p 51, 25.                    | विभ्रह्न, p 290, 13.   | विरोचन, p 22, 31, p 332, 111. |
| विप्रयोग, p 294, 28.                     | विभ्रल, p 273, 5.      | विरोध, p 51, 25, p 290, n.    |
| विप्रलम्ब, p 268, 41.                    | विभ्रला, p 120, 9.     | विरोधन, p 292, 21.            |
| विप्रलम्बा, p 54, 36, p 294, 28.         | विभ्रलात्मक, p 273, 5. | विरोधीक्ति, p 42, 17.         |
| विप्रलाप, p 42, 17, p 54, n.             | विभ्रालज, p 143, 25.   | विल, p 56, 1.                 |
| विप्रस्रिका, p 141, 20.                  | विभ्रान, p 9, 43.      | विलक्ष, p 264, 26.            |
| विप्रुष, p 61, n.                        | विभ्रानना, p 51, n.    | विलक्षण, p 286, 2.            |
| विप्रुष, p 290, 14.                      | विभ्र, p 18, 17.       | विलग्न, p 158, n.             |
| विप्रुष, p 61, 6. p 185, 38.             | विभ्र्वी, p 18, p.     | विलम्बित, p 47, 9.            |
| विभ्रु, p 151, 6.                        | विभ्र्विका, p 119, 4.  | विलम्बा, p 294, 28.           |
| विभ्रुविका, p 251, n.                    | विभ्रु, p 15, 2.       | विलयय, p 58, n.               |
| विभ्रुध, p 1, 2.                         | विभ्रुङ्गा, p 9, 44.   | विलाप, p 42, 16.              |
| विभ्रु, p 242, 91.                       | विभ्रुस, p 291, 18.    | विलास, p 128, n.              |
| विभाकर, p 22, 30.                        | विभ्रुत, p 264, 25.    | विलास, p 53, n.               |
| विभावरी, p 25, 4.                        | विभ्रुय, p 291, 18.    | विलीन, p 283, 49.             |
| विभावसु, p 11, 51, p 22, 32. p 366, 228. | विरजस्तमस, p 187, 44.  | विलेपन, p 173, 35. p 294, 27. |
| विभीतक, p 99, n.                         | विरति, p 296, 37.      | विलेपी, p 233, 50.            |
| विभीतकी, p 99, n.                        | विरथ, p 275, 15.       | विलेयय, p 58, 8.              |
| विभ्रुति, p 7, 31, n.                    | विराज, p 291, 1.       | विल, p 93, 12.                |
| विभ्रुष, p 164, 3.                       | विराल, p 128, n.       | विषय, p 328, 99.              |
|  | विराव, p 44, 2.        | विषर, p 56, 1.                |
|  | विरञ्च, p 3, n.        |                               |
|  | विरञ्चन, p 3, n.       |                               |

| विष—विधा.                   | विधा—विषय.                | विश्व—विष्ट.               |
|-----------------------------|---------------------------|----------------------------|
| विचरणं, p 251, 16.          | विचारद, p 327, 98.        | विश्व, p 109, 18, p 230, r |
| विचय, p 269, 44.            | विद्याल, p 274, 10.       | विश्वार, p 196, 23.        |
| विचयस्त्व, p 22, 30.        | विद्यालता, p 168, 16.     | विष्, p 155, n.            |
| विवाद, p 4, 9.              | विद्यालत्व, p 91, 3.      | विष, p 58, 9, p 72, n      |
| विवाह, p 190, 55.           | विद्याला, p 123, 22.      | p 155, 19, p 365,          |
| विचिन्ता, p 196, 22.        | विद्येख, p 212, 54.       | 225.                       |
| p 325, 85.                  | विद्येखा, p 78, 3.        | विषद, p 36, n.             |
| विचिन्ता, p 196, n.         | विद्येपक, p 170, 24.      | विषधर, p 57, 7.            |
| विचिष, p 182, 13, p 328,    | विद्य, p 36, n.           | विषमस्त्रन, p 71, n.       |
| 99.                         | विद्यम्भा, p 196, 23.     | विषमच्छद, p 91, 3.         |
| विचेक, p 184, 37.           | विद्ययान, p 182, 29.      | विषय, p 35, 16, p 75,      |
| विच्योक, p 53, 31.          | विश्वान, p 294, 28.       | 8, p 289, 11, p 313,       |
| विद्य, p 361, 216.          | विश्वान, p 261, 9.        | 154.                       |
| p 220, 1.                   | विश्व, p 230, 38, p 275,  | विषयिन्, p 35, 17.         |
| विद्य, p 72, n.             | 14, p 2, 5.               | विषयैद्य, p 58, 11.        |
| विद्यङ्कट, p 274, 10.       | विश्वकद्रु, p 252, 23.    | विषा, p 155, n, p 109,     |
| विद्यङ्कटा, p 274, n.       | विश्वकर्मान्, p 332, 111. | 18.                        |
| विद्यङ्कटी, p 274, n.       | विश्वकेतु, p 5, 22.       | विषाण, p 316, 58.          |
| विद्यमस्त्रन, p 71, n.      | विश्वक्यान, p 1, n.       | विषाणी, p 114, 7.          |
| विद्यद, p 36, 22.           | विश्वतस्, p 379, n.       | विषुण, p 28, n.            |
| विद्यर, p 218, 84.          | विश्वेदेव, p 2, n.        | विषुप, p 28, n.            |
| विद्यल्या, p 118, 2, p 344, | विश्वद्युच्, p 266, n.    | विषुव, p 28, 14.           |
| 157, p 106, 1.              | विश्वभेषज, p 230, 38.     | विषुवत्, p 28, 14.         |
| विद्यसन, p 218, 83.         | विश्वभार, p 4, 17.        | विषुवान, p 28, n.          |
| विद्याख, p 7, 35, p 212, n. | विश्वभारा, p 73, 2.       | विष्कार, p 134, 33.        |
| विद्याखा, p 20, 23.         | विश्वस्त्रज, p 3, 12.     | विष्कम्भ, p 82, 17.        |
| विद्याय, p 295, 32.         | विश्वस्ता, p 139, 11.     | विष्टप, p 74, 6.           |
| विद्यारण, p 218, n.         | विश्वस्या, p 139, n.      | विष्टम्भ, p 29             |

## विष्ट—विसा-

- विष्टर, p 348, 171.  
 विष्टरश्चरस, p 3, 13.  
 विष्टि, p 59, 3.  
 विष्ठा, p 155, 19.  
 विष्णु, p 3, 13.  
 विष्णुक्रान्ता, p 110, 22.  
 विष्णुपद, p 15, 2.  
 विष्णुपदी, p 69, 31.  
 विष्णुरथ, p 5, 25.  
 विष्णार, p 217, n.  
 विष्य, p 269, 13.  
 विष्वक्, p 379, 13.  
 विष्वक्चेन, p 3, 14.  
 विष्वक्चेनप्रिया, p 121, 16.  
 विष्वक्चेना, p 99, 36.  
 विष्वच, p 379, 23.  
 विष्वद्रीची, p 266, n.  
 विष्वद्राक्, p 266, n.  
 विष्वद्राच्, p 266, 34.  
 विष, p 72, 42.  
 विषकण्ठिका, p 132, 25.  
 विषमसूत्र, p 72, 42.  
 विषम्बाद, p 54, 36.  
 विषर, p 135, 39.  
 विषर्जन, p 182, 28.  
 विषर्यण, p 292, 23.  
 विषार, p 65, 17.  
 विषारिन्, p 266, 31.

## विसा—विह.

- विसारी, p 65, n.  
 विसिनी, p 71, 39.  
 विस्तृत, p 280, 35.  
 विस्तृत्वर, p 266, 31.  
 विस्तृत्वर, p 266, 31.  
 विस्त, p 241, 87.  
 विस्तर, p 292, 22. n.  
 विस्तार, p 88, 14. p 292, 22.  
 विस्तृत, p 280, 35.  
 विस्तृता, p 147, 41.  
 विस्तार, p 217, 76.  
 विस्तृजंथ, p 17, n.  
 विस्तृजंथु, p 17, n.  
 विस्तोट, p 151, 4.  
 विस्तय, p 50, 19.  
 विस्तयान्वित, p 264, 26.  
 विस्तृत, p 280, 35.  
 विस्त, p 36, 21.  
 विस्तम्ब, p 339, 138.  
 p 196, n.  
 विस्तसा, p 147, 41.  
 विस्तग, p 134, 32.  
 विस्तङ्ग, p 134, 32.  
 विस्तङ्गस, p 134, 32.  
 विस्तङ्गना, p 254, n.  
 विस्तङ्गिका, p 254, 30.  
 विस्तसित, p 54, 35.

## विह—वीध.

- विहस्त, p 269, 43.  
 विहापित, p 182, 28.  
 विहाय, p 15, n.  
 विहायथा, p 15, n.  
 विहायस्, p 15, 2. n.  
 p 134, 32.  
 विहाया, p 15, n.  
 विहार, p 291, 16.  
 विह्वल, p 269, 44.  
 वी, p 134, n.  
 वीकाय, p 362, 217.  
 वीची, p 61, 5. n.  
 वीज, p 32, 6. p 153, 13.  
 वीजकोश, p 72, 43.  
 वीजपूर, p 105, 59.  
 वीजाकृत, p 221, 1.  
 वीज्य, p 175, 2.  
 वीणा, p 45, 3.  
 वीणादण्ड, p 46, 7.  
 वीणावाद, p 251, 13.  
 वीतंस, p 253, 26.  
 वीत, p 202, 11.  
 वीति, p 202, n.  
 वीतिहोत्र, p 10, 48.  
 वीधि, p 86, n.  
 वीधी, p 86, 4. p 325-90.  
 वीध, p 273, 5.



## वीना—बुन्.

- वीनाह, p 68, 27.  
 वीभत्स, p 50, 19. p 49,  
 17.  
 वीभत्सा, p 369, n.  
 वीर, p 210, 45. p 49,  
 17.  
 वीरण, p 125, 29.  
 वीरतर, p 125, 29.  
 वीरतरु, p 96, 25.  
 वीरपत्नी, p 141, 16.  
 वीरपाण्य, p 216, 71.  
 वीरपान, p 216, n.  
 वीरभाष्या, p 141, 16.  
 वीरसाह, p 141, 16.  
 वीरहस्त, p 96, 23.  
 वीराशंसन, p 215, 68  
 वीरसू, p 141, 16.  
 वीरहनु, p 189, 52.  
 वीरुष्, p 88, 9.  
 वीर्यं, p 52, 29. p 153,  
 13. p 344, 156.  
 वीरध, p 328, 99.  
 वु, p 384, n.  
 वुक, p 105, n.  
 वुञ्, p 384, n.  
 वुण्य, p 384, n.  
 वुधित, p 245, 57.  
 वुन्, p 384, 4.

## बुध—वृत्ति.

- बुध, p 225, n.  
 बुधा, p 202, n.  
 बुस, p 225, 22. p394,n.  
 वृद्धित, p 217, 76.  
 वृक, p 128, 7.  
 वृकधूप, p 171,29.p172,  
 30.  
 वृक, p 154, n.  
 वृकनु, p 154, n.  
 वृका, p 154, n.  
 वृक, p 284, 53.  
 वृक्ष, p 87, 5.  
 वृक्षभेदिन्, p 255, 34.  
 वृक्षरुहा, p 105, 62.  
 वृक्षवाटिका, p 86, 2.  
 वृक्षादन, p 255, 34.  
 वृक्षादनी, p 105, 62.  
 वृक्षान्न, p 229, 35.  
 वृजिन, p 31, 1. p 332,  
 111. p 276, 20.  
 वृत्, p 281, 41.  
 वृत्ति, p 288, 8.  
 वृत्त, p 276, 19. p 322,  
 81. p 281, 41.  
 वृत्ताध्ययनर्षि, p 184,38.  
 वृत्तान्त, p40,8.p318,66.  
 वृत्ति, p 220, 1. p 220,  
 2. p 288, n.

## वृत्त—वृष.

- वृत्तहनु, p 8, 38.  
 वृत्ता, p 347, 166.  
 वृषा, p 373, 9. p377  
 वृष, p115,10. p147.  
 वृषत्य, p 147, 42.  
 वृषदारक, p 118, 2.  
 वृषन्नवस्, p 8, 37.  
 वृषसङ्ग, p 147, 40.  
 वृषा, p 140, 12.  
 वृषि, p 112, 31. p11  
 19.  
 वृषिजीव, p 221, 4.  
 वृषिजीविका, p 821,  
 वृषोक्ष, p 236, 61.  
 वृष्याजीव, p 221, 5.  
 वृन्त, p 89, 15.  
 वृन्द, p 135, 40.  
 वृन्दभेद, p 136, 41.  
 वृन्दारक, p 2, 4.  
 वृष्य, p 110, n.  
 वृषिक, p 130, 16  
 p 299, 7.  
 वृष, p 21, 29. p 26  
 61. p 113, 4. p36  
 222.  
 वृषण्य, p 157, 27.  
 वृषदंशक, p 128, 6.  
 वृषध्वज, p 6, 29.

वृष - वेत  
 वृषन्, p 8, 38.  
 वृषभ, p113,4.p235,59.  
 वृषल, p 228, 1.  
 वृषस्यन्ती, p 139, 9.  
 वृषा, p 107, 6.  
 वृषाकपायी, p 345, 158.  
 वृषाकपि, p 337, 132.  
 वृषी, p 187, 45.  
 वृष्टि, p 17, 12.  
 वृष्टि, p 239, 77.  
 वृष्टिभू, p 67, n.  
 वृष्टवृ, p 274, 10.  
 वृष्टिका, p 169, 19.  
 वृष्टी, p 108, 12.p321,  
 77. p 180, n.  
 वृष्ट्वृक्षि, p 148, 44.  
 वृष्ट्वृक्षु, p 10, 50.  
 वृष्ट्वृक्षति, p 20, 25.  
 वृष्ट्वृक्षित, p 217, 76.  
 वृष्ट्वृक्षि, p 305, 21.  
 वृष्ट्वृक्षिन्, p 209, 41.  
 वृष्ट्वृक्षि, p 163,49.p254,n.  
 वृष्ट्वृक्षि, p 102,49.p163,n.  
 वृष्ट्वृक्षि, p 124, 26.  
 वृष्ट्वृक्षि, p 201, n.  
 वृष्ट्वृक्षि, p 251, 13.  
 वृष्ट्वृक्षि, p 256, 38.  
 वृष्ट्वृक्षि, p 93, 10.

वेत - वेष्टा.  
 वेतस्वत्, p 75, 9.  
 वेताल, p 392, 21.  
 वेत्वती, p 69, 34.  
 वेद, p 39, 3.  
 वेदना, p 287, 6.  
 वेदि, p 179, 17. p81,n.  
 वेदिका, p 81, 16.  
 वेदी, p 81, n. p 179, n.  
 वेध, p 288, 8.  
 वेधनिका, p 255, 34.  
 वेधमुखक, p 118, 23.  
 वेधस्, p 367,230.p3,12.  
 वेधित, p 285, 57.  
 p 283, 49.  
 वेपथु, p 55, 38.  
 वेम, p 254, n.  
 वेमन्, p 254, 28,  
 वेला, p 357, 200.  
 वेला, p 110, 24.  
 वेलाज, p 229, 35.  
 वेलाित, p 276, 21.  
 p 280, 36.  
 वेष्ट, p 78, 2. p 164, 1.  
 वेष्टन्, p 68, 28.  
 वेष्टवार, p 229, n.  
 वेष्टान, p 78, 4.  
 वेष्टान्, p 83, 19.  
 वेष्ट्या, p 141, 19.

वेष्ट्या - वैदे.  
 वेष्ट्याजनसमाश्रय, p78,2.  
 वेष्ट, p 164, n.  
 वेष्टवार, p 229, n.  
 वेष्टित, p 281, 40.  
 वेष्टवार, p 229, 35.  
 वेष्टवृ, p 237, 70.  
 वै, p 377, 5.  
 वैकक्षक, p 173, 37.  
 वैकक्षन्, p 95, n.  
 वैकुण्ठ, p 3, 13.  
 वैकृन्, p 50, n.  
 वैजनन, p 146, 39.  
 वैजयन्त, p 8, 41.  
 वैजयन्तिक, p 208, 39.  
 वैजयन्तिका, p 101, 46.  
 वैजयन्ती, p 215, 67.  
 वैज्ञानिक, p 259, 4.  
 वैष्णव, p 90, 18. p 187,  
 45.  
 वैष्णविक, p 251, 13.  
 वैष्णिक, p 251, 13.  
 वैष्णिक, p 201, 9.  
 वैश्वसिक, p 251, 14.  
 वैश्वनिक, p 251, 15.  
 वैश्वरथि, p 59, n.  
 वैश्वरथी, p 59, 2. n.  
 वैश्वलिक, p 215, 65.  
 वैश्वेष्ट, p 239, n.

## वैदे—यौष.

- वैदेहक, p 239, 78.  
 p 248, 3.  
 वैदेही, p 108, 15.  
 वैद्य, p 152, 8. n.  
 वैद्यमाह, p 110, 21.  
 वैधातकि, p 10, n.  
 वैधात्व, p 10, 46.  
 वैधेय, p 270, 48.  
 वैधेयी, p 270, n.  
 वैनतेय, p 5, 24.  
 वैनीतक, p 206, 26.  
 वैभालेय, p 143, 25  
 वैभेय, p 240, n.  
 वैयात्र, p 205, 21.  
 वैर, p 51, 25.  
 वैरनिर्यातन, p 217, 79.  
 वैरशुचि, p 217, 79.  
 वैरिन्, p 193, 10.  
 वैरु, p 90, n.,  
 वैशक्ति, p 251, 15.  
 वैश्वस्त, p 11, 54.  
 वैशाख, p 29, 16. p 239, 74.  
 वैश्य, p 220, 1.  
 वैश्ववय, p 14, 64.  
 वन्दानर, p 10, 48.  
 वैसारिण, p 65, 17.  
 वोल, p 245, 105.  
 वौषट, p 378, 8.

## व्य—व्यात्र.

- व्य, p 288, 8.  
 व्यक्त, p 318, 65.  
 व्यक्ति, p 33, 9  
 व्यय, p 354, 192.  
 व्यजन, p 174, 41.  
 व्यञ्जक, p 49, 16.  
 व्यञ्जन, p 334, 118.  
 p 393, 23.  
 व्यङ्मक, p 98, 32.  
 व्यङ्मन, p 98, n.  
 व्यत्यय, p 295, 33  
 व्यत्यास, p 295, 33.  
 व्यथा, p 52, 3.  
 व्यध, p 288, 8.  
 व्यध्व, p 76, 16.  
 व्यय, p 291, 17.  
 व्यलीक, p 301, 12.  
 व्यषधा, p 18, 14.  
 व्यषहार, p 40, 9.  
 व्यषाय, p 190, 56.  
 व्यसन, p 335, 123.  
 व्यसनात्त, p 269, 43.  
 व्यस्त, p 276, 21.  
 व्याकुल, p 269, 43.  
 व्याकोष, p 87, n.  
 व्याकोष, p 87, 7.  
 व्यात्र, p 127, 1.  
 व्यात्रनख, p 116, 17.

## व्यात्र—व्युष्टि

- व्यात्रपाद्, p 95, 18.  
 व्यात्रपुच्छ, p 98, 31.  
 व्यात्राट, p 130, 15.  
 व्यात्री, p 108, 12.  
 व्याज, p 52, 30. p 53, 33.  
 व्याड, p 312, 45.  
 व्याडायुध, p 116, 17.  
 व्याध, p 252, 21.  
 व्याधि, p 115, 14. p 150, 2  
 व्याधिघात, p 91, 4.  
 व्याधित, p 152, 9.  
 व्यान, p 12, 59.  
 व्यापाद, p 34, 13  
 व्याप्त, p 280, n  
 व्याष्य, p 115, 14.  
 व्याप्त, p 160, 38.  
 व्यायत, p 285, 62  
 व्याल, p 57, 7. p 356, 198  
 व्यालद्याह, p 58, n.  
 व्यालद्याहिन्, p 58, 11  
 व्यालायुध, p 116, n.  
 व्याली, p 356, n.  
 व्यावक्रोषी, p 385, n.  
 व्यावृत्त, p 281, n.  
 व्यास, p 292, 22.  
 व्याहार, p 38, 1.  
 व्युत्थान, p 334, 121.  
 व्युष्टि, p 311, 41.

## व्यूह—व्रीहि.

- व्यूह, p 313, 47.  
 व्यूहकव्यूह, p 207, 33.  
 व्यूहि, p 254, 29.  
 व्यूह, p 135, 39. p 210, 47.  
 व्यूहपार्थिवी, p 210, 47.  
 व्योकार, p 249, 7.  
 व्योमक्षेप, p 6, 30.  
 व्योमन्, p 15, 1.  
 व्योमयान, p 9, 43.  
 व्योष, p 247, 112.  
 व्रज, p 135, 39.  
 व्रज्या, p 184, 35. p 214, 63.  
 व्रण, p 151, 5.  
 व्रत, p 184, 37.  
 व्रतति, p 319, 69. p 88, 9.  
 व्रतनी, p 88, n.  
 व्रतन्, p 176, 7.  
 व्रध, p 88, 12.  
 व्रचन, p 255, 33.  
 व्रक्षा, p 3, n.  
 व्रात, p 135, 39.  
 व्रात्य, p 189, 53.  
 व्राह्म्य, p 189, 50.  
 व्रीडा, p 53, 33.  
 व्रीडन, p 51, n.  
 व्रीहित, p 51, n.  
 व्रीहि, p 223, 15.  
 व्रीहिभेद, p 225, 20.

## वैहे—शक्त

- वैहेय, p 221, 6.  
 शकट, p 204, 20.  
 शकल, p 18, 17.  
 शकलिन्, p 65, 17.  
 शकुन, p 134, 32.  
 शकुनि, p 134, 32.  
 शकुन्त, p 134, 32. p 317, 60.  
 शकुन्ति, p 134, 32.  
 शकुल, p 65, 19.  
 शकुलाक्षक, p 124, 24.  
 शकुलादनी, p 106, 4.  
 p 111, 29.  
 शकुलाभक, p 65, 17.  
 शकत्, p 155, 48.  
 शकत्करि, p 236, 62.  
 शक्त, p 267, n.  
 शक्ति, p 195, 19. p 216, 71.  
 \*p 219, 69, n.  
 शक्तिधर, p 7, 36.  
 शक्तिहेतिक, p 208, 37.  
 शक्ती, p 319, n.  
 शक्त, p 267, n.  
 शक्तु, p 267, 36.  
 शक्त, p 8, 37. p 102, 47.  
 शक्तधनुस्, p 17, 12.  
 शक्तपादप, p 98, 33.  
 शक्तपुष्पी, p 118, 2.  
 शक्त, p 267, n.

## शक्ती—शत.

- शक्ती, p 65, n.  
 शक्कर, p 6, 25.  
 शक्तीर्ष, p 279, n.  
 शक्नु, p 87, 8. p 214, 61.  
 p 66, 20.  
 शक्नु, p 14, 67. p 67, 23.  
 p 116, 18.  
 शक्नुनख, p 67, 23, n.  
 शक्तीनी, p 115, 14.  
 शचि, p 8, n.  
 शची, p 8, 40.  
 शचीपति, p 8, 38.  
 शटा, p 163, n.  
 शटी, p 122, 19.  
 शठ, p 270, 46.  
 शथपथी, p 121, n.  
 शथपुष्पिका, p 110, 25.  
 शथस्त्र, p 64, 16.  
 शथ्ठ, p 146, n.  
 p 236, n.  
 शथ्ठ, p 236, n. p 193, 9.  
 p 146, 39.  
 शतकोटि, p 9, 43.  
 शतद्रु, p 69, 33.  
 शतपत्र, p 71, 40.  
 शतपत्रक, p 130, 16.  
 शतपत्री, p 130, 13.  
 शतपत्रन्, p 124, 26.

| शत—शम.                              | शम—शधि.                   | शतु—शर्व.                                |
|-------------------------------------|---------------------------|--|
| शतपत्रिका, p 109, 21.<br>p 123, 23. | शमघ, p 286, 3.            | शतु, p 57, 5.                            |
| शतपुष्पा, p 122, 17.                | शमन, p181,25. p11,54.     | शय्या, p 174, 39.                        |
| शतप्रास, p 104, 57.                 | शमनस्त्र, p 69, 32.       | शर, p 121,27.p212,55.                    |
| शतभीरु, p 102, n.                   | शमल, p 155, 18.           | शरजन्मन्, p 7, 34.                       |
| शतमन्यु, p 8, 37.                   | शमित, p 283, 47.          | शरट, p 129, n.                           |
| शतमान, p 398, 34.                   | शमी, p 98, 32.            | शरण, p 315, 55.                          |
| शतमूली, p 109, 19.                  | शमीक, p 216, n.           | शरणि, p 76, n.                           |
| शतयष्टिक, p 165, 6.                 | शमीधान्य, p 226, 24.      | शरणी, p 76, n.                           |
| शतवीर्या, p 124, 24.                | शमीर, p 98, 32.           | शरदु, p 30,19. p30,20.<br>p 327, 95.     |
| शतवेदिन्, p 119, 6.                 | शमीरु, p 98, n.           | शरभ, p 129, 11.                          |
| शतस्रदा, p 17, 10.                  | शम्ब, p 9, 43.            | शरव्य, p 212, 51.                        |
| शतान्न, p 204, 19.                  | शम्बर, p 61,4.p129,10.    | शरति, p 132, n.                          |
| शताररी, p 109, 19.                  | शम्बरारी, p 5, 21. n.     | शराभ्यास, p 212, 54.                     |
| शतु, p 193.9.p 193,11.              | शम्बल, p 998, 34.         | शरारि, p 132, 25.                        |
| शनि, p 21, n.                       | शम्बा (म्मा), p 17, 10.n. | शराह, p 265, 28.                         |
| शनैश्चर, p 21, 27.                  | शम्बाकन, p 222, n.        | शरालि, p 132, n.                         |
| शनैस्, p 380, 17.                   | शम्बु, p 67, n.           | शराव, p 228, 32.                         |
| शपथ, p 41, 10.                      | शम्बुक, p 67, n.          | शरावती, p 69, 34.                        |
| शपन, p 41, 10.                      | शम्बुक, p 67, 23.         | शरासन, p 211, 51.                        |
| शफ, p 204, 17.                      | शम्बुकी, p 141, 19.       | शरीर, p 156, 21.                         |
| शफर, p 65, n.                       | शम्भ, p 6, 25. p 339,n.   | शरीरिन्, p 33, 8.                        |
| शफरी, p 65, 18.                     | शम्भू, p 6, n. p 39, 37.  | शकेरा, p 75, 11. p350<br>177, p 231, 43. |
| शबरालय, p 83, 20.                   | शम्भ्या, p 223, 14.       | शर्करावत्, p 75, 11.                     |
| शब्द, p 35, 16. p 44,1.             | शय, p 159, 32.            | शर्करिल, p 75, 11.                       |
| शब्दपत्र, p 162, 45.                | शयन, p 54,36.p174,39.     | शर्मान्, p 31, n.                        |
| शब्दन, p 267, 38.p44,n.             | शयनीय, p 174, 39.         | शव, p 6,-n.                              |
| शम, p 286, 3.                       | शयासु, p 266, 33.         |  |
|                                     | शयित, p 266, 33.          |  |

## शब्द—शब्द.

- शब्दरी, p 25, 3  
 शब्दला, p 214, n.  
 शब्द, p 128, 7.  
 शब्दभ, p 133, 28.  
 शब्दल, p 128, 7.  
 शब्दलिन्, p 128, 7.  
 शब्दाट, p 89, 15.  
 शब्दक, p 301, 13.  
 शब्दलि, p 97, n.  
 शब्द, p 98, 33. p 128,  
 7. p 214, 61.  
 शब्दकी, p 115, 12.  
 शब्द, p 219, 87.  
 शब्दर, p 252, 21.  
 शब्दरालय, p 83, 20.  
 शब्दल, p 38, 26.  
 शब्दला, p 237, n.  
 शब्दली, p 237, 68.  
 शब्द, p 129, 11. p 245, n.  
 शब्दधर, p 18, 16.  
 शब्दलाङ्गन, p 18, n.  
 शब्दलोचन, p 246, 107.  
 शब्दांक, p 18, n.  
 शब्दादन, p 130, 14.  
 शब्दी, p 18, n.  
 शब्दी, p 246, 107.  
 शब्दत, p 372, 5. p 376, 1.  
 p 379, 11.

## शब्द—शाटी.

- शब्द, p 125, 33.  
 शब्दन, p 181, n.  
 शब्द, 31, 4. p 285, 59.  
 शब्द, p 351, 181. p 211,  
 50.  
 शब्दक, p 214, 98.  
 शब्दमार्ज, p 249, 7.  
 शब्दालोच, p 208, 35.  
 शब्दी, p 351, n. p 214, 60.  
 शब्द, p 89, 15.  
 शब्दमञ्जरी, p 225, 21.  
 शब्दश्रुत, p 225, 21.  
 शब्दसम्बर, p 96, 25.  
 शब्दक, p 229, 31. p 118, 1.  
 शब्दकट, p 236, 64.  
 शब्दकृत्, p 251, 14.  
 शब्दीक, p 208, 37.  
 शब्दक, p 3, n.  
 शब्दकृत्, p 3, 9.  
 शब्दकृत्, p 3, 10.  
 शब्दा, p 88, 11.  
 शब्दानगर, p 78, 2.  
 शब्दाङ्ग, p 127, 3.  
 शब्दाधिष्ठा, p 88, 11.  
 शब्दिन्, p 87, 5.  
 शब्दिक, p 250, 8.  
 शब्दक, p 397, 33.  
 शब्दी, p 400, 38.

## शाठ्य—शार.

- शाठ्य, p 53, 30.  
 शाठ्य, p 255, 32.  
 शाष्ठी, p 386, 9.  
 शाठ्यल, p 93, 12.  
 शार, p 31, 3. p 231, n.  
 p 147, 44.  
 शारकुम्भ, p 243, 95.  
 शारकुम्भ, p 243, n.  
 शारला, p 120, n.  
 शारव, p 163, 11.  
 शार, p 62, 9. p 326, 92.  
 शारद्वरित, p 75, 10.  
 शारद्वल, p 75, 10.  
 शार, p 255, n.  
 शार, p 283, 47.  
 शारि, p 286, 3.  
 शार, p 196, n.  
 शार, p 41, n.  
 शारन्, p 196, n.  
 शारन्, p 250, 11.  
 शारन्, p 67, n.  
 शारन्, p 67, n.  
 शारक, p 298, n.  
 शार, p 348, 168.  
 शारक, p 298, n.  
 शारक, p 130, n. p 305, n.  
 शारद, p 91, n. p 327, 97.  
 शारदी, p 91, 3. p 111, 29.

## शारि—शास्त्रि.

- शारिफल, p 258, 46.  
 शारिका, p 112, 30.  
 शारिक, p 75, 11.  
 शारिन्, p 4, 14.  
 शारुल, p 127, 1. p 273, 9.  
 शार्वर, p 354, 190.  
 शार्वरी, p 25, n.  
 शार, p 65, 19. p 78, 3.  
 शारपणी, p 113, n.  
 शाला, p 79, 6. p 88, 11.  
 शालाटक, p 301, 12.  
 शालि, p 226, n.  
 शालीन, p 264, 26.  
 शालूक, p 70, 38.  
 शालूर, p 67, 21.  
 शालेय, p 110, 23. p 221, 6. p 226, 24.  
 शास्त्रलि, p 97, 27. n.  
 शास्त्रलो, p 97, n.  
 शास्त्रलोकेट, p 97, 27.  
 शावक, p 135, 38.  
 शावर, p 94, 13.  
 शाश्वत, p 276, 22.  
 शाक्कल, p 263, n.  
 शाकुलिक, p 296, 40.  
 शासन, p 197, 25.  
 शाशिता, p 3, n.  
 शास्त्रि, p 197, n.

## शास्त्र - शिच्.

- शास्त्र, p 3, n.  
 शास्त्र, p 351, 181.  
 शास्त्रविद्, p 260, 6.  
 शिशपा, p 100, 43.  
 शिक्च, p 254, 30.  
 शिक्चिन, p 280, 39.  
 शिक्चा, p 39, 4.  
 शिक्चिन, p 259, 4.  
 शिखण्ड, p 134, 31.  
 p 163, n.  
 शिखण्डक, p 163, 47.  
 शिखर, p 84, 4. p 88, 12.  
 शिखरिणी, p 331, n.  
 शिखरिन्, p 331, 109.  
 p 84, 1.  
 शिखा, p 11, 52. p 134, 31. p 163, 48. p 304, 20.  
 शिखाण्डक, p 163, n.  
 शिखावत्, p 11, 50.  
 शिखात्रल, p 133, 30.  
 शिखिपीव, p 244, 101.  
 शिखिन्, p 133, 30. p 331, 109.  
 शिखिवाहन, p 7, 35.  
 शिष्, p 93, 11. p 229, 34.  
 शिष्ज, p 247, 110.  
 शिष्ठाण, p 214, n.  
 शिच्, p 254, n.

## शिष्ठा—शिल.

- शिष्ठा, p 44, n.  
 शिष्ठा, p 44, 2.  
 शिष्ठा, p 211, 53.  
 शितद्, p 69, 33.  
 शितशिव, p 230, n.  
 शितम्बुक, p 223, n.  
 शिति, p 324, n.  
 शितिकण्ड, p 6, 27.  
 शितिसारक, p 95, 19.  
 शितो, p 324, 85.  
 शिपविष्ट, p 310, n.  
 शिपिबिष्ट, p 310, 37.  
 शिफा, p 88, 12.  
 शिफाकन्द, p 72, 43.  
 शिम्बा, p 226, n.  
 शिम्बि, p 226, n.  
 शिरर्, p 126, n.  
 शिरस्, p 88, 12. p 162, 46.  
 शिरस्, p 207, 32.  
 शिरस्, p 163, 49.  
 शिरा, p 154, n.  
 शिरीव, p 101, 43.  
 शिरोपीव, p 394, n.  
 शिरोधि, p 160, 39.  
 शिरोरत्न, p 165, 4.  
 शिरोरुद्ध, p 162, 46.  
 शिरोस्थि, p 156, 20.  
 शिल, p 220, n. p 84, 1.

## शिला—शिश्र.

- शिला, p 81, 13. p 84, 4.  
 शिलाजल, p 245, 104.  
 शिली, p 67, 24.  
 शिलीस्र. p 304, 19.  
 शिलीस्र. p 84, 1.  
 शिल, p 256, 35.  
 शिल्याल, p 79, n.  
 शिल्याला, p 79, n.  
 शिल्याल, p 79, n.  
 शिल्यन्, p 219, 5.  
 शिल्लकी, p 115, n.  
 शिव, p 6, 25. p 31, 3.  
 शिवक, p 238, 73.  
 शिवल्लो, p 105; 62.  
 शिवा, p 6, 32. p 128, 5.  
 p 98, 32. p 399, n.  
 p 100, 40. p 361,  
 214. p 116, 15.  
 शिविका, p 204, 21.  
 शिविपिट, p 310, n.  
 शिविर, p 199, 1.  
 शिवी, p 7, n.  
 शिविर, p 19, 20. p 29, 18.  
 शिव्यु, p 135, 38. p 239, 75.  
 शिव्युक्त, p 65, 18.  
 शिव्युत्, p 146, 40  
 शिव्युत्तर, p 66, 20.  
 शिव्य, p 157, 27.

## शिश्रि—शुक.

- शिश्रिदान, p 270, 46.  
 शिश्रि, p 197, 26.  
 शिश्रि, p 177, 10.  
 शिश्रि, p 171, n.  
 शीकर, p 17, 13.  
 शीम, p 13, 60.  
 शीत, p 19, 20. p 19, 21.  
 p 93, 10. p 94, 15.  
 p 393, 22.  
 शीतक, p 252, 19.  
 शीतभीरु, p 102, 50.  
 शीतल, p 19, 21. p 121, 15.  
 शीतलवातक, p 121, n.  
 शीतशिव, p 115, 10.  
 p 110, 23. p 230-n.  
 शीता, p 223, n.  
 शीत्य, p 222, n.  
 शीफालिका, p 103, n.  
 शीशु, p 257, 42. p 398, 34.  
 शीश, p 162, 46.  
 शीशक, p 207, 31.  
 शीशच्छेद्य, p 269, 45.  
 शीश्रयल, p 163, 49.  
 शील, p 258; 203.  
 p 51, 26.  
 शीवल, p 71, n.  
 शुक, p 117, 20.  
 शुकनास, p 99, 37.

## शुक्ति—शुभ्र.

- शुक्ति, p 67, 23. p 116,  
 18. p 324, 85.  
 शुक्र, p 11, 51. p 153,  
 13. p 29, 16. p 21, 26.  
 शुक्रला, p 124, n.  
 शुक्रशिव, p 2, 7.  
 शुक्र, p 402, n. p 36, 22.  
 शुक्रा, p 102, n.  
 शुच, p 51, 25.  
 शुचि, p 11, 52. p 29, 16.  
 p 36, 22. p 307, 29.  
 शुचि, p 230, n.  
 शुचो, p 230, 38.  
 शुचला, p 257, 41.  
 शुचलापान, p 257, 41.  
 शुचि, p 69, n.  
 शुचान, p 80, 12. p 319, 68.  
 शुचक, p 252, 22.  
 शुचाशीर, p 8, n.  
 शुचाशीर, p 8, n.  
 शुचि, p 252, n.  
 शुची, p 252, 23.  
 शुच्य, p 273, n.  
 शुभंशु, p 271, 50.  
 शुभ, p 31, 3. p 393, 23.  
 शुभदन्ती, p 16, n.  
 शुभवासन, p 36, n.  
 शुभान्वित, p 271, 50.  
 शुभ्र, p 36, 22. p 355, 194.



| शुभ्र—शूर.              | शूर्प—शेष.               | शेष—शेष.               |
|-------------------------|--------------------------|------------------------|
| शुभ्रदन्ती, p 16, 6.    | शूर्प, p 227, 26.        | शेषस्, p 157, 27.      |
| शुभ्रांशु, p 18, 15.    | शूर्पि, p 256, n.        | शेषालि, p 103, n.      |
| शुक्ल, p 197, 27.       | शूर्पिणी, p 256, n.      | शेषालिका, p 103, 51    |
| शुक्ल. p244,98.p253,27. | शूर्प, p 357, 199.       | p 386, 7.              |
| p 393, 23.              | शूर्पलाकृत, p 231, 45.   | शेषाली, p 103, n.      |
| शुक्ला, p 253, n.       | शूर्पलिन्, p 6, 25.      | शेष, p 157, n.         |
| शुक्ली, p 253, n.       | शूर्पल्य, p 231, 45.     | शेषपी, p 33, 10.       |
| शुक्ल, p 253, n.        | शृगाल, p 128, 5.         | शेषु, p 94, 15         |
| शुश्रूषा, p 184, 34.    | शृङ्गल, p 166, 10.       | शेषधि, p 14, 67.       |
| शुषि, p 56, n.          | p 201, 9.                | शेषल, p 71, n.         |
| शुषिर, p 56, 2.         | शृङ्गलक, p 239, 76.      | शेषाल, p 71, n.        |
| शुषिरा, p 116, 17.      | शृङ्गला, p166,n.p201,n.  | शेष, p 57, 4. p307,32. |
| शुषी, p 56, n.          | शृङ्ग, p 84, 4. p 119,8. | शैल, p 177, 10.        |
| शुष्कभांस, p 154, 14.   | p 306, 27.               | शखरिक, p 107, 7.       |
| शुष्काल, p 263, n.      | शृङ्गवेर, p 229, 37.     | शैखरेय, p 107, n.      |
| शुष्म, p 10, n.         | शृङ्गाटक, p 77, 17.      | शैल, p 84, 1.          |
| शुष्मन्, p 10, n.       | शृङ्गार, p 49, 17.       | शैलालिन्, p 250, 12.   |
| शूर्क, p 226, 28.       | शृङ्गि, p 67, n.         | शैलूष, p93,12.p250,12. |
| शूर्ककीट, p 130, 14.    | शृङ्गिणी, p 267, 66.     | शैलेय, p 115, 11.      |
| शूर्कधान्य, p 226, 24.  | शृङ्गिन्, p 113, n.      | शैवल, p 71, 38.        |
| शूर्कर, p127,2.p253,23. | शृङ्गी, p 67, 25. p 109, | शैवलिनी, p 69, 30.     |
| शूर्कशिल्पि, p 106, 5.  | 18. p 113, 4.            | शैवाल, p 71, 38.       |
| शूर्द्र, p 248, 1.      | शृङ्गीकनक, p 243,96.n.   | शैवध, p 146, 40.       |
| शूर्द्रा, p 140, 13.    | शृत्, p 282, 45.         | शोक, p 51, 25.         |
| शूर्द्री, p 140, 13.    | शेखर, p 173, 38.         | शोचिष्केय, p 10, 49.   |
| शूर्न्य, p 273, 6.      | शेष, p 157, n.           | शोचिस्, p 23, 36.      |
| शूर, p 21, n. p 210,45. | शेषस्, p 157, n.         | शोष, p 69, 34.p37,24.  |
| शूरश, p 123, 22.        | शेष, p 157, n.           | शोषफ, p 99, 38.        |

## शोण—शस्य.

- शोणरत्न, p 243, 93.  
 शोषा, p 37, n.  
 शोषित, p 154, 15.  
 शोषी, p 37, n.  
 शोष, p 150, 3.  
 शोषनी, p 121, 14.  
 शोधनी, p 82, 18.  
 शोधित, p 232, 46-  
 p 273, 5.  
 शोफ, p 150, 3.  
 शोभन, p 272, 1.  
 शोभा, p 19, 19.  
 शोभाञ्जन, p 93, 11.  
 शोष, p 150, 2.  
 शोक, p 136, 43.  
 शौकिकेय, p 58, 10.  
 शोण्ड, p 264, 23.  
 शौण्डिक, p 250, 10.  
 शोण्डी, p 108, 15.  
 शोषोदनि, p 3, 10.  
 शोरि, p 4, 16. p21,27.  
 शौर्य, p 216, 70.  
 शौलिक, p 250, 8.  
 शौकल, p 263, 19.  
 शेणान, p 289, 10.  
 शस्यान, p 219, 87.  
 शस्य, p 163, 50.  
 शस्यन्, p 163, 50.

## श्याम—श्री.

- श्याम, p37,23. p341,145.  
 श्यामल, p 37, 23.  
 श्यामा, p99,35. p111,27.  
 p112,30. p341,145.  
 श्यामाक, p 125, 31.  
 श्याल, p 144, 32.  
 श्याव, p 37, 25.  
 श्येता, p 36, n.  
 श्येन, p 130, 15.  
 श्येनपाता, p 386, n.  
 श्येनी, p 37, n.  
 श्येनम्पाता, p 336, 6.  
 श्योनाक, p 99, 37.  
 श्रद्धा, p 329, 105.  
 श्रद्धालु, p 265, 27.  
 p 142, 21.  
 श्रयण, p 289, 12  
 श्रुत, p 288, n. p 162, n.  
 श्रवण, p 162, 45.  
 श्रवस्, p 162, 45.  
 श्रविष्ठा, p 20, 23.  
 श्राणा, p 233, 50  
 श्राव, p 182, 30.  
 श्रावदेव, p11, 54. p162, n.  
 श्राव, p 289, 12.  
 श्रावण, p 29, 16.  
 श्रावणिक, p 29, 16.  
 श्री, p 5, 22.

## श्रीक—श्रेय.

- श्रीकण्ठ, p 6, 27.  
 श्रीवन, p 3, 9.  
 श्रीद, p 14, 65.  
 श्रीपति, p 4, 16.  
 श्रीपर्ण, p101,16. p315,55.  
 श्रीपर्णिका, p 95, 21.  
 श्रीपर्णी, p 94, 16.  
 श्रीफल, p 93, 12.  
 श्रीकली, p 108, 13.  
 श्रीमत्, p95,20. p262,14.  
 श्रील, p 262, 14.  
 श्रीवत्स, p 4, n.  
 श्रीवत्सलाञ्छन, p 4, 17.  
 श्रीवास, p 172, 30.  
 श्रीवासस्, p 172 n.  
 श्रीवेष्ट, p 172, 30.  
 श्रीसंज्ञ, p 171, 27.  
 श्रीवृत्तिनी, p 102, 50.  
 श्रुत, p 322, 79.  
 श्रुति, p 39, 3 p162,45.  
 p 321, 76.  
 श्रुत, p 216, n  
 श्रुतन्, p 216, 70  
 श्रेयि, p 239, 5.  
 श्रेणी, p 249, n.  
 श्रेयस्, p 34, 15. p31, 2.  
 p 273, 8.  
 श्रेयसी, p 100,40. p106,  
 3. p 108, 16

## श्रेष्ठ—श्वशु.

- श्रेष्ठ, p 273, 8.  
 श्रेष्ठी, p 249, n.  
 श्रोण, p 149, 48.  
 श्रोणि, p 157, n. p 385 n.  
 श्रोणिफलक, p 157, 25.  
 श्रोणो, p 157, 25. n.  
 श्रोणीफल, p 157, n.  
 श्रोत्र p 162, 45.  
 श्रोत्रिव, p 176, 6.  
 श्रोत्र, p 169, n.  
 श्रोत्रट, p 378, 8.  
 श्रुत्त, p 274, 11.  
 श्रोल, p 262, n.  
 श्लेष, p 289, 11.  
 श्लेषण, p 153, 11.  
 श्लेषन्, p 153, 13.  
 श्लेषल, p 153, 11.  
 श्लेषातक, p 94, 15.  
 श्लोक, p 298, 2.  
 श्वःश्वेयस्, p 31, 3.  
 श्वदंष्ट्रा, p 109, 17.  
 श्वन्, p 252, n.  
 श्वनिष्, p 400, 40.  
 श्वपच, p 252, 20.  
 श्वभ्र, p 56, 2.  
 श्वयथ, p 150, 3.  
 श्वष्टि, p 220, 2.  
 श्वशुर, p 144, 31.

## श्वशु—घण्ड.

- श्वशुरौ, p 146, 37.  
 श्वशुर्य, p 342, 148.  
 श्वन्, p 144, 31.  
 श्वन्श्वशुरौ, p 146, 37.  
 श्वस्, p 382, 22.  
 श्वसन, p 12, 57. p 98, 33.  
 श्वविष्, p 128, 7.  
 श्वित्, p 151, 5.  
 श्वेत, p 36, 22. p 151, n.  
 p 243, 97.  
 श्वेतगरुत्, p 132, 23.  
 श्वेतसरिष्, p 247, 110.  
 श्वेतरक्त, p 37, 25.  
 श्वेतसुरसा, p 103, 51.  
 श्वेता, p 36, n.  
 श्वेत, p 151, n.  
 घटी, p 122, n.  
 घट्कर्म्मन्, p 176, 4.  
 घटपद, p 133, 29.  
 घटभिन्न, p 3, 9.  
 घट्यन्व, p 97, 29.  
 घट्यन्वा, p 109, 21.  
 घट्यन्विक्रा, p 122, 19.  
 घट्ज, p 45, 1.  
 घटानन, p 7, 34.  
 घण्ड, p 146, n. p 236, 62.  
 p 72, 42.

## घटि—संफु.

- घटिक, p 226, 24.  
 घटिक्य, p 221, 7.  
 घण्डातर, p 7, 36.  
 संकन्दन, p 8, 39.  
 संक्रम, p 293, n.  
 संक्राम, p 293, 25.  
 संज्ञ, p 376, n.  
 संज्ञेपण, p 292, 21.  
 संख्य, p 216, 72.  
 संख्या, p 33, 11. p 211, 83.  
 संख्यात, p 275, 14.  
 संख्यान, p 33, n.  
 संख्यावत्, p 176, 5.  
 संख्येय, p 241, 81.  
 संघट, p 40, 7.  
 संघाम, p 216, 74.  
 संघाट, p 213, 5.  
 p 290, 14.  
 संज्ञ, p 148, n.  
 संज्ञपन, p 218, 82.  
 संज्ञा, p 309, 35. p 40, n.  
 संज्ञ, p 148, 47.  
 संज्ञर, p 11, 53.  
 संज्ञोन, p 135, 37.  
 संज्ञाव, p 217, 79.  
 संज्ञाव, p 217, 79.  
 संफुक्त, p 87, 7.

| संज्ञा—संज्ञ.                 | संज्ञा—संग.                     | संगो—सञ्ज.                               |
|-------------------------------|---------------------------------|--|
| संज्ञानो, p 82, 18.           | संज्ञाव, p 292, 23.             | संगोव, p 145, 38.                        |
| संज्ञा, p 232, 46.            | संज्ञाव, p 295, 34.             | संगिव, p 234, 55.                        |
| संज्ञत्, p 216, 74.           | संज्ञाय, p 343, 153.            | सङ्घट, p 279, 34.                        |
| संज्ञत, p 268, 42.            | संज्ञ्या, p 197, 26.            | सङ्घर, p 82, 18.                         |
| संज्ञव, p 291, 18.            | संज्ञ्यान, p 336, 127.          | सङ्घर्ष, p 4, 19.                        |
| संज्ञवन, p 79, n.             | संज्ञ्यत, p 218, 85.            | सङ्घलित, p 281, 42.                      |
| संज्ञाव, p 291, 18.           | संज्ञ्यर्था, p 122, 19.         | सङ्घत्य, p 33, 11.                       |
| संज्ञुग, p 216, 73.           | संज्ञ्ये, p 216, n.             | सङ्घसुक, p 269, 43.                      |
| संज्ञोगित, p 281, n.          | संज्ञ्योट, p 216, 73.           | सङ्घाय, p 256, 38.                       |
| संज्ञोजित, p 281, 41.         | संज्ञ्यत, p 277, 25, p 160, 36. | सङ्घीयं, p 248, 1, p 316, 59, p 279, 35. |
| संज्ञाव, p 44, 2.             | संज्ञ्यतजानु, p 148, n.         | सङ्घल, p 279, 35, p 43, 20.              |
| संज्ञाप, p 42, 17.            | संज्ञ्यतजानुक, p 148, 47.       | सङ्घोच, p 170, 26.                       |
| संज्ञ्यान, p 169, 18.         | संज्ञ्यतल, p 160, 36.           | सङ्घ, p 294, 29.                         |
| संज्ञपूक, p 215, 66.          | संज्ञ्यति, p 135, 40.           | सङ्घत, p 43, 19.                         |
| संज्ञय, p 33, 12.             | संज्ञ्यन, p 156, 21.            | सङ्घन, p 294, n, p 398, 34.              |
| संज्ञथापक्षमानस, p 259, 5.    | संज्ञ्यार, p 59, 2.             | सङ्घर, p 348, 168.                       |
| संज्ञव, p 34, 14.             | संज्ञ्यति, p 40, 9.             | सङ्घीयं, p 285, 58.                      |
| संज्ञ्यत, p 285, 58.          | सङ्घल, p 275, 15.               | सङ्घट, p 281, 42.                        |
| संज्ञेष, p 294, 30.           | सङ्घत्, p 155, n, p 372, 4.     | सङ्घ, p 136, 41.                         |
| संज्ञत्, p 178, n.            | सङ्घत्यज, p 131, 20.            | सङ्घात, p 59, n, p 135, 39.              |
| संज्ञक, p 275, 17.            | सङ्घल, p 65, n.                 | सङ्घि, p 8, n.                           |
| संज्ञदु, p 178, 14.           | सङ्घफला, p 98, 32.              | सङ्घिव, p 360, 208.                      |
| संज्ञरण, p 77, 18, p 316, 57. | सङ्घफली, p 98, n.               | सङ्घी, p 8, n.                           |
| संज्ञसिद्धि, p 55, 37.        | सङ्घयि, p 156, 24.              | सङ्घम्बल, p 75, 10.                      |
| संज्ञार, p 173, 36.           | सङ्घि, p 194, 42.               | संज्ञस, p 377, n.                        |
| संज्ञारज्ञान, p 189, 53.      | सङ्घी, p 140, 12, p 194, n.     | सञ्ज, p 207, 33.                         |
| संज्ञ्युत, p 328, 83.         | सङ्घ्य, p 194, 12.              | सञ्जन, p 199, 1, p 175, 2.               |
| संज्ञार, p 316, 163.          | सङ्घ्य, p 115, 34.              |  |

## सञ्ज—सत्या.

सञ्जना, p 202, 10.  
 सञ्जय, p 135, 39.  
 सञ्चार, p 293, n.  
 सञ्चारिका, p 141, 17.  
 सञ्जवन, p 79, 6.  
 सटा, p 163, 48.  
 सटी, p 122, n.  
 सणसूत्र, p 64, 16.  
 सण्ड, p 146, n.  
 सत्, p 176, n. p324, n.  
 सतत, p 13, 61.  
 सतपुष्पा, p 122, n.  
 सति, p 319, n.  
 सती, p 138, 6. p324, n.  
 सतीनक, p 224, n.  
 सतीर्थ, p 177, n.  
 सतीर्थ्य, p 177, 11, n.  
 सतील, p 221, n.  
 सतीलक, p 224, 16.  
 सत्कुमार, p 10, n.  
 सप्तम, p 273, 8.  
 सन्नी, p 194, n.  
 सन्न, p 361, n.  
 सत्यथ, p 76, 16.  
 सत्य, p 43, 22. p344, 156.  
 सत्यङ्कार, p 240, 83.  
 सत्यवचस, p 186, 42.  
 सत्याकृति, p 240, 83.

## सत्या—सन्न.

सत्यान्त, p 120, 3.  
 सत्यापन, p 240, 83.  
 सत्यापना, p 240, n.  
 सत्, p 351, 183.  
 सत्वा, p 377, 4.  
 सत्विन्, p 194, 15.  
 सन्न, p 32, n.  
 सत्, p 361, 215.  
 सत्वर, p 13, 60.  
 सद, p 178, 15, n.  
 सदन, p 79, 5.  
 सदस्, p 178, 15.  
 सदस्य, p 178, 15.  
 सदा, p 382, 22.  
 सदागति, p 12, 57.  
 सदातन, p 276, 22.  
 सदनीरा, p 69, 33.  
 सदाय, p 198, 28.  
 सद्वत्, p 256, 37.  
 सद्वत्, p 256, 37.  
 सद्वत्, p 256, 37.  
 सदेय, p 275, 16.  
 सद्गन्, p 78, 4.  
 सद्यस्, p 378, 9.  
 सधम्मिणी, p 138, n.  
 सध्मीक, p 266, n.  
 सध्मत्र, p 266, 34.  
 सध्मत्रिणी, p 266, n.

## सन—सन्धा.

सनत्, p 381, n.  
 सनत्कुमार, p 10, 45.  
 सनसूत्र, p 64, n.  
 सना, p 381, 17.  
 सनात्, p 381, n.  
 सनातन, p 276, 22.  
 सनाभि, p 145, 33.  
 सनि, p 183, 52.  
 सनिष्ठेव, p 43, 21.  
 सनी, p 183, n.  
 सनीड, p 275, 16.  
 सन्तत, p 13, 61.  
 सन्तति, p 175, 1.  
 सन्नाप्त, p 284, 52.  
 सन्तसप्त, p 56, 4.  
 सन्नान, p 175, 1. p9, 46.  
 सन्नाप, p 11, 53.  
 सन्नापित, p 284, 52.  
 सन्दान, p 238, 74.  
 सन्दानित, p 282, 44.  
 सन्दाव, p 217, 79.  
 सन्दि, p 280, 35.  
 p 282, 44.  
 सन्देशवाच, p 42, 18.  
 सन्देशहर, p 195, 16.  
 सन्देह, p 34, 12.  
 सन्दोह, p 135, 39.  
 सन्धा, p 329, 105.

| सन्धा—सभ.               | सभा—सम.                 | सम—समा.                 |
|-------------------------|-------------------------|-------------------------|
| सन्धान, p 257, 42.      | सभा, p 79, 6. p178,14.  | समर्धन, p 197, 25.      |
| सन्ध्या, p 24, 3. n.    | p 340, 140.             | समर्धक, p 260, 7.       |
| सन्धि, p195,18.p289,11. | सभाजन, p 287, 7.        | समर्थ्याद, p 275, 16.   |
| सन्धिनी, p 237, 69.     | सभासत्, p 178, n.       | समर्थसिन्नु, p 11, 53.  |
| सन्नकद्रु, p 94, 15.    | समासद्, p 178, 16.      | समवाय, p 135, 40.       |
| सन्नक, p207,33.p269,44. | सभास्तार, p 178, 16.    | समशिला, p 123, 22.      |
| सन्नय, p 343, 153.      | सभिक, p 258, 44. n.     | समसन, p 292, 21.        |
| सन्निकषेण, p 292, 23.   | सभ्य p175,2. p178,16.   | समस्त. p 275, 4.        |
| सन्निकषट, p 275, 16.    | सम, p256,37.p275,14.    | समस्या, p 40, 7.        |
| सन्निध, p 292, n.       | समय, p 275, 15.         | समस्यार्था, p 40, n.    |
| सन्निधि, p 292, 23.     | समङ्गा, p107,9.p119,7.  | समा, p 30, 20.          |
| सन्निवेश, p 82, 19.     | समज, p 136, 42.         | समांसमोना, p 238, 73.   |
| सपत्न, p 193, 10.       | समक्षा, p 41, n.        | समाकर्षिन्नु, p 36, 20. |
| सपदि, p377,2. p378,9.   | समज्या, p41,n,p178,14.  | समाख्या, p 41, n.       |
| सपथ्या, p178, 13.       | समझस, p 197, 24.        | समाघात, p 216, 74.      |
| p 184, 34.              | समधिक, p 277, 25.       | समाज, p 136, 42.        |
| सपिण्ड, p 145, 33.      | समनस्, p 337, 130.      | समाधि, p34,14. p 328,   |
| सपीति, p 234, 55.       | सङ्गन्त, p 379, 13.     | 100.                    |
| सप्तकी, p 166, 10.      | समन्तदुग्धा, p 110, 24. | समान, p12,59.p256,37.   |
| सप्ततन्तु, p 178, 13.   | समन्तभद्र, p 4, 8.      | समानोदर्थ, p 145, 34.   |
| सप्तपर्ण, p 91, 3.      | समन्तात, p 379, n.      | समालम्ब, p 294, 27.     |
| सप्तर्षि, p 21, 28.     | समन्वितलय, p 45, 3.     | समावाय, p 135, n.       |
| सप्तशत, p103,53.p119,8. | समपद्, p 212, n.        | समावृत्त, p 177, 10.    |
| सप्ताहिस, p 11, 51.     | समस्, p 377, 4.         | समासाद्य, p 281, 42.    |
| सप्तान्न, p 22, 30.     | समय, p24,1.p343,151.    | समासाध्या, p 40, 7.     |
| सप्ति, p 202, 12.       | समया, p378,7.p375,14.   | समाहार, p 291, 16.      |
| सफरी, p 65, n.          | समर, p 216, 73.         | समाहित, p 285, 58.      |
| सभर्तृका, p 140, 12.    | समर्थ p 325, 89         | समाहित, p 40, 7.        |

| समा—समु.                                      | समु—सम्य.               | सम्वा—सर.                           |
|---|-------------------------|-------------------------------------|
| समाह्वय, p 258, 46.                           | समुपजोष, p 378, n.      | सम्वाज्, p 191, 3.                  |
| समिति, p178,14. p320,<br>73. p 216, 74.       | समुह्य, p 180, 20.      | सम्ब, p 9, n.                       |
| समिध, p 89, 13.                               | समूक, p 129, 9.         | सम्बत्, p 380, 16.                  |
| समीक, p 216, 72.                              | समूह, p 135, 39.        | सम्बत्सर, p 30, 20.                 |
| समीप, p 275, 16.                              | समृत्, p 261, 11.       | सम्बदन, p 287, 4.                   |
| समीर, p 12, 58.                               | समृद्धि, p 289, 10.     | सम्बदना, p 287, n.                  |
| समीरण, p 12, 58.<br>p 105, 59.                | सम्पत्ति, p 211, 50.    | सम्बनन, p 287, n.                   |
| समुच्चय, p 291, 16.                           | सम्पद, p 211, 49.       | सम्बर, p 129, n.                    |
| समुच्छ्रय, p 343, 154.                        | सम्पराय, p 343, 152.    | सम्बरारि, p 5, n.                   |
| समुष्णित, p 284, 56.                          | सम्परायक, p 216, n.     | स(य)म्बरी, p 107, 6                 |
| समुत्पिञ्ज, p 215, 67.                        | स(य)म्माक, p 91, 4. n.  | सम्बर्त्त, p 30, 22.                |
| समुदक्त, p 281, 39.                           | सम्निधान, p 336, 127.   | सम्बर्त्ति, p 72, n.                |
| समुदय, p 135, 40.                             | सम्पुटक, p 174, 40.     | सम्बर्त्तिका, p 72, 43              |
| समुदाय, p 135, 40.<br>p 216, 74.              | सम्प्रति, p 383, 23.    | सम्बर्त्ती, p 72, n.                |
| समुद्ग, p174, n-p390, 17.                     | सम्प्रदाय, p 287, 7.    | सम्बल, p 398, n.                    |
| समुद्गक, p 174, 40.                           | सम्प्रधारणा, p 197, 25. | सम्बसथ, p 83, 19.                   |
| समुद्वत, p 264, 23.                           | सम्प्रहार, p 216, 73.   | सम्बाहन, p 292, 22.                 |
| समुद्वरण, p 316, 58.                          | सम्ब, p 9, n.           | सम्बित्, p 33, 10.                  |
| समुद्ग, p 60, 1.                              | सम्बल, p 398, n.        | सम्बिद्, p34,14.p33,1<br>p 327, 95. |
| समुद्गफेन, p 246, n.                          | सम्बाकृत, p 222, 9.     | सम्बिदित, p 285, 58.                |
| समुद्गान्ता, p 107, 10.<br>p 113, 4. p117,21. | सम्बाध, p 279, 34.      | सम्बीक्षण, p 294, 30.               |
| समुन्दन, p 294, 29.                           | सम्बली, p 141, n.       | सम्बीत, p 281, 40.                  |
| समुन्न, p 284, 55.                            | सम्बोद, p 70, 35.       | सम्बेग, p 54, 34.                   |
| समुन्नह, p 330, 106.                          | सम्बूष, p54,34.p293,26. | सम्बेद, p 287, 6.                   |
|   | सम्पद, p 31, 2.         | सम्बेध, p 54, 36.                   |
|   | सम्बूच्छन, p 287, 6.    | सम्बेध, p 275, n.                   |
|   | सम्बुद्ध, p 266, n.     | सर, p 212, n.                       |
|   | सम्यक्, p 43, 22.       |                                     |

| सुर—सर्ज्ज.                   | सर्ज्ज—सर्व्वा.             | सर्व्वा—सह.               |
|-------------------------------|-----------------------------|---------------------------|
| सुरक, p 257, 43.              | सर्ज्जरस, p 171, 29.        | सर्व्वाञ्जीम, p 263, 22.  |
| सुरघा, p 133, 26.             | सर्ज्जिका, p 247, n.        | सर्व्वाभिहार p 214, 62.   |
| सुरट्, p 129, n.              | सर्ज्जिकाक्षार, p 247, 109. | सर्व्वाधं. p 3, n.        |
| सुरट्, p 129, 12.             | सर्पं, p 57, 6.             | सर्व्वाधंसिच, p 3, 10.    |
| सुरणा, p 111, n. p 122, 18.   | सर्पराज, p 57, 4.           | सर्व्वाव, p 214, 62.      |
| सुरषि, p 76, 15.              | सर्पिणी, p 57, n.           | सर्पप, p 224, 17.         |
| सुरणी, p 122, n.              | सर्पिस्, p 233, 52.         | सलिख, p 60, 3.            |
| सुरत्नि, p 160, 37.           | सर्पी, p 57, n.             | सल्लकी, p 115, n.         |
| सुरमा, p 252, 23.             | सर्वसङ्गा, p 73, 3.         | सव, p 178, 13.            |
| सुरल, p 100, 40 p 260, 8.     | सर्वे, p 6, 26. p 275, 14.  | सवन, p 188, 46.           |
| सुरलद्रव, p 172, 30.          | सर्वज्ञ, p 6, 28.           | सवयस्, p 193, 12.         |
| सुरला, p 111, 26.             | सर्वतस्, p 379, 13.         | सवङ्गा, p 111, n.         |
| सुरव्य, p 212, n.             | सर्वतोभद्र, p 80, 10.       | सविह, p 22, 32.           |
| सुरस्, p 68, 28.              | p 100, 42,                  | सविध, p 275, 16.          |
| सुरसा, p 111, n.              | सर्वतोभद्रा, p 94, 16.      | सवेध, p 275, 16.          |
| सुरसी, p 68, 28.              | सर्वतोसुख, p 60, 4.         | सव्य, p 279, 34.          |
| सुरसोरुह, p 71, 40. n.        | सर्वदा, p 382, 22.          | सव्येष्ट, p 206, n.       |
| सुरस्वत्, p 60, 1. p 317, 60. | सर्वधुरावह, p 237, 66.      | सव्येष्ट, p 206, 28.      |
| सुरस्वती, p 38, 1. p 69, 34.  | सर्वधुरीण, p 237, 66.       | सव्येष्ट, p 206, n.       |
| सुराव, p 228, 32. n.          | सर्वमङ्गला, p 7, 32.        | सम्रह्यचारिन्, p 177, 11. |
| सरित्, p 68, 29.              | सर्वरस, p 171, 29.          | ससन, p 181, n.            |
| सरित्पति, p 60, 1.            | सर्वला, p 214, 61.          | सस्य, p 89, n.            |
| सरिख, p 60, n.                | सर्वलिङ्गिन्, p 187, 84.    | सस्यसम्बर, p 96, n.       |
| सरिधप, p 224, n.              | सर्ववेदस्, p 177, 9.        | सह, p 377, 4. p 216,      |
| सरीसृप, p 57, 7. n.           | सर्वसङ्गहन, p 214, 62.      | 368, n p 28, n.           |
| सरु, p 213, n.                | स(घ)र्वाणी, p 7, 32.        | सङ्कार, p 94, 14.         |
| सर्ज्ज, p 96, 25.             | सर्वानुभूति, p 111, 26.     | सङ्घरी, p 104, 56.        |
| सर्ज्जक, p 96, 24.            | सर्वानुभोजिन्, p 263, 22.   | सङ्घज, p 145, 34.         |



## सह—साक्षा.

- सहधर्मिणी, p 138, 5.  
 सहन, p 266, 31.  
 सहभोजन, p 234, 55.  
 सहस्र, p 28,14,p216,70.  
 p 368, 234.  
 सहसा, p 378, 7.  
 सहस्र, p 28, 15.  
 सहस्रदंष्ट्र, p 64, 18.  
 सहस्रपत्र, p 71, 40.  
 सहस्रवीर्या, p 123,24.  
 सहस्रवेधि, p 230, 40.  
 सहस्रवेधिन्, p 119, 6.  
 सहस्रांशु, p 22, 32.  
 सहस्राक्ष, p 8, 40.  
 सहस्रिन्, p 207, 30.  
 सहा, p 103, 54. p112,  
 1. p 73, n.  
 सहाचर, p 104, n.  
 सहाय, p 208, 39.  
 सहायता, p 297, 40.  
 सहिष्णु, p 266, 31.  
 सहृदय, p 259, n.  
 सहोदर, p 145, n.  
 सांवातिक, p 63, 12.  
 सांयुगीन, p 210, 45.  
 सांयधिक, p 259, 5.  
 साक, p 377, 4.  
 साक्षात्, p 372, 5.

## साग—साध्वी.

- सागर, p 60, 1.  
 साचि, p 377, 6.  
 सातला, p 120, 9.  
 साति, p 387, 9. p 296,  
 38. p 319, 70.  
 सातिसार, p 153, 10,  
 सातीलक, p 224, n.  
 सात्विक, p 49, 16.  
 सादन, p 79, n.  
 सादिन्, p206,28.p331.  
 109.  
 साधन, p 335, 122.  
 साधारण, p 279, 31.  
 p 256, 37.  
 साधारणा, p 256, n.  
 p 279, n.  
 साधारणी, p 256, n.  
 p 279, n.  
 साधित, p 268, 40.  
 साधित, p 285, 62.  
 साधीयस्, p 369, 237.  
 साधीयसी, p 369, n.  
 साधु, p 329, 104.p175,  
 2. p 272, 1. p138,n.  
 साधुवाहिन्, p 202, 12.  
 साध्य, p 2, 5.  
 साध्वस्, p 50, 21.  
 साध्वी, p 138, 6.

## सानु—सार.

- सानु, p 85, 5.  
 सान्त्वन, p 189, 51.  
 सान्त्, p43,19.p196,21.  
 सान्द्रिक, p 198, 29.  
 सान्द्र, p205,30.p275,15.  
 सान्त्वाय, p 181, 26.  
 सापत्य, p 193, n.  
 साप्पदीन, p 194, 12.  
 सामधेनी, p 180, 21.  
 सामन्, p 39,4.p196 21.  
 सामनी, p 238, n.  
 सामाजिक, p 178, 16.  
 सामान्य, 33, 9.  
 सामि, p 374, 11.  
 सामुद्र, p 230, 41.  
 साम्प्राधिक, p 216, 72.  
 साम्प्रत, p 379, 11.  
 p 383, 23.  
 साम्प्रत्यर, p 194, 14.  
 सा(या)स्वरी, p250,11.p.  
 साय, p 24, 3.  
 सायक, p 298, 2.  
 सायम्, p24,3 p381,19.  
 सार, p88,12.p349.173.  
 सारङ्ग, p130;17.p305,21.  
 सारधि, p 206, 27.  
 सारभेय, p 252, 22,  
 सारव, p 70, 36.

| सार—सिंहा               | सिंहा—सिन्दु              | सिन्दू—सुद्ध.            |
|-------------------------|---------------------------|--------------------------|
| सारस, p132,22,p71,40.   | सिंहासन, p 198, 31.       | सिन्दूर, p 246, 105.     |
| सारसन, p 166, 10.       | सिंहास्य, p 110, 22       | p 396, 31                |
| सारसना, p 207, 31.      | सिंही, p 112, 2.          | सिन्दु, p 59, 2. p60, 1. |
| सारिका, p 386, 8.       | सिकता, p 321, 76.         | p 229, 103               |
| सारोष्ट्रिक, p 58, n.   | सिकतामय, p 62, 9.         | सिन्धुज, p 230, 12.      |
| सार्ध, p 136, 41.       | सिकतावत्, p 75, 11.       | सिन्धुसङ्गम, p 70, 35.   |
| सार्धवाह, p 239, 78.    | सिकथक, p 246, 108         | भिरा, p 154, 16.         |
| साह, p 284, 55.         | p 299, 5                  | सिद्धकी, p 115, n.       |
| साह, p 377, 4.          | सित, p 37,22 p282,14      | सिद्ध, p 171 30.         |
| सार्धभौम, p16,5,p191,2. | p 323,53 p282,18          | सीकर, p 17, n.           |
| साल, p 65, n. p96, 25.  | सितच्छा, p 122, 17.       | सीता, p 223, 11          |
| p 78, n.                | सितशि(सि)व, p 230, n.     | सीतीनक, p 224, n.        |
| सालपर्णी, p 113, 3.     | सितमूक, p 223, 15.        | सीत्य, p 222, 8.         |
| साला, p 79, n.          | सिता, p 37,n,p231,13.     | सीमन् (वा), p 83, 20.    |
| सालूर, p 67, n.         | सिताम्ब, p 172 32.        | सीमन्त, p 391, 19.       |
| सालूक, p 70, n.         | सिताम्भोज, p 71, 11.      | सीमन्तिनी, p 137, 2      |
| सालेय, p 119, n.        | सिति, p 324, n.           | सीर, p 223, 14.          |
| सावर, p 94, n           | सिंह, p 2, 6 p283, 50.    | सीरपाणि, p 4, 19.        |
| सास्त्रा, p 236, 63.    | सिद्धान्त, p 34, 13       | सीवन, p 287, 5           |
| साहस, p 196, 21.        | सिद्धार्थ, p 224,18,p3,n. | सीसक, p 246, 106.        |
| साहस्र, p 297, 13.      | सिद्धि, p 112, 31         | सीङ्गण्ड, p 110, 24.     |
| सिंह, p 127, 1.         | सिध्म(—न्),p 150, 4. n    | सु, p 377, n             |
| सिंहतल, p 160, n.       | सिध्मल,p153,12,p387,10    | सुकन्दक, p 121, 13.      |
| सिंहनाद, p 217, 75.     | सिथ्य, p 20, 23.          | सुकरा, p 238, 71.        |
| सिंहपुच्छी, p 108, 11.  | सिधिका, p 386, 8.         | सुकल, p 260, 8           |
| सिंहसंज्ञनन, p 261, 12. | सिनीवाली, p 26, 9.        | सुकुमार, p 278, 27.      |
| सिंहा(वा)ण (न), p 244,  | सिन्द (सु)क, p102,18.n    | सुद्धव, p 31, 2          |
| 99.n.                   | सिन्द (सु)वार,p102,19.n   | सुद्धतिन्, p 259, 3.     |

| सुक्क—सुन्द.                 | सुन्द—सुर.                | सुर—सुधे                  |
|------------------------------|---------------------------|---------------------------|
| सुकष, p 44, n.               | सुन्दरी, p137,4.p272,n.   | सुरलोक, p 1, 1.           |
| सुख, p 31, 3.                | सुपथिन्, p 76, 16.        | सुरभक्तन्, p 15, 1        |
| सुखवचक, p 247, 109.          | सुपर्य, p 6, 25.          | सुरसा, p 112, 2.          |
| सुखसन्देह्या, p 238, n.      | सुपर्यन्, p 1, 2.         | सुरा, p 256, 39           |
| सुखसन्देह्या, p 238, 72.     | सुपार्थक, p 96, 23.       | सुराचार्य, p 20, 25.      |
| सुगत, p 2, 8.                | सुप्रि, p 54, n.          | सुरामण्ड, p 257, 43.      |
| सुगहनादृति, p 179, 18        | सुप्रतीक, p 16, 5.        | सुरालय, p 9, 45.          |
| सुगध्या, p 112, 2            | सुप्रयोगविशिख.p208,36     | सुराद्रज, p 117, 19.      |
| सुगन्धि, p36,20.p114,9.      | सुप्रलाभ, p 42, 17.       | सुरी, p 225, 19           |
| सुगन्धिक, p 245, n.          | सुभगासुत, p 142, 24.      | सुवचन, p 42, 17.          |
| सुगन्धी, p 36, n.            | सुभिक्षा, p 115, 12.      | सुवर्ण, p241,87.p243,94.  |
| सुचरित्रा, p 138, 6.         | सुम(—न), p 90, n.         | सुवर्णक, p 91, 1.         |
| सुचेलक, p 168, 17.           | सुमनस्(ना), p1,2.p10,3,   | सुवर्णि, p 108, 14.       |
| सुन(ता), p 143, 27. n.       | 53. n. p 90, 17.          | सुवर्णा, p 111, n.p102,   |
| सुतश्रेणी, p 107, 6.         | सुमनोरजस, p 90, 17.       | 51. p113,3 p119,5         |
| सुतात्मजा, p 144, 29.        | सुमेरु, p 9, 45.          | p 114, 7.                 |
| सु(स्त्र)त्वामन्, p 8, 38.n. | सुर, p 1, 2.              | सु(स्त्र)वासिनी,p139,9.n. |
| सुत्वन्, p 177, 10.          | सुरङ्गा, p 386, 8.        | सुविद, p 193, n.          |
| सुदर्शन, p 5, 23.            | सुरज्येष्ठ, p 3, 11.      | सुव्रता, p 238, 72.       |
| सुदाय, p 198, n.             | सु(स्त्र)रत, p 262, 15.n. | सुशयी, p 122,n.p229,n     |
| सुदूर, p 276, 18.            | सुरदीर्घिका, p 9, 44.     | सुशी(शी)म, p 19, 20. n.   |
| सुधर्मन्, p 9, 44.           | सुरद्विष्, p 2, 7.        | सुपमा, p 13, 19.          |
| सुधांशु, p 18, 15.           | सुरनिम्नगा, p 69, 31.     | सुपवि, p 122, n.          |
| सुधा, p9,44. p329,104.       | सुरपति, p 8, 38.          | सुधनी,p122,20.p223,37     |
| सुधी, p 176, 4.              | सुरभि,p36,20.p339,139.    | सुधि, p 56, n.            |
| सुनासीर, p 8, 37.            | सुरभी, p115,11. p36,n.    | सुधिर, p 46, n. p56, n.   |
| सुनिषस्यक, p 121, 14.        | सुरभीरसा, p 115, n.       | सुधेष, p 101, 48.         |
| सुन्दर(रा);p 272, 1. n.      | सुरधि, p 9, 43.           | सुधेषिका, p 111, 27       |

## सुष्ठु - सुप.

- सुष्ठु, p 376, 2. p 381, 19.  
 सुश्रु, p 253, n.  
 सुसंस्कृत, p 232, 15.  
 सुसम, p 272, 1.  
 सुसवी, p 229, n.  
 सुसीम, p 19, n.  
 सुहृद्, p 194, 12.  
 सुकर, p 127, n.  
 सुक्ष्म, p 274, 11. p 311, 146.  
 सुक्क, p 270, 47.  
 सुचि, p 386 8.  
 सुत्न, p 206, 27. p 244, 100. p 318, 64.  
 सुत्न(ति)वाग्द, p 80, 8. n.  
 सुत्नमास, p 146, 39.  
 सुत्नान, p 152, 19.  
 सुत्न्या, p 188, 46.  
 सुत्न, p 254, 28.  
 सुत्नवेष्टन, p 393, 24.  
 सुत्न, p 227, 28. p 326, 93.  
 सुत्न, p 90, n.  
 सुत्ना, p 333, 115.  
 सुत्न, p 143, 27.  
 सुत्नत, p 48, 19.  
 सुत्नोन्मन्नाद, p 264, 23. n.  
 सुत्नकार, p 227, 27.

## सूर - सेम्

- सूर, p 21, 29.  
 सूरसूत, p 22, 33.  
 सूरर(री), p 176, 5 n  
 सूर्य, p 227, n  
 सूर्य (सूर्यी), p 256, 35. n.  
 सूर्य, p 21, 29.  
 सूर्यकान्त, p 390, n.  
 सूर्यतनया, p 69, 32.  
 सूर्येन्द्र सङ्गम, p 26, 8.  
 सूर्यकि, क), p 161, n.  
 सूर्य, p 213, 59.  
 सूर्याल, p 128, n  
 सूर्यिकाक्षर, p 247, n  
 सूर्यि, p 202, 9.  
 सूर्यि(खी)का, p 155, 18. n  
 सूर्यि, p 76, 15.  
 सूर्याट(टी), p 400, 38. n.  
 सूर्यर, p 129, 11.  
 सूर्यि, p 311, 41. n.  
 सेकपात्र, p 63, 13.  
 सेवन, p 63, 13.  
 सेतु, p 76, 14.  
 सेना, p 210, 46.  
 सेनाङ्ग, p 199, 4.  
 सेनानी, p 7, 35. p 207, 39.  
 सेनामुख, p 211, 49.  
 सेनारक्ष, p 207, 29.  
 सेम्षी, p 33, n.

## सेलु - सीम.

- सेलु, p 91, n  
 सेवधि, p 14, n.  
 सेवक, p 193, 9  
 सेवन, p 287, 5  
 सेवा, p 220, 2.  
 सेव्य, p 125, 30  
 सेहिकेय, p 21, 28.  
 सेकत, p 62, 9  
 सेतवाहिनी, p 69, 33  
 सेनिक, p 207, 29.  
 सेम्ष्व, p 230, 42. p 202, 12.  
 सेन्य, p 207, 29. p 210, 16.  
 सेरिक, p 236, 64  
 सेरिन्धी, p 141, 18  
 सेरिभ, p 128, 4.  
 सेरीरोयक, p 104, 55. n.  
 सेट, p 282, 16.  
 सेदर(र्थ), p 145, 36. n.  
 सेपञ्च, p 27, 10.  
 सेपान, p 82, 18  
 से(सौ)भाञ्जन, p 93, n  
 सेम, p 18, 16.  
 सेमप(पा), p 177, 8. n.  
 सेमपीविन्, p 177, 8.  
 सेमराजी, p 108, 11  
 सेमलता, p 118, n.  
 सेमवत्क, p 98, 31. p 300, 9.  
 सेमपञ्जरि(री), p 118, 3 n.

| सोम—स्वन्ध.                                   | स्वन्ध—सोम.                   | सोय—स्यायु                              |
|---|-------------------------------|---|
| सोमवह्निका, p 108, 11.<br>p 118, n.           | स्वन्धशाखा, p 88, 11.         | सोय, p 253, 26.                         |
| सोमवह्नी, p 106, 1.                           | स्वन्धस्, p 158, n.           | सैन्य, p 253, 26                        |
| सोमोद्गता, p 69, 32.                          | स्वन्ध, p 284, 53.            | सोको, p 274, 11.                        |
| सौख्य, p 31, n.                               | स्वल्हन, p 51, 36.            | सोव, p 41, 12.                          |
| सौगन्धिक, p 70, 36.<br>p 125, 32. p 245, 103. | स्वल्हित, p 217, 77.          | सोम, p 135, 39                          |
| सौविक, p 249, 6.                              | स्तन, p 158, 28.              | सो, p 137, 2.                           |
| सौदामनी(न्त्री), p 17, n.                     | स्तनन्धया(त्री). p 147, 41. n | सोधिर्भिषी, p 142, 20                   |
| सौदामिनी, p 17, 11.                           | स्तनपा, p 147, 41.            | सोपुंस, p 135, 38                       |
| सोघ, p 80, 10.                                | स्तनधित्, p 16, 8.            | स्वगार, p 80, 11.                       |
| सोभागिनेय, p 143 24                           | स्तनित, p 17, 10              | स्वगुडल, p 179, 17<br>p 187, 44         |
| सौम्य, p 21, 27. p 346, 163.                  | स्तन्धरोमन्, p 127, 2.        | स्वगुडलशायिन्, p 186, 13                |
| सौर(रि), p 21, n.                             | स्त(स्तु)भ, p 239, 76. n.     | स्वपति, p 177, 8 p 193, 6<br>p 318, 63. |
| सौरभेय, p 235, 60                             | स्तम्भ, p 88, 9 p 225, 21.    | स्थल, p 74, 5.                          |
| सौरभेयो, p 237, 66.                           | स्तम्भकरि, p 225, 21.         | स्थला(लो), p 74, 5. n                   |
| सौराष्ट्रिक, p 58, 10.                        | स्तम्भवन(न्न), p 295, 35      | स्थविर, p 117, 12.                      |
| सौख्यिक, p 250, n                             | स्तम्भहनन, p 295, n.          | स्थविष्ठ, p 285, 61.                    |
| सौवर्चल, p 231, 43. p 217,<br>110.            | स्तम्भेरम, p 200, 3.          | स्याणु, p 6, 30. p 87, 8<br>p 314, 51.  |
| सौविद(—ल्ल), p 193, 3                         | स्तम्भ, p 339, 137.           | स्थान, p 334, 120 p 196,<br>19.         |
| सौवैर, p 230, 59. p 95,<br>17. p 241, 101.    | स्तव, p 41, 12.               | स्थानीय, p 77, 1.                       |
| सौसमिकन्ध, p 395, n.                          | स्तवक, p 89, 16.              | स्थाने, p 379, 71                       |
| सौहित्य, p 237, 56.                           | स्तान्, p 383, n.             | स्थापत्य, p 133, 8.                     |
| स्वन्द, p 7, 35.                              | स्तमित, p 284, 55.            | स्थापनी, p 106, 3.                      |
| स्वन्ध, p 88, 10. p 329, 103                  | स्तुत, p 285, 59.             | स्थामन, p 216, 70.                      |
| स्वन्धदेय, p 201, 7.                          | स्तुति, p 41, 12              | स्थायुक, p 152, 7                       |
|   | स्तुतिपाठक, p 215, 65.        |   |
|   | स्तूप, p 391, 19.             |   |
|   | स्तेन, p 253, 25.             |   |
|   | स्तेम, p 294, 29.             |   |

| स्थाल—सूत.                       | सुधा—सूठ                                 | सू—सूत.                               |
|----------------------------------|--|---------------------------------------|
| स्थाल, p 396, 32.                | सूधा. p 139, 9.                          | सू. p 377, 5.                         |
| स्थाली, p 228, 31, p 99, n.      | सूह(ही), p 110, 24.                      | सूर. p 5, 20.                         |
| स्थालर, p 277, 23.               | सूह. p 52, 27.                           | सूरकर, p 6, 29.                       |
| स्थालिर, p 147, 40.              | सूधं, p 35, 16. p 290, 41.               | सूत, p 54, 31.                        |
| स्थालक, p 170, 23.               | सूधन, p 182, 29. p 12, 57.               | सूति, p 40, 7. p 52, 29.<br>p 385, n. |
| स्थाल्, p 277, 22.               | सूध, p 194, 13. p 290, n.<br>p 362, 216. | सूद, p 12, 59.                        |
| स्थालि, p 197, 26.               | सूध, p 278, 31.                          | सून्दन, p 92, 7. p 204, 19.           |
| स्थालरत, p 277, 22.              | सूधा, p 290, n.                          | सून्दनारोह, p 206, 28.                |
| स्थाला, p 73, 2. p 113, 3.       | सूधी, p 108, 12.                         | सून्दिनी, p 155, 18.                  |
| स्थालायुस्, p 97, 27.            | सूधि, p 288, 9.                          | सून, p 281, 12.                       |
| स्थाली, p 203, n.                | सूधि, p 52, 27.                          | सूाल, p 111, n.                       |
| स्थाली, p 256, 35. p 315, 53.    | सूधि, p 290, 41.                         | सू(सू)त(न), p 227, 26, n.             |
| स्थाल, p 274, 10. p 359,<br>206. | सूधा. p 58, n.                           | सूति, p 287, 5.                       |
| स्थाललक्ष(व्य), p 260, 6, n.     | सू(सू)रण, p 289, 10, n.                  | सूनाक, p 99, n.                       |
| स्थालशटक, p 168, 17.             | सूति, p 288, 9.                          | सूंसिन्, p 92, 9.                     |
| स्थालशटका, p 168, n.             | सूिच, p 157, 26.                         | सूज्, p 173, 36.                      |
| स्थालोच्चय, p 343, 150.          | सूिदर, p 274, 13.                        | सूवङ्गर्भा, p 337, 69.                |
| स्थाल्यस्, p 277, 22.            | सूट, p 87, 7. p 278, 31.                 | सूवन्ती, p 69, 30.                    |
| स्थाल्येय, p 117, 20.            | सू(सू)टन, p 287, 5, n.                   | सू(सू)वा, p 196, 2 n.                 |
| स्थाली, p 203, 14.               | सूर, p 289, n.                           | सूट, p 3, n.                          |
| सू(सू, सू)व, p 288, 9, n.        | सू(सू)ज्ज्युं, p 17, 11, n.              | सूस्त, p 284, 53.                     |
| सूातक, p 186, 42.                | सूरण(या), p 289, 10, n.                  | सूाक्, p 376, 2.                      |
| सूान, p 170, 23.                 | सूलन, p 289, n.                          | सू(सू)च, p 181, 24, n.                |
| सूाद्यु, p 155, 17.              | सूलिङ्ग, p 11, 53.                       | सूत, p 281, 42.                       |
| सूिग्ध, p 193, 12. p 232, 46.    | सूज्जक, p 95, 19.                        | सूव, p 181, 24.                       |
| सूु, p 85, 5.                    | सूेन, p 391, 19.                         | सूवाटल, p 95, 18.                     |
| सूुत, p 281, 42.                 | सूेड, p 285, 62.                         | सूोतस्, p 62, 11.                     |

| स्रोत—स्वर्ण                | स्वर्ण—खेद                     | खैर—हरि                   |
|-----------------------------|--------------------------------|---------------------------|
| स्रोतखनी, p 69, p.          | स्वर्णकार, p 249, 8.           | खैर(रिन्), p 262, 15 n    |
| स्रोतखिनी, p 69, 30.        | स्वर्णक्षीरो, p 119, 3.        | खैरता, p 286, n.          |
| स्रोतोञ्जन, p 244, 101.     | स्वर्ण(नं)दी, p 9, 44. n.      | खैरिणी, p 139, 11.        |
| स्रोतोवहा, p 69, n.         | स्वर्मानु, p 21, 28.           |                           |
| स्व, p 361, 213, p 145, 34. | स्वर्णस्या(ष्या), p 10, 17, n. | ह, p 377, 5               |
| स्वच्छन्द, p 262, 15.       | स्वर्णैद्य, p 9, 46.           | हंस, p 132, 23.           |
| स्वजन, p 145, 34.           | स्वस्व, p 144, 29.             | हंसक, p 167, 11           |
| स्वतन्त्र, p 262, 15.       | स्वस्ति, p 372, 3.             | हंसी, p 132, n            |
| स्वधा, p 378, 8.            | स्वस्तिक, p 80, 10.            | हञ्जे(खडे), p 49, 15.     |
| स्वधिति, p 213, 60.         | स्वस्त्रीय(या), p 145, 32, n.  | हड्ड, p 391, 18.          |
| स्वन, p 44, 1.              | स्वाति, p 400, 38.             | हट्टविलासिनी, p 116, 18   |
| स्वनित, p 282, 44.          | खादु, p 327, 97.               | हठ, p 217, 77.            |
| स्वप्न, p 54, 36.           | खादुकण्ठक, p 95, 17.           | हत, p 268, 41.            |
| स्वप्नज, p 266, 33.         | p 109, 17.                     | हतु, p 116, 18, p 161, 41 |
| स्वभाजन, p 287, 7. n.       | खादरसा, p 120, 9.              | हनु, p 161, n.            |
| स्वभाव, p 55, 38.           | खादो, p 111, 26.               | हन्त, p 372, 6.           |
| स्वभू, p 3, 13.             | खाध्याय, p 187, 46.            | हज, p 282, 46.            |
| स्वयम्, p 380, 16.          | खान, p 41, 1.                  | हय(थी), p 202, 12. n.     |
| स्वयम्भु, p 3, 11.          | खान्त, p 33, 9.                | हयन, p 204, 20.           |
| स्वयम्बरा, p 138, 7.        | खाप, p 54, 36.                 | हयपुच्छी, p 119, 4.       |
| खर्, p 1, 1.                | खापतेय, p 242, 90.             | हयमारक, p 104, 57.        |
| खर, p 39, 5.                | खामिन्, p 261, 10.             | हर, p 6, 29               |
| खरिता, p 286, 2.            | खाराज्, p 8, 39.               | हरण, p 198, 28.           |
| खरु, p 9, 43 p 348, n.      | खाहा, p 180, 21, p 378, 8.     | हरि, p 127, 1. p 350, 177 |
| खरूप, p 86, 558.            | खित्, p 372, 3.                | हरिचन्दन, p 9, 46.        |
| खरूपा, p 338, 134.          | खेद, p 54, 33.                 | p 172, 33.                |
| खर्ग, p 1, 1. p 305, 23.    | खेदज, p 271, 51.               | हरिण, p 128, 8. p 37, 20  |
| खर्ण, p 243, 94.            | खेदनी, p 228, 30.              | p 315, 53.                |

## हरि - हलि

- हरिणी, p 815, 53.  
 हरित्, p 37, 24. p15,2.  
 हरित्, p37,24. p391,19.  
 हरितक, p 229, 34.  
 हरिताल, p 396, 32.  
 हरितालक, p 245, 104.  
 हरिदश, p 22 30.  
 हरिद्रा, p 230, 41.  
 हरिद्राम, p 37, 24.  
 हरिद्रु, p 109, 20.  
 हरिन्मणि, p 243, 92.  
 हरिम्रिया, p 5, 22.  
 हरिमन्वज(ज), p224, 18.n  
 हरिवालु(सु)क, p114, 9.n.  
 हरिहय, p 8, 39.  
 हरीतकी, p 100, 40.  
 हरेणु, p114, 8.p224, 16.  
 हर्य, p 80, 9.  
 हर्यञ्ज, p 127, 1.  
 हर्ष, p 31, 2.  
 हर्षमाण, p 260, 7.  
 हल, p 223, 13. p393, n.  
 हलो, p 49, 15.  
 हलायुध, p 4, 18.  
 हलाहल, p 58, 10. n.  
 हलिन्, p 4, 19.  
 हलिप्रिय, p 96, 22.  
 हलिप्रिया, p 256, 39.

## हल्य - हाव

- हल्य, p 222, 8  
 हल्या, p 297, 41  
 हल्लक, p 70, 36.  
 हव, p 288, 8.p360, 209.  
 हविस्, p181, 26.p233, 52.  
 हव्य, p 131, 24.  
 हव्यपाक, p 180, 22.  
 हव्यवाहन, p 11, 51.  
 हस, p 49, 18.  
 हसनी, p 228, 30  
 हसन्ती, p 227, 29  
 हस्त, p169, 37.p317, 61.  
 हस्तघा(वा)रण, p287, 5.n.  
 हस्तिन्(नी), p 209, 2 n.  
 हस्तिनख, p 82, 17.  
 हस्तिपक, p 206, 27.  
 हस्तमारोह, p 206, 27.  
 हा, p 376, 18.  
 हाटक, p 243, 94.  
 हायन, p30, 20.p331, 110.  
 हार, p 165, 6.  
 हारि(री)व, p 134, 34.n.  
 हाह्, p 52, 24.  
 हाल, p 223, n  
 हाल(ला)हल, p 58, n.  
 हाला, p 256, 39.  
 हालिक, p 236, 64.  
 हाव, p 53, 32

## हास - हिमा

- हास, p 50, 19.  
 हासिका, p 50, n.  
 हास्तिक, p 200, 4.  
 हास्य, p 50, 19.p49, 17.  
 हाहल, p 58, n.  
 हाहा, p 10, 48, n.  
 हाहाहल, p 10, n.  
 हिंसा, p 367, 231.  
 हिंसाकर्मानु, p 291, 19.  
 हिंस्र, p 265, 28.  
 हि, p 376, 18. p377, 5.  
 हिक्का, p 386, 8.  
 हिहु, p 230, 40.  
 हिहुनिर्यास, p 100, 42.  
 हिहुपलो, p 230, n.  
 हिहुलासु, p 392, 20.n.  
 हिहुनी, p 112, 2  
 हिज्जल, p 100, n.  
 हिण्डर, p 246, n.  
 हिण्डीर, p 246, 105.  
 हि(ही)न्नाल, p126, 35.n.  
 हिम, p 19, 21.  
 हिमवत्, p 81, 3.  
 हिमवालुक, p 172, 32.  
 हिमसंहति, p 19, 20.  
 हिमांयु, p 18, 15.  
 हिमानी, p 19, 20.  
 हिमावती, p 119, 3.



## हिर—हृद.

- हिरण्य, p 243, 34.  
 हिरण्यगर्भ, p 3, 11.  
 हिरण्यरेतस्र, p 11, 51.  
 हिरण्यशोच(ह्र), p 69, 34.n.  
 हिरक, p 376, 3, p 378, 7.  
 हिलभौचिका, p 123, 23.  
 ही, p 378, 9.  
 हीन, p 337, 180.  
 p 284, 56.  
 हीर, p 6, n.  
 हतभुक्प्रिया, p 180, 21.  
 हतभुज्, p 11, 51.  
 ह्रम, p 380, n.  
 ह्रह्र(ह्रह्र), p 10, 48.n.  
 ह्रति, p 40, 9. p 288, 8.  
 ह्रम्, p 375, 14, p 381, 18.  
 ह्रि(नी)या, p 295, 32 n.  
 ह्रीणी, p 295, n.  
 हृद्, p 33, 9. p 145, 15.  
 हृदय, p 33, 9.  
 हृदयङ्गम, p 43, 19.  
 हृदयवत्, p 259, n.  
 हृदयास, p 259, 3.

## हृद—हैम.

- हृदयिक(न्), p 259, n.  
 हृद्य, p 272, 3.  
 हृषीक, p 34, 17.  
 हृषीकोष, p 3, 13.  
 हृष्ट, p 284, 52.  
 हृष्टमानस, p 260, 7.  
 हृष्टिष्ठ, p 285, 62.  
 हे, p 373, 7.  
 हेति, p 320, 73,  
 हेत, p 32, 6.  
 हेमकुट, p 84, 8.  
 हेमदुग्धक, p 91, 2.  
 हेमन्, p 243, 94.  
 हेमन्, p 22, 18.  
 हेमपुष्पक, p 101, 44.  
 हेमपुष्पिका, p 103, 52.  
 हेमा, p 29, n.  
 हेमाद्रि, p 9, 45.  
 हेरस्व, p 7, 34.  
 हेला, p 51, n. p 53, n.  
 हेषा, p 203, 15.  
 है, p 378, 7.  
 हैम, p 403, n.

## हैम—ह्लादि.

- हैमवती p 7, 32. p 100,  
 40. p 109, 21 p 119, 3.  
 हैमी, p 403, n.  
 हैयङ्गवीन, p 234, 52.  
 होट, p 178, 16.  
 होम, p 178, 13.  
 होरा, p 387, 10.  
 ह्यम्, p 382, 22.  
 ह्रि(ह्रिणी)या, p 295, n.  
 ह्रद, p 67, 25.  
 ह्रदिनी, p 17, 10, p 69, 30.  
 ह्रिष्ठिष्ठ, p 285, 62.  
 ह्रस्व, p 148, 46, p 276, 20.  
 ह्रस्वगवेषुका, p 113, 5.  
 ह्रस्वाङ्ग, p 119, 8.  
 ह्रादिनी, p 9, 42, p 69, n.  
 p 333, 115.  
 ह्रि(ह्री)वेर, p 114, 10 n.  
 ह्री, p 51, 23.  
 ह्रीण, p 281, 41.  
 ह्रीती, p 281, 41.  
 ह्री(ह्री)षा, p 203, 15.n.  
 ह्रादिनी, p 115, 12

अभिधानचिन्तामणिः ।

(सङ्क्षिप्तटीकासहितः)

आचार्य श्रीहेमचन्द्रसूरिविरचितः ।



वेदान्तवागीशीपनामक-श्रीकातीवर शर्मणा

ब्रह्मपुर-वास्तव्येन

श्रीरामदास सेनेन च संस्कृतः ।



कलिकातानगरे

श्रीशुक्त वावु भुवनचन्द्रवसार्क-संस्थापितसंवाद्

आनन्ददाकराख्य यन्त्रे तद्द्वारेण

१९३४ संवत्सरे

मुद्रितं प्रकाशितम् ।

मिमतलाघाट इन्ड्रीट ८ संख्यक भवन ।



## विज्ञापनम् ।

प्रबन्धचिन्तामण्यादि-जैनेतिहासग्रन्थेषु तु ज्ञानाधा-  
 चार्य्यप्रभृतिभिर्जैनेरेवमाख्यायते, विक्रमार्कसमयात् प्रग-  
 तेषु ११६६ नवनवत्यधिकैकादशसम्बत्सरेषु राजा कुमार-  
 पालो राज्यस्यकार । तदा च तदीयदेशिकः श्रीहेम-  
 चन्द्राभिधः सूरौत्युपनामको विदग्धशिरोमणि-राचार्य्यो  
 बभूव । तेनैवाचार्य्येणाऽभिधानमिदं निर्माय राज्ञे कुमार-  
 पालायोपदीकृतमासीत् । अपरमप्येकमभिधानमनेकार्थ-  
 शब्दसंग्रहाख्यं सिद्धशब्दानुशासन-नामकञ्च व्याकरण-  
 मेतस्मादेवाचार्य्यदेतस्याभिधानचिन्तामणोः प्राशुदयं लेभे ।  
 राजा कुमारपाल-सत्तदुग्रग्रन्थगुणानवगन्तु प्रचयेषु च  
 शिष्यप्रशिष्येषु भ्रामयितुं नानादेशीयान् पण्डितान् सबद्ध-  
 मानमाह्वयतेभ्यस्तत्तदुग्रग्रन्थान् निवेदयामास । ते च  
 सर्वे पद-वाक्य-प्रमाणनिपुणाः पण्डितास्तांस्तान् ग्रन्थान्  
 सयत्नमालोच्य सहर्षमाह राजन् सर्वमवदातं सर्वं  
 चतुरस्रं सर्वं सञ्ज्ञैतः शुद्धं विशेषतोऽयमभिधानचिन्ता-  
 मणिः सर्वेष्वपि कोषेषु समीचीन इति मतिरस्माकम् ।  
 तद्योवदेतस्याभिधानचिन्तामणोः समीचीनताख्यातिः सर्वत्र  
 प्रचरति । तदेतादृशस्य समीचीनकोषस्य दुर्लभ्यता-  
 निराकरणमतीवावश्यकमिति मत्वा पञ्चनवत्यधिकसप्त-

दशशतशकसम्बन्धरेऽस्माकमेतन्मुद्रणो मतिरभूत् । तत  
 चारभ्यास्माभिर्बहुयत्नतो नानादेशानि पुस्तकान्याहृत  
 पाठशुद्धिं विधाय सम्प्रदायपरम्परागतखण्डटीप्यन-  
 वाक्यानि च सङ्कलयन् यथास्थानं सन्निवेश्य सर्वतः संशो-  
 ध्याऽस्य सुद्राङ्कनविधिः समर्थितः । तत्कृतनाममाज्ञायाः  
 शिखोष्णनामकश्चापरः परिशिष्टालकचन्द्रोपन्योऽप्यत्र  
 पुस्तकशेषे संयोजितः ।

ये च श्रीहेमचन्द्रसूरिनामकार्यस्य राज्ञश्च कुमार-  
 पालस्य जीवनवृत्तान्तजिज्ञासवस्तैः सर्वैर्ब्रह्मपुरवास्तव्येन  
 सुप्रसिद्धभूयधिकारिणा श्रीमता रामदास सेनेन कृतमैति-  
 हासिक रहस्याख्यं वङ्गभाषा पुस्तकं द्रष्टव्यम् । तत्र तेन  
 महोदयेन राज्ञः कुमारपालस्य हेमचन्द्राचार्यस्य च सर्वं  
 जीवनवृत्तं सुनिपुणं व्यलेखि ।

इदानीन्त्वयं प्रार्थना विद्वज्जनसकाशे ।

विमृष्य सुद्रितोऽयं मे यथाशक्ति यथामति ।

यदत्र दृष्टं किमपि विद्वांसः शोधयन्तु तत् ॥

इत्यलम्प्लवितेन ।

वेदान्तवागीशोपनामक-

श्रीकालीवरशर्मा भट्टाचार्यस्य ।

श्रीगणेशायनमः ।

## अभिधानचिन्तामणौ ।

देवाधिदेव काण्ड ।

प्रथमः ।

(१) प्रणिपत्या ऽर्हतः सिद्धसाङ्गशब्दानुशासनः ।

रूढयौगिकमिश्राणां नाम्नां मालां तनोम्यऽहम् ॥१॥

(२) व्युत्पत्तिरहितः शब्दा रूढा आखण्डलादयः ।

योगो ऽन्वयः स तु गुणक्रियासम्बन्धसम्भवः ॥ २ ॥

गुणतो नीलकण्ठाद्याः क्रियातः स्रष्टृसन्निभाः ।

स्वस्वामित्वादि सम्बन्ध सात्ता ऽङ्गनाम तद्वताम् ॥३॥

स्वात् पाल-धन-भुग्-नेष्ट-पति-सत्वर्थका-ऽदयः ।

भूपालो भूधनो भूभुग् भूनेता भूपति साथा ॥४॥

भूमांश्चेति कविरूढ्या (३) ज्ञेयोदाहरणावली ।

(१) अहं हेमचन्द्राचार्यः नाम्नां मालान्तनोमीति क्रिया संटङ्गः, नामच नाम्नीच नामानिच नामानि, तेषां नाम्नां, स्यादावसंख्येय इत्येकशेषः, किं एतानां नाम्नां ? रूढानिच कविपरम्परागतत्वात् प्रसिद्धानि, यौगिकानिच गुणक्रिया स्वस्वामित्वादि सम्बन्धलक्षण योगात् जातानि । किं एतेह ? सिद्धं निष्पन्नं प्रतिष्ठं प्राप्तं साङ्गं निष्कानुशासन धातुपारायणादिभि रङ्गैः सङ्घतं शब्दानुशासनं श्रीविद्द हेमचन्द्राभिधानं व्याकरणं यस्य स सिद्धसाङ्गशब्दानुशासनः ।

(२) रूढाऽङ्गद्वान् व्याख्याति व्युत्पत्तीति । व्युत्पत्त्या धातुप्रत्यय-विभागेन रङ्गिताः अन्वर्थवर्जिताः शब्दानामानि रूढाः अव्युत्पन्नाः कविजनप्रसिद्धाः उच्यन्ते इति शेषः, ते के ? इत्याह आखण्डलादय इति ।

(३) कवीनां रूढिः परम्परायाता प्रसिद्धिः तथा नतु कविरूढप्रति

(४) जन्यात्कृत्-कर्त्-खट्-खट्ट-विधाट्-कर-कू-समाः ॥५॥

(५) जनकाद् योनि-ज-रुह-जन्म-भू-सूत्य ऽयादयः (१) ।

(७) धार्थात् ध्वजा-ऽस्त्र-प्राण्य-ऽङ्क-मौलि-भूषण-भ्रन्निभाः ॥६॥

क्रमेण, यथा कपालीत्यादौ सत्यपि स्रस्त्रामिसम्बन्धे कपालीतिमत्तया-  
यान्त एव भवति न तु कपालपालः कपालधनः कपालभुक् इत्यादि ।

(४) जन्यजनकभावसम्बन्धो यथा जन्यात् कार्यात्परे कदादय  
सदृशतां जनकानां कारणानां नामाङ्कः, यथा, विश्वकत् विश्वकर्त्ता विश्व  
खट् विश्वखटा विश्वधाता विश्वकरः विश्वसूः ब्रह्मा, तस्यहि विश्वं  
जन्यमिति रुढिः, समग्रशब्द आद्यर्थैः तेन विश्वकारकः विश्वजनक इत्याद्युपि  
कविरूढे प्रत्येव न हि यथा चित्रकदुच्यते तथा चित्रसूरिति भवति ।

(५) तथा जनकात्परे योन्यादयः शब्दाः तद्वृत्तां कारणवती कार्या-  
णां नामाङ्कः, यथा, आत्मयोनिः आत्मजः आत्मरुहः आत्मजन्म आत्मभूः  
आत्मसूतिः ब्रह्मा, तस्य ह्यात्माकारणमिति रुढिः, वक्ष्यमाणस्यादि  
शब्द स्रामिसम्बन्धात् सम्भवदयोपि षट्स्थाने ।

(६) अणादयस्तु भ्रगोः पत्यं भार्गवः दितेरपत्यं दैत्यः वक्ष्यस्यापत्यं  
वात्स्रायन, इत्यादि अत्रापि, भार्गवादीनां भ्रगवाद्योजनका इति रुढिः  
कविरूढे प्रत्येव, न हि आत्मयोनि वदात् जनकः आत्मकारकः इति  
भवति ।

(७) धार्थाधारकभावसम्बन्धे यथा धार्थात्परे ध्वजादयः शब्दाः  
धारकस्य नामाङ्कः, यथा, वृषध्वजः शूलास्त्रः पिनाकपाणिः वृषाङ्कः  
चन्द्रमौलिः शशिभूषणः शूलभृत्, निभयङ्गणात् तस्य वृषाः षट्स्थाने यथा-  
वृषकेतनः शूत्रायुधः वृषलक्ष्मा चन्द्रशिराः चन्द्राभरणादयः, तथा  
पिनाकशाली शशिसेखरः शूली पिनाकमाली पिनाकभर्ता गङ्गाधरः  
करिखट्टे प्रत्येव, तेन, सत्यपि धार्थाधारकभावसम्बन्धेन सर्वेभ्यो ध्वजा-  
द्यर्थैः शब्दाः संयोज्याः, न हि भवति वृषध्वजवत् शूलध्वजः शूलास्त्र-  
वच्चन्द्रास्त्रः पिनाकपाणिवद्धिपाणिः वृषाङ्कवच्चन्द्राङ्कः चन्द्रमौलिवत्  
गङ्गामौलिः शशिभूषणवत् शूलभूषणः ।

पिनाकं विश्वते धारयतीति कृत्वा पिनाकभर्ता इत्यपि

शालि-शेखर-मत्वर्ध-मालि-भर्तृ-धरा अपि । (॥७॥

८) भोज्यात् भुग-ऽन्वो-व्रत-लिट्-पायि-पा-ऽशा-ऽशुना-ऽदय  
पत्युः कान्ता-प्रियतम-बधू-प्रणयिनी-निभाः (८) ।

कलत्रात् वर-रमण-प्रणयो-श-प्रिया-ऽदयः ॥ ८ ॥

(१०) सख्युः सखिसमा<sup>११</sup> बाह्यात् गामि-याना-ऽसमादयः ।

(१२) ज्ञातेः क्लृप्-दुहिवा-ऽत्मजा-ऽग्रजा-ऽवरजा-ऽदयः ॥ ८ ॥

(११) आश्रया त्स्त्रपय्याय-शय-नासि-सदा-ऽदयः ।

१४) बध्यात् मि-हेपि-जि-ह्वाति-भुग-ऽरि-ध्वंसि-शासनाः ॥ १० ॥

पय-ऽन्तकारि-दमन-दर्प-क्वित्-मयना-ऽदयः ।

विवशितो हि सम्बन्ध एकतो ऽपि पदान्ततः ॥ ११ ॥

(८) भोज्यभोजकभावसम्बन्धे क्लृप् मधुव्रतादयो ज्ञेयाः ।

(८) निभप्रहणात्-रमणी, वस्तुभा, प्रिया प्रभृतयो ऽदयान्ते कवि-  
रुडे प्रत्येव ।

(१०) सखिवाचकात् शब्दात् परे सासमानायाः शब्दाः तद्वतां-  
स्यवतां नामाङ्कः, यथा, श्रीकण्ठस्य सखा श्रीकण्ठस्यः कुवेरः, मधु-  
पयः कामः, समप्रहणात् संहृदादयो ऽदयान्ते कविरुडे प्रत्येव, नहि भवति  
यथा श्रीकण्ठस्य धनदस्ता धनदस्ताः श्रीकण्ठ इति ।

(११) बाह्यावाहकसम्बन्धो यथा, हृषगामी हृषयानः हृषासनः  
शम्भुः, आदिशब्दाद्दृषवाहनादयो ऽदयान्ते ।

(१२) यमस्यसा यमुना, हिमवद्वहिता गौरी, दशरथात्मजो रामः  
गदायजः कृष्णः, रामायरजः लण्णोलङ्गणस्यः, आदिशब्दात् रामानुजा-  
दयो ऽपि ऽदयान्ते ।

(१३) आश्रयाश्रयिभावसम्बन्धे, युसङ्गानो देवाः युश्रयाः युवा-  
सिनः द्युसदः ।

(१४) बध्वबधकभावसम्बन्धो यथा, पुरशब्दादये भिदादयो  
योजिताः शिवनामानि स्युः, यथा, पुरभित् पुरक्षेपी पुरजित् पुरघातिः  
पुरधुक् पुरारिः पुरध्वंसो पुरशासनः पुरान्तकारी. पुरदमनः पुरदर्प-  
शब्द पुरमथनः ।



प्राक्प्रदर्शितसम्बन्धि शब्दा योज्या यथोचितम् ।

दृश्यते खलु वाच्यत्वे वृषस्य वृषवाहनः ॥१२॥

स्वत्वे पुन वृषपति धीर्यत्वे वृषलाभनः ।

अंशो धीर्यत्वे ऽंशुमाली स्वत्वे ऽंशुपति रंशुमान् ॥१३॥

बध्यत्वे ऽहेर ऽहिरिपु भीष्यत्वे चा ऽहिभक् शिखी ।

चिक्रे व्यक्तै भवेत् व्यक्तेर्ज्जातिशब्दो ऽपि वाचकः ॥१४॥

तथा (१५) ह्यऽगस्तिपूतादिग् दक्षिणा-ऽशा निगद्यते ।

अयुग्-विषमशब्दौ त्रि-पञ्च-सप्त-दिवाचकौ ॥ १५ ॥

(१६) त्रिनेत्र पक्षेषु सप्त पलाशा-ऽदिष्टु योजयेत् ।

(१७) गुणशब्दो विरोध्यर्थं नजां ऽदि इतरो-त्तरः ॥१६॥

अभिधत्ते यथा कृष्णः स्वाद् ऽसितः सितेतरः ।

(१८) वाङ्मार्दिषु पदे पूर्व्वे वडवाग्नादिषु क्षरे (१९) ॥१७॥

(२०) द्वये ऽपि भूभृदा-ऽद्युः पर्यायपरिवर्त्तनम् ।

एवं परावृत्तिसहा यो गार्त्स्युरिति यौगिकाः ॥१८॥

(१५) तथा सप्तर्षिपूतादिक् उत्तराशाः ॥१५॥

(१६) अयुङ्नेत्रो विषमनेत्रश्च गन्धुः, अयुगिषु विषमेषु कामः, अयुक्पलाशो विषमपलाशश्च सप्तर्षी नाम छन्दः, अदिशब्दात् नव-शक्तिः अयुक्शक्तिः विषमशक्तिश्च गन्धुः ।

(१७) गुणशब्दो गुणवाचकः शब्दो नजादिभिर्वितरोत्तरस्य विरोधिनमर्थं अभिधत्ते बोधयतीत्यर्थः ।

(१८) वाङ्मार्दिषु जलधिः तोयधिः आदिशब्दात्-जलदः तोयदः मीरद-इत्यादि ।

(१९) वडवाग्निः वडवानलः वडवावृत्तिः आदिनासरोजं सरोरु-मत्यादि । वन या इत्यत्र वाड्वा इति केचित् ।

(२०) भूभृद् उर्जीभृद् भूधरः उर्जीधरः आदिनासुरपतिः देव-राज इत्यादि ॥

२१) मित्राः पुनः परावृत्तप्र-ऽसहा गीर्वाण सन्निभाः (२२) ।

प्रवक्ष्यन्ते ऽत लिङ्गं तु ज्ञेयं लिङ्गानुशामनात् ॥ १८ ॥

देवाधिदेवाः प्रथमे काण्डे देवा द्वितीयके ।

नरा तृतीये तिर्यञ्च सूर्य्य एकेन्द्रियादयः ॥ २० ॥

एकेन्द्रियाः पृथिव्य-ऽम्बु-तेजो-वायु-महीरुहः ।

कस्मि-पीलक-सूता-ऽद्याः स्युर्हि-त्रि-चतु-रिन्द्रियाः ॥ २१ ॥

पञ्चेन्द्रिया स्त्रे भ-केकि-मत्स्य-ऽद्याः स्यु-खा-ऽम्बु-गाः ।

पञ्चेन्द्रिया एव-देवा-नरा नैरयिका-श्चपि ॥ २२ ॥

नारकाः पञ्चमे साङ्गाः षष्ठे साधारणाः स्फुटम् ।

प्रसोष्यन्ते ऽव्यया ज्ञा-ऽत त्वन्तायादी न पृथ्वीगौ ॥ २३ ॥

(२२) अर्चन्<sup>१</sup> जिनः<sup>२</sup> पारमत<sup>३</sup> ऽस्त्रिकालवित्<sup>४</sup>

धीणाष्टकम्<sup>५</sup> परमेश्वर<sup>६</sup> शीलो<sup>७</sup> ।

शम्भुः<sup>८</sup> स्वशम्भू<sup>९</sup> भगवान् जगत्प्रभु<sup>१०</sup>

शीर्षिङ्कर<sup>११</sup> शीर्षिकरो<sup>१२</sup> जिनेश्वरः<sup>१३</sup> ॥ २४ ॥

स्याद्वाद्य<sup>१४</sup> अभयद<sup>१५</sup> सार्वीः<sup>१६</sup>

सर्वज्ञः<sup>१७</sup> सर्वदेव<sup>१८</sup> केवलिनौ<sup>१९</sup> ।

(२१) मित्रान् व्याख्यति । गीर्वाणादयः शब्दाः परावृत्तिं पर्यायाणां परिवर्तनं न सङ्गते न क्षमन्ते इति परावृत्तप्रसङ्गाः, पूर्वत्र उत्तरत्र उभयत्र पदे परावृत्तिर्भवति पर्यायाणां भिन्नार्थः ।

(२२) सन्निभग्रहणात् दशरथः कृतान् इत्यादि ।

(२३) सुरेन्द्रादिकृतां पूजामर्हन्तीत्यर्चन्, जयति रागहृष्य मोहादीन् इति जिनः, संसारस्य पारं पर्यन्तं गत इति पारमतः, त्रीन् कालान् (भूतं भवन्तं भविष्यन्तञ्चेति) वेत्ति इति त्रिकालवित्, जीषान्यष्टौ कर्माण्यष्टौ इति क्षीणाष्टकम्, परमे पदे तिष्ठतीति परमेशो (इन् प्रत्ययान्तोऽयम्) अधीष्ट इत्येवं शीलोऽधीश्वरः, शं शान्तं सुखान्तव भव-

(४१) समुद्रविजयः२२ अऽश्वसेनः२२ सिद्धार्थः२४ एव च (४२) ॥३८॥  
 (४२) मरुदेवाः विजयाः सेनाः सिद्धार्थाः च मङ्गलाः ।  
 ततः सुसीमाः पृथ्वीं लक्ष्मणां रामां ततः परम् ॥३८॥  
 नन्दाः विशुः जयाः

श्यामाः सुयशाः सुव्रताः अचिराः ।  
 श्रीः देवीः प्रभावती च

पद्माः वप्राः शिवाः तथा ॥४०॥

वामाः त्रिशलाः क्रमतः पितरो मातरो ऽर्हताम् ।  
 (४४) स्याद्गोमुखो महायज्ञः स्त्रियुखो यज्ञनायकः ॥४१॥

तुखः कुसुमः अपि तूतङ्गो विजयोऽजितः ।

ब्रह्मा यज्ञः कुमारः ष

मुखः पातालः किन्तुः ॥४२॥

गरुडो गन्धर्वो यज्ञः कुबेरो वरुणोऽपि च ।

भृकुटिः गौमेधः पाशोः

मातङ्गः अर्द्धपासकाः ॥४५॥ ४५॥

(४६) चक्रेश्वर्यो (४७) अजितवलाः दुरितारिश्च कालिकाः ।

(४८) महाकाली श्यामा शान्ताः

भृकुटिश्च सुतारकाः ॥ ४४ ॥

(४१) गान्धीर्थेन समुद्रस्यापि विलेता इति समुद्रविजयः ।

(४२) सिद्धार्थाः पुरुषार्थाः अक्षयै इति सिद्धार्थाः, चतुर्विंशतिर्जिनः  
 पितृनामानि ।

(४३) वृत्ताहं स्नातृणामेकैकम्, मरुदेवोऽपि कश्चित्पाठः ।

(४४) ज्ञायकाणामेकैकम् । (४५) चतुर्विंशतिर्जिनश्चिणीनामानि ।

(४६) अर्हतांशासनदेवीनामेकैकम् ।

(४७) अजितेऽपि, च सुतरा इत्यपि कश्चित् ।

(४८) महती चासौकान्ती च, महाकालिका च ।

अशोका<sup>१०</sup> मानवी<sup>११</sup> चण्डा<sup>१२</sup>  
 विहिता<sup>१३</sup> चाऽङ्गुष्ठा<sup>१४</sup> तथा ।  
 कन्दर्पा<sup>१५</sup> निर्झाणी<sup>१६</sup> बला<sup>१७</sup>  
 धारिणी<sup>१८</sup> धरणाप्रिया<sup>१९</sup> ॥३५॥

गरदत्ता<sup>२०</sup> इय गान्धाथ्य<sup>२१</sup> स्विका<sup>२२</sup> पद्मावती<sup>२३</sup> तथा<sup>(१)</sup> ।  
 सिद्धान्तिका चेति जैन्यः क्रमाच्छासनदेवताः ॥३६॥

(२) हृषीकेशं गजेशं शत्रुघ्नं भृगुं ।

कौस्तुभं ब्रह्मं स्वस्तिकः<sup>३</sup> शशो<sup>४</sup> ।

भकरः<sup>५</sup> श्रीवत्सः<sup>६</sup> खड्गो<sup>७</sup>

महिषः<sup>८</sup> शूकरः<sup>९</sup> तथा ॥३७॥

शोनी<sup>१४</sup> वज्र<sup>१५</sup> मृग<sup>१६</sup> अशो<sup>१७</sup> जन्म्यावती<sup>१८</sup> वटो<sup>१९</sup> इति च ।  
 कूर्मी<sup>२०</sup> नीलोत्पला<sup>२१</sup> शङ्खः<sup>२२</sup> फणी<sup>२३</sup> सिंहा<sup>२४</sup> इति तांशजाः (२) ॥३८॥

(४) रत्नां च पद्मप्रभवा सुपूज्यौ

शुक्लौ च चन्द्रप्रभ-पुष्पदन्तौ ।

कृष्णौ पुनर्भूमि-सुनीविनीलौ-

श्रीमङ्गि-पार्श्वी कनकत्विपो इत्ये ॥३९॥

अक्षरिण्या मतीतायां चतुर्विंशति रर्हताम् ।

(१) केवलज्ञानी<sup>(६)</sup> निर्झाणी<sup>(६)</sup> सागरोरो<sup>(६)</sup> इय महायशाः<sup>(६)</sup> ॥५०॥

(१) पद्मं करेभ्यस्तस्या इति पद्मावती, महत्पु दीर्घम् ।

(२) अर्हद्विज्ञानामैकैकम् ध्वजोयाह्वनम् ।

(३) अर्हद्विज्ञाननामानि चतुर्विंशतिः ।

(४) अर्हतां कृष्णप्रभम् । (५) भूता इति तापैकेकम् ।

(६) केवलं ज्ञानमस्यास्तीति केवलं ज्ञानी, निर्झाणीमकृत्यभ्येति  
 निर्झाणी, गुरुभ्योऽपि सागरद्वयसागरः, अर्हद्विज्ञानकृत्वात् यशोऽस्या इति

विमलः<sup>५</sup> सर्वाणुभूतिः<sup>६</sup> श्रीधरो<sup>७</sup> दत्ततीर्थकृत्<sup>८</sup> ।  
 दामोदरः<sup>९</sup> सुतेजा<sup>१०</sup> च स्वास्थ्यो<sup>११</sup> सुनिसुव्रतः<sup>१२</sup> ॥५१॥  
 सुमतिः शिवगतिश्चैवाऽस्तागोऽथ निमीष्वरः ।  
 अनिलो<sup>१३</sup> यशोधराख्यः<sup>१४</sup> कृतार्थो<sup>१५</sup> ऽथ जिनेश्वरः<sup>१६</sup> ॥५२॥  
 शुद्धमतिः<sup>१७</sup> शिवकरः<sup>१८</sup> स्यन्दनश्चाथ<sup>१९</sup> सम्प्रति ।  
 भाविन्या<sup>(१)</sup> न्तु पद्मनाभः<sup>२</sup> शूरदेवः<sup>३</sup> सुपार्श्वकः<sup>४</sup> ॥५३॥  
 स्वयंप्रभ<sup>५</sup> च सर्वाणुभूति<sup>६</sup> देवश्रुतो<sup>७</sup>-द्वयो<sup>८</sup> ।  
 पेटालः<sup>९</sup> पोट्टिल<sup>१०</sup> चापि<sup>(२)</sup> शतकीर्त्ति<sup>११</sup> च सुव्रतः<sup>१२</sup> ॥५४॥  
 अममो<sup>१३</sup> निष्कषाय<sup>१४</sup> च<sup>(३)</sup> निष्पुलाको<sup>१५</sup> ऽथ निष्कमः<sup>१६</sup> ।  
 चित्तगुप्तः<sup>१७</sup> समाधि<sup>१८</sup> च मंदर<sup>१९</sup> च यशोधरः<sup>२०</sup> ॥५५॥

सहायशा, धीतोमलोऽस्येति विमलः, सर्वत्र सर्वज्ञत्वाद्गुणभूतिर-  
 स्येति सर्वाणुभूतिः, मुक्तिगिरं धरतीति श्रीधरः, दत्तं दानधस्येति  
 दत्तः, साचासौ तीर्थकृत्, जन्माभिपेक्षे सरैः धिप्तं दामोदरं यस्य  
 स दामोदरः, शोभनं तेजोऽस्य इति सुतेजाः, शोभना मतिरस्येति  
 सुमतिः, शिवे मोक्षे गतिरस्येति शिवगतिः, न विद्यते गाम्भीर्यात्स्तागो-  
 लम्बमध्यतास्येति अस्तागः (अन्नाग इत्यपि क्वचित्) (निमीत्यत्र पुनीति  
 पाठान्तरं) अनिल इव महाबलत्वादनिलः, यशसि धरतीति यशोधरः  
 कृतोऽर्थः पूजाऽस्येति कृतः, सिद्धोऽर्थः पुरुषार्थोऽस्येति कृतार्थः, जिन-  
 श्चासा विश्वरक्षेति जिनेश्वरः, शुद्धा निर्मला मतिरस्येति शुद्धमतिः, शिवं  
 गोक्षं मङ्गलं वा करोतीति, स्यन्दते देशनाहूपमेव तत्र मतिरस्यन्दनः ॥

(१) भाष्यार्हतामेकैकम् ॥

(२) शतं ब्रह्मकीर्त्तियोऽस्येति शतकीर्त्तिः ॥

(३) निश्चितं पोलतिज्ञानेन मनुष्यान् सरतीति निष्पुलाकः; शक्तिं  
 रक्षति यदि पुलं गुभ्यकिदित्याकः ॥

विजयो<sup>२</sup> मङ्गो<sup>१</sup> देवो चार<sup>२</sup> ऽनन्तवीर्य<sup>२</sup> च भद्रकृत<sup>२</sup> ।

एवं सर्वावसर्पिण्युसर्पिणीषु जिनोत्तमाः ॥५६॥

तेषां<sup>(१)</sup> च देहो ऽङ्गतरूपगन्धो

निरामयः स्वेदमलोज्ज्वल<sup>१</sup> च ।

श्वसो ऽवजगन्धो<sup>२</sup> रूधिरा-भिष न्तु

गोक्षीर धारा धवलं ह्य विस्रम्<sup>२</sup> ॥५७॥

आहार-नीहारविधिसत्व दृश्य<sup>४</sup>-

श्चत्वार एते ऽतिशयाः सहोत्थाः ।

क्षेत्रे स्थिति र्योजन मातकेऽपि

नृ-देव-तिर्यग्जनकोटि-कोटेः ॥५८॥

वाणी नृ-तिर्यक्-सुरलोक-भाषा

संवादिनी योजनगामिनी<sup>२</sup> च ।

भामण्डलं चारु च मौखिष्टे

विडम्बिता-ऽहर्ष्यतिमण्डलत्रि<sup>२</sup> ॥५९॥

साग्रे<sup>१</sup> च स्यूतिशतद्वये रूजा<sup>४</sup>

वैरे<sup>५</sup> तयो<sup>६</sup> मा<sup>७</sup> र्य-ति दृष्ट्य<sup>८</sup> दृष्ट<sup>९</sup> यः ।

दुर्भिक्ष<sup>१०</sup> मन्यस्वकचक्रतोभय<sup>११</sup>

स्थान्ने त एकादश कर्मघातजाः ॥६०॥

खे<sup>(२)</sup> धर्मचक्रं<sup>१</sup> चमराः<sup>२</sup> सपाद-

पीठं मृगेन्द्रासन<sup>३</sup> सुञ्ज्वल-ञ्च ।

(१) तेषामिति-अर्हतां देहादिषु चतुस्त्रिंशदतिशयवर्णनम् ॥

(२) खे आकाशे धर्मप्रकाशे चक्रं धर्मचक्रं; खे चमराः; खे सपाद

छत्रत्वयं<sup>४</sup> रत्नमयोधजो<sup>५</sup> ऽह्नि  
 न्यासे च चामीकर पङ्कजानि<sup>६</sup> ॥ ६१ ॥  
 वप्रत्रयं<sup>७</sup> चारु चतुर्मुखाङ्गता<sup>८</sup>  
 चैत्यद्रुमो<sup>९</sup> ऽधोवदना च कण्टकाः<sup>१०</sup> ।  
 द्रुमानति<sup>११</sup> दुन्दुभिनाद<sup>१२</sup> उच्चकै  
 र्वातो ऽनुकूलः<sup>१३</sup> शकुनाः प्रदक्षिणाः<sup>१४</sup> ॥ ६२ ॥  
 गन्धाऽम्बुवर्षा<sup>१५</sup> बद्धवर्ष्पुष्पा-  
 वृष्टिः<sup>१६</sup> कच-गमश्च-नखाप्रवृद्धिः<sup>१७</sup> ।  
 चतुर्विधा मर्त्तत्र-निकायकोटि-  
 र्जघन्यभावा-दपि पार्श्वदेशे<sup>१८</sup> ॥ ६३ ॥

ऋतूना-मिन्द्रियार्थाना-मनुकूलत्व<sup>१९</sup>मित्यस्मी ।

एकोनविंशति र्दैव्या चतुस्त्रिंश च मीलितार्ः ॥ ६४ ॥

(१) संस्कारवत्त्व<sup>१</sup>-मौदात्त्व<sup>२</sup>-सुपचार-परीतता<sup>३</sup> ।

पीठं सिंहासनं, खे च्छत्रत्वयं, खे रत्नमयोधजः,<sup>४</sup> चत्वारि सुभ्यानि  
 अङ्गानि गात्राणि यस्येति चतुर्मुखाङ्गता, शकुनाः पक्षिणः ॥

(१) अथ वचनातिशयानाह संस्कारेति, संस्कारवत्त्वं संस्कृतादि-  
 लक्षणवत्त्वम्, औदात्यम् उच्चैर्दन्तिता, उपचारपरीतता, उपचाररहि-  
 तत्वं, भेदस्यैव गम्भीरशब्दत्वं, प्रतिध्वनियुक्तत्वं, दक्षिणत्वमिति मरुत-  
 त्वम्, उपनीतरागत्वमिति मालव-कौशिक्यादि आमरागयुक्तत्वम्,  
 एते शब्दान्नयाः; अन्ये अर्थान्नया ज्ञेयाः, महार्थता दृष्टदभिधेयता-  
 पूर्वापरवाक्यार्था विरोधित्वादव्याहृतम् । शिष्टत्वमिति अभिमतमिद्वौ  
 यक्तु र्मनोज्ञार्थं प्रयोजकत्वं शिष्टतास्त्वचकत्वं वा, संगयाना मसम्भाव इति  
 असन्दिग्धता, परद्रूपशायिषयता, मिथः साक्षाङ्गता इति परस्परैष  
 पदानां वाक्यानां वा सापेक्षत्वं, प्रस्तावौचित्यं देशकालाद्यव्यतीतत्वं ।

क्षेमगम्भीरघोषत्वं<sup>५</sup> प्रतिनादविधायिता<sup>५</sup> ॥६५॥  
 दक्षिणत्व<sup>६</sup>-मुपनीतरागत्व<sup>७</sup> च महार्थता<sup>८</sup> ॥  
 अव्याहृतत्वं<sup>९</sup> शिष्टत्वं<sup>१०</sup> संशयाना-प्रसम्भवः<sup>११</sup> ॥६६॥  
 निराकृतान्योत्तरत्वं<sup>१२</sup> हृदयङ्गमता-पि<sup>१३</sup> च ।  
 मिथः साकाङ्क्षता<sup>१४</sup> प्रस्तावौचित्यं<sup>१५</sup> तत्त्वनिष्ठता<sup>१६</sup> ॥६७॥  
 अप्रकीर्णप्रसृतत्वं<sup>१७</sup> मखस्त्राघा-ऽन्यनिन्दता<sup>१८</sup> ।  
 आभिजात्यमतिस्निग्धमधुरत्व<sup>१९</sup> प्रशस्यता<sup>२०</sup> ॥६८॥  
 अमस्मीवेधितौ<sup>२१</sup> दार्ढ्यं<sup>२२</sup> धर्माद्यप्रतिबद्धता<sup>२३</sup> ।  
 कारकाद्याविपर्ययो<sup>२४</sup> विभ्रमादिवियुक्तता<sup>२५</sup> ॥६९॥  
 चित्रकत्व<sup>२६</sup> मद्भुतत्वं<sup>२७</sup> तथा-ऽनतिविलम्बिता<sup>२८</sup> ।  
 अनेकजातिवैचित्र्य<sup>२९</sup> मारोपित-विशेषता<sup>३०</sup> ॥७०॥  
 सत्त्वप्रधानता<sup>३१</sup> वर्णपदवाक्यवितृक्ता<sup>३२</sup> ।  
 अयुच्छ्रित्ति<sup>३३</sup> रखेदित्वं<sup>३४</sup> पञ्चतिंश<sup>३५</sup> वाग्गुणाः<sup>३६</sup> ॥७१॥  
 (१) अन्तराया दानं लाभवीर्यभोगो-पभोग<sup>३७</sup> गाः ।  
 हासो<sup>३८</sup> रत्य<sup>३९</sup> रती<sup>४०</sup> भक्ति<sup>४१</sup> जुगुप्सा<sup>४२</sup> शोका<sup>४३</sup> एव च ॥७२॥

विवक्षित यस्तु स्वरूपानुसारिता तत्त्वनिष्ठता, सुखस्वल्पस्य मतः प्रम-  
 रणम् अप्रकीर्ण प्रसृतिः । शृङ्गाघेति आत्मोत्कर्ष परनिन्दा विप्रयुक्त  
 त्वम्, आभिजात्यत्वं बन्धोः प्रतिपाद्यस्य अथवा बन्धो भूमिकाभुसारिता,  
 एतं गुडांदिवत् च वकारिते स्निग्धमधुरत्वं, प्राप्रश्लाघ्यता प्रशस्यता,  
 परधर्मानुद्घाटनस्वरूपम् अमस्मीवेधिता इत्येवमन्येषामपि गद्दानां  
 व्युत्पत्त्यनुरूपं अथै उच्येयाः ॥

(६१) पञ्चविंशतिर्जित वाणीगुण नामानि बोद्धव्यानि ।

(६२) अर्हद्दोषाभावानामेकैकम् वाङ्मयं, न कारकस्वल्पं विना दोष  
 नाम एव । अपि चान्तराया अतृष्णा, यथा दानगतोऽन्तरायाः १ लाभगतो-



कामो<sup>१२</sup> मिथ्यात्व<sup>१३</sup>मज्ञानं<sup>१४</sup> निद्रा<sup>१५</sup>चाविरति<sup>१६</sup>स्तथा ।

रागो<sup>१७</sup> द्वेष<sup>१८</sup> च नो दोषासेषा-मष्टादशा-प्य-मी ॥७३॥

(१) महानन्दो<sup>१</sup>ऽमृतं<sup>२</sup> सिद्धिः<sup>३</sup> कैवल्य<sup>४</sup>मपुनर्भवः<sup>५</sup> ।

शिवं<sup>६</sup> निःश्रेयसं<sup>७</sup> श्रेयो<sup>८</sup> निर्व्वीणां<sup>९</sup> ब्रह्म<sup>१०</sup> निर्दृतिः<sup>११</sup> ॥७४

महोदयः<sup>१२</sup> सर्व्वदुःखक्षयो<sup>१३</sup> निर्व्वीणा<sup>१४</sup> मक्षरम्<sup>१५</sup> ।

सुक्ति<sup>१६</sup> मोक्षो<sup>१७</sup>ऽपवर्गो<sup>१८</sup>ऽथ (२) सुसुक्षुः<sup>१</sup> अमणो<sup>२</sup>यतिः<sup>३</sup>

॥७५॥

वाचंयमो<sup>४</sup>वती<sup>५</sup>साधु<sup>६</sup>रनगार<sup>७</sup>क्षप्रि<sup>८</sup>सु<sup>९</sup>निः<sup>९</sup> ।

निर्ग्रन्थो<sup>११</sup>भिक्षु<sup>१२</sup>रस्य स्व<sup>(३)</sup> तपो<sup>१</sup> योग<sup>२</sup>शमा<sup>३</sup>दयः ॥७६॥

मोक्षोपायो योगो<sup>१</sup> ज्ञानश्चज्ञान-चरणात्मकः ।

(४) अभाषणं<sup>१</sup> पुनर्मौनं<sup>२</sup> गुरु<sup>३</sup> धर्मोपदेशकः<sup>(५)</sup> ॥७७॥

(६) अनुयोग<sup>१</sup>ज्ञ-दाचार्य<sup>२</sup> (७) उपाध्याय<sup>१</sup>सु पाठकः<sup>२</sup> ।

(८) अनुचानः<sup>१</sup> प्रवचने सु<sup>२</sup>ङ्ग<sup>३</sup>ऽधीती गणिते<sup>४</sup> च सः ॥७८॥

(९) शिष्यो<sup>१</sup> विनेयो<sup>२</sup>ऽन्तेर्भासी<sup>३</sup> शैक्षः<sup>४</sup> प्राथमकल्पिकः<sup>(१०)</sup> ।

१ न्नरायः २ वीर्यगतो ३ न्नरायः ४ भोगगतो ५ न्नरायः ६ भोगः स्वर्गादिः

उपभोगगतो ७ न्नरायश्च ५ । उपभोगो ८ ज्ञनादिः ॥

(१) महानन्देत्यादयः प्रत्येकं मोक्षस्य नाम ॥

(२) सुनिनामानि या सुसुक्षुनामानि ॥

(३) सुसुक्षु साधनाना मेकैकम् ॥

(४) मौन्यनाम ॥ (५) गुरुनाम ॥

(६) द्वयं ध्याचार्ये ॥ (७) एतौ उपाध्यायस्य ॥

(८) गुरुसंकाशात्माङ्गसिद्धान्तमधीतवतो नाम्नि ॥

(९) शिष्यनामानि त्रीणि ॥

(१०) एतौ प्रथमशिक्षा ग्रहणयोग्यस्य ॥

(१) सतीर्थी<sup>१</sup>स्त्वे-कगुरवो<sup>२</sup> विवेकः<sup>३</sup> पृथगात्मता<sup>४</sup> ॥७॥  
 एकब्रह्मत्रताचारा मियः सत्रह्मचारिणः<sup>१(२)</sup> ।  
 स्या त्पारम्यर्थ्यमान्नायः<sup>२</sup> सम्प्रदायो<sup>४</sup> गुरुक्रमः<sup>२(३)</sup> ॥८॥  
 (४) ब्र तादानं<sup>१</sup> परिव्रज्या<sup>२</sup> तपस्या<sup>३</sup> नियमस्थितिः<sup>४</sup> ।  
 (५) अहिंसा<sup>१</sup> सूदृता<sup>२</sup> स्तोत्रब्रह्मा<sup>४</sup> ऽकिञ्चनता<sup>५</sup> यमाः ॥८१॥  
 (६) नियमाः<sup>१</sup> शौच<sup>२</sup> सन्तोषो<sup>३</sup> स्वाध्याय<sup>४</sup> तपसी<sup>५</sup> अपि ।  
 देवताप्रणिधान<sup>६</sup> ऽश्च करणं<sup>१</sup> पुन-रासनम्<sup>२(७)</sup> ॥८२॥  
 प्राणायामः<sup>१</sup> प्राणयमः<sup>२</sup> श्वासप्रश्वासरोधनम्<sup>३(८)</sup> ।  
 प्रत्याहार<sup>१</sup> स्विन्द्रियाणां विषयेभ्यः समाहृतिः<sup>२(९)</sup> ॥८३॥  
 धारणा<sup>१</sup> तु क्वचि ह्येये चित्तस्य स्थिरबन्धनम्<sup>२(१०)</sup> ।  
 ध्यानं<sup>१</sup> न्तु विषये तस्मिन्नेकप्रत्ययमन्ततिः<sup>२(११)</sup> ॥८४॥  
 समाधि<sup>१</sup> स्तु तदे<sup>२</sup> नार्थमात्राभासे<sup>३</sup> रूपकम् ।

(१) सतीर्थ्यति हृद्यमेकं गुरवे, विवेकेति हृद्यं विवेक नाम्नि ॥

(२) सट्टाचारिणः प्रवर्तकस्य नाम ॥

(३) पञ्च सम्प्रदाय नामानि ॥

(४) चत्वारि प्रव्रज्या नामानि, प्रव्रज्या सत्प्रासः ॥

(५) योग स्याष्टाङ्गानामेकैकं, तत्वाहिंसादीनां पञ्चानां, यमा इत्येकम्

(६) पञ्च नियम नामानि ॥

(७) करतिहृद्यम् आसनस्य नाम ॥

(८) चत्वारि प्राणायाम नामानि ॥

(९) प्रत्याहारस्य लक्षणं नाम च ॥

(१०) धारणाया अपि लक्षणं नाम च ॥

(११) ध्यानस्यापि लक्षणं नाम च ॥

(१) एवं योगो<sup>१</sup> यमाद्यङ्गै रष्टभिः सम्प्रतो ऽष्टधा ॥५॥  
 श्वः श्रेयसं<sup>२</sup> शुभे<sup>३</sup> शिने<sup>४</sup> कल्याणं<sup>५</sup> श्रवणीयसं<sup>६</sup> श्रेयः<sup>७</sup> ।  
 क्षमं<sup>८</sup> भावुकं<sup>९</sup> भविकं<sup>१०</sup> कुशलं<sup>११</sup> अङ्गलं<sup>१२</sup> मद्रं<sup>१३</sup> मद्रं<sup>१४</sup> शस्ता-  
 नि<sup>१५</sup>(२) ॥८॥

इत्या वार्य्य श्रीहेमचन्द्रविरचितायामभिधानचिन्तामणौ  
 नाममालायां देवाधिदेवकाण्डे प्रथमः ।



(१) समाधेरेपि लक्षणम् ॥

(२) चतुर्दशकल्याणं नामभिः ॥

## ॥ देवकाण्डः ॥

द्वितीयः ।

स्वर्ग<sup>१</sup> लिपिष्टपं<sup>२</sup>(<sup>१</sup>) द्यौरदिवो<sup>४</sup>

भुवि<sup>५</sup> स्वाविष<sup>६</sup>ताविषो<sup>७</sup> नाकः<sup>८</sup> ॥

गौ<sup>९</sup> स्त्रिद्वि<sup>१०</sup> मूर्ध्नि<sup>११</sup> लोकः<sup>१२</sup>

सुरालय<sup>१३</sup>(<sup>२</sup>) सत्सद<sup>१४</sup>(<sup>२</sup>) स्वमराः<sup>२</sup> ॥१॥

देवाः<sup>२</sup> सुपर्ब्ध<sup>३</sup>-सुर-<sup>५</sup>निर्जरा<sup>६</sup>-देवत<sup>७</sup>र्भु-

वर्हिर्भु<sup>८</sup>, खा<sup>९</sup>-निमिष<sup>१०</sup>-दैवत-<sup>११</sup>नाकि<sup>१२</sup>-लेखाः<sup>१३</sup> ।

टन्दारकाः<sup>४</sup> सुमनस<sup>५</sup> स्त्रिदशा<sup>६</sup> अमन्तरीः<sup>७</sup>

(<sup>४</sup>) स्वाहा-स्वधा-ऋतु-सुधा-भुज<sup>२</sup> आदितेयाः<sup>२२</sup> ॥२॥

(१) लिपिष्टपमिति वा पाठः, द्यौरद्विष्टपमिति तृतीयान्तस्थादि सयुक्तस्त्रयोदश-स्वरांतः, रूपैर्गौशब्दवत् । दिवश्चो व्यञ्जनदन्तौष्णान्तः, एतस्यापि सौ द्यौरिति रूपम् । दिवो-दिवः - इत्यादि । अन्ये तु अमि-वास्या इति विकल्पेन आत्मे द्यां दिवमित्याहुः । दिवमित्यकारान्तोऽपि कुलवत् प्रायेण वृत्तिविषयेऽस्य प्रयोगः, यथा “नकोवलं मङ्गानि मागधीपतेः पथिव्य जृम्भन्त दिवौकसामिति ।” भुविः इत्यन्तः स्त्रीलिङ्गः भुविषो भुविषः इत्यादीनि रूपाणि ।

(२) द्वादश स्वर्ग नामानि ।

(३) तस्मिन् स्वर्गे षीदन्तीति तत्सदः । स्वर्गमदः यौगिकत्वात् दिवि पदः त्रिदिवौकसः द्युमङ्गानः इत्यादयो योज्याः ।

(<sup>४</sup>) “स्वाहास्वधाऋतुसुधाभ्योऽभुजः” तेन स्वाहाभुजः १ स्वधाभुजः २ ऋतुभुजः ३ सुधाभुजः ४ इति चत्वारि नामानि, अत्र्यभ्योपीति क्रिय यौगिकत्वात् स्वाहागताः स्वधामनाः यज्ञागताः अष्टताभ्यसः ५ यादयो तयो सम्भुजस्य ॥

- गीर्वाणा<sup>२</sup> मरुतो<sup>४</sup> ऽस्त्रप्रा<sup>२५</sup> विष्णुधा<sup>२६</sup> दानवार<sup>(१)</sup>यः<sup>२०</sup>।  
 (२) तेषां यानं विमानो<sup>२</sup> ऽन्धः (३) पौयूषममृतं सुधा<sup>(४)</sup> ॥३॥  
 असुरा<sup>१</sup>नागा<sup>२</sup>स्तद्धितः<sup>३</sup> सुपर्षका<sup>४</sup> ब्रह्मयो<sup>५</sup> ऽनिलाः<sup>६</sup> स्तानिताः<sup>७</sup>।  
 उद्धि<sup>८</sup>-द्वीप<sup>९</sup>-दृशी<sup>१०</sup> दृश<sup>१</sup>भवनाधीशाः<sup>२</sup> कुमारान्ताः<sup>(५)</sup> ॥४॥  
 (६) स्युः पिशाचा<sup>१</sup> भृता<sup>२</sup> यक्षा<sup>३</sup> राक्षसाः<sup>४</sup> किन्नरा<sup>५</sup> अपि।  
 किम्बुहृषा<sup>६</sup> महोरगा<sup>७</sup> गन्धर्वा<sup>८</sup> व्यन्तरा<sup>९</sup> अमी ॥५॥  
 (७) ज्योतिष्काः<sup>१</sup> पञ्च चन्द्रा<sup>२</sup> ऽक्षि<sup>३</sup>-ग्रह<sup>३</sup>-नक्षत्र<sup>४</sup>-तारकाः<sup>५</sup>।  
 (८) वैमानिकाः<sup>१</sup> पुनः कल्पभवा द्वादश ते त्व ऽमी ॥६॥

(९) सौधर्मा<sup>१</sup>-ज्ञान<sup>२</sup>-सनत्कुमार<sup>३</sup>-

माहे<sup>४</sup>-ब्रह्म<sup>५</sup>-क्षान्तक<sup>६</sup>-जाः ।

शुक्र<sup>७</sup>-सञ्ज्वारा<sup>८</sup>-नत<sup>९</sup>-

प्राणत<sup>१०</sup>-जा चारणा<sup>११</sup>-च्युत<sup>१२</sup>-जाः ॥७॥

कल्पातीता नव शैबेयकाः<sup>१</sup> पञ्च त्व ऽसुन्तराः<sup>२</sup> ।

(१) सप्तविंशतिर्देव नामानि ।

(२) तेषां देवानां यानं देवयानमित्येकं नाम, अत्रापि यौगिकत्वात् सुरवानादयोपि ज्ञेयाः ।

(३) तेषां देवानामन्धोत्सम् देवान्धः, यौगिकत्वात् देवान्धं देवा-  
 हारः देवभोज्यमित्यादि ज्ञेयम् ॥ पेयूषमित्यपि पाठः ।

(४) जैनमते भवमपतीनाह--असुरादीनां दगानां भवनाधीशा इत्येकम् ॥ (५) कुमारण्डोत्तने तेषां ते कुमारान्ताः ॥

(६) पिशाचादीनां मष्टानां किन्नरा इत्येकम् ॥

(७) चन्द्रादीनां पञ्चानां ज्योतिष्का इत्येकम् ॥

(८) द्वादश सौधर्मा जा दीनां वैमानिका इत्येकम् ॥

(९) सौधर्मादिभ्यः षड्भ्यो जा इति योज्यते, सौधर्मा कल्पे जाताः

सौधर्मा जा इत्यादि । तथा शुक्रादिभ्यः । चारणाच्युताभ्यां च ॥

निकायभेदादेवं स्युर्द्देवाः किल चतुर्विधाः ॥८॥

(१) आदित्यः<sup>१</sup> सविता<sup>२</sup>ऽर्यमा<sup>३</sup>  
 खर<sup>४</sup>(२) सहस्रो<sup>५</sup>-ष्वांशु<sup>६</sup>रंशु<sup>७</sup>रवि<sup>८</sup> ।  
 मारुतगण<sup>९</sup>(२) सारणि<sup>१०</sup> गर्भस्त्रि<sup>११</sup> ।  
 रक्षणी<sup>१२</sup> भानु<sup>१३</sup> नभो-ऽह-मृगिः<sup>१४</sup> ।  
 सूर्यो<sup>१५</sup>ऽर्कः<sup>१६</sup> किरणो<sup>१७</sup> भगो<sup>१८</sup> ।  
 ग्रहपुषः<sup>१९</sup> मूषा<sup>२०</sup> पतङ्गः<sup>२१</sup> खगो<sup>२२</sup> ।  
 मार्त्तगण<sup>२३</sup> यमुना-कतान्त<sup>२४</sup> ।  
 जनकः<sup>२५</sup>(५) प्रद्योतन<sup>२६</sup> स्नापनः<sup>२७</sup> ।  
 ब्रह्मो<sup>२८</sup>ऽहंश<sup>२९</sup> श्वितभानु<sup>३०</sup> विवस्वा<sup>३१</sup> न  
 सूर<sup>३२</sup> स्वष्टा<sup>३३</sup> द्वादशात्मा<sup>३४</sup> च हेलिः<sup>३५</sup> ।  
 मित्रो<sup>३६</sup> ध्वान्ताराति<sup>३७</sup> रव्जां-शु-हस्त<sup>३८</sup> ।  
 चक्रा-ऽञ्जा-<sup>३९</sup>ह-वीश्ववः<sup>४०</sup> सप्तसप्तिः<sup>४१</sup> ॥१०॥

(१) अदितेरपत्य आदित्य इदं क्वदि ॥

(२) खरादिभ्योऽप्येष्टं ऋः-खरांशुः सहस्रांशुः उष्वांशुः यौगिकत्वात्  
 खररश्मिः तिमिररश्मिः खरकिरणः दशशतरश्मिः उष्वांशुः शीतेतर-  
 रश्मीत्यादयः ॥

(३) ऋतमण्डमस्येति ऋताण्डः, ऋतमण्डमजायतेति ऋतिः, तस्या-  
 पत्य ऋष्यणि मार्त्तगणः, ऋतगणस्यापत्यं मार्त्तगणः ऋषीत्यादिनाटय ॥

(४) नभश्च अहस्य नभोह्वी नभोऽहोभ्यां मृगिः नभोऽहर्मृगिः  
 नभोमृगिः अहर्मृगिरिति च ॥

(५) यमुनाजनकः कतान्तजनकः ॥

(६) अञ्जहस्तः अंशुहस्तः--चक्रादिभ्यो वाश्ववः चक्रवाश्वव  
 इत्यादि ॥

(१) दिवा-दिना-ऽह-दिवस-प्रभा-विभा-

भासःकरः<sup>५१</sup> स्थान्निहिरो<sup>५२</sup> विरोचनः<sup>५३</sup> ।

(२) ग्रहा-ऽब्जिनी-गा-द्यु-पति<sup>५०</sup> विकर्त्तनो<sup>५८</sup> ।

हरिः<sup>५६</sup> शुची<sup>५७</sup>-नौ<sup>५९</sup>-गगना ह्रजा<sup>६०</sup>-ऽध्वनौ<sup>६१</sup>(३) ॥२१॥

हरिदशो<sup>६४</sup>(४) जगत्कर्त्तृ-साञ्ची<sup>६५</sup>मास्वान्<sup>६६</sup> विभावसुः<sup>६७</sup>

चयीतनु<sup>६८</sup> जगञ्जु<sup>६९</sup> सपनो<sup>७०</sup>ऽरुणसारथिः<sup>७१</sup>(५) ॥२२॥

रोचि<sup>१</sup>-ऽरुख<sup>२</sup>-रुचि<sup>३</sup>-शोचि<sup>४</sup>-रंशु<sup>५</sup>-मो<sup>६</sup>-

ज्योति<sup>७</sup>-ऽरञ्चि<sup>८</sup>-ऽरुपष्ट<sup>९</sup>-त्य-भीशवः<sup>१०</sup>(६) ।

प्रग्रहः<sup>११</sup>शुचि<sup>१२</sup>-मरोचि<sup>१३</sup>-दीप्तयो<sup>१४</sup>

धाम<sup>१५</sup>-केतु<sup>१६</sup>-ष्टणि<sup>१७</sup>-रश्मि<sup>१८</sup>-ष्टन्नयः<sup>१९</sup> ॥२३॥

पाद<sup>२०</sup>-दीधिति<sup>२१</sup>-कर<sup>२२</sup>-द्युति<sup>२३</sup>-द्युतो<sup>२४</sup>

रु-ग्विरोक्<sup>२५</sup>-किरण<sup>२६</sup>-त्विप्रि<sup>२७</sup>-त्विप्रः<sup>२८</sup> ।

भाः<sup>२९</sup>-प्रभा<sup>३०</sup>, वसु<sup>३१</sup>-गभस्ति<sup>३२</sup>-भानवो<sup>३३</sup>

भा<sup>३४</sup> मयूख<sup>३५</sup>-महसी<sup>३६</sup> ऋवि<sup>३७</sup> विभा<sup>३८</sup> ॥२४॥

(७) प्रकाश<sup>१</sup> स्तेज<sup>२</sup> उद्योत<sup>३</sup> आलोको<sup>४</sup> वर्ज<sup>५</sup> आतपः<sup>६</sup> ।

मरीचिका<sup>७</sup> मण्डलानामण्डलं<sup>८</sup> तूपर्य्यकम्<sup>९</sup> ॥२५॥

परिधिः<sup>१०</sup> परिवेष<sup>११</sup> स्ररस्रुत<sup>१२</sup> सु काश्यपिः<sup>१३</sup> ।

(१) दिवादिभ्यः करः, दिवाकर इत्यादि ॥

(२) ग्रहादिभ्यः पतिः, ग्रहपतिरित्यादि ॥

(३) गगनशब्दादस्ये ध्वजशब्दोऽध्वजशब्दश्च, गगनाध्वजः गगनाध्वजः ॥

(४) जगत्साञ्ची कर्त्तृसाञ्ची च ॥

(५) द्विसप्ततिरादित्य नामानि । अथ किदश नामानि ॥

(६) अभीशवः मृद्न्ययुगपि ॥

(७) आतप नामानि ॥

अनूचं विनतासु<sup>४</sup> रक्षयो<sup>५</sup> गवडाग्रजः<sup>६</sup> ॥१६॥

देवता स्वः करेतोषः<sup>२</sup> उवगो<sup>३</sup> इयथाहनः<sup>४</sup> ।

अष्टादश माठराद्याः<sup>१</sup> सवितुः पारिपार्श्विकाः ॥१७॥

चन्द्रमाः<sup>१</sup> कुमुदवाम्बो<sup>२</sup> दश

श्वेतवाक्य<sup>३</sup>(१) अष्टसू<sup>४</sup> स्थिति-प्रणीः<sup>५</sup> ।

कौमुदी-कुमुदिनी-भ-दक्षजा-

रोहिणी-द्विज-निशौषधी-पतिः<sup>६</sup> ॥१८॥

जैवालको<sup>७</sup>; बृज<sup>८</sup> च कला-शशै-ग-

च्छाया<sup>९</sup>-भ<sup>१०</sup> दिन्दु<sup>११</sup> विंधुर<sup>१२</sup> तिहृगजः<sup>१३</sup> ।

राजा<sup>१४</sup> निशो रत्न<sup>१५</sup>-करौ<sup>१६</sup> च चन्द्रः<sup>१७</sup>-

सोमो<sup>१८</sup> अष्टतश्चेत-द्विम-द्युति<sup>१९</sup>-गर्भोः<sup>२०</sup> ॥१९॥

षोडशोऽशः कला<sup>१</sup> चिह्न<sup>२</sup> लक्षणा<sup>३</sup> लक्ष्म<sup>४</sup> लाव्यनम्<sup>५</sup> ।

अङ्कः<sup>६</sup> कलङ्को<sup>७</sup>; भिन्नानं<sup>८</sup>(४) चन्द्रिका<sup>९</sup> चन्द्रगोलिका<sup>१०</sup> ॥२०॥

चन्द्रातपः<sup>१</sup> कौमुदी<sup>२</sup> च ज्योत्स्ना<sup>३</sup>(५) विस्म<sup>४</sup> तु भण्डलम्<sup>५</sup> ।

(१) दशचेताभ्या मन्त्रे वाजी, दशवाजी श्वेतवाजी ॥ कौमुद्यादि  
भ्योऽष्टभ्योऽप्ये पतिः, कौमुदीपतिरित्यादि । कलादिभ्योऽप्येभ्यत् कला-  
व्यदित्यादि ॥

(२) मासनिशाठसनस्यश्रुवाटौ लक्ष्मैत्यनेन आबन्निशाशब्दस्य  
शशादावाकारकोपे रुचिनिशः, ततोऽयमर्थः निशः आबन् निशाशब्दादय  
रत्नकरौ शब्दौ योज्यौ । ततो निशाशब्दम् “अजहृस्त्रिभ्योऽयम्” । निशा-  
करः । अष्टतश्चेतद्विमभ्योऽप्ये द्युतिः अष्टतद्युतिः ॥

(३) द्वालिंशच्चन्द्र नामानि ॥

(४) एतानि सप्तचन्द्रस्य कलङ्क नामानि ।

(५) पञ्च ज्योत्स्ना नामानि, ततो द्वे चन्द्रभण्डले ॥



नक्षत्रं तारकाः ताराः ज्योतिषी<sup>४</sup> भ<sup>५</sup> सु<sup>६</sup> दु<sup>७</sup> ग्रहः<sup>८</sup> ॥२१॥  
 धिष्णः<sup>९</sup> च<sup>१०</sup> (१) त्रयाः ऽश्विनः<sup>११</sup> ऽश्विनी<sup>१२</sup> ऽश्विनी<sup>१३</sup> देवताः<sup>१४</sup> ।  
 अश्विनः<sup>१५</sup> बालिनी<sup>१६</sup> (२) ऽश्विनः<sup>१७</sup> भरणी<sup>१८</sup> यमदेवताः<sup>१९</sup> ॥२२॥ ६  
 कत्तिका<sup>२०</sup> वज्रया<sup>२१</sup> च<sup>२२</sup> ऽग्निदेवाः<sup>२३</sup> । ऋषी<sup>२४</sup> तु<sup>२५</sup> रोहिणी<sup>२६</sup> ।  
 मृगशीर्षा<sup>२७</sup> मृगशिरः<sup>२८</sup> मङ्गलः<sup>२९</sup> च<sup>३०</sup> ऋषयः<sup>३१</sup> ॥२३॥  
 इक्ष्वाकु<sup>३२</sup> भृगुशिरः<sup>३३</sup> शिरः<sup>३४</sup> यथा पञ्चतास्त्रकाः ।  
 आर्द्रा<sup>३५</sup> तु कालिनी<sup>३६</sup> रौद्री<sup>३७</sup> पुनर्वसु<sup>३८</sup> (४) तु चामकौ<sup>३९</sup> ॥२४॥  
 आदित्यौ<sup>४०</sup> च पुष्य<sup>४१</sup> शिष्यः<sup>४२</sup> ऽसिद्धौ<sup>४३</sup> च सुश्रु<sup>४४</sup> देवतः<sup>४५</sup> ।  
 सार्धं<sup>४६</sup> ऽश्विनः<sup>४७</sup> मघाः<sup>४८</sup> (५) पितृणाः<sup>४९</sup> काला<sup>५०</sup> ऋषी<sup>५१</sup> योमिदेवताः<sup>५२</sup> ॥२५॥  
 सा तु कृत्वा<sup>५३</sup> ऽश्विनदेवाः<sup>५४</sup> शला<sup>५५</sup> सविष्ट<sup>५६</sup> देवतः<sup>५७</sup> ।  
 त्वाङ्गी<sup>५८</sup> चिषा<sup>५९</sup> ऽमिली<sup>६०</sup> (६) स्वाति<sup>६१</sup> र्विश्राष्टी<sup>६२</sup> इन्द्राग्निदेवताः<sup>६३</sup> ॥२६॥  
 राधा<sup>६४</sup> सुराधा<sup>६५</sup> तु मैत्री<sup>६६</sup> ज्येष्ठी<sup>६७</sup> ऋषी<sup>६८</sup> मूल<sup>६९</sup> आशुपः<sup>७०</sup> ।  
 पूर्वभाद्रा<sup>७१</sup> ऽपी<sup>७२</sup> ऋषी<sup>७३</sup> तारा<sup>७४</sup> स्वा<sup>७५</sup> द्वैत्री<sup>७६</sup> अश्विनः<sup>७७</sup> पुनः<sup>७८</sup> ॥२७॥  
 हरिदेवः<sup>७९</sup> अविष्टा<sup>८०</sup> तु धनिष्ठा<sup>८१</sup> ऋषुदेवताः<sup>८२</sup> ।  
 वारुणी<sup>८३</sup> तु शतभिषा<sup>८४</sup> (७) गजा-<sup>८५</sup> ऽहिर्व्यु<sup>८६</sup> भ<sup>८७</sup> -देवताः<sup>८८</sup> ॥२८॥

(१) नव नक्षत्र नामानि ॥ (२) पञ्च अश्विन्याम्, ष्टे भरण्याम् ॥

(३) त्रीणि कत्तिकायां, द्वे रोहिण्यां, पञ्चमृगशिरसि, त्रीणि-  
 चाद्रायां, त्रीणि पुनर्वसु नक्षत्रे, चत्वारि पुष्यायां अत्र द्वय मङ्गल-  
 नक्षत्रे, द्वे मघासु, द्वयां पक्षफल्गुयथा मूत्तर तास्त्राख्यासु द्वयम्, एवमित्या-  
 दीनि विभागतो ज्ञेयानि ॥

(४) अत्र पुनर्वसु निम्बदिग्बनान्तः पुंलिङ्गः ॥

(५) मघाः इत्ययं स्त्रीलिङ्गो नित्य वज्रधचनान्तः ॥

(६) आनिलीत्यत्र देवतेः क्तनपन्त्वाद्बहिः ॥

(७) अजदेवता १ पूर्वभाद्रपदा, २ पौषपदा ३ इति त्रीणि पूर्वा-

पूर्वोत्तराभद्रपदाः<sup>(१)</sup> द्वयः प्रौष्ठपदाश्च ताः ।  
 देवतोतु पौष्णो<sup>(२)</sup> द्वात्रिंशत्स्यः सखाः<sup>(३)</sup> शश्विभ्रियाः<sup>(४)</sup> ॥३८॥  
 राशीनां सुदयोः खगलं भेषप्रभृतयश्च ते ।  
 आरावत्तो<sup>(५)</sup> लोहितान्नी<sup>(६)</sup> मङ्गलो<sup>(७)</sup> ऽङ्गारकः<sup>(८)</sup> कुजः<sup>(९)</sup> ॥३९॥  
 प्रापाताभू<sup>(१०)</sup> नवाञ्चि<sup>(११)</sup> च बुधः<sup>(१२)</sup> सौम्यः<sup>(१३)</sup> प्रहृष<sup>(१४)</sup> जः<sup>(१५)</sup> ।  
 ज्ञः<sup>(१६)</sup> पञ्चाञ्चि<sup>(१७)</sup> अविष्ठाभू<sup>(१८)</sup> श्यामाङ्गो<sup>(१९)</sup> रोहिणीसुतः<sup>(२०)</sup> ॥४०॥  
 वृहस्पतिः<sup>(२१)</sup> सुराचार्यो<sup>(२२)</sup> जीवरे<sup>(२३)</sup> श्वितशिशुगिडजः<sup>(२४)</sup> ।  
 वाचस्पति<sup>(२५)</sup> द्वाद्वाञ्चि<sup>(२६)</sup> धिषणः<sup>(२७)</sup> फाल्गुनीभवः<sup>(२८)</sup> ॥४१॥  
 गी-वृहत्वीः<sup>(२९)</sup> पति<sup>(३०)</sup> कृतध्याऽसुजा<sup>(३१)</sup> ऽङ्गिरसौ<sup>(३२)</sup> गुरुः<sup>(३३)</sup> ॥४२॥  
 शुक्रो<sup>(३४)</sup> मघाभवः<sup>(३५)</sup> काव्यरे<sup>(३६)</sup> उग्रना<sup>(३७)</sup> भार्गवः<sup>(३८)</sup> कविः<sup>(३९)</sup> ॥४३॥  
 प्रौष्ठपदाञ्चि<sup>(४०)</sup> दैत्यगुरु<sup>(४१)</sup> धिषणः<sup>(४२)</sup> शनैश्चरः<sup>(४३)</sup> शनिः<sup>(४४)</sup> ।  
 शयासुतो<sup>(४५)</sup> ऽसितः<sup>(४६)</sup> सौरिः<sup>(४७)</sup> सप्ताश्वी<sup>(४८)</sup> देवतीभवः<sup>(४९)</sup> ॥४४॥  
 मन्दः<sup>(५०)</sup> क्रोडो<sup>(५१)</sup> नीलवासाः<sup>(५२)</sup> स्वर्भाणु<sup>(५३)</sup> सुविधुनुदः<sup>(५४)</sup> ।  
 तमो<sup>(५५)</sup> राज्ञः<sup>(५६)</sup> सैचिकेयो<sup>(५७)</sup> भरणीभू<sup>(५८)</sup> रथा<sup>(५९)</sup> ङ्किकः<sup>(६०)</sup> ॥४५॥  
 अश्लेषाभू<sup>(६१)</sup> शिखी<sup>(६२)</sup> केसु<sup>(६३)</sup> भ्रुव<sup>(६४)</sup> सूक्तानपादनः<sup>(६५)</sup> ॥

॥द्रपद नक्षत्रस्य, अष्टिर्बु प्रदेवता । उत्तरभाद्रपदा २ प्रौष्ठपदा ३ इति  
 ऋषि उत्तराभाद्रपदनक्षत्रस्य । भाद्रपदा इत्यपि ॥

- (१) एकोत्तरा पूर्वोत्तरभाद्रपदयोः ॥
- (२) सर्वा अश्विन्यादि देवत्वना नामद्वय वाच्याः ॥
- (३) एते शब्दा वक्तव्ये यज्ञे ॥ (४) एते बुधपक्षे वक्तव्ये ॥
- (५) त्रयोदश वृहस्पतौ ॥
- (६) नव शुक्र भाभानि, दश शनैश्चर नामानि ॥
- (७) सप्त राज्ञ्यज्ञे, चत्वारि केसुयज्ञे ॥
- (८) द्वयं इति ॥

अगस्त्योऽगस्त्यः<sup>२</sup> पीताम्बु<sup>३</sup> पीतापिबि<sup>४</sup> उषटोद्भवः<sup>५</sup> ॥३६॥  
 मैत्रावरुणि<sup>६</sup> राक्षस<sup>७</sup> श्रीर्षीश्रीका<sup>८</sup> इतिमन्त्रस्तौ<sup>९</sup> ।  
 (१) लोपासुद्रा<sup>१</sup> तु गङ्गा<sup>२</sup> कौपीतको<sup>३</sup> वरप्रहा<sup>४</sup> ॥३७॥  
 मरीचिमसु<sup>५</sup> सप्तर्षय<sup>६</sup> चित्रशिशु<sup>७</sup> शिखरः<sup>८</sup> ।  
 पुष्यदन्तौ<sup>९</sup> पुष्यदन्ता<sup>१०</sup> वेकोत्था<sup>११</sup> शशिमास्वरौ ॥३८॥  
 राक्षसासो<sup>१२</sup> श्कोत्थो<sup>१३</sup> शंभु<sup>१४</sup> उपराग<sup>१५</sup> उषडवः<sup>१६</sup> ॥  
 उपलिङ्ग<sup>१७</sup> त्व<sup>१८</sup> इरिष्ट<sup>१९</sup> स्वाडु<sup>२०</sup> पसर्ग<sup>२१</sup> उपद्रवः ॥३९॥  
 अर्जन्य<sup>२२</sup> मीति<sup>२३</sup> इत्पातो<sup>२४</sup> (२) वक्रुत्पात<sup>२५</sup> उपाहितः<sup>२६</sup> ।  
 स्यात्कालः<sup>२७</sup> समयो<sup>२८</sup> द्विष्टा<sup>२९</sup> नेहसौ<sup>३०</sup> सन्मिभूषकः<sup>३१</sup> ॥४०॥  
 कालो द्विविधो<sup>३२</sup> अवसर्षिण्यु<sup>३३</sup> स्रर्षिणी<sup>३४</sup> विभेदतः ।  
 सागर-कोटः-कोटीनां विंशत्या<sup>३५</sup> च समाप्यते ॥४१॥  
 अवसर्षिण्यः षड्<sup>३६</sup> इरा<sup>३७</sup> उल्हासिण्यं<sup>३८</sup> तएव विपरीताः ।  
 एवं द्वादशभि ररै-विषर्त्तते कालचक्रभिदम् ॥४२॥  
 (३) तत्रैकान्तसुषमा<sup>३९</sup> (७) इरच तस्रः-कोटिकोटयः ।  
 सागराणां सुषमा<sup>४०</sup> तु तिस्र सत्कोटिकोटयः ॥४३॥

(२) नव नामानि अगस्त्यस्य । अपेति तत्र तद्वाक्योवात् ॥

(४) अपेति तत्रयं सूत्रेण्येन्द्रसङ्गमसङ्गने पहवाक्यै ॥

(५) अपेति सप्तसामान्यत उपद्रवे ॥

(६) अग्निलतोपद्रवस्य इयम् ॥

(७) षड् सामान्यतः काल नामानि ॥

(१) पङ्करानाहृतिभिः श्लोकैश्चर्त्तेत, एवञ्च प्रथमारस्य ॥

(२) सुषमेति-सर्व्वत्वारस्य नाम बोद्धव्यम् ॥

(३) द्वितीयादस्य ॥

(१) सुषमदुःप्रमाते द्वे<sup>(१)</sup> दुःप्रमसुप्रमा<sup>१</sup> पुनः ।  
 सै का सहस्रै वर्षाणां द्विचत्वारिंशतो गिता ॥४४॥  
 (१) अथ दुःप्रमै<sup>१</sup> कविंशति रब्दसहस्राणि तावतो तु स्यात् ।  
 ४) एकान्तदुःप्रमा<sup>१</sup> पिच्छेत व्यङ्ग्याः परेऽपि विपरीताः ॥४५॥  
 (५) प्रथमे ऽरत्रये मन्थ्यां स्नि-द्वे-र-रूपत्यजीविताः ।  
 त्रिंशे -र-गव्यतोच्छ्राया स्नि-द्वे-र-कदिनभोजनाः ४६॥  
 कल्पद्रुफलसन्तुष्टा चतुर्थे त्व ऽरके नराः ।  
 पूर्वैकोव्यायुषः पञ्च-धनुः शतससुच्छ्रयाः ॥४७॥  
 पञ्चमे तु वर्षशतायुषः सप्तकरोच्छ्रयाः ।  
 षष्ठे पुनः षोडशान्दायुषो हस्तससुच्छ्रयाः ॥४८॥  
 एकान्तदुःखप्रचिता उत्सर्पिण्या मऽपीदृशाः ।  
 पञ्चानुपूर्व्यां विज्ञेया अरेषु किल षट् स्वपि ॥४९॥  
 षटादशनिमेषाः स्युः काष्ठा<sup>१</sup>काष्ठाह्वयं लवः<sup>१</sup> ।  
 कला<sup>१</sup> तैः पञ्चदशभिर्लेशै<sup>१</sup>सद्द्वितयेन च ॥५०॥  
 षण्णसैः पञ्चदशभिः शै<sup>१</sup>सैः षड्भिश्च नाडिका<sup>१</sup> ।  
 सा धारिका<sup>१</sup> षटिका<sup>१</sup> च मूहूर्त्तै<sup>१</sup> सादृह्वयेन च ॥५१॥  
 त्रिंशता तै ऽरहोरात्र<sup>(१)</sup> सता ह<sup>१</sup>दिवसो<sup>१</sup>दिनम्<sup>१</sup> ।  
 दिवं<sup>४</sup> द्यु<sup>५</sup>र्वासरो<sup>१</sup>षष्ठः<sup>७</sup> प्रभातं<sup>१</sup> स्याद् हर्मुखम्<sup>(७)</sup> ॥५२॥

(१) ततोवारस्य ॥

(२) चतुर्षारस्य, दुःप्रमैः अपि अरस्य नाम इत्यपि बोद्धव्यम् ॥

(३) पञ्चमारस्य ॥ (४) षष्ठारस्य ।

(५) अराणां फलमाह ॥

(६) अहरिति सप्त दिन नामानि । प्रभातेति सायं प्रभातकाले ॥

(७) प्रीतःकालोहि सूर्यार्जोदयादारभ्य षटिका षट्कं यावद्-

व्युष्टि<sup>२</sup>विभातं<sup>४</sup> प्रत्युषं<sup>५</sup> कल्य<sup>६</sup>-प्रत्युषसी<sup>७</sup> उषः<sup>८</sup> ।  
 काल्यं<sup>९</sup> मध्याह्नं<sup>१</sup> खु द्विवा मध्यं<sup>२</sup> मयन्दिनं<sup>३</sup> च सः<sup>(१)</sup> ॥५३॥  
 दिनावसानं<sup>३</sup> सुस्त्रुरो<sup>२</sup> विकाल<sup>२</sup> सवली<sup>४</sup> अपि ।  
 सार्यं<sup>(२)</sup> सन्ध्या<sup>१</sup> तु पितृसू<sup>२</sup> स्त्रिसन्ध्य<sup>१</sup> तू-प्रवैणवम्<sup>२</sup> ॥५४॥  
 (१) आहुकालं<sup>१</sup> खु कुतुपो<sup>२</sup> षट्मो भागो दिनस्य यः ।  
 निशा<sup>१</sup> निशीथिनी<sup>२</sup> रात्रिः<sup>३</sup> शर्करी<sup>४</sup> क्षणदा<sup>५</sup> क्षपा<sup>६</sup> ॥५५॥  
 त्रियामा<sup>७</sup> यामिनी<sup>८</sup> भौती<sup>९</sup> तमी<sup>१०</sup> तमा<sup>११</sup> विभावरी<sup>१२</sup> ।  
 रजनी<sup>१३</sup> वसतिः<sup>१४</sup> श्यामा<sup>१५</sup> वासतेयी<sup>१६</sup> तमस्विनी<sup>१७</sup> ॥५६॥  
 उषा<sup>१८</sup> द्राघा<sup>१९</sup> न्दुकान्ता<sup>२०</sup> (४) षं तमिस्त्रा<sup>२१</sup> दर्शयामिनी ।  
 ज्यौत्स्नी<sup>२</sup> तु पूर्णिमारात्रि<sup>३</sup> गणरात्रौ<sup>४</sup> निशागणः<sup>५</sup> ॥५७॥  
 पक्षिणी<sup>१</sup> पक्षतुल्याभ्या मञ्जोभ्यां वेष्टिता निशा ।  
 गर्भकं<sup>१</sup> रजनीद्वन्द्वं<sup>२</sup> प्रदोषो<sup>३</sup> यामिनीसुखम् ॥५८॥

वति यद्विष्णुपुराणे “लेखा प्रभृत्यथादित्येतिमुहूर्त्तगतेऽत्र वै । प्रातस्तनं  
 ततः कालो भंगश्चाहः स पञ्चम” इति ॥

(१) लीथि मध्याह्न नामानि ।

(२) पञ्च सार्यकाल नामानि, तत्र सन्धेति द्वयं द्विवा रात्रिसन्धौ,  
 त्रिसन्ध्यमिति प्रातर्मध्याह्नसायाह्नोपलक्षितकालविशेषेण ॥

(३) दिवसस्य षट्मो भागः स आहुकालः कुतपश्च उच्यते इत्यर्थः,  
 दिवसस्य हि पुराणोक्तानि रौद्रादीनि भंगान्तानि पञ्चदशमुहूर्त्तानि,  
 तत्र व्ये यो गणनाक्रमेण षट्मो मुहूर्त्तः स कुतुपो नाम उच्यते, तत्-  
 प्रयोजनञ्च आह्वे अन्यक्रमेण षट्मो मुहूर्त्तः अभिजिदाख्य एव ॥

(४) त्रिंशत्कामानि रात्रिसामान्यस्य, तत्र विशेषमाहु तमिस्त्रोति ॥

यामः<sup>१</sup> प्रहरो<sup>२</sup> निशीक<sup>३</sup> स्वर्हरात्रो<sup>४</sup> महाविशा<sup>५</sup> ।  
 उच्चद्र<sup>६</sup> स्वपररात्र<sup>७</sup> स्वमिस्व<sup>८</sup> तिमिर<sup>९</sup> तमः<sup>१०</sup> ॥५८॥  
 ध्वान्त<sup>११</sup> भूच्छाया<sup>१२</sup> ऽन्धकारं<sup>१३</sup> तमसं<sup>१४</sup> स-मवा-ऽन्धतः<sup>(१)</sup> ।  
 तुल्यनक्तन्दिने काले विषुव<sup>१५</sup> द्विषुव<sup>१६</sup> च तत् ॥६०॥  
 पञ्चदशा-ऽहोरात्रः स्यात्प्रचः<sup>१७</sup> स बहूलो<sup>१८</sup> ऽमितः ।  
 तिथिः<sup>१९</sup> पुनः कर्मवाटो<sup>२०</sup> ऽतिप<sup>२१</sup> तावतिः<sup>२२</sup> समे ॥६१॥  
 पञ्चदश्यो<sup>२३</sup> यज्ञकालो<sup>२४</sup> पचान्तो<sup>२५</sup> पञ्चैशी<sup>२६</sup> अपि<sup>(२)</sup> ।  
 त त्यश्मूलं भूतेष्टापञ्चदश्यो र्यं<sup>२७</sup> ऽदन्तरम् ॥६२॥  
 स पञ्चैसन्धिः<sup>२८</sup> प्रतिपत्पञ्चदश्यो र्यं दन्तरम् ।  
 पूर्णिमा<sup>२९</sup> पौर्णमासी<sup>३०</sup> सा राका<sup>३१</sup> पूर्णं निशाकरे ॥६३॥  
 कलाहने त्व ऽनुमति<sup>३२</sup> मार्गशीर्षी<sup>३३</sup> ऽग्रहायणी<sup>३४</sup> ।  
 अमा<sup>३५</sup> ऽमावस्य<sup>३६</sup> ऽमावस्या<sup>३७</sup> दृशः<sup>३८</sup> सूर्येन्दुसङ्गमः<sup>३९</sup> ॥६४॥  
 अमावास्या<sup>४०</sup> ऽमावासी<sup>४१</sup> च सा नष्टेन्दु कुङ्कः<sup>४२</sup> तुङ्कः<sup>४३</sup> ।  
 दृष्टेन्दु सु सिनीवाली<sup>४४</sup> भूतेष्टा तु चतुर्दशी<sup>४५</sup> ॥६५॥  
 पक्षो मामो<sup>४६</sup> वत्सराट्<sup>४७</sup> मार्गशीर्षः<sup>४८</sup> सहः सहा<sup>(३)</sup> ॥६६॥  
 आग्रहायणिक<sup>४९</sup> ऽथाय पौष<sup>५०</sup> सैव<sup>५१</sup> सहस्य<sup>५२</sup> वत्<sup>(४)</sup> ॥६६॥

(१) सन्तमसं अथतमसं अन्धतमसं ॥

(२) चत्वारि अमावस्यायां पौर्णमास्याश्च ॥

(३) पञ्चमार्गशीर्षमासानि, तत्र सहः अकाटान्तोऽयं देवत्व, सहाः  
 व्यञ्जनदन्त्यान्तःपुंसि, सहसौ सहसः इत्यादीनि रूपानि ॥ .

(४) त्रीणि पौषनामानि, सहस्यवत् यथा सहस्यः पौषरात्रो तथा  
 तेषोपीत्यर्थः ॥

(१) माघस्तूपाः<sup>२</sup> फाल्गुन<sup>१</sup> स्तु फाल्गुनिकस्तूपस्य<sup>२</sup> वत्<sup>२</sup> ।  
 चैतोमधु<sup>२</sup> चैत्रिक<sup>१</sup> च वैशाखे<sup>१</sup> राध<sup>२</sup> माघवौ<sup>२</sup> ॥६७॥  
 (२) ज्येष्ठस्तु शुक्लो<sup>२</sup>ऽथाऽषाढः<sup>१</sup> शुचिः<sup>२</sup> स्याच्छ्रावणो<sup>१</sup> नभाः<sup>२</sup> ।  
 आश्विनिको<sup>२</sup> ऽथ नभस्यः<sup>१</sup> प्रौष्ठभाद्रपरः<sup>२</sup> पदः<sup>२</sup> ॥६८॥  
 भाद्र<sup>१</sup> चाप्या ऽश्विने<sup>१</sup> त्वा ऽश्वयुजे<sup>२</sup>-प्रा<sup>२</sup> ऽवय कार्तिकः<sup>१</sup> ।  
 कार्तिकिको<sup>२</sup> बाह्यलो<sup>१</sup> ज्यै<sup>१</sup> हौ हौ मार्गदिका<sup>१</sup> ष्टुः<sup>१</sup> ॥ ६९॥  
 हेमन्तः<sup>१</sup> प्रशलो<sup>२</sup> रौद्रो<sup>२</sup> ऽथ श्रैष<sup>१</sup> शिशिरौ<sup>२</sup> समौ ।  
 वसन्त<sup>१</sup> इष्यः<sup>२</sup> सुरभिः<sup>१</sup> पुष्ककालो<sup>१</sup> बलाङ्गकः<sup>२</sup> ॥७०॥  
 उष्ण<sup>१</sup> उष्णागमो<sup>२</sup> ग्रीष्मो<sup>२</sup> निदाष<sup>१</sup> स्तप<sup>१</sup>(५) उष्णकः<sup>१</sup> ।  
 वर्षा<sup>१</sup>(६) स्तपात्ययः<sup>२</sup> प्राष्टण<sup>२</sup> मेघा<sup>१</sup>(७) त्कात्ता<sup>१</sup>-ऽगमौ<sup>१</sup> क्षरी<sup>१</sup> ॥७१॥  
 शर<sup>१</sup> ह्वनात्ययो<sup>२</sup> ऽयनं<sup>१</sup> शिशिराद्यै<sup>१</sup> स्त्रिभिस्त्रिभिः<sup>१</sup> ।  
 अयने<sup>१</sup> द्वे गति रुद्<sup>१</sup> ग्दक्षिणा<sup>२</sup> ऽर्कस्य<sup>१</sup> वत्सरः<sup>१</sup> ॥७२॥

(१) इयं माघ नामनि, तत्र तपाः व्यञ्जनदन्त्यान्तः ॥

(२) त्रीणि फाल्गुणे, त्रीणि चैत्रे, त्रीणि वैशाखे च ॥

(३) इयं ज्येष्ठमासे, ज्येष्ठ इत्यत्र ज्येष्ठोऽपि, वन्महेत्वर आह,  
 “ज्येष्ठे ज्येष्ठोऽपि दृश्यते” इति तत्पक्षे ज्येष्ठया चन्द्रयुक्तया युक्ता पौर्ण-  
 मासी ज्येष्ठी “चन्द्रयुक्तात्काले” इत्यण् साट्त्त्यस्य ज्येष्ठः सास्त्र पौर्ण-  
 मासीत्यण् ॥

(४) इयमाषाढे, त्वयं आश्विने, चत्वारि भाद्रे, त्रीण्यश्विने, चत्वारि  
 कार्तिके च, तत्र प्रोष्ठेति प्रोष्ठपदो भाद्रपदश्च, आश्वयुजः अकारान्तो  
 देववत् ।

(५) तपः अकारान्तो देव शब्दवत् ॥

(६) वः णिः नित्य बहुवचनान्तः स्त्रीलिङ्गः ॥

(७) मेघकालः १ मेघागमश्च २ ॥

(1) स'सं-पर-व्य' - नृङ्गो' वर्ष' इत्यनो' ऽब्दः समा' शरत्' (२)  
 भवे त्वैवं' त्व ऽहोरात्रं मासेना ऽब्देन दैवतम् ॥७३॥  
 दैवे युगसहस्रे ह्ये ब्राह्मणं कल्पौ तु ते दृणाम् (२) ।  
 मन्वन्तरं तु दिव्यानां युगानामेकसप्ततिः ॥७४॥  
 कल्पो' युगान्तः' कल्पान्तः' संहारः' प्रलयः' अयः' ।  
 संचर्तः' परिवर्त्त' च समस्तुति' जिहानकः' (४) ॥७५॥  
 तत्काक्ष' सु तदात्वं' स्या तज्जं सान्द्रष्टिकं' फलम् ।  
 आयति' सूतः' काल उदकी' सङ्गवं फलम् ॥७६॥  
 व्योमा' ऽन्तरिक्षं' जगन्' घनाश्रयो'  
 विहाय' आकाश' मनन्त' पुष्करे' ।  
 अन्नं' सुरा-ऽभ्रो-ऽडु-मह-त्वयो' (५) ऽम्बरं'  
 खं' द्यौ' दिवौ' विष्णुपदं' विय' नभः' २६ (१) ॥७७॥  
 नन्दाट' तडित्वा' कुदिरो' घनाघनो'  
 ऽन्नं' धूमयोनि' स्तनयितृ' सेवाः' ।

(1) स इति वत्सरः, संवत्सरः १ परिवत्सरः २ अनुवत्सरः ३ उद्वत्-  
 सरश्च ॥

(२) दश वर्षत्सर नामानि, तत्र घनाः स्त्रियः मानसो विकल्पेन वज्र-  
 वर्चनान्तश्च ॥

(३) ते ह्ये युगसहस्रे नृणां कल्पावितृष्यो ॥

(४) दशप्रलय नामानि ॥

(५) सुरपथ १ अन्नपथः २ उडुपथः ३ महत्त्वपथः ४ ॥

(६) विंशत्याकाशनामानि ॥



धीमूत<sup>६</sup>-पर्जन्य<sup>१०</sup>-वृषा<sup>११</sup>का<sup>११</sup> घनो<sup>१२</sup>

धाराधरो<sup>१२</sup> वाह<sup>१४</sup>-दी<sup>१५</sup>-सु<sup>१६</sup>-गधरो<sup>१७</sup> जलात्<sup>(१)</sup> ॥७८॥

कादखिनी<sup>१</sup> मेघमाला<sup>(२)</sup> दुर्दिबं<sup>३</sup> मेघजं तमः ।

आसारो<sup>४</sup> वेगवान्, वर्षी<sup>(२)</sup> वातासं वारि शीकरः<sup>५</sup> ॥७९॥

वृष्ट्यां वर्षण<sup>६</sup> वर्षे तद्विघ्ने ग्राह-ग्रहारे ज्वलात्<sup>(४)</sup> ।

घनोपल<sup>७</sup> सु करकः<sup>(५)</sup> काष्ठा ऽशा<sup>८</sup> दिग्<sup>९</sup> हरि<sup>१०</sup> त्ककुप्<sup>११</sup>

(७)पूर्वा<sup>१</sup> प्राची<sup>२</sup> दक्षिणा<sup>३</sup> ऽपानी<sup>४</sup> प्रतीची<sup>५</sup> तु पश्चिमा<sup>६</sup> ।

अपरा<sup>७</sup> ऽद्यो उत्तरो<sup>८</sup> दीची<sup>९</sup> विदिक्<sup>१०</sup> त्व ऽपदिशं<sup>११</sup> प्रदिक्<sup>१२</sup> ॥८१॥

दिश्यं दिग्भववस्तुन्य ऽपाग<sup>१</sup> ऽपानी<sup>२</sup> उद् सुदीचीनम्<sup>३</sup> ।

प्राक्<sup>४</sup> प्राचीनं<sup>५</sup> च समे प्रत्यक्<sup>६</sup> तु स्यात्प्राचीनम्<sup>७</sup> । ८२॥

तिर्यग्दिशं<sup>८</sup> तु पतय<sup>(७)</sup> इन्द्रा<sup>९</sup>-ग्नि<sup>१०</sup>-यम<sup>११</sup>-नैऋताः<sup>१२</sup> ।

वहणो<sup>१३</sup> वासु<sup>१४</sup>-कुबेरा<sup>१५</sup> वीशान<sup>१६</sup> च यथाक्रमम् ॥८३॥

(८)रेरावतः<sup>१</sup> पुरण्डरीको<sup>२</sup> वामनः<sup>३</sup> कुम्भो<sup>४</sup> ऽक्षगः<sup>५</sup> ।

पुष्पदन्तः<sup>६</sup> सार्वभौमः<sup>७</sup> सुप्रतीक<sup>८</sup> च दिग्गजाः<sup>९</sup> । ८४॥

(१) दशमेघ नामानि, अपि च, जलवाह १ जलदः २ जलसुग ३ जलधरः ४ यौगिकत्वात् वारिवाहः वारिद् इत्यादयो योज्याः ॥

(२) हे नामनी मेघघटायाः ॥ (३) वातेनासं विप्रम् ॥

(४) अवस्थाहः अवग्रहः इति हे नामनी इटिविघाते ॥

(५) त्रिलिङ्गः करकशब्द, वर्षोपल इत्यपि घनशब्दं सार्वभौतम् ॥

(६) काष्ठादिपञ्चकं सामान्यतो दिशि ।

(७) पूर्वादिद्वयं प्राच्यां, दक्षिणस्यां दक्षिणादिद्वयं, प्रतीच्यादि-  
त्वं पश्चिमायां, उत्तरादिद्वयमुत्तरस्यां, धीतित्वयं मध्यवर्तिन्याम् ॥

(८) दिक्पालात्मिकैकम् ॥

(९) दिग्गजानामेकैकम् ॥

इन्द्रो<sup>१</sup> हरिः<sup>२</sup> ईश्वरं<sup>३</sup> नो<sup>४</sup> ऽच्युताग्रजो<sup>५</sup>  
 वज्री<sup>६</sup> विडो<sup>७</sup> जा<sup>८</sup> मघवान्<sup>९</sup> पुरन्दरः<sup>१०</sup> ।  
 प्राचीनवर्हि<sup>११</sup> पुंरु<sup>१२</sup> त<sup>१३</sup>-वासकी<sup>१४</sup> ।  
 संक्रन्दना<sup>१५</sup> ऽखण्डल<sup>१६</sup>-मेघवाहनाः<sup>१७</sup> ॥८५॥  
 सुनाम<sup>१८</sup>-वासोष्पति<sup>१९</sup>-दक्षमि<sup>२०</sup>-शक्रा<sup>२१</sup> ।  
 वृषा<sup>२२</sup> ऽशुनासीर<sup>२३</sup>-सहस्रनेत्रौ<sup>२४</sup> ।  
 पर्जन्य<sup>२५</sup>-हृद्य<sup>२६</sup> च<sup>२७</sup>-ऋभुञ्जि<sup>२८</sup>-वाङ्म-  
 दन्तो<sup>२९</sup> ऽहं<sup>३०</sup> अवस<sup>३१</sup> सुरापाट<sup>३२</sup> ॥८६॥  
 सुरर्षभ<sup>३३</sup> ऽसपसुचो<sup>३४</sup> जिष्णु<sup>३५</sup> वरशतक्रतुः<sup>३६</sup> (१) ।  
 कौशिकः<sup>३७</sup> पूर्वदि<sup>३८</sup> ग्देवा-ऽसुरः-स्वर्ग-शची-पतिः<sup>३९</sup> (२) ॥  
 यतनाघा<sup>४०</sup> ऽहृद्य<sup>४१</sup> मघत्वा<sup>४२</sup> ऽश्ववा<sup>४३</sup> ऽस्य तु<sup>४४</sup> (२) ।  
 (२) द्विषः पाको<sup>४५</sup> ऽद्रयो<sup>४६</sup> वृषः<sup>४७</sup> पुलोमा<sup>४८</sup> नसुषि<sup>४९</sup> बलः<sup>५०</sup> ॥८८॥  
 जम्भः<sup>५१</sup> प्रिया शची<sup>५२</sup> न्द्राणी<sup>५३</sup> पौलोमी<sup>५४</sup> जयवाहिनी<sup>५५</sup> ।  
 तनय सु जयन्तः<sup>५६</sup> स्या जयदन्तो<sup>५७</sup> जय<sup>५८</sup> च सः ॥८९॥  
 सुता जयन्ती<sup>५९</sup> तविषी<sup>६०</sup> ताविष्णु-ञ्चैःश्रवा<sup>६१</sup> हृद्यः ।  
 मातलिः<sup>६२</sup> सारथि देवनन्दी<sup>६३</sup> द्वाःस्यो गजः पुनः ॥९०॥  
 ऐरावतो<sup>६४</sup> ऽभ्रमातङ्क<sup>६५</sup> चतुर्दन्तो<sup>६६</sup> ऽर्कसोदरः<sup>६७</sup> ।  
 ऐरावतो<sup>६८</sup> ऽस्त्रिमल्ल<sup>६९</sup> ऽश्वतगजो<sup>७०</sup> ऽभ्रसुप्रियः ॥९१॥  
 वैजयन्ती<sup>७१</sup> तु प्रासाद-ध्वजौ पुष्य<sup>७२</sup> मरावती<sup>७३</sup> ।

(१) वरक्रतुः १ शतक्रतुः २ ॥

(२) पूर्वदिक्पतिः १ देवपतिः २ असुरपतिः ३ स्वर्गपतिः ४ शचीपतिः ५ ॥

(३) इन्द्रविषामेकैकम् ।

सरो नन्दीसरः<sup>१</sup> पर्वतसुधस्त्री<sup>१</sup> नन्दनं<sup>१</sup> वनम् ॥२२॥  
 वृक्षा<sup>१</sup> कल्पः<sup>१</sup> पारिजातो<sup>१</sup> मन्दारो<sup>१</sup> हरिचन्दनः<sup>५</sup> ।  
 सन्तान<sup>५</sup> च<sup>(२)</sup> धनु देवायुधं<sup>१</sup> तद्वज्र रोहितम्<sup>१</sup> ॥२३॥  
 दीर्घलम्बं रावतं<sup>१</sup> वज्रं<sup>१</sup> त्व शनिं<sup>१</sup> ह्रींदिनो<sup>१</sup> स्वः<sup>५</sup> ।  
 शतकोटिः<sup>५</sup> पविः<sup>१</sup> शम्भो<sup>१</sup> इन्द्रो<sup>१</sup> लिङ्गभिदुरं<sup>५</sup> भिदुः<sup>१</sup> ॥२४॥  
 व्याधामः<sup>१</sup> कुलिशो<sup>१</sup> ऽस्या च्छि रतिभोः<sup>१</sup> स्वर्जम्बु<sup>१</sup> ध्वनिः ।  
 सर्वेद्या वशिनी<sup>(२)</sup> पुत्रा<sup>१</sup> वशिनी<sup>१</sup> वडवासुतो<sup>५</sup> ॥२५॥  
 नासिक्या<sup>५</sup> वक्त्रजो<sup>१</sup> दक्षो<sup>१</sup> नासत्या<sup>५</sup> वक्त्रजो<sup>१</sup> यमो<sup>१</sup> ।  
 विश्वकर्मा पुन स्वष्टा<sup>१</sup> विश्वकर्<sup>१</sup> हेववर्द्धकिः<sup>५</sup> ॥  
 (४) स्व-स्वर्गि-वधो<sup>१</sup> ऽप्सरस<sup>१</sup> स्वर्ग्या<sup>५</sup> उर्वशीसुखाः ।  
 (५) हाहादयस्तु गन्धर्वा गान्धर्वा<sup>१</sup> देवगायनाः ॥

सुमः कृतान्तः<sup>१</sup> पिढ-दक्षिणाशा-  
 प्रेतात्पति<sup>(१)</sup> दंष्ट्रधरो<sup>१</sup> ऽर्कहनुः<sup>१</sup> ।  
 कीनाश<sup>५</sup>-हृत्पु<sup>५</sup> समवर्ति<sup>१</sup>-काली  
 श्रीर्षाङ्गि<sup>१</sup>-हृत्पु<sup>१</sup>-ऽन्तक<sup>५</sup>-धन्वीराजाः ॥२८॥

(१) इन्द्रवज्राणामेकैकम् ।

(२) इन्द्रस्य धनुषो नामैकं देवायुधमिति, मेधप्रतिफलितानि च सूर्य-  
 दशमो धनुराकारेण दृश्यन्ते इति चोरस्वामी ॥ तदिति वज्रं स्वर्ग-  
 सरत्नमित्यर्थः तस्य नामैकरोहितमिति इदं तूत्यादे भवति ॥

(३) अथौ विद्युतेऽनयोरित्त्वन्विनो वदाद्याधिष्ठा वित्त्यर्थः, इत्य-  
 प्रत्ययान्तोऽयम् । नित्यं दिवसमान्तश्च एते पुं वि ॥

(४) सर्वध्वः<sup>१</sup> स्वर्गिध्वः ॥

(५) उर्वशीद्याया इत्यर्थः ॥

(६) पिढपतिः<sup>१</sup> दक्षिणाशापतिः<sup>२</sup> प्रेतपतिः<sup>३</sup> ।

यमराजः<sup>१६</sup> वाहदेवः<sup>१७</sup> श्रमनो<sup>१८</sup> महिषध्वजः<sup>१९</sup> ।  
 कालिन्दीसोदरः<sup>२०</sup> चापि भूमीश्रीः<sup>२१</sup> तंभु बल्लभः ॥८८॥  
 पुरी पुनः संबन्धनी<sup>११</sup> प्रतीहाः सुकैधतः<sup>१२</sup> ।

१) हासौ चण्डो-महाचण्डो चित्रयुक्तं लेखकः ॥९०

स्वाङ्गप्रियः<sup>२</sup> पुण्यजनो<sup>३</sup> च चर्चाः<sup>४</sup>

(२) याता<sup>५</sup> शरः<sup>६</sup> कौणप<sup>७</sup> यातुधानी<sup>८</sup>

रात्रिचरी<sup>९</sup> रात्रिचरः<sup>१०</sup> फलादः<sup>११</sup>

कीनाश<sup>१२</sup> शब्दो<sup>१३</sup> निकषात्मजा<sup>१४</sup> च ॥९०१॥

(४) क्रव्या<sup>१५</sup> त्कर्षुर<sup>१६</sup> मैत्रिता<sup>१७</sup> वष्टुको<sup>१८</sup>

बर्ण<sup>१९</sup> स्वर्णवमन्दि<sup>२०</sup> प्रचेताः<sup>२१</sup> ।

जल-यादः-पति<sup>२२</sup> (५) -पाशि<sup>२३</sup> -मेघनादा<sup>२४</sup> ।

जलकान्तारः<sup>२५</sup> स्यात्परश्चन<sup>२६</sup> च ॥९०२॥

श्रीदः<sup>२७</sup> तितोदर<sup>२८</sup> कुहो<sup>२९</sup> -शसखाः<sup>३०</sup> पिशाचकी<sup>३१</sup>

च्छावसु<sup>३२</sup> स्त्रिशिर<sup>३३</sup> -ऐलविश्वे<sup>३४</sup> कपिकाः<sup>३५</sup> ।

पौलस्त<sup>३६</sup> -वैश्वण<sup>३७</sup> -रत्नकराः<sup>३८</sup> कुबेर<sup>३९</sup> -

यज्ञो<sup>४०</sup> दधर्मी<sup>४१</sup> -धनदो<sup>४२</sup> नरवाहन<sup>४३</sup> च ॥९०३॥

केलासौ<sup>४४</sup> बल्ल-धन-त्रिभि-किम्पुष्ये-श्वरः<sup>४५</sup> (६) ।

(१) संबन्धनी इति परे पठन्ति ।

(२) बसदासुबोदेकैकम् ॥

(३) वाहं यागनी यातूनि, पुंस्यपि सदाह धनपातः, क्रव्यादा या-  
 गो यदुधाना इति ॥ क्रव्यात् क्रव्यादौ क्रव्यादः

(४) निकषामूर्धन्योपि ॥

(५) जलपतिः १ यादःपतिरित्यादि ॥

(६) यज्ञेश्वर १ उनेश्वरः २ निधीश्वरः ३ तिम्युश्वेश्वरः पञ्चतया ॥

विमानं पुण्यकं चैत्ररक्षं वनं पुरी प्रभा ॥१०४॥

अलकारे वस्त्रोक्तवारा सुतो ऽस्य जलकृवरः ।

विक्तं रिक्तं स्वपतेयं राः<sup>५</sup> वारं<sup>५(१)</sup> विमको<sup>५</sup>

दुष्कं<sup>५</sup> द्रव्यं<sup>५</sup> दृक्<sup>५</sup> वं<sup>५</sup> वक्तव्यं<sup>५</sup> स्व<sup>५</sup> वक्तव्यं<sup>५</sup> द्विविधं<sup>५</sup> धनम्<sup>५</sup> ।

द्विरण्या<sup>१६</sup>-यो<sup>१०</sup> निधानं<sup>१</sup> तु कुनाभिः<sup>१</sup> शेषधि<sup>१</sup> निधिः<sup>१</sup> ॥२॥

महापद्मं च पद्मं च<sup>(२)</sup> शङ्खो मकर<sup>५</sup>-कच्छपौ<sup>५</sup> ।

सुकुन्द<sup>१</sup>-कुन्द<sup>०</sup>-नीला<sup>५</sup> चर्चा<sup>५</sup> च निधयो नव<sup>(३)</sup> ॥१०७॥

यच्चः<sup>१</sup> पुण्यजनो<sup>२</sup> राजा<sup>२</sup> शुच्यको<sup>५</sup> वटवास्य<sup>५</sup> पि ।

किन्नरी<sup>५</sup> सु किम्पुवर्ष<sup>५</sup> रक्तवदनो<sup>२</sup> मयः<sup>५</sup> ॥१०८॥

शुभ्रः<sup>१</sup> शर्षः<sup>२</sup> स्याद्यु<sup>२</sup> रीशान<sup>५</sup> ईशो<sup>५</sup>

वद्रो<sup>१</sup>-द्वीशो<sup>५</sup> वामदेवो<sup>५</sup> वृषाङ्कः<sup>२</sup> ।

कण्ठेकालः<sup>१</sup> शङ्करौ<sup>१</sup> नीलकराठः<sup>१२</sup>

श्रीकण्ठो<sup>१२</sup>-श्री<sup>१५</sup> धूर्जटि<sup>१५</sup> भीम<sup>१६</sup>-भण्णो<sup>१७</sup> ॥१०९॥

मत्युच्चवः<sup>१</sup> पद्मसुखो<sup>१६</sup> ऽष्टमूर्त्तिः<sup>२०</sup>

शमशानवेष्मा<sup>२१</sup> गिरीशो<sup>२२</sup> गिरीशः<sup>२२</sup> ।

पद्मः<sup>२४</sup> कपही<sup>२५</sup> खर<sup>२६</sup> ऊर्ध्व<sup>२७</sup> शिखर<sup>२७</sup>

एक-ति-दृक्<sup>२८(५)</sup> भालहरो<sup>२९</sup> कपाद्ः<sup>३१</sup> ॥११॥

(१) पुं स्यपि यदाह धनपाठः “वारोऽथैवैविविधं धनम्” ।

(२) निधीनामेकैकम् ।

(३) निधिः शेषधिरस्त्विति वाचस्पतिः ॥

(४) पद्मोऽस्त्विति वाचस्पतिः ॥

(५) चर्चाः चर्चासौ २३ । इत्येवं रूपानि ।

(६) एकदकः त्रिदकः इत्यादि ॥

ब्रह्मो<sup>१</sup> इन्द्राची<sup>२</sup> धमवाहनो<sup>३</sup> इन्द्रि  
 ब्रह्मो<sup>४</sup> विश्वामित्र<sup>५</sup> विमानको<sup>६</sup> चो  
 महावती<sup>७</sup> बह्नि-हिरण्य-रेताः<sup>८</sup> (१)  
 शिवो<sup>९</sup> इन्द्रिभन्वा<sup>१०</sup> पुष्पास्थिमाली<sup>११</sup> ॥१११॥  
 स्याद्योमकेशः<sup>१२</sup> शिपिविष्ट<sup>१३</sup> भैरवी<sup>१४</sup>  
 दिक्-कृत्ति-वासा<sup>१५</sup> (२) भव<sup>१६</sup> नीललोहितौ<sup>१७</sup> ।  
 सर्वज्ञ<sup>१८</sup> नासाप्रिय<sup>१९</sup> खण्डपर्शवो<sup>२०</sup>  
 महा-परा-देव<sup>२१</sup> नटेश्वरा<sup>२२</sup> हरः<sup>२३</sup> (३) ॥११२॥  
 पशु-प्रमथ-भूतो-मा-पतिः<sup>२४</sup> पिङ्गजट<sup>२५</sup> खण्डः<sup>२६</sup> ।  
 नाक-भ्रूज-खड्गाङ्ग-गङ्गा-इन्दी-न्द-कपाल-भट<sup>२७</sup> ॥११३॥  
 गज-पूष-पुरा-नङ्ग-काका-न्वक-मखा-सुहृत्  
 पद्दी<sup>२८</sup> इत्यजटाजूटः खड्गाङ्ग<sup>२९</sup> सु<sup>३०</sup> सुखं सुयः<sup>३१</sup> ॥११४॥  
 पनाकां स्यादा जगव<sup>३२</sup> मजकाव<sup>३३</sup> च तद्वनु ।  
 आस्ताद्या मातरः<sup>३४</sup> सप्त प्रमथाः<sup>३५</sup> पार्शदा<sup>३६</sup> गणाः<sup>३७</sup> ॥११५॥

(१) बह्निरेताः हिरण्यरेता इति ।

(२) दिग्वासाः कृत्तिवासाः ।

(३) महादेवः महानटः महेश्वरः ।

(४) पशुपतिः; अत्र पशुपतेन सुरनरतिर्यक्षो मृग्याने, "आम-  
 क्षानं लोकाः पशव" इति स्मृतेः । प्रमथपतिः भूतपतिः, भूतशब्दो  
 ब्रह्मण्युचरपर्यायः । उमापतिः । पिङ्गजटः पिङ्गजखण्डः । पिनाक-  
 भटः भ्रूजभटः खड्गाङ्गभटः गङ्गाभटः अहिभटः इन्द्रभटः कपाल-  
 भटः ॥

(५) गजादिभ्यः सप्तभ्योऽप्येऽसुहृत्, गजासुहृदित्यादि ।

(1) लक्ष्मिमा<sup>१</sup> वशिते<sup>२</sup> शिखी<sup>३</sup> परकाव्य<sup>४</sup> महिमा<sup>५</sup> शिमा<sup>६</sup> ।  
 यत्र कामावसामितं<sup>७</sup> प्रीति<sup>८</sup> चैवैव्यं<sup>९</sup> सहसा<sup>१०</sup> ॥१॥  
 गौरी<sup>१</sup> काली<sup>२</sup> पाश्वती<sup>३</sup> महादेवता<sup>४</sup> ।  
 उपर्या<sup>५</sup> सन्नाथ<sup>६</sup> शिखर<sup>७</sup> नववको<sup>८</sup> स्यात्<sup>९</sup> ।  
 दुर्गा<sup>१०</sup> चण्डी<sup>११</sup> सिंहया<sup>१२</sup> का<sup>१३</sup> कृष्णी<sup>१४</sup> ।  
 कात्यायनी<sup>१५</sup> दक्षजा<sup>१६</sup> श्वर<sup>१७</sup> कुमारी<sup>१८</sup> ॥१३॥  
 सती<sup>१९</sup> शिवा<sup>२०</sup> महादेवी<sup>२१</sup> श्वर<sup>२२</sup> सती<sup>२३</sup> ।  
 भवानी<sup>२४</sup> त्रशा<sup>२५</sup> मैनाक<sup>२६</sup> स्वरा<sup>२७</sup> सेनाद्रिजे<sup>२८</sup> श्वर<sup>२९</sup> ॥११॥  
 निशुम्भ<sup>३०</sup> शुम्भ<sup>३१</sup> महिष<sup>३२</sup> मयनी<sup>३३</sup> भूतना<sup>३४</sup> किका<sup>३५</sup> ।  
 तस्याः<sup>३६</sup> सिंहो<sup>३७</sup> ममसा<sup>३८</sup> सख्यौ<sup>३९</sup> सु<sup>४०</sup> विजया<sup>४१</sup> जया<sup>४२</sup> ॥११८॥  
 चामुण्डा<sup>४३</sup> शक्ति<sup>४४</sup> श्वर<sup>४५</sup> मुण्डा<sup>४६</sup> आर्जुन<sup>४७</sup> कर्णिका<sup>४८</sup> ।  
 कर्णामोटी<sup>४९</sup> महागन्धा<sup>५०</sup> श्वरी<sup>५१</sup> कपा<sup>५२</sup> शिखी<sup>५३</sup> ॥१२॥  
 हेरबो<sup>५४</sup> गण<sup>५५</sup> विघ्ने<sup>५६</sup> श्वर<sup>५७</sup> पशु<sup>५८</sup> पाणि<sup>५९</sup> विनायकः<sup>६०</sup> ।  
 द्वैमातुरो<sup>६१</sup> गजास्यै<sup>६२</sup> कदम्बो<sup>६३</sup> श्वरो<sup>६४</sup> इरा<sup>६५</sup> सुभो<sup>६६</sup> ॥१२१॥  
 स्कन्दः<sup>६७</sup> स्वामी<sup>६८</sup> महासेनः<sup>६९</sup> सेनानी<sup>७०</sup> शिखिवाहनः<sup>७१</sup> ।  
 वायुमातुरो<sup>७२</sup> ब्रह्मचारी<sup>७३</sup> गङ्गा<sup>७४</sup> मा<sup>७५</sup> लक्षिका<sup>७६</sup> सुतः<sup>७७</sup> ॥१२२॥

- 
- (१) ऐश्वर्यायासकैकम् ॥
  - (२) कण्णखसा, मैनाकखसा इत्येवम् ।
  - (३) सेनाजाः अद्रिजाः ईश्वरा श्वरान्तो गङ्गावत् परब्रह्मवात् ।  
 तात्, ईश्वरीति त्व भरदि दित्वात्, भवकोमाहाडो प्रत्यतःप्रत्यसदीवत् ॥
  - (४) निशुम्भसयनीः शुम्भसयनीः महिषसयनीः ॥
  - (५) गौरीसख्योरेकैकम् ॥
  - (६) ममसाः विघ्नेशः इत्येवम् ॥
  - (७) दशगणेश नामानि ॥
  - (८) एतानि पूर्वपद्यानि ॥

हाहसाद्यो॥ महातेजः॥ कुबालो॥ पद्मसुखो॥ युद्धा॥ १  
 विशतोः॥ यज्ञिभ्यो॥ यौगिकत्वात् क्रौञ्चदा-  
 रणः॥ शरजन्मा रथिवमादयो गच्छीः॥  
 भृङ्गीः॥ अत्रिभिरिष्टिः॥ अत्रिरीष्टिः॥ नरिष्य-  
 स्थ-प्रियः॥ ॥ १ ॥  
 कृष्णारुके॥ केविकित्तो॥ नन्दी॥ तन्दी॥ नन्दी॥ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥

दृष्टियो॥ विष्टियो॥ दृष्टयो॥ विष्टयो॥ ॥  
 परमेष्ठ॥ जो॥ अत्रिभ्यः॥ स्वयंभूः॥ ॥  
 कसनः॥ कत्रिः॥ सास्त्रिका॥ वेदगर्भो॥  
 स्यविरः॥ शतोनन्द॥ पित्तान्तो॥ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥  
 धाता॥ विष्णोः॥ विष्टिः॥ वेदोः॥ सुः॥  
 पुराणगो॥ अश्वगो॥ विष्टोः॥ सुः॥  
 प्रजम्पति॥ अश्व॥ अश्व॥ अश्व॥  
 नान्त॥ अश्व॥ अश्व॥ अश्व॥ ॥ १ ॥ २ ॥ ३ ॥

शशुः॥ शतधृतिः॥ अश्वः॥ अश्वः॥ अश्वः॥  
 अश्वः॥ अश्वः॥ अश्वः॥ अश्वः॥ अश्वः॥  
 विष्णुः॥ अश्वः॥ अश्वः॥ अश्वः॥ अश्वः॥

(१) श्रीश्वारिकारकारिः शरभ रन्विभूः । यौगिकत्वात् क्रौञ्चदा-  
 रणः शरजन्मा रथिवमादयो गच्छीः ।  
 (२) भृङ्गपाद्यास्त्रयो प्रतिहाराः । नाडिविषयः । अस्त्रिभिर-  
 पुष्पकृष्णारुकादीनां सेवको ।  
 (३) नन्दी इत्यन्तः इकारान्तोऽपि हरिवत्, तत्र महादेवगणना-  
 मनि ।  
 (४) अत्रिभिरिष्टिभिरिष्टिः इत्येते स्त्रीजं, इतिभिरिष्टिभ्यो उच्यते,  
 विष्टि इति वा ।  
 (५) नाभिभूः पद्मभूः आत्ममूर्तिरपि, तत्कारिभ्योऽपि ॥



दाशार्हः ५ पुरुषोत्तमो ५ विष्णवर्णो ५ येन्द्रा ॥ वज्रोन्नासुजो ॥  
 विष्णवर्णो ५ गदाधरो ५ कदाधरो ५ नारायणः ५ श्रीमतिः ५  
 देवतारिः ५ पुराण-यन्त्र-पुराणो ५ संपूर्ण-मनो ५ धेयवजः ५ ॥

गोविन्दः ५ वज्रविन्दुः ५ सुकुन्दः ५ सखाः ५

वैकुण्ठः ५ पद्मेधवा ५ पद्मनाभाः ५

टपाकपिः ५ मीधरः ५ वासुदेवोः ५

विष्णुधरः ५ श्रीधरः ५ विष्णुधरोः ५ ॥ १२१ ॥

दामोदरः ५ श्रीरिः ५ सनातनो ५ विभुः ५

पीताम्बरो ५ मार्गः ५ जिनो ५ कुमोदकः ५ ।

विविक्तमो ५ लङ्का ५ चतुर्भुजो ५ पुत्र-

वीरुः ५ शतावर्तः ५ कदाधरो ५ स्वभूः ५ ॥ १२२ ॥

सुखकेसि ५ वनमासि ५ पुण्डरीका-

च ५ वज्रु ५ शशविन्दु ५ वेधसः ५

टन्निष्टक ५ धरणीधरा ५ लभूः ५

पाण्डनाथः ५ सुवर्णविन्दुः ५ ॥ १२३ ॥

श्रीवत्सो ५ देवकीसुतु ५ गोपेन्द्रो ५ विष्टरश्वाः ५ ।

सोमसिन्य ५ र्भगन्नाथो ५ गोवर्द्धनधरो ५ ऽपि च ॥ १२४ ॥

यदुनाथो ५ (१) गदा-शाङ्ग-चक्र-श्रीवत्स-शङ्ख-धनुः ५ ।

(२) मधु-धनुकर-बाणूर-दूतना-यमलाञ्जलिनाः ५ ॥ १२५ ॥

(१) पुराणपुराणः वज्रपुराणस्य ५ ।

(२) गदाविन्दुः पद्मधरोऽप्येव चम्बलः, गदा-मृदिमोदि, कौमि-  
 कला । गदाधरः शाङ्गपाणिरत्नादिषु ॥

(३) पद्मविन्दुः विन्दुः ५ ।

कालभिमि<sup>१</sup>-शुभ्रौव<sup>२</sup>-शकटा<sup>३</sup>-रिट<sup>४</sup>-कैठभाः<sup>५</sup> ।  
 कंस<sup>११</sup>-केशि<sup>१२</sup>-सुराः<sup>१३</sup> साल<sup>१४</sup>-मैन्द<sup>१५</sup>-द्विविद<sup>१६</sup>-राहवः<sup>१७</sup> ॥  
 हिरण्यकशिपु<sup>१८</sup> वीरः<sup>१९</sup> कालियो<sup>२०</sup> नरको<sup>२१</sup> बलिः<sup>२२</sup> ।  
 शिशुपाल<sup>२३</sup> चा स्वभ्रा वैजतेय<sup>२४</sup> सु वाहनम् ॥१२५॥  
 शङ्खो ऽस्य पाङ्कजन्यो ऽङ्कः श्रीवत्सो<sup>१(१)</sup> ऽसि सु नन्दकः<sup>१</sup> ।  
 गदा कौमोदकी<sup>१</sup> चापं शार्ङ्गं<sup>१</sup> चक्रं सुदर्शनम्<sup>(२)</sup> ॥१२६॥  
 मणिः स्युभन्तको<sup>१</sup> हस्ते भुजमध्ये तु कौस्तुभः<sup>१(२)</sup> ।  
 वसुदेवो<sup>१</sup> भूकण्ठपो<sup>२</sup> दुन्दुरो<sup>३</sup> नकदुन्दुभिः ॥१२७॥  
 रामो<sup>१</sup> हली<sup>२</sup>-सुसलि<sup>३</sup>-सात्वत<sup>४</sup>-कामपालाः<sup>५</sup> ।  
 सङ्घर्षणः<sup>१</sup> प्रियमधु<sup>२</sup> बल<sup>३</sup>-रौहिण्यो<sup>४</sup> ।  
 १) क्विप्रलम्बयसुनाभि<sup>२</sup> दनन्त<sup>३</sup>-ताल  
 लक्ष्मै<sup>४</sup>-ककुण्डल<sup>५</sup>-सितासित<sup>६</sup>-रेवतीशाः<sup>७</sup> ॥१२८॥  
 बलदेवो<sup>१</sup> बलभद्रो<sup>२</sup> नीलवस्त्रो<sup>३</sup> ऽभ्युतायजः<sup>४</sup> ।  
 सुसलं त्व स्युसौनन्दं<sup>१</sup> हतं संवर्त्तकाद्यवम्<sup>(५)</sup> ॥१२९॥  
 लक्ष्मीः पद्मा<sup>१</sup> रमा<sup>२</sup> या<sup>३</sup> मा<sup>४</sup> ता<sup>५</sup> सा<sup>६</sup> श्रीः<sup>७</sup> ६(१) कमलेन्द्रिः ॥

- (१) श्रीवत्सस्य विष्णु हृदये रोमस्यो रक्षिणःवर्त्तः ।  
 (२) वाचस्पतिस्य "चक्रं सुदर्शनो, श्लिवा" चित्ताह ।  
 (३) भुजमध्ये वक्षसि ।  
 (४) क्वकिभिद् प्रलम्बभिद् यदुनाभिद् ।  
 (५) संवर्त्तकं स्त्री ।  
 (६) - या इत्यस्यः इ, आ, इति छेदः, इ, कल प्रमाद्योनादिति ङी

हरिमियाः पद्म-वासाः श्रीरोक्तन्याः ॥ १७३ ॥

भद्रलोऽजदामीने रत्नके-सज्जनी

कमल-ककामो-ल-रत्नलोऽङ्कजः ॥

मधुलीप-मरौ मधुसारिणि-स्यरो

विषमायुधो-रूपक-काम-हृच्छयाः ॥ १७४ ॥

प्रद्युम्नः श्रीनन्दके-ख-कन्दर्पः पुष्पकेतनः ॥

(२) पुष्पारण्ये स्ते-मृ-चाप-स्त्राख्ये शम्भुरूपकौ (२) ॥ १७२

केतनं मीन-मकरौ-नाम्नाः पद्म-रतिः प्रिया ।

मनः शङ्करः-सङ्कल्पः-त्वानो-योनिः सुहृन्मधुः ॥ १७२ ॥

सुतोऽनिरुद्ध-कव्याङ्क-उपशो-जन्मस्य च सः ।

गरुडः शाल्मल्य-श्याम-जो-विष्णुवाहनः ॥ १७४ ॥

प्रत्ययः नदीवद् रूपैः, आ-इत्यर्थे आवस्यो गङ्गावत् इवर्थादेरखे खरे  
 वंशरत्नमिति सखी वा रतिमिति । स मिश्रमोपि हरिति वद्विश-  
 गन्तुः “इरमामदिरामोहे महानन्देति भ्रमे स्त्रीलिङ्गोपगुणायानो-  
 नाशतोऽस्त्राङ्गोपनं सुपः इर्यो योऽवज सारूपं स्यादमारूपमीगसी-  
 रिति” ॥ वा इत्यखण्डमपि तथा च विश्वशब्दः “या रमामाह्विति” ॥  
 श्रीः सविसर्गः इतोऽङ्गप्रथीदि-अङ्गोपि-जो नदीवद् । बहुवचनदत्तः  
 “कदिति डीपि-भिनित्वपि-भवंतीति दुर्मते-व्यञ्ज इति” ॥

(२) अस्य मदनस्य, पुष्पाणि इषु चापास्त्राणि वायुधनुरायुधानि  
 उच्यन्ते, प्राकृतिकान्येऽप्युष्पणिः कश्चिन्मिच्छतद्रूपेणोपमेयत्वेन काम-  
 पीडोद्बोधकत्वात् कामिनाम् ॥

(३) वामा-मन्मदादिः -

सौपर्णयो<sup>१</sup> वैनतेयः<sup>२</sup> सप र्णः<sup>३</sup>

सर्पारति<sup>४</sup> वंजिजि<sup>५</sup> ह्यतुं गडः<sup>६</sup> ।

पक्षिस्थामी<sup>१</sup> काश्यपिः<sup>२</sup> स्वर्णकश्य<sup>३</sup>

साय्यः<sup>४</sup> कामायु<sup>५</sup> गर्बलान्<sup>६</sup> सुधासुत<sup>७</sup> ॥१४५॥

बुद्ध<sup>१</sup> सु सुगते<sup>२</sup> धर्मधातु<sup>३</sup> स्त्रिकालवि<sup>४</sup> जिनः<sup>५</sup> ।

बोधिसत्त्वो<sup>१</sup> महाबोधि<sup>२</sup> राय्यः<sup>३</sup> शास्ता<sup>४</sup> तथागतः<sup>५</sup> ॥१४६॥

पञ्चज्ञानः<sup>१</sup> पञ्चभिन्नो<sup>२</sup> दशाहो<sup>३</sup> दशभूमिगः<sup>४</sup> ।

चतुस्त्रिंशज्जातकन्नो<sup>१</sup> दशपारमिताधरः<sup>२</sup> ॥१४७॥

द्वादशाक्षो<sup>१</sup> दशबल<sup>२</sup> स्त्रिकायः<sup>३</sup> श्रीधर<sup>४</sup> द्वयो<sup>५</sup> ।

समन्तभद्रः<sup>१</sup> सङ्गुप्तो<sup>२</sup> दयाशुद्धो<sup>३</sup> विनायकः<sup>४</sup> ॥१४८॥

(१) मार-लोक-ख-जि<sup>१</sup> इत्थीराजो<sup>२</sup> विज्ञानमातृकः<sup>३</sup> ।

महामैत्रो<sup>१</sup> सुनीन्द्र<sup>२</sup> स्व बुद्धाः<sup>(२)</sup> स्युः सप्त तेत्वमी ॥१४९॥

(२) विपश्ची<sup>१</sup> शिखी<sup>२</sup> विश्वभूः<sup>३</sup> क्रकुच्छन्द<sup>४</sup> स्व काञ्चनः<sup>५</sup> ।

काश्यप<sup>१</sup> स्व सप्तम सु शाक्यसिंहो<sup>२</sup> ऽर्कवान्धवः<sup>३</sup> ॥१५०॥

तथा राज्ञलक्ष्म<sup>१</sup> सर्वार्थसिद्धो<sup>२</sup> गोतमान्वयः<sup>३</sup> ।

माया-सुहोदन-सुतो<sup>१</sup> देवदत्ताप्रज<sup>२</sup> स्व सः<sup>(४)</sup> ॥१५१॥

(५) असुरा<sup>१</sup> दिति-दनु-जाः<sup>२</sup> पाताललोकः<sup>३</sup>-सुरारयः<sup>४</sup> ।

पूर्वदेवाः<sup>१</sup> सुक्राशिष्या<sup>२</sup> विद्यादेव्य सु षोडश<sup>(३)</sup> ॥१५२॥

(१) मारजित् लोकजित् खजित् इति ।

(२) द्वात्रिंशत् सामान्यतो बुद्धनामानि ॥

(३) विपश्चीदण्डिवत्, एतानि तद्गुणान्येव षट् ॥

(४) सप्तमशाक्यसिंह बुद्धविशेषस्य नामान्यसौ ॥

(५) दितिजाः १ दनुजाः २ इति ॥

(६) विद्यादेवीनामेकैकम् । रोहिणी च प्रसन्निधेति सुनद्धे द्विव-  
चनान्, न चान्न प्रसन्निधन्दोऽग्रतो नदीवदिति अमितव्यक्तः सात्ति-

रोहिणी<sup>१</sup>-प्रज्ञप्ती<sup>२</sup> वज्रशङ्कला<sup>३</sup> कुलिशाङ्कुशा<sup>४</sup> ।  
 चक्रेश्वरी<sup>५</sup> नरदत्ता<sup>६</sup> काल्य<sup>७</sup> वा सी महापरा<sup>८</sup> ॥१५३॥  
 गौरी<sup>९</sup> गान्धारी<sup>१०</sup> सञ्जिप्तमहाव्यासा<sup>११</sup> च मानवी<sup>१२</sup> ।  
 वैरोद्या<sup>१३</sup> ऽच्छुता<sup>१४</sup> मानसी<sup>१५</sup> महाभानविके<sup>१६</sup> तिताः ॥१५४॥  
 वाग् ब्राह्मी<sup>१७</sup> भारती<sup>१८</sup> गौ<sup>१९</sup> गी<sup>२०</sup> वीर्यी<sup>२१</sup> भाषा<sup>२२</sup> सरस्वती<sup>२३</sup> ।  
 चतुर्देवी<sup>२४</sup> वचमं<sup>२५</sup> तु व्याहारो<sup>२६</sup> भाषितं<sup>२७</sup> वचः<sup>२८</sup> ॥१५५॥  
 (२) सविशेषण मन्त्रात् वाक्यं स्याद्यन्तकं पदम् ।  
 राह-सिद्ध-कृतेभ्योऽन्त<sup>(२)</sup> आभोक्तिः<sup>५</sup> समया<sup>६</sup> ऽगमौ<sup>(४)</sup> ॥१५६॥  
 (५) आचाराङ्गं सूत्रकृतं स्थानाङ्गं सप्तवाचं-युक् ।  
 पञ्चमं भगवत्यङ्गं ज्ञाता धर्म्यकथां ऽपि च ॥१५७॥

हेतिजुतिप्रसिद्धिर्नि रत्ननेन सूत्रेण क्ति प्रत्ययेन निपातितत्वात्, पाणि-  
 निनातक्ति प्रत्यये नितां ह्यस्य इतीत्वं साधितत्वात्, क्ति प्रत्ययस्य इतो-  
 ऽन्त्यर्थादिति सूत्रेण ङी प्रत्ययस्य निषेधनात् ॥

(१) महाकाली इत्येवम् ॥

(२) प्रयुज्यमानाख्याताऽप्रयुज्यमानाख्यातयोर्नाभैकं वाक्यम् ।  
 "स्वाद्यन्तं पदं सामान्यत आख्यातं कथ्यते, यदनेकार्थः "आख्यातं भाषिते-  
 [त्यादौ"त्यादि स्वाद्यन्तं पदमिति तट्टीका, तदाख्यातं प्रयुज्यमानमप्रयुज्य-  
 मानं वा सविशेषणं प्रयुज्यमानैरप्रयुज्यमानैर्वा कर्त्तादिभिर्भिषेधयैः  
 सहितं वाक्यमुच्यते इति शेषः, प्रयुज्यमानमाख्यातं यथा धर्म्यो वो  
 रक्षतं, अप्रयुज्यमानाख्यातं यथा शीलं तेषुम्, अन्त्याकीर्तिगम्यते, तिस्रः  
 सूत्रकृतयो वाक्यमित्यमरः सूत्रकृतस्य स्त्री तावादी शेषान्ते स्वादयः  
 आदिशब्दः प्रत्येकं योज्यते, तेन स्वादयः सम्पर्कान्ताः स्वादयः स्वामि-  
 पर्यान्ता ऽच्छान्ते, यस्य तत् स्वाद्यन्तकम् तस्य नाभैकं पदमिति ॥

(३) राहान्तः१ सिद्धान्तः२ कृतान्त इति ॥

(४) सामान्यतः सिद्धान्त-शास्त्रानामानि इट् ॥

(५) अज्ञानाभैकैकम् ॥

(७) उपासका-स्तक-इत्युत्तरोपपातिका इत्याः<sup>६</sup> ।

प्रश्रव्याकरणं<sup>१</sup> चैव विपाकश्रुतं<sup>२</sup> मेव च ॥१५८॥

(१) इत्येकादश सोपाङ्गाव्यङ्गानि<sup>३</sup> द्वादशं पुनः<sup>(२)</sup> ।

दृष्टिवादो<sup>४</sup> द्वादशाङ्गी<sup>५</sup> स्याद्विपिटका<sup>६</sup> च या<sup>(२)</sup> ॥१५९॥

(४) परिकर्ष्यं-सूत्रं-पूर्वोक्तयोगं-पूर्वगतं-रूलिकाः<sup>५</sup> पञ्च ।

स्युदृष्टिवादभेदाः पूर्वोक्तानि<sup>(५)</sup> चतुर्दशानि पूर्वगतं ॥१६०॥

(५) उक्ताद् पूर्वोक्तप्रार्थनीयं मय वीर्यतः प्रवादं<sup>(७)</sup> स्यात्<sup>(७)</sup>

अस्ते ज्ञाना त्वत्या तदात्मनः कर्षणश्च परम् ॥१६१॥

प्रत्याख्यानं<sup>८</sup> विद्याप्रवादं<sup>९</sup>-कल्याणं<sup>१०</sup>-नामधेये च ।

प्राणावायं<sup>११</sup> च क्रियाविशालं<sup>१२</sup> मय लोकविन्दुमारं<sup>१३</sup> मितिः॥

स्वाध्यायः<sup>१४</sup> श्रुति<sup>१५</sup> राम्नाय<sup>१६</sup> ऋन्दो<sup>१७</sup> वेद<sup>१८</sup> स्वयी<sup>१९</sup> पुनः ।

अप्यजः सामवेदाः स्युरथर्वी तु तदुद्भूतिः ॥१६२॥

(१) उपासकाश्च अन्तर्गतस्य अनुत्तरोपपातिकाश्चेति समाहारद्वयम् ; तस्मात् दशा इति प्रत्येकं योज्यते, तेन उपासकदशाः १ अन्तर्गताः २ अनुत्तरोपपातिकादशाः ३ इति, एषां त्रयाणां अन्यानां नाम बहुवचनान्तम् ॥

(२) इत्येकादशप्रवचनपुरुषस्य अङ्गानि वाङ्गानि, किं भवति ! सद्य उपाङ्गैरुपपातिकादिभिर्द्वादशभिर्वर्तन्ते यानि तानि सोपाङ्गानि ॥

(३) द्वादशाङ्गस्य ॥ (४) द्वादशाङ्गाः ॥

(५) दृष्टिवादभेदानामेकैकम् ॥

(६) वक्ष्यमाणानि चतुर्दश पूर्वगतं पूर्वोक्तानि च ॥

(७) पूर्वोक्तानि चतुर्दश पूर्वगतं पूर्वोक्तानि च ॥

(८) वीर्यतः वीर्यशब्दाद् प्रवादं वीर्यप्रवादम् । तदिति प्रवादम-  
स्यादिभ्यः परं योज्यम् 'अस्तीति नास्तेरप्यपलज्जयाम्' इतः अस्तिनास्ति-  
प्रवादम्, ज्ञानप्रवादम्, सत्यप्रवादम्, आत्मप्रवादम्, कर्मप्रवादम्, दे-  
वप्रत्याख्यानप्रवादम् ७ ॥

वेदान्तः। स्यादुपनिषदोः क्लार-प्रणवी सजी ।

(१) शिक्षा कल्पो व्याकरणं छन्दो-ज्योति-निरुक्तयः ॥

षडङ्गानि धर्मशास्त्रं स्यात् छृतिर्धर्मसंहिता ।

आन्वीक्षिकीं तर्कविद्यां मीमांसां तु विचारणां ॥१६५॥

सर्गं च प्रतिसर्गं च वंशो मन्वन्तराणि च ॥

वंशानुवंशपरितं पुराणं पञ्चकल्पणम् ॥१६६॥

षडङ्गी वेदा चत्वारो मीमांसाऽन्वीक्षिकी तथा ।

धर्मशास्त्रं पुराणं च विद्या एताश्चतुर्दश ॥१६७॥

(२) सूत्रं सूत्रनल ज्ञाप्यं सूत्रोक्तार्थं प्रपञ्चकम् ।

प्रस्तावोऽसु प्रकरणं (३) निरुक्तं पदमञ्जनम् ॥१६८॥

अवान्तरप्रकरणविद्यमाने (४) शीघ्रपाठतः ।

आङ्गिकं अधिकरणं (५) न्वेकन्यायोपपादनम् ॥१६९॥

उक्तानुक्तदुरुक्तार्थचिन्ताकारि तु वार्तिकम् (६) ।

(१) एकैकं तत्तन्नामिदमेवम् ॥

(२) सूत्रं लीने, पुंस्यपीति कश्चित् ॥

(३) "शास्त्रैकदेशसम्बद्धं शास्त्रकारान्तरस्थितम् आहः । प्रक-  
नामं शास्त्रभेदं विपश्चितः" ॥

(४) अवान्तरप्रकरणात्तां विद्यामोऽप्यावयव इत्यर्थः, तदाहि  
मित्युच्यते यदनेकार्थः "आङ्गिकं स्यात् पुनरुहनिर्वर्णं नित्यकर्मणि ।  
जनेऽप्यभागे चेति" अप्यभागेऽप्यावयवे इति तट्टीका ।

(५) एकं न्यायमुपपादतीति अधिकार इति वावत्, तस्य न  
अधिकरणमिति ॥

(६) उक्तानामनुक्तानां दुरुक्तानां चाधीनां चिन्तां प्राप्तं न  
अनेन मोक्षाय गच्छतः चिन्तय नाम वार्तिकम् ॥

टीका<sup>१</sup> निरन्तर व्याख्या<sup>(१)</sup> पञ्जिका<sup>१</sup> पदभञ्जिका<sup>(२)</sup> ॥१०॥  
 निबन्ध-वृत्ती<sup>२</sup> अन्वये<sup>(३)</sup> संग्रह<sup>१</sup> शु समाहृतिः<sup>२</sup> ।  
 ॥<sup>(४)</sup> परिशिष्ट-पद्धत्या<sup>३</sup> हीन् पंथा जनेन समुज्जयेत् ॥१०॥  
 कारिका<sup>१</sup> तु खल्लघुतौ बहो रथस्य दूचमम् ।  
 कलिन्दिका<sup>१</sup> सर्वविद्या<sup>(५)</sup> निषण्ण<sup>१</sup> नासंग्रहः<sup>२</sup> ॥१०॥  
 इतिहासः<sup>१</sup> पुराटनं<sup>(६)</sup> प्रवृत्तिना<sup>१</sup> प्रहेलिकारः ।  
 जनश्रुतिः<sup>१</sup> किंवदन्ती<sup>१</sup> वाक्ते तिस्रं पुरातनी ॥१०॥  
 वार्त्ता<sup>१</sup> प्रवृत्ति<sup>१</sup> वृत्तान्त<sup>२</sup> उदन्तो<sup>३</sup> ऽथा हृयी<sup>१</sup> ऽभिधा<sup>२</sup> ।  
 गोत्र-सञ्ज्ञा<sup>३</sup>-नामधेया<sup>३</sup>-ऽख्या<sup>३</sup>-ऽह्वा<sup>३</sup>-ऽभिख्या<sup>३</sup> च नाम च ॥  
 सखोधनं नामन्त्रण<sup>१</sup> माह्वानं त्वभिमन्त्रणम् ।  
 आकारणं हवो<sup>३</sup> ऋतिः<sup>३</sup> संकृति<sup>३</sup> बंद्धभिः कता ॥१०॥  
 उदाहार<sup>१</sup> उपोद्धार<sup>२</sup> उपन्यास<sup>३</sup> च वाङ्मुखम्<sup>३</sup> ।  
 व्यवहारो<sup>१</sup> विवादः<sup>२</sup> स्यात् शपथः<sup>१</sup> शपनं<sup>२</sup> शपः<sup>३</sup> ॥१०॥

(१) सुप्रमाणां विवमायाङ्गाधीनां निरन्तरम् अन्तराभवेनाविच्छेदेन व्याख्या “पदच्छेदः पदार्थाङ्गिर्विच्छेदो वाक्ययोजना । आक्षेपस्य समाधानं व्याख्यानं पञ्चलक्षणम्” इत्युक्ता पञ्चलक्षणान्विता वस्तुं सा निरन्तर व्याख्या, एवन्निधो यो अन्य सस्य नामैकं टीका ॥

(२) विवमाख्ये पदानि अर्थात् भनक्ति व्याख्यातीति पदभञ्जिका-तद्विधेयस्य नामैकं पञ्जिका ।

(३) अनुगतो निबन्धोऽर्थो यथोक्तेऽन्वये ॥

(४) एकैकं श्लोकम्, अपि च, अनेन ववा अन्वये मार्गैश्च परिशिष्ट-स्य परिशिष्ट-पद्धती ते आदौ वैश्वी तथा नाम समुच्चयेत् जानीवात् आदिपद्यहवात् संभावः उक्ताहः अहः वर्गः प्रत्यादयो अन्यत्रदेव-विशेषा श्लोकः ।

(५) अकारान्त्ववम् पुं ॥

(६) पूर्वचरितमित्यर्थः ॥



उत्तरं तु मूर्तिवचः मन्त्राः पञ्चाः सुबोजनम् ।  
 (१) कथञ्चिद्विदुः । प्राय देवमन्त्राः उपच्युतिः ॥१०॥  
 (२) चटुः चाटुः मिस्रप्रायं मिवसत्यं तु सूदतम् ।  
 सत्यं सत्यकं समीचीनं इतं तथ्यं यथातथम् ॥१०८॥  
 यथास्थितं च सङ्गतेः स्त्रीकेः तु पितृणां इतेः ।  
 अथ क्लिष्टं सङ्गुलं च परस्परपराइतम् ॥१०९॥  
 सान्वं शुभधुरं प्राण्यं महीक्षं चिष्टं मरुटम् ।  
 सुप्रवर्षपदं प्रहं मवाचं स्या द्दगन्तरम् ॥११०॥  
 अस्मत्प्रतं सयत्कारं निरस्तं त्वरयोदितम् ।  
 आन्नेडितं द्विस्त्रिबन्त मबद्धं तु निरर्थकम् (२) ॥१११॥  
 इष्टमांसादनं तद्यत् परोक्षे होमकीर्तनम् ।  
 मिथ्याभियोमोऽभ्याख्यानं सङ्गतं हृदयङ्गमम् ॥११२॥  
 परुषं निष्ठुरं रूक्षं विकृष्टं मथ घोषणाः ।  
 उच्चैर्घुष्टं वर्णने डाः सवः स्तोत्रं सुतिर्नुतिः ॥११३॥  
 ज्ञाथाः प्रशंसाः र्थवादः सा तु मिथ्या विकल्पनम् ।  
 (४) जनप्रवादः कौलीनं विगानं वचनीयता ॥११४॥  
 स्या द्दवर्ण्यं उपक्रोशो वादोऽनि-ध्वर्थ-पात् परः (२) ।  
 गर्हणाय भिक्त्रिवाः निन्दाः कुत्साः क्षेपीः जुष्टघ्नम् ॥

(१) कथं कथं च हे वक्त्र इति ज्ञानो वस्याम् ।

(२) चटुः पुंल्लिः चाटुरपि पुंल्लिः, मिस्रं इष्टं जनसोऽनुसृतमित्यर्थः ।

(३) अर्थक मन्त्रार्थं यथा द्दमदादिकदि वाक्यं समुदायादीन्व्यम् ।

(४) लोकापवादस्य ।

(५) निरः परेः अपात् चोपसर्गात् चटुः अप्ये वादः इति योज्य  
 ज्ञेन निर्वादः १ परिवादः २ उपवाद इति ॥

आक्रोशा<sup>१</sup>-भीषका<sup>२</sup>-शेषाः<sup>३</sup> शपः<sup>४</sup> स कारणा<sup>५</sup> रते ।  
 विरहशंसनं गालि<sup>(१)</sup> राशी<sup>१</sup> बंजलशंसनम् ॥१८६॥  
 शोकः<sup>१</sup> कीर्ति<sup>२</sup> रंशो<sup>३</sup> ऽभिला<sup>४</sup> समाप्ता<sup>५</sup> कथती<sup>६</sup> पुनः<sup>(२)</sup> ।  
 अशुभावाक् शुभा कल्या<sup>१</sup> चर्चरी<sup>२</sup> चर्मटी<sup>३</sup> समे<sup>(३)</sup> ॥१८७॥  
 यः सनिन्द उपालम्ब सन स्वात्परिभाषणम् ।  
 आश्रच्छा<sup>१</sup> ऽलापः<sup>२</sup> सन्नापो<sup>३</sup> ऽनुलापः<sup>४</sup> स्वात्कुडुर्वचः<sup>५</sup> ॥१८८॥  
 अनर्थकं तु प्रलापो<sup>१</sup> विलापः<sup>२</sup> परिदेवनम् ।  
 उल्लापः<sup>(४)</sup> काकुवागन्योऽन्योक्तिः<sup>(५)</sup> संल्लाप-सङ्घर्षे ॥१८९॥  
 विप्रलापो<sup>१</sup> विरहोक्ति रप्रलाप<sup>२</sup> सु निरुक्तः ।  
 सुप्रलापः<sup>१</sup> सुवचनं सन्देशवाक्कु वाचिकम् ॥१९०॥  
 आश्रा<sup>१</sup> शिष्टि<sup>२</sup> निर्-राड्-नि-भ्यो<sup>(१)</sup> देशो<sup>३</sup> नियोग<sup>४</sup>-शासन<sup>५</sup> ०  
 अववाडो<sup>६</sup> ऽथवा ऋयप्रेषणं<sup>(७)</sup> प्रतिशासनम् ॥१९१॥  
 संवि<sup>१</sup> ल्यन्वा<sup>२</sup> ऽस्या<sup>३</sup> ऽभ्युपायः<sup>४</sup> सं-प्रत्या-ङ्-भ्यः परःश्रवः<sup>(८)</sup> ०  
 अङ्गीकारो<sup>६</sup> ऽभ्युपगमः<sup>६</sup> प्रतिज्ञा<sup>१</sup> ० ङू<sup>१</sup> स सङ्करः<sup>(२)</sup> ॥१९२॥

(१) गालिः स्त्रीबिभृङ्, तथा आशीरपि, आशीः आश्रिषौ आश्रिव  
 रति रूपम् ॥  
 (२) समया इति वा पाठः, कथती उपलब्धवान् वाच्यबिभृङ्भवम् ॥  
 (३) कर्मक्रीडा वचसो नामनी हे ।  
 (४) काकुं वचनं काकुवाक्, शोकभवादिभिः शोषितकच्छे भनिः  
 ऋजुः, वदमर आह, "काकुः स्त्रियां विकारो वः शोकभीत्यादिभिर्भवे-  
 रिति" शोकभवादिभिः शोषितकच्छेवान् कौकुवाक् इति ॥  
 (५) अन्योन्येन उक्तिभाषणम् ॥  
 (६) निराङ्-निभ्य उपसर्गेभ्योऽप्ये देशः, निर्देशः ० आदेशः २ निदेशः ॥  
 (७) आह्वय-आचार्यं यदप्रेषणं योजनम् ॥  
 (८) संप्रत्याङ्भ्य उपसर्गेभ्यः परोक्षे भव, कौन संभवः ० भवि-  
 त्तः २ आश्रवणम् ॥

गीत-नृत्य-वाद्य-लयं<sup>(१)</sup> नाच्यं<sup>१</sup> तौर्यत्रिकं<sup>२</sup> च तत् ।  
 सङ्गीतं प्रेक्षार्थं ऽस्मिन् शास्त्रोक्ते नाच्यधर्मीका<sup>(३)</sup> ॥१२३॥  
 गीतं गानं गेयं गीतं गीतव्यं मय नर्तनम् ।  
 नटनं नृत्यं च तं च नाच्यं नाच्यं च ताडवम्<sup>(४)</sup> ॥१२४॥  
 मण्डलेन तु यन्मूलं स्तोत्राणां हृत्पत्रिकां चि तदु<sup>(५)</sup> ।  
 पातगोष्ठ्या सुश्रुताखं रये वीरजयन्तिकां ॥१२५॥  
 स्थानं नाच्यस्य रङ्गः<sup>१</sup> स्यात् पूर्यरङ्गः उपक्रमः<sup>१</sup> ।  
 अङ्गहारो ऽङ्गविधेपो व्यञ्जको ऽभिनयः<sup>२</sup> समौ<sup>(६)</sup> ॥१३॥  
 स चतुर्विध आचार्यो<sup>१</sup> रचितो भूषणादिना ।  
 वचसा वाचिको ऽङ्गेनाङ्गिकः<sup>१</sup> सत्त्वेन सात्त्विकः ॥१२७॥  
 स्था आटकं प्रकरणं भाणः प्रहसनं छिन्नः<sup>२</sup> ।  
 व्यायोगं-समवाकारौ<sup>३</sup> वीथ्यं-ङ्गे-हास्यगा<sup>४</sup> इति<sup>(५)</sup> ॥१२८॥  
 अभिनेयप्रकाराः स्युर्भाषाः षट् संस्कृतादिकाः<sup>(६)</sup> ।  
 भारती सात्वती कैशिक्या<sup>१</sup>-रभस्थौ च दत्तयः<sup>(७)</sup> ॥१२९॥

(१) भरतादि शास्त्रनिर्दिष्टं गीत-नृत्य वाद्य-लयं तन्नामैकं तौर्य-  
 त्रिकमिति ।  
 (२) अस्मिन्निति भरतादि शास्त्रे इत्यर्थः, नाच्यधर्मी इति प्राथमिक  
 रूपम् अत्र स्तोत्रकः नाच्यधर्मीया स्तोत्रिकः, सध्यानां प्रेक्षार्थं प्रा-  
 त्तस्य तौर्यत्रिकस्यैकं नाम ।  
 (३) स्त्री, नाच्यस्यतिल्ल हृत्पत्रिकोदल्लिवाभित्याह ।  
 (४) हस्तादिभिः कृताभि न वक्ष्ये ।  
 (५) उपक्रमप्रवन्मभेदानुसारेणैकं । आभाषः समवाकारौ इति वा याव-  
 (६) संस्कृतं प्राकृतं मागधीं शौरसेनीं मैथिलीं अपभ्रंशं  
 चत्वारः षट्भाषा उच्यन्ते ।  
 (७) भारतादीनां षट्दशः ।

बाष्पां वादित्वा मातोद्यं तूर्यं<sup>(१)</sup> तूरं<sup>(२)</sup> सारध्वजः<sup>(३)</sup> ।  
 ततं वीणाप्रभृतिकं तालप्रभृतिकं घनम् ॥२०॥  
 वंशादिकं न्यु शुषिरं मानङ्गं सुरजादिकम् ।  
 वीणा पुनर्घोषवती विपञ्ची करणकृणिका ॥२०१॥  
 बल्लकी सा ऽथ तन्त्रीभिः सप्तभिः परिवादिनी ।  
 शिवस्य वीणा ऽनालम्बी सरस्वत्या सु कच्छपी ॥२०२॥  
 नारदस्य तु महती गणानां तु प्रभावती ।  
 विश्वावसो सु वृहती तुम्बुरो सु कलावती ॥२०३॥  
 चण्डालानां तु कटोल<sup>(४)</sup> वीणा चण्डालिका च सा ।  
 कायः कोलम्बकः सास्या उपमाहो निबन्धनम् ॥२०४॥  
 दण्डः पुनः प्रवालः स्यात्ककुभा सु प्रसेवकः<sup>(५)</sup> ।  
 मूले वंशशलाका स्यात् कलिका कृषिका ऽपि च ॥२०५॥  
 कालस्य क्रिययामानं तालः सायं पुन लयः<sup>(६)</sup> ।  
 द्रुतं विलम्बितं मध्यं मोघं स्तब्धं घनं क्रमात् ॥२०६॥  
 षट्को<sup>(७)</sup> सुरंजः<sup>(८)</sup> सोङ्करा<sup>(९)</sup> ऽलिङ्कर<sup>(१०)</sup> कृक<sup>(११)</sup> इति त्रिधा ।  
 स्याद्यशः पटहो<sup>(१२)</sup> ढक्कार<sup>(१३)</sup> भेरी<sup>(१४)</sup> दुन्दुभि<sup>(१५)</sup> रानकः<sup>(१६)</sup> ॥२०७॥

(१) तूर्यमिति पुंल्लो । (२) कण्डोल इति वा पाठः ।  
 (३) द्रुतादि लयानामेकैकम् ॥  
 (४) षट्को अङ्गिनौ अङ्गिनः, अङ्गिङ्गी अङ्गिङ्गिनौ द्वाविन्प्रत्न-  
 बालौ अङ्गिङ्गिनश्च ॥  
 (५) तथा च रङ्गोदयः “सार्द्धहस्तलयं मानं मेरीषां समुदाहृतम् ।  
 पिण्डे षड्ङ्गुवा प्रोक्ता वादयेन्पुष्पाफुङ्गवोः । करिरे अङ्गिरे  
 भुङ्गुतङ्गेपिरे भ्रंषिरे अङ्गिने भुभुसे । पञ्चतालेषु भेरीबुधैः प्रोच्यते”  
 बार्हिक्यास्तु भेरीदण्डवोः संबीगः बहि भेरी दण्डाभ्यां भिन्न इत्यने

पटहो<sup>१</sup> इय शारिका<sup>२</sup> स्यात्कोणो<sup>३</sup> (१) वीणादिवादनम् ।  
 (२) शङ्कार<sup>१</sup>-हास्य<sup>२</sup>-कण्ठा<sup>३</sup> रौद्र<sup>४</sup>-वीर<sup>५</sup>-भयानकाः<sup>६</sup> ॥२०८  
 बीभत्सा<sup>७</sup>-ङ्गुत<sup>८</sup>-शान्ताश्च रसा<sup>९</sup> भावाः<sup>१०</sup> पुन स्त्रिधा ।  
 स्यायि<sup>१</sup>-सात्त्विक<sup>२</sup>-सञ्चारि<sup>३</sup>-प्रमेदैः स्याद्रतिः<sup>४</sup> पुनः ॥२०९  
 रागो<sup>१</sup> सुरागो<sup>२</sup> सुरति<sup>३</sup> ह्रींस<sup>४</sup> सु हसनं<sup>५</sup> हसः<sup>६</sup> ।  
 अर्धरो<sup>१</sup> हासिका<sup>२</sup> हासं<sup>३</sup> तथा हृष्टरदे स्थितम्<sup>४</sup> ॥२१०  
 वक्रोष्ठिका<sup>१</sup> इय हतित<sup>२</sup> किञ्चि हृष्टरदाङ्गरे<sup>३</sup> (१) ।  
 किञ्चि च्छ्रुते विहसित<sup>१</sup> मट्टहासो<sup>२</sup> महीवसि ॥२११॥  
 अतिहास<sup>१</sup> स्वसुस्यूते<sup>२</sup> (४) उपहासो<sup>३</sup> कारणा रक्तते ।  
 सोत्प्रासे त्वां च्छुरितकं<sup>१</sup> हसनं<sup>२</sup> स्फुरदोष्ठके<sup>३</sup> (५) ॥२१२॥  
 शोकः<sup>१</sup> शुक्<sup>२</sup> शोचनं<sup>३</sup> खेदः<sup>४</sup> क्रोधो<sup>५</sup> मन्युः<sup>६</sup> क्रुधा<sup>७</sup> रुषा<sup>८</sup> ।  
 क्रुत्<sup>१</sup> कोपः प्रतिघो<sup>२</sup> रोषो<sup>३</sup> रुट्<sup>४</sup> सो त्याहः<sup>५</sup> प्रगल्भता<sup>६</sup> ॥  
 अभियोगो<sup>१</sup> (७)-द्यमो<sup>२</sup> प्रौढि<sup>३</sup> रुद्योगः<sup>४</sup> कियदेतिका<sup>५</sup> ।  
 अध्ववसाय<sup>१</sup> ऊर्ज्जा<sup>२</sup> इय धीर्यं<sup>३</sup> सो इतिशयान्वितः ॥२१३॥

मेरी शब्देन "दमदमा" इति लोकप्रसिद्धस्य नाम इत्याहुः, अथरे त आद्ये  
 द्वे मेरी नाम्नी इत्याहुः । मेरी स्त्री, इन्दुभी पुं, आनकोपि पुं, मिःप  
 टहः पुंल्ली ।

(१) कोणः पुं, हयोस्तु कोण इति वाचस्पतिः ।

(२) शङ्कारशब्दस्तु पुंल्ली । हास्यादयस्तु पुंलिङ्गाः ।

(३) किञ्चित् लोकतत्वात् इडा विलोकितारटा दन्ता एव अङ्गुर  
 यस्मिन् सु किञ्चिद्दृष्टरटाङ्गुरः तस्मिन् एवंविधे हासे इत्यर्थः ।

(४) निरन्तरे इत्यर्थः ।

(५) स्फुरन् चङ्गुन् ओष्ठो यस्मिन् च तथा तस्मिन् स्फुरदोष्ठके हासे

(६) शुक् स्त्री, मन्युः पुं, क्रुत् स्त्री, रुट् स्त्री ।

(७) पुंल्ली संयौ ।

भयं भी<sup>१</sup> भीति<sup>२</sup> रातङ्ग<sup>३</sup> आशङ्का<sup>४</sup> साध्वसं<sup>५</sup> दरः<sup>६</sup> ।  
 भियाच<sup>७</sup> (१) त ज्वादिभयं भूपतीनां स्वपञ्चमम् ॥२१५॥  
 अट्टं<sup>८</sup> वज्जितोयादे हृष्टं<sup>९</sup> स्वपरचक्रमम् ।  
 भयङ्करं<sup>१०</sup> प्रतिभयं<sup>११</sup> भीमं<sup>१२</sup> भीष्मं<sup>१३</sup> भयानकम्<sup>१४</sup> ॥२१६॥  
 भीषणं<sup>१५</sup> भैरवं<sup>१६</sup> घोरं<sup>१७</sup> दारुणं<sup>१८</sup> च भयावहम् ।  
 जुगुप्सा<sup>१९</sup> तु घणा<sup>२०</sup> ऽथ स्या द्विस्यया<sup>२१</sup> चित्तं<sup>२२</sup> मङ्गुतम्<sup>२३</sup> ॥२१७॥  
 चोद्य<sup>२४</sup> (२)-च्यै<sup>२५</sup> शमः<sup>२६</sup> शान्तिः<sup>२७</sup> शमयो<sup>२८</sup>-यशमा<sup>२९</sup> वपि ।  
 तृणाक्षयः<sup>३०</sup> स्यायिनो ऽभी रसानां कारणं क्रमात् ॥२१८॥  
 सन्धो<sup>३१</sup> जाष्यं<sup>३२</sup> खेदो<sup>३३</sup> चर्म<sup>३४</sup> निदाघो<sup>३५</sup> पुलकः<sup>३६</sup> पुनः<sup>३७</sup> (३) ।  
 रोमाञ्चः<sup>३८</sup> कण्ठको<sup>३९</sup> रोमविकारो<sup>४०</sup> रोमचर्षणम् ॥२१९॥  
 रोमोद्गम<sup>४१</sup> अद्भुषण<sup>४२</sup> (४) सुल्लकसनं<sup>४३</sup> मित्यपि ।  
 स्वरभेद<sup>४४</sup> सु कल्लवं<sup>४५</sup> स्वरे कम्प<sup>४६</sup> सु (५) वेपथुः<sup>४७</sup> ॥२२०॥  
 वैवर्ण्यं<sup>४८</sup> कालिकारं<sup>४९</sup> ऽथा श्रु<sup>५०</sup> वाष्पो<sup>५१</sup> नेत्रास्रु<sup>५२</sup> रोदनम्<sup>५३</sup> ।  
 अक्ष<sup>५४</sup> मक्षु<sup>५५</sup> (६) प्रलयं<sup>५६</sup> स्व चेष्टते त्यष्टसात्त्विकाः ॥२२१॥  
 धृतिः<sup>५७</sup> सन्तोषः<sup>५८</sup> स्वास्थं<sup>५९</sup> स्यादाधानं<sup>६०</sup> स्वरणं<sup>६१</sup> स्मृतिः<sup>६२</sup> ।  
 मति<sup>६३</sup> र्मनीषारं<sup>६४</sup> बुद्धि<sup>६५</sup> धी<sup>६६</sup> भिषणा<sup>६७</sup>-ज्ञप्ति<sup>६८</sup>-चेतनाः<sup>६९</sup> ॥२२२॥  
 प्रतिभा<sup>७०</sup>-प्रतिप<sup>७१</sup> त्प्रज्ञा<sup>७२</sup> (७)-प्रेक्षा<sup>७३</sup>-चिदु<sup>७४</sup>-पल्लव्ययः<sup>७५</sup> ।  
 संव्यक्तिः<sup>७६</sup> शैसुषी<sup>७७</sup> हृष्टिः<sup>७८</sup> (८) स-मेधा<sup>७९</sup> धारणा<sup>८०</sup> ॥२२२॥

(१) भीतिः स्त्री, दरः पुं लो, भिवा इतोसु मङ्गप्रत्ययान्तादायन्तः ।

(२) चोद्य इति वां पाठः ।

(३) पुलकः पुं लो, कण्ठकोपि पुं लो ।

(४) अद्भुषण इति वा अद्भुसनक इति वा पाठः ।

(५) स्वरकम्प, इत्येकं वा नाम, वेपथुः पुं ।

(६) अक्षं स्त्री, अक्ष इति वा पाठः । वाष्पः पुं लो, ।

(७) चिद्व स्त्री, वा मति धारणासमा धारणसमर्था मेधा इत्युच्यते ।

प्रण्डा<sup>१</sup> तत्त्वानुगा मोक्षे ज्ञानं<sup>१</sup> विज्ञानं<sup>१</sup> मन्यतः<sup>१</sup> ।  
 शुश्रूषा<sup>१</sup> श्रवणं<sup>२</sup> चैव प्रह्वणं<sup>२</sup> धारणं<sup>२</sup> तथा ॥२२४॥  
 ऊहो<sup>२</sup> ऽपोहो<sup>२</sup> ऽर्थविज्ञानं<sup>२</sup> तत्त्वज्ञानं<sup>२</sup> च धीशुषाः ॥  
 (२) ब्रीडा<sup>२</sup> ब्रज्जा<sup>२</sup> मग्दा<sup>२</sup> च<sup>२</sup> ह्री<sup>२</sup> क्षपा<sup>२</sup> सा ऽपत्तपा<sup>२</sup> ऽन्यतः ॥२२५॥  
 जायं<sup>२</sup> मौख्यं<sup>२</sup> विषादो<sup>२</sup> ऽवसादः<sup>२</sup> सादो<sup>२</sup> विप्रसृता<sup>२</sup> ।  
 मदो<sup>२</sup> सुम्भोदसम्भोदो<sup>२</sup> व्याधि<sup>२</sup> स्वाधी<sup>२</sup> रजाकरः ॥२२६॥  
 निद्रा<sup>२</sup> प्रमीता<sup>२</sup> शयनं<sup>२</sup> संवेश<sup>२</sup> -स्वाप<sup>२</sup> -संल्लया<sup>२</sup> ।  
 (४) नन्दीशुखी<sup>२</sup> खासहेति<sup>२</sup> स्तन्द्रा<sup>२</sup> सुप्तं<sup>२</sup> तु साऽधिका ॥२२७॥  
 औत्सुक्यं<sup>२</sup> रणारणको<sup>२</sup> -त्करहे<sup>२</sup> आयल्लका<sup>२</sup> -ऽरती<sup>२</sup> (५) ।  
 हल्लेखो<sup>२</sup> -त्कलिके<sup>२</sup> वा घावद्वित्या<sup>२</sup> (६) ऽकारगोपनम्<sup>२</sup> (७) ॥  
 शङ्का<sup>२</sup> ऽनिष्टोत्प्रेक्षयं<sup>२</sup> स्या<sup>२</sup> ज्ञापकं<sup>२</sup> त्व<sup>२</sup> नवस्थितिः<sup>२</sup> ।  
 प्रसिद्धं<sup>२</sup> तन्मदो<sup>२</sup> कौसीद्यं<sup>२</sup> चर्षं<sup>२</sup> चित्तप्रसन्नता<sup>२</sup> ॥२२८॥  
 ह्लादः<sup>२</sup> प्रमोदः<sup>२</sup> प्रमदो<sup>२</sup> -सु<sup>२</sup> -त्प्रीत्या<sup>२</sup> -मोद<sup>२</sup> -सम्भ्लादाः<sup>२</sup> ।

'मतिरागात्मिका प्रेया बुद्धिस्तत्कावदर्शिनी । प्रया चातीतकावस्य मेधा  
 कावलययात्मिका' इत्यन्ये भिदन्ति ।

(१) अन्यत इति मोक्षशास्त्रादन्यत्र शिष्ये चित्तादौ च वा मति  
 निपुणायते तत्रैकं नाम विज्ञानम् ।

(२) चत्वारि ऋदस्यत्वन्ये, त्रीणित्वन्ये, स्त्रीति स्त्रीलिङ्गम् ।

(३) तन्मते सम्भोदौ इति पाठः । व्याधिर्जनः पीडा व्याधिरुच्यते  
 इत्यन्वयः ।

(४) "अधिकारोऽद्रवं मूर्त्तं प्राणिस्यं स्वाङ्गमुच्यते" इति शाङ्ख्यशास्त्रेण  
 दीवदयम्, नन्दीशुखापि आबन्तो गङ्गावत् ।

(५) अरती स्त्री ।

(६) ह्रीनेऽवद्वित्यं कुलवत्, वल्लतस्तु स्त्रीलिङ्गम् ।

(७) आकारस्य ऋविकार सुखरागादेर्गोपनम् आकारादनम् ।

(८) अनिष्टस्त्रोत्प्रेक्षयं सम्भावनगित्त्वर्थः ।

आनन्दा<sup>१</sup>-नन्दू<sup>१(१)</sup> गर्भे<sup>१</sup>स्वहृद्धारो<sup>२</sup> ऽवलिप्तता<sup>३</sup> ॥२३-  
 दर्पो<sup>४</sup> ऽभिमानो<sup>५(२)</sup> ममता<sup>६</sup> मान<sup>७</sup> शिञ्जोन्मतिः<sup>८</sup> ष्ययः<sup>९</sup> ।  
 समिथो ऽहसहस्रिका<sup>१</sup> या तु सम्भावना क्लमि<sup>(२)</sup> ॥२३॥  
 दर्पो<sup>४</sup> त्वा होपुरुषिका<sup>१</sup> स्या हृत्पूर्विका<sup>१</sup> पुनः<sup>(४)</sup> ।  
 अहं पूर्वं महं पूर्वमित्यु यत्वं<sup>१</sup> तु चण्डता<sup>२</sup> ॥२३२॥  
 प्रबोध<sup>१</sup> सु विनिद्रत्वं<sup>२</sup> ग्लानि<sup>(५)</sup> सु बलहीनता ।  
 दैत्य<sup>१</sup> कार्पाण्य<sup>२</sup> अम<sup>३</sup> सु क्लमः<sup>२</sup> लेशः<sup>३</sup> परिश्रमः<sup>४</sup> ॥२३३॥  
 प्रयासा<sup>५</sup>-यास<sup>६</sup> व्यायामा<sup>७</sup> उन्माद<sup>८</sup> शिञ्जविश्रवः<sup>९</sup> ।  
 १) मोहो<sup>१</sup> मोहं<sup>२</sup> चिन्ता<sup>३</sup> ध्यान<sup>४</sup> ममर्षः<sup>५</sup> क्रोधसम्भवः ॥२३४॥  
 गुणो जिगीषो<sup>१</sup> त्वाहवां स्वास स्वाकम्पिकं भयम् ।  
 अपस्यारः<sup>१</sup> स्या दावेशो निर्बेदः<sup>१</sup> स्वावमाननम् ॥२३५॥  
 आवेग<sup>१</sup> सु त्वरि<sup>२</sup> स्तूर्णः<sup>३</sup> संवेगः<sup>४</sup> सम्भ्रम<sup>५</sup> स्फुरा<sup>६</sup> ।

(१) भ्रुवण्डः स्त्री, आनन्द्युः पुं ।

(२) अभिमानः पुंल्लो, वैजयन्तीकारस्तु “अभिमानस्तहृद्धारो गर्भो-  
 २स्त्री”त्याह ।

(३) अहो अहं पुरुषः इति दर्पो<sup>१</sup> अहृद्द्वारात् या आत्मनिस्त्ववि-  
 मये सम्भावना वा अहो पुरुषिका, “यत् ह्यधामिनिवेग स्या माहो पुरु-  
 षिकां विदुः” यत्पौन्दर्यबहुरी आह “पुरस्तादास्तां नः पुरमघितराहो  
 पुरुषिका” ।

(४) अहं पूर्वं इति यस्यां क्रियायां पूर्वं ज्ञपते साहृं पूर्विका ।

(५) ग्लानिः स्त्री ।

(६) मोहो मूर्च्छा अविद्या च यन्मरुत्तरः “मोहमिच्छन्ति मूर्च्छां ता  
 मविद्यायां च स्फुरव” इति । मूर्च्छायां यथा “अत्र मोहपरायया सती  
 विवशा कामवधुर्विबोधिता” अविद्या विपर्यय क्लम यथा “न पुद्गलमः  
 कामानहृद् गहनो मोहमहिमा” ।



वितर्कः<sup>१</sup>(१) स्या दुःखयनं<sup>२</sup> परामर्शो<sup>३</sup> विघ्नर्शनम् ॥२२६॥  
 अध्याहार<sup>४</sup> सार्क<sup>५</sup> ऊहो<sup>६</sup> स्त्रिया<sup>७</sup> न्यगुणदूषणम् ।  
 रतिः<sup>८</sup> संख्या<sup>९</sup>(२) सत्यु-कालो<sup>१०</sup> परलोकनमो<sup>११</sup> स्त्रिया<sup>१२</sup> ॥२३॥  
 पञ्चत्वं<sup>१३</sup> निधनं<sup>१४</sup> शो<sup>१५</sup> दीर्घमिद्रा<sup>१६</sup> निमीलनम् ।  
 दिष्टान्तो<sup>१७</sup> स्तं<sup>१८</sup> कालधर्मो<sup>१९</sup> वसामं वा तु सर्वैगा ॥२३८॥  
 (२) मरको<sup>२०</sup> मारि<sup>२१</sup> स्वयस्त्रिंश दमी व्यभिचारिणः ।  
 स्युः कारणानि कार्याणि सहचारिणि यानि च ॥२३९॥  
 रत्यादेः स्यायिनो लोके तानि चे त्काव्य नाक्ययोः ।  
 विभावा<sup>२२</sup> अनुभावा<sup>२३</sup> च व्यभिचारिण<sup>२४</sup> एव च ॥२४०॥

(१) त्वरिः स्त्री, तूर्णिरपि स्त्री, वितर्कः पुं, वैजयन्ती कारणस्तु "वितर्कं सार्कमस्त्रिया"मित्याह ।

(२) संख्यः संख्या इत्येवं स्त्रीपुं । संपूर्वं स्थाधातो मरणार्थकत्वात् प्रमादात् प्रवृत्ति निमित्तता बोध्या । निधनं पुंस्त्री ।

(३) मरकः पुंस्त्री, मारिः स्त्री ।

(४) विविध नाभिमुख्येन चरन्तीति व्यभिचारिणो भावा उच्यन्ते, स्यात् रतिः रागोऽनुरागोऽनुरतिरित्यादिनवविधस्य स्थायीभावस्य लोके यानि कारणानि कारणभूतानि आत्मस्वनोद्दीपनस्वभावानि छन्द-  
 नोद्यानादीनि स्युः तानि काव्यनाक्ययोः काव्ये नाक्ये च विभावा उच्यन्ते, रागादि नवविधस्यायिभावस्य कारणानाम् आत्मस्वनोद्दीपनस्वभावानां छन्दनाद्यानादीनां नाम काव्यशास्त्रे नाक्यशास्त्रे च विभाव इत्यर्थः ।  
 पुनः एषां कार्याणि कार्यभूतानि कटाक्षभुज्जलोपादीनि अनुभावा उच्यन्ते, रागादि नवविधस्याविभावस्य कारणभूतानामात्मस्वनोद्दीपन-  
 स्वभावानां छन्दनादीनां कार्यभूतकटाक्षभुजाज्जलोपादीनां नाम अनुभाव इत्यर्थः । व्यक्तः प्रकटः सभास्थितानां लोकानां वासनारूपेण स्थितः स स्थावी रसः इच्छारादि भवेत् विभावैः १ अनुभावैः २ सात्त्विकैः ३ व्यभि-  
 चारिभिः ४ चर्तुभिः स्थायी भावो रसः कथ्यत इत्यर्थः ।

ज्ञातः स ते र्निभाषाद्यैः स्यायीभावो भवेद् भेः<sup>१</sup> ।  
 पात्नायि<sup>१</sup> नाद्ये ऽधिष्ठता स्तुक्त द्वेष स्तु भूमिक्ता<sup>१</sup> ॥२४१॥  
 शैलूषो<sup>१</sup> भरतः<sup>२</sup> सर्व्व केशी<sup>१</sup>(<sup>१</sup>) भरतपुत्रकः<sup>५</sup> ।  
 धन्वीपुत्रो<sup>५</sup>(<sup>२</sup>) रङ्ग-जाया-जीवो<sup>७</sup> रङ्गावतारकः<sup>८</sup> ॥२४२॥  
 (<sup>२</sup>) नटः<sup>६</sup> कशाश्री<sup>१०</sup> शैलाश्री<sup>११</sup> चारणस्तु<sup>१</sup> कुशीलवः<sup>२</sup> ।  
 भ्र-भ्र-भ्र-भ्र-परः कुंसो<sup>५</sup>(<sup>३</sup>) नटः स्तोत्रेधधारकः ॥२४३॥  
 वेष्ट्याचार्य्यः<sup>१</sup> पीठमर्हः<sup>२</sup> सूत्रधार<sup>१</sup> स्तु सूत्रकः ।  
 नन्दी<sup>१</sup> तु पाठको नान्द्र्याः<sup>(५)</sup> पार्श्वस्थः<sup>१</sup> पारिपार्श्वकः<sup>२</sup> ॥  
 (<sup>६</sup>) वासन्तिकः<sup>१</sup> केलिकिलो<sup>२</sup> वैहासिको<sup>३</sup> विदूषकः<sup>५</sup> ।  
 मङ्गसी<sup>५</sup> प्रीतिद<sup>६</sup> श्याथ पिङ्गः<sup>१</sup> पल्लविको<sup>२</sup> त्रिटः<sup>२</sup>(<sup>७</sup>) ॥२४४॥  
 पिता त्वा वृक<sup>१</sup> आवृत्त<sup>१</sup>-भावुकौ<sup>२</sup> भगिनोपतौ ।

(१) सर्व्ववेशी इति पाठः ।

(२) धालीपुत्रः इति वा, रङ्गजायाभ्यामाजीवः, रङ्गाजीवः ।  
जायाजीवः २ ।

(३) नटः पुंल्लो, कशाश्रीति इत्यन्तः शैलाश्री णिबन्तः ।

(५) भ्रजुंशः । भ्रुकुंशः २ भ्रुकुंशः २ भ्रुकुंशः ५ इति ।

(५) नान्द्र्याः पूर्वं रङ्गाङ्गस्य द्वादशतूर्य्य घोषनाम्नः पाठकोऽभ्या-  
पको नन्दीत्युच्यते, नन्दिनौ नन्दिन इत्यादि रूपानि । नन्दशब्दात् प्र-  
प्रादीणि नान्दी स्त्रीलिङ्गः, नान्द्र्यौ नान्द्र्य इति । भन्ना । मउद२ म-  
इल३ कउम्ब४ कस्तुरि५ कडक६ कंठारा७ काङ्कन८ तिलिमा९ वंसो१०  
सङ्को११ पणवो१२ यनाडण१३ नन्दी१४ इति नाटकनान्द्र्यम् । उका१  
दका२ उमरुय३ काङ्कल४ वृक५ भेरी६ भाषणं७ पडहो८ जगशङ्क९  
करडि१० पुगश्वमह्वा११ कंसाल१२ रणानन्दी२ इति रणनान्द्र्यम् ॥

(६) स्त्रील्लुनीवक पाठस्य ।

(७) त्रिटः पुंल्लो, अतः परं वाक्त्वाण्डममाग्निनाश्रोक्ताधिकारः ।

भावो<sup>१</sup> विद्वान् युवराजः कुमारो<sup>१</sup> भर्तृदारकः<sup>२</sup> ॥२४६॥  
 बाला वाहू<sup>१</sup> मीर्षो<sup>१</sup> चाय्यो<sup>२</sup> देवो<sup>१</sup> भट्टारको<sup>२</sup> वृषः ।  
 राष्ट्रिवो<sup>१</sup> उपरोः श्यालो दुहिता भर्तृदारिका<sup>१</sup> ॥२४७॥  
 देवी<sup>१</sup> कृताभिषेका न्या भट्टिनी<sup>(१)</sup> गणिका ऽज्युकार<sup>२</sup> ।  
 नीषा-चेटी-सखी-कृतौ हण्डे<sup>१</sup> हण्डे<sup>१</sup> हलाः<sup>१</sup> क्रमात्<sup>(२)</sup> ॥  
 अत्रस्राण्य<sup>१</sup> मवध्योक्तौ ज्यायसी तु स्वसा ऽत्तिका<sup>(३)</sup> ।  
 भर्ता र्य पुत्रो<sup>१</sup> माता ऽस्मा<sup>१</sup> भइन्ताः<sup>१</sup> सौगतादयः ॥२४८॥  
 पूज्यो<sup>१</sup> तत्रभवारे नत्रमवारे च भगवा<sup>१</sup> नपि ।  
 पादा<sup>१</sup> भट्टारको<sup>२</sup> देवः<sup>२</sup> प्रयोज्यः पूज्यनामतः<sup>(४)</sup> ॥२४९॥

इत्याचार्य्य श्रीहेमचन्द्रविरचितायामभिधानचिन्ता-  
 मणौ नाममात्रायां देवकाण्डो द्वितीयः ॥

(१) यन्महेश्वरः “भट्टिनी द्विजभार्यायां नाद्योक्तौ राजयोषिति” ।  
 (२) एषां तयाणां सखीधनत्वात् एते २न्यानि रूपाणि नस्यः “अयो-  
 त्वाय सखीनां सा प्रेक्षा लक्ष्यादिशोऽखिलाः । अदर्शयत्करायेण हलाः  
 पश्यत पश्यत इति” तिलकाचार्याः । एषं हला इत्यस्य एकवचनबहुवच-  
 नोदाहरणम् ॥

(३) अत्रोव मातेव इत्युक्तम् ।

(४) पूज्यनामतः अर्थे प्रयोक्तव्याः, भट्टारकस्य ।

अभिधानचिन्तामणौ ।

मत्तिकाण्डः ।

—०००—

द्वितीयः ।

मत्तिकाः<sup>१</sup> पञ्चजनो<sup>२</sup> भूस्पृक्<sup>३</sup> पुरुषः<sup>४</sup> पूरुषो<sup>५</sup> नरः<sup>६</sup> ।  
मनुष्यो<sup>७</sup> मानुषो<sup>८</sup> ना<sup>९</sup> विट्<sup>१०</sup> मनुजो<sup>११</sup> मानवः<sup>१२</sup> पुमान्<sup>१३</sup> ॥२॥  
बालः<sup>१४</sup> पाकः<sup>१५</sup> शिशु<sup>१६</sup> डिम्भाः<sup>१७</sup> पोतः<sup>१८</sup> श्रावः<sup>१९</sup> स्तनन्धयः<sup>२०</sup> ।  
दृयुक्ता<sup>२१</sup>-भौ<sup>२२</sup>-त्तानश्रयाः<sup>२३</sup> चीरकरुहः<sup>२४</sup> कुमारकः<sup>२५</sup> ॥२॥  
शिशुत्व<sup>२६</sup> शैशवं<sup>२७</sup> बाल्य<sup>२८</sup> वयस्य<sup>२९</sup> स्तरणो<sup>३०</sup> युवा<sup>३१</sup> ।  
तारुण्य<sup>३२</sup> यौवन<sup>३३</sup>(१) वृद्धः<sup>३४</sup> प्रवयाः<sup>३५</sup> स्थविरो<sup>३६</sup> जरन्<sup>३७</sup> ॥३॥  
२) जरौ<sup>३८</sup> जीर्णो<sup>३९</sup> यातयानो<sup>४०</sup> जीनो<sup>४१</sup> ऽथ विस्तसा<sup>४२</sup> जरार<sup>४३</sup> ।  
वार्द्धकं<sup>४४</sup> स्याविर<sup>४५</sup> ज्यायान्<sup>४६</sup> वर्षीयान्<sup>४७</sup> दशमी<sup>४८</sup> त्यपि<sup>४९</sup>(२) ॥४॥  
विद्वान्<sup>५०</sup> सुधीः<sup>५१</sup> कवि<sup>५२</sup>-विचक्षण<sup>५३</sup>-लब्धवर्णा<sup>५४</sup> ज्ञः<sup>५५</sup> ।  
प्रातरूप<sup>५६</sup>-कृति<sup>५७</sup>-कृष्य<sup>५८</sup>-भिरूपा<sup>५९</sup>-धीराः<sup>६०</sup> ॥  
मेधावि<sup>६१</sup>-कोविद<sup>६२</sup>-विशारद<sup>६३</sup>-सूरि<sup>६४</sup>-दोषज्ञाः<sup>६५</sup> ।  
प्राज्ञ<sup>६६</sup>-परिहृत<sup>६७</sup>-सनीषि<sup>६८</sup>-बुध<sup>६९</sup>-प्रबुद्धाः<sup>७०</sup> ॥४॥  
व्यक्तो<sup>७१</sup> विपक्वि<sup>७२</sup> त्वङ्ग्रावान्<sup>७३</sup> सन्<sup>७४</sup> प्रवीणो<sup>७५</sup> तु शिञ्जितः<sup>७६</sup> ।  
निष्णातो<sup>७७</sup> निपुणो<sup>७८</sup> दक्षः<sup>७९</sup> कर्म<sup>८०</sup>-हृत्<sup>८१</sup>-सुखाः<sup>८२</sup> कर्तात्<sup>८३</sup> ॥५॥

(१) यौवनशब्दः पुं ली ।

(२) जरौ जरिणौ जरिणः इति रूपाणि ।

(३) अतिवृद्धस्य, दशमिणौ दशमिनः ॥

(४) कर्तकर्मणा कर्तकर्मणाणौ कर्तकर्मणाणः कर्तकर्मणः कर्तकर्मणः इत्यादि ॥

कुशक<sup>६</sup> श्रुतौ<sup>१</sup> अभिज्ञ<sup>११</sup>-विज्ञ<sup>१२</sup> वैज्ञानिकाः<sup>१३</sup> पटुः<sup>१४</sup> ।  
 कौको<sup>१</sup> विदग्धे<sup>१</sup> प्रौढ<sup>१</sup> सु प्रगल्भः<sup>२</sup> प्रतिभान्वितः<sup>३</sup> ॥७॥  
 कुशाद्रीवमतिः<sup>१</sup> सूक्ष्मदर्शी<sup>२</sup> तत्कालधीः<sup>३</sup> पुनः ।  
 प्रत्युत्पन्नमति<sup>२</sup> दूरं द्यः पश्ये दीर्घदर्शः<sup>३</sup> ॥८॥  
 हृदयालुः<sup>१</sup> सहृदय<sup>२</sup> शिद्रूपोः<sup>(२)</sup> उप्यय संस्कृते<sup>३</sup> ।  
 व्युत्पन्न-प्रहृतर-क्षुषा<sup>(४)</sup> अन्तर्वाणि<sup>(४)</sup> सु शास्त्रवित् ॥९॥  
 (५) वागीशो<sup>१</sup> वाक्पतो<sup>२</sup> वाग्मी<sup>३</sup> वाचोयुक्तिपटुः<sup>२</sup> प्रताक्<sup>३</sup> ।  
 समुखो<sup>४</sup> वावदूको<sup>५</sup> ज्य बदो<sup>६</sup> वक्ता<sup>७</sup> वदावदः<sup>२</sup> ॥१०॥  
 स्या ज्जल्पाक<sup>१</sup> सु वाचालो<sup>२</sup> वाचाटो<sup>३</sup> बद्धगर्ह्यवाक् ।  
 (१०) धृद्वदो<sup>१</sup> सुत्तरा<sup>२</sup>-दुर्वीक्<sup>३</sup> कद्वदे<sup>४</sup> स्यादया धरः<sup>१</sup> ॥११॥  
 (८) हीनवादि<sup>२</sup> न्यैडमूका<sup>१</sup>-नेडमूको<sup>२</sup> ल वाच्छुतौ ।  
 रवणः<sup>१</sup> शब्दन<sup>२</sup> सुल्यौ कुवाद<sup>१</sup>-कुचरी<sup>२</sup> समौ ॥१२॥

(१) प्रतिभामुखः इति वा पाठः ॥

(२) लीणि वस्यतच्चज्ञानवतः ।

(३) चत्वारिः शास्त्रादितत्त्व चतुरस्र ।

(४) शास्त्रं वेति न च तथा वक्तुं शक्नोति यः सोऽन्तर्वाणिः ॥

(५) इयं प्रधानवक्तुः वागीशः वाक्पतिः वाग्मी इति लीणि, प्रधान-  
 गिलेकं, समुखः वावदूक इति हे इति मतान्तरम् ।

(६) पञ्च प्रतिभायुक्तवर्त्यकस्य, वाग्मीत्यत्र गकारद्वयं पृथगीयम्  
 प्रगत्या वाग्विद्यतेऽस्येति विभन् प्रत्ययः, तेन गकारद्वयं अत्रणम् । यदि  
 तु विनिर्दिष्टेयं च्यत तर्हि यरोऽनुनासिकः स्यात् प्रत्यये निश्चिन्त्यत  
 इति, थोहि वाग्माप्रते स वाग्मीत्येव भवतीति कथमभट्टः, वाग्मा-  
 कीति वाग्मी यो ग्मिन्तो अस्य कृत्य कस्य च पाठव इति गः, गस्यविभवा  
 च जोच्चारणे गकार द्वयं अत्रणं भवतीति च माधवभट्टः ।

(७) अनुत्तरे इति वा, तस्मिन् पश्चादनुत्तरदाहनात् ।

(८) हीनं स्वपराजयं वक्तीति विग्रहः ।

लोहलो<sup>१</sup>ऽस्फुटवाग्<sup>२</sup> मूको<sup>३</sup> ऽवाग्<sup>४</sup> सौम्यस्वरो<sup>५</sup> ऽस्वरः<sup>६</sup> ।  
 वेदिता<sup>७</sup> विदुरो<sup>८</sup> विन्दु<sup>९</sup> र्वन्दार<sup>१०</sup> स्वऽभिवाहकः<sup>११</sup> ॥१३॥  
 आशंसु<sup>१२</sup> राशंसितरि<sup>१३</sup> कङ्कर<sup>१४</sup>(१) स्व तिकुत्सितः ।  
 निराकरिष्णुः<sup>१५</sup> चिंप्रुः<sup>१६</sup>(२) स्ना द्विकासी<sup>१७</sup> तुविकस्वरः<sup>१८</sup> ॥१४॥  
 दुसुखे<sup>१९</sup> सुखरा<sup>२०</sup>-वहसुखी<sup>२१</sup> शक्तः<sup>२२</sup> प्रियवंदः<sup>२३</sup> ।  
 दानशीलः स वदान्यौ<sup>२४</sup> वदन्यो ऽप्यथ बालिशः<sup>२५</sup> ॥१५॥  
 मूढो<sup>२६</sup> मन्दो<sup>२७</sup> यथा जातो<sup>२८</sup> बालो<sup>२९</sup> माटसुखी<sup>३०</sup> जडः<sup>३१</sup> ।  
 मूर्खो<sup>३२</sup> ऽमेधो<sup>३३</sup>-विवर्णी<sup>३४</sup>-ज्ञा<sup>३५</sup> वैधेयो<sup>३६</sup> माटशक्तिः<sup>३७</sup> ॥१६॥  
 देवानांप्रिय<sup>३८</sup>-गान्धो<sup>३९</sup> च (१) दीर्घसूत<sup>४०</sup> श्वरक्रियः<sup>४१</sup> ।  
 मन्दः क्रियासु कुण्ठः स्यात् क्रियावान् कर्मसूद्यतः ॥१७॥  
 कर्मसमो<sup>४२</sup> लङ्कर्मिणः<sup>४३</sup> कर्मसूर सु कर्मैठः<sup>४४</sup> ।  
 कर्मशीलः<sup>४५</sup> कार्म्ये<sup>४६</sup> आयःशूलिक<sup>४७</sup> स्त्रीक्षणकर्मकत् ॥१८॥  
 सिद्धसंज्ञननः<sup>४८</sup> स्वङ्गः<sup>४९</sup> स्वतन्त्रो<sup>५०</sup> निरवग्रहः<sup>५१</sup> ।  
 यथाकामी<sup>५२</sup> स्ववचि<sup>५३</sup> च स्वच्छन्दः<sup>५४</sup> स्वै<sup>५५</sup> र्यपाटतः<sup>५६</sup> ॥१९॥  
 यहच्छा<sup>५७</sup> स्वैरितार<sup>५८</sup> स्वैच्छा<sup>५९</sup> नाथवान् निम्न<sup>६०</sup>-गृह्यकौ<sup>६१</sup> ।  
 तन्ना<sup>६२</sup>-यन्त<sup>६३</sup>-वशा<sup>६४</sup>-धीन<sup>६५</sup>-च्छन्द<sup>६६</sup>-वन्त<sup>६७</sup> परात्पर<sup>६८</sup>(४) ॥२०॥

(१) कङ्करः कङ्कट इति वा पाठः ।

(२) चिंप्रुः इति वा पाठः ।

(३) दीर्घसूत संकारान्तो, देववत् दीर्घसूतो इत्यपि व्यञ्जनान्तो भिन्नप्रत्ययान्तत्वात् यदाह हज्जायुधः “दीर्घसूतो जडकृत्” इति दीर्घसूतयतीत्येवं शीलो दीर्घसूतो इति लट्टीका, “सूतान् विभोचने” विभोचनं मोक्षनभावो यथ्यनमिति यावत् इति धातुपारायणम् ॥

(४) परतन्त्र १ परावन्तः २ परवशः ३ पराधीन ४ परच्छन्दः ५

परवान् ६ ।

लक्ष्मीवान् लक्ष्मणः २ लीलः ३ इभ्यः आढयोः धनीः ४ खरः ५ ।  
 ऋद्धे ५ विभूतिः १ सम्पत्तिः २ लक्ष्मीः ३ श्रीः ४-ऋद्धिः ५-सम्पदः ॥ २१ ॥  
 दरिद्रो दुर्बिधो दुःस्यो दुर्गतो निःस्वः-कीकटौ १ ।  
 अक्रिञ्चनो ० अधिपः स्त्रीशो नेता परिहृदो ५ धिभूः ५(१) ॥ २२ ॥  
 पतीः-ऋः-स्वामिः-नायाः-व्याः १ प्रभुः १ भर्त्ता १ खरो १ विभुः १  
 ईप्रिते ५ ने १ नामकश्च ० नियोज्यः १ परिचारकः २ ॥ २३ ॥  
 डिङ्करः २ किङ्करो ५ मृत्युः ५ शेठो १ गोप्यः ० पराचितः ५ ।  
 दासः ५ प्रेष्टः १(२) परिस्तन्दो १ भुजिष्यः २-परिक्रिञ्चिनो १ ॥ २४ ॥  
 परान्नः १ परपिण्डादः १ परजातः १ परैधितः १ ० ।  
 मृतके १ मृतिभुग् वेतनिकः २ कर्मकरो ५ ऽपि च ॥ २५ ॥  
 सनिर्भृतिः १(२) कर्मकारो मृतिः १ स्वा निष्क्रयः २ पणः २ ।  
 कर्मण्या ५ वेतनं ५ मूल्यं १ निर्वेशो ० भरणं ५ विधा ५ ॥ २६ ॥  
 भर्मण्या १ भर्म १ मृत्या २ च भोगः सु गणिका मृतिः ।  
 खलपुः १ स्याद् बलकरो भारवाहः सु भारिकः २ ॥ २७ ॥  
 वार्त्तावहे वैधधिको मारे विवधः-वीवधो २ ।  
 काचः १ शिष्यः २ तदालम्बो भारयटि विहङ्गिकाः ॥ २८ ॥  
 मूरः २ श्वारभटो वीरो विक्रान्तः ५ या य कातरः १ ।  
 हरितः शकितो भीतो श्रीः ५-भोरुकाः-भीलकाः ० ॥ २९ ॥  
 विह्वलः-व्याकुलो व्यग्रे कान्दिशीको मयद्रुते ।  
 उत्पिञ्जलः-ससुत्पिञ्जलः-पिञ्जला-मृशमाकुले ॥ ३० ॥

(१) अधिप इति वा पाठः ।

(२) इति गति हिंसा दर्शनेषु स्वात्मनेपदिः आदिषु, अस्मात् व्यपि  
 रु रूपधत्वात् गुणाभावे इष्य इति रूपम्, तस्मिन् परे सति रूप एव  
 भवति परह् पानुपातिन्याहङ्गेरपसङ्गात् प्रेष्ठः इति ॥

(३) निर्भृत्यामूल्येन संहितः च निर्भृतिः ।

महेच्छे<sup>१</sup> तूङ्गटो<sup>२</sup>-दारो<sup>३</sup>-दात्तो<sup>४</sup>-दीर्घ<sup>५</sup>-महाशयाः<sup>६</sup> ।  
 महामना<sup>७</sup> महात्मा<sup>८</sup> च कृपाण<sup>९</sup> स्तु मितम्पचः<sup>१०</sup> ॥३१॥  
 कीनाश<sup>११</sup> (१) तद्वनः<sup>१२</sup> चुद्र<sup>१३</sup>-कदर्य<sup>१४</sup>-दृढसुटयः<sup>१५</sup> ।  
 क्रिष्णचानो<sup>१६</sup> दयालु<sup>१७</sup> स्तु कृपालुः<sup>१८</sup> करुणापरः<sup>१९</sup> ॥३२॥  
 सूरतो<sup>२०</sup> ऽथ दया<sup>२१</sup> श्रूकः<sup>२२</sup> कारुण्यं<sup>२३</sup> करुणा<sup>२४</sup> दृशा<sup>२५</sup> ।  
 कृपा<sup>२६</sup> ऽनुकम्पा<sup>२७</sup> ऽनुक्रोशो<sup>२८</sup> हिंखो<sup>२९</sup> शरारु<sup>३०</sup>-वातुकौ ॥३३॥

व्यापादनं<sup>३१</sup> विश्ररणं<sup>३२</sup> प्रमयः<sup>३३</sup> प्रमापयं<sup>३४</sup>  
 निर्ग्रन्थनं<sup>३५</sup> प्रमथनं<sup>३६</sup> कदमं<sup>३७</sup> निवर्हणम्<sup>३८</sup> ।  
 निस्तर्हणं<sup>३९</sup> विशसनं<sup>४०</sup> क्षणनं<sup>४१</sup> परासनं<sup>४२</sup>  
 प्रोज्जासनं<sup>४३</sup> प्रशसनं<sup>४४</sup> प्रतिधातनं<sup>४५</sup> बधः<sup>४६</sup> ॥३४॥  
 प्रवासनो<sup>४७</sup> ह्वासनो<sup>४८</sup> घात<sup>४९</sup>-निर्व्या-  
 सनानि<sup>५०</sup> संश्रितो<sup>५१</sup>-निशुम्भ<sup>५२</sup>-हिंसाः<sup>५३</sup> ।  
 निर्व्यापया<sup>५४</sup>-लम्भ<sup>५५</sup>-निस्तदनानि<sup>५६</sup>  
 निर्व्यातनो<sup>५७</sup>-न्यय्य<sup>५८</sup>-समापनानि<sup>५९</sup> ॥३५॥  
 अपासनं<sup>६०</sup> वर्जनं<sup>६१</sup>-मार<sup>६२</sup>-पिच्छा<sup>६३</sup> •  
 निष्कारणं<sup>६४</sup>(२)-काय<sup>६५</sup>-विशारथानि<sup>६६</sup> ।  
 स्युः कर्षीने<sup>६७</sup> कल्पनं<sup>६८</sup>-वर्द्धने च  
 छेदं<sup>६९</sup> च बातोद्यत आततासी<sup>७०</sup> ॥ ३६ ॥

३७) शीर्षच्छेदकः शीर्षच्छेद्यो<sup>(३)</sup> यो वधमर्हति ।  
 तत्र-मञ्जीप्रसम्पन्नः<sup>३</sup> परेत<sup>४</sup>-प्रेत<sup>५</sup>-संश्लिताः<sup>५</sup> ॥३७॥

(१) तद्वन इति वा पाठः ।

(२) विकारण इति वा पाठः ।

(३) शीर्षच्छेदकः इति वा पाठः ।

(४) सं पूर्व स्याधातो भिरणाधैता मादायैतद्विषयत्रमः ।



(१) नामालोच्य-यशः-शेषो व्यापन्ने-पगतौ<sup>(१)</sup> सतः<sup>(२)</sup> ।  
 परासु<sup>(३)</sup> सादृष्टेदानं<sup>(४)</sup> तदर्थं मौङ्गदेहिकम् ॥३८॥  
 सतस्त्वनमपस्त्वानं निवापः<sup>(५)</sup> प्रित्ततर्पणम् ।  
 चित्ति-नि-बला-चित्ता<sup>(६)</sup> सुत्या ऋजु<sup>(७)</sup> सु प्राञ्जलो<sup>(८)</sup> ष्छसः<sup>(९)</sup> ॥  
 दक्षिणो<sup>(१०)</sup> शरको<sup>(११)</sup>-दारौ<sup>(१२)</sup> शठ<sup>(१३)</sup> सु निजतो<sup>(१४)</sup> ष्टजुः<sup>(१५)</sup> ।  
 क्रूरे<sup>(१६)</sup> वृशंस<sup>(१७)</sup>-निस्त्रिंश<sup>(१८)</sup>-पापा<sup>(१९)</sup> धूर्त्त<sup>(२०)</sup> सु वक्षकः<sup>(२१)</sup> ॥४०॥  
 व्यंसकः<sup>(२२)</sup> कुङ्कको<sup>(२३)</sup> दाण्डाजिनिको<sup>(२४)</sup> मायि<sup>(२५)</sup>-जालिकौ<sup>(२६)</sup> ।  
 (४) माया<sup>(२७)</sup> तु शठता<sup>(२८)</sup> शाठं<sup>(२९)</sup> कृस्ति<sup>(३०)</sup> निजति<sup>(३१)</sup> च मा<sup>(३२)</sup> ॥४१॥  
 कपटं<sup>(३३)</sup> कैतवं दम्भः<sup>(३४)</sup> कूटं<sup>(३५)</sup> छद्मो<sup>(३६)</sup> पथि<sup>(३७)</sup> ष्छलम्<sup>(३८)</sup> ।  
 व्यपदेशो<sup>(३९)</sup> मिषं<sup>(४०)</sup> षष्ठी<sup>(४१)</sup> निमं<sup>(४२)</sup> व्याजो<sup>(४३)</sup> ष्य कुङ्कटिः<sup>(४४)</sup> ॥४२॥  
 कुङ्कना<sup>(४५)</sup> दम्भचर्च्य<sup>(४६)</sup> च वक्षन्<sup>(४७)</sup> तु प्रतारणम् ।  
 व्यलीक<sup>(४८)</sup> मतिसन्धानं<sup>(४९)</sup> साधौ<sup>(५०)</sup> सभ्या<sup>(५१)</sup>-व्य<sup>(५२)</sup>-सज्जनाः<sup>(५३)</sup> ॥४३॥  
 (६) दोषैकदृक्<sup>(५४)</sup> पुरोभागी<sup>(५५)</sup> कर्णजप<sup>(५६)</sup> सु दुर्जनः<sup>(५७)</sup> ।  
 पिशुनः<sup>(५८)</sup> शूचको<sup>(५९)</sup> नीचो<sup>(६०)</sup> द्विजिह्वो<sup>(६१)</sup> मत्सरी<sup>(६२)</sup> खलः<sup>(६३)</sup> ॥४४॥

(१) नामशेषः आलोच्यशेषः २ यशशेषः ३ ।

(२) उपगतो इति वा पाठः ।

(३) तस्य सतस्या हलदहमस्मिन् तदृष्टे ।

(४) मायादयः कपटादयश्च एकाधी इत्येके, “कपटादयः सप्त व्यप-  
 देशादयश्च पञ्च भिन्नार्थी” इत्यमरः तदा कपटादयः सप्त कपट वक्षकाः  
 त अपि च केष-भाषा विपर्ययकरणं कपटं, कार्षीपण तुकारेः परवृत्त-  
 नाद्यं न्यायविकरणं कूटमिति विशेषोनाश्रितः ।

(५) निष्कृतिरिति केचित् ।

(६) कपटं पुंल्लो, कूटं पुंल्लो, छद्मं पुंल्लो, छद्मो, छद्मनी, छद्मान ।

(७) शभिसन्धानम् इति वा ।

(८) दोषग्रहियाः, पुरोभाषिणो पुरोभाषिणः । इज्जतो बोद्धव्याः ।

व्यसनान्तैः स्तूपरक्तं चोरं स्तु प्रतिरोधकः २ ।  
 इत्युः २ (१) पाटञ्चरं स्तेनं स्तस्करः १ पारिपत्यिकः ० ॥४५॥  
 परिमोषि परास्कन्दैः (२) क्रान्तिकं मलिक्नुवाः १ ।  
 यः पश्यतो हरे दयं स चोरः पश्यतो हरः १ ॥४६॥  
 चौर्यं स्तु चौरिकं स्तेयं (३) लोभं (४) त्वपहतं धनम् ।  
 यद्भविष्यो दैवपरो ऽथा लस्यः शीतको ऽलसः ३ ॥४७॥  
 मन्दं सुन्द परिमृणो सुष्णो दक्षं स्तु पेशलः २ ।  
 पटूरं-शो-ष्णकं-सूत्यानं-चतुरां शाय तत्परः १ ॥४८॥  
 आसक्तः प्रवणः प्रह्वः प्रसितं च परायणः १ ।  
 दातो दारः स्यूजलक्ष-दानशौख्यो बद्धप्रदे १ ॥४९॥  
 दानं सुसुर्जनं त्यागः प्रदेशनं-विसर्जने १ ।  
 विहायितं (५) वितरणं स्पर्शनं प्रतिपादनम् १ ॥५०॥  
 विद्याणनं निर्वपणं मपमज्जनं मंहति १ ।  
 अर्थव्ययञ्च सुकलो याचका स्तु बनीपकः २ (६) ॥५१॥  
 मार्गणो र्थो याचनकं स्तर्कुको ऽथा र्थनैः प्रणो २ (७)  
 अर्हना प्रणयो याञ्जा याचनां ऽध्येषणां सनिः ० ॥५२॥

(१) पाटञ्चर इत्यपि ।

(२) परास्कन्दी परास्कन्दिनौ परास्कन्दिनः ।

(३) स्तेनस्य भावस्तेयं, स्तेनाच्च लुक्चेति यः, राजादित्वाद्यणि सौत्नमपि ।

(४) लोभमिच्छापि हृषायुष टीका ।

(५) विहायितम् इति वा पाठः ।

(६) बनीपक इति कश्चित् ।

(७) तर्ककः इति वा पाठः ॥

(८) अर्हनेत्याद्यस्य प्रथमः पुंसि, अन्ये स्त्रियां, सनिशब्दः पुंस्यपि ।

उत्पत्तिशु<sup>१</sup> स्तूत्यतितार<sup>२</sup> ऽसङ्करिष्णु<sup>३</sup> स्तु मण्डनः<sup>२</sup> ।  
 भविष्णु<sup>४</sup> भवितार<sup>२</sup> भूष्णुः समौ वर्त्तिष्णु<sup>५</sup> वर्त्तनौ<sup>६</sup> ॥५३॥  
 (१) विष्टत्वरोः विष्टमरः<sup>२</sup> प्रसारी<sup>३</sup> च विघ्नारिष्णु<sup>४</sup> ।  
 कणाशीलो<sup>५</sup> ऽपत्रपिष्णुः<sup>६</sup> सङ्घिष्णुः<sup>७</sup> क्षमिता<sup>८</sup> क्षमी<sup>९</sup> ॥५३॥  
 तितिक्षुः<sup>१०</sup> सहनः<sup>११</sup> क्षन्ता<sup>१२</sup> तितिक्षा<sup>१३</sup> सहनं<sup>१४</sup> क्षमा<sup>१५</sup> ।  
 ईर्ष्यालुः<sup>१६</sup> कुहनो<sup>१७</sup> धान्ति<sup>१८</sup> रीर्ष्या<sup>१९</sup> क्रोधी<sup>२०</sup> तु रोषणः<sup>२१</sup> ॥५५॥  
 अमर्षणः<sup>२२</sup> क्रोधन<sup>२३</sup> च चण्ड<sup>२४</sup> स्तूत्यन्नकोपनः ।  
 बुभुक्षितः<sup>२५</sup> स्यात् क्षुधितो<sup>२६</sup> जिघत्सु<sup>२७</sup> रश्मनायितः<sup>२८</sup> ॥५६॥  
 बुभुक्षाया रश्मनाया<sup>२९</sup> जिघत्सा<sup>३०</sup> रोचको<sup>३१</sup> (१) रुचिः<sup>३२</sup> ।  
 पिपासुः स्तूपित<sup>३३</sup> स्तूष्णक्<sup>३४</sup> (१) तृष्णा तर्षा<sup>३५</sup> ऽपत्तासिक्ता<sup>३६</sup> ॥७॥  
 पिपासा<sup>३७</sup> तट<sup>३८</sup> तपो<sup>३९</sup> दन्या<sup>४०</sup> वीतिः<sup>४१</sup> पाने<sup>४२</sup> ऽथ शोषणम् ।  
 रसादानं<sup>४३</sup> भक्षक<sup>४४</sup> स्तु घञ्जरो<sup>४५</sup> ऽङ्गर<sup>४६</sup> आश्रितः<sup>४७</sup> (४) ॥५८॥  
 भक्त<sup>४८</sup> मन्त्रं<sup>४९</sup> कूर<sup>५०</sup> मन्त्रो<sup>५१</sup> (५) भिस्सा<sup>५२</sup> दी द्वि<sup>५३</sup> रोदनः<sup>५४</sup> ।  
 अशनं<sup>५५</sup> (६) जीवनकं<sup>५६</sup> च याजो<sup>५७</sup> वाजः<sup>५८</sup> प्रसादनम्<sup>५९</sup> ॥५९॥  
 भिस्साटा<sup>६०</sup> दग्धिकां<sup>६१</sup> सर्वैरसाग्रं मण्ड<sup>६२</sup> मतं तु<sup>६३</sup> (७) ।  
 दधिजे मस्तु भक्तो<sup>६४</sup> निस्त्रावा<sup>६५</sup>-चाम<sup>६६</sup>-मासराः<sup>६७</sup> ॥६०॥

(१) प्रसरण शीलस्य ।

(२) रोचनं रोचतेऽस्मिन्निति वा रोचकः नास्ति पुंसि चेति ।

(३) तृष्णाक् तृष्णजौ तृष्णजः ॥

(४) आश्रित इति वा पाठः ।

(५) कूरमिति पुल्लि, अन्वः अन्वसी अन्वासि ।

(६) अशनं पुल्लि, अशनं अशनः ॥

(७) मण्डं पुल्लि, मस्तु ली, “दग्धस्तु यदधस्तोयं तन्मस्तु च निगद्यते” इति धन्वन्तरिः ॥ सर्वैरसाग्रं इति वा पाठः ।

- आणा<sup>१</sup> विलेपी<sup>२</sup> तरला<sup>३</sup> यवागु<sup>४</sup> रुष्णिका<sup>५</sup> ऽपि च ।  
 सूपः<sup>१</sup> स्यात् प्रहितं<sup>२</sup> सूदो<sup>३</sup> व्यञ्जनं<sup>४</sup> न्तु<sup>५</sup> हताह्निकम् ॥ ६१ ॥  
 तुल्यौ तिलान्ने कसर<sup>१</sup>-तिसरा<sup>२</sup>(१) वध पिष्टकः<sup>३</sup>(२) ।  
 पुपो<sup>१</sup>ऽपूपः<sup>२</sup> पूतिका<sup>३</sup> तु पोलिका<sup>४</sup>-पोलि<sup>५</sup>(३)-पूपिकाः<sup>६</sup> ॥ ६२ ॥  
 (४) भूपल्प<sup>५</sup> ये<sup>६</sup> घत्पक्के स्तुरभूषा<sup>७</sup>-श्योप<sup>८</sup>-पौल्यः<sup>९</sup> ।  
 (५) निष्ठानं<sup>१</sup> तु तेमनं<sup>२</sup> स्यात्करश्मो<sup>३</sup> दविसक्तवः ॥ ६३ ॥  
 हतपूरो<sup>१</sup> = तचरः<sup>२</sup> पिष्टपूर<sup>३</sup> अर्घार्त्तिक<sup>४</sup> ॥  
 (६) चमसी<sup>१</sup> पिष्टवर्त्तिः<sup>२</sup> स्यात् हटक<sup>३</sup> स्व वसेकिमः<sup>४</sup> ॥ ६४ ॥  
 ष्टायवाः पुनर्धाना<sup>१</sup>(७) धानाचूर्णं<sup>२</sup> तु सक्तवः<sup>३</sup>(८) ।

(१) कसरः पुष्पी, लीलेपि, वैजयन्ती यदाह “तिलतगुञ्जनमापैस्तु  
 कसरालिसरात्वयीति” ॥ (२) पिष्टकः पुंल्लो ॥

(३) पौलि इति वा, ‘किञ्चित् सूबाभवेयुश्च तभ्यः पूपनिकाः  
 सूताः । सैवाङ्गा रोपु सम्पन्ना विज्ञेयाङ्गार-कर्वटी’ गूलिकाद्याः पञ्च स्तून्  
 भगवत्पर्यायाः ॥

(४) इह प्रस्तावात् सामान्यतोऽनुक्तान्यपि पिष्टनामानि लीणि,  
 पिष्टकः१ चमसः२ चूर्णश्च३ “पिष्टको नेत्रोभेस्याद्धान्यादि चमसेपि चेत”  
 महेश्वरः । चमसशब्दस्तु चमसीत्यत्र निर्णीतोऽतस्तत्र एवावसेचः ।

(५) निष्ठानं पुंल्लो ।

(६) चमसी स्त्रीलिङ्गः, गौडस्तु “चमसः पिष्टवर्त्तिः स्यादिति” पु-  
 स्याह, चमसः पिष्टं चमसी शुद्धादितिन्द्रजना इति हेमोपादि हेमघात  
 पार्यायणयोः सामान्यवचनात् चमसी शब्दो वडोत्यादि प्रसिद्धेपि अष्टधनी  
 चमभूमिसीति” अमरस्त्रीलिङ्गशेषः चमसीमसूरादिपिष्टाणां चोभ-  
 स्यामी ॥

(७) धानाः स्त्रीलिङ्गो बहुवचनान्तर्य ।

(८) सक्तः पुंल्लो ।

पृथक्<sup>१</sup> चिपिट<sup>२</sup> सुख्यौ<sup>(१)</sup> लाजाः<sup>३</sup>स्युः पुनरक्षताः<sup>२(२)</sup> ॥६५॥  
 गोधूमचूर्णं सन्मिता<sup>४</sup> यवक्षौदे तु चिक्कसः<sup>५</sup> ।  
 (४) गुड<sup>६</sup> इक्षुसक्कायः शर्करा<sup>७</sup> तु क्षितोपल्ला<sup>८</sup> ॥६६॥  
 सितार<sup>९</sup> व मधुमूत्रि<sup>१०</sup> सुखण्ड<sup>२(५)</sup> सद्दिक्रतिः पुनः ।  
 मत्स्यगुडी<sup>११</sup> फाणितं<sup>२(६)</sup> चापि रसालायां<sup>१२</sup> तु मारजिता ॥६७॥  
 शिखरिण्य<sup>१३</sup> य<sup>(७)</sup> यू<sup>१४</sup> यू<sup>१५</sup> पो<sup>१६</sup> रसो<sup>१७</sup> दुग्धं<sup>१८</sup> तु सोमजम्भ<sup>१९</sup> ।  
 गोरसः<sup>२(८)</sup> चीरसूक्ष्म<sup>२०</sup> सखं<sup>२१</sup> पुंसवजं<sup>२२</sup> पयः<sup>२३</sup> ॥६८॥  
 पयस्यं<sup>२४</sup> वतदृष्यादि<sup>२५</sup> पेसूपो<sup>(९)</sup> भिनवं पयः ।

(१) यदाह पञ्चापञ्चनरः “आर्द्रपकं मूलधान्यं निगुणं एषुका-  
 निवं मिति” । यदाह गोपि “पक्ताद्भी जीहय-त-चिपिटाः पृथुतामता”  
 ति । “दृथापृथक्कर्मर्द्धनं ह्यस्यतां परार्थं कृतमिति” । “चिपिट-  
 सपदुकरते सैविका भवत्यतीति” । मूलधान्यं यो भृष्टगुणत्वजोदः- ।

२) लाजाः पुंल्लोपि । यदाह वतनाह “लाजाः पुंल्लोपि चाधना”  
 इत्यमरः, अतस्त्वय इति पुंल्लोपि यत्तत्त्वयो विधिः इति तद्वीक्षण ।  
 “लाजाः रसादार्द्रं तखुके” इति सहेयः । जलायुधसु “भृष्टं धान्यं  
 भवेज्जाला, इति तेन लाजा शब्दो भाष्योन् इत्यादि भाषा पण्डितस्य  
 नामापि । अथवाः पुंल्लोपि निष्ठी यत्तत्त्वयनामः “अक्षतं ज्वाटहिंसिते  
 पंढ्रे लाजेयु” इत्यनेकार्थः । लाजेयु मूलत्वत्खुकेषु इति तद्वीक्षा ॥

(२) सन्मिता स्त्री, चिक्कसः पुंल्लो ।

(४) गुड इत्यत्र चागोपि, यदनेकार्थः आह “चारः काचे रूषे  
 गुडे, इति । (५) मत्स्यः पुंल्लो, सुखण्डं खण्डः ।

(६) फाणितसस्त्रिचामिति वाचस्पतिः, मत्स्यगुडी इत्यस्य  
 “मिहूरी” इति फाणितमिहूरीस्य च “फोषी” इति भाषा प्रसिद्धिः ।

(७) यः पुंल्लिकः, यः यवो युवः ॥ गोरसः पुंल्लो ।

(८) वैजयन्ती तु “आसन्नाहान्तुपेयूषं ततो मोरसो रके, इत्यर्थे  
 भेदं विद्मः चेदं चाह पीयूषमित्यपि ॥”

उभे क्षीरस्य त्रिकृती किलाटी<sup>(१)</sup> कूर्चिका<sup>२</sup> ऽपि च ॥६६॥  
 पायसं परमान्ने च क्षीरेयी<sup>(२)</sup> क्षीरजं दधि<sup>३</sup> ।  
 गोरसं च तदधनं दूष्यं पत्रलं मित्यपि ॥७०॥  
 घृतं<sup>(३)</sup> हविष्यं माज्यं च हविषं राघारं-सर्पिणी<sup>४</sup> ।  
 ह्योगोदोहोद्धवं ह्ययज्वीनं शरजं पुनः ॥७१॥  
 दधिसारं तक्रसारं नवनीतं नवोद्धतम्<sup>५</sup> ।  
 दण्डाहते कालश्रेयं धोला-रिष्ठानि<sup>६</sup> गोरसः<sup>७</sup> ॥७२॥  
 रसायनं तथा क्षौद्रं दधित्<sup>(४)</sup> श्वेतं रसोदकम् ।  
 तप्तं पुनः पारं ल सपितं पारिषिञ्जितम् ॥७३॥  
 क्षापित्<sup>(५)</sup> दादिकं सर्पिर्दधिभ्यां संस्कृतं क्रमात् ।  
 लवणोदकाभ्यां दफलावधिकदुग्धैर्वि<sup>(५)</sup> ॥७४॥  
 श्वैर्दधि<sup>(६)</sup> तश्वैर्दधित्<sup>(६)</sup> लवणो रथा न् लवणम्<sup>(६)</sup> ।  
 पैठरी<sup>(७)</sup> खरे उलासिजे प्रयसं तु रसस्तुतम् ॥७५॥  
 पक्वं राहं च सिद्धं च कृष्टं पक्वं पिना कुजा ।  
 सटामिषं भटितं स्याद्भूतिं र्भ्रूडकं च तत् ॥७६॥  
 गृह्यं शूलाकृतं मांसं निःक्वायो रसकः समो<sup>(६)</sup> ।  
 प्रणीतं सुपसन्नं<sup>(७)</sup> सिद्धं सटमं विद्वान् ॥७७॥

(१) त्रिकृती किलाटीपीति ह्यजावपटीका, आबलोचम्, एतेषु पुं ली ।

(२) क्षीरेयी इति युक्तः पाठः ।

(३) घनात् कटिनादन्यत् दूतमित्यर्थः, घृतं पुं ली, हविः ली  
 सर्पिः स्त्री ।

(४) उदधित् उदधिली, स्त्री ।

(५) लवणोदकपकस्य ॥

(६) रससहितपकसस्य । (७) सुपसन्नम् ।

पिच्छिलं<sup>१</sup> तु विजिलं<sup>२</sup> विज्जलं<sup>३</sup> विजिलं<sup>४</sup>(१) च तत् ।  
 भावितं<sup>५</sup> तु वामितं<sup>६</sup> स्यात् तुल्ये सम्मष्ट<sup>७</sup>-शोधिते<sup>८</sup> ॥ ३८ ॥  
 काञ्चिकं<sup>९</sup> काञ्चिकं<sup>१०</sup> धान्यान्ना<sup>११</sup>-रनाले<sup>१२</sup> तुपोदकम्<sup>१३</sup> ।  
 कुल्माषाभिप्लुता<sup>१४</sup>(१२)-वन्तिसोम<sup>१५</sup>-शुक्लानि<sup>१६</sup> कुञ्जलम्<sup>१७</sup> ॥ ३९ ॥  
 चुक्रं<sup>१८</sup> धातुम्<sup>१९</sup> मन्वाहं<sup>२०</sup> रचोम्<sup>२१</sup> कुण्डगोलकम्<sup>२२</sup> ।  
 महारसं<sup>२३</sup> सुवीराहं<sup>२४</sup> सौवीरं<sup>२५</sup> मन्वाहं<sup>२६</sup>(२) पुनः ॥ ४० ॥  
 तैलं<sup>२७</sup> स्नेहो<sup>२८</sup>(४) ऽभ्यञ्जानं<sup>२९</sup> च वेसवारः<sup>३०</sup> उषस्तरः<sup>३१</sup> ।  
 स्यात्तन्निडीकं<sup>३२</sup> तु चुक्रं<sup>३३</sup> वृक्षाहं<sup>३४</sup> चा स्नेहेतके<sup>३५</sup> ॥ ४१ ॥  
 हरिद्रा<sup>३६</sup> काञ्चनी<sup>३७</sup> पीता<sup>३८</sup> निशास्या<sup>३९</sup> वरवर्णिना<sup>४०</sup> ।  
 जवः<sup>४१</sup> चुताभिजननो<sup>४२</sup> राजिका<sup>४३</sup> राजरूपः<sup>४४</sup> ॥ ४२ ॥  
 आसुरी<sup>४५</sup> कृष्णिका<sup>४६</sup> चा सौ कुस्तुम्बु<sup>४७</sup> तु धान्यकम्<sup>४८</sup> ।  
 धन्या<sup>४९</sup>(५) धन्याकं<sup>५०</sup> धान्याकं<sup>५१</sup> मरिचं<sup>५२</sup>(६) कृष्णं<sup>५३</sup> मूपणम्<sup>५४</sup> ॥ ४३ ॥  
 कोलकं<sup>५५</sup> वेङ्गजं<sup>५६</sup> धार्ष्णिपत्तनं<sup>५७</sup> ववनप्रियम्<sup>५८</sup> ।  
 शुण्ठी<sup>५९</sup> महौषधं<sup>६०</sup>(७) विश्वा<sup>६१</sup>(८) नागरं<sup>६२</sup> विश्वभेषजम्<sup>६३</sup> ॥ ४४ ॥  
 वैदेही<sup>६४</sup> पिप्पली<sup>६५</sup> कृष्णो<sup>६६</sup> पकुल्या<sup>६७</sup> मागधी<sup>६८</sup> कणा<sup>६९</sup> ।  
 तन्मूलं<sup>७०</sup> ग्रन्थिकं<sup>७१</sup> सर्वग्रन्थिकं<sup>७२</sup> चटकाग्निरः<sup>७३</sup> ॥ ४५ ॥  
 तिकट<sup>७४</sup> त्रूषणं<sup>७५</sup> व्योषं<sup>७६</sup> मज्जा<sup>७७</sup>(९) जीरकः<sup>७८</sup> कणा<sup>७९</sup> ।  
 सहस्रवेधि<sup>८०</sup> वाल्हीकं<sup>८१</sup> जतुकं<sup>८२</sup>(१०) हिङ्गु<sup>८३</sup> रामठम्<sup>८४</sup> ॥ ४६ ॥

(१) विज्जिलं विजिलं-विज्जलविजिलमेतौ वा ।

(२) कुल्माषे र्थवादिभि र्दक्षिणै रभिपूयते परिवारस्य तस्मात् कुल्माषाभिपु तं व्यस्तमपि तेन कुल्माषनभिपुतं चेति ।

(३) मन्वाहोच्छने चुदादिः पङ्कजपदी, अनटि अक्षयो अटो नव रोगे इत्येष्टे । (४) स्नेहः पुंल्लो, स्नेहः स्नेहश्च ।

(५) धन्या आवस्यो स्त्रीबिद्धः । (६) मरिचं इत्यपि ।

(७) विश्वा स्त्रील्लो विश्वा विश्वम् । (८) पुंल्लो ।

(९) जीरकः पुंल्लो, जातुकं ल्लोपुं ।

मन्थकीण्डः ।

न्यादः<sup>१</sup> स्वदन<sup>२</sup> खादन<sup>३</sup> मशन<sup>४</sup>

निषसो<sup>५</sup> वसभन<sup>६</sup> मभ्यवहारः<sup>७</sup> ।

जग्धि<sup>८</sup> जक्षण<sup>९</sup>-भक्षण<sup>१०</sup>-लेहाः<sup>११</sup> ।

प्रत्यवसान<sup>१२</sup> बसि<sup>१३</sup> राहारः<sup>१४</sup> ॥८७॥

पाना<sup>१५</sup>-वषाया<sup>१६</sup>-विषाया<sup>१७</sup> भोजन<sup>१८</sup> भेजन<sup>१९</sup>-दने<sup>२०</sup> ।

चर्वण<sup>२१</sup> चूर्णनं दन्तैर्निहासाद्दन्तु लेहन<sup>२२</sup> ॥८८॥

काल्यवर्त्तः<sup>२३</sup> प्रातराशः<sup>२४</sup> सग्धि<sup>२५</sup> सु सङ्गभोजनम्<sup>(१)</sup> ॥

प्राप्तो<sup>२६</sup> गुडेरकः<sup>(२)</sup> पिण्डो<sup>२७</sup> बडोसः<sup>२८</sup> कवको<sup>२९</sup> गुडः<sup>३०</sup> ॥८९॥

गाण्डोसः<sup>(३)</sup> कवल<sup>३१</sup> सूप्ते<sup>३२</sup> त्वाध्रत<sup>(४)</sup>-सुहृता<sup>३३</sup>-श्रिताः

दन्तिः<sup>३४</sup> सौहित्ये<sup>३५</sup> माघ्राण<sup>(५)</sup> मथ भुक्तसमुज्जिते<sup>(६)</sup> ॥९०॥

फेला<sup>३६</sup> पिण्डोलि<sup>३७</sup> फेसी<sup>३८</sup> च खोदरं पूरके पुनः ।

कुचिम्भरि<sup>३९</sup> रात्मम्भरि<sup>४०</sup> रुदरम्भरि<sup>४१</sup> रपथ ॥९१॥

आद्यूनः<sup>४२</sup> स्यादौदरिको<sup>४३</sup> विजिगीषाविवर्जिते<sup>(७)</sup> ।

उदरपिशाचः<sup>४४</sup> सर्वाङ्गीनः<sup>४५</sup> सर्वाङ्गभक्षकः<sup>४६</sup> ॥९२॥

प्राक्कुलः<sup>४७</sup> पिशिताशु<sup>४८</sup> न्निदिष्णु<sup>४९</sup> सून्मादसंयुतः ।

गृध्रु<sup>५०</sup> सु गर्धन सृष्ट्याक्<sup>५१</sup> लिप्सु<sup>५२</sup> लुब्धो<sup>५३</sup> अभिलाषुकः<sup>(८)</sup> ॥९३॥

लोलुपो<sup>५४</sup> लोलुभो<sup>५५</sup> लोभ<sup>५६</sup> सृष्ट्या<sup>५७</sup> लिप्सा<sup>५८</sup> वशः<sup>५९</sup> स्पृहा<sup>६०</sup> ।

काञ्चा<sup>(९)</sup> शंसा<sup>(१०)</sup> गर्ध्व<sup>(११)</sup> वाञ्छा<sup>(१२)</sup> श्रे<sup>(१३)</sup> ष्टिहा<sup>(१४)</sup> तट<sup>(१५)</sup> मनोरथाः<sup>(१६)</sup> ।

काभो<sup>(१७)</sup> अभिलाषो<sup>(१८)</sup> अभिध्या<sup>(१९)</sup> तु परस्त्रेहो द्वतः<sup>(२०)</sup> पुनः ।

अविनीतो<sup>(२१)</sup> विनीत<sup>(२२)</sup> सु निभृतः<sup>(२३)</sup> प्रहृतो<sup>(२४)</sup> ऽपि च ॥९४॥

(१) सन्धि स्त्री । (२) पिण्डः पुंल्लो । (३) कवलः पुंल्लो ।

(४) आध्रतः इति वा । (५) आघ्राण इति वा ।

(६) भक्तोच्छिद्यम् उच्छिद्यं चात्र ॥

(७) विजेतु मिथ्या विजिगीषा तथा विवर्जितो तच्छिद्यः ।

(८) अभिलाषः पुंल्लो ।



(१) विधेये विनयस्यः<sup>२</sup> श्यादा<sup>(२)</sup> श्रवो<sup>(३)</sup> वचनेस्थितः ।  
 वस्यः<sup>१</sup> प्रणयो<sup>२</sup> घृष्टस्तु<sup>३</sup> वियातो<sup>४</sup> घृष्णु-घृष्णुजौ<sup>५</sup> ॥६६॥  
 वीक्ष्यापन्नो<sup>(४)</sup> विलक्षो<sup>५</sup> श्या<sup>६</sup> घृष्टे<sup>७</sup> शालीन<sup>८</sup> शारदौ<sup>९</sup> ।  
 (५) शुभंयुः<sup>१</sup> शुभसंयुक्तः<sup>२</sup> श्या<sup>३</sup> दहंयु<sup>४</sup> रङ्गुतः<sup>५</sup> ॥६७॥  
 कामुकः<sup>१</sup> कमित<sup>२</sup> कन्नो<sup>३</sup> ऽनुकः<sup>४</sup> कामयिता<sup>५</sup> ऽभिकः<sup>६</sup> ।  
 कामनः<sup>७</sup> कमरो<sup>८</sup> ऽभिकः<sup>९</sup> (६) पञ्चभद्र<sup>१</sup> सु विभु<sup>२</sup> तः<sup>३</sup> ॥६८॥  
 व्यसनी<sup>(७)</sup> चर्षभाण<sup>१</sup> सु प्रमना<sup>२</sup> हृष्टमानसः<sup>३</sup> ।  
 त्रिकुर्वीणो<sup>४</sup> विचेता<sup>५</sup> सु दु-रन्त-वै-परो मनाः<sup>(८)</sup> ॥६९॥  
 मत्ते<sup>१</sup> श्रौण्डो<sup>२</sup>-त्कट<sup>३</sup>-चीवा<sup>४</sup> उत्का<sup>५</sup> सु त्सुक<sup>६</sup> उन्मनाः<sup>७</sup> ।  
 उत्कारिहतो<sup>८</sup> ऽभिप्रसो<sup>९</sup> तु वाच्य<sup>१</sup>-चारित<sup>२</sup>-दूषिताः<sup>३</sup> ॥७०॥  
 युयैः<sup>४</sup> प्रतीते<sup>(५)</sup> त्वा हतलक्षणः<sup>६</sup> हतलक्षणः<sup>७</sup> ।  
 निर्लक्षण<sup>८</sup> सु पाण्डु<sup>९</sup> रष्टः<sup>१</sup> सङ्गसुको<sup>२</sup> ऽस्थिर<sup>(३)</sup> ॥७१॥

(१) सङ्गतौ क्त प्रत्ययेऽनुसारे त्वाच्चेत् “तस्मैवभेऽनुरक्तस्य प्रकृतस्य हृतैनसः, इति भागवतम् । प्रकृतस्य विनीतस्यैति तद्वीका ।

(२) आजाकारिणः विधेयो विनयस्यस्य नामद्वयम् ॥

(३) श्याश्रवाः इति वा घृष्णुजौ इति वा ।

(४) वीक्ष्यापन्नोऽन्तस्थादापन्नोऽन्तस्थाद्य रहितोपि अतो वीक्ष्यापन्नः वीक्ष्यापन्न इत्युभयं भवति “वीक्ष्यापन्नः सविज्ञयः, इति हारावली ॥

(५) शुभं योऽपीति हलायुध टीका ।

(६) कमनोऽभिकः इति वा पाठः । (८) इत्यन्तः ।

(८) दुर्मानाः<sup>१</sup> अन्नर्मानाः<sup>२</sup> विमनाः<sup>३</sup> दुर्नानसौ विचेतसौ उन्मनाः<sup>४</sup> इत्यादि ।

(९) प्रख्याते इत्यर्थः, आहृतलक्षणः पञ्चहरमन्त्रखण्डे नाम “रङ्गुजं वंशः ककुटं नृपायां काकुस्थ इत्याहृतलक्षणोऽभुदिति” रघुः ।

(१०) संकृषिकोट इति वा, अनिक्षिते इति चौरस्थामौ ।

तर्क्षीशील<sup>१</sup> सु तृगीको<sup>२</sup> विवशो<sup>३</sup> ऽनिष्टदुष्टधीः<sup>(१)</sup> ।  
 बद्धोः<sup>४</sup> निगडितो<sup>५</sup> नेङ्गः<sup>६</sup> कीलितो<sup>७</sup> यन्वितः<sup>८</sup> सितः<sup>९</sup> ॥१०२॥  
 सन्दानितः<sup>१०</sup> संयत<sup>११</sup> च<sup>१२</sup> स्या दुहानं<sup>१३</sup> तु बन्धनम् ।  
 मनोहृतः<sup>१४</sup> प्रतिहृतः<sup>१५</sup> प्रतिबद्धो<sup>१६</sup> हत<sup>१७</sup> च सः ॥१०३॥  
 प्रतिक्षिप्तो<sup>१८</sup> ऽभिक्षिप्तो<sup>(२)</sup> ऽवकष्टः<sup>१९</sup> निष्कासितो<sup>(१)</sup> समौ ।  
 आक्षतगन्धे<sup>२०</sup> ऽभिभूतो<sup>(४)</sup> ऽपध्वस्तो<sup>२१</sup> न्यक्कृतो<sup>२२</sup> विक्कृतो<sup>(५)</sup> ॥  
 निवृत्त<sup>२३</sup> सु विप्रकृतो<sup>२४</sup> न्वकार<sup>२५</sup> सु तिरस्क्रिया<sup>२६</sup> ।  
 परिभावो<sup>२७</sup> विप्रकारः<sup>२८</sup> परा-पर्य-भितोभवः<sup>(६)</sup> ॥१०५॥  
 अत्याकारो<sup>२९</sup> निकार<sup>३०</sup> च विप्रनध्व<sup>३१</sup> सु वक्षितः<sup>३२</sup> ।  
 तत्रक्<sup>३३</sup> श्याक्तु<sup>३४</sup> निद्वान्ते<sup>३५</sup> घूर्णिते<sup>३६</sup> प्रचलायितः ॥१०६॥  
 निद्राशः<sup>३७</sup> अशितः<sup>३८</sup> सुप्तो<sup>३९</sup> जागरुक<sup>४०</sup> सु जागरी<sup>४१</sup> ।  
 जागर्व्या<sup>४२</sup> त्या जागरण<sup>४३</sup> जागरा<sup>४४</sup> जागरो<sup>४५</sup> ऽपि च ॥१०७॥  
 विषयग<sup>४६</sup> वृत्ति विष्वद्वृत्<sup>(८)</sup> देवद्वृत्<sup>४७</sup> देव मध्वति ।

(१) अरिष्टदुष्टधीमित्यमरः, अरिष्टेन सरणविक्षेपेन आसादिना  
 ऽः धी र्धस्तेति पीरसाधो ॥

(२) अर्धिक्षिप्तोपि “विकृतिं नयाति क्वापि सज्जनः” इति प्राचीनाः

(३) निष्कासित इत्यमरः निदु र्बन्धिरासिः प्रादुश्वतरागितिपलम् ॥

(४) अर्द्धं गार्निनि दुयम् ॥

(५) धिक्कृतनामानि, अपध्वस्त इत्यादीनि दीणि, अघ्वस्त इत्यपि  
 ऽशित् ॥

(६) -परामभवः १ परिभवः २ अभिभवः ३ ॥

(७) स्वप्नजो सुप्रजः अल्पविष्ट एव निद्रया घूर्णितस्तस्य ।

(८) सर्वतागजनशीलः सर्वपूजको वा विष्वद्वृत् तानशोभवात्  
 देव्याभवांश्च, विष्वद्वृत्तौ विष्वद्वृत्त इत्यादि शमात्तौ भवतौ अजागरीर्ष  
 इति अचक्षकारे दीर्घे च कृते विष्वद्वृत्तः विष्वद्वृत्ता इत्यादि, स्त्रियां

सहाञ्चति तु सध्यङ् स्या त्तिर्यङ् पुन स्तिरोञ्चति ॥१०८॥  
 संश्रयालुः<sup>१</sup> संश्रयिता<sup>२</sup> गृहयालुः गृहीतरि<sup>३</sup> ।  
 पतयालुः<sup>१</sup> पातुकः<sup>२</sup> स्या त्त्वमी रोचिष्णु<sup>१</sup> रोचनी<sup>२</sup> ॥१०९॥  
 दक्षिणाहं<sup>१</sup> सु दक्षिणो<sup>२</sup> दक्षिणीवो<sup>३</sup> ऽथ दक्षिणतः<sup>४</sup> ।  
 दापितः<sup>२</sup> साधितो<sup>३</sup> ऽर्च्य<sup>४</sup> सु प्रतोष्यः<sup>२</sup> प्रजितो<sup>३</sup> ऽर्हितः<sup>४</sup> ॥११०॥  
 नमस्थितो<sup>२</sup> नमसिता<sup>३</sup> प्रचिता<sup>४</sup> वक्षितो<sup>५</sup> ऽर्चितः ।  
 पूजा<sup>१</sup> ऽर्ह्या<sup>२</sup> सपर्या<sup>३</sup> ऽर्चा<sup>४</sup> उपहार<sup>१</sup>-वली<sup>२</sup> समौ<sup>३</sup> ॥१११॥  
 विक्लवो<sup>१</sup> विक्लः<sup>२</sup> स्थूलः<sup>३</sup> बीवा<sup>४</sup> पीन<sup>५</sup> च पीवरः<sup>६</sup> ।  
 चक्षुष्या<sup>१</sup> सुभगो<sup>२</sup> द्वेष्यो<sup>३</sup> ऽक्षिगतो<sup>४</sup> ऽथां सको<sup>५</sup> वली ॥११२॥  
 निर्द्दिग्धो<sup>२</sup> मांसक<sup>३</sup> शोपचितो<sup>४</sup> ऽथ दुर्बलः<sup>५</sup> कशः<sup>६</sup> ।  
 चामः<sup>२</sup> चीष<sup>३</sup> सलु<sup>४</sup> ञ्छात<sup>५</sup> शक्तिना<sup>६</sup> मांस<sup>७</sup> पेलवाः<sup>८</sup> ॥११३॥

विष्वद्रीची, यन्माघः “विष्वद्रीची विक्षिपन् सन्वधीचीः” ॥ पूजायां ग-  
 सादौ विष्वद्रश्चः विष्वद्यश्चा । विष्वद्यङ्भ्यामित्वादि । इत्स्विवां विष्व-  
 द्वाञ्ची नदीवत् । लोषेपि विष्वद्यग् विष्वद्यक् विष्वद्रीची विष्वद्रश्चि ।  
 विष्वच् इति सर्वतोर्धेऽर्थव्ययम् अञ्चते रश्चोपायां नलोपः द्यु नागमथ  
 षञ्चोपायां नलोपाभाषः एतमन्येतेष्वपि दृश्यम् । देवमञ्चति गच्छति  
 षञ्चति वा देवदृङ् । सहाञ्चति गच्छत्यर्चति वा सध्यङ् । तिर्यग्श्च-  
 तीति गच्छतीति तिर्यङ् ॥

(१) गृहीतरि इति वा । (२) रोचिनी इति ।

(३) दक्षिण्यो दक्षिणी ॥

(४) “कुर्वन्मन्थ्यावलिपटङ्कतां मूलिनि श्लाघनीवामिति” कालि-  
 दासः, “उपहारो वलिः स्मृत” इति इत्यायुषः । देवाभ्यो निहितैवेद्य  
 इति तट्टीका, वलीति पुंस्त्री, वलिः वलीतिरूपम् ॥

(५) पीवानौ पीवानः ॥

(६) दृष्टिस्तुखदप्रियस्य ह्ये । (७) दृष्टिस्तुखद अभ्रियस्यापि हे ।

प्रिचण्डलो<sup>१</sup> वृहत्कुचि<sup>२</sup> सुन्दि<sup>३</sup>-तुन्दि<sup>४</sup>-तुन्दिताः<sup>५</sup> ।  
उदर्यु<sup>६</sup> हरिले<sup>७</sup> विख<sup>१</sup>-विखु<sup>२</sup>-विग्र<sup>३</sup>-अनासिके ॥११४॥  
नतनासिके उनाटो<sup>१</sup> उवटीटो<sup>२</sup> उवभटो<sup>३</sup> ऽपि च ।  
(१) खरणा<sup>१</sup> सु खरणासो<sup>२</sup> नः सुद्रः<sup>१</sup> सुद्रनासिकः<sup>(२)</sup> ॥११५॥  
खुरणाः<sup>(३)</sup> स्यात् खुरणस<sup>२</sup> उन्नस<sup>१</sup> सु ग्रनासिकः ।  
पङ्कः<sup>१</sup> शोणः<sup>२</sup> खलति<sup>१</sup> सु खलाट<sup>२</sup> ऐन्द्रतुप्तिकः<sup>२</sup> ॥११६॥  
श्रिपिविष्टो<sup>१</sup> वभ्रु<sup>२</sup> रथ<sup>(४)</sup> काणः<sup>१</sup> कनन<sup>२</sup> एकदृग्<sup>३</sup> ।  
श्रिर्ना<sup>१</sup> रत्नपतनो<sup>२</sup> कुव्ज<sup>१</sup> गडुक्तः<sup>२</sup> कुकरो<sup>१</sup> कुण्ठिः<sup>२</sup> ॥११७॥  
निखर्चः<sup>१</sup> खट्टनः<sup>(५)</sup> खर्व<sup>२</sup> खर्वशाख<sup>३</sup> च वामनः<sup>५</sup> ।  
(६) अकर्म<sup>१</sup> एडो<sup>२</sup> अधिरो<sup>१</sup> दुसर्मा<sup>१</sup> तु दिनग्नकः<sup>२</sup> ॥११८॥  
चण्ड<sup>१</sup> च श्रिपिविष्ट<sup>२</sup> च खोड<sup>१</sup>-खोरो<sup>२</sup> तु खञ्जके<sup>३</sup> ।  
विकलाङ्ग<sup>१</sup> सु प्रोगण्ड<sup>२</sup> ऊर्ध्व<sup>१</sup> ऊ<sup>२</sup> रूढ<sup>३</sup> जानुकः<sup>२</sup> ॥११९॥  
(७) ऊर्ध्व<sup>१</sup> चा पथ प्रञ्च<sup>(८)</sup> प्रञ्चो<sup>(९)</sup> विरलजानुके ।

(१) खरणासौ खरणासः । (२) सुद्राऽत्यानासिकाऽस्य विग्रहः ।  
(३) खरणासौ खुरणसः इत्यादि । (४) वभ्रुरथ इत्येकं पदं वा ।  
(५) “खट्टम् चस्वरयो” खट्टयति खट्टनः । खट्टतः इति वा पाठः ।  
(६) असंपूर्णात्वात् निन्दितं शोफाग्रस्य चर्म अस्य दुसर्मा, अय-  
सिद्धत्वात् निराश्वादनत्वाच्च दिनग्नो दिनग्नकः, चण्डतेपि धत्ते चण्डः  
वडश्च ऋति वा ।

(७) ऊर्ध्वञ्चरिअपि, यन्माघैकादशसर्गः “परिशिथिलित कर्णयोव-  
मासीलित्वाच्चः क्षणमयमनुभूय स्वप्नमूर्धञ्चरेव रिरसयिपतिभूयः शब्द-  
मये विकीर्णं पटतर चपन्नीठं प्रस्फुरत्प्रोथमं चः ॥”

(८) प्रगते प्रवृत्ते प्रसृते प्रकटे जानुनी अस्य, प्रञ्चः प्रञ्चः इति रश्-  
नात् प्रवृत्तजानुनाया अप्यच्यन्ते ॥

(९) विरले वातादिदोषात् जानुनी अस्य विरल जानुकस्तास्मिन् ।

संशु<sup>१</sup>-संज्ञौ<sup>२</sup> सुतजानौ बलिनौ<sup>३</sup> बलिनः<sup>२</sup> समौ ॥१२०॥  
 उदग्रदन्<sup>१</sup> दन्तुरः<sup>२</sup> स्यात् प्रसम्बाण्ड<sup>३</sup> सु सुष्करः<sup>२</sup> ।  
 अन्वो<sup>१</sup> गतः<sup>२</sup> उत्पश्य<sup>३</sup> अन्मुखो<sup>४</sup> ऽधोमुख<sup>५</sup> स्त वाङ्<sup>६</sup> ॥१२१॥  
 मुण्ड<sup>१</sup> सु सुण्डितः<sup>२</sup> केश<sup>३</sup> केशवः<sup>२</sup> केशिको<sup>३</sup> ऽपि च ।  
 बलिरः<sup>१</sup> केकरो<sup>२</sup> दृढनाभौ<sup>३</sup> तुण्डिल<sup>४</sup> तुण्डिभौ<sup>५</sup> ॥१२२॥  
 आमयाद्या<sup>१</sup> पटु<sup>२</sup> र्ग्लानो<sup>३</sup> ग्लान्तु<sup>४</sup> विजित<sup>५</sup> चातुरः<sup>६</sup> ।  
 व्याधितो<sup>१</sup> ऽभ्यमितो<sup>२</sup> ऽभ्यान्तो<sup>३</sup> दद्रु<sup>४</sup> रोगी<sup>५</sup> तु<sup>६</sup> दद्रुणः<sup>७</sup> ॥१२३॥  
 वामनः<sup>१</sup> कच्छुर<sup>२</sup> सुल्यौ सातिसारो<sup>३</sup> ऽतिसारकी ।  
 वातकी<sup>१</sup> वातरोगी<sup>२</sup> स्यात् श्लेष्मलः<sup>३</sup> श्लेष्मणः<sup>२</sup> कफो<sup>३</sup> ॥१२४॥  
 ह्लिन्ननेत्रो<sup>१</sup> चिह्न<sup>२</sup> चुल्लो<sup>३</sup> पिह्लो<sup>४</sup> ऽयार्शोयु<sup>५</sup> गर्शसः<sup>६</sup> ।  
 मूर्च्छिते<sup>१</sup> मूर्च्छी<sup>२</sup> मूर्च्छानौ<sup>३</sup> सिम्भल<sup>४</sup> सु क्लिप्तासिनि<sup>५</sup> ॥१२५॥  
 पित्तं मायुः<sup>१</sup> कफः<sup>२</sup> श्लेष्मा<sup>३</sup> वनाशः<sup>४</sup> स्नेहभू<sup>५</sup> खटः<sup>६</sup> ।  
 रोगो<sup>१</sup> रज्जु<sup>२</sup> रगा<sup>३</sup> तङ्गो<sup>४</sup> यान्य<sup>५</sup> व्याधि<sup>६</sup> रपाटवम्<sup>७</sup> ॥१२६॥  
 आम<sup>१</sup> आमय<sup>२</sup> आकल्य<sup>३</sup> सुपतापो<sup>४</sup> मदः<sup>५</sup> समाः ।  
 क्षयः<sup>१</sup> शोषो<sup>२</sup> राज्यक्ष्मा<sup>३</sup> यक्ष्मा<sup>४</sup> ऽयक्षुत्<sup>५</sup> क्षुत<sup>६</sup> क्षवः<sup>७</sup> ॥१२७॥  
 कात<sup>१</sup> सु क्षयुः<sup>२</sup> पामा<sup>३</sup> खसः<sup>४</sup> कच्छू<sup>५</sup> विचर्चिका<sup>६</sup> ।

(१) उदग्र दन्तौ उदग्र दन्तः इत्यादि ॥ (२) अवाञ्चौ अवाञ्चः  
 इत्यादि रूपम् ॥ (३) के गी इज्जलः वनातिद्वयं वक्रदृष्टेः ॥

(४) दीर्घतदन्त्या इति द्रुः कउभेटः “दृशविदारणे” दृष्ट्या  
 दूरिति द्वैतोच्चारित्वात्, मा अस्त्यस्य द्रुः गाः प्राकी पलात्रीदृष्टी ह्रस्वधिति  
 न प्रत्ययः, एतौ द्वौ स्त्रीलिङ्गौ दद्रु दद्रुणश्चौ, दद्रु रोगी ॥

(५) स्त्री, क्षतौ क्षमः ॥

(६) पामा इत्यावन्तोऽपि गङ्गावत् “पामामे विचर्चिका” इत्य-  
 मरः क्षयश्च इति वा पाठः ॥

कण्डः<sup>१</sup> कण्डूयने खञ्जूः कण्डूवा<sup>२</sup> ऽय चतः<sup>३</sup> व्रणः<sup>४</sup> ॥१२८॥

(१) अरुः सीम्नी<sup>५</sup> अणानु<sup>६</sup> अ ह्रद व्रणपदं कियः<sup>७</sup> ।

झीपदं<sup>८</sup> पादवल्लीकः<sup>९</sup> पादस्कोटो<sup>१०</sup> विपादिका<sup>११</sup> ॥१२८॥

स्कोटकः<sup>१२</sup> पिटको<sup>१३</sup> गण्डः<sup>१४</sup> वृषप्रयिः<sup>१५</sup> पुनर्गडुः<sup>१६</sup> ।

शिवं<sup>१७</sup> स्यात् पाण्डुरं<sup>१८</sup> कुष्ठं<sup>१९</sup> केशघ्नं<sup>२०</sup> त्विन्द्रलभकम्<sup>२१</sup> ॥१२९॥

सिध्मं<sup>(२)</sup> किलासं<sup>२२</sup> त्वक्पुष्पं<sup>२३</sup> सिध्मं<sup>२४</sup> कोठं<sup>२५</sup> सु मण्डलम्<sup>२६</sup>

गलगण्डो<sup>२७</sup> गण्डमालो<sup>२८</sup> रोचिणी<sup>२९</sup> तु गन्ताङ्कुरः<sup>३०</sup> ॥१३१॥

द्विका<sup>३१</sup> हेका<sup>३२</sup> च हल्लासः<sup>३३</sup> प्रतिश्यायं<sup>३४</sup> सु पीनसः<sup>३५</sup> ।

शोथं<sup>(५)</sup> सु श्वयथुः<sup>३६</sup> शोफे<sup>३७</sup> दुर्नामाशो<sup>३८</sup> रुदाङ्कुरः<sup>३९</sup> ॥१३२॥

कटं<sup>४०</sup> प्रच्छट्टिका<sup>(६)</sup> कटिं<sup>४१</sup> वमथु<sup>४२</sup> वमनं<sup>४३</sup> वमिः<sup>४४</sup> ।

गुग्गुः<sup>४५</sup> स्यादुदरप्रयि<sup>४६</sup> रुदावर्तो<sup>४७</sup> रुदप्रधः<sup>४८</sup> ॥१३३॥

गतिं<sup>४९</sup> नाडीव्रणे<sup>५०</sup> वृद्धिः<sup>५१</sup> कुरण्ड<sup>(७)</sup> आण्डवर्द्धने ।

अश्वरी<sup>५२</sup> स्यात् मूत्रलच्छे<sup>५३</sup> प्रमेहो<sup>५४</sup> बज्जमूत्रता ॥१३४॥

(८) अनाह<sup>५५</sup> सु विबन्धः<sup>५६</sup> स्याद्गृहणीरुक्<sup>५७</sup> प्रवाहिकारे ।

(१) अरुः व्यञ्जन दन्त्यान्तः अरुधी अहंपि, वैजयन्तीकारस्तु 'व्रणो-  
टपीर्मेष्टपि न स्त्रियां' इति पुंस्यप्याह नाडीव्रणः पुमानित्यमरः ॥

(२) पङ्ककोपि, गडुः पुं ॥ (३) लो, सिध्मानी सिध्मानि, नान्तः णिष्ठा ।

(४) अय मकारान्तः, सिध्मो सिध्मानि । मण्डलं त्रिपु ।

(५) शोफोदन्तीति वैजयन्ती तस्मात् लीनेष्टपि, श्वयथुः पुं, दुर्नाम्नी  
दुर्नामनी दुर्नामानि, नान्तः लो, अश्वरी अश्वानि, सान्तः ॥

(६) स्त्री लो, कटं प्रच्छट्टिका इति वा पाठः, कटिः स्त्री. वमथुः  
पुं, वमिः स्त्री, गुग्गुः पुं स्त्री ॥

(७) कुरण्डः इति वा पाठः ।

(८) द्वयं कोष्ठवत्यस्य । आनाहस्तु निबन्धः स्यादिति पाठोऽपि ॥

व्याधिप्रभेदी विद्रधि-(१) भगन्दर-ज्वरा-दयः ॥१३५॥  
 दोषज्ञः सु २' भिषग् वेद्यः आयुर्वेदी' चिकित्सकः ५ ।  
 रोगहार्यः गद नारो' भेषज' तन्त्रे औषधम् ॥१३६॥  
 भैषज्य' भगदो' जाय' (२) चिकित्सा' रक्प्रतिक्रिया' ।  
 उपचर्यो' पचारौ' च (४) लङ्घन' न्वपतपरिणम् ॥१३७॥  
 जाङ्गलिको' विषभिषक् स्वास्थे' वार्त्ता' मनामयम् ।  
 सञ्ज्ञा'-रोगे' पदू'-ल्लाघ'-वार्त्ता'-कल्या' सु नीरजि ५ ॥१३८॥  
 कुस्त्या विभवा न्वेषी पार्श्वकः' सन्धिजीवकः' ।  
 सरङ्ग्यालङ्कतां कन्यङ्कयो ददाति स कृकुदः' ॥१३९॥  
 चपल' शिकुरो' नीलोराग' सु (५) स्थिरसौहृदः ।  
 ततो हरिद्रारागो' ऽन्यः सान्द्रस्निग्धः सु मेदुरः' ॥१४०॥  
 (६) गेहेनर्दी' गेहेसूर' प्रिण्डीसूरो' ऽस्तिमान् धनो' ।  
 स्वस्थानस्थः परद्वेषी गोष्ठशो' ऽथा पदिस्थितः ॥१४१॥  
 आपन्नो' ऽथाप' द्विपत्ति' विपत्' स्निग्ध' सु बल्लः' ।  
 उपाध्य' भ्यागारिको' तु कुटुम्बव्याघते नरि ॥१४२॥  
 जैवाटक' सु दीर्घायु' स्वासदायी तु शङ्कुरः' ।  
 अभिपन्नः' शरणार्थी कारणिकः' परीचकः' ॥१४३॥  
 समर्द्धक' सु वरदो' व्रातीनाः' सङ्घजीपिनः' ।

(१) एकैकम् विद्रधिः स्त्री । (२) भिषग्भिषजौ भिषजः औषधं पुं स्त्री ॥

(३) जायुः पुं ॥ (४) उपचारोपचार्यौ च इति वा पाठः ॥

(५) "नीलोरागः स विज्ञेयः स्थिरप्रेमाच यः पुमानिति" इत्यायुः ॥

(६) गेहेनर्दिनी गेहेनर्दिनः इत्यादि ॥

(७) अस्तिमन्तौ अस्तिमन्तः अल्पधनवतः ॥

सन्धाः<sup>१</sup> सङ्ख्याः<sup>२</sup> पार्श्वस्थाः<sup>३</sup> समाहाराः<sup>४</sup> सभासङ्घः<sup>५</sup> ॥१४४  
 सामाजिकाः<sup>६</sup> सभा<sup>७</sup> संसत् समाजः<sup>८</sup> परिषद्<sup>९</sup> त्वादः<sup>१०</sup> ॥  
 पर्षद्<sup>११</sup>-त्वमज्या<sup>१२</sup>-गोष्ठा<sup>१३</sup>-स्था<sup>१४</sup> आस्थानं<sup>१५</sup> समितिः<sup>१६</sup> घंटा<sup>१७</sup> ॥<sup>१४</sup>  
 साय्वत्सरो<sup>१८</sup> व्यौतिषिको<sup>१९</sup> मौङ्गर्त्तिको<sup>२०</sup> निमित्तवित्<sup>२१</sup> ।  
 दैवज्ञ<sup>२२</sup>-गणका<sup>२३</sup>-देशि<sup>२४</sup>-ज्ञानि<sup>२५</sup>-कार्तान्तिका अपि ॥१४६ ॥  
 विप्रश्चिके<sup>२६</sup>-चण्डिकौ<sup>२७</sup> च सैद्धान्तिक<sup>२८</sup> सु तान्त्रिकः<sup>२९</sup> ।  
 लेखके<sup>३०</sup> अक्षरपूर्व्याः<sup>३१</sup> स्यु<sup>३२</sup> (२) अक्षर-जीवक<sup>३३</sup> चुञ्चवः<sup>३४</sup> ॥१४७ ॥  
 वार्षिको<sup>३५</sup> (३) लिपिकर<sup>३६</sup> आक्षरन्यासे लिपि<sup>३७</sup> लिङ्गिः<sup>३८</sup> ॥  
 मघिधानं<sup>३९</sup> मघिकूपी<sup>४०</sup> मघिनाम्बु<sup>४१</sup> मघी<sup>४२</sup> मघी<sup>४३</sup> (५) ॥१४८ ॥  
 कुलिक<sup>४४</sup> सु कुलत्रे<sup>४५</sup> सभिको<sup>४६</sup> द्यूतकारकः<sup>४७</sup> ।  
 कितवो<sup>४८</sup> द्यूतजट्ट<sup>४९</sup> भूतो<sup>५०</sup> अक्षधूर्त<sup>५१</sup> आक्षदेविनि<sup>५२</sup> ॥१४९ ॥  
 (६) दुरोद्धरं<sup>५३</sup> कैतवं<sup>५४</sup> च द्यूत<sup>५५</sup> मच्चवर्त<sup>५६</sup> पयः<sup>५७</sup> ।  
 पाशकः<sup>५८</sup> प्रासको<sup>५९</sup> (७) अक्ष<sup>६०</sup> देवन<sup>६१</sup> सत्पणो<sup>६२</sup> म्बु<sup>६३</sup> (८) ॥१५० ॥  
 अष्टापदः<sup>६४</sup> शारिफसं<sup>६५</sup> शारः<sup>६६</sup> शारि<sup>६७</sup> च खेलनी<sup>६८</sup> (९) ।  
 परिणाय<sup>६९</sup> सु शारीणां<sup>७०</sup> नयनं<sup>७१</sup> स्यात् समन्ततः ॥१५१ ॥

- (१) स्त्री ह्री, सदः सदसौ सदसः । स्त्री । सदः सदसौ मदांसि इति स्त्री ॥  
 (२) अक्षरचयः १ अक्षरबीजकः २ अक्षरचुञ्चुः ३ अक्षर चञ्चुरित्यपि ॥  
 (३) वर्णिकः इति वा पाठः ॥  
 (४) इह गणसावादनुक्तान्यपि लेखनी नामानि त्रीणि लेखनी  
 लक्ष्मिका कलमश्च तथा च हारावली "लेखनी बल्लुलन्तिका" इति ॥  
 (५) मघी नामानि त्रीणि । (६) दुरोद्धरं कैतवञ्च पुं स्त्री ॥  
 (७) प्रासकः अक्षरचयस्य दिवादिः ॥  
 (८) त्रुत्तेषु अक्षेषु पणो बन्धोज्ज्वलनेन स्थापितं धनमित्यर्थः ॥  
 (९) पुं स्त्री, गुटिकाया नाम त्रीणि ॥



समाह्वयः<sup>१</sup> प्राणित्युतं व्यासवाद्या<sup>२</sup> चि तुच्छिकः<sup>३</sup> ।  
 स्यान्नो जवसः<sup>(१)</sup> साततुल्यः शास्त्रा<sup>(२)</sup> तु देशकः<sup>३</sup> ॥१५२  
 सुलती<sup>१</sup> पुण्यवाने<sup>२</sup> धन्यो<sup>३</sup> मित्तु<sup>४</sup> मित्तवद्वलः ।  
 जेमङ्करी<sup>१</sup> रिष्टतातिः<sup>२</sup> शिवतर्गतः<sup>३</sup> शिवङ्करः<sup>४</sup> ॥१५३॥  
 अङ्गाल<sup>१</sup> राक्षिकः<sup>२</sup> आङ्को<sup>३</sup> नास्तिक<sup>४</sup> साहिपर्वये ।  
 वैरङ्गिको<sup>१</sup> विरागाहो<sup>२</sup> मीतदम्भ<sup>३</sup> स्व कल्कनः<sup>४</sup> ॥१५४॥  
 प्रणाव्यो<sup>१</sup> ऽसम्भती<sup>२</sup> ऽन्वेष्टा<sup>(२)</sup> ऽनुपद्वय सहः<sup>३</sup> समः<sup>४</sup> ।  
 शक्तः<sup>१</sup> प्रभूणु<sup>२</sup> ॥ ३ ॥ भूतान्त<sup>३</sup> स्वा विष्टः<sup>४</sup> श्रियितः<sup>५</sup> लक्षः<sup>६</sup> ॥१५५॥  
 सम्बाहको<sup>१</sup> ऽङ्गमर्दः<sup>२</sup> खान्मष्टवीज<sup>३</sup> सु निष्कलः<sup>४</sup> ।  
 आसीन<sup>१</sup> उपविष्टः<sup>२</sup> स्यादूर्ध्व<sup>३</sup> ऊर्ध्वन्दमः<sup>४</sup> स्थितः<sup>५</sup> ॥१५६॥  
 अध्वनीनो<sup>१</sup> अध्वगो<sup>२</sup> ऽध्वन्यः<sup>३</sup> पात्र्यः<sup>४</sup> पथिक<sup>५</sup>-देशिकी<sup>६</sup> ।  
 प्रवासी<sup>१</sup> तद्गणोद्धारिः<sup>(५)</sup> पाथेयं<sup>२</sup> सम्बलं<sup>३</sup> समे ॥१५७॥  
 जङ्गालो<sup>१</sup> ऽतिजवो<sup>२</sup> जङ्गाकरिको<sup>३</sup> जाङ्गिको<sup>४</sup> जवी<sup>(६)</sup> ।  
 जवन<sup>१</sup> स्वरिते<sup>२</sup> वेगे<sup>३</sup> रयो<sup>४</sup> रंङ<sup>५</sup> सारः<sup>६</sup> स्वद<sup>७</sup> ॥१५८॥  
 जवो<sup>१</sup> वाजः<sup>२</sup> प्रसर<sup>३</sup> च<sup>(७)</sup> मन्दगामी<sup>४</sup> तु मन्थरः<sup>(८)</sup> ।  
 कामङ्गाभ्या<sup>१</sup> सुकामीनो<sup>२</sup> ऽत्यन्तीनो<sup>३</sup> ऽत्यन्तगामिनि<sup>४</sup> ॥१५९॥

(१) मनोजवश्चतुरशरोयमित्यन्ये यद्ग्राहः "जनः पितृसूधम्भो  
 यः सत्ताताहो मनोजव" इति ॥ (२) शास्त्रारौ शास्त्रारः । देशिकोऽपि ॥

(३) अन्वेष्टारौ अन्वेष्टारः । अनुपदी अनुपदिनौ अनुपदिनः ॥

(४) सम्बलस्य चत्वारि । (५) उद्धारिः स्त्री । सम्बलं पुं ली ॥

(६) जविनी जविनः ॥

(७) प्रसरान्त्वानि वेगनामानि तत्र, रङ्गवी रङ्गारि तरङ्गी तरांसि ॥

(८) मन्दगामिनिद्वयम् ॥

सहायो ऽभिवरो<sup>१</sup> ऽनो च जीवि<sup>१</sup>-गामि<sup>४</sup>-सर<sup>१</sup>-श्रवाः<sup>१</sup> ।  
 सेवकी<sup>१</sup> ऽथ सेवा<sup>१</sup> भक्तिः<sup>२</sup> परिचर्या<sup>१</sup> प्रसादना<sup>४</sup> ॥१६०॥  
 शुश्रूषा<sup>५</sup>-राधनी<sup>६</sup>-पास्त्रि<sup>७</sup>-वरिवस्था<sup>८</sup>-परीटयः<sup>९</sup> ।  
 उभचारः<sup>१०</sup> पदाति<sup>१</sup> स्तु पन्तिः<sup>२</sup> पद्मः<sup>३</sup> पदातिकः<sup>४</sup> ॥१६१॥  
 पादातिकः<sup>५</sup> पादचारी<sup>६</sup> पदाजि<sup>७</sup>-पट्टिका<sup>८</sup> वपि ॥  
 सरः<sup>१</sup> पुरो-ऽग्रतो-ऽग्रैव्यः पुरसो गम<sup>४</sup> नामि<sup>५</sup>गाः<sup>१(२)</sup> ॥१६२॥  
 प्रष्टो<sup>१</sup> ऽथा वेष्टिका<sup>१</sup>-गन्तू<sup>२</sup> प्राघुणो<sup>३(२)</sup> ऽभ्यागतो<sup>४</sup> ऽतिथिः<sup>५</sup> ।  
 प्राघूर्णको<sup>६</sup> ऽथा वेष्टिका<sup>१</sup> मातिथ्यं<sup>२</sup> चातिथ्ये<sup>३</sup> पि<sup>५</sup> ॥१६३॥  
 सूर्यो<sup>१</sup> स्तु स सम्प्राप्तो यः सूर्ये<sup>२</sup> ऽस्तङ्गते ऽतिथिः<sup>३</sup> ।  
 पादार्थं पादार्थं मर्षार्थं मर्षार्थं वार्यथ गौरवम् ॥१६४॥  
 अथ्युत्यानं व्यथकं स्तु स्यान्मर्षस्युगरे रुनुदः<sup>३</sup> ।  
 ग्रामेयके<sup>१</sup> तु ग्रामीणं<sup>२</sup> ग्राम्यौ<sup>३</sup> लोको<sup>४</sup> जनः<sup>५</sup> प्रजा<sup>३</sup> ॥१६५॥  
 स्याद्वा सुध्यायणो<sup>१</sup> ऽसुध्यायणः<sup>२</sup> प्रख्यातवक्त्रकः<sup>३</sup> ।  
 कुल्यः<sup>१</sup> कुलीनो<sup>२</sup> ऽभिजातः<sup>३</sup> कौलेयक<sup>४</sup> महाकुली<sup>५</sup> ॥१६६॥  
 जात्यो<sup>१</sup> गोत्रं<sup>२</sup> तु सन्तानो<sup>३</sup> ऽन्यवयो<sup>४</sup> ऽभिजनः<sup>५</sup> कुलम्<sup>६</sup> ।  
 अन्वयो<sup>१</sup> जननं<sup>२</sup> वंशः<sup>३</sup> स्त्री<sup>४</sup> नारी<sup>५</sup> वनिता<sup>६</sup> वधू<sup>७</sup> ॥१६७॥  
 वशा<sup>१</sup> सीमन्तिनी<sup>२</sup> वामा<sup>३</sup> परिणयो<sup>४</sup> महिला<sup>५</sup> (६) ऽवला<sup>६</sup> ।  
 योषा<sup>१</sup> योषित्<sup>२</sup> विशेषा<sup>३</sup> स्तु (७) कान्ता<sup>४</sup> भीरु<sup>५</sup> निर्तस्विनी<sup>६</sup> ॥

(१) अनुजीवो १ अनुगामी २ अनुचरः ३ अनुभवः ४ ॥

(२) पुरःसरः १ अग्रतः सरः २ अग्रसरः ३ पुरोगमः १ पुरोगामी २ पुरोगः ३ । (३) प्रघूर्ण इति वा । (४) प्रघुर्णिको इति वा ॥

(५) आतिथे कीति स्त्री क्ली, आतिथेय इति क्लेने रूपम् ॥

(६) बहिला मपि । (७) एकैकम् बोध्यम् ॥

प्रमद<sup>४</sup> सुहृदी<sup>५</sup> रामा<sup>६</sup> रमणी<sup>७</sup> ललना<sup>८</sup> सुकना<sup>९</sup> ।  
 स्वगुणे उपमानेन मनोज्ञादिपदेन ॥ १६८ ॥  
 विशेषिता-ङ्ग-कर्म्या स्त्री यथा तरललोचना<sup>(१)</sup> ।  
 अलसेक्षया<sup>(२)</sup> नृगाक्षी<sup>(३)</sup> मत्तेभगमना<sup>४</sup> अपि च ॥ १७० ॥  
 वामाक्षी<sup>५</sup> सुस्मिता<sup>६</sup> स्या स्वं मान<sup>७</sup>-लीला<sup>८</sup>-क्षारा<sup>९</sup>-दयः<sup>(१०)</sup> ।  
 लीला<sup>१</sup> विज्ञासो<sup>२</sup> विच्छित्ति<sup>३</sup> विव्भोकः<sup>४</sup> किलिकिञ्चितम्<sup>५</sup> १-१  
 मोट्टायितं<sup>६</sup> कुट्टमितं<sup>७</sup> ललितं<sup>८</sup> निहृतं<sup>९</sup> तथा ।  
 विम्बम<sup>१०</sup> स्वत्य लङ्कारा स्वराणां स्वाभाविका दम्भ<sup>(४)</sup> ॥ १७२ ॥

(१) स्वकीयेनासाधारणेन गुणेन यथा तरललोचना अलसेक्षया इत्यत्र तरलत्वं लोचनस्यासाधारण्यम्, अलसं भीक्षणं यस्याः अत्र क्रियायाः असाधारण्यम्, उपमानं यथा नृगाक्षी मत्तेभगमना, मनोज्ञादिपदेन यथा, वामे मनोज्ञे अक्षिणी यस्याः आदिशब्दात् सुस्मितादयः अत्र शोभनत्वं तस्मिन् क्रियायाः विशेषणम् ॥ स्त्रीविशेषणामेकैकम् ॥

(२) तरललोचना इत्यत्र लोचनस्य तरलत्वं गुणो विशेषणम् अलसेक्षण इत्यत्र ईक्षणं क्रियायाः अलसत्वं गुणः विशेषणम् । नृगाक्षीत्यत्र अक्ष्णः उपमानं मत्तेभगमनेत्यत्र मत्तक्रियायाः उपमानम् । वामाक्षीत्यत्र अक्ष्णः वामत्वं मनोज्ञत्वं विशेषणं सुस्मितेत्यत्र स्मितक्रियायाः शोभनत्वं विशेषणम् । एवं सुगुणेन विशेषिताङ्गा तरललोचना । सुगुणेन विशेषितकर्म्या अलसेक्षया । उपमानेन विशेषिताङ्गा नृगाक्षी । उपमानेन विशेषितकर्म्या मत्तेभगमना । मनोज्ञपदेन विशेषिताङ्गा वामाक्षी । मनोज्ञपदेन विशेषितकर्म्या सुस्मिता ।

(३) स्वस्याः स्त्रीया मानोऽभिमानः लीला शङ्कार चेदादिशेषः प्रसरः कामः ॥

(४) लीलाया एकैकं, स्त्रीयां स्वाम त्रिका लीलाया दम्भालङ्कारः स्वेषां लक्षणानि ॥ "प्रियस्यानुकतिर्लीलाश्चिदा मानेषु संदितैः (१)

(१) प्रागसथौ<sup>१</sup>-दार्थ्य<sup>२</sup>-माधुर्य<sup>३</sup>-शोभा<sup>४</sup>-धीरत्व<sup>५</sup>-कवन्तयः<sup>६</sup> ।  
 ०मि<sup>७</sup>श्वा यत्नजा भाव<sup>१</sup>-हाव<sup>२</sup>-हेला<sup>३</sup> स्वयो ऽङ्गजाः (२) ॥<sup>१०३</sup> ॥  
 सा कोपना भामिनी<sup>१</sup> स्यात् छेकामन्ता च वाणि<sup>२</sup> (२) ।  
 कन्या<sup>१</sup> कनी<sup>२</sup> कुमारी<sup>३</sup> च गौरी<sup>४</sup> तु नग्निका<sup>५</sup>ऽरजाः ॥ १७५ ॥  
 मध्यमा<sup>१</sup> तु दृष्टरजा<sup>२</sup> सारणी<sup>३</sup> युवति<sup>४</sup> चरी<sup>५</sup> ।

विनासोऽङ्गे विशेषो यः प्रियाप्रा वासनादिषु (२) मण्डनाद्यादरन्यासो  
 विच्छिन्नी रूपदर्पतः (३) विष्कोटमिमतप्राप्तावपि गर्वादनादरः (४)  
 हर्षाद्दुदितगीतादिव्यामिश्रं किञ्चिकिञ्चितम् (५) मोटायितं प्रियं स्मृत्वा  
 साङ्गमङ्ग विजृम्भणम् । “पुठ प्रमदने भौयादिकः, सुटव् व्यच्छेपमर्दनयोः  
 तौदादिकः, पुठसुटण् सङ्घर्षने चुरादिः, एषां मोटः मोटमिवाचरतीति  
 मोटायते इति मोटायितमेकटकारोऽष्टिकारोऽपि पाठः” (६) दुःखोप-  
 चारः भौख्येऽपि हर्षात् कुट्टमितं मतम् (कुट्टण कुत्तनादौ चुरादिः, कुट्टि-  
 समितं लक्ष्यापुत्रे कुट्टमितम् अधरादिप्रहृणात् दुःखपिपर्यः ) (७) अना-  
 चार्योपदिष्टं स्यात्तन्वितं रतिचेष्टितम् । मद्यणाङ्गन्यासः (८) वक्तव्या  
 भाषणं व्याजाद्विद्धतं दर्शितेऽङ्गितम् । (९) विसदृश्यनवस्थानं शङ्कारा-  
 दिश्वमोमतः । (१०) इत्येवमसंक्रियन्ते एभिरित्यलङ्काराः, स्त्रीणामिति न पुं  
 सं रतिभावाद्दृदयगोचरीभूताङ्गवन्ति स्वाभाविकास्तै च दशसंख्याः  
 स्मरिति ॥

(१) प्रागसथस्य प्रौढस्य भावः प्रागल्भ्यं सम्प्रयोगे निर्भयत्वमित्यर्थः ॥

(२) स्मृ तास्कादीनां वञ्चविकारो हावः (१) अङ्गस्वात्मोविकारो  
 वावः (२) अङ्गस्वात्मप्रचरो विकारो हेला (३) अङ्गजास्त्रोऽङ्गद्वारा इति  
 वङ्गरतः “अलङ्काराद्यं नाट्यस्यै प्रिया भावरसाश्रयाः । यौवनेऽभ्य-  
 धका स्त्रीणां विकारा वङ्गगात्रजा” इति । “देहात्मकं भवेत् सत्ता-  
 हावः (१) सञ्चुलितः । भावात्सञ्चुलितो हावो (२) हावाहेला (३) सञ्चु-  
 लित” इति च व एव ॥

(३) छेका अवसरज्ञा, मन्ता च उत्तमतया ॥

तलुनी<sup>१</sup> दिक्करो<sup>०</sup> वर्या<sup>१</sup> पतिंवरार<sup>१</sup> स्वयम्बर<sup>१</sup>(१) ॥१७५॥  
 सुवासिनी<sup>१</sup> बधूटी<sup>२</sup>स्या<sup>(२)</sup> श्विरिण्ट<sup>३</sup>य सधर्मिणी ।  
 पत्नी<sup>२</sup> सहचरी<sup>२</sup> पाणिगृहीती<sup>३</sup> गृहिणी<sup>३</sup> गृहाः<sup>३</sup> ॥१७६॥  
 (१) दाराः<sup>०</sup> स्वेवं<sup>०</sup> वधू<sup>६</sup> भार्या<sup>१</sup> जनी<sup>१</sup> जाया<sup>२</sup> परिग्रहः<sup>३</sup>  
 द्वितीयो<sup>३</sup> दा<sup>३</sup> कलतश्च<sup>३</sup> पुरन्धी<sup>३</sup> तु कुटुम्बिनी<sup>३</sup> ॥१७७॥  
 प्रजावतो<sup>३</sup> आतुर्जाया<sup>(४)</sup> स्तनोः<sup>३</sup> स्तुषा<sup>३</sup> जनो<sup>३</sup> वधूः<sup>३</sup> ।  
 आहवर्गस्य<sup>३</sup> या जाया यातर<sup>(५)</sup> स्ताः<sup>३</sup> परस्परम् ॥१७८॥  
 वीरपत्नी<sup>३</sup> वीरभार्या<sup>३</sup> कुलस्त्री<sup>३</sup> कुलबालिका<sup>(६)</sup> ।  
 (०) प्रेयसी<sup>३</sup> दयिता<sup>३</sup> कान्ता<sup>३</sup> प्राग्गेश<sup>३</sup> वल्लभा<sup>३</sup> प्रिया<sup>३</sup> ॥१७९॥  
 हृदयेश<sup>३</sup> प्राणसमा<sup>३</sup> प्रेष्टा<sup>३</sup> प्रणयिनो<sup>३</sup> च सा ।  
 प्रेयस्या<sup>३</sup> द्याः पुंसी पत्यौ भर्ता<sup>३</sup> सेक्ता<sup>३</sup> पति<sup>३</sup> वरः<sup>३</sup> ॥१८०॥  
 विवोढा<sup>३</sup> रमणी<sup>३</sup> भोक्ता<sup>३</sup> रच्यो<sup>३</sup> वरयिता<sup>३</sup> धवः<sup>३</sup> ।  
 जन्या<sup>३</sup> स्तु तस्य सुहृदो विवाहः<sup>३</sup> पाणिपीडनम् ॥१८१॥  
 पाणिग्रहण<sup>३</sup> सुहाह<sup>३</sup> उपात् याम<sup>३</sup>-यमा<sup>३</sup> वपि ॥

(१) कन्येति त्वयं सामान्यतः कन्यानामनि गौरीति, इयम् अह-  
 वधीय कन्यानामनि, यवतिस्त्रियां सप्त, विवाहोत्कायां त्रीणि ॥

(२) सुद्रवधूनामनि इयम् । कुलवान् भार्यायाम् ॥

(३) दाराः पुल्लिङ्गो बहुवचनान्तश्च, एकवचनान्तीटपि इत्यन्ते ॥

(४) आतुर्जायेत्यत्र “स्वतां विद्यायोनिसम्बन्धे” इति षष्ठ्यलोपः ।

द्रव्यसि आहजायामिच्छादौ सप्तमी समासः । आहजायापि, यटाह  
 रघुवंशम् “रथात्मन्व प्रतिपन्न वाह्यात्तां आहजायां पुल्लिङ्गेवताये”  
 इति ॥ (५) ‘याह’ इति शब्दरूपम् ‘या’ इति भाषा प्रविद्धिः ॥

(६) पालिका इति १ वा कुलपालिका इत्यमरः २ ॥

(७) प्रेयांसौ प्रेयांसः, सान्तः, अन्येकारान्ताः सेक्तासेक्तारौ ।

दारकर्म<sup>७</sup> परिणयो<sup>८</sup> जामाता<sup>९</sup> दुहितुः पतिः ॥१८२॥  
उपपति<sup>१</sup>सु कारः<sup>२</sup> स्यात् भजङ्गो<sup>३</sup> गणिकापतिः ।  
जस्यती<sup>४</sup> दस्यती<sup>५</sup> जायापती<sup>६</sup> भार्यापती<sup>७</sup> समाः ॥१८३॥  
यौतकं<sup>(१)</sup> द्युतयो देयं सुदायो<sup>२</sup> हरणं<sup>३</sup> च तत् ।  
हताभिषेका महिषो<sup>४</sup> भोगिन्यो<sup>५</sup> ऽन्या वृपस्त्रियः ॥१८४॥  
सैरन्वी<sup>६</sup> या ऽन्यवेधस्य्या स्वतन्वा शिल्पजीविनी ।  
असिक्नान्तः<sup>१</sup> पुरप्रेष्या दूतो<sup>२</sup> सञ्चारिके<sup>३</sup> समे ॥१८५॥  
(२) प्राज्ञी<sup>१</sup> प्रज्ञा<sup>२</sup> प्रजानत्यां प्राज्ञा<sup>३</sup> तु प्रज्ञया ऽन्विता ।  
स्यादा भोरी<sup>४</sup> महाशूद्रो<sup>५</sup> जातिपुंय्योगयोः समे ॥१८६॥  
पुंय्युक्त्वा चार्या<sup>६</sup> ऽचार्याणी<sup>(२)</sup> मातुलानी<sup>७</sup> तु मातुरी<sup>८</sup> ।  
उपाध्याया<sup>९</sup> न्युपाद्यायी<sup>१०</sup> चन्त्रि<sup>११</sup> यर्यी<sup>१२</sup> च शुद्धपि<sup>१३</sup> ॥१८७॥  
स्वत आचार्या<sup>१४</sup> शूद्रा च<sup>(४)</sup> चन्त्रिया<sup>१५</sup> चान्त्रियाण्यपि<sup>१६</sup> ।  
१) उपाध्याय्यु<sup>१</sup> पाध्याया<sup>२</sup> स्यादर्यी<sup>३</sup> ऽर्याण्यो<sup>४</sup> पुनः समे<sup>(५)</sup> ॥१८८॥  
(७) दिधिष्णू<sup>१</sup>सु पुनर्भू द्विरूढा स्या दिधिष्णू<sup>२</sup> पतिः<sup>(८)</sup> ।

अपिच, प्रेषस्याद्या दश शब्दाः पुंसि वर्तमानाः सन्तः पत्नौ भर्तारि वर्तन्ते,  
ते यथा, प्रेषान् १ दयितः २ कान्तः ३ प्राणेशः ४ वल्लभः ५ प्रियः ६  
हृदयेशः ७ प्राणसमः ८ प्रेष्ठः ९ प्रणवी १०, प्रणयिनौ प्रणयिनः, नाम्नः ॥

- (१) द्युतयो वधवरयोर्देयं परिधानवस्त्राभरणानि ॥  
(२) पण्डितायाः । प्रजानस्याम् ॥ (३) आचार्यस्त्रियः ॥  
(४) शूद्रादिजातीयानाम् ॥ (५) उपाध्यायो वेदपाठकः ॥  
(६) अर्थस्य वश्यस्य स्त्री अर्या ॥  
(७) दिधिष्णौ दिधिष्व दिधिषुश्चिपि "अठवायां यदनुठायां ]  
कन्यायासुष्मतेऽनुजा । सा चायं दिधिषून्नेवा पूर्वा तु दिधिषूर्मता" २  
इति मतान्तरम् ॥

(८) दिविषुः पतिः अये दिधिषुः, तुल्यस्वपाठो यक्तः ॥

स तु द्विजो ऽपेदिधिषू<sup>१</sup> र्यस्य स्यात्सै एव गेहिनी ॥१८८।  
 ज्येष्ठे ऽनूढे परिवेत्ता<sup>१</sup> ऽनुजो दारपरिग्रहो ।  
 तस्य ज्येष्ठः परिविन्नि<sup>१</sup> काया तु परिवेदिनो<sup>१(१)</sup> ॥१८९॥  
 वृषथ्यन्ती<sup>१</sup> कामुकी<sup>२</sup> स्या दिच्छायुका तु कामुका<sup>१</sup> ।  
 (२) कृतसापत्निका<sup>१</sup> ऽध्युदा<sup>२</sup> धिविन्नाथ<sup>३</sup> पतिव्रता<sup>४</sup> ॥१९१॥  
 एकपत्नी<sup>२</sup> सुचरित्रा<sup>३</sup> साध्वी<sup>४</sup> सत्य<sup>५</sup> सती<sup>६</sup> त्वरी<sup>७</sup> ।  
 पुंश्चली<sup>१(२)</sup> चर्षणी<sup>४</sup> बन्धक्य<sup>५</sup> विनिता<sup>६</sup> च पांसुला<sup>७</sup> ॥१९२॥  
 स्वैरिणी<sup>८</sup> कुलटा<sup>९</sup> (४) याति या प्रियं सा ऽभिसारिका<sup>१</sup> ।  
 वयस्या<sup>१</sup> ऽलिः<sup>२</sup> सखी<sup>३</sup> सध्वी<sup>४</sup> च्यगिश्ची<sup>५</sup> तु शिशुं विना ॥१९३॥  
 पतिव्रती<sup>१</sup> जीवत्पतिं विंश्रस्ता<sup>२</sup> विधवा<sup>३</sup> समे ।  
 (३) निर्वीरा<sup>१</sup> निष्पतिसुता जीवत्तोका<sup>१</sup> तु जीवसूः<sup>२</sup> ॥१९४॥  
 नश्यत्प्रसूतिका निन्दु<sup>१</sup> सध्वस्यु नरमालिनी<sup>१</sup> ।  
 कात्यायनी<sup>१</sup> त्वर्द्धट्टा काषायवसना ऽधवा ॥१९५॥  
 अत्रया<sup>१</sup> भिक्षुकी<sup>२</sup> सुरहा<sup>३</sup> पोटा<sup>४</sup> तु स्त्री वृलचया ।

(१) यत्सूतिः “येऽपजेष्व २कलत्रेषु कुर्वते दारसंप्रहम् । ज्ञेयाः परिवेत्तारः परिविन्निस्तु पूर्वज” इति । दारपरिग्रहो परिणी कलत्रः ॥

(२) कृतं सापत्न्यं सपत्नी भावोऽस्याः सा । “अध्युद् ईश्व २अध्युदा कृतसापत्न्यं बोधितेति” श्रीधरः । अध्युपरि विन्दत्यस्य इत्यधिविद्वा “विद्वाभाम्” तु दादौषुचादिः, विन्दतेः परस्य क्त प्रत्ययकारस्य निखं न कारः, नञ् ऋहोत्रा भ्रात्रोऽनुदक्ते षेति सूते विकल्पः । चर्षणी २ ॥ (३) इत्यपि ॥ (४) नवकुलटा नाम्नि ॥

(५) “रहिता पति पुत्राभ्यां निर्धरेत्यभिधीयते” अवीरा इ नरः जीवसू जीवसूः । जीवत्पुत्रा इति वा ॥

साधारणास्त्रीः गणिकाः वैश्याः पय्यपण्याः ऽङ्गनाः<sup>(१)</sup> ॥१८६॥  
 मुञ्जिष्वाः सञ्जिकाः<sup>०</sup> रूपाजीवाः<sup>०</sup> वारवधूः पुनः ।  
 सा वारमुख्याः ऽथ चुन्दीः कुट्टनीः शम्भलीः समाः ॥१८७॥  
 फीटाः वोटाः च चेठीः च दासी<sup>४</sup> च कुट्टहारिकाः<sup>५</sup> ।  
 गम्गाः तु कोटवीः दृङ्गा पलिकप्रथः रजस्वलाः ॥१८८॥  
 पुष्पबलः शिराः जेयी<sup>(२)</sup> स्त्रीधर्मिणी<sup>५</sup> मलिन्यैवीः<sup>०</sup> ।  
 उदक्याः<sup>०</sup> ऋतुमती<sup>६</sup> च पुष्पहोना तु निष्कलाः ॥१८९॥  
 राकाः तु सरजाः कन्या स्त्रीधर्मिणीः पुष्पः मार्त्तवम् ।  
 रज<sup>४</sup> सत्काक्षस् तु ऋतुः<sup>(३)</sup> सुरती<sup>०</sup> भोहनः रतम्<sup>०</sup> ॥२००॥  
 संवेष्टन<sup>४</sup> सम्प्रयोगः<sup>५</sup> सम्भोग<sup>०</sup> च रहो<sup>०</sup> रतिः<sup>०</sup> ।  
 ग्राम्यधर्मो<sup>०</sup> निधुवनं<sup>०</sup> कामकेलिः<sup>(१)</sup> पशुक्रिया<sup>(२)</sup> ॥२०१॥  
 व्यवायोः<sup>(३)</sup> मैथुनः<sup>(४)</sup> स्त्रीपुंसौ<sup>(५)</sup> हन्तः मिथुन<sup>(६)</sup> च तत् ।  
 अन्तर्व्वित्रीः गुर्भिणी<sup>(७)</sup> स्यात् गर्भवन्तु<sup>(८)</sup> दरिण्ये<sup>(९)</sup> ॥२०२॥  
 आपन्नसत्त्वा<sup>(१)</sup> गुर्वी<sup>(२)</sup> च अङ्गालु<sup>(३)</sup> दोहदान्विता ।  
 विजाता<sup>(४)</sup> च प्रजाता<sup>(५)</sup> च जातापत्या<sup>(६)</sup> प्रसूतिका<sup>(७)</sup> ॥२०३॥  
 गर्भः स्तु गरभो<sup>(८)</sup> मूयो<sup>(९)</sup> दोहदलक्षण<sup>(१०)</sup> च सः<sup>(११)</sup> ॥  
 गर्भाशयो<sup>(१)</sup> जरा<sup>(२)</sup> यूतवे<sup>(३)</sup> कलली<sup>(४)</sup> ल्वे<sup>(५)</sup> पुनः समे<sup>(६)</sup> ॥२०३॥

(१) यस्याङ्गनाः । पण्याङ्गणा इत्येवम् ॥

(२) अद्विरान्वेयी इति वा पाठः । अथी अथौ अथ्यः इति रूपम् ॥

(३) रजसुक्ती । ऋतुः पुं ॥ (४) चटुर्दश मैथुन नामानि ॥

(५) दोहदलक्षणं स्त्री । जरायुः पुं । उत्तलः पुं स्त्री ॥

(६) युक्तशोणित समवायस्य “सप्राहं कललं विद्यत् ततः सप्राह  
 बुहुदम् । बुहुदाज्जायते पेशी पेशीनोऽपि बतं भवेत्” इत्याचाराङ्ग  
 इतिः ॥



(१) दोहदं द्वीहदं अद्वाः साक्षसा<sup>१</sup> स्मृतिमाप्ति तु ।  
 वैजननीः विजननीं प्रसवो<sup>२</sup> जन्दनः<sup>३</sup> पुत्रः ॥२०५॥  
 उद्दहो<sup>४</sup> ऽङ्गा-लजः<sup>५</sup>(२) स्त्रु<sup>६</sup> सनयो<sup>७</sup> दारकः<sup>८</sup> सुतः<sup>९</sup> ।  
 पुत्रो<sup>१०</sup> दुहितरि<sup>११</sup> स्त्रीत्वे (२) तोका<sup>१२</sup>-पत्न<sup>१३</sup>-प्रसूतयः<sup>१४</sup> ॥२०६॥  
 (१) तुक्<sup>१५</sup> प्रजो<sup>१६</sup> मयो<sup>१७</sup> आनीयो<sup>१८</sup> आढव्यो<sup>१९</sup> आतु रात्मजे ।  
 स्वस्त्रीयो<sup>२०</sup> भाग्निनेय<sup>२१</sup> च जामेयः<sup>२२</sup> कुतप<sup>२३</sup> च सः ॥२०७॥  
 नप्ता<sup>२४</sup> पौत्रः<sup>२५</sup> पुत्रपुत्रो<sup>२६</sup> दौहितो<sup>२७</sup> दुहितुः<sup>२८</sup> सुतः ।  
 प्रतिनप्ता<sup>२९</sup> प्रपौत्रः<sup>३०</sup> स्वात् तत्पुत्र<sup>३१</sup> सु परम्परः<sup>३२</sup>(५) ॥२०८॥  
 पैटष्वसेयः<sup>३३</sup> स्यात् पैटष्वस्त्रीये<sup>३४</sup> सुक पिटष्वसुः ।  
 माटष्वस्त्रीय<sup>३५</sup> सुक् माटष्वसु माटष्वसेय<sup>३६</sup> वत् ॥२०९॥  
 (१) विमातृजो<sup>३७</sup> वैमात्रेयो<sup>३८</sup> द्वैमातुरो<sup>३९</sup> द्विमातृजः ।  
 सत्या<sup>४०</sup> सु तनये<sup>४१</sup> साम्यातुर<sup>४२</sup>-व इद्रमातुरः<sup>४३</sup> ॥२१०॥  
 सौभागिनेय<sup>४४</sup> कानीनो<sup>४५</sup> सुभगा-कन्ययोः<sup>४६</sup> सुतौ ।  
 (१) पौनर्भव<sup>४७</sup> पारस्त्रेण्यो<sup>४८</sup> पुनर्भू-परस्त्रियोः<sup>४९</sup> ॥२११॥  
 दास्या<sup>५०</sup> दासेर<sup>५१</sup> दासेयो<sup>५२</sup> नाटेर<sup>५३</sup> सु नटीसुतः ।  
 बन्धुलो<sup>५४</sup> बान्धकिनेयः<sup>५५</sup>(८) कौलटेरो<sup>५६</sup> ऽसतीसुतः ॥२१२॥

(१) दोहदं क्री पुं ॥ (२) अङ्गजः १ आत्मजः २ इत्येवम् ॥

(१) स्वार्थिके द्वेषेण सूत पुत्र इन्दारस्येति विकल्पेन इत्वे, पुत्रिका  
 पक्षे पुत्रका ॥ (४) तु कौ तुकः ॥

(५) “परम्परः प्रपौत्रादौ ऋगभेदे परम्परः । परम्परा प्ररीपादौ  
 सन्मानेदपि-बंधे कश्चित् ॥” (६), विदुषा माता विमाता तस्यां जातः ॥

(७) “पुनरुत्तयो नित्वाद्वाह्यते वा यथाविधि । सा पुनर्भूः  
 सुतस्तस्याः पौनर्भव उदाहृत” इति स्मृतिः ॥

(८) असती भिक्षुक-सत्योः सुतस्य ॥

स तु कौलटिनेयः<sup>१</sup> स्यात् यो भिक्षुकसतीसुतः<sup>(१)</sup> ।  
 द्वावप्येतौ कौलटयौ<sup>१</sup> चोन्नजो<sup>१</sup> देवरादिजः<sup>(२)</sup> ॥२१३॥  
 स्वजाते त्वौ रभौ<sup>१</sup>-रस्यौ<sup>१</sup> ऋते भर्त्तरि चारजः ।  
 गोल्लको<sup>१</sup> ऽथा ऋते कुण्डो<sup>१</sup> भ्राता<sup>१</sup> तु स्यात् सद्दोदरः<sup>२</sup> ॥२१४॥  
 समानोदर्थ्य<sup>१</sup>-सोदर्थ्य<sup>१</sup>-सगर्भ<sup>१</sup>-सहजः<sup>१</sup> अपि ।  
 सोदर<sup>०</sup> च स तु ज्येष्ठः<sup>१</sup> स्यात् पितृजः<sup>२</sup> पूर्वजो<sup>१</sup> ऽग्रजः<sup>१</sup> ॥२१५॥  
 जघन्यजे<sup>१</sup> यत्रिष्ठः<sup>२</sup> स्यात् कनिष्ठो<sup>१</sup> ऽवरजो<sup>१</sup> ऽसुजः<sup>१</sup> ।  
 स यत्रोयान्<sup>१</sup> कनीयां<sup>०</sup> च पितृव्य<sup>१</sup>-श्वालो<sup>१</sup>-मातृस्ताः<sup>(३)</sup> ॥२१६॥  
 पितुः पत्न्या च मातु च भ्रातरो देव<sup>१</sup> देवरौ<sup>(४)</sup> ।  
 देवा<sup>१</sup> चा वरजे पत्युर्जामि<sup>१</sup> सु भगिनी<sup>१</sup> स्वसा<sup>१</sup> ॥२१७॥  
 (५) ननान्दा<sup>१</sup> तु स्वसा पत्युर्ननान्दा<sup>१</sup> नन्दिनी<sup>१</sup> त्वपि ।  
 पत्न्या सु भगिनी ज्येष्ठा ज्येष्ठस्त्र्यः<sup>१</sup> कुली<sup>१</sup> च सा ॥२१८॥  
 कनिष्ठा चालिका<sup>१</sup> ह्याली<sup>१</sup> यत्नणी<sup>१</sup> केलिकुञ्चिका<sup>१</sup> ।  
 केलि<sup>१</sup> द्रवः<sup>२</sup> परीहासः<sup>२</sup> क्रीडा<sup>१</sup> लीला<sup>१</sup> च नर्म<sup>१</sup> च ॥२१९॥  
 देवनं<sup>०</sup> कूर्दनं<sup>०</sup> खेला<sup>१</sup> ललनं<sup>१</sup> वर्करो<sup>१</sup> ऽपि च ।  
 वप्ता<sup>१</sup> तु जनक<sup>१</sup> स्नातो<sup>१</sup> वीजी<sup>१</sup> जनयिता<sup>१</sup> पिता<sup>(६)</sup> ॥२२०॥

(१) भिक्षुको चासौ सती च, भिक्षुक सती "पुत्रकर्त्तव्यं धारते" इति पुत्रवृत्तः । (५) चोत्ते कथल्ले जातः चोत्तजः, तल्लजश्चादेति केचित् ॥

(२) इति "काका" एकं नाम पितृव्ये "शाला" नाम एकं श्वालके "माता" नाम एक मातृव्ये ॥

(४) देवा देवरौ देवरः, देवरः देवरौ देवराः, देवा देवानौ देवानः ।

(५) ननान्दा ननान्द्रौ ननान्दरः । यन्त्रिणो इति पाठौ वा, चतुष्कं स्त्री कनिष्ठायाम् ॥

(६) वीजिनौ वीजिनः, "स्त्री चोत्तमौपधीपालं वीजो चाज-

पितामह<sup>१</sup> स्वस्य पिता तत्पिता प्रपितामहः<sup>१</sup> ।  
 मातुर्मातामहा<sup>१</sup>-द्येवं माता<sup>१</sup> ऽम्बा<sup>२</sup> जननी<sup>३</sup> प्रसू<sup>४</sup> ॥२२१॥  
 सवित्री<sup>५</sup> जनयित्री<sup>६</sup> च कर्मिणी<sup>७</sup> तु वङ्गप्रसू ।  
 घात्री<sup>८</sup> तु स्यादुपमाता<sup>९</sup> वीरमाता तु वीरसूः ॥२२२॥  
 श्वश्रू<sup>१०</sup> माता पति परस्योः श्वश्रुरसु तयोः पिता ।  
 पितर<sup>११</sup> सु पितुर्वंश्या मातुर्मातामहाः<sup>१</sup> कुले ॥२२३॥  
 पितरौ<sup>१२</sup> मातापितरौ<sup>१३</sup> मातरपितरौ<sup>१४</sup> पिता च माता च ।  
 श्वश्रुश्वश्रुरौ<sup>१५</sup> श्वश्रुरौ<sup>१६</sup> पुत्रौ<sup>१७</sup> पुत्रश्च दुहिता च ॥२२४॥  
 भ्राता च भगिनी चापि भ्रातरा<sup>१८</sup> वथ बान्धवः<sup>१९</sup> ।  
 स्त्री<sup>२०</sup> ज्ञातिः<sup>२१</sup> स्वजनो<sup>२२</sup> बन्धुः<sup>२३</sup> सगोत्र<sup>२४</sup> च निजः<sup>२५</sup> पुनः ॥२२५॥  
 आत्मीयः<sup>२६</sup> स्वः<sup>२७</sup> स्वकीय<sup>२८</sup> च सपिण्डा<sup>२९</sup> सु सनाभयः<sup>३०</sup> ।  
 तृतीयाप्रकृतिः<sup>३१</sup> पण्डः<sup>३२</sup> पण्ड<sup>३३</sup> क्लीवो<sup>३४</sup> नपुंसकम्<sup>३५(१)</sup> ॥२२६॥  
 इन्द्रियायतन<sup>३६</sup> मङ्ग<sup>३७</sup>-विग्रहौ<sup>३८</sup>,  
 क्षेत्र<sup>३९</sup>-गात्र<sup>४०</sup>-तनु<sup>४१</sup>भूषणा<sup>४२</sup>-स्तनूः<sup>४३</sup> ।  
 मूर्त्तिमत्<sup>४४</sup>-करण<sup>४५</sup>-काय<sup>४६</sup>-मूर्त्तिय<sup>४७</sup>,  
 वेर<sup>४८</sup>-संज्ञजन<sup>४९</sup>-देह<sup>५०</sup>-सञ्चराः<sup>५१(२)</sup> ॥२२७॥  
 घनो<sup>५२</sup> बन्ध<sup>५३</sup> पुरी<sup>५४</sup> पिण्डो<sup>५५</sup> वपुः<sup>५६</sup> पुङ्गव<sup>५७</sup>-वर्ष्मणी ।  
 कलेवरं<sup>५८</sup> शरीरो<sup>५९</sup> ऽस्मिन् जीवे कुण्ठपं<sup>६०</sup> श्ववः<sup>६१(३)</sup> ॥२२८॥

मृताघनम् । तत्रवप्रा नरः स्वामी जन्तुस्तत्र निमित्तते<sup>६२</sup> इति नक्षत्र-  
 पुराणम् ॥

(१) नपुंसकमिति लो ॥

(२) तनुः स्त्री, तनूः स्त्री, वेरः पुं लो, देहः पुं लो ॥

(३) पिण्डः पुं लो, वपुस् लो, वर्ष्मण् लो शरीरः पुं लो, श्वव इति

मृतकं चण्ड-कवचौ च पशीर्षो क्रियायुजि ।

(१) वयांसि तु दद्यात् प्रयातः सामुद्रं देहलक्षणां ॥ १८ ॥

एकदेशे प्रतीकोद्गा-वयवा-पद्यना चपि ।

उत्तमाङ्गं शिरो मूर्ध्नि मौक्तिकं मुण्डं क-मसके ० २३ ॥

वराङ्गं करणावाणं शीर्षं मस्तिकां मित्यपि (२) ।

(४) तज्जाः केशाः क्षीर्यवाकां चिकुराः (५) कुन्तलाः कशाः ५ ॥ २१ ॥

वालाः श्युस्तपराः पाशो रचनाः भारः उच्चयः ५ (६) ।

हस्तः पञ्चः कलापश्च केश-भूयस्ववाचकाः ॥ २३ ॥

अनक्तस्तु कर्करालः खङ्करः शूर्पकुन्तलः ५ ।

द्वयं, तेन शवची वशांसी, शवोऽपि पुं ली, नतशरीरे द्वयं लक्षणं शवस्य ॥

(१) वचनः पुं ली, अपगतम् शीर्षं यस्य अपशीर्षं क्रियायुजि नत्वति शरीरे इत्यर्थः ॥

(२) "सामुद्रो देहलक्षणे । सामुद्रं समुद्रोय लषणादिषु भेष-यत्" इति पुंस्यपि मण्डेश्वरः ॥

(३) गिरः ली, मूर्ध्नि पुं, मौक्तिकं पुं स्त्री, मुण्डं पुं ली, कं पुं ली, गन्तकमपि ली पुं ॥

(४) तस्मिन्श्चरति, तज्जा इति यौगिकरूपं, तेन शिरसिजाः शिरोरुहाः मूर्ध्नि रक्षादि ॥

(५) प्राकृतैः कस्य हा देशात् चिञ्जरा इति, संस्कृतेऽपीति लषा यदाह "कुण्डला मूर्ध्नि रक्षांश्चिकुराश्चिकुरा" इति ॥

(६) तेन्यः केशादिभ्यश्च यराः अपे स्त्रिताः पाशादयः चम-गन्ताः केशमूककशावका भवन्ति, यथा केशपाशाः १ केशरचना २ केश-भारः ३ केशोच्चयः ४ केशकलापः ५ केशपञ्चः ६ केशकलापः ७ एव-यथादिभ्योऽप्ययौगिकत्वात् ॥

(१) स तु भाले स्वमरुक्तः कुबलोः स्वमरालकः ॥२३॥  
 (५) धस्त्रिङ्गः संख्यताः केशयः केशवेधे कवच्यथ ।  
 (२) वेणुः प्रवेणोः शीर्षस्थः-शिरस्थौ विशदे कचे ॥२३॥  
 केशेषु वर्त्म सीमन्तः पलितः (४) पाण्डुरः कचः ।  
 चूडाः केशोः केशपाशीः शिखाः शिखण्डिकाः सखाः ॥२३५॥  
 सा वालानां काकपक्षः शिखण्डके-शिखाण्डकौ ।  
 तुण्डमास्ये मुखे (५) वक्त्रं लपनं वदनं-जने ॥२३६॥  
 भालेः मोध्यः-लिका-जीक-तलाटानि श्रुतौ श्रवः ।  
 शब्दाधिष्ठानः-पैक्षूप-महानाद-ध्वनिग्रहाः ॥२३७॥  
 कर्णः श्रोत्रं श्रवणं च वेष्टनं कर्णशष्कुली ।  
 पालिंशु कर्णलतिकाः शङ्खो भानत्रयोऽन्तरे ॥२३८॥  
 चक्षुः रक्षी-चक्षुः नेत्रं नयनं दृष्टिं रस्यकम् ।  
 शोचनं दर्शनं दृक् चतन्तायां तु कनीनिका (४) ॥२३९॥  
 वामं तु जयनं शौभ्यं भानवीयं तु दक्षिणम् ।

(१) चत्वारि वकीकृत केशनामानि । भानाभिमुखे चेत् तत्र  
 त्रयोवि नामानि ॥

(२) "तद्वस्त्रविशेषाः स्युर्वेणो धस्त्रिङ्गकनकवच्यः" इति, उक्ता-  
 धः । ऐक्यज्ञ पाठोऽपि कश्चित् ॥ (३) वेणुः दीर्घान्तोऽपि ॥

(४) पलितं पुं ली, । (५) ली मुखं पुं ली ॥

(५) "तारकापि-तारकावर्णकेति इत्यस्यभाषः, "तारको दैत्य-  
 भित्कर्मधारयो-ईश्वरारकम्-... शब्दे कनीनिकायां च तारकापि चेति"  
 "तारकाश्च कनीनिके" इत्यनरः "तारकतिप्रसङ्गः तारका-शब्दोक्तिवि-  
 तीत्याभावः" इति श्रीरक्षामी ॥

(१) असौस्ये ऽच्छिद्य मन्त्रिः स्यादौच्यतां तु निशामनेन ॥ २७ ॥  
 निभासनेन निशमनेन निध्यानेन भवसोकमम् ॥  
 दर्शनं द्योतनं निर्वर्णनं चाचार्यकीर्णम् ॥ २४ ॥  
 अपाङ्गदर्शनं काक्षः कटाक्षो ऽश्विनिकूणितम् ॥  
 स्या दुन्मीलनं मुग्धघोरे निमेषं स्यु निमीलनम् ॥ २४ ॥  
 अक्षयो र्वाक्षान्ताव पाङ्गौः (२) भ्रुवूर्ध्वं रोमपङ्क्तिः ।  
 सकोमभ्रूविकारे स्वात् भ्रु-भ्रु-भ्रु-भ्रु-परा कुटिः (१) ॥ २४ ॥  
 शूष्णं कूर्प्यं भ्रुवो मध्ये (४) पक्ष्मं स्वा ज्वेवरोमणि ।  
 गन्धज्ञां नासिकारं नासां ब्राह्मं धोखां विकूणिकां ॥ २४ ॥  
 (५) नक्रं नकुटकं शिङ्खन्योऽथो ऽधरो रदच्छदः ॥  
 दन्तवस्त्रं च तत्प्रान्तौ (६) स्रक्कणीं असिकं त्व धः ॥ २४ ॥  
 असिकाध स्यु विवुक्तं स्यात् गल्लः स्रक्कणः परः ।  
 गल्ला त्परः कपोलं च परो गण्डः कपोलतः ॥ २४ ॥

(१) विकारयुक्ते चक्षुषि एकम् अन्वयि अन्वयिणी अन्वयिणी ॥  
 (२) भ्रु स्त्री, भ्रुः भ्रुवो भ्रुवः ॥  
 (३) भ्रुकुटिः १ भ्रुकुटिः २ भ्रुकुटिः ३ भ्रुकुटिः ४ कतान्तराभ-  
 देण स्त्रीनिष्ठाः ॥  
 (४) पुं लो, पक्ष्मा पक्ष्माणी पक्ष्माणाः, पक्ष्म पक्ष्मणी पक्ष्मणि ॥  
 (५) स्रक्कणीतिस्तु "नक्रोनास्या विकूणिकेति" इं स्यात् ॥  
 (६) शौगादिक कनिष्ठ प्रत्ययान्तः स्रक्कः, स्रक्कणीति क्लीब-द्विवच-  
 नान्तम् । स्रक्क स्रक्कणी स्रक्कणि । स्रक्क इत्यपि । प्रान्तावोष्ठस्य  
 स्रक्कणी इत्यमरः । ओस्येति ज्ञानावेकत्वम् । स्रक्कणि ज्ञानामिति  
 स्रक्कणी स्रक्कणी इत्यपि कश्चित् काननत्वादिति क्षीरकाशी । स्रक्क  
 स्रक्कणी स्रक्कणी ॥

(१) ततो जगुः पुं स्त्री, प्रकृतौ, अस्मिन् लोकोऽपि, व सासुरीः ।  
 दादिकाः दंष्ट्रिकाः दादः, दंष्ट्रा लक्ष्मीः विद्यायां यदने ॥ २४ ॥  
 (२) रदनाः दग्ग ॥ दन्ताः दंघाः खादन् ० मङ्गलः ५० ।  
 राजदन्तौः तु मध्यस्था उपरि (२) अणिकौः कवित् (४) ॥ २४ ॥  
 रसञ्चारे दुषनाः निष्ठाः खेलाः ॥ तालुः तु काकुत्स्थः ।  
 सुधासुधाः प्रणिकारे व खनिजानां मलमसृजकाः ॥ २४ ॥  
 कन्धराः अमानिः श्रीवाः शिरोभिः च शिरोमस्तः ।  
 (५) सा निरेखाः कन्धरीनाः ऽववर्षाटारः ककाटिकाः (६) ॥ २५ ॥  
 ककः सु कन्धराभ्यं ककपार्श्वे तु वीतनौ (७) ।  
 श्रीवा धमन्यौ (८) प्राग् नीले पश्चात् अन्ये ककस्विके ॥ २५ ॥  
 गहोः निगरणः २ कवटः (९) काकलकः सु तन्मणिः ।

(१) जगुः पुं स्त्री, प्रकृतौ, अस्मिन् लोकोऽपि, व सासुरीः । आस्यलोम आस्य-  
 लोमनी आस्यलोमानि । (२) रदना इति स्त्रीलिङ्गं क्रीडलिङ्गम् ॥  
 (३) उपरि अधस्य द्वौ द्वौ मध्यस्थौ विचालस्थितावित्यर्थः ॥  
 (४) कविदिति मतान्तरे दन्तपङ्के उपरि, नलधस्तात्, यौ दन्तौ तौ  
 केषिकाविल्लभ्येते ।  
 (५) “रेखात्रयाङ्गिता श्रीवाकम्बु श्रीवेति कथ्यते” इति हज्जायुधः ।  
 कवटः पुं स्त्री । (६) श्रीवा पश्चाद्भागस्य लोभिः नामानि ॥  
 (७) ककस्य श्रीवाभ्यस्य पार्श्वे निकटौ वीतनौ उच्येते इत्यन्वयः ।  
 पार्श्वपार्श्वे निकटार्श्वः क्रीडलिङ्गः, तस्य प्रथमादिपक्षनाम्ने ककपार्श्वे  
 इति ॥  
 (८) प्रागित्यन्वयं श्रीवाकाः पूर्वभागे नीले उच्येते, इत्यन्वयः । नीले  
 इति प्रथमादिकपक्षम् ॥ (९) ककः पुं स्त्री, काकलकः इति  
 “श्रीवाभ्ये त कण्ठोऽस्तीति क्रीवत्वाद्” अथ इत्यपि पुं स्त्री ॥

प्रसो<sup>१</sup> सुजशिरः<sup>२</sup> स्तम्भो<sup>३</sup> जकु<sup>(१)</sup> खन्वि हरो-ईश्वरः ॥१५॥  
 (२) भुजो<sup>४</sup> भुजो<sup>५</sup> भुजो<sup>६</sup> भुजो<sup>७</sup> इति वीर्याः ॥ भुजोकोटः ॥  
 दोर्मूले<sup>८</sup> खन्वि<sup>९</sup> (३) कथा<sup>(१)</sup> पार्श्वे<sup>२</sup> स्वादे तयो<sup>३</sup> ॥१५॥  
 कफो<sup>४</sup> सु भुजा<sup>५</sup> कथा<sup>६</sup> कथयि<sup>७</sup> कथं<sup>८</sup> कथः<sup>(१)</sup> ॥  
 घष सा<sup>२</sup> मन्त्रि<sup>३</sup> स्वात् प्रको<sup>४</sup> कला<sup>५</sup> ॥२५॥  
 प्रग<sup>६</sup> कसं-सा<sup>७</sup> पशु<sup>८</sup> शयः<sup>९</sup> शयः<sup>१०</sup> ॥  
 हस्त<sup>१</sup> पालि<sup>२</sup> कहे<sup>३</sup> ज्ञा<sup>४</sup> मणि<sup>५</sup> सन्नि<sup>६</sup> च<sup>७</sup> ॥२५॥  
 करभो<sup>१</sup> स्वा<sup>२</sup> कनि<sup>३</sup> कर<sup>४</sup> कथा<sup>५</sup> कसे ॥  
 घङ्ग<sup>१</sup> वाकु<sup>२</sup> सज्जी<sup>३</sup> तु प्रदे<sup>४</sup> ॥२५॥  
 ज्ये<sup>१</sup> तु मध्य<sup>२</sup> सावि<sup>३</sup> दन<sup>४</sup> ॥  
 कनी<sup>१</sup> तु कनि<sup>२</sup> वस्त्रो<sup>३</sup> ॥२५॥  
 कामा<sup>१</sup> मङ्ग<sup>२</sup> करजो<sup>३</sup> नखरो<sup>४</sup> नखः<sup>५</sup> ॥  
 कर<sup>१</sup> पुन<sup>२</sup> पुन<sup>३</sup> ॥२५॥

(१) जम्भु । जम्भुजो जम्भुजः ॥

(२) भुजः पुं लीलिङ्गः, स्त्रियां भुजा आवक्तः । दोः पुं लीलिङ्गः  
 मालः दोः दोषो दोष इति पुंलि, दोः दोषो दोषि इति स्त्रीने, दोषा  
 दशान्तोऽपि स्त्रीलिङ्गः यन्महेश्वरः “दोषः स्याद्दूषणे” पापे दोषा  
 रात्रौ भुजेऽपि वेति । “ननुदोषो गुणध्वंसी नोहन्ता जनपीडकः ।  
 करो तु किरणो लोकमस्तमाप्रमहोदयम् ॥” इति विदग्धसुखमखने  
 विष्णोः स्तुतिनिन्दे । वाङ्मावन्तः ॥ (३) कथा पुं ली कथाः  
 कथ्या इति च चकार द्वितीयस्वरान्तोऽपीत्यमर टीका ॥

(४) कथयि कथयि इति पुंस्त्रियौ कथयन्ती ॥

(५) कथं कथं इति, कथादिभ्यस्तुः इति सप्तम्य-  
 र्देशसु प्रत्ययः ॥



प्रदेशिन्नादिभिः चार्द्धं संशुद्धं वितते इति ।  
 प्रादेश-... विततलोकोः । अथानाम् ॥२५॥  
 प्रसारितोः चार्द्धं चार्द्धः (१) प्रतलेः खलः ॥  
 प्रहस्यं सात्त्विकं तावः (२) सिंहतलः सुतो सुतो ॥२६॥  
 सन्निहितोः पाणि मुष्टिं मुष्टिं मुष्टिं मुष्टिं ।  
 (३) संग्राह्यं चार्द्धं मुष्टिं खलः कुब्जितः पुनः ॥२६॥  
 पाणिः प्रसृतः प्रसृतिः स्त्री सुतो पुन रञ्जतिः (४) ।  
 प्रसृते तु द्रव्येणारे (५) गण्डूयं कुत्तुकं खलः ॥२६॥  
 हस्तः प्रमाणि को मध्ये मध्यमांशुलि-शूर्पारम् (६) ।  
 वृद्धमुष्टि रक्षो रक्षिः (७) रक्षिं निष्कमिष्ठिकः ॥२६॥

- (१) चपेटः पुं स्त्री, तेन चपेटापि । अपि च, चपेटोऽपि, प्रदाह "चपेट चपटौ तले" इत्युज्ज्वलदत्तः ॥
- (२) सिंहो हि सिंहताभ्यां चपेटाभ्यां हन्ति अतः सिंहतलः, सिंहतलः सानुसारे दन्त्याद्यस्तरादिमित्यन्ये ।
- (३) यद्वैजयन्ती काह "अङ्गीके मुष्टि मुस्तु द्वौ संयाहे मुचटिः खलोम्" इति । मुक्तवृत्तिः प्रमोटोरादिः बाहुलकात् किट्टिः मुष्टिः उग्रं मुचुटी । मुष्टिः पुं स्त्री, मुस्तः पुं स्त्री, मुचटो स्त्री, मचटी इत्यपि कश्चित् ॥
- (४) अङ्गलिः प्रणामार्थं मुकुलित हस्त युग्मोऽपि यथोक्तकारणम्ने "प्रतमेऽनुपेतस्ये प्राञ्जलिः पुष्पधन्वा" इति ॥
- (५) द्रव्यैश्वर्यानां धारणयोग्यं विकृतपादौ त्रीणि तल्लक्षणानिः पुं लीने, मुक्तः पुं स्त्री, खलः पुं ।
- (६) मध्यमांशुनि शूर्पारैभ्यो मध्ये पारे मध्ये अतस्तः शूर्पारैभ्यो मध्ये मध्यमांशुनि तल्लक्षणानिः पुं लीने, मुक्तः पुं स्त्री, खलः पुं ।
- (७) रक्षिः पुं स्त्री, अरक्षिः पुं स्त्री ॥

व्यामं व्यायामं-अधोधां शिखरं वाच प्रसारितौ ॥  
 ऊर्ध्वीकृतभुजम्<sup>(१)</sup> प्राण्यगरनमं तु पौरुषम् ॥ २६४ ॥  
 (२) दध्न-इयमे-माका-सु-जाम्बादे-सक्त दुम्निते ।  
 रीटकः प्रथमं शः स्वात् एषं तु परमं तमोः ॥ २६५ ॥  
 पूर्वभाग उपस्थोऽङ्गं क्रोडं चत्सङ्गं इत्यपि ।  
 (१) क्रोडो रीके हृदयस्थाने वक्षोपत्सो भुजान्तरम् ॥ २६६ ॥  
 सानान्तरं हृत् हृदयं सनौ कुचौ प्रयोधरौ ।  
 उरोजौ च चुचुकन्तु सानात् एन्ते शिखां सुखाः ॥ २६७ ॥  
 तुन्दं तुन्दं गर्भं-कुचं पिचखडो नठरो-दरे ॥  
 कालखण्डं कालखण्डं कालेयं कालकं यजत् ॥ २६८ ॥

(१) भुजशब्दस्य पुं स्त्रीविभक्त्वात्, अत्र स्त्रीलिङ्गान्तेन भुजाशब्देन परिग्रहेण सहस्रद्वयः भुजा च प्राण्यस्य भुजापाथी ऊर्ध्वीकृतभुजा प्राण्यनरोमानं वस्य तत् कृति विग्रहः ।

(२) दध्नादिव स्त्रयः शब्दाः, प्रत्यया अपि जाम्बादेः परतो ये-जिताः सन्तः, तेन जाम्बादिना उन्मितं तत्त दुम्नितं तस्मिन् तत्त दुम्निते जान्वःदुम्निते वर्त्तत इत्यर्थः, यथा जानुप्रनाथनस्य जानुदध्नम् । जानुशब्दं २ जानुदध्नं २ । अलादिकमपि ष्वादिशब्दात् पुद्वय दध्न-मित्यादि । स्त्रियं जानुदध्नो जानुदध्नी जानुमाथी ॥

(१) क्रोडं क्रोडपि यदाह शौकः "स्त्री नपुंसकयोः क्रोडा यद्यपि स्यात् किञ्चैव प्रमानं" "क्रोडे पीनपयोधरे षट्पदशः कः श्लोडितं नेषति" इति । सनदन्तम् । सनशिखां २ सनसुखम् ३ ॥

(२) यजत् यजती यजन्ति । यज्जदौ यज्जपादुनापि यज्ज्यादि सूत्रेण य कन् ष्वादेशोऽपि यज्जते भवति तेन शिखीबा, यज्जवज्जते यज्जनि यज्जनि, सतीयैकवचने यजता यज्जा यज्जुय्यां यज्ज्यां यज्जिः, यज्जिः यज्ज्यां

दक्षयति संज्ञा (१) क्लोमि (२) क्लोमि तु रिक्तकर्मजः (३) क्लोमि  
 पुष्पसः (४) स्वाइव जीवा (५) क्लोमि तु पुरीतति (६) ॥२१६॥  
 रोमावली स्वेक्यता नामिः (७) क्लोमि तु नृद्विपिके ।  
 नामे रथो सुत्रपुटं वसिसेमैतश्चक्रे उप (८) ॥ ७॥  
 मधोऽवतन्नं विसन्नं मध्यमोऽय कटः (९) कटिः ।  
 श्रोत्रिः (१०) कलत्रं कटीरं काशीपट्टं क श्रुती ॥२०२॥  
 नितम्बा रोहो स्त्रीकथाः पञ्चा ज्ञघनं मघतः ।  
 त्रिकं वंशाधुस्त्यांशकूपकौ तु कुकुन्दरे (११) ॥२०२॥  
 पुत्तौ स्त्रिजौ (१२) कटिप्रोक्तौ वराङ्ग (१३) तु च्यति कुक्तिः ।

यकते यक्ते, पञ्चमीषद्योः यकतः यक्तः यक्तोः यकतोः यकतां यक्तां  
 यकति यक्ति यकन्ति यक्न्ति यकन्तु यक्न्तु ॥

- (१) क्लोमी क्लोमि क्लोमिनि ॥
- (२) दक्षयो इति पदम् इच्छादि वर्तते हृदयस्य दक्षिणे मार्गे क्लो-  
 दर्थो जलप्रारं क्लोम, क्लोमः सञ्जुक्तान्तः क्लोमन्तश्च इति केषाकियतं  
 क्लोमन्तः इत्यदिः पुष्पसः "कुकुन्दरे" इति भाषा ॥
- (३) क्लोमि क्लोमिनीः इति ॥
- (४) पुरोहम् पुरीति तु पुरीतति क्लो, वाच्यतिक् "क्लं पुरीतद  
 स्त्रिवा" इति पुं स्त्र्यन्तश्च ॥
- (५) कुकुन्दरे क्लो, भाष्यरिक् "कुकुन्दरे क्लोमन्तश्च क्लोमो जघन  
 क्लोमिनि" इति पुं स्त्र्यन्तश्च ॥
- (६) क्लोमि क्लोमि, क्लोमि क्लोमिनीः इति ॥
- (७) क्लोमि क्लोमिनीः इति ॥
- (८) क्लोमि क्लोमिनीः इति ॥
- (९) क्लोमि क्लोमिनीः इति ॥
- (१०) क्लोमि क्लोमिनीः इति ॥
- (११) क्लोमि क्लोमिनीः इति ॥
- (१२) क्लोमि क्लोमिनीः इति ॥
- (१३) क्लोमि क्लोमिनीः इति ॥

मगोऽपत्यमयो<sup>१</sup> बोनितः<sup>१</sup> कारान्मस्त्र<sup>१</sup> - रूपिके<sup>१</sup> (१) ॥२७२॥  
 स्त्रीविङ्ग<sup>१</sup> मघ पुंविङ्ग<sup>१</sup> मेहवः<sup>१</sup> शोपः<sup>१</sup> शोपसी<sup>१</sup> ॥  
 शिक<sup>१</sup> मेह<sup>१</sup> कामलता<sup>१</sup> लिङ्ग<sup>१</sup> च द्वय मध्यः<sup>१</sup> ॥२७४॥  
 गुह्य<sup>१</sup> - मजननो<sup>१</sup> - पस्या<sup>१</sup> (२) गुह्यमध्यं सुली<sup>१</sup> मणिः<sup>१</sup> ।  
 सीवनी<sup>१</sup> तदधः<sup>१</sup> सूत्रं स्या दण्डं<sup>१</sup> पेलं मरुदकः<sup>१</sup> ॥२७५॥  
 मुष्को<sup>१</sup> ऽण्डकोशो<sup>१</sup> ष्टषणो<sup>१</sup> ऽपाजं पावुं गुदं<sup>१</sup> च्युतिः<sup>१</sup> ।  
 अधोमर्म्म<sup>१</sup> शकृद्धारः<sup>१</sup> त्विमकीक<sup>१</sup> वुली<sup>१</sup> अपि ॥२७६॥  
 विटपं<sup>१</sup> तु सहाकीम्ये मक्षरा मुष्कवङ्गयाम्<sup>१</sup> (३) ।  
 ऊरुमन्वि वङ्गयः<sup>१</sup> स्यात् सक्थूरे<sup>१</sup> सस्य पर्वे तु ॥२७७॥  
 जानु नलकीलो<sup>१</sup> ऽडीवान्<sup>१</sup> पञ्चङ्गागो ऽस्य मन्दिरः<sup>१</sup> ।  
 कपोली<sup>१</sup> त्व ग्रिमो जङ्गा<sup>१</sup> प्रसूतारं नलकिन्व<sup>१</sup> पि ॥२७८॥  
 प्रतिजङ्गा<sup>१</sup> त्वग्रजङ्गारे पिण्डिका<sup>१</sup> तु पिचिण्डिकारं<sup>१</sup> ।  
 गुह्यं<sup>१</sup> स्तु चरणग्रन्थिरे घुटिको<sup>१</sup> घुण्टको<sup>१</sup> घुटः<sup>१</sup> ॥२७९॥  
 चरणः<sup>१</sup> क्रमणः<sup>१</sup> पादः<sup>१</sup> पदो<sup>१</sup> (४) ऽङ्घ्रि<sup>१</sup> अलनः<sup>१</sup> क्रमः<sup>१</sup> ।  
 पादमूलं गोहिरं<sup>१</sup> स्यात् पाण्डि<sup>१</sup> स्तु घुटयो रधः ॥२८०॥  
 पादागं<sup>१</sup> प्रपद्<sup>१</sup> चिमं<sup>१</sup> त्वङ्गुठा कुलिमध्यतः<sup>१</sup> (५) ।

(१) स्मरमन्दिरः । स्मररूपिका ६ ॥

(२) “उक्तं ह्यनुपस्थोत्कली” इति स्त्री वेद्याह वैजयन्ती ॥

(३) मुष्कवङ्गयमिह स्त्रीविङ्ग- द्वितीयेकवचनं तटाहु वागभटः  
 मुष्कवङ्गययोर्मध्ये विटपं घटतारकम्” इति ॥

(४) पद् पाद् पदो पादः । “पद् पादं त्रिचरकोटस्त्री” इति व्याहः ॥

(५) अंगुष्ठं अङ्गुष्ठं अङ्गुष्ठं अङ्गुष्ठं अङ्गुष्ठं अङ्गुष्ठं अङ्गुष्ठं अङ्गुष्ठं अङ्गुष्ठं अङ्गुष्ठं  
 य इति सप्तम्यर्थे तस्य प्रत्ययः ॥

ब्रह्मं जि प्रहो पथं त्विस्तम्भः<sup>१</sup> ब्रह्मधिरः<sup>२</sup> वने ॥२८१॥  
 तल्लहदयं तु तलं जध्ये पादतल्लस्य तत्त्वं ।  
 तिलकः<sup>३</sup> कालकः<sup>४</sup> पिबु<sup>५</sup> जटुं<sup>६</sup> शिलकालकः<sup>७</sup> ॥२८२॥  
 (२) रसा<sup>१</sup>-खन्<sup>२</sup>-मांस<sup>३</sup>-मेदो<sup>४</sup>, ट्यि<sup>५</sup>-मज्ज<sup>६</sup>-शुक्राणि<sup>७</sup> धातवः ।  
 समैव दश वैकेषां रोम<sup>८</sup>-वक्<sup>९</sup>-खायुभिः<sup>१०</sup> सङ्ग ॥२८३॥  
 रसं आहारतेजो<sup>१</sup> ऽग्निं सम्भवः<sup>२</sup> षड्भासवः<sup>३</sup> ।  
 आजेयो<sup>४</sup> ऽख्करो<sup>५</sup> धातु<sup>६</sup> घन-मूल-महा-परः<sup>(२)</sup> ॥२८४॥  
 रक्तं रधिरं मान्मेयं<sup>१</sup> विष्णं<sup>२</sup> तेजो<sup>३</sup>-भवे<sup>४</sup> रसात्<sup>(४)</sup> ।  
 शोणितं लोहितं<sup>१</sup> मख्ण<sup>२</sup>-वाशिष्टं<sup>३</sup> प्राग्दा<sup>४</sup> सुरे<sup>५</sup> ॥२८५॥  
 चतुर्णां मांसकार्या<sup>१</sup>; स<sup>२</sup> मांसं पल्लवं जङ्गले ।  
 रक्ता<sup>३</sup> मीजो<sup>४</sup>-भवे<sup>५</sup> क्रय्यं<sup>६</sup> काश्यपं<sup>७</sup> तरसा<sup>८</sup>-मिषे<sup>९</sup> ॥२८६॥  
 मेदस्तृत्<sup>१</sup>(०) पिशितं<sup>२</sup> कीनं<sup>३</sup> पल्लं<sup>४</sup> पेच्यं<sup>५</sup> सु<sup>(८)</sup> तल्लताः ।

(१) जह न इति पाटोपि । तिलकानोपि ॥

(२) धातुमानेकेकम् ॥

(३) घनधातुः २ मूलधातुः २ महाधातुरिति ॥

(४) रसतेजसी रसतेजांसि, रसतेजः । रसभवम् २ ।

(५) अख्ण अख्ण अख्जी अख्जि, प्रसादी दलपादनाफिके-  
 त्याटिना विकल्पेन असम् इत्यारिगे अखानि अख्जि, अख्जा अखा,  
 अमभ्याम् अख्मभ्याम्, अमभिः अख्मभिः, अख्जे अख्जे, अख्जः अख्जः,  
 अख्जीः अख्जीः, अख्जाम् अख्जाम्, अख्जिः अख्जिः अमभिः, अख्ण  
 अख्ण आ अखे इति वा पाठः ॥

(६) रसतेजसी रसतेजांसि, रसतेजः । रसभवम् २ ।

(७) मेदस्तृत् मेदस्तृत् ।

(८) सुतेजसरातोपि मेभिः मेभिः ।

बुक्का<sup>(१)</sup> इहो<sup>(२)</sup> इदयो<sup>(३)</sup> इका<sup>(४)</sup> इरसं<sup>(५)</sup> च तद्ग्रिमसु<sup>(६)</sup> को<sup>(७)</sup> ॥  
 शुक्लं वसु<sup>(८)</sup> इत्युत्तमं पुत्रा-दूष्ये पुनः सने ।  
 मेदो<sup>(९)</sup> इत्युत्तमं कपमं मांसान्तेजो<sup>(१०)</sup> जे<sup>(११)</sup> गीतमं वसा<sup>(१२)</sup> ॥ ८८ ॥  
 गोदं तु मसकखो<sup>(१३)</sup> मसिष्को<sup>(१४)</sup> मसु सुज्जकः<sup>(१५)</sup> ।  
 चास्य<sup>(१६)</sup> युक्तं भारद्वाजं मेदसो<sup>(१७)</sup> समञ्जसत् ॥ ८९ ॥  
 मांसपित्तं इत्युत्तमं कर्करो<sup>(१८)</sup> देहधारकम् ।  
 मेदो<sup>(१९)</sup> कीकसं<sup>(२०)</sup> सारं<sup>(२१)</sup> करोटिः<sup>(२२)</sup> शिरसोः<sup>(२३)</sup> स्यनि ॥ ९० ॥  
 कपालं-कर्मरौ<sup>(२४)</sup> तुल्यौ, षष्ठस्या<sup>(२५)</sup> स्यि क्रशेरका<sup>(२६)</sup> ।  
<sup>(२७)</sup> शाखास्यनि स्यात्कलकं प्राग्स्थि वङ्क्ति-पशुंके ॥ ९१ ॥  
 शरीरासि करकः<sup>(२८)</sup> स्यात् कङ्कालं मस्यिपञ्जरः<sup>(२९)</sup> ।

(१) बुक्का बुक्कानौ बुक्कनः, बुक्कभाषणे उचितक्रीत्यम् प्रत्ययः, क्लृप्त इत्यप्रत्यये बुक्का स्त्रियामाबलः पुङ्क्तिङ् इति गौडः, भागुरिङ् अप्रमांसं भवेद् बुक्कम् इति क्लीपमाह ॥

(२) इका स्त्रियामाबलः, इका पार्श्वगतौ रुको इति वैजयन्ती-कारः पुंस्वाह ॥

(३) मेदः क्ली, मेदशी मेदांसि ॥

(४) मांसतेजसो कंसतेजांसि । मांसतेजः । मांसजम् ॥

(५) करोटिः स्त्री, चतुर्थस्वरान्तोऽपि ।

(६) कर्मरौ कर्मर इत्यपि कर्मरेश्वर आह "कर्मरौ कान्ति प्रोक्तः कपमोऽपि च कर्मर" इति "कर्मरस्यकारे धूर्त्ते भिक्षुपाल कपमोऽपि" इति कर्मरौऽप्यहं महेश्वरः । कपालस्य रौ षटादीनां षष्ठोऽप्यकाराद् कर्मरेश्वरः "कपालं शिरसोऽस्य स्याद् षटादेः शक्ये नञे" इति ॥

(७) शाखास्य इत्योऽहं भुजापत्नीयः । इत्युत्तमं शीघरः "शाखास्यार वक्ष्ये वेदविधः गोप्यन्तिके भुजे" इति ॥

(१) मज्जा<sup>१</sup> तु क्रीडितः<sup>२</sup> शुभ्रकरो<sup>३</sup>ऽस्यः<sup>४</sup> खो<sup>५</sup> मज्जाद्वयो<sup>६</sup> (२) ॥२६२॥  
 शुक्रं<sup>१</sup> रेतो<sup>२</sup> (३) बलं<sup>३</sup> बीजं<sup>४</sup> वीर्यं<sup>५</sup> मज्जासङ्घस्य<sup>६</sup> क्वि  
 आनन्दप्रसक्तो<sup>१</sup> पुंश्च<sup>२</sup> भित्तिवै<sup>३</sup> भित्तिवर्जितम्<sup>४</sup> ॥२६३॥  
 पौरुषं<sup>१</sup> प्रधावधातु<sup>२</sup> शीमं<sup>३</sup> रोसं<sup>४</sup> तनू<sup>५</sup> कर्तु<sup>६</sup> ॥  
 त्वक्<sup>१</sup> क्वि<sup>२</sup> क्वि<sup>३</sup> क्वि<sup>४</sup> क्वि<sup>५</sup> क्वि<sup>६</sup> क्वि<sup>७</sup> क्वि<sup>८</sup> क्वि<sup>९</sup> क्वि<sup>१०</sup> क्वि<sup>११</sup> क्वि<sup>१२</sup> क्वि<sup>१३</sup> क्वि<sup>१४</sup> क्वि<sup>१५</sup> क्वि<sup>१६</sup> क्वि<sup>१७</sup> क्वि<sup>१८</sup> क्वि<sup>१९</sup> क्वि<sup>२०</sup> क्वि<sup>२१</sup> क्वि<sup>२२</sup> क्वि<sup>२३</sup> क्वि<sup>२४</sup> क्वि<sup>२५</sup> क्वि<sup>२६</sup> क्वि<sup>२७</sup> क्वि<sup>२८</sup> क्वि<sup>२९</sup> क्वि<sup>३०</sup> क्वि<sup>३१</sup> क्वि<sup>३२</sup> क्वि<sup>३३</sup> क्वि<sup>३४</sup> क्वि<sup>३५</sup> क्वि<sup>३६</sup> क्वि<sup>३७</sup> क्वि<sup>३८</sup> क्वि<sup>३९</sup> क्वि<sup>४०</sup> क्वि<sup>४१</sup> क्वि<sup>४२</sup> क्वि<sup>४३</sup> क्वि<sup>४४</sup> क्वि<sup>४५</sup> क्वि<sup>४६</sup> क्वि<sup>४७</sup> क्वि<sup>४८</sup> क्वि<sup>४९</sup> क्वि<sup>५०</sup> क्वि<sup>५१</sup> क्वि<sup>५२</sup> क्वि<sup>५३</sup> क्वि<sup>५४</sup> क्वि<sup>५५</sup> क्वि<sup>५६</sup> क्वि<sup>५७</sup> क्वि<sup>५८</sup> क्वि<sup>५९</sup> क्वि<sup>६०</sup> क्वि<sup>६१</sup> क्वि<sup>६२</sup> क्वि<sup>६३</sup> क्वि<sup>६४</sup> क्वि<sup>६५</sup> क्वि<sup>६६</sup> क्वि<sup>६७</sup> क्वि<sup>६८</sup> क्वि<sup>६९</sup> क्वि<sup>७०</sup> क्वि<sup>७१</sup> क्वि<sup>७२</sup> क्वि<sup>७३</sup> क्वि<sup>७४</sup> क्वि<sup>७५</sup> क्वि<sup>७६</sup> क्वि<sup>७७</sup> क्वि<sup>७८</sup> क्वि<sup>७९</sup> क्वि<sup>८०</sup> क्वि<sup>८१</sup> क्वि<sup>८२</sup> क्वि<sup>८३</sup> क्वि<sup>८४</sup> क्वि<sup>८५</sup> क्वि<sup>८६</sup> क्वि<sup>८७</sup> क्वि<sup>८८</sup> क्वि<sup>८९</sup> क्वि<sup>९०</sup> क्वि<sup>९१</sup> क्वि<sup>९२</sup> क्वि<sup>९३</sup> क्वि<sup>९४</sup> क्वि<sup>९५</sup> क्वि<sup>९६</sup> क्वि<sup>९७</sup> क्वि<sup>९८</sup> क्वि<sup>९९</sup> क्वि<sup>१००</sup>  
 वस्त्रसा<sup>१</sup> तु वस्त्रा<sup>२</sup> वस्त्रा<sup>३</sup> वस्त्रा<sup>४</sup> वस्त्रा<sup>५</sup> वस्त्रा<sup>६</sup> वस्त्रा<sup>७</sup> वस्त्रा<sup>८</sup> वस्त्रा<sup>९</sup> वस्त्रा<sup>१०</sup> वस्त्रा<sup>११</sup> वस्त्रा<sup>१२</sup> वस्त्रा<sup>१३</sup> वस्त्रा<sup>१४</sup> वस्त्रा<sup>१५</sup> वस्त्रा<sup>१६</sup> वस्त्रा<sup>१७</sup> वस्त्रा<sup>१८</sup> वस्त्रा<sup>१९</sup> वस्त्रा<sup>२०</sup> वस्त्रा<sup>२१</sup> वस्त्रा<sup>२२</sup> वस्त्रा<sup>२३</sup> वस्त्रा<sup>२४</sup> वस्त्रा<sup>२५</sup> वस्त्रा<sup>२६</sup> वस्त्रा<sup>२७</sup> वस्त्रा<sup>२८</sup> वस्त्रा<sup>२९</sup> वस्त्रा<sup>३०</sup> वस्त्रा<sup>३१</sup> वस्त्रा<sup>३२</sup> वस्त्रा<sup>३३</sup> वस्त्रा<sup>३४</sup> वस्त्रा<sup>३५</sup> वस्त्रा<sup>३६</sup> वस्त्रा<sup>३७</sup> वस्त्रा<sup>३८</sup> वस्त्रा<sup>३९</sup> वस्त्रा<sup>४०</sup> वस्त्रा<sup>४१</sup> वस्त्रा<sup>४२</sup> वस्त्रा<sup>४३</sup> वस्त्रा<sup>४४</sup> वस्त्रा<sup>४५</sup> वस्त्रा<sup>४६</sup> वस्त्रा<sup>४७</sup> वस्त्रा<sup>४८</sup> वस्त्रा<sup>४९</sup> वस्त्रा<sup>५०</sup> वस्त्रा<sup>५१</sup> वस्त्रा<sup>५२</sup> वस्त्रा<sup>५३</sup> वस्त्रा<sup>५४</sup> वस्त्रा<sup>५५</sup> वस्त्रा<sup>५६</sup> वस्त्रा<sup>५७</sup> वस्त्रा<sup>५८</sup> वस्त्रा<sup>५९</sup> वस्त्रा<sup>६०</sup> वस्त्रा<sup>६१</sup> वस्त्रा<sup>६२</sup> वस्त्रा<sup>६३</sup> वस्त्रा<sup>६४</sup> वस्त्रा<sup>६५</sup> वस्त्रा<sup>६६</sup> वस्त्रा<sup>६७</sup> वस्त्रा<sup>६८</sup> वस्त्रा<sup>६९</sup> वस्त्रा<sup>७०</sup> वस्त्रा<sup>७१</sup> वस्त्रा<sup>७२</sup> वस्त्रा<sup>७३</sup> वस्त्रा<sup>७४</sup> वस्त्रा<sup>७५</sup> वस्त्रा<sup>७६</sup> वस्त्रा<sup>७७</sup> वस्त्रा<sup>७८</sup> वस्त्रा<sup>७९</sup> वस्त्रा<sup>८०</sup> वस्त्रा<sup>८१</sup> वस्त्रा<sup>८२</sup> वस्त्रा<sup>८३</sup> वस्त्रा<sup>८४</sup> वस्त्रा<sup>८५</sup> वस्त्रा<sup>८६</sup> वस्त्रा<sup>८७</sup> वस्त्रा<sup>८८</sup> वस्त्रा<sup>८९</sup> वस्त्रा<sup>९०</sup> वस्त्रा<sup>९१</sup> वस्त्रा<sup>९२</sup> वस्त्रा<sup>९३</sup> वस्त्रा<sup>९४</sup> वस्त्रा<sup>९५</sup> वस्त्रा<sup>९६</sup> वस्त्रा<sup>९७</sup> वस्त्रा<sup>९८</sup> वस्त्रा<sup>९९</sup> वस्त्रा<sup>१००</sup>  
 कण्ठरा<sup>१</sup> तु महाका<sup>२</sup> नली<sup>३</sup> क्वि<sup>४</sup> (४) तद्विजम् ॥२६५॥  
 दूषीका<sup>१</sup> दूषिका<sup>२</sup> जैहं<sup>३</sup> कुकुका<sup>४</sup> पिपिका<sup>५</sup> पुनः ।  
 दन्तं<sup>१</sup> कार्शं<sup>२</sup> तु पिच्छूषा<sup>३</sup> शिङ्गायो<sup>४</sup> प्राणसन्धवः ॥२६६॥  
 ख्यीका<sup>१</sup> ख्यिनी<sup>२</sup> लाला<sup>३</sup>ऽस्यासवः<sup>४</sup> कफकूर्शिका<sup>५</sup> (५) ।  
 मूत्रं<sup>१</sup> वस्त्रिमलं<sup>२</sup> मेहः<sup>३</sup> प्रस्रावं<sup>४</sup> वृजलं<sup>५</sup> खवः<sup>६</sup> ॥२६७॥  
 मुष्मिका<sup>१</sup> तु लिङ्गमलं<sup>२</sup> विह<sup>३</sup> (६) विष्टा<sup>४</sup>ऽत्रस्करः<sup>५</sup> शकत्<sup>६</sup> ।  
 गूयं<sup>१</sup> पुरीषं<sup>२</sup> शमलो<sup>३</sup> च्चारी<sup>४</sup> वस्त्रस्का<sup>५</sup> - वस्त्रती<sup>६</sup> ॥२६८॥

(१) मज्जानौ मज्जानः, वाचस्पतिस्तु “चय मज्जाद्वयो” रिति  
 स्त्रियामप्याह, तदाभिदादित्वादङि मज्जा आवनः स्त्रीनिष्कः ॥  
 (२) अस्थिच्छेदः १ अस्थिसन्धवः २ अस्थितौ जौठपि ॥  
 (३) रेतसि रेतसि ॥  
 (४) “क्विं मलीढस्त्रिवा” नित्तमरः ॥  
 (५) खाल नामानि पञ्च ॥  
 (६) विट् स्त्री, विष्णो विष्णः, जैजसन्तीकास्तु “सङ्घेनो विट्  
 मना” रिति स्त्रीवेष्णाच्च तदा विष्णो वीष्णि। “विष्णो विष्णो स्त्रिवास्तु” इत्य-  
 मरः, विट् विष्णो विष्णः, शकती शकन्ति शसारी दन्तपाटनार्थिकेति  
 विकल्पेन शकन् आदेशे शकानि शकताः शकती अर्थश्च “शकत् शक-  
 नित्वादिति ॥

वेद्यो नेपथ्येण वाचसाकः ॥ परिश्रमोऽपि कृत्वा कृत्वा चिन्तयति ॥ १० ॥  
 उद्धर्तव्यं सुखादप्यसौ ॥ अहंकारो विक्षेपमकरो रियतः ॥  
 चञ्चलं समीक्षितं चक्षुः ॥ दृष्ट्वा जगत्सुखं पुनश्च ॥ ११ ॥  
 प्रसाधनं प्रति कश्चिन्नादि ॥ द्वाभ्यां चो नामो ॥ १२ ॥  
 (१) वासयोनेः सुखं सुखं ॥ अहंकारं ॥ अहंकारः ॥ १३ ॥  
 स्वमात्मादिना किं सुखं संस्कारः ॥ अस्मिन्निवासस्य ॥ १४ ॥  
 निर्वेशं उपभोगे इव स्थानं ॥ उपभोगेनाहंकारः ॥ १५ ॥  
 अर्पूरा-सुखं-कामोन्मत्तसूरी-वन्दन-इवै-राह-सौ-  
 साद्यत्त कर्तव्यं ॥ अहंकारोऽपि कृत्वा कृत्वा चिन्तयति ॥ १६ ॥  
 वन्दन-सुखं-अहंकारं-कुर्वन्ने-सु-चतुः-पञ्चमे ॥ १७ ॥  
 (२) अहंकारं-अहंकारो-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-  
 अनाद्यं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-  
 कालाग्नौ-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-  
 गन्धमाहो-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-  
 तलपर्याक-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-  
 कुचन्दने-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-

- (१) अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-  
 (२) अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-  
 (३) अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-  
 (४) अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-  
 (५) अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-अहंकारं-  
 निधाय तस्य विशेषं सत्त्वात् तद्विशेषस्य नामान्तरान्यहमेत्यादि ॥



जातिबोधिं जातिबलिं कर्तुं रोहिं कर्तुं कर्तुं कर्तुं  
 वनसारः २ विजयः ३ च पञ्चोः ४ च वनसारः ५ ॥ १०० ॥  
 वननाभिं वननाभः ६ वननाभः ७ वननाभः ८ वननाभः ९  
 नाशरीरजन्तुं वृक्षणं वरुणं लोहितवर्णं १० ॥ १०१ ॥  
 वाह्नीकं कुङ्कुमं वक्रिं शकं कालेयं ११ ॥ १०२ ॥  
 सङ्कोषपिङ्गुमं रत्नीं श्रीरं श्रीरं श्रीरं श्रीरं १२ ॥ १०३ ॥  
 लवङ्गं देवकुसुमं श्रीसंक्षं मथः कोषकम् १३ ॥  
 ककोलकं श्रीशकं कालीयकं तु चापकम् १४ ॥ १०४ ॥  
 यक्षधूपो वक्रधूपः १५ वक्रधूपे टोः विजयः १६ ॥  
 सर्जमणिः १७ वरुणधूपो रत्नः १८ सर्वधूपो १९ मि २० ॥ १०५ ॥  
 धूपो वक्रात् लज्जितः २१ तु वक्रः २२ विजयः २३ ॥  
 पावकं सु वक्रधूपः श्रीनामः २४ वक्रधूपः २५ ॥ १०६ ॥  
 स्यानात् स्यानात्तरं नष्टं नूरो गन्धमिश्रापिकाः ।  
 स्यासत् सु वक्रधूपः मन्त्रधूपः सु मन्त्रधूपः २६ ॥ १०७ ॥  
 परिष्कारः मरुतः २७ वक्रधूपः श्रीरोमणिः २८ ॥  
 नायकं वरुणो वाशात्मनि सु कुटुं पुनः २९ ॥ १०८ ॥  
 मौलिः ३० श्रीरीटं कोटीरं सु खीषं ३१ पुष्पदास तु ।  
 मूर्ध्नि माल्यं भातां सु धूपं गन्धकः ३२ केशमधुनम् ३३ ॥ १०९ ॥  
 प्रथमं शिखालम्बि पुरोव्यसं ललासकम् ।  
 तिर्ध्वं धूपसि वै कर्षं प्रासज्यं मन्त्रधूपं यत् ३४ ॥ ११० ॥

(१) कावकम् इति कावकाः ॥ १०० ॥  
 (२) इ धूपः १ कलिधूपः २ ॥ १०१ ॥

सन्धर्भौ रत्नपत्रे सुकर्मैः सन्धर्भः सन्धर्भः सन्धर्भः ।  
 तिलकेः तिलकात् तिलकः तिलकः तिलकः ॥२१०॥  
 चापीडः-श्रेयसोः-श्रेयसाः-श्रेयसाः श्रेयसाः श्रेयसाः ।  
 उत्तरौ कर्मपूरे इति (१) पत्रलेखनं तु वक्तव्यः ॥२१८॥  
 भक्तिः-वक्तिः-वक्ता-वक्तुः (२) वक्ता-वक्ता-वक्ता ।  
 वाक्पाशाः-पाशित्वाः-कर्षिताः-कर्षिताः कर्षिताः ॥२१९॥  
 ताडः-ताडः-ताडः-ताडः-ताडः-ताडः ।  
 उत्पत्तिः-उत्पत्तिः-उत्पत्तिः-उत्पत्तिः-उत्पत्तिः ॥२२०॥  
 प्रवेयकं-कण्ठभूय-संस्कारा-संस्काराः ।  
 प्रालम्बिका-लता-हेम्बो-रसू-तिका-तु-मौक्तिकैः ॥२२१॥  
 चारो-सुतातः-प्रालम्ब-सू-क- (१)-कलापा-कला-कला ।  
 देवच्छन्दः-शतं-बाटं-लिच्छन्दः-सहस्रकम् ॥२२२॥  
 तदर्थं-विचयच्छन्दो-चार-स्व-टीकारं-शतम् ।  
 अर्थ-रश्मि-कला-पते-स-दक्ष-श-त्व-कला-पतेः ॥२२३॥

(१) कर्मपूरः इत्युक्तं कर्मपूरः इत्युक्तं उत्तरस्यापि उत्तं  
 वातंभौ वक्तापूरः कर्मपूरः इत्युक्तं तद्योक्तं वातंभौ इति ।  
 यतंकोटिम् ।

(२) क्लोषां कपोलादिषु कक्षरिकादिभि र्यद्वचनं, पत्रपरः पत्र-  
 भक्तिः इत्युक्तं २ पत्रचता २ पत्रांशु-नीः इत्युक्तं पत्रपत्रो-  
 त्यादयोऽपि वक्तापूरः "भुजशिवर-सन्धर्भ-कपोलकच्छेपु-विर-  
 चित्वाकृशसैः अनुलेपनेन लेखा-निगद्यते-पत्रवल्लीति" ।

(३) कलापा-कला-पते-स-दक्ष-श-त्व-कला-पतेः २ सुताकलापः २ सुतापकी-  
 सुतापता ५ ।

द्विवा दशाः प्रकृत्यः। स्यात् पञ्चमरकलाः। सप्तमः  
 अर्द्धदशः। अतः पञ्चमः पञ्चमः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 अपि गोखरः। अर्द्धदशः अर्द्धमः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 इति चारुः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 कश्चित् कश्चित्। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।

केयूरः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 कटकोः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 हस्तदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 सा साधरा। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।

कलापः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 सा अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 नूपुरः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 मञ्जरीः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।

सिचयोः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 पटः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 पत्रोः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 तत् स्यात्। अर्द्धदशः अर्द्धदशः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 त्वक्-फल-कृमि-रोमभ्यः सम्भवात्। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।

(१) पादकः। अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 (२) अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 (३) अर्द्धदशः अर्द्धदशः।  
 (४) अर्द्धदशः अर्द्धदशः।

धीमं वासीधे-कीयेवं-रुद्रवदि-विभेदम् ॥ १०५ ॥  
 (१) धीमं इन्द्रके इन्द्रके-सा वासीधे-तु वादरम् ॥ १०५ ॥  
 कीयेवं (२) कर्मिणीयोत्सवं-राक्षसं-कनरोसजम्-।  
 कण्डकः (१) पुन-कषीरु-दानिको-रभ-रुद्रकाः ॥ १०५ ॥  
 नवं वासी (जायते) सा-सम्भवं-निम्प्रवाणि-च ॥  
 प्रच्छ-इने-प्रावरुवं-संख्याने-चोत्तरीयकम् ॥ १०५ ॥  
 वैकषे-प्रावरु-नारासङ्घौ-दृष्टिका ॥ १०५ ॥  
 नरादिः-सूक्तप्रदाः-सात्-परिधानं-त्वधे-शुकम् ॥ १०५ ॥  
 सन्तरीयं-निवसन्-सुपसंख्यान-मित्पि ।  
 तदुत्पत्ति-रुद्रयो-नीवी-वरुद्रप्रदो-वका-शुकम् ॥ १०५ ॥  
 चच्छातकं-चलनके-चलनी-ति तरुस्त्रियाः ।  
 चोक्तः-कसुक्तिका-शुपीयको-ऽङ्किका-च कसुके ॥ १०५ ॥  
 शाटी-चोक्त-च नीशारो-इमवात्सपहा-शुके ।  
 कच्छ-कच्छाटिका-<sup>(१)</sup>कच्छा-परिधाना-परासले ॥ १०५ ॥  
 कक्षापट-सु-कौपीने-समी-नरुक्त-कर्णटौरे ।  
 निचोक्तः-प्रच्छदप्रदो-निचुक्त-चो-नरच्छदः ॥ १०५ ॥

(१) "वासीधे-कीयेवं" इत्यमरः; सुनादतवी वस्यस्य-स्यो जातम्  
 आदिप्रदाव-भावादीति चीरकामी, भावुं गण निम्प्रवं शायं टाट इति  
 मविष्णुः । धीमं इन्द्रके इन्द्रके-संख्यायस्यनाकी अपि ।  
 (२) पट्टोपि कीयेवनाची पट्टमदस्य-पुंसपुत्र-निम्प्र-विष्णु  
 यावन् दीया ।  
 (३) कसुके-सु-की, तिवा-कसुकी-नदीपत् ।  
 (४) कसुके-सु-की, तिवा-कसुकी-नदीपत् ।

कस्यवेपु सुहृद्भिर्न्यहकादाहव्य म्भृति ।

वस्त्रमास्त्रादि तत् पुर्या पात्रं पूर्या नकं च तत् ॥३४२॥

तत् स्याद्वा प्रपदं तु ध्याप्नोत्याप्रपदं हि यत् ।

(१) चीवरं भिक्षुसङ्घाटो जीर्णवस्त्रं पटञ्चरम् ॥३४२॥

प्राची गोची त्रिद्वस्त्रे जलाद्रां क्लिन्ववासि ।

पर्यस्त्रिकारे परिकरः पर्यङ्कः सावसक्यिका ॥३४३॥

(२) कुशो वर्णः परिसोमः प्रवेणी-नवता-स्रराः ।

अपटी काण्डपटः स्यात् प्रतिरीराजवन्धपि (३) ॥३४४॥

तिरस्त्ररिण्डयो ज्ञोचो वितानं कदकोऽपि च ।

चन्द्रोदये (४) स्यलं दूष्ये केणिका पटकुञ्चपि ॥३४५॥

शुणालयनिकायां स्यात् संसार-स्रसारौ समौ (५) ।

तल्पं शय्यः शयनीयं शयनं तल्लिमं (६) च तत् ॥३४६॥

मञ्च-मञ्चक-पर्यङ्क-पत्यङ्का खड्गया समाः ।

उच्छीर्षका सुपा हान-बहोः पालो पतद्व्यहः ॥३४७॥

प्रतिग्राहो (७) सुकुरा-लटशर-दशरौ सु दर्पणे ।

(१) ह पुनिजनाच्छादनस्य ।

(२) सामान्येन गजाद्युपरि समाभूमौ वा आचरणस्य "जुल-  
काजिम" इति भाषा ।

(३) यवनिकापि । पक्षं प्रच्छादनपटे "परदा" इति यस्य  
प्रसिद्धिः ।

(४) वस्त्रवृत्तस्य ।

(५) मञ्चवाटिर्द्विजतशय्या ।

(६) तल्लिमम् इति वा ।

(७) मञ्चरोपि ।

सा वीणासक्तः भासन्तीः<sup>(१)</sup> विहरः पीठे मासनात्<sup>२</sup> ॥२४८॥  
 कथिपुः भोजनाच्छादा वीथीरं शयनासने ॥  
 लाजाः दुस्मानयोः राजाः रङ्गमाता<sup>३</sup> पलङ्कषा<sup>४</sup> ॥२४९॥  
 अतुं चतुष्पा<sup>५</sup> क्षमिजा<sup>६</sup> यावाः लक्ष्मी तु तद्रसः ।  
 अन्नं कञ्जलं दीपः<sup>७</sup> प्रदीपः<sup>८</sup> कञ्जलध्वजः<sup>९</sup> ॥२५०॥  
 खेडप्रिया<sup>१०</sup> मृदङ्गमणि<sup>११</sup> दंशाकर्षी<sup>१२</sup> दशेन्धनः<sup>१३</sup> ।  
 व्यजनं ताञ्जटन्तं<sup>१४</sup> तत् धवितं<sup>१५</sup> सगवर्ष्याः ॥२५१॥  
 आलावर्तं तु वस्त्रस्य कङ्कतिः<sup>१६</sup> केशमार्जनः<sup>१७</sup> ।  
 प्रसाधनं खाद्य बालक्रीडनके<sup>१८</sup> सुडो गिरिः<sup>१९</sup> ॥२५२॥  
 गिरियको<sup>२०</sup> गिरिगुडः<sup>२१</sup> समौ कन्दुक-गेन्दुकौ<sup>२२</sup> ।  
 राजा राट्<sup>२३</sup> पृथिवीशक्र-मध्यलोकेश-भूभतः<sup>२४</sup> ॥२५३॥  
 महीचिन्त<sup>२५</sup> पार्थिवो<sup>२६</sup> मूर्धाभिषिक्तो<sup>२७</sup> भूपजा-नृपः<sup>(२)</sup> ।  
 (३) सधमो मण्डलाधीशः<sup>२८</sup> सस्नाटु शास्त्रियो नृपान् ॥२५४॥  
 (४) यः सर्वमण्डलस्येशो राजसूर्यं<sup>(५)</sup> च योऽयजत् ।  
 चक्रवर्ती सार्वभौमो स्तोतु<sup>(६)</sup> द्वादश भारते ॥२५५॥  
 आर्षभिर्भरते सत्र सगरं सु सुमित्रभूः<sup>२</sup> ।

(१) भासन्तीः स्त्री पुल्लिङ्गः इति कृत्वायुधटीका "कहत" इत्यपि ॥

(२) भूपः, प्रजापः, नृपः वीगिकृत्वात् भूपान्तः, लोकपालः नर-  
 पाण्ड इत्यादयः ॥

(३) अथेतमसन्नाकापेक्षया सामान्यः ॥

(४) द्वादश राजचक्रस्य ॥

(५) राजसूर्यः इत्येवम् ॥

(६) तैत्तिरि आर्षभ्यः या अद्वादशपर्यन्ता द्वादश ॥

(१) मधवा<sup>१</sup> वैजयि<sup>२</sup> रत्ना<sup>३</sup> श्वेतमदपनन्दनः<sup>४</sup> ॥ २५६ ॥  
 सनतकुमारो<sup>५</sup> ऽथ<sup>(२)</sup> शान्तिः<sup>६</sup> कुन्द<sup>७</sup> ररो<sup>८</sup> जिना<sup>९</sup> चर्चि ।  
 कृष्ण<sup>१०</sup> सु कार्त्तनीर्षः<sup>११</sup> पद्मः<sup>१२</sup> पद्मोत्तरात्मजः<sup>१३</sup> ॥ २५७ ॥  
 हरिषेणो<sup>१४</sup> हरिसुतो<sup>१५</sup> जयो<sup>१६</sup> विजयनन्दनः<sup>१७</sup> ।  
 ब्रह्मरुद्र<sup>१८</sup> ब्रह्मरत्नः<sup>१९</sup> सर्वे पीप्साकुवंशजाः ॥ २५८ ॥  
 प्राजापत्य<sup>२०</sup> खिष्टो<sup>२१</sup> ऽथ<sup>(२)</sup> द्विष्टो<sup>२२</sup> ब्रह्मसम्भनः<sup>२३</sup> ।  
 स्वसन्धु<sup>२४</sup> वदृतनयः<sup>२५</sup> सोमभूः<sup>२६</sup> पुरुषोत्तमः ॥ २५९ ॥  
 शैवः<sup>२७</sup> पुरुषसिंहो<sup>२८</sup> ऽथ महाशिरस्सुक्रवः<sup>२९</sup> ।  
 स्यात् पुरुषपुण्डरीको<sup>३०</sup> दत्तो<sup>३१</sup> ऽग्निविंहनन्दनः<sup>३२</sup> ॥ २६० ॥  
 (४) नारायणो<sup>३३</sup> दाशरथिः<sup>३४</sup> कृष्ण<sup>३५</sup> सु वसुदेवभूः<sup>३६</sup> ।  
 वासुदेवा<sup>३७</sup> अमी<sup>(५)</sup> कृष्णा नवशुक्ला बला<sup>३८</sup> स्व मी<sup>(६)</sup> ॥ २६१ ॥  
 (७) अचलो<sup>३९</sup> विजयो<sup>४०</sup> मद्रः<sup>४१</sup> सुप्रभ<sup>४२</sup> च सुदर्शनः<sup>४३</sup> ।

(१) मधवानौ मधवानः ॥  
 (२) जिन चक्रवर्ति नामैकम् ॥  
 (३) त्रयोवंश्याः पृष्ठे पश्चिमप्रदेशेऽस्य त्रिष्टुभः त्रिष्टुभ्याश्चक्रवर्ति  
 चक्रवर्तिनः द्वौ वंशौ पृष्ठे पश्चिमप्रदेशेऽस्य द्विष्टुभः प्राक्पाण्डिवादिः ॥  
 (४) यत्सेण वासुदे सर्वे नीलावलाह सुक्लिषयेति एतेषां च वासु  
 देव वसुदेवानाम् अष्टानां गोतमगोत्रं नारायणपुत्रोऽस्य काश्यपगोत्रं  
 क्रौञ्च वदावशकसूत्रं वसुदेव वासुदेवा अद्देवयजुन्वि गोतमः सशुक्ला-  
 नारायणपोमापुण कासवसुक्ता सुषोदय्या ॥  
 (५) अमीपूर्वोक्ताः प्राजापत्याद्याः कृष्णाश्च वासुदेवाः कृष्णान्  
 कृष्णावर्णेन ख्याताः ॥  
 (६) अमी वक्ष्यमाणाः नवेत्यत्रापि चत्वार्येति कृष्णसंज्ञेयाः पुत्राः  
 कथं च वक्ष्याः ॥ (७) एकैकम् ॥

आनन्दो नन्दः पद्मो दामो विष्णुद्विजः कर्मा (१) ॥ १३ ॥  
 (२) अर्जुनीयं सारकं च मेरुको मधुरं च पद्मम् ॥  
 निशुक्लं-वर्णं प्रह्लादं-लक्ष्मणं-मगधेश्वरः ॥ १४ ॥  
 (३) जिनेः सह विमटिः स्युः शशाङ्कापुरवाः अमी ।  
 आदिराजः द्युर्वैद्यो नाम्नाता (४) सुवनाखनः ॥ १५ ॥  
 धुन्वुमारः कुवकाश्वो हरिचन्द्रः स्त्रियंकुजः ।  
 (५) पुष्करवाः शौचं ऐलं ऊर्ध्वशीरमयं च यः ॥ १६ ॥  
 दौष्यन्ति संरतः सखीन्दमः शकुन्तलात्मजः ।  
 हेहयंशु कार्त्तवीर्यो दोषुहसम् दर्जुनः ॥ १७ ॥  
 कौशल्यानन्दो दाशरथी रामोऽख तु प्रिया ।  
 वेदेही मैथिली सीता जानकी धरणीसुता ॥ १८ ॥

(१) अमी वक्ष्यमाणा अश्वीवाटवो नव विष्णुनां प्राजापत्यादीनां वासुदेवानां वधक्रमं द्विजः प्रतिपद्याः ॥

(२) एकैकम् ॥

(३) उपसंसारताह जिनेरिति जिनेसीर्षहर अश्वमादिभिषट-  
 विंशत्या सह लोचिना अमी मरुतादवो द्वादश चक्रवर्तिनः-प्राजापत्या-  
 दवो नव प्राजापत्याः अर्जुनादवो नव वसुदेवाः-अश्वीवाद्या नव प्रति-  
 वासुदेवाद्येति चर्जे प्रणिता विमटिः स्युः ते च शशाङ्का पुरवाः पुष्क-  
 रवो जायिकियेकादशवैः ॥

(४) नाम्नातारौ नाम्नातारः, एते नाम्नाटप्रमुखाः षट्कोटि-  
 चक्रवर्तिनः प्रसिद्धाः । वदाह "नाम्नाताः १ धुन्वुमारश्च २ हरिचन्द्रः ३  
 पुष्करवम ४ अर्जुनः ५ कार्त्तवीर्यश्च ६ वसुदेवो चक्रवर्तिनः ॥"

(५) पुष्करवाः पुष्करवती पुष्करवतः ॥



रामपुत्री कुश-सखा<sup>(१)</sup> त्रिकयोत्था कुशीवती ।  
 यौमित्रि-संज्ञको<sup>(२)</sup> वाकी<sup>(३)</sup> वाति<sup>(४)</sup> रिश्रुत<sup>(५)</sup> कः<sup>(६)</sup> ॥२५॥  
 वादितकपुः<sup>(७)</sup> सुग्रीवो<sup>(८)</sup> उगुमान्<sup>(९)</sup> वल्लककूटः<sup>(१०)</sup> ।  
 मावति<sup>(११)</sup> केवारसुत<sup>(१२)</sup> वासनेयो<sup>(१३)</sup> ऽर्जुनध्वजः<sup>(१४)</sup> ॥२६॥  
 यौकल्यो<sup>(१५)</sup> रावणो<sup>(१६)</sup> रघो<sup>(१७)</sup>-लक्ष्मणो<sup>(१८)</sup> दशमन्वरः<sup>(१९)</sup> ।  
 रावणः<sup>(२०)</sup> शक्रजि<sup>(२१)</sup>कोवनादो<sup>(२२)</sup> मन्दोदरीसुतः<sup>(२३)</sup> ॥२७॥  
 अनातशानुः<sup>(२४)</sup> शल्यारि<sup>(२५)</sup> र्धन्वीपुत्रा<sup>(२६)</sup> वृषिष्ठिरः<sup>(२७)</sup> ।  
 कङ्को<sup>(२८)</sup> ऽजमीढो<sup>(२९)</sup> भीम<sup>(३०)</sup>सु महत्पुत्रो<sup>(३१)</sup> द्रकोदरः<sup>(३२)</sup> ॥२७॥  
 किर्त्तोर<sup>(३३)</sup> कीचक-वक-द्विद्विज्जानां निरूदनः<sup>(३४)</sup> ।  
 अर्जुनः<sup>(३५)</sup> पाहगुनः<sup>(३६)</sup> पार्थः<sup>(३७)</sup> सव्यसार्थः<sup>(३८)</sup> धकञ्जयः<sup>(३९)</sup> ॥२७॥  
 राधाकेभी<sup>(४०)</sup> किरीटो<sup>(४१)</sup> निरू<sup>(४२)</sup> निष्णु<sup>(४३)</sup> ऽश्वेतथयो<sup>(४४)</sup> नरः<sup>(४५)</sup> ॥

(१) कुशीकवाविति राजदत्तादित्यात् माधु ।

(२) वाकी, वाकिनौ, वाकिनः, वदलः ।

(३) वाकी वाकयः, हरिशब्दवत् ।

(४) दशरथः १ वल्लुगः २ ।

(५) अजा शिवार्चिका यथा कीडाः किल्लाः अनेन अजमीडा ।

अजमीडोपि अज्ञानवत् "वेत्ताः शिता वदन्तुभोवितभजमीडः इति" अजमीड, ये वधिष्ठिरः इति तद्गीका ।

(६) किर्त्तोरनिरूदनः, कीचकनिरूदनः, वकनिरूदनः, द्विद्विज्जान-निरूदनः ।

(७) सव्यसाचिनी सव्यसाचिनः ।

(८) राधा वैश्वसिरोमीनिष्ठाति, राधाकेभीमी राधाकेचिनः ।

(९) किरीटनी किरीटिका ।

दृष्टवती<sup>(१)</sup> सुहाकेतुः<sup>(२)</sup> सुमद्रेयः<sup>(३)</sup> अपिधनः<sup>(४)</sup> ॥३७॥  
 वीरभङ्गः<sup>(५)</sup> कर्णजि<sup>(६)</sup> तस्य नखलीव<sup>(७)</sup> नाण्डिकं धनुः<sup>(८)</sup> ॥३८॥  
 पाशालो<sup>(९)</sup> द्वीपदी<sup>(१०)</sup> कृष्णा<sup>(११)</sup> वीरन्वी<sup>(१२)</sup> नित्ययौवना<sup>(१३)</sup> ॥३९॥  
 वेदिजा<sup>(१४)</sup> वासुसेनी<sup>(१५)</sup> च कर्ण<sup>(१६)</sup> सम्पाधिपो<sup>(१७)</sup> ऽकराट<sup>(१८)</sup> ।  
 राधा<sup>(१९)</sup> -सूता-क<sup>(२०)</sup> -तनयः<sup>(२१)</sup> कालघट<sup>(२२)</sup> तु तद्वनुः<sup>(२३)</sup> ॥४०॥  
 (२) श्रेणिक<sup>(२४)</sup> सु भस्मासारो<sup>(२५)</sup> हास<sup>(२६)</sup> स्थात् सातवाहनः<sup>(२७)</sup> ।  
 कुमारपाक<sup>(२८)</sup> शीलुक्को<sup>(२९)</sup> राजर्षिः<sup>(३०)</sup> परमार्हतः<sup>(३१)</sup> ॥४१॥  
 मृतस्यभोक्ता<sup>(३२)</sup> धर्मात्मा<sup>(३३)</sup> मारिव्यसनवारकः<sup>(३४)</sup> ।  
 राजवीजि<sup>(३५)</sup> (५) राजवंशौ<sup>(३६)</sup> वीर्य<sup>(३७)</sup> -वंशौ<sup>(३८)</sup> तु वंशजे ॥४२॥  
 स्वाम्य<sup>(३९)</sup> मातुः<sup>(४०)</sup> सुहृत्<sup>(४१)</sup> कोशो<sup>(४२)</sup> राष्ट्र<sup>(४३)</sup> -दुर्ग<sup>(४४)</sup> -प्रणानि<sup>(४५)</sup> च ।  
 (६) राज्याङ्गानि प्रकृतयः<sup>(४६)</sup> (७) पौराणा<sup>(४७)</sup> श्रेणयो ऽपि च ॥४३॥  
 तन्म<sup>(४८)</sup> स्मराङ्गविका<sup>(४९)</sup> स्थादानाप<sup>(५०)</sup> स्व रिचिन्तनम् ।

(१) दृष्टवती नटवेति दृष्टवटः, विराट्स्टडे कृष्णा नाया-  
 चार्थोऽपि वभूदिति प्रसिद्धिः ॥

(२) राधातनयः सूततनयः अर्कतनयः ॥

(३) राजाधिभंगानाम् ॥

(४) इन्द्ररातिङ्गदयं हासः ज्वादिवाचः, हासं दत्तं पुनं  
 वाहनसूत्र सातवाहनः सासराहन इत्यपि ॥

(५) राजवीजिनी राजवीजिनः ॥

(६) स्वामी प्रभुः, स्वाम्यो मन्त्री, सुहृत् मित्रम् । कोशो  
 भाषणानादः, राष्ट्रं जनपदः, दुर्गं कोटः (कोटमङ्ग इत्यादि भाषा)  
 मङ्गं शैलम् । राज्याङ्गानाङ्गैकं शैलम् ॥

(७) राज्याङ्गानाङ्गैकं शैलम् । पौराणा इतिः प्रकृतयः सूताः इति  
 मादिवाचः ॥

परिच्छेदः<sup>१</sup> परिवारः<sup>२</sup> परिवारः<sup>३</sup> परिवारः<sup>४</sup> ॥१७२॥  
 परिच्छेदः<sup>५</sup> परिवारः<sup>६</sup> सन्तो<sup>७</sup> प्रवरणे<sup>८</sup> सकि ।  
 राजशिव्या<sup>९</sup> अश्विन्या<sup>१०</sup> भद्रासनं उपासनम् ॥१८०॥  
 सिंहासनं तु तत् स्रमं<sup>(१)</sup> जनं मातृपुत्रकम् ।  
 चामरं<sup>२</sup> बाह्वज्वलनं<sup>३</sup> रोमशुभ्रः<sup>४</sup> प्रकीर्णकम् ॥१८१॥  
 स्थनी<sup>५</sup> ताञ्जलकरणी<sup>६</sup> भङ्गारः<sup>७</sup> जनकालुकाः ।  
 भद्रकुम्भः<sup>८</sup> पूर्वकुम्भः<sup>९</sup> पादपीठं<sup>१०</sup> पदासनम् ॥१८२॥  
 धमालः<sup>१</sup> सचिवो<sup>२</sup> मन्त्री<sup>३</sup> धीसखः<sup>४</sup> सामवायिकः<sup>५</sup> ।  
 नियोगी<sup>६</sup> कर्मसचिवः<sup>७</sup> चायुक्तो<sup>८</sup> व्याघतः<sup>९</sup> खसः<sup>१०</sup> ॥१८३॥  
 द्रष्टा<sup>१</sup> तु व्यवहाराणां प्राङ् विवाको<sup>२</sup> ऽक्षदर्शकः<sup>३</sup> ।  
 महाभावाः<sup>४</sup> प्रधानानि<sup>(२)</sup> पुरोधसु<sup>५</sup> पुरोहितः<sup>६</sup> ॥१८४॥  
 सौवर्णिको<sup>१</sup> ऽथ द्वारस्थः<sup>२</sup> चत्तः<sup>३</sup> स्वात् द्वारपालकः<sup>४</sup> ।  
 सौवर्णिकः<sup>५</sup> प्रतोहारो<sup>६</sup> वेतुर्<sup>७</sup> त्वारकः<sup>८</sup> दण्डिनः<sup>९</sup> ॥१८५॥  
 (१) रश्मिर्गणं ऽनोकस्थः<sup>१</sup> सादध्यक्षा<sup>२</sup> धिक्कतो<sup>३</sup> समौ ।  
 पौरोगवः<sup>४</sup> सूदाध्यक्षः<sup>५</sup> सूदस्त्रोदनिको<sup>६</sup> गुणः<sup>७</sup> ॥१८६॥  
 भक्तकारः<sup>८</sup> सुपकारः<sup>९</sup> सुपा<sup>१०</sup> रालिक<sup>११</sup> वल्लवाः<sup>१२</sup> ।  
 धौरिकः<sup>१</sup> जनकाध्यक्षो<sup>२</sup> सूयाध्यक्षः<sup>३</sup> सुनैष्णिकः<sup>४</sup> ॥१८७॥  
 स्थानाध्यक्षः<sup>५</sup> स्थानिकः<sup>६</sup> स्वात् शुक्लाध्यक्षो<sup>७</sup> सुशौष्णिकः<sup>८</sup> ।

(१) सौवर्णिकारो वैभक्तः ।

(२) प्रधानमन्त्रेण सौवर्णिकः "महाभावाः प्रधानं आदिति" इत्यादि ।

(३) सुपकारकस्य राजसचिवस्यैव कथं वा ।

(१) गुल्फाद्युः षट्पादिदेयं धर्माध्यक्षसु धार्मिकः ॥ ३८८ ॥  
 धर्माधिकारणीं चाय हृष्टाध्यक्षोऽधिकार्यिकः २ ।  
 चतुरङ्गवलाध्यक्षः सेनानीः दण्डनायकः ३ ॥ ३८९ ॥  
 स्यायुकोऽधिकृतो ग्रामे गोपोऽग्रामेषु भूरिषु ।  
 स्याता मन्तःपुराध्यक्षेऽन्तर्वाशिकाऽवरोधिको ३ ॥ ३९० ॥  
 शुडाम्तः स्या दन्तःपुरे मवरोधोऽवरोधनम् ४ (२) ।  
 सौविदम्लाः कञ्चुकिनः स्यापत्याः सौविदाः च ते ॥ ३९१ ॥  
 षण्ढेऽवर्षनरः २ शत्रौः प्रतिपक्षः २ परोः रिपुः ४ ।  
 श्राववः ५ प्रत्यवस्थाताऽप्रत्यमीको ७ अभियाः त्यऽरी ६ ॥ ३९२ ॥  
 दस्युः १ सपत्नो ११ सङ्घनो १२ विपक्षो १३  
 द्वेषी ४ द्विषन् ५ (१) वैर्यो १४ द्वितो १० जिघांसुः १५ ।  
 दुर्हृत् १६ परेः पत्यक २० (४) परिपत्न्यौ ११ द्विद २२  
 प्रत्यर्थ्य २३ मित्रा २४ वभिमात्य २५ राती २६ ॥ ३९३ ॥  
 वैरः १ विरोधो २ विद्वेषो ३ वयस्यः १ सवयाः २ (५) सुहृत् ३ ।

(१) "सं विचिन्त्य धनुर्दरानमं पीडितो दुहित गुल्फसंस्थवा" रति रघुः । गुल्फशब्दो विवाहाद्यवरादप्याह्यः वस्तुवाच्यपि यदाह अजयः "गुल्फो घट्टे विवाहाद्यवरादप्याह्ये च वस्तुनि" महेन्द्रोपि "गुल्फं षट्पादिदेयेत्याख्यानात् नन्वेषि च" वन्वको विवाहाद्यवरादप्याह्यं धनकितिं वङ्गीका । "षट्पादिदेयं गुल्फोऽस्ती" इत्यमरोपि ॥

- (१) अन्तर्वाशिकास्य, हिन्दिभावाय "महत्" इति ख्यातस्य ॥
- (२) द्विषन्तौ द्विषन्तः ॥
- (४) परिपत्न्यौ परिपत्न्यः, परिपत्न्यकः १ परिपत्नी २ ।
- 'पयुष्मता' मर्यादाः अन्तर्गतः ॥
- (५) मर्यादाः अन्तर्गतः, सुहृदौ सुहृदः ॥

स्त्रियः<sup>१</sup> सुहृत्सरो<sup>२</sup> मित्तं<sup>३</sup> सखा<sup>४</sup> सख्यं<sup>५</sup> तु श्रीहृत्सु<sup>६</sup> ॥२८४॥

श्रीहृत्सु<sup>७</sup> साप्तपदीन<sup>८</sup>-मैत्रु<sup>९</sup> (१) ज्योतिषि<sup>१०</sup> सुहृत्सु<sup>११</sup> ।

आनन्दनं<sup>१२</sup> त्वं प्रच्छन्नं<sup>१३</sup> स्यात् सभाजनं<sup>१४</sup> मित्तमपि ॥२८५॥

विषयानन्तरो राजा शत्रुं<sup>१५</sup> मित्तं<sup>१६</sup> मतः परम् ।

उदासीनः<sup>१७</sup> परतरः<sup>१८</sup> पाणिग्राह<sup>१९</sup> सु पृष्ठतः ॥२८६॥

असुवृत्तिं<sup>२०</sup> स्वसुरोधो<sup>२१</sup> हेरिको<sup>२२</sup> गूढपूरुषः<sup>२३</sup> ।

प्रणिधि<sup>२४</sup> र्यथाह्वर्णो<sup>२५</sup> स्वसर्पो<sup>२६</sup> मन्त्रविच्युरः<sup>२७</sup> ॥२८७॥

वाक्तायनः<sup>२८</sup> स्पृष्टश्चार<sup>२९</sup> आप्त-प्रत्ययितो<sup>३०</sup> समौ ।

सन्निधि<sup>३१</sup> (२) स्याद् गृहपति<sup>३२</sup> हृतः<sup>३३</sup> सन्देशहारकः ॥२८८॥

(२) सन्धि<sup>३४</sup>-विग्रह<sup>३५</sup>-यानान्या<sup>३६</sup> सन<sup>३७</sup> द्वैधा<sup>३८</sup>-अया<sup>३९</sup> अपि ।

मङ्गुणाः<sup>४०</sup> शक्तय<sup>४१</sup> स्त्रियः<sup>४२</sup> प्रभुत्वो<sup>४३</sup>-त्याह<sup>४४</sup>-सन्ध<sup>४५</sup>-जाः<sup>४६</sup> (४) ॥२८९॥

(५) साम<sup>४७</sup>-दानः<sup>४८</sup>-भेद<sup>४९</sup>-दण्डा<sup>५०</sup> उपायाः<sup>५१</sup> साम<sup>५२</sup> (६) सान्त्वनम् ।

उपजापः<sup>५३</sup> पुनर्भेदो<sup>५४</sup> दण्डः<sup>५५</sup> स्यात् साहसं<sup>५६</sup> दमः<sup>५७</sup> ॥२९०॥

प्राभृतं<sup>५८</sup> ठौकनं<sup>५९</sup> लञ्चो<sup>६०</sup> लोचः<sup>६१</sup> कौशलिका<sup>६२</sup>-मिषे<sup>६३</sup> ।

(१) मैत्री नदीवत्, मैत्रप्रमित्यपि लोभे ॥

(२) सक्ती सस्त्रिणौ सस्त्रिणः ॥

(३) मङ्गुणानभेदकम् ॥

(४) प्रभुत्वोत्याह सन्धमभा इत्यर्थः, एभि स्त्रिभिः तत्र कोशः

भाण्डागारः दुर्गः कोट्टः दण्डसन्धिः सैन्यम् प्रभुशक्तिः । उपायस्य सङ्घनं

उत्याहशक्तिः । पराक्रमसम्पत् इत्यर्थः । सन्धः सहायो सन्धशक्तिः

निश्चानसम्पत् इत्यर्थः । एषो लवाणां शक्तिरिति भाष्यार्थः ॥

(५) एकैकमुपादानम् ॥

(६) सामनी सामानि ॥

१) पादारः १ प्रदानं २ हा ३ हारो ४ पाद्या ॥ यने १३ अपि (१) ॥ १ ॥

२) नायो १ पेक्षे २ न्द्रजाज्ञानि ३ जुद्रोपाया ४ इमे तयः ।

३) नृगया १ ऽक्षाः २ स्त्रियः ३ पानं ४ वाक्पादव्य ५-र्यदूषणे ॥ १ ॥ २ ॥

दण्डपादव्य ० मित्येत द्वेयं व्यसनं-सप्तकम् ।

पौरुषं विक्रमः १ शौर्यं २ शौण्डीर्यं (४) ३ पराक्रमः ४ ॥ ४ ० ३ ॥

यत् कोशदण्डजं तेजः (५) स प्रभावः १ प्रतापे-वत् ।

भिया धर्माधिक्येन च परीक्षा या तु सोपधा (६) ॥ ४ ० ४ ॥

त न्द्राद्य षडक्षीणं यत्तृतीयाद्य गोवरः ।

रहस्या सोचनं मन्त्रो (७) रहं १ ञ्छन्ने सुपुण्डरम् ॥ ४ ० ५ ॥

(१) उपचारः १ उपप्रदानम् २ उपदा ३ उपहारः ४ उप-  
पाद्यम् ५ उपायनम् ६ ॥

(२) एकैकम् । नाया रूपपरारवर्षनादिका, अपेक्षातन्वधारणम्,  
दण्डजातं मन्त्र द्रव्यसुक्ष्मपत्रादिना असम्भवदण्डदर्शनम्, एषां दण्डेषु  
भावोपेक्षेन्द्रजाज्ञानि जुद्रोपाया उपायाः ॥

(३) एकैकम् । अक्षाः पाशका अत्र तैरूपकचित्तं द्युतं प्रोचम् ।  
पानं मद्यादेः ॥ वाक्पादव्यं कर्कशवचनम् ॥ अर्थस्य रूपणं तत्रतर्ही  
अदानम् । आदानम् २ विनाशः ३ परिहाराद्य ४ ॥ अर्थस्य दण्डेन  
पादव्यं दण्डपादव्यं तीक्ष्णदण्डता ॥ एते सप्त व्यसनानि उच्यन्ते ॥

(४) शौण्डीर्यस्य भावः कर्म वा शौण्डीर्यं शौठीर्यम् इति वा ॥

(५) तेज इति प्रभत्वशक्ति भवशुक्तत्वं तेजसी तेजावि ॥

(६) धर्मकामादीभ्रवोपन्यासेन क्षमात्मानामाश्रयान्वेषणम् उपधा  
इत्युच्यते ॥

(७) मन्त्रः पञ्चाङ्गः । यत्कौटल्यः । कर्मणामारम्भोपायाः ।  
पुरष द्रव्यसंज्ञ २ देवजातविभागः ३ विनिपातप्रतीकारः ४ कार्य  
विधिश्च ५ विपद्याज्ञानम् ॥

विनिक्त<sup>१</sup>-विजने<sup>१</sup>. कान्त<sup>१</sup>-निःशलाकानि<sup>१</sup>केवलम्<sup>१</sup> ।  
 युद्धीरद्वयं<sup>१</sup>न्याय<sup>१</sup>सु देशरूपं<sup>१</sup>समस्तसम्<sup>१</sup> ॥४०६॥  
 कल्प<sup>१</sup>-स्वेषौ<sup>१</sup>नयो<sup>१</sup>न्याय्यं<sup>१</sup>तु पिते<sup>१</sup>युक्त<sup>१</sup>-साम्प्रते<sup>१</sup> ।  
 सभ्यं<sup>१</sup>प्राप्तं<sup>१</sup>भजनं<sup>१</sup>ता<sup>१</sup>-भिनीती<sup>१</sup>-पयिकानि<sup>१</sup>व ॥४०७॥  
 प्रक्रिया<sup>१</sup>त्वधिकारो<sup>१</sup>ऽथ सर्व्यादा<sup>१</sup>धारणा<sup>१</sup>स्थितिः<sup>१</sup> ।  
 संस्था<sup>१</sup>ऽपराध<sup>१</sup>सु मनु<sup>१</sup>व्यलीक<sup>१</sup>विप्रिया<sup>१</sup>-गसी<sup>१</sup> ॥४०८॥  
 बलिः<sup>१</sup>करी<sup>१</sup>भागधयो<sup>१</sup>द्विपाद्यो<sup>१</sup>द्विगुणोदमः<sup>१</sup> ।  
 वाहिनी<sup>१</sup>घतना<sup>१</sup>सेना<sup>१</sup>बलं<sup>१</sup>सैन्य<sup>१</sup>मनीकिनी<sup>१</sup> ॥४०९॥  
 कटकं<sup>१</sup>ध्वजिनी<sup>१</sup>तन्त्रं<sup>१</sup>दण्डो<sup>१</sup>ऽनीकं<sup>१</sup>पताकिनी<sup>१</sup> ।  
 बद्धिनी<sup>१</sup>चमू<sup>१</sup>सक्र<sup>१</sup>स्वन्धावारो<sup>१</sup>ऽस्य तु स्थितिः<sup>१</sup> ॥४१०॥  
 शिविरं<sup>१</sup>रचना तु स्वात् व्यूहो<sup>१</sup>दण्डादिको युधि<sup>(१)</sup> ।  
 प्रत्यासारो<sup>१</sup>व्यूहपार्ष्णिः<sup>१</sup>सैन्यपृष्ठे प्रतिग्रह<sup>(२)</sup> ॥४११॥  
 एकेभ्यं करथाः त्रयश्चा पत्तिः<sup>१</sup>पञ्चपदातिका ।  
 सेना<sup>१</sup>सेनामुखं<sup>१</sup>गुह्यो<sup>१</sup>वाहिनी<sup>१</sup>घतना<sup>१</sup>चमूः<sup>१</sup> ॥४१२॥  
 मनीकिनी<sup>१</sup>च पत्तेः स्वादि भाद्ये स्त्रियुगोः क्रमात्<sup>(२)</sup> ।

(१) युधि संचामनिमित्तं सैन्यानां रचना ( विन्यास विशेषः )  
 इति ।  
 (२) प्रत्यासरतीति प्रत्यासारः सैन्यरचनायाः पञ्चाङ्गाङ्ग इत्यर्थः ॥  
 (३) ब्रह्मारतम् ॥ "एको रथो गजस्यैको नरोः पञ्चपदातयः । त्वयश्च  
 त्वयश्चैः पत्तिरित्थंभिधीयते" ॥ पत्तेः सर्वान्त्रिभि र्भरथापदा-  
 ध क्रमेण त्रिरुपैतैः सेनादीनि नामानि क्रमेण भवन्ति । तेन पत्ति  
 रथा सेना १ सेना त्रिरुथा सेनामुखं २ सेनामुखं त्रिरुथं गुह्यः ३  
 त्रिरुथोवाहिनी ४ वाहिनी त्रिरुथा घतना ५ घतना त्रिरुथा

शानीकित्वा (१) शीहिणी सख्यं तु परजयन् ॥४१३॥  
 प्रेजयन्ती पुनः केतुः पताका केतन भ्रजः ।  
 प्रस्यो जूला-सवजूला-स्वा वृद्धी-धोसुखशर्द्धनी ॥४१४॥  
 राजो वाजी रथः पत्तिः सेनाङ्गः स्वा जतुर्विधम् ।  
 इदार्थे चक्रव द्याने शताङ्गः स्यन्दनो रथः ॥४१५॥  
 क्रोडार्थः पुष्परथो देवार्थे शु मरुद्रथः ।  
 गोखारथो (२) बैनयिको ऽध्वरथः पारिव्याभिकः ॥४१६॥  
 (१) करीरिथः प्रवह्यार उद्यमं रथगर्भकः ।  
 नखु शकटो ऽथ स्या इन्मी कम्बलिवाह्यकम् ॥४१७॥  
 य काम्बल-वास्त्रा द्या सौ सैः परिहते रथे ।  
 पाण्डुकम्बलीयः स्वात् संखीतः पाण्डुकम्बले ॥४१८॥  
 तु द्वैपो वैधाम् च यो वृत्तो हीपिचर्माणा ।  
 याङ्गैरथपादीः ऽरि (३) चक्रं धारा पुनः प्रधिः ॥४१९॥  
 निरेखाग्रकीले त्व प्या-णी नाभिः शु पिण्डकारे ।

१ चमू तिरुवा अनीकिनी ७ ॥ बदाङ्कः ॥ "पत्तिः १ सेना २  
 १ सुहृत् २ गुण्य ३ वाहिनी चैव ५ मि अणा ६ चमू ७ अनी-  
 ८ दशमविष्णु अकलोडिणि होइ ९ ॥" "स्वात् सेनाऽर्द्धीहिणी  
 १ खाडगाटैकहिनी गजेः २१८०० । रथैः २१८०० सैभ्यो इयै  
 मेः ६५६०० पञ्चमैश्च पदातिभिः १०८१५० ।" इति ॥

- (१) दशरथो अनीकिनी इत्यर्थः ॥  
 (२) प्रस्ताभ्यासायै रथः, प्रोग्या इति प्रस्ताभ्याम योग्या ॥  
 (३) भरथाङ्ग रथस्य ॥  
 (४) अरिथो अनीकि, पत्तिः ही ॥



दुग्धरं श्वरं खात् (१) दुग्धमी प्राप्तावत्वनम् ॥४२०॥  
 दुग्धकोलकं खु शम्भाः प्रासङ्गं खु दुग्धात्तरम् ।  
 अदुग्धर्षोदा वं धस्यं धूर्त्वा यानसुखं च भूः ॥४२१॥  
 (२) रघुशुभिं खु वरुषो रघाङ्गानि त्व पस्कराः ।  
 शिषिकायाष्यथानेऽव दोला प्रेङ्गा-दिका भवेत् ॥४॥  
 वनीतकं वरम्परावाहनं शिषिकादिकम् ।  
 वानं दुग्धं पत्रं वाह्यं वक्ष्यं वाहन-धोरयो ॥४२२॥  
 निथक्ता प्राजिता यन्ता सूत-ध्व्येष्ट-सारथी ।  
 इषिणस्य-प्रवेतारौ (३) अन्ता रघकुटुम्बिकः ॥४२४॥  
 रघारोडिषिं तु रथी (४) रथिके रथिरो रथी ।  
 (५) वशारोहे त्व खवारः सादी च तुरगी च च (६) ॥४२५॥  
 इत्यारोहे सादि-यन्त- (७) महासात-निषादिनः ।  
 अधोरयां हासपकारगजाजीवे भपालकाः ॥४२६॥  
 योद्धारं खु भटां योधाः सेनारथीं खु सैनिकाः ।  
 सेनायां वे समवेता से सैन्याः सैनिका अपि ॥४२७॥

- (१) दुग्धी, दुग्धः पुंसीत्वनरः ।
- (२) रघुशुभाङ्गस्य ।
- (३) प्रवेतारौ इति वा पाठः ।
- (४) रथिनौ रथिनः ।
- (५) रघवत स्त्रीष्वि नामानि ।
- (६) सादी इत्यन्तः सादी सादिनौ सादिनः इत्यन्वयि तेषां  
 इतरिणी इतरिण्याः ।
- (७) अत्रापि पूर्ववत्, सादी सादिनौ सादिनः ।

ये सहस्रेण योद्धार से साध्याः सहस्रिणः ।  
 छायाधरः शब्दधरः पताकी वैजयन्तीकः ॥४२८॥  
 परिधिस्थः परिचरः<sup>(१)</sup> आसुक्तः प्रतिमुक्तः-वत् ।  
 अपिनद्धः<sup>(२)</sup> पिनद्धो<sup>(३)</sup> ऽथ सक्तद्वो व्यूढकण्टः ॥४२९॥  
 दंशितो<sup>(४)</sup> वस्त्रितः<sup>(५)</sup> सज्जः<sup>(६)</sup> सन्नाहो<sup>(७)</sup> वस्त्रिकण्टः ।  
 जगरः<sup>(८)</sup> कवचं<sup>(९)</sup> दंशं<sup>(१०)</sup> सानुतं<sup>(११)</sup> मायु<sup>(१२)</sup> रण्डदः<sup>(१३)</sup> ॥४३०॥  
 निचोक्तकः<sup>(१४)</sup> स्यात् कूर्पासो<sup>(१५)</sup> वारवाणेश्व कसुकः<sup>(१६)</sup> ।  
 (२) सारसनं<sup>(१७)</sup> त्व धिकाङ्गं<sup>(१८)</sup> हृदि धार्यं सकसुकैः ॥४३१॥  
 शिरस्त्राणो<sup>(१९)</sup> तु शीर्षस्थं<sup>(२०)</sup> शिरस्कं<sup>(२१)</sup> शीर्षकं<sup>(२२)</sup> च तत् ।  
 नागोदं<sup>(२३)</sup> सुदरत्राणं<sup>(२४)</sup> जङ्घात्राणं<sup>(२५)</sup> तु मत्कुण्ठम् ॥४३२॥  
 बाहुत्राणं<sup>(२६)</sup> बाहुलं<sup>(२७)</sup> स्याज्जालिका<sup>(२८)</sup> त्व कुरक्षणी<sup>(२९)</sup> ।  
 जाकप्रायारं<sup>(३०)</sup> ऽयसी<sup>(३१)</sup> स्यादा<sup>(३२)</sup> युधीयः<sup>(३३)</sup> शस्त्रजीविनिः ॥४३३॥  
 काण्डवृषा<sup>(३४)</sup> -सुधिको<sup>(३५)</sup> च तुल्यौ प्राधिक-कौन्तिकौ<sup>(३६)</sup> (२) ।  
 पारश्वधिकः<sup>(३७)</sup> सु पारश्वधः<sup>(३८)</sup> परश्वघातुधः<sup>(३९)</sup> ॥४३४॥  
 स्यु<sup>(४०)</sup> नैलिंशिक-शात्कीक-याष्टीका<sup>(४१)</sup> स तदा युधः ।  
 दूरी<sup>(४२)</sup> धनुर्भूत<sup>(४३)</sup> धानुष्कः<sup>(४४)</sup> स्यात्काण्डीर<sup>(४५)</sup> सु काण्डवान्<sup>(४६)</sup> (३) ॥४३५॥

(१) सज्जीभूतस्य ॥

(२) चारुं मनोति ददाति सारसनम् अधिकमङ्गादधिकङ्गं पुं  
 लोचिङ्गः, अधिवाङ्गमित्येके यन्मनिः "अधिवाङ्गं सारसनम्" भृगुसूत्र  
 "तस्यै सारसनं सैवं धिवाङ्गञ्च निवन्धनं" मित्वात् । शब्दरत्नाकरेपि  
 "कसुकैः सारवाणः स्यात् वाणवारोधिवाङ्गवत् अधिवाङ्गमधिकङ्गं  
 शारदकेत्येकैः सार" इति ॥ (३) भक्तुधारिणः ॥

(४) दंशितो वस्त्रितः ॥ (५) वाणधरस्य, काण्डवृषो वाणधरस्य ॥

जतवसाः । जतपुङ्खः । सुमवेत्तशरीरिणः ।  
 श्रीमवेधी<sup>(१)</sup> । जवुहसोः । परावेसु<sup>(२)</sup> । जजतः<sup>(३)</sup> ॥४३६॥  
 अतेषु दूरवेधी<sup>(४)</sup> । दूरापा<sup>(५)</sup> । त्वावधं<sup>(६)</sup> । पुनः<sup>(७)</sup> ।  
 हेतिः<sup>(८)</sup> । महरणं<sup>(९)</sup> । शस्त्रं<sup>(१०)</sup> । मस्त्रं<sup>(११)</sup> । तच्च<sup>(१२)</sup> । चतुर्विधम् ॥४३७॥  
 सुक्तं द्विधा पाण्डियन्त्रं सुक्तं शक्ति-शरादिकम्<sup>(१३)</sup> ।  
 यमुक्तं शस्त्रादि स्याद्यथाद्यं तु द्वयात्मकम्<sup>(१४)</sup> ॥४३८॥  
 धनुः<sup>(१५)</sup> । चापो<sup>(१६)</sup> । स्त्रं<sup>(१७)</sup> । निष्वासः<sup>(१८)</sup> । कोदण्डं<sup>(१९)</sup> । धन्वकार्मुकम्<sup>(२०)</sup> ।  
 द्रुणा<sup>(२१)</sup> । सौ<sup>(२२)</sup> । लसको<sup>(२३)</sup> । स्थान्तरणं<sup>(२४)</sup> । त्वर्त्ति<sup>(२५)</sup> । रटन्य<sup>(२६)</sup> । पि ॥४३९॥  
 मौर्वी<sup>(२७)</sup> । जीवा<sup>(२८)</sup> । गुणो<sup>(२९)</sup> । गव्या<sup>(३०)</sup> । शिञ्जा<sup>(३१)</sup> । बाणासनं<sup>(३२)</sup> । द्रुणा<sup>(३३)</sup> ।  
 शिञ्जनी<sup>(३४)</sup> । च गोधा<sup>(३५)</sup> । तु तलं<sup>(३६)</sup> । ज्याघातकारणम् ॥४४०॥

- (१) श्रीमवेधिनौ श्रीमवेधिनः ॥
- (२) "समवेदपरावेसु यस्य बध्नाभ्युतः शरः" इति ॥
- (३) दूरवेधिनौ दूरवेधिनः, दूरापातिनौ दूरापातिनः ॥
- (४) पाण्डियुक्तं शक्त्यादि । यन्त्रमुक्तं शरादि । "शक्त्यादि पाण्डियुक्तं । स्यादमुक्तं २ सुरिकादिकम् । युक्तमुक्तं ३ च बध्नादि यन्त्र-मुक्तं ४ शरादिकम्" इति हलःयुधः ॥
- (५) युक्तामुक्तस्य ॥
- (६) धनुश्, धनु, धनू इति लोप्येव प्रातिपदिकानि दृश्यन्ते । अन्यत धनति शब्दादन्ते ज्याघातेन वा धनुः इत्यन्तर्गतस्य शिञ्जनिर्देशात् शब्दमिति उपसर्गवे धनुरुकारान्तोपि, द्वावपि पुं स्त्रीबलिङ्गौ, नपि च मीति उपसर्गवे स्त्रीबलिङ्गो धनूरपि, (पुं स्त्री) धनुः धनुवी धनुवः, धनुः धनुवी धनूरपि, पुं स्त्री, धनुः धनु, धनवः ॥
- (७) धन्वनी धन्वादिनामः स्त्री । अस्त्रं ते वायु मन्त्रेण व्याधः पुं स्त्रीबलिङ्गः ।

(१) स्थानान्या<sup>१</sup> लीढ<sup>१</sup>-वैद्याख<sup>२</sup>-प्रत्यालीढानि<sup>३</sup> मण्डलम्<sup>४</sup> ।  
 समंपदं<sup>५</sup> च वेध्या<sup>६</sup> तु लक्ष्य<sup>७</sup> लक्ष्य<sup>८</sup> शरव्यकम्<sup>९</sup> ॥४४१॥  
 बाणो<sup>१०</sup> पृषत्का<sup>११</sup>-विशिखो<sup>१२</sup> खग<sup>१३</sup>-गाङ्ग<sup>१४</sup> पत्नौ<sup>१५</sup>  
 काण्डा<sup>१६</sup>-शुग<sup>१७</sup>-प्रदर<sup>१८</sup>-सायक<sup>१९</sup>-पत्रवाहा<sup>२०</sup> ।  
 पत्री<sup>२१</sup>-ध्व<sup>२२</sup>-जिह्वाग<sup>२३</sup>-शिलीमुख<sup>२४</sup>-कङ्कपत्र<sup>२५</sup> ।  
 रोपाः<sup>२६</sup> कलम्ब<sup>२७</sup>-शर<sup>२८</sup>-मार्गण<sup>२९</sup>-चित्तपुङ्खाः<sup>३०</sup> ॥४४२॥

प्रक्षेडनः<sup>१</sup> सर्वलोहो<sup>२</sup> नाराच<sup>३</sup> एषण<sup>४</sup> ख सः ।  
 निरस्तः<sup>५</sup> प्रहिते बाणे विघाते दिग्ध<sup>६</sup>-लिप्तकौ<sup>७</sup> ॥४४३॥  
 वायुमुक्ति<sup>८</sup> व्यबच्छेदो<sup>९</sup> दीप्ति<sup>१०</sup> वेगस्य तीव्रता<sup>(२)</sup> ।  
 ब्रम<sup>१</sup>-तड्डला<sup>२</sup>-वेन्दु<sup>३</sup>-तीरी<sup>४</sup>-मुख्या<sup>५</sup> सु तद्भिदः ॥४४४॥  
 पत्नो<sup>६</sup> वाजः<sup>७</sup> पतणा<sup>८</sup> त न्यासः पुङ्ख<sup>९</sup> सु कर्त्तरो<sup>१०</sup> ।  
 तूणो<sup>१</sup> निषङ्ग<sup>२</sup> सूणीर<sup>३</sup> उपासङ्गः<sup>४</sup> शराश्रयः<sup>५</sup> ॥४४५॥  
 शरधिः<sup>६</sup> कलापो<sup>७</sup> ऽप्य य चन्द्रहासः<sup>८</sup>  
 करवाले<sup>९</sup>-निस्त्रिंश<sup>१०</sup>-ऊपाण<sup>११</sup>-खड्गाः<sup>१२</sup> ।  
 तरवारि<sup>१३</sup>-कौश्लेयक<sup>१४</sup>-मण्डलाग्रा<sup>१५</sup>  
 अस्त्रि<sup>१६</sup> च्छटि<sup>१७</sup>-रिष्टी<sup>१८</sup> त्स्वर<sup>१९</sup> रस्य मुष्टिः ॥४४६॥

प्रत्याकारः<sup>१</sup> परीवारः<sup>२</sup> कोशः<sup>३</sup> खड्गपिधानकम्<sup>४</sup> ।  
 अङ्गुलं<sup>५</sup> फलकं<sup>६</sup> चर्चो<sup>७</sup> खेटका<sup>८</sup>-वरण<sup>९</sup>-स्फुराः<sup>१०</sup> ॥४४७॥  
 षस्य मुष्टिः<sup>१</sup> सु संग्राहः<sup>२</sup> क्षुरी<sup>३</sup> क्षुरी<sup>४</sup> ऊपाणिका<sup>५</sup> ।

(१) वायुमोचनावरुणे स्थानानामेकैकम् ॥

(२) वायुभेदानामेकैकम् ॥

(३) स्फुरः स्फुरिचवनयोः स्फुर चेति घातहवादच् स्फुरति चञ्चति स्फुरः । स्फुरकोशश्च रवं स्फुरः स्फुरक इत्यपि ॥

शक्यं वे वैश्वं<sup>१</sup> पुत्रौ<sup>२</sup> च (१) प्रवृत्तपातस्तु सा श्रुता ॥४४८॥  
 वृद्धो यष्टि<sup>३</sup> लघुः<sup>४</sup> स्या दीर्घो<sup>५</sup> करप्रालिका<sup>६</sup> ।  
 भिन्दिपाले<sup>७</sup> (२) वृगः<sup>८</sup> कुम्भो<sup>९</sup> प्रासो<sup>१०</sup> स्य द्रुषयो<sup>११</sup> घनः<sup>१२</sup> ॥४४९॥  
 सुकरः<sup>१३</sup> स्यात् कुठारः<sup>१४</sup> सु<sup>१५</sup> परशुः<sup>१६</sup> परशु<sup>१७</sup>-परश्वधौ<sup>१८</sup> ।  
 परश्वधः<sup>१९</sup> स्वधिति<sup>२०</sup> च परिषः<sup>२१</sup> परिषातनः<sup>२२</sup> ॥४५०॥  
 (४) सर्व्वज्ञा<sup>२३</sup> तोमरे<sup>२४</sup> शल्यं<sup>२५</sup> शङ्को<sup>२६</sup> श्रुले<sup>२७</sup> त्रिशीर्षकम्<sup>२८</sup> ।  
 शक्ति<sup>२९</sup>-पट्टिश<sup>३०</sup>-दुस्सोष्ट<sup>३१</sup>-चक्रा<sup>३२</sup>द्याः<sup>३३</sup> (५) प्रस्वजातयः ॥४५१॥  
 (६) खुरली<sup>३४</sup> तु अमो<sup>३५</sup> योम्या<sup>३६</sup> भ्यास<sup>३७</sup> सद्भूः<sup>३८</sup> खलूरिका<sup>३९</sup> ।  
 सर्वाभिसारः<sup>४०</sup> सर्व्वोषः<sup>४१</sup> सर्व्वसन्नहनं<sup>४२</sup> समाः ॥४५२॥  
 लोहाभिसारो<sup>४३</sup> दशव्यां विधि नीराजना त्परः ।  
 प्रस्थानं<sup>४४</sup> गमनं<sup>४५</sup> व्रज्या<sup>४६</sup> ऽभिनिर्व्याणं<sup>४७</sup> प्रयाणकम्<sup>४८</sup> ॥४५३॥  
 यात्रा<sup>४९</sup> ऽभिघेणनं<sup>५०</sup> तु स्यात् सेनया ऽभिगमो रिपो ।  
 स्यात् सुहृद्बल मासारः<sup>५१</sup> प्रचक्रं<sup>५२</sup> चलितं बलम् ॥४५४॥  
 प्रसारं<sup>५३</sup> सु प्रसरणं<sup>५४</sup> त्वणकाष्ठादिहेतवे ।  
 अभिक्रमो<sup>५५</sup> रणे यान मभीतस्य रिपून् प्रति ॥४५५॥

(१) अथि धेनुः १ अथि पुत्री २ ॥

(२) भिन्दिपालो नाम इक्ष्वाकुस्यो महाफलो दीर्घदण्ड आयुष-  
विधेयः इत्यस्य टीका ॥

(३) कुठिः शैलः, कुठति कुठारः, पुं स्त्रीलिङ्गः, त्वपि कुठिभ्यां  
किटिभ्याः कुठारः, कुठान् वृक्षानियतीति वा ॥

(४) सर्व्वज्ञातोमरोऽस्त्रिषासिन्नहनः ॥

(५) चक्राः पुं स्त्री, चक्राः चक्रम् ॥

(६) प्रस्वभाषणम् ॥

अभिमित्तो<sup>१</sup> (१) अभिमित्तियो<sup>२</sup> अभिमित्तियो<sup>३</sup> अभ्य-रिब्रजन् ।  
 ख्यादुरखा<sup>४</sup> सुरसिल<sup>५</sup> (२) ऊर्जस्व<sup>६</sup>-जस्वलो<sup>७</sup> समौ ॥४५६॥  
 सांयुगीनो<sup>८</sup> रणे साधु-जेता<sup>९</sup> जिष्णुश्च जित्वरः<sup>१०</sup> ।  
 जय्यो<sup>११</sup> यः शक्यते जेतुं जेयो<sup>१२</sup> जेतव्यमात्रके ॥४५७॥  
 वैतालिका<sup>१३</sup> बोधकरा<sup>१४</sup> अर्थिकार<sup>१५</sup> सौखसुप्तिकाः<sup>१६</sup> ।  
 घण्टिका<sup>१७</sup> आक्रिकाः<sup>१८</sup> सूतो<sup>१९</sup> बन्दी<sup>२०</sup> (२) मङ्गलपाठकः ॥४५८॥  
 मागधो<sup>२१</sup> मगधः<sup>२२</sup> संशप्तका<sup>२३</sup> बुद्धा-निवर्त्तिनः ।  
 (४) नग्नः<sup>२४</sup> सुतिवत<sup>२५</sup> सस्य ग्रन्थो भोगावली<sup>२६</sup> भवेत् ॥४५९॥

प्राणः<sup>२७</sup> स्थामर<sup>२८</sup>-तरः<sup>२९</sup>-(५) पराक्र<sup>३०</sup>-  
 मवल<sup>३१</sup>-घुम्बानि<sup>३२</sup> शौर्यो<sup>३३</sup>-जष्टी<sup>३४</sup>,  
 (६) शुष्म<sup>३५</sup> शुष्म<sup>३६</sup> च शक्ति<sup>३७</sup> रुज्ज<sup>३८</sup>-  
 सद्दसी<sup>३९</sup> युद्ध<sup>४०</sup> तु संख्यं कलिः<sup>४१</sup> ।  
 संग्राम<sup>४२</sup>-हव<sup>४३</sup>-सम्प्रहार<sup>४४</sup>-  
 समरा<sup>४५</sup>-जन्यं<sup>४६</sup>-युदा<sup>४७</sup> (७) योधनं<sup>४८</sup>,  
 संस्फोटः<sup>४९</sup> कलहो<sup>५०</sup> सध<sup>५१</sup>  
 महुर्या<sup>५२</sup> (८) संख्यं<sup>५३</sup> द्रुणो<sup>५४</sup> विग्रहः<sup>५५</sup> ॥४६०॥

- (१) शूत्रसम्बन्धगामिनः ॥  
 (२) ऊर्जस्विन् इति छेदः ऊर्जस्विनो ऊर्जस्विनः ॥  
 (३) बन्दिनो बन्दिनः ॥  
 (४) पीतकौ पीतमात्र परिधानो मङ्गलपाठकः ॥  
 (५) तरः तरसी तरांसी ॥  
 (६) खोजः खोजधि खोजधि, शुष्म शुष्मणि शुष्मणि ॥  
 (७) युद्ध युद्धी युधः, स्त्री । (८) संयत् संयती संयन्ति, स्त्री

वृद्धः<sup>१</sup> समाघातः<sup>२</sup> समाह्वयः<sup>३</sup> मि-

सम्पातः<sup>४</sup> सम्बन्धः<sup>५</sup> समिः<sup>६</sup> त्रघाताः<sup>७</sup> ।

(१) आस्ताङ्गनाः<sup>४</sup> जिः<sup>५</sup> प्रधनान्यः<sup>६</sup> ऽनीकः<sup>७</sup>

मभ्यागमः<sup>८</sup> च प्रविदारणः<sup>९</sup> च ॥४६१॥

समुदायः<sup>१०</sup> समुदयोः<sup>११</sup> राटिः<sup>१२</sup> ससितिः<sup>१३</sup> सङ्करोः<sup>१४</sup> ।

अभ्यामर्दः<sup>१५</sup> सम्परायः<sup>१६</sup> समीकः<sup>१७</sup> साम्परायिकम्<sup>१८</sup> ॥४६२॥

आक्रन्दः<sup>१९</sup> संख्यगः<sup>२०</sup> चाथ नियुद्धं तद् भुजोद्धवम् ।

(२) पटङ्गाः<sup>२१</sup> डम्बरोः<sup>२२</sup> तुल्यौ<sup>२३</sup> तुमुलं रणसङ्कुलम् ॥४६३॥

नारीसं त्व ग्रयानं स्यादवमर्दं सु पीडनम् ।

प्रपातं स्व अवस्कन्दो घाद्यं भ्यासादनं च सः ॥४६४॥

तद्रात्रौ सौप्तिकं वीराशंसनं त्वा जिभीष्णम् ।

नियुद्धभूर क्षवाटो मोहो<sup>२४</sup> मूर्च्छा<sup>२५</sup> च कर्मलम् ॥४६५॥

दृक्ते भाविनि वा युद्धे पानं स्या द्वीरपाणकम् ।

पलायनं मपयानं सन्दावः<sup>२६</sup> द्रुः<sup>२७</sup> विद्रवाः<sup>२८</sup> ॥४६६॥

अपक्रमः<sup>२९</sup> समु-त्प्रे-भ्यो<sup>३०</sup> द्रावो ऽथ विजयो<sup>३१</sup> जयः<sup>३२</sup> ।

पराजयो<sup>३३</sup> रणो मङ्गो<sup>३४</sup> डमरे<sup>३५</sup> भिस्त्रे<sup>३६</sup> विड्वौ<sup>३७</sup> ॥४६७॥

वैरनिर्यातनं वैरशुद्धिं वैरप्रतिक्रियां ।

(१) समित् समितौ समितः ।

(२) वाङ्मयुद्धस्य ॥

(३) संख्यामवादास्य ॥

(४) संध्यामे प्रहारात्कोहो वैचित्तं मूर्च्छा मूर्च्छयं तयोनीमेकम् ।

(५) सन्दावः १ उद्द्रावः २ प्रद्रावः ३ ॥

(६) उपद्रवस्य "सूट" इति भाषा ॥

।लात्कारः<sup>१</sup> शु प्रसभ<sup>२</sup>(१) हठोऽथ स्वलितं छलम्<sup>३</sup>(२) ॥१८॥  
 ।रा-पर्य-भितो भूतो<sup>२</sup> (२) जितो<sup>४</sup> भग्नः<sup>५</sup> पराजितः<sup>६</sup> ।  
 ।लायितं<sup>१</sup> शु नष्टः<sup>२</sup> स्यात् गृहीतदिकृतिरोहितः<sup>३</sup> ॥४६२॥  
 जताहवो<sup>१</sup> जितकाशी<sup>२</sup> प्रस्कन्ना<sup>३</sup>-पतितौ<sup>४</sup> सभौ ।  
 ।चारः<sup>१</sup>कारा<sup>२</sup>-गुप्तौ<sup>३</sup> बन्धा<sup>४</sup>ग्रहकः<sup>५</sup>प्रोपतो<sup>६</sup>ग्रहः<sup>७</sup>(५) ॥७०॥  
 वानुर्वर्ष्यं<sup>१</sup> द्विज-क्षत्र-वैश्य-शूद्रा<sup>२</sup> दद्यां<sup>३</sup> (६) भिदः ।  
 ब्रह्मचारी<sup>१</sup> (७) गृही<sup>२</sup>वानप्रस्थो<sup>३</sup> भिक्षु<sup>४</sup>रिति क्रमात् ॥४७१॥  
 चत्वार आथमा<sup>१</sup> सत्र वर्णी<sup>२</sup> स्यात् ब्रह्मचारिण्य<sup>३</sup> ।  
 ज्येष्ठाथमी<sup>१</sup> गृहमेधी<sup>२</sup> गृहस्यः<sup>३</sup> स्नातको<sup>४</sup> गृही<sup>५</sup> ॥४७२॥  
 वैखानसो<sup>१</sup> वानप्रस्थो<sup>२</sup> भिक्षुः<sup>३</sup> सान्नासिको<sup>४</sup> यतिः<sup>५</sup> ।  
 कर्ष्मन्दी<sup>१</sup> रक्तवसनः<sup>२</sup> परिव्राजक<sup>३</sup>-तापसौ<sup>४</sup> ॥४७३॥  
 पाराशरी<sup>१</sup> पारिकाञ्ची<sup>२</sup> मस्करी<sup>३</sup> परिरेणकः<sup>४</sup> ॥

(१) प्रसभोऽस्तीति वैजयन्ती ॥

(२) “छलन्त स्वलिते व्याजे” इति महेश्वरः । स्वलितं परस्य  
 वदतः स्वामिमतायां नरविकल्पोपपादधेन वचनविघातः । यथा कूपो  
 नवोदक इति षड्दर्शनम् । वादिना कूपो नवोदक इति कथायां  
 श्वीनाशेषाचकृतया नवशब्दप्रयोगे कृते छलवादो नवसंख्यामारोप्य  
 दूषयति कुत एकएव कूपो नवसंख्योदक इति । मतिक्शाटिकं वा ।  
 यज्ञायक्यः । “किं करोति नरः प्राप्तः शूरोवाथ सुपण्डितः । दैवो  
 वस्य छलान्मेवी करोति विफलाः क्रियाः” ॥

(१) पराभूतः १ परिभूतः २ स्वभिभूतः ३ ॥

(४) कारागारस्य ॥ (५) ग्रहः २ उपग्रहः ३ ॥

(६) परिकल्पम् ॥

(७) दण्डोप ब्रह्मचारी ॥



स्याच्छिखः<sup>१</sup> स्याच्छिखशायी<sup>२</sup> चः श्रुते स्याच्छिखे प्रतात्<sup>३</sup> ॥४७४॥  
 अपः<sup>४</sup> क्लेशश्च<sup>५</sup> हो<sup>६</sup> दान्तः<sup>७</sup> शान्तः<sup>८</sup> आन्तो<sup>९</sup> जितेन्द्रियः<sup>१०</sup> ।  
 प्रवदानं<sup>११</sup> कर्त्तुं<sup>१२</sup> सुष्ठं<sup>१३</sup> ब्राह्मण्यं<sup>१४</sup> सु नयीमुखः<sup>१५</sup> ॥४७५॥  
 भूदेवो<sup>१६</sup> वाङ्मो<sup>१७</sup> विप्रो<sup>१८</sup> ह्य-प्रभ्यः<sup>१९</sup> जाति<sup>२०</sup>-जम्ब<sup>२१</sup>-जाः<sup>२२</sup> ॥४७६॥  
 र्याज्येष्ठः<sup>२३</sup> सूत्रकर्तृ<sup>२४</sup> षट्कर्मा<sup>२५</sup> सुखसम्भवः<sup>२६</sup> ॥४७६॥  
 वेङ्गर्भः<sup>२७</sup> शमीगर्भः<sup>२८</sup> सावित्रो<sup>२९</sup> मैत्र<sup>३०</sup> एतसः<sup>३१</sup> (२) ।  
 षट्ः<sup>३२</sup> पुनर्माणवज्रो<sup>३३</sup> भिक्षा<sup>३४</sup> स्यात् प्रासमात्रकम्<sup>३५</sup> ॥४७७॥  
 उपनाय<sup>३६</sup> सू पनयो<sup>३७</sup> वटूकरण<sup>३८</sup> मानयः<sup>३९</sup> (४) ।  
 अग्नीन्धनं<sup>४०</sup> (५) त्वग्निकार्यं<sup>४१</sup> माग्नीभ्रा<sup>४२</sup> चाग्निकारिका<sup>४३</sup> ॥४७८॥  
 पाशाशो<sup>४४</sup> दण्ड आषाढो<sup>४५</sup> व्रते राभ्यं<sup>४६</sup> सु (६) वैणवः<sup>४७</sup> ।  
 वैलः<sup>४८</sup> सारसतो<sup>४९</sup> रौच्यः<sup>५०</sup> पैलव<sup>५१</sup> स्वौ परैधिकः<sup>५२</sup> (७) ॥४७९॥  
 आश्वत्यं<sup>५३</sup> सु जितनेमि<sup>५४</sup> रौदुस्वर<sup>५५</sup> उलूखलः<sup>५६</sup> ।  
 जटा<sup>५७</sup> सटार<sup>५८</sup> टषी<sup>५९</sup> पीठं<sup>६०</sup> कुण्डिका<sup>६१</sup> तु कमण्डलुः<sup>६२</sup> ॥४८०॥

(१) "मातरूपे विजननं द्वितीयं भौञ्जीवन्धनमिति" स्मृतेः ।  
 द्विजातिः १ द्विजन्मा २ द्विजः ३ अपजातिः ४ अपजन्मा ५ कपजः ६  
 (२) एतसः एकादशखरादित्तद्गर्गाद्यमध्योदन्यान्तश्च ।  
 (३) "प्रासप्रमाणं भिक्षास्यादयं प्रासचतुष्टयम्, अयं चतुर्थं  
 प्रासुर्हन्तकारं द्विजोक्तमाः १" ॥  
 (४) वन्युः "गर्भाष्टमे ह्य कुर्वीत ब्राह्मणस्योपनायनम्" अत्राभि  
 भौञ्जीवन्धनस्य ।  
 (५) ऋग्वेदकाण्डेऽग्निविशेषश्च ॥  
 (६) रत्नाशब्दो वेषुपखीय इति टीका, रत्नावा विकारो रत्नाः  
 (७) औषरोधिक इति वा पाठः ॥

श्रोत्रियं चान्दसो यथा त्वा देवार् स्या<sup>(१)</sup>न्मखे व्रती<sup>२</sup> ।  
याजको यजमानश्च सोमयाजी तु दीक्षितः<sup>३</sup> ॥४८१॥  
इज्याशीलो यायजको यज्वा स्यादा सुतीवत्<sup>४</sup> ।  
सोमपः सोमपीथी स्यात् स्थपतिर् गीष्मतीष्टिकत् ॥४८२॥  
सर्ववेदांसु<sup>(२)</sup> सर्वस्वदक्षिणं यज्ञ मिष्टवान् ।  
यजुर्विद्वेषु<sup>२</sup> ऋग्भिर्व्रोतो<sup>२</sup> ज्ञाता<sup>२</sup> तु<sup>(२)</sup> सामवित् ॥४८३॥  
यज्ञो यागः<sup>२</sup> सवः<sup>२</sup> सत्वं<sup>४</sup> सोमो<sup>५</sup> मन्यु<sup>६</sup> ऋषिः<sup>७</sup> क्रतुः<sup>८</sup> ॥  
संसारः<sup>९</sup> सप्ततनु<sup>१०</sup> सवितानं<sup>११</sup> बर्हि<sup>१२</sup> रध्वरः<sup>१३</sup> ॥४८४॥  
अध्ययनं<sup>(५)</sup> ब्रह्मयज्ञः<sup>२</sup> स्याद्देवयज्वा<sup>१</sup> आहुतिः<sup>२</sup> ।  
होमो<sup>३</sup> होत्रं<sup>४</sup> वषट्कारः<sup>५</sup> पितृयज्ञेषु<sup>६</sup> तर्पणम्<sup>(६)</sup> ॥४८५॥  
तच्छ्राद्धं पिण्डदानं<sup>७</sup> च व्रयज्ञो<sup>८</sup> ऽतिथिपूजनम्<sup>९</sup> ।  
भूतयज्ञो<sup>१०</sup> बलिः<sup>११</sup> पशु महायज्ञा<sup>१२</sup> भवन्त्यमी ॥४८६॥  
पौर्यमासं<sup>१</sup> च दर्शं<sup>२</sup> च यज्ञौ पश्चान्तयोः पृथक् ।  
सौमिकी<sup>३</sup> दीक्षणीयेष्टि<sup>(७)</sup> दीक्षा तु व्रतसंग्रहः<sup>४</sup> ॥४८७॥  
वृत्तिः सुगहना कुम्भा<sup>(८)</sup> वेदी<sup>१</sup> भूमिः परिस्तृता ।

(१) बटारौ बटारः, आदेटारौ आदेटारः ॥

(२) सर्ववेदसु सर्ववेदसः ॥

(३) उज्ञातारौ उज्ञातारः ॥

(४) ऋ, ऋषिणी बर्हिषि ॥

(५) ब्रह्मण्यवेदस्य यजनं दानादि स ब्रह्मयज्ञः ॥

(६) मन्त्रपूर्वकं जखदानं तर्पणम् ॥ (७) दीक्षणी यस्य

दीक्षास्य ऋषिर्ब्रह्मः चन्द्रनिमित्तवागपिशेवोऽयम् ॥

(८) वीमकास अथवावीमकारविशेषः ॥

स्यगिडलीं त्वरं च न्वा यूपः<sup>१</sup> स्याद्यज्ञकीलकः ॥४८८॥  
 चमालो<sup>१</sup> यूपकटको<sup>(१)</sup> यूपकर्णो<sup>१</sup> हृतावनौ<sup>(२)</sup> ।  
 यूपग्रभागे स्त्री जुञ्जी<sup>(३)</sup> ऽरणि<sup>१</sup> निर्घ्न्यदा रणि ॥४८९॥  
 स्यु र्दक्षिणा<sup>१</sup>-हवनीया<sup>१</sup>-गार्हपत्या<sup>१</sup> स्त्रयो ऽग्नयः ।  
 इदं मग्नित्रयं जेता<sup>१</sup> प्रणीतः<sup>१</sup> संस्कृतो ऽग्नयः ॥४९०॥  
 षट्कं सामिधेनी<sup>१</sup> धाव्या<sup>२</sup> च समिधा धीयते यथा ।  
 समिदि<sup>१</sup> न्वन<sup>२</sup> मेधे<sup>२</sup>-ध्म<sup>५</sup>-तर्पयौ<sup>५</sup>-धांसि<sup>६</sup> भस्मान्तु<sup>(४)</sup> ॥४९१॥  
 स्याद् भूति<sup>२</sup> र्भसित<sup>२</sup> रक्षा<sup>५</sup> क्षारः<sup>५</sup> पात्रं<sup>१</sup> सुवादिकम् ।  
 सुवः<sup>१</sup> सुग<sup>२</sup> ऽधरा सो पभञ्जुङ्कः<sup>(५)</sup> पुन रक्षरा ॥४९२॥  
 ध्रुवा<sup>१</sup> तु सर्वसंज्ञार्थं यस्यामा व्यं निधीयते ।  
 यो ऽभिमन्व्य निहन्येत सस्या त्पशु रूपाकृतः<sup>१</sup> ॥४९३॥  
 परम्पराकां श्रमनं प्रोक्षणां च मखे बधः ।  
 हिंसार्थं कर्मा भिचारः<sup>१</sup> स्या द्यज्ञार्हं तु यज्ञियम् ॥४९४॥  
 हविः<sup>१</sup> सान्नाय्ये मामिद्धा हतोष्णक्षीरगं दधि ।  
 क्षीरशरः<sup>२</sup> पयस्या<sup>२</sup> च त न्मसुनि<sup>(६)</sup> तु वाजिनम् ॥४९५॥

(१) सूत्रधारघटिता यूपशिरसि कटकाकृतिः ॥

(२) हृताविष्टनस्थाने ॥

(३) वाचस्वातस्तु “यूपोत्तर्मा नस्त्रियामिति” पुंस्त्व्याहः  
 तन्मते तर्मा तर्माणी तर्माणीः इत्याद्यपि ३ च न्यत्व तर्माणी तर्माणि  
 नान्तः स्त्री, अरणिः पुं स्त्री ॥

(४) भस्म भस्मानी भस्मानि ॥

(५) उपभृतौ उपभृतः स्त्री, जुञ्जी जुञ्जुः ॥

(६) तस्या सामिधेयाया मण्डे ॥

हृद्यं सुरेभ्यो दातव्यं पितृभ्यः कव्यं मोदनम् ।  
 आर्जि तु दधिसंयुक्ते षष्ठहाज्यं षपातकः<sup>२</sup> ॥४८६॥  
 दध्ना तु मधु संयुक्तं मधुपर्कं महोदयः ।  
 हवित्री<sup>(१)</sup> तु होमकुण्डं हव्यपाकः<sup>(२)</sup> पुन स्रः<sup>३</sup> ॥४८७॥  
 अमृतं यज्ञशेषे<sup>४</sup> स्या द्विषसोः भुक्तं शेषके<sup>५</sup> ।  
 यज्ञान्तो ऽवभ्ययः<sup>६</sup> पूर्वं वाप्या-दीष्टं मस्रक्रिया ॥४८८॥  
 इष्टापूर्णां तदुभयं वर्हिर्मुष्टिं स्तु विष्टरः<sup>७</sup> ।  
 प्रग्निहोत्र<sup>(८)</sup> ग्निचि<sup>९</sup> च्चा हिताग्ना<sup>१०</sup> वया ऽग्निरक्षणा<sup>११</sup> ॥४८९॥  
 अग्न्याधाने<sup>१२</sup> मग्निहोत्रं दर्वी<sup>१३</sup> तु दृतलेखनी ।  
 होमाग्निं<sup>१४</sup> स्तु महाज्वालो महावीरः<sup>१५</sup> प्रवर्ष<sup>१६</sup>-वत् ॥५००॥  
 होमधूमं स्तु निगणो<sup>१७</sup> होमभक्ष्यं तु वैष्टुतम्<sup>(१८)</sup> ।  
 उपस्यर्श<sup>१९</sup> स्वाचमने<sup>२०</sup> धारशसेकौ<sup>२१</sup> तु सेचने<sup>२२</sup> ॥५०१॥  
 ब्रह्मासनं ध्यानयोगासने<sup>२३</sup> ऽथ ब्रह्मवर्षसम्<sup>(२४)</sup> ।  
 दत्ताध्ययनर्द्धिः<sup>२५</sup> पाठे स्याद् ब्रह्माञ्जलि<sup>२६</sup> रञ्जलिः ॥५०२॥  
 पाठे तु सुखनिष्क्रान्ता विप्रुषो ब्रह्मविन्दवः<sup>२७</sup> ।  
 साकल्यवचनं<sup>(२८)</sup> पारायणं<sup>२९</sup> कल्पे<sup>३०</sup> विधि<sup>३१</sup>-क्रमौ<sup>३२</sup> ॥५०३॥

(१) हृद्यतेऽस्यां हवित्री ॥

(२) हव्यस्य पाकः पचनमत्र हव्यपाकः स्यातीति केचित् ॥

(३) अग्निहोत्रिणौ अग्निहोत्रिणः, अग्निचितौ अग्निचितः ॥

(४) विशेषेण स्तुयते स्य विष्टुतोऽग्निस्तस्येदं वैष्टुतम् ॥

(५) ब्रह्मणो वर्चस्तेजो ब्रह्मवर्षमम् । चरित्वाध्ययनसम्पन्ने ॥

(६) सकल इय भावः साकल्यं साकल्येन सामस्तेन वचनम् अध्य-  
 यनम् । “साकल्यवचनं प्राज्ञैः पारायणमुदाहृतम्” इति हलायुधः ॥

मूले ऽङ्गुष्ठस्य स्याद्ब्राह्मणं<sup>१</sup> तीर्थं कायं कनिष्ठयोः ।  
 पित्रं<sup>२</sup> तर्जन्यङ्गुष्ठान्तर्देवतं त्व ऽङ्गुलीमुखे ॥५०४॥  
 ब्रह्मत्वं<sup>३</sup> तु ब्रह्मभूयं<sup>४</sup> ब्रह्मसायुज्यं<sup>५</sup> मित्यपि ।  
 देवभूया<sup>६</sup>-दिकं<sup>(१)</sup> तद्द्वयोपाकरणं<sup>७</sup> श्रुतेः ॥५०५॥  
 संस्कारपूर्वं ग्रहणं स्यात् स्वाध्यायः<sup>८</sup> पुनर्जपः<sup>९</sup> ।  
 औपवस्त्रं<sup>(२)</sup> तूपवासः<sup>३</sup> कर्त्तव्यं सान्तपनादिकम् ॥५०६॥  
 प्रायः<sup>४</sup> सन्ध्यास्य-नसने नियमः<sup>५</sup> पुण्यकर्मव्रतम्<sup>(२)</sup> ।  
 चरितं<sup>६</sup> चरितारं-चारो<sup>७</sup> चारित्र्यं<sup>८</sup>-चरणं<sup>९</sup> अपि ॥५०७॥  
 तत्तं<sup>१</sup> शीलं<sup>२</sup> च सर्वैर्गोर्ध्वं स जपे ऽधमर्षणम् ।  
 समास्तु पादग्रहणा<sup>३</sup>-भिवादनो<sup>४</sup>-पसङ्ग्रहाः<sup>५</sup> ॥५०८॥  
 उपवीतं<sup>६</sup> यज्ञसूत्रं<sup>७</sup> प्रोद्धते दक्षिणे करे<sup>(४)</sup> ।  
 प्राचीनावीतं<sup>८</sup> मन्यस्यन्निवीतं<sup>९</sup> कण्ठलम्बितम् ॥५०९॥  
 प्राचेतसं<sup>१</sup> स्तु वाल्मीकी<sup>२</sup> वत्सिक<sup>३</sup>-कुशिनौ<sup>४</sup> कविः<sup>५</sup> ।  
 मैत्रावरुण<sup>६</sup>-वाल्मीकौ<sup>७</sup> वेदव्यासं<sup>८</sup> स्तु माठरं<sup>९</sup> ॥५१०॥  
 द्वैपायनः<sup>१</sup> पाराशर्यः<sup>२</sup> कानीनो<sup>३</sup> बादरायणः<sup>४</sup> ।

(१) आदिशब्दात् स्वर्गभूयं स्वर्गत्वं स्वर्गं सायुज्यम् इति ॥

(२) औपवस्त्रं उपवसात् प्राप्नोत्यस्य औपवस्त्रम् ऋत्वादिभ्य इत्यण्  
 “वस्त्रं स्तम्भे” इत्यस्मात् क्ते उपवसात्स्यदमौपवस्त्रमित्यङ्के, उपवस्त्र-  
 भिन्यन्ते, उपवस्त्ररिदमित्यङ्गाद्योपि यत् स्मृतिः “मापान्मधु मस्त्रं रांश्च  
 वर्जयेदौपस्त्रं के” इति । “औपवस्त्रमुपवस्त्रमौपवस्त्रोपवस्त्रके” इति  
 शब्दकलाकरः ॥

(३) पुं ली, व्रतः व्रतमिति यावत् ॥

(४) दक्षिणे करे प्रोद्धते इति दक्षिणकराधोनिःक्षिप्तं सूत्रे इत्यर्थः ॥

व्यासो<sup>१</sup> ऽस्या ऽस्वा मत्यवती<sup>२</sup>वासवी<sup>३</sup> गन्धकालिका<sup>४</sup> ॥५१२॥

योजनगन्ध<sup>५</sup> दाशेयी<sup>६</sup> शालङ्कायनजा<sup>७</sup> च सा ।

जामदग्न्य<sup>८</sup> स्तु रामः<sup>९</sup> स्यात् भार्गवो<sup>१०</sup> रेणुकास्तुतः<sup>११</sup> ॥५१३॥

नारद<sup>१२</sup> स्तु देवब्रह्मा<sup>१३</sup> पिशुनः<sup>१४</sup> कलिकारकः<sup>१५</sup> ।

(१) वशिष्ठो<sup>१६</sup> ऽरुन्धतीजानि<sup>१७</sup>-रत्नमाना<sup>१८</sup> त्व ऽरुन्धती<sup>१९</sup> ॥५१३॥

त्रिशङ्कुयाजी<sup>२०</sup> गाधेयो<sup>२१</sup> विश्वामित्र<sup>२२</sup> च कौशिकः<sup>२३</sup> ।

कुशारणि<sup>२४</sup> स्तु दुर्वासाः<sup>२५</sup> शतानन्द<sup>२६</sup> स्तु गौतमः<sup>२७</sup> ॥५१४॥

याज्ञवल्क्यो<sup>२८</sup> ब्रह्मरात्रि<sup>२९</sup> यौगेशो<sup>३०</sup> ऽप्यथ पाणिनी<sup>३१</sup> ।

(१) सालानुरीय<sup>३२</sup>-दाक्षेयी<sup>३३</sup> गोनर्दीये<sup>३४</sup> पतञ्जलिः<sup>३५</sup> ॥५१५॥

कात्यायने<sup>३६</sup> वररुचि<sup>३७</sup> र्मेधाजि<sup>३८</sup> च पुनर्वसुः<sup>३९</sup> ।

अथ व्या<sup>४०</sup> ङ्ङि<sup>४१</sup> विन्ध्यवासी<sup>४२</sup> नन्दिनी तनय<sup>४३</sup> च सः ॥५१६॥

स्फोटायने<sup>४४</sup> तु कञ्जीवान्<sup>४५</sup> पालकाप्य<sup>४६</sup> करेणुभः<sup>४७</sup> ।

वाटस्थायने<sup>४८</sup> मल्लनागः<sup>४९</sup> कौटिल्य<sup>५०</sup> अणकात्मजः<sup>५१</sup> ॥५१७॥

द्रामिलः<sup>५२</sup> पद्मिन्तस्वामी<sup>५३</sup> विष्णुगुप्तो<sup>५४</sup> ऽङ्गुल<sup>५५</sup> च सः ।

(१) अयं टन्वयानपि, अतिशयेन वसुमान् वसिष्ठः, गुणाङ्गादितीष्ठि  
निम्नतोर्णीध्वेति मतोर्नुपि प्रत्यं खरादेरियखरादिनापः ॥

(२) दुर्वाभसो दुर्वाभसः ॥

(३) सनातर आभिजनो निशामोदस्य सानातुरीयः सनातरा-  
दीयण् ॥ . . . . .

(४) कञ्जीवन्तो कञ्जीवलः ॥

(५) कौटिल्य इति वा । कुटो धट् क्तं कान्ति कुटना कलधान्याः,  
तेषामपत्यं कौटिल्यः, यद्यपि टीका कृता एतत्सार्धितं तथापि प्रसक्त-  
भावे कौटिल्य इत्येव दृश्यते ॥

चतव्रतो ऽककीर्णी<sup>(१)</sup> स्यात् प्रात्यः<sup>१</sup> संस्कारवर्जितः ॥५१८॥  
 शिथिलदानः<sup>१</sup> लक्षणकर्म्या ब्रह्मबन्धु<sup>१</sup> द्विजो ऽधमः ।  
 नष्टाग्नि वीरिह<sup>१</sup> जातिभात्रजीवी द्विजव्रुवः<sup>१</sup> ॥५१९॥  
 धर्मध्वजी<sup>१</sup> लिङ्गवृत्ति<sup>२</sup> वेदहीनो<sup>१</sup> निराकृतिः<sup>२</sup> ।  
 वार्त्ताशी<sup>१</sup> भोजनार्थं यो गोत्रादि वदति स्वकम् ॥५२०॥  
 उच्छिष्टभोजनो<sup>१</sup> देव-नैवेद्यवृत्तिभोजनः।  
 अजप<sup>(२)</sup> स्व ऽसदध्येता<sup>२</sup>शाखारण्डो<sup>१</sup> ऽन्यशाखकः<sup>२</sup> ॥५२१॥  
 शस्त्राजीवः<sup>१</sup> काण्डसृष्टो<sup>२</sup> गुरुहा<sup>१</sup> नरकीलकः<sup>२</sup> ।  
 मणो<sup>१</sup> देवादिपूजाया मन्त्राद्भो ऽथ मलिम्लुचः<sup>१</sup> ॥५२२॥  
 पञ्चयज्ञपरिभ्रष्टो निपिड्वैकरुचिः खरुः<sup>२</sup> ।  
 षुभे यस्मि न्नुदेत्य ऽर्को<sup>१</sup> ऽसामेति क्रमेण तौ ॥५२३॥  
 अभ्यदिता<sup>१</sup>-भिनिसु<sup>१</sup>कौ<sup>१</sup> वीरोज्जो<sup>१</sup> न जुहोति यः ।  
 अग्निहोतृच्छलात् याज्यापरो वीरोपवीजकः<sup>१</sup> ॥५२४॥  
 वीरविष्ठावको<sup>१</sup> जुह्व इ नैः शूद्रसमाहृतैः<sup>(२)</sup> ।  
 (४) स्याद्वादवाद्या<sup>१</sup> र्हतः<sup>२</sup>स्या च्छून्यवादी<sup>१</sup>तु सौगतः<sup>२</sup> ॥५२५॥  
 नैयायिक<sup>१</sup> स्वा ऽक्षपादो<sup>२</sup> योगः<sup>२</sup> साङ्ख्य<sup>१</sup>स्तु<sup>१</sup> कापिलः<sup>२</sup> ।  
 वैशेषिकः<sup>१</sup> स्यादौलूक्यो<sup>२</sup> वार्द्धस्यत्य<sup>१</sup>स्तु नास्तिकः<sup>२</sup> ॥५२६॥

(१) अककीर्णिनौ व्यककीर्णिनः ॥

(२) नास्ति जपः साध्यागोटस्य ॥

(३) शूद्रेभ्यः समाहृतैः ॥

(४) स्याद्वादवादिनौ स्याद्वादवादिनः । “स्यादन्ति” “स्यान्नास्ति”  
इत्येवं रीत्या वक्तुं शीलाः। स्याद्वाद मशुभक्रिययो इत्येवंतां युक्तिनामनि।

चार्त्वाकोः लौकायतिकः<sup>४</sup> चै ते षडपि तार्किकाः<sup>१</sup> ।  
 चक्रं तु ऋत्रियोः राजाः राजन्यो<sup>४</sup> बाहुसम्भवः<sup>५</sup> ॥५२७॥  
 अर्याः भूमिस्थशोः वैश्याः ऊरुव्या<sup>४</sup> ऊरुजा<sup>५</sup> विशः<sup>६</sup> ।  
 वागिज्यं<sup>१</sup> पाशुपाल्यं<sup>२</sup> च कर्षणं<sup>३</sup> चेति<sup>(१)</sup> वृत्तयः<sup>१</sup> ॥५२८॥  
 आजीवो<sup>१</sup> जीवनं<sup>२</sup> वार्त्ता<sup>३</sup> जीविका<sup>४</sup> वृत्ति<sup>५</sup>-वेतने<sup>६</sup> ।  
 उखो<sup>१</sup> धान्यकणादानं कणिशात्तुर्जनं शिलम्<sup>१</sup> ॥५२९॥  
 ऋतं तद्वय मन्त्रं<sup>१</sup> कविं ऋतं<sup>२</sup> न्तु याचितम्<sup>३</sup> ।  
 अयाचितं<sup>१</sup> स्या दृष्टतं<sup>२</sup> सेवावृत्तिः<sup>३</sup> श्वजीविकारः<sup>४</sup> ॥५३०॥  
 सत्यान्त्रं<sup>१</sup> तु वागिज्यं<sup>२</sup> वणिज्या<sup>३</sup> वागिजो<sup>४</sup> वणिक<sup>५</sup> ।  
 क्रयविक्रयिकः<sup>२</sup> पण्याजीवा<sup>४</sup>-पणिक<sup>५</sup>-नैगमाः<sup>६</sup> ॥५३१॥  
 वैदेहः<sup>७</sup> सार्थवाह<sup>८</sup> च क्रायकः<sup>१</sup> क्रयिकः<sup>२</sup> क्रयी<sup>३</sup> ।  
 क्रयेदे<sup>१</sup> तु विपूर्वा<sup>(२)</sup> स्तो मूल्ये<sup>३</sup> वस्तार-र्थ-वक्रयाः<sup>४</sup> ॥५३२॥  
 मूलद्रव्यं परिपणो<sup>१</sup> नीनी<sup>२</sup> लाभो<sup>३</sup> ऽधिकं फलम्<sup>४</sup> ।  
 परिदानं विनिमयो<sup>२</sup> नैमेयः<sup>३</sup> परिवर्त्तनम्<sup>४</sup> ॥५३३॥  
 व्यतिहारः<sup>५</sup> परावर्त्तो<sup>६</sup> वैमेयो<sup>७</sup> निमयो<sup>(८)</sup> ऽपि च ।  
 निक्षेपो-पनिधी<sup>२</sup> न्यासे<sup>३</sup> प्रतिदानं<sup>४</sup> तदर्पणम्<sup>५</sup> ॥५३४॥  
 केतव्यमानके<sup>१</sup> क्रयं<sup>२</sup> क्रयं<sup>३</sup> न्यस्तं क्रयाय यत् ।  
 पणितव्यं<sup>१</sup> तु विक्रेयं<sup>२</sup> परणं<sup>३</sup> सत्यापनं<sup>४</sup> पुनः ॥५३५॥  
 सत्यङ्कारः<sup>२</sup> सत्याकृति<sup>३</sup> सुख्यौ विपण विक्रयो<sup>४</sup> ।

(१) एकैकं ज्ञेयम् ॥

(२) विक्रायकः १ विक्रायि हः २ विक्रयी ३ विक्रयिता ४ ॥

(३) नैमेय विमयोऽपि च, वैमेय विमयोऽपि च, इति पाठद्वय-  
मपि भवति ॥



गण्यं<sup>(१)</sup> गण्यं संख्येयं<sup>२</sup> संख्या त्वे कादिका भवेत् ॥३३६॥

यद्योत्तरं दशगुणं<sup>(२)</sup> भवेदे को दश<sup>३</sup> ऽमुतः ।

शतं<sup>३</sup> सहस्रं<sup>४</sup> मयुतं<sup>५</sup> लक्षं<sup>६</sup> प्रयुतं<sup>७</sup>-कोटयः<sup>८</sup> ॥५३७॥

अर्बुदं<sup>९</sup> मवजं<sup>१०</sup> खर्वं<sup>११</sup> च निखर्वं<sup>१२</sup> च महाखुजम्<sup>१३</sup> ।

शङ्खं<sup>१४</sup> वार्द्धिं<sup>१५</sup> रन्ध्रं<sup>१६</sup> मध्यं<sup>१७</sup> परार्द्धं<sup>१८</sup> चेति नामतः ॥५३८॥

असंख्यं<sup>१९</sup> द्वीप-वाङ्मार्ग-दि पुङ्गला-लाद्य ऽनन्तकम्<sup>२०</sup> ।

सांख्यातिकः<sup>२१</sup> पोतवणिग् यानपात्रं<sup>२२</sup> वहितकम्<sup>२३</sup> ॥५३९॥

बोद्धव्यं<sup>२४</sup> वह्नं<sup>२५</sup> पोतः<sup>२६</sup> पोतवाहो<sup>२७</sup> नियामकः<sup>२८</sup> ।

निर्यामः<sup>२९</sup> कर्णधार<sup>३०</sup> सु नात्रिको<sup>३१</sup> नौ<sup>३२</sup> सु मङ्गिनी<sup>३३</sup> ॥५४०॥

तरी<sup>३४</sup>-तरण्यौ<sup>३५</sup> वेड़ा<sup>३६</sup> ऽथ द्रोणी<sup>३७</sup> काष्ठाख्वाहिनी ।

नौकादण्डः<sup>३८</sup> क्षेपणी<sup>३९</sup> स्या ङ्गणरत्नं<sup>४०</sup> सु कूपकः<sup>४१</sup> ॥५४१॥

पोलिन्दा<sup>४२</sup> स्व ऽन्तरादण्डाः<sup>४३</sup> स्या त्मङ्गो<sup>४४</sup> मङ्गिनीशिरः ।

अस्त्रि<sup>४५</sup> सु काष्ठकुहालः<sup>४६</sup> सेकपात्रं<sup>४७</sup> तु सेवनम्<sup>४८</sup> ॥५४२॥

केनिपातः<sup>४९</sup> कोटिपात्रं<sup>५०</sup> मरितं<sup>५१</sup> ऽथो डुपः<sup>५२</sup> श्वः<sup>५३</sup> ।

कोलो<sup>५४</sup> भेलं<sup>५५</sup> स्तरण्डं<sup>५६</sup> च स्या उत्तरपण्य मातरः<sup>५७</sup> ॥५४३॥

वृद्ध्याजीवो<sup>५८</sup> द्वैगुणिको<sup>५९</sup> वाहु<sup>६०</sup> पिक्कः<sup>६१</sup> कुशीदिकः<sup>६२</sup> ।

वाहु<sup>६३</sup> पि<sup>६४</sup> च कुशीदा<sup>६५</sup> र्थे प्रयोगौ<sup>६६</sup> वृद्धिजीवने ॥५४४॥

वृद्धिः<sup>६७</sup> कलान्तर<sup>६८</sup> मृगां<sup>६९</sup> तू द्वारः<sup>७०</sup> पर्युपदञ्चनम्<sup>७१</sup> ।

(१) गणसंख्याने कवर्ग तृतीयाद्यस्यरादिर्घातः ॥

(२) दशगुणसंख्या यस्मिन् तद्दशगुणं क्रियाविशेषणमेतत् यथा एकादशामिर्गुणितो दश भवेत् ॥

(३) सां यातिक इत्यपि ॥

याञ्जयाप्रं याचितकं<sup>१</sup> परिवृत्त्या ऽपमित्यकम् ॥५४५॥  
 अर्धमर्गो<sup>१</sup> ग्राहकः स्या दुक्तमर्णा<sup>१</sup> स्तु दायकः ।  
 प्रतिभूर्त्तग्नकः<sup>१</sup>(१) साची<sup>१</sup>स्येय<sup>२</sup> आधि<sup>१</sup>स्तु बन्धकः<sup>२</sup>॥५४६॥  
 तुलाद्यैः पौतवं<sup>१</sup> मानं द्रुवयं<sup>१</sup> कुडवादिभिः ।  
 पाय्यं<sup>१</sup> हस्तादिभि सत स्याद् गुञ्जाः पञ्च माषकः<sup>२</sup> ॥५४७॥  
 ते तु षोडश कर्षो<sup>१</sup> ऽक्षः<sup>२</sup> पलं<sup>१</sup> कर्षचतुष्टयम् ।  
 विस्तः<sup>१</sup>सुवर्णो<sup>१</sup> हेम्बो ऽचे कुरुविस्त<sup>१</sup>स्तु तत् पले ॥५४८॥  
 तुला<sup>१</sup> पलशतं तासां विंशत्या भार<sup>१</sup> आचितः<sup>२</sup> ।  
 शाकटः<sup>२</sup> शाकटीन<sup>४</sup> च शलाट<sup>५</sup> स्ते दशा<sup>६</sup> चितः<sup>१</sup> ॥५४९॥  
 चतुर्भिः कुड्वैः प्रस्थैः<sup>१</sup> प्रस्थै चतुर्भि राढकः<sup>१</sup> ।  
 चतुर्भि राढकै द्रोणैः<sup>१</sup> खारी<sup>१</sup> षोडशभि च तैः ॥५५०॥  
 चतुर्विंशत्या ऽङ्गुलामां हस्तो<sup>१</sup> दण्ड<sup>१</sup>चतुष्करः ।  
 तत्सहस्रौ तु गव्यूतं<sup>१</sup> क्रोश<sup>१</sup>सौ द्वौ तु गोरुतम्<sup>१</sup>॥५५१॥  
 गव्या<sup>२</sup>गव्यूत<sup>२</sup>-गव्यूती<sup>४</sup> चतुःक्रोशं तु योजनम्<sup>१</sup> ।  
 पाशुपाल्यं जीवृत्ति<sup>२</sup>र्गोमान<sup>१</sup>गोभी<sup>२</sup> गवीश्वरे<sup>२</sup> ॥५५२॥  
 गोपाले<sup>१</sup> गोधु<sup>२</sup> गाभीर<sup>२</sup>-गोप<sup>४</sup>-गोसङ्घ<sup>५</sup>-त्रल्लवाः<sup>६</sup> ।  
 गोविन्दो<sup>१</sup> ऽधिक्तो गोषु जावाल<sup>१</sup> स्तु ऽजजीविकः<sup>२</sup> ॥५५३॥  
 कुटुम्बी<sup>१</sup> कर्षकः<sup>२</sup> चेतो<sup>२</sup> हर्ला<sup>४</sup> हषिक<sup>५</sup>-कार्षकौ<sup>६</sup> ।  
 कधीत्रलो<sup>१</sup> ऽपि जित्या<sup>१</sup>(२) तु हलिः<sup>२</sup>सीर<sup>१</sup>स्तुलाङ्गलम्<sup>२</sup> ॥५५४॥  
 गोदारंवा<sup>२</sup> हल<sup>४</sup> मीषा<sup>१</sup>-सीते<sup>१</sup>त-दण्ड पद्मती ।

(१) जामिन् इति ख्यातस्य ॥

(२) ईहजलस्य ॥

निरीषे<sup>(२)</sup> कुटकां फाले<sup>१</sup> कषकः<sup>२</sup> कुशिकः<sup>३</sup> फलम्<sup>४</sup> ॥५५॥  
 दानं<sup>१</sup> क्षविट<sup>२</sup> तन्मष्टौ बण्टो<sup>३</sup> मयं<sup>४</sup> समीकृतौ ।  
 गोदारणं<sup>१</sup> तु कुदालः<sup>२</sup> खनित्रं<sup>३</sup> त्व वदारणम्<sup>४</sup> ॥५५६॥  
 प्रतोदं<sup>१</sup> स्तु प्रवयणं<sup>२</sup> प्राजनं<sup>३</sup> तोन्म<sup>४</sup>-तोदने<sup>५</sup> ।  
 योत्रं<sup>१</sup> तु योक्तमा<sup>२</sup> वन्मः<sup>३</sup> कोटिशो<sup>४</sup> लोष्टभेदनः<sup>५</sup> ॥५५७॥  
 मेधिं<sup>१</sup> मेधिः<sup>२</sup> खलेवाली<sup>३</sup> खले गोबन्धदारु यत् ।  
 मूद्रो<sup>१</sup> ऽन्यवर्णो<sup>२</sup> वृषलः<sup>३</sup> पद्यः<sup>४</sup> पञ्जो<sup>५</sup> जघन्यजः<sup>६</sup> ॥५५८॥  
 ते तु मूर्द्धावसिक्तादा ऽऽरयन्निष्प्रजातयः ।  
 चन्त्रियायां द्विजा न्मूर्द्धावसिक्तो<sup>१</sup>, विट् स्त्रियां पुनः ॥५५९॥  
 चन्मष्टो<sup>१</sup> ऽथ पारशव<sup>२</sup>-निषादौ<sup>३</sup> मूद्रयोषिति ।  
 चन्त्रा न्माहिष्यो<sup>४</sup> वैश्याया मुग्र<sup>५</sup> स्तु वृषलस्त्रियाम् ॥५६०॥  
 वैश्या न्मु करणः<sup>१</sup> मूद्रा च्चायोगवो<sup>२</sup> विशःस्त्रियाम् ।  
 चन्त्रियायां पुनः चन्त्रा<sup>३</sup> चण्डालो<sup>४</sup> ब्राह्मणस्त्रियाम् ॥५६१॥  
 वैश्या न्मु मागधः<sup>१</sup> चन्त्रां वैदेहको<sup>२</sup> द्विजस्त्रियाम् ।  
 सूत<sup>१</sup> स्तु चन्त्रिया ज्ञात इति द्वादश तद्धिदः ॥५६२॥  
 माहिष्येण तु जातः स्यात्करणं रथकारकः<sup>१</sup> ।  
 कारुं<sup>१</sup> स्तु कारी<sup>२</sup> प्रकृतिः<sup>३</sup> शिल्पी<sup>४</sup> श्रेणिसु तद्गणः ॥५६३॥  
 शिल्पं<sup>१</sup> कला<sup>२</sup> विज्ञानं<sup>३</sup> च भालाकारं<sup>४</sup> स्तु मालिकः<sup>५</sup> ।  
 पुष्पाजीवः<sup>१</sup> पुष्पलाबी<sup>२</sup> पुष्पाणा भवचायिनो ॥५६४॥  
 कल्पपालः<sup>१</sup> सुराजीवी<sup>२</sup> शौखिको<sup>३</sup> मण्डहारकः<sup>४</sup> ।

(२) यस्यापि फालो विवध्यते तस्य निष्क्रान्ता रूपा अस्मात् ॥

वारिवासः<sup>१</sup> पानवणिक<sup>१</sup> ध्वजो<sup>१</sup> (१) ध्वजा सुतीव्रलः<sup>८</sup> ॥५१५॥

मद्यं<sup>१</sup> मदिष्ठारं<sup>२</sup> मदिरा<sup>३</sup> परिस्तुता<sup>४</sup> ।

कथ्यं<sup>२</sup> परिस्तु<sup>१</sup>न्मधु<sup>१</sup> कापिप्रायनम् ।

गन्धोत्तमा<sup>६</sup> कल्य<sup>१</sup> मिरा<sup>१</sup> परिस्तुता<sup>३</sup> ।

कादस्वरी<sup>१</sup> स्वादुरसा<sup>४</sup> हलिप्रिया<sup>१</sup> ॥५१६॥

शुण्डा<sup>१</sup> हाला<sup>१</sup> हारहरं<sup>१</sup> प्रसन्ना<sup>६</sup> वाक्यी<sup>२</sup> सुरा<sup>१</sup> ।

माधीकं<sup>२</sup> (२) मदना<sup>२</sup> देवसृष्टारं<sup>४</sup> कापिप्र<sup>५</sup> मञ्जिजा<sup>२</sup> ॥५१७॥

मध्वासवे<sup>१</sup> माधवको<sup>१</sup> मैरेये<sup>१</sup> (३) शीधु<sup>२</sup> रासवः<sup>२</sup> (४) ॥

जगलो<sup>१</sup> मेदको<sup>२</sup> मद्यपङ्कः<sup>३</sup> किरवं<sup>१</sup> तु नग्नः<sup>२</sup> ॥५१८॥

नग्नः<sup>२</sup> मद्यजी<sup>४</sup> च मद्यसन्धानमा<sup>१</sup> सुतिः<sup>२</sup> ।

(५) घासवो<sup>२</sup> ऽभिषवो<sup>४</sup> मद्यमण्ड<sup>१</sup>-कारोत्तमौ<sup>१</sup> समौ ॥५१९॥

गत्वर्क<sup>१</sup>स्तु चक्रः<sup>२</sup> स्यात्सरक<sup>३</sup> चा सुतर्षणम् ।

शुण्डा<sup>१</sup> पानमदस्थानं<sup>१</sup> मधुवारा<sup>१</sup> मधुक्रमाः<sup>२</sup> (६) ॥५२०॥

(१) “पानवणिकौ पानवणिकः ।” “ध्वजिनौ ध्वजिनः ।” “यथा दशचक्री समो ध्वजः ।”

(२) माध्वत्यनवामाधीकं सृणीकालीके इको निपात्यते सृणीक विकारोमाधीकमित्यन्यं, माधीक इति वा ॥

(३) मिराथां देशे भवो गौडग्राः सुराया विशेषो मैरेयः नद्या द्विवादेयण मोरे समुद्रे भव इति वा तत्र । शेरतेनेन शीधो शुक् पुं- लोवञ्चिष्वावेतौ ॥

(४) आसूयते आसवः । सुरा चतुर्णां “गौडो १ पौष्टी २ च माधी ३ च फलोष्ठा ४ च सुराः स्मृता” इति ॥

(५) घासवनमासवः, एवमभिषवश्च ॥

(६) मद्यपानावसरस्य हे ॥

सपीतिः<sup>१</sup> सङ्घपानं<sup>२</sup>(१) स्याद्वापानं<sup>३</sup> पानगोष्ठिका<sup>२</sup> ।  
 उपदंशं<sup>४</sup> स्ववदंशं<sup>५</sup> सचयं<sup>६</sup> मद्यपानम<sup>७</sup> ॥५७१॥<sup>८</sup>  
 नाङ्गिन्धमः<sup>९</sup> स्वर्णकारः<sup>१०</sup> कलादो<sup>११</sup> मुष्टिक<sup>१२</sup> च सः ।  
 वैजसवर्त्तनी<sup>१३</sup> मूषा<sup>१४</sup> भस्त्रा<sup>१५</sup> चर्मप्रसेविका<sup>१६</sup>(१) ॥५७२॥  
 आम्फोटनी<sup>१७</sup> वेधनिका<sup>१८</sup> शाय<sup>१९</sup> सुनिकषः<sup>२०</sup> कषः<sup>२१</sup> ।  
 सन्दंसः<sup>२२</sup> स्यात्कङ्कमुखोन्नमः<sup>२३</sup> कुन्दं<sup>२४</sup> च यन्त्रकम्<sup>२५</sup> ॥५७३॥  
 बैकटिको<sup>२६</sup> मणिकारः<sup>२७</sup> शौत्विक<sup>२८</sup> साम्बकुट्टकः<sup>२९</sup> ।  
 शाङ्गिकः<sup>३०</sup> स्यात्कास्त्रविक<sup>३१</sup> सुन्नवाय<sup>३२</sup> सुसौचिकः<sup>३३</sup> ॥५७४॥  
 कपाणी<sup>३४</sup> कर्त्तरी<sup>३५</sup> कल्पन्य<sup>३६</sup> पिस्त्रुची<sup>३७</sup> तु सेवनी<sup>३८</sup> ।  
 सृचिसूतं<sup>३९</sup> पिप्पलकं<sup>४०</sup> तर्कुः<sup>४१</sup> कर्त्तनसाधनम्<sup>४२</sup> ॥५७५॥  
 पिच्चनं<sup>४३</sup> विहननं<sup>४४</sup> च तूलस्फोटनकार्मुकम्<sup>४५</sup> ।  
 सेवनं<sup>४६</sup> सीवनं<sup>४७</sup> स्यूति<sup>४८</sup> खुल्यौ स्यूतं<sup>४९</sup>-प्रसेवको<sup>५०</sup> ॥५७६॥  
 तन्तवायः<sup>५१</sup> कुविन्दः<sup>५२</sup> स्यात्त्रसरः<sup>५३</sup> सूत्रवेष्टनम्<sup>५४</sup> ।  
 वाणि<sup>५५</sup> व्यूति<sup>५६</sup> बानदण्डो<sup>५७</sup> वेमा<sup>५८</sup>(४) सूत्राणि<sup>५९</sup> तन्तवः<sup>६०</sup>(५) ॥५७७॥  
 निर्योजकं<sup>६१</sup> सु रजकः<sup>६२</sup> पादुकाङ्गं<sup>६३</sup> तु चर्मकृतं<sup>६४</sup>(६) ।

(१) मिलित्वा मद्यपाने द्वे । मद्यपानस्थानेपि द्वे ॥

(२) मद्यपानरुचिकरमध्यस्य चत्वारि ॥

(३) "पुंसि चर्मप्रसेवकः" इति कोषान्तरम् ॥

(४) वेमानौ वेमानः, वेम वेम्नी, वेमनी वेमानि इत्यादि स्त्रीषु ।

(५) तन्तः पुं स्त्री, तन्त्रमण्डल यदनेकार्थः "तन्त्रं सिद्धान्तेराष्ट  
 परब्रह्मप्रधानयोः । अङ्गदे कुटम्बकाल्ये च तन्तवाने परिच्छदे इ  
 शाखान्तरे शास्त्रे करणे द्वयधीसाधके" इति ॥

(६) रजकस्य द्वे, चर्मकारस्यापि द्वे ॥

उपानत्पाङ्कान्पाङ्कः<sup>१</sup> पञ्चद्वा<sup>४</sup> पादरक्षणम्<sup>५</sup> ॥५७८॥  
 प्राणाहिता<sup>६</sup>(१) सुपदीना<sup>१</sup> त्वा बद्धा सुपदं हि या ।  
 नङ्गी<sup>१</sup> बङ्गी<sup>१</sup> वरना<sup>१</sup> स्या दारा<sup>१</sup> चर्म्मप्रभेदिकार<sup>१</sup> ॥५७९॥  
 कुलालः<sup>१</sup> स्यात् कुम्भकारो<sup>२</sup> दण्डभ<sup>३</sup> चक्रजीवकः<sup>४</sup> ।  
 शाणाजीवः<sup>१</sup> शस्त्रमाजो<sup>२</sup> अमाशक्तो<sup>३</sup> सिधापकः<sup>४</sup> ॥५८०॥  
 धूम<sup>१</sup> चाक्रिके<sup>२</sup> सौली<sup>३</sup> स्या त्पिण्याक<sup>४</sup>-खलौ<sup>५</sup> समौ ।  
 रथकत्स्थपतिरे<sup>१</sup> स्वष्टा<sup>२</sup>(२) काष्ठतट<sup>३</sup> तच्च<sup>४</sup>-वर्द्धकी<sup>५</sup> ॥५८१॥  
 ग्रामायत्नी ग्रामतच्चः<sup>१</sup> कौटतच्चो<sup>२</sup> नधीनकः ।  
 वृक्षभि<sup>१</sup> सन्नगी<sup>२</sup> वासी<sup>३</sup> ककचं<sup>४</sup> करपत्रकम्<sup>५</sup> ॥५८२॥  
 म उह्नो<sup>१</sup> यत्र काष्ठे काष्ठं निक्षिप्य तत्रते ।  
 वृधादनो<sup>१</sup> वृक्षभेदी<sup>२</sup> टङ्कः<sup>३</sup> पाषाणदारकः<sup>४</sup> ॥५८३॥  
 व्योकारः<sup>१</sup> कर्मारो<sup>२</sup> लोहकारः<sup>३</sup> कूटं<sup>४</sup> त्व ऽयोधनः<sup>५</sup> ।  
 (२) ब्रश्चनः<sup>१</sup> पत्रपरशु<sup>२</sup> रीषीका<sup>३</sup> तूलिके<sup>४</sup> धिका<sup>५</sup> ॥५८४॥  
 मध्यकारः<sup>१</sup> कान्दविकः<sup>२</sup> कन्दु<sup>३</sup>-खेदनिके<sup>४</sup> समे ।  
 रङ्गाजीव<sup>१</sup> सौलिकिके<sup>२</sup> श्वित्रज्ञे<sup>३</sup> च्वा ऽय तूलिका<sup>४</sup> ॥५८५॥  
 कूचिकारे, चित्त<sup>१</sup> मालेख्यं<sup>२</sup>, पलगण्ड<sup>३</sup> स्तु लेपकत्<sup>४</sup> ।  
 पुस्तं<sup>१</sup> लेप्यादिकर्म्म स्या न्मापित<sup>२</sup> श्वण्डलः<sup>३</sup> चुरी<sup>४</sup> ॥५८६॥

(१) घटं चर्म्मपाङ्कामात्रे । "मोजा" "बुट्" इति इदानीं प्रसिद्धायां पाङ्ककायामेकम् ॥

(२) त्वष्टारौ त्वष्टारः, काष्ठतच्चौ काष्ठतच्चः, तथा तच्चः-गणैः तच्चाणः, वर्द्धकिः वर्द्धकी वर्द्धकयः ॥

(३) ब्रश्चनः नागवल्लीपत्रच्छेदक अस्त्र इत्येके ॥

घुरमर्दी<sup>१</sup> शिवाकीर्त्ति<sup>२</sup> सुखडको<sup>३</sup> ऽन्तावसाब्<sup>४</sup>पि ।  
 सुखडनं<sup>१</sup> भद्राकरणं<sup>२</sup> वपनं<sup>३</sup> परिवापणम्<sup>(१)</sup> ॥५८७॥  
 चौरं<sup>२</sup> नाराची<sup>१</sup> त्वे घिण्णां<sup>२</sup>, देवाजीवं<sup>३</sup>सु देवलः<sup>२</sup> ।  
 मार्दङ्गिको<sup>१</sup> भौरजिको<sup>२</sup>, वीणावाद्<sup>३</sup>सु वैणिकः<sup>२</sup> ॥५८८॥  
 वेणुधमः<sup>१</sup> स्या द्वैणविकः<sup>२</sup>, पाणिवः<sup>३</sup> पाणिवद्कः<sup>२</sup> ।  
 स्या त्प्रातिहारिको<sup>१</sup> मायाकारो<sup>२</sup>, माया<sup>३</sup>तु साम्बरी<sup>४</sup> ॥५८९॥  
 इन्द्रजालं<sup>१</sup> तु कुहकं<sup>२</sup> जालं<sup>३</sup> कुहति<sup>४</sup> रित्यपि ।  
 कौतूहलं<sup>१</sup> तु कुतकं<sup>२</sup> कौतुकं<sup>३</sup> च कुतूहलम्<sup>४</sup> ॥५९०॥  
 व्याधो<sup>१</sup> मृगवधाजीवी<sup>२</sup> लुब्धको<sup>३</sup> मृगयु<sup>४</sup> च सः ।  
 पापङ्क्तिं<sup>१</sup> मृगयारखेटो<sup>२</sup> मृगव्या<sup>३</sup>-खोदने<sup>४</sup> अपि ॥५९१॥  
 जालिकं<sup>१</sup> सु वागुरिको<sup>२</sup>, वागुरा<sup>३</sup> मृगजालिकारं ।  
 (१) शुभं<sup>१</sup> वटारको<sup>२</sup> रज्जुः<sup>३</sup> शुल्ल<sup>४</sup> तन्वी<sup>५</sup> वटी<sup>६</sup> गुणः<sup>७</sup> ॥५९२॥  
 भीवरे<sup>१</sup> दाश<sup>२</sup> कैवर्त्त<sup>३</sup>(२), वडिपं<sup>४</sup> मत्स्यवेधनम्<sup>५</sup> ।  
 आनायं<sup>१</sup>सु मत्स्यजालं<sup>२</sup> कुवेणी<sup>३</sup> मत्स्यबन्धनी<sup>४</sup> ॥५९३॥  
 जीवान्तकः<sup>१</sup> शाकुनिको<sup>२</sup>, वैतंसिक<sup>(४)</sup>सु सौनिकः<sup>२</sup> ।  
 मांसिकः<sup>३</sup> कौटिक<sup>४</sup> श्वाथ सूना<sup>५</sup> स्थानं<sup>६</sup> वधस्य यत् ॥५९४॥  
 स्या बन्धनोपकरणं<sup>१</sup> वीतंसो<sup>२</sup> मृगपक्षिणाम् ।

(१) परिवापनम् इत्यपि ॥ (५८९) "शाम्बरी" इत्यपि ॥

(२) गुणति शुभं स्त्री लीवलिङ्गः, तन्वं तन्वाद्य इति निपा-  
 त्यते, वच्यते वटारः द्वारशृङ्गारेत्यारेनिपाते के वटारकः ॥

(३) दन्त्यवान् दासशब्दः सेवकारीः ॥

(४) वीतंसेन पञ्चादिधातयेन जीवति ॥

पाशं सु बन्धनग्रथिरे रवपाता<sup>१</sup>-वटौ<sup>२</sup> समौ ॥५८५॥

सर्माथः<sup>१</sup> कूटयन्त्रे<sup>२</sup> स्यात् किवर्णं<sup>१</sup> सु पृथग्जनः<sup>२</sup> ।

दूतरं<sup>२</sup> प्राकृतो<sup>१</sup> नीचः<sup>५</sup> बामरो<sup>६</sup> वर्धर<sup>७</sup> च सः ॥५८६॥

षण्डालो<sup>१</sup> न्नावसा<sup>२</sup>यन्नेवासि<sup>३</sup>-श्वपच<sup>४</sup>-बुक्कसाः<sup>५</sup> ।

निषाद<sup>१</sup>-श्व<sup>२</sup>-मातङ्ग<sup>३</sup>-दिवाकीर्त्ति<sup>४</sup>-जनङ्गमा<sup>५</sup> ॥५८७॥

पुलिन्दा<sup>१</sup> नाहृत्ता<sup>२</sup> निष्ठाः<sup>३</sup> शत्ररा<sup>४</sup> वरुटा<sup>५</sup> भटाः<sup>६</sup> ।

माला<sup>७</sup>भिल्लाः<sup>८</sup>किराता<sup>९</sup>स सर्वे ऽपि न्नेच्छजातयः ॥५८८॥

इत्याचार्यं श्रीहेमचन्द्रविरचितायामभिधानचिन्तामणौ

बाम मालायां मर्त्यकाण्डस्ततीयः समाप्तः ॥३॥





## भूमिकाण्डः ।



भू भू मिः२ पृथिवी० पृथ्वी० वसुधो२ वी० वसुन्धरा० ।  
 धात्री० धरित्री० धरणी० विष्ठा॥ विष्कम्भरा॥ धरा॥ ॥१॥  
 द्विति० त्रौणी० चमा० नन्ता० ज्या० कु० वसुमती० महो० ।  
 गौ० गौता० भूतधात्री० क्ष्मा० गन्धमाता० चला० वनिः० ।  
 सर्वसृष्टा० रत्नगर्भा० जगती० मेदिनी० रसा० ।  
 काश्यपी० पर्वताधारा० स्थिरे० ला० रत्न० बीज० सूः (१) ॥  
 विपुला० सागरा च्चा ये स्युर्नेमी० मेखला० खरा० (२) ।  
 द्यावापृथिव्यौ० तु द्यावाभूमौ० द्यावाचमे० अपि ॥४॥  
 दिवस्पृथिव्यौ० रोदसी० (३) रोदसी० रोदसी० च ते ।  
 उर्वरा० सर्वसृष्ट्याभूरि रियां पुन रूषरम् ॥५॥  
 स्थलं स्थलीं मरुं धन्वा० (४) क्षेत्राद्य प्रहृतं खिलम् ।  
 मनु० सृष्टिकारो सा धारो घो० सत्त्वा० सत्त्वा० च सा शुभा ॥६॥  
 (५) रुमा० लवणखानिः स्यात् सामुद्रं लवणं हि यत् ।

(१) रत्नस्यै रत्नसः, रत्नसूः । बीजसूः २ ॥

(२) सागरनेमी सागरमेखला सागराधराः ॥

(३) रोदसी स्त्रीलिङ्गोऽयं द्विवचनान्तः सान्तः, इकारान्त “रोदसी रोदसी च ते” इति डावपि द्विवचनान्तौ क्लीब स्त्रीलिङ्गौ सान्तः अकारान्तोऽपि ॥ (४) धन्वात् धन्वानः ॥

(५) रुमाणौ रुमाणः । अथवा रुमास्त्री आकारान्तः ॥

त दक्षीवं वञ्चिरक्षं सैन्धवं तु नदीभवत् ॥ १७ ॥  
 मर्त्यामन्त्रं शीतश्चिवं रौमकं तु कर्माभवत् ॥  
 वसुकं वसुकं तच्च विह्वं-पाक्वे तु कृत्तिमे ॥ १८ ॥  
 सौवर्चले ऽष्पकं रश्चकं दुर्गन्धं मूलनाशकम् ॥  
 जषो तु तत्र तिलकं यवचारो यवाग्रजः ॥ १९ ॥  
 यवमालजः पाक्वं च पाचनकं सु टङ्कखः ॥  
 मालतीतीरजो ह्यो ह्येषाणो (१) रसशोधनः ॥ २० ॥  
 समा सु खर्जिकाचारं कापोतं-सुखवर्चकाः ॥  
 खर्जिं सु खर्जिकां सु ग्नीयोगवाही सुवर्चिका ॥ २१ ॥  
 भरतान्यै रावतानि विदेहा च कुहन् विना ।  
 वर्षाणि कक्षीभूम्यः स्थुः श्रेपाणि फलभूमयः ॥ २२ ॥  
 वर्षा वर्षाभरद्वयं विप्रयं सु पवर्त्तनम् ॥  
 देशो जनपदो नीटत् (२) राष्ट्रं निर्गं च मण्डलम् ॥ २३ ॥  
 आर्यावर्त्ती जन्मभूमि जिनवक्र-ईशक्रियाम् ।  
 पुण्यराभे चारवेदी मध्यं विन्ध्यहिमागयोः ॥ २४ ॥  
 गङ्गायमुनयो मध्यं मन्तर्वेदिः समस्थली ॥  
 ब्रह्मावर्त्ती सरस्वत्या वृषद्वत्या च मध्यतः ॥ २५ ॥  
 ब्रह्मवेदिः कुरुक्षेत्रे पञ्चरामद्वान्तरम् ।  
 धर्मक्षेत्रं कुरुक्षेत्रं हादशयोजनात्रयि ॥ २६ ॥  
 हिमवद्विन्ध्ययो र्मध्यं यत् प्राग्विनशना दपि ।

(१) लोहं हेमादि, श्लिष्यतेऽनेन लोहश्लेषणः ॥

(२) नीटत स्त्री, तीटवौ नीटतः ॥

प्रत्यगेव प्रयागा च मध्यदेशः<sup>१</sup> स मध्यमः<sup>२</sup> ॥१७॥  
 देशः प्राग्दक्षिणः प्राच्यो<sup>१</sup> नदीं वाव च्छरावतीम् ।  
 पश्चिमोत्तरं सू दीच्यः<sup>१</sup> प्रत्यन्तो<sup>१</sup> ऋच्छमण्डलः ॥१८॥  
 पाण्डू-दक्ष-क्षणा-भूमः<sup>१</sup> पाण्डू-दक्ष-क्षणा-सक्तिके<sup>(१)</sup> ।  
 जङ्गलो<sup>१</sup> निर्जलो<sup>१</sup> नूपो<sup>१</sup> ऽस्मान् कच्छ<sup>१</sup>स्तु तद्विधः ॥१९॥  
 कुमुदान् कुमुदावासो वेतखान्<sup>१</sup> भूरिवेतसः ।  
 नडप्रायो<sup>१</sup> नडकीयो<sup>२</sup> नड्वा<sup>२</sup> च नड्वल<sup>४</sup> च सः ॥२०॥  
 शाड्वलः<sup>१</sup> शाद्वहरिते देशो नद्यम्बुजीवनः ।  
 स्था नदीमाढको<sup>१</sup> देवमाढको<sup>१</sup> वृष्टिजीवनः ॥२१॥  
 प्राग्ज्योतिषाः<sup>१</sup> कामरूपामालवाः<sup>१</sup> स्यु रवन्तयः<sup>२</sup> ।  
 त्रैपुरा<sup>१</sup>स्तु डाहलाः<sup>२</sup> स्यु शैद्या<sup>१</sup>स्तु चेदय<sup>४</sup> च ते ॥२२॥  
 वङ्गा<sup>१</sup>स्तु हरिकेलीया<sup>२</sup> अङ्गा<sup>१</sup> चम्प्योपलक्षिताः ।  
 साखा<sup>१</sup>स्तु कारकुचीया<sup>२</sup> मरवा<sup>१</sup>स्तु दशेरकाः<sup>२</sup> ॥२३॥  
 जालन्धरा<sup>१</sup> स्त्रिगन्तीः<sup>२</sup> स्यु स्थायिकः<sup>१</sup> स्तर्जिकाभिधाः ।  
 कश्मीरा<sup>१</sup>स्तु माधुमता<sup>२</sup> सारस्वता<sup>२</sup> विकर्णिकाः<sup>४</sup> ॥२४॥  
 वाङ्गिका<sup>१</sup> वृक्षः<sup>२</sup> नामानो वाह्लीका<sup>१</sup> वाह्लिका<sup>१</sup>-ह्वयाः ।  
 तुरष्का<sup>१</sup>स्तु साख्यः<sup>२</sup> स्युः कारुषा<sup>१</sup>स्तु वृहद्गृह्याः<sup>२</sup> ॥२५॥  
 लम्पाका<sup>१</sup>स्तु सुरण्डाः<sup>२</sup> स्युः सौवीरा<sup>१</sup>स्तु कुमालकाः<sup>२</sup> ।  
 प्रत्यग्रथा<sup>१</sup>स्त्व द्विच्छत्राः<sup>२</sup> कीकटा<sup>१</sup> मगधा<sup>२</sup>-ह्वयाः ॥२७॥  
 (२) उण्डाः<sup>१</sup> केरल<sup>२</sup>-पर्यायाः कुन्तला<sup>१</sup> उपहासकाः<sup>२</sup> ।

(१) पाण्डुभूमः १ उदग्भूमः २ क्षणभूमः ३ तद्विधोऽनूपप्रयायः ४

(२) उल्ब इति प्रसिद्धायाम् ॥ (२१) "शाद्वह" इत्यपि ॥

ग्रामीक्षु वसथः<sup>२</sup> सन्नि-प्रति-पर्युप-तः परः<sup>(१)</sup> ॥२७॥  
 पाटक<sup>१</sup> क्षु तद्वे स्या दाघाट<sup>१</sup> क्षु घटो<sup>२</sup> ऽवधिः<sup>३</sup> ।  
 अन्तो<sup>४</sup> ऽवमान<sup>५</sup> सीमा<sup>६</sup> च मर्यादा<sup>७</sup> ऽपि च सीमनि<sup>८</sup> ॥२८॥  
 ग्रामसीमा तू पश्ल्यं<sup>१</sup> मालं<sup>२</sup> ग्रामान्तराटवी ।  
 पर्यन्तभूः परिसरः स्यात् कर्मान्त<sup>१</sup> क्षु कर्मभूः ॥२९॥  
 गोस्थानं<sup>१</sup> गोष्ठमेत त्तु मौठीनं<sup>२</sup> भूतपूर्वकम् ।  
 तदाश्रितंगवीनं<sup>३</sup> स्या ज्ञावो यत्राश्रिताः पुरा ॥३०॥  
 चेतु तु वप्रः<sup>२</sup> केदारः<sup>३</sup> सेतौ<sup>४</sup> पाल्या<sup>५</sup>-लि<sup>६</sup>-सखराः<sup>७</sup> ।  
 चेतं तु शाकस्य शाकशाकटं<sup>१</sup> शाकशाकिनम्<sup>२</sup> ॥३१॥  
 त्रैहेयं<sup>३</sup> शालेयं<sup>४</sup> षष्ठिक्यं<sup>५</sup> कौट्टवीणं<sup>६</sup>-मौड्जीने<sup>७</sup> ।  
 वीह्यादीनां चेत्रे ऽणव्यं<sup>१</sup> तु स्यादा खवीने मयोः ॥३२॥  
 भङ्ग<sup>१</sup> भाङ्गीने<sup>२</sup> मौमीने<sup>३</sup> सुस्यं<sup>४</sup> यळं<sup>५</sup> यवक्यं<sup>६</sup>-वत् ।  
 तिल्यं<sup>१</sup> तैलीने<sup>२</sup> माषीणं<sup>३</sup> माष्यं<sup>४</sup> भङ्गादिसम्भवम् ॥३३॥  
 शीलं<sup>१</sup> हल्यं<sup>२</sup> त्रिहल्यं<sup>३</sup> तु त्रिशीलं<sup>४</sup> त्रिगुणाकृतम्<sup>५</sup> ।  
 तृतीयाकृतं<sup>६</sup> द्विहल्या<sup>७</sup>-द्येवंशखाकृतं<sup>८</sup> च तत् ॥३४॥  
 बीजाकृतं<sup>१</sup> तू प्लकष्टं<sup>२</sup> द्रौणिका<sup>३</sup>-ढकिका<sup>४</sup>-दयः<sup>(२)</sup> ।  
 स्यु द्रौणा-ढक-वापादौ<sup>(३)</sup> खलघानं<sup>४</sup> पुनः खलम्<sup>(४)</sup> ॥३५॥

(१) संवसथः १ निवसथः २ प्रतिवसथः ३ परिवसथः ४ उपव-  
 सथः ५ ॥ (२) आदिना खारीकादयो गृह्यन्ते ॥

(३) उपपत्तेऽस्मिन्निति वापः चेतं द्रौणाढकयोर्वापः द्रौणाढकयापः  
 स आदिर्दस्य स तथा आदिशब्दाद् द्रौणं पचति सम्भवत्ववहरति वा  
 द्रौणिकः कटाहः द्रौणिकी स्यात्वी एवम् आढकिकः कटाहः आढ-  
 किकी स्यात्वी इत्याद्याः ॥ (४) खलं त्रिगु ॥

पूर्णो<sup>१</sup> चोदो<sup>२</sup> ऽथ रजसि<sup>१</sup>(१) स्युर्धृती<sup>२</sup>-पांसु<sup>२</sup>-(२) रेखावः<sup>३</sup> ।  
 लोष्टे<sup>३</sup> लोष्टु<sup>३</sup> दक्षि<sup>३</sup> लेष्टु<sup>३</sup> व्खीकः<sup>३</sup> कभिपर्वतः<sup>३</sup> ॥ ३६ ॥  
 वम्बीकूटं<sup>३</sup>(३) वामलूरो<sup>३</sup> नाकुः<sup>३</sup> शक्रशिर<sup>३</sup> च सः ।  
 नगरी<sup>३</sup>पू<sup>३</sup> पुरी<sup>३</sup> द्रङ्गः<sup>३</sup> पत्तनं<sup>३</sup> पुटभेदनम्<sup>३</sup> ॥ ३७ ॥  
 निवेशन<sup>३</sup> मधिष्ठानं<sup>३</sup> स्थानीयं<sup>३</sup> निगमो<sup>३</sup> ऽपि च ।  
 शाखापुरं<sup>३</sup> तू पपुरं<sup>३</sup> खेटः<sup>३</sup> पुरार्द्धविस्तरः ॥ ३८ ॥  
 स्कन्धावारो<sup>३</sup> राजधानी<sup>३</sup> कोट्ट<sup>३</sup>-दुर्गे<sup>३</sup> पुनः समे ।  
 गया<sup>३</sup>-पू गयराजर्षेः<sup>३</sup> कन्यकुब्जं<sup>३</sup> महोदयम्<sup>३</sup> ॥ ३९ ॥  
 कन्याकुब्जं<sup>३</sup> गाधिपुरं<sup>३</sup> कौशं<sup>३</sup> कुशस्थलं<sup>३</sup> च तत् ।  
 काशि<sup>३</sup> व्वाराणसी<sup>३</sup> वाराणसी<sup>३</sup> शिवपुरी<sup>३</sup> च सा ॥ ४० ॥  
 साकेतं<sup>३</sup> कोशलं<sup>३</sup> ऽयोध्या<sup>३</sup> विदेहा<sup>३</sup>-मिथिले<sup>३</sup> समे ।  
 त्रिपुरी<sup>३</sup> चेद्दिनगरी<sup>३</sup> कौशाब्धी<sup>३</sup> वत्सपत्तनम्<sup>३</sup> ॥ ४१ ॥  
 (४) उज्जयिनी<sup>३</sup> स्या द्विशाला<sup>३</sup> ऽवन्ती<sup>३</sup> पुष्यकरखिडनी<sup>३</sup> ।  
 पाटलिपुत्रं<sup>३</sup> कुसुमपुरं<sup>३</sup> चम्पा<sup>३</sup> तु मालिनी<sup>३</sup> ॥ ४२ ॥  
 (५) लोमपादकर्णयोः<sup>३</sup> पू<sup>३</sup> देवीकोट<sup>३</sup> उमावनम्<sup>३</sup> ।

(१) अकारान्तोपि रजः ॥

(२) पांसुः दन्त्य-पञ्चमस्तरान्तः तालव्यान्तोपि ॥

(३) कूटं पुं लो ॥

(४) उक्तर्पणं जयत्तज्जयनी रम्यादित्वादनट्, अन्ये तु उज्जयिनी-  
नाम राक्षसी देवता तस्या निवास उज्जयिनीति चात्तरधिकमणं  
मुत्पाद्य तस्य लोपमिच्छन्ति ॥

(५) लोमपादपूः १ कर्णपः २ ॥

कोटीवर्षं बाणपुरं<sup>४</sup> स्याच्छोणितपुरं<sup>५</sup> च तत् ॥४३॥  
 मधुरा<sup>१</sup> तु मधूपन्नं<sup>२</sup> मधुरा<sup>३</sup> ऽथ गजाह्वयम् ।  
 स्याद्वास्तिनपुरं<sup>२</sup> हस्तिनीपुरं<sup>३</sup> हस्तिनापुरम्<sup>४</sup> ॥४४॥  
 (१) तामलिप्रीं<sup>१</sup> दामलिप्रीं<sup>२</sup> तामलिप्रीं<sup>३</sup> तमालिनी<sup>४</sup> ।  
 सार्वभू<sup>५</sup> र्विष्णुगृहं<sup>६</sup> च स्याद्द्विदर्भा<sup>७</sup> तु कुण्डिनम्<sup>८</sup> ॥४५॥  
 द्वारावती<sup>१</sup> द्वारका<sup>२</sup> स्यात् निषधा<sup>३</sup> तु नक्षत्रपूः ।  
 प्राकारो<sup>१</sup> वरणः<sup>२</sup> साले<sup>३</sup> चयो<sup>४</sup> वप्रो<sup>५</sup> स्य पीठभूः ॥४६॥  
 प्राकाराग्रं<sup>१</sup> कपिश्रीर्षं<sup>२</sup> चौमा<sup>३</sup>-द्वारं-द्वालकाः<sup>४</sup> समाः ।  
 पूर्हारो<sup>१</sup> गोपुरं<sup>२</sup> रथ्या<sup>३</sup> प्रतोली<sup>४</sup> विशिखाः<sup>५</sup> समाः ॥४७॥  
 परिकूटं<sup>१</sup> हस्तिनखो<sup>२</sup> नगरद्वारकूटके ।  
 सुखं<sup>१</sup> निःसरणे<sup>२</sup> वाटे<sup>३</sup> प्राचीना<sup>४</sup>-वेष्टकौ<sup>५</sup> वृत्तिः<sup>६</sup> ॥४८॥  
 पदत्र्यै<sup>१</sup> कपदी<sup>२</sup> पद्मारे<sup>३</sup> पद्मति<sup>४</sup> व्हेल<sup>५</sup> वर्त्तनी<sup>६</sup> ।  
 अयनं<sup>१</sup> सरणि<sup>२</sup> र्मार्गी<sup>३</sup> ऽध्वा<sup>४</sup> पन्था<sup>५</sup> निगमः<sup>६</sup> सृतिः<sup>७</sup> ॥४९॥  
 सत्पथे<sup>१</sup> स्व-ति-तः पन्था<sup>२</sup> (२) अगन्था<sup>३</sup> अपथं<sup>४</sup> समे<sup>५</sup> (२) ।  
 व्यधो<sup>१</sup> दुरध्वः<sup>२</sup> कदध्वः<sup>३</sup> विपथ<sup>४</sup> कापथं<sup>५</sup> च सः ॥५०॥  
 प्रान्तरं<sup>१</sup> दूरधून्यो ऽध्वा कान्तारो<sup>२</sup> वर्त्म दुर्गमम् ।  
 (१) सुरङ्गा<sup>१</sup> तु सन्धिलारे<sup>२</sup> स्याद्दूरमार्गी<sup>३</sup> (२) भुवो न्तरे ॥५१॥

(१) तामलिप्रीमिति वा ॥  
 (२) सुपन्था १ अतिपन्थाः २ । सुपन्थानौ सुपन्थानः, अति-  
 पन्थानौ अतिपन्थानः, द्वौ नालौ पुं ॥ (३) अपथे-अपथानि,  
 अकारान्तः क्ली ॥ (१) सरत्यगवा सुरङ्गा सत्तेः सर्व्वेत्यङ्गः ॥  
 (२) गृहवर्त्मनि भूमध्येतद्युकाराणां दन्त्य तान्त्व पूष्येण सुरङ्गा  
 इति शब्दशलाकर शब्दभेदः ४

चतुष्पथे<sup>१</sup> तु संस्थाने<sup>२</sup> चतुष्करं<sup>३</sup> त्रिपथे<sup>४</sup> त्रिकम्<sup>५</sup> ।  
 द्विपथं<sup>६</sup> तु चारुपथो<sup>७</sup> गजाद्यु-ध्वा त्व सङ्कलः ॥५३॥  
 घण्टापथः<sup>८</sup> संसरणं<sup>९</sup> श्रीपथो<sup>१०</sup> राजवर्त्म<sup>११</sup> च ।  
 उपनिःक्रमणं<sup>१२</sup> सो पनिष्करं<sup>१३</sup> च गजापथः<sup>१४</sup> ॥५३॥  
 विपणिं<sup>१५</sup> स्तु वणिग्मार्गः<sup>१६</sup> स्थानं<sup>१७</sup> तु पदं<sup>१८</sup> नास्पदम्<sup>१९</sup> ।  
 श्लेष स्त्रिमाथ्याः<sup>२०</sup> शृङ्गाटं<sup>२१</sup> बद्धमार्गी<sup>२२</sup> तु चत्वरम्<sup>२३</sup> ॥५४॥  
 श्मशानं<sup>२४</sup> करवीरं<sup>२५</sup> स्थातुं<sup>२६</sup> (१) पितृ-प्रेता<sup>२७</sup> द्वनं<sup>२८</sup> गृहम्<sup>२९</sup> ।  
 गेहम्<sup>३०</sup> वीक्षु<sup>३१</sup> गेहं<sup>३२</sup> तु गृहं<sup>३३</sup> वेष्मं<sup>३४</sup> निकेतनम्<sup>३५</sup> ॥५५॥  
 मन्दिरं<sup>३६</sup> सदनं<sup>३७</sup> सङ्घं<sup>३८</sup> निकायो<sup>३९</sup> भवनं<sup>४०</sup> कुटः<sup>४१</sup> ।  
 आलयो<sup>४२</sup> निलयः<sup>४३</sup> शाला<sup>४४</sup> सभो<sup>४५</sup> दवसितं<sup>४६</sup> कुलम्<sup>४७</sup> ॥५६॥  
 धिष्ण्यं<sup>४८</sup> भावसथः<sup>४९</sup> स्थानं<sup>५०</sup> प्रसंगं<sup>५१</sup> संस्रप्रायं<sup>५२</sup> आश्रयः<sup>५३</sup> ।  
 (२) ओको<sup>५४</sup> निवासं<sup>५५</sup> आवासो<sup>५६</sup> वसतिः<sup>५७</sup> शरणं<sup>५८</sup> जयः<sup>५९</sup> ॥५७॥  
 धामा<sup>६०</sup> गारं<sup>६१</sup> निशान्तं<sup>६२</sup> च कुट्टिमं<sup>६३</sup> त्वस्य बद्धम्<sup>६४</sup> ।  
 चतुःशाखं<sup>६५</sup> सञ्चवनं<sup>६६</sup> सौधं<sup>६७</sup> तु (३) नृपमन्दिरम्<sup>६८</sup> ॥५८॥  
 उपकारिको<sup>६९</sup> प्रकार्यो<sup>७०</sup> सिंहद्वारं<sup>७१</sup> प्रवेशनम्<sup>७२</sup> ।  
 प्रासादो<sup>७३</sup> देवभूपानां<sup>७४</sup> हर्म्यं<sup>७५</sup> तु धनिनां<sup>७६</sup> गृहम्<sup>७७</sup> ॥५९॥  
 मठा<sup>७८</sup> वसथ्या<sup>७९</sup> वसथाः<sup>८०</sup> स्युः<sup>८१</sup> श्छाल-व्रति-वेश्मनि ।  
 पर्णशालो<sup>८२</sup> टजं<sup>८३</sup> शैत्यं<sup>८४</sup> विहारो<sup>८५</sup> जिनसङ्घनि<sup>८६</sup> ॥६०॥

(१) 'करवीरः पुं स्त्री, पितृवनं । पितृगृहं । प्रेतवनं । प्रेत  
गृहम् ४ ।

(४) ओकसी ओकांसि ॥

(१) पटमण्डपादि राजसपटस्य ॥

गर्भागारेः ऽपवरकोः वासौकः शयनास्यदम् ।  
 मण्डानारः तु कोशः स्यात् चन्द्रशाला शिरोऽहम् ॥६१॥  
 कुम्भशाला तु सन्धानी कायमानं तृणौकसि ।  
 ह्योत्रीयः तु हविर्मेहं प्राग्वांशः प्राग् हविर्गृहात् ॥६२॥  
 आयुर्वेद्यं शान्तिगृहं मास्थानगृहं मिन्द्रकम्<sup>(१)</sup> ।  
 तैलिशाला यन्त्रगृहं मरिचं स्तुतिकागृहम् ॥६३॥  
 सृदशाला रसवती पाकस्थानं महानसम् ।  
 हस्तिशाला तु चतुरं वाजिशाला तु मन्दुरा ॥६४॥  
 सन्दानिनी तु गोशाला चित्रशाला तु जालिनी ।  
 कुम्भशाला पाकपुटी तन्तुशाला तु गर्त्तिकारः ॥६५॥  
 नापितशाला वपनी शिल्पा<sup>(२)</sup> खरकुटी च सा ।  
 आवेशनं शिल्पिशाला सतशाला प्रतिश्रयः ॥६६॥  
 आयुर्मं तु सुनिस्थान सुपन्नं स्व न्तिकाश्रयः ।  
 प्रपा पानीयशाला स्यात् गञ्जा तु मदिरागृहम् ॥६७॥  
 पक्वणः<sup>(३)</sup> श्वरावासो घोषं स्वा भीरपल्लिकारः<sup>(४)</sup> ।  
 पश्यशाला निषद्या ऽष्टो हृष्टो विपणि रापणः ॥६८॥  
 वेद्याश्रयः पुरं वेशो मण्डपं तु जनाश्रयः ।  
 कुडुं भिन्ति-स्त देडूकं मन्निर्हितकीकसम् ॥६९॥

(१) .मभाष्यहस्य ॥

(२) विशल्या इति वा पाठः ॥

(३) पक्वणः द्विककारमध्येऽयम् ॥

(४) आभीराणां गोपानां पल्लिगृहावली आभीरपल्लिका ॥



वेदी<sup>१</sup> त्रितद्वि<sup>२</sup> रजिरं<sup>१</sup> प्राङ्गणं<sup>२</sup> चत्वरं<sup>३</sup>-ङ्गणं<sup>४</sup> ।  
 बलजं<sup>१</sup> प्रतीहारो<sup>२</sup> द्वारं<sup>३</sup> द्वारं<sup>४</sup>(१) ऽथ परिषो<sup>१</sup> ऽर्गलारं<sup>२</sup> ॥७०॥  
 साल्या त्वर्गलिका<sup>१</sup> सूचिः कुम्भिकाया<sup>१</sup> न्तु सूचिका<sup>२</sup> ।  
 साधारण्यं<sup>१</sup> पुटं<sup>२</sup> चासौ द्वारयन्तं<sup>१</sup> तु तालकम्<sup>२</sup> ॥७१॥  
 अस्यो हाटनयन्तु न्तु ताल्यं<sup>१</sup> पि प्रतिपाल्यं<sup>२</sup> पि ।  
 तिर्यग् द्वारोर्द्ददारु न्तरङ्गं<sup>१</sup> स्या द्दरं<sup>१</sup> पुनः ॥७२॥  
 कपाटो<sup>२</sup> ररिः<sup>३</sup> कुकाटः<sup>४</sup> पञ्चद्वारं<sup>१</sup> तु पञ्चकः<sup>२</sup> ।  
 प्रच्छन्नं<sup>१</sup> मन्तद्वारं<sup>२</sup> स्याद् बहिर्द्वारं<sup>१</sup> तु तोरणम्<sup>२</sup> ॥७३॥  
 तोरणोर्द्दं तु मङ्गल्यं दाम वन्दनमालिका<sup>१</sup> ।  
 सश्लादेः स्या द्धोदारौ शिला<sup>१</sup> नामो द्विदारुणि ॥७४॥  
 गोपानसी<sup>१</sup> तु वलभीष्ठादमे वक्रदारुणि ।  
 गृहावप्रहणी<sup>१</sup> देहल्यु<sup>२</sup>-स्वरो<sup>३</sup> दुस्वरो<sup>४</sup>-स्वुराः<sup>५</sup> ॥७५॥  
 प्रधाणः<sup>१</sup> प्रघणो<sup>२</sup> ऽन्तिन्दो<sup>३</sup> बहिर्द्वारप्रकोष्ठके ।  
 कपोतपाली<sup>१</sup> विटङ्कः<sup>२</sup>(३) पटल<sup>१</sup>-च्छदिषी<sup>२</sup> समे<sup>४</sup> ॥७६॥

(१) द्वारो द्वारः, रानः । द्वारमकारान्तः तोरणोऽस्त्री बहिर्द्वारमित्यमरः ॥

(२) “वेष्टेकदेगः प्रघणः प्रधाणः स्यादलिकन्दकः” इति हलायुधः । “गुष्काङ्ग नीलोत्पलनिर्मितानां जिप्पेषु भासाद्दृष्टेहलीनां यस्यामलिन्येषु न चक्रुरेव सुग्धाङ्गना गो मय गोमुखानि ॥”

(३) “विटङ्कं पुत्रपुंसकं” मित्यमरः बलभ्यधोभागे कृत्रिमपविस्थानमिति हलायुध टीका ॥

(४) छदि छदिषी छदीषि ॥

नीवं<sup>१</sup> बलीके<sup>२</sup> तत्रान्त इन्द्रकोश<sup>३</sup> सामङ्गकः<sup>४</sup> ।  
 बलभी<sup>५</sup> कृदि<sup>(१)</sup> राधारो नागदन्ता<sup>६</sup> खु दन्तकाः<sup>(२)</sup> ॥७७॥  
 (२) मंजालम्बो<sup>३</sup> ऽपाश्रयः<sup>४</sup> स्यात् प्रयीवो<sup>५</sup> मत्तवारणी<sup>६</sup> ।  
 वीतायनो<sup>१</sup> गवाक्ष<sup>२</sup> च जालके<sup>३</sup> ऽथान्न कोष्ठकः<sup>४</sup> ॥ ७८ ॥  
 कुसूलो<sup>२</sup> ऽत्रि<sup>३</sup> खु कोणो<sup>४</sup> ऽत्रिः<sup>५</sup> कोटिः<sup>६</sup> पाल्य<sup>७</sup> स्व<sup>८</sup> इत्यपि ।  
 आरोहणी<sup>१</sup> तु सोपानं<sup>२</sup> निःश्रेणी<sup>३</sup> स्व धिरोहिणी<sup>४</sup> ॥ ७९ ॥  
 स्थूणा<sup>१</sup> सान्ध<sup>२</sup> शालभञ्जी<sup>३</sup> पाञ्चालिका<sup>४</sup> च पुत्रिका<sup>५</sup> ।  
 काष्ठादिषट्पिता लेप्यमयी त्वञ्जलिकारिका<sup>६</sup> ॥ ८० ॥  
 नन्द्यावर्त्त<sup>१</sup> प्रभृतयोविच्छन्दा आद्यवेषसनाम्<sup>(४)</sup> ।  
 समुद्रः<sup>१</sup> सम्पुटः<sup>२</sup> पेटा<sup>३</sup> स्यान्मञ्जुपा<sup>४</sup> ऽथ शोधनी<sup>५</sup> ॥ ८१ ॥  
 सम्पार्जनी<sup>१</sup> अष्टकरी<sup>२</sup> बर्द्धनी<sup>३</sup> च समूहनी<sup>४</sup> ।

(१) कृदिषो गृहाच्छादनस्याधारः कृदिराधारः कश्चित् सुधा कश्चित् त्रयानि कश्चित् सत्तिका तदाधारभूतं वंशपञ्जरादिः “आच्छादनं स्याद्बलभीगृहाणा” मिति हलायुधः, वरणिङ्कायां गृहोपरिस्थितभूमिकायां वा बलमीति तट्टीका । बलभिः गृहोपरि कुटिः पटलाधारश्च वंशपञ्जर इति लिङ्गानुगमन टीका “तां कस्यां चिद्भुवन बलभौ सुप्रपारापताया” मिति मेघदूतः, भुवनानां वेषसनां बलभिरूपस्ति न भूमि स्यामिति तट्टीका ॥

(२) गृहान्निर्गतकाष्ठं खूटीति ख्यातम् ॥

(३) प्रासादवीथीनामावरणस्य ॥

(४) आद्यवेषसनां नन्द्यावर्त्तप्रभृतयो विच्छन्दा रचनाविशेषाः प्रभृति पङ्कणात् स्वस्तिक सर्वतोभद्राया तथा च शब्दरत्नावल्यां “नन्द्यावर्त्तः स्वस्तिकः स्यात् सर्वं चित्रविचित्रकौ । दिच्छन्दको वर्द्धमानसरोमण्डलं इत्यपि । रुचकच्छत्रकाद्याश्च भेदा ईश्वरसद्गताम्” इति ॥

(१) सङ्करा-वर्करौ तुल्या बुद्धखलं सुलूखलम् ॥८२॥  
 (२) प्रस्फोटनं तु पत्रम मघघातं सु कण्डनम् ।  
 कटः किलिञ्जो लुसको ऽद्योगं कण्डोलकः पिठम् ॥८३॥  
 चालनो तितडः (२) सूपं प्रस्फोटनं मघा न्तिका ।  
 चुल्यं ऽश्रमन्तकं मुन्धानं स्या दधिश्रयणी च सा ॥८४॥  
 स्याल्यं खं पिठरं कुण्डं चरुः कुम्भी घटः पुनः ।  
 कुटः कुम्भः करीरं ख कलशः कलसो निपः ॥८५॥  
 हसन्यः (४) झारा छकटी-धानी-पात्रो हसन्तिका ।  
 म्नाद्रो ऽस्वरीषे मघीषः मजीषं पिष्टपाकसत् ॥८६॥  
 कम्बि वंळिः खजाका ऽथ स्या त्तूर् दारुहस्तकः ।  
 वाङ्गान्यां तु गलन्वार्लुः कर्करी करको ऽथ सः (५) ॥८७॥  
 नाखिकेरजः करङ्कं सुल्यौ कटाह-कर्परौ (६) ।  
 मणिको ऽलिञ्जरो गर्गरी-कलशौ तु मन्यनी (७) ॥८८॥  
 वैशाखः खजको मन्या मन्यानो (८) मय्यदण्डकः ।  
 मन्यः च्छुओ ऽस्य विष्कम्भो मञ्जीरं कुटरो ऽपि च ॥८९॥

(१) अवस्करोऽपि ॥

(२) निबुंसीकरणं, तृपादिशोधनम् ॥

(३) तितड तितडनी तितडनि इति लीवेऽपि ॥

(४) अङ्गारशकटी १ अङ्गारधानी २ अङ्गारपात्री ३ ॥

(५) कररोधसः इति वा ॥

(६) एतौ कटाह कर्परौ घटादिखण्डेऽपि वर्तेते ॥

(७) मन्यनी इति वा ॥

(८) मन्यानौ मन्यानः ॥

शालाजिरो<sup>१</sup> बह्ममानः<sup>२</sup> शरायः<sup>३</sup> कोशिका<sup>१(१)</sup> पुनः ।  
 मल्लिका<sup>१</sup> चसकः<sup>२</sup> कंसः<sup>३</sup> पारी<sup>४</sup> स्यात् पानभाजनम्<sup>५</sup> ॥८०॥  
 कुट्ट<sup>१</sup> चर्मखेहपातं कुतुप<sup>२</sup> च तदल्पकम् ।  
 हतिः<sup>१</sup> खल्ल<sup>२</sup> चर्ममयी त्वालुः करकपात्रिका<sup>३</sup> ॥८१॥  
 सर्व मावपनं भाण्ड<sup>२</sup> पात्रा<sup>३</sup> - समले तु भाजनम्<sup>४</sup> ।  
 तद्विशालं पुनः स्थालं स्यात् पिषानं मुदञ्चनम्<sup>५</sup> ॥८३॥  
 शैलो<sup>१</sup> ऽद्रिः<sup>२</sup> शिखरी<sup>३</sup> शिलोच्चय<sup>४</sup> - गिरी<sup>५</sup> गोत्रो<sup>६</sup> ऽचलः<sup>७</sup>  
 सानुमान<sup>८</sup>, यावा<sup>९(२)</sup> पर्वत<sup>१०</sup> - भूभ्र<sup>११</sup> - भूधर<sup>१२</sup> - धरा<sup>१३</sup> हार्थ्या<sup>१४</sup>  
 नगो<sup>१५</sup> ऽथो दयः<sup>१६</sup> ।  
 पूर्वोद्दि<sup>१</sup> शरमाद्रि<sup>२</sup> रस्त<sup>३</sup> उदगद्रि<sup>४</sup> स्व द्विराण<sup>५</sup> सेनकाप्रायोशो<sup>६</sup>  
 हिमवान्<sup>७</sup> हिमालय<sup>८</sup> - हिमप्रस्थो<sup>९</sup> भवानीगुरुः<sup>१०</sup> ॥८३॥  
 हिरण्यनाभो<sup>१</sup> मैनाकः<sup>२</sup> सुनाभ<sup>३</sup> च तदात्मजः ।  
 रजताद्रि<sup>४</sup> सु कैलासो<sup>५</sup> ऽष्टापदः<sup>६</sup> स्फटिकाचलः<sup>७</sup> ॥८४॥  
 क्रौञ्चः<sup>१</sup> क्रुञ्चो<sup>२</sup> ऽथ मलय<sup>३</sup> चाषाढो<sup>४</sup> दक्षिणाचलः<sup>५</sup> ॥  
 स्यान्माल्यवान्<sup>६(२)</sup> प्रसवणो<sup>७</sup> विन्ध्य<sup>८</sup> सु जलबालकः<sup>९</sup> ॥८५॥  
 शत्रुञ्जयो<sup>१</sup> विमलाद्रि<sup>२</sup> रिन्द्रकील<sup>३</sup> सु मन्दरः<sup>४</sup>  
 सुवेलुः<sup>५</sup> स्यात् त्रिमुकुट<sup>६</sup> स्विकूट<sup>७</sup> स्लिककु<sup>८</sup> च सः ॥८६॥  
 उज्जयन्तो<sup>१</sup> रैवतकः<sup>२</sup> सुदाहः<sup>३</sup> पारियात्रिकः<sup>४</sup> ।  
 लोकालोक<sup>५</sup> चक्रबालो<sup>६</sup> ऽथ मेरुः<sup>७</sup> कर्णिकाचलः<sup>८</sup> ॥८७॥

(१) कौशिका इति भावः ॥

(२) सानुमनौ सानुमनः, यावाणौ यावाणः ॥

(३) माल्यवनौ माल्यवनः ॥

रत्नमातुः<sup>३</sup> सुमेरु<sup>४</sup> स्व-स्वर्गि<sup>५</sup>-काञ्चनतो<sup>६</sup> गिरिः<sup>७(१)</sup> ॥  
 शृङ्ग<sup>१</sup> तु शिखरं<sup>२</sup> कूटं<sup>३</sup> प्रपातं<sup>४</sup> स्व तटो<sup>५</sup> ऋगुः<sup>६</sup> ॥८८॥  
 मेखला<sup>१</sup> मध्यभागे ऽद्रे निर्गमः<sup>२</sup> कटक<sup>३</sup> च सः ।  
 दरी<sup>१</sup> स्यात् कन्दरो<sup>२</sup> खातविले तु गह्वरं<sup>३</sup> गुहा<sup>४</sup> ॥८९॥  
 द्रोणी<sup>१</sup> तु शैलयोः सन्धिः पादाः<sup>२</sup> पर्यन्तपर्वताः ।  
 दन्तका<sup>१</sup>स्तु वहि स्तिर्यक् प्रदेशा निर्गता गिरेः ॥९००॥  
 अधित्यको<sup>१</sup> ह्रभूमिः स्या दधोभूमि रूपात्यका<sup>१</sup> ।  
 स्तुः<sup>१</sup> प्रस्थं<sup>२</sup> मातु<sup>३</sup> रश्ना<sup>४</sup> तु पाघाणः<sup>५</sup> प्रस्तरो<sup>६</sup> दृषट्<sup>७(२)</sup> ॥९०१॥  
 ग्रावा<sup>१</sup> शि तो<sup>२</sup> रलो<sup>३</sup> गण्डशैलाः स्थूतापला द्युताः ॥  
 स्या दाकरं<sup>१</sup> खनिः<sup>२</sup> खानिर्गञ्ज<sup>३</sup> धातु<sup>४</sup> स्तु गैरिकम्<sup>५</sup> ॥९०२॥  
 शुक्लधातौ<sup>१</sup> पाकगुक्ता<sup>२</sup> कठिनी<sup>३</sup> खटिना<sup>४</sup> खटी<sup>५</sup> ।  
 लोहं<sup>१</sup> कालायसं<sup>२</sup> शस्त्रं<sup>३</sup> पिण्डं<sup>४</sup> पारशमं<sup>५</sup> घनम्<sup>६</sup> ॥९०३॥  
 गिरिसारं<sup>१</sup> शिलासारं<sup>२</sup> तीक्ष्णं<sup>३</sup> ज्वालामिषे<sup>४</sup> अयः<sup>५</sup> ॥  
 सिंघानं<sup>१</sup> धूर्त्तं<sup>२</sup> मरुत्<sup>३</sup> सरणान्य<sup>४</sup> स्य किट्टके ॥९०४॥  
 शब्दं च तैजसं लोहं<sup>१(२)</sup> विकार स्वयसः कुशो<sup>१</sup> ।  
 तावं<sup>१</sup> क्लेच्छुखं<sup>२</sup> गुल रक्तं<sup>३</sup> द्युष्टं<sup>४</sup> सुदुस्वरम्<sup>५</sup> ॥९०५॥  
 (४) क्लेच्छं<sup>१</sup>-गावरं<sup>२</sup>-भेदाख्यं मर्कटाख्यं<sup>३</sup> कनीयसम्<sup>४</sup> ।

(१) स्वर्गिः १ स्वर्गिगिरिः २ काञ्चनगिरिः ३ ॥

(२) दृषट् दृषट् ॥

(३) सुवर्णं १ रजतं २ ताञ्जं ३ रीतिः ४ कांस्यं ५ तथा अपु ६ ॥  
 सीमं ७ च धीवरं ८ चैव अष्टौ लोहानि वक्ष्यते ॥

(४) गावरं भेदाख्यम् इति वा ॥

नक्षत्रार्थं<sup>१</sup> वरिष्टं<sup>२</sup> सीसं<sup>३</sup> तु सीसपत्रकम्<sup>४</sup> ॥१०६॥

नागं<sup>५</sup> गण्डपुद्गलं<sup>६</sup> वधं<sup>७</sup> भिन्दूरकारणम्<sup>८</sup> ।

(१) वधं<sup>१</sup> स्वर्णारि<sup>२</sup> - योगेष्टे<sup>३</sup> ब्रवनेष्टं<sup>४</sup> सुवर्णं<sup>५</sup> तम्<sup>६</sup> ॥१०७॥

वधं<sup>१</sup> तम्<sup>२</sup>; (२) स्वर्णं<sup>३</sup> - जामर्जीवने<sup>४</sup> ।

सुवर्णं<sup>५</sup> - रत्ने<sup>६</sup> सुवर्णं<sup>७</sup> - पिच्छटे<sup>८</sup> ।

स्वा<sup>९</sup> सकसंज्ञं<sup>१०</sup> तमरं<sup>११</sup> च नागजं<sup>१२</sup>

कशीरं<sup>१३</sup> कालीनकं<sup>१४</sup> सिंहलो<sup>१५</sup> अपि ॥१०८॥

स्वा<sup>९</sup> रूयं<sup>१०</sup> कत्रधौ<sup>११</sup> तारं<sup>१२</sup> - रजतं<sup>१३</sup> - प्रवेतानं<sup>१४</sup> दुर्वर्णं<sup>१५</sup> कं<sup>१६</sup>

खजूरं<sup>१७</sup> व हिमांशु<sup>१८</sup> - हंसं<sup>१९</sup> - कुमुदा<sup>२०</sup> - भिख्यं<sup>२१</sup> सुवर्णं<sup>२२</sup> पुनः ।

स्वर्णं<sup>२३</sup> हेमं<sup>२४</sup> (४) हिरण्यं<sup>२५</sup> - हाटकं<sup>२६</sup> वस्तुन्यं<sup>२७</sup> टापदं<sup>२८</sup> काञ्चनं<sup>२९</sup>

कलापं<sup>३०</sup> कनकं<sup>३१</sup> स चारजतं<sup>३२</sup> - गण्डेयं<sup>३३</sup> - रुक्मा<sup>३४</sup> पि ॥१०९॥

कनकधौ<sup>३५</sup> लौहोत्तमं<sup>३६</sup> वज्रिबीजं<sup>३७</sup>

न्य पि गारुडं<sup>३८</sup> गैरिका<sup>३९</sup> - जात ह्ये<sup>४०</sup> ।

तपनोयं<sup>४१</sup> चामीकरं<sup>४२</sup> - चन्द्रं<sup>४३</sup> - भस्मी<sup>४४</sup> (५) -

उर्जुनं<sup>४५</sup> - निष्कं<sup>४६</sup> - कार्त्तस्वरं<sup>४७</sup> कञ्जुराणि<sup>४८</sup> ॥११०॥

पाखूनदं<sup>४९</sup> शातकुम्भं<sup>५०</sup> रजतं<sup>५१</sup> भूरि<sup>५२</sup> भूतमसू<sup>५३</sup> ।

(१) वधं इति वा ॥

(२) तपुषी तपुषि, उक्रामानोपि तपु तपुषी तपुषि ॥

(३) हिमांशु हंसकुमुदानामभिख्यानामयस्य तत्तथा चन्द्राद्वयं ?  
हंसाद्वयं ? कुमुदाद्वयं ? इत्यादि योज्यम् ॥

(४) हेम हेमि हेमनि हेमानि नान्तः व्यक्रान्तोपि कुनवत् ॥

(५) सर्वं भस्मी ही भस्मीणि नान्तः अत्र रातोपि कुनवत् भस्मी  
भस्मी भस्मीणि ॥

हिरण्य-कोशा-कुष्यानि<sup>(१)</sup> हेभि रूषे कृता-कृते ॥१११॥  
 कुष्यन्तु तहया दन्य द्रूष्यन्तु द्वय<sup>(२)</sup> माहृतम् ।  
 अलङ्कारसुवर्षां तु<sup>(३)</sup> शृङ्गीकनकरे मायुधम् ॥११२॥  
 रजतं च सुवर्षां च संश्लिष्टे घनगोलक.१।  
 पित्तलाः रेरे श्यारकूटः१ कापिलोऽहं<sup>(४)</sup> सुवर्षकम् ॥११३॥  
 रीरी<sup>(५)</sup> रीरी<sup>(५)</sup> च रीति<sup>(५)</sup> च पीतलोहं<sup>(६)</sup> सुलोहकम्<sup>(६)</sup> ।  
 ब्राह्मी<sup>(७)</sup> तु रात्री<sup>(७)</sup> कपिला<sup>(७)</sup> वल्लरीति<sup>(७)</sup> र्श्वहेखरी<sup>(७)</sup> ॥११४॥  
 कांश्ये<sup>(८)</sup> विद्युत्प्रियं<sup>(८)</sup> घोषः<sup>(८)</sup> प्रकाशं वङ्गशुल्लजम्<sup>(८)</sup> ।  
 घराशब्द<sup>(९)</sup> मसुराहं<sup>(९)</sup> रवणं<sup>(९)</sup> लोहजं<sup>(९)</sup> मलम्<sup>(९)</sup> ॥११५॥  
 सौराष्ट्रके<sup>(१०)</sup> पञ्चलोहं<sup>(१०)</sup> वर्त्तलोहं<sup>(१०)</sup> तु वर्त्तकम्<sup>(१०)</sup> ।  
 भारदः<sup>(११)</sup> पारतः<sup>(११)</sup> सूतो<sup>(११)</sup> हरवीजं<sup>(११)</sup> रस<sup>(११)</sup> श्वत्सम्<sup>(११)</sup> ॥११६॥  
 अम्भकं<sup>(१२)</sup> स्वच्छपत्रं<sup>(१२)</sup> ख<sup>(१२)</sup> मेघाखं<sup>(१२)</sup> गिरिजामले<sup>(१२)</sup> ।

(१) सामान्येन द्रव्याभरणाद्युत्कृष्टधनस्य, घटिता घटित इव  
रूषयोः कुष्यं रूपम् ॥

(२) द्वयं कुष्यमकृष्यं च आहृतं ताडितं रूपं स्यात् । आहृत  
रूपयोत्पन्नो लोके रूपैया इति ख्यातः । तथा पैसा इति व्यञ्ज ॥

(३) कुन्दन इति प्रसिद्धः ॥

(४) पित्तलभेदस्य सुवर्षमद्वयस्य ॥

(५) पीतरक्तं पित्तलस्य ॥

(६) घोष इति वा, अतिउड्कांस्यम् ॥

(७) पञ्च ताम्र रीति तस्य<sup>(७)</sup> सीसक कालायस लक्षणानि लोहानि  
यस्मिन् । कांस्यभेदः । भाङ्गारकाशा कांसी इति भाषा ॥

(८) खस्याकाशस्याभिख्यात्स्य तेन खं गगनं इत्यादि तथा मेघाखं  
भेदः अम्भुः इत्यादि गिरिजामले इति सप्तम्येकवचनानाम् ॥

स्रोतोञ्जनं तु कापोतं सौवीरं कृष्णं - प्रासुने ॥११७॥  
 अथ तुल्यं शिखिग्रीवं तुल्याञ्जनं - मयूरके ॥  
 मूर्धातुल्यं कंस्थनीलं हेमतारं विदुन्वकम् ॥११८॥  
 स्यात् तु कर्पूरिकातुल्यं मसृताचङ्गं मञ्जनम् ।  
 रसगर्भं तार्क्ष्यशैलं तु त्वे दावीरसोद्भवे ॥११९॥  
 पुष्पाञ्जनं रौत्तिपुष्पं पौष्पकं पुष्पकेतुं च (१) ।  
 माञ्जिकं तु कदम्बं स्यात् चक्रनामां ऽजनामकः ॥१२०॥  
 तापो नदीजः कामारिं स्तारारिं विटमाञ्जिकः ॥  
 धौराङ्गीपार्श्वतीकाक्षीकालिकं पर्यटोसती ॥१२१॥  
 घाङ्की तु वरीकंसोद्भवा काली सदा - ह्यया (२) ।  
 कासीसं धातुकासीसं खेचरं धातुशेखरम् ॥१२२॥  
 द्वितीयं पुष्पिकासीसं कंसकं नयनौषधम् ।  
 गन्धाश्रमा शुल्बं - पामारिं कुष्ठारिं (३) गर्म्भिकं गन्धको (४) ॥१२३॥  
 भौगन्धिकः शुक्रपुच्छो हरितालं तु पिञ्जरम् ।  
 विडालकं विस्त्रगन्धिं खलूरं वंशपत्रकम् ॥१२४॥  
 आलं पीतनं - तालानि गोदन्तं नटमण्डनम् ।  
 बङ्गारिं लोमहृत्त्राय मनोगुप्तां मनःशिलां ॥१२५॥  
 करवीरं नागमातां रोचनीं रसनेत्रिकां ।  
 नेमालो (५) कुनटी गोक्षां मनोज्ञां नागजिह्विकां ॥१२६॥

- (१) पुष्पकं पुष्पकेतु इति नामद्वयस्यैव पदच्छेदभेदात् साधु लो ।  
 (२) श्वेतः आङ्गयो वस्याः तेन सृजिका सृष्ट्या सृष्ट्या इत्यादि ।  
 (३) शुल्बानिः १ पामारिः कुष्ठारिः ।  
 (४) गैर्प्रची । वि . १ ॥



सिन्दूरं<sup>१</sup> नागजं<sup>२</sup> नागरक्तं<sup>३</sup> शृङ्गारभूषणम्<sup>४</sup> ।  
 चीनपिष्टं<sup>५</sup> हंसपादं<sup>६</sup>-कुरुविन्दं<sup>७</sup> तु हिङ्गुलः<sup>८</sup> ॥१२७॥  
 शितामृतं<sup>९</sup> स्याद्भिरिजं<sup>१०</sup> मर्यां<sup>११</sup> गैरेयं<sup>१२</sup> मश्लजम्<sup>१३</sup> ।  
 घारः<sup>१४</sup> काचः<sup>१५</sup> कुलालो<sup>१६</sup> तु स्थाञ्जुष्यारं<sup>१७</sup> कुलुषिकां<sup>१८</sup> ॥१२८॥  
 बोलौ<sup>१९</sup> गन्धरसः<sup>२०</sup> प्राणः<sup>२१</sup> पिण्डो<sup>२२</sup> गोपरसः<sup>२३</sup> शशः<sup>२४</sup> ।  
 रत्नं<sup>२५</sup> वसुदेवगिः<sup>२६</sup> (१) सत वैडूर्यं<sup>२७</sup> बालवायजम्<sup>२८</sup> ॥१२९॥  
 मरुतं<sup>२९</sup> त्वग्भगभं<sup>३०</sup> गारुत्मतं<sup>३१</sup> हरिणमणिं<sup>३२</sup> ।  
 पञ्जरामो<sup>३३</sup> लोहितक<sup>३४</sup>-लक्ष्मीपुष्पा<sup>३५</sup>-रुणोपला<sup>३६</sup> ॥१३०॥  
 नीलमणिं<sup>३७</sup> स्विन्द्रनीलः<sup>३८</sup> सूचीमुखं<sup>३९</sup> तु हीरकः<sup>४०</sup> ।  
 वरारकं<sup>४१</sup> रत्नमुख्यं<sup>४२</sup> वज्रपर्यायनामं<sup>४३</sup> च ॥१३१॥  
 विराटजो<sup>४४</sup> (२) राजपट्टो<sup>४५</sup> राजावर्त्तो<sup>४६</sup> ऽथ त्रिद्रुमः<sup>४७</sup> ।  
 रक्ताङ्गो<sup>४८</sup> रक्तकन्द<sup>४९</sup> च प्रबालं<sup>५०</sup> हेमकन्दलः<sup>५१</sup> ॥१३२॥  
 सूर्यकान्तः<sup>५२</sup> सूर्यमणिः<sup>५३</sup> सूर्याशमा<sup>५४</sup> दहनोपलः<sup>५५</sup> ।  
 चन्द्रकान्तं<sup>५६</sup> चन्द्रमणिं<sup>५७</sup> चान्द्रं<sup>५८</sup> चन्द्रोपलं<sup>५९</sup> च सः ॥१३३॥  
 क्षीरतैलस्फटिकाभ्यां<sup>६०</sup> मय्यौ<sup>६१</sup> खस्फटिकां<sup>६२</sup> विदौ ।  
 शुक्तिजं<sup>६३</sup> मौक्तिकं<sup>६४</sup> सुक्तां<sup>६५</sup> सुक्ताफलं<sup>६६</sup> रसोद्भवम्<sup>६७</sup> (२) ॥१३४॥  
 इति पृथ्वीकायः ॥

(१) “वैद्युर्ध्वम्” इत्यपि । मणी इत्यपि उग्रन्तः, मणिकः  
 माणिक्यम् एतावप्यत्र, अत्रविधा रत्नजातिः यदाचस्यति: “हीरकं  
 मौक्तिकं २ सर्पं १ रजतं ४ चन्दनानि च १ शङ्ख ६ दूर्वा च ७ रत्नं च  
 चेत्यष्टौ स्यु रत्नजातयः” ॥

(२) विराटदे रोद्भवत्त्वं विराटज हीरकस्य वा ॥

(३) इतिमस्तकाद्युद्भवमपि मौक्तिकमुच्यते यदाह “इतिमस्तका”

अथापुत्रायः ।

नीरं<sup>१</sup>वारि<sup>२</sup>जलं<sup>३</sup>दकं<sup>४</sup>क<sup>५</sup>मुदकं<sup>६</sup>पानीयं<sup>७</sup>मन्त्र<sup>८</sup>कुशं<sup>९</sup>तोयं<sup>१०</sup>  
जीवनं<sup>११</sup>-जीवनीयं<sup>१२</sup>-सलिला<sup>१३</sup>-र्यास्यां<sup>१४</sup>खु<sup>१५</sup>वाः<sup>१६</sup>शब्बरम्<sup>१७</sup> ।  
(१) नीरं<sup>१८</sup>पुष्करं<sup>१९</sup>-मेघपुष्पं<sup>२०</sup>-कमला<sup>२१</sup>न्याः<sup>२२</sup>(२) प्रयः<sup>२३</sup>-  
पाथसी<sup>२४</sup>, कीलालं<sup>२५</sup>भुवनं<sup>२६</sup>वनं<sup>२७</sup>घनरमो<sup>२८</sup>यादोनिवासो<sup>२९</sup>  
ऽस्तम्<sup>३०</sup> ॥ १३५ ॥

कुलीनसं<sup>३१</sup>कवन्धं<sup>३२</sup>च प्राणदं<sup>३३</sup>सर्वोमुखम्<sup>३४</sup> ।

अस्थाघा<sup>३५</sup>ऽस्थागेमस्ताघ<sup>३६</sup>मगतं<sup>३७</sup>चा<sup>३८</sup>ऽतल्लस्यग्रि<sup>३९</sup> ॥ १३६ ॥

निम्बं<sup>४०</sup>गभीरं<sup>४१</sup>गम्भीरं<sup>४२</sup>सुत्तानं<sup>४३</sup>तद्विलक्षणम् ।

अच्छं<sup>४४</sup>प्रसन्ने<sup>४५</sup>ऽनच्छं<sup>४६</sup>स्यादाविलं<sup>४७</sup>कलुषं<sup>४८</sup>च तत् ॥ १३७ ॥

अवस्थाय<sup>४९</sup>स्तु तुहिनं<sup>५०</sup>प्रालेयं<sup>५१</sup>मिहिका<sup>५२</sup>हिमम्<sup>५३</sup> ।

स्यान्नीहारं<sup>५४</sup>सुधारं<sup>५५</sup>अहिमानीं<sup>५६</sup>तु महर्द्धिमम् ॥ १३८ ॥

(२) पारावारः<sup>५७</sup>सागरो<sup>५८</sup>ऽवारपारो<sup>५९</sup>

ऽकूपारो<sup>६०</sup>-दध्य<sup>६१</sup>-र्यावा<sup>६२</sup>वीचिमाली<sup>६३</sup> ।

दन्तौ त दंदाशु न वराहयोः । मेघो भजङ्गनोभेणुर्मत्स्यो मौक्तिक  
योगयः<sup>६४</sup> इति । मौक्तिकानां हि नानाविधत्वसंख्यावरगरीरेषु उत्पत्ति  
सङ्गावेष्टेऽपि षष्ठीकायत्वमेव, सर्पाग्रिःसुमणयः करिदन्तेषु मौक्तिकानि  
विकलेन्द्रियेषु सुत्त्यादिषु मौक्तिकानि स्थांशरेष्वपि वेखादिषु तान्येवेति  
वचनाव नानुष्टं मौक्तिकानां षष्ठीकायत्वम् ॥

(१) क्षीर धवसः स्फटिकः क्षीरस्फटिकः तैलकान्तिः स्फटिकः  
जैलस्फटिकः ताभ्यामन्यौ भिन्नवर्णौ इमौ सूर्यकान्त चन्द्रकान्तौ  
द्वावपि स्फटिकाख्यावित्यर्थः ॥

(२) व्यापः स्त्रीलिङ्गो बहुवचनान्तः ॥ (२) पंशरापारोऽपि ॥

यादः ५-स्रोतो ६-वा-नदी १०-ग्रः ॥ १ ॥ सरस्वान् ।  
सिन्धु १२-दन्वन्तो १४ मितद्वुः १५ समुद्रः १६ ॥ १२८ ॥

आकरो १ मकर । द्रुता ज्जला न्निधि १६-धि २-राशयः २१ (१) ।

द्वीपान्तरा असङ्ख्या खे सप्तै वे ति तु लौकिकाः ॥ १४ ॥

लवण १-क्षीर २-दध्या ३-ज्य ४-सु ५-रेक्षु ६-खादु ७-वारयः (२) ।

तरङ्गे भङ्गे-वीच्ये-स्युत्-कलिका ५ महति त्विह ॥ १४१ ॥

लहय्यु लोल २-कल्लोला ३ आवर्त्तः १ पयसां अमः ।

तालूरो १ वी त क रे चा सौ वेला १ स्यात् छद्दि रश्मयः ॥ १४२ ॥

(४) डिण्डीरो १ ऽम्बिकफ. २ फेनो बुद्बुद्-स्यासकौ समी ।

मर्यादा कूलभूः कूलं प्रपातः २ कच्छ-रोधसी ५ ॥ १४३ ॥

(१) यादरेणः १ स्रोतरेणः २ वाहीणः ३ नदीणः ४ ।

(२) मकराकरः १ रत्नाकरः २ यौगिकत्वात् मकराशयः रत्न-  
राशिः जलनिधिः १ जलधिः २ जलराशिः ३ । यौगिकत्वात् वारि-  
राशिः वारिविः इत्यादयोप्युच्यन्ते ॥

(३) लवणादवो वारि वेषां ते तथा लवणवारि लवणोद समुद्रः १  
क्षीरवारि क्षीरोदसमुद्रः २ दधिवारि दधुदसमुद्रः ३ आञ्जवारि  
छन्दोदसमुद्रः ४ सुरावारि सुरोदसमुद्रः ५ रेक्षुवारि रेक्षुदसमुद्रः ६  
खादुवारि खादुदसमुद्रः ७ । अदाहः “कनको १ रसमयः २ सुरो-  
दकः ३ सार्पिषो ४ दन्विजलः ५ पयः पयाः ६ खादु ७ वारि इदधिवं  
सप्तमस्तान् परोत्यत इमे व्यवस्थिताः” इति ॥

(४) डीङ् विहावसांगतौ आदिरात्मनेपदौ उच्यते महाघाते-  
रिति डिण्डीरः जम्बीराभीरेति क्लृप्तेण डीङोडिव् ईरीहितं पूर्वं-  
स्यनोन्वय- उज्वलदलस्तु हिण्ड गत्वनादरयोः बाह्यलकादतीषि  
इदम् प्रत्यये हिण्डते इतस्ततो गच्छतीति हिण्डीरः इत्याहः ॥

तटं<sup>१</sup> तीरं<sup>२</sup> प्रतीरं<sup>३</sup> च पुलिनं<sup>४</sup> तञ्जलोच्चैतम् ।  
 सैकतं<sup>५</sup> चा म्परीपं<sup>६</sup> तु द्वीपं<sup>७</sup> मन्तजं<sup>८</sup> ले तटम् ॥ १४४ ॥  
 तत् परं पारं<sup>९</sup> मवारं<sup>१०</sup> त्व वीक् पातं<sup>११</sup> तदन्तरम् ।  
 नदी<sup>१२</sup> हिरण्यवर्णा<sup>१३</sup> स्या द्वीधोवक्रा<sup>१४</sup> तरङ्गिणी<sup>१५</sup> ॥ १४५ ॥  
 सिन्धुः<sup>१६</sup> शैवलिनी<sup>१७</sup> वहा<sup>१८</sup> च ह्यदिनी<sup>१९</sup> स्रोतस्त्रिनी<sup>२०</sup> निम्नगा<sup>२१</sup> ।  
 स्रोतो<sup>२२</sup> (१) निर्भरिणी<sup>२३</sup> सरि<sup>२४</sup> च तटिनी<sup>२५</sup> कूलङ्गपा<sup>२६</sup> ।  
 वाहिनी<sup>२७</sup> ।  
 कर्षु<sup>२८</sup> हीपवती<sup>२९</sup> समुद्रदयिता<sup>३०</sup> ध्रुव्यै<sup>३१</sup> स्ववन्ती<sup>३२</sup> सर-  
 स्वत्यै<sup>३३</sup> पर्वतजा<sup>३४</sup> ऽपगा<sup>३५</sup> जलधिगा<sup>३६</sup> कुल्या<sup>३७</sup> वज्रभा-  
 लिनो<sup>३८</sup> ॥ १४६ ॥

गङ्गा<sup>३९</sup> त्रिपथगा<sup>४०</sup> भागीरथी<sup>४१</sup> त्रिदशदीर्घिका<sup>४२</sup> ।  
 तिस्रोता<sup>४३</sup> जङ्गी<sup>४४</sup> मन्दाकिनी<sup>४५</sup> भीष्म<sup>४६</sup> कुमारसू<sup>४७</sup> (२) ॥ १४७ ॥  
 सरिद्वरा<sup>४८</sup> विष्णुपदी<sup>४९</sup> सिद्ध<sup>५०</sup> स्व<sup>५१</sup> स्वर्गि<sup>५२</sup> खापगा<sup>५३</sup> (३) ।  
 ऋषिकुल्या<sup>५४</sup> हैमवती<sup>५५</sup> स्वर्वापी<sup>५६</sup> हरशेखरा<sup>५७</sup> ॥ १४८ ॥  
 यमुना<sup>५८</sup> यमभगिनी<sup>५९</sup> कालिन्दी<sup>६०</sup> सूर्यजा<sup>६१</sup> यमी<sup>६२</sup> ।  
 रेवेन्दुजा<sup>६३</sup> पृथ्वीगङ्गा<sup>६४</sup> नर्मदा<sup>६५</sup> मेखलाद्रिजा<sup>६६</sup> ॥ १४९ ॥  
 गोदा<sup>६७</sup> गौदावरी<sup>६८</sup> तापी<sup>६९</sup> तपनी<sup>७०</sup> तपनात्मजा<sup>७१</sup> ।  
 शतद्रिन्धु<sup>७२</sup> शतद्रु<sup>७३</sup> स्यात् कावेरी<sup>७४</sup> त्वईजाङ्गवी<sup>७५</sup> ॥ १५० ॥  
 कखोया<sup>७६</sup> सदानीरा<sup>७७</sup> चन्द्रभागा<sup>७८</sup> तु चन्द्रिका<sup>७९</sup> ।

(१) लो, स्रोतसी स्रोतांसि ॥  
 (२) चमूवदृक्षपाणि भीष्मसूः । कुमारसूः २ ॥  
 (३) सिद्धापगा १ स्वरापगा २ गर्गसपगा ३ खापगा ४ ॥

वाशिष्ठीगोमती<sup>१</sup> तुल्ये वल्लपुत्री<sup>१</sup> सरस्वती<sup>१</sup> ॥१५१॥  
 (१) विपाट् विपाशाः ऽर्जुनी<sup>१</sup> तु बाह्वदा<sup>१</sup> सैतवाहिनी<sup>१</sup> ।  
 वैतरणी नरकसा<sup>१</sup> स्रोतो<sup>१</sup>ऽन्धः सरयं स्वतः ॥१५२॥  
 प्रवाहः<sup>१</sup> पुन रोः<sup>१</sup> स्यात् वेणी<sup>१</sup> धारा<sup>१</sup> रय<sup>१</sup> च सः ।  
 घट्ट<sup>१</sup> स्तीर्थो<sup>१</sup> स्वतारे<sup>१</sup> ऽम्बुद्वी पूरः<sup>१</sup> भवो<sup>१</sup> ऽपि च ॥१५३॥  
 पुटभेदा<sup>१</sup> स्तु वक्राणि<sup>१</sup> (२) भ्रमा<sup>१</sup> स्तु जलनिर्गमाः ।  
 परीवाहा<sup>१</sup> जलोच्छ्वासाः<sup>१</sup> कूपका<sup>१</sup> स्तु विदारकाः<sup>१</sup> ॥१५४॥  
 प्रयाती<sup>१</sup> (३) जलमार्गे<sup>१</sup> ऽथ पानं<sup>१</sup> कुल्या<sup>१</sup> च सारणिः<sup>१</sup> ।  
 सिकता<sup>१</sup> (४) बालुका<sup>१</sup> विन्दो<sup>१</sup> ऽष्टत्<sup>१</sup>-ष्टत<sup>१</sup>-त्रिषुषः<sup>१</sup> (५) ॥ ५५ ॥  
 जम्बाले<sup>१</sup>-चिकित्तौ<sup>१</sup> पङ्कः<sup>१</sup> कर्दम<sup>१</sup> च निषहर<sup>१</sup> ।  
 शादो<sup>१</sup> हिरण्यवाह<sup>१</sup> स्तु शोणो<sup>१</sup> नदे<sup>१</sup> पुन र्वहः<sup>१</sup> ॥१५६॥  
 भिद्य<sup>१</sup> उध्य<sup>१</sup> सरसा<sup>१</sup> च द्रुहो<sup>१</sup> ऽगाधजलो<sup>१</sup> ह्वदः<sup>१</sup> ।  
 कूपः<sup>१</sup> स्या बुद्धानो<sup>१</sup> ऽन्धः<sup>१</sup> प्रहि<sup>१</sup> नैमी<sup>१</sup> तु तत् त्रिका<sup>१</sup> (६) ॥ ५६ ॥

(१) विपाशौ विपाशः स्त्री ।

(२) “वक्रः कृटिले क्रूरे पुटभेदे घनैस्वरे” इति महेश्वरः । वक्रा-  
 णीत्यपि यन्महेश्वरः “वक्रो गणे चक्रवाके चक्रं सैन्यरथपङ्क्तयोः पाम-  
 जाले कुन्डालस्य भाण्डे राट्टास्त्रयोरपि । अन्धसामपि चावर्त्ते” इति ।

(३) त्रिषु ।

(४) बह्वचनान्तः, “बालिका बालुका बाढा पिच्छाका कण-  
 भूषणे” इति महेश्वरः ।

(५) “ष्टपत्ति विन्दुष्टपताः पुमांसो विषुषः स्त्रिय” इत्यमरः ।  
 ष्टपती ष्टपत्नी स्त्री, विषुट् विषुषौ स्त्री ।

(६) कूपमुत्सवन्धनस्य ।

नान्दीमुखो मान्दीपटो वीनाहो मुखबन्धने ।  
 बाहावस्तु निपानं<sup>(१)</sup> स्यादुपकृपे ऽथ दीर्घिका ॥१५८॥  
 गपी<sup>२</sup> स्यात् कुद्रूपे तु चुरी<sup>३</sup> चुण्डो<sup>४</sup> च चतकः<sup>(२)</sup> ।  
 ठहाटकं घटीयन्त्रं<sup>(२)</sup> पादावर्णी<sup>५</sup> ऽरघट्टकः<sup>६</sup> ॥१५९॥  
 अखातं<sup>७</sup> तु देवखातं पुष्करिण्यां तु खातकम्<sup>८</sup> ।  
 पद्माकरं साङ्गागः<sup>९</sup> स्यात्<sup>(७)</sup> कासारः<sup>१०</sup> सरसी<sup>११</sup> सरः<sup>१२</sup> ॥१६०॥  
 वेशलः<sup>१३</sup> पल्लवो<sup>१४</sup> ऽल्पं तत् परिखा<sup>१५</sup> खेय<sup>१६</sup>-खातिके<sup>१७</sup> ।  
 स्यादालवाल<sup>१८</sup> भावाल<sup>(१५)</sup> भावापः<sup>१९</sup> स्थानकं<sup>२०</sup> च सः ॥१६१॥  
 आभार स्व म्भसा<sup>२१</sup> बन्धो<sup>२२</sup> निर्भर<sup>२३</sup> स्तु भरः<sup>२४</sup> सरिः<sup>२५</sup> ।  
 उल्लः<sup>२६</sup> स्वयः<sup>२७</sup> प्रस्रवणं<sup>२८</sup> जलधारा<sup>२९</sup> जलाशयाः<sup>३०</sup> ॥१६२॥

इत्युक्त्वायः ।



### अथ तेजस्कायः ।

वङ्गि<sup>१</sup> वृहद्भानु<sup>२</sup> हिरण्यरेतसौ<sup>३</sup>  
 धनञ्जयो<sup>४</sup> हव्य<sup>५</sup> हवि<sup>६</sup> ऊताशनः<sup>(७)</sup> ॥१॥

- (१) पद्मादीनां पानार्थं शिलादिभिः कूरममीपे निर्मितम् ॥  
 (२) - "चूतकौ नीरसं पीत्वा पान्या पथिमुखं ययुः" इति भाषा ॥  
 (३) केनू कूमादेर्जलमूर्द्धं वाह्यते तद्यन्त्रस्य ॥  
 (४) तटाक इत्यन्ये ॥  
 (५) आवालं खमते लोचनिकः, व्याङ्गिस्तु "आयातो जघ-  
 पिण्डेषु" इति पुं स्यात् ॥  
 (६) हव्याशनः १ हविरशनः २ ऊताशनः ३ ॥

(१) कपीटयोक्तिः दृसुन. ६ (२) विरोचना १०-

- शुशुचयी ११- कानरव १२- तनूनपात १२ (३) ॥ १६३ ॥

कशाभु ४- वैखानर १५- क्वातिहोत्रा ६

दृषाभु १०- पावकः १८- लित्रभाम १६ ।

(४) अर्पित्त २०- भूमध्वज २१- कृष्णवर्त्मनी २२-

ऽर्चिष्वा २३ (५) छमीगर्भ २४- तमोघ्न ५- शुक्राः ६ ॥ १६४ ॥

श्रीविष्केशः २०- शुचि २८- छतवहो २९- प्रमुधाः ३०- सप्त ३१- मन्त्र ३२-

ज्वाला-जिह्वो ३३ (६) ज्वलन ३४- शिखिनो ३५- जागृविरे ६- जीत-

वेदाः ३७ (७) ।

बर्हिः शुष्मा २८ (८) ऽनिलसख ९- वक्तु ४०- रोहिताश्या ४१- अयासो ४

(९) बर्हिर्ज्योति ४२- देहन ४४- वक्तुलो ४५- हव्यवाहो ४६- ऽनलो २०

ऽग्नि. ४९ ॥ १६५ ॥

(१) कपीटं जलं योनिरस्य यत् स्मृतः, अदृश्योऽग्निर्ब्रह्मणः  
स्त्वमिति ॥

(२) दसुनाः दसुनसो दसुनसः दसूनाः इति । दीर्घोऽप्युकारः ॥

(३) तनूनपातौ तनूनपातः ॥

(४) अर्पित्तवर्जा एते सर्वे पुंसि वल्लिपय्यायाः ॥

(५) कृष्णवर्त्मनी कृष्णवर्त्मनः, अर्चिष्वात् अर्चिष्मन्तो अर्चि-  
ष्मन्तः, अत्र नक्तं पदमध्य इति पठप्रतिषेधात् नाभ्यन्तस्थेति षकारस्य  
पत्वम् ॥ (६) सप्तजिह्वः १ मन्त्रजिह्वः २ ज्वालाजिह्वः ३ ॥

(७) शिखी शिखिनो शिखिनः, जागृविः हरिवत् जातियेदम्  
सान्तः ॥ (८) बर्हिः शुष्माशौ बर्हिः शुष्माशः ॥

(९) बर्हिर्ज्योतिषो बर्हिर्ज्योतिषः, बर्हिषो बर्हिषः, बर्हिर्विधि  
इङ्नामापि ॥

विभावसुः<sup>१</sup> सप्तो-दर्विः<sup>५</sup> (१) स्वाहाग्ना<sup>२</sup> यीप्रिया ऽस्य च ।  
 और्ध्वः<sup>३</sup> संवर्त्तको ऽव्यग्नि<sup>२</sup> वीडवो<sup>४</sup> बहवामुखः<sup>५</sup> ॥११६॥  
 दवो<sup>३</sup> दावो<sup>२</sup> वनमृच्छि<sup>२</sup> मेघवर्द्धि<sup>३</sup> रिदम्भदः<sup>२</sup> ।  
 कामण्य<sup>३</sup> करीषाम्निः<sup>२</sup> कुश्ल<sup>३</sup> तुषानजः<sup>२</sup> ॥११७॥  
 मन्तापः<sup>३</sup> सञ्चुरो<sup>३</sup> वाष्प<sup>३</sup> ऊष्मा<sup>२</sup> जिह्वाः स्य रश्मि<sup>३</sup> (२) ।  
 हेतिः<sup>३</sup> कीला<sup>३</sup> शिखा<sup>३</sup> ज्वाला<sup>४</sup> ऽर्चि<sup>५</sup> भक्तका<sup>३</sup> मञ्जत्यसौ ॥११८॥  
 स्फुलिङ्गो<sup>३</sup> ऽग्निकणो ऽस्मात्ज्वालो ल्का<sup>३</sup> ऽत्तात<sup>३</sup> मुचमुकम्<sup>२</sup> ।  
 धमः<sup>३</sup> स्या द्वाद्युवाहो<sup>२</sup> ऽग्निवाहो<sup>२</sup> दहनकेतनम्<sup>३</sup> ॥११९॥  
 अश्वः<sup>५</sup> करमाच<sup>३</sup> शरी<sup>०</sup> जीमूतवाह्य<sup>३</sup> पि<sup>२</sup> ।  
 तडि<sup>३</sup> दैरावती<sup>३</sup> विद्यु<sup>३</sup> ज्वल<sup>४</sup> शम्पा<sup>५</sup> ऽचिरप्रभा<sup>३</sup> ॥१२०॥  
 साकालिकी<sup>०</sup> शतह्रदा<sup>३</sup> चञ्चला<sup>३</sup> चपला<sup>३</sup> ऽग्निः<sup>३</sup> ।  
 सौदामिनो<sup>३</sup> अणिका<sup>३</sup> च ह्लादिनी<sup>४</sup> जलदाहिका<sup>५</sup> ॥१२१॥  
 इति तेजस्कायः ।



अथ वायुकायः ।

वायुः<sup>३</sup> समीर -समीरो<sup>३</sup> पवना<sup>४</sup> -शुगौ<sup>५</sup> नभः-  
 प्रवातो<sup>३</sup> नभस्व<sup>०</sup> (४) -दनिन्ल<sup>३</sup> -श्वसनाः<sup>३</sup> समीरणाः<sup>३</sup> ।

(४) अर्चादिषु सप्तार्चिषः, उद्वर्चिषु उद्वर्चिषः, स्वाहा गङ्गावद  
 अथयमपि ॥

(५) ऊष्मायौ ऊष्माणः, स्त्री लो, न्दियां अर्चिः उर्चिषौ अर्चिषः,  
 लोके अर्चिः अर्चिषी अर्चापि । अर्चिः इति लतीश्वरान्तोऽपि ॥

(२) जीमूतवाहिनौ जीमूतवाहिनः ॥

(४) नभस्वान् नभस्वन्तौ ॥



वातो<sup>१</sup>; हिकान्त<sup>२</sup>-~~समान~~<sup>३</sup>-मह<sup>४</sup>-त्प्रकम्पनाः<sup>५</sup>  
 कम्पाक<sup>६</sup>-नित्यगति<sup>७</sup>-गन्धवह<sup>८</sup>-प्रभङ्गनाः<sup>९</sup> ॥१७२॥  
 मातरिष्वा<sup>१०</sup> जगत्प्राणः<sup>११</sup> दृषदृशो<sup>१२</sup> महाबलः<sup>१३</sup> ।  
 मासतः<sup>१४</sup> स्पर्शनो<sup>१५</sup> दैत्यदेवो<sup>१६</sup>, भ्रूभा<sup>१७</sup> व-दृष्टियुक् ॥१७३॥  
 प्राणो<sup>१८</sup> नासाग्रहृन्नाभिपादाङ्गुष्ठान्तमोचरः ।  
 अपानः<sup>१९</sup> पवनो मन्वा<sup>२०</sup> दृष्टदृशान्तपार्श्वगः ॥१७४॥  
 समानः<sup>२१</sup> सन्धिहृन्नाभिपूदानो<sup>२२</sup> हृच्छिरोन्तरे ।  
 सर्व्वत्वगृत्तिको व्यान<sup>२३</sup> इत्यङ्गे पञ्च वायवः ॥१७५॥  
 इति वायुकायः ।



अरग्य<sup>१</sup> मटवी<sup>२</sup> सन<sup>३</sup> वार्च<sup>४</sup> च गहनं<sup>५</sup> भ्रूषः<sup>६</sup> ।  
 कान्तरं<sup>७</sup> त्रिपिनं<sup>८</sup> कक्षः<sup>९</sup> स्यात् प्रण्डं<sup>१०</sup> काननं<sup>११</sup> वनम्<sup>१२</sup> ॥१७६॥  
 दवो<sup>१३</sup> दावः<sup>१४</sup>, प्रस्तार<sup>१५</sup> सु लणाठव्यां<sup>१६</sup> भ्रूषो<sup>१७</sup>ऽपि च ।  
 अपी-पाभ्यां वनं<sup>१८</sup>(२) बेल<sup>१९</sup>मारामः<sup>२०</sup> कतिमे वने ॥ १७७॥  
 निष्कुट<sup>२१</sup> सु गटहारामो, वा ह्याराम सु पीरकः<sup>२२</sup> ।  
 आक्रीडः<sup>२३</sup> पुन रुद्यानं<sup>२४</sup> राज्ञां त्वन्तःपुरोषितम् ॥१७८॥  
 तदेव प्रमदवन<sup>२५</sup> ममात्यादे सु निष्कुटे ।  
 वाटी<sup>२६</sup>(२) पुष्पा वृक्षा चासौ<sup>२७</sup> बुद्रारामः प्रसीदिका<sup>२८</sup> ॥१७९॥

(१) मन्वा पीपापञ्चङ्गागः ।

(२) अपवनम् १ उपवनम् २ ।

(३) वाटसु वर्तन्ति इतो वाटी स्याद्गृहनिष्कुटे इति श्रीधरः ।

(४) पुष्पावाटी १ वृक्षवाटी २ वाटी शब्द इत्यर्थः ।

वृक्षोऽम<sup>२</sup> शिखरी<sup>३</sup> च शाखि<sup>४</sup> - फलदा<sup>५</sup> वृद्धि<sup>६</sup> हरिद्रु<sup>७</sup> दृढो<sup>८</sup>  
जीर्णो<sup>९</sup> द्रु<sup>१०</sup> वीटपी<sup>११</sup> कुठः<sup>१२</sup>(१) चितिरुद्रः<sup>१३</sup> कारस्करो<sup>१४</sup>

विष्टरः<sup>१५</sup> ।

गन्धावर्त्त<sup>१६</sup> - करालिकौ<sup>१७</sup> तरु<sup>१८</sup> - वसू<sup>१९</sup> पर्या<sup>२०</sup> पुलाक्य<sup>२१</sup>  
द्विपः<sup>२२</sup> साला<sup>२३</sup> - नोकह<sup>२४</sup> - गच्छ<sup>२५</sup> - पादप<sup>२६</sup> - नगा<sup>२७</sup> हृद्या<sup>२८</sup> -

गमौ<sup>२९</sup> पुष्पदः<sup>३०</sup> ॥ १८० ॥

कुञ्ज<sup>३१</sup> - निकुञ्ज<sup>३२</sup> - कुडङ्गाः<sup>३३</sup> स्थाने वृक्षै<sup>३४</sup> वृता-न्तरे ।

पुष्पै<sup>३५</sup> सु फलवान् वृक्षो वानस्पत्यो<sup>३६</sup> विना तु तैः ॥ १८१ ॥

फलवान् वनस्पतिः<sup>३७</sup> स्यात् फलावन्यः फलेग्रहिः<sup>३८</sup> ।

फलवन्य स्त वकेशी<sup>३९</sup> फलवान्<sup>४०</sup> फलिनः<sup>४१</sup> फली<sup>४२</sup> ॥ १८२ ॥

घोषधिः<sup>४३</sup> स्या दौषधि<sup>४४</sup> च फलपाकावसानिका ।

घुपो<sup>४५</sup> ह्रस्वशिफाशाखः प्रतति<sup>४६</sup> व्रतति<sup>४७</sup> लता<sup>४८</sup> ॥ १८३ ॥

वज्ज<sup>४९</sup> स्यां तु प्रतानिन्यां<sup>५०</sup> सुखिन्यु<sup>५१</sup> - लप<sup>५२</sup> - वीरुधः<sup>५३</sup> ।

स्या त्प्ररोहो<sup>५४</sup> ऽङ्कुरो<sup>५५</sup> ऽङ्कुरो<sup>५६</sup> रोह<sup>५७</sup> च स तु पर्जन्यः ॥ १८४ ॥

समुत्थितः स्याद् बलिशं<sup>५८</sup> शिखा<sup>५९</sup> - शाखा<sup>६०</sup> - लताः<sup>६१</sup> समाः ।

शाखा<sup>६२</sup> शाला<sup>६३</sup> स्कान्वशाखा<sup>६४</sup> स्कान्वः<sup>६५</sup> प्रकाण्डमक्षकम् ॥ १८५ ॥

मूलाच्छाखावधिर्गण्डः प्रकाण्डो<sup>६६</sup> ऽथ जटा<sup>६७</sup> शिफा<sup>६८</sup> ।

प्रकाण्डरहिते साब्धो<sup>६९</sup> विटपो<sup>७०</sup> सुल्का<sup>७१</sup> इत्यपि ॥ १८६ ॥

शिरोनामा<sup>७२</sup>(२) ऽग्रं शिखरं<sup>७३</sup> मूला<sup>७४</sup> वध्नो<sup>७५</sup> ऽङ्घ्रिनाम्<sup>७६</sup> च ।

(१) कुठिः सौम कोठति कुठः । कुठान् वृक्षान् इत्यन्ति कुठारः ।

जीर्ण इत्यन्तर्जीर्णः अलः इति पाठान्तरः । [पर्याया अस्व ॥

(२) शिरसो नामानि पर्यायाः अस्व अंग्रेष चरणस्य नामानि

सारो मज्जिन् (१) त्वविष्णोः शोचं वल्कं व वल्कलम् ॥ १८७ ॥  
 स्यात्तौ तु ध्रुवकः शङ्खः काष्ठो दलिकः दाहणी ।  
 निष्कुङ्कः कीरः मञ्जा मञ्जरिः वल्लारिः च सा ॥ १८८ ॥  
 पटः पलाशः छदनं वडः पर्णः छदः दलम् ० ।  
 नवे तस्मिन् किसलयः किसलः पल्लवोऽत तु (२) ॥ १८९ ॥  
 नवे प्रजालोऽस्य कोशी शुङ्गा (४) मादिः दलखसा ।  
 विस्तारः-विटपौ तुल्यौ प्रसूनः कुसुमः सुमम् ॥ १९० ॥  
 पुष्पः सूतः सुमनसः (५) प्रसवः च मणीवकम् ० ।  
 जालका-चारकौ तुल्यौ कलिकायाः तु कोरकः ॥ १९१ ॥  
 कुट्मलेः सुकुलः गुच्छः गुच्छः-स्तवकः-गुत्सकाः ० ।  
 गुनुच्छोऽस्य रजः पौष्पं परागोऽस्य रसो मधु (६) ॥ १९२ ॥  
 मकरन्दो मरन्दः च लन्तः प्रसवबन्धनम् ।

(१) मञ्जा मञ्जानो मञ्जानः, त्वक् त्वग् त्वचौ त्वचः, अचलो-  
 टपि त्वचा स्त्रियाम् अदन्तोऽपि त्वचः पुंसि इति हलायुधटीका ॥

(२) प्रजाद्यणि पात्रमपि यन्मञ्जरः “पात्रं खुवादी पर्णं च  
 राजमन्त्रिणि चेष्यते” इति अयं द्वितकार-एकतकारश्च धातुप्रत्यय-  
 भेदात् ॥

(३) कन्दलमपि त्रिलिङ्गोऽयं “कन्दलं तु कपावे स्वाङ्पराने  
 नवाङ्गुटे” इति कोपालरम् ॥

(४) शुङ्गा आबन्तः-पुं स्त्रीलिङ्गोऽयं यद्वाग्भटः, षट्प्रदीहैः शुङ्गै-  
 त् ॥

(५) बहुवचनान्तः स्त्री ॥

(६) मधु लोके, पुंस्त्वपीति हलायुधटीका गजकन्दोऽपि ॥

प्रबुद्धो-जम्बू-फुल्लानि-व्युत्कोशं-कचं-स्निग्धम् ॥१६३॥  
 उन्मिषितं विकसितं दूकितं-लोडितं-स्फुटम् ॥  
 प्रफुल्लो-प्रफुल्लो-सम्फुल्लो-च्छसितानि-विजृम्भितम् ॥१६४॥  
 क्षीरं-विनिद्रं-सुनिद्रं-विमुनिद्रं-हसितानि च ।  
 सङ्कुचितं तु निद्राय-मीकितं सुद्रितं च तत् ॥१६५॥  
 फलो-तु-सैस्यं-तच्छुष्कं-वानं-नामं-शलाटुं च ।  
 ग्रन्थिः-पद्मं-टकरं-जीजि-कीशी-शिखा-शमिः-शमी ॥१६६॥  
 शिम्बि-शु-मिष्यतो-श्वत्थ-शोष्ठकः-कुञ्जराशयः ॥  
 कृष्णकासो-बोधितरः-प्लव-सु-पर्कटी-जटी ॥१६७॥  
 न्यग्रोधं-सु-वज्रपातं-स्या-द्वटो-वैश्रवणालयः ॥  
 उदुम्बरो-जन्तुफलो-मशकी-हेमदुग्धकः ॥१६८॥  
 काकोदुम्बरिका-फल्गु-स्मलय-जघनेफला ॥  
 आम्बुतः-सहकारः-सप्तपर्णी-सु-युक्कदः ॥१६९॥  
 शिगुः-श्रीभाञ्जनो-स्त्रीव-तीक्ष्णगन्धक-गोचकाः ॥  
 श्वेते-श्वेतमरिचः-पुन्नागः-सुरपर्णिका ॥२००॥  
 वकुलः-केसरः-शोकः-कङ्को-ककुभो-ज्जुनः ॥  
 मालूरः-श्रीफलो-विल्वः-किङ्किरातः-कुरण्टकः ॥२०१॥  
 त्रिपलकः-पलाशः-स्यात्-किंशुको-ब्रह्मपादपः ॥  
 तद्वाराजः-शालः-शालो-रश्मा-मोक्ष-कदम्बोपि ॥२०२॥

(१) नालः ली, परपो पदपि ली ४

(२) कमुदकं केलति गच्छति कङ्कोल्लः, स्त्रीलिङ्गः अदनरकोपः

"स्त्रियां ल्योके कङ्कोल्लः" षपोदरादित्वात् ३

करबीरो<sup>१</sup> हयमारः<sup>२</sup> कुटजो<sup>३</sup> गिरिभङ्गिका<sup>४</sup> ।  
 विदुलो<sup>५</sup> वेतसः<sup>६</sup> शीतो<sup>७</sup> शीरो<sup>८</sup> कुको<sup>९</sup> रथः<sup>१०</sup> ॥२०३॥  
 (१) कर्कशुः<sup>१</sup> कुवती<sup>२</sup> कोली<sup>३</sup> बदन्<sup>४</sup> व हलिप्रियः<sup>५</sup> ।  
 नीपः<sup>६</sup> कदम्बः<sup>७</sup> साक्षी<sup>८</sup> सर्जो<sup>९</sup> रिरिट<sup>१०</sup> सु मंगिनः<sup>११</sup> ॥२०४॥  
 निम्बो<sup>१२</sup> रिरिटः<sup>१३</sup> पिपुमन्दः<sup>१४</sup> समी<sup>१५</sup> तिदुल<sup>१६</sup>-भाकुकी<sup>१७</sup> ।  
 कापीस<sup>१८</sup> सु वादरः<sup>१९</sup> स्वात<sup>२०</sup> पिपव<sup>२१</sup> सुलकी<sup>२२</sup> पिपुः<sup>२३</sup> ॥२०५॥  
 चारणवधः<sup>२४</sup> जतमाले<sup>२५</sup> टणो<sup>२६</sup> वाषा<sup>२७</sup> टकरुपके<sup>२८</sup> ।  
 करज<sup>२९</sup> सु नक्तमालः<sup>३०</sup> खुडि<sup>३१</sup> जेज्वी<sup>३२</sup> महातरः<sup>३३</sup> ॥२०६॥  
 महाकाल<sup>३४</sup> सु किम्बाके<sup>३५</sup> मन्दाटः<sup>३६</sup> पारिभद्रके<sup>३७</sup> ।  
 मधुक<sup>३८</sup> सु मधुडीलो<sup>३९</sup> गुडपुष्पो<sup>४०</sup> मधुद्रुमः<sup>४१</sup> ॥२०७॥  
 पीलुः<sup>४२</sup> मिनो<sup>४३</sup> गुडफलो<sup>४४</sup> गुणकु<sup>४५</sup> सु पलकधः<sup>४६</sup> ।  
 रामादनः<sup>४७</sup> पियालः<sup>४८</sup> स्यात्<sup>४९</sup> तिमिन्ना<sup>५०</sup> सु रथद्रुमः<sup>५१</sup> ॥२०८॥  
 नागरक<sup>५२</sup> सु नारक<sup>५३</sup> इकुटी<sup>५४</sup> तापसद्रुमः<sup>५५</sup> ।  
 काश्मरी<sup>५६</sup> भद्रपल्ली<sup>५७</sup> श्रीपल्ली<sup>५८</sup> चिकका<sup>५९</sup> तु तिमिन्नी<sup>६०</sup> ॥२०९॥  
 शेलः<sup>६१</sup> सेष्पातकः<sup>६२</sup> पीतसाल<sup>६३</sup> सु प्रियको<sup>६४</sup> सनः<sup>६५</sup> ।  
 पाटलिः<sup>६६</sup> पाटला<sup>६७</sup> भूर्जो<sup>६८</sup> वज्रत्वको<sup>६९</sup> बदुच्छदः<sup>७०</sup> ॥२१०॥  
 द्रुमोत्पलः<sup>७१</sup> कर्णिकः<sup>७२</sup> निपुले<sup>७३</sup> डिजले<sup>७४</sup> जकी<sup>७५</sup> ।  
 धात्री<sup>७६</sup> शिवा<sup>७७</sup> चामलकी<sup>७८</sup> कलि<sup>७९</sup> रथो<sup>८०</sup> विभीतकः<sup>८१</sup> ॥२११॥  
 हरीतक<sup>८२</sup> भया<sup>८३</sup> पथ्या<sup>८४</sup> त्रिफला<sup>८५</sup> तत्<sup>८६</sup> फलतथम्<sup>८७</sup> ।  
 तापिच्छ<sup>८८</sup> सु तमालः<sup>८९</sup> स्या<sup>९०</sup> जम्बको<sup>९१</sup> हेमपुष्पकः<sup>९२</sup> ॥२१२॥

(१) पुं स्त्री, स्त्रियां कर्कशुः कर्कशौ कर्कश्वः ॥

निरुद्धी' सिन्दुवारे' इति सुकके' माधवी' चतार' ।  
 वासनी' चौद्रपुष्प' तु जपा' जाती' सु माधती' ॥२१३॥  
 मल्लिका' स्या द्विवक्त्रिणः' सप्तला' नवमरलिङ्गरे' ।  
 मगधी युविका' सा तु पीता स्या हेमपुष्पिका' ॥२१४॥  
 प्रियङ्गुः' फलिनी' श्यामा' बन्धुको' बन्धुजीवकः' ।  
 कद्रयो' मल्लिकापुष्पो' जम्बीरे' जम्बरे-जम्बतौ' ॥२१५॥  
 मातुलुङ्गो' बीजपूरः' करीर' ककरौ' समौ ।  
 पद्माङ्गुलः' स्या देरखडे' धातव्यां' धातुपुष्पिका' ॥२१६॥  
 कपिकच्छ' रालसुता' धर्त्तरः' कनकाङ्गुलः' ।  
 कपित्य' सु दृष्टिकलो' मालिकेर' सु खाङ्गुली' ॥२१७॥  
 धाम्नातको' वर्षपाकी' (१) केतकः' ककचच्छदः' ।  
 कोविदारो' हुगपत्रः' सल्लकी' तु बजप्रिया' ॥२१८॥  
 वंशो' वेणु' बंबफल' स्वविसार' सृष्ट्याध्वजः' ।  
 मस्कारः' शतपर्वा' च खनन् वात त्व कीचकः' ॥२१९॥  
 तुकाचीरी' वंशचीरी' त्वक्षीरी' वंशरोचना' ।  
 पूगे' क्रमुक' गूवाकौ' तस्यो हेगं' पुनः कलम् ॥२२०॥  
 ताम्बूलवल्ली' ताम्बूली' नामपर्यायवत्स्य' पि (२) ।  
 तुल्य' तुलावः' (३) कण्ठाला' तु गुञ्जा' द्राक्षा' तु गोस्तनी ॥२२१॥  
 सदीका' चारुकरा' च गोक्षुर' सु त्रिकण्टकः' ।

(१) वर्षपाकियो वर्षपाकियः ॥

(२) नामवल्ली फलिजता इत्यादि ॥

(३) स्त्री ली, दासपि ॥

श्वदंष्ट्रा<sup>२</sup>स्यलशृङ्गाटो<sup>३</sup>गिरिकर्ण<sup>४</sup>ऽपराजिता<sup>५</sup> ॥ २२२ ॥  
 व्याघ्री<sup>६</sup> निर्दिग्धिका<sup>७</sup> कण्ठकाहिका<sup>८</sup> स्यादद्या<sup>९</sup>ऽमृता<sup>१०</sup> ।  
 वल्गादनी<sup>११</sup>सुष्मनी<sup>१२</sup>च विशाला<sup>१३</sup>त्विन्द्रवारुणी<sup>१४</sup> ॥ २२३ ॥  
 उशीरं<sup>१५</sup> वीरणी<sup>१६</sup>मूजे<sup>१७</sup>क्षीवेरे<sup>१८</sup> वालकं<sup>१९</sup> जलम्<sup>२०</sup> ।  
 प्रपुन्नाट<sup>२१</sup>स्त्रे<sup>२२</sup>जगजो<sup>२३</sup>दट्टु<sup>२४</sup>श्चक्रमर्दकः<sup>२५</sup> ॥ २२४ ॥  
 लङ्गायां<sup>२६</sup> महारजनं<sup>२७</sup> कुसुम्भं<sup>२८</sup> कमलोत्तरम्<sup>२९</sup> ।  
 लोभ्रे<sup>३०</sup> तु गालवो<sup>३१</sup> रोध्र<sup>३२</sup>-तिल्<sup>३३</sup>-शावर<sup>३४</sup>-भार्जनाः<sup>३५</sup> ॥ २२५ ॥  
 सृणालिनी<sup>३६</sup> पुटकिनी<sup>३७</sup> नलिनी<sup>३८</sup> पङ्कजिन्य<sup>३९</sup>पि ।  
 कमलं<sup>४०</sup>नलिनं<sup>४१</sup>पद्मं<sup>४२</sup> सरत्रिन्द<sup>४३</sup> कुशं<sup>४४</sup>शयम्<sup>४५</sup> ॥ २२६ ॥  
 परं<sup>४६</sup> शतसहस्राभ्यां<sup>४७</sup> वत<sup>४८</sup>(१) राजीव<sup>४९</sup>-पुष्करे<sup>५०</sup> ।  
 विसप्रसूतं<sup>५१</sup>(२) नालीकां<sup>५२</sup>तामरसं<sup>५३</sup>महोत्पलम्<sup>५४</sup> ॥ २२७ ॥  
 तज्जलात्<sup>५५</sup> सरसः<sup>५६</sup> पङ्कात्<sup>५७</sup> परै<sup>५८</sup>रुट्-रुह-जन्म-जैः<sup>५९</sup>(३,४) ।  
 पुण्डरीकं<sup>६०</sup> सिताम्भोजं<sup>६१</sup>मथरक्तं<sup>६२</sup>सरोरुहे<sup>६३</sup> ॥ २२८ ॥  
 रक्तोत्पलं<sup>६४</sup> कोकनदं<sup>६५</sup> कैरविण्यां<sup>६६</sup>(५) कुसुदती<sup>६७</sup>(५) ।  
 उत्पलं<sup>६८</sup>स्यात्<sup>६९</sup> कुवलयं<sup>७०</sup> कुवेलं<sup>७१</sup> कुवलं<sup>७२</sup> कुवम्<sup>७३</sup> ॥ २२९ ॥

(१) शतपत्रं १ सहस्रपत्रम् २ ॥

(२) विसप्रसूतं विसप्रसूतं विसप्रसूतं विसप्रसूतमपि इ  
टीका ॥

(३) जलरुही जलरुहि, जलजन्मनि जलजन्मानि, सरोरु  
सरोजजन्मनी पद्मरुही, जलरुट् १ जलरुहं २ जलजन्म ३ जलज  
सरोरुट् ४ सरोरुहं ५ सरजन्म ७ सरोजं ८ पद्मरुट् ९ पद्मरुहं  
पद्मजन्म ११ पद्मजं १२ ॥

(४) सन्द्रविकाशिन्याः ॥

(५) सन्द्रविकाशी कमलः ॥

श्रुते तु तत्र कुमुदीं कैरवं गर्दभाक्षयम् ।  
 गविले तु स्यादिन्दीवरं हल्लकं रक्तसन्धिके ॥२३०॥  
 सौगन्धिकं तु कल्लारं<sup>(१)</sup> बीजकोशो दराटकः<sup>२</sup> ।  
 कर्णिका<sup>३</sup> पद्मनालं<sup>४</sup> तु स्यात्तं तन्तुलं<sup>५</sup> त्रिसम्<sup>६</sup> ॥२३१॥  
 किञ्चलकं<sup>७</sup> केसरं<sup>८</sup> संवर्त्तिकां<sup>९</sup> तु स्यान्नवं दलम् ।  
 करहटः<sup>१०</sup> शिफा<sup>११</sup> च स्यात् कन्दे सल्लिजजन्मनाम्<sup>(२)</sup> ॥२३२॥  
 उत्पलानां तु शालकं<sup>(३)</sup> नील्यां शैवालं<sup>४</sup> शैवले<sup>५</sup> ।  
 शैवालं<sup>६</sup> शैवलं<sup>७</sup> शैपालं<sup>८</sup> जलाच्छूकं<sup>९</sup> नीलिके<sup>(४)</sup> ॥२३३॥  
 धान्यं<sup>(५)</sup> तु रास्यं<sup>६</sup> सीत्यं<sup>७</sup> च व्रीहि<sup>८</sup> सार्वकर्मि<sup>९</sup> च तत् ।  
 धाशुः<sup>१०</sup> स्यात् पाटला<sup>११</sup> व्रीहि<sup>१२</sup> गर्भपाकी<sup>(६)</sup> तु षटिकः<sup>१३</sup> ॥२३४॥  
 शालयः<sup>१४</sup> कलमाद्याः<sup>१५</sup> स्युः कलमं<sup>१६</sup> सु कलामकः<sup>१७</sup> ।  
 लोहितो रक्तशालिः<sup>१८</sup> स्यान्नाहाशालिः<sup>१९</sup> सुगन्धिकः<sup>२०</sup> ॥२३५॥

(१) कैरविण्वादि कल्लारान्तं चन्द्रविकामिनि ॥

(२) कन्दं मूले अत् हैमानेकार्थः “कन्दोऽन्दे खरणे सस्यमूले” इति ॥

(३) उत्पलानां चन्द्रविकामिनाम् । धन्वन्तरिस्तु पद्ममूलं तु शालकमित्याह ॥

(४) जलच्छूकं १ जलनीलिका<sup>२</sup> ॥

(५) व्रीहि १ र्यवी २ मसूरो ३ गोधूमो ४ मुद्ग ५ नाप ६ तिल ७ चैकाः ८ अणवः ९ प्रियङ्गु १० कोद्रव ११ मयुष्काः १२ शालि १३ राडक्यः १४ किञ्च कलाय १५ कुलत्वी १६ सारणाश्च १७ सप्तद्रव्यानि धान्यानि ॥

(६) गालः कवर्गैकस्वरयदिति गाले गर्भपाकिणौ गर्भपाकिण्यः ॥



यगो हयप्रियः सोऽस्यभूक्तः सोक्तः स्वगौ हरितः ।  
 मङ्गल्यको मसूरः खान् कलायः सु सतीनकाः ॥२३६॥  
 हरेणुः खण्डिकः खाद्य पणको हरिमन्त्रकः ॥  
 मापः सु मदनो नन्दीः दृष्यो वीजवरो वल्ली ॥२३७॥  
 मुद्गः सु प्रयनो लोभो बलाटो हरितो हरिः ॥  
 पीते ऽग्निन् वसुः खण्डरीः प्रवेकः जयः शारदाः ॥२३८॥  
 कण्ठो प्रवराः वासन्तः हरिमन्त्रकः शिबिकाः ॥  
 वनमुद्गे तु वरकः निगूढकः कुलीनकाः ॥२३९॥  
 खण्डो<sup>(१)</sup> च राजमुद्गे तु मकुटकः मसुटकी ॥  
 गोधूमे सु मनो वल्लो<sup>(२)</sup> निष्पावः सितशिबिकाः ॥२४०॥  
 कुलत्यः सु कालटन्तः साम्बटन्ता कुलत्यिकाः ।  
 आदकी तु वरो वर्णा स्यात् कुल्माषः सु यावकः ॥२४१॥  
 गीवारः सु वनवीचिः श्यामाकः श्यामकौ समौ ।  
 कङ्कुः सु कङ्कुनी कङ्कुः प्रियङ्गुः पीततखुला ॥२४२॥  
 सा कण्ठा मधुका रक्ता शोधिका सुसटी सिता ।  
 पीता माधव्यधोहातः कोद्रवः कोरद्रूपकः ॥२४३॥  
 चोनका सु काककङ्कुर्वचनात् सु<sup>(३)</sup> वीनलः ॥  
 ज्वाण्डयो देवधाम्यं जोम्बान्ता वीजपुष्पिका ॥२४४॥

(१) खण्डिनौ खण्डिनः ॥

(२) सुमनः चन्द्रप्रदधानत्वात् देववद ॥

(३) वर्धटी गणिकायां स्यात् श्रीः हिमेदेवि वर्धटी इति श्रीधरः ।  
 बयानरौ वर्धन्ति वर्धटी, राजमापसु वर्धटः इति लिङ्गाण्डशेषः ॥

शशं मङ्गात् मातुलानीं स्यात् कुमात् तस्यीं ।  
 जत्रेधुकांगवेधुः<sup>(१)</sup> स्यात् अर्चितो<sup>(२)</sup> ऽरण्यज तितः ॥२५॥  
 धरुतिले तिलपिच्छे तिलपेजोः ऽय सर्षपः<sup>(३)</sup> ।  
 कदम्बकं सानुभोः ऽय सिद्धार्यः ऽथेतसर्षपः<sup>(४)</sup> ॥२५६॥  
 माषादयः समीधानां मृकधानां यवादयः ।  
 स्यात् सख्यनूकं किंशादः<sup>(५)</sup> कणियां सख्यशीर्षकम् ॥२५७॥  
 सख्यं सुबुच्छो भान्यादेर्नालं काण्डोः ऽफल सुसः ।  
 पकः पलातो घान्यत्वक् तुषो वुसे कडङ्गरः<sup>(६)</sup> ॥२५८॥  
 धान्यं मावसितं रिद्धं तत् पूतं निर्बुसीकृतम् ।  
 मूलं पत्रं करीरा<sup>(७)</sup> र<sup>(८)</sup> फल<sup>(९)</sup> काण्डा<sup>(१०)</sup> विच्छेदकाः<sup>(११)</sup> ॥२५९॥  
 त्वक् पुष्पं कवकं शाकं दशधा शिष्टकं च तत् ।  
 तण्डुलोयं स्तण्डुलेरो मेघनादोः ऽल्पमारिषः<sup>(१२)</sup> ॥२६०॥  
 द्विस्त्री रक्तफला पीलुपर्णी स्यात् त्तुण्डुकेरिका<sup>(१३)</sup> ।  
 जीवन्ती जीवनी जीवा जीवनीया मधुस्रवा<sup>(१४)</sup> ॥२६१॥  
 वासुकां तु चारपत्रं पालव्या<sup>(१५)</sup> मधुस्रदनी<sup>(१६)</sup> ।  
 रसोनो लघुनोः ऽरिटो स्त्रेच्छकन्दो महौषधम्<sup>(१७)</sup> ॥२६२॥  
 महाकन्दो रसोनो ऽन्यो ऽष्टमो दीर्घपत्रकः<sup>(१८)</sup> ।  
 अङ्गराजो भङ्गरजो मार्कवः केशरञ्जनः<sup>(१९)</sup> ॥२६३॥

(१) मधुवा भरटी इति भाषा ।

(२) इहानुक्तान्यपि तिस्रनामानि त्रीणि यथा तिल । पूतं र  
 शैलफलः १ इति मदनपाठः ॥

(३) पालव्या इति वा ॥

काकमाची वायसी स्यात् कारवेङ्गः कटिक्कः ।  
 शूष्मारण्डकास्तु कर्कीरः कोशातकी (२) पटोलिका ॥ २५ ॥  
 विभिटी कर्कीटी (१) बालुङ्गे वीरु सुपुसी च सा ।  
 अशीतः सूरयः कन्दः शृङ्गवेरका मारुकरम् ॥ २५ ॥  
 कर्कीटकः कित्तासन्न स्तितपतः सुगन्धकः ।  
 मूलकास्तु हरिपर्णा सेकिमं हस्तिदन्तकम् ॥ २५ ॥  
 टणं नडादि निवारदि च शस्य तु तन्मवम् ।  
 सौगन्धिकं देवजग्धं पौरं कस्तुर्य-रोहिषे ॥ २५ ॥  
 दर्भः कुशः कुशो बर्हिः (४) पवित मथ ते जनः ।  
 गुन्द्रो मुञ्जः शरो दूर्वा त्व नन्त शतपर्णिका ॥ २६ ॥  
 हरिताली रुहा पोडगलस्तु धमतो नडः ।  
 कुकविन्दो मेघनामा सुखा गुन्द्रा तु सोत्तमा ॥ २६ ॥  
 बलजा उलपो ऽथे चः स्याद्रसालो ऽसिपत्रकः ।  
 (५) भेदाः कान्तार-पुरं डा-द्या सस्य मूलं तु मोरटम् ॥ २६ ॥  
 काश स्त्रिपीका घासः यघसं टणं मर्जुनम् ।

(२) "कोशातकी कनकिका जानिनी कतवेधना, शृङ्गपत्रिका ज्वेडा धर्याली कर्कशच्छदा" इति ॥

(३) कर्कश्यां स्याद्विर्वाहरी वीरुवत् उर्वीरुह्वीरुवर्षि एषा सुधिं विभिटी तथा विभिटीं विभिटीं सद्दत् बालुङ्गः स्याद्बालुङ्गर्षि । त्वपुसी त्वपुपी त्वपुपं त्वपुपम् इति शब्दभेदेनाममाला ॥

(४) पुंसि बर्हिषी बर्हिषः स्त्रीषु बर्हिषी बर्हिषीषि ॥

(५) चर्भिदा जातयः कान्ताराद्याः एकादश ॥

विषः<sup>१</sup> स्वेडो<sup>२</sup> रस<sup>३</sup> सीष्णं<sup>४</sup> गरलो<sup>५</sup> (१) ऽथ हिलाहलः<sup>६</sup> ॥ २६१ ॥  
 वल्लभाभः<sup>७</sup> काकशूटो<sup>८</sup> ब्रह्मपुत्रः<sup>९</sup> प्रदीपनः<sup>१०</sup> ।  
 सौराष्ट्रिकः<sup>११</sup> सौख्यिकेयः<sup>१२</sup> कार्कलो<sup>१३</sup> हारदो<sup>१४</sup> ऽपि च ॥ २६२ ॥  
 अहिच्छत्रो<sup>१५</sup> मेघशृङ्गः<sup>१६</sup> कुष्ट<sup>१७</sup>-वाल्क<sup>१८</sup>-नन्दताः<sup>१९</sup> ।  
 कैराटको<sup>२०</sup> हैमवतो<sup>२१</sup> मर्कटः<sup>२२</sup> करवीरकः<sup>२३</sup> ॥ २६३ ॥  
 सर्वपो<sup>२४</sup> मूलको<sup>२५</sup> गौराष्ट्रिकः<sup>२६</sup> सक्तक<sup>२७</sup>-कूर्दमो<sup>२८</sup> ।  
 अङ्गोत्तसारः<sup>२९</sup> कालिङ्गः<sup>३०</sup> शृङ्गिको<sup>३१</sup> मधुसिक्तकः<sup>३२</sup> ॥ २६४ ॥  
 इन्द्रो<sup>३३</sup> लाङ्गलिको<sup>३४</sup> विस्तुलिक<sup>३५</sup>-पिङ्गल<sup>३६</sup>-गौतमाः<sup>३७</sup> ।  
 मुस्तको<sup>३८</sup> टालव<sup>३९</sup> सेति स्यावरा विषजातयः<sup>(२)</sup> ॥ २६५ ॥  
 (१) कुरण्टाद्या अग्रबीजा<sup>१</sup> मूलजा स्तूत्यसादयः<sup>२</sup> ।  
 पर्वयोगय इच्छाद्याः<sup>३</sup> स्कन्धजाः सल्लकौमुखाः<sup>४</sup> ॥ २६६ ॥  
 शाल्यादयो बीजरुहाः<sup>५</sup> सम्मूर्च्छजा सृणादयः<sup>६</sup> ।  
 सुर्मनस्पतिकायस्य षड्वेता मूलजातयः ॥ २६७ ॥

इति वनस्पतिकायः ।

### द्विन्द्रियाः ।

गीलङ्गुः<sup>१</sup> लामि<sup>२</sup> रन्तर्जः<sup>३</sup> लुद्रः<sup>४</sup> कीटो<sup>५</sup> बहिर्भवः ।

(४) स्यावराविषजातीनामेकैकम् ॥

(२) विषभेदाः सर्वे पुं लोवलिङ्गाः इति वाचस्पतिः । पुंसि लोवे । काकोत्तेत्याद्यमरोऽपि ॥

(३) इत्यादिजातिविशेषानाह ॥

पुलकाः सभयेपि<sup>(१)</sup> स्युः कीकसाः । कर्मयोः स्यावः ॥२६८॥  
 काष्ठकीटो<sup>१</sup> हृणो<sup>२</sup>, गण्डूपदः<sup>३</sup> किञ्चुककः<sup>४</sup> कुसुः<sup>५</sup> ।  
 भूलता<sup>६</sup>, गण्डूपी<sup>७</sup> तु शिल्पे<sup>८</sup> खपा<sup>९</sup> जलौकसः<sup>१०</sup> ॥२६९॥  
 जलासोका<sup>११</sup> जलूका<sup>१२</sup> च जलौका<sup>१३</sup> जलसर्पिणी<sup>१४</sup> ।  
 मुक्तासोतो<sup>१५</sup> ऽन्विमण्डूकी<sup>१६</sup> श्रुतिः<sup>१७</sup> कस्यु<sup>१८</sup> सु वारिजः<sup>१९</sup> ॥२७०॥  
 त्रिरेखः<sup>२०</sup> षोडशावर्त्तः<sup>२१</sup> शङ्खो<sup>२२</sup> ऽयं क्षुद्रकम्बवः<sup>२३</sup> ।  
 शङ्खनकाः<sup>२४</sup> तुल्लाका<sup>२५</sup> च, शम्बुका<sup>२६</sup> स्वम्बुमानजाः ॥२७१॥  
 कपर्द<sup>२७</sup> सु हिरण्यः<sup>२८</sup> स्यात् पण्यास्यिक<sup>२९</sup>-वराटकी<sup>३०</sup> ।

इति त्रीन्द्रियाः ।

### त्रीन्द्रियाः ।

दूर्गामा<sup>१</sup> तु दीर्घकोशी<sup>२</sup> पिपीलिका<sup>३</sup> सु पीलकः<sup>४</sup> ॥२७२॥  
 पिपीलिका<sup>५</sup> तु हीनाङ्गी<sup>६</sup> ब्राह्मणी<sup>७</sup> स्यूलशीर्षिका<sup>८</sup> ।  
 हृतेली<sup>९</sup> पिङ्गकपिशार<sup>१०</sup> ऽथोपजिह्वो<sup>११</sup> पदेहिकार<sup>१२</sup> ॥२७३॥  
 वन्जु<sup>१३</sup> पदीका<sup>१४</sup>, लिप्ता<sup>१५</sup> तु रिष्वा<sup>१६</sup>, यूका<sup>१७</sup> तु षट्पदी<sup>१८</sup> ।  
 गोपालिका<sup>१९</sup> महाभीरु<sup>२०</sup>, गौमयोत्या<sup>२१</sup> तु गर्दभी<sup>२२</sup> ॥२७४॥  
 मत्कुण<sup>२३</sup> सु कोलकुण<sup>२४</sup> उदंशः<sup>२५</sup> किटिभोत्<sup>२६</sup> कुण्ठौ ।  
 इन्द्रगोप<sup>२७</sup> स्व ग्निरजी<sup>२८</sup> वैराटो<sup>२९</sup> सितिभो<sup>३०</sup> ऽग्निः<sup>३१</sup> ॥२७५॥  
 कर्णजलौका<sup>३२</sup> तु कर्णकीटा<sup>३३</sup> शतपदी<sup>३४</sup> च सा ।

इति त्रीन्द्रियाः ।

(१) सभये सन्तर्भवाः बहिर्भावाश्च ॥

चतुरिन्द्रियाः ।

अर्णनाभ<sup>१</sup> सान्नावायो<sup>२</sup> आलिको<sup>३</sup> जालकारकः<sup>४</sup> ॥२७६॥  
 तमि<sup>५</sup> र्कटको<sup>६</sup> लूता<sup>७</sup> जालाखावो<sup>८</sup> षट्पा<sup>९</sup> चसः ।  
 द्विको<sup>१०</sup> द्रुग<sup>११</sup> आल्या<sup>१२</sup> लि<sup>१३</sup> रलो<sup>१४</sup> तत्पुच्छकण्टकः ॥२७७॥  
 अमरो<sup>१५</sup> मधुकदू<sup>१६</sup> भङ्ग<sup>१७</sup> श्वशरीकः<sup>१८</sup> शिलीमुखः<sup>१९</sup> ।  
 इन्दिन्द्रो<sup>२०</sup> स्ली<sup>२१</sup> रोतम्बो<sup>२२</sup> द्विरेफो<sup>२३</sup> षडंजयः<sup>२४</sup> ॥२७८॥  
 भोव्य<sup>२५</sup> न्तु पुष्प<sup>२६</sup>-मधुनी<sup>२७</sup> खद्योतो<sup>२८</sup> ज्योतिरिङ्गयः<sup>२९</sup> ।  
 पतङ्गः<sup>३०</sup> शलभः<sup>३१</sup> क्षुद्रा<sup>३२</sup> सरषा<sup>३३</sup> मधुमक्षिका<sup>३४</sup> ॥२७९॥  
 (५) मान्जिकादि तु मधु स्यान्मधुच्छिष्टं तु सिक्यकम् ॥  
 वर्ध्या<sup>३५</sup> मक्षिका नीला पुत्रिका तु पराङ्गिका<sup>३६</sup> ॥२८०॥  
 वनमक्षिका तु दंशो<sup>३७</sup> दंशो<sup>३८</sup> तज्जाते रत्निका ।  
 तैलाटी<sup>३९</sup> वरटा<sup>४०</sup> गन्धोली<sup>४१</sup> स्या श्वीरी<sup>४२</sup> तु चोरका<sup>४३</sup> ॥२८१॥  
 भिल्लीका<sup>४४</sup> भिल्लिका<sup>४५</sup> वर्णकरी<sup>४६</sup> भङ्गारिका<sup>४७</sup> च सा ।

द्विचतुरिन्द्रियाः सम्पूर्णः ।

(१) आलमनर्णमत्वास्तीत्यादी अलं स्यादनय हरितालयोरित्य-  
 नेकार्थः, आलिनौ आलिनः । आली आलयः ॥

(२) दौनिकगन्धनिष्पत्त्यर्थमिदम् । तेन षडंजित् । षट्पदः इत्यादि ॥

(३) पुष्पलिट् पुष्पन्वयः, मधुलिट् मधुन्वयः, भङ्गत्तः इत्यादि  
 चिञ्चति ॥

(४) शलभशब्दः तिङ्पस्यांयोऽपि बहुविधत्वं तिङ्शोचलङ्घि  
 शब्दादिति शलभः पिशाचश्च इति तट्टीका शलभश्चायमित्यत्र तिङ्-  
 शानां कावेत्यर्थः ॥

(५) मान्जिकं यौगिकत्वादादिशब्दः च क्षौद्रं सारधम्, मक्षिका-  
 मन्धरादी स्यात् इत्यनुक्तेऽपि ॥

## तिर्यक्काण्डः ।

पशु<sup>१</sup>स्तिर्यक्<sup>२</sup>चरि<sup>३</sup>र्षि<sup>४</sup>स्ते ऽस्मिन्<sup>५</sup>व्यालः<sup>६</sup>श्वापदो<sup>७</sup>ऽपि च ॥१८२॥

इसी<sup>१</sup> मत<sup>२</sup>ज<sup>३</sup>-गज<sup>४</sup>-द्विप<sup>५</sup>-कर्ष<sup>६</sup>-नेकपाः<sup>७</sup>

मातङ्ग<sup>८</sup>-वारण<sup>९</sup>-महामृग<sup>१०</sup>-सामयोनयः<sup>११</sup> ॥

स्रस्वरम<sup>१२</sup>-द्विरद<sup>१३</sup>-विन्दुर<sup>१४</sup>-नाम<sup>१५</sup>दन्तिनो<sup>१६</sup>

दन्तावलः<sup>१७</sup>करटि<sup>१८</sup>-कुञ्जर<sup>१९</sup>-कुम्भि<sup>२०</sup>-पीलवः<sup>२१</sup> ॥१८३॥

रुभः<sup>२२</sup>करेणु<sup>२३</sup> गजो<sup>२४</sup>स्य स्त्री धेनुका<sup>२५</sup>वशा<sup>२६</sup>ऽपि च ।

भद्रो<sup>२७</sup>मन्दो<sup>२८</sup> मृगो<sup>२९</sup>मिश्र<sup>३०</sup> अतस्त्री गजजातयः ॥१८४॥

काले ऽप्य जातदन्तश्च स्वल्पाङ्गश्चापि मत्कुणौ<sup>३१</sup> ।

पञ्चवर्षो गजो वाचः<sup>३२</sup> स्यात् पोतो<sup>३३</sup> दशवर्षकः ॥१८५॥

विक्रो<sup>३४</sup> विंशतिवषः स्यात् कलभ<sup>३५</sup> स्त्रिंशदब्दकः ।

यूथनाथो<sup>३६</sup> यूथपति<sup>३७</sup> र्मन्ते<sup>३८</sup> प्रभिन्न<sup>३९</sup> गर्जितौ<sup>४०</sup> ॥१८६॥

मदोत्कटो<sup>४१</sup> मदकलः<sup>४२</sup> समा बुद्धान्<sup>४३</sup>-मिर्षीदौ<sup>४४</sup> ।

सर्जितः<sup>४५</sup> कल्पिते स्तिर्यग्घाती परिणतो<sup>४६</sup> ॥ गजः ॥१८७॥

व्यालो<sup>४७</sup> दुष्टगजो<sup>४८</sup> गम्भीरवेद्य<sup>४९</sup> वपताङ्गुयः<sup>५०</sup> ।

राजवाह्य<sup>५१</sup> सूपवाह्यः<sup>५२</sup> सन्नाह्यः<sup>५३</sup> समरोचितः<sup>५४</sup> ॥१८८॥

(१) सामयोनः सामयोनी ॥

(२) पीलुः पीलू ॥

(३) करेणू करेणवः ॥

(४) तिर्यग्दन्तप्रहारस्तु गजः परिणतोमतः इति इक्षानुधः ॥

(५) “त्वग्भेदात् शोणितस्त्राबादामांसव्ययनादपि । संघ्रां न लभ  
अस्तु गजो गम्भीरवेद्यसौ” इति अनुषणम् ॥

उदग्रदन्तीषादन्तो<sup>१</sup> बद्धनां घटना घटा । ।  
 मद्दो<sup>१</sup> दाने<sup>२</sup> प्रवृत्ति<sup>३</sup> च वमसुः<sup>४</sup> करशीकरः<sup>२</sup> ॥२८८॥  
 इक्षिनासा<sup>१</sup> करः<sup>२</sup> शुण्डा<sup>३</sup> इक्षो<sup>४</sup> स्याग्रं तु पुष्करम् ।  
 अङ्गुलिः<sup>१</sup> कर्णिका<sup>२</sup> दन्तो<sup>३</sup> विषाणो<sup>४</sup> स्तन्व<sup>५</sup> घासनम् ॥२८९॥  
 कर्णमूलं चूलिका<sup>१</sup> स्या दीपिका<sup>२</sup> त्वच्चिकूटकम् ।  
 अपाङ्गदेशो निर्व्याणं<sup>१</sup> गण्ड<sup>२</sup> सु करटः<sup>३</sup> कटः<sup>४</sup> ॥२९०॥  
 अवग्रहो<sup>१</sup> ललाटे<sup>२</sup> स्या दारुचः<sup>३</sup> कुम्भयो रधः ।  
 कुम्भो<sup>१</sup> तु शिरसः पिण्डौ कुम्भयो रन्तरं विदुः ॥२९१॥  
 वातकुम्भ<sup>१</sup> सु तस्याधो वाहिल्य<sup>२</sup> तु ततो ऽप्यधः ।  
 वाहित्वाधः प्रतिमानं पुष्कमूलं तु पेचकः ॥२९२॥  
 दन्तभागः<sup>१</sup> पुरोभागः पक्षभाग<sup>२</sup> सु पाश्र्वतः ।  
 पूर्व्ये सु अङ्गादिदेशो गात्रं<sup>१</sup> (१) स्यात् पश्चिमो ऽपरा<sup>२</sup> ॥२९३॥  
 विन्दुनासं पुनः पद्मं<sup>१</sup> शृङ्खलो<sup>२</sup> निगडो<sup>३</sup> ऽन्दुकः<sup>४</sup> ।  
 हिज्जीर<sup>१</sup> च पादपाशो<sup>२</sup> वारि<sup>३</sup> सु गजबन्धुः ॥२९४॥  
 त्रिपदी<sup>१</sup> गात्रयो<sup>२</sup> र्बन्ध एकस्त्रिन्धपरे ऽपि च ।  
 तोत्रं वेणुकं मासानं<sup>१</sup> बन्धस्तम्भो ऽङ्गुशः<sup>२</sup> षड्विः<sup>३</sup> ॥२९५॥  
 अपष्टं<sup>१</sup> त्व ङ्गुशस्याग्रं यात<sup>२</sup> मङ्गुशवारणम् ।  
 निषादिनां पादकर्म्यं यतं वीतं<sup>१</sup> तु तद्वयम् ॥२९६॥

(१) गन्धत्वनेन गात्रं स्त्रियां गात्रां अपरभागे भवतादपरा स्त्रिये अपरे लपांदिवाहत्वे वरा ॥

(२) गात्रयोः त्रि द्वयोः पूर्वजं त्रयोः एकस्त्रिन्ध अपरे इति एकस्यापस्त्रिभजङ्ग प्रां च अपराशब्दस्य स्त्री लोपत्वात् अपरे इति ऋप्रमी ॥



कस्या<sup>१</sup> दूष्या<sup>२</sup> वरुवा<sup>३</sup> स्यात् कण्ठबन्धः<sup>४</sup> कसापकः<sup>५</sup> ।  
 घोटक<sup>६</sup> सु<sup>७</sup> र<sup>८</sup> क<sup>९</sup> स्ना<sup>१०</sup> र्द्ध<sup>११</sup> सुरङ्गो<sup>१२</sup> ऽश्व<sup>१३</sup> सुरङ्गमः<sup>१४</sup> ॥२८८॥  
 गन्धर्वो<sup>१५</sup> ऽर्वा<sup>१६</sup> ऽ(१) सति<sup>१७</sup> -वीतो<sup>१८</sup> वाहो<sup>१९</sup> वाजी<sup>२०</sup> हयो<sup>२१</sup> हरिः<sup>२२</sup> ।  
 वडवा<sup>२३</sup> ऽश्व<sup>२४</sup> प्रच्छ<sup>२५</sup> शीमी<sup>२६</sup> किशोरो<sup>२७</sup> ऽल्पवयः<sup>२८</sup> हयः<sup>२९</sup> ॥२९०॥  
 जवाधिकं सु जवनो<sup>३०</sup> रथ्यो<sup>३१</sup> बोढा रथस्य यः ।  
 अजानेयः<sup>३२</sup> कुत्तीनः<sup>३३</sup> स्यात् तत्तद्देशा सु<sup>(२)</sup> सैन्धवाः<sup>३४</sup> ॥३०॥  
 यानायजाः<sup>३५</sup> पारसीकाः<sup>३६</sup> काञ्चोजा<sup>३७</sup> काञ्चिका<sup>३८</sup> -दयः ।  
 विनोत सु माधुवाही<sup>३९</sup> दुर्बिनीत सु शुकलः<sup>४०</sup> ॥३०१॥  
 कश्यः<sup>४१</sup> कशाही<sup>४२</sup> हृदत्तावर्त्ती श्रीवत्सकी<sup>४३</sup> हयः ।  
 पञ्चभद्रं सु हृत्पृष्ठमुखपाशेषु पुष्पितः<sup>४४</sup> ॥३०२॥  
 पुच्छोरः<sup>४५</sup> खुरकेशस्यैः सितैः स्या दृष्टमङ्गलः<sup>४६</sup> ।  
 भित्ते तु कर्क<sup>४७</sup> कोकाहो<sup>४८</sup> खोजाहः<sup>४९</sup> श्वेतपिङ्गले ॥३०३॥  
 पीयूषवर्गो<sup>५०</sup> सेराहः<sup>५१</sup> पीते तु हरियो<sup>५२</sup> हये ।  
 कृष्णवर्णो<sup>५३</sup> तु खुराहः<sup>५४</sup> क्रियाहो<sup>५५</sup> लोहितो हयः ॥३०४॥  
 आनील सु नीलको<sup>५६</sup> ऽथ त्रियूहः<sup>५७</sup> कपिलो हयः ।  
 शोक्ताह<sup>५८</sup> स्वयमेव<sup>(१)</sup> स्यात् पाण्डुकेसरवाचधिः ॥३०५॥

(१) अर्वा अर्वाणो अर्वाणः, अर्वाणम् शशादौ अर्वाणस्य इत्यनेन  
 जावमानाकारान्ते नवमन्त्रसंयोगात् इत्यनेन वसन्तसंयोगपरत्वाद्  
 कारस्य होपाठानुत्पत्तौ अर्वाणः अर्वाणा अर्वाभ्यां ह्रस्वतमेतत् कुन्व  
 मते तु अर्वाणस्य नावनञ इति पाणिनीयसूत्रेण अर्वाणी अर्वा  
 इत्यादि ॥

(२) स स देशो जम्बूमिरेषाम् ।

(३) अयं त्रियूह एव ।

उराह<sup>१</sup>सु मनाक् पाखुः लण्णजङ्घो भवेत् यदि ।  
 चरुहको<sup>१</sup>गर्दभाभी वोरुखान<sup>१</sup> सु पाटलः ॥ ३०६ ॥  
 कुखाह<sup>१</sup>सु मनाक् पीतः लण्यः स्या द्यदि जातुनि ।  
 उकनाह<sup>१</sup>पीतरक्तच्छायः<sup>(१)</sup> स एव तु क्वचित् ॥ ३०७ ॥  
 लण्यरक्तद्विः प्रोक्तः शोणः<sup>१</sup> कोकनदच्छविः ।  
 हरिकः<sup>१</sup>पीतहरितच्छायः स एव झालकः<sup>२</sup> ॥ ३०८ ॥  
 पङ्कलः<sup>१</sup>सितकाचामो हलाह<sup>१</sup> चिद्वतो हयः ।  
 यदु<sup>१</sup>रखो ऽखमेधीयः<sup>२</sup> प्रोत्य<sup>१</sup>मश्वस्य नाशिका ॥ ३०९ ॥  
 मध्यं कर्ष्यं निगाल<sup>१</sup>सु गलोद्देशः खुराः<sup>१</sup>शफाः<sup>२</sup> ।  
 अथ पुच्छं वालहसो<sup>१</sup>लाङ्गूलं<sup>१</sup> लूम<sup>४</sup><sup>(२)</sup> वालधिः<sup>५</sup> ॥ ३१० ॥  
 अपाटत्त<sup>१</sup>-पराटत्त<sup>२</sup>-कुठितानि<sup>३</sup> तु वेक्षिते<sup>४</sup> ।  
 धोरितं<sup>१</sup>बलितं<sup>२</sup>भुत्य<sup>३</sup>त्तजितो<sup>४</sup> तेरितानि<sup>५</sup> च ॥ ३११ ॥  
 गतयः पञ्च धारा<sup>१</sup>-ख्या सुरङ्गायां क्रमादिमाः<sup>(३)</sup> ।  
 तत्र धौरितकं<sup>१</sup>धौर्व्यं<sup>२</sup>धोरणं<sup>३</sup>धोरितं<sup>४</sup> च तत् ॥ ३१२ ॥  
 बभ्रु-कङ्क-शिखिक्रोड-गतिवत्<sup>१</sup>बलितं<sup>२</sup> पुनः ।  
 अग्रकायससुह्लासात् कुक्षितास्यं मत्तत्रिकम्<sup>३</sup> ॥ ३१३ ॥  
 भुतं<sup>१</sup> तु लङ्कवं<sup>२</sup> पक्षि-स्रग-गत्य-सुदारकम्<sup>३</sup> ।  
 उन्नेजितं<sup>१</sup>देचितं<sup>२</sup>स्या न्नाध्यवेनेन या गतिः<sup>४</sup> ॥ ३१४ ॥

(१) उं उकनाह एव ।

(२) लूमशब्दो व्यञ्जनकारान्तः लूम लूमनी लूमनी लूमनि अकारान्तोऽपीति केचित् तस्मिन् लूमबालधौत्वेकं पदम् लूमं लूमं लूमनि ॥

(३) क्रमात् बभ्रुमादिगतिवत् धौरितकाद्यो भवन्ति यथा बभ्रु गतिवत् धौरितकम् ॥

उत्तेरित<sup>१</sup> सुपकण्ठ<sup>२</sup> सास्त्रान्दितक<sup>३</sup> मित्यपि ।  
 अतुत्<sup>४</sup> त्योत्-रुत्-गमनं कोपादिवाचितैः पदैः ॥३१५॥  
 आसीनो<sup>५</sup>ऽथा स यो ऽष्टेन दिनेन केन गम्यते ।  
 कवी<sup>६</sup>कलीने<sup>७</sup>कविका<sup>८</sup> कवियं<sup>९</sup> सुखयन्मणम् ॥३१६॥  
 पक्षाक्षी<sup>१०</sup>ब्रह्मपटु<sup>११</sup> तु तलिका<sup>१२</sup>तलसारकम्<sup>१३</sup> ।  
 दामाच्चनं<sup>१४</sup>(१) पादपाशः<sup>१५</sup>प्रचरं<sup>१६</sup>(२) प्रखरः<sup>१७</sup> समौ ॥३१७॥  
 चर्मदण्डे<sup>१८</sup> कशा<sup>१९</sup> रश्मौ<sup>२०</sup> बला<sup>२१</sup>-बधेपयी<sup>२२</sup> कुशः<sup>२३</sup> ।  
 पथ्याणां<sup>२४</sup> तु पत्यवनं<sup>२५</sup> वीतं<sup>२६</sup> कवगु हयद्विपम् ॥३१८॥  
 वेसरो<sup>२७</sup>ऽश्वतरो<sup>२८</sup> वेगसर<sup>२९</sup> चाथ क्रमेणकः<sup>३०</sup> ।  
 कुलनाशः<sup>३१</sup> शिशुनामा<sup>३२</sup>(३) श्लो<sup>३३</sup> भोलि<sup>३४</sup> मीरुप्रियः<sup>३५</sup> ॥३१९॥  
 मयो<sup>३६</sup> महाङ्गो<sup>३७</sup> वासन्तो<sup>३८</sup> द्विककु<sup>३९</sup> दुर्गलङ्कनः<sup>४०</sup> ।  
 भूतग्न<sup>४१</sup> उद्रो<sup>४२</sup> दाशेरो<sup>४३</sup> रवणः<sup>४४</sup> कण्ठकाशनः<sup>४५</sup> ॥३२०॥  
 दीर्घग्रीवः<sup>४६</sup> केलिकीर्त्त<sup>४७</sup> करभ<sup>४८</sup> सु त्रिहायणः<sup>४९</sup> ।  
 स तु चङ्कलकः<sup>५०</sup> काठमयैः स्यात् पादबन्धनैः ॥३२१॥  
 गर्दभ<sup>५१</sup> सु चिरमेही<sup>५२</sup>(४) बालेयो<sup>५३</sup> रासभः<sup>५४</sup> खरः<sup>५५</sup> ।  
 अकीवान्<sup>५६</sup> शङ्कुकर्णो<sup>५७</sup> ऽथ ऋषभो<sup>५८</sup> वृषभो<sup>५९</sup> वृषः<sup>६०</sup> ॥३२२॥  
 माङ्गवेयः<sup>६१</sup> सौरभेयो<sup>६२</sup> भद्रः<sup>६३</sup> शङ्कर<sup>६४</sup>-शाङ्करौ<sup>६५</sup> ।  
 उष्वा<sup>६६</sup>ऽनडान्<sup>६७</sup> ककुशान्<sup>६८</sup> गौ<sup>६९</sup> बलीवर्द<sup>७०</sup> च शाङ्करः<sup>७१</sup> ॥३२३॥

(१) पक्षात्पादबन्धनरज्जुः ॥

(२) अत्रं सचाहः “प्रचरं प्रखरोऽस्त्रियान्” इति वैजयन्ती ॥

(३) शिशुनामानौ शिशुनामानः ॥

(४) चिरमेहिणौ चिरमेहिणः ॥

उषा तु जातो<sup>(१)</sup> जातोषः<sup>१</sup> स्तन्विकः<sup>१</sup> स्तन्ववाङ्कः<sup>२</sup> ।  
 मंथोचः<sup>१</sup> स्त्रा द्रुचतरो<sup>१</sup> दृष्टोच<sup>१</sup> स्तु जरङ्गवः<sup>१</sup> ॥३२४॥  
 प्रणतोचित चार्थभ्य<sup>१</sup> कूटोः<sup>२</sup> भग्नविषाणकः<sup>२</sup> ।  
 ददपरो<sup>१</sup> नोपति<sup>१</sup> प्रणडो<sup>१</sup> गोदृषो<sup>१</sup> (२) मदकोङ्कलः<sup>१</sup> ॥३२५॥  
 वत्सः<sup>१</sup> सलत्करि<sup>१</sup> सखी<sup>१</sup> दम्ब<sup>१</sup> -वत्सरो<sup>१</sup> समी ।  
 न लोतो<sup>१</sup> नस्लितः<sup>२</sup> पठवाद्<sup>१</sup> तु स्याद्युगपार्श्वगः<sup>२</sup> ॥३२६॥  
 तुगादीनां तु बोडारो युग्य<sup>१</sup> -प्रासङ्ग<sup>१</sup> --शाकटाः<sup>१</sup> ।  
 स तु सर्वधुरीणः<sup>१</sup> स्यात् सर्वां वहति यो धुरम् ॥३२७॥  
 एकधुरीणो<sup>१</sup> -कधुरावु<sup>१</sup> भावे कधुरावहे ।  
 धुरीण<sup>१</sup> धुर्धरे<sup>१</sup> धौरेय<sup>१</sup> धौरेयक<sup>१</sup> -धुरन्धराः<sup>१</sup> ॥३२८॥  
 धूर्धरे<sup>१</sup> ऽय गलि<sup>१</sup> दुष्टदृषः<sup>१</sup> धत्तो ऽप्यधूर्ध्वहः ।  
 तीरो<sup>१</sup> दृष्ट्व<sup>१</sup> दृष्टवाङ्गो<sup>१</sup> द्विदन्<sup>१</sup> (२) घोडन्<sup>१</sup> द्वि-पट्-रदौ<sup>१</sup> ॥३२९॥  
 वहः<sup>१</sup> स्तन्वो<sup>१</sup> ऽशकूटं<sup>१</sup> तु ककुदं<sup>१</sup> नैचिकं<sup>१</sup> शिरः ।  
 विषाणां<sup>१</sup> कृणिका<sup>१</sup> शृङ्ग<sup>१</sup> सास्ता<sup>१</sup> तु गलकम्बलः<sup>१</sup> ॥३३०॥

(१) पाहनयोग्यतां प्राप्तः ॥

(२) गोदृषोमदकोङ्कलः इति वा ॥

(३) द्विदन्तौ द्विदन्तः, घोडन्तौ घोडन्तः, द्विशब्दात् षट्शब्दाच्च-  
 (दो) बोध्यते द्विदन् १ द्विदः २ । घोडन् १ षट्शब्दः २ । अन्ये तु  
 दन्तस्ये दन्तादेशे क्ते घोडन्ति शब्दान्तरं नकारान्तं राजन्, शब्दवृत्ति-  
 मतवन्ति इति द्वैवदृष्टदृष्टिः, तदा घोडा घोडानौ घोडानः इत्यादि  
 घोडन्, षट्शब्दजनः स्तुतः इति इत्यानुषः, द्वौ समौ षट्शब्दना दन्ता  
 एष घोडन् स्वार्थे ददौदधि प्रतादित्वात् घोडन्त इति तु तट्टीका तदा  
 विषयं घोडन्तः घोडन्तौ घोडन्ताः इत्यादि ॥

गौः<sup>१</sup> सौरभेयी<sup>२</sup> माहेयी<sup>३</sup> महा<sup>४</sup> सुरभि<sup>५</sup> रञ्जुनी<sup>६</sup> ।  
 उख<sup>७</sup> ।<sup>१</sup>ऽग्रा<sup>२</sup>रोहिणी<sup>३</sup>शुक्रिण्य<sup>४</sup>नडाह्य<sup>५</sup>नडुह्य<sup>६</sup>ना<sup>७</sup>पि<sup>८</sup>॥  
 तम्पा<sup>९</sup> निरिम्पिका<sup>१०</sup> तम्पा<sup>११</sup> सा तु वर्यै रनेकधा<sup>१२</sup> ।  
 प्रद्यौही<sup>१३</sup>गर्भिणी<sup>१४</sup>बन्धा<sup>१५</sup>वशा<sup>१६</sup>वेह<sup>१७</sup>(१) हृषोपगां ॥ ३३२ ॥  
 अवतोका<sup>१</sup> खवद्गर्भा<sup>२</sup> वृषांप्रान्ता<sup>३</sup> तु सन्धिनी<sup>४</sup> ।  
 प्रौढरत्ना<sup>५</sup> बष्कयिणी<sup>६</sup>धेनु<sup>७</sup> खु नवसूतिका ॥ ३३३ ॥  
 परेटु<sup>१</sup> वैजसूतिः<sup>२</sup> स्यात् गृष्टिः<sup>३</sup> सज्जत्प्रसूतिका ।  
 प्रजने काल्यो<sup>४</sup>पसर्था<sup>५</sup>सुखदोह्या<sup>६</sup> तु सुव्रता<sup>७</sup> ॥ ३३४ ॥  
 दुःखदोह्या<sup>१</sup> तु करटा<sup>२</sup> बद्धदुग्धा<sup>३</sup> तु वञ्जुला<sup>४</sup> ।  
 द्रोणदुग्धा<sup>५</sup>द्रोणदुघा<sup>६</sup>पीनोम्नी<sup>७</sup> पीवरसनो<sup>८</sup> ॥ ३३५ ॥  
 पीतदुग्धा<sup>१</sup> तु धेनुष्या<sup>२</sup> संस्थिता<sup>३</sup> दुग्धबन्धके ।  
 नैश्विकी<sup>४</sup> तूत्तसा<sup>५</sup> गोषु पलिकी<sup>६</sup> बालगर्भिणी ॥ ३३६ ॥  
 समांसमीना<sup>१</sup> तु सा या प्रतिवर्षं विजायते ।  
 स्या दचण्डी<sup>२</sup> तु सुकरा<sup>३</sup>वत्सकामा<sup>४</sup>तु वत्सलारो<sup>५</sup> ॥ ३३७ ॥  
 चतु-स्त्रे<sup>१</sup> ह्यायणी<sup>२</sup>(२) ह्येका<sup>३</sup> द्वायन्ये<sup>४</sup>कादि-वर्षिका ।  
 आपीन<sup>५</sup>सूधो<sup>६</sup>गोविट्<sup>७</sup>(३) तु गोमयं<sup>८</sup>भूमिलेपनम्<sup>९</sup> ॥ ३३८ ॥  
 तत्र शुष्के<sup>१</sup> तु गोप्रथिः<sup>२</sup> करीष<sup>३</sup>-रुगखो<sup>४</sup> अपि ।  
 गवां सर्वं गव्यं<sup>५</sup>(४) व्रजे गोकुलं<sup>६</sup>गोधनं<sup>७</sup>धनम्<sup>८</sup> ॥ ३३९ ॥

(१). वेहतौ वेहतः स्त्री ॥

(२) चतुर्हायणी १ त्रिहायणी २ गोसंख्या देर्हायनास्यतीति ३  
 चतुस्त्रेहायनस्य वयतीति यत्नम् २ द्विहायनी १ एकहायनी २ ॥

(३) ऊधसी ऊधासि, गोविशौ गोविशः ॥

(४) शौरादिकं "गव्यं गोसम्भवं सर्वम्" मिति ह्येकमुप ॥

पञ्चने<sup>१</sup> स्त्री<sup>२</sup> दुपसरः<sup>३</sup> कीलः<sup>४</sup> पुष्पलकः<sup>५</sup> (१) शिवः<sup>६</sup> ।  
 वन्यनं<sup>७</sup> दामने<sup>८</sup> (२) सन्दानं<sup>९</sup> पशु रज्जु सु दामनी<sup>१०</sup> ॥३४०॥  
 सजः<sup>११</sup> स्वात्<sup>१२</sup> हगत्<sup>१३</sup> ऋगाग<sup>१४</sup> ऋगो<sup>१५</sup> वस्तः<sup>१६</sup> सासः<sup>१७</sup> पशुः<sup>१८</sup> ।  
 प्रजा<sup>१९</sup> तु छागिका<sup>२०</sup> मञ्जा<sup>२१</sup> सर्वभक्षा<sup>२२</sup> गलखनी<sup>२३</sup> ॥३४१॥  
 वृवा ऽजो<sup>२४</sup> वंकीरो<sup>२५</sup> ऽवो<sup>२६</sup> तु मेघो<sup>२७</sup> - गी<sup>२८</sup> यु<sup>२९</sup> ङ्ङो<sup>३०</sup> - रणाः<sup>३१</sup> ।  
 उरभो<sup>३२</sup> मेण्डको<sup>३३</sup> ऽदृष्टिरे<sup>३४</sup> ङ्ङको<sup>३५</sup> रोमशो<sup>३६</sup> ङ्ङु<sup>३७</sup> ॥३४१॥  
 स म्फालः<sup>३८</sup> ऽदृष्टिगो<sup>३९</sup> भेङ्गो<sup>४०</sup> मेघो<sup>४१</sup> तु कुररी<sup>४२</sup> रजा<sup>४३</sup> ।  
 जालकिन्य<sup>४४</sup> विला<sup>४५</sup> वेण्य<sup>४६</sup> वेडिकः<sup>४७</sup> शिशुवाहकः<sup>४८</sup> (२) ॥३४२॥  
 पृष्ठशङ्को<sup>४९</sup> वनाज<sup>५०</sup> स्या<sup>५१</sup> दविदुग्धे<sup>५२</sup> त्व वेः<sup>५३</sup> परम्<sup>५४</sup> ।  
 सोढं<sup>५५</sup> दूसं<sup>५६</sup> मरीचं<sup>५७</sup> च कुक्कुरो<sup>५८</sup> वक्रवालधिः<sup>५९</sup> ॥३४३॥  
 अस्थिभुरे<sup>६०</sup> गभघण<sup>६१</sup> सारमेयः<sup>६२</sup> कौलेयकः<sup>६३</sup> शुनः<sup>६४</sup> ।  
 शुनः<sup>६५</sup> ऽखानो<sup>६६</sup> ऽदृष्टगः<sup>६७</sup> कुक्कुरो<sup>६८</sup> रातिजागरः<sup>६९</sup> ॥३४५॥  
 रसनालिट्<sup>७०</sup> रतपराः<sup>७१</sup> (५) कील<sup>७२</sup> - शायि<sup>७३</sup> - वणा<sup>७४</sup> ऽन्दुकाः<sup>७५</sup> ।  
 शालाशुको<sup>७६</sup> ऽदृष्टगदंशः<sup>७७</sup> खा<sup>७८</sup> ऽलकं<sup>७९</sup> सु स रोगितः ॥३४६॥  
 विश्वकद्रु<sup>८०</sup> सु कुशलो<sup>८१</sup> ऽदृष्टग्ये सरमा<sup>८२</sup> शुनी<sup>८३</sup> ।

(१) • पुष्पलको गन्धमृगे कीलके कपकोटपि च इति श्रीधरः ।  
 पुष्पलक इत्यपि पाठः ॥

(२) दाम दाम्नी दामनी, दामानि क्ली, दामा दामानी दामानः स्त्री ॥

- (३) वनकाग इति वस्य नाम ॥
- (४) अविदुग्धम् १ अविदुसम् २ अधिमरीचम् ॥
- (५) • रनकोत्रः १ रतगायी २ रतत्रणः ३ रतान्दुकः ४ ॥

विट्चरः<sup>१</sup> सूकरे<sup>२</sup> ग्राम्ये महिषो<sup>३</sup> यमवाहनः<sup>४</sup> ॥ ३४७ ॥  
 रजस्वलो<sup>५</sup> वाहरिपु<sup>६</sup> लुंलायः<sup>७</sup> (लुंलापः) वैरिभो<sup>८</sup> महः<sup>९</sup> ॥  
 धीरस्त्वन्वः<sup>१०</sup> कृष्णवज्रो<sup>११</sup> अरन्तो<sup>१२</sup> हंसभीरवः<sup>१३</sup> ॥ ३४८ ॥  
 रत्नाक्षः<sup>१४</sup> कासरो<sup>१५</sup> हंस काशीतनयः<sup>१६</sup> लालिको<sup>१७</sup> ॥  
 अरण्यजे ऽस्मिन् गवतः<sup>१८</sup> सिंहेः<sup>१९</sup> कण्ठीरवो<sup>२०</sup> इतिः<sup>२१</sup> ॥ ३४९ ॥  
 हृद्यक्षः<sup>२२</sup> केसरी<sup>२३</sup> भारिः<sup>२४</sup> पञ्चास्यो<sup>२५</sup> नखरावुधः<sup>२६</sup> ॥  
 महानादः<sup>२७</sup> पञ्चशिखः<sup>२८</sup> पारिन्द्रः<sup>२९</sup> पत्य<sup>३०</sup> -री<sup>३१</sup> सगात्<sup>(१)</sup> ॥ ३५० ॥  
 श्वेतपिङ्गो<sup>३२</sup> पथ व्याघ्रो<sup>३३</sup> द्वीपी<sup>३४</sup> शार्दूल<sup>३५</sup> -चित्तको<sup>३६</sup> ॥  
 चित्रक्रायः<sup>३७</sup> पुण्डरीक<sup>३८</sup> स्तरक्षु<sup>३९</sup> सु सगादनः<sup>४०</sup> ॥ ३५१ ॥  
 शरभः<sup>४१</sup> कुञ्जराराति<sup>४२</sup> सत्यादको<sup>४३</sup> ऽष्टपा<sup>४४</sup> दपि ॥  
 गवयः<sup>४५</sup> स्या द्वनगवो<sup>४६</sup> गोसदृशो<sup>४७</sup> ऽश्ववारणः<sup>४८</sup> ॥ ३५२ ॥  
 खड्गो<sup>४९</sup> वाघ्रीणसः<sup>(२)</sup> खड्गो<sup>५०</sup> गण्डको<sup>५१</sup> ऽथ किरः<sup>५२</sup> किरिः<sup>५३</sup> ॥  
 भूदारः<sup>५४</sup> सूकरः<sup>५५</sup> क्रोलो<sup>५६</sup> वराहः<sup>५७</sup> क्रोड<sup>५८</sup> -पोत्रिसो<sup>५९</sup> ॥ ३५३ ॥  
 घोणी<sup>६०</sup> षट्पिः<sup>६१</sup> सव्यरोमा<sup>६२</sup> दंष्ट्री<sup>६३</sup> किथ्या<sup>६४</sup> खलाङ्गुली<sup>६५</sup> ॥  
 आखनिकः<sup>६६</sup> शिरोमर्मा<sup>६७</sup> स्थूषनासो<sup>६८</sup> बल्लमजः<sup>६९</sup> ॥ ३५४ ॥  
 भाङ्गुके<sup>७०</sup> भालूक<sup>७१</sup> -क्षी<sup>७२</sup> च्छभङ्ग<sup>७३</sup> -भङ्गुक<sup>७४</sup> -भङ्गुकाः<sup>७५</sup> ॥  
 ष्टगालो<sup>७६</sup> जम्बुकः<sup>७७</sup> फेरुः<sup>७८</sup> फेरण्डः<sup>७९</sup> फेरवः<sup>८०</sup> शिवा<sup>८१</sup> ॥ ३५५ ॥  
 धोरवासी<sup>८२</sup> भूमिमायो<sup>८३</sup> गोमायु<sup>८४</sup> र्दगधूर्तकः<sup>८५</sup> ॥

(१) पारीन्द्रः इत्यपि इति टीका, सिंहे पारिन्द्र पारिन्द्रौ इति शब्दभेदः, स्रगपति २ स्रगारिः २ ॥

(२) वाघ्रीण नासिकास्थस्य वाघ्रीणसः कश्चिद्वाच्यं भवति मसा देगः ॥

अरुणो<sup>१</sup> भद्रजः<sup>२</sup> क्रोडा<sup>३</sup> शिवाभेदे ऽल्पके किलिखिः<sup>४</sup> ॥२५६॥  
 उथौ षट्खिडव<sup>५</sup> लोपाकौ<sup>६</sup> कोक<sup>७</sup> स्त्री हामगो<sup>८</sup> टकः<sup>९</sup> ।  
 अरख्यशः<sup>१०</sup> मर्कट<sup>११</sup> सु कपिः<sup>१२</sup> कीशः<sup>१३</sup> बवङ्गमः<sup>१४</sup> ॥ २५७ ॥  
 बवङ्गः<sup>१५</sup> अवनः<sup>१६</sup> शाखामगो<sup>१७</sup> हरि<sup>१८</sup> बन्धीमुखः<sup>१९</sup> ।  
 वनौका<sup>२०</sup> वानरो<sup>२१</sup> ऽथास्त्री गोकामगो<sup>२२</sup> ऽभिताननः<sup>२३</sup> ॥२५८॥  
 मगः<sup>२४</sup> कुरङ्गः<sup>२५</sup> सारङ्गो<sup>२६</sup> वातायु<sup>२७</sup> हरिणा<sup>२८</sup> वपि ।  
 मगभेदा बह<sup>२९</sup> न्यङ्कु<sup>३०</sup> रङ्कु<sup>३१</sup> गोकर्ण<sup>३२</sup> शम्भराः ॥२५९॥  
 समूह<sup>३३</sup> चीन<sup>३४</sup> चमराः<sup>३५</sup> समूरै<sup>३६</sup> ण-<sup>३७</sup> र्खी<sup>३८</sup> रौहिषाः<sup>३९</sup> ।  
 कद्नी<sup>४०</sup> कन्दली<sup>४१</sup> लणशारः<sup>४२</sup> घत<sup>४३</sup> रोहितौ<sup>४४</sup> ॥२६०॥  
 दक्षिणेर्मा<sup>४५</sup> तु स मगो यो व्याधै दक्षिणे चतः ।  
 घातप्रमी<sup>४६</sup> वार्तमगः शश सु मगलोमकः<sup>४७</sup> ॥२६१॥  
 मूलिको<sup>४८</sup> लोमकयो<sup>४९</sup> ऽय शल्ये<sup>५०</sup> शल<sup>५१</sup> शल्यकौ<sup>५२</sup> ।  
 खावि<sup>५३</sup> च त च्छ ताकावां शतल<sup>५४</sup> शतमि<sup>५५</sup> त्यपि ॥२६२॥  
 गोधा<sup>५६</sup> निहाका<sup>५७</sup> गौधेर<sup>५८</sup> गौधारी<sup>५९</sup> दुष्टतत्सुते ।  
 गौधेयो<sup>६०</sup> ऽन्वत्र<sup>६१</sup> सुसली<sup>६२</sup> गोधिका<sup>६३</sup> गोलिके<sup>६४</sup> षट्हात्<sup>६५</sup> ॥२६३॥  
 भाणिक्य<sup>६६</sup> भित्तिका<sup>६७</sup> पल्लो<sup>६८</sup> कुण्डमत्स्यो<sup>६९</sup> षट्हात्<sup>७०</sup> ।

(१) कश्चन वर्षेन अरुणः शक्यः कश्चनशारः इति टीका, अरुणभेदे  
 कश्चनशारः कश्चनशारी चदन्त्यकौ च ताक्यौ च इति शब्दभेदनाम-  
 नौका ॥

(२) दक्षिणेर्माथौ दक्षिणेर्हर्म्यं यस्य माणः ॥

(३) शल्यं शक्यमिति द्वौ ताक्यौ च खरायौ ॥

(४) दुष्टादन्वत्र ॥

(५) षट्हात्गोधिका षट्हात्गोलिका ३ ॥



स्या दक्षनाशिका<sup>१</sup>हालिन्यञ्जनिका<sup>२</sup>हलाहलः<sup>३</sup> ॥३६४॥  
 स्युलाञ्जनाशिकाया म्नु प्राञ्जयी<sup>१</sup> रत्नपुच्छिका<sup>२</sup> ।  
 लकलास<sup>१</sup>सु सरट<sup>२</sup>प्रतिसूर्यः<sup>३</sup> शयानकः<sup>४</sup> ॥३६५॥  
 मूषिको<sup>१</sup> मूषको<sup>२</sup> प्रञ्ज दशनः<sup>३</sup> खनको<sup>४</sup> न्द्रौ<sup>५</sup> ।  
 उन्तु<sup>१</sup>वृष्टि<sup>२</sup>प<sup>३</sup>बाखु<sup>४</sup>च सू<sup>५</sup>आस्यो<sup>६</sup>वृषलो<sup>७</sup>वने<sup>८</sup> ॥३६६॥  
 कुकुन्दरी<sup>१</sup> गन्धमूष्या<sup>२</sup> गिरिका<sup>३</sup> बालमूषिका<sup>४</sup> ।  
 विहाल<sup>१</sup>श्रोत्रु<sup>२</sup>मर्जारो<sup>३</sup>ह्रीकु<sup>४</sup>च वृषदंशकः<sup>५</sup> ॥३६७॥  
 जाह्नवी<sup>१</sup>गात्रसङ्कोची मण्डली<sup>२</sup>नकुलः<sup>३</sup> पुनः<sup>४</sup> ।  
 पिङ्गलः<sup>१</sup>रुपं हा<sup>२</sup>वन्तुः<sup>३</sup>सर्पो<sup>४</sup>ऽहिः<sup>५</sup> पवनाशनः<sup>६</sup> ॥३६८॥  
 भोगी<sup>१</sup>भुजङ्ग<sup>२</sup>-भुजगा<sup>३</sup>वुरगो<sup>४</sup>द्विजिह्व<sup>५</sup>-  
 व्यालो<sup>६</sup>भुजङ्गम<sup>७</sup>-सरीसृप<sup>८</sup>-दीर्घजिह्वाः<sup>९</sup> ।  
 काकोदरो<sup>१</sup>विषधरः<sup>२</sup>फणभृत्<sup>३</sup>पृदाकु<sup>४</sup> ।  
 ईकयो<sup>१</sup>-कुण्डलि<sup>२</sup>-विलेशय<sup>३</sup>-दन्द्र्यूकाः<sup>४</sup> ॥३६९॥  
 दर्वीकरः<sup>१</sup>कक्षुकि<sup>२</sup>-चक्रि<sup>३</sup>-गूढ-  
 पात्<sup>४</sup>पन्नगा<sup>५</sup>जिह्वग<sup>६</sup>लेलिहानौ<sup>७</sup> ।  
 कुम्भीनसा<sup>१</sup>-श्रीविष<sup>२</sup>-दीर्घपृष्ठाः<sup>३</sup> ।  
 स्या द्राजसर्पा<sup>१</sup>सु भुजङ्गभोजी<sup>२</sup> ॥३७०॥  
 चक्रमण्डल्य<sup>१</sup>जगरः<sup>२</sup>पारीश्रो<sup>३</sup>वाहसः<sup>४</sup> शयुः<sup>५</sup> ।  
 चलगर्दी<sup>१</sup>जलव्यालः<sup>२</sup>समौ राजित<sup>३</sup>-डुण्डुभौ<sup>४</sup> ॥३७१॥  
 भवेत्तिलिच्छो<sup>१</sup>गोनासो<sup>२</sup>गोनसो<sup>३</sup>घोणसो<sup>४</sup>ऽपि च ।  
 कुक्कुटाहिः<sup>१</sup>कुक्कुटाभो<sup>२</sup>वर्धन च रवेण च ॥३७२॥  
 नागाः<sup>१</sup>पुनः काद्रवेया<sup>२</sup>सोषां (भोगवती) भोगवती<sup>३</sup>पुष्टी ।  
 घोषो<sup>१</sup>नागाविपो<sup>२</sup>ऽनन्तो<sup>३</sup>द्विसहस्राक्ष<sup>४</sup>आलुक्तः<sup>५</sup> ॥३७३॥

स च खाभो ऽथवा शुक्लः सितपङ्कजलाञ्जकः ।  
 धासुकि<sup>१</sup>सु सर्पराजः<sup>२</sup>धेतो नीलसरोजवान् ॥३७४॥  
 तं च क<sup>३</sup> सु लोहिताङ्गः स्वशिकाङ्कितमसकः ।  
 महापद्म<sup>४</sup>स्य तिशुक्लो दृशविन्दुकमसकः ॥३७५॥  
 शङ्क<sup>५</sup>सु पीतो विभाणो रेखा मिन्दुसितां नले ।  
 कुत्तिको<sup>६</sup> ऽर्द्धचन्द्रमौलिर्ज्वालाधूमसमप्रभः ॥३७६॥  
 अथ कम्बला<sup>७</sup> खतर<sup>८</sup>-वृतराट्ट<sup>९</sup>-बलाङ्काः<sup>१०</sup> ।  
 इत्यादयो ऽपरे नाना सक्तत्कुलसमुद्भवाः ॥३७७॥  
 निर्मुक्तो<sup>११</sup> सुक्तनिर्मोकः सविषा निर्बिषा च ते<sup>(१)</sup> ।  
 नागाः स्युर्दृग्विषा<sup>१२</sup>लूमविषा<sup>१३</sup>सु ट्टिकादयः ॥३७८॥  
 व्याघ्रादयो लोमविषा<sup>१४</sup> नखविषा<sup>१५</sup> नरादयः ।  
 कालाविषा<sup>१६</sup>सु लुताद्याः कालान्तरविषाः<sup>१७</sup> पुनः ॥३७९॥  
 मूषिकाद्या दूषीविषा<sup>१८</sup> त्व वीर्य<sup>१९</sup>मौषधादिभिः<sup>(२)</sup> ।  
 कृत्रिमं तु विषं चार्ग<sup>२०</sup>गर<sup>२१</sup>चोपविषं<sup>२२</sup> च तत् ॥३८०॥  
 भोगो<sup>२३</sup>ऽहिकायो दंष्ट्रा ऽशी<sup>(३)</sup> दूर्वा<sup>२४</sup>भोगः<sup>२५</sup>फटः<sup>२६</sup>सुटः<sup>२७</sup> ।  
 फणो<sup>२८</sup>ऽहिकोशे<sup>२९</sup>तु निर्लघनी<sup>३०</sup>निर्मोक<sup>३१</sup>-कशुकाः<sup>३२</sup> ॥३८१॥

इत्यहिकायः ।



(१) विषेण सङ्घिताः सर्पा नानादयः निर्बिषा अजगरादयः ।  
 (२) यत् औषध मन्त्रप्रयोगादिभिः अवीर्यं भवति तद्दूषीविष-  
 मित्युच्यते ।

(३) आश्विनी आश्विनः स्त्री दण्डालः ।

विहगो<sup>१</sup>विहङ्गम<sup>२</sup>-खगो<sup>३</sup>पतगो<sup>४</sup>विहङ्गः<sup>५</sup>  
 शकुनिः<sup>६</sup>शकुन्ति<sup>७</sup>-शकुनौ<sup>८</sup>त्रि<sup>९</sup>-पयः<sup>१०</sup>(१) शकुन्ताः<sup>११</sup> ॥ १०  
 नभसङ्गमो<sup>१२</sup>त्रिकिर<sup>१३</sup>पतरवो<sup>१४</sup>विहायो<sup>१५</sup>(४)  
 द्विज<sup>१६</sup>-प्रधि<sup>१७</sup>विष्किर<sup>१८</sup>-पतत्रि<sup>१९</sup>-पतर<sup>२०</sup>त्वतङ्गाः<sup>२१</sup>(२) ॥ ११  
 पित्त<sup>२२</sup>बीडा<sup>२३</sup>-खजो<sup>२४</sup>गौका<sup>२५</sup>(४) चक्षु<sup>२६</sup>चक्षुः<sup>२७</sup>रूपा-  
 टिका<sup>२८</sup> ।  
 लोटि<sup>२९</sup>च पत्रं<sup>३०</sup>पतत्रं<sup>३१</sup>पिच्छं<sup>३२</sup>वाज<sup>३३</sup>सूनु<sup>३४</sup> ॥ १२  
 पयो<sup>३५</sup>गव<sup>३६</sup>खर<sup>३७</sup>खापि<sup>३८</sup>(५) पक्षमूलं<sup>३९</sup>तु पक्षतिः<sup>४०</sup> ।  
 महीनो<sup>४१</sup>हडीन<sup>४२</sup>-सण्डीन<sup>४३</sup>-डयनानि<sup>४४</sup> नभोगतौ ॥ १३  
 पेशो<sup>४५</sup>कोशो<sup>४६</sup>खण्डो<sup>४७</sup>कुलायो<sup>४८</sup>नीडो<sup>४९</sup>केकी<sup>५०</sup> तु सर्पभुक्<sup>५१</sup> ।  
 मयूर<sup>५२</sup>-बहिंखौ<sup>५३</sup>नीलकराटो<sup>५४</sup>मेघसुहृ<sup>५५</sup>पिच्छी<sup>५६</sup> ॥ १४  
 गृह्णापाको<sup>५७</sup>ख वाक्<sup>५८</sup>केका<sup>५९</sup>पिच्छ<sup>६०</sup>(७) बर्ह<sup>६१</sup>शिशुखण्डकः<sup>६२</sup> ।  
 प्रचलाकः<sup>६३</sup>कलाप<sup>६४</sup>च मेचक<sup>६५</sup>खन्द्रकः<sup>६६</sup>समौ ॥ १५  
 वनप्रियः<sup>६७</sup>परभटते<sup>६८</sup>साम्बाजः<sup>६९</sup>कोकिलः<sup>७०</sup>पिकः<sup>७१</sup> ।  
 कलकण्ठः<sup>७२</sup>काकपुटः<sup>७३</sup>काको<sup>७४</sup>रिष्ठः<sup>७५</sup>सकत्प्रजः<sup>७६</sup> ॥ १६ ॥

(१) स्त्रियां वी व्यौ व्यः, नदीवत् विः वी पयः, ववसी व-  
वांसि ली ॥

(२) विहायाः विहायसौ विहायसः ॥

(३) पतत्रि नान्तः पतत्रं पतन्तौ पतन्तः ॥

(४) नीडंजः १ खण्डजः २ व्रतशोकाः खान्तः ॥

(५) मरुतौ मरुतः पुं मरुती मरुन्ति ली ॥

(६) पेशो १ कोशः २ खण्डः ३ नामप्रयमित्त्वन्ते ॥

(७) पिच्छमिति विशेषणं तेन चक्षुर्दि चलाद्यैव नामप्रयमित्त्वन्ते ॥

आत्मबोध<sup>४</sup>श्चरणीवी<sup>५</sup>धूकारिः<sup>६</sup> करटो<sup>७</sup>द्विकः<sup>८</sup> ।  
 एकदृग्<sup>९</sup> बलिभुक्<sup>१०</sup> ध्वाङ्गो मौकुलि<sup>११</sup> वीयसो<sup>१२</sup> ऽन्व-  
 षत्<sup>१३</sup> ॥३८८॥  
 दृङ्-द्रोण-दग्ध-कण्ण-पर्जते-भ्य स्वसौ<sup>१४</sup> परः<sup>(१)</sup> ।  
 पवनात्रय<sup>१५</sup> च काकोलो<sup>१६</sup> मङ्गः<sup>१७</sup> सु जलवायसः<sup>१८</sup> ॥३८९॥  
 धूके<sup>१९</sup> निशाटः<sup>२०</sup> काकारिः<sup>२१</sup> कौशिको<sup>२२</sup> लूक<sup>२३</sup>-पेचकाः<sup>२४</sup> ।  
 दिवान्धो<sup>२५</sup> ऽय निशावेदी<sup>२६</sup> कुक्कुट<sup>२७</sup> चरणाद्युधः<sup>२८</sup> ॥३९०॥  
 ककवाकु<sup>२९</sup> साम्बचूड़ो<sup>३०</sup> विटताजः<sup>(२)</sup> शिखशिङ्कः<sup>३१</sup> ।  
 हंसा<sup>३२</sup> चक्राङ्ग<sup>३३</sup>-वक्राङ्ग<sup>३४</sup>-मानसोकः<sup>३५</sup>-सितच्छदाः<sup>३६</sup> ॥३९१॥  
 राजहंसा<sup>३७</sup> स्वमी चक्षुचरयैरतिलोहितैः ।  
 मल्लिकाया<sup>(४)</sup> सु मलिनै र्धार्तिराष्ट्राः<sup>३८</sup> सिते-तरैः ॥३९२॥  
 कादम्बा<sup>३९</sup> सु कलहंसाः<sup>४०</sup> पक्षैः स्युरतिधूसरैः ।  
 वारला<sup>४१</sup> वरला<sup>४२</sup> हंसी<sup>४३</sup> वारटा<sup>४४</sup> वरटा<sup>४५</sup> च सा ॥३९३॥  
 दार्वाघाटः<sup>४६</sup> शतपत्रः<sup>४७</sup> खञ्जरीट<sup>४८</sup> सु खञ्जनः<sup>४९</sup> ।  
 सारसी<sup>५०</sup> सु लक्ष्मणः<sup>५१</sup> स्यात् पुष्कराख्यः<sup>५२</sup> कुरङ्गरः<sup>५३</sup> ॥३९४॥  
 सारसी<sup>५४</sup> लक्ष्मणा<sup>५५</sup> ऽय क्रुङ्<sup>(५)</sup> क्रौञ्चे<sup>५६</sup> चापे<sup>५७</sup> किक्कीदिविः<sup>५८</sup> ॥

(१) अन्यमृतौ अन्यमृतः ॥

(२) दृङ्काकः १ द्रोणकाकः २ दग्धकाकः ३ कण्णकाकः ४  
 पूर्वतकाकः-५ ॥

(३) विटते अक्षिणी अस्य विटताजः इति टीका ॥

(४) मल्लिकाकारे अक्षिणी एषां मल्लिकायाः शुक्लापाङ्गत्वात् इति  
 टीकाकृतः ॥

(५) क्रुङ्घौ क्रुङ्घः ॥

शतकः<sup>१</sup> श्लोकको<sup>२</sup> बप्पीहः<sup>३</sup> सारङ्गो<sup>४</sup> नभोस्वपः<sup>५</sup> ॥३२५॥  
 वक्रवाको<sup>१</sup> रथाङ्गाहः<sup>२</sup> कोको<sup>३</sup> ह्रन्धचरो<sup>४</sup> पि च ।  
 टिट्ठिभ<sup>१</sup>स्तु कटुक्याण<sup>२</sup> उत्पादशयन<sup>३</sup> च सः ॥३२६॥  
 चटको<sup>१</sup> गृहबलिभुक्<sup>२</sup> कलविद्धः<sup>३</sup> कुलिङ्ककः<sup>४</sup> ।  
 तस्य योषिन्नु चटका<sup>१</sup> स्व्य-पत्ये चटका<sup>१</sup> तयोः ॥३२७॥  
 पुमपत्ये चाटकैरो<sup>१</sup> दातृहे<sup>१</sup> कालकण्टकः<sup>२</sup> (१) ।  
 जलरङ्गु<sup>३</sup> जलरञ्जो<sup>४</sup> बके<sup>१</sup> कच्छो<sup>२</sup> बकोट<sup>३</sup>-वत् ॥३२८॥  
 बलाहकः<sup>१</sup> स्या इलाको<sup>२</sup> बलाका<sup>१</sup> विसकण्ठिका<sup>२</sup> ।  
 भङ्गः<sup>१</sup> कलिङ्गो<sup>२</sup> धूम्याटः<sup>३</sup> कङ्क<sup>१</sup>स्तु कमनच्छदः<sup>२</sup> ॥३२९॥  
 लोहृष्टो<sup>२</sup> दीर्घपादः<sup>४</sup> कर्कटः<sup>५</sup> स्तन्धमल्लकः<sup>६</sup> ।  
 चिह्नः<sup>१</sup> शकुनि<sup>२</sup> रातापी<sup>३</sup> श्वेनः<sup>४</sup> पत्री<sup>२</sup> शशादनः<sup>३</sup> ॥४००॥  
 दाक्षाव्यो<sup>१</sup> दूरदृक्<sup>२</sup> गृध्रो<sup>३</sup> ऽथोत् क्रोशो<sup>१</sup> मत्स्यनाशनः<sup>२</sup> ।  
 कुररः<sup>१</sup> कीर<sup>१</sup>स्तु शुको<sup>२</sup> रक्ततण्डुः<sup>३</sup> फलादनः<sup>४</sup> ॥४०१॥  
 शारिका<sup>१</sup> तु पीतपादा<sup>२</sup> गौराटी<sup>३</sup> गोकिराटिका<sup>४</sup> ।  
 स्या च्चर्मी<sup>१</sup> चटिकायां<sup>१</sup> तु जतुका<sup>२</sup> ऽजिनपत्रिका<sup>३</sup> ॥४०२॥  
 वसगुलिका<sup>१</sup> सुखविठार<sup>२</sup> परोष्णी<sup>३</sup> तैलपायिका<sup>४</sup> ।  
 कर्करेटुः<sup>१</sup> करेटुः<sup>२</sup> स्यात् करटुः<sup>३</sup> कर्कराटुकः<sup>४</sup> ॥४०३॥  
 घ्राटि<sup>१</sup> रातिः<sup>२</sup> शरारिः<sup>३</sup> स्यात् लक्षण<sup>१</sup>-क्रूरौ<sup>२</sup> समौ<sup>३</sup> (२) ।

(१) कालाः कण्टका रोमोद्भेदोऽस्य कालकण्टकः कालः कण्टको-  
 २स्य कालकण्ट इत्यन्वे । शब्दभेदे तु “जलरङ्गौ जलरङ्गः कालात्-  
 कण्टक कण्टको” इति ॥

(२) गोरतित्तिरिः इत्यस्य टीका, गन्दरत्नाकरे तु, लक्षणकण्ट-  
 कुभौ कपिञ्जले इति ॥

भासे<sup>१</sup>शकुन्तः<sup>२</sup>कोयथौ<sup>१</sup>शिखरी<sup>२</sup>जलकुक्कुभः<sup>३</sup> ॥४०४॥  
 पारापतः<sup>१</sup> कलरवः<sup>२</sup> कपोते<sup>३</sup> रक्तलोचनः<sup>४</sup> ।  
 ज्योत्स्नाप्रिये<sup>१</sup>चलचक्षु<sup>२</sup>-चकोर<sup>३</sup>-विषसूचकाः<sup>४</sup> ॥४०५॥  
 जीवजीव<sup>१</sup>सु गुन्द्रालो<sup>२</sup> विषदर्शनमृत्युकः<sup>३</sup> ।  
 व्याघ्राट<sup>१</sup> सु भरद्वाजः<sup>२</sup> ऋव<sup>३</sup> सु गालसंभवः<sup>४</sup> ॥४०६॥  
 तित्तिरि<sup>१</sup>सु खरकोणो<sup>२</sup> हारीत<sup>३</sup>सु मृदङ्करः<sup>४</sup> ।  
 कारण्डव<sup>१</sup>सु मरुलः<sup>२</sup> सुगृह<sup>३</sup>श्चक्षुश्चिकः<sup>४</sup> ॥४०७॥  
 कुम्भकारकुक्कुट<sup>१</sup>सु कुक्कुभः<sup>२</sup> कुहकस्वनः<sup>३</sup> ।  
 पक्षिणा येन गृह्णन्ते पक्षिणो ऽन्ये स दीपकः<sup>१</sup> ॥४०८॥  
 षेका<sup>१</sup> गृह्या<sup>२</sup>श्च ते गेहासक्ता ये मृगपक्षिणः ।

इति पञ्चन्द्रियाः ।



मत्स्यो<sup>१</sup>मीनः<sup>२</sup> पृथुरोमा<sup>३</sup>ऋषो<sup>४</sup>वैसारियो<sup>५</sup>ऽण्डजः<sup>६</sup> ॥४०९॥  
 सङ्घच<sup>१</sup>री<sup>२</sup>स्थिरजिह्व<sup>३</sup>आत्माश्री<sup>४</sup>स्वकुलचयः<sup>५</sup> ।  
 विसारः<sup>१</sup>शकली<sup>२</sup>शल्की<sup>३</sup>शम्बरो<sup>४</sup>ऽनिभिष<sup>५</sup>स्त्रिमिः<sup>६</sup> ॥४१०॥  
 सहस्रदंष्ट्र<sup>१</sup>वादालः<sup>२</sup> पाठीने<sup>३</sup>चित्रवक्त्रिकः<sup>४</sup> ।  
 शकुले<sup>१</sup>स्यात् कलको<sup>२</sup>ऽथ गडकः<sup>३</sup> शकुलार्भकः<sup>४</sup> ॥४११॥  
 चलूपी<sup>१</sup>शिशुके<sup>२</sup>प्रोष्ठी<sup>३</sup>शफरौ<sup>४</sup>श्वेतकोलके<sup>५</sup> ।  
 नक्षामीन<sup>१</sup>खिलिचिमो<sup>२</sup>मत्स्यराज<sup>३</sup>सु रोहितः<sup>४</sup> ॥४१२॥  
 मद्गुर<sup>१</sup>सु राजशृङ्गः<sup>२</sup> शृङ्गी<sup>३</sup>तु मद्गुरप्रिया<sup>४</sup> ।  
 कुद्राण्डमत्स्यजातं तु पोताधानं जलाणुकम्<sup>१</sup> ॥४१३॥

(१) जले च यति जलाणुकं कथ्येयिरिति ङ इकः ॥

महामत्स्या<sup>१</sup>स्तु चीरङ्गि तिमिङ्गिलगिलादयः ।  
 अथ यादांसि<sup>१</sup> नक्राद्या हिंसका जलजन्तवः ॥४१४॥  
 नक्रः<sup>१</sup> कुम्भीर<sup>२</sup> चालास्यः<sup>३</sup> कुम्भी<sup>४</sup> महासुखो<sup>५</sup> ऽपि च ।  
 तालुजिह्वः<sup>६</sup> शङ्खसुखो<sup>७</sup> गोसुखो<sup>८</sup> जलसूकरः<sup>९</sup> ॥४१५॥  
 शिशुमार<sup>१</sup> स्वम्बुक्ष्मी<sup>२</sup> उष्णवीर्यो<sup>३</sup> महावसः<sup>४</sup> ।  
 उट्र<sup>१</sup>स्तु जलमार्जारः<sup>२</sup> पानीयनकुलो<sup>३</sup> वसी<sup>४</sup> ॥४१६॥  
 ग्राहे<sup>१</sup> तन्तु<sup>२</sup> सन्तुनागो<sup>३</sup> ऽवहारो<sup>४</sup> नाग<sup>५</sup> तन्तुणौ<sup>६</sup> ।  
 अन्येपि यादोभेदाः स्युर्वहवो मकरादयः<sup>१</sup> ॥४१७॥  
 कुलीरः<sup>१</sup> कर्कटः<sup>२</sup> पिङ्गचक्षुः<sup>३</sup> पाश्वी<sup>४</sup> दरप्रियः<sup>५</sup> ।  
 द्विधागतिः<sup>६</sup> षोडशाङ्गिः<sup>७</sup> कुरञ्चिल्लो<sup>८</sup> बहिश्चरः<sup>९</sup> ॥४१८॥  
 कच्छपः<sup>१</sup> कमठः<sup>२</sup> कूष्मिः<sup>३</sup> क्रोडप्राद<sup>४</sup> सतुगतिः<sup>५</sup> ।  
 पञ्चाङ्गुप्त<sup>६</sup> दौलेयौ<sup>७</sup> जीवयः<sup>८</sup> कच्छपी<sup>९</sup> दुलीर<sup>१०</sup> ॥४१९॥  
 मण्डूके<sup>१</sup> हरि<sup>२</sup> शालूर<sup>३</sup> श्वव<sup>४</sup> भेक<sup>५</sup> श्वङ्गमाः<sup>६</sup> ।  
 वर्षाभूः<sup>७</sup> श्ववगः<sup>८</sup> शालुर<sup>९</sup> जिह्व<sup>१०</sup> व्यङ्ग<sup>११</sup> ददुराः<sup>१२</sup> ॥४२०॥  
 स्यले नरादयो ये तु ते जले जलपूर्वकाः<sup>१</sup>(१) ।  
 अण्डजाः<sup>१</sup> पक्षिसर्पाद्याः<sup>२</sup> पोतजाः<sup>३</sup>(२) कुञ्जरादयः<sup>४</sup> ॥४२१॥  
 रसजा<sup>१</sup>(३) मद्यक्रीटाद्या<sup>२</sup> षट्गवाद्या जरायुजाः<sup>३</sup> ॥

(१) जलशब्दः पूर्वे येषां यथा जलनरः जलहस्तौ जलतुङ्गाः  
 एवं अम्बुनरः तोयकरी नीरघोटक इत्यादि ॥

(२) पोतो नाम जरायुरहितो गर्भः आदिनाद्याविष्णुशयानि-  
 काद्याः ॥

(३) रसाज्जायन्ते इति रसजाः आदिना षट्क्रीटाद्याः ॥

यूक्ताद्याः खेदजा<sup>१</sup>मरुत्यादयः सम्मूर्च्छनोज्ज्वलः<sup>१(१)</sup> ॥४२२॥  
 खञ्जना सूक्ष्मिदो<sup>१(२)</sup> ऽथोपपादुका<sup>१</sup> देवनारकाः ।  
 तन्मयो नय इत्यष्टा<sup>(२)</sup> बुद्धि<sup>१</sup>बुद्धिज्ज<sup>१</sup>मुद्भिदम्<sup>१</sup> ॥४२३॥  
 इत्याचार्य श्रीहेमचन्द्रविरचितायामभिधानचिन्तामणौ  
 नाममालायां तिर्यक्काण्डश्चतुर्थः ॥ ४ ॥



अथ नरककाण्डः ।

स्युर्नारका<sup>१</sup>सु परेत<sup>२</sup>-प्रेत<sup>२</sup>-यात्या<sup>५</sup>-तिवाहिकाः<sup>१</sup> ।  
 आजू<sup>१</sup> विष्टि<sup>२</sup> र्यातना<sup>१</sup> तु कारणा<sup>२</sup> तीव्रवेदना ॥१॥  
 नरका<sup>१</sup>सु नारकः<sup>२</sup> स्यान्निरयो<sup>२</sup> दुर्गति<sup>५</sup> च सः ।  
 घनोदधि<sup>१(४)</sup>-घनवात<sup>२</sup>-तनुवात<sup>२</sup>-नभः<sup>५</sup>-स्थिताः ॥२॥  
 रत्न-शर्करा-वालुका-पङ्क-धूम-तमः-प्रभाः<sup>१(५)</sup> ।

(१) सम्मूर्च्छनादुद्भवो येषां सम्मूर्च्छजा इत्यर्थः आदिना सर्पादयो  
 गृह्यन्ते ॥

(२) उद्भिदति भुवमिति किपि उद्भिदः बहुवचनादन्वयेऽपि शब्द-  
 भादयः, उपपद्यन्ते स्वयमिति एवं शोभाः उपपादुकाः ॥

(३) लघानां जीवानां योनयः उत्पत्तिस्थानानि अष्टावण्डजा-  
 दवः ॥

(४) घननिविद्ध उदधिः । एवं घनश्चासौ वाताय । तनुश्चासौ  
 क्षुत्तन्न । नभः आकाशः । घनोदध्यादिषु प्रत्येकमवस्थिताः क्रमात्  
 दृश्यन्तः अधोऽधो रत्नप्रभाद्याः सप्तनरकधूमयो भवन्ति ॥

(५) रत्नप्रभा १ शर्कराप्रभा २ वालुकाप्रभा ३ पङ्कप्रभा ४ धूम-  
 प्रभा ५ तमःप्रभा ६ क्रमेण रत्नप्रभाद्यास्तु सप्तनरकधूमिषु नरकावास  
 संख्यामाह अथेति ॥



महातमःप्रभा<sup>१</sup> चेत्य धो धो नरकभूमयः<sup>१</sup> ॥ ३ ॥  
 क्रमात् पृथुतरा सप्ता<sup>(१)</sup> ऽथ त्रिंशत्पञ्चविंशतिः<sup>(२)</sup> ।  
 पञ्चदश दश त्रीणि लक्षाण्यूनं च पञ्चभिः ॥ ४ ॥  
 स्र्चं पञ्च च<sup>(२)</sup> नरकावासाः सीमन्तकादयः ।  
 एतासु<sup>(४)</sup> स्युः क्रमेणाय पाताला<sup>१</sup> वड्वासुखम् ॥ ५ ॥  
 बलिवेश्मर<sup>२</sup> धोभुवनं<sup>४</sup> नागलोको<sup>५</sup> रसातलम्<sup>६</sup> ।  
 रन्ध्रं<sup>१</sup> विलं<sup>२</sup> निर्व्यथनं<sup>३</sup> कुहरं<sup>४</sup> शुषिरं<sup>५</sup> शुषिः<sup>६</sup> ॥ ६ ॥  
 छिद्रं<sup>१</sup> रोमं<sup>२</sup> विवरं<sup>३</sup> च निक्लं<sup>४</sup> रोकं<sup>५</sup> वपा<sup>६</sup> न्तरम्<sup>७</sup> ।  
 गत्ते<sup>१</sup>-श्वम्भार<sup>२</sup>-वटार<sup>३</sup>-गाध<sup>४</sup>-दरा<sup>५</sup>सु विवरे भुवः ॥ ७ ॥

इत्याचार्य्य श्रीहेमद्रविरचितायामभिधानचिन्तामणौ ।

नाममालायां नरककाण्डः पञ्चमः ॥ ५ ॥



### अथ सामान्यकाण्डः ।

स्या ल्लोको<sup>१</sup> विष्टपं<sup>२</sup> विश्वं<sup>३</sup> भुवनं<sup>४</sup> जगती<sup>५</sup> जगत्<sup>६</sup> ।  
 जीवाजीवाधारक्षेत्रं लोको<sup>१</sup> ऽलोको<sup>२</sup> स्ततो ऽन्यथा ॥ १ ॥  
 क्षेत्रज्ञं<sup>१</sup> आत्मा<sup>२</sup> पुरुष<sup>३</sup> चेतनः<sup>४</sup> स पुन भवौ<sup>(५)</sup> ।

(१) रत्नप्रभायाम् ॥

(२) शर्कराप्रभायाम् ॥

(३) बालकाप्रभायां पंकप्रभायां तमःप्रभायां महातमःप्रभायाम् ॥

(४) एतासु रत्नप्रभादिषु सप्तसु नरकभूमिषु क्रमेण उक्तसंख्यकाः सीमन्तकादयो नरकावासा भवन्ति । सीमन्तकोनाम रत्नप्रभा पृथिवी मध्यवर्ती नरकेन्द्रः ॥

(५) भविनौ भविनः ॥

जीवः<sup>२</sup>स्या दसुमान्<sup>२</sup> सत्सं<sup>४</sup>देहभृ<sup>५</sup>-ज्जन्तु<sup>१</sup>-ज्जन्तवः<sup>७</sup> ॥२॥  
 उत्पत्तिं<sup>१</sup> जन्म<sup>१</sup>(१) जनुषी<sup>२</sup> ज्जननं<sup>४</sup> जनि<sup>५</sup> सङ्गवः<sup>१</sup> ।  
 जीवे<sup>१</sup>ऽस्तु<sup>२</sup>-जीवित<sup>१</sup>-प्राणा<sup>५</sup> जीवातु<sup>१</sup> जीवनौषधम्<sup>२</sup> ॥३॥  
 खामं<sup>१</sup>सु श्वसितं<sup>२</sup> सो न्तमु<sup>१</sup>ख उच्छ्वासं<sup>१</sup> आहरः<sup>२</sup> ।  
 आनो<sup>२</sup>बहिर्मुखं<sup>१</sup>सु स्या न्निःश्वासः<sup>१</sup>पान<sup>२</sup> एतनः<sup>२</sup> ॥४॥  
 घ्रायु<sup>१</sup> जीवितकालो<sup>२</sup> ऽन्तःकरणं<sup>१</sup> मानसं<sup>२</sup> मनः<sup>२</sup> ।  
 ह<sup>५</sup>चेतो<sup>५</sup>हृदयं<sup>१</sup>चित्तं<sup>७</sup> स्वान्तं<sup>८</sup>(२) गूढपथो<sup>८</sup>-ञ्चले<sup>१</sup> ॥५॥  
 मनसः<sup>१</sup> कश्चि सङ्कल्पः<sup>१</sup> स्या दथो शर्म<sup>१</sup> निर्द्वैतः<sup>२</sup> ।  
 सातं<sup>२</sup> सौख्यं<sup>५</sup> सुखं<sup>५</sup> दुःखं<sup>१</sup> त्व सुखं<sup>२</sup> वेदना<sup>२</sup>व्यथा<sup>५</sup> ॥६॥  
 पीडा<sup>५</sup>बाधा<sup>१</sup>र्त्तिरा<sup>७</sup>भीलं<sup>८</sup> कच्छ<sup>८</sup> कष्टं<sup>७</sup> प्रसूतिजम्<sup>११</sup> ।  
 ग्रामनस्यं<sup>१२</sup> प्रगाढं<sup>१२</sup> च स्या दाधि<sup>१</sup> मीनसी व्यथा ॥७॥  
 सपत्वाकृति<sup>१</sup>-निष्पत्राकृती<sup>२</sup> त्व त्यन्तपीडने ।  
 क्षु<sup>१</sup> ज्जाटराग्निजा पीडा व्यापादो<sup>१</sup> द्रोहचिन्तनम् ॥८॥  
 उपज्ञा<sup>१</sup> ज्ञान माद्यं स्या चर्चा<sup>१</sup> सङ्ख्या<sup>२</sup> विचारणा<sup>२</sup> ।  
 वासना<sup>१</sup> भावना<sup>२</sup> संस्कारो<sup>२</sup>ऽनुभूताद्य<sup>१</sup>ऽविष्कृतिः ॥९॥  
 निर्णयो<sup>१</sup> निश्चयो<sup>२</sup> ऽन्तः सम्प्रधारणा<sup>१</sup> समर्थनम्<sup>२,२</sup> ।  
 अविद्या<sup>१</sup>ऽहम्कार<sup>२</sup>-ज्ञाने<sup>२</sup>भ्रान्ति<sup>१</sup>मिथ्यामति<sup>२</sup>भ्रमः<sup>२</sup> ॥१०॥  
 सन्देह<sup>१</sup>-द्वाप्ररा<sup>२</sup>-रेका<sup>२</sup> विचिकित्सा<sup>५</sup> च संशयः<sup>५</sup> ।  
 परभागो<sup>१</sup>सुखोत्कर्षो<sup>२</sup>दोषो<sup>१</sup>त्वा दीनवा<sup>२</sup>-श्रवो<sup>२</sup> ॥११॥

(१) जन्म गान्धोदहनश्च ॥

) सान्निमित्यपि पाठः ॥

) युक्तायुक्तपरीक्षायाः ॥

स्वाह रूपं लक्षणं भावश्चालः प्रकृतिः रीतयः ।  
 सहजो रूपतत्त्वं च ब्रह्मसर्गो निसर्गो बत् ॥१२॥  
 शीलं सतत्त्वं संसिद्धिं रवस्थां तु दशास्थितिः ।  
 लोहः प्रीतिः प्रेम-हार्दे दाक्षिण्यं तु सुकृतता ॥१३॥  
 विप्रतिषारोऽनुशयः पञ्चात्तापोऽनुतापश्च ।  
 अवधान-समाधान-प्रणिधानानि तु समाधौ स्युः ॥१४॥  
 धर्मः पुण्यं दण्डः श्रेयः सुकृते नियतौ विधिः ।  
 दैवं भाग्यं भागधेयं दिष्टं चाऽयं सु तच्छुभम् ॥१५॥  
 अलक्ष्मीं निर्द्वेषतिः कालकर्णिकारं स्या दद्याऽशुभम् ।  
 दुःकृतं दुरितं पापमेतः पाप्मानं च पातकम् ॥१६॥  
 किल्बिषं कलुषं क्लिष्टं क्लृप्तं क्लृप्तं वृजिनं तमः ।  
 अहः कल्का मघं पङ्क उपाधिर्धर्मश्चिन्तनम् ॥१७॥  
 त्विर्वर्गो धर्म-कामा-र्या चतुर्वर्गः समोक्षकाः ।  
 बलतुर्थ्या<sup>(१)</sup> चतुर्भद्रा प्रमादोऽनवधानता ॥१८॥  
 (२) छन्दोऽभिप्रायः आकृतं मत-भावा-शया अपि ।  
 लक्ष्मीकर्मणोऽन्वयः खं विषयीन्द्रियम् ॥१९॥  
 बुद्धीन्द्रियं स्पर्शनादि पाण्यादि तु क्रियेन्द्रियम् ।  
 स्पर्शादयस्त्रिन्द्रियार्था विषया गोचरा अपि ॥२०॥  
 शीते तुषारः शिशिरः सुशीमः<sup>(२)</sup> शीतलो जडः ।

(१) बलं तुर्थं येषां ते धर्मकामार्थबलानोत्पद्यते ॥

(२) अदनो देववत् ॥

(३) सुशीमः सुन्दरमध्योऽपि ॥

हिमो<sup>०</sup> ऽथोष्णो<sup>१</sup> तिग्मो<sup>२</sup> स्त्रीव्र<sup>३</sup> स्त्रीच्छ<sup>४</sup> च खण्डः<sup>५</sup> खरं<sup>६</sup> पटुः<sup>७</sup> ॥ १ ॥  
 कोष्णः<sup>१</sup> कवोष्णः<sup>२</sup> कदुष्णो<sup>३</sup> मन्दोष्ण<sup>४</sup> श्लेष्मदुष्ण<sup>५</sup> वत् ।  
 निष्ठुरः<sup>१</sup> ककखटः<sup>२</sup> क्रूरः<sup>३</sup> परुषः<sup>४</sup> कर्कशः<sup>५</sup> खरः<sup>६</sup> ॥ २२ ॥  
 हृदं<sup>०</sup> कठोरः<sup>५</sup> कठिनो<sup>६</sup> जरठः<sup>१</sup> (१) कोमलः<sup>१</sup> पुनः ।  
 हृदुतो<sup>१</sup> हृदु<sup>२</sup> सोमाल<sup>३</sup> सुकुमारा<sup>४</sup> अकर्कशः<sup>५</sup> ॥ २३ ॥  
 मधुरा<sup>१</sup> स्तु रसज्येष्ठो<sup>२</sup> गल्यः<sup>३</sup> स्वादु<sup>४</sup> स्मैधूलकः ।  
 अस्त्रा<sup>१</sup> स्तु पाचनो<sup>२</sup> दन्तशठो<sup>३</sup> ऽथ लवणः<sup>४</sup> सरः<sup>५</sup> ॥ २४ ॥  
 सर्व्वरसो<sup>३</sup> ऽथ कटुः<sup>४</sup> स्यादोषणो<sup>५</sup> मुखशोधनः<sup>६</sup> ।  
 अक्रभेदी<sup>१</sup> तु तिक्तो<sup>२</sup> ऽथ कषाय<sup>३</sup> स्तु वरो<sup>४</sup> रसाः<sup>५</sup> ॥ २५ ॥  
 गन्धो<sup>१</sup> जनमनोहारी<sup>२</sup> सुरभि<sup>३</sup> प्रीणतर्पणः<sup>४</sup> ।  
 समाकर्षी<sup>३</sup> निर्हारी<sup>४</sup> च स आमोदी<sup>५</sup> विदूरगः<sup>६</sup> ॥ २६ ॥  
 विमदी<sup>१</sup> रथः परिमलो<sup>२</sup> ऽथामोदी<sup>३</sup> सुखवासनः<sup>४</sup> ।  
 दृष्टगन्धः<sup>३</sup> सुगन्धि<sup>४</sup> च दुर्ग<sup>५</sup> न्धिः<sup>६</sup> पूतिगन्धिकार<sup>७</sup> ॥ २७ ॥  
 आमगन्धि<sup>१</sup> स्तु विश्वं<sup>२</sup> स्याद्द्वर्णाः<sup>३</sup> श्वेतादिका अमी ।  
 श्वेतः<sup>१</sup> श्वेतः<sup>२</sup> सितः<sup>३</sup> शुक्लो<sup>४</sup> हरिणो<sup>५</sup> विशदः<sup>६</sup> शुचिः<sup>७</sup> ॥ २८ ॥  
 प्रवहात<sup>५</sup> गौर<sup>६</sup> शुभ्र<sup>१०</sup> बलक<sup>११</sup> धवजा<sup>१२</sup> र्ज्जुनाः<sup>१३</sup> ।  
 पाण्डुरः<sup>१४</sup> पाण्डरः<sup>१५</sup> पाण्डु<sup>१६</sup> रीषत्पाण्डु स्तु धूसरः<sup>१</sup> ॥ २९ ॥  
 कापोत<sup>१</sup> स्तु कंपोताभः<sup>२</sup> पीत<sup>३</sup> स्तु सितरञ्जनः<sup>४</sup> ।  
 हारिद्रः<sup>१</sup> पीतलो<sup>२</sup> गौरः<sup>३</sup> पीतनीलः<sup>४</sup> पुन ह्रित<sup>५</sup> ॥ ३० ॥  
 पालांशो<sup>१</sup> हरित<sup>२</sup> स्तालकामो<sup>३</sup> रक्त<sup>४</sup> स्तु रोहितः<sup>५</sup> ।  
 मास्त्रिष्ठो<sup>१</sup> लोहितः<sup>२</sup> शोणः<sup>३</sup> श्वेतरक्त<sup>४</sup> स्तु पाटलः<sup>५</sup> ॥ ३१ ॥

(१) • जरठः इत्यपि ॥

अशयो<sup>१</sup> बालसन्ध्यामः पीतरक्त<sup>१</sup> सु पिञ्जरः<sup>२</sup> ।  
 कपिलः<sup>३</sup>पिङ्गलः<sup>४</sup>श्यावः<sup>५</sup>पिशङ्गः<sup>६</sup>कपिशो<sup>७</sup>हरिः<sup>८</sup> ॥३२॥  
 बभ्रुः<sup>९</sup>कद्रुः<sup>१०</sup>वडार<sup>११</sup>च पिङ्गे<sup>१२</sup>कृष्ण<sup>१३</sup>सु मेचकः<sup>१४</sup> ।  
 स्याद्रामः<sup>१५</sup>श्यामलः<sup>१६</sup>श्यामः<sup>१७</sup>कालो<sup>१८</sup>नीलो<sup>१९</sup>ऽसितः<sup>२०</sup>श्रितिः<sup>२१</sup> ॥३३॥  
 रक्तश्यामे<sup>२२</sup> पुन धूम्र<sup>२३</sup>-धूमला<sup>२४</sup> वय कर्बुरः<sup>२५</sup> ।  
 किर्मीर<sup>२६</sup> एतः<sup>२७</sup> शबल<sup>२८</sup> श्वित<sup>२९</sup>-कल्पाष<sup>३०</sup>-चित्रलाः<sup>३१</sup> ॥३४॥  
 शब्दो<sup>३२</sup> निनादो<sup>३३</sup> निर्घोषः<sup>३४</sup>स्वानो<sup>३५</sup>ध्वानः<sup>३६</sup>स्वरो<sup>३७</sup>ध्वनिः<sup>३८</sup> ।  
 निह्नीदो<sup>३९</sup>निनदो<sup>४०</sup>ह्लादो<sup>४१</sup>निस्वानो<sup>४२</sup>निस्वनः<sup>४३</sup>स्वनः<sup>४४</sup> ॥३५॥  
 रवो<sup>४५</sup>नादः<sup>४६</sup>स्वनि<sup>४७</sup>घोषः<sup>४८</sup>सं<sup>४९</sup>-व्याज्यो<sup>५०</sup>राव<sup>५१</sup>आरवः<sup>५२</sup> ॥३६॥  
 कणनं<sup>५३</sup>निकणः<sup>५४</sup>कायो<sup>५५</sup>निकाण<sup>५६</sup>च कणो<sup>५७</sup>रण<sup>५८</sup> ॥३७॥  
 षड्जं<sup>५९</sup>ऋषभं<sup>६०</sup>गान्धारा<sup>६१</sup> मध्यमः<sup>६२</sup> पञ्चम<sup>६३</sup> सथा ।  
 धैवतो<sup>६४</sup> निषधः<sup>६५</sup>सप्त तन्त्रीकण्ठो<sup>६६</sup>ङ्गवाः<sup>६७</sup>स्वराः<sup>६८</sup> ॥३७॥  
 ते<sup>६९</sup> मन्द्रं<sup>७०</sup>-मध्यं<sup>७१</sup>-ताराः<sup>७२</sup>स्यु ररः<sup>७३</sup>-कण्ठे<sup>७४</sup>-शिरो<sup>७५</sup>भवाः ।  
 रुदितं<sup>७६</sup>क्रन्दितं<sup>७७</sup> क्रुष्टं<sup>७८</sup> तद् ऽपुष्टं<sup>७९</sup> तु गच्छरः<sup>८०</sup> ॥३८॥  
 शब्दो<sup>८१</sup> गुणानुरागो<sup>८२</sup>त्थ प्रणादः<sup>८३</sup>सीत्कृतं<sup>८४</sup> वणाम् ।  
 पर्दनं<sup>८५</sup>गुदजे शब्दे कर्दनं<sup>८६</sup> कुचिसम्भवे ॥३९॥  
 च्छेडो<sup>८७</sup> तु सिंहनादो<sup>८८</sup> ऽथ क्रन्दनं<sup>८९</sup> सुभटध्वनिः ।  
 कोलाहलः<sup>९०</sup>कलकल<sup>९१</sup>सु मुलो<sup>९२</sup>व्याकुलो<sup>९३</sup> रवः ॥४०॥

(१) संरावः १ विरावः २ आरावः ३ ॥

(२) ते ऋषभादयः सप्तस्वराः प्रत्येकं चरः कण्ठशिरोभवा संन मन्द्रमध्य ताराः स्युः यद्गन्तिलः “मृतापुरसि मन्द्रसु ह्यविप्रतिविध ध्वनिः । स एव कण्ठे मभ्यः स्यात् तारः शिरसि गीयते” इति ॥

मन्मिरो<sup>१</sup>वस्त्र-पत्रादे भू<sup>२</sup>प्रणानां तु शिञ्जितम्<sup>३</sup> ।  
 देषा<sup>४</sup>ह्येषा<sup>५</sup>तुरलानां गजानां गर्ज्य<sup>६</sup> वृंहिते<sup>७</sup> ॥४१॥  
 त्रिस्तारो<sup>८</sup> धनुषां हस्त्रा<sup>९</sup>रश्मि<sup>१०</sup> गोर्जलदस्य तु ।  
 स्नानितं<sup>११</sup>गर्जितं<sup>१२</sup>गर्जितं<sup>१३</sup>स्नानितं<sup>१४</sup> रसिता<sup>१५</sup>-दि च ॥४२॥  
 कृजितं<sup>१६</sup> स्याद्विहङ्गानां तिरश्चां रत<sup>१७</sup>-वासिते<sup>१८</sup> ।  
 वृकस्य रेषयां<sup>१९</sup>रेषा<sup>२०</sup>बुक्कनं<sup>२१</sup>भषयां<sup>२२</sup>शुनः ॥४३॥  
 पीडितानां<sup>(१)</sup> तु कण्ठितं<sup>२३</sup>भणितं<sup>२४</sup> रतकृजितम्<sup>(२)</sup> ।  
 प्रकाणः<sup>२५</sup>प्रकाण<sup>२६</sup> सान्त्या मर्दलस्य तु गुन्दलः<sup>२७</sup> ॥४४॥  
 घीजनं<sup>२८</sup> तु कीचकानां भेर्यां नादं सुर्दुरः<sup>२९</sup> ।  
 तारो<sup>३०</sup>ऽत्युच्चैर्ध्वनिश्चन्द्रो<sup>३१</sup> गम्भीरो मधुरः कलः<sup>३२</sup> ॥४५॥  
 काकली<sup>३३</sup> तु ककः सूक्ष्म एकतालो<sup>३४</sup> लयाशुगः<sup>(३)</sup> ।  
 काकु<sup>३५</sup>र्ध्वनिविकारः स्यात्प्रतिश्रु<sup>३६</sup>न्तु प्रतिध्वनिः<sup>३७</sup> ॥४६॥  
 सङ्घाते<sup>३८</sup>प्रकरौ<sup>३९</sup>-व<sup>४०</sup>र<sup>४१</sup>-निकर<sup>४२</sup>-व्यूहाः<sup>४३</sup> समूह<sup>४४</sup> चयः<sup>४५</sup>  
 सन्दोहः<sup>४६</sup> समुदाय<sup>४७</sup>-राशि<sup>४८</sup>-विसरः<sup>४९</sup> प्राताः<sup>५०</sup> कलापो<sup>५१</sup>  
 व्रजः<sup>५२</sup> ।  
 कूटं<sup>५३</sup> मण्डलं<sup>५४</sup> चक्रवालं<sup>५५</sup> पटलं<sup>५६</sup>-सोमा<sup>५७</sup> गणः<sup>५८</sup> पेटकं<sup>५९</sup>  
 वृन्दं<sup>६०</sup> चक्रं<sup>६१</sup>-कदम्बके<sup>६२</sup> समुदयः<sup>६३</sup> पुञ्जोत्<sup>६४</sup> करी<sup>६५</sup>  
 सङ्घतिः<sup>६६</sup> ॥४७॥  
 समवायो<sup>६७</sup> निकुञ्जो<sup>६८</sup> जा<sup>६९</sup> निवह<sup>७०</sup>-सञ्चयो<sup>७१</sup> ॥

(१) व्याधिप्रहारादिभिः पीडितावाम् ॥

(२) रतौ सुरते दम्पत्योः कृजितम् अथ्यक्तवन्दः ॥

(३) अभिन्नकालमानवन्दस्य ॥

जातं<sup>१</sup>तिरश्चं तं द्यूयं<sup>१</sup>सङ्घं<sup>१</sup> सार्थं<sup>१</sup> तु देहिनाम् ॥४८॥  
 कुलं<sup>१</sup> तेषां सजातीनां त्रिकायं<sup>१</sup> सु सधर्मीयाम् ।  
 वर्गं<sup>१</sup> सु सहशां स्तन्वो<sup>१</sup> नरकुञ्जरवाजिनाम् ॥४९॥  
 ग्रामो<sup>१</sup> विषय-शब्दा-स्त्र-भूतेन्द्रिय-गुणाद्भजे<sup>१</sup> ।  
 समजं<sup>१</sup>सु पशूनां स्यात् समाजं<sup>१</sup>स्त्वन्वदेहिनाम् ॥५०॥  
 शुक्रादीनां गणो श्लोकं<sup>१</sup>-मायूरं<sup>१</sup>-तैत्तिरां<sup>१</sup>-दयः ।  
 भिक्षादे<sup>१</sup>भैक्षं<sup>१</sup>साहस्रं<sup>१</sup>-गार्भिणं<sup>१</sup>-यौवतां<sup>१</sup>-दयः ॥५१॥  
 गोवार्थप्रत्ययान्तानां स्युरौपगवकां<sup>१</sup>-दयः<sup>(२)</sup> ।  
 उच्चादे<sup>१</sup>रौक्षकं<sup>१</sup>मासुष्यकं<sup>१</sup>वाङ्कमौ<sup>१</sup>द्रुकम्<sup>१</sup> ॥५२॥  
 स्याद्राजपुत्रकं<sup>१</sup>राजन्यकं<sup>१</sup> राजकं<sup>१</sup> माजकम्<sup>१</sup> ।  
 वात्सकौ<sup>१</sup>रश्मकौ<sup>१</sup>कावचिकं<sup>१</sup> कवचिना मपि ॥५३॥  
 हासिकं<sup>१</sup> तु हस्तिनां स्यादापूपिकां<sup>१</sup>-द्वचेतसाम् ।  
 धेनूनां धेनुकं<sup>१</sup>धेन्वन्तानां<sup>(३)</sup> गौधेनुकां<sup>१</sup>-दयः ॥५४॥  
 कैदारकं<sup>१</sup>कैदारिकं<sup>१</sup>कैदार्यं<sup>१</sup>मपि तद्गणे ।  
 ब्राह्मणादि ब्राह्मण्यं<sup>१</sup>माणव्यं<sup>१</sup>वाडव्यं<sup>१</sup>मित्यपि ॥५५॥  
 गणिकानां तु गाणिक्यं<sup>१</sup> केशानां कश्यं<sup>१</sup>-कैशिके ।

(१) विषयपामः । शब्दपामः । अस्त्रपामः । रूतपामः ।  
 इन्द्रियपामः । गुणपामः ॥

(२) उपगोरपत्वानि औपगवाः तेषां इन्द्रम् औपगवकम् आदिनां  
 गाविकम् इत्यादयः ।

(३) धेनुशब्दोऽन्ते धेन्वन्ता स्तेषां गोशब्दः सामान्येन सौरभीपर्वायः  
 धेनुशब्दस्तु “धेनुस्तु नवसूतिका इत्युक्तत्वात्” नवसूतगोपर्वायः  
 अतः गोधेनूनां इन्द्रं सौधेनुकम् आदिना सौरभीधेनुकम् इत्यादि ।

अष्टानामाष्टमश्लयीं<sup>१</sup>पञ्चानां पाठः<sup>१</sup> मथय ॥५६॥  
 वातू<sup>१</sup>-वात्से वातानां गव्या<sup>१</sup>-गोत्रे पुनर्गवान् ।  
 पाश्या<sup>१</sup>(१)-खल्या<sup>१</sup>-दि पाशादेः खलादेः खलिनी<sup>१</sup>-निभाः ॥५७॥  
 जनता<sup>१</sup> बन्धुता<sup>१</sup> ग्रामता<sup>१</sup> गजता<sup>१</sup> सहायता<sup>१</sup> ।  
 जनादीनां रथानां तु स्याद्रथ्या<sup>१</sup>रथकथा<sup>१</sup>या<sup>१</sup>(२) ॥५८॥  
 राजिलेखा<sup>१</sup>तेति<sup>१</sup>वीथि<sup>१</sup>माता<sup>१</sup>खल्या<sup>१</sup>-वलि<sup>१</sup>-पङ्कयः<sup>१</sup> ।  
 धोरणी<sup>१</sup>श्रेण्यु<sup>१</sup>भौ<sup>१</sup>तु द्वौ<sup>१</sup>युगलं<sup>१</sup>द्वितयं<sup>१</sup>द्वयम्<sup>१</sup> ॥५९॥  
 युगं<sup>१</sup>द्वैतं<sup>१</sup>यमं<sup>१</sup>द्वन्द्वं<sup>१</sup>युग्मं<sup>१</sup>यमलं<sup>१</sup>-यामले<sup>१</sup> ।  
 पशुभ्यो<sup>१</sup>गोयुगं<sup>१</sup> युग्मे परं षट् त्वे तु षड्गवम्<sup>१</sup>(३) ॥६०॥  
 परःशताद्या<sup>१</sup>-सो येषां परा सङ्ख्या शतादिकात्<sup>१</sup>(४) ।  
 प्राज्यं<sup>१</sup>प्रभूतं<sup>१</sup>प्रचुरं<sup>१</sup>बहुलं<sup>१</sup>बहु<sup>१</sup>पुष्कलम्<sup>१</sup> ॥६१॥

(१) गव्या इति पाठः, गलो दृष्टत्काश्लेषां समूहः ।

(२) रथकथाया इति वा ।

(३) द्वित्वे गोयुगः । षट् त्वे षड्गवः । इति द्वे सूत्रे । गोयुग-  
 मिति अक्षरत्वयात्मकः प्रत्ययः पशुनामभ्यः परं अये युग्मे वाच्ये गो-  
 युगशब्दः प्रयुज्यते यथा गो गोयुगं गोशब्दस्योभयार्थत्वात् अत्रगोयुगम्  
 अत्रगोयुगं ह्यत्रगोयुगम् इत्यादि । एवं षट् त्वे वाच्ये षड्गवमित्य-  
 खण्डः प्रत्ययः गोषड्गवम् अत्रषड्गवं ह्यत्रषड्गवमित्यादि पूर्व-  
 वदित्येके ॥

(४) शतमादिर्यस्य तत् शतादिकं तस्मात् शतादिकात् । येषां  
 संख्येयानां गजादीनां शतात् परा ऊर्ध्वं संख्या ते परः शताः आदिना  
 परः सङ्ख्याः परो लक्ष्याः इत्यादि, परः शतादिरिति सूत्रेण षड्गो-  
 तत्पुत्रसमासे साधवः परशब्दस्य पूर्वनिपातः सकारागमस्य निपा-  
 तनात् परशब्देन समासाधीः परम् शब्दः सकारालोपस्योत्पत्त्ये ॥



भूयिष्ठं<sup>०</sup> पुरहं<sup>८</sup> भूयो<sup>८</sup> भूर्यो<sup>१०</sup> दम्भं<sup>११</sup> पुरहं<sup>१२</sup> सिद्धरम्<sup>१२</sup> ।  
 शोकां<sup>१</sup> बुद्धं<sup>२</sup> तुच्छं<sup>३</sup> मत्स्यं<sup>४</sup> दम्भा<sup>५</sup>-तु<sup>६</sup> तलिनानि<sup>०</sup> च ॥६२॥  
 तसु<sup>०</sup> बुद्धं<sup>८</sup> कथं<sup>९</sup> सूक्ष्मं<sup>१०</sup> पुनः<sup>११</sup> स्रष्ट्यां<sup>१२</sup> च पेलवम्<sup>१३</sup> ।  
 त्रुटौ<sup>१४</sup> मान्ना<sup>१५</sup> तवो<sup>१६</sup> लेशः<sup>१७</sup> कणो<sup>१८</sup> ह्रस्वं<sup>१९</sup> पुनर्लघु<sup>२०</sup> ॥६३॥  
 अत्यल्पे<sup>१</sup> लिपि<sup>२</sup> मत्पीय<sup>३</sup> कनीयो<sup>४</sup> (२) ऽयोय<sup>५</sup> इत्यपि ।  
 दीर्घा<sup>६</sup> यते<sup>७</sup> समे तुङ्गा<sup>८</sup> सुच्च<sup>९</sup> मुञ्चत<sup>१०</sup> मुद्गरम्<sup>११</sup> ॥६४॥  
 प्रांशु<sup>१२</sup> क्छित<sup>१३</sup> सुदग्रं<sup>१४</sup> च न्यग्<sup>१५</sup> नीचं<sup>१६</sup> ह्रस्वं<sup>१७</sup>-मन्थरे<sup>१८</sup> ।  
 खर्वं<sup>१९</sup> कुब्जं<sup>२०</sup> वामनं<sup>२१</sup> च विशालं<sup>२२</sup> तु विसङ्कटम्<sup>२३</sup> ॥६५॥  
 पृथु<sup>२४</sup> र्थं<sup>२५</sup> पृथुलं<sup>२६</sup> व्यूढं<sup>२७</sup> विकटं<sup>२८</sup> विपुलं<sup>२९</sup> ट्टहत्<sup>३०</sup> ।  
 स्फारं<sup>३१</sup> वरिष्ठं<sup>३२</sup> विसीर्यं<sup>३३</sup> ततं<sup>३४</sup> बद्धं<sup>३५</sup> महद्<sup>३६</sup> एरु<sup>३७</sup> ॥६६॥  
 दैर्घ्यं<sup>३८</sup> मायाम<sup>३९</sup> आनाह<sup>४०</sup> आरोहं<sup>४१</sup> सु समुच्छ्रयः<sup>४२</sup> ।  
 उत्सेध<sup>४३</sup> उदयो<sup>४४</sup> क्छायौ<sup>४५</sup> परिणाहो<sup>४६</sup> विशालता<sup>४७</sup> ॥६७॥  
 प्रपञ्चा<sup>४८</sup>-भोगे<sup>४९</sup>-विस्तार<sup>५०</sup>-व्यासाः<sup>५१</sup> शब्दे स विस्तरः<sup>५२</sup> ।  
 समासं<sup>५३</sup> समाहारः<sup>५४</sup> सङ्क्षेपः<sup>५५</sup> संग्रहो<sup>५६</sup> ऽपि च ॥६८॥  
 सर्वं<sup>५७</sup> समस्त<sup>५८</sup> मन्यूनं<sup>५९</sup> समग्रं<sup>६०</sup> सकलं<sup>६१</sup> समम्<sup>६२</sup> ।  
 विश्वा<sup>६३</sup>-शेषा<sup>६४</sup>-खण्ड<sup>६५</sup>-कृत<sup>६६</sup>-न्यचायि<sup>६७</sup> निखिला<sup>६८</sup>-  
 खिले<sup>६९</sup> ॥७१॥

खण्डे<sup>१</sup> शकले<sup>२</sup> भित्तं<sup>३</sup> नेम<sup>४</sup>-शल्क<sup>५</sup>-दलानि<sup>६</sup> च ।  
 अंशो<sup>७</sup> भागेषु<sup>८</sup> वण्टः<sup>९</sup> स्यात् पादं<sup>१०</sup> सु स तुरीयकः<sup>११</sup> ॥७०॥  
 मलिनं<sup>१२</sup> कच्चरं<sup>१३</sup> क्लानं<sup>१४</sup> कश्मलं<sup>१५</sup> च मलीमसम्<sup>१६</sup> ।  
 पवित्रं<sup>१७</sup> पावनं<sup>१८</sup> पूतं<sup>१९</sup> पुण्यं<sup>२०</sup> मेध्यं<sup>२१</sup> मथोज्ज्वलम्<sup>२२</sup> ॥७१॥

(१) त्रुटावित्थपि पाठः ॥ (२) कनिष्ठ इति वा ॥

विमलं विशदं वीथं मवहात<sup>५</sup> मनाविलम्<sup>६</sup> ।  
 विशुद्धं शुचिं चोक्तं तु निःशोध्यं मनवस्कारम्<sup>७</sup> ॥७२॥  
 निर्यक्तं शोधितं कष्टं धौतं चालितं मित्यपि ।  
 समुखीनामभिसुखं पराचीनां पराङ्मुखम्<sup>८</sup> ॥७३॥

सुख्यं प्रकष्टं प्रसुखं प्रवर्द्धं<sup>९</sup>  
 वर्द्धं<sup>५</sup> वरेण्यं<sup>६</sup> प्रवरं<sup>७</sup> पुरोगम्<sup>८</sup> ।  
 अनुत्तरं<sup>९</sup> प्राग्रहरं<sup>१०</sup> प्रवेकं<sup>११</sup> ॥  
 प्रधानं<sup>१२</sup> मग्रेसरं<sup>१३</sup> सुत्तमां<sup>१४</sup> ग्रे<sup>१५</sup> ॥७४॥

ग्रामख्यं<sup>१६</sup>-ग्रयं<sup>१७</sup>-ग्रिमं<sup>१८</sup> जात्यां<sup>१९</sup>  
 ग्रेयं<sup>२०</sup> सुत्तमान्यं<sup>२१</sup> नवराज्यं<sup>२२</sup>-वरे<sup>२३</sup> ।  
 प्रष्टं<sup>२४</sup>(१)-पराङ्गं<sup>२५</sup>-परागि<sup>२६</sup> अथसि<sup>२७</sup>  
 तु अष्टं<sup>२८</sup>-मत्तमे<sup>२९</sup> पुष्कलं<sup>३०</sup>-वत्<sup>३१</sup> ॥७५॥

स्युत्तरपदे व्याघ्रं-पुङ्गव-घ्नं-कुञ्जराः<sup>३२</sup> ।  
 सिंहं<sup>३३</sup>-शार्दूलं<sup>३४</sup>-नागां<sup>३५</sup>-द्या क्लृजं<sup>३६</sup> च मतल्लिका<sup>३७</sup> ॥७६॥  
 मर्चिकां<sup>३८</sup> प्रकाण्डो<sup>३९</sup>-हौ<sup>४०</sup> प्रशस्यार्थ-प्रकाशकाः ।  
 गुणीपा-सर्जनो<sup>४१</sup>-पात्राख्यं<sup>४२</sup>(३) प्रधानं<sup>४३</sup>ऽधमं पुनः ॥७७॥  
 निवृत्तं<sup>४४</sup> मणकं<sup>४५</sup> गच्छं<sup>४६</sup> मवद्यं<sup>४७</sup> काण्डं<sup>४८</sup>-कुत्सितं<sup>४९</sup> ।

(१) -प्रष्ट इति वा ॥

(२) पुरुषो व्याघ्र इव पुरुष व्याघ्रः इत्यादिषु उपनेयं व्याघ्रैरिति  
 शंभः । अथसासौ कुञ्जरश्च अथ कुञ्जरः गौ सासौ नागश्च गो  
 नागः ॥

(३) उपायग्राहीति वा ॥

अपकृष्टं प्रतिर्कृष्टं याप्यं रेफोः स्वमं ब्रुवन् ॥ ७८ ॥  
 खेटं पापं मपशदं कुपुयं चेत्यं मर्त्यं च ।  
 तदासेचनकं यत् दर्शनादग्न हृष्यति ॥ ७९ ॥

चारुं चारिं रुचिरं मनोहरं  
 वरुणं कान्तं मभिरामं बन्धुरं ।  
 वामं रुध्यां सुप्रमाणां शोभनं

मञ्जुं मञ्जुलां मनोरमाणां च ॥ ८० ॥

साधुं रम्यं मनोज्ञानिं पेशलं हृद्यं सुन्दरं ।  
 कास्यं कम्प्यं कमनीयं सौम्यं मधुरं प्रियम् ॥ ८१ ॥  
 व्युष्टिः फलं मसारं तु फलुं मूल्यं तु रिक्तकम् ।

शुन्यं तुच्छं वशिकं च निविडं तु निरन्तरम् ॥ ८२ ॥  
 निविरीसं घनं सारुं नीरन्ध्रं बहलं हृदम् ।

गाडं मविरलं चाथ विरलं तसुं पेलवम् ॥ ८३ ॥

नवं नवीनं सद्यस्कं प्रत्यग्रं गूढं नूतनं ।

मय्यं चाभिनवे जीर्णं पुरातनं चिरन्तनम् ॥ ८४ ॥

पुराणं प्रतनं प्रलंजरं भूर्त्तं तु मूर्त्तमत् ।

-उच्चावचं नैकभेदे मतिरिक्तां धिके सने ॥ ८५ ॥

पार्श्वं समीपं सविधं ससीमां

भ्याशं सवेशां न्तिकं सन्धिकर्षां ।

क्षदेशं मभ्यग्रां सनीडं सन्नि-

धानां न्युपान्तं निकटोपकण्ठं ॥ ८६ ॥

सन्निहृष्टा<sup>१</sup>-समर्थ्यादा<sup>१</sup>-भ्यर्णान्या<sup>१</sup>-सन्ना<sup>१</sup>-खन्निधी<sup>१</sup> ।  
 अव्यवहितेऽनन्तरं संसक्तं मपदान्तरम्<sup>१</sup> ॥८७॥  
 नेदिष्ठमन्तिकतमे विप्रकृष्टा पद पुनः ।  
 दूरेऽतिदूरेऽदविष्ठं दवीयोऽथ सनातनम् ॥८८॥  
 शाश्वतार-नश्वरेऽनित्यं भ्रुवं स्थैर्यस्वतिस्थिरम् ।  
 स्थावुरं स्थेष्ठं तत् कूटस्थं कालव्यापेकरूपतः ॥८९॥  
 स्थावरं तु जङ्गमान्य-ज्जङ्गमं तु वसं चरम् ।  
 चराचरं जगद्दिङ्गं चरिष्णुं चाय चञ्चलम् ॥९०॥  
 तरलं कम्पनं कम्पं परिश्रव-चलाचले ।  
 चटुलं चपलं लोलं चलं पारिश्रवा-स्थिरे ॥९१॥  
 ऋजावजिह्वार-प्रगुणारववाग्रेऽवनतार-नते ।  
 कुञ्चितं नतमा विङ्गं कुटिलं वक्र-वेल्लिते ॥९२॥  
 टजिनं भङ्गुरं भुग्नं मरालं जिह्वा<sup>१</sup>मूर्च्छिमत्<sup>१</sup> ।  
 अनुगेऽनुपदार-न्वला<sup>१</sup>(२)-न्वष्ट्रे<sup>१</sup>काक्षीक<sup>१</sup> एककः<sup>१</sup> ॥९३॥  
 एकाक्षाना-यन-सर्गा-ग्राह्यै काग्रं च तद्गतम् ।  
 (२) अनन्यदृष्ट्ये कायनगतं चाथाद्यमादिमम् ॥९४॥  
 पौरुष्यं प्रथमं पूर्वमादि रथं मथान्तिमम् ।  
 जघन्मन्त्यं चरमं मन्तः पाञ्चाल्य-पञ्चिमे ॥९५॥  
 मध्यमं माध्यमं मध्यमीयं माध्यन्दिनं च तत् ।  
 शंभन्तरं मन्तरानं विचाले मध्यं मन्तरे ॥९६॥

(१) अपदान्तरमित्यपि दृश्यते ॥ (२) अन्वग्वन्वची अन्वञ्चि ॥

(३) एकतानम् १ एकायनम् २ एकसर्गः ३ एकाक्षम् ४ ॥

तुल्यः<sup>१</sup> समानः<sup>२</sup> सदृशः<sup>३</sup> सरूपः<sup>४</sup> सदृशः<sup>५</sup> समः<sup>६</sup> ।  
 साधारण<sup>७</sup>-सधर्माणौ<sup>८</sup> सवर्णः<sup>९</sup> सन्निभः<sup>१०</sup> सदृक्<sup>११</sup> ॥६७॥ •  
 स्युश्चत्तरपदे प्रत्ययः<sup>१</sup> प्रकारः<sup>२</sup> प्रतिभो<sup>३</sup> निभः<sup>४</sup> ।  
 भूत<sup>५</sup>-रूपो<sup>६</sup>-पमाः<sup>७</sup> काशः<sup>८</sup> रुं-नी<sup>९</sup>-प्र<sup>१०</sup>-प्रति<sup>११</sup>-तः-  
 परः<sup>(१)</sup> ॥६८॥

औपत्यमनुकारोऽनुहारः<sup>१</sup> सास्यं<sup>२</sup> तुल्यो<sup>३</sup> पमा<sup>४</sup> ।  
 कक्षो<sup>५</sup> पमान<sup>६</sup> मर्ची<sup>७</sup> तु प्रते मी<sup>८</sup> यातना<sup>९</sup> नेधिः<sup>१०</sup> ॥६९॥  
 छाया<sup>१</sup> छन्दः<sup>२</sup> कायो<sup>३</sup> रूपं<sup>४</sup> विस्वं<sup>५</sup> मान<sup>६</sup> -जती<sup>७</sup> अपि ।  
 सूमी<sup>१</sup> स्थूणा<sup>२</sup> स्यः<sup>३</sup> प्रतिमा<sup>४</sup> हरिणी<sup>५</sup> स्याद्विरसमयी ॥१००॥  
 प्रतिशु<sup>१</sup> वी<sup>२</sup> तु विलोम<sup>३</sup> मपसव्य<sup>४</sup> मपष्टुरम्<sup>५</sup> ।  
 वामं<sup>१</sup> प्रसव्यं<sup>२</sup> प्रतीपं<sup>३</sup> प्रतिलोम<sup>४</sup> मपष्टु<sup>५</sup> च ॥१०१॥  
 वामं<sup>१</sup> शरीरे ऽङ्गं सव्यं<sup>२</sup> मपसव्यं<sup>३</sup> तु दक्षिणम्<sup>४</sup> ।  
 अवाधो<sup>१</sup> स्फुटलो<sup>२</sup> हामान्य<sup>३</sup> यन्वित<sup>४</sup> मनर्गलम्<sup>५</sup> ॥१०२॥  
 निरङ्कुशे<sup>१</sup> स्फुटे<sup>२</sup> स्पष्टे<sup>३</sup> प्रकाशे<sup>४</sup> प्रकटो<sup>५</sup> ऽख्यो<sup>६</sup> ।  
 व्यक्तं<sup>१</sup> वस्तु<sup>२</sup> लं<sup>३</sup> तु दृशं<sup>४</sup> निरुक्तं<sup>५</sup> परिमण्डलम्<sup>६</sup> ॥१०३॥  
 बन्धुरं<sup>१</sup> तुल्यताजतं<sup>२</sup> स्पष्टं<sup>३</sup> विषमोन्मत्तम्<sup>४</sup> ॥

(१) सङ्काशः १ नीकाशः २ प्रकाशः ३ प्रतिकाशः ४ घञ्जुपसर्गः  
 स्थिति दीर्घः प्रतीकाश इत्यपि ॥

(२) प्रतेः प्रति उपसर्गात्परे मा-प्रकृतयः कतिपयैर्लौदशशब्दा  
 योज्यन्ते यथा । प्रतिमा १ प्रतियातना २ प्रतिनिधिः ३ प्रतिछाया ४  
 प्रतिछन्दः ५ प्रतिकायः ६ प्रतिरूपं ७ प्रतिविस्वं ८ प्रतिमानं ९ प्रतिः  
 कतिः १० ॥

अन्ये दन्त्यतरं द्विजं ब्रह्मे कर्मि तत् ॥१०४॥  
 करस्वः कवरो मिथः समृक्तः खचितः समाः ।  
 विविधं बद्धविधो नानारूपः पृथग्विधः ॥१०५॥  
 स्वरितं सत्वरं तूर्यं शीघ्रं क्षिप्रं द्रुतं लघुं ।  
 अपलाऽविलम्बिते च भ्रम्याऽसम्पातपाटवम् ॥१०६॥  
 अनारतं त्वविरतं संसक्तं सततां निश्रेयं ।  
 नित्या-नवरता-च स्या-सक्ता-अन्नानि-सन्ततम् ॥१०७॥  
 साधारण्यं तु सामान्यं दृढसन्धिं तु संघतम् ।  
 कलिलं गहने सङ्कीर्णं तु सङ्कुलं माधुल्यम् ॥१०८॥  
 क्रीर्यं माकीर्यं च पुर्यं त्वाचितं क्लृप्तं-पूरितं ।  
 भरितं निचितं व्याप्तं प्रत्याख्याते निराकृतम् ॥१०९॥  
 प्रत्यादिष्टं प्रतिक्षिप्तं मपविद्धं निरस्तं-वत् ॥  
 परिक्षिप्तं वल्लयितं निवृत्तं परिवेष्टितम् ॥११०॥  
 परिष्कृतं परीतं च त्यक्तं तूत्सृष्टं सुज्झितम् ।  
 धूतं ह्रीनं विधूतं च विघ्नं विज्ञं विचारितं ॥१११॥  
 अवकीर्यं त्ववध्वस्तं सम्वीते रङ्गं माहृतम् ।  
 संवृतं पिहितं क्लृप्तं प्लुगितं चापवारितम् ॥११२॥  
 घन्नाङ्कितं तिरोहितं मन्तङ्कितं स्वपवारणम् ।  
 छदनं व्यवधानं-सन्तङ्कितं-पिधानं-स्यदनानि च ॥११३॥  
 व्यवधानं तिरोधानं दर्शितं तु प्रकाशितम् ।

(१) उच्चाधीचैः प्रतनस्य ॥ (२) स्थगनानि च इत्यनि ॥

आविष्कृतं प्रकृतितं सुचण्डं त्वविलम्बितम् ॥११४॥  
 अनादृतं मवात् ज्ञातं मानितं गणितं मतम् ।  
 (१) रीढा-ऽवज्ञा-ऽवहेला-ऽन्यसूक्ष्मं चाप्यनादरे ॥११५॥  
 उन्मूलितं भावार्हतं स्यादुत्पाटितं सुवृत्तम् ।  
 प्रेङ्खोलितं तरलितं लुलितं प्रेङ्खितं धृतम् ॥११६॥  
 चलितं कम्पितं धूतं वेङ्गिता-न्दोलिते अपि ।  
 दोलाप्रेङ्खोलनं प्रेङ्कारेफाण्डं कृतमयत्नतः ॥११७॥  
 अधःक्षिप्तं न्यञ्चितं स्याद्दूर्द्ध्वक्षिप्तं सुदञ्चितम् ।  
 सुन्न-सुन्ना-स्त-निष्पूतान्या विङ्ग-क्षिप्त-मीरितम् ॥११८॥  
 समे दिग्ध-लिप्ते रण्ये-भुग्ने कृषित-गुण्डिते ।  
 गूढं गुप्ते च सुषित-मूषिते गुणित-हृते ॥११९॥  
 स्यान्निशातं शीतं श्रातं निशितं तेजितं च्युतम् ।  
 वृते तु वृत्ते-व्यावृत्तौ-क्षीत-क्षीणौ तु लज्जिते ॥१२०॥  
 सङ्गूढः स्यात् सङ्गलिते संयोजिते उपाहिते ।  
 पक्केपरिणतं पाके क्षीरा-ज्य-हविषां शृतम् ॥१२१॥  
 निष्पन्नं कथिते ऋष्ट-प्रुष्टे-दग्धे-धनाः समाः ।  
 तनूकते त्वष्टे-तष्टौ विङ्गे छिट्रिते-वेधितौ ॥१२२॥  
 सिङ्गे निर्दन्ते-निष्पन्नी-विलीने-द्रुते-विद्रुतौ ।  
 उतं प्रोते स्यूतं मूते सुतं च तन्तुसन्तते ॥१२३॥  
 पाटितं दारितं भिन्ने विदरः स्फुटनं भिदरः ।

अङ्गीकृतं प्रतिज्ञातं मूरीकतो-ररीकते<sup>(१)</sup> ॥१२४॥  
 संश्रुतं मध्युपगतं मुररीकतं माश्रुतम् ।  
 षड्दीर्घं प्रतिश्रुतं च छिन्ने लूनं छितं दितम् ॥१२५॥  
 हेदितं खण्डितं उक्त्वा क्तं प्राप्तं तु भावितम् ।  
 लब्धमासादितं भूतं पतितं गकितं श्रुतम् ॥१२६॥  
 सखं भष्टं स्तन्नं पन्ने संश्रितं तु सुनिश्चितम् ।  
 दगितं मार्गिता-न्विष्टा-न्वेषितानि गवेषिते ॥१२७॥  
 तिमिते क्षमिते-क्लिन्न-सीद्रा-द्रौ-न्ना-ससुन्न-वत् ।  
 प्रस्थापितं प्रतिश्रिष्टं प्रहितं-प्रेषितं अपि ॥१२८॥  
 श्रुते प्रतीते-प्रज्ञात-वित्त-प्रथित-विश्रुता ॥१२९॥  
 श्लेषन्तापितो दूनो धूपायितं च धूपितः ॥१३०॥  
 गिने स्त्यानमुपनतं स्तूपसन्ने उपस्थितः ।  
 नर्वातं सु गते वाते निर्वाणः पावकादिषु<sup>(२)</sup> ॥१३०॥  
 उड्डं मेधितं प्रौढं विष्मृता-न्तर्गते समे ।  
 द्वान्तं मुद्रते गूनं हन्ने मीढं<sup>(३)</sup> तु मूत्रिते ॥१३१॥  
 वेदितं बुधितं बुद्धं ज्ञातं सित-गते अवात्<sup>(४)</sup> ।  
 नितं प्रतिपन्नं च रयन्नेरीणं श्रुतं श्रुतम्<sup>(५)</sup> ॥१३२॥

(१) ऊररीकते इति वा ॥

(२) पावकोऽग्निः निर्वाणो विध्यते इत्यर्थः आदिना निर्वाणो निः निर्वाणं मुक्तिः ॥

(३) पुरीषोत्तमस्य ॥

(४) अवसितम् १ अवगतम् २ ॥

(५) श्रुतं श्रुतमिति वा ॥



युप्त<sup>१</sup>-गोपायित<sup>२</sup> त्वाता<sup>३</sup>-वित<sup>४</sup> त्वाणानि<sup>५</sup> रश्चिते<sup>६</sup> ।  
 कर्म<sup>१</sup> क्रिया<sup>२</sup> विधा<sup>३</sup> हेतु<sup>४</sup> न्युन्या त्वास्या विलक्षणम्<sup>५</sup> ॥१२३॥  
 कार्त्तव्यं<sup>१</sup> मूलक<sup>२</sup> र्थ सञ्जनं<sup>३</sup> वशक्रिया<sup>४</sup> ।  
 प्रतिबन्धे<sup>१</sup> प्रतिष्ठन्<sup>२</sup> स्यादास्या<sup>३</sup> ऽस्या<sup>४</sup> ऽसना<sup>५</sup> स्थितिः<sup>६</sup> ॥१२४॥  
 परस्परं<sup>१</sup> स्यादन्योन्ये<sup>२</sup> मितरेतरं<sup>३</sup> मित्यपि ।  
 आवेशा<sup>१</sup>-टोपौ<sup>२</sup> संरम्भो<sup>३</sup> निवेशो<sup>४</sup> रचना<sup>५</sup> स्थितौ<sup>६</sup> ॥१२५॥  
 निर्वन्धो<sup>१</sup> ऽभिनिवेशः<sup>२</sup> स्यात् प्रवेशो<sup>३</sup> ऽन्तर्निगाहनम्<sup>४</sup> ।  
 गतौ<sup>१</sup> वीङ्गारे<sup>२</sup>-विहारे<sup>३</sup>-र्या<sup>४</sup>-परिसर्प<sup>५</sup>-परिक्रमाः<sup>६</sup> ॥१२६॥  
 वज्या<sup>१</sup> ऽटाद्या<sup>२</sup> पर्यटनं<sup>३</sup> चर्या<sup>४</sup> लीर्यापथस्थितिः<sup>५</sup> ।  
 व्यत्यास<sup>१</sup> सु विपर्यासो<sup>२</sup> वैपरीत्यं<sup>३</sup> विपर्ययः<sup>४</sup> ॥१२७॥  
 व्यत्यये<sup>१</sup> ऽथ स्नाति<sup>२</sup> ढङ्गौ<sup>३</sup> ग्रीणने<sup>४</sup> ऽवने<sup>५</sup> तर्पणे<sup>६</sup> ।  
 परित्राणं<sup>१</sup> तु पर्याप्ति<sup>२</sup> ष्टसधारणं<sup>३</sup> मित्यपि ॥१२८॥  
 प्रणतिः<sup>१</sup> प्रणिपातो<sup>२</sup> ऽनुनये<sup>३</sup> ऽथ शयने क्रमात्<sup>४</sup> (१) ।  
 विश्राय<sup>१</sup> उपश्राय<sup>२</sup> च पर्यायो<sup>३</sup> ऽनुक्रमः<sup>४</sup> क्रमः<sup>५</sup> ॥१२९॥  
 परिपाद्या<sup>१</sup> सुपृथ्वी<sup>२</sup> ष्ट<sup>३</sup> दतिपात<sup>४</sup> स्वतिक्रमः<sup>५</sup> ।  
 उपात्ययः<sup>१</sup> पर्यय<sup>२</sup> च समौ सस्वाध<sup>३</sup>-सङ्कटौ<sup>४</sup> ॥१३०॥  
 कामं<sup>१</sup> प्रकामं<sup>२</sup> पर्याप्तं<sup>३</sup> निकामे<sup>४</sup>-ष्ट<sup>५</sup> यथेष्टिते<sup>६</sup> ।  
 अत्यथे<sup>१</sup> गाढं<sup>२</sup> मुद्गाढं<sup>३</sup> वाढं<sup>४</sup> तीव्रं<sup>५</sup> भ्रशं<sup>६</sup> ष्टम्<sup>७</sup> ॥१३१॥  
 अतियात्रा<sup>१</sup>-तिमर्याद<sup>२</sup>-नितान्तोत्<sup>३</sup> कर्ष<sup>४</sup>-निर्भंदाः<sup>५</sup> ।  
 भरे<sup>१</sup>-कान्ता<sup>२</sup>-तिवेला<sup>३</sup>-तिशया<sup>४</sup> जृम्भा<sup>५</sup> तु जृम्भणम्<sup>६</sup> ॥१३२॥  
 सालिङ्गनं<sup>१</sup> परिषष्वङ्गः<sup>२</sup> संश्लेष<sup>३</sup> उपगूहनम्<sup>४</sup> ।

अङ्कपाली<sup>१</sup>परीरम्भः<sup>१</sup>क्रोडीकृति<sup>०</sup> रथोत्सवे<sup>१</sup> ॥१४२॥  
 मङ्गः<sup>२</sup> क्षणो<sup>१</sup>-इवो<sup>१</sup>-इर्षा<sup>१</sup> मेलके<sup>१</sup> सङ्ग<sup>२</sup> सङ्गमौ<sup>२</sup> ।  
 अशुप्रज्ञो<sup>१</sup>ऽव्युपपत्तिः<sup>२</sup>समौ नियोध<sup>१</sup>निग्रहो<sup>२</sup> ॥१४३॥  
 विद्वे<sup>१</sup>ऽन्तराय<sup>१</sup>-प्रत्यूह<sup>१</sup>-व्यवाया<sup>१</sup> समये<sup>१</sup> क्षणः<sup>२</sup> ।  
 वेला<sup>१</sup>-वारा<sup>१</sup>ववसरः<sup>२</sup>प्रस्तावः<sup>१</sup> प्रक्रमो<sup>०</sup>ऽन्तरम्<sup>०</sup> ॥१४५॥  
 अभ्यादानं<sup>१</sup> सुपोहाते<sup>१</sup> आरम्भः<sup>२</sup>-प्रोप-तः<sup>१</sup>क्रमः<sup>५(१)</sup> ।  
 प्रत्युत्क्रमः<sup>१</sup>प्रयोगः<sup>२</sup>स्यादारोहणं<sup>१</sup> त्वभिक्रमः<sup>२</sup> ॥१४६॥  
 आक्रमे<sup>१</sup>ऽधिक्रमे<sup>१</sup>क्रान्ती<sup>१</sup>व्युत्क्रम<sup>१</sup>सूत्क्रमो<sup>२</sup>ऽक्रमः<sup>२</sup> ।  
 विप्रलम्भो<sup>१</sup>विप्रयोगो<sup>२</sup>वियोगो<sup>२</sup>विरहः<sup>१</sup> समाः ॥१४७॥  
 अभा<sup>१</sup>राढा<sup>१</sup>विभूषा<sup>१</sup>त्री<sup>१</sup>रभिष्या<sup>१</sup>-कान्ति<sup>१</sup>-विश्वमाः<sup>०</sup> ।  
 लक्ष्मी<sup>०</sup>च्छाया<sup>०</sup>च शोभायां<sup>०</sup>सुप्रमा<sup>१</sup>सातिशायिनी ॥१४८॥  
 संतवः<sup>१</sup> स्यात् परिचय<sup>१</sup> आकार<sup>१</sup>स्त्रिङ्ग<sup>१</sup>रङ्गितम्<sup>२</sup> ।  
 निमित्ते<sup>१</sup>कारणं<sup>२</sup>हेतु<sup>१</sup>बीजं<sup>१</sup>योनि<sup>१</sup>निबन्धनम्<sup>१</sup> ॥१४९॥  
 निदानं<sup>०</sup>मघ कार्यं<sup>१</sup> स्यादर्थ<sup>१</sup> कृत्यं<sup>१</sup> प्रयोजनम्<sup>१</sup> ।  
 निष्ठा<sup>१</sup>निर्वहणो<sup>१</sup>तुल्ये प्रवहो<sup>१</sup> गमनं बहिः ॥१५०॥  
 जातिः<sup>१</sup> सामान्यं<sup>२</sup> व्यक्ति<sup>१</sup>सु विशेषः<sup>२</sup> पृथगात्मिका<sup>१</sup> ।  
 तिर्यक्<sup>१</sup>साधिः<sup>२</sup>संहर्ष<sup>१</sup>सु स्पृही<sup>१</sup>द्रोह<sup>१</sup> स्वपक्रिया<sup>२</sup> ॥१५१॥  
 बन्धे<sup>१</sup>मोषा<sup>१</sup>-फल<sup>१</sup>-सुधा<sup>१</sup> अन्तर्ग<sup>१</sup>बु<sup>१</sup> निरर्थकम्<sup>२</sup> ।  
 संस्थानं<sup>१</sup> सन्निवेशः<sup>२</sup> स्यादर्थस्यापगमे व्ययः<sup>१</sup> ॥१५२॥  
 सम्पूर्णं<sup>१</sup> त्वभिव्याप्ति<sup>१</sup> भ्रंषो<sup>१</sup> भ्रंशो यथोचितात्<sup>१</sup> ।  
 अभावो<sup>१</sup>नाशो<sup>१</sup>संक्राम<sup>१</sup>-संक्रमौ<sup>२</sup> दुर्गसञ्चरे<sup>२</sup> ॥१५३॥

(१) कर्मारम्भे आद्यव्यापारस्य प्रक्रमः १ उपक्रमः २ ॥

नीवाक'सु प्रवामः<sup>२(१)</sup> स्याद्वेशा' प्रतिजागरः २ ।  
 समौ विश्वम्<sup>१</sup>-विंश्रामौ<sup>२</sup> परिणाम'सु विक्रिया<sup>२</sup> ॥१५४॥  
 चक्रावर्त्तो'भ्रमो<sup>२</sup> म्नाम्नि<sup>२</sup> र्भमि<sup>४</sup> चूर्णि<sup>४</sup> च घूर्णने<sup>४</sup> ।  
 विप्रलम्भो<sup>१</sup> विसम्बादो<sup>२</sup> विलम्भ<sup>१</sup> स्वतिसर्जनम्<sup>२</sup> ॥१५५॥  
 उपलम्भ<sup>१</sup> स्वतुभवः<sup>२</sup> प्रतिलम्भ<sup>१</sup>सु लम्भनम्<sup>२</sup> ।  
 नियोगो'विधि<sup>२</sup>-सम्प्रैपो<sup>२</sup> विनियोगो<sup>१</sup>ऽर्पणं फले ॥१५६॥  
 लवो<sup>१</sup> ऽभिलावो<sup>२</sup> लवनं<sup>२</sup> निष्पावः<sup>१</sup> पवनं<sup>२</sup> पवः<sup>२</sup> ।  
 निष्ठीव<sup>१</sup>-ष्ठीवन<sup>२(२)</sup> श्युत<sup>२</sup>-ष्ठीवनानि<sup>४</sup> तु धूरुतते<sup>४</sup> ॥१५७॥  
 निवृत्तिः<sup>१</sup> स्यादुपरमो<sup>२</sup> व्य<sup>२</sup>-वो-पा<sup>४</sup>-व्यः<sup>४</sup> पराः<sup>४</sup> रतिः<sup>(३)</sup> ।  
 विधूननं<sup>१</sup> विधुवनं<sup>२</sup> रिङ्गणं<sup>१</sup> स्वजनं<sup>२</sup> समे ॥१५८॥  
 रक्ष्य<sup>१</sup>-स्त्रायो<sup>२</sup> ग्रहो<sup>१</sup> ग्राहे<sup>२</sup> व्यधो<sup>१</sup> वेधे<sup>२</sup> क्षये<sup>१</sup> क्षिया<sup>२</sup> ।  
 स्फुरणं<sup>१</sup> स्फुरणो<sup>२</sup> ज्यानि<sup>१</sup>-जीर्ण<sup>२</sup> वथ वरो<sup>१</sup> वृत्तौ<sup>२</sup> ॥१५९॥  
 समुच्चयः<sup>१</sup> समाहारो<sup>२</sup> ऽपहारा<sup>१</sup>-पचयौ<sup>२</sup> ममौ ।  
 प्रत्याहार<sup>१</sup> उपादानं<sup>२</sup> बुद्धिशक्ति सु निःक्रमः<sup>१</sup> ॥१६०॥  
 इत्यादपः क्रियाशब्दा लक्ष्या धातुषु लक्षणम् ।  
 अथा ऽव्ययानि वक्ष्यन्ते स्वः<sup>१</sup> स्वर्गे भू<sup>१</sup> रसातले ॥१६१॥  
 भुवो<sup>१</sup> विहायसा<sup>२</sup> व्योम्नि द्यावाभूम्यो सु रोदसी<sup>१</sup> ।  
 उपरिष्ठा<sup>१</sup> दुपय्यू<sup>१</sup> ङ्ङो<sup>२</sup> स्यादधस्ता<sup>१</sup> दधो<sup>२</sup> ऽप्य वाक्<sup>(४)</sup> ॥१६२॥

(१) त्वं वा घृताऽन्यनाधिकस्य ॥

(२) निष्टेव ष्ठीवनानि इति वा ॥

(३) विरतिः १ अवरतिः २ उपरतिः ३ आरतिः ४ ॥

(४) अवाक् उवाची अवाङ्मि, चालः क्षीयः ॥

वर्जने त्वन्तरेणान्तैर्हिरण्यं नागां पृथग्<sup>५</sup> विनारं ।  
 म्नाकं सत्रासमं सार्द्धं ममाः सहैकतं त्वत्समं ॥१६२॥  
 भवत्केसु<sup>५</sup> च किं<sup>५</sup> तुल्याः प्रेत्याः सुवरे भवान्तरे ।  
 तूष्णीं<sup>१</sup> तूष्णीकान्<sup>२</sup> जीषं<sup>३</sup> च मौने दिव्या<sup>४</sup> तु सस्यदे ॥१६४॥  
 परितः<sup>१</sup> सर्वतो<sup>२</sup> विष्वक्<sup>३</sup> समन्ता<sup>४</sup> च समन्ततः<sup>५</sup> ।  
 पुरः<sup>१</sup> पुरस्तात्<sup>२</sup> पुरतो<sup>३</sup>ऽग्रतः<sup>४</sup> प्रायं<sup>५</sup>सु भूमनि ॥१६५॥  
 साम्प्रतं<sup>१</sup> मधुने<sup>२</sup> दानीं<sup>३</sup> सम्प्रत्ये<sup>४</sup> तर्ह्यथा<sup>५</sup> पञ्चषा<sup>६</sup> ।  
 द्राक्<sup>१</sup> स्या<sup>२</sup> गरं<sup>३</sup> भटित्या<sup>४</sup> शु<sup>५</sup> मङ्क्ष्व<sup>६</sup> ङ्गाय<sup>७</sup> च सत्वरम् ॥१६६॥  
 सदा<sup>१</sup> सना<sup>२</sup>ऽनिशं<sup>३</sup> शश्वत्<sup>४</sup> भूयो<sup>५</sup>ऽभीक्ष्णं<sup>६</sup> पुनः पुनः<sup>७</sup> ।  
 सप्त<sup>१</sup> म्मुञ्जः<sup>२</sup> सायं<sup>३</sup> तु दिनान्ते दिवसे दिवा<sup>४</sup> ॥१६७॥  
 सह<sup>१</sup> सैकपदे<sup>२</sup> सद्यो<sup>३</sup>ऽकस्मात्<sup>४</sup> सपदि<sup>५</sup> तत्तत्रयो ।  
 चिरायं<sup>१</sup> चिररात्रायं<sup>२</sup> चिरस्यं<sup>३</sup> च चिरा<sup>४</sup> च्चिरम्<sup>५</sup> (१) ॥१६८॥  
 चिरेण<sup>१</sup> दीर्घकालार्थं कदाचि<sup>२</sup> ज्जातु<sup>३</sup> कर्हिचि<sup>४</sup> त् ।  
 दोषान्<sup>१</sup> नक्तं<sup>२</sup> सुषारं<sup>३</sup> रात्रौ प्रगे<sup>४</sup> प्रातरे रहसु<sup>५</sup> खे ॥१६९॥  
 तिर्य-गर्थे<sup>१</sup> तिरः<sup>२</sup> साचिरे<sup>३</sup> निष्फले तु वृथा<sup>४</sup> सुषारं<sup>५</sup> ।  
 कृष्णं<sup>१</sup> मिथ्या<sup>२</sup>ऽवृते<sup>३</sup>ऽभ्यर्थे<sup>४</sup> समया<sup>५</sup> निकषा<sup>६</sup> हिरण्यं<sup>७</sup> ॥१७०॥  
 शं<sup>१</sup> सुखे बलवत्<sup>२</sup> सुष्ठु<sup>३</sup> किमुता<sup>४</sup> तीव्रं<sup>५</sup> निर्भरे ।  
 प्राक्<sup>१</sup> पुरा<sup>२</sup> प्रथमे वर्षे सञ्चत्<sup>३</sup> परस्यरे<sup>४</sup> मियः<sup>५</sup> ॥१७१॥  
 चषां<sup>१</sup> निश्चान्ते<sup>२</sup>ऽल्पे<sup>३</sup> किञ्चि<sup>४</sup> न्नाना<sup>५</sup> गीषं<sup>६</sup> च किञ्चन<sup>७</sup> ।  
 चाहो<sup>१</sup> उताहो<sup>२</sup> किमुत<sup>३</sup> वितर्के<sup>४</sup> किं<sup>५</sup> किमू<sup>६</sup> तं<sup>७</sup> च ॥१७२॥

(१) चिरायादि प्रकृषि विभक्त्यलरूपाः ॥

इतिह<sup>१</sup> स्यात् सम्प्रदाये<sup>(१)</sup> हेतौ यान्<sup>२</sup> द्यत<sup>३</sup> सतः<sup>४</sup> ।  
 सखोधनेऽङ्ग<sup>५</sup>भोः<sup>६</sup> प्यनट्<sup>७</sup> पाट्<sup>८</sup> हे<sup>९</sup> क्त्वे<sup>१०</sup> हं<sup>११</sup> हो<sup>१२</sup> अरे<sup>१३</sup> ऽयि<sup>१४</sup> एरे<sup>१५</sup> ॥१०१॥  
 औषट्<sup>१६</sup> वौषट्<sup>१७</sup> वषट्<sup>१८</sup> खा<sup>१९</sup> खा<sup>२०</sup> देवहविर्जितौ<sup>२१</sup> ।  
 रहस्यु पांशु<sup>२२</sup> मध्ये ऽन्त<sup>२३</sup> रन्तरेणा<sup>२४</sup> न्तरे<sup>२५</sup> ऽन्तरा<sup>२६</sup> ॥१०३॥  
 प्रादुरा<sup>२७</sup> विः<sup>२८</sup> प्रकाशे स्यादभावे त्व<sup>२९</sup> न<sup>३०</sup> नो<sup>३१</sup> नहि<sup>३२</sup> ।  
 हठे प्रसह्य<sup>३३</sup> मा<sup>३४</sup> मास्य<sup>३५</sup> वारणो ऽस्त<sup>३६</sup> मदर्शने ॥१०५॥  
 अकामानुमतौ कामं<sup>३७</sup> स्यादे<sup>३८</sup> चां<sup>३९</sup> परमं<sup>४०</sup> मत्वे ।  
 कञ्चि<sup>४१</sup> दिष्टपरिप्रश्ने ऽवश्यं<sup>४२</sup> भूनं<sup>४३</sup> च निश्चये ॥१०६॥  
 वहि<sup>४४</sup> बहिर्भवे ह्यः<sup>४५</sup> स्यादतीते ऽङ्गि<sup>४६</sup> श्व<sup>४७</sup> एष्यति ।  
 नीचै<sup>४८</sup> रल्पे महत्यञ्जैः<sup>४९</sup> सत्वे ऽस्ति<sup>५०</sup> दुष्टु<sup>५१</sup> निन्दने ॥१०७॥  
 ननु च<sup>५२</sup> स्याद्विरोधोक्तौ पचान्तरे तु चे<sup>५३</sup> द्यदि<sup>५४</sup> ।  
 शनै<sup>५५</sup> स्मिन्दे ऽवरे त्व<sup>५६</sup> वाक्<sup>५७</sup> रोधोक्ता<sup>५८</sup> वुं<sup>५९</sup> गतौ नमः<sup>६०</sup> ॥१०८॥  
 इत्याचार्य श्रीहेमचन्द्रविरचितायामभिधानचिन्तामणौ  
 नाममात्रायां सामान्यकाण्डः षष्ठः समाप्तः ॥ ६ ॥

समाप्तश्चाऽयं ग्रन्थः ।



(१) सम्प्रदायो सुखशिव्य प्रशिव्यादि कुत्रम् उपदेशश्च स्वरूपम्परः-  
 वचनं तस्मिन् ॥

अर्हद्गोपनः ।

## हैमनाभमालायाः

शिलोच्छः ।



अर्हद्बीजं नमस्कृत्य गुरुणासुपदेशतः ।  
श्रीहैमनाभमालायाः शिलोच्छः क्रियते मया ॥ १ ॥  
सर्वाथ इत्यपि जिने सम्भवे शम्भवेऽपि च ।  
श्रीसुव्रते सुनिरपि नेमौ नेमीत्यपीक्षते ॥ २ ॥  
षष्ठे गणेशे मण्डित पुत्रोऽपि कथ्यते बुधैः ।  
महदेव्यपि विज्ञेया युगादिजिन मातरि ॥ ३ ॥  
चक्रेश्वर्यामप्रतिचक्रायजितापि कविभिरधितवत्ता  
श्यामात्वच्युतदेव्यपि सुतारकोक्ता सुतारापि ॥ ४ ॥  
भयलङ्घयकरोपि अमणः आमणोऽपि च ।  
प्रव्रज्यापि परिव्रज्या शिष्योन्निषदपि स्मृतः ॥ ५ ॥  
इति प्रथमकाण्डस्य शिलोच्छोयं समर्थितः ॥ ६ ॥



व्येसयानसपि प्रोक्तं विमानं बुधपुङ्गवैः ।  
स्थान्त्समुद्रनवनीतं पीयूषमपि चामृतम् ॥ ७ ॥  
कथने व्यन्तरावान-मन्तरा (मञ्जरा) अपि सूरिभिः ।  
द्योतस्वथा वृष्णीमृष्णी प्रोक्ता रश्मिभिर्धायिका ॥ ८ ॥ —  
समुद्रनवनीतं विदुश्चन्द्रमसस्वधाः ।

चन्द्रिका चन्द्रिमाऽपि स्यादित्वला इत्वका अपि ॥ ८ ॥  
 अनुराधाप्यनुराधा एतः सप्तभिर्जोषि च ।  
 सौरिः सौरोपि राऊस्तु ग्रहकल्लोल इत्यपि ॥ १० ॥  
 अश्वपिशाचोपि तथा नाडिका नालिकापि च ।  
 रानौ यामवतीत्वङ्गौ निःसम्पातो निशीघवत् ॥ ११ ॥  
 तमः स्यादन्वतमसं वर्षाः स्युर्ध्वरिषा अपि ।  
 खेऽन्तरिक्षं चां हृष्टिकमपि तात्कालजे फले ॥ १२ ॥  
 मेषमाला कालिकापि बार्दलश्चापि दुर्दिने ।  
 सूत्रामाथीन्द्रे शेतारः शतधारोपि भाऽशनौ ॥ १३ ॥  
 आश्विनेयौ स्वर्गवेद्यौ ह्यर्यञ्चोपि धनाधिपे ।  
 अजकावमजगाव-मपि शङ्करधन्वनि ॥ १४ ॥  
 गौर्य्यां दाक्षायणीश्चर्य्यौ नारायणे जलेश्वरः ।  
 कौमोदकी कौपोदकी चा इ शब्दौ त्रिधां मतौ ॥ १५ ॥  
 कन्दुः कन्दर्पे सिद्धार्थः सुगते परिकीर्तितः ।  
 अङ्गे व्याख्याविवाहाभ्यां युञ्जतिरपि पञ्चमे ॥ १६ ॥  
 दृष्टिपातो द्वादशाङ्गे कल्याणे बन्धमप्यथ ।  
 निन्दागणे जुगुप्सायां चारणारतिमालिषु ॥ १७ ॥  
 समाख्यातिः समाज्ञा च दुसती च दुशत्यपि ।  
 काल्याधि कल्या सन्ध्यायां समाधिरपि कथ्यते ॥ १८ ॥  
 व्रीडः सूकामन्दाक्षश्च द्वियामूहापि चोद्ववत् ।  
 तन्त्रीस्तन्त्रीश्च निद्रायां मङ्गप्रण्वपिकापि च ॥ १९ ॥  
 अहं पूर्विक्रया केली कीलोपि स्याद्विदूरके ।  
 मार्गवन्मारिषोपीति शिलोञ्चो देवकारणगः ॥ २० ॥

ज्ञानन्वये ज्ञानपञ्च क्षीरपञ्चाभिधीयते ।

भिवासस्यं स्याद्भोवतिका दशमीस्यो जतरतः ॥२१॥

कवितापि कविः स्यात्तु तत्कर्मणि कृतकत्वकृतकतार्याच्च ।

कुटिलाशयोपि कुचरोन्मज्ज शेष्वप्यनेह मूकसु ॥२२॥

वदान्यौ सत्यगीत्यन्ये दानशीलप्रियम्बदौ ।

मूर्खे यथोक्तोपीत्ये श्रीमानपि बुधैः स्मृतः ॥२३॥

विवधक वीवधिकावपि वैवधिके प्रतिचरोपि भत्ये स्यात् ।

सम्भाज्जके बह्मकरो बह्मन्योर्जक इतीष्यते च परैः ॥२४॥

विहङ्गिकायाश्च विहङ्गिमायधोर्द्धदेष्टिके ।

अर्द्धदेष्टिकमप्याह्वरवतानन्त इत्यपि ॥२५॥

मायावि मायिकौ धूर्ते कर्पटे रूपधामता ।

चौरचौरेपि विज्ञेयस्तेयसैन्यमपीष्यते ॥२६॥

दाने प्रादेशनमपि क्षमा स्यात् क्षान्तिरित्यपि ।

क्रोधनः कोपनः सृष्टक् पिपासितोपि कथ्यते ॥२७॥

भक्षकः स्यादाश्रितेपि मर्जितोपि च मर्जिता ।

पेयूषमपि पीयूषं शूचिकापि च शूचिका ॥२८॥

इष्टेन्द्र प्रायमपि प्रोक्तं विजपिस्तच्च पिच्छिले ।

श्रीषेत्तिकटुकं जग्धौ जमनं जवनं तथा ॥२९॥

अश्रयायोपि भवेन्नृणो श्रीष्कलः पिशिताश्रिनि ।

मनोराज्य मनोगत्यावपि स्यातां मनोरथे ॥३०॥

कासुके कमनोपि स्यादाचारितोपि दूषिते ।

संशयालुः सांशयिकी जागरितापि जागरी ॥३१॥

दूजिते दूबाधितोपि तुन्दि मोहरिकावपि ।



तुन्दिले न्युब्जोपि कुब्जो खल्लोतोषेन्द्र लुप्तिके ॥२२॥  
 पामरोपि कच्छरोत्ती सारक्याप्यतिसारकी ।  
 कुण्डूतिरपि उर्लूति विस्फोटे पिटके स्मृतः ॥२३॥  
 कोटो मण्डलकमपि गूदकीलोपि चार्घसि ।  
 मेहप्रमेहवदाद्युर्ध्वदिकोपि चिकित्सिके ॥२४॥  
 चाद्युष्मानपि दीर्घायुः कथ्यतेऽथ परीक्षकः ।  
 स्यादाक्षपाटलिकोपि पारिषद्योपि सत्यवत् ॥२५॥  
 स्युर्नैमित्तिक नैमित्त-मौढकर्ता गणके खिपौ ।  
 क्षिखितापि मसीमेला कुलिको कुलिकोपि च ॥२६॥  
 अष्टापदे बुधैः शारिफलकोपि निगद्यते ।  
 मनोजवस्ताततुल्यो प्रमविष्णुरपि चमे ॥२७॥  
 जाङ्घिके जङ्घाकरोपि चासुगोष्यसुगामिनि ।  
 पर्येषणौपासनापि शुश्रूषाया मधीयते ॥२८॥  
 चातिथ्योप्यतिथौ तुल्ये भिजोगोत्रेति सन्ततिः ।  
 महेला योषिता च स्त्री तरुणी युवतीत्यपि ॥२९॥  
 सुवासिनी चिरण्डो च चिरण्टी च चिरण्टप्रपि ।  
 बहुश्यां पत्न्यां करान्की गेह्निनी सहधर्मिणी ॥३०॥  
 सधर्मैचारिणी चापि स्तुषायां तु बहुश्यापि ।  
 प्रेमवत्यपि कान्तायां पाणिग्रहो विवोदरि ॥३१॥  
 परिश्रुतोपथन्ता च यौतके दाय इत्यपि ।  
 दिधीषु दिधिषू जीवं पत्नी जीवत्यतिः समे ॥३२॥  
 तुल्ये अवीरा निर्गरे अरण्य श्रवणेति वा ।  
 रण्डापि विधवा पुष्पवती स्यात् पुष्पवत्यपि ॥३३॥

पुष्पं कुसुममप्युक्तं पशुधर्मोपि मोहने ।  
 सहोदरे सगर्मोपि स्याद्ग्रीयवदग्निमः ॥४७॥  
 शुम्भः शवः पुण्डुरपि ह्यीवो माता जनन्यपि ।  
 चिकुरा अपि केशा स्युः कर्णः शब्दग्रहोपि च ॥४५॥  
 नेत्रं विलोचनमपि शृङ्गाणी ह्यङ्गणी अपि ।  
 दाडिका द्राडिकापि स्यात्कपोणिसु कफोणिवत् ॥४६॥  
 कूर्परे कुर्पराः सिंहवले संहतलेपि च ।  
 चतुकोपि च लौ मुष्के स्यादण्डः पेशकोपि च ॥४७॥  
 पत्मादंघ्रिश्च चरणे कीकशन्सहमित्यपि ।  
 कपालं शकलमपि श्टासो विकशाहका ॥४८॥  
 मञ्जायामस्थितेजोपि नाडीषु नाडिगाटिका ।  
 सिङ्गाणकोपि सिंहाणः स्युःका स्युःकापि च ॥४९॥  
 शान्तः प्रान्तश्च विट्गूयेषुचिप्रंशोपि वेषवत् ।  
 उत्सादनोह्लादनेपि श्वव शानी तथा समौ ॥५०॥  
 बंशकं हनिजग्धं वा गरौ स्यादधवाङ्गिकम् ।  
 सङ्कोचं पिशुनं वर्णमसृक् संज्ञं च कुङ्कुमे ॥५१॥  
 जायकेकास्तानुसार्यां यावतोपि च सिंहके ।  
 मङ्कुटोपि च कोटीरे चित्रकश्च विशेषके ॥५२॥  
 वतंसोप्यवतंसः स्यात्पतलव्यान्तु वल्लरी ।  
 मञ्जरी च पत्रात्पारितव्या पंथ्या च तथ्ययत् ॥५३॥  
 कर्णपूरापि कर्णधुः परिह्वार्योपि कङ्कणः ।  
 कङ्कणी किङ्कणी तुल्ये अञ्जादाञ्जादने समे ॥५४॥  
 कुर्पासप्यङ्गिका क्रुचा पटे कचा पुटोपि च ।

कुत्रे वर्षपरिसोम इसखण्डं जगुः परे ॥५५॥  
 तलाक्षरयामिति च पत्यङ्गोथवसत्किका ।  
 यमन्यपि प्रतिषीरा संस्तरः प्रस्तरोपि च ॥५६॥  
 प्रतदुग्राह प्रतिग्राह्यावपि स्यातां पतदुग्रहे ।  
 सुकरोप्यात्मदर्शय कशिपुः कशिपुः समौ ॥५७॥  
 थावकालक्तकौ यावे तुल्ये व्यजन भोजने ।  
 गिरीयको गिरिकोपि बालक्रीडनके मतौ ॥५८॥  
 गण्डकोपि गण्डुकोराट् मूर्ह्यावसिक्ता इत्यपि ।  
 भरथः सन्वेदमनोप्यथ दासरथा वभौ ॥५९॥  
 रामचन्द्र रामभद्रौ हनुमानपि साहती ।  
 बालौ सुग्रीवाग्रजोऽपि पार्थे बीभत्सुरित्यपि ॥६०॥  
 सातवाहनवत्सालवाहनोपि प्रकीर्त्तितः ।  
 परिच्छेदे परिजनः परिवर्कणमित्यपि ॥६१॥  
 मन्त्रीबुद्धिसहायोपि वेत्री वेत्तधरोपि च ।  
 हैमाध्यक्षो हेरिकोपि टंकपतिस्तु निष्किके ॥६२॥  
 शुद्धान्तःस्थश्च भ्रान्तर्वेशिकान्तःपुरिकावपि ।  
 सहाय साप्तपदिनौ सख्यावसुहृदाप्यरौ ॥६३॥  
 नयेनीतिरपि स्तन्वात्सरेपि शिविरे मतः ।  
 जयन्त्यपि वैजयन्त्यां पटाकापि प्रकीर्त्तिते ॥६४॥  
 ध्वजः पताकादण्डोपि कम्पातं याथ यानवत् ।  
 दीप्ते च्येष्टोपि स्मृतेक वचितोपि च वर्धिते ॥६५॥  
 कवचे दंशणं त्वक्त्रं तद्युत्राण्यपि स्मृतम् ।  
 अधियाङ्गं धियानं वाऽधिकाङ्गवदुहाङ्गतम् ॥६६॥

शिरष्कं धोलमप्याहुः स्यान्निषङ्गपि तूष्णिनि ।  
 चापे धनन्वतु शरासनान्यपि विदुर्वुधाः ॥६७॥  
 फरकैस्फुरको खेटे क्षुरिका क्षुरिका क्षुरी ।  
 इत्यान्तरवालकापि परिघः पलिघः समौ ॥६८॥  
 सर्जं सर्जं स्वान्मगाधौ मङ्गो विधिकरोर्धिकः ।  
 सौख्यशारनिखः सौखः शय्यिका सौख्यसुप्तिके ॥६९॥  
 रण्ये संस्केट संस्केटौ बले द्रविणसुक् तथा ।  
 अक्वस्त्वोपिधाद्यांसान्नसनश्च पलायने ॥७०॥  
 चारकोपि भवेद्दुग्धैस्तापसे तु तपस्वपि ।  
 विप्रे ब्रह्मापि चाग्नीध्रानीध्रस्यथ वृषा वृषी ॥ ७१ ॥  
 शमने शमनश्चाथ दधि साज्यं घृष्टान्तके ।  
 अग्निहोत्रगन्धाहितोप्यथोपवासे समाविमौ ॥ ७२ ॥  
 उपवस्त्रमौपवस्त्रमुपवीते प्रचक्षते ।  
 ब्रह्मसूत्रं पवित्तञ्च वास्त्रीकौ द्वाविमावपि ॥७३॥  
 मैत्रावरुण्यादिकवौ पशुं रामोपि मार्गवे ।  
 योगेशो याज्ञवल्क्योथ द्वाचीपुत्रोपि पाण्डिनौ ॥७४॥  
 स्फोटायनः स्फोटायनः कात्यो वररुषी तथा ।  
 कारेश्वरः पालकाये चाणकश्चणकात्मजः ॥७५॥  
 वैशेषिके कणादोपि जैमो भैकान्तबाह्यपि ।  
 चार्धकनौकायतिकः क्षप्रिप्रसूतमित्यपि ॥ ७६ ॥  
 कर्णोष्यरित्ने दुरि च गमेस्वरुपि गोमति ।  
 कर्षके क्षेत्रजीवोपि कोटीशोकोष्ठभेदनः ॥ ७७ ॥  
 माहीकपि मद्ये तु तर्षोपि चर्षकः क्षृतः ।

कुविन्दसन्नुवायोपि व्योमा व्योमापि कीर्त्तिते ॥ ७८ ।  
 रजको धावकोपुक्तः पादंताणश्च पादुका ।  
 तेलिकः खलतुन्दोपि रघकारोपि बर्हिकः ॥ ७९ ॥  
 चित्रं करोति खकरो लेपज्जलेप्यकोपि च ।  
 कुतूहसि विनोदोपि सौनिकः खटिकोपि च ॥ ८० ॥  
 कूटयन्त्रे पाशयन्त्रं समौ चाण्डालपुष्कसौ ।  
 द्वयं तृतीयकाण्डस्य शिलोऽधोयं समर्धितः ॥ ८१ ॥



खम्बती च भुविदिवः पृथिव्यावपि रोदसी ।  
 माणिवन्त्रं माणिवन्त्रं सैन्यवे वसुके वसु ॥ ८२ ॥ •  
 टङ्कमेष्टं कणनया वर्त्तनं वापि नीवृत्ति ।  
 जङ्गलः स्याज्जाङ्गलोपि मालनम्भालकोमतः ॥ ८३ ॥  
 पत्तने पट्टनमपि कुण्डने कुण्डनापुरम् ।  
 स्यात् कुण्डनपुरमपि विपणौ पण्यवीथिका ॥ ८४ ॥  
 सुरङ्गायां सन्धिरापे षट्छे धाममपि स्मृतम् ।  
 उपकार्यापकार्यापि प्रासादे च प्रसादनः ॥ ८५ ॥  
 शान्तिगृहं शान्तिगृहे प्राङ्गणं त्वङ्गणं मतम् ।  
 पाटवत्कवाटोपि पञ्चद्वारे खड्गिका ॥ ८६ ॥  
 कुम्भलवत्कुम्भलोमि सम्युटे पुट इत्यपि ।  
 भेटायां स्यात् पेटकोपि पेडापि कृतिनां मते ॥ ८७ ॥  
 इत्यपि समूहान्यामयोन्मं सुसलं विदुः ।  
 कण्डोलके पिटकोपि चूल्यामन्तीति कथ्यते ॥ ८८ ॥  
 खजः खजाकोपि मधि विष्वम्भो कटकोस्य तु ।

अगोपि वर्त्तते क्रौञ्चः क्रौञ्चवन्धन्यते कुधैः ॥ ८८ ॥  
 कखद्यपि खटिन्यां सा तान्त्रमौडुम्बरं विदुः ।  
 शासकुम्भमपि स्वर्णं पारदञ्चपलोपि च ॥ ९० ॥  
 रसजातं रसाग्न्यञ्च कुञ्चे दावीरसोद्भवे ।  
 गौक्षिके वैष्णवोपि स्याद्गोपितं हरितालवत् ॥ ९१ ॥  
 मनःशिलायां नेपालीशिला च सुधियां मता ।  
 षड्कारमपि सिन्दूरे कुरुविन्दे तु हिङ्गुलः ॥ ९२ ॥  
 बोले गोले रसोप्युक्तो रत्नं माणिक्यमित्यपि ।  
 पद्मरागो शोणरत्नं वैराटो राजपट्टवत् ॥ ९३ ॥  
 नीले भण्णो महानीलं कश्चन्यमपि वारिणी ।  
 धूमिका धूममहिषी धूमयो मिहिकाः समाः ॥ ९४ ॥  
 अक्रुपारोपि जलधौ मकरालय इत्यपि ।  
 निम्नगायां हृदिनी स्याज्जङ्गुकन्यापि जाङ्गवी ॥ ९५ ॥  
 कलिन्दपुत्री कालिन्दी रेवा मेकलकन्यका ।  
 चन्द्रभागा चन्द्रभागा गोतमी गोमतीत्यपि ॥ ९६ ॥  
 चक्राण्यपि पुटभेदा पङ्के चिरकल इत्यपि ।  
 चहाटनोहाटने च घटीयन्त्रे प्रकीर्त्तिते ॥ ९७ ॥  
 सरङ्गाङ्गागस्तंकोपथ तल्लश्च पल्लले ।  
 आशयाशशुभ्रं वर्हिर्वैहिकुदमूनसः ॥ ९८ ॥  
 अग्नौ चर्याप्रिभा विद्युद्गन्धवाह सदागती ।  
 वायौ चरणथोपि दुस्त्वक् त्वचासावके पुनः ॥ ९९ ॥  
 म्लुं वलुं वौ माकन्द रसालावपि चूतवत् ।  
 किङ्करात कुरण्टक कुरण्टकामपि स्यूतौ ॥ १०० ॥

कर्कन्धूरपि कर्कन्धौ ह्रस्वादिचाटरूपकः ।  
 वाशाश्च ह्रस्विः खुडहा प्रियालोपि प्रियालवत् ॥१७  
 नार्यङ्गोपि च नारङ्गो क्ले विभेदक इत्यपि । • •  
 भवेत्तमाक्षतापिच्छी निर्गुण्डी सुन्दुवारवत् ॥१०२ ॥  
 जपा जवा मातुलिङ्गी मालुलिङ्गोपि कीर्त्तितः ।  
 धन्तूर इव धुतूरो वशस्वक्सार इत्यपि ॥१०३ ॥  
 ह्योत्रेर केशसलिल पर्यायैः स्मर्यते बुधैः ।  
 पत्ताजिन्यां कमाक्षिनी कमुदिनी कुमुदती ॥१०४ ॥  
 विसप्रसूतं कमले कुमुत्कुमुदवन्मतम् ।  
 शोपालश्च जलनीची सातीतोपि सतीनवत् ॥१०५ ॥  
 कुल्लास च कुल्लाषोपि गवेधुका गवीधुका ।  
 कणिशं कणिशो ह्रस्वे धान्ये त्वावासितं मतम् ॥१०६ ॥  
 हालाहले हालाहलं सुस्तायां सुस्तकोपिव ।  
 क्रमिः क्रमिरपि गरुडपदः किचूल्लकोपि च ॥१०७ ॥  
 शम्बुका अपि शम्बुका टचिकोद्धत इत्यपि ।  
 भसलो मधुकं पाली पिक्को विक्रः करिः करीः ॥१०८ ॥  
 व्यालो व्याडोप्यौपवात्तोप्युपवात्तोपि राचिरा ।  
 नृङ्गलो निगडोऽन्दुश्च कक्षा कच्यापि वाङ्गिके ॥१०९ ॥  
 वाङ्गिकोपि वला वागे खलिनश्च खलीनवत् ।  
 मर्योपुष्टो गोपतौ तु प्राण्ड इत्वर इत्यपि ॥११० ॥  
 स्थौरि स्थूर्यपिककुदेक कुत्ककुदमित्यपि ।  
 नैचिकं नैचिकी च स्यान्मलिना बालगर्भिणी ॥१११ ॥  
 पवित्तं गोमये छागे शुभोथ भषकः शुनि ।

- सैरमादेवमूत्याश्च यमरयोपि सौरिभे ॥११२॥  
 पारिन्द्रइव पारीन्द्रः श्वरभेऽष्टापदोपि च । \*  
 \*मृङ्गालवच्छृङ्गोत्तोपि ब्रवणः प्रवगोपि च ॥ ११३॥  
 वानायुरपि वातायुरहन्द्रोपि च मूत्रके ।  
 \*ह्नीकुर्ब्विडालोपि गोकर्णोपि भुजङ्गमे ॥११४॥  
 जलव्यालेऽस्त्रीगर्दोपि भेषे स्यादेककुण्डलः ।  
 आसीराशी च दंष्ट्रायां निर्मोके निलयन्यपि ॥११५॥  
 विडङ्गे पतत्त्रिरपि पिच्छं पिच्छमपि स्मृतम् ।  
 परपुष्टान्यभृतौ च पिके वर्हिण्यि वर्हिण्यः ॥११६॥  
 वायसे वलिपुष्टोपि द्रोणोपि द्रोणकाकवत् ।  
 सारस्यां लक्ष्मणी क्रोश्यां कुश्या चाषेदिविः किक्कीः ॥  
 किकिदीविरपि प्रोक्तं हृषिभे टीटिभेपि च ।  
 कलिविडङ्गे कुलिङ्गोपि दातूहे कालकण्टकः ॥११८॥  
 दातूहोपि वलाका वकेरुका विसकण्टिका ।  
 मेधाव्यपि शुके तैलपायिकायां निशाटनी ॥११९॥  
 कपोते पारावतोपि मत्स्ये मस्योथ तन्नुयो ।  
 स्मृतो वरुणपाशोपि नक्रे शङ्कुमुखेपि च ॥१२०॥  
 छद्धारं कुन्दी इत्येष तिर्यक्काण्डशिलोष्णतः ।



नारकास्तु नेरायिकाः पातालान्तु तलं रसं ॥१२१॥  
 इति पञ्चमकाण्डस्य शिलोष्णोऽयं समर्थितः ।





जीवोपि चेतनं जन्तौ प्राणी जन्मोपि जन्मनि ॥१२२॥  
 जीवातु जीवितेऽथायुः पुंस्युदन्तोपि चायुषि ।  
 सङ्कल्पे स्याद्विकल्पोपि मनोनिन्द्रीयमप्यथ ॥१२३॥  
 शर्मं सौख्यं प्रीडा बाधा चर्चा चर्चोपि कथ्यते ।  
 विप्रतीसारोमुग्रयेऽथार्था अपीन्द्रियार्थवत् ॥१२४॥  
 सुदामस्तु सुधीभोपि कखेटः कस्कटोपि च ।  
 जरठे जरठोन्मैन्ने रात्रो रवइव क्षृतः ॥१२५॥  
 निघ्रादो निघ्रधो गर्जे गर्जामट्टोपि मन्द्वत् ।  
 आकरो निकरो युग्मे जकुटोय कनीयसि ॥१२६॥  
 जुनिष्टं विग्रहः शब्दप्रपञ्च निखिले पुनः ।  
 स्यान्निशेषमनून्श्च षण्डलश्चापि खण्डवत् ॥१२७॥  
 मलीमखे कल्लाषश्च निरुष्टे चाप्यरेफशी ।  
 लङ्घं रसशीयश्च रस्ये नित्यं सदातनम् ॥१२८॥  
 शाश्वती किञ्चने दीय दैत्यन्तिकतमे क्षृतम् ।  
 एकाकिन्यवगणोपि प्रागथादौ प्रकीर्त्तितान् ॥१२९॥  
 मध्यमे मध्यन्दिगश्च निरगलमनगले ।  
 बज्ररूपं पृथक् रूपं नानाविधा पृथग्विधि ॥१३०॥  
 कम्पाकम्पोथ क्खेस्याच्छादितं पिष्टितेपि च ।  
 प्रकाशिते प्रादुष्कृतमवज्ञायामरूक्षणम् ॥१३१॥  
 बधैरवगमनावगमने अपि कीर्त्तिते ।  
 अन्दोलनमपि प्रेषां थोदस्तमप्युदञ्चितम् ॥१३२॥  
 भिदाभिच्चोदितमपीरन्तोयाङ्गीकृते पुनः ।  
 कक्षीकृतं स्वीकृतञ्च क्खिन्ने कान्तमपि ज्ञातम् ॥१३३॥

प्राप्ते विन्नं विस्मृतञ्च भवेत्प्रकृतमित्यपि ।  
 अटाटाद्याः पर्यटनभानुपूर्व्यमनुक्रमे ॥१३४॥  
 परिरम्भीपि संक्षेपे स्यादुद्यातोप्युपक्रमे ।  
 जातोजातमपि स्पृष्ट्वा सङ्घर्षोप्यथ विक्रिया ॥१३५॥  
 विकारोपि कृती चापि विलम्बस्तु समर्पणे ।  
 दिष्ट्या समुपजोषं सर्वदा सदंसनत्सनात् ॥१३६॥  
 निज्जरे च स्वतीहेतौ येन तेन च कीर्त्तितौ ।  
 अहो संबोधनेपीति प्रष्टकाण्डः शिलोच्छ्रितः ॥१३७॥  
 इति हैमनाममालायां शिलोच्छ्रितः समर्थितः ।



कलिकाता ।

निर्मिताघाट प्रीट ८ संख्यक भवने संवाद-ज्ञानरत्ना-  
 करयन्त्रे श्रीभुवनचन्द्रवसाक-द्वारा मुद्रित ।

सन १९८४ साल ।

Grk 1086

Received on 15 MAY 1961

Acknowledged on 15/5/61









491.23/AMVR



42751

